



3 2044 010 111 458

www.libtool.com.cn

Gr 32.140.5



Harvard College Library

FROM THE

CONSTANTIUS FUND

Established by Professor E. A. SOPHOCLES of Harvard University for "the purchase of Greek and Latin books, (the ancient classics) or of Arabic books, or of books illustrating or explaining such Greek, Latin, or Arabic books." (Will, dated 1880.)

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

SPICILEGIUM SOPHOCLEUM

www.libtool.com.cn

COMMENTARIUM PERPETUUM

IN SEPTEM SOPHOCLIS FABULAS CONTINENS

SCRIPSIT

FREDERICUS H. M. BLAYDES, M.A. OXON.

HON. LL.D. DUBLIN. PHIL. D. BUDAPEST. SODALIS SOC. LITT. ATHEN. ETC.

ARDIS CHRISTI IN UNIVERSITATE OXONIENSI QUONDAM ALUMNUS.

HALIS SAXONUM,
IN ORPHANOTROPHEI LIBRARIA.

MDCCCIII.

Gr 32.140.5

www.libtool.com.cn



Constantine fund

12

AD LECTOREM.

Ex quo primum Sophoclis fabularum editionis concinnandae operam suscepi¹ mos mihi fuit identidem quicquid ad poetae sermonem illustrandum et mentem explicandam utile futurum videretur annotare et scrinio meo committere, ut nova materies, si forte altera editio mea requireretur, ad manum praesto esset.

Has observationes meas, quas pariter atque *Adversaria mea critica* in Sophoclem, *Spicilegium tragicum*, *Adversaria* in varios poetas Graecos ac Latinos, et *Adversaria* in tragicorum Graecorum fragmenta, studiosis Sophoclis lectoribus futurisque editoribus non inutiles fore spero, in hoc volumen collectas hodie publici juris facio lectorisque benigni indulgentiae commendo.

Scribebam Brightoniae, 26. Vernon Terrace, Maii die 17. 1903.

1) *Oedipus Rex*, *Oedipus Coloneus*, *Antigone* (in *Bibliotheca Classica*, one volume, G. Bell, London 1859. *Philoctetes* 1870. *Trachiniae* 1871. *Electra* 1873. *Ajax* 1875. Omnes cum notis Anglicis. Williams and Norgate, London.

www.libtool.com.cn

A J A X.

2. ἀρπάσαι θηρώμενον] Cf. Eur. Hel. 553. *ὄς με θηρᾶται λαβεῖν*. 63. *θηρᾷ γαμῖν με*. Arist. Pac. 300. *νῦν γὰρ ἡμῖν ἀρπάσαι (ἐλκύσαι?) πάρεστιν ἀγαθοῦ δαίμονος*.

7. Cf. Eur. Iph. T. 1272. *εἴτ' ἔνδον εἴτ' οὐκ ἔνδον ἀρχηγὸς χθονός*. Hel. 467. *πότερον ἐκτός ἢ 'ν δόμοις; | Γ. οὐκ ἔνδον*.

8. εὐρινοσ] Pro genitivo accipit Dind., nihil obstare nominativum *τις* existimans. Vereor ut recte. Cf. Aesch. Ag. 1093. *ἔοικεν εὐρις, ἢ ξένη κυνὸς δίκην | εἶναι ματεύειν τ' εἴ τιν' εὐρήσει φόνον*. Xen. Ven. c. 3. *εὐρινες κύνες*. Apoll. Rh. II. 125. *εὐρρίνων τε κυνῶν*. Poll. II. 74. *λέγοις δ' ἂν ἀπὸ ξίνος εὐρινοσ, ἄρινοσ (ἄρρ.?)*, *καὶ ξινήλατεῖν — καὶ ξινήλατην κύνα*. 80. Trag. adesp. 356. *ξινήλατην κύνα*. *κυνὸς Λακωνίης*] Virg. G. III. 405. 'veloces catulos.' Arist. de Anim. gen. V. 2. *ὄσων οἱ μυκτῆρες μακροὶ, οἷον τῶν Λακωνικῶν κυνιδίων, σαφραντικά*. H. Anim. VIII. 28. *ἐξ ἀλώπεκος καὶ κυνὸς οἱ Λακωνικοί*. Cum *εὐρις* cf. *εὐχειρ*. Oed. C. 472. *ἀνδρὸς εὐχειροσ τέχνη*.

9. ἔνδον — τυγχάνει] Sub. ὄν. Cf. El. 313. *νῦν δ' ἀγροῖσαι τυγχάνει*. 46. 1457.

10. κάρα στάζων ἰδρῶτι] Cf. Aesch. Eum. 41. *αἵματι | στάζοντα χεῖρας*. Eur. Iph. T. 308. *στάζων ἀφροῶ γένειον*. Suppl. 586. *στόμα | ἀφροῶ καταστάζοντα*.

11. παπταίνειν] Cf. Ant. 1231. Aesch. Pr. 334. 1034. Hesiod. Op. 444. *μηκέτι παπταίνων μεθ' ὀμήλικασ, ἀλλ' ἐπὶ ἔργω | θυμὸν ἔχων*.

12. οὐδὲν — ἔργον] Nihil opus est. Cf. 582. Fr. 689, 2. *ὄστις γὰρ ἐν κακοῖσιν ἱμείρει βίον | ἢ δειλὸς ἔστιν ἢ δυσάληγτοσ φρένας*.

14. Ἀθάνας] Hac forma Ἀθάνα pro Ἀθηνα constanter utuntur tragici. Cf. 74. 91. 112. 757. O. R. 159. O. C. 706. 1051. 1090. Ph. 134.

15. κἄν ἀποπτοσ ἧσ δμωσ —] Cf. O. C. 957. *ἐρημία με, καὶ δίκαι' δμωσ λέγω, | σμικρὸν τίθησι*. Arist. Lys. 839. *ὄσν ἔργον ἦδη* —. Pac. 1305. *ὀμῶν τὸ λοιπὸν ἔργον ἦδη* —.

16. ξυναρπάζω φρενὶ] Cf. Arist. Nub. 775. *ἄγε δὴ ταχέωσ τοντὶ ξυνάρπασον*. 490. *ἄγε νῦν ὄπως, ὄταν τι προβάλω σοι σοφὸν |*

περὶ τῶν μετεώρων, εὐθέως ὑφαρπάσει (ξυν.?). Alex. Fr. 35. τὴν δ' ἀρωσιάν συνήσπασεν. Simyl. ap. Stob. Fl. p. 231. κριτὴν τὸ ἐρήθρην δυνάμενον συναρπάσαι. Sic apud Latinos arripere.

17. χαλκοστόμου κώδωνος] Cf. Aesch. Sept. 500. χαλκήλαιτοι — κώδωνες.

19. βάσιν κυκλοῦντ'] Cf. Ant. 226. Arist. Av. 1379. τί δεῦρο πόδα σὺ κυλλὸν ἀνὰ κύκλον κυκλεῖς; Eur. El. 561. τί δὲ κυκλεῖ πέρεξ πόδα; Or. 172. οὐκ ἀφ' ἡμῶν — πόδα σὺν ἐλίξεις; 631. Μενέλαε, ποῖ σὺν πόδ' ἐπὶ συννοία κυκλεῖς; Arist. Vesp. 1523. ταχὺν πόδα κυκλοσοβεῖτε.

23. ἴσμεν γὰρ οὐδὲν τρανές] τρανές pro τρανῶς metri causa. Cf. Moschion. 9, 1. ἦν ἄρα τρανός (τρανής?) αἶνος ἀνθρώπων ὄδε, | ὡς etc. Aesch. Ag. 1371. τρανῶς Ἀτρεΐδην εἰδέναι κυροῦνθ' ὅπως (ποῦ νῦν κυρεῖ?). Eum. 45. τῆδε γὰρ τρανῶς ἐρῶ. Eur. El. 758. τρανῶς ὡς μάθης τύχας σέθεν. Rhos. 40. οὐδὲν γε τρανῶς ἀπέδειξας. 77. οὐκ ἴσμεν τορῶς. 10. El. 758.

29. ὀπητήρ] I. q. κατοπητήρ Aesch. Sept. 36.

30. πηδῶντα πεδία] Cf. O. C. 1686. πόντιον κλύδων' ἀλώμεναι. Ion. Fr. 60. δταν δὲ πόντου πεδίον Αἰγαῖον δράμω. Eur. Hel. 598. πλανηθεῖς χθόνα. νεορράντω ξίφει] Cf. 828. Aesch. Ag. 1351. σὺν νεορράντω (I. νεορράντω) ξίφει. Antiph. com. 100, 4. πλεῖς τὴν θάλατταν.

34. καιρὸν] Cf. 1316. Eur. Hel. 479. καιρὸν γὰρ οὐδὲν ἤλθες. Med. 128. ἐφήκεις] Pervenis. Cf. Ant. 1257. ἀναξ αὐτὸς ἐφήκει. El. 304. Ὁρέστην — ἐφήξεν.

38. πρὸς καιρὸν πονῶ] Cf. Theogn. 919. ὄστ' ἐς ἄκαιρα ποιεῖν etc.

40. δυσλόγιστον] Inexputabilem. Anglice unaccountable. ἦξεν χέρα] Ut βαίνειν πόδα, etc.

42. τήνδ' ἐπεμπίπτεις βάσιν] Similiter Eur. Phoen. 293. γονυπετεῖς ἔδρας προσπίτνω σε.

49. σιραιηγίδες πύλαι] Sic 71. τὰς αἰχμαλωτίδας χέρας.

50. χεῖρα μαιμῶσαν φόνον] γρ. διψῶσαν in schol. et sic Athen. X. 433 F. Vix tamen bene diceretur διψᾶν τινός. Cf. Aesch. Suppl. 895. μαιμᾶ πέλας δίπους ὄφης. Trag. adesp. 69. ἴσχειν κελεύω χεῖρα διψῶσαν (f. μαιμῶσαν) φόνον. Lycophr. 1171. μαιμῶν κορέσαι χεῖρα διψῶσαν φόνου. Connecte ἐπέσχε φόνου. Cf. Eur. Andr. 160. ὦν ἐπισχῆσω σ' ἐγώ. Plat. Hipp. maj. 298 A. οὐκ ἂν — αὐτὸν τοῦ θρόσους ἐπίσχοιμεν; Apol. 39 D. εἰ — οἴσθε — ἐπισχῆσειν τοῦ δνειδίξεν τινὰ ὑμῖν. Et intransitive Arist. Lys. 742. ἐπισχες τοῦ τόκου. Plat. Lys. 210 E. ἐπέσχον τοῦ λόγου. Phaedr. 257 C. Parm. 152 B. et D. et ad Arist. Vesp. 338. τοῦ δ' ἐφεξεν (ἐπισχεῖν?) — ταῦτα δρῶν σε βούλεται;

51. ἐπ' ὄμμασι γνώμας βαλοῦσα] Cf. Eur. Phoen. 1531. ἀέριον σκότον ὄμμασι σοῖσι βαλῶν. Arist. Nub. 729. ἐπιβάλοι — γνώμην.

52. γνώμας] I. q. δόξας (Aesch. Cho. 1051.). ἀνηκέστου χαρᾶς] Suspectum. Cf. ad O. R. 98.
55. ἔκειρε — φόνον] Cf. Eur. Suppl. 1205. ἦ δ' ἄν (sc. ἡμέρα) διοίξης σφάγια καὶ τρώσης φόνον, etc.
56. δαχίζων] Cf. 299. τοὺς δ' ἄνω τρέπων | ἔσφαζε κάρραχίζε. Aesch. Pers. 426. ἔπαιον, ἐρράχίζον. ἔσθ' ὅτε] Cf. Thuc. VII. 21. οὐ δυνάμει ἔστιν διε προύχοντες.
57. κτείνειν ἑλῶν] Cf. ad Ant. 497.
58. τομῶντι] Cf. Aesch. Ag. 849. τεμόντες — πῆμ' ἀποστρέψαι νόσον.
59. φοιτῶντ' —] Cf. Tr. 980. φοιτάδα δεινὴν νόσον. Aesch. Prom. 597. ἃ (νόσος) μαραίνει με χροίονσα κέντροισι φοιταλέοισι.
60. εἰσέβαλλον εἰς ἔρκη] Cf. Eur. Med. 982. τοῖον εἰς ἔρκος πεσεῖται. El. 153. Hom. Od. 22, 468. Arist. Nub. 1460. Ach. 679. γέροντας ἄνδρας ἐμβαλόντες εἰς γραφάς.
61. τοῦδ' ἐλώφησεν πόνον] Cf. Aesch. Prom. 376. ἔς τ' ἄν Διὸς φρόνημα λωφήση χόλου. 654. ὡς ἄν τὸ δῖον ὄμμα λωφήση πόθον. Thuc. VI. 12. ἀπό (del.?) νόσου μεγάλης καὶ πολέμου βραχὺ τι λελωφήκαμεν.
62. Cf. 234. 296.
66. δεῖξω δὲ καὶ σοί] Cf. Arist. Eccl. 933. δεῖξει γε καὶ σοί.
68. συμφορὰν δέχον —] Cf. Eur. Or. 139. ἀλλ' ἔμοι | τόνδ' ἐξεγείραι ξυμφορὰ γενήσεται. Arist. Eccl. 488.
69. δμμάτων — ἀγᾶς] Cf. 85. Eur. Hec. 1104. Herc. 132. Ion. 1075. Phoen. 1564.
70. σὴν πρόσσων εἰσιδεῖν] Cf. El. 1286. φιλιτάταν ἔχων πρόσσων. Eur. Ion. 1071. δμμάτων ἐν φαενναῖς — ἀγᾶς. Herc. 123. Phoen. 1577. Hec. 1104. ὄσων ἀγᾶς.
71. ἀπενδύοντα] Cf. 542. Ag. 1667.
75. Cf. Tr. 1183. O. R. 637. Aesch. Sept. 250.
77. τί μὴ γένηται;] Cf. El. 1276. τί μὴ ποιήσω; O. R. 525. τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —; Eur. Suppl. 544. τί μὴ γενήται; ἀνήρ] Homo mortalis. I. q. ἄνθρωπος. Cf. O. C. 567. Arist. Nub. 1421. Av. 1581.
85. βλέφαρα — δεδορκότα] Cf. 69. Aesch. Suppl. 409. δεδορκὸς ὄμμα.
88. ἤθελον δ' ἄν —] Cf. Phil. 1239. 1278.
90. ἐντρέπει τῆς συμμάχου] Cf. 1116. τοῦ δὲ σοῦ ψόφον | οὐκ ἄν στραφεῖν.
91. ὦ χαῖρ' Ἀθάνα] Cf. Soph. El. 666. ὦ χαῖρ' ἄνασσα. Aesch. Suppl. 602. ὦ χαῖρε πρέσβυ. Eur. Hel. 616. ὦ χαῖρε Λήδας θύγατερ. El. 1334. ὦ χαῖρε πόλις. Arist. Ach. 872. Διογενὲς τέκνον] Cf. Eur. Ion. 465. παῖς ἁ Λατογενῆς. Cycl. 350. ὦ Παλλὰς, ὦ δέσποινα Διογενὲς θεά.

92. σε] I. e. *templa tua aut aras.*

93. στένω] Honorabo. Cf. El. 53. 458. Ant. 431. Aesch. Sept. 479. ἑλὼν λαφύροις δῶμα κοσμήσει πατρός. Ag. 578. θεοῖς λάφυρα ταῦτα τοῖς καθ' Ἑλλάδα | δόμοις ἐπασσάλευσαν ἀρχαίους γάνους. Eur. Rhés. 179. καὶ μὴν λαφύρων γ' αὐτὸς αἰρήσει παρών. | ΔΟΛ. θεοῖσιν αὐτὰ πασσάλευε πρὸς δόμους.

95. ἔβαψας ἔγχος —] Cf. Aesch. Prom. 863. δίδηκτον ἐν σφαγαῖσι βάψασα ξίφος. Cho. 1011. μαρτυρεῖ δέ μοι | φᾶρος τόδ' ὡς ἔβαψεν Αἰγίσθου (Αἰγισθος Naber) ξίφος. Eur. Phoen. 1571. φάσανον εἶσω σαρκὸς ἔβαψεν. Iph. T. 1372. Orest. 285.

96. Cf. Ant. 442. φῆς ἢ καταρνεῖ μὴ δεδρακέναι τάδε; (Ubi, quum non praecesserit particula negativa, μὴ (non μὴ οὐ) δεδρακέναι recte legitur.) Dem. p. 392. οὐδ' ἀρνησίς ἐστιν αὐτοῖς τὸ μὴ (τὸ μὴ οὐ?) ταῦθ' ὑπὲρ Φιλίππου πράττειν. Eur. Hipp. 1266. τὸν τᾶμ' ἀπαρνηθέντα μὴ χρᾶναι λέχη.

99. τὸ σὸν] Cf. 1401. εἴμ' ἐπαινέσας τὸ σὸν. Aesch. Ag. 550. ὡς νῦν τὸ σὸν δῆ, καταθαινει πολλὴ χάρις.

101. τί γὰρ δὴ παῖς —;] Sub. πράσσει. Cf. 983. τί γὰρ τέκνον | τὸ τοῦδε; ποῦ μοι γῆς κυρεῖ τῆς Τρωάδος; Eur. Iph. T. 533. τί γὰρ ὁ Λαέρτου γόνος;

102. ποῦ σοι τύχης ἔστηκεν;] Cf. 314. Tro. 375. ποῦ ποτ' εἰμι πρᾶγματος; El. 390. ποῦ ποτ' εἰ φρενῶν; Ant. 42. ποῦ γνώμησ ποτ' εἰ;

103. Cf. 890. 118. O. R. 926. Ant. 318. O. C. 1218. Eur. Hipp. 585. ἀγὰν μὲν κλύω, σαφὲς δ' οὐκ ἔχω γεγωνεῖν ὄπα. Aesch. Ag. 1371. Arist. Nub. 260. τροῖμμα. 447. περίτροιμμα δικῶν. Ach. 937. Andoc. I. 99. ὃ σκκοφάντα καὶ ἐπίτριπτον κίναδος.

108. πρὸς κίον'] I. e. πρὸς κίονα. Cf. 240. Aesch. in Tim. p. 83. δῆσαντες πρὸς τὸν κίονα. Hom. Od. 22, 175. σειρὴν δὲ πλεκτὴν ἐξ αὐτοῦ πειρήναντε | κίον' ἀν' ὑψηλὴν ἐρούσαι πελάσαι τε δοκοῖσιν.

110. νῶτα φοινιχθεῖς] Cf. Theocr. XX. 16. καὶ χρὸα φοινίχθην ὑπὸ τᾶλγεος ὡς ῥόδον ἔρσα.

112. χαίρειν — σ' ἐφίεμαι] Cf. Plut. Mor. p. 22 F. ἐν τῇ συνηθείᾳ καλῶς φαιμέν ἔχειν καὶ χαίρειν κελεύομεν, ὅταν μὴ δεχόμεθα μηδὲ λαμβάνωμεν.

115. Cf. Eur. Med. 400. Herc. 1400.

116. χωρῶ πρὸς ἔργον] Cf. Arist. Pac. 555. Ran. 883. σοὶ δ' ἐφίεμαι] Cf. 991. El. 1111. Tr. 286. Ph. 619. 770.

118. ὄση] Cf. ad 103. Eur. Fr. 743, 2. γνῶναι τὸν ἐχθρὸν ἢ μάλισθ' ἀλώσιμος. Arist. Pac. 264. ὁρᾶτε τὸν κίνδυνον ἡμῖν ὡς μέγας.

120. δρᾶν ἀμεινῶν] Cf. Aesch. Pers. 686. Prom. 355.

122. ἔμπας] Anglice all the same. Cf. ὅμως.

123. Cf. Eur. Andr. 98. Hel. 255. Hipp. 1389.

125 sq. Cf. Phil. 947. *κούκ οἶδ' ἐναίρων νεκρὸν ἢ καπνοῦ σκιάν*, | *εἶδωλον ἄλλως* www.stool.com.cn

126. εἶδωλ' — ἢ *κούφην σκιάν*] Cf. 1257. Phil. 497: *καπνοῦ σκιάν, εἶδωλον ἄλλως*. 946. *σκιᾶς εἶδωλον*. Fr. 587, 6. *σκιᾶς εἶδωλον*. Aesch. Ag. 839. *εἶδωλον σκιᾶς*. Fr. 13. *ἄνθρωπος ἐστὶ πνεῦμα καὶ σκιὰ μόνον*. 682. *ὡς οὐδέν ἐσμεν πλὴν σκιαῖς εἰκότες*. Eur. Med. 1221. *τὰ θνητὰ δ' οὐ νῦν πρῶτον ἡγοῦμαι σκιάν*. Pind. P. VIII. 136. *εἶδωλ' ἢ κούφην σκιάν*.

130. *χειρὶ βροίεις*] Cf. Eur. Phoen. 1551. Tro. 216. El. 805. *μακροῦ πλούτου*] Cf. Pind. Isthm. III. 5. *ζῶει δὲ μάσσων ὄλβος*. P. XI. 52. *τὰ μέσα μακροτέρῳ ὄλβῳ τεθαλότα*.

131. *ἡμέρα κλίνει — ἅπαντα τάνθρωπεια*] Cf. Senecam de Benef. IV. 13. 'in quid sol diem extendit eontrahit?'

132. *τάνθρωπεια*] Cf. Aesch. Pers. 692. *ἄνθρωπεια δ' ἄν τοι πῆματ' ἄν τύχοι βροτοῖς*. Fr. 155. *γίγνωσκε τάνθρωπεια μὴ σέβειν ἄγαν*. Philetaer. com. III. 295. *τάνθρωπει' ὀρῶντα πράγματα*.

134. *Τελαμώνιε παῖ*] Cf. Eur. Hel. 854. *Τελαμώνιος Αἴας. ἀμφιρύτου Σαλαμῖνος*] Cf. Phil. 239. *Σκῦρος περιόρυντος*. 1. *περιόρυντου χθονὸς Λήμνου*. Anth. P. VII. 510. 4. *Χίον ἐπ' ἀμφιρύτην*.

135. *ἀγχιάλον*] Malim *ἀγχιάλον*. Cf. Phil. 1463. *ὦ Λήμνον πέδον ἀμφιάλον (ἀγχιάλον?)*. Eur. Iph. A. 168. *Χαλκίδα — ἀγχιάλον*. Hom. Il. 2, 640. *Χαλκίδα τ' ἀγχιάλον*. Anth. Pal. IV. p. 299. *ὑβρίζων Μαραθῶνα καὶ ἀγχιάλον Σαλαμῖνος* | *ἔργα*. Qu. Calab. XIII. 467. *ἀγχιάλον Τενέδοιο*.

136. Cf. 790. Eur. Hipp. 1335. *τοὺς γὰρ εὐσεβεῖς θεοὶ | θνήσκοντας οὐ χαιροῦσι*. Rhos. 390. *χαίρω δέ σ' ἐντυχοῦντα*.

137. *σὲ — ἐπιβῆ*] Cf. Phil. 193. *τὰ παθήματα κείνα πρὸς αὐτὸν — ἐπέβη*. O. R. 1302. *τίς σε — προσέβη μαρία; ζαμενῆς λόγος ἐκ Δαναῶν κακόθρους*] Cf. Aesch. Ag. 456. *βαρεῖα δ' ἀσιτῶν φάτις σὺν κότῳ*. 938. *φήμη γε μέντοι δημόθρους μέγα σθένει*. Mimn. Fr. 15. *καὶ μιν ἐπ' ἀνθρώπους βάξις ἔχει χαλεπή*.

139. *πεφόβημαι*] Cf. 253. Arist. Nub. 294. et ad Ach. 993. Plat. Crat. 404 E. *πολλοὶ πεφόβηνται περὶ τὸ ὄνομα etc*.

141. *τῆς — φθιμένης νυκτὸς*] Cf. ad El. 698. Aesch. Pers. 180. *τῆς πάρουθεν εὐφρόνης*. Eur. Phoen. 867. *τῆς πάρουθεν ἡμέρας*.

142. Cf. Pind. Ol. 7, 10. *ὄν φᾶμαι κατέχοντ' ἀγαθαί*.

143. *ἐπὶ δυσκλείᾳ*] Cf. El. 108. *ἐπὶ κωκυτῷ*. Arist. Ran. 403. *ἐπὶ γέλῳ*. Herod. II. 121. *ἐπὶ λύμῃ*. VI. 67. *ἐπὶ γέλῳ καὶ λάσθῃ*. et ad Ran. l. l. *ἵππομανῆ*] Cf. Plin. H. N. XVI. 27. 'Vites triferae, quas ob id insanas vocant.' Confer *καρπομανῆς* Fr. 591. *ὄλομανεῖν* (silvescere) Theophr. et Georon.

145. *βοτὰ καὶ λείαν*] Cf. 54. *λείας — βουκόλων φρούρηματα*.

147. αἶθωνι σιδήρῳ] Cf. Hom. II. IV. 485. VII. 473. Arist. Pac. 1328. λήξαι τ' αἶθωνα σίδηρον. Hermipp. II. 395. δηχθεῖς αἶθωνι. Κλέωνι.

148. λόγους — πλάσσω] Cf. Herod. IV. 77. οὔτος μὲν ὁ λόγος — πέπλασται ὑπ' αὐτῶν. Isae. 8, 16. λόγοις πεπλασμένοις.

149. εἰς ὧτα φέρει] Cf. Eur. Andr. 1091. εἰς οὓς ἐκάστῳ δυσμενεῖς ἠῦδα λόγους. Or. 616. Hipp. 932.

150. σφόδρα] Legitur etiam El. 1053.

154. Cf. Eur. Bacch. 1096. αὐτοῦ χερμάδας — ἔρριπτον. Cycl. 51. δῖμω πέτρον σον.

155. Cf. Ant. 313. Eur. Med. 190. σκαιοὺς δὲ λέγων — τοὺς πρόσθε βροτοὺς οὐκ ἂν ἀμάρτοις. Cratin. 55. ποδαπὰς ὑμᾶς εἶναι φάσκων, ὧ μείρακες, οὐκ ἂν ἀμάρτων;

157. τὸν ἔχονθ'] Cf. Dem. 45, 73. ἔχοντα καὶ πλουτοῦντα.

159. δῦμα] Praesidium. Cf. Aesch. Fr. 301. ὄσπερ (θάνατος) μέγιστον δῦμα τῶν πολλῶν κακῶν. Eur. Phoen. 983. τί δήτα δῦμά μοι γενήσεται; πέλονται] Cf. Fr. 606. πέλεται. 1028. πέλονται. Alibi apud nostrum activa forma legitur.

162. τοὺς ἀνοήτους] Cf. 758. Arist. Nub. 919. οἷα διδάσκεις τοὺς ἀνοήτους. 898. ταῦτα γὰρ ἀνθεῖ διὰ τουτουοῖ | τοὺς ἀνοήτους.

163. Cf. Tr. 53. εἰ δίκαιον τοὺς ἔλευθέρους φρενοῦν | γνώμῃσι δούλαις.

166. ἀπαλέξασθαι] Cf. Fr. 282. ἀπαλέξασθαι. et ἀλέξασθαι Hom. II. 13, 475. etc.

167 sq. Cf. Eur. Andr. 1141. σὲ δ' ὄπως πελειάδες | ἱέρακ' ἰδοῦσαι πρὸς φυγὴν ἐνώπιον.

168. Cf. Sosith. Trag. Fr. 1. εἰς μυρίους δρονιδας ἀετὸς σοβεῖ, | λαῶν τε δειλῶν πλήθος εὐ τραφεῖς.

170. Cf. Xen. Hell. VII. 2. 20. ἴσως δὲ ἐπιφανεῖς σὺ — τροπὴν ποιήσεις.

172. ἡ ῥα] Cf. 954. Aesch. Pers. 633. ἡ ῥ' αἶτι μόν — βασιλεύς;

175. Ταυροπόλα] Cf. Eur. Ion. 1478. ἴστω Γοργοφόνα. Arist. Thesm. 319. θηροφόνη παῖ. Eq. 1181. ἡ γοργολόφα. Ach. 567. ὦ Γοργολόφα. Lys. 344. ὦ χρυσολόφα.

176. Cf. Eur. Alc. 115. στείλας ἡ Λυκίας εἶτ' ἐπὶ τὰς ἀνύδρους Ἀμμωνιάδας ἔδρας.

179. χαλκοθώραξ —] Cf. Hom. II. 5, 704. χάλκεος Ἄρης.

180. μομφὰν ἔχων —] Cf. Phil. 1309. Fr. 196, 3. ἐνθ' οὐ μάχης — μέμψει. Aesch. Sept. 652. ὡς οὐποτ' ἀνδρὶ τῷδε κηρυκευμάτων μέμψει. Phoen. 780. ὥστ' ἐμοὶ μομφὰς ἔχειν. ξυνοῦ δορός] Cf. Aesch. Sept. 76. ξυνὰ δ' ἐλπίζω λέγειν. Suppl. 367. Eum. 773. συμμάχῳ δορὶ. Hom. II. 18, 309. ξυνὸς Ἐννάλιος.

181. Cf. El. 400. Arist. Pac. 659. ὄργην γὰρ αὐτοῖς ὧν ἔπαθε πολλὴν ἔχει. Vesp. 368.

183. Cf. Theocr. VII. 130. ἀποκλίνας ἐπ' ἀριστερά. Theognet. com. IV. 549. ἐπ' ἀριστερῷ ἔμαθες, ὧ πονηρῆ, γράμματα. et ad Arist. Av. 1567.

185. τόσον] Sic ὅσον Eur. Suppl. 58. Cf. 300. 325. 375. ἐν ποίμναις πίτνων] Qu. ἐς ποίμνας — Cf. 1061. πρὸς μῆλα καὶ ποίμνας πεσεῖν. Construendum cum ἔβας.

186. ἀπερῦκοι] Arceat. Cf. O. C. 169. πρόσθεν δ' ἀπερῦκου.

188. ὑποβαλλόμενοι κλέπτουσι μύθους] Cf. 481. ὑπόβλητον λόγον — ἔλεξας. Eur. Fr. 442, 3. νῦν δ' εὐρόοισι στόμασι τάληθέ-
στατα | κλέπτουσι, ὥστε μὴ δοκεῖν ἢ χρῆ δοκεῖν.

191. κλισίαις] Cf. 1407.

192. κακὰν φάτιν ἄρη] Cf. 494. βάζειν ἀλγεινὴν λαβεῖν. El. 1006. βάζειν καλὴν λαβόντε.

194. ἀλλ' ἄνα —] Cf. Hom. Il. 18, 179. ἀλλ' ἄνα μηδ' ἔτι κεῖσο. Aesch. Cho. 963. ἄνα γε μὰν, δόμοι (ἀλλ' ἄνα, ὧ δόμοι?).

ἄνα] Concise positum pro ἀνάστηθι. Hom. Il. 6, 331. ἀλλ' ἄνα. Od. 18, 13. Elisionem nunquam patitur ἄνα. ἄνα ἐξ ἐδράνων] Cf. O. C. 233. οὐ δὲ τῶνδ' ἐδράνων πάλιν ἔκτοπος — ἐκδορε. 176. Aesch. Suppl. 852. λείψ' ἔδρανα. 102. ἐδράνων ἐφ' ἄγνων. Pers. 4. Eur. Tro. 539.

196. ἄταν οὐρανίαν φλέγων] "I. e. calamitatem in immensum augens." (Dind.) ἄταν οὐρανίαν] Cf. Ant. 418. οὐράνιον ἄχος. et ad Ran. 781. φλέγων] Accendens. I. e. διεγείρων. Cf. Aesch. Sept. 513. βέλος φλέγων. Arist. Thesm. 1041. γόον φλέγουσαν. Eur. Phoen. 248. αἷμα δάον φλέγει (schol. διεγείρει).

197. ὕβρις — ὀρμᾶται] Cf. Eur. Med. 183. πένθος ὀρμᾶται.

198. ἐν ἐνανέμοις βάσαις] Cf. O. C. 675. χλωραῖς ἐπὶ βάσαις.

202. Ἐρεχθιδᾶν] Cf. 190. Σισυφιδᾶν. O. C. 1066. Θησειδᾶν.

205. ὁ μέγας] Cf. Theocr. XVI. 138. Αἴας ὁ μέγας βαρυνά-
μιος ἦρω. Vesp. 1124. ὁ βορέας ὁ μέγας. Eupol. II. 501. ὁ μέγας ὄνοκινίδιος. ὠμοκρατῆς] Ruling (or conquering) cruelly. Cf. 912. κῆται δ' ὁ δυσιστράπελος δυσώνυμος (ὁ δυσ. A. L. etc.) Αἴας. Aesch. Ag. 951. τὸν κρατοῦντα μαλθακῶς | θεὸς πρόσω-
θεν εὐμενῶς προσδέχεται. Arist. Nub. 1013. ὦμονς μεγάλους. Iidem numeri sunt Eur. Hec. 147. ἴζ' Ἀγαμέμνονος ἱκέτις γονά-
των. Tro. 177. τάσδ' Ἀγαμέμνονος ἐπακουσομένα. Ion. 226. εἰ μὲν ἐθύσατε πέλανον πρὸ δόμων. El. 1319. θάρσει Παλλάδος ὄσιαν ἤξει. 1321. σύγγονε φίλτατε· διὰ γὰρ ζεύγνυσ' etc. Similis fere versus est. Arist. Pac. 241. ὁ δεινός, ὁ ταλαύρινος, ὁ κατὰ τοῖν σκελοῖν.

206. θολερῶ — χεიმῶνι] Turbida tempestate (procella). Cf. Aesch. Pr. 885. θολεροὶ — λόγοι.

208. τί δ' ἐνήλλακται — βάρος;] Redde, Quid novum grave malum pro quiete experta est haec nox? Sed unde pen-
deat τῆς ἡρεμίας parum liquet.

211. λέγος δουριάλωτον] Eodem sensu εὐνὰν αἰχμάλωτον legitur Aesch. Sept. 864.

212. ἀνέχει] Cf. Hom. Od. 19, 111. ὅς τε — εὐδικίας ἀνέχῃσι (schol. ἄνω, ἔχει, αὐξεί). Arist. Th. 948.

216. ἀλούς μανία] Cf. Aesch. Eum. 67. ἀλούσας — ὕπνω. Thuc. 7, 40. κόπω ἀλίσκεσθαι.

219. σφάγι' — χρηστήρια] Conjunguntur etiam Aesch. Sept. 230. χειροδάκτυλα σφάγι'] Cf. Eur. Suppl. 1205. ἧ δ' ἂν διοίξεῖς (δαίξεῖς recte Schmidt) σφάγια καὶ τρώσῃς φόνον etc. Iph. T. 892. ἐξ ἐμῶν δαιχθεῖς χειρῶν. Aesch. Ag. 207. τέκνον δαίξω.

220. χρηστήρια] Cf. Eur. Ion. 431. χρηστήριον πέπτωκε τοῖς ἐπήλυτον. Aesch. Sept. 230. σφάγια καὶ χρηστήρια (θεοῖσιν ἔρδειν). Suppl. 450. δεῖ κάρτα θύειν καὶ πεσεῖν χρηστήρια | θεοῖσι πολλοῖς πολλά.

222. ἀνέρος — ἀγγελίαν] Cf. Thuc. I. 61. ἦλθε δὲ καὶ τοῖς Ἀθηναίοις εὐθύς ἡ ἀγγελία τῶν πόλεων διὰ ἀφροσιῶν.

226. Cf. Aesch. Prom. 732. ἔσται δὲ θνητοῖς εἰσαεὶ λόγος μέγας | τῆς σῆς πορείας.

230. συγκατακτᾶς] Cf. Eur. Or. 1089. ξυγκατέκτανον.

231. κελαινοῖς ξίφεσιν] Sc. propter nigrum ferri colorem. Cf. Tr. 856. κελαινὰ λόγχα — δορός. Eur. Bacch. 628. ξίφος κελαινόν. Aesch. Sept. 43. μελάνδεται ξίφος.

232. Cf. Eur. Hipp. 1397. Arist. Nub. 571.

235. ἔσω σφάξε] Intus, penitus. Cf. Aesch. Ag. 1343. ὦμοι, πέπληγμαὶ καιρίαν πληγὴν ἔσω. Eur. Ph. 1517. φάσανον εἰσω σαρκὸς ἔβαφεν. El. 1221. φάσανον — ἔσω δέρας μεθεῖς (καθεῖς?). Hel. 356.

238. γλώσσαν ἄκραν] Cf. Hom. Od. 3, 332. ἀλλ' ἄγε τέμνετε μὲν γλώσσας, κερτάσθε δὲ οἶνον. 341. γλώσσας δ' ἐν πυρὶ βάλλον. Arist. Pac. 1060. ἡ γλώσσα χωρὶς τέμνεται. Av. 1704. Pl. 1110.

239. ὀπιτεῖ] ὀπιτεῖ apographa nonnulla, recte, ni fallor. Cf. ad Ant. 131. Tro. 780. Eur. Tro. 729. Hel. 1102. Her. 150. Formam ὀπιτεῖν ab tragicis recte ahjudicare videtur Elmsleius ad Eur. Her. 150.

241. ὀυτῆρα] Lorum. Cf. O. C. 900. σπεύδειν ἀπὸ ὀυτῆρος. Fr. 938. ὀυτῆροι κροῶν γλουτὸν ὀπιτίον ποδός. Aeschin. II. 167. εἰ — λαβὼν ὀυτῆρα μαστιγοῖμι αἰχμάλωτον γυναῖκα.

242. λιγυρᾶ μάστιγι] Ut apud Hom. II. 11, 532. μάστιγι λιγυρῆ ἵμασεν καλλίτριχας ἵππους. Cf. Aesch. Ag. 593. διπλῆ μάστιγι. Prom. 683. Sept. 608. Cho. 373. διπλῆς μάραγγης δοῦπος. Hom. II. 13, 812. Διὸς μάστιγι κακῆ. 12, 37. 2, 782. 15, 17. O. R. 809. Fr. 137. μασθλητα δίγονον. Hesiod. Th. 857.

243. ἃ δαίμων — κοῦδεις ἀνδρῶν ἐδίδαξεν] Cf. O. R. 1258. Aesch. Ag. 663. ἡμᾶς — ἦτοι τις ἐξέκλεπεν — θεός τις, οὐκ ἄνθρωπος, οἶακος θιγῶν.

244. Cf. Aesch. Ag. 642. *διπλῆ μάστιγι τὴν Ἄρης φιλεῖ.*
 247 sq. Cf. Thuc. VI. 97, 2. *οὔτε πλοῦν οὔτε ὀδόν.* Hor.
 Epist. I. 11. 6. 'odio maris atque viarum.'
247. *ποδοῦν κλοπᾶν ἀρεῖσθαι*] I. e. clam aufugere. Cf. O. R.
 468. *φυγᾶ πόδα νωμᾶν.* Eur. Rhes. 54. *φυγᾶν ἀρεῖσθαι.* Ion. 1258.
κλοπῆ δ' ἀφῆμαι διαφυγοῦσα πολεμίους. Or. 1512. *δραπέτην γὰρ*
ἐξέκλεπτον ἐκ δόμων πόδα. Aesch. Pers. 481. *οὐκ εὐκοσμον αἴρον-*
ται φυγῆν. et ad Phil. 1149.
249. *ζυγὸν ἐζόμενον*] Cf. Eur. Or. 956. *τρίποδα καθίζων.* Rhes.
 547. *Σιμόεντος ἡμέραν κοίτας φονίας.* Aesch. Ag. 181. *δαιμόνων*
 — *σέμμα σεμνὸν ἡμέων.* *ζυγὸν*] Cf. Aesch. Ag. 1618. *κρατούν-*
των τῶν ἐπὶ ζυγῶ δορός.
251. *τοίας* —] Cf. Arist. Ran. 470. *τοία Στυγὸς σε μελανο-*
κάρδιος πέτρα etc. *δικρατεῖς Ἀτρεΐδαι*] Cf. 388. Aesch. Ag. 42.
Μενέλαος ἀναξ ἡδ' Ἀγαμέμνων | διδρόνον Διόθεν καὶ διακήπτρου |
τιμῆς ὄχυρόν Ζεῦγος Ἀτρειδῶν.
252. *λιθόλευστον ἄρη*] Cf. Aesch. Prom. 860. *θηλυκτόνω | ἄρει*
δαμέντων. Ag. 1528. *ξυφοδηλήτω θανάτω.*
257. *λαμπρᾶς στεροπῆς*] Cf. Tr. 99. *ὦ λαμπρᾶ στεροπᾶ φλε-*
γέθων (ἤλιε).
259. Cf. Eur. Fr. 205. *φρονῶ δ' ἃ πάσχω, καὶ τόδ' οὐ συμ-*
κρὸν κακόν· | τὸ μὴ εἰδέναι γὰρ ἡδονὴν ἔχει τινα | νοσοῦντα, κέρ-
δος δ' (leg. τ') ἐν κακοῖς ἀγνωσία. Hipp. 247. *τὸ γὰρ ὀρθοῦσθαι*
γνώμην ὀδονᾶ, | τὸ δὲ μαινόμενον κακόν· ἀλλὰ κρατεῖ | μὴ γιγνώ-
σκοντ' ἀπολέσθαι.
264. Cf. Fr. 343 b. *μόχθου γὰρ οὐδεὶς τοῦ παρελθόντος λόγος.*
266. *ἡδονὰς ἔχειν*] Cf. Fr. 162, 5. Eur. Herc. 732. *ἔχει γὰρ*
ἡδονὰς θνήσκων ἀνῆρ | ἐχθρός.
268. *διπλάζον*] Cf. Aesch. Prom. 817. *ἐπιναδίπλαζε.* Ag. 835.
διπλοῖζει (διπλάζει?). Eum. 817. *ἐπιδιπλοῖζω (ἔπος διπλοῖζω Dind.).*
269. "Ajacem secum confundit Tecmessa propter fortunarum
 et amoris conjunctionem." (Musgr.)
272. *εἶχετ' ἐν κακοῖς*] Cf. 1145.
274. *ἀνέπνευσε τῆς νόσου*] Cf. Hom. Il. 11, 382. *ἀνέπνευσαν*
κακότητος. 15, 235. *ἀναπνεύσωσι πόνοιο.* Thuc. IV. 20. *ἀνάπαισις*
κακῶν. Xen. Hier. 2, 11. *πολέμου.*
275. *πᾶς ἐλλήλαμαι*] I. e. πάντως, omnino, Cf. 519. *ἐν σοὶ*
πᾶς ἔγωγε σώζομαι. 728. O. R. 706. Phil. 1341. Eur. Med. 722.
 Her. 451. Iph. A. 647. Ion. 427. El. 608. Tro. 1215. Fr. 549.
 Arist. Fr. 668. *πᾶς ἀνέρομμαι.*
277. *δις τόσ'*] Cf. Eur. Fr. 985. *πολλοῖσι πολλήν, δις τόσοις*
δὲ πλείονα.
- 278 sq. Cf. Aesch. Ag. 367. *Διὸς πλαγὰν ἔχουσι εἰπεῖν.* Cho.
 468. *ἄτας αἱματόεσσα πλαγὰ.*

279. πεπανμένος] Cf. Herod. VII. 9. οὕτω δὲ οὗτοι μὲν ἐπέ-
παντιο.

280. μηδὲν τι] Cf. Eur. Alc. 522. οὐδὲν τι μᾶλλον οἶδα. Tro.
412. οὐδὲν τι κρείσσω. Hipp. 344.

282. προσέπειτο] Cf. Aesch. Pr. 644. Eur. Alc. 420. ἐπίστα-
μαί τε κοῦκ ἄφνω κακὸν τόδε | προσέπειται'. Arist. Ran. 309.

283. τύχαις] Leg. τύχαις. Cf. Aesch. Prom. 288. Moschion.
10, 10. τύχαις συναλγῶν.

285. ἔσπεροι λαμπτήρες] Cf. Trag. adesp. 335. ἐφέσπερον (leg.
ἐφεσπέρων) δαίονσα λαμπτήρος σέλας. Aesch. Cho. 537. πολλοὶ δ'
ἀνῆθον — λαμπτήρες. Hor. Sat. II. 7. 33. 'Sub lumina prima
venire.'

286. ἦθον] Cf. Aesch. Cho. 536. πολλοὶ δ' ἀνῆθον (ἀνῆλθον
mss.) ἐκτυφλωθέντες σκότῳ | λαμπτήρες ἐν δόμοισι —. Eur. Rhes.
95. αἰθουοὶ πᾶσαν νύκτα λαμπάδας πυρός. Eur. Cycl. 331. πῦρ'
ἀναίθων. Alibi semper, ni fallor, transitivum est αἰθνει.

287. ἐμαίει' — ἔρπειν] Cf. Fr. 658, 3. ὁ χρόνος πόλλ' ἀνευ-
ρίσκει σοφὰ μαιομένους. Pind. Ol. 8, 7. ἀνθρώπων πέρι μαιομένων
μεγάλαν ἀρετὰν θνυμῶ λαβεῖν.

289. ἄκλιτος οὐθ' ὑπ' ἀγγέλων κληθεις] Cf. Tr. 391. Aesch.
Cho. 838. ἦκω μὲν οὐκ ἄκλιτος ἀλλ' ὑπ' ἀγγέλων.

290. ἀφορμῆ πείραν] Cf. Aesch. Pers. 719. πεζὸς ἢ ναύτης
πείραν τήνδ' ἐμῶρανεν τάλας;

292. βαί'] Sub. ἔπη. Cf. Aesch. Ag. 576. ὡς κομπάσαι τῶδ'
εἰκὸς (ἔχομεν?) ἥλιον φάει | ὑπὲρ θαλάσσης καὶ χθονὸς ποτωμένα, |
'Τροίαν ἐλόντες —.' Pind. N. VI. 55. Theogn. 237. ὑμνούμενα]
Cf. Xen. Mem. 4, 2, 33. τοῦτον γὰρ δὴ πάντες ὑμνοῦσιν. Ages.
XI. 2. ὑμῶν οὐποτ' ἔληγεν ὡς etc.

293. Cf. Fr. 61, 4. αἷς κόσμος ἢ σιγή τε καὶ τὰ παῦρ' ἔπη.
Eur. Her. 477. γυναικὶ γὰρ σιγή τε καὶ τὸ σωφρονεῖν | κάλλιστον
εἶσω θ' ἦσυχον μένειν δόμων.

295. πάθας] Eadem forma est O. C. 7. Ant. 978.

301. τέλος] Postremo. Cf. 391. 1019. Ant. 233. 268. Fr. 162.

302. λόγους ἀνέσπα] Cf. Eq. 627. ὁ δ' ἄρ' ἔνδον ἐλασίβροντι'
ἀναρρηγνὺς ἔπη | τερατενόμενος ἤρειδε κατὰ τῶν ἱππέων. Plat.
Theaet. 180 A. ὥσπερ ἐκ φαρέτρας δηματίσκια αἰνιγματώδη ἀνα-
σπῶντες ἀποτοξεύουσι. Menand. 420. πόθεν τούτους ἀνεσπάκασι
οὗτοι τοὺς λόγους; Com. anon. IV. 662. ἀνασπᾶν γνωμίδιον. Pind.
Fr. 68. μὴ πρὸς ἅπαντας ἀναρῶξαι τὸν ἀχρεῖον λόγον.

303. συντιθεις γέλων πολὺν] Cf. Eur. Tro. 983. ταῦτα γὰρ γέλωσ
πολύς. Orest. 1560. Incert. ap. Stob. Fl. 74, 27. καὶ πρὸς κακοῖσι
τοῦτο δὴ μέγας γέλωσ. Arist. Ach. 1126.

304. ἐπίσσει'] Ulturns esset. Construe κατ' αὐτῶν ἰών.

306. ξὺν χρόνῳ] Cf. Aesch. Ag. 1378. ἀγὼν ὁδ' ἦλθε σὺν
χρόνῳ.

307. πλήρες αἵτης — στέγος] Cf. Ph. 1087. ὦ πληρέστατον αὐλιον (πλήρες τόδε ταῦλιον?) λύπας τὰς ἀπ' ἐμοῦ. Ant. 1052. ταύτης οὐ μέντοι τῆς νόσου πλήρης ἔφους. O. C. 778.

308. ἐρειπίοις νεκρῶν] Cf. Aesch. Ag. 669. ναυτικοῖς τ' ἐρειπίοις. Eur. Tro. 1025. ἐν πέπλων ἐρειπίοις.

310. ἀπριξ] Cf. Fr. 325. Plat. Theaet. 155 E. οὐ ἂν δύνανται ἀπριξ τοῖν χεροῖν λαβέσθαι. Theocr. XV. 68. ἀπριξ ἔχευ — ἀμῶν. XXIV. 54. θῆρε δύο χεῖρεσσιν ἀπριξ ἀπαλαῖσιν ἔχοντα. Sophron. Fr. 20. ὑμέων γὰρ ἀπριξ ἔχονται. Anth. P. V. 248. Confer ὁδᾶς, mordicus.

311. ἦστο] Sedebat. Cf. Tr. 525. ἦστο. 24. ἦμην ἐκπεπληγμένη. Hom. Il. 16, 403. ἐνὶ δέφρῳ | ἦστο ἀλείς. Arist. Ran. 778. ἴν' Αἰσχύλος καθῆστο. Parum eleganter locatur ἦστο inter τὸν μὲν πλεῖστον. Simile exemplum nunquam memini videre. Cf. Eur. Fr. 1002. τὸ μὲν τέθνηκε σῶμα, etc.

312. τὰ δειν' ἐπηπειλησ' ἔπη] Cf. 650. δς τὰ δειν' ἑκατέρουν τότε. 1226. Ant. 408. τὰ δειν' ἐπηπειλημένοι. 752. Pl. 504. Ant. 408. O. C. 1392. Eur. Suppl. 542. δειν' ἀπειλήσας ἔπη. Phoen. 185. Sept. 432. ἀπειλεῖ δεινά. Arist. Ran. 769. κἀνταῦθα δὴ τὰ δεινὰ (δειν' ἅπαντα?) κινήσεται.

314. ἐν τῷ πράγματος κυροῖ ποτε] Cf. 323. Tr. 375. ποῦ ποτ' εἰμί πράγματος; Ant. 1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς διεφθάρης; Tr. 1145. Eur. Hel. 1211. ἐν τῷ δὲ κείσαι ξυμφορᾶς;

319. πρὸς γὰρ —] Cf. Herod. 7, 153. τὰ τοιαῦτα γὰρ ἔργα οὐ πρὸς ἀπαντος ἀνδρὸς νενόμικα γενέσθαι, ἀλλὰ πρὸς ψυχῆς τε ἀγαθῆς καὶ εὐώμης ἀνδρητῆς.

321. ὀξέων κοκκυμάτων] Cf. Ant. 1316. ὀξυκόκυτον πάθος. El. 737. ὀξὴν κέλαδον. Ant. 424. ὀξὴν φθόγγον. 112. ὀξέα κλάζων.

325. βοτοῖς σιδηροκμηῖν] Cf. Aesch. Cho. 365. δουρικμηῖτι λαῶ. et ἀνδροκμηῖς. ἦσυχος θακεῖ] Cf. Eur. Hec. 35. ἦσυχοι θάσσοουσι. Bacch. 622. ἦσυχος θάσσαν. Hel. 1084. ἦσυχοι καθώμεθα.

326. δῆλός ἐστιν ὥς τι δρασεῖων κακόν] Cf. Eur. Med. 91. ταυρουμένην — ὥς τι δρασεῖουσαν. Arist. Vesp. 168. ἄνθρωπος οὔτος μέγα τι δρασεῖει κακόν.

330. Cf. Aesch. Ag. 583. νικώμενος λόγοισιν οὐκ ἀναίνομαι.

335. θωύσσει] Excitat. Cf. Aesch. Prom. 393. ὀρμωμένω μοι τόνδ' ἐθώυξας λόγον. 1040. Ag. 893. Eur. Hec. 115.

338. νοσήμασι ξυνοῦσι] Cf. O. C. 1244. 1134. Phil. 1068. ἄχθος δ ξυνοικεῖ. Tr. 1055. Plut. Agis 17, 2. σύντροφον καὶ σύνοικον τὸ πένθος.

341. μενοινᾶ] Cf. Eur. Cycl. 448. σφάζαι μενοινᾶς. Arist. Vesp. 1080. ἐξελεῖν ἡμῶν μενοινῶν πρὸς βίαν τὰνθρόνια. Theogn. 461. μή ποτ' ἐπ' ἀπρηκτικοῖσι νόον ἔχε μηδὲ μενοῖνα | χορήμασι, etc. Hesychius, μενοινᾶ: φροντίζει, μεριμνᾶ, προθυμεῖται, ὀρέγεται.

350 sq. Cf. O. R. 1322. ἰὼ φίλος, σὺ μὲν ἐμὸς ἐπίτολος (?)
 ἔτι μόνιμος· ἔτι γὰρ ὑπομένεις με τὸν τυφλὸν κηδεύων.

351. κῦματος ζάλης] Cf. Aesch. Ag. 665. κῦματος ζάλην.

352. φοινίας — ζάλης] Cf. O. R. 24. φοινίον σάλου. Aesch.
 Ag. 665. ὡς μήτ' ἐν ὄρωφ κῦματος ζάλην ἔχειν (στέγειν αὐτ φέ-
 ρειν?). 656. χειμῶνι σὺν τυφῶ ζάλη τ' ἐμβροκτύπῳ. Prom. 371.
 πυρπνῶον ζάλης. Cho. 698. βακχείας ζάλης.

354. οἴμ' ὡς —] Cf. Arist. Nub. 773. 1238. Th. 1185. etc.

355. δηλοῖ δὲ τοῦργον] Cf. Fr. 352. ταχὺ δ' αὐτὸ δείξει τοῦρ-
 γον ὡς λέγω σαφῶς.

357. ναῖας ἀρωγὸν τέχνας] Cf. 201. ναὸς ἀρωγοὶ τῆς Αἴαντος.
 Aesch. Ag. 47. στρατιῶτιν ἀρωγῆν. ἄλιον — πλάταν] Cf. O. C.
 716. ἄλλα πλάτα.

359. σέ τοι σέ τοι μόνον δέδορκα] Similiter Phil. 1095. σὺ
 τοι σὺ τοι κατηξίωσας etc. Aj. 1228. El. 1445.

360. πημονὰν ἐπαρκέσοντα] Cf. Hom. Il. 2, 873. οὐδέ τί σι
 τότ' ἐπήρασε λυγρὸν ἄλεθρον.

362. κακὸν κακῶ διδοὺς ἄκος] Cf. 866. πόνος πόνῳ πόνον
 φέρει. Aesch. Pers. 1041. δόσον κακὰν κακῶν κακοῖς. Eur. Alc. 133.
 οὐδ' ἔστι κακῶν ἄκος οὐδέν.

363. τὸ πῆμα τῆς ἄτης] Cf. Phil. 765. τὸ πῆμα τοῦτο τῆς
 νόσου. Aesch. Ag. 850. πειρασόμεσθα πῆμ' ἀποστρέψαι νόσου.

365. ἐν δαίτοις ἄτρεστον μάχαις] Cf. Aesch. Prom. 416. μάχας
 ἄτρεστοι.

367. οἴμοι γέλωτος] Cf. Arist. Nub. 1476. οἴμοι παρανοίας.
 925. ὄμοι (leg. οἴμοι) σοφίας.

369. οὐκ ἐκτός;] Cf. El. 1430. οὐκ ἄφορρον; ἄφορρον]
 Retro. Cf. El. 53. εἴτ' ἄφορρον ἤξομεν πάλιν. 1430. οὐκ ἄφορ-
 ρον; et v. παλινόρρος Arist. Ach. 1179. ἐκνεμεῖ πόδα] Cf. Pind.
 N. VI. 15. ἐὸν πόδα νέμων. ἐκνεμεῖ] Schol. ἐξάξεις. Suspectum.
 Leg. ἐκνεμεῖς. Cf. O. R. 468. ὦρα νιν φυγᾶ πόδα νωμᾶν.

374. De ancipiti syllaba in fine versus cf. Aesch. Eum. 143.

375. κλυτοῖς — αἰπολίοις] I. e. strepentibus. Sic κλυτὰ
 μῆλα Hom. Od. 9, 308. et κλυτὸς ὄρις (ἀλεκτρῶν) apud Hesych.
 Alio sensu 177. κλυτῶν ἐνάρων. O. R. 172. κλυτᾶς χθονός. Ant.
 119. κλυτὰν — Ἰταλίαν.

376. ἔρεμνὸν αἴμ'] Cf. Aesch. Ag. 1390. βάλλει μ' ἔρεμνῆ
 πακάδι φοινίας δρόσον. ἔρεμνὸν] I. e. σκοτεινόν. Cf. Ant. 700.
 ἔρεμνῆ (i. e. σκοτεινῆ, λαθραία) — φάτις. αἴμ' ἔδενσα] Cf. O. R.
 1279. δμβρος χάλαζά θ' αἵματοῦσ' ἐτέγγετο. βοῶντος — μέλη]
 Cf. Fr. 631. μέλη βοῶν.

377. ἐπ' ἐξειργασμένοις] Cf. Aesch. Pers. 525. Ag. 1379.

381. ἄλημα] Anglice, a vagabond, a rogue. Cf. 389. Ant.
 320. οἴμ' ὡς ἄλημα δῆλον ἐκπεφυκός εἶ (ubi per τρίμμα et πανούρ-
 γος explicat schol.).

383. Cf. Aesch. Sept. 625. Eum. 954. Eur. Her. 608. Theogn. 165. Trag. adesp. 477.

386. Cf. ~~W. El. 830. το μηδὲν μέγ'~~ ἀσσης. ad Fr. 601. μήπω μέγ' εἴπης πρὶν τελευτήσαντ' ἴδης. Eur. Herc. 1244. ἴσχε στόμ', ὡς μὴ μέγα λέγων μεῖζον πάθης. et ad Arist. Ran. 835. Plat. Sophist. p. 238 A. μήπω μέγ' εἴπης. Phaed. 95 B. ὦγαθὲ, — μὴ μέγα (μεγάλα?) λέγε, μὴ etc. Theocr. X. 20. μηδὲν μέγα μυθεῦ. οὐχ ὄρῃς ἢ' εἰ κακοῦ;] Cf. Eur. Ion. 1252. ἢ' εἰ τύχης.

387. προπάτωρ] Cf. Eur. Phoen. 687. καὶ σὲ τὸν προμάτορος Ἰοῦς ποτ' ἔκγονον Ἐπαφον ἐκάλεσ'. Aesch. Sept. 129. Κύπρις — γένους προπάτωρ. Pind. N. IV. 89. γεραιὸς προπάτωρ σός.

392. Cf. Arist. Eq. 928. εὐχομαι δέ σοι ταδί.

394. σκότος ἐμὸν φάος] Cf. Aesch. Cho. 320. σκότῳ φάος ἀντίμοιρον (ἰσομοιρον?).

399. ἀμερίων — ἀνθρώπων] Cf. Ant. 790. Eur. Iph. A. 1331. ἢ πολύμοχθον ἀμερίων (sc. γένος). Ph. 132. ἀμερίῳ γέννα. 1515.

400. Cf. Aj. 514. ἐμοὶ γὰρ οὐκέτ' ἐστὶν εἰς ὃ τι βλέπω.

401. ἃ Διὸς — θεὸς] Cf. ad 172.

404. Cf. O. C. 170. ποῖ τις φροντίδος ἔλθῃ;

408. δίπαλτος] Cf. Eur. Tro. 1102. δίπαλτον κερανοφαεὺς πῦρ. Iph. T. 323. δίπαλτα πολεμίων ξίφη. Aesch. Sept. 985. τριπάλτων (διπάλτων?) πημάτων.

410. Cf. Phil. 234. Aesch. Eum. 837. ἐμὲ παθεῖν τάδε, φεῦ. Arist. Vesp. 835. τοιοντοῖν τρέφειν κύνα. Eccl. 530. τῆς λεχοῦς δ' οὐ φροντίσαι —; Ach. 127. Nub. 268.

411. Cf. Aesch. Pers. 367. πόρους ἀλιρρόθους. Eur. Hipp. 1205. ἀλιρρόθους ἀκίας.

412. πόροι ἀλιρρόθοι] Schol. ποταμοὶ εἰς θάλασσαν ῥέοντες. Cf. Aesch. Pers. 367. πόρους ἀλιρρόθους (i. e. freta maris angusta).

413. νέμος ἐπάκτιον] Pratum pascuum. Cf. Hom. Il. 11, 480. ἐν νέμει σκιερῶ. Anth. P. 7, 55. Qu. νομοὶ ἐπάκτιοι, αὐτ νομὲ παράκτιε. Cf. Eur. Cycl. 61. ποιηροὺς λιποῦσα νομύς.

417. ἀμπνοὰς ἔχοντα] Cf. Eur. Iph. T. 92. καὶ ταῦτα δρῶσάντ' ἀμπνοὰς ἔξεν πόνων.

418 sq. Cf. Aesch. Pers. 487. οὐ | Σπερχεῖος ἄρδει πεδίον εὐμενεῖ ποτῶ.

429. κακοῖς — συμπεπνωκότα] Cf. O. R. 115. συμπίπτει φόνῳ. Tr. 880. Aesch. Ag. 188. ἐμπαίοις τύχαισι συμπεσών. Eum. 336. τοῖσιν ἀντουργία ξυμπέσωσιν μάταιοι. Eur. Iph. T. 1393. ναῦς δὲ — λάβρω κλύδωνι συμπεσοῦσ' ἠπέγχετο.

430. Cf. Aesch. Sept. 658. 577. 829. Eur. Phoen. 645.

431. ξυνοίσειν] Cf. Eur. El. 527. ἔπειτα χαίτης πῶς συνοίσειται πλόκος; Arist. Eq. 1233. καὶ μὴν σ' ἐλέγξαι βούλομαι τεκμηρίῳ | εἴ τι ξυνοίσεις τοῦ θεοῦ τοῖς θεοφάτοις. Eccl. 475. Nub. 590. Xen. Anab. VII. 8. 4. Sed ξυνοῖσειν corrigendum esse suspicor.

432. *καὶ δις — καὶ τρις αἰάζειν*] Cf. 940. Phil. 1238. *δις ταῦτά βούλει καὶ τρις ἀναπολεῖν μ' ἔπη*; O. R. 1319. Aesch. Cho. 792. *δίδουμα καὶ τριπλά* Pers. 1033.

435. *καλλιστεία*] I. q. *καλλιστεύματα* Eur. Phoen. 215. Cf. Eur. Iph. T. 23. *τὸ καλλιστεῖον εἰς ἔμ' ἀναφέρων*. Menand. 1090. *δς δ' οὔτ' ἐρυνθριᾶν οἶδεν οὔτε δεδιέναι | τὰ πρῶτα πάσης τῆς ἀναιδεΐας ἔχει*.

438. *οὐκ ἐλάσσονι σθένει*] Cf. Fr. 830. *ἦ παντὶ σθένει. σθένει*] Copiis, exercitu. Anglice force. Cf. O. C. 842.

440. *Ἀργείοισιν — ἀπόλλυμαι*] Cf. ad 970. Eur. Andr. 334. *τέθνηκα τῇ σῇ θυγατρὶ καὶ μ' ἀπώλεσε*.

442. Cf. Tr. 266. *τῶν ὧν τέκνων*. Aesch. Sept. 640. *λιτῶν τῶν ὧν*. Eur. Iph. T. 50. Plat. Resp. III. 394. *τὰ δ δάκρυα*.

444. *ἄλλος ἀντ' ἐμοῦ*] Cf. Aesch. Prom. 467. Arist. Nub. 653. Vesp. 210. Eccl. 925.

445. *φωτὶ παντουροῦ φρένας*] Cf. Aesch. Sept. 671. *φωτὶ παντόλμῳ φρένας*. De verbo *πράσσειν* cum dativo personae cf. Thuc. V. 76. *οἱ ἄνδρες οἱ τοῖς Λακεδαιμονίοις πράσσοντες*. V. 83. Arist. Ach. 755. *ἄνδρες πρόβουλοι τοῦτ' ἔπρασσον τὰ πόλι, | ὅπως etc*. Sed corrigendum videtur *ἔπρασαν*.

447. *τόδ' ὄμμα*] Cf. Aesch. Ag. 1294. *ὄμμα συμβάλω τόδε φρένες διάστροφοι*] Cf. Aesch. Prom. 673. *φρένες διάστροφοι*. Plut. Mor. p. 164 F. *διαστροφαὶ τῆς νυχῆς*.

448. *ἀπειρῶσαν*] Cf. 51. *ἐγὼ σφ' ἀπείρωσα, δυσφόρους ἐπ' ὄμμασι | γνώμας βαλοῦσα, τῆς ἀνηκέστου χαρᾶς*. 69. *ἐγὼ γὰρ ὀμμάτων ἀποστρόφους | ἀγὰς ἀπείρωξω τὴν πρόσσωπιν εἰσοιδεῖν*. Critiam trag. ap. Sext. Emp. p. 262. *οἱ νόμοι | ἀπείρωγον (ἀπήγον mss.) αὐτοὺς ἔργα μὴ πράσσειν βίη*.

450. *ἦ Διὸς — θεᾶ*] Cf. ad 172. *γοργῶπις*] Torve tuens. Cf. Fr. 724, 2. *τὴν Διὸς γοργῶπιν Ἐργάνην*.

451. *ἐπενθύνοντι* L. pr. *ἐπεντύνοντι* L. corr. *ἐπεντύνοντι* apographa nonnulla. *ἐπεντύνοντι* per *εὐτρεπίζοντα* explicat schol. rec. Cf. Hom. II. 8, 374. *ναῶν ἐπέντυε μώνυχας ἔππους*. Od. 24, 89. *ἐπεντύνονται ἄεθλα*. Eur. Iph. A. 550. *τόξ' ἐντείνεται*.

459. *πεδία*] Cf. 863. *τὰ Τρωϊκὰ πεδία*. Phil. 920. 1297. 1332. 1376. 1435. De tribracho in quinta sede cf. ad O. R. 719.

466. *ἀλλὰ δῆτ' —*] Cf. Tr. 1245. *ἀλλ' ἐκδιδαχθῶ δῆτα δυσσεβεῖν, πάτερ*; El. 537. Ph. 1352. O. R. 1375. Arist. Ach. 128.

467. *ξυμπεσὼν μόνος μόνους*] Cf. Arist. Eccl. 448. *μόνας μόνους (συμβάλλειν)*. Vesp. 1272. Eur. Med. 513. *ὄν τέκνοις μόνῃ μόνους*. Dem. 273, 1. *μόνος μόνῳ συνήει. ξυμπεσὼν*] Cf. 429. O. R. 113. Eur. Or. 1301. *ὄθι δάκρυα δάκρυσι συνέπεσαν*.

471. *δηλώσω — γεγώς*] Cf. Eur. Med. 548. Or. 802. Iph. A. 406. Phoen. 409.

472. Cf. 878. *οὐδαμοῦ δηλοῖ φανείς*. Ant. 471.

473. τοῦ μακροῦ χορῆζειν βίον] Cf. O. C. 1211.
475. παρ' ἡμαρ] Cf. O. C. 1455. τὰ δὲ παρ' ἄμαρ αἰθῆς αὔξων ἄνω (χρόνος). Pind. P. XI. 95. S. Paul. Epist. Rom. XIV. 5. ὃς μὲν κρίνει ἡμέραν παρ' ἡμέραν, ὃς δὲ κρίνει πᾶσαν ἡμέραν. Antiphont. 137, 43. ἡμέρα παρ' ἡμέραν γιγνομένη.
477. Cf. Ant. 1171. τᾶλλ' ἐγὼ καπνοῦ σικῆς | οὐκ ἂν πριαίμην ἀνδρὶ πρὸς τὴν ἡδονήν. Eur. Fr. 934. νοῦν ἔχοντος (ἦν ἄρα) | φίλον πρίασθαι χρημάτων πολλῶν σαφῆ.
478. κενῶσιν ἐλπίσιν θερμαίνεται] Cf. El. 1460. εἴ τις ἐλπίσιν κενῶσιν | ἐξήρει'. Aesch. Ag. 480. Cho. 628. τίω δ' ἀθέρμαντον ἐστίαν δόμων. Eur. El. 401. χαρᾶ | θερμαινόμεσθα καρδίαν.
480. πάντ' ἀκήκοας λόγον] Cf. Ph. 1240. 389. Tr. 484. Aesch. Ag. 582. πάντ' ἔχεις λόγον. Eur. Or. 1203. Anacr. IX. 33. ἔχεις ἅπαντ' ἄπελθε.
481. Cf. Plaut. Amph. I. 1. 'Si dixero mendacium, solens meo more fecerō.'
482. τῆς κομῶν καὶ σφοδρῶν ἐκ τοῦ σοῦ τρόπου. S. Johann. Ev. 18, 34. ἀφ' ἐαυτοῦ σὺ ταῦτα λέγεις, ἢ ἄλλοι σοι εἶπον περὶ ἐμοῦ;
485. τὴν ἀναγκαίαν τύχην] Cf. 803. El. 48. Eur. Iph. A. 511. ἀναγκαίης τύχας. Amph. com. III. 308. τῇ χειρὶ τρίβων τὴν ἀναγκαίαν τύχην (φύσιν conj. Mein.). et ad Philem. IV. 3.
488. εἶπερ τινὸς σθένοντος] Cf. O. R. 1128. εἶπερ τις ἄλλος πιστός. O. C. 456 εἴ τις ἄλλος ἐν πόλει σθένει. σθένοντος ἐν πλοῦτῳ] Qu. σθένοντος ἐν πόλει.
491. τὸ σὸν λέχος ξυνηλθόν] Cf. Eur. Phoen. 817. ἡ δὲ σὺναιμον λέχος ἦλθεν. φρονῶ τὰ σά] Cf. 1261. λέξει τὰ σά.
493. ἢ συνηλλάχθης ἐμοὶ] Cf. Eur. Hipp. 652. λέκτρων ἀθικτων ἦλθες ἐς συναλλαγάς. Andr. 1245. Ἐλένω ξυναλλαχθεῖσαν εὐναίους γάμοις.
498. βία ξυναρπασθεῖσαν] Cf. Aesch. Pers. 195. ξυναρπάζει βία. Sic φέρειν βία El. 725.
499. δουλίαν ἔξιν τροφήν] Cf. Aesch. Ag. 1041. πραθέντα τλῆναι δουλίας μάξης θιγεῖν (βία M. βίον Blom.).
501. λόγοις ἰάπτων] Qu. λόγους ἰάπτων. Cf. Aesch. Sept. 299. ὡς πλείστ' ἐπ' ἀνδρὶ τῶδ' ἰάπτεσθαι βέλῃ. 544. Rhianum Stob. Fl. IV. 31. μακάρεσσι ἐπὶ νόγον αἰνὸν ἰάπτει | ἀγνύμενος. Schol. ὑβρίζων.
511. σοῦ — μόνος] Cf. Eur. Med. 51. σοῦ μόνῃ. Lucian. D. D. 24, 1. καθέδω μόνος τῶν ἄλλων. διοίσειται] Pro διοίσει. Cf. Eur. Rhes. 982. ἅπαις διοίσει. 600. Hel. 10. Herod. III. 40. οὐτὼ διαφέρειν τὸν αἰῶνα (βούλομαι). Absolute διαφέρεισθαι (vivere) Hippocr. Act. 823. Xen. Mem. II. 1. 24. σκοπούμενος διοίσει τί ἂν — εὐροις. Schol. διάξει καὶ βιώσεται. Hesych. I. p. 989. διέφθειρε (διέφερε recte Kust.): διήγεν.

515. ἤστωσας] Cf. Fr. 481 a. κηρὸν ἀστώσας πυρὶ. Tr. 881. αὐτὴν διηάστωσε (διεξήστωσε?). Sic δηοῦν, δῆος, ἤθεος, etc.

516. Cf. Eur. Suppl. 609. τὸν εὐτυχία λαμπρὸν ἂν τις αἰροῖ | μοῖρα πάλιν.

517. καθεῖλεν] I. e. κατέβαλε. Cf. O. C. 1689. κατὰ με φόνιος αἶδας ἔλοι πατρὶ ξυνθανεῖν γεραῖω. Ant. 1158. Soph. Fr. 588, 4. Eur. Fr. 420, 3. μί' ἡμέρα τὰ μὲν καθεῖλεν ὑπόθεν, τὰ δ' ἦρ' ἄνω. Aesch. Ag. 396. τὸν δ' — φῶτ' ἄδικον καθαιρεῖ. Thuc. III. 68. 3. καθελόντες τὴν πόλιν εἰς ἔδαφος. III. 13. 7. I. 77. 6. θανασίμους] Cf. O. R. 959. Phil. 819. Tr. 1161. Αἶδον φθίμενος οἰκῆτωρ.

519. Cf. O. R. 314. O. C. 247. Xen. Oecon. VII. 14. τίς ἢ ἐμὴ δύναμις; ἀλλ' ἐν σοὶ πάντα ἐστίν.

522. Cf. O. C. 779. Anaxandr. 66. οὐχὶ παρὰ πολλοῖς ἢ χάρις τίκει χάριν. χάρις χάριν γάρ —] Cf. Soph. Phil. 955. φόνον φόνου δὲ δύοιον τίωσ τάλας. Aesch. Pr. 29. θεὸς θεῶν γάρ —.

523. ἀπορροεῖ μνηστis] Cf. 1267. ταχεῖά τις βροτοῖς | χάρις διαρροεῖ. El. 1000. ἡμῖν δ' ἀπορροεῖ (δαίμων). Longin. de subl. 33, 3. τῶν καλῶν ἢ μνήμη ταχέως ἀπορροεῖ.

534. πρέπον —] Anglice, This would have been a worthy act of my genius. δαίμονος τοῦμοῦ] Cf. O. R. 1194. τὸν σὸν δαίμονα. Tr. 910. τὸν αὐτῆς δαίμον' ἀνακαλουμένη. El. 1156. ὁ δυστυχῆς | δαίμων ὁ σὸς τε κάμῳς. O. C. 76. Eur. Alc. 510. καὶ τόνδε τοῦμοῦ δαίμονος πόνον λέγεις | σκληρὸς γὰρ αἰεὶ etc. Med. 1336. ἐμοὶ δὲ τὸν ἐμὸν δαίμον' αἰάζειν πάρα.

537. ὡς ἐκ τῶνδ'] Cf. Thuc. IV. 17. ὡς ἐκ τῶν παρόντων. VII. 76. ὡς ἐκ τῶν ὑπαρχόντων. Eur. Andr. 1184. οὗτός τ' ἂν ὡς ἐκ τῶνδ' ἐπιματ' ἂν, γέρον, | θανῶν, etc. Herod. VIII. 101. ταῦτα ἀκούσας Ξέρξης ὡς ἐκ κακῶν ἐχάρη.

538. δός μοι προσειπεῖν αὐτὸν —] Cf. Arist. Ach. 882. δός μοι προσειπεῖν, εἰ φέρεις τὰς ἐγγέλεις.

540. μὴ οὐ] Recte se habent particulæ μὴ οὐ, quum in verbo μέλλειν negationis notio insit. Cf. ad O. R. 13. 221. O. C. 360.

παρουσίαν ἔχειν] Cf. Aesch. Prom. 627.

543. Cf. Aesch. Sept. 202. ἤκουσας ἢ οὐκ ἤκουσας, ἢ κωφῇ λέγω; λελειμμένω λόγον] I. e. Jussi mei ignaro. Cf. El. 474.

545. αἶρ'] Schol. πρόσφερε —. Cf. Arist. Pac. 1. 1226. Th. 255. Plat. com. II. 630. αἶρ' ἔδωρ. Eur. El. 791. 800. Hom. II. 6, 264. μὴ μοι οἶνον ἄειρε. Theocr. XV. 27. Ἐνόα, αἶρε τὸ νᾶμα.

546. φόνον] I. e. cadaver. Cf. Eur. Or. 991. Μυρτίλου φόνον. 1358.

550. ὦ παῖ, γένοιο —] Cf. Arist. Eq. 1250.

552. τοῦτό γε ζηλοῦν ἔχω] Qu. τοῦδέ γε —. Cf. Eur. Iph. A. 677. ζηλώ σε μᾶλλον ἢ 'μὲ τοῦ μηδὲν φρονεῖν.

554. Cf. Aesch. Cho. 753. τὸ μὴ φρονοῦν γὰρ ὥσπερ εἰ βοτὸν | τρέφειν ἀνάγκη.

556. Cf. Phil. 54. Cratin. 108, 1. *Λήδα, σὸν ἔργον· δεῖ· σ' ὄπως εὐσχήμονος | ἀλεκτρονόμος μὴδὲν διοίσεις τοὺς τρόπους.*
559. *χαρμονίην*] Cf. Eur. Ion. 1379. *παιδὸς — χαρμονάς.* Arist. Ran. 892. *αἰθῆρ, ἔμὸν βόσκημα.* Nub. 33.
562. Cf. Aesch. Prom. 920. *τοῖον παλαιστὴν νῦν παρασκευάζε-ται | ἐπ' αὐτὸς αὐτῷ.* Eur. Hec. 907. et ad Arist. Nub. 1158.
564. *τηλωπὸς*] Cf. Phil. 216. *τηλωπὸν ἰωάν.*
565. *ἐνάλιος λεῶς*] Cf. Eur. Iph. A. 295. *ναυβάταν — λεῶν.* Aesch. Pers. 383. *πάντα ναυτικὸν λεῶν.* Arist. Pac. 920. *τὸν γεωρ-γικὸν λεῶν.* et ad Ach. 162.
570. *σφιν*] I. q. *αὐτοῖς.* Cf. O. C. 444. 451.
571. *μυχοὺς — τοῦ κάτω θεοῦ*] Cf. Trag. adesp. 104: *ἐν γῆς φίλης μυχοῖσι κρυφθῆναι καλόν.*
- 572 sq.. Cf. ad Arist. Eccl. 1000. Lys. 917. Hom. II. XV. 41. X. 330.
573. *λυμεῶν*] I. q. *λυμαντής* (Soph. Tr. 793.). Cf. Eur. Hipp. 1068. *γυναικῶν λυμεῶνας.* Fr. 262. *ἔπανο' ὁδοιπορὸς λυμεῶνας.* Aesch. Ag. 1438. Cho. 764.
576. *ἐπιτάβριον ἄρρηκτον σάκος*] Cf. Aesch. Suppl. 190. *ἄρρη-κτον σάκος.*
577. *κοῖν' ἐμοί*] Una mecum. *Κοινὰ* adverbium hic est ut in Ant. 546. *μὴ μοι θάτης οὐ κοινά.* O. C. 1752.
579. *δῶμα πάκτου*] Cf. Arist. Vesp. 129. *ὄσ' ἦν τετριμμένα | ἐπεβύσαμεν δακίοισι κάπακτώσασμιν.*
580. *φιλόκκιστον*] Cf. *φιλόδουτος* Aesch. Suppl. 66.
581. *πύκαζε*] Schol. *ἀσφαλίζον.* Cf. Hesiod. Op. 622. *νῆα δ' ἐπ' ἠπείρου ἐρύσαι πύκασαι τε λίθοισι | πάντοθεν.*
582. *θρηγεῖν ἐπφδάς*] Cf. Hom. Od. 19, 457. *ἐπαιοιδῆ δ' αἶμα κελαινὸν | ἔσχεθον. τομῶντι*] That calls for the knife. Cf. Pind. P. 3, 53. *τοὺς δὲ τομαῖς ἔστασεν ὀρθοῦς.* Cum *τομᾶν* cf. *φονᾶν, καπρᾶν, θανατᾶν, φαρμακᾶν, λογᾶν, κωνᾶν, κορυζᾶν, λεπρᾶν, χαλαζᾶν. πήματι*] Sc. νόσου. Cf. Aesch. Ag. 849. *ἦτοι τεμόντες ἦ κέαντες — πειρασόμεσθα πῆμ' ἀποστρέφωι νόσου.*
584. *τεθηγμένη*] Cf. Aesch. Prom. 311. *λόγοι τεθηγμένοι.* Eur. Or. 1625. *παῦσαι λῆμ' ἔχων τεθηγμένον.* Theodect. 9, 3. *τεθηγμένω.* Arist. Rhet. III. 3. 2.
585. *δρασεῖεις*] Moliris. Cf. 326. *ὡς τί δρασειῶν κακόν;* Ph. 1245.
588. *προδοὺς — γένη*] Cf. Phil. 773. *κτείνας γένη.* O. R. 957. *σημήνας γενοῦ.*
590. "I. e. deorum reverentiae non amplius hoc debeo ut vobis opem feram." (Dind.)
593. Cf. Plat. Resp. V. 461 B. *μὴ ξυνέρξαντος ἄρχοντος.*
594. *μαλάσσου*] Cf. Arist. Eq. 389. *ἐὰν νυνὶ μαλάξης αὐτὸν ἐν τῇ προσβολῇ.* Vesp. 973. *ἔσθ' ὄτω μαλάττομαι.*

597. Σαλαμίς — ἀλιπλάκτος] Cf. Pind. P. IV. 24. ἐξ ἀλιπλάκτον ποτὲ γὰς. Aesch. Pers. 307. θαλασσοπλήκτον νῆσον Αἴαντος. O. R. 687. ἰαμφιπλήκτων (l. ἀμφιπλάκτων).

600. παλαιὸς ἀφ' οὗ χρόνος] Cf. Aesch. Ag. 983. χρόνος δ' ἐπει —.

605. ἐλπίδ'] Schol. φόβον. Cf. Tr. 113. Aesch. Ag. 1008.

606. Cf. Tr. 669. Eur. Suppl. 1142. ἤρυσαν τὸν Αἴδαν. Or. 1685. λαμπρῶν ἄστρον πόλον ἐξανύσας. Med. 651. Bacch. 1103. ἐπεὶ μόχθων τέρματ' οὐκ ἐξήντων.

608. ἀπότροπον — Αἴδαν] Cf. Arist. Eccl. 792. πῦρ ἀπότροπον.

611. ξύναυλος] I. q. δμαυλος, συνοικῶν, συνναίων, συνών. Cf. Eur. El. 879. ξύναυλος βοὰ χαρᾶ. Aesch. Sept. 653. ὦ θεομανές τε καὶ θεῶν μέγα στύγος.

614. οιοβώτας] Schol. ἀποπλανηθεῖς, ἀπὸ μεταφορᾶς τῶν πλανηθέντων προβάτων καὶ μόνων βοσκομένων. Confer οἰόζωνος O. R. 846. οἰόφρων Aesch. Suppl. 795. μονόφρων Ag. 757.

616. ἔργα χειροῖν] Cf. Herod. V. 72. τοῦ ἔργα χειρῶν τε καὶ λήματος —.

618. De duplici genitivo cf. ad 54.

622. παλαιᾷ μὲν ἔντροφος ἀμέρα] Cf. O. C. 1362. σὺ γὰρ με μόχθῳ τῶδ' ἔθikas ἔντροπον. παλαιᾷ — ἀμέρα] Cf. O. R. 561. μακροὶ παλαιοὶ τ' ἂν μετρηθεῖεν χρόνοι. O. C. 112. χρόνῳ παλαιοί. Aj. 600. παλαιὸς — χρόνος. Tr. 667. ἐπίπονον ἀμέραν. Eur. Ion. 720. νέαν ἀμέραν. Phoen. 540. ἐχθρᾶς ἡμέρας. Rhés. 389. παλαιᾷ σ' ἡμέρα προσεννέπω. Dem. encom. 22. παλαιαῖς ἐτῶν περιόδους. et δούλιον et ἐλεύθερον ἡμαρ apud Homerum.

624. λευκά τε γήρα μάτηρ] Cf. Eur. Herc. 909. ὦ λευκά γήρα σώματα.

627. αἴλιον αἴλιον — ἤσει] Cf. Aesch. Ag. 121. αἴλιον αἴλιον εἰπέ. Eur. Or. 1395. αἴλιον αἴλιον — λέγουσιν.

629. οἰκτρᾶς — ἀηδοῦς] Cf. El. 1077. ἃ πανόδυρτος ἀηδῶν. Aesch. Ag. 1143 sq. Hom. Od. 11, 420. οἰκτροτάτην — ὄπα — Κασσάνδρης. Philostr. Imag. II. 10. βοᾷ οὕτω τι οἰκτρὸν. ὄρνιθος ἀηδοῦς] Cf. Fr. 300, 2. ὄρνιθος — πέρδικος. et ad Av. 79. τροχίλος ὄρνις.

630. δξυτόνους —] Cf. El. 243. δξυτόνων γόνων. ὠδάς θρηνησει] Cf. El. 88. θρηῶν ὠδάς. Phil. 1093. δξυτόνων διὰ πνευμαίων. Aesch. Ag. 57. οἰωνόθροον γόνον δξυβόαν. Sept. 320. δξυγόοις λιταῖσιν.

631. χερόπλακτοι —] Cf. Eur. Phoen. 1351. ἐπὶ κάρᾳ λευκοπήχεις κτύπους χεροῖν. Andr. 1211. κάρᾳ κτύπημα χερὸς ὀλοόν. Cho. 23. δξύχειμι σὺν κτύπῳ. Orest. 961. κτύπον τε χερὸς.

633. πολιᾶς ἀμύγμα χαίτας] Cf. Eur. Andr. 828. σπάραγμα κόμας ὀνύχων τε δαί' ἀμύγματα θήσομαι. Suppl. 76. Hec. 653.

634. κρείσσων] Cf. ad O. R. 1368.

635. παρ' Ἄϊδα κεύθων] Cf. ad O. R. 968. ὁ δὲ θανῶν κεύθει κάτω δὴ γῆς. Ant. 911. ἐν Ἄϊδον — κεκευθότοι. ὁ νοσῶν μάταν] Cf. Eur. Hipp. 916. ὁ δὲ πᾶσι πάμαρτάνοντες ἄνθρωποι μάτην. Arist. Pac. 95.

640. συντροφίους ὀργαῖς] Cf. Ant. 957. κερτομίους ὀργαῖς. 356. ἀστυνόμους ὀργάς. Eur. Tro. 53. ἐπήνεσ' ὀργὰς ἠπίους. ἐκτὸς ὀμιλεῖ] Cf. Ant. 797. τῶν μεγάλων ἐκτὸς ὀμιλῶν (ἀλαίων?) θεσμών. Vix sanum. Qu. ἐκτὸς ἀλάται (aut ἀλαίνει).

641. οἶαν σε μένει πνθέσθαι —] Cf. Aesch. Ag. 458. μένει δ' ἀκοῦσαί τί μου μέριμνα νικητοεφές. Prom. 605. Pers. 807. (dat.) Eur. Hipp. 369. Iph. A. 1518. Her. 60. 276. Herc. 1152. Or. 1059. Rhés. 818. Tro. 245. Hel. 803. Fr. 733.? (dat.).

643. δύσφορον ἔταν] Eadem verba sunt Aesch. Eum. 376.

646. ὁ μακρὸς — χρόνος] Cf. 714. ὁ μέγας χρόνος.

647. κρύπτεται] Media forma ut in Tr. 474. πᾶν σοι φράσω τάληθές οὐδὲ κρύψομαι. Aj. 245. κάρα — κρυγόμενον.

648. Cf. Eur. Fr. 761. ἀελπτον οὐδέν, πάντα δ' ἐλπίζειν χρεῶν.

649. Cf. Ant. 475. Menand. 6, 3. ὁ γὰρ μετριῶς πρᾶττων περισκελεότερον | ἔπαντα τάνιαρά, Λαμπρία, φέρει.

651. βαφῆ σίδηρος ὡς —] Cf. Aesch. Ag. 612. χαλκοῦ βαφάς. Theocr. 29, 24. κῆμὲ μαλθακὸν ἐξεπόνησε σιδαρέω (σίδαρον ὡς?).

654. παρακτίους λειμῶνας] Cf. Fr. 233 a. παρακτίαν (παράκτιον?) — ὀδόν.

655. λύμαθ' ἀγνίσας] Cf. Eur. Or. 429. οὐδ' ἦγνισαι σὸν αἷμα κατὰ νόμους χερσῶν; Aesch. Prom. 715. Eur. Hel. 1271. ὡς μὴ πάλιν γῆ λύματ' ἐκβάλλη κλύδων.

656. ἐξάλυξομαι] Cf. Aesch. Prom. 586. ὄπη πημονὰς ἀλύξω. Hippol. 673. πᾶ ποτ' ἐξάλυξω τύχας; Bacch. 726.

663. τι κεδνὸν —] Cf. Eur. Tro. 678. πράξειν τι κεδνόν. Alc. 605. κεδνά πράξειν. Aesch. Cho. 699. κεδνῶν ἕκατι πραγμάτων.

664. ἡ βροτῶν παροιμία] Cf. Ag. 264. ὥσπερ ἡ παροιμία.

665. Cf. Eur. Med. 618. κακοῦ γὰρ ἀνδρὸς δῶρ' ὄνησιν οὐκ ἔχει. ἄδωρα δῶρα] Cf. Aesch. Ag. 1544. ἄχαριν χάριν — ἐπικροᾶναι. Phoen. 1757. χάριν ἀχάριστον.

666. εἰσομέσθαι — εἶκιν] Cf. Aesch. Pers. 479. οἶσθα σημῆναι τορῶς; Dem. 660, 24. Diog. L. I. 5. 87.

668. τί μῆν;] Cf. El. 1280. Aesch. Eum. 203. Ag. 672. Cho. 752. Suppl. 999. Eur. Rhés. 706. τί γάρ; Similiter in fine senarii legitur Aesch. Cho. 867.

670 sq. Cf. Eur. Phoen. 546. εἶθ' ἥλιος μὲν νύξ τε δουλεύει βροτοῖς, | σὺ δ' οὐκ ἀνέξει δωμάτων ἔχων ἴσον; τιμαῖς] I. q. ἀρχαῖς. Cf. Aesch. Cho. 399. Γὰρ χθονίων τε τιμαί. 405. νεοτέρων τυραννίδες.

671. ἄημα — πόντον] Cf. Aesch. Eum. 832. κοίμα — κύματος — μένος.

672. ἐξίσταται —] Cf. Phil. 1053. σοί γ' ἐκὼν ἐκοτήσομαι. Arist. Ran. 354. εὐφημεῖν χρὴ καξίστασθαι τοῖς ἡμετέροισι χοροῖσιν. νυκτὸς αἰανῆς κύβητος] Cf. Arist. Ran. 1331. ὦ νυκτὸς κελαινοφαῆς ὄρφνα. Aesch. Eum. 416. ἡμεῖς γάρ ἐσμεν νυκτὸς αἰανῆς τέκνα.

Pers. 428. κελαινῆς νυκτὸς ὄμμα. Eur. Iph. T. 110. νυκτὸς ὄμμα λυγαίας. Phocyl. 68. οὐ φθονεῖ μήνη πολὺν κρείσσοσιν ἤλιου ἀυγαίας.

673. λευκοπώλω — ἡμέρα] Cf. Aesch. Prom. 386. λευκοπώλω ἡμέρα. Aesch. Fr. 67. Contra μελάνιππος νῆξ. φέγγος — φλέγειν] Cf. Arist. Ran. 344. φλογὶ φέγγεται δὲ λειμών.

674. ἄημα πνευμάτων] Cf. Aesch. Eum. 905. κἀνέμων ἀήματα. Ag. 1418. Θρηκίων ἀημάτων. ἐκοίμασε] Cf. Eur. Phoen. 185. Virg. Aen. V. 763. 'placataque venti | dant maria.' I. 66. Ecl. 2, 26 G. 4, 484.

676. ὕπνος λύει πεδήσας] Cf. Mosch. II. 3. ὕπνος δε γλυκίων μέλιτος βλεφάροισιν ἐφίζων | λυσιμελῆς πεδάα μαλακῶ κατὰ φάει δεσμῶ. πεδήσας] Ἀ πέδη (pedica) O. R. 1349. Tr. 1057.

679. ὄ τ' ἐχθρὸς —] Cf. Cic. de Amic. 16, 38.

683. ἔταιρείας λιμήν] Cf. Theogn. 113. μή ποτε τὸν κακὸν ἄνδρα φίλον ποιῆσθαι ἔταιρον, | ἀλλ' αἰεὶ φεύγειν ὥστε κακὸν λιμένα.

ἔταιρείας] Cf. Simon. Fr. 119. Thuc. III. 82. τῆς τε ἑταιρίας (ἑταιρείας recte A.) διαληθῆς. Opponitur ἐχθρα Demosth. p. 851, 18. λιμήν] Tralate, ut in O. R. 1208. Ant. 1000. 1284. Eur. Or. 1077. μέγας πλούτου λιμήν. Med. 769. λιμήν τῶν ἐμῶν βουλευμάτων. Aesch. Pers. 250. ὦ Περσὶς αἶα καὶ μέγας (βαθὺς Herw.) πλούτου λιμήν. Philem IV. 31. κἄν μὲν δομισθῇ τις ἡμῶν εἰς λιμένα τὸν τῆς τύχης (τέχνης Bentl.), etc.

684. σήσω] Cf. El. 223. 375. Eur. Iph. T. 770. οὐ πολὺν σήσω χρόνον.

685. διὰ τέλους] Cf. Aesch. Eum. 64. Eur. Suppl. 271. Herc. 103. Fr. 275.

690. ἐγὼ γὰρ εἰμ' ἐκεῖσ' ὅποι πορευτέον] Cf. 810. ἀλλ' εἰμι καγὼ κείσ' ὅποιπερ ἂν σθένω.

691. καὶ τάχ' ἂν μ' ἴσως | πύθοισθε etc.] Cf. Thuc. VI. 78. τάχ' ἂν ἴσως — βουλευθείη etc. Plat. Legg. IV. τοῦτο μὲν γὰρ τάχ' ἂν ἴσως etc. Arist. Vesp. 1456.

693. Cf. Aesch. Fr. 384. ἔφριξ', ἐρῶ δὲ τοῦδε μυστικοῦ τέλους. (Ut corrigat Dind.) περιχαρῆς] Cf. Arist. Vesp. 1477. περιχαρῆς τῶ πράγματι. Pac. 309. Herod. VII. 37. 4. περιχαρῆς ἐών. Confer περιθνυμος et περίοργος. ἀνεπτόμαν] Cf. Eur. Suppl. 89. φόβος μ' ἀναπτεροῖ. Hel. 632. γέγηθα, κρατὶ δ' ὀρθίους ἐθείρας ἀνεπτέρωκα. El. 177. Aesch. Cho. 224. ἰγροσκοποῦσά τ' — ἀνεπτέρωθης etc. Arist. Av. 432. κλύων γὰρ ὧν σύ μοι λέγεις | λόγων ἀνεπτέρωμαι. 1445. ἀνεπτέρωσθαι καὶ πεποτῆσθαι τὰς φρένας. Nub. 319. ταῦτ' ἄρ' ἀκούσασ' αὐτῶν τὸ φθέγγμ' ἢ ψυχὴ μου πεπότῃται. Diph. IV. 404. γέγηθα καὶ χαίρω τε καὶ πτερύττομαι.

694. Cf. Aesch. Pers. 448. νῆσος — ἦν ὁ φιλόχορος | Πάν ἐμβατεύει. Eur. Fr. 696, 3. ὅς τε πέτρων Ἀρκάδων δυσχεμιέρων | Πάν ἐμβατεύει. www.libtool.com.cn

695. ἄλιπλαγτε] Cf. νυκίπλαγκτος Aesch. Ag. 330. θαλασσόπλαγκτος Trach. 658. 4. Κυλλανίας χιονοκτύπον — δειράδος] Cf. Eur. Phoen. 206. δειράσι νιφοβόλοις Παρνασσῶ.

698. χοροποι' ἀναξ] Cf. Aesch. Pers. 448. ὁ φιλόχορος Πάν.

699. Κνωσὶ δρχήματα] I. e. Κρητικά. Cf. Arist. Eccl. 1165.

Κρητικῶς οὖν τὸ πόδε καὶ σὺ κίνει.

700. αὐτοδαῆ] Anglice self-taught. ἰάψης] Schol. συνάψης. Cf. Aesch. Ag. 1542. τίς δ' ἐπιτύμβιον αἶνον ἐπ' ἀνδρὶ θείῳ ξὺν δακρύοις ἰάπτων (?) — ποιήσει (ποιήσει?); Eum. 307. καὶ (οὐν?) χορὸν ἄνωμεν. Arist. Th. 955. χειρὶ σὺναπτε χεῖρα.

702. Ἰκαρίων — πελαγέων] Cf. Ant. 966. κνανέων — πελαγέων.

705. εὐγνωστος] Cf. Eur. Or. 1394. τὰ γὰρ πρὶν οὐκ εὐγνωστα συμβαλοῦσ' ἔχω.

706. ἔλυσεν — ἄχος] Cf. El. 939. πημονῆς λύσεις βάρους. Aesch. Sept. 270. λύουσα πολέμιον φόβον. Eur. Fr. 573, 4. ταῦτα — καρδίας ἔλυσε τοὺς ἄγαν πόνους.

708. Schol. νῦν πάρεσιν ἡμέρα λαμπρὰ ἡμῖν ὥστε ἐγγίσει τῶν νεῶν. πάρα λευκὸν —] Cf. Aesch. Cho. 961. πάρα τὸ φῶς ἰδεῖν. λευκὸν εὐάμερον — φάος] Cf. Soph. Fr. 10. λευκὴν ἡμέραν (i. e. τὴν ἀγαθὴν). Aesch. Pers. 300. λευκὸν ἡμαρ. Ag. 668.

711. λαθίπονος] Cf. v. λαδικηδής (Anth.).

714. Cf. Aesch. Eum. 286. χρόνος καθαιρεῖ πάντα γηράσκων δμοῦ. ὁ μέγας χρόνος] I. e. ὁ μακρὸς, ut est v. 646. μαραίνει] Cf. Trag. adesp. 574. ἅπαντα θάλλει καὶ πάλιν μαραίνεται. Qui Sophoclis, ni fallor, versus est. Cf. Fr. 718, 3. ὕβρις — ἀνθεῖ τε καὶ πάλιν φθίνει.

715. ἀναύδατον] Cf. Eur. Ion. 782. ἄφατον ἄφατον ἀναύδητον λόγον ἐμοὶ θροεῖς. φατίξαιμ' ἄν] Cf. O. C. 139. τὸ φατιζόμενον. Eur. Iph. A. 936. ἐμὴ φατισθεῖσ'. Herod. V. 58.

716. ἐξ ἀέλπτων] Cf. Aesch. Suppl. 352. ἐξ ἀέλπτων κἀρομηθῆτων. Eur. Fr. 101, 2. ἐκ τῶν ἀέλπτων. Fr. 554. Ion. trag. Fr. 50. ἐκ τῶν ἀέλπτων. Infra 1083. πόλιν ἐξ οὐρίων δραμοῦσαν.

719. Cf. Eur. El. 230. ζῆ' πρῶτα γὰρ σοὶ τὰγάθ' ἀγγέλλειν θέλω.

722. κυθάζεται τοῖς —] Cf. Epich. Fr. 19, 6. τήνω κυθάζομαι κἀπ' ὧν ἠχθόμαν.

725. ὀνειδεῖσιν ἤρασσον] Cf. Phil. 374. χολωθεῖς εὐθὺς ἤρασσον κακοῖς | τοῖς πᾶσιν.

727. ἀποκαλοῦντες] Cf. Eur. Iph. A. 1354. οἷ με τὸν γάμων ἀπεκάλουν ἦσοσα. Andoc. p. 31, 10. Plat. Gorg. 512 C. ὡς ἐν ὀνειδεῖ ἀποκαλῶν μηχανοποιόν. Xen. Mem. I. 2. 57. ἀργὸν σοφιστὴν ἀποκαλεῖν τινα. Dem. p. 582, 12. οὖς νῦν ὕβριζει καὶ πτωχὸς ἀποκαλεῖ. Aesch. Ag. 1170. Pr. 918.

728. πέτροισι — καταξανθείς θανεῖν] Cf. Aesch. Prom. 954. Ag. 1171. Eur. Suppl. 503. πέτροις καταξανθέντες. Phoen. 1162. πρὶν καταξάνθαι βολαῖς. Tro. 509. δακρυοῖς καταξανθείσα. Arist. Ach. 320.

730. κολεῶν ἐρυστά] Cf. Eur. Hec. 544. φάσγανον | ἐξεῖλκε κολεοῦ. Iph. A. 1567. δὲν φάσγανον σπάσας | κολεῶν ἔσωθεν.

731. δραμοῦσα τοῦ προσωτάτω] Cf. Arrian. Anab. II. 6. 7. προῖεναι τοῦ πρόσω. et ad Arist. Ran. 174.

732. ἐν ξυναλλαγῇ λόγου] Cf. Eur. Suppl. 602. λόγων ξυναλλαγῆς.

734. τοῖς κυρίοις] Cf. O. C. 1635. ὁ κύριος | Θησεὺς παρέστω. Arist. Ran. 1168. Dem. p. 1396.

740. τί — χρείας τῆσδε] Cf. Ph. 175. ἐπὶ παντί τω χρείας ἴσταμένῳ.

741. ἀπηύδα] Vetabat. Cf. Aesch. Ag. 1332. δακτυλόδεικτον δ' οὔτις ἀπειπὼν εἶργει μελάθρων. ἔνδοθεν στέγης] Sic συμφορᾶς ἔξωθεν El. 1449.

744. καταλλαχθῆ] Qu. διαλλαχθῆ. Cf. Eur. Med. 896. διαλλάχθητε — ἐχθρας. Andoc. II. 26. διαλλαχθέντι τῆς ἐχθρας. IV. 41. Sic καταλλάσσεσθαι τὴν ἐχθρὴν τινὶ Herod. I. 61.

750. ὅλος Ἀτρειδῶν δίχα] Cf. El. 550. εἰ καὶ σῆς δίχα γνώμης λέγων. Aesch. Ag. 688. δίχα δ' ἄλλων μονόφρων εἰμί.

751. Cf. Aesch. Pr. 24. Pers. 217. Eur. Phoen. 586. Herc. 821.

756. Similis constructionis mutatio est infra 1234.

757. ἔφη λέγων] Cf. Aesch. Ag. 205. τόδ' εἶπε φωνῶν. Arist. Av. 472. ἔφασκε λέγων. Fr. 161. φαίη λέγων. Vesp. 795. ἦ δ' ὅς λέγων. Herod. III. 145. ἔφη λέγων. III. 156.

758. περισσά —] Cf. El. 1241. περισσὸν ἄχθος γυναικῶν. Fr. 859, 3. βάρος περισσὸν γῆς ἀναστρωφώμενοι, Fr. 103. τὰ γὰρ περισσά πανταχοῦ λυπήρ' ἔπη. Apud Homerum ἔτωσιον ἄχθος ἀρούρης. ἀνόητα λήματα] Cf. 162. et ad 1272. Trag. adesp. 102, 8. θηρῶν ἀνόητα γένη.

759. Cf. El. 784. ἀπήλλαγμαὶ φόβου πρὸς τῆσδε. Ant. 1219.

δυσπραξίας] Cf. Eur. Hipp. 915. οὐ κρύπτειν δίκαιον σὰς δυσπραξίας. 1405. ὄμωξα πατρὸς δυσπραξίας. Aesch. Eum. 769.

760. ὄστις] Cf. Eur. El. 928. κἀκείνους στυγῶ | τοὺς παῖδας, ὄστις etc.

762. Cf. Eur. Fr. 554. ἐκ τῶν ἀέλπτων ἢ χάρις μείζων βροτοῖς | φανεῖσα. Aesch. Suppl. 342.

766 sq. Sophocles Ajaci Telamonis filio quae alteri Ajaci tribuit Homerus. V. Hom. Od. 4, 499 sq.

767. Cf. El. 1166. δέξαι μ' — τὴν μηδὲν εἰς τὸ μηδέν. Eur. Tro. 609. τὰ — τὸ μηδέν ὄντα. 412. τῶν τὸ μηδέν. Eur. Fr. 1, 8. τοὺς — τὸ μηδέν ὄντας.

769. ἐπισπάσειν] Cf. Aesch. Pers. 477. τοσόνδε πλῆθος πημάτων ἐπέσπασεν.

772. ἡῦδατ'] Media forma. Cf. Phil. 130. αὐδωμένον.

775. ἐκρήξει] Cf. Arist. Meteor. II. 8. 14. ἐκρήξας ἄνεμος.

776. ἀστεργῆ] Cf. O. R. 229. πείσεται — ἀστεργές οὐδέν. Cf. v. ἀπενθήσας Aesch. Pr. 956.

777. Cf. 968. ἐκτήσασθ' αὐτῷ θάνατον δνπερ ἤθελε.

786. ξυρεῖ — ἐν χροῶ] Sic ἐν χροῶ παραπλέειν Thuc. II. 84. ἐν χροῶ συνάπτειν μάχην Plut. Thes. 27. ἐν χροῖ κείρειν Herod. IV. 175. Xen. Hell. I. 7. 8. Latine 'hoc ad vivum radit.' Similiter nos dicimus, 'it was a close shave.'

788. κακῶν ἀτρύτων] Cf. Mosch. IV. 69. ἀτρύτοιον | ἄλγεσι μοχθίζουσαν. Herod. IX. 52. ἔχον πόνον ἀτρυτον. Aesch. Sept. 875. κακῶν ἀτρύμονες.

790. ἦν ἤλγησ'] Cf. Phil. 1021. ἐγὼ δ' ἀνιώμαι τοῦτ'. Eur. Fr. 285, 13. Ἐν δ' ἀλγύνεται φρονῶν. et ad Aesch. Cho. 1016. ἀλγῶ μὲν ἔργα —. Qu. ἤσ ἤλγησ'.

792. οὐκ οἶδα τὴν σὴν προᾶξιν] Cf. El. 1110. οὐκ οἶδα τὴν σὴν κληδόν'. Fr. 176, 1. οὐκ οἶδα τὴν σὴν πείραν.

794. ὠδίνειν τί φῆς] Cf. O. R. 74. καί μ' ἤμαρ — λυπεῖ τί προᾶσει.

795. Cf. 753. εἰρῆσαι — Αἰανθ' ὑπὸ σκηναῖσι. ἐξεφίεται] Vehementer jubet. Cf. Eur. Iph. T. 1468. ἐξεφίεμαι.

799. ἐλπίζει] Cf. Tr. 111. κακὰν δύστανον ἐλπίζουσαν αἰσαν. Eur. Hel. 740. Herc. 746. Ion. 348. Plat. Legg. I. 644 D. Cic. Tusc. IV. 37. 80. 'si spes est exspectatio boni, mali exspectationem esse necesse est.'

800. τοῦ ποτ' ἀνθρώπων μαθῶν;] Ne τοῦ παρ' — corrigendum suspiceris, cf. El. 889. ὡς μαθοῦσά μου λέγῃς. O. R. 544. O. C. 593. Ant. 723. 1031.

801. τοῦ Θεστορείου μάντεως] Cf. Aesch. Sept. 382. μάντιν Οἰκλείδην.

803. Cf. El. 48. Eur. Iph. A. 511. ἀλλ' ἤκομεν γὰρ εἰς ἀναγκαίας τύχας. Hel. 254. ἀναγκαῖα τοῦ βίου φέρειν. El. 1301. μοῖραν ἀνάγκης ἤγεν τὸ χρεῶν. Hom. Il. 15, 836. ὁ σφιν ἀμύνω | ἤμαρ ἀναγκαῖον.

805. ἀντηλίους] Cf. Aesch. Ag. 519. δαίμονές τ' ἀντήλιοι. Eur. Ion. 1550. ἀντήλιον πρόσωπον ἐκφαίνει.

807. Cf. 1353. Phil. 3. Eur. El. 173. κείσαι σᾶς ἀλόχου σφαιγείς. Or. 497. πληγείς θυγατρὸς.

811. χωρῶμεν, ἐγκονῶμεν] Cf. Eur. Hec. 507. σπεύδωμεν, ἐγκονῶμεν. Arist. Pl. 255. ἦ' ἐγκονεῖτε, σπεύδεθ'. οὐχ ἔδρας ἀκμῆ] Cf. Phil. 12. ἀκμῆ γὰρ οὐ μακρῶν ἡμῖν λόγων. El. 22. 1338. Eur. Or. 1292. οὐχ ἔδρας ἀγῶν (ἀκμῆ?).

814. ἄμ' ἐνεται] Cf. O. R. 471. δειναὶ δ' ἄμ' ἐπονται Κῆρες.

815. σφαγεύς] Cf. Adesp. Fr. 260. δεινὸς σοφιστὴς τῶν ἀγνυμνάσιων σφαγεύς. Confer τομεύς (σκυτοτομικὸν ἐργαλεῖον). Adesp. 340. δεινὸς κολαστὴς πέλεκυς αὐχένος τομεύς. Eur. Andr. 1134. σφαγεῖς βουπόροι. Alibi σφαγεύς occisor significat, Iph. T. 623. Rhes. 254. Herc. 451. τομώτατος] Cf. Callim. Fr. 78. 116. [Phocyl.] 124. ὄπλον τοι λόγος ἀνδρὶ τομώτερόν ἐστι σιδήρου. Plat. Tim. 61 E. σφοδρὸν ὄν καὶ τομόν. Dem. 773, 3. ἰταμόν γὰρ ἡ πορηρία καὶ τομόν καὶ πλεονεκτικόν.

816. εἴ τῳ καὶ λογίζεσθαι σχολή] Cf. Arist. Eq. 1275. ἀλλὰ τιμὴ τοῖς χρηστοῖσιν, ὅστις εὖ λογίζεται. Qu. εἴ τῳ ὅτιν —.

820. θηγάνη] Cf. Aesch. Ag. 1536. Eum. 859. νεηκονής] Homeric form is νεηκῆς, Attica et Dorica νεακῆς. Altera forma est νεακόνητος El. 1394.

821. εὖ περιστέλλας] Cf. Ph. 447. ἀλλ' εὖ περιστέλλουσιν αὐτὰ δαίμονες. Eur. Or. 1066. καὶ κατθανόντων εὖ περιστέλλον δέμας. Med. 582. 1034.

822. διὰ τάχους] Cf. Tr. 595. διὰ τάχους δ' ἐλεύσεται. Sic οὖν τάχει, ἐν τάχει, etc.

825. αἰτήσομαι — λαβεῖν] Cf. Eur. Hec. 40. αἰτεῖ δ' ἀδελφὴν τὴν ἐμὴν Πολυξένην γέρας λαβεῖν.

828. πεπιῶτα — περὶ — ξίφει] Cf. 899. 907. Arist. Vesp. 523. ἦν γὰρ ἠτηθῶ λέγων σου, περιπεσοῦμαι τῷ ξίφει.

829. Cf. Phil. 124. μὴ κατοπτευθῶ παρών. Κατόπτης (i. q. κατάσκοπος) legitur Herod. III. 17. 21. (coll. 19.).

831 sq. καλῶ δ' ἅμα —] Cf. Aesch. Ag. 1292 sq. προστρέπω] Supplicor. Cf. O. C. 50. ὦν σε προστρέπω φράσαι.

832. πομπαῖον Ἑρμῆν] Cf. O. C. 1548. Ἑρμῆς ὁ πομπός. Ph. 133. Tr. 617. Ἑρμοῦ τήνδε πομπεύω τέχνην. Pind. P. I. 33. πομπαῖον — οὔρον. Aesch. Eum. 90. κάρτα δ' ὦν ἐπιώννυμος | πομπαῖος ἴσθι. Cho. 1. Hor. Od. I. 10. 17. 'Tu pias laetis animas reponis | sedibus.' II. 18. 33. 'satelles Orci.' πομπαῖον Ἑρμῆν χθόνιον] I. e. ψυχοπομπόν. Cf. El. 111. ὃ χθόνι' Ἑρμῆ. κοιμίσαι] Consopire. Cf. 674. Nicoph. com. 7. κοιμίσαι τὸν λύχρον (i. e. σβέσαι). Phryn. 24. Xen. Conv. 2, 22. ὁ οἶνος ἄρδων τὰς ψυχὰς τὰς μὲν λύπας κοιμίζει, etc. et v. κατεννάζειν.

833. ἀσφαδάστω — πηδήματι] Cf. Eur. Fr. 1009. ὁ δ' ἐσφάδαζεν οὐκ ἔχων ἀπαλλαγῆς.

835. Virgines Vestales ἀειπάρθενοι appellantur ab Dione et aliis.

837. Ἑρινὺς τανύποδας] Cf. El. 491. χαλκόπους Ἑρινὺς. τανύποδας] Cf. v. τανύδρομος Aesch. Eum. 371.

839—842. In schol. ταῦτα δὲ νοθεύεσθαι (qu. νενοθεῦσθαι, coll. schol. ad Ant. 44.) φασιν.

841. τῶς] Sic. Quater hac voce utitur Aeschylus, Sept. 484. 637. Suppl. 69. 691. Apud Euripidem nusquam legitur. αὐτο-

σφαγείς] Cf. Eur. Med. 1250. *ποιὴν φρονίαν τέκνοις προσβαλεῖν χερ' αὐτοκτόνον.* 1278. *ἄτις τέκνων — ἄροτον αὐτόχειρι μοῖρα κτενεῖς.*

843. *ποιήνιοι*] *Ultrices.* Cf. Tr. 808. *ποιήνιος Δίκη.* El. 210. *ποιήνιομα πάθεα.* Trag. adesp. 525. *ἐμποήνιος.*

844. Cf. Hom. Il. 13, 476. *ὡς μένεν Ἴδομενεὺς δουρικλυτός, οὐδ' ὑπεχώρει, | Αἰνείαν etc.* Ubi οὐδ' ὑπεχώρει est διὰ μέσου. *γεύεσθε*] Cf. Arist. Ran. 462. *οὐ μὴ διατρίψεις ἀλλὰ γεύσει τῆς θύρας —;*

845. *ὦ τὸν αἰπὺν οὐρανὸν διφρηλατῶν Ἥλιε*] Cf. Eur. Andr. 1010. *ὦ — Πόντιε κνανέαις ἵπποις διφρευῶν ἄλιον πέλαγος.* Thedect. 17, 1. *ἧς ἀγχιτέρμων Ἥλιος διφρηλατῶν.*

846. Cf. Eur. Tro. 1136. *χαλκόνωτον ἀσπίδα.* Phoen. 1130. *σιδηρονώτοις ἀσπίδος τύποις.* Ach. 1124. *γοργώνατον ἀσπίδος κύκλον.*

850. Cf. Ant. 1247. *ἐς πόλιν (ἐν πόλει?) γόους | οὐκ ἀξιώσειν (leg. ἐξανήσειν coll. h. 1).*

851. *ἦσει — κωκυτὸν*] Cf. Eur. Med. 1176. *ἦκεν ὀλολυγῆς μέγαν κωκυτὸν.*

852. Cf. Arist. Av. 1308. *οὐ τᾶρα μὰ Δί' ἡμῖν ἐτ' ἔργον ἐστάναι.* Lys. 424. 614. *θρηγνέσθαι*] Defleri. Cf. Aesch. Prom. 43. *ἄκος γὰρ οὐδὲν τόνδε θρηγνέσθαι.* 854. Cf. Phil. 797.

857. Cf. Aesch. Prom. 91. *καὶ τὸν πανόπτην κύκλον ἡλίου καλῶ.*

859. *ὦ γῆς —*] Cf. Eur. Tro. 243. Eur. Fr. 561. *ὦ γῆς πατρῴας χαιρε φίλτατον πέδον.*

861. Cf. Phil. 867. 987. El. 504. et ad Arist. Eq. 1329.

863. *ῥυτῶν — ποταμῶν*] Cf. O. C. 1598. *ῥυτῶν ὑδάτων.* Eur. Hipp. 653. *ῥυτοῖς νασμοῖσιν.* Ion. 118. *ῥυτὰν ἀέναον παγὰν.*

866. *πόνος πόνω πόνον φέρει*] Cf. 362. Aesch. Pers. 1042. *δόσιον κακὰν κακῶν κακοῖς.* Eum. 226.

872. *κοινόπλουον ὀμιλίαν*] Cf. Eur. Fr. 848, 5. *μῆτ' ἐν θαλάσση κοινόπλουον στέλλοι σκάφος.* Soph. El. 1104. *ἡμῶν ποθεινὴν κοινόπουν παρουσίαν.*

873. *τί οὖν*] Cf. Ph. 100. 917. *τί εἶπας;* Aesch. Eum. 902. *τί οὖν μ' ἀνωγας —;* 733. *τί εἶσιν;* 753. Tr. 1203.

874. *ἐσιβῆται*] Quasi a *σιβέω*, quod verbum non exstat. Aliud quid fortasse reponendum. An *ἐσκόπηται*? Recentioris aetatis est adjectivum *ἀσιτίβητος*.

875. *ἔχεις οὖν;*] Cf. Arist. Nub. 733. *ἔχεις τι;* Eur. Suppl. 818. *ἔχεις; ΧΟ. πημάτων γ' ἄλις βάρους.* Alc. 1129. Cycl. 682. Plat. Symp. 175 D. *δῆλον διτι εὖρες αὐτὸ καὶ ἔχεις (δ σοι προσέστη ἐν τοῖς προθύροις) οὐ γὰρ ἂν προαπέστης.*

877. *ἀλλ' οὐδὲ μὲν δῆ*] Cf. El. 913. Eur. Tro. 1128.

878. *κέλευθον — φανείς*] Cf. 30. *πηδῶντα πεδία.* El. 1273. *ἰὼ χρόνῳ μακρῶ φίλταταν ὁδὸν | ἐπαξιώσας ὧδέ μοι φανῆναι.* Phil. 145. *τόπον ὄντινα κείται.* Eur. Suppl. 990. *ἔστηκε πέτραν.* Her. 672. *ἔστηκε κέρας.* Or. 1251. *σιῆθ' — τριβον.*

883. ἑντῶν — ποταμῶν] Cf. O. C. 1598. Aesch. Ag. 1408.
 ἑντῆς ἐξ ἄλλος. Eum. 452. ἑντοῖς πόροις.

887. ἀπύοι] Schol. εἰποι. Epica forma est ἡπύω. Monuit
 Dind. Non legitur apud Euripidem, ter vero (fortasse bis tantum,
 cf. ad Sept. 144.) apud Aeschylum in melicis. Cf. Arist. Eq. 1023.
 πρὸ σοῦ γὰρ ἀπύω.

889. Schol. μὴ ἐνδυδρομῆσαι εἰς τὸ τῆς ζητήσεως μέρος καθ'
 δ ὁ Αἴας ἐποίησατο τὴν ἔφοδον. οὐρίω — δρόμω] Cf. Eur. Herc.
 95. οὐριος δρόμος.

890. ἄνδρα μὴ λεύσσειν δπου] Sub ἐστί. Cf. 103. O. R. 926.
 μάλιστα δ' αὐτὸν εἶπαι, εἰ κάτισθ', δπου. O. C. 1218. Ant. 318.
 Aesch. Ag. 1371. τρανῶς Ἀτρείδην εἰδέναι κυροῦνθ' ὄπως (ποῦ
 νῦν κυρεῖ?). Menand. 533, 5. ἀριθμοῦσιν τε τοὺς πάππους δοοι.

892. πάραυλος] Vicina. Cf. O. C. 785. ὡς πάραυλον οἰκίσης.

895. οἴκτω — συγκεκραμένη] Cf. Ant. 1311. δειλαῖα δὲ συγ-
 κέκραμαι δύσ. Tr. 662.

896. ὄχωκ'] Cf. Aesch. Pers. 13. πᾶσα γὰρ ἰσχὺς Ἀσιατογε-
 νῆς ὄχωκε.

898. ἀρτίως νεοφαγῆς] Cf. Tr. 1130. τέθνηκεν ἀρτίως νεο-
 σφαγῆς.

902. συνναύταν] Cf. Eur. Cycl. 430. συνναύταις ἐμοῖς. 710.
 Plat. Resp. 389 C. etc

905. τίνας ποί' ἄρ' —;] Cf. Eur. Iph. T. 387. τίνες ποί' ἄρα
 — ἔβασαν ἄμικτον αἶαν etc. Plat. Phileb. 53. τί ποί' ἄρα —;
 Lucian. Fug. 2. τίνα ποί' ἄρα τὴν αἰτίαν ἔσχε; Herod. I. 78. μὴ
 κοτε ἄρα etc. Arist. Vesp. 893. τίς ἄρ' ὁ φεύγων; Pac. 1240.

906. αὐτὸς πρὸς αὐτοῦ] Cf. Tr. 891. αὐτὴ πρὸς αὐτῆς χειρο-
 ποιεῖται τάδε. 1132. O. R. 1237. οἶ] Cf. Tr. 650.

907. ἔγχος περιπετές] Schol. ὧ περιέπεσεν. Cf. Aesch. Ag.
 233. πέπλοισι περιπετῆ.

915. περιπτυχεῖ] Cf. 899. κεῖται κρυφαίω φασγάνω περιπτυχῆς.

916. παμπήδην] Cf. Aesch. Pers. 729. Theogn. 615. οὐδένα
 παμπήδην ἀγαθὸν καὶ μέτριον ἄνδρα etc.

918. Cf. 1412. θερμαὶ σύριγγες ἄνω φουσῶσι μέλαν μένος.

922. συγκαθαρμοῦσαι] Cf. Eur. El. 1228. κάλυπτε μέλεα ματέ-
 ρος πέπλοισι, καθάρμοσον σφαγᾶς.

923. οἶος ὄν ὡς ἐχεις] Cf. 557. Ant. 942. El. 751. Tr. 995.
 1045. Gorg. Hel. encom. δοοι δὲ δοοὺς περὶ δοῶν — πείθουσι.

924. Cf. Fr. 598, 8. φεῦ, κᾶν ἀνοικτίρωμιν τις οἰκτιρεῖ νιν etc.
 Aesch. Ag. 1075. οὐ γὰρ τοιοῦτος ὥστε θρηνητῶν τυχεῖν (κλύειν?).

926 sq. Cf. Eur. El. 1290. πεπρωμένην γὰρ μοῖραν ἐκπλήσας
 πόνων | εὐδαιμονήσεις etc.

927. ἐξανύσειν —] Cf. Eur. Herc. 1273. πόλεμον — ἐξήνυσα.
 Med. 649. Bacch. 1103. Or. 1685.

930. *πάννυχα καὶ φαέθοντι*] I. e. noctu (per totam noctem) interdieuque. Mira sane lectio! Qu. *πάννυχα καὶ φαέθοντος* (ἡλίου) ἐστέναζες. Cf. Elw 824. *φαέθων*. Ἄλιος.

935. ἀριστόχειρ — ἀγών] Cf. El. 699. ὠκύπους ἀγών.

938. χωρεῖ πρὸς ἥπαρ] Cf. Eur. Hipp. 1070. αἰαί· πρὸς ἥπαρ δακρύων τ' ἔγγυς τόδε. Rhos. 425. λύπη πρὸς ἥπαρ δυσφορῶν ἐτειρόμην. Aesch. Ag. 421. πολλὰ γοῦν κυγγάνει (θιγγάνει mss.) πρὸς ἥπαρ. γενναία δύν] Schol. ἡ ἰσχυρά. Cf. Aesch. Ag. 1198. ὄρκον πῆγμα γενναίως παγέν.

941. τοιοῦδ' ἀποβλαφθεῖσαν —] Leg. τοιοῦδέ γε βλαφθεῖσαν —. Cf. Aesch. Ag. 116. βλαβέντα λοιποθίων δρόμων. Theogn. 223. κείνος γ' ἄφρων ἐστὶ, νόου βεβλαμμένος ἐσθλοῦ. Hom. Il. 7, 271. 19, 166. 23, 782. Od. 4, 469.

942. Cf. Eur. Suppl. 466. σοὶ μὲν δοκεῖτω ταῦτ', ἐμοὶ δὲ τάν-
τια. Alc. 529. σὺ τῆδε κρίνεις, κείνη δ' ἐγώ. Evenum ap. Athen.
IX. 1. σοὶ μὲν ταῦτα δοκοῦντι ἐστίν, ἐμοὶ δὲ τάδε.

944. πρὸς οἶα —] Cf. Aesch. Prom. 910. οἶον ἐξαριτύεται | γάμον γαμῆν, ὅς αὐτὸν — ἐκβαλεῖ. Herod. VIII. 12. ἐλπίζοντες πάγχυ ἀπολέεσθαι, ἐς οἶα κακὰ ἤκον.

951. ὑπερβριθῆς] Cf. v. ὑπερβαρῆς Aesch. Ag. 1175.

952. Ζηνὸς — Παλλάς] Cf. ad 172.

954. ἡ ῥά — ἐφνβρίζει;] Cf. 172. ἡ ῥά σε —; Aesch. Pers.

633. ἡ δ' αἶτε μου — βασιλεύς;

957. γελᾷ — πολλὴν γέλωτα] Cf. Ant. 551. γέλωτ' ἐν σοὶ γελῶ.

γελᾷ — τοῖσδε — ἄχρουν] Cf. 1043. καὶ τάχ' ἄν κακοῖς | γελῶν
ἂ δὴ κακοῦργος (ἄτ' ὄν πανοῦργος?) ἐξίκοιτ' ἀνήρ. Arist. Nub.
560. τουτοῖσι γελᾷ. Eq. 696. ἐγέλασα ψολοκομπτίας.

961. Cf. Eur. Tro. 406. ὡς ἡδέως κακοῖσιν οἰκείους (κακοῖς ἐν οἰκείους?) γελᾷς. Aesch. Cho. 222. ἀλλ' ἐν κακοῖσι τοῖς ἐμοῖς γελᾶν θέλεις. Soph. El. 880. κάπι τοῖς | σαντιῆς κακοῖσι κάπι τοῖς ἐμοῖς γελᾷς. Menand. IV. 264. ταῖς ἀτυχίαισι μὴ 'πίχαιρε τῶν σέλας.

963. Cf. Aesch. Sept. 506. ἐν χρεῖα τύχης (μάχης aut δορός?).

964. κακοὶ γνώμαισι] Sic 1374. γνώμη (γνώμην?) σοφὸν φῦ-
ραι. Sed Phil. 910. κακὸς γνώμην ἐφυν. El. 546. κακοῦ γνώμην.
O. R. 687. ἀγαθὸς ὢν γνώμην ἀνήρ. Aj. 1374. γνώμη (γνώμην?) σοφόν.

967. Cf. O. C. 1704. ἐπραξεν οἶον ἤθελεν (οἶα δὴ 'θελεν?).
Fr. 109, 8. ὢν ἐρᾷ τυχεῖν. Eur. Herc. 1305. ἐπραξε γὰρ βούλησιν
(f. τὴν προᾶξιν) ἦν ἐβούλετο. Theogn. 256. προῆγμα δὲ τερονότατον
τοῦ τις ἐραϊτο τυχεῖν (ἐρᾷ τυχεῖν?). Antiph. 18, 6. νύκτωρ ἀναστὰς
ἐτυχεν ὢν ἐβούλετο. Arist. Nub. 435. τεύξει τοίνυν ὢν ἱμεῖρες.

968. Cf. El. 835. κατ' ἐμοῦ τακομένας μᾶλλον ἐπεμβάσει. Cum
dativo infra 989. τοῖς θανοῦσι (ἐχθροῖσι Herw.) τοι | φιλοῦσι πάν-
τες κειμένους ἐπεγγεῶν. Ant. 1336.

970. θεοὺς τέθνηκεν] Cf. 1128. τῷδε δ' οἴχομαι.

976. βοῶντος — μέλη] Cf. Fr. 631. μέλη βοῶν. ἄτης — ἐπίσκοπον] Cf. Aesch. Eum. 903. ὁποῖα νίκης μὴ κακῆς ἐπίσκοπα. Cho. [v126w.libtool.com.cn](http://www.libtool.com.cn)

977. ὦ ξύναιμον ὄμμ' ἐμοί] Cf. Phil. 171. μηδὲ σύντροφον ὄμμ' ἔχων. Eur. Alc. 1133. Aesch. Cho. 238. Or. 1080. ἀλλ', ὦ ποθεινὸν ὄνομ' ὀμιλίας ἐμῆς (schol. τουτέστι σὺ, ὦ ποθεινῶς ὀμιλον ἐγώ), | χαῖρ'. Iph. T. 906. τὸ κλεινὸν ὄνομα τῆς σωτηρίας. Hec. 381. τῆς εὐγενείας ὄνομα.

978. ἡμπόληκας] I. e. πέπραγας. Anglice have you fared. "Sic Hippocrates de Morb. 4, 12. κάλλιον ἐμπολήσει, i. e. melius se habebit." (Dind.) Aesch. Eum. 631. ἡμποληκότα | τὰ πλεῖστ' ἄμεινον (?). ὡσπερ ἡ φάτις κρατεῖ] Cf. Aesch. Pers. 738. λόγος κρατεῖ σαφηνῆς. Suppl. 293. ὡς μάλιστα καὶ (δὴ?) φάτις πολλὴ κρατεῖ. Plut. C. Gracch. 1, 5. κρατεῖ δόξα. Plut. Dem. 1, 1. λόγος κρατεῖ.

981. ὡς ὦδ' ἐχόντων] Cf. Herod. VIII. 144. 6. ὡς οὕτω ἐχόντων.

985. ὄσον τάχος] Cf. Phil. 576. ὄσον τάχος ἐκπλει. El. 1373.

986. Cf. Arist. Nub. 1196. Eq. 17. 810. De δῆτα sic collocato cf. Nub. 399. κενῆς —] Cf. Ant. 424. ὡς δταν κενῆς | ἐνῆς νεοσοῶν ὄρφανὸν βλέψη λέχος.

987. ἴθ' ἐγκόνει —] Cf. 811. Tr. 1255. ἄγ' (ἴτ'?) ἐγκονεῖτ', αἰρεσθε. Arist. Pl. 255. ἴτ' ἐγκονεῖτε, σπεύδεθ'. Eur. Herc. 521. ἴτ' ἐγκονεῖτε. Hec. 507. σπεύδαμεν, ἐγκονῶμεν.

989. κειμένους ἐπεγγελάν] Cf. 968. τί δῆτα τοῦδ' ἐπεγγελάων ἄν κάτα; Fr. 668, 3.

991. ὡσπερ οὖν μέλει] Cf. Aesch. Ag. 1171. ὡσπερ οὖν ἔχει. Cho. 90. 874.

997. τὸ σὸν φρίσσω στόμα] Cf. Lucian. D. Mort. XX. 2. εἶτα σὲ — ἢ Ἑλλὰς ἔφροιτε etc.

998. δέξια γάρ σου βάξις — διῆλθ' Ἀχαιοὺς —] Cf. Ant. 700. ἐρεμνὴ σῖγ' ἐπέρχεται φάτις. Aesch. Ag. 477. πόλιν διήκει θοὰ βάξις. Pr. 663. ἐναργῆς βάξις ἦλθεν Ἰνάχω —. Eur. Hel. 223. διὰ δὲ πόλεως ἔρχεται βάξις.

1003. Cf. Eur. Med. 1311. ἐκλύεθ' ἄρμους, ὡς ἴδω διπλοῦν κακόν. Hipp. 809.

1004. δυσθέατον ὄμμα] Cf. Aesch. Prom. 69. ὄρας θέαμα δυσθέατον ὄμμασιν. 691. δυσθέατα — πῆματα.

1007. ἀρήξαντ'] Quasi praecessisset ποῖ γὰρ με ἔστιν aut aliquid simile.

1009. εὐπρόσωπος] Vultu laeto. Cf. Aesch. Cho. 969.

1010. Cf. Plat. Gorg. 452 C. πῶς γὰρ οὐκ; ἐρεῖ. Resp. VII. 537 B. πῶς γὰρ οὐκ; ἔφη.

1015. Cf. Eur. Hec. 430. El. 1189.

1016. Cf. Eur. El. 1195. τίς εἰσεβῆς ἐμὸν κάρα προσόφεται ματέρα κτανόντος;

1017. ἐν γήρα βαρύς] Cf. O. R. 17. οἱ δὲ σὺν (δέ γ' ἐν?) γήρα βαρεῖς.

1020. δούλος — φανείς] Cf. Tr. 63. Fr. 677. Aesch. Ag. 593. λόγοις τοιούτοις πλαγκτός οὐδ' ἐφαινόμην.

1022. ὠφελήματα] Formatum ut ὀνήσιμος, ἀρονήσιμος. Legitur etiam Arist. Av. 316.

1026. ἐξέπνευσας] Sc. βίον. Cf. Aesch. Ag. 1493. Eur. Or. 496. Ion. 1605. Hel. 142.

1027. ἀποφθίσειν] Cf. Eur. Tro. 709. τὸν βαλόντι' ἀποφθίσει | χηρῶν. Aesch. Cho. 886.

1030. πρισθεῖς] Constrictus, alligatus. Schol. δεσμευθεῖς, δεθεῖς.

1031. ἀπέπνευξεν βίον] Cf. Aesch. Ag. 1493. βίον ἐκπνέων. Eur. Hel. 142. σφαγαῖς — ἐκπνεῦσαι βίον. Eur. Fr. 798. ἀπέπνευξεν αἰῶνα (i. e. τὸν βίον). 810, 3.

1034. ἄρ' οὐκ — ;] Cf. Tr. 1051. Ἐρινύων ὑφαντὸν ἀμφίβλητρον. Aesch. Cho. 648. προχαλκεύει δ' Αἴσα φασγανουργός. Hor. Od. IV. 15. 19. 'Non ira, quae procudit enses | et miseram inimitat urbes.'

1039. τὰ κείνον] Cf. El. 1345. τὰ κείνων. O. R. 785. τὰ μὲν κείνον. El. 82. τὰ Λοξίου. 92. τὰ δὲ παννυχίδων. 261. τὰ μητροός. 678. Tr. 498. τὰ μὲν θεῶν. Ph. 340. 499. τὰ βροτιῶν. 620. 977. τὰ τῆς τύχης. O. C. 268. 351. 922. 1428. 1665. Ant. 162. 238. Eur. Suppl. 466. Alc. 529. Or. 915. Med. 1251. Arist. Ran. 105.

1040. μὴ τεῖνε μακράν] Cf. Aesch. Ag. 916. μακράν γὰρ ἐξέτεινας. 1296. μακράν ἔτεινας. Eur. Med. 1348.

1042. κακοῖς γελῶν] Cf. ad 957. γελᾷ — ἄχσει. Eur. Tro. 406. κακοῖσιν οἰκείοις γελᾷς. Iph. T. 276. ἐγέλασεν εὐχαῖς. Arist. Eq. 693. Aesch. Cho. 222. ἀλλ' ἐν κακοῖσι τοῖς ἔμοις γελᾷν θέλεις;

1043. ἃ δὴ κακοῦργος] Cf. Simonid. Amorg. 1, 3. ἃ δὴ βοτὰ ἐφημέριοι ζῶμεν (Schn.). Qu. ἄτ' ὦν πανοῦργος.

1045. πλοῦν ἐστείλαμεν] Frequentius est ναῦν (σκάφος, πλοῖον etc.) στέλλειν. Eur. Iph. T. 70. Fr. 848, 5. Herod. III. 52. Sic τὰ ἐκ νεῶς στέλλειν Phil. 1076.

1047. Cf. 71. οὔτος, σὲ — προσμολεῖν καλῶ.

1048. Cf. 922. πεπτιῶτ' ἀδελφὸν τόνδε συγκαθααρμόσαι.

1050. κραίνει στρατοῦ] Cf. O. C. 296. ὁ κραίνων τῆσδε τῆς χώρας. 862. 926.

1056. ἔλοι δορί] Cf. Eur. Phoen. 755. Alc. 755. ἐλεῖν δορί.

1060. οὔτος —] Hunc locum imitatur Horatius Sat. II. 3. 187. 'Ne quis humasse velit Ajacem.'

1062. αὐτὸν — σῶμα τυμβεύσαι τάφῳ] De duplici accusativo αὐτὸν — σῶμα cf. O. C. 114. Fr. 303.

1063. σῶμα τυμβεύσαι τάφῳ] Cf. Eur. Hel. 1245. Arist. Th. 885. ἐτυμβεύθη τάφῳ (Eur.).

1065. *δρῖοι φορβή* —] Cf. Aesch. Suppl. 800. *κνόν θ' ἔλωρα καὶ δρῖοι δείπνον*. Eur. Ion. 1495. *οἰωνῶν — φόνευμα θοίναμά τ'.*

1067. *βλέποντος*] I. θ. *ζῶντος*. Cf. Eur. Fr. 1013. *τὸ μὲν τέθνηκε σῶμα (τὸ σῶμα μὲν τέθνηκε?), τοῦτο δὲ βλέπει.*

1071. *κακοῦ πρὸς ἀνδρὸς ἀνδρὰ δημότην* —] Cf. Aesch. Ag. 1627. *εὐνήν ἀνδρὸς αἰσχύννας ἅμα | ἀνδρὶ στρατηγῶ τόνδ' ἐβούλευσας μόρον.*

1074. *καλῶς φέροντι' ἄν*] Cf. El. 1096. Thuc. II. 60. 2. *καλῶς φερόμενος ἀνὴρ τὸ καθ' ἑαυτόν*. Xen. Ages. 1, 33. *αἴτιον εἶναι τοῦ κακῶς φέρεσθαι τὰ ἑαυτοῦ.*

1083. *ἐξ οὐρίων*] *ἐξ οὐρίας* Stob. Fl. 73, 17. Cf. Phil. 889. *οὐρίῳ μὴ πελάσαι δρόμῳ.*

1084. *ἐσάτω*] *Consistat, sit*. Cf. Ant. 640. *ἐσάται*. Tr. 1271. *ἐσῶτα.*

1087. *παραλλάξ*] *Alternis vicibus*. Cf. Thuc. II. 102. *Confer ἐναλλάξ* Herod. III. 40. Arist. Nub. 983.

1091. *γνώμας ὑποστήσας σοφάς*] Qu. *γνώμας παραστήσας* —. Cf. ad 52. Isocr. p. 314 A. *ψευδῆ δὲ δόξαν παραστήσασα τοῖς ἀκούουσιν.*

1092. *ἐν θανοῦσιν ἔβριστής*] Cf. Archilochi illud Fr. 66. *οὐ γὰρ ἐσθλά (l. ἐσθλόν) κατθανοῦσι κερτομεῖν ἐπ' ἀνδράσι*

1094. *μηδὲν ὦν γοναῖσιν*] Cf. O. R. 1469. *ὦ γονῆ γενναῖε.*

1100. *ποῦ —;*] Cf. 1237. et ad O. R. 390.

1103. Cf. ad 1069.

1107. Cf. O. C. 839. Aesch. Eum. 574. *ὦν ἔχεις αὐτὸς κράτει. τὰ σέμν' ἔπη —*] Cf. 1096. *τοιαῦθ' ἀμαρτάνουσιν — ἔπη. ἔπη κόλαζ' ἐκείνου*] Cf. 1160. *λόγοις κολάζειν.*

1113. *οἶον ἦν ἐνώμοτος*] Cf. Ant. 394. *δι' ὄρκων καίπερ ὦν ἀπώμοτος.*

1114. *ἡξίου*] *Honorabat*. Cf. Aesch. Agam. 912. Eur. Hec. 319. Or. 1210. Her. 918. *παῖδας Διὸς ἀξιώσας. τοὺς μηδένας*] Cf. Eur. Iph. A. 371. *τοὺς οὐδένας*. Andr. 701. *ὄντες οὐδένες*. Ion. 594. *ὁ μηδὲν ὦν καὶ οὐδένων (καὶ μηδένων?)*.

1116. *ψόφον*] Cf. Arist. Nub. 1367. *ψόφον πλέων — στόμφακα (Aeschylum)*. Ran. 492. *σὸ δ' οὐκ ἔδεισας τὸν ψόφον τῶν ἡμάτων;* Men. IV. 277. *πᾶς ὁ μὴ φρονῶν | ἀλαζονεῖα καὶ ψόφοις ἀλλίσκεται.*

1117. *στραφεῖην*] Schol. *φροντίσαιμι*. Simplex pro composito *ἐπιστραφεῖην*. Cf. O. R. 728. *ποίας μερίμνης τοῦθ' ὑποστραφεῖς (qu. τοῦτ' ἔπος στραφεῖς) λέγεις;* Sic *ἐντρέπεσθαι τινας* O. R. 724. *ὦν ἐντρέπου σὺ μηδέν*. 1226. Aj. 90. El. 519.

1118. *οὐδ' αὖ —*] Cf. 1151. Aesch. Ag. 1612. *Αἴγισθ', ὑβρίζειν ἐν κακοῖσιν οὐ σέβω.*

1119. *τὰ σκληρὰ γὰρ τοι, κἂν ὑπέρδικ' ἦ, δάκνει*] Cf. O. R. 682. *δάπτει (leg. δάκνει mss.) δὲ καὶ (leg. δέ τοι) τὸ μὴ ἴδικον. τὰ*

σκληρὰ —] Cf. O. C. 774. σκληρὰ μαλθακῶς λέγων. Eur. Fr. 1023. πότερα θέλεις σοι μαλθακὰ ψευδῆ λέγω | ἢ σκληρὰ ἀληθῆ;

1120. ~~ὄν σμικρόν φρονεῖν~~] Cf. Aesch. Pers. 782. Σέβης δ' ἐμὸς παῖς ὄν νέος νέα φρονεῖ (νέον φρονεῖ Elmsl. qu. φρονεῖ νέα?). Eur. Her. 387.

1121. βάνανσον] Illiberalem. Cf. Polyb. IX. 20. 9. αἱ βάνανσοι τέχνηαι. I. 40. 9. οἱ ἐν τῆς ἀγορᾶς βάνανσοι. XIII. 4. 4. βαναύσων καὶ χειροτέχνων ἀνθρώπων. Poll. VII. 6. τέχνηαι βάνανσοι, τέχνηαι ἀγοραῖοι, ἀνελεύθεροι, ἀπειρόκαλοι, ἐδραῖοι, χειροτεχνικαί, χειρουργικαί.

1123. ψιλὸς] Cf. Thuc. VII. 45. ψιλοὶ ἄνευ (ἄνευ del. Haack.) τῶν ἀσπίδων. Xen. Cyr. VI. 3. 57. ἀσπίδ' εἰ λάβους] Ut ὀπλίτης. Cf. Arist. Pac. 438. Lys. 52.

1124. τρέφει] Cf. Ant. 1089. ἵνα — γυνῶ τρέφειν τὴν γλῶσσαν ἡσυχαιτέραν. O. C. 186. ὅ τι καὶ (ἀ?) πόλις τέτροφεν ἀφιλον ἀποστουγῆν. O. R. 356. Ant. 897. Eur. Herc. 990. δμμα Γοργόνος τρέφων.

1128. τῷδε δ' οἴχομαι] Cf. 970. θεοῖς τέθνηκεν οὗτος, οὐ κείνοισιν, οὐ.

1130. ἐγὼ γὰρ ἂν ψέξαιμι —;] Cf. Aesch. Ag. 179. μάντιν οὕτινα ψέγων. Arist. Vesp. 1159. ἐγὼ γὰρ ἂν τλαίην ὑποδήσασθαι ποτε —; Av. 815. Σπάρτην γὰρ ἂν θείμην ἐγὼ τῆμῃ πόλει; Nub. 1366. ἐγὼ γὰρ —; Διοχύλον νομίζω πρῶτον ἐν ποιηταῖς —;

1131. οὐκ ἔξς] Vetas. Alioqui post εἰ sequi oporteret μὴ ἔξς.

1132. τοὺς γ' αὐτὸς αὐτοῦ πολεμίους] Cf. O. C. 903. 1356.

1137. κλέψειας κακά] Cf. ad 189. κλέπτουσι μύθους. El. 37. δόλοισι κλέψαι — σφαγᾶς.

1141. Cf. O. R. 544. Alex. III. 454. ἂν δ' εἴπης ἀπαξ | εὐθὺς ἀντήκουσας.

1142. ἤδη ποτ' εἶδον —] Cf. Aesch. Eum. 50. εἶδόν ποτ' ἤδη. Aesch. c. Ctes. 174. ἤδη γὰρ ποτε εἶδον etc. γλώσση θρασύν] Cf. Fr. 649, 2. οἱ δὲ τῇ γλώσση θρασεῖς.

1144. ᾧ φθέγμ' ὄν οὐκ ἂν ἤρως —] Cf. Appian. B. C. I. 95. οὐδὲ φωνὴν ἐτι οὐδενὸς ἔχοντος ὑπ' ἐκπλήξεως. ἐν κακῷ χειμῶνος εἶχετο] Cf. 272. οἷον εἶχετ' ἐν κακοῖς.

1145. ὑφ' εἵματος κρυφείς] Cf. Eur. Hec. 346. δεξιὰν ὑφ' εἵματος κρύπτοντα. Aesch. Cho. 81. δακρύω δ' ὑφ' εἵμάτων. κρυφείς] Hac forma propter metrum usus est pro κρυφθείς. Cf. Eur. Suppl. 543. κρυφήσονται (ubi κρυβ. Elmsl., quae novitia forma est, Atticis omnino inusitata).

1146. Cf. Aesch. Pers. 209. ὁ δ' οὐδὲν ἄλλο γ' ἢ πτήξας δέμας παρεῖχε. Arist. Nub. 422. εἵνεκα τούτων ἐπαχαινεῖν παρέχοιμ' ἂν. Plat. Theaet. 191 A. παρέξομεν πατεῖν τε καὶ χρῆσθαι ὅ τι ἂν βούληται. Herod. IX. 17. παρέχοντας διαφθαρέναι αἰσχίστω μόρφῳ.

1147. οὔτω δὲ καὶ σέ —] Cf. Ant. 573. El. 622. O. C. 750. Arist. Vesp. 1432. οὔτω δὲ καὶ σὺ —. σέ καὶ τὸ σὸν λάβρον στόμα] Cf. Iph. A. 393. κάζετοραζεν αὐτὸ μᾶλλον ἢ σὺ καὶ τὸ σὸν σθένος. Arist. Av. 131. 893. Agath. Fr. 13. ἀπολεῖς μ' ἐρωπῶν καὶ σὺ γὰρ νέος ἰσότης. λάβρον στόμα] Cf. Aesch. Prom. 327. σὺ δ' ἠσίσταζε μηδ' ἄγαν λαβροστόμου.

1151. ἐν κακοῖς ὑβρίζε] Cf. 1118. Aesch. Ag. 1612. ὑβρίζειν ἐν κακοῖσιν οὐ σέβον ἱεῖάω αὐτὸ θέλω?]

1153. ὄργην] Cf. ad Arist. Eq. 41. ἄρουκος ὄργην.

1160. λόγους κολάζειν] Cf. 1108. τὰ σευ ἔπη | κολάζ' ἐκείτους.

1164. ταχέως ἀπειθοῖ] Cf. 1403. ἀλλ' οἱ μὲν κολήην κάπειτον χερσὶ ταχέως. Eur. Alc. 255. τοῖα σπειροχόμενος ταχέως. Arist. Eq. 498. ἀπειθε ταχέως.

1165. κάπειτον πρ' ἰδῶν] Cf. Theoc. XV. 2. ὄση δίφρον, Εἰρώα, αἰτᾶ. Hom. Od. 8. 443. αἰτός τιν ἰδε πῶμα.

1166. Cf. Eur. Andr. 216. ἀμφὶ Θάρκην χίστη τὴν κατάουτον.

1167. πῆσον — καθεξῆ] Cf. Aesch. Ag. 454. θήκας — κατέχουσα. Suppl. 26. θήκας κατέχουσα. Sept. 732.

1168. ἐς αὐτὸν κινῶν — παρῶν] Cf. Eur. Hipp. 899. καὶ μὴ ἴδ' αὐτὸς πῆς ὡς ἐς κινῶν παρῶν.

1173. προσορσῆσθαι] Supplex. Cf. Ph. 930. O. C. 1309. I. q. προσορσῆσθαι. O. R. 41. Ph. 773.

1177. κινῶς κινῶς —] Cf. 1391. Pa. 1369. O. R. 248. Eur. Tra. 1048. ἄκατο ἀξία, κινῶς κινῶς, κακὴ κακῶς? δανείται. Eur. Fr. 296. 2. κινῶς κινῶς δε σπυρῆσθαι (ἄρῃ ἠδέως?).

1178. ἄκατο ἔξω ἰσότης] Cf. Tr. 157. ἄκατο ἐπηρεοαυμένην ἔξω αὐτῶν. ἔξω ἰσότης] Cf. Tr. 33. Arist. Lys. 367. πάντες ἔξω ἰσότης. Eur. Cycl. 236. τὰ αὐτῶν γὰρ ἐξῶσθαι ἔξω ἰσότησιν βία.

1185. πομπιπύκτερον ἔσται ἀγῶνας] Cf. Eur. Hipp. 1109. αὐτὸν πομπιπύκτος.

1187. Cf. Theogn. 965. ἄκατος ἰσότης. 987. Eur. El. 444. ἀκατος ἀγῶνας. Aesch. Ag. 494. ἀκατος ἀγῶνας.

1192. αἰδέσθαι — αἰδῶν] Cf. O. C. 1489. ὁ αἰδῶς αἰδέσθαι.

1196. κινῶν ἀγῶν] Cf. Eur. Ph. 1272. κινῶν Ἐρμῆον.

1197. πομπιπύκτερον κινῶν] Cf. 11 806. Aesch. Pers. 987. κινῶν πομπιπύκτος.

1201. ἀκατῶν] Sub. αἰδῶν] Cf. Arist. Nob. 1399. ὡς ἰδὸν κινῶν πομπιπύκτων καὶ ἀγῶν ἀκατῶν. Eur. Or. 354. εὐτυχία — ὀμνῆς. Simoniad. Fr. 47. ἀκατῶν πομπιπύκτων.

1202. γινῶν αἰδῶν ἀγῶν] Cf. Insert. ap. Plutarch. λυγῶν ἀκατῶν ἀγῶν τε πομπιπύκτων αἰδῶν.

1204. ἀκατῶν πομπιπύκτων] I. e. πομπιπύκτων ἀκατῶν. Cf. Hom. Il. 9. 825. ἀκατῶν πομπιπύκτων ἀγῶν. Eur. Herc. 1049. τὸν σὺ ἀκατῶν πομπιπύκτων ἀγῶν ἀκατῶν εὐρύς ἐγεί-

ρετε. *Ίαύειν* inter alia per *ἀναστρέφεισθαι*, *κοιμαῖσθαι*, *διατρίβειν*, *νυκτερεύειν* explicat Hesychius.

1206 sq. *κείμαι* [δύττω] Cf. Aesch. Ag. 335. *τῶν ὑπαιθρῶν πάγων* | *δρόσων τ' ἀπαλλαγέντες*. 560. *ἐξ οὐρανοῦ γὰρ κἀπὸ γῆς λειμωνίας* | *δρόσοι (δμβροί?) κατενάρκαζον — τιθέντες ἐνδηρον τρίχα*. S. Joann. Ev. IV. 6. *ἐκαθέζετο οὕτως ἐπὶ τῇ πηγῇ*.

1208. *πυκναῖς δρόσοις*] Eadem forma soluta Phil. 854. *πυκνοῖς* (callidis).

1212. Cf. Alcae. Fr. 15. *λαμπραὶ κναμίδες, ἔρκος ἰσχυρὸν βέλεος*.

1214. *ἀνεῖται στυγερά δαίμονι*] Anglice is given up to etc.

1217 sq. *γενοίμαν — ὅπως προσεέλπομεν*] Cf. Ph. 327 sq. Aesch.

Eum. 297. *ἔλθοι — ὅπως γένοιτο — λυτήριον*. Alex. com. III. 449. *γενοίμην ἔρχελυς*, | *ἴνα Καλλιμέδων ὁ Κάραβος πρῶταίό με*. Av. 1337 sq.

1225. *σκαῖν ἐκλύσων στόμα*] Cf. Eur. Hipp. 1060. *τί δῆτα τοῦμόν οὐ λύω στόμα*; Arist. Av. 1210. *λύσον δὲ νόμους ἱερῶν ὕμνων*. Virg. Aen. III. 457.

1226. *σὲ δὴ —*] Cf. 312. Ant. 408. Eur. Phoen. 185.

1227. *ἀνομωκί*] Cf. O. C. 1646. *ἀστακί (ἱ?) ῥήματα — χανεῖν*] Cf. Arist. Vesp. 342. *τοῦτ' ἐτόλμησεν χανεῖν*; Aesch. Ag. 920. *μηδὲ — χαμαιπετὲς βόαμα προσχάνης ἐμοί*.

1228. *σὲ τοι τὸν — λέγω*] Cf. 569. El. 1445. *σὲ τοι σὲ κρίνω, καὶ σὲ, τὴν — θρασεῖαν*. Phil. 1261. Aesch. Ag. 945. *εἶσω κομίζου καὶ σὺ· Κασσάνδραν λέγω*. Prom. 944. *σὲ τὸν σοφιστὴν — λέγω*. Eur. Fr. 596, 1. *σὲ τὸν αἰτοφνῆ —*.

1229. Cf. Eur. Ion. 693. *ἄλλων τραφεῖς ἐξ αἱμάτων*. Aesch. Sept. 692. *θαρσεῖτε, παῖδες μητέρων τεθραμμένα*.

1230. *κἀπ' ἄκρων ὀδοιπόροις*] Cf. Phil. 748. 824. Eur. Ion. 1166. *ἄκροισι — ποσί*. Cycl. 399. Iph. T. 266. *ἄκροισι δακτύλοισι*. Bacch. 709. Liban. IV. 152. 19. *ἐπ' ἄκρων πορεύονται δακτύλων*.

1231. *τοῦ μηδὲν*] Sub. *δντος*. Cf. 1094. *ὅς μηδὲν ὄν γοαῖον* etc. El. 1166. *τὴν μηδὲν* (sub. *οὔσαν*). O. R. 1341. *τὸν διεθρον μέγαν* (sub. *δντα*). Eur. Tro. 412. *οὐδὲν τι κρείσσω τῶν τὸ μηδὲν ἦν ἄρα*. *τοῦ μηδὲν ἀντίστυς ὑπερ*] Cf. Ant. 518. *ἀντιστύς ὑπερ* (γῆς).

1234. *αὐτὸς ἄρχων — ἔπλει*] Cf. Arist. Vesp. 470. *αὐτὸς ἀρχων μόνος*.

1236. *ὑπέρφρονα*] Sub. *ἔπη*. Cf. Aesch. Sept. 410. *ὑπέρφρονος λόγους*. 387. *ὑπέρφρον σῆμα*. Eur. Fr. 303. *ὑπέρφρονά τ' ὄλιβον*.

1237. *ποῦ σιάτος —*] Cf. 1100. Phil. 833. *δρα ποῦ σιάου, ποῖ δὲ βάσει*. et ad O. R. 390.

1238. *οὐκ ἄρ' —*] Cf. 114. Aj. 1238. Phil. 106. Arist. Av. 91. Th. 8. Eccl. 462. 672.

1240. *δπλων ἀγώνας*] Sub. *περὶ*. Cf. Eur. Suppl. 665. *ὄν ἔκει' ἀγών*.

1147. οὕτω δὲ καὶ σὲ —] Cf. Ant. 573. El. 622. O. C. 750. Arist. Vesp. 1432. οὕτω δὲ καὶ σὺ —. σὲ καὶ τὸ σὸν λάβρον στόμα] Cf. Iph. A. 393. κάξέπραξεν αὐτὸ μάλλον ἢ σὺ καὶ τὸ σὸν σθένος. Arist. Av. 131. 893. Agath. Fr. 13. ἀπολεῖς μ' ἐρωτῶν καὶ σὺ χῶ νέος τρόπος. λάβρον στόμα] Cf. Aesch. Prom. 327. σὺ δ' ἠσύχαζε μηδ' ἄγαν λαβροστόμει.
1151. ἐν κακοῖς ὑβρίζει] Cf. 1118. Aesch. Ag. 1612. ὑβρίζειν ἐν κακοῖσιν οὐ σέβω (φιλῶ αὐτὸν θέλω?).
1153. ὀργήν] Cf. ad Arist. Eq. 41. ἄγροικος ὀργήν.
1160. λόγους κολάζειν] Cf. 1108. τὰ σέμν' ἔπη | κόλαζ' ἐκείνους.
1164. ταχύνας σπεύσων] Cf. 1403. ἀλλ' οἱ μὲν κολίην κάπειτον χερσὶ ταχύνατε. Eur. Alc. 255. τοῖα σπερχόμενος ταχύνει. Arist. Eq. 498. σπεῦδε ταχέως.
1165. κάπειτόν τιν' ἰδεῖν] Cf. Theocr. XV. 2. δορὴ δίφρον, Εὐνόα, αὐτῆ. Hom. Od. 8, 443. αὐτὸς νῦν ἴδε πῶμα.
1166. Cf. Eur. Andr. 216. ἀμφὶ Θρηῆκην χιόνι τὴν κατάρουτον.
1167. τάφον — καθέξει] Cf. Aesch. Ag. 454. θήκας — κατέχουσι. Suppl. 26. θήκας κατέχοντες. Sept. 732.
1168. ἐς αὐτὸν καιρὸν — πάρεισιν] Cf. Eur. Hipp. 899. καὶ μὴν ὄδ' αὐτὸς παῖς σὸς ἐς καιρὸν πάρα.
1173. προοτρόπαιος] Supplex. Cf. Ph. 930. O. C. 1309. I. q. πρόοτροπος, O. R. 41. Ph. 773.
1177. κακὸς κακῶς —] Cf. 1391. Ph. 1369. O. R. 248. Eur. Tro. 1048. ὥσπερ ἀξία, κακῶς | κακῆ (κακῆ κακῶς?) θανεῖται. Eur. Fr. 296, 2. κακὸς κακῶ δὲ συντέτηκεν ἠδονῆ (ἠδέως?).
1178. ῥίζαν ἐξημημένους] Cf. Tr. 157. δέλτον ἐγγεγραμμένην ξυνοθήμαθ'. ἐξημημένους] Cf. Tr. 33. Arist. Lys. 367. τάντερον ἐξαμήσω. Eur. Cycl. 236. τὰ σπλάγγν' (σου) ἐφασκον ἐξαμήσεσθαι βία.
1185. πολυπλάγκτων ἐτέων ἀριθμὸς] Cf. Eur. Hipp. 1109. αἰὼν πολυπλάγκτος.
1187. Cf. Theogn. 965. δορυσσοὺς πόνοσ. 987. Eur. El. 444. ἀοπιστὰς μόχθους. Aesch. Ag. 404. ἀπίστορας κλόνοσ.
1192. αἰθέρα — μέγαν] Cf. O. C. 1469. ὦ μέγας αἰθῆρ.
1196. κοινὸν ἄρη] Cf. Eur. Phoen. 1572. κοινὸν Ἐρνάλιον.
1197. πόνοι πρόγονοι κακῶν] Cf. ad 866. Aesch. Pers. 987. κακὰ πρόκακα (?).
1201. ὀμιλεῖν] Sub. αὐτῆ. Cf. Arist. Nub. 1399. ὡς ἠδὲ καιροῖς πράγμασιν καὶ δεξιοῖς ὀμιλεῖν. Eur. Or. 354. εὐτυχία — ὀμιλεῖς. Simonid. Fr. 47. ὀμιλεῖ δ' ἄνθεσιν.
1202. γλυκὴν αὐλῶν ὄτοβον] Cf. Incert. ap. Plutarch. λυρῶν ἄμοιρος ἰαχᾶς τε παντεροπέος αὐλῶν.
1204. ἐννυχίαν τέρωπιν ἰαυεῖν] I. e. τερωπὴν νύκτα ἰαυεῖν. Cf. Hom. Il. 9, 325. πολλὰς μὲν ἄπνους νύκτας ἴανον. Eur. Herc. 1049. τὸν εὖ διαύοντα (leg. εὖ τ' ἰαύοντα) ἐπνώδεά τ' εἰνᾶς ἐργεί-

ρετε. Ἰάνειν inter alia per ἀναστρέφεσθαι, κοιμᾶσθαι, διατρίβειν, νυκτερεύειν explicat Hesychius.

1206 sq. κείμαι δ'] Cf. Aesch. Ag. 335. τῶν ὑπαιδριῶν πάγων | δρόσων τ' ἀπαλλαγέντες. 560. ἐξ οὐρανοῦ γὰρ κἀπὸ γῆς λειμωνίας | δρόσοι (δμβροί?) κατεπάκαζον — τιθέντες ἐνθηρον τρίχα. S. Joann. Ev. IV. 6. ἐκαθέζετο οὕτως ἐπὶ τῇ πηγῇ.

1208. πυκναῖς δρόσοις] Eadem forma soluta Phil. 854. πυκνοῖς (callidis).

1212. Cf. Alcae. Fr. 15. λαμπραὶ κναμῖδες, ἔρκος ἰσχυρὸν βέλεος.

1214. ἀνεῖται στυγεροῖ δαίμονι] Anglice is given up to etc.

1217 sq. γενοίμαν — ὅπως προσεῖπομεν] Cf. Ph. 327 sq. Aesch. Eum. 297. ἔλθοι — ὅπως γένοιτο — λυτήριος. Alex. com. III. 449. γενοίμην ἔγχευς, | ἵνα Καλλιμέδων ὁ Κάραβος πρῖαίτό με. Av. 1337 sq.

1225. σκαιὸν ἐκλύσων στόμα] Cf. Eur. Hipp. 1060. τί δῆτα τοῦμόν οὐ λύω στόμα; Arist. Av. 1210. λῦσον δὲ νόμους ἱερῶν ὕμνων. Virg. Aen. III. 457.

1226. σὲ δὴ —] Cf. 312. Ant. 408. Eur. Phoen. 185.

1227. ἀνοιμωκτι] Cf. O. C. 1646. ἀστακτί (ἰ?). δῆματα — χανεῖν] Cf. Arist. Vesp. 342. τοῦτ' ἐτόλμησεν χανεῖν; Aesch. Ag. 920. μηδὲ — χαμαιπετὲς βόαμα προσχάνης ἐμοί.

1228. σέ τοι τὸν — λέγω] Cf. 569. El. 1445. σέ τοι σὲ κρίνω, ναὶ σέ, τὴν — θρασείαν. Phil. 1261. Aesch. Ag. 945. εἶσω κομίζου καὶ σὺ Κασσάνδραν λέγω. Prom. 944. σέ τὸν σοφιστὴν — λέγω. Eur. Fr. 596, 1. σέ τὸν αὐτοφυνῆ —.

1229. Cf. Eur. Ion. 693. ἄλλων τραφεὶς ἐξ αἱμάτων. Aesch. Sept. 692. θαρσεῖτε, παῖδες μητέρων τεθραμμένα.

1230. κἀπ' ἄκρων ὠδοιπόροις] Cf. Phil. 748. 824. Eur. Ion. 1166. ἄκροισι — ποσί. Cycl. 399. Iph. T. 266. ἄκροισι δακτύλοισι. Bacch. 709. Liban. IV. 162. 19. ἐπ' ἄκρων πορεύονται δακτύλων.

1231. τοῦ μηδέν] Sub. δντος. Cf. 1094. δς μηδέν ὦν γοναῖσιν etc. El. 1166. τὴν μηδέν (sub. οὔσαν). O. R. 1341. τὸν δλεθρον μέγαν (sub. δντα). Eur. Tro. 412. οὐδέν τι κρείσσω τῶν τὸ μηδέν ἦν ἄρα. τοῦ μηδέν ἀντίστης ὕπερ] Cf. Ant. 518. ἀντιστάς ὕπερ (γῆς).

1234. αὐτὸς ἄρχων — ἐπλει] Cf. Arist. Vesp. 470. αὐτὸς ἄρχων μόνος.

1236. ὑπέρφρονα] Sub. ἔπη. Cf. Aesch. Sept. 410. ὑπέρφρονας λόγους. 387. ὑπέρφρον σῆμα. Eur. Fr. 303. ὑπέρφρονά τ' ἔλβον.

1237. ποῦ σιάτος —;] Cf. 1100. Phil. 833. δρα ποῦ σιάσει, ποῖ δὲ βάσει. et ad O. R. 390.

1238. οὐκ ἄρ' —;] Cf. 114. Aj. 1238. Phil. 106. Arist. Av. 91. Th. 8. Eccl. 462. 672.

1240. διπλῶν ἀγῶνας] Sub. περι. Cf. Eur. Suppl. 665. ὦν ἔκειτ' ἀγῶν.

1244. *κακοῖς βαλεῖτε*] Cf. Aesch. Sept. 571. *κακοῖσι βάξει* (l. *βάλλει*) *πολλὰ Τυδέως βίαν*. Trach. 940. *ὡς νιν ματαίως αἰτία βάλοι κακῆ*. O. R. 657. et ad Ph. 67.

1248. *ἐξωθήσομεν*] Futurum activum. *ὠθήσω* (ut *δοκήσω*) legitur etiam Eur. Cycl. 588. Arist. Eccl. 300.

1251. *οὐδ' εὐρύνωτοι*] Pro *οὐδ' οἱ εὐρύνωτοι*. Observandum est omitti aliquando articulum quando cum sequenti vocali aut diphthongo non facile coalescere potest.

1259. *μαθὼν δε εἶ*] Cf. O. R. 1068. *μήποτε γνοίης δε εἶ*.

1261. *τὰ σά*] Cf. 491. *οὐ φρονῶ τὰ σά*.

1263. *ἐπαίεις*] Cf. Arist. Nub. 650. *ἐπαίονθ' ὁποῖός· ἐστὶ τῶν θυμῶν* etc.

1266 sq. *τοῦ θανόντος ὡς ταχεῖά τις βροτοῖς χάρις διαρρεῖ*] Cf. ad Stesichor. Fr. 52. *θανόντος ἀνδρὸς πᾶσ' ἀπόλλυται βροτῶν | χάρις* (ita F. W. Schmidt). Eur. Fr. 1081. *τύμβω γὰρ οὐδεὶς πιστὸς ἀνθρώπων φίλος*. Soph. Fr. 714. *ταχεῖα πειθῶ τῶν κακῶν ὀδοιπορεῖ*. Monost. 347. *μετὰ τὴν δόσιν τάχιστα γηράσκει χάρις*. 498.

1267. *διαρρεῖ*] Diffluit. Cf. Fr. 787, 8. *πάλιν διαρρεῖ* (sc. luna) *κάπι* (*κᾶς τὸ?*) *μηδὲν ἔρχεται* (*ἡ σελήνη*). Supra 523. *δτον δ' ἀπορρεῖ μνήσις εὐ πεπονθότος* etc.

1271. *οἴχεται*] Cf. Arist. Vesp. 1064.

1274. Cf. O. R. 236. *γῆς τῆσδε — ἐσδέχεσθαι*.

1275. *τὸ μηδὲν ὄντας*] Cf. Eur. Tro. 1108. 413. *τῶν τὸ μηδὲν* (sc. *ὄντων*). Rhés. 818. *τὸν Ἐκτορα | τὸ μηδὲν εἶναι καὶ κακὸν νομίζετε*; Ion. 596. *μηδὲν ὦν κᾶξ οὐδένων* (l. *κᾶκ μηδένων*) *κεκλήσομαι*. Herod. VIII. 106. *ὅτι με ἀντ' ἀνδρὸς ἐποίησας τὸ μηδὲν εἶναι*. Delect. Epigr. VII. 43. 1. *πάντα ἔγλωσ καὶ πάντα κόνις καὶ πάντα τὸ μηδὲν*. Plut. Philopoem. 19. *ὡς ἄπιστον καὶ τὸ μηδὲν οὐσαν* (*τὴν ἀνθρωπίνην δύναμιν*). *ἐν τροπῇ δορός*] Cf. Eur. Rhés. 82. *ἐν τροπῇ δορός*. Aesch. Ag. 1237. *ἐν μάχης τροπῇ* (*τροπῇ μάχης?*).

1277. *ναυτικοῖς ἐδωλοῖς*] Cf. Aesch. Cho. 71.

1281. *συμβῆναι ποδί*] I. e. una ivisse, adstitisse (sc. in pugna).

1285. *δραπέτην*] Cf. Eur. Or. 1499. *εὐλόφου κωνῆς*] Bene cristatae galeae. Cf. Fr. 344, 2. *φρίξας εὐλόφω σφηκώματι*.

1287. *ἄλμα κουφιεῖν*] Cf. Eur. El. 860. *οὐράνιον πήδημα κουφιζουσα*. 439. Suppl. 1047. *δύστηνον αλώρημα κουφιζω*. Aesch. Pers. 305. *πήδημα κούφον ἐκ νεῶς ἀφῆλατο*.

1296. Cf. Arist. Fr. 359 K. *ἀνδρῶν ἐπακτῶν πᾶσ' ἐγάργαιο' ἐστία* (*πᾶσα γαργαίρει σία Κο*). *ὁ φινύσας πατήρ*] Cf. Eur. Tro. 311. *τίς δ' ὁ φινύσας πατήρ*; Soph. Ant. 645. *ὄστις φινύει τέκνα*.

1300. *στρατοῦ τὰ πρῶτ' ἀριστεύσας*] Plenius 435. *τὰ πρῶτα καλλιστεῖ'* (leg. *κἀριστεῖ'*) *ἀριστεύσας στρατοῦ*. O. C. 1313. Plutarch. Pelopid. c. 34. *ἀριστείαν ἀριστεύσας*.

1304. Cf. Eur. Iph. A. 28. ἀνδρὸς ἀριστέως. Med. 5. ἀνδρῶν ἀρίστων (ἀριστέων Pors.) Alc. 943. ὡς εὐπατρίδαι καὶ ἀπ' ἀμφοτέρων | ὄντες ἀρίστων (ἀριστῶν Herm. qu. ἀριστέων).

1305. τοὺς πρὸς αἵματος φύσιν] I. e. consanguineos. Cf. O. C. 245. ὡς τις ἀπ' αἵματος. El. 1125. ἢ φίλων τις ἢ πρὸς αἵματος φύσιν. Aesch. Eum. 606. μητρὸς τῆς ἐμῆς ἐν αἵματι.

1307. Cf. Ph. 929. οὐδ' ἐπαισχύνει μ' ὄρων —. O. R. 635. O. C. 978.

1308. Cf. Aesch. Cho. 223. κὰν τοῖς ἐμοῖς ἄρ', εἴπερ ἐν γε τοῖσι σοῖς (sc. γελᾶν θέλω).

1310. Cf. Ant. 72. καλὸν μοι τοῦτο ποιούσῃ θανεῖν.

1312. τοῦ σοῦ θ' ὀμαίμονος] τοῦ σοῦ ξυναίμονος Dind., quum ineptum hic sit θ'. Cf. Aesch. Cho. 1073. νῦν δ' αὖ τρίτος ἤλθε ποθεν σωτήρ, | ἢ μόρον (μόρος?) εἶπω; Aesch. Fr. 172. ἀλλ' Ἀντικλείας ἄσσοι ἤλθε Σίωφος, | τῆς σῆς λέγω τοι μητρὸς, ἢ σ' ἐγενίετο.

1314. Cf. Arist. Nub. 1129 sq.

1315. ἐν ἐμοὶ θρασύς] Cf. 1092. ἐν θανοῦσιν ὕβριστής. Eur. Hipp. 1320. οὐ δ' ἐν τ' ἐκείνῳ κὰν ἐμοὶ φαίνει κακός.

1316. καιρόν] Opportune. Contra ἀωρίαν (inopportune) Arist. Ach. 23.

1318. οὐ γὰρ —;] Cf. Arist. Eq. 1392. Vesp. 836.

1320. κλύοντες — τοῦδ' ὑπ' ἀνδρός] Cf. Ant. 836. Xen. Au. VII. 7. 23. μέγα δὲ εὐ ἀκούειν ὑπὸ ἐξακισχιλίων ἀνθρώπων. Arist. Eq. 820.

1323. συμβαλεῖν ἔπη κακά] Cf. O. C. 731. μήτ' ἀφεῖτ' ἔπος κακόν. Eur. Iph. A. 830. αἰσχρὸν δέ μοι γυναιξὶ συμβάλλειν λόγους. Phoen. 700. θέλω πρὸς αὐτὸν συμβαλεῖν βουλεύματα. Sic συμβάλλειν ἔριν τινὶ Aj. 1323. Eur. Med. 521. ὅταν φίλοι φίλοισι συμβάλωσ' ἔριν. Med. 44. El. 906. Alc. 507. 1144. Iph. A. 58. Bacch. 835. συμβαλὼν βάχχαις μάχην. Fr. 338, 3. Arist. Nub. 834. Lys. 1044.

1324. ἤκουσεν ἀσχερά] Cf. Phil. 607. Eur. Alc. 705. ἀκούσει πολλὰ κοῦ ψευδῆ κακά. Arist. Eq. 1276. πόλλ' ἀκούων καὶ κακά. Nub. 1329. Th. 388. 467.

1325. ὥστε καὶ βλάβην ἔχειν] Cf. Aesch. Prom. 995. γνάφει γὰρ οὐδὲν τῶνδὲ μ' ὥστε καὶ φράσαι etc.

1327. ταφῆς ἄμοιρον] Cf. Ant. 1071. Aesch. Sept. 715. τῶν μεγάλων πεδίων ἄμοιρους. Lucian. Rhet. praec. 17. ὁ χαρῶτων ἄμοιρος Δημοσθένης.

1331. φίλον — μέγιστον] Cf. Phil. 586. Eur. Med. 549. Herc. 1252. 1428. Fr. 693. Sic apud Latinos summus amicus.

1333. ἀναλήγτως] Cf. O. R. 12. δυσάληγτος (ἀνάληγτος?).

1335. τὴν δίκην πατεῖν] Cf. Ant. 745. τιμὰς — τῶν θεῶν πατῶν. Fr. 622, 2. τὰ μὲν δίκαια καὶ τὰ σώφρονα | λάγδην πατεῖται.

1346. Cf. Aesch. Eum. 652. πῶς γὰρ τὸ φεύγειν τοῦδ' ὑπερδικεῖς; δρα. Sic ὑπερδικεῖν λόγον Plat. Phaed. § 37.

1350. Cf. Dionys. trag. 4. ἡ γὰρ τυραννὶς ἀδικίας μήτηρ ἔφν.
 1353. τῶν φίλων νικώμενος] Cf. Eur. Tro. 23. νικῶμαι —
 Ἡρας. Iph. A. 1357. ἐνικώμην κεκραγμοῦ. Cycl. 454. βακχίου
 νικώμενος. Med. 315. κρεισσόνων νικώμενοι. Her. 233. τῆς τύχης
 νικωμένην. Suppl. 1005. Ion. 1117. Med. 314 sq. Fr. 346, 1. χρη-
 μάτων νικωμένα. Arist. Nub. 1087. ἦν τοῦτο νικηθῆς ἔμοῦ. Adesp.
 40. φίλων γὰρ ἄρξεις μὴ κρατῶν ὅσον θέλεις. Aesch. Sept. 514.
 1359. Cf. O. C. 615. ἡ κάρτα πολλοὶ νῦν φίλοι καὺθις πικροί.
 606. Aesch. Cho. 234. τοὺς φιλιτάτους γὰρ οἶδα νῶν ὄντας πικρούς.
 1361. σκληρὰν — ψυχὰν] Cf. Tr. 1260. ὦ ψυχὰ σκληρά. Aj.
 649. αἱ περισκελεῖς φρένες.
 1365. ἐνθάδ' ἴξομαι] Cf. Menand. 815. ἐπὶ τοῦτ' ἐγένοντο
 πάντες, ἐνθάδ' ἴξομεν.
 1366. ἡ πάνθ' ὁμοῖα] Neutrum ut in 1022. πολλοὶ μὲν ἐχ-
 θροὶ, παῦρα δ' ὠφελήσιμα.
 1369. ὡς ἂν ποιήσης —] Qu. ἄσ' ἂν —. Cf. O. R. 672.
 οὗτος δ' ἐνθ' ἂν ἡ συγγήσεται. Ant. 634. Aesch. Eum. 469. πράξας
 γὰρ ἐν σοὶ πανταχῆ τάδ' αἰνέσω. Eur. Med. 331. ὄπωψ ἂν, οἶμαι,
 καὶ παρασιῶσιν τύχαι. Herod. 9, 27. πάντη γὰρ τεταγμένοι πειρη-
 σόμεθα εἶναι χρηστοί.
 1372. Cf. Eur. Med. 1073. εὐδαιμονοῖτον, ἀλλ' ἐκεῖ τὰ δ' ἐν-
 θάδε | πατὴρ ἀφείλετ'. Plat. Resp. I. 330 D. ὡς τὸν ἐνθάδε ἀδική-
 σαντα δεῖ ἐκεῖ δίδόναι δίκην. Alex. III. 453. τὸ δ' ἡδὸν πάντως
 ἡδὸν κακῆϊ κἀνθάδε. Arist. Ran. 82. 1461.
 1373. χρῆς] Cf. El. 606. εἴτε χρῆς κακῆν. Ant. 887.
 1379. Cf. Ant. 585. Eur. Tro. 90. νῦν δ' οὐδὲν ἐλλείπω τὸ
 μὴ οὐ — πυνθῆσθαι etc. Aesch. Prom. 341.
 1389. σφε] Pro αὐτούς. Cf. Eur. Hel. 140. Iph. T. 1184.
 Med. 393. 1240. 1249. 1367.
 1390. μνήμων τ' Ἐρινός] Cf. Aesch. Ag. 143. μνάμων μῆνις.
 Eum. 355. κακῶν τε μνάμονες σεμναί. 511. ὦ Δίκη, ὦ θρόνοι τ'
 Ἐρινύων. Prom. 516. Ag. 1408. Eur. Med. 1389. ἀλλά σ' Ἐρινός
 δλέσειε τέκνων | φονία τε Δίκη. Tro. 808. ποίνιμος Δίκη Ἐρινός τε.
 Virg. Aen. I. 4. τελεσφόρος Δίκη] Cf. Eur. Her. 899. Μοῖρα
 τελεσοιδώτετρα.
 1393. Cf. O. C. 328. ὦ σπέρμ' δμαιμον.
 1394. τάφον — ἐπιπαύειν] Cf. Ph. 669. τῶνδ' ἐπιπαύειν. 1255.
 Fr. 563, 2.
 1399. καθ' ἡμᾶς ἐσθλός] Cf. Eur. Andr. 741. κἂν μὲν — ἦ |
 σὴ φρον καθ' ἡμᾶς, σὴ φρον' ἀντιλήψεται.
 1401. τὸ σόν] Cf. 99. ὡς τὸ σὸν ξυνηκ' ἐγώ. Plaut. Trin. II.
 4. 44. 'haud nosco tuum (i. e. quid tu sentias).'
 1403. κοίλην —] Cf. 1164. Theocr. XXIII. 43. χῶμα δέ μοι
 κοίλανον ὃ μεν κρύψει τὸν ἔρωτα. κοίλην κάπετον] Cf. Hom. II.
 10, 356. καπέτοιο βαθείης.

1404 ταχύνετε] Cf. 1164. ταχύνειν valet festinare Aesch. Pers. 692. Cho. 660. et alibi.

1410. φιλοτινί] Cf. Phil. 1122. El. 134.

1412. θερμαί σύριγγες] Cf. Aesch. Prom. 355. συρίζων φόνον. φυσῶσι — μένος] Cf. Ant. 960. Aesch. Prom. 720. ἔνθα ποταμός ἐκφυσᾷ μένος. Ag. 1057. πρὶν αἱματηρὸν ἐξαφορίζεσθαι μένος. μέλαν μένος] Nigram cruorem. Cf. Aesch. Ag. 1067. πρὶν αἱματηρὸν ἐξαφορίζεσθαι μένος.

ANTIGONE.

1. Periphrasis pro ἀδελφῇ Ἰσμήνῃ. Cf. O. R. 950. ὦ φίτατον γυναικὸς Ἰοκάστης κάρα. El. 1164. ὦ κασίγνητον κάρα. Eur. Or. 476. Ζηρὸς δυόλεκτρον κάρα. κοινὸν] I. e. συγγενές. Cf. 202. αἵματος κοινοῦ. Aesch. Eum. 89. σὺ δ', αὐτάδελφον αἷμα καὶ (κὰκ?) κοινοῦ πατρός. Sept. 1033. δεινὸν τὸ κοινὸν σπλάγγχρον. αὐτάδελφον] I. q. αὐτοκασίγνητον (Hom. Il. 11, 427.).

2. ἄρ' οἴσθ' —;] Cf. 883. ἄρ' ἴστ' — ὡς etc. Arist. Av. 1246. ἄρ' οἴσθ' δι, Ζεὺς εἴ με λυπήσει πέρα —; 668. ἄρά γ' οἴσθ' δι —; Mnesimach. com. III. 577. ἄρ' οἴσθ' οὐτιή πρὸς ἄνδρας ἐστί σοι μάχη —; Arist. Pac. 371. ἄρ' οἴσθα θάνατον δι προεῖψ' ὁ Ζεὺς δς ἄν | — εὐρεθῆ; τῶν ἀπ' Οἰδίπου κακῶν] Cf. 95. τὴν ἐξ ἐμοῦ δυσβολίαν. Ph. 1088. λύπας τᾶς ἀπ' ἐμοῦ.

3. Cf. Eur. Fr. 138, 3. οὐκ ἔσθ' ὁποίας λείπεται τόδ' ἡδονῆς. ἔτι ζῶσαν] Cf. 750. ταύτην — ἔτι ζῶσαν γαμεῖς.

4. Cf. O. R. 1284. νῦν — στεναγμὸς, ἄτη, θάνατος, αἰσχύνῃ, κακῶν | δσ' ἐστὶ πάντων δνόματ' οὐδέν ἐστ' ἀπόν. 1496. τί γὰρ κακῶν ἄπεστιν; 1365. εἰ δέ τι πρεσβύτερον ἐπι κακοῦ κακόν, | τοῦτ' ἔλαχ' Οἰδίπους. Eur. Or. 1. οὐκ ἔστιν οὐδέν δεινὸν ὡς εἰπείν ἔπος | οὐδὲ πάθος οὐδὲ συμφορὰ θεήλατος | ἧς οὐκ ἄν ἄρραι' ἄχθος ἀνθρώπων φύσις. ἀτηρὸν] Cf. Eur. Alc. 630. ἀτηρὸν — κακόν. Aesch. Eum. 1001. τὸ μὲν ἀτηρὸν | χώρας κατέχειν (ἀπ.?).

6. Cf. El. 763. μέγιστα πάντων ὧν ὄπωπ' ἐγὼ καιῶν. *Οπωπα legitur etiam Ant. 1127. Aj. 1150. Ph. 676.

7. πανδήμῳ πόλει] Schol. πάση τῇ πόλει.

8. τὸν στρατηγόν] I. e. regem. Cf. Aesch. Sept. 302. πόλιν καὶ στρατιὸν Καδμογενῆ. et ad El. 749.

9. ἔχεις τι —;] Do you know anything? Cf. Tr. 318. οὐδ' ὄνομα πρὸς τὸν τῶν συνεμπόρων ἔχεις; Ph. 560. τί μοι — βούλευμ' — ἔχεις; 789. ἔχετε τὸ πρῶγμα. Aj. 875. Aesch. Cho. 778. ἔχεις

τι τῶν λελεγμένων δίχα; Eur. Herc. 714. ἔχεις τι τῶνδ' ἐμοὶ τεκμήριον; Or. 1120. Ion. 770.

10. ~~πρὸς~~ Schol. ἀντὶ τοῦ ἐπί. στείχοντα — κακά] Cf. 186. τὴν αἴτην ὁρῶν | στείχουσαν ἀστοῖς. El. 374. κακὸν μέγιστον εἰς αὐτὴν ἰδὼν | ἤκονο'. O. C. 1771. ἐάν πως | διακωλύσωμεν ἰόντα φόνον. Ph. 397. δὲ ἐς τόνδ' Ἀτρειδῶν ὕβρις πᾶσ' ἐχώρει. Tr. 843. Aesch. Prom. 1090. τοιαδ' ἐπ' ἐμοὶ διπλὴ Διόθεν — στείχει φανερώς. Dem. p. 419, 3. τὴν αἴτην ὁρῶν στείχουσαν τοῖς ἀστοῖς ἀντὶ τῆς σωτηρίας. 14. τὴν δὲ αἴτην ὁρῶν στείχουσαν ὁμοῦ.

11. μῦθος — φίλων] Cf. El. 317. Aj. 221. 998. Eur. Iph. A. 841. οὐδ' ἐξ Ἀτρειδῶν ἤλθέ μοι λόγος γάμων. Thuc. VIII. 15. Cic. c. Verr. III. 44. 106. 'mihi Aetnensium brevis est oratio.'

14. διπλῆ χειρὶ] 'By mutual violence (or slaughter).' Schol. τῇ ὑπ' ἀλλήλων. Cf. 58.

15. ἐπεὶ] Ex quo. Cf. Aj. 490. Eur. Med. 26. 137. Aesch. Ag. 39. δέκατον μὲν ἔτος τόδ' ἐπεὶ etc. Hom. Od. 1, 2. ἐπεὶ Τροίης ἱερὸν πτολίεθρον ἔπερσε.

18. ἤδη] Cf. Tr. 87. Ph. 1010. O. R. 1525. ἐκτὸς αὐλείων πυλῶν] Cf. Tr. 203. αἶ τ' ἐκτὸς αὐλῆς. 526. 1186. Aesch. Cho. 553. ἐρκείους πύλας. 563. βαλὼν ἐρκείων πυλῶν. Eur. Hel. 445. πρὸς αὐλείοισιν ἐσθηκῶς πύλαις.

20. Cf. 242. δηλοῖς δ' ὡς τι σημανῶν νέον. 471. El. 24. σημεῖα φαίνεις ἐσθλὸς εἰς ἡμᾶς γεγώς. Aj. 878. οὐδαμοῦ δηλοῖ φανείς. Isocr. p. 311 A. ἐδήλωσαν δ' οὕτω διακείμενοι. καλχαίνουσ'] Cf. Eur. Her. 40. ἐγὼ μὲν ἀμφὶ τοῖσδε καλχαίνων τέκνοις etc. Confer κηραίνειν (Eur. Hipp. 223. τί ποτ', ὦ τέκνον, τάδε κηραίνεις;) et ὀρμαίνειν (κατὰ φρένα καὶ κατὰ θυμόν, Lat. 'volvere animo') apud Homerum et βυσσοδομεῦν apud Hom. Od. 4, 676. βυσσοδόμενον (schol. κρυφίως συνεβουλεύοντο).

21. Tricl. ὡσπερ γὰρ ἡ πορφύρα ἐντὸς οὖσα τοῦ κόχκου ἐν ἀφανεί ἐστίν, ἢ καὶ διὰ πρὸς τὸ σκοτεινὸν καὶ μελάντερον χρωματίζεται, οὕτω καὶ διὰ αὐτὴ ἐμελλεν εἰπεῖν λόγον μήπω ἐκφανθεὶς ἀγνωστος καὶ σκοτεινὸς ἦν. οὐ γὰρ —;] Cf. Aj. 1320. Arist. Eq. 1392. οὐ γὰρ ὁ Παφλαγῶν | ἀπέκρουπεν αὐτὰς —; Vesp. 836. τί δ' ἐστίν ἐτεόν; EA. οὐ γὰρ ὁ Λάβης ἀρτίως —; 1299. οὐ γὰρ ὁ γέρων —; τὼ κασιγνήτω —] Cf. Hom. Od. 127, 3. οἱ δὲ δῶυ σκόπελοι, ὁ μὲν οὐρανὸν εὐρὸν ἰκάνει etc.

22. Tricl. οὐ γὰρ — τὸν μὲν, ἦτοι τὸν Ἐτεοκλέα, προτίσας καὶ προτιμήσας τοῦ Πολυνείκου ἔχει, ἦτοι θάψας τὸν δὲ, ἦγουν Πολυνείκη, ἀτιμάσας τάφον, τουτέστιν ἀνάξιον καὶ ἀτιμον ταφῆς κρίνας; τάφον — ἀτιμάσας] Cf. O. C. 49. etc. προτίσας] Cf. Aesch. Eum. 545. τοκέων σέβας εὖ προτίων.

23. Cf. Aj. 1110. τόνδε — ἐς ταφὰς ἐγὼ θήσω δικαίως. σὺν δίκῃ — δικαίᾳ] Justo jure. Sed v. annot. crit.

25. τοῖς ἐνερθεν —] Cf. El. 1068. τοῖς ἐνερθ' Ἀτρείδαις.
ἐντιμον νεκροῖς] Cf. El. 239. μήτ' εἴην ἐντιμος τούτοις.

26. θανάτῳ — νέκῳ] Cf. 515. ὁ καταθανὼν νέκυς. 466. τὸν — θανόντ' — νέκῳ.

27. τὸ μὴ τάφῳ καλύψαι —] Cf. 219. 266.

28. τάφῳ καλύψαι] Cf. Eur. Phoen. 1648. δες ἂν νεκρὸν τόνδ' ἦ καταστέφῳν ἀλφ' | ἦ γῆ καλύπτῳν θάνατον ἀνταλλάξεται.

29. Cf. El. 869. κέκευθεν οὔτε του τάφου ἀντίσας | οὔτε γόνῳ παρ' ἡμῶν. ἄκλαντον, ἄταφον] Cf. Eur. Hec. 30. ἄκλαντος, ἄταφος. Ph. 1628. εἶν ἄκλαντον ἄταφον, οἰωνοῖς βορᾶν. Hom. Od. 11, 72. μή μ' ἄκλανστον ἄταπτον ἰὼν δῦιδεν καταλείπειν. Il. 22, 386. Virg. Aen. XI. 372. 'inhumata infletaque turba.' οἰωνοῖς —] Cf. Hor. Epod. X. 21. 'opima quod si praeda curvo litore | projecta mergos juveris.'

30. Cf. Eur. Phoen. 780. ὡς εἰς ἀγῶνα — δρῳῶμεν (δρῳῶμεθ'?) ἤδη. 1634. Or. 1238. πρὸς ἔργον ἐξορῳῶμεθα. Theocr. XIII. 13. οὐθ' ὀπὸκ' δρτάλιχοι μινυροὶ ποῖτ' κοῖτον δρῳῳν. Aelian. N. A. XII. 44. ἐς τὴν τροφήν δρῳῳ.

31. τὸν ἀγαθὸν Κρέοντα] Ironice dictum. σοι κάμοι] Haec non ad κηρύξαντ' ἔχειν (ut vulgo fit) sed ad ἀγαθὸν jure refert B. H. Kennedy, quum non Antigoniae et Ismenae sed civibus omnibus (ἄστοῖσι) decretum istud promulgatam fuisset. Redde, in your estimation and also in mine (sc. ἀγαθόν). Usitatioe pronominum collocatio fuisset τὸν σοι κάμοι ἀγαθόν, sed transposuit ea poetae propter sequentem arcte consociatam clausulam λέγω γὰρ κάμῃ. τὸν ἀγαθόν —] Cf. Phil. 873. ἀγαθοὶ σιρατηλάται. Tr. 541. Arist. Nub. 8. ὁ χρηστος οὔτοσι νεανίας. 61. τῇ γυναικὶ τάγαθῇ. Dem. p. 676. ὁ χρηστος οὔτος Χαρίδημος. p. 750. μετὰ τούτου τοῦ χρηστοῦ. p. 1332. ὁ χρηστος οὔτος. Dinarch. II. 8. ὁ χρηστος οὔτος νιός. Lucian. Dial. mer. XII. 3. ταυτηαὶ τῆς χρηστοῆς.

32. λέγω γὰρ κάμῃ] Cf. Hor. Sat. II. 8. 27. 'cetera turba, | nos, inquam, coenamur aves.'

33. νεῖσθαι] Cf. Eur. Alc. 753. οὐ γὰρ τῳδέ γ' εἰς ταῦτόν στέγος | νεῖσθ'. El. 723. νεόμενος. Xen. Cyr. IV. 1. 11. νέονται. Hom. Il. 3, 74. τοὶ δὲ νεέσθων | Ἄργος ἐς ἑπρόβοτον. Verbum νεῖσθαι non alibi legitur apud Sophoclem. Confer ἴσσομαι.

34. τὸ πρᾶγμα δὲ —] Cf. 466. O. R. 983. ταῦθ' ὄτω | παρ' οὐδὲν ἐστι. El. 1327. Aesch. Ag. 220. λιτὰς δὲ — παρ' οὐδὲν — ἔθεντο. Dem. de Cor. 52. παρ' οὐδὲν ἡγούμενος τὰς ἡμετέρας συνθήκας. Schol. οὐκ εὐτελῶς καὶ ὡς πάρεργον (qu. οὐκ ὡς εὐτελὲς καὶ πάρεργον).

36. φόνον — δημόλευστον] Cf. Aj. 546. νεοφαγῇ — φόνον. 254. λιθόλευστος Ἄρης. Tr. 357. ῥιπτὸς — μόρος. Aesch. Ag. 1599. δημορροφῆς — λευσίμους ἀράς. Sept. 181. λευστήρα δήμον δ' οὔτι μὴ φύγη μόρον. Eur. Ion. 1235. λεύσιμοι δὲ καταφθοραί.

38. εὐγενής] Well-born. Cf. Fr. 652. τοὺς εὐγενεῖς γὰρ κάγαθούς — φιλεῖ | ἄρης ἐναίρειν. εἴτ' ἐσθλῶν κακῆ] Repetendum ~~πρόφακτο~~ Cf. Aj. 763. ἄνους καλῶς λέγοντος ἠὲ ῥέθη πατρὸς. Ph. 1284. ἀρίστον παιδὸς αἰσχιστος γεγώς. Eur. Hec. 380. ἐσθλῶν γενέσθαι. Her. 236. πατρὸς — ἐσθλοῦ γεγάτες. Fr. 75, 2. ἐσθλῶν ἀπ' ἀνδρῶν ἐσθλὰ γίγνεσθαι τέκνα.

39. τί δ' —;] I. e. what can I benefit thee by seeking to loose or tighten it? εἰ τάδ' ἐν τούτοις] Cf. Arist. Pl. 399. οὐκ ἔστι πῶ τὰ πράγματ' ἐν τούτῳ. Plat. Prot. 310 C. εἰ γὰρ ἐν τούτῳ εἴη.

40. λύουσα —] Cf. Phil. 1224. λύσων δσ' ἐξήμαρτον. Arist. Ran. 691. λύσαι τὰς πρότερον ἀμαρτίας. Telecl. 42, 1. αὐτὰς τε πόλεις τὰς μὲν δεῖν τὰς δ' ἀναλύειν. Eur. Hipp. 671. κάθαμμα λύει λόγον. Herod. IV. 98. ἄμμα λύειν. Trach. 933. τοῦρον κατ' ὄρηγν ὡς ἐφάπειεν τόδε. προσθειμένη πλέον] I. e. proficerem. εἶθ' ἀππουσα] εἴτε semel positum, ut in Aesch. Ag. 1403. σὺ δ' αἰνεῖν εἴτε με ψέγειν θέλεις, | ὁμοιον. 204. 483. 992. Hom. Od. 4, 110. Hor. Od. I. 3. 16. Sat. II. 5. 10.

42. ποῖόν τι —;] Cf. O. C. 1103. ποῖόν τινα; Arist. Pl. 349. ποῖός τις; κινδύνευμα] Cf. O. C. 564. Eur. Iph. T. 1001. τὸ κινδύνευμα γίγνεται καλόν. Eur. Fr. 194, 2. μὴ τὰ κινδυνεύματα | αἰνεῖτε. Vox non alibi legitur in Tragoedia. ποῦ γνώμης ποτ' εἰ;] Cf. El. 390. ποῦ ποτ' εἰ φρενῶν; 922. οὐκ οἶσθ' ὅποι γῆς οὐδ' ὅποι γνώμης φέρει. 1174. Tr. 375. ποῦ ποτ' εἰμι πράγματος; 705. Aj. 102. ποῦ σοι τύχης ἔστηκεν; 314. Ph. 833. O. C. 170. 310.

43. Connecte χερὶ cum κουφιεῖς, non cum τῆδε. Cf. Aj. 1048. οὗτος, σὲ φωνῶ τόνδε τὸν νεκρὸν χεροῖν | μὴ ξυγκομίζειν. ξὺν τῆδε] Cf. El. 956. ὅπως — ξὺν τῆδ' ἀδελφῆ μὴ κατοκνήσεις κτανεῖν | Αἰγισθον.

44. ἀπόρητον πόλει] I. q. ἀπειρημένον. Cf. Eur. Or. 30. πέθει δ' Ὀρέστην μητέρ' — κτεῖναι, πρὸς οὐχ ἀπαντας εὐκλειαν φέρον. Eur. Med. 1034. καὶ καθαροῦσαν χερσὶν εἶ περιστελεῖν, | ζηλωτὸν ἀνθρώποισι. Phoen. 1682. ἐν τοῦτ' ἂν εἴη τῶν ἀπορητῶν πόλει.

46. Cf. O. R. 576. οὐ γὰρ δὴ φορέυς γ' ἀλώσομαι. Arist. Nub. 402. προδοῦσ' ἀλώσομαι] Cf. Aj. 1267. προδοῦσ' ἀλίσκεται. Eur. Andr. 191. ὁμως δ' ἐμαντήν οὐ προδοῦσ' ἀλώσομαι. Xen. Cyr. V. 1. 22.

47. ὦ σχετλία] Cf. Arist. Ran. 116.

48. Cf. ad El. 536. ἀλλ' οὐ μετὴν αὐτοῖσι τὴν γ' ἐμὴν κτανεῖν. Plat. Theaet. 186 E. ὦ γε οὐ μέτεστιν ἀληθείας ἀφασθαι. τῶν ἐμῶν μ' εἴργειν] Cf. Eur. Hel. 557. εἰργόμεσθα τάφου. Andr. 817. δέσποιναν εἴργουσ' ἀγχόνης. 846. τί με βρόχων εἴργεις; Sic ἐρύκειν τινὸς Tr. 121.

51. αὐτοφώρων] I. q. ἐπ' αὐτοφώρῳ (Eur. Ion. 1214.).

52. *ὄψεις ἀράξας*] Cf. O. R. 1328. *πῶς ἔτιης — σὰς ὄψεις μαρᾶναι; αὐτουργῶ χερί*] I. q. *αὐτόχειρ* (900. 1175. 1315. etc.).

53. Cf. O. R. 1249. *ἐνθα δούστηνος διπλοῦν (διπλοῦς vulg.) | ἐξ ἀνδρός ἀνδρας καὶ τέκν' ἐκ τέκνων τέκνοι.*

54. *πλεκταῖων ἀρτάναισι —*] Cf. O. R. 1264. *πλεκταῖων ἀρτάναισι ἐμπεπλεγμένην.* 1266. Iph. T. 1374. *ἄλλοι δὲ πλεκτὰς ἐξανήπιον ἀγκύλας (ἀρτάνας?).* Aesch. Suppl. 151. *ἀρτάναις θανοῦσαι.* Ag. 849. *πολλὰς ἀνωθεν ἀρτάνας ἐμῆς δέξης ἔλυσαν ἄλλοι.* 1062. *λωβᾶται βίον*] Cf. Tr. 1031. *τόδε μ' αὐ λωβᾶται.* Eur. Or. 929. *ἀνδρῶν εὐνιδας λωβῶμενοι.*

56. *αὐτοκτονοῦντε*] Cf. Aesch. Sept. 805. *ἄνδρες τιθῆναι ἐκ χερῶν αὐτοκτάνων.* 681. *θάνατος ὧδ' αὐτοκτόνος.* 734. *ἔπειδ' ἀντοκτόνως αὐτοδαίκτηι θάνωσι.* 849. *διδυμάνορα κάκ' αὐτοφόνα.* Sic *βροτοκτονεῖν* Aesch. Eum. 389. *μητροκτονεῖν* 545. *ἀνδροκτονεῖν* 552. *λιμοκτονεῖν, ξιφοκτονεῖν, παιδοκτονεῖν, etc.*

57. Cf. Aesch. Sept. 925. *οἱ δ' ὧδ' ἐτελεύτασαν ἐπ' ἀλλαλοφόνους χερσὶν ὄμοσπόροισιν.* 821. *βασιλέων δ' ὄμοσπόρου | πέπωκεν αἷμα γαί' ἐπ' ἀλλήλων φόνω.* Ag. 1573. Pind. Ol. II. 41. *ἰδοῖσα δ' ὄξει' Ἐρινὸς ἔπερνε οἱ σὺν ἀλλαλοφονία γένος ἀρήιον.* Oedipi haec fuit maledictio in filios ejus, *χερσὶν ἐπ' ἀλλήλων (ἀλλήλων?) καταβήμεναι Ἄϊδος εἶσω.* V. schol. ad O. C. 1475.

60. *ψῆφον τυράννων*] I. e. *ψήφισμα.* Cf. 632. O. R. 607. Sic 921. *παρεξελθοῦσα δαιμόνων δίκην. τυράννων*] [I. e. Creontis. Cf. O. R. 1095. Trach. 316. Eur. El. 93. Herc. 567. *κράτη παρῆξιμεν*] Cf. 921. *παρεξελθοῦσα — δίκην.* Aesch. Prom. 551.

61. Cf. El. 997 sq. *τοῦτο μὲν — ἔπειτα*] Cf. 165. Phil. 1345. *τοῦτο μὲν — εἶτα etc.* Aj. 670. O. R. 603. Arist. Eq. 520. *τοῦτο μὲν — εἶτα —.*

63. *ἀρχόμεσθ' ἐκ κρεισσόνων*] Cf. O. C. 66. *ἐκ βασιλέως τὰδ' ἀρχεται.* El. 264. *κάκ τῶνδ' ἀρχομαι.* Aj. 1075. *οὔτ' ἂν στρατός γε σωφρόνως ἀρχοίτ' ἔτι etc.*

64. *ταῦτ' ἀκούειν*] Cf. El. 340. *τῶν κρατούντων ἐστὶ πάντ' ἀκουστέα.* Eur. Hel. 733. *ἄλλων τ' ἀκούειν δοῦλον ὄντα τῶν πέλας.* 1415. et bene notum versum *ἀρχῶν ἄκουε καὶ δίκαια κᾶδικα. ἀλγίονα*] Superlativus *ἀλγιστος* occurrit O. R. 675. 1238. O. C. 1174. Tr. 8. Aj. 993. Fr. 324. Eur. Fr. 493.

65. *τοὺς ἐπὶ χθονός*] Cf. Tr. 1097. *τὸν δ' ἐπὶ χθονός — σκύλακα.* El. 839. *ἐπὶ γαίας — ἀνάσσει.* 1419.

66. *ξύγγνοιαν ἴσχειν*] I. q. *συγγνώμην ἔχειν.* Cf. El. 400. *πατὴρ δὲ τούτων, οἶδα, συγγνώμην ἔχει.* Aj. 1322. Ph. 1319. etc. Tr. 328. *ἦδε τοι τύχη — συγγνώμην ἔχει. βιάζομαι τάδε*] Cf. 1073. *ἐκ σοῦ βιάζονται τάδε.* O. R. 524. *ὄργῃ βιασθέν (ὄνειδος).* El. 575. *βιασθεὶς πολλά.* Hom. Il. 11, 589. *βέλεσσι βιάζεται.* 15, 727. Thuc. I. 2. IV. 10. Antiph. 128, 32. *βιαζόμενος ὑπο τινος ἐξήμαρτεν.*

67. τοῖς ἐν τέλει βεβῶσι] I. q. τοῖς ἐν τέλει οὔσι. Cf. Ph. 385. τοὺς ἐν τέλει. Aj. 1352. κλύειν τὸν ἐσθλὸν ἄνδρα χρῆ τῶν ἐν τέλει. 1072. Hyperid. in Dem. p. 58. τοὺς ἐν τέλει ὄντας.

68. περισσά πράσσειν] Cf. Tr. 617. τὸ μὴ 'πιθνυμῆν πομπὸς ὦν περισσά δραῖν (schol. περιεργάζεσθαι). Eur. Hipp. 785. τὸ πολλὰ πράσσειν οὐκ ἐν ἀσφαλεῖ βίῳ.

69 sq. Cf. 539. ἐπεὶ | οὐτ' ἠθέλησας οὐτ' ἐγὼ 'κοινωσάμην.

70. ἡδέως] Grate mihi. Anglice acceptably to me.

71 sq. Cf. Eur. Phoen. 1671. ἐγὼ σφε θάψω, κἄν ἀπεννέπη πόλις. | ΚΟ. σαντὴν ἄρ' ἐγγὺς τῷδε συνθάψεις νεκρῶ. | ΑΝ. ἀλλ' εὐκλέες τοι δύο φίλω κείσθαι πέλας.

72. καλὸν μοι —] Cf. Aj. 1310. ἐπεὶ καλὸν μοι τοῦδ' ὑπερπονουμένῳ | θανεῖν etc.

73. Cf. Aesch. Cho. 354. φίλος φίλοις τοῖς ἐκεῖ καλῶς θανούσιν κατὰ χρόνον ἐμπρέπων.

74. δοῖα πανουργήσας] Cf. Hom. Od. III. 11. 35. 'splendide mendax.' Milton Par. Lost X. 890. 'this fair, defect of nature.' Tricl. λάθρα γὰρ καὶ μετὰ πανουργίας ἔμελλε τὴν ταφήν ποιήσειν. Tricl. ἢ ὃν δεῖ μ' ἀρέσκειν τοῖς ἐνθάδε.

75. Cf. Cicer. ad Att. XII. 19. 'Longum illud tempus quum non ero magis me movet quam hoc exiguum, quod mihi tamen nimium longum videtur.' τῶν ἐνθάδε] I. e. ἢ τοῖς ἐνθάδε. Cf. O. C. 569. οὐδὲν πλέον μοι σοῦ μέτεστιν. Arist. Pl. 558. τοῦ Πλούτου παρέχω βελτίονας ἄνδρας. Ph. 682.

77. Cf. 745. τιμὰς — τὰς θεῶν σέβων.

78. ἄτιμα ποιῶμαι] I hold in dishonour. I. q. ἀτιμάζω. τὸ δὲ —] Cf. 1106. τὸ δραῖν ἀνάγκη. El. 1030. μακρὸς τὸ κρῖναι ταῦτα χῶ λοιπὸς (πρόπας?) χρόνος. 1079. τό τε μὴ βλέπειν ἐτοίμα. Ph. 620. 1252. Aj. 114. 1143. O. R. 1417. O. C. 442. Tr. 545. Eur. Iph. A. 655. τὸ σιγᾶν οὐ σθένω. 657. τὸ θέλειν δ' οὐκ ἔχων ἀλγύνομαι. Fr. 613. Thuc. II. 53. τὸ μὲν προσταλαιπωρεῖν τῷ δόξανι καλῶ οὐδεὶς πρόθυμος ἦν.

79. βία πολιτῶν] Cf. 907. O. C. 854. βία φίλων.

80. προύχοιο] I. e. προφασίζοιο, praetexeres. τάφον χῶσουσ'] Cf. 1204. τύμβον — χῶσαντες. Aesch. Cho. 349. πολύχωστον ἂν εἶχες τάφον. Eur. Rhes. 414. οἱ μὲν ἐν χωστοῖς τάφοις | κείνται πεόντες. Iph. A. 1443. ἐπεὶ μοι τύμβος οὐ χωσθήσεται. Iph. T. 702. τύμβον χῶσον. Suppl. 53. τάφον χῶματα. Herod. IX. 85. ἐκάστους χῶματα χῶσαι κεινά. τὰδ' ἂν προύχοιο] Sic προβάλλεσθαι τι Arist. Nub. 969.

82. ὑπερδέδοικά σου] Cf. Aesch. Sept. 292. δράκοντας ὡς τις τέκνων ὑπερδέδοικεν — πελειάς. Prom. 66. αἶ αἶ, Προμηθεῦ, σὼν ὑπερσιτένω πόνων. Arist. Ran. 308. ὁδὶ δὲ δεῖσας ὑπερπυρρῶσι μόνου. Sic ὑπερθνήσκειν τινος Eur. Phoen. 998. Andr. 499. etc.

83. μή μου προταρβεί] Cf. Tr. 88. πατρός — προταρβεῖν. Eur. Herc. 968. Alibi significat praesagire, Anglice to forebode (Aesch. Sept. 332) βαρείας τοι τύχας προταρβῶ. Suppl. 1045).

84. ἀλλ' οὖν — γε] Cf. Aj. 535. Ph. 1305. El. 1035. Aesch. Pr. 1058. ἀλλ' οὖν ὑμεῖς γ' —. Eur. Cycl. 653. ἀλλ' οὖν ἐπεγκέλευε γ'. προμηνήσῃς — μηδενί] Cf. Phil. 332. φράσῃς δὲ μὴ πέρα. O. C. 1737. τρέσσητε μηδέν. Eur. Herc. 215. βία δὲ δράσῃς μηδέν. 278. πάθητε μηδέν. Hec. 859. συνδράσῃς δὲ μὴ. Iph. A. 631. δογισθῆς δὲ μὴ. Med. 822. λέξῃς (ita Elmsl. λέξεις vulg.) δὲ μηδέν —. Iph. T. 1220. θανμάσῃς μηδέν. Tro. 458. δακρύσῃς μηδέν. Herc. 278. πάθητε μηδέν. Similiter Phil. 67. εἰ δ' ἐργάσει | μὴ ταῦτα —.

85. κροφῆ] Legitur etiam 291. 1254. Eur. Tro. 689. Xen. Sym. V. 8. nusquam alibi in Tragoedia. οὖν δὲ αὐτως ἐγώ] Cf. Aj. 1288. ὁδ' ἦν ὁ πράσων, οὖν δ' ἐγώ. 957. γελᾷ, ξύν τε βασιλῆς. 615. O. C. 55. Eur. Tro. 207. Ag. 1644. ἀλλὰ οὖν γυνή — ἔκειν'. αὐτως] Cf. 715. O. R. 931. Tro. 1038. Aj. 1179.

86. πολλὸν ἐχθίαν] Cf. Herod. IX. 60. εἴοσι πολλὸν προθυ-
μοτάτοι. Πολλὸν vetus Ionica forma est. Masculinum est Tr. 1196.

88. θερμὴν ἐπὶ ψυχροῖσι —] Cf. Jambl. V. Pyth. 23. 10. μαθη-
τεύσαντες τῷ Πνθαγόρᾳ πρεσβύτη νέοι. Hor. Od. II. 18. 10. 'pau-
peremque dives | me petit.' θερμὴν — καρδίαν] Cf. Eur. El. 402.
χαρᾷ θερμαινόμεσθα καρδίαν. Aesch. Cho. 271. δυσχειμέρους | ἄτας
ὑφ' ἧπαρ θερμὸν ἐξανδύμενος. 1003. Sept. 599. ναῦταισι θερμοῖσι.
Eum. 563. γελᾷ δ' ὁ δαίμων ἐπ' ἀνδρὶ θερμῷ. Arist. Pl. 415.
θερμὸν ἔργον. Pers. V. 144. 'calido sub pectore bilis | intumuit.'
ἐπὶ ψυχροῖσι] Cf. Plut. Lucull. 23. ἐπὶ ψυχραῖς ἐλίσιον ἀρχειται
πολέμου.

90. ἀμηχάνων ἐρᾶς] Cf. 92. Fr. 1076, 2. τῶν ἀμηχάνων δ'
ἔρως | πολλοὺς ἐθῆκε τοῦ παρόντος ἀμπλακεῖν. Aesch. Pr. 59. δει-
νὸς γὰρ εὐρεῖν κατὰ ἀμηχάνων πόρους. Τῶν ἀδυνάτων ἐρᾶν locutio
proverbialis erat.

91. πεπαύσομαι] Cf. Trach. 587. εἴ τι μὴ δοκῶ | πράσσειν
μάταιον· εἰ δὲ μὴ, πεπαύσομαι. Ph. 1280.

92. ἀρχὴν] Gallice, d' abord. Cf. Phil. 1239. El. 439. Herod.
I. 9. 193. IV. 25. τοῦτο δὲ οὐκ ἐνδέχομαι τὴν (del.?) ἀρχὴν. V. 106.
ἀρχὴν ἔγωγε οὐδὲ ἐνδέχομαι τὸν λόγον ὄκως etc. Thuc. VI. 56.
Xen. Oecon. II. 11. VIII. 2. λέγοντες οὐδὲ ἐπαγγεῖλαι (sc. αὐτὴν) τὴν
(del.?) ἀρχὴν διὰ τὸ μὴ ἀξίαν εἶναι. Symp. I. 15. etc. Arist. Lys. 497.
ἀλλ' οὐδὲν δεῖ πρῶτον πολεμεῖν. θηρᾶν οὐ πρέπει —] Cf. El.
1054. πολλῆς ἀνοίας καὶ τὸ θηρᾶσθαι κενά. Eur. Hel. 811. τὸ
τολμᾶν δ' ἀδύνατ' ἀνδρὸς οὐ σοφοῦ. Demosth. c. Androt. 5. οὐδὲ
γράφειν τὴν (del.?) ἀρχὴν προσήκει οὐδὲ ἐν δήπου.

94. προσκείσει] Cf. O. R. 232. ἡ χάρις προσκείσεται.

95. ἀλλ' ἔα με —] Cf. O. R. 1451. ἀλλ' ἔα με ναίειν ὄρεσιν —.
Arist. Nub. 932. Eccl. 784. Th. 64. με καὶ τὴν —] Cf. Ph. 1378.

Aj. 1147. τὴν ἐξ ἐμοῦ δυσβουλίαν] Cf. El. 619. ἡ — ἐκ σοῦ δυσμένεια. O. C. 256.

96. Cf. Aesch. Eum. 300. οὔτοι σ' Ἀπόλλων — ὄνουςι' ἄν ὥστε μὴ οὐ παρημελημένον | ἔρρειν etc. Cf. O. R. 1232. λείπει μὲν οὐδ' ἂ πρόσθεν ἤδεμεν τὸ μὴ οὐ | βαρύντον' εἶναι. πείσομαι γὰρ οὐ —] Cf. ad 223. 255. Aj. 545. ταρβήσει γὰρ οὐ, etc. El. 905. δυσφημῶ μὲν οὐ, etc. Ph. 545.

97. ὥστε μὴ οὐ καλῶς θανεῖν] Cf. O. R. 1085. οὐκ ἄν ἐξέλθοιμ' ἐτι ποτ' ἄλλος ὥστε μὴ ἔμαθεῖν (leg. μὴ οὐ μαθεῖν?) τοῦ μόν γένος. 1065. 1232. 90. 226. et ad Tr. 91. Herod. III. 82. δήμου ἄρχοντος ἀδύνατα μὴ οὐ κακότητα ἐγγίνεσθαι. Plat. Phaed. p. 72 D. τίς μηχανῆ μὴ οὐχὶ πάντα κατανωθῆναι —; Gorg. p. 462 B.

98. Cf. Eur. El. 77. εἴ τοι δοκεῖ σοι, στείχε.

99. ἄνους — ἔρχει] Thou art become (come to be) foolish indeed. Cf. O. R. 1433. ἄριστος ἐλθὼν πρὸς κάκιστον ἄνδρ' ἐμέ. 1358. O. C. 1265. κάκιστος ἦκειν. τοῖς φίλοις δ' ὀρθῶς φίλη] Cf. Eur. Andr. 376. οἴτινες φίλοι | ὀρθῶς πεφύκασ'. Iph. T. 589. τοῖς φίλοις τ' ὀρθῶς φίλος. Alc. 636. Arist. Nub. 659.

101 sq. κάλλιστον — φάος] Cf. Aesch. Ag. 900. κάλλιστον ἤμαρ εἰσιδεῖν ἐκ χερίματος. ἀκτὶς ἀελίου] Cf. Tr. 685—697. O. C. 1247. Eur. Med. 1251. παμφαῆς ἀκτὶς ἀελίου. Aesch. Pers. 364. φλέγων ἀκτῖσιν ἥλιος. Cf. Eur. Phoen. 1. ὦ τὴν ἐν ἄστροις οὐρανοῦ τέμωνων δόδον, | καὶ χρυσοκολλητοῖσιν ἐμβεβῶς δίφροις, | Ἥλιε, θεοαῖς ἔπιποισιν εἰλίσσων φλόγα, | ὡς δυστυχῆ Θήβαισι τῆ τόθ' ἡμέρα | ἀκτῖν' ἐφήκας, Κάδμος ἦνίκ' ἤλθε γῆν | τήνδ' etc. Arist. Eq. 973. ἡδιστον φάος ἡμέρας ἔσται τοῖσι παροῦσι —, ἦν Κλέων ἀπόληται. Pac. 556.

ἑπταπύλω — Θῆβα] Cf. Hom. Od. 11, 263. Θῆβης ἔδος — ἑπταπύλοιο.

101. φανέν — φάος, ἐφάνθη] Cf. Phil. 297. ἔφην' ἄφαντον φῶς. Similiter El. 201. ὦ πασᾶν κείνα πλέον (πολὺν?) ἀμέρα | ἐλθοῦσ' ἐχθίστα δῆ.

103. χρυσέας ἀμέρας βλέφαρον] Cf. Fr. 319. πέμφιγα χρυσέαν ἰδῶν. Eur. Her. 916. χρυσέαν (ὑ) κατ' αὐλάν.

104. βλέφαρον] I. q. ὄμμα, ut in O. R. 1276. Cf. Eur. Phoen. 543. νυκτὸς ἀφεγγές βλέφαρον ἡλίον τε φῶς. Iph. T. 194. ἰεραῖς ὄμμ' αὐγαῖς (αἰθρας?) ἄλιος. 110. Aesch. Pers. 428. νυκτὸς ὄμμα.

105. μολοῦσα] Tanquam si ἡμέρα praecessisset. Cf. Phil. 503. τὰ τῶν διακόνων — τοῦ μόν ἐν σμικρῷ μέρος | ποιούμενοι. ὑπὲρ δρεῖθρων] Cf. Aj. 702. Ἰκαρίων ὑπὲρ πελαγέων μολῶν. Phil. 729. Οἴτας ὑπὲρ ὄχθων. Aesch. Sept. 88. ὑπὲρ τειχέων.

106 sq. Cf. 15. ἐπεὶ δὲ φροῦδός ἐστιν Ἀργείων στρατός.

106. τὸν λεύκασπιν — φῶτα] Cf. Aesch. Sept. 88. βοᾷ δ' ὑπὲρ τειχέων ὁ λεύκασπις ὄρνυται λεώς. Eur. Phoen. 1099. περγάμων δ' ἀπ' ὀρθίων λεύκασπιν εἰσορῶμεν Ἀργείων στρατός.

107. πανσαγία] Cf. Aesch. Cho. 552. παντελῆ σάγην ἔχων.
βάντα — φυγάδα] Cf. O. C. 378. τὸ κοῖλον Ἄργος βὰς φυγάς.

108. πρόσδρομον] With impetuous haste. Cf. Aesch. Sept.

196. ἐπὶ δαιμόνων πρόσδρομος ἦλθον ἀρχαῖα βρέτη. Eur. Iph. A.

424. πρόσδρομος σῆς παρασκευῆς χάριν | ἦκω. Phoen. 303. ἰὼ πότνια, μόλε πρόσδρομος, ἀναπέτασον πύλας. Plat. Conv. 221 C. τοὺς προτροπάδην φεύγοντας. Appian de B. C. I. p. 651. προτροπάδην ὁ Γαλάτης ἔφρευγεν. Plut. Syll. 19. προτροπάδην φεύγοντας.

109. Cf. Eur. Iph. A. 151. πάλιν ἐξόρμα, σείε χαλινούς. Arist. Pac. 155. χρυσοχαλίνων πάταγον ψαλίων | διακινήσας.

111. ἀρθείς] Cf. Aesch. Suppl. 2. στόλον ἀμέτερον νάϊον ἀρ-
θέντ' ἀπὸ προστομίων. νεικέων — ἀμφιλόγων] Schol. τῶν ἀμφι-
βολίας ἐμποιοῦντων. Cf. Eur. Med. 636. ἀμφιλόγους δευρὰς ἀκρόσεστά
τε νεέη. Iph. T. 655. ἐτι γὰρ ἀμφίλογα. Aesch. Pers. 904. οὐκ
ἀμφιλόγως.

112. δξέα κλάζων αἰετὸς ὡς] Cf. 424. πικρᾶς δρονιθος δξὲν
φθόγγον. 1001. κακῶ κλάζοντας οἴστρω. Hom. Il. 16, 428. ὡστ'
αἰγυπιοὶ — μεγάλα κλάζοντε μάχωνται. Hesiod. Scut. 405. 2, 222.
δξέα κεκλήγως. 12, 125. δξέα κεκλήγοντες. 17, 88. 10, 276. 12, 207.
Aesch. Ag. 48. μέγαν ἐκ θυμοῦ κλάζοντες Ἄρη, | τροπὸν αἰγυπιῶν.
Apoll. Rh. IV. 1229. λιγέως κλάζουσι νεοσσοί. Κλάζειν de clangore
alium usurpatur etiam 1002. O. R. 966. Fr. 782. δπου τίς δρονις
οὐχὶ κλαγγάνει;

114. στεγανός] Tectus. Passivo sensu. Cf. Trag. adesp. 88.
τοῦδ' εἶνεκ' οἶκον στεγανὸν ἐξευρήκαμεν. Eur. Fr. 472, 6. οἴς (ναοὺς)
— στεγανούς παρέχει — κυπάρισσος. Aesch. Ag. 358. ἐπὶ Τροίας
πύργοις ἔβαλες στεγανὸν (hic activo sensu) δίκτυον.

117. φονώσασιν — λόγχαῖς] Cf. Phil. 1209. φονᾶ νόος ἦδη.
Cf. v. τομᾶν Aj. 582. Schol. ταῖς τῶν φόνων ἐρώσαις λόγχαῖς.

118. ἀμφιγανῶν Aoristus verbi ἀμφιχάσκω (Aesch. Cho. 538.).

119. ἐπτάπυλον —] Cf. 101. ἐπταπύλω — Θήβα. Fr. 705.
Θήβας — τὰς (καί?) πύλας ἐπταστόμους. Aesch. Sept. 164. πόλεως
ἐπτάπυλον ἔδος. 284. εἰς ἐπτατειχεῖς ἐξόδους. Eur. Suppl. 1231.
ἐπτάστομον πύργωμα Καδμείων ἐπι. Phoen. 294. ἐπτάστομον πύρ-
γωμα Θηβαίας χθονός. Herc. 28. τὴν ἐπτάπυργον — πόλιν.

120. ἔβα] Abscessit, sc. victus. Schol. ἠτήθη.

122. πλησθῆναι τε] De insolentiore particulae τε collocatione
v. Elmsl. ad Iph. T. 199. Cf. O. R. 758 sq. Phil. 1417 sq. Hic
fortasse particula totam clausulam gubernat. στεφάνωμα πύργων]
Cf. O. C. 15. Eur. Hec. 910. ἀπὸ δὲ στεφάναν κέκαρσαι πύργων,
κατὰ δ' αἰθάλου κηλὶδ' οἰκροτάταν. Tro. 779. πύργων ἐπ' ἄκρας
στεφάνας. Pind. Isth. III. 80. νεδόμενα στεφανώματα βωμῶν.
Hesiod. Theog. 978. ἐυστεφάνω ἐνὶ Θήβῃ. et schol. ibid. 578.

123. πενκάενθ' Ἥφαιστον] Cf. Aesch. Cho. 386. πενκάεντ' ὄλο-
λυγμόν (longe alio sensu). Virg. Aen. XI. 787. 'pineus ardor.'

Ἡφαιστον] Cf. 107. Ph. 987. Arist. Pl. 661. καθωσιώθη πέλανος Ἡφαιστοῦ φλογί. Eur. Iph. A. 1602. κατηνθρακώθη θύμ' ἐν Ἡφαιστοῦ φλογί. Hom. Il. 17. 88. φλογί εἵκελος Ἡφαιστοῖο | ἀσβέστω. Pind. P. I. 25. III. 40. Aesch. Ag. 266. Virg. Aen. II. 310. 'dedit ampla ruinam | Vulcano superante domus.'

124. ἐτάθη πάταγος] Cf. 600. Tr. 508. Eur. Her. 632. πάταγον ἀσπίδων. Qu. ἐχύθη πάταγος.

126. δυσχείρωμα δράκοντι] Cf. Hom. Il. XII. 401. αἰετὸς ὑπιπέτος — φοινήμεντα δράκοντα φέρον δνύχεσσι πέλωρον. Contra Aesch. Ag. 1299. δούλης θανούσης εἰμαροῦς χειρώματος. Pers. 458. δπως — κτείνειαν εὐχείρωτον Ἑλλήνων στρατόν. Eum. 726. πάλαισμ' ἀφνκτον τοῖς ἐναντίοις ἔχοις. Herod. VII. 9. ἐξευρίσκειν χροῖν τῇ ἐκάτῃ εἰσι δυσχείρωτότατοι καὶ ταύτη πειροῶν.

127. Cf. Eur. Her. 388. τῶν φρονημάτων | ὁ Ζεὺς κολαστὴς τῶν ἄγαν ὑπερφρόνων (f. ὑπερκόπων). Aesch. Pers. 829. Ζεὺς τοὶ κολαστὴς τῶν ὑπερκόπων ἄγαν | φρονημάτων ἔπεσιν εὐθνος βαρῦς. Cf. 1350. μεγάλοι δὲ λόγοι τῶν ὑπεραύχων —. Aesch. Prom. 358. ἀλλ' ἦλθεν αὐτῷ Ζητὸς ἄγρυπνον βέλος — ὃς αὐτὸν ἐξέπληξε τῶν ὑψηρόρων | νομπασμάτων. Eum. 936. μέγα φωνοῦντα.

129. δρύματι πολλῷ —] Cf. Aesch. Pers. 87. ὑποσιτὰς μεγάλῳ δρύματι φωτῶν. 404. τὸ δρύμα Πελοικῶν στρατοῦ. Sept. 80. εἰ πολλὸς ὄδε λεὼς πρόδρομος ἐπιότας. Eur. Iph. T. 1437. παῦσαι διώκων δρύμά τ' ἐξορμῶν στρατοῦ. Tro. 995. πόλιν χρυσοῦ δέουσαν. Rhés. 290. πολλῇ γὰρ ἠχῇ Θρηκίος δέων στρατὸς | ἔστειχε. Plut. Ages. c. 31. δρύμα καὶ κλύδωνα πολέμου. Hom. Il. 11, 724. τὰ δ' ἐπέθρεεν ἔθνεα πεζῶν. προσηνισσομένους] Cf. Aesch. Prom. 540. ποτινισσομένα.

130. καταγῆς L. Jamdudum correxi Καπανῆ'. Desideratur enim ducis alicujus nomen, quod cum δομῶντα construatur. Cf. Eur. Phoen. 190. σύ τοι μεγαληγορίαν ὑπεράνορα κοιμίζοις (Καπανέως). 1180. ἤδη δ' ὑπερβαίνοντα γείσα τειχέων | βάλλει κεραυνῷ Ζεὺς νιν. ἐκτύπησε δὲ | χθῶν ὥστε δεῖσαι πάντας. ἐκ δὲ κλιμάκων | ἐσφενδονᾶτο χωρὶς ἀλλήλων μέλη, | — ἐς γῆν δ' ἔμπυρος πίπτει νεκρός. De Capaneo. Confer totum locum 1172—1186.

131. βαλβίδων ἐπ' ἄκρων —] Schol. τῶν κρητῖδων τοῦ τέλους. Cf. Eur. Phoen. 1091. πύργων ἐπ' ἄκρων σιάς. Liv. V. 39. 'Gallum, qui jam in summo constiterat, umbone ictum deturbat.'

133. νύκην — ἀλαλάξαι] To shout victory. Cf. Fr. 479. βοῶσ', ἀλαλαζομένη (ἐλελιξ.?). Aesch. Sept. 493. 951. Pers. 390. Eur. Suppl. 719. Eur. El. 855. χαίροντες, ἀλαλάζοντες. Bacch. 1131. αἱ δ' ἠλάλαζον. Phoen. 1395. Herc. 11. Hinc ἀλαλαγή Tr. 206. Ἀλαλή pugna significat. Pind. Isth. VII. 15. καρτερᾶς — ἐξ ἀλαλᾶς (Schol. τῆς μάχης).

134. ἀντύπα (ἀντύπως supr. a m. rec.) L. ἀντύπα (?) Porson. Dind. Leg. ἀντύπα, with a reverberating sound.

Cf. Phil. 1460. *πολλὰ δὲ φωνῆς τῆς ἡμετέρας | Ἔρμαιον ὄρος παρῆ-
πεμψεν ἐμοὶ | στόνον ἀντίτυπον. 693. παρ' ᾧ στόνον ἀντίτυπον —
ἀποκλαύσειεν. Infra 591. στόνον βρέμουσιν ἀντιπλήγες ἀπταί. Hom.
II. 24, 163. ἐντυπᾶς ἐν χλαίῃ κεκαλυμμένος. ταυταλωθεῖς] Hesych.
ἐτανταλίχθη (-ισθη?): ἐσεισθη. Nicol. 7 sq. Com. adesp. 602. τὰ
Ταντάλον τάλατα ταυταλλίζεται.*

135. *πυρφόρος]* Cf. Aesch. Sept. 432. *ἔχει δὲ σῆμα γυμνὸν
ἄνδρα πυρφόρον (Καπανεύς). μαινομένα ξὺν ὄρμᾳ]* Cf. Tr. 720.
*δέδοκται — ταύτῃ (ταύτη?) σὺν ὄρμῃ κάμει συνθανεῖν ἐμέ. El. 1512.
Aesch. Sept. 466. μαινομένα φρενί. 763. μαινομένα κραδία. 343.
μαινόμενος δ' ἐπιπνεῖ λαοδάμας — Ἄρης. Eur. Phoen. 1172. Κα-
πανεύς δὲ πῶς εἴποιμ' ἂν ὡς ἐμαίνετο; Eur. Fr. 15, 11. τὰν μαι-
νομένην τ' ἔριν. Pind. P. II. 26. μαινομέναις φρασὶν Ἴηρας ἐράσσατο.*

136. *ἐπέπνει]* Afflabat. Cf. Aesch. Sept. 343. *μαινόμενος δ'
ἐπιπνεῖ — Ἄρης. Eur. Phoen. 791. στρατὸν Ἀργείων ἐπιπνεύσας αἵματι
(leg. ἄσκει) Θήβας (Ἄρης), κῶμον ἀναυλότατον προχορεύεις. 807.
Ἀργείους ἐπιπνεύσας γενεῆ Σπαρτῶν. Rhes. 322. Ἄρης — μέγας
πνέων.*

137. *ῥιπαῖς — ἀνέμων]* Cf. 929. *ἀνέμων ῥιπαί. Aesch. Pr.
1125. τοιάδ' ἐπ' ἐμοὶ ῥιπὴ Διόδεν | τεύχουσα φόβον στείχει φανε-
ρῶς. Sept. 107. προαῖς ἄρεος. Eur. Hel. 1122. πετρῖναις ῥιπαῖσιν
ἐκπνεύσαντες. Eur. Fr. 594, 4. περὺγων ῥιπαῖς. Pind. Nem. III. 59.
θαλασσίαις ἀνέμων ῥιπαῖσι πεμφθεῖς. Apoll. Rhod. III. 969. ὑπὸ
ῥιπῆς ἀνέμοιο. Callim. H. in Del. 25. ῥιπαὶ ῥιπῆς — Στρνονοῖον
Βορέαο. Lyric. incert. ed. Bergk. 138. ὠκείας τ' ἀνέμων ῥιπᾶς. Hom.
II. 21, 12. ὑπὸ ῥιπῆς πυρός. ἐχθίστων ἀνέμων]* Contra Phil. 237.
ἀνέμων ὁ φίλατος.

139. *ἐπενώμα]* Cf. Phil. 168. Aesch. Eum. 302. *ἐπινωμᾶ (al-
lots). Sept. 728. κλήρους ἐπινωμᾶ. Eur. Phoen. 1564. στυφελί-
ζων]* Cf. Arist. Eq. 537. *στυφελιγμούς.*

140. *δεξιόσειρος]* Cf. El. 721. *δεξιὸν δ' ἀνεῖς | σειραῖον ἔπ-
πον —.*

141. Cf. Eur. Phoen. 762. *τάξω λοχαγούς πρὸς πύλαισιν, ὡς
λέγεις, | ἴσους ἴσοισι πολεμίοισιν ἀντιθεῖς.*

142. *ἔλιπον —]* Schol. *ὁ ἔστι, τὰ δπλα ἀπέβαλον.*

143. *Ζηγὴ τροπαίω]* Cf. Tr. 303. *ὦ Ζεῦ τροπαῖε. Eur. Her.
867. ὦ Ζεῦ τροπαῖε. 936. βρέτας | Διὸς τροπαίου καλλίνικον ἴστασαν.
937. Eur. El. 671. ὦ Ζεῦ τροπαῖ' — ἐχθρῶν ἐμῶν. πάγχαλκα
τέλη]* Cf. El. 195. *παγγάλκων — γενύων. Eur. Iph. A. 771. πάγ-
χαλκος Ἄρης. Tricl. οὗτοι γὰρ, εἰ καὶ ἀπέθανον, ἀλλὰ διότι οὐ
διεκρίθη αὐτῶν ἡ νίκη, διὰ τοῦτο οὐκ ἀνετέθη τὰ δπλα αὐτῶν
τοῖς θεοῖς.*

144. *τοῖν στυγεροῖν]* Anglice the two hapless ones.

145. *καθ' αὐτοῖν]* I. e. κατ' ἀλλήλων. Cf. O. C. 1425.

146. δικρατεῖς] Cf. Aj. 252. δικρατεῖς Ἀτρεΐδαι. Arist. Ran. 1285. Ἀχαιῶν δίδρονον κράτος.

147. θανάτου μέρος] I. q. θανάτου μοῖραν (Aesch. Pers. 917.).

149. Cf. Eur. Iph. A. 1524. θύμασι βροθησίους χαρεῖσα. Arist. Nub. 274. ὑπακούσατε δεξάμεναι θυσίαν καὶ τοῖς ἱεροῖσι χαρεῖσαι. Arist. Th. 980. Ἐρμῆν — ἄντομαι — ἐπιγέλασαι προθύμως ταῖς ἡμετέροιαι χαρέντα χορείααι.

150. ἐκ — θέσθε λησμοσύναν] I. q. ἐκλάθεσθε. Cf. Hom. Il. 6, 286. ἀτέρπον δίζυος ἐκλελαθέσθαι. Xen. Cyr. I. 4. 28. γελῶν ἐκ τῶν πρόσθεν δακρύων. Thuc. I. 120. ἐκ μὲν εἰρήνης πολεμεῖν, ἐκ δὲ πολέμου πάλιν ξυμβῆναι.

151. τῶν νῦν θέσθε λησμοσύναν] Cf. Tr. 1265. τούτων θέμενοι συγγνωμοσύνην. Herod. I. 127. λήθην ποιούμενος τὰ μιν ἐόργεε.

152. ναοὺς — ἐπέλωμεν] Cf. El. 1297. νῶν ἐπελθόντων δόμων. Fr. 607. ἔρωσ γὰρ ἄνδρας οὐ μόνους ἐπέργεται. ἐλελίχθων] Earth-shaking. Cf. Callim. H. Apoll. 1. Pind. P. 2, 8. τετραορίας ἐλελίχθονος. 6, 50. ἐλέλιχθον — Ποσειδῶν. Simonid. Fr. 25. ἐλελιζόμενος ποδὶ καμτύλον μέλος διώκω. Hom. H. 28, 9. μέγας δ' ἐλελλίξει Ὀλυμπος. Eur. Phoen. 1516. ὡς ἐλελλίξω. Hom. Il. 22. 448. τῆς δ' ἐλελίχθη γυῖα. 1, 530. μέγαν δ' ἐλέλιξεν Ὀλυμπον. 8, 199. 13, 558. Hinc Bacchus Eleleus dicitur Ovid. Met. IV. 15. et Bacchae Eleleides Heroid. Ep. IV. 47. Tricl. ἐλελίχθων. ὁ κινῶν διὰ τῶν χορῶν. Confer epithetum ἐννοσίγαιος. χοροῖς παννυχίοις] Cf. 1152. αἶ σε μαινόμεναι πάννυχοι χορεύουσι. Eur. Bacch. 860. ΧΟ. ἀρ' ἐν παννυχίοις χοροῖς θήσω ποτὲ λευκὸν πόδ' ἀναβακχεύουσα —; παννυχίως] Cf. πανηγύριος, Cratin. II. 95. ἦσθε πανηγύριοι.

154. βάκχιος ἄρχοι] May Bacchus lead. Sc. τῶν χορῶν. (Cf. Eur. Tro. 151. ποδὸς ἀρχεχόρου.) Sic ἠγεῖσθαι χοροῦ, ὀρχηθμοῖο (Hom.). Optativus hic ponitur, quanquam praecessit subjunctivus ἐπέλωμεν, quia precatio est. βάκχιος] Cf. O. R. 1105. ὁ βακχεῖος (i. βάκχιος) θεός.

155. Cf. Aesch. Sept. 861. ἀλλὰ γὰρ ἤκουσ' αἰδ' ἐπὶ πρῶτος | πικρὸν Ἀντιγόνη τ' ἠδ' Ἰσμήνη. Eur. Hipp. 51. ἀλλ' εἰσορῶ γὰρ τόνδε παῖδα Θησέως στείχοντα. Or. 1565. Ion. 393. Herc. 139. El. 107.

156. Κρέων ὁ Μενουκίεως] Cf. 211. παῖ Μενουκίεως Κρέων.

157. νεοχμοῖαι —] Cf. 1266. νέος νέφ ξὺν μόρω. O. C. 1447. νέα τάδε νεόθεν ἦλθε.

158. τίνα δὴ —;] Cf. 908. τίνος νόμον δὴ —;

160. λέσχη] Cf. Aesch. Eum. 344. Hesiod. Op. 493. ἐπ' ἀλέα λέσχην (ἴθι). 501. ἤμενον ἐν λέσχη.

161. τὰ μὲν δὴ πάλεος] Cf. Phil. 1308. εἰεν τὰ μὲν δὴ τόξ' ἔχεις. Aesch. Suppl. 89. τὰ γὰρ φθιτῶν —. Eur. Fr. 795. 2. εἰδέναι τὰ δαιμόνων. ἀσφαλῶς — ὠρθωσαν] Cf. El. 741. τοὺς μὲν ἄλλους πάντας ἀσφαλεῖς (ἀσφαλῶς?) δρόμους | ὠρθοῦθ' ὁ τλήμων.

163. πολλῶ σάλῳ σεισάντες] Cf. Ph. 271. ἐκ πολλοῦ σάλλω (after much tossing) εὐδοκίᾳ O. R. 24. Respicit Plutarchus Fab. Max. 27. πολλῶ σάλῳ σεισθεῖσαν ὠρθώσαν πάλιν.

164. πομποῖσιν] By messengers. Cf. Phil. 494. πολλὰ γὰρ τοῖς ἑγμένοις | ἐπέλλον αὐτὸν — μ' ἐκωῶσαι δόμους ('ς δόμους?). 495. 623. 983. O. R. 860. O. C. 298. 737. Ant. 165.

165. ἔστειλ' ἰκέσθαι] I sent for to come. Cf. Phil. 60. οἱ σ' ἐν λιταῖς στείλαντες ἐξ οἴκων μολεῖν — οὐκ ἤξίωσαν etc. τοῦτο μὲν — τοῦτ' αὐθις] Sic O. R. 603. τοῦτο μὲν — τοῦτ' ἄλλο.

166. σέβοντας — κράτη] Cf. Eur. Hipp. 5. τοὺς σέβοντας τὰμὰ κράτη.

167. τοῦτ' αὐθις] Cf. O. R. 605. τοῦτ' ἄλλ', ἐάν με — λάβῃς, etc. ὠρθον πόλιν] Cf. 163. 1158. Athen. XV. 694 C. Παλλὰς Τριτογένει', ἄνασσ' Ἀθηναῖ, | ὄρθου τήνθε πόλιν.

169. ἐμπέδους φρονήμασιν] Cf. Aj. 640. Aesch. Ag. 828. νύκτι δ', ἐπεῖπερ ἔσπετ', ἐμπέδως μένοι. Theogn. 1084. et ad O. R. 1225. Eur. Tro. 467. Hom. Batr. 188. εἰοί γὰρ οὐδ' αὐτοὶ φρένας ἔμπεδοι.

170. ὅτ' οὖν] I. q. ἐπεὶ οὖν. Cf. O. R. 918. El. 38. 1318. πρὸς διπλῆς μοίρας] Cf. Aesch. Sept. 849. διπλαῖ μέρειναι, διδυμάνορα κάκ' αὐτοφόνα, δίμοιρα — πάθη.

171. Cf. Aesch. Sept. 734. ἐπειδὴν αὐτοκτόνως αὐτοδαίκτοι θάνασοι. 681. ἀνδροῖν δ' ὁμαίμοιν θάνατος ὧδ' αὐτοκτόνος.

172. πληγέντες] Sic potius quam παισθέντες dicebant. Cf. ad Aesch. Cho. 184. αὐτόχειρι σὺν μάσματι] Cf. Eur. Phoen. 887. θάνατος αὐτόχειρ. Or. 945. αὐτόχειρι σφαγῇ.

173. κράτη — καὶ θρόνους ἔχω] Cf. O. R. 237. γῆς | τῆσδ', ἧς ἐγὼ κράτη τε καὶ θρόνους ἔχω. Ph. 142. πᾶν κράτος. Aesch. Suppl. 425. ὦ πᾶν ἔχων κράτος χθονός. Connecte δὴ cum πάντα.

174. γένους κατ' ἀγχιστεία τῶν δλωλόπων] Cf. Plat. Legg. XI. 924 E. τὸ γένος δεῖ πορευέσθω κατ' ἀγχιστείαν. ibid. D. πρὸς δὲ τὴν τοῦ γένους ἀγχιστείαν.

175. ἀμήχανον —] Particula negativa in ἀμήχανον subinteligitur (i. q. οὐκ εὐχερὲς): alioqui non inferri potuisset subjunctivus πρὶν ἂν φανῇ. V. Elmsl. ad Med. 215., qui annotat: "Idem ac si dixisset οὐκ ἂν ἐκμάθοις, ut in Tr. 2. ὧς οὐκ ἂν αἰῶν' ἐκμάθοις βροτῶν, πρὶν ἂν | θάνῃ τις etc." ἐκμαθεῖν ψυχὴν —] Cf. Dem. p. 418, 22. ἐκμανθάνειν τινὸς ψυχὴν καὶ φρόνημα καὶ γνώμην. (Qui huc respicit.) Incert. ap. Stob. 28, 18. ἀνδρὰ δὲ οὐκ ἔστι δεξιὸν γνώμην σιαθησόμενον ἀδρῆσαι.

177. ἀρχαῖς] Pluralis ut in 744. 798. Eur. Phoen. 987. λέξει γὰρ ἀρχαῖς καὶ στρατηλάταις τάδε. ἐντριβής] Versatus in. Cf. Plat. Legg. VI. 769 B. ἐπεὶ ἐντριβής γε οὐδαμῶς γέγονα τῇ τοιαύτῃ τέχνῃ. Resp. VII. 537 A. ἐν πᾶσι δὴ τούτοις — ἐντροχέστατος (leg. ἐντριβέστατος). Sic τρίβων τινὸς Arist. Nub. 869. Vesp. 1429.

178. εὐθύνων πόλιν] Cf. 1164. O. R. 104. ἀπευθύνων πόλιν. Aesch. Pers. 779. Κύρου δὲ παῖς τέταρτος ἠΰθυνε στρατόν. Eur. Hec. 9. λαὸν εὐθύνων δορί. Suppl. 442. εὐθυντήης χθονός. Aesch. Pers. 766. σκῆπτρον εὐθυντήριον.

179. ἄπτεται βουλευμάτων] Cf. Arist. Ran. 894. ὦν ἂν ἀπωμαί λόγων. Eccl. 581. Thuc. VIII. 92. ἔργω ἤδη ἤπτοντο τῶν πραγμάτων. Aeschin. I. 53. οὐδὲ βελτιόνων διατριβῶν ἤψατο. Lucian. Amor. 31. πλείστον ἀγάμενος Χαρίτων. Plat. Theaet. 283. τίνα ποτὲ τρόπον ἄφροντο τοῦ λόγου.

180. γλῶσσαν ἐγκλήσας] Cf. 505. εἰ μὴ γλῶσσαν ἐγκλήσαι φόβος. Theogn. 178. γλῶσσά οἱ δέδεται.

181. Cf. El. 676. θανόντ' Ὀρέστην νῦν τε καὶ πάλαι λέγω. Trag. Fr. Adesp. 84. (οὕτως) ἔμοιγε νῦν τε καὶ πάλαι δοκεῖ.

182. μείζον' — ἀντὶ τῆς —] Cf. Tr. 577. Eur. Suppl. 421. ὁ γὰρ χρόνος μάθησιν ἀντὶ τοῦ τάχους | κρείσσω δίδωσι. Arist. Vesp. 209.

183. οὐδαμοῦ λέγω] I make no account of. Cf. Aesch. Pers. 498. θεοὺς νομίζων οὐδαμοῦ. Eur. Iph. T. 115. δειλοὶ δ' εἰσὶν οὐδὲν οὐδαμοῦ. Eur. Fr. 618. τὸν ὄλβον οὐδὲν οὐδαμοῦ κρινῶ βροτοῖς. Philetaer. 9, 6. Κοσούφας δὲ καὶ Γαλήνας καὶ Κορώνας οὐ λέγω. Ruhnk. ad Xen. Mem. II. 1. 52.

184. ἴστω Ζεὺς] Cf. O. C. 521. θεὸς ἴστω. Tr. 399.

185. ἄτην ὀρῶν | στείχουσαν ἀστοῖς] Cf. 10. ἤ σε λανθάνει | πρὸς τοὺς φίλους στείχοντα τῶν ἐχθρῶν κακά; El. 374. εἰ μὴ κακὸν μέγιστον εἰς αὐτὴν ἰὼν | ἤκουσ'. O. C. 1771. ἰόντα φόνον | τοῖσιν ὀμαιμοῖς. Aesch. Pr. 1125. τοιάδ' ἐπ' ἔμοι ῥιπή Διόθεν | τεύχουσα φόβον στείχει φανερώς. Dem. p. 419. τὴν ἄτην ὀρῶν στείχουσαν τοῖς ἀστοῖς ἀντὶ τῆς σωτηρίας. Herod. I. 33. ἄτην μεγάλην προσεσοῦσαν ἐνεῖκαι.

187. δυσμενῆ χθονός] Cf. Aj. 104. τὸν σὸν ἐνοστάτην. 572. 726. Eur. Phoen. 609. πατρίδος — πολέμος. 1666. πόλεως ἐχθρός. Xen. Hell. V. 2. 33. ὑμετέροις δυσμενεσί.

190. ὀρθῆς] Cf. Thuc. II. 40. οὐ γὰρ πάσχοντες εὖ ἀλλὰ δρωῦντες κτώμεθα τοὺς φίλους. Aesch. II. 173. ὀρθῆς ἡμῖν τῆς πατρίδος οὔσης.

191. αὔξω πόλιν] Cf. Eur. Iph. A. 572. μείζω πόλιν αὔξει. Suppl. 517. πατρίδα θ', ἣν αὔξειν χρεῶν. 323. ἐν γὰρ τοῖς πόνοισιν αὔξεται (σὴ πατρίς). Tacit. Ann. I. 31. 'Suis victoriis augeri rempublicam.'

192. ἀδελφὰ τῶνδε] Cf. O. C. 1262. ἀδελφὰ τούτοισιν (?) φορεῖ — θρεπτήρια. Plat. Phaedr. 276. ὅσα τούτων ἀδελφά. Soph. 224. ἀδελφῶ τινι τῆς πράξεως ὀνόματι. Resp. VIII. 558. τούτων ἅλλα ἀδελφά. Isocr. p. 55 A. ἀδελφὰ δὲ τῶν εἰρημένων.

193. παίδων τῶν ἀπ' Οἰδίπου] Cf. Aj. 202. γενεᾶς ἀπ' Ἐρεχθιδᾶν. Phil. 260. ὦ παῖ πατρὸς ἐξ Ἀχιλλέως. 940. ὁ παῖς —

οὐξ Ἀχιλλέως. El. 544. τῶν μὲν ἐξ ἑμοῦ παίδων. Eur. Andr. 1275. σαντῆς τε — καὶ τέκνων τῶν ἐκ σέθεν.

194. πόλεως ὑπερμαχῶν] Cf. Eur. Phoen. 1267. πόλεως ὑπερμαχεῖς.

195. πάντ' ἀριστεύσας δόρει] Cf. Tr. 488. πάντ' ἀριστεύων χεροῖν.

Aj. 1300. στρατοῦ τὰ πρῶτ' ἀριστεύσας. 435. τὰ πρῶτα καλλισειῖ' (leg. κἀρισειῖ') ἀριστεύσας στρατοῦ.

196. ἐφαγνίζειν et ἐφαγιστεύειν (247) nusquam alibi occurrunt.

197. τοῖς — κάτω νεκροῖς] Cf. 75. τοῖς κάτω. 542. 1224. Aj. 865.

198. Πολυνείκην λέγω] Cf. Tr. 9. μνηστῆρ γὰρ ἦν μοι ποταμός, Ἀγελῶν λέγω. Aesch. Cho. 250. Eur. Phoen. 1001. Heracl. 642.

199. θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς] Cf. El. 428. πρὸς νυν θεῶν σε λίσσομαι τῶν ἐγγενῶν. Aesch. Sept. 582. πόλιν πατρῶαν καὶ θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς | πορθεῖν. Idem fere versus est Aesch. Sept. 579. πόλιν πατρῶαν καὶ θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς.

200. φυγὰς κατελθάν] Cf. Lycurg. 168, 28. κατέρχονται οἱ φεύγοντες. § 149. Aesch. Ag. 1253. φυγὰς — κάτεισιν. Dem. p. 636. ὄθεν γὰρ μηδὲ ἐξέπεσε υἷς τὴν ἀρχὴν, οὐκ ἐνὶ δήπου κατελθεῖν εἰς ταύτην. et ad Arist. Ran. 1165.

201. κατ' ἄκρας] I. q. κατ' ἄκρων περιγμάτων (Eur. Phoen. 487.). Cf. O. C. 1242. Aesch. Cho. 691. κατ' ἄκρας — πορθοῦμεθα. Eur. Hel. 697. κατ' ἄκρας δῶμ' ἑμὸν πέρας. αἵματος κοινοῦ] Cf. Aesch. Cho. 1038. φεύγων τόδ' αἷμα κοινόν.

202. πάσασθαι] Cf. ad Aesch. Sept. 1036. Ag. 1408.

204. κτερίζειν] Hoc verbum legitur Eur. Hel. 1244. Cf. O. C. 1410. Hom. Il. 11, 455. αὐτὰρ, ἐπεὶ κε θάνω, κτερισσοί με δίοι Ἀχαιοί.

205. εἴαν δ' ἄθαπτον —] Cf. Eur. Phoen. 1628. εἴαν ἄκλαντον ἄταφον οἰωνοῖς βοράν. 1624. Aesch. Sept. 1014. ἔξω βαλεῖν ἄθαπτον, ἀρπαγὴν κνοβόν. Eur. Suppl. 282. μὴ ἀτάφους χάσματα θηρῶν παῖδας κατίδης. δέμας — αἰμισθέντα] Cf. Aj. 110. νῶτα φοινιχθεῖς. Pind. P. III. 50. πῦρὶ περθόμενοι δέμας.

206. ἐδεστών] Cf. Eur. Tro. 677. Theocr. III. 53. κεισεῦμαι δὲ πεσῶν, καὶ τοι λύκοι ὠδέ μ' ἔδονται.

208. τιμὴν προέξουσ' — τῶν ἐνδίκων] Sic προλαβεῖν τί τινος apud Lucianum.

210. τιμῆσεται] Cf. Aesch. Ag. 581. Eur. Fr. 360, 49. Xen. Cyr. 8, 7, 15.

212. De praepositionis ἐς collocatione cf. O. R. 761. ἀγροὺς σφε πέμψαι κἀπὶ ποιμνίων νομάς. Eur. Ph. 361. οὕτω δὲ τάρβος ἐς φόβον τ' ἀφικόμην, etc.

213. Cf. Tro. 60. πάρεσι χρῆσθαι τάνδρῳ τοῖς τ' ἑμοῖς λόγοις.

215. εἶτε] Cf. Eur. Hipp. 349. εἴμεν. Alc. 921. Thuc. V. 77. et 79. Plat. Phil. 24. εἶτην. et ad Arist. Ran. 1448. τῶν εἰρη-
μένων] ~~ἢ οἱ τῶν ἐκκεκηρωγμένων.~~

216. πρόθεσ] Cf. Tr. 1049. Herod. I. 108. προῆγμα τὸ ἄν σοι
προσθέω (l. προσθέω) μηδαμῶς παραχρήση. III. 38. εἰ γὰρ τις προ-
θεῖη πᾶσι ἀνθρώποισι ἐκλέξασθαι κελεύων etc. III. 62. οὕτω μοι
διεπρήξασο τό τοι προσέθηκα (lege προσέθηκα) προῆγμα;

219. τὸ μὴ ἔπιχωρεῖν] That you allow not etc. Cf. ad 27.
Ph. 620. τὸ σπεύδειν δέ σοι παραινῶ. et ad El. 469. ἀπιστοῦσιν]
Cf. 656. Eur. Suppl. 389. ἦν δ' ἀπιστώσι. Her. 968. τῆδ' ἀπιστή-
σαι χθονί. 1024. Iph. A. 634. Ion. 557. Plat. Legg. XII. p. 941 C.
Xen. Cyr. II. 1. 24. Herod. VI. 108. οἱ δὲ οὐκ ἀπίστησαν.

220. Cf. Arist. Ach. 736. τίς δ' οὕτως ἄνους | δεσ ἕμέ κα
πρίαιτο —; Eur. Phoen. 603. τίς ὧδ' ἄνους ὅστις —; Alc. 192.
Trag. adesp. 91, 1. τίς ὧδε μῶρος — ὅστις ἐλπίζει θεοὺς etc.
Dem. p. 100. οὐ γὰρ οὕτω γ' εὐήθης ἐστὶν ἡμῶν οὐδεὶς δεσ ὑπο-
λαμβάνει (ὥστε ὑπολαμβάνειν plures mss.) τὸν Φίλιππον etc. Dem.
13, 16. τίς οὕτως εὐήθης ἐστὶν — ὅστις ἀγνοεῖ —;

223. ἔρω μὲν οὐχ ὅπως] Cf. 96. 255. O. R. 1232. λείπει μὲν
οὐδ' ἂ πρόσθεν ἤδεμεν etc. Aj. 545. Ph. 912. O. C. 1370. El. 552.
ἔρεῖς μὲν οὐχὶ νῦν γέ μ' ὥς —. 905. δυσσημῶ μὲν οὐ, | χαρᾶ
δὲ πίμπλημ' ὄμμα δακρῶν. 1036.

224. δύσπνοους] Cf. Aesch. Prom. 917. πύρπνον. 1087. ἀν-
τίπνον. et ad 587. δυσπνόους. κοῦφον ἐξάρας πόδα] Cf. Aj. 1066.
μηδὲν δεινὸν ἐξάρης μένος. Eur. Tro. 342. μὴ κοῦφον αἶρη βῆμα.
Hec. 965. ἤδη πόδ' ἔξω δωματίων αἶροντί μοι etc. Hel. 1627. ποῖ
σὸν πόδ' αἶρεις; Arist. Th. 659. χρὴ κοῦφον ἐξορμᾶν πόδα. Ran.
478. ἐφ' ἃς ἐγὼ δρομαῖον δρομήσω πόδα. Trach. 1193. τοῦμόν
ἐξάραντά σε | σῶμ'.

225. φροντίδων ἐπιστάσεις] Cf. Theocr. 21, 5. αἰφνίδιον θορυ-
βεῦσιν ἐφιστάμεναι μελεδῶναι.

226. κυκλῶν ἐμαντόν] Cf. Aj. 19. βάσιν κυκλοῦντα. Eur. Or.
625. Μενέλαε, ποῖ σὸν πόδ' ἐπὶ συννοῖα κυκλεῖς, | διπλῆς μερίμνης
διπτύχους ἰῶν ὁδοῦς; Similis est versus Heniochi com. III. 562.
ἔχον τε πολλὰς φροντίδων διεξόδους (πρᾶγμα). Arist. Av. 1579.
τί δεῦρο πόδα σὺ κυλλὸν ἀνὰ κύκλον κυκλεῖς;

227. ἠῦδα — μυθουμένη] Cf. ad Aj. 757. ὥς ἔφη λέγων.
Aesch. Ag. 205. τόδ' εἶπε φωνῶν.

228. τί χωρεῖς οἱ μολῶν δώσεις δίκην;] Cf. Eur. Herc. 740.
ἦλθεσ χρόνῳ μὲν (ἔνθαδ'?) οὐ δίκην δώσεις θανάων.

231. ἦνυτον] I. q. εἶσπον. Cf. Tr. 319. Infra 805. ἀνύτουσαν.

233. δεῦρ' ἐνίκησεν μολεῖν] Cf. 274. Aesch. Cho. 683. εἴτ' οὖν
κομίζειν δόξα νικήσει φίλων, | εἴτ' οὖν —. Eur. Med. 912. ἔγνωσ
δὲ τὴν νικῶσαν ἀλλὰ τῷ χρόνῳ | βουλήν. Thuc. II. 12. ἦν γὰρ
Περικλέους γνώμη πρότερον νενικηκυῖα. Plat. Polit. p. 303. ἐν

δημοκρατία νικᾷ ζῆν. Herod. V. 118. αὕτη μὲν νυν οὐκ ἐνίκα ἡ γνώμη. VI. 101. ἐνίκα μὴ ἐκλιπεῖν τὴν πόλιν. VII. 175. ἡ νικῶσα δὲ γνώμη ἐγένετο etc. Xen. An. VI. 1. 18. ἐκ τῆς νικώσης ἐπραττον πάντα. Plut. Pomp. 77. ἐνίκα φεύγειν εἰς τὴν Αἴγυπτον. Liv. 37, 19. 'Haec sententia vicit.'

234. Cf. El. 617. εὖ νυν ἐπίστω τῶνδὲ μ' αἰσχύνην ἔχειν, | κελ μὴ δοκῶ σοι. κελ —, φράσω δ' ὄμως] Cf. O. R. 302. πόλιν μὲν, εἰ καὶ μὴ βλέπεις, φρονεῖς δ' ὄμως | οἶα νόσω σύνεστιν. Aj. 15.

235. τῆς ἐλπίδος δεδραγμένος] Cf. Aesch. Ag. 505. πολλῶν ῥαγισῶν ἐλπίδων μιᾶς τυχῶν. Eur. Tro. 745. τί μου δέδραξαι χερσὶ; Hom. Il. 13, 393. κόνιος δεδραγμένος αἱματοέσεσης. 16, 486. Hom. Batr. 156. δραξάμενοι κορύθων. Plat. Lys. 209 E. δραξάμενοι τῶν ἄλων. Callim. Epigr. I. 13. μείζονος οἶκον | δραξασθαι. Lucian. Philop. 22. δραξάμενός μου τοῦ λώπου. Plut. Artax. 29. τῇ ἐτέρῳ χειρὶ δραξάμενος τῆς κόμης αὐτοῦ.

236. τὸ μόρσιμον] Cf. Fr. 867, 2. ἦξεῖς — εἰς τὸ μόρσιμον. Aesch. Prom. 933. τί δ' ἂν φοβοίμην ὧ θανεῖν οὐ μόρσιμον; Cho. 97. τὸ μόρσιμον γὰρ τὸν τ' ἐλεύθερον μένει —. 457. Sept. 263. πείσομαι τὸ μόρσιμον. Eur. Phoen. 895. τὸ μέλλον, εἰ χρῆ, πείσομαι· τί γὰρ πάθω; Plat. Gorg. p. 512 E. οὐ τὴν εἰμαρμένην οὐδ' ἂν εἰς ἐκφύγοι.

237. Schol. τὸ τῆς Ἀντιγόνης πρόσωπον καὶ τοῦ χοροῦ τὸ τετράστιχον ἀδειοῦνται — κρείττον γὰρ, φαοῖν, εὐθέως τῶ δικαιολογικῷ χρήσασθαι τὸν Οἰδίπουν πρὸς αὐτούς. ἀνθ' οὗ] Quam obrem. Cf. Eur. Hec. 1136. ἀνθ' ὄτου δ' ἔκτεινά νυν.

238. Cf. O. R. 958. εἰ τοῦτο πρῶτον δεῖ μ' ἀπαγγεῖλαι σαφῶς. Aj. 719. τὸ πρῶτον (πρῶτον τόδ'?) ἀγγεῖλαι θέλω. Eur. El. 230. ζῆ· πρῶτα γὰρ σοι τὰγάθ' ἀγγέλλειν θέλω.

246. διψίαν κόνιν] Cf. 429. Aesch. Ag. 495. διψία κόνις. Virg. Aen. VI. 227. 'vino bibulam lavere favillam.'

247. κάφαγιστεύσας] I. e. καὶ ἀφαγιστεύσας (non ἐφ.). Cf. ad 196. τάφω τε κορύψαι καὶ τὰ πάντ' ἀφαγνίσαι (ἐφ. al.).

249. οὔτε του γενῆδος] Sic 257. οὔτε του κυνῶν. 917. οὔτε του γάμου. De οὔτε — οὐ cf. O. C. 972. Eur. Or. 41 sq. γενῆδος] Sic γῆτης (γητήης) Tr. 32. ἐγενῆδας Aesch. Ag. 145. παρῆδ' ἐμᾶν Eur. Iph. A. 187.

250. γενῆδος — πλήγμ'] Cf. 1283. Tr. 522. Eur. Iph. T. 1366. ὄθεν τὰ δεινὰ πλήγματ' ἦν γενειάδων. δικέλλης ἐκβολή] Paullo aliter Aesch. Eum. 748. πεμπάζετ' ὀρθῶς ἐκβολὰς ψήφων. ἐκβολή] Egestus (Stat). στύφλος — γῆ] Cf. Aesch. Prom. 749. στύφλου πέτρας. Eur. Iph. T. 1395. Bacch. 1137. στύφλοις πέτραις.

251. χέρσος] Cf. O. R. 1502. Herod. IV. 123. τῆς χώρας ἐούσης χέρσον. Eur. El. 325. ἀρρωῶξ] Cf. Fr. 168. ὄπλοις ἀρῶξιν (ἀρρωῶξιν?). et ad Fr. 475)? Confer καταρρωῶξ Phil. 937. διαρρωῶξ Eur. Iph. T. 262. ἐπημαξενμένη —] Cf. Eur. Or. 1251. ἀμα-

ξήρη τρίβον. 1258. 1268. Ph. 93. El. 103. In Homero ἀρματροχή (a wheel-rut) II. 23. 505.

253. ἡμεροσκόπος] Cf. 775. O. R. 1426. Aesch. Sept. 66. Arist. Av. 1174. Herod. 7, 182.

256. ἄγος φεύγοντος] Cf. Aesch. Suppl. 375. ἄγος φυλάσσουν. Cho. 153. ἄγος ἀπεύχετον. Thuc. I. 134. ὡς ἄγος αὐτοῖς ὄν τὸ πεπραγμένον.

257. οὔτε — οὔτε — οὐ] Sic Aesch. Pr. 488. οὐκ ἦν ἀλέξημ' οὐδὲν οὔτε βρώσιμον, | οὐ χριστόν, οὔτε πιστόν. 459. οὔτε πλινθιφεῖς | δόμους προσείλους ἦσαν, οὐ ξυλουργίαν.

258. ἔλξαντος] Cf. Eur. Herc. 567. κρᾶτα δ' ἀνόσιον τεμῶν | ὄληω κινῶν ἔλκημα (ἐλκυσμα?).

259. λόγοι δ' ἐν ἀλλήλοισιν ἐρρόθουν κακοί] Cf. 290. ταῦτα — ἐρρόθουν ἐμοί. 413. ἐπιρρόθοις κακοῖσιν. Tr. 264. δς αὐτὸν — πολλὰ μὲν λόγους | ἐπερρόθησε, πολλὰ δ' ἀτηρᾷ φρενί. Fr. 700. ἐπερρόθει | σαίνουσιν οὐραίοισι τὴν κεκτημένην. Infra 413. ἐπιρρόθοις κακοῖσιν. 290. ταῦτα — ἐρρόθουν ἐμοί. Aesch. Prom. 200. Eur. Bacch. 1129. ἦν δὲ πᾶσ' ὁμοῦ βοή, | ὁ μὲν στενάζων ὄσον ἐτύγχανεν πνέων, | οἱ δ' ἠλάλαζον. Her. 836. τὸ δευτέρον δὲ πούς ἐπαλλαχθεῖς ποδί, | ἀνήρ δ' ἐπ' ἀνδρὶ στάς, ἑκατέρει μάχη (i. e. μάχη ἦν καρτερὰ.) Iph. T. 695. 947. Phoen. 1462. Hec. 976. Hipp. 22. Cycl. 331. Xen. Hell. II. 2. 3.

261. τελευτῶσ'] Cf. Plat. Euthyd. 294. οὐδὲν ὁ τι οὐκ ἠρώτα τελευτῶν. Crat. 414 D. τελευτῶντες ποιοῦσι etc. Xen. Hell. 6, 2. 15. ἐπεὶ δὲ οὐδὲν ἦττον ἠῆτομόλουν, τελευτῶν καὶ μαστιγῶν ἀπέπεμπεν.

οὐδ' ὁ κωλύσων παρήν] Cf. El. 1197. οὐδ' οὐπαρήξων οὐδ' ὁ κωλύσων πάρα; Ph. 1242. 251. O. R. 11 f. Aesch. Prom. 27. ὁ λωφῆσων γὰρ οὐ πέφυκέ πω.

262. εἷς — τις] Cf. O. R. 118. Arist. Eq. 1301. καὶ μίαν λέξαι τιν' αὐτῶν etc.

263. ἐναργῆς] Cf. Aesch. Pers. 184. Prom. 684. Sept. 128. Herod. V. 55. ὄφρις ἐνυπνίου ἐναργεστάτη. Cf. 443. κοῦκ ἀπαρνοῦμαι τὸ μὴ οὐ. 535. ἦ ἔομεν τὸ μὴ εἰδέναι; Fr. 152. ἐγὼ δ' ὁ φεύγεις· οὐ τὸ μὴ κλύειν κακῶς. O. R. 1010. εἰ τῶνδε φεύγεις εἴνεκ' εἰς οἴκους μολεῖν. Eur. Hec. 507. παρὸν σεσῶσθαι, φενξόμεσθα μὴ θανεῖν; Fr. 897, 9. τὸ δ' ἐρᾶν προλέγω τοῖσι νέοισιν μήποτε φεύγειν. Herod. VII. 194. βασιλέα — διαφυγῶν μὴ ἀπολέσθαι. Dem. p. 813. ἔφυγε μηδὲν διαγῶναι περὶ αὐτῶν. Schol. ad O. C. 218. ἀποφυγῆν τοῦ μὴ εἰπεῖν. Hor. Od. I. 9. 13. 'Quid sit futurum cras fuge quaerere.' Epist. II. 2. 150. 'Fugeres radice vel herba — curarier.'

265. πῦρ διέρπειν] Cf. Xen. Symp. 4, 16. ἐγωγ' οὖν μετὰ Κλειλίου κᾶν διὰ πυρὸς λοίην. Oecon. 21, 7. ἀκολουθητέον εἶναι καὶ διὰ πυρὸς καὶ διὰ παντός κινδύνου. Dem. p. 1269. τοῦ κατὰ τῶν παιδῶν δμνύντος καὶ διὰ τοῦ πυρὸς. Posidipp. Athen. p. 662 A.

διὰ τῶν μαχαιρῶν τοῦ πυρός τ' ἐλήλυθεν. Virg. Aen. XI. 787. 'Medium freti pietate per ignem | Cultores multa premimus vestigia pruna.' Confer etiam locutionem διὰ πυρός σώζεσθαι Paul. I. Epist. Cor. III. 15. Et Esai. XLVI. 12. δοκωμοτεῖν τὸ —] Cf. 535. φήσεις μετασχεῖν ἢ ἔσομεί τὸ μὴ εἰδέναι; δοκωμοτεῖν] Cf. Aesch. Sept. 46. Eum. 764. Eur. Suppl. 1190. Arist. Fr. 70.

268. Cf. Arist. Eccl. 1094. ἀλλ' οὐδὲν ἔσται σοι πλέον. Cratet. II. 237. τί δῆτα τοῦτ' ἀπτοῖς πλέον;

269. τις εἷς] Cf. O. R. 246. εἴτε τις εἷς ὦν λέληθεν.

270. κάρα νεῦσαι —] Cf. 441. σὲ τὴν νεύουσαν ἐς πέδον κάρα. Hom. Od. 18, 237. οὕτω νῦν μνηστῆρες — νεύοιεν κεφαλὰς. προύτρειψεν] Impulit. Cf. O. R. 358. σὺ γάρ μ' ἄκοντα προ-
τρέψω λέγειν. El. 1193. τίς γάρ σ' ἀνάγκη τῆδε προστρέπει βροτῶν;

οὐ γὰρ εἶχον —] Cf. Aj. 428. οὔτοι σ' ἀπείργειν οὐδ' ὅπως εἶω λέγειν | ἔχω. O. R. 1367. οὐκ οἶδ' ὅπως σε φῶ βεβουλεύσθαι καλῶς. O. C. 1742. ὅπως μολούμεθ' ἐς δόμους οὐκ ἔχω. Tr. 991. οὐ γὰρ ἔχω πῶς ἂν στέρξαιμι κακὸν τόδε λεύσσω. Aesch. Prom. 940. οὐδ' ἔχω τί ἂν γενοίμαν. Eur. Hel. 496. ἐγὼ μὲν οὐκ ἔχω τί χοῆ λέγειν. Thuc. II. 52. οὐκ ἔχοντες ὃ τι γένωνται (al. γένοιτο) ἐς ὀλιγοῦριαν ἐτράποντο. Plat. Euthyd. 296. οὐκ ἔχω ὑμῖν πῶς (l. πῶς ἂν) ἀμφισβητοῖην. Isae. IX. 23. διαροῆδην δὲ — οὐκ ἂν ἔχοιμι ὅπως ὑμῖν παρασχοίμην (μάστιγας). X. 27. οὐκ εἶχεν ὅπως εἰσπράξαιτο. Herod. III. 1. οὐκ εἶχε οὔτε δοῦναι οὔτε ἀρῆσασθαι. IV. 156. οὐ γὰρ εἶχον ὃ τι ποιέωσι ἄλλο.

274. ταῦτ' ἐνίκα] Cf. Herod. V. 36. αὕτη μὲν δὴ οὐκ ἐνίκα ἢ γνώμη. VII. 175. ἢ νικῶσα δὲ γνώμη ἐγένετο — φυλάξαι.

275. καθαιρεῖ] Cf. Eur. Or. 852. ἀτὰρ τίς ἀγῶν; τίνες ἐν Ἀργείοις λόγοι | καθείλον ἡμᾶς κάπεκύρωσαν θανεῖν; τοῦτο τὰγαθὸν λαβεῖν] Cf. Arist. Pac. 369. καὶ μὴν ἐπιτέτριψαί γε. TP. κᾶτα τῷ τρόπῳ | οὐκ ἠσθόμην ἀγαθὸν τοσοῦτον λαβῶν; Eccl. 426. ἵνα τοῦτ' ἀπέλασαν Ναυσικύδους τὰγαθόν. Th. 23.

276. Cf. Tr. 198. οὕτως ἐκείνος οὐχ ἐκὼν ἐκοῦσι δὲ | ξύνεσι. Aesch. Suppl. 224. γαμῶν ἄκουσαν ἄκοντος πάρα. Prom. 226. ἐκόνθ' ἐκόντι Ζηρὶ συμπαραστατεῖν. 200. εἰς ἀρθμὸν ἐμοὶ — σπεύδων σπεύδοντί ποδ' ἤξει. 692. ἐξήλασέν με — ἄκουσαν ἄκων. Eur. Fr. 68, 2. ἐκὼν ἐκοῦσαν ἢ οὐ θέλουσαν (l. οὐχ ἐκοῦσαν) οὐχ ἐκὼν; Sueton. Tit. 7. 'Berenicem statim ab urbe dimisit invitus invitam.'

οἶδ' οὐ] Cf. Eur. Phoen. 1633. ζῶσά γ' ἂν, σάφ' οἶδ' οὐ. Med. 959. σάφ' οἶδ' ἐγὼ (al. οὐ). Arist. Lys. 154. Pl. 838. Alex. 264, 5.

277. Cf. Aesch. Pers. 253. κακὸν μὲν ἀγγέλλειν κακά. Ubi nostri versus in margine L. adscriptus est.

279. συννοία] Cf. Aesch. Prom. 437. συννοία δὲ δάπτομαι κέαρ. Eur. Her. 381. ὦ παῖ, τί μοι σύννοϊαν δμμασιν φέρων | ἦκεις; Orest. 632. Μεγέλαε, ποῖ σὸν πόδ' ἐπὶ συννοία κυκλεῖς; Andr. 805. Herod. I. 88. ὃ δὲ συννοίῃ ἐχόμενος ἤσυχος ἦν.

280. Cf. Tr. 396. ἄσσεις πρὶν ἡμᾶς καὶ νεώσασθαι λόγους. Arist. Pl. 259. οὐ δ' ἀξιοῖς ἴσως με θεῖν πρὶν ταῦτα καὶ φράσαι μοι etc. Sic μὴ καὶ Phil. 13. 46. δεργῆς — μεσιῶσαι] Cf. O. C. 768. ἀλλ' ἤνικ' ἤδη μεστός ἦν θυμούμενος, etc.

281. Cf. O. R. 1213. ἐφηῦρέ σ' ἄκονθ' ὁ πάνθ' ὀρῶν χρόνος. O. C. 930. Eur. Alc. 728. τήνδ' ἐφηῦρες ἄφρονα. Herc. 569. ὄσους κακούς ἐφηῦρον. Andr. 608. κακὴν ἐφευρόντα. Iph. T. 708. φίλτατόν σ' ἦῦρον φίλων. Arist. Eq. 1349. οὕτως ἀνόητος ἐγεγενήμην καὶ γέρων;

283. πρόνοιαν ἴσχειν — πέρι] Cf. Phil. 621. καί τινος κήδει πέρι.

285. ἔκρυπτον αὐτόν] Cf. 254. ὁ μὲν γὰρ ἠφάνιστο, etc. Quae res Choro θεήλατος videtur. ἀμφικίονας ναούς] Cf. Eur. Iph. T. 405. περικίονας ναούς. Eur. Fr. 370, 5. περικίοισιν — θαλάμοις.

287. διασκεδῶν] Cf. Av. 1053. τῷ κάδῳ διασκεδῶ.

288. εἰσορᾶς] Pro simplici ὄρας, ut in 476. O. C. 1097. Aesch. Pers. 212. κίρκον εἰσορῶ.

289. πόλεως ἄνδρες] Cf. Soph. Ant. 289. ταῦτα καὶ πάλαι πόλεως | ἄνδρες μόλις φέροντες ἐρρόθουν ἐμοί. Aj. 1044. ἄνδρα στρατοῦ. El. 759. ἄνδρες Φωκίων. Aesch. Sept. 57. ἀρίστους ἄνδρας ἐκκροίτους πόλεως. Arist. Eq. 425. ἀνὴρ τῶν δητόρων. Eccl. 348. γυνή — τῶν φίλων. Ach. 515. ἡμῶν — ἄνδρες. πόλεως] Dissyllabum. Cf. Aesch. Cho. 283.

291. Cf. Aesch. Ag. 1033. χαλινὸν δ' οὐκ ἐπίσταται φέρειν. ὑπὸ ζυγῷ —] Cf. Pind. P. II. 93. φέρειν δ' ἐλαφρῶς ἐπαυχέριον λαβόντα ζυγὸν ἀρήγει.

292. Cf. Theogn. 1023. οὐποτε τοῖς ἐχθροῖσιν ὑπὸ ζυγὸν αὐχένα θήσω | δύσλοπον. Aesch. Prom. 931. καὶ τῶνδ' ἄ γ' ἔξει δυσλοφωτέρους πόρους. ὡς στέργειν ἐμέ] So as to put up with me (my rule). Cf. Aesch. Prom. 11. ὡς ἂν διδαχθῆ τὴν Διὸς τυραννίδα | στέργειν. Sept. 694. πείθου γυναιξὶ καίπερ οὐ στέργων ἄμωσ. De ὡς pro ὥστε posito cf. Tr. 1125. ὡς κλύειν ἐμέ. 303. O. R. 84. Aesch. Sept. 540. Ag. 349. 1159. Eum. 36. 746.

295. Cf. Fr. 500. οὐδὲν γὰρ ἄλγος ὄλον ἢ πολλὴ ζόη. Arist. Lys. 135. Av. 966. ἀλλ' οὐδὲν ὄλον ἐστ' ἀκοῦσαι τῶν νόμων. Plat. Gorg. p. 5. οὐδὲν ὄλον τὸ αὐτὸν ἐρωτᾶν, ὡ Σώκρατες.

296. νόμισμα] Cf. Aesch. Sept. 269. Pers. 859. τοῦτο καὶ πόλεις —] Confer similem locum 673 sq. αὕτη πόλεις ἄλλων, ἢ δ' ἀναστάτους | οἴκους τίθησιν, ἦδε συμμάχον δορὸς | τροπὰς καταρρήγνυσι. Cf. Polyb. III. 81. ἐνιοὶ δὲ διὰ τὴν πρὸς τὰς τῶν ἀφροδιῶν δρμὰς — ἐκπληξιν οὐ μόνον πόλεις καὶ βίους (οἴκους?) ἀναστάτους πεποιθήκασιν etc.

298. παραλλάσσει φρένας —] Cf. 792. οὐ καὶ δικαίων ἀδίκους φρένας παρασπᾶς ἐπὶ λῶβα.

301. *δυσσέβειαν εἰδέναι*] Cf. Phil. 960. *οὐδὲν εἰδέναι κακόν.*
Tr. 582. Hesiod. Th. 313. *Ὑδρην — λόγῳ εἰδυῖαν.*
302. *τάδε*] Cf. 375.
303. Cf. Aesch. Pers. 723. *ἔξέπραξεν ὥστε Βόσπορον κλῆσαι μέγαν.*
304. *ἴσχει — ἐξ ἐμοῦ σέβας*] Cf. O. C. 1617. *τὸ γὰρ φιλεῖν οὐκ ἔστιν ἐξ ἄλλου πλέον | ἦ (ἦ 'κ?) τοῦδε τάνδρος ἔσχετε.*
305. *ὄρκιος δέ σοι λέγω*] Jurejurando obstrictus. Anglice with an oath. Cf. O. C. 1637. *κατήγεσεν τὰδ' ὄρκιος δράσειν ξένῳ.*
306. *αὐτόχειρα*] Cf. 900.
307. *ἐς ὀφθαλμούς ἐμούς*] Cf. Herod. IX. 120. *τὸν παῖδα ἐν ὀφθαλμοῖς τοῦ Ἀρταύκτιω κατέλευσαν.*
- 308 sq. Cf. ad Aj. 108 sq. Ph. 1329. Tr. 1130. O. R. 1208. *ὦ μέγας λιμὴν αὐτὸς ἤρκεσεν etc.*
310. Similiter fere Aj. 100. *θανόντες ἤδη τὰμ' ἀφαιρείσθων ὄπλα.*
312. Cf. O. C. 761. Trag. adesp. 3. *τὰ δ' ἔργα τοῦ πᾶν δρωῖντος ἐνθα κερδαίνει.* Xen. An. VII. 7. 41. *τὸ ἀργύριον ἔχειν ἐκ παντός τρόπον.* Arist. Thesm. 735. 736. Sic *ἐξ ἅπαντος εὖ λέγειν* O. C. 804.
313. *τοὺς πλείονας*] Cf. 676. *τὰ πολλὰ σώματα.* O. C. 796. Eur. Hipp. 473. *ἀλλ', εἰ τὰ πλείω χρηστὰ τῶν κακῶν ἔχεις | ἀνθρώπος οὐσα, κάρ' ἂν εὖ πράξειας ἂν.* Sine articulo Eur. Suppl. 207. *ὡς τὰ χεῖρονα | πλείω βροτοῖσιν ἔστι τῶν ἀμεινόνων.* 210. *πλείω τὰ χρηστὰ τῶν κακῶν εἶναι βροτοῖς.*
315. *οὕτως ἴω;*] Cf. Phil. 1066. *οὕτως ἄπει;* Aj. 1207. *κεῖμαι δ' ἀμέριμος οὕτως.* Herod. I. 11. *αὐτόν σε αὐτίκα οὕτω ἀποθνήσκειν δεῖ.* Xen. An. VII. 3. 27. *ἄλλος παῖδα εἰσαγαγὼν οὕτως ἐδώρησατο προπίνων.* Arist. Ran. 625.
316. *καὶ νῦν*] Schol. *ἄπιθι· καὶ νῦν γὰρ λέγων ἀναρῶς μοι εἶ.* Cf. Arist. Av. 1221. *ἀδικεῖ δὲ καὶ νῦν.* Xen. Cyr. III. 1. 21. *οὐκ οἶσθα, ἔφη, διὰ καὶ νῦν ὁ σὸς πατήρ ἐφρεύσατο —;*
317. *ἐπὶ τῇ ψυχῇ δάκνει*] Cf. Phil. 378. 1358. Aj. 1119. Tr. 254. 1117. Eur. Med. 111. Theogn. 910. *καὶ δάκνομαι ψυχῆν.*
318. Cf. Arist. Pl. 971. *οὐκ οὖν — ἐρεῖς ἀνύσασα τὸν κλισμὸν τίνα; ὀνυμίζεις*] Cf. Aesch. Prom. 241. Pers. 747. Eur. Hec. 923. Plat. Phaedr. 253 B. Aelian. Epist. 14. *τί γὰρ μαθὼν ὀνυμίζεις με;* Eur. Suppl. 94. *οὐχ ἓνα ὀνυμὸν | κακῶν ἐχούσας.* ὄπου] Cf. O. R. 926. O. C. 1218. Aj. 103. 890. Eur. Hipp. 585.
320. *οἴμ' ὡς*] Eadem elisio aut crasis est infra 1270. Aj. 354. 587. *οἴμ' ὡς ἀθυμῶ — λάλημα δῆλον ἐκπεφυκὸς εἶ*] Pro *λάλημα δῆλος ἐκπεφυκὸς εἶ.* Cf. Ph. 61. *μόνην ἔχοντες τήνδ' ἄλωσιν Ἰλίου.* Tr. 483. *ἡμαρτιον, εἴ τι τήνδ' ἁμαρτίαν νέμεις.* Aj. 114. Arist. Nub. 201. Vesp. 858. Av. 607. *ἦ παιδάρι' ὄντι' ἀποθνήσκειν δεῖ (αὐτούς);* Herod. IV. 65. *ταύτην ἀνδραγαθὴν λέγοντες.* *λάλημα*] Cf. Eur.

Andr. 937. σοφῶν πανούργων ποικίλων λαλημάτων. Similia sunt περιάλλημα (Hesych.), ἄλλημα, τρίμμα, περιτόριμμα, κῶσμα, σόφισμα (Arist. Av. 431.), κρότημα, παιπάλλημα, δήλημα (Aesch. Fr. 101.), ἀπαιόλημα (Aesch. Cho. 1002. φηλήτης ἀνήρ, | ξένων ἀπαιόλημα), πατάγημα (de homine garrulo, Menand.). λάλλημα] ἄλλημα vulg.

Scholiasta per περιτόριμμα et πανούργος explicat. Cf. Aj. 381. 389. 321. ὄλον] Ut. Cf. 447. Arist. Eq. 367. 703. Av. 224. 1646. 323. φεῦ] Extra versum ut in 1047. El. 1021. Ph. 1019. Eur. Hec. 55. etc. Arist. Ach. 457. Ran. 141. Pl. 361. etc. ἡ δεινὸν —] Cf. El. 1039. ἡ δεινὸν εὖ λέγουσαν ἔξαμαρτάνειν.

324. Particula μὴ eandem sedem habet in Aesch. Cho. 1005. Eur. Med. 1053. et οὐ in Eur. Her. 1016. θανεῖν μὲν οὐ | χορῆζω.

325. ταῦτα — τοὺς δρῶντας] Cf. Fr. 269. ταῦτα τοῖς δρῶσιν. Arist. Pac. 648. ταῦτα δ' ἦν ὁ δρῶν βυρσοπώλης.

326. Cf. Hesiod. Op. 352. μὴ κακὰ κερδαίνειν· κακὰ κέρδεα ἴσ' ἄτησιν. τὰ δειλὰ κέρδη] δειλὸς saepe malus significat, cui ἀγαθὸς opponitur, ut in Theogn. 629. χρῆμα — οὔτε τι δειλὸν | οὔτ' ἀγαθόν.

327. μάλιστ'] Cf. Phil. 617. 1285. Isocr. p. 231 A. ἦν οὖν ἐμοὶ πείθη, μάλιστα μὲν οὐ ποιήσεις —, εἰ δὲ μὴ —.

328. τοῦτο γὰρ τύχη κρινεῖ] Cf. Aesch. Sept. 410. ἔργον δ' ἐν κύβοις Ἄρης κρινεῖ. Ag. 31. Eur. Phoen. 1326. κρινεῖ τὸ μέλλον. Arist. Vesp. 763. τοῦτο δὲ | Ἄιδης διακρινεῖ πρότερον ἢ γὰρ πέσομαι.

330. ἔκτος ἐλπίδος] Cf. 392. ἀλλ' ἡ γὰρ ἔκτος καὶ παρ' ἐλπίδας χαρά.

332 sq. πολλὰ τὰ δεινὰ —] Cum hoc loco cf. Aesch. Cho. 585. πολλὰ μὲν γὰρ τρέφει δεινὰ δειμάτων ἄχη (γέννη?) —, ἀλλ' ὑπέρολμον ἀνδρὸς φρόνημα τίς λέγει (?) —;

332—353. Cf. Eur. Fr. 27. ἡ βραχὺ σθένος ἀνέρος· ἀλλὰ ποικιλία πραπίδων δεινὰ μὲν φῦλα πόντου χθονίων τ' ἀερίων τε δάμναται παιδεύματα.

334. πολιοῦ — πόντου] Cf. Phil. 1123. Av. 350. πολίων πέλαγος. πέραν πόντου] Cf. Eur. Hipp. 1053. πέραν πόντου καὶ τόπιον Ἀτλαντικῶν (ἐξελῶ σε). Hom. Il. 2, 535. Λοκρῶν, οἱ ναῖοσι πέραν ἱερῆς Εὐβοίης. Herod. VI. 44. ἐκ Θάσου διαβαλόντες πέραν. VIII. 36. πέραν ἐς τὴν Ἀχαίην διέπεμψαν. Theocr. 25, 19. πέραν ποταμοῦ. Πέραν valet trans, πέρα ultra.

335. χειμερίῳ νότῳ] Cf. Aj. 258. δξὺς νότος ὤς. Tr. 113. ἀκάμαντος ἢ νότου ἢ βορέα. Ph. 1457. πληγαῖσι νότου.

339. ἀκαμάταν] Sic Aesch. Cho. 619. ἀθανάτας τριχός. Eur. Phoen. 237. ἀθανάτας θεοῦ. Arist. Thesm. 1052. ἀθανάταν φλόγα. Nub. 289. ἀθανάτας ἰδέας. Prima producitur ut in ἀθάνατος, ἀπάλαμος, ἀπαράμνθος, etc. ἀποτιρέται] I. e. defatigat se in terra vertenda, ut cum H. Stephano explicat Dind. Schol. γεω-

πονεί, ἢ ἀποσχίζει τὴν γῆν. Cf. Tr. 124. φαρμί γὰρ οὐκ ἀποτρύειν ἐλπίδα τὰν ἀγαθὰν χορῆναί σε.

340. Cf. Arist. Pl. 515. ἡ γῆς ἀρότροις ῥήξας δάπεδον καρπὸν Διοῦς θερίσασθαι. ἔτος εἰς ἔτος] Cf. Eur. Rhos. 446. ἡμέραν ἐξ ἡμέρας. Arist. Ach. 335. καὶ διώκειν γῆν πρὸ γῆς. Alciaphr. II. 2. 3. γῆν πρὸ γῆς φεύξομαι. Apoll. Rhod. IV. 1774. εἰς ἔτος ἐξ ἔτους. Nonn. Dion. III. 270. Sic ὄζον ἀπ' ὄζου, etc.

341. πολέων] Suspectum. Fort. πολίζων.

342. κουφονόων — ὀρνίθων] Cf. 617. κουφονόων ἐρώτων. Theogn. 582. σμικρῆς ὀρνιθος κοῦφον ἔχουσα νόον. Aesch. Prom. 383. κουφόνον τ' εὐθηθίαν. φύλον ὀρνίθων] Cf. Eur. Fr. 839, 5. φύλα τε θηρῶν. Fr. 27, 3. δεινὰ μὲν φύλα πόπτου. Adesp. 102, 8. θηρῶν ἀνόητα γένη.

343. ἀμφιβαλὼν] I. q. περιβαλὼν, sc. δικτύοις.

345. θηρῶν ἀγρίων ἔθνη] Cf. ad Phil. 1147. χαροπῶν τ' ἔθνη θηρῶν. Eur. Or. 965. ἰὼ πανδάκρυτ' ἐφαμέρων ἔθνη πολύπονα. Theocr. 114. βοῶν — μυρῖον ἔθνος. 185. λύκων τ' ὀλοφώϊον ἔθνος (ἔρνος vulg.).

346. ἐναλίαν φύσιν] I. o. pisces. Cf. Fr. 517, 2. τὴν γυναικεῖαν φύσιν. Fr. 515, 1. θνητὴν δὲ φύσιν χρῆ θνητὰ φρονεῖν | τοῦτο κατειδότας, ὡς etc.

347. σπεύραισι δικτυοκλώστοις] Cf. Fr. 480, 6. πλεκταῖς ὤμων σπεύραισι δρακόντων. Aesch. Cho. 239. ἐν πλεκταῖσι καὶ σπειράμασι. 499. φέλλοι δ' ὡς ἄγουσι δίκτυον | τὸν ἐκ βυθοῦ κλωσθηῖρα σώζοντες λίνου.

348. περιφραδῆς] Confer ἀριφραδῆς et περιχαρῆς.

350. θηρὸς ὄρεσσιβάτα] I. q. ὄρειβάτου. Cf. Phil. 955. θῆρ' ὄρειβάτην. O. R. 1100. Πανὸς ὄρεσσιβάτα. et vv. ὄρεσιγόνοιο, ὄρεσκοιο. λασιαύχενα] Cf. Hom. H. III. 224. VI. 46. Arist. Ran. 822. Etiam de tauro, urso, et apro usurpatur hoc epithetum.

351. ἔππον δαμάζεται] Cf. Aesch. Prom. 461. κάζεσσα πρῶτος ἐν ζυγοῖσι κνώδαλα | ζεύγλαισι δουλεύοντα — ὕφ' ἄρμα τ' ἤγαγον φιληνίους | ἔππους. Pers. 190. ἄρμασιν δ' ἔππο | ζεύγνυσιν αὐτῶ, καὶ λέπαδν' ἐπ' αὐχένον | τίθησι. Eur. Hec. 376. αὐχέν' ἐντιθεῖς ζυγῶ. 467. ζεύξομαι ἄρματι πώλους. Hipp. 111. ἔππους ἄρμασι ζεύξας ἔππο. Ph. 525. ζεύγνυσθε δ' ἔππους. Alc. 430. τέθριππα ζεύγνυσθε. Eur. El. 817. ἔππους τ' δαμάζει. Hom. Il. 24, 14. ἀλλ' ὄγ' ἐπεὶ ζεύξοιεν ὕφ' ἄρμασιν ὀκέας ἔππους, etc. Theogn. 952. ζευξάμενος δ' ἔππους ἄρματος οὐκ ἐπέβην. Plutarch. apud Stob. Flor. 53, 14. καὶ ἔππους ἐγαλίνωσε (ὁ ἀνθρώπος) καὶ βόας ἀρότροις ὑπέξευξε. Herod. III. 102. ζευξάμενος ἕκαστος καμήλους τρεῖς.

354. ἀνεμόεν φρόνημα] I. e. sublime. Apud Homerum hoc epithetum locis alte sitis (ut oppido Trojae), montibus, et arboribus excelsis tribuitur, Il. 2, 606. 8, 499. Od. 3, 172. 19, 432.

Aesch. Ag. 738. φρόνημα — γαλάνας. Cf. Tr. 453. ἀνεμόεσσα — αὔρα. Pind. P. I. 176. ἰστῖον ἀνεμόεν. ἀστυνόμους ὀργάς] I. e. civilem indolem. Anglice civilised ways and habits.

355. ἀστυνόμους ὀργάς] Cf. Aj. 640. οὐκέτι συντροφούς ὀργαῖς ἔμπεδος. Aesch. Ag. 87. θεῶν τῶν ἀστυνόμων. Pers. 838. πολισσονόμου βιοτᾶς ἐκύρσαμεν. Cho. 851. ὀργάς τε πολισσονόμους ἔξει. Pind. N. IX. 31. ἀγλαΐαισι ἀστυνόμοις ἐπιμίξαι λαόν. Nicom. com. IV. 583. ἦθος ἀστεῖον πάνν καὶ προῶν.

357. δυσαύλων πάγων] Schol. δυσχερῆ τὸν ἐπαυλισμὸν ποιούντων. Cf. Fr. 162. πάγου φανέντος αἰθρίου. Phil. 293. Aesch. Ag. 555. μόχθους γὰρ εἰ λέγοιμι καὶ δυσουλίας. Aesch. Ag. 335. τῶν ὑπαιθρίων πάγων | δρόσων τ' ἀπαλλαγέντες. Eur. Andr. 226. θανάδ' ὑπαιθρίας δρόσον. Thuc. I. 134. ἐξ οἴκημα — ἐσελθὼν, ἵνα μὴ ὑπαιθριος ταλαιπωροῖ. Xen. An. V. 5. 21. σκηνοῦμεν ὑπαιθριοι. Herod. IV. 7. δς δ' ἄν — ὑπαιθριος κατακοιμηθῆ. Plut. Lucull. 20. σιάσεις ὑπαιθροι. Αἰθρος Homero frigus significat Od. 14, 318. αἰθρῶ καὶ καμᾶτω δεδημημένον. et αἰθρη clear weather Il. 17, 646. Od. 6, 44. Boreae epitheta sunt αἰθρηγενῆς et αἰθρηγενέτης Hom. Il. 15, 171. 19, 356. Od. 5, 296. Αἰθριος significat clear, sharp, keen.

359. παντοπόρος ἄπορος —] Notanda est accurata responsio in v. ant. 370. ἐνίπολις ἄπολις —. ἄπορος ἐπ' οὐδέν] Cf. O. R. 691. ἴσθι — ἄπορον ἐπὶ φρόνημα πεφάνθαι μ' ἄν. Arist. Eccl. 236. χρήματα πορίζων εὐπορώτατον γυνή.

363. νόσον — ἀμηχάνων] Cf. El. 140. ἀμήχανον ἄλγος. Aesch. Prom. 483. αἷς (κράσεις) τὰς ἀπάσας ἐξαμύνονται νόσους.

367. ποτὲ μὲν κακὸν —] Cf. El. 739. ἡλαντέην τότ' ἄλλος (τόθ' οὗτος?), ἄλλοθ' ἄτερος. 752. φορούμενος πρὸς οὐδας, ἄλλοτ' οὐρανῶ | σκέλη προφαίνων. Tr. 11. Hom. Il. 20, 48. αὔε δ' Ἀθήνη | σαῶσ' ὅτε μὲν παρὰ τάφρον δρυκτὴν τείχεος ἐκτός, | ἄλλοτ' ἐπ' ἀκτάων ἐριδοῦπων μακρὸν ἄντει. Pind. P. II. 88. δς ἀνέχει τότε μὲν τὰ κείνων, τότ' αὐθ' ἑτέροις ἔδωκεν μέγα κῦδος. Plat. Phaedr. 237. τότε μὲν — ἄλλοτε δὲ etc. κακὸν — ἐπ' ἐσθλὸν] Cf. 1176. O. R. 734. Aj. 399. Eur. Her. 755. Aristoph. Eq. 610. Lob. ad Aj. 397.

369. θεῶν τ' ἔνορκον δίκαν] I. e. jus juramenti per deos sancitum.

370. ἐνίπολις] Eximius civis est. Cf. Arist. Vesp. 411. ἄνδρα μισόπολιν. Eur. Tro. 1283. ἄ — μεγαλόπολις. Pind. P. 8, 2. Ἄσυχία — μεγατόπολι. P. 8, 22. ἄ δικαίπολις — νᾶσος (Aegina).

ἄπολις] No citizen, a bad (poor) citizen, or an outcast, deprived of the rights and advantages of society. Cf. O. C. 1357. Ph. 1018. Eur. Tro. 1283. ἄ δὲ μεγαλόπολις ἄπολις ὄλωλεν. Aesch. Eum. 457. Τροίαν ἄπολιν — ἔθηκας. Eodem sensu ἀπολίτης dixit Theopompus (Poll. 3, 58.). ὄτω τὸ μὴ καλὸν ξύνεστι]

Cf. O. C. 945. *δῶ γάμοι ξυνόντες ηὔρεθησαν. τὸ μὴ καλὸν*]
Cf. El. 1087. *τὸ μὴ καλὸν καθοπλίσασα (?)*.

371. *τὸ μὴ καλὸν*] Cf. El. 1087. *τὸ μὴ καλὸν καθοπλίσασα.*
Eur. Or. 819. *τὸ καλὸν οὐ καλόν.*

373. Cf. Eur. Fr. 29, 2. *τούτῳ δ' ἀνδρὶ μήτ' εἶην φίλος | μήτε ξυνεῖην δοτις αὐτάρκῃ φρονεῖν | πέποιθε* etc. Fr. 848, 3. 889, 6. Aesch. Fr. 296. Arist. Eq. 1288. *δοτις οὖν τοιοῦτον ἄνδρα μὴ σφόδρα βδελύττεται | οὐποτ' ἐκ ταύτου μεθ' ἡμῶν πίεται ποτηρίον.* Ach. 980. Callim. H. Cer. 117. *Δάματρο, μὴ τήνος ἐμοὶ φίλος ὅς τοι ἀπεχθής | εἶη μηδ' ὁμότιχος.* Hor. Od. III. 2. 26. 'Vetabo qui Cereris sacrum etc.' *παρέστιος*] Cf. Eur. Med. 1331. *κατοῦσα γὰρ δὴ σὸν κάσιν παρέστιον.*

374. *ἴσον φρονῶν*] Cf. Fr. 321. *καλὸν φρονεῖν θεοῖσι θνητὸν ὄντ' ἴσα.* Arist. Av. 635. *ἐμοὶ φρονῶν ξυνωδά.* Hesiod. Scut. 50. *παῖδε | οὐκέθ' ὀμὰ φρονέοντε.* Antiphont. apud Stob. 68, 37. *φίλους — ἴσα φρονοῦντας, ἴσα πνέοντας.* Schol. ad El. 1071. *οὐκέτι ἴσα φρονοῦσιν.* Herod. IV. 118. *τῶντὸ νοήσαντες. I. 59. τῶντὸ φρονήσαντες.* Sed suspicionem movet singularis ἴσον, neque bene sensui convenit ἴσον φρονῶν.

375. *ὅς τὰδ' ἔρδοι*] Cf. Phil. 1353. *τὰδ' ἔρξας.* Tr. 935. et ad Phil. 684.

376. *ἐς — ἀμφοῖω*] Sic *θαυμάζειν ἐς τι. δαιμόνιον*] Cf. Xen. Mem. I. 3. 5. *εἰ μὴ τι δαιμόνιον εἶη.*

379. De casus mutatione cf. Tr. 292. Ph. 170.

381. Cf. Arist. Eccl. 327. *τίς ἐστιν; οὐ δήπου Βλέπυρος ὁ γεινῶν.*

383. *καθελόντες*] Having caught (convicted) her. Cf. ad 395. *ἢ καθηρέθη (καθευρέθη vulg.) τάφον | κοσμοῦσα.*

384. *ἦδ' ἔστ' ἐκείνη*] Cf. El. 1178. *τόδ' ἔστ' ἐκεῖνο.*

386. *ἄφορος*] Cf. Tr. 902. *ὅπως ἄφορον (ἄφορος?) ἀντῶη πατρί. O. R. 431. οὐ πάλιν | ἄφορος οἰκῶν τῶνδ' ἀποστραφεῖς ἄπει;* 531. *αὐτὸς δ' ὀδ' ἤδη δωμάτων ἔξω περᾶ. ἐς δέον*] Orportune. Cf. O. R. 1416. *ἐς δέον πάρεσθ' ὀδε | Κρέων.* Arist. Pac. 272. *ἐς δέον. περᾶ*] Cf. Eur. Herc. 701. *ἐς καιρὸν οἰκῶν, Ἀμφιτρώων, ἔξω περᾶς.*

387. Cf. O. R. 1113. *ξυνάδει τῶδε τάνδρῳ σύμμετρος. 73. 84. 963. Tr. 880. εἰπέ τῶ μόρω, γύναι, ξυντρέχει. Eur. Alc. 26. συμμέτρως δ' ἀφίετο.*

388. *ἀπόμοτον*] Cf. 394. Aj. 648. Adesp. 472. *νοῦς — πάντα κηλεῖ, κὰν ἀπόμοτος τις ᾗ.* Arist. Lys. 256. *ἢ πόλλ' ἄελπι' ἔνεστιν ἐν τῶ μακρῷ βίῳ.* Archiloch. Fr. 74. *χρημάτων δ' ἄελπιον οὐδὲν ἐστιν οὐδ' ἀπόμοτον.* Theogn. 659. *οὐδ' ὁμόσαι χρῆ τοῦθ', ὅτι μήποτε (οὐποτε?) πρῆγμα τόδ' ἔσται.* Aristid. I. 478. *οὐδὲν ἀπόμοτον οὐδὲ ἀνέλπιστον.*

389. ψεύδει — τὴν γνώμην] Cf. Tr. 712. εἴ τι μὴ ψευσθήσομαι | γνώμης.

390. Cf. Aj. 431. αἰαῖ· τίς ἄν ποτ' ᾤεθ' ᾧδ' ἐπώννυμον | τοῦ μὸν ξυνοίσειν (ξυνάδειν?) ὄνομα τοῖς ἐμοῖς κακοῖς. Phil. 869. Eur. Her. 931. οὐ ποτ' ἤσχει χεῖρας ἕζεσθαι σέθεν. Hel. 1619. οὐκ ἄν ποτ' ἤσχουν — ἡμᾶς λαθεῖν Μενέλαον. Aesch. Prom. 689. οὐ ποτ' οὐ ποτ' (ἂν τόδ'?) ἤσχουν, ξένους μολεῖσθαι λόγους ἐς ἀκοὰν ἐμάν.

391. ταῖς σαῖς ἀπειλαῖς] Cf. 1219. Ph. 1012. Aj. 82. 178. 531. φόβω σῶ. El. 233. εὐνοία — αὐδῶ. O. C. 326. Eur. Her. 475. ξένοι, θράσος μοι μηδὲν ἐξόδοις ἐμαῖς | προσθήτε. Orest. 461. τοῖσιν ἐξεργασμένους. Ion. 940. ἀπαντᾷ δάκρυά μοι τοῖς σοῖς λόγους. Arist. Eccl. 605. οὐδεὶς οὐδὲν πενία δράσει. χειμᾶσθην] Cf. Ph. 1460. Aj. 207. θολερῶ κέεται χειμῶνι νοσήσας. Ph. 1194. χειμερίφ λύπα. Eur. Suppl. 280. πόλις δὲ πρὸς πόλιν | ἔπηξε χειμασθεῖσα. Hipp. 311. ἄλλη δ' ἐν τύχη χειμάζομαι. Arist. Ran. 361. Pind. P. IX. 32. φόβω δ' οὐ κεχείμανται φρένες.

392. ἦ — ἐκτός — χαρά] I. e. ἦ ἐκτός ἐλπίδων, non ἦ ἐκτός χαρά. Cf. El. 256. ἀλλ' ἦ βία γὰρ ταῦτ' ἀναγκάζει με δρᾶν, | σύγγνωτε. 330. ἐκτός ἐλπίδος γνώμης τ' ἐμῆς σωθείς. Eur. Hec. 674. θαῦμα καὶ παρ' ἐλπίδας. Or. 966. ὡς παρ' ἐλπίδας μοῖρα βαίνει. Herc. 771. δοκημάτων ἐκτός ἤλθεν ἐλπίς. Eur. Fr. 550. ἐκ τῶν ἀέλπτων ἦ (γὰρ αὐτ' οἱ?) χάρις μείζων βοροῖς | φανεῖσα μᾶλλον ἢ τὸ προσδοκώμενον. Pind. Ol. XIII. 83. τελεῖ θεῶν δύναμις καὶ τὰν παρ' ὄρκον καὶ παρὰ ἐλπίδα κούφαν κτίσιν. Aelian. V. H. XIII. 24. παρὰ τὴν δόξαν καὶ τὴν ἐλπίδα. XII. 57. ἄφρω καὶ παρ' ἐλπίδα. Polyb. XXXI. 18. 5. παρ' ἐλπίδα καὶ παραδόξως. Arist. Nub. 798. Vesp. 318. Herod. IX. 109. "Sophocles fortasse scripserat ἀλλ' ἦ γὰρ ἐκτός ἐλπίδος πολλὴ χάρα." (Dind.)

393. μῆκος] In magnitudine. Schol. εἰς τὸ μέγεθος. Μῆκος pro μέγεθος positum, ut μακρὸς pro μέγας Aj. 130. etc. Cf. Plut. Mor. II. 607 E. μήκεος ὄλβον. Nauckius et Seyffert male, opinor, connectunt μῆκος οὐδὲν (nulla mensura), coll. Cic. Off. 3, 8, 35. 'Honestas omni pondere gravior habenda est quam reliqua omnia.'

394. ἀπώμοτος] Hic activum est. Supra (388) passivum. Cf. Adesp. 472. πᾶν τοι σοφὸς νοῦς ἐξ ἀμηχάνων ἄγει | καὶ πάντα κηλεῖ (κραίνει?), κἂν ἀπώμοτός τις ἦ. 388. Confer ἀνώμοτος, Eur. Hipp. 612. ἦ γλώσσ' ὁμώμοχ', ἦ δὲ φρεῖν ἀνώμοτος. et ἐνώμοτος, Aj. 1113. εἶνεχ' ὄρκων οἰσιν ἦν ἐνώμοτος.

396. κλῆρος — ἐπάλλετο] Cf. El. 709. σάντες δ' ὀδ' αὐτοῖς οἱ τεταγμένοι βραβῆς | κλήρους ἔπηλαν. Hom. Il. 23, 861. κλήρους δ' ἐν κνήῃ χαλκήρεϊ πάλλον ἐλόντες.

397. θεοῦρμαιον] Ἐρμαῖος (ab Ἐρμῆς, bonae fortunae numen, Aesch. Sept. 508.) fortunatus significat Aesch. Eum. 947. Eadem crasis fit in θεοῦκάτειον Arist. Lys. 64. Similis in θεοῦμόφυλον

Eur. Iph. T. 346. θάδωλια Eur. Cycl. 238. και κρῖνε κάξέλεγγε] Cf. Aj. 587. μὴ κρῖνε, μὴ ἔταζε. El. 1445. Tr. 194. 314. 387.

399. ἐλεύθερος. lib] Cf. 444. εἴω βαρείας αἰτίας ἐλεύθερον.

400. ἀπηλλάχθαι] Cf. El. 1337. τὸ μὲν μέλλειν κακὸν | ἐν τοῖς τοιούτοις ἔστ', ἀπηλλάχθαι δ' ἀκμή.

401. Duplex interrogatio in una sententia. Cf. ad Tr. 421. Ph. 244.

402. πάντ' ἐπίστασαι] Cf. Arist. Av. 1460. πάντ' ἔχεις.

404. ὃν οὐ τὸν νεκρὸν ἀπειπας] Cf. Arist. Pac. 138. νῦν δ' ἄττ' ἂν αὐτὸς καταφάγω τὰ ('γῶ?) οἰτία. Theocr. VII. 51. τοῦθ' ὁ τι πρᾶν ἐν ὄρει τὸ (ἐν ὄρεσσι?) μελύδριον ἐξεπύνασα. In hujusmodi locis omitti solet articulus, ut in El. 1108. ἤς ἠκούσαμεν φήμης.

406. δρᾶται — ἠρέθη] Cf. 655. αὐτὴν εἶλον ἐμφανῶς etc. O. R. 1262. ἐκλινε κοῖλα κλῆθρα κάμπιπτει στέγη. El. 897. ἔσχον θαῦμα και περισκοπῶ. ἐπίληπτος] Cf. Herod. III. 69. ἐπίλαμπτος δὲ ἀφάσσοσα ἔσται

408. τὰ δειν' ἐκεῖν' ἐπηπειλημένοι] I. e. οἷς τὰ δεῖνα ἐκεῖνα ἐπηπειλήτο. Cf. 752. Aj. 649. ἔπειτ' ἐμοὶ τὰ δειν' ἐπηπείλησ' ἔπη.

409. τὸν | νέκυν] Cf. Phil. 263. ὃν οἶ | δισοὶ στρατηγῶ —. In eadem sede πρός Aesch. Eum. 238. πρὸς | ἄλλοισι οἴκοις. O. C. 351. τὰ τῆς | οἴκου διαίτης. El. 873. ὦν | —. 879. τοῖς | —. O. C. 14. οἶ | —. Aesch. Ag. 7. Sept. 366. Eum. 140. Arist. Eccl. 452. Vesp. 504. Menand. IV. 189. τὸ | φρούραγμα.

411. καθήμεθ' ἄκρων ἐκ πάγων] Qu. — ἐπὶ πάγων. Cf. Eur. Ph. 1009. στὰς ἐξ ἐπάλξεων ἄκρων. 1105. περγάμων ἀπ' ὀρθίων. Sic etiam El. 739. ἠλαντέτην, τότε ἄλλος, ἄλλοθ' ἄτερος, | κᾶρα προβάλλων etc. Eur. Tro. 525. ἀνὰ δ' ἐβόασεν λεῶς Τρωάδος ἀπὸ πέτρας σταθεῖς. Phoen. 1222. Ἐτεοκλῆς δ' ὑπήρξ' ἀπ' ὀρθίου σταθεῖς | πύργου. 1105. περγάμων ἀπ' ὀρθίων. Or. 116. και στᾶσ' ἐπ' (f. ἀπ') ἄκρον χώματος λέξον τάδε. Hel. 1591. ἐκ δὲ ταυρείου φόνου | Ἀτρέως σταθεῖς παῖς. Andr. 10. Hom. Il. 11, 154. στᾶσ' ἐξ Οὐλύμποι ἀπὸ γίον. Od. 21, 420. αὐτόθεν ἐκ δίφροιο καθήμενος. ὑπήνεμοι] Cf. Theocr. XXII. 32. ἐκβάντες δ' ἐπὶ θῖνα βαθὴν και ὑπήνεμον ἀκτῆν. V. 115. μισέω τῶς κανθάρος, οἶ — ὑπανέμοιο φορέονται. Xen. Oecon. XVIII. 7. ἦν δὲ τις, ἔφη, λιμνᾶ ἐκ τοῦ ὑψηλέμου ἀρχόμενος. Pars vento opposita προσήνεμος dicitur Xen. Oecon. XVIII. 6.

412. βάλῃ] Cf. 1188. Ph. 205. Aesch. Fr. 181. ἐξενλαβοῦ δὲ μὴ σε προσβάλῃ στόμα | πέμφιξ. Soph. Fr. 483, 1. και τάχ' ἂν κερανία | πέμφιξ σε βροντῆς και δυσοσμίας βάλοι (λάβοι vulg.). Hom. Il. 5, 535. ἔπιπον μ' ὠκνπόδων ἀμφὶ κτύπος οὐατα βάλλει. Virg. G. IV. 349. 'impulit aures | luctus Aristaei.' Aen. XII. 618. Arist. Ach. 171. Eur. Herc. 1219. ὡς μὴ μύσος με σῶν βάλῃ προσφθεγμάτων;

413 sq. Cf. Eur. Iph. A. 53. δεινὰ δ' ἀπειλαὶ — δοῦς μὴ λάβοι τὴν παρθένον.

413. ἐγείρει] Cf. Eur. 524. φρουρεῖν ἐγερεῖ. κινῶν] Stirring. Cf. 477. καὶ διακίνει τὸν νοῦν αὐτοῦ καὶ τῆς γνώμης ἀποπειροῦ. Plat. Erast. 134. καὶ μοι ἔδοξεν ἤδη ἐνταῦθα κινήτος εἶναι ὁ φιλόγυμναστικός. et ad Arist. Pl. 785. ἐπιρρόθους κακοῖσιν] Sub. ἔπει. Cf. ad 259. Tr. 263. πολλὰ μὲν λόγοις | ἐπερρόθησε. κινῶν ἄνδρ' ἀνήρ] Post pluralem καθήμεθα. Cf. ad Arist. Vesp. 1082. ἐμαχόμεσθ' αὐτοῖσι — σιάς ἀνὴρ παρ' ἄνδρ'.

414. εἴ τις τοῦδ' ἀφειδήσοι] Cf. Phil. 374. ἤρασον κακοῖς τοῖς πᾶσιν — εἰ τὰμὰ κείνος ὄπλ' ἀφαιρήσοιτό με. 352. Aj. 312. ἔπει' ἔμοι τὰ δειν' ἐπηπείλησ' ἔπη, | εἰ μὴ φανοίην πᾶν etc. El. 980. ψυχῆς ἀφειδήσαντε.

416. λαμπρὸς ἥλιον κύκλος] Cf. Aj. 672. νυκτὸς αἰανὴς κύκλος. Fr. 672. πᾶς προσκνεῖ στρέφοντα (l. φλέγοντα) κύκλον ἥλιον. Aesch. Sept. 385. λαμπρὰ δὲ πανσέληνος — νυκτὸς ὀφθαλμὸς πρόπει. Pers. 496. λαμπρὸς ἥλιον κύκλος. 504. φλέγων ἀγυαῖς ἥλιον κύκλος. Herod. II. 132. ὁ τοῦ ἥλιου κύκλος μεμμημένος ἔπει. Eur. Phoen. 553. νυκτὸς τ' ἀφεγγὲς βλέφαρον (luna) ἥλιον τε φῶς.

417. καῦμ' ἔθαψε] Cf. Arist. Av. 1092. οὐδ' αὖ θερμὴ πνίγους ἡμᾶς | ἄκτις τηλαυγῆς θάλπει. Pind. N. IV. 14. ζαμενεῖ — ἀλίω — ἐθάλπεται. χθονὸς — αἰείρας] Cf. O. R. 142. βάρθρων ἴστασθε.

418. τυφῶς] Secundum Moerin τυφῶς Attica, τυφῶν vulgaris forma est. αἰείρας] Haec forma aoristi longe rarior est quam ἄρας (ab αἴρω), ut etiam αἰεῖν quam αἴρειν. Cf. Tr. 216. αἰέρομ'. Eur. Hec. 63. αἰεράτέ μου δέμας. El. 873. αἰερε. Rhes. 25. αἰεῖρην. Alc. 452. αἰερομένας. Andr. 849. αἰερθῶ. Fr. 154, 3. αἰερθείς. Aesch. Sept. 741. αἰεῖρει. Pers. 651. αἰεῖρων. Ag. 1525. αἰερθέν. σκηπτὸν] Cf. Aesch. Pers. 715. λοιμοῦ τις ἤλθε σκηπτὸς — πόλει. οὐράνιον ἄχος] I. e. divinitus missum, aut vastum. Phot. p. 361, 8. οὐράνιον: μέγα. Cf. Aj. 196. οὐρανίαν ἄταν. Aesch. Pers. 573. ἀμβόασον οὐράνι' ἄχη. Aesch. Pr. 646. θεόσσυτον χεῖμῶνα. Sic πληγὴ Διὸς Aj. 137. Schol. στροβίλων καὶ καταγίδος (καταγίδων?) ἐφορός ἔστιν.

419. φόβην ἔλης] Cf. Eur. Alc. 172. μυροίνης φόβην. Arist. Nub. 278. ὄρεων κορυφᾶς — δενδροκόμους. Schol. Pind. III. 31. οὐ γὰρ Ὀγγηστὸς δένδροισι κομᾶ.

420. Cf. El. 713. ἐν δὲ πᾶς ἐμεστώθη δρόμος | κτύπον — μέγας αἰθήρ] Cf. Aj. 1192. αἰθέρα δῦναι μέγαν. O. C. 1471.

421. μύσαντες εἶδομεν] We saw with our eyes closed (i. e. not at all). Sic σκότον βλέπειν O. R. 419. Cf. Tr. 1008. ἀνατέτροφας ὅ τι καὶ μύση. Fr. 754, 1. μύω τε καὶ δέδορκα. Eur. Med. 1183. ἢ δ' ἐξ ἀναύδου καὶ μύσαντος ὄμματος | δεινὸν στενάξασ' —. Hom. Il. 24, 637. οὐ γὰρ πω μύσαν ὄσσε ὑπὸ βλεφάροισιν. Antiph.

III. 4. *δλην μύσας ἔκπινε*. Menand. 226. *φέρειν μύσαντα*. Leonidas ap. Stob. 120, 9. *ἰθεῖα δὴ μάλιστα καὶ κατακλινῆς | ἅπασι κῆρ μεμυκότων ὀδύεται*. [ἀταρπός] *Prima syllaba in μύω longa est* (Callim. Dian. 95.), sed in aoristo *ἔμυσα brevis* (Tr. 1008.). *θείαν νόσον*] Divinitus missam calamitatem. Cf. Aj. 136. Fr. 593. Aesch. Prom. 924. *θαλασσίαν τε, γῆς τινάκτειραν νόσον, | τρίαίαν. 422. ἀπαλλαγέντος*] Cf. Herod. IX. 106. 3. *Ἴωνας οὐδεμίαν ἑλπίδα ἔχον χαίροντας πρὸς τῶν Περσέων ἀπαλλάξειν.*

423 sq. Cf. Hom. Od. 16, 216 sq. Aesch. Ag. 48 sq. Eur. Tro. 146 sq.

423. *πικρᾶς ὄρνυθος δὲξὺν φθόγγον*] Plaintive, mournful, sad. Cf. ad O. C. 1610. *φθόγγον πικρόν*. Phil. 189. *πικρᾶς οἰμωγᾶς*. Eur. Tro. 1227. *πικρόν ὄδυμα*.

424. *δὲξὺν φθόγγον*] Cf. 112. *δξέα κλάζων — αἰετός. κενῆς εὐνῆς —*] Cf. Ph. 31. *δρῶ κενὴν οἴκηον ἀνθρώπων δίχα*. Aj. 986. *μή τις ὡς κενῆς | σκύμμον λεαίνης δυσμενῶν ἀναρπίαση (αὐτόν)*. Aesch. Cho. 247. *ἰδοῦ δὲ γένναν εὐνιν ἀετοῦ πατρὸς*. Eur. Alc. 966. *γυναικὸς εὐνὰς εὐτ' ἂν εἰσίδω κενάς*.

425. *εὐνῆς — λέχος*] Cf. Eur. Med. 436. *κοίτας ὀλέσσαο λέκτρον*. Alc. 946. *λέκτρον κοίτας*. Aesch. Pers. 549. *λέκτρον εὐναί*.

426. *οὕτω δὲ —*] Cf. 499. Tr. 116. *ᾧστε — οὕτω δὲ etc.*

427. *ἐκ δ' ἄρας κακὰς ἤρᾶτο τοῖσι —*] Cf. O. C. 951. *εἰ μὴ μοι πικρᾶς | αὐτῶ τ' ἄρας ἤρᾶτο καὶ τῶμαζ γένοι*.

430. *εὐκροτήτων*] Cf. Eur. El. 819. *εὐκρότητον δοριδ' ἄρδην*] Raising it. Cf. Aj. 1279. *πηδῶντες ἄρδην*. Aesch. Pr. 1087. *εἰς τε κελαινὸν | Τάρταρον ἄρδην ὄρυει δέμας | τοῦμόν. χαλκίας — πρόχου*] Cf. Eur. Ion. 434. *ἀλλὰ χρυσέαις | πρόχουσι εἰλθῶν εἰς ἀπορραντήρια | δρόσον καθήσω*. Philoxenum Athen. 685 D. *ἐν ἀργυρέᾳ φέρων προχόῳ (ὑδωρ)*.

431. *χοαῖσι — τὸν νέκυν στέφει*] I. e. κοσμεῖ, ornat, honorat. Cf. El. 441. *τάσδε δυσμενεῖς χοὰς οὐκ ἂν ποθ' — τῶδ' ἐπέστεφε*. 457. *ὅπως τὸ λοιπὸν αὐτὸν ἀφνεωτέραις | χερσὶ στέφωμεν ἢ τανῦν δωρούμεθα*. 53. *τύμβον λοιβαῖσι — στέφαντες*. Eur. Or. 1322. *τὸν Κλυταιμνήστρας τάφον | στέψασα καὶ σπείσασα νεοτέρων χοὰς*. Hec. 128. *τὸν Ἀγίλλειον τύμβον στεφανοῦν | αἵματι χλωρῶ*. Iph. A. 1478. Phoen. 1648. *νεκρὸν — καταστέφων*. Aj. 93. *καί σε — στέφει λαφύροις. χοαῖσι τρισπόνδοισι*] Cf. O. C. 479. *τρισοὰς γε πηγὰς*. Tres libationes dicuntur, sc. lactis, vini, mellis, ut mos erat in justis faciendis. V. Hom. Od. 11, 26.

432. *σὺν δὲ νιν θηρώμεθ'*] Tmesis pro *συνθηρώμεθα δὲ νιν*. Cf. Phil. 1005. *χεῖρες — ὑπ' ἀνδρὸς τοῦδε συνθηρώμεναι*. El. 746. *ἐν δ' ἐλίσσειται | τμητοῖς ἱμαῖσι*.

434. *τὸ πρᾶγμ' ἠλέγχωμεν*] Cf. Phil. 338. O. R. 333. Aesch. Ag. 1351. *πρᾶγμ' ἐλέγχειν (δοκεῖ)*. Arist. Fr. 246.

436. Cf. Eur. Hec. 566. *ὁ δ' οὐ θέλων τε καὶ θέλων*. Hom. Il. 4, 43. *ἐκὼν ἀέκοντί γε θυμῷ*. Plerumque ἄμα non iteratur. Cf. El. 251. O. R. 136a. 149. Ph. 772. Aj. 1008. O. C. 1394. 1654.
437. *ἐκ κακῶν πεφευγέναι*] Cf. Herod. I. 65. *ἐκ κακῶν τε μεγάλων πεφευγότας*. et ad Phil. 1044.
439. *λαβεῖν*] Cf. El. 1015. *προνοίας οὐδὲν ἀνθρώποις ἔφην | κέρδος λαβεῖν χμεινον*. Cratin. 365. *ἄξιος λαβεῖν ὁ μισθός*.
441. *σὲ δὴ, σὲ —*] Cf. Aj. 1226. *σὲ δὴ τὰ δεινὰ δήματ' etc.* 1228. *σέ τοι, τὸν ἐκ τῆς αἰχμαλωτίδος, λέγω*. Eur. Hel. 546. *σὲ τὴν δρεγμα δεινὸν ἡμιλλημένην — | μείνον' τί φεύγεις*; Rhos. 642. *σὲ τὸν στρατηγὸν καὶ κασίγνητον λέγω*, | *Ἐκτορ, καθεύδεις*; Tr. 65. Iph. A. 855. *ὦ σέ τοι λέγω, | τὸν θεᾶς γεγάτα παῖδα*. Herc. 1217. *σὲ τὸν θάσσοντα δυστήγους ἔδρας | αἰδῶ*. Bacch. 912. *σὲ τὸν πρόθυμον δνθ' ἃ μὴ χρεῶν δρᾶν — Πενθέα λέγω, | ἔξιθι etc.* Ion. 222. Arist. Av. 274. *οὔτος, ὦ σέ τοι —*. Pl. 1099. *τὴν νεύουσας ἔς πέδον κᾶρα*] Cf. 270. *ἔς πέδον κᾶρα | νεῦσαι*.
442. Cf. Arist. Eq. 572. *ἡροῦντο μὴ πεπτωκέναι*.
443. Cf. Aj. 96. Arist. Nub. 1084. *ἔξει τινὰ γνώμην λέγειν τὸ μὴ εὐρύπρωκτος εἶναι*; O. R. 1388. *οὐκ ἂν ἐσχόμην | τὸ μὴ ἀποκλῆσαι etc.* Dem. p. 392. *οὐδ' ἄρρησίς ἐστιν αὐτοῖς τὸ μὴ ταῦθ' ὑπὲρ Φιλίππου πράττειν*. De duplici καὶ cf. Phil. 527. *χῆ ναῦς γὰρ ἄξει κοῦκ ἀπαρηθήσεται*. 48.
- 444 sq. Confer similem locum Aesch. Cho. 697. *ἔξω κομίζων ὀλεθροῖον πηλοῦ πόδα*.
445. Cf. Tr. 1063. Hom. Il. 21, 50. *γυμνὸν ἄτερ κόρνθος τε καὶ ἀσιπίδος*. Pind. P. IX. 27. *μόνα ἄτερ ἐγγέων*. *ἔξω — αἰτίας*] Cf. 802. 660. O. R. 1390. *ἔξω τῶν κακῶν οἰκεῖν*. Ant. 614. 625. Ph. 504. 1260. Aesch. Pr. 330. *ἐκτὸς αἰτίας κυρεῖς*.
446. Cf. Aesch. Pers. 698. *μὴ τι μακιστήρα μῦθον, ἀλλὰ σύντομον λέγων*. Suppl. 475. *μῆκος*] Cf. O. C. 1139. *οὐτ' εἴ τι μῆκος τῶν λόγων ἔθον πλέον*.
- 447 sq. Cf. Aj. 1253 sq.
449. *ὑπερβαίνειν*] Transgredi. Cf. 481. 663. Hinc *ὑπερβασία* 605.
- 450 sq. *Ζεὺς et Δίκη consociantur etiam* Aj. 1389 sq.
451. *ἡ ξύννοικος τῶν κάτω θεῶν Δίκη*] Sic Herod. II. 134. *σύνδουλος Αἰσωπων*. Arist. Av. 209. *σύννομέ μου*. Nub. 903. *παρὰ τοῖσι θεοῖς (ἔστι Δίκη)*.
454. *ἄγραπτα — θεῶν νόμμα*] Cf. O. R. 865. Aj. 1130. 1343. Eur. Hec. 854. *νόμων γραφαί*. Ion. 442 sq. Hipp. 98. Suppl. 563.
455. *θεῶν νόμμα*] Cf. El. 1096. *ἃ μέγιστ' ἔβλαστε νόμμα*. Eur. Suppl. 19. *νόμμ' ἀλλίζοντες θεῶν*.
456. *οὐ γὰρ τι —*] Cf. 517. *οὐ γὰρ τι δοῦλος κτλ.* Aj. 1343. Soph. Fr. 81. *οὐ γὰρ τι θεσμὰ τοῖσιν ἀσπίτας πρόπει*. 688, 1. *οὐ γὰρ τι —*. 684, 1. 735. Eur. Alc. 417. *οὐ γὰρ τι πρώτος —*

γυναικὸς ἐσθλῆς ἡμπλακες. νῦν τε κἀχθές] Cf. Dem. de Cor. 130. χθές μὲν οὖν καὶ πρόην ἄμ' Ἀθηναῖος καὶ ἔγλωρ γέγονε. Herod. II. 53. πρόην τε καὶ χθές. Juncus apud Stobaeum: οὐ δὲ ἄκουε λόγον οὐκ ἐμὸν οὐδὲ νεώτερον, ἐχθές που καὶ πρόην εὐρεθέντα, καὶ μόλις εὐδοκίμησαντα, παλαιῶν δὲ ἀνδρῶν σοφῶν τε, τεθανουμασμένον. Hom. II. 2, 303. χθιζά τε καὶ προῖζ'. ἀεὶ ποτε ζῆ ταῦτα] Cf. O. R. 482. τὰ δ' ἀεὶ ζῶντα περιποιτᾶται. Aesch. Ag. 793. Eur. Fr. 35, 1. ἀεὶ τὸ μὲν ζῆ (κακόν), etc. Trag. adesp. 15. ἀεὶζων πένθος. De his ἀγράφους νόμοις v. Xen. Mem. IV. 4. 19. ἀεὶ ποτε] Cf. Aj. 320. Eur. Or. 869. Ion. 1329. Rhes. 653. Arist. Av. 1545.

457. ἐξ ἔτου] Ex quo. Sc. χρόνον.

458. Cf. El. 538. οὐκ ἐμελλε τῶνδὲ μοι δώσειν δίκην; Aj. 925. 1026. Ph. 446. Eur. Med. 1354. οὐ δ' οὐκ ἐμελλες — τερπνὸν διάξειν βίον ἐγγεῶν ἐμοί.

459. ἐν θεοῖσι τὴν δίκην δοῦναι] Cf. ad Arist. Fr. 267. Kock.

461. εἰ δὲ —] Cf. El. 1486. τί γὰρ — τοῦ χρόνου κέρδος φέροι; Eur. Her. 959. καὶ κερδανεῖς ἅπαντα· χορὴν γὰρ οὐχ ἅπαξ | θνήσκειν σε etc. Med. 454. πᾶν κέρδος ἡγοῦ ζήμιουμένη φυγῆ.

462. λέγω] I reckon. I. q. λογίζομαι. Cf. El. 1270. δαιμόνιον αὐτὸ τίθημι' ἐγώ. Terent. Ad. V. 3. 31. 'quod hinc accesserit, | id de lucro putato esse omne.' Phorm. II. 1. 16. Heaut. III. 11. 7. Hor. Od. I. 9. 14. 'quem fors dierum cumque dabit lucro adpone.' Cic. Fam. IX. 17. 'de lucro jam prope quadriennium vivimus.'

463 sq. Cf. El. 1484. τί γὰρ βροτῶν ἄν (leg. βροτείων) ξὺν κακοῖς μεμυγμένων | θνήσκειν ὁ μέλλον τοῦ χρόνον κέρδος φέροι; Aj. 475. Fr. 689. ὅστις γὰρ ἐν κακοῖσιν ἱμεῖρει βίον | ἢ δειλὸς ἔστιν etc. Eur. Alc. 960. τί μοι ζῆν δῆτα κύδιον, φίλοι (κέρδος, ὦ φίλοι) | κακῶς κλύονται —; Aesch. Prom. 750. κρεῖσσον γὰρ εἰσάπαξ θανεῖν | ἢ τὰς ἀπάσας ἡμέρας πάσχειν κακῶς.

464. ὅδ'] Pro usitatore οὔτος, ut in 666. El. 441.

466. παρ' οὐδὲν ἄλγος] Cf. Oed. 982. ἀλλ' ἄν] Cf. O. C. 924. Ant. 69. El. 431. τὸν ἐξ ἐμῆς —] Cf. 144. ὦ πατὴρ ἐνός | μητρός τε μῆς φύντε. 513. δμαιομος ἐκ μῆς τε καὶ ταύτου πατρός. τὸν — θανόντι' — νέκυν] Cf. 515. ὁ κατθανῶν νέκυς. 26. τὸν ἀθλλίως θανόντα Πολυνείκους νέκυν.

467. ἄθαπτον —] Sub. θντα. Cf. Eur. Alc. 304. ἀνάσχω δεσπότας (sc. θντας). Sed corrigendum videtur ἄθαπτον θντ' ἡνεσχόμην. Cf. Ph. 411. εἰ παρῶν — ταῦθ' ὄρῶν ἡνείχετο. Arist. Pac. 703. Th. 593.

469. Cf. O. C. 1665 sq.

470. σχεδόν τι —] Cf. El. 609. σχεδόν τι τὴν σὴν οὐ κατασχίνα φύσιν. O. R. 737. Eur. Hel. 112. ἐπὶ σχεδόν τι καρπίμους ἐτῶν κύκλους. Plat. Phaed. 59 A. σχεδόν τι οὔτω. Ion. 534. σχεδόν

τι πάντων μελῶν κάλλιστον. Lys. 206 B. Xen. Anab. VI. 4. 20. σχεδόν τι πάσα ἡ στρατιά. Xen. Cyn. I. 11. σχεδόν τι ἄριστος. Dem. p. 969. σχεδόν τι πάντ' ἀπολωλεκώς. Andoc. I. 1. σχεδόν τι πάντες ἐπίστασθε. Plat. Phaed. 65 A. ἐγγύς τι. Plut. Nic. 16. τὴν πόλιν δμοῦ τι ποιήσας ἔρημον ἀνδρῶν. μωρίαν ὀφλισκάνω] Cf. 1028. σκαιότητ' ὀφλισκάνει. O. R. 512. ὀφλήσει κακίαν. Eur. Phoen. 770. ἀμαθίαν ὀφλισκάνει. Med. 581. μεγίστην ζημίαν ὀφλισκάνει. Andr. 693. Hec. 327.

471. δηλοῖ] Cf. 20. δηλοῖς τι καλχαίνουσ' ἔπος. 242. Aj. 878. ὦμοῦ] Cf. Phil. 874. ἀλλ' εὐγενῆς γὰρ ἡ φύσις καὶ εὐγενῶν — ἡ σὴ etc. Aesch. Sept. 532. ὦμόν — φρονημα — ἔχων.

472. εἵκειν — κακοῖς] Cf. Phil. 1046. Aesch. Prom. 320. σὺ δ' οὐδέπω ταπεινὸς οὐδ' εἵκεις κακοῖς. 185.

473 sq. Cf. Aj. 648—651. Plat. Resp. III. 411 B. τὸ θυμοειδὲς ὥσπερ σίδηρον ἐμάλαξε καὶ χρήσιμον ἀντὶ ἀχρήστου καὶ σκληροῦ ἐποίησε. Dionys. Hal. Ant. VIII. 25. νεμεοῦνται ὑπὸ θεῶν τὰ ὑπερέχοντα καὶ τρέπεται πάλιν εἰς τὸ μηδὲν, μάλιστα δὲ τοῦτο πάσχει τὰ σκληρὰ καὶ μέγαλαυχα φρονήματα.

473. ἀλλ' ἴσθι τοι] Cf. El. 298. Arist. Ach. 490. ἀλλ' ἴσθι νυν.

474. ἐγκρατέστατον] Cf. 715. Aesch. Pr. 55. βαλὼν νιν ἀμφὶ (ἀμφοῖν?) χερσὶν ἐγκρατεῖ σθένει. Hom. Od. 1, 391. ὡς δ' ὅτ' ἀνήρ χαλκεὺς πέλεκυν μέγαν ἠὲ σκέπαρνον | εἰν ὕδατι ψυχρῷ βάπτει (?) μεγάλα λάχοντα | φαρμάσσων· τὸ γὰρ αὐτε σιδήρειο κράτος ἔστιν.

475. σίδηρον] Cf. Aj. 651. περιοικελῆ] Cf. Aj. 649. καὶ περιοικελεῖς φρένες; Marc. Antonin. IV. 28. περιοικελὲς ἦθος.

476. πλεῖστ'] Saepissime. Cf. O. R. 1109. Sic πολλά saepe. εἰσίδοις] Pro simplici ἴδοις, ut in 288. O. C. 1097.

477. μικρῷ χαλινῷ —] Cf. S. Jacobi Epist. III. 3. Similis locus est Aj. 1253.

478. καταρτυθέντας] Trained, tamed. Cf. Solon. 14, 11. καταρτύεται νόος ἀνδρός. Plat. Legg. 808 D. παῖς ἔχει πηγὴν τοῦ φρονεῖν οὕτω κατηρτυμένην. Menon. 88 B. Eur. Fr. 821, 5. νῦν δ' ἀμβλὺς εἰμι καὶ κατηρτυκῶς πόνων (qu. κατήρτυμαι ἔς πόνον, have been broken in, trained, to trouble). ἐκπέλει] I. q. ἔξεστι.

480 sq. Cf. Phil. 62. οὐκ ἤξιωσαν τῶν Ὀδυσσεῶν ὄπλων | ἐλθόντι δοῦναι (sub. αὐτὰ αὐτῶ) etc.

483. ἐπανχεῖν] Cf. El. 65. Arist. Av. 628.

485. ταῦτ' ἀνατὶ τῆδε κείσεται πόλει] Cf. O. C. 1519. ἄ σοι | γήρως ἄλυπα τῆδε κείσεται πόλει. ταῦτ' — κράτη] Hoc meum imperium. ἀνατὶ] Sic ἀμοχθὶ Aesch. Pr. 216.

487. τοῦ παντός Ζηγνός ἐρκειῖον] Cognati omnes intelliguntur. Cf. Aj. 108. Eur. Tro. 17. Ζηγνός ἐρκειῖον. Plat. Euthyd. 302. Ἀπόλων πατροῦχος διὰ τὴν τοῦ Ἴωνος γένεσιν, Ζεὺς δ' ἡμῖν πατροῦχος

μὲν οὐ καλεῖται, ἐρκεῖος δὲ καὶ φράτριος, καὶ Ἀθηναίῃ φρατρία. Aristod. de Mundo p. 401, 21. Ζεὺς γενέθλιός τε καὶ ἐρκεῖος καὶ δμῶνιος. Ζητὸς ἐρκεῖου] Cf. Arist. Fr. 245. Ζητὸς ἐρκεῖου χύτρας. Cratin. min. III. 377. Ζεὺς ἔστι μοι | ἐρκεῖος. Sic Ζεὺς συγγένειος (Eur. Fr. 988.), δμῶνιος (Eur. Andr. 922. etc.), ἐφῆστιος (Aj. 492.), ὄρκιος, ἀραῖος, φίλιος, ἀγοραῖος (Aesch. Eum. 905.), καθάρατος, ἐταιρηῖος (Herod. I. 44.), μόριος (O. C. 705.). Ara Διὸς ἐρμαῖον in media domo stabat.

488. οὐκ ἀλύξετον μόρον] Cf. Phil. 1044. δοκοῖμ' ἄν τῆς νόσου πεφενγέται. El. 627. θράσους | τοῦδ' οὐκ ἀλύξεις. Aj. 656. Eur. Med. 1297. τῶνδε φεύξεσθαι δόμων. Hom. Od. 23, 286. κακῶν ὑπάλυξιν ἔσεσθαι. Eur. Bacch. 734. ἐξηλύξαμεν | Βακχῶν σπαραγμόν. Eur. El. 219. Hipp. 673. Ὑπαλύσκειν apud Homerum semper accusativum regit.

489 sq. Cf. ad 699. Phil. 62.

489. καὶ γὰρ οὖν —] Cf. Aesch. Ag. 524. ἀλλ' εὖ νιν ἀσπασασθε· καὶ γὰρ οὖν πρόπει. Infra 771. εὖ γὰρ οὖν λέγεις. O. C. 980. οὐ γὰρ οὖν σιγήσομαι. ἴσον] Sub. μέρος. Nisi sensus est pariter. Cf. Eur. Ion. 1363. Hel. 801.

490. τοῦδε βουλευῶσαι τάφον] Cf. Xen. Ages. I. 33. τὸ αἰτιῶσαι ἀλλήλους τοῦ γεγενημένου. Sed corrigendum proculdubio τόνδε βουλευῶσαι τάφον. Cf. O. R. 645. εἰ σέ τι δέδρακ' — ὧν ἐπαιτιᾶ με δρᾶν. El. 604. ὧν — μέ σοι τρέφειν μάλιστα | ἐπητιάσω.

492. ἐπήβολον φρενῶν] I. q. ἐπιτυχῆ. Cf. Fr. 95. εἶθ' εὖ φρονήσαντ' εἰσίδοιμί πως (καί?) φρενῶν | ἐπήβολον καλῶν σε. Aesch. Prom. 444. ἔννονος ἔθρημά (σφας) καὶ φρενῶν ἐπηβόλους. Ag. 528. τερπνῆς ἄρ' ἦτε τῆσδ' ἐπήβολοι νόσου.

495. μισῶ —] Cf. Eur. Fr. 1053. μισῶ δ' ὅταν τις καὶ (ὧν?) χθονὸς στρατηλάτης | μὴ πᾶσι πάντων προσφέρῃ μελίγματα.

496. τοῦτο καλλύνειν θέλη] Antigone enim actionem suam cum legibus divinis congruere profitetur. Schol. τοῦτο φησιν δι ἀλοῦσα ἢ Ἀντιγόνη ἔφρασκε τῷ θεῷ νόμῳ ἐπαρκεῖν. καλλύνειν] I. e. κοσμεῖν (Eur. Andr. 956. Ion. 832. Tro. 975. Med. 573.).

497 sq. Cf. O. R. 622 sq. κατακτεῖναι μ' ἐλών] Cf. Aj. 52. κἀδόκει — Ἀτρείδας αὐτόχειρ κτείνειν ἐλών. Eur. Or. 1229. οὐ θέλω δάμαρθ' ἐλών | κτεῖναι.

498. τοῦτ' ἔχων ἅπαντ' ἔχω] Cf. Eur. Or. 749. τοῦτο πάντ' ἔχω μαθῶν. Rhés. 605. τοῦτον κατακτὰς πάντ' ἔχεις. Arist. Lys. 929. ἦδη πάντ' ἔχω. Herod. III. 80. δύο δ' ἔχων ταῦτα ἔχει πᾶσαν κακότητα. Milton Sams. Ag. 1484. 'Not wanting him I shall want nothing.'

499. ὡς — οὕτω δὲ καὶ —] Cf. 424.

500. Cf. Antiph. 177, 3. οὐ γὰρ κακὸν ἔχω μηδ' ἔχοιμ'. ἀρεστὸν] Cf. O. R. 1097. σοὶ δὲ ταῦτ' ἀρέστ' εἶη. Plat. Def. 415 A. θεράπευμα ἀρεστὸν θεῶ. Herod. IV. 168. ἦ δὲ ἄν τῷ βασιλεί

ἀρεστή γένηται, etc. Offendit aoristus ἀρεσθείη, hoc uno loco reperitur.

501. ἀφανδάνοντι' ἔφην] Cf. Hom. Od. 16, 387. εἰ δ' ὑμῖν ὄδε μῦθος ἀφανδάνει. Herod. II. 129. ἀπαδέειν. et ad Phil. 1052.

503. ἐν τάφῳ τιθεῖσα] Cf. O. C. 1410. ἀλλ' ἐν τάφοις θέσθε (leg. ἐν τάφῳ τίθεσθε).

504. Cf. 89. ἀλλ' οἷδ' ἀρέσκουσ' οἷς μάλισθ' ἀδεῖν με χροῖ. Aj. 1243. εἰκειν ἃ τοῖς πολλοῖσιν ἤρεσκεν κριταῖς. Eur. Hel. 1003. ὡς ἄπασιν ἀνδάνης. Rhés. 137. ἐπειδὴ πᾶσιν ἀνδάνει τάδε. Herod. III. 45. καὶ σοὶ ἀδεῖν τὸ προσωτέρω μηκέτι πλώειν.

505. εἰ μὴ γλώσσαν ἐγκλήσαι φόβος] Cf. 180. ὅστις — ἐκ φόβου τοῦ γλώσσαν ἐγκλήσας ἔχει. Theogn. 178. γλώσσά οἱ δέδεται.

506. Cf. Aesch. Prom. 232. ἔνεσι γὰρ πως τοῦτο τῇ τυραννίδι | νόσημα, τοῖς φίλοις μὴ πεποιθέναί. Aj. 1350. πολλά τ' ἀλλ' εὐδαιμονεῖ] Cf. Eur. Suppl. 577. τοιγὰρ πονουσα πολλά πόλλ' εὐδαιμονεῖ (εὐδαιμονα vulg.). Phoen. 549. τί τὴν τυραννίδ', ἀδικίαν εὐδαιμονα, | τιμᾶς ὑπέρφευ; Schol. οὐκ ἐν ἐπαίνῳ τοῦτο τῆς τυραννίδος, ἀλλ' ἔχει τι εἰρωνείας ὁ λόγος.

509. ὑπίλλουσι στόμα] Cf. Eur. Hel. 445. μὴ πρόσυλλε χεῖρα. Fr. 540. οὐράν — ὑπίλασ' ὑπὸ λεοντόπουν βάσιν. Lys. p. 117, 37. ἀπειλλεῖν τῇ θύρῳ. Verbum antiquum.

513. ἐκ μιᾶς] Sc. μητρός. Cf. Eur. Iph. T. 800. ὦ συγκαοιγνήτη τε καὶ ταύτου πατρός. Arist. Ach. 790. δημοματρία γὰρ ἔστι κῆκ τῶντου πατρός.

514. δυοσεβῆ τιμᾶς χάριν] Cf. ad Aj. 687. ταῦτά τῆδέ μοι τάδε | τιμᾶτε. Pind. P. IV. 481. Παιάν σοὶ τιμᾶ φάος. Sed latet, opinor, corruptela. Pro τιμᾶς corrigendum forsitan τίνεις.

515. ὁ κατθανὼν νέκυς] Cf. 26.

516. εἴ τοι —] Supple μαρτυρήσει. Cf. Aj. 1131. ME. ἐγὼ γὰρ ἂν ψέξαιμι δαιμόνων νόμους; | TE. εἰ τοὺς θανόντας (γ') οὐκ ἔξθ θάπτειν παρών (supple ψέξεις).

517. οὐ γὰρ τι δοῦλος] Cf. 456. οὐ γὰρ τι νῦν τε κάχθες — ζῆ ταῦτα. Eur. Alc. 417. οὐ γὰρ τι πρῶτος — γυναικὸς ἐσθλῆς ἤμπλακες. Soph. Tr. 483. ἤμαρτον, εἴ τι etc. ἀδελφός] Polynices.

519. Cf. Fr. 777, 2. τοὺς Ἄιδου νόμους.

520. Cf. 836. τοῖς ἰσοθέοις σύγκληρα λαχῆν.

521. εὐαγῆ] Cf. O. R. 921. λύσιν — εὐαγῆ. Plat. Legg. XII. 956 A. ἐλέφας — οὐκ εὐαγές (Cic. 'castum') ἀνάθημα. Dem. p. 122, 16. εὐαγές ἦν τοῦτον ἀποκτεῖναι. Plat. Epist. 312 A. Theocr. 26, 30. Callim. Del. 98. εὐαγέων δὲ καὶ εὐαγέεσσι μελοίμην. Schol. εὐσεβῆ.

522. Similis sententia est Aj. 1372.

523. Cf. Aj. 1317. εἰ μὴ ξυνάψων ἀλλὰ συλλύσων πάρει. Eur. Iph. A. 409. συσσωφρονεῖν γὰρ, οὐχὶ συννοσεῖν, ἔφην. El. 1102. ὦ παῖ, πέφνηκας πατέρα σὸν στέργειν ἀέ. Phil. 79. 88. Tr. 440.

527. δάκρυ' εἰβομένη] Cf. O. C. 1251. δι' ὄμματος | ἀστακτὶ λείβων δάκρυον. Aesch. Pr. 400. δακρυοσίστακτον ἀπ' ὄσων ῥαδι-
νῶν λειβομένα (δ' εἰβ. Herm. Dind.) ῥέος. Eum. 54. ἐκ δ' ὀμμά-
των λείβουσι δυσφιλῆ λίβα. Pr. 399. ῥαδιὸν λειβομένα ῥέος. Eur.
Tro. 601. δάκρυα ἐκ δακρύων καταλείβεται. Phoen. 1522. ἐν λει-
βομένοισι δακρύοισιν. Andr. 418. Neque λείβειν neque εἶβειν legi-
tur alibi apud Sophoclem.

528. νεφέλη —] Cf. Eur. Hipp. 172. ἀλλ' ἦδε τροφὸς γεραῖδ
πρὸ θυρῶν | τήνδε κομίζουσ' ἔξω μελάθρων· | στυγνὸν δ' ὄφρῶν
νέφος αὐξάνεται. El. 1073. Med. 106. Aesch. Sept. 228. χαλεπᾶς
δύας ὑπερθ' ὀμμάτων κρηναμέναν νεφέλαν ὄρθοῦ. Hor. Epist. I.
18. 94. 'Deme supercilio nubem.' νεφέλη] Nubes (doloris) la-
crimas destillans. αἱματόεν ῥέθος] Cf. Eur. Hec. 1066. ὀμ-
μάτων αἱματόεν βλέφαρον. Theocr. XX. 116. καὶ χροῖα φοινίχθην
ὑπὸ τῶλγεος ὡς ῥόθον ἔρσα. Cf. Martial. VI. 10. 5. 'nubilus ira.'

529. ῥέθος] Faotiem. Cf. Eur. Herc. 1204. ῥέθος ἄλλω δεῖξον.
Theocr. 29, 16. Apud Homerum ῥέθια membra corporis et ipsum
corpus significat, Il. 16, 856. etc. Mosch. 4, 2. Apoll. Rhod. 2, 68.

531. ὡς ἐχιδν'] Cf. Eur. Ion. 1262. οἶαν ἐχιδναν τήνδ' ἔφου-
σας. Alc. 310. ἐχιδνης οὐδὲν ἠπιωτέρα. Andr. 271. Or. 479. Men.
IV. 269. Monost. 261. Anth. P. V. 114. 5. Matth. Ev. III. 7. γεν-
νήματα ἐχιδνῶν. Similiter μύραινα et ἀμφίβαινα in opprobrium
dicuntur. ὑφειμένη] Hic medio sensu usurpatur ut in El. 335.
Cf. ad O. C. 1016. O. R. 387. ὑφεις μάγον τοιόνδε μηχανορράφον.
Herod. III. 126. ἄνδρας οἱ ὑπέισας (al. ὑπεῖς) κατ' ὀδόν. Similia
sunt Aesch. Ag. 1232 sq. Cho. 244. 992.

532. Cf. El. 784. ἦδε γὰρ μελίων βλάβη | ξύνοικος ἦν μοι,
τοῦμὸν ἐκπίνουσ' αἶε | ψυχῆς ἄκρατον αἶμα. Tr. 1055. ἐκ δὲ χλω-
ρὸν αἱμᾶ μου πέπωκεν. Fr. 508. ἦ δ' ἄρ' ἐν σκότῳ λήθουσά με |
ἔσοιν' Ἐρινός etc. Theocr. II. 55. τί μιν μέλαν ἐκ χροὸς αἶμα |
ἐμφὸς ὡς λιμνᾶτις ἄπαν ἐκ βδέλλα πέπωκας;

533. τρέφων δύ' ἄτας] Cf. Aj. 644. ἄταν, ἀν οὐπω τις ἔθρε-
πεν (οἶαν οὐτις ἔθρεπεν?) etc. 503. λατρείας — τρέφει. Ph. 795.
πῶς ἂν — τρέφοιτε τήνδε τὴν νόσον; O. R. 98. δύ' ἄτας] Cf.
O. C. 532. δύ' ἐξ ἐμοῦ μὲν παῖδε, δύο δ' ἄτα. Aj. 644. Eur. Andr.
103. Ἰλίῳ αἰπεινᾷ Πάρις οὐ γάμον ἀλλά τιν' ἄταν | ἠγάγετ' εὐναίαν
εἰς θαλάμους Ἐλέναν. 237. δύο δ' ἀργίποδας κριούς. (V. Lob. ad
Ajac. 1304., ubi plura hujus constructionis exempla apponuntur.)
Sic πημονή Tr. 376. Similiter fere Men. 547, 8. καταστροφὴ γῆς.

κάπανασιάσεις θρόνων] Cf. O. R. 535. ληστής τ' ἐναργῆς τῆς ἐμῆς
τυραννίδος. Plat. Resp. IV. 444 B. ἐπαναστάσεις μέρους τινὸς τῶ
ἄλλῳ τῆς ψυχῆς. Qu. κάπανασιάτας (-τη) θρόνων.

535. ἦ ἔσομει τὸ μὴ εἰδέναι] Cf. 266. θεοὺς δοκωμοτεῖν | τὸ
μῆτε δρᾶσαι μῆτε τῶ ξυνειδέναι. 778. τεύξεται τὸ μὴ θανεῖν.

536. *ἔπερ ἦδ' ὁμορροθεῖ*] Si quidem soror mea consentit. Allusio est ad ea quae dixerat Antigone 69 sq. Haec explicatio viis quae sequuntur confirmatur. Schol. ταύτης συντιθεμένης. His Ismene invita suam facinoris societatem confitetur, confessio-nem tamen suam ab sororis suae declaratione pendere faciens.

ὁμορροθεῖ] Cf. Eur. Orest. 429. *ἐν λόγοισι τοῖς ἑμοῖς ὁμορροθεῖ*. Arist. Av. 851.

537. Cf. Aesch. Prom. 331. *πάντων μετασχῶν καὶ τετολμη-κῶς ἔμοι*. O. C. 583. *τὰ δ' ἐν μέσῳ | ἢ λῆσιν ἰσχεις ἢ δι' οὐδενὸς ποιῆ*. 1330. Eur. Fr. 901, 12. *καὶ κακῶν | τῶν ὧν ξυνοίσω κού-δεν ἔσται μοι πικρόν*. et O. R. 347. *καὶ συμφυτευσοὶ τοῦργον εἰρ-γάσθαι θ'*. Dindorfius (ad El. 1005.) confert O. C. 1330. *ὃς μ' ἐξέωσε κάπεσύλησεν πάτρας*. Iph. T. 987. Eupol. 105. *ἀμβλυστονησοὶ καὶ χλοῆσαι τὴν πόλιν*.

539. *ἐκοινωσάμην*] Supple *σε*, participem te feci.

541. *ξυμπλοῦν — τοῦ πάθους*] Cf. Eur. Iph. T. 599. *ὁ ναυ-στολῶν γὰρ εἰμ' ἐγὼ τὰς συμφορὰς, | οὗτος δὲ συμπλεῖ τῶν ἐμῶν μόχθων χάριν*. Herc. 1224. *καὶ τῶν καλῶν μὲν δοτις ἀπολαύειν θέλει, | συμπλεῖν δὲ τοῖς φίλοισι δυστυχοῦσιν οὐ*. Eur. Fr. 848, 5. *μήτ' ἐν θαλάσῃ κοῖνοπλον στέλλοι σκάφος*. Aj. 1329. *ξυνηρετεῖν*.

542. *ξυνίστορες*] Cf. Ph. 1293. *ὡς θεοὶ ξυνίστορες*. Eur. Suppl. 1174. *Ζεὺς ξυνίστωρ οἷ τ' ἐν οὐρανῷ θεοί*.

543. *λόγοις*] In word only. Cf. El. 287. *αὕτη γὰρ ἡ λόγοισι γενναῖα γυνή* etc. O. C. 1143. *οὐ γὰρ λόγοισι τὸν βίον σπουδάσο-μεν | λαμπρὸν ποιῆσθαι μᾶλλον ἢ τοῖς δρωμένοις*. Eur. Phoen. 1494. Med. 652. 735. Hec. 1103. Sic *ἔργοις* alibi.

544. *μήτοι — μ' ἀτιμάσης*] Cf. O. C. 1407. *μήτοι με — ἀτι-μάσητε*. 1439. *μήτοι μ' ὀδύρου*. 49. *μή μ' ἀτιμάσης*. Aesch. Prom. 625. *μήτοι με κρύψης τοῦτο —; 436. μήτοι χλιδῆ δοκεῖτε — σι-γᾶν με. τὸ μὴ οὐ —*] Cf. Aesch. Ag. 15. 1079. 1497. Cho. 300. Eum. 691. Plat. Resp. I. 354 B. Aesch. Fr. 255. *ὦ θάνατε Παιῖαν, μὴ μ' ἀτιμάσης μολεῖν* (qu. *μὴ μ' ἀτιμάσης τὸ μὴ οὐ | μολεῖν*). Arist. Av. 36. *αὐτὴν μὲν οὐ μισοῦντ' ἐκείνην τὴν πόλιν | τὸ μὴ οὐ μεγάλην εἶναι* etc. Ran. 68. Lys. 1196.

545. *ἀγνίσαι*] Schol. *τιμῆσαι*.

546. *κοινά*] Una, simul. Cf. Aj. 577. *τὰ δ' ἄλλα τεύχη κοῖν'* *ἔμοι τεθάναται*. Sic *ξυνά* O. C. 1752. *μηδ' ἄ μὴ 'θιγες —*] I. e. *μηδὲ ποιῶν σεαυτῆς ταῦτα ὧν μὴ ἔθιγες*. Relativum cum praecedenti verbo, non cum sequenti, construitur. "Hic vis verbi *ποιῶν* extenditur ad pronomen", bene observat Wakef. ad Trach. 715. *αἰτεῖς δ' αὖτε*. O. C. 839. *μὴ 'πίτασο' ἄ μὴ κρατεῖς*. Contra Phil. 1011. *ἀλγεινῶς φέρων | οἷς τ' αὐτὸς ἐξήμαρτεν* etc.

547. *ἀρκέσω θνήσκουσ' ἐγώ*] Cf. Aj. 76. *ἐνδον ἀρκέτω μένων*. O. C. 498. O. R. 1061. *ἄλις νοσοῦσ' ἐγώ*. Eur. Or. 1608. *ἀρκέσω δ' ἐγὼ λέγων*. Her. 576. *ἀρκέσουσι γὰρ* (sc. *τοιοῖδε ὄντες*). Alc. 383.

ἀροῦμεν ἡμεῖς οἱ προοιήκοντες σέθεν. Iph. A. 1300. Hel. 1294. Plat. Gorg. 475 E. ἐμοὶ σὺ ἐξαρκῆς — μαρτυρῶν.

548. σοῦ λειψόμεν] Cf. Aj. 543. λειψόμεν λόγον. Tr. 937. ὀδυρμάτων ἐλείπει' οὐδέν. 266. λέγων ὡς τῶν ὄν τέκνων λείποιο —. El. 474. γνώμας λειπομένα σοφᾶς. Eur. Med. 52. πῶς σου μόνῃ Μήδεια λείπεσθαι θέλει; Suppl. 744. ὦν λειψόμενος τάλας | κλαῖω. Alc. 406. λείπομαι φίλας — ματρός. El. 1310. σοῦ λειψόμενος.

551. εἰ γελῶ γ' ἐν σοὶ γέλων] Cf. O. R. 571. εἰ γὰρ οἶδά γ' —. γέλωτ' ἐν σοὶ γελῶ] Cf. ad Aj. 382. Aesch. Cho. 222. ἀλλ' ἐν κακοῖσι τοῖς ἐμοῖς γελᾶν θέλεις. | ΗΛ. κἂν τοῖς ἐμοῖς ἄρ', εἶπερ ἐν γε τοῖσι σοῖς. Plat. Prot. 357 D. νῦν, ἂν ἡμῶν καταγελάτε, καὶ ὑμῶν αὐτῶν καταγελάσεσθε.

552. Cf. 779. Ph. 950. ἀλλὰ νῦν ἔτ' ἐν σαντιῶ γενοῦ. Aj. 537. τί ὄητ' ἂν ὡς ἐκ τῶνδ' ἂν (f. ἔτ') ὠφελοῦμί σε; 78. Arist. Av. 1598. Elmsl. ad Med. 882.

553. ὑπεκφυγεῖν] Cf. 776. Eur. Med. 989. ἄταν οὐχ ὑπεκφεύξεται. Suppl. 565.

554. κάμπλακω — μόρου;] And shall I escape (avoid) thy fate? Dindorfius mire construit ἀμπλάκω καὶ τοῦ σοῦ μόρου. ἀμπλάκω τοῦ σοῦ μόρου] Aoristi subjunctivus. Cf. 910. εἰ τοῦδ' ἤμπλακον. Eur. Alc. 418. γυναικὸς ἐσθλῆς ἤμπλακες. 1083. 241. ἀρίστη ἀπλακῶν ἀλόχου. 824. οἶας ἤμπλακες ξυναόρου.

556. ἐπ' ἀρρήτοις —] Cf. Eur. Ion. 228. ἐπὶ δ' ἀσφάκτοις μήλοισι δόμων μὴ πάρι' εἰς μυχόν. Rhes. 649. καὶ νῦν ἐπ' εὐτυχοῦντι Τρωϊκῶ στρατῶ | ἦκω. Iph. T. 680. Herod. I. 170. VIII. 102.

560. τοῖς θανοῦσιν ὠφελεῖν] Cf. El. 355. λυπῶ δὲ τούτους ὥστε τῶ τεθνηκότι | τιμὰς προσάπτειν. Fr. 350, 2. χρῆ δὲ τῶ τεθνηκότι | τὸν ζῶντ' ἐπαρκεῖν. Phil. 1392. Eur. Andr. 80. γέρον γ' ἐκεῖνος ὥστε σ' ὠφελεῖν παρών. Aesch. Pers. 839. ὡς τοῖς θανοῦσι πλοῦτος οὐδὲν ὠφελεῖ. Pr. 342. οὐδὲν ὠφελῶν ἐμοί. 839. Eur. Or. 658. ἐν τοῖς κακοῖς χρῆ | τοῖς φίλοισιν ὠφελεῖν. 673. τοῖς δεομένοισιν ὠφελεῖν. Herc. 499. τέκνοισιν εἴ τι τοισίδ' ὠφελεῖν | μέλλεις. Her. 331. τοῖς ἀμηχάνοις προσωφελεῖν. Alc. 42. Suppl. 327. Arist. Av. 420. φίλοισιν ὠφελεῖν. Menand. IV. 269. οὐ γὰρ ὠφελεῖ | τὰ δάκρυ' ἀναισθητῶ γεγονότι καὶ νεκρῶ. Herod. 9, 103. προσωφελεῖν ἐθέλοντες τοῖσι Ἕλλησι. Thuc. V. 23.

562. περᾶνθαι] Cf. O. R. 692.

563 sq. Cf. Eur. Fr. 165. ἄκουσον· οὐ γὰρ οἱ κακῶς πεπραγότες | σὺν ταῖς τύχαισι τοὺς λόγους (l. τὸν γε νοῦν) ἀπώλεσαν. Theogn. 35. ἦν δὲ κακοῖσιν | συμμίσγης, ἀπολεῖς καὶ τὸν ἐόντα νόον. Alex. III. 522. αἱ μελζονες | λῦπαι ποιοῦσι τῶν φρενῶν μετᾶστασιν. Phil. 1193. οὔτοι νεμεσητὸν ἀλύοντα χαιμεριῶ λῦπα καὶ παρὰ νοῦν θροεῖν. δς ἂν βλάστη — νοῦς] Sic φῦσαι φρένας El. 1463. etc.

564. νοῦς — ἐξίσταται] Cf. 1105. Phil. 865. ἀφροσύνη φρε-
νῶν. Eur. Iph. A. 135. οἰμοί, γνώμας ἐξέσταν. Or. 1019. ἐξέστην
φρενῶν. Bacch. 359. μέμνησας ἤδη καὶ πρὶν ἐξέστης (l. ἐξεστώσας)
φρενῶν. Eur. Fr. 265. νῦν δ' (νοῦ δ' Cobet. Nauck.) οἶνος ἐξέ-
στησέ μ'. Xen. Cyr. III. 3. 54. ἐν ᾧ (πολέμῳ) πολλοὶ καὶ τῶν
παλαιῶν μαθημάτων ἐξίστανται. Hor. Ep. I. 12. 13. 'dum peregre
est animus sine corpore velox.'

566. Cf. 584. Aj. 393. τί γὰρ δεῖ ζῆν με σοῦ τεθνηκότος;
βιώσιμον] Cf. Eur. Her. 606. οὐ βιώσιμον.

567. Cf. El. 525. Similis versus est Eur. Or. 592. ἀλλ' ὡς
μὲν οὐκ εὖ μὴ λέγ' ἐργασται τάδε.

569. ἀρώσιμοι — γύαι] Schol. παιδοποιήσιμοι. Cf. Apoll. Rhod.
I. 796. πυροφόρους ἀρώσι γύας. Eur. Med. 1281. τέκνον δν ἔτεκες
ἄροτον. Phoen. 669. βαθυσπόρους γύας. Aesch. Sept. 739.

572. Cf. Phryn. Fr. 20. ὦ φίλτατ' ἀνδρῶν, μὴ μ' ἀτιμάσας γένη.

573. ἄγαν με λυπεῖς] Cf. Aj. 589. καὶ σὺ καὶ τὸ σὸν λέγος]
Cf. O. C. 750. σε — καὶ τὸ σὸν κάρα. O. R. 905. σὲ — τάν τε
σὸν ἀθάνατον ἀρχάν. Aj. 1147. Phil. 1251. ξὺν τῷ δικαίῳ τὸν
σὸν οὐ ταρβῶ φόβον. Aj. 1311. τῆς σῆς γυναικός. El. 1110. οὐκ
οἶδα τὴν σὴν κληδόν'. Eur. Iph. A. 293. διὰ σὲ καὶ τὴν σὴν κόρην.
1148. διὰ σὲ καὶ τοὺς σοὺς γάμους. Her. 284. φθείρου' τὸ σὸν
γὰρ ἄργος οὐ δέδοικ' ἐγώ. Hipp. 113. τὴν σὸν δὲ Κύπριν πόλλ'
ἐγὼ χαίρειν λέγω. Rhes. 866. οὐκ οἶδα τοὺς σοὺς, οὐδὲ λέγεις,
Ὀδυσσεύς. Agathon. Fr. inc. 8. ἀπολεῖς μ' ἐρωτῶν καὶ σὺ χῶ νέος
τρόπος. Arist. Av. 893. ἀπελθ' ἀφ' ἡμῶν καὶ σὺ καὶ τὰ στέμματα.

576. δεδομέν'] Sub. ἐστί. I. q. δέδοκται. (Phil. 1277. οὕτω
δέδοκται; ΦΙΛ. καὶ πέρα γ', ἴσθ', ἢ λέγω. Tr. 720. καίτοι δέδοκ-
ται etc. Neophr. Fr. 2, 10. οἶμοι, δέδοκται.) Cf. O. C. 1431. οὕτως
ἄρ', ὦ παῖ, ταῦτά σοι δεδομένα; | ΠΟ. καὶ μὴ μ' ἐπίσχης γ'.
Menand. IV. 88. δεδομένον τὸ πράγμ' ἀνεροφῆθω κύβος. et Arist.
Lys. 142. χαλεπά. Herod. III. 82. ἀδύνατα. et ad Tr. 495.

577. καὶ σοί γε κάμοι] Yes by me as well as by you.
Cf. 1112. μὴ τριβάς ἔτ'] Cf. O. R. 1162. Arist. Ach. 385. τί —
πορίζει τριβάς; Similis ellipsis est El. 369. μηδὲν πρὸς ὀργήν.

579. εἰρξαι] Cf. Arist. Ach. 330. μὼν ἔχει του παιδίον —
ἐνδον εἰρξας; ἀνειμένως] I. e. libere vagantes. Anglice at
large. Cf. 1101. κόρην μὲν ἐκ — στέγης ἄνες. El. 516. ἀνειμένη
μὲν, ὡς ἔοικας, αὐτὴ στρέφει. Aj. 754. εἶπε — εἰρξαι — Ἄλανθ' ὑπὸ
σκηναῖσι μηδ' ἀφέντ' ἔάν. 796. Plat. II. 648. (98, 3.) ἐάν δ' ἀνῆς,
ὑβριστόν (ἔστι) χρῆμα κἀκόλαστον (sc. mulier). Solon. 6, 2. μήτε
λίην ἀνεθεῖς μήτε πιεζόμενος (δῆμος). Herod. VII. 103. ἀνειμένοι
ἐς τὸ ἐλεύθερον.

582. Cf. Ph. 179. ὦ δύστανά γενεῖ βοιωτῶν οἷς μὴ μέτριος
αἰών. Herod. VI. 86. κακῶν ἀγευστος] Cf. Eur. Hec. 375. δοῖς

γὰρ οὐκ εἴωθε γεύεσθαι κακῶν. Aesch. Fr. 242. παρθένους γαμη-
λίων λέκτρων ἀγεύστοις. Lucian. Cat. 17. ἄγευστος αὐτῶν (τῶν
χρημάτων) ἀπέθανε. www.libtool.com.cn

583. οἷς γὰρ ἂν σεισθῆ θεόθεν δόμος] Cf. Eur. Ion. 1623.
οἶτω δ' ἐλαύνεται συμφοραῖς οἶκος etc.

584. θεόθεν] Cf. Eur. Or. 349. θεόθεν πράξας ἀπερ ἡῦχου.
Herc. 919. ἔουτο θεόθεν ἐπὶ μέλαθρα κακὰ τάδε. ἄτας οὐδὲν
ἐλλείπει] Cf. 4. O. R. 1496. τί γὰρ κακῶν ἀπεστιν; El. 513 sq.
οὔτι πω ἔλιπεν ἐκ τοῦδ' οἴκου (ἐπέλιπεν τούσδ' οἴκους?) πολύπονος
αἰκία. Aesch. Prom. 585. προθυμίας — οὐδὲν ἐλλείπεις. Plat. Symp.
210. προθυμίας οὐδὲν ἐλλείπω. Tro. 90. οὐδὲν ἐλλείπω τὸ μὴ οὐ
— πνθέσθαι etc. Aj. 1379. μηδὲν ἐλλείπειν. Aesch. Sept. 10. τὸν
ἐλλείποντ' ἔτι | ἥβης ἀκμαίας. Anaxand. 41, 34. τί γὰρ ἐκλείπει
(ἐλλείπει recte Mein.) | δόμος ἡμέτερος ποίων (l. πάντων) ἀγαθῶν;
ἐλλείπει — ἔρπον] De hac constructione Dindorfius nos relegat
ad Steph. Thes. III. p. 763. 765.

585. γενεᾶς ἐπὶ πλῆθος ἔρπον] Sensus hujusmodi aliquid
requirere videtur, γενεᾶς ἐπ' ὄλεθρον ἔρπον.

587. ὁμοιον ὄστε] Like as. Cf. Eur. Or. 697. Hom. II. 15, 624.
ἐν δ' ἔπεσ', ὡς διτε κῦμα θοῆ ἐν νηὶ πέσην. δυσάνεμον] Cf.
Aesch. Eum. 906. κἀνέμων ἀήματα εὐηλίως (εὐανέμως?) πνέοντ'
ἐπιστείχην χθόνα. οἶδμα] Pelagus. Cf. Fr. 435, 3. γλαυκᾶς
ἐπ' οἶδμα λίμνας. Eur. Hel. 400. ἐπ' οἶδμα πόντιον γλαυκῆς ἁλός.
δυσπνόσις] Sic ἀντιπνόσις Aesch. Agam. 146. sed ἀντίπνονν Prom.
1087. Cf. ad 224.

589. Θρηῆσαιον — πνοαῖς] Cf. Aesch. Ag. 637. Θρηῆκαι πνοαί.
ἔρεβος ὑφαλον ἐπιδράμη] 'Pervades the dark ocean deep.' Cf.
Trag. adesp. 308, 2. ἐρεβώδεος ἐκ θαλάσσης.

590. βυσοόθεν] Ex profundo. Cf. Babr. 95, 49. κινήσασα
βυσοόθεν γνώμη. A βυσσός, i. q. βυθός (II. 24, 80. Herod. II.
28. 96. etc.). Cf. vv. βυσσοδομεύειν, βυσοόφρων, βυσοομέτρης.

591. δυσάνεμοι — ἀκταί] Cf. Aj. 198. ἐν εὐανέμοις βήσσαις.
Fr. 341 D. εὐανέμω λίμνας.

592. στόνω βρέμονοι — ἀκταί] Cf. Tr. 786. ἀμφὶ δ' ἔστινον
πέτραι. Eur. Herc. 861. οὔτε πόντος οὔτω κύμασι στένων λάβρωσ.
Hom. II. 17. ἀμφὶ δέ τ' ἄκραι | ἠΐονες βοόωσιν ἐρενγομένης ἁλός
ἔξω. ἀντιπλήγες] Confer epithetum ἀντίτυπος 134. Ph. 1458.
πολλὰ δὲ φωνῆς τῆς ἡμετέρας | Ἐρμαῖον δρος παρέπεμψεν ἐμοί |
στόνον ἀντίτυπον. O. R. 421. Cf. v. ἀμφιπλήξ Tr. 930. ἀμφιπλήγῃ
φασγάνῳ.

593. ἀρχαῖα τὰ Λαβδακιδᾶν —] Cf. 981. ἀρχαιογόνων — Ἐρε-
χθειδᾶν. O. C. 221. τό τε Λαβδακιδᾶν γένος. Pind. Ol. II. 49.
Ἄδρασιδᾶν θάλας ἀρωγὸν δόμοις.

594. *πήματα — ἐπὶ πήμασι*] Cf. Eur. Or. 1254. *φόβος ἔχει με μὴ τις — πήματα πήμασιν ἐξέυρη.* Oraculum apud Herod. I. 67. *καὶ πῆμ' ἐπὶ πήματι κείται.* *δρῶμαι*] Cf. Trach. 306.

597. *ἐρείπει*] *Destruit, subvertit.* Cf. Aesch. Sept. 880. *ἰὼ δωμάτων ἐρειψήτοιχοι.* Hom. II. 12, 258. *ἐρειπον ἐπάλλξεις.* 14, 15, 15, 356. Herod. I. 164. *ἀπαλλάσσει γενεὰν γένος*] Cf. Fr. 400. *πόνω πόνον | ἐκ νυκτὸς ἀλλάσσοῦσα τὸν καθ' ἡμέραν.* et ad Tr. 29.

598. *οὐδ' ἔχει λύσιν*] Sc. *αὐτὰ, τὰ πήματα.* Sic *ἀνάλους (ἀπόλους?) κακῶν.* *λύσιν*] Cf. Tr. 1171. *μόχθων τῶν ἐφροσιῶτων — λύσιν.* O. R. 921. Eur. Andr. 901. *πημάτων δοίης λύσιν.*

599. Schol. *δπερ ἦν λείψανον γενεᾶς.*

600. *ρίζας —*] Cf. Aj. 1178. *γένους ἀπαντος ῥίζαν ἐξημημέρος.* Aesch. Ag. 966. *ρίζης γὰρ οὔσης φυλλὰς ἔκει' ἐς δόμοις | σκιὰν ὑπερετείνουσα Σειρίου κυνός.* Sept. 414. *σπαριῶν δ' ἀπ' ἀνδροῶν — ῥίζωμ' ἀνεῖται.* Esaias 11, 1. *καὶ ἐξελεύσεται ῥάβδος ἐκ τῆς ῥίζης Ἰεσοαί, καὶ ἄνθος (f. θάλος) ἐκ τῆς ῥίζης ἀναθήσεται.*

τέτατο] Cf. 124. *ἐτάθη πάταγος.* Ph. 831. *αἴγλαν, ἃ τέταται τανῦν.*

φάος] Lux. Eur. Iph. T. 856. *δόμοις ἐξεθρέγω φάος.* Bacch. 608. *ὦ φάος μέγιστον ἡμῖν.* Eur. Fr. 316, 7. *παίδων νεογνῶν ἐν δόμοις ἰδεῖν φάος.* Aesch. Pers. 294. *ἐμοῖς μὲν εἶπας δώμασιν φάος μέγα.* Recipienda tamen videtur conjectura θάλος. Cf. Eur. El. 15. *ἀρσενά τ' Ὀρέσθην θηλύ τ' Ἠλέκτρας θάλος.* Iph. T. 164. *Ἄγαμемνονιον θάλος.* 197. *πρωτόγονον θάλος.* 222. *ἔτι θάλος ἐν χερσὶν ματρός.* Phoen. 88. *ὦ κλεινὸν οἴκοις Ἀντιγόνη θάλος πατρί (πατρός?).*

Iph. T. 232. *δὴ ἔλιπον νέον ἔτι θάλος ἐν χερσὶν ματρός.* Hom. II. 22, 87. *φίλον θάλος.* et ad El. 1146.

601. *κατ' — ἀμᾶ*] Cf. Fr. 479. *ἄς (ῥιζῶν τομάς) ἦδε — γυνὴ χαλκείοις ἦμα δρεπάνοις.* Compositum *ἐξαμᾶν* legitur Aj. 1178. *γένους ἀπαντος ῥίζαν ἐξημημέρος.* Tr. 32. Paus. VIII. 7. *ἐξαμησεν γένος.*

602. *κοπίς*] Cf. Fr. 761. *δργή γέροντος ὥστε μαλθακὴ κοπίς — ἀμβλύνεται.* Eur. Cycl. 241. *κοπίδας — μαχαίρας.* Arist. Fr. 184 D. *κοπίδι τῶν μαγειρικῶν.*

603. *λόγου τ' ἄνοια*] 'And rash (inconsiderate) language.' *φρενῶν ἐρινύς*] I. q. *φρενῶν ἄτη.* Cf. 624. 1097. Tr. 264. *ἀτηρᾶ φρενί.* Hom. II. 16, 805. *τὸν δ' ἄτη φρένας εἶλε.* et Fr. 519. *κακόβουλος φροντίς.*

604. *τεᾶν — δύνασιν*] Cf. O. R. 905. *τὰν σὴν ἀθάνατον ἀρχάν.* Forma epica *τεὸς* raro occurrit in Tragoedia. Cf. O. C. 534. El. 1091. *τεῶν (τῶν mss.) ἐχθρῶν.* Aesch. Prom. 162. Eur. Her. 941. Pind. P. II. 20. *διὰ τεᾶν δύναμιν.* *τίς ἀνδρῶν*] Cf. Aesch. Eum. 698. *τίς γὰρ δεδοικῶς μηδὲν ἐνδικὸς βροτῶν; δύνασιν*] Cf. 957. Eur. Ion. 1021. *δύνασιν ἐκφέρει τίνα;*

605. *ὑπερβασία*] Transgressio. Cf. Hom. II. 3, 107. Od. 3, 206. et plurali numero II. 23, 589. Od. 22, 168. Hesiod. Op. 826.

Σic *ὑπερβαίνειν νόμους* 449. 481. 663. Cf. Aesch. Cho. 595. *ἀλλ' ἐπέτολμον ἀνδρὸς φρόνημα τίς λέγοι* —;

606. *αἰρεῖ*] *λαμβάνει* (Phil. 767. *λαμβάνει γὰρ οὖν* | *ὑπνος* με. Eur. Ion. 315.) *παντογῆρας*] Qu. *παντοθήρας*. Confer *somni epitheta παγκρατῆς, πανδαμάτωρ*.

607. *ἀκάματοι — μῆρες*] Cf. Eur. Fr. 597. *ἀκάμας τε χρόνος — φοιτᾷ*. Hom. Il. 18, 484. *ἠέλιόν τ' ἀκάμαντα*. 239. Od. 16, 176. *Σπερχειῶ τ' ἀκάμαντι*. *θεῶν — μῆρες*] Cf. Hom. Il. 2, 134. *Διὸς μεγάλου ἐνιαυτοί*. Od. 14, 93. *ῥοσαι γὰρ νύκτες τε καὶ ἡμέραι ἐκ Διὸς εἰσιν*. 21, 341. *ἀκάματον πῦρ*. Hesiod. Th. 824. *καὶ πόδες ἀκάματοι κρατεροῦ θεοῦ*.

608. *ἀγήρω — χρόνῳ*] Cf. Aesch. Prom. 981. *ἀλλ' ἐκιδιδάσκει πάνθ' ὃ γηράσκων χρόνος*. Eum. 286. *χρόνος καθαιρεῖ πάντα γηράσκων ὄμοῦ*. Eur. Suppl. 1177. *χόριν ἀγήρω*. Fr. 910, 6. *κόσμον ἀγήρων*. Hesiod. Th. 955. *ναίει ἀπήμαντος καὶ ἀγήραος ἤματα πάντα*. Xen. Cyr. VIII. p. 237 C. *οἱ καὶ τὴν τῶν δλων τήνδε τάξιν συνέχουσιν ἀτριβῆ καὶ ἀγήρατον καὶ ἀναμάρτητον*. Confer *ὑπεργῆρας* Aesch. Ag. 89. *δυναστῆς*] Cf. Aesch. Ag. 6.

609. *κατέχεις*] Cf. Arist. Nub. 603. *Παρασσίαν — κατέχων πέτραν — Διόνυσος*.

610. *μαρμαρόεσσαν*] Usitatio forma est *μαρμάρεος*, Arist. Nub. 286. etc. *αἴγλαν*] Splendorem, lucem. Cf. O. R. 207. *τὰς πυρφόρους Ἀρτέμιδος αἴγλας* (i. e. faces). Ph. 830. *δμμασι δ' ἀντίσχοις τάνδ' αἴγλαν, ἃ τέταται τὰ νῦν*. Eur. Suppl. 990. *τί φέγγος, τίς αἴγλαν ἔδιδφρευε τόθ' ἄλλιος σελάνα τε κατ' αἰθέρα* etc. Rhes. 534. *μηνάδος αἴγλαν*. Tro. 549. *μέλαιναν αἴγλαν*. 321. Vocabulum non legitur apud Aeschylum.

611 sq. Cf. El. 1498. *τά τ' ὄντα καὶ (τά τε?) μέλλοντα Πελοπιδῶν κακά*. Eur. Iph. T. 1264. *τά τε πρῶτα τά τ' ἐπειθ' ὄσα τ' ἐμελλε τυχεῖν*. Hel. 14. *τά τ' ὄντα καὶ (τά τε?) μέλλοντα πάντ' ἠπίστατο*. Ezechiel trag. apud Euseb. Praep. Ev. 9. p. 440 D. *ὄφει τά τ' ἄντα τά τε πρὸ τοῦ τά θ' ὕστερον* Plut. Mor. p. 392 D. *κινητὸν γὰρ τι — ὃ χρόνος· οὐ γε δὴ τὸ μὲν ἐπειτα καὶ τὸ ἔσται λεγόμενον καὶ τὸ γέγονεν αὐτόθεν ἐξομολόγησίς ἐστι τοῦ μὴ ὄντος*. Hom. Il. 1, 70. *ὄς ἤδη τά τ' ἔόντα τά τ' ἐσόμενα πρὸ τ' ἔόντα* (f. ἠδὲ τὰ πρόσθε). Od. 1, 14. *τί πρῶτον, τί δ' ἐπειτα, τί δ' ὑστάτιον καταλέξω*; Plat. Parm. 152. *τοῦ τε ἐπειτα καὶ τοῦ νῦν*. Thuc. IV. 64. *ἐς τὸ ἐπειτα* (in futurum). Ad hunc locum, jam corruptum, respicere videtur Plutarchus Mor. p. 392 D. *οὐ γε δὴ* (sc. τοῦ χρόνου) *τὸ μὲν ἐπειτα καὶ τὸ ἔσται λεγόμενον* (i. e. τὸ μέλλον) *καὶ τὸ γέγονεν* (i. e. τὸ πρὶν) *αὐτόθεν ἐξομολόγησίς ἐστι τοῦ μὴ ὄντος*.

614. *πάμπολις*] Corruptum. Qu. *πάμπολυ, παντελὲς, δυσμόρω, αὐτ πάμπαν ἀτερθεν ἄτας*. *ἐκτὸς ἄτας*] Eadem verba in eadem sede in v. ant. 625.

615. πολυπλάγκτος ἐλπὶς] Misguidnig (delusive, fanciful) hope. Cf. Aj. 1186. πολυπλάγκτων ἐτέων.

616. Wayward hope is fruition (of love) for a few; for many she is a mockery of light-thoughted desires.' (Davies)

617. ἀπάτα κουφονόων ἐρώτων] 'The disappointment of light-minded (fickle) desires.' I. q. ἀποτυχία. κουφονόων ἐρώτων] Cf. 342. O. C. 1230. κούφας ἀφροσύνας. Aesch. Prom. 383. κουφόνουον τ' εὐηθίαν. Theogn. 498. σώφρονος οἶνος — κοῦφον εἶθηκε νόον. 580. σμικροῆς δρυνίδος κοῦφον ἔχουσα νόον. 629. ἤβη καὶ νεότης ἐπικουφίζει νόον ἀνδρός, | πολλῶν δ' ἐξαίρει θυμὸν ἐς ἀμπλάκην. Confer etiam epithetum Homericum ἀεσίφρων (silly).

618. εἶδοι δ' οὐδὲν ἔρπει] Cf. Fr. 685. τὸ δ' ἐς αὔριον αἰεὶ τυφλὸν ἔρπει. Fr. 59. ἀλλ' οὐδὲν ἔρπει ψεύδος ἐς γῆρας χρόνον. El. 1231. ἔρπει δάκρυον. Tr. 547. ἤβην — ἔρπουσαν πρόσω.

619. πυρὶ — προσάουση] Cf. Herod. VII. 231. οὔτι οἱ πῦρ οὐδεὶς ἔναυε Σπαρτιητέων, etc.

621. Secundum scholiastam hoc κλεινὸν ἔπος erat, ὅταν δ' ὁ δαίμων ἀνδρὶ πορσόνη κακὰ, | τὸν νοῦν ἔβλαψε πρῶτον ᾧ βουλεύεται. ἔπος πέφανται] Cf. O. R. 848. Tr. 1. Eur. Hel. 513. λόγος γὰρ ἔστιν, οὐκ ἐμὸς, σοφῶν δ' ἔπος, | δεινῆς ἀνάγκης οὐδὲν ἰσχύει (ισχύειν?) πλέον.

622 sq. Cf. 603. 1075. 1097. O. C. 253. 998. Aj. 456. El. 696. Phil. 1039. Eur. Iph. A. 877. Trag. Adesp. 240. ὅταν γὰρ ὀργὴ δαιμόνων βλάπτῃ τινὰ, τοῦτ' αὐτὸ πρῶτον, ἐξαφαιρεῖται φρενῶν | τὸν νοῦν τὸν ἐσθλὸν, εἰς δὲ τὴν χεῖρῳ τρέπει | γνώμην, ἔν' εἰδῆ μηδὲν ὧν ἀμαρτάνει. Hom. Il. 16, 805. τὸν δ' ἄτη φρένας εἶλε. Od. 14, 233. ἄτης τε βαρείης, | τὴν οἱ ἐπὶ φρεσὶ θῆκε θεὰ δασπλήτις Ἐρινός.

625. ἐκτὸς ἄτας] Cf. 330. 445. Ph. 504. ἐκτὸς ὄντα πημάτων. 1260. ἴσως ἂν ἐκτὸς κλαυμάτων ἔχοις πόδα. Fr. 657, 3. ἐκτὸς εἰσι τῶν κακῶν. O. R. 1390. Plat. Gorg. 523. οἰκῆν ἐν πάσῃ εὐδαιμονίᾳ ἐκτὸς κακῶν. πράσσει] He fares, lives. Cf. Aj. 1420. οὐδεὶς μάντις — ὅ τι πράξει. Aesch. Ag. 1669. πράσσει, παινίου, μαινῶν τὴν δίκην. ὀλίγοστον] Cf. Arist. Ran. 115. Pl. 628. Qu. ὀλίγοστον.

626. ὅδε μὴν —] Pro καὶ μὴν ὅδε. Cf. 526. 1180. 1257. O. C. 549. 1249. El. 1422. Aesch. Sept. 368. καὶ μὴν ἀναξ ὄδ' αὐτὸς Οἰδίππου τόκος etc. Elmsl. ad Heracl. 119. Αἴμων] Cf. Eur. Hec. 88. λύκον αἴμωνι χαλᾷ.

629. τάλιδος] tālis proprie significat aetate florens, Anglice blooming. Cf. Fr. 910.

630. ἀπάτας λεχέων ὑπεραλγῶν] Grieving for his disappointment as to his marriage. Schol. ὑπὲρ τῆς τῶν λεχέων ἀποτυχίας ἀχθόμενος. ὑπεραλγῶν] Cf. 617. Eur. Alc. 885. Her. 620. Hipp. 260. Med. 118. Arist. Av. 466. οὕτως ὑμῶν ὑπεραλγῶ.

631—634. 635—638. Duo sibi respondentia tetrasticha, ut 758—761. 762—765.

631. τάχ' εἰσόμεσθα] Cf. Aesch. Ag. 472. τάχ' εἰσόμεσθα λαμπάδων φαισφόρων etc. μάντεων ὑπέρτερον] Cf. Aesch. Cho. 103. λέγοις ἄν, εἴ τι τῶνδ' ἔχεις ὑπέρτερον. Sept. 526. δμμάτων θ' ὑπέρτερον. Eur. Rhes. 949. ἤδη τόδ' οὐδὲν μάντεως ἔδει φράσαι.

632. τελείαν ψῆφον —] The fixed (irrevocable) decree. Cf. Aesch. Suppl. 739. τελεία ψῆφος Ἀργείων. ψῆφος — τῆς μελλονύμφου] The decree with respect to thy bride. Cf. Aj. 998. δεῖτα γὰρ σοῦ βάσις etc. ἄρα μὴ —;] Cf. El. 446. ἄρα μὴ δοκεῖς — φέρειν; Aesch. Sept. 208. ὁ ναύτης ἄρα μὴ 'ς προῶσαν φυγῶν —; Plat. Lys. 213. Charm. 174.

633. μελλονύμφου] Cf. Tr. 206. Phryn. 78. μελλονύμφιος (μελλονύμφος Mein.). Confer μελλόποισι Fr. 910. μελλόγαμος Ant. 628. θυμαίνων] Cf. δγαίνειν, λυσοαίνειν, μωραίνειν, χαλεπαίνειν.

634. πανταχῇ δρῶντες] 'However we (I) may act.' Cf. 1241. Aj. 1369. ὡς (ἄσ?) ἄν ποιήσης, πανταχῇ χρηστός γ' ἔσει (φανεῖ?). Aesch. Eum. 447. σὺ δ', εἴ δικαίως εἶτε μὴ, κρῖνον δέικν' | πράξας γὰρ ἐν σοι πανταχῇ ('however I may fare at thy hands') τάδ' αἰνῶσω. Herod. IX. 27. πάντη γὰρ τεταγμένοι πειρησόμεθα εἶναι χρηστοί. Supplendum ἔσμεν, ut in Eur. El. 37. λαμπροὶ γὰρ εἰς γένος γε —.

635. σός εἰμι] Cf. Eur. Herc. 988. μὴ μ' ἀποκτείνης, πάτερ | σός εἰμι. Eur. Fr. 1005. ἐγὼ δ' ἔμός εἰμι. Tibull. IV. 4. 19. 'Tota tua est.' καὶ σὺ με —] And thou guidest me with good counsels. Emphaticum est χρηστάς (cf. 638.).

636. ἀπορθοῖς] Dirigis. Cf. Eur. Suppl. 1228. σὺ γὰρ μ' ἀνορθοῖς (ἀπ. recte Markl.) ὥστε μὴ 'ξαρμαρτάνειν. Plat. Legg. VI. 757 E. επικαλουμένους ἀπορθοῦν αὐτοὺς τὸν κλῆρον πρὸς τὸ δικαιοτάτον. ἔγωγ'] Equidem. Anglice I for my part (whatever others may do). ἐφένγομαι] Cf. El. 967. ἦν ἐπίσηπῃ τοῖς ἐμοῖς βουλευμασι. 1037. τῶ σῶ δικαίῳ δῆτ' ἐπισπέσθαι με δεῖ; 253. εἰ δὲ μὴ καλῶς | λέγω, σὺ νῆκα· σοὶ γὰρ ἐψόμεσθ' ἄμα (ἀεῖ?). 1052. Aesch. Eum. 590. βουλή πεφάσκει δ' ἔμμ' (βουλή δὲ φάσκει δειν?) ἐπισπέσθαι πατρός.

637 sq. Cf. 701 sq.

638. σοῦ καλῶς ἠγουμένον] I. q. τοῦ καλῶς ἠγεῖσθαι σέ.

639. γὰρ] Cf. ad Phil. 756. διὰ στέργων ἔχειν] Cf. Eur. Phoen. 381. οἱ' ὄσων νᾶμ' ἔχων δακρυρροοῦν. Sic διὰ χειρὸς ἔχειν.

640. πάντ' ὀπισθεν ἐστάναι] Cf. Arist. Pl. 590. Arist. Thesm. 158. ἵνα συμποῖᾷ οὐπισθεν ἐστικῶς (pro ἐστικῶς) ἐγώ.

641. γονάς] Progenies. Cf. O. C. 1192. εἰσὶ χᾶτέροις γοναὶ κακαί. Paulo aliter El. 1232. ἰὼ γοναὶ — σωμάτων ἐμοὶ φιλιτάτων.

642. κατηκόους] Cf. Plat. Crit. 123. κατήκοοι — τῶν νόμων.

643. τὸν ἐχθρὸν ἀνταμύνονται κακοῖς] Leg. ἀνταμείβονται. Cf. Aesch. Cho. 123. πῶς δ' οὐ τὸν ἐχθρὸν ἀνταμείβεσθαι κακοῖς (εὐσεβές); www.Phib223.com.cn

644. ἔξ ἴσου πατρί] I. q. ἴσως πατρί. Cf. Tr. 322. τῷ γε πρόσθεν — ἔξ ἴσου χρόνω. O. R. 1019.

645. ἀνωφέλητα] Profitless. Cf. El. 1144. τροφῆς | ἀνωφελήτου. Eupol. II. 572. ἀνωφέλῆτος ἄνθρωπος. Aesch. Cho. 752. καὶ πολλὰ καὶ μοχθήρ' ἀνωφέλῆτ' ἔμοι | τλάση. φιλύει τέκνα] Cf. Aj. 1296. ὁ φιλύσας πατῆρ. Tr. 311. τίς δ' ὁ φιλύσας πατῆρ;

646. Cf. Plat. Euthyd. p. 17. καὶ νῦν τούτῳ οὐδὲν ἄλλο ἢ χορεύετον περὶ σε. Thuc. VII. 75. οὐδὲν γὰρ ἄλλο ἢ πόλει ἐκπεπολιορκημένη ἐώκεσαν ὑποφενγούση. ἀντὶ πόνου φῦσαι] Cf. Theogn. 539. οὐτὸς ἄνῆρ, φίλε Κύρνε, πέδας χαλκεύεται αὐτῷ.

647. Cf. Phil. 310. O. C. 902. Eur. Med. 383. θανοῦσα θήσω τοῖς ἔμοις ἐχθροῖς γέλων. Herc. 285. Fr. 463, 4. γέλωσ γὰρ ἐχθροῖς γίγνεται τὰ τοιάδε. Hor. Sat. II. 2. 107.

648. μῆ — ἐκβάλης] Do not part with your reason. Cf. Arist. Eq. 404. εἴθε φαύλως — ἐκβάλοις τὴν ἐνθεοῖν. τὰς φρένας] Leg. τὸν γε νοῦν. ὑφ' ἡδονῆς] Cf. El. 1153. μαίνεται δ' ὑφ' ἡδονῆς.

650. ψυχρὸν παραγκάλισμα] Anglice cold comfort. Cf. Eur. Alc. 363. ψυχρὰν μὲν, οἶμαι, τέρπιν, ἀλλ' ὁμως etc. Hel. 242. Διὸς ὑπαγκάλισμα σεμνὸν Ἥρα. Tro. 752. ὑπαγκάλισμα μητρὶ φιλιτατον. Herod. IX. 49. ἐπαρθεῖς ψυχρῇ νίκη. Lycophr. 308. ἐναγκάλισμαι.

652. ἔλκος] Cf. Fr. 807. αἰζῶν ἔλκος. Aesch. Ag. 640.

653. πτύσας] Cf. Aesch. Eum. 303. οὐδ' ἀντιφωνεῖς, ἀλλ' ἀποπτύεις λόγους. Ag. 953. ἀποπτύσας δίκαν δυσσείτων δνειράτων. 1192. ἀπέπτυσαν | εὐνάς ἀδελφοῦ. Cho. 195. τόνδ' ἀποπτύσαι πλόκον. Arist. Ran. 1179. κῆν (κῆν) που δις εἶπω ταῦτόν — κατάπτυσον. Eur. Or. 1109. Iph. A. 461. Iph. T. 369. ὡσεὶ τε] Cf. El. 234. ματῆρ ὡσεὶ τις πιστά. Sic ὡσπερ et ὡσπερὲ, ὡστε (1033. 587.), ὅς τε, ἔς τε, ἐφ' ᾧ τε, etc. ὡσεὶ τε δυσμενῆ] Cf. Phil. 1323. στυγεῖς πολέμον δυσμενῆ θ' ἠγούμενος.

654. Cf. Eur. Iph. A. 453. Ἄιδης νιν, ὡς ἔοικε, νυμφεύσει τάχα. Orest. 1109. Iph. T. 355. El. 1139.

658. Sic Aj. 971. πρὸς ταῦτ' Ὀδυσσεὺς ἐν κενοῖς ὕβριζέτω. ἐφνυμνείτω Δία ξύναιμον] Cf. Aesch. Eum. 902. τί οὖν μ' ἀνωγας τῆδ' ἐφνυμνήσαι χθονί;

659. Cf. Eur. Hipp. 413. όταν γὰρ αἰσχαρὰ τοῖσιν ἐσθλοῖσιν δοκῆ, | ἢ κάρτα δόξει τοῖς κακοῖς εἶναι καλά. τὰ γ' ἐγγενῆ] I. e. τοὺς γ' ἐν γένει. Cf. O. R. 1430. τοῖς ἐν γένει. 1016. et ad Aj. 1022.

660. ἀκοσμα θρέψω] Cf. O. R. 98. μηδ' ἀνήκεστον τρέφειν (μίασμα). Eur. Andr. 711. ἐτ' ἐν Φθίᾳ σ' ἐγὼ | θρέψω μέγαν etc. ἀκοσμα] Unruly. κάρτα] Most assuredly. τοὺς ἔξω γένους] Cf. O. R. 1430. τοῖς ἐν γένει. 1016.

663. νόμους βιάζεται] Cf. Aesch. Sept. 1042. αὐτῶ πόλιν σε μὴ βιάζεσθαι τάδε. Eur. Or. 1623. βιάζεται πόλιν.

664. τοῦπιτάσσειν] Cf. ad O. C. 443. τὸ δρᾶν | οὐκ ἠθέλησαν. O. C. 839. μὴ 'πίτασσ' ἃ (f. οὐ aut ὧν) μὴ κρατεῖς. Eur. Suppl. 530. ἄνω γὰρ ἄν ἰέοι | τὰ πράγμαθ' οὕτως, εἰ 'πιταζόμεσθα δῆ.

665. δορός — ἐν χειμῶνι] Cf. Aj. 963. ἐν χρειᾷ δορός. Eur. Phoen. 859. ἐν γὰρ κλύδωνι κείμεθ' — δορός Δαναϊδῶν. Suppl. 474. πολλὸς κλύδων ἡμῖν — ἔσται δορός.

666. ἐν πόλιν στήσειε, τοῦδε χρὴ κλύειν] Cf. O. R. 314. ἄνδρα δ' ὠφελεῖν ἀφ' ὧν | ἔχοι τε καὶ δύναιτο κάλλιστος πόνος. 979. εἰκῆ κράτιστον ζῆν ὅπως δύναιτό τις. Phil. 694. O. C. 1172. Aj. 521. Arist. Vesp. 1458. τὸ γὰρ ἀποσιῆναι χαλεπὸν φύσεος ἦν ἔχοι τις ἀεί. 1431. Eupol. II. 466. νυνὶ δ' ὅποι τύχοιμεν | στρατενόμεσθ'. Theogn. 256. πρῆγμα δὲ τερπνότατον τοῦ τις ἔραιτο τυχεῖν. Xen. Cyr. I. 6. 19. τοῦ αὐτὸν λέγειν ἃ μὴ σαφῶς εἰδείη φειδεσθαι δεῖ. Ad rem cf. Aj. 668. ἀρχοντές εἰσιν, ὧσθ' ὑπεικτέον' τί μήν;

στήσειε] Constituat. Cf. Eur. Andr. 665. τῆσδε γῆς Φιδιώτιδος | στήσεις τυράννουσ (αὐτούς). Herod. I. 97. φέρε στήσωμεν ἡμέων αὐτῶν βασιλέα. 115. V. 42. ἐστήσαντο βασιλέα — Κλεομένηα.

667. Cf. versum notum ἀρχῶν ἄκουε καὶ δικαίως κἀδικίως (δίκαια κἀδίκια Mein. IV. 713.). Proverb. Append. Gott. II. 100. δοῦλε, δεσποτῶν ἄκουε καὶ δίκαια κἀδίκια. Arist. Nub. 99. λέγοντα νικᾶν καὶ δίκαια κἀδίκια. Eq. 256. κευραγῶς καὶ δίκαια κἀδίκια.

671. δίκαιον κάγαθὸν παρασιάτην] Cf. Phil. 1050. δικαίων κάγαθῶν ἀνδρῶν κρίσις. Eur. Hipp. 427. γνώμην δικαίαν κάγαθὴν. Fr. 7, 2. ἀνδρῶν δικαίων κάγαθῶν ὀμιλία. Fr. 342, 4. ψυχῆς δικαίας σῶφρονός τε κάγαθῆς. Aesch. Sept. 610. σῶφρων, δίκαιος, ἀγαθός, εὐσεβῆς ἀνὴρ. Plura dabit Schmidt. krit. Stud. III. 25.

παρασιάτην] Comitem. Anglice a comrade. Cf. Aesch. Pers. 956. Eur. Her. 88. 125. Rei militaris vocabulum.

672. Cf. Eur. Hipp. 486. τοῦτ' ἐσθ' ἃ θνητῶν εὐ πόλεις οἰκουμένας | δόμους τ' ἀπόλλυσ', οἱ καλοὶ λίαν λόγοι.

673. Confer similem locum 295 sq. ἀναστάτους οἶκους] Eversas domos. Cf. Tr. 240. ἀνάστατον — χώραν. Eur. Fr. 340, 3. ἀνάστασιν δόμων.

674. ἐν μάχῃ δορός] Cf. Aj. 1275. ἐν τροπῇ δορός. Aesch. Ag. 1237. ἐν μάχης τροπῇ. 427. ἐν μάχῃ δορός. Eur. Cycl. 5. Eur. Fr. 1, 29. οὐκ ἄν νιν ἐξέπεμπον εἰς μάχην δορός.

675 sq. Cf. Aesch. Sept. 224. πειθαρχία γὰρ ἐστὶ τῆς εὐπραξίας | μήτηρ, γύναι, σωτήρος. Aesch. in Timarch. p. 48. ὧς, ὅπου πλείστη εὐκοσμία ἐστὶ, ταύτην ἀριστα τὴν πόλιν οἰκησομένην.

675. τροπὰς καταρρήγνυσι] Cf. ad Aj. 55. ἔκειρε πολύκερυν φόνον. τῶν δ' ὀρθομένων —] Cf. Aj. 775. καθ' ἡμᾶς δ' οὐποτ' ἐκρήξει μάχη. et ad Aj. 1079 sq. Aesch. Sept. 224. πειθαρχία γὰρ

ἔστι τῆς εὐπραξίας | μήτηρ etc. Xen. Anab. III. 1. 38. ἡ μὲν γὰρ εὐταξία σώζειν δοκεῖ, ἡ δὲ ἀταξία πολλοὺς ἤδη ἀπολώλεκεν.

676. τὰ πολλά] *Plerumque*. Anglice mostly. Sed fortasse vitiosum est πολλά.

677. Cf. O. C. 1128. ἀμύνω τοῖσδε τοῖς λόγοις. El. 529. ἧ (Δίκη) χρῆν σ' ἀρῆγειν. Herod. III. 61. ὡς Σμέρδιος — ἀκουστέα εἶη. IX. 59. ἐδίωκον — κόσμῳ οὐδενὶ κοσμηθέντες. Infra 730. τοὺς ἀκοσμοῦντας. Arist. Pl. 1085. ξυνεκποτέ' ἐστί σοι καὶ τὴν τρύγα. Hom. Od. 11, 456. οὐκέτι πιστὰ γυναιξίν. Phil. 387. οἱ δ' ἀκοσμοῦντες βροτῶν. Seyffert τοῖς ὀρθουμένοις (675) intelligit, quibus infra opponuntur οἱ ἀκοσμοῦντες (730). I. e. the orderly. Fortasse, recte. ἀμυντέ' ἐστί] Cf. Thuc. I. 86. οὖς οὐ παραδοτέα τοῖς Ἀθηναίοις ἐστίν, οὐδὲ δίκαις καὶ λόγοις διακριτέα, ἀλλὰ τιμωρητέα ἐν τάχει. 88. 93. τοῖς κοσμομένοις] *Dativus abs τὰ κοσμούμενα* (passivo sensu, public order). Scholiasta male explicat τοῖς ἄρχουσι. Aj. 1103. Herod. I. 59. ἐπὶ τε τοῖς κατεστεῶσι ἔνεμε τὴν πόλιν, κοσμέων καλῶς τε καὶ εὖ.

678 sq. Cf. Fr. 850. ὅπου γὰρ οἱ φύσαντες ἡσοῶνται τέκνων. Eur. Alc. 697. γυναικὸς, ᾧ κάκισθ', ἡσοημένος. Trag. adesp. 172. τοῦ λαμβάνειν γὰρ πάντες ἡσοῶνται (i. e. ἡσονέες εἰσι) βροτοί.

ἡσοητέα] Cf. Arist. Ach. 394. βαδιστέα. 480. ἐμπορευτέα. Lys. 450. ἡτιητέα. 124. ἀφεκτέα. 411. πλευστέα. Pl. 1085. ξυνεκποτέα. El. 340. ἀκουστέα. O. C. 1426. συγχωρητέα. O. C. 495. ὁδωτά. 1360. κλανιστά. Tr. 949. δύσκριτα. Ant. 576. δεδογμένα. Herod. III. 109. βιώσιμα. IX. 58. οὐκ ἐπιτροπυτέα ἐσσι.

681. τῷ χρόνῳ κεκλέμμεθα] *Decepti sumus senectute*. Cf. 1218. Tr. 243. οἰκτραὶ γὰρ, εἰ μὴ ξυμφοραὶ κλέπτουσί με. El. 56. Ph. 55. 968.

683. φύουσιν — φρένας] Cf. 1050. O. C. 805. φύσας — φρένας. El. 1463. Similiter El. 1015. προνοίας οὐδὲν ἀνθρώποις ἔφην | κέρδος λαβεῖν ἄμεινον οὐδὲ νοῦ σοφοῦ.

684. Cf. O. R. 1285.

685. ὅπως] *That*. Cf. O. R. 548. τοῦτ' αὐτὸ μὴ μοι φράξ', ὅπως οὐκ εἴ κακός. Fr. 153, 1. Eur. Her. 1054. Herod. VII. 237. VIII. 119. Thuc. I. 122. Xen. Cyr. III. 3. 20.

686. οὐτ' ἂν δυναίμην μῆτ' ἐπισταίμην λέγειν] Cf. Tr. 143. μῆτ' ἐκμάθοις παθοῦσα νῦν τ' ἄπειρος εἶ. 582. Ph. 1363.

687. γένοιτο μέντᾳν —] Cf. Aj. 86. γένοιτο μέντᾳν πᾶν θεοῦ τεχνουμένου. Eur. Herc. 95. γένοιτο τᾶν —. Fr. 131, 2. γένοιτο τᾶν πόλλ' ὧν δόκησις οὐκ ἐνι.

688. Redde, I am naturally disposed to look to your interest in all things. *Matthiae* (ad Eur. Phoen. 916.) reddi, *Ingenium et mores mei ita ferunt ut tibi prospiciam*. Cf. Ph. 88. ἔφην γὰρ οὐδὲν ἐκ τέχνης πράσσειν κακῆς. Eur. Ion. 1622. οἱ κακοὶ δ', ὥσπερ πεφύκασ', οὐποτ' εὖ πράξειαν ἄν. *Isocr.*

p. 89 B. *ἅπαντες πλείω πεφύκαμεν ἔξαμαρτάνειν ἢ κατορθοῦν. προσκοπεῖν*] I. e. πρὸ σοῦ σκοπεῖν. Cf. Eur. Phoen. 483. *ἐγὼ δὲ πατρὸς δωμάτων προσοκνεύαμην.* Med. 457. *τὸ σὸν γε προσκοπούμενος.* Andr. 257. *πῦρ σοι προσοίσω καὶ τὸ σὸν προσοκνεύομαι.* Herod. I. 120. *οὕτω δὴ πάντως ἡμῖν σέο τε καὶ τῆς ἰσῆς ἀρχῆς προοπτεῖον ἔστί.*

690. *ἄνδρϊ δημότῃ*] Cf. Aj. 1071. Arist. Nub. 210. 1219. *ἄνδρϊ δημότῃ.* Ach. 333.

691. *τοιούτοις οἷς*] Cf. El. 35. *χρῆ μοι τοιαῦθ' ὁ Φοῖβος ἄν πεύσει τάχα.* Herod. I. 71. *ἐπ' ἄνδρας τοιούτους στρατεύεσθαι παρασκευάζει οἱ — φορέουσι.* O. R. 441.

692. Cf. 447. *τάδε οἰγὰ τις βαῦζει.* 700. *τοιὰδ' ἐρεμνῆ σῆγ' ἐπέρχεται φάτις.*

693. *οἷ δδύρεται*] Cf. Phil. 278. *ποῖ' ἐκδακρῦσαι, ποῖα δ' οἰμῶξαι κακά;*

694. *πασῶν γυναικῶν*] Sic Tr. 876. *βέβηκε Δηάνειρα τὴν πανυσιάτην | ὀδῶν ἀπασῶν.* Arist. Vesp. 933. *κυνῶν ἀπάντων ἄνδρα μονοφαγίστατον.* Av. 1221. *δικαιότατ' ἄν ληφθῆῖσα πασῶν Ἰριδῶν | ἀπέθαντες. ἀναξιωτάτῃ*] Cf. O. C. 1446. Plat. Crat. 409 B. *σελαενονεοάεια μὲν δικαιότατ' ἄν τῶν (πάντων?) ὀνομάτων καλοῖτο.* Herod. II. 181. *καὶ ἔστι τοι οὐδεμία μηχανῆ μὴ οὐκ ἀπολωλέναι κάκιστα γυναικῶν πασέων.*

695. *ἀπ' ἔργων —*] Cf. Tr. 667. *κακὸν μέγ' ἐκπράξασ' ἀπ' ἐλπίδος καλῆς.* El. 65. 1127. Eur. Med. 217. *οἱ δ' ἀπ' ἡσύχον ποδὸς | δύσκληϊαν ἐκτήσαντο.* et ad Arist. Eq. 538. *ἀπὸ συμκρᾶς δαπάνης.* 788.

696. *ἐν φοναῖς πεπτῶτ'*] Cf. 1314. Aesch. Ag. 446. *τὸν δ' ἐν φοναῖς καλῶς πεσόντ'.* Eur. Hel. 154. *ἐν φοναῖς θηροκτόνοις.* El. 1207. Arist. Av. 1070. *ἐν φοναῖς ἄλλυται.* Pind. P. XI. 37. *θῆκέ τ' Ἀγισθον ἐν φοναῖς.*

700. *ἐπέρχεται*] Spreads, prevails. I. q. *ἐπινέμεται.* Cf. Tacit. Ann. II. 55. *'occultus rumor incedebat.'*

701 sq. Cf. 637 sq.

702. Cf. 1050. *δοῦν κράτιστον κτημάτων εὐβουλίᾳ.* Phil. 673. Soph. Fr. 513, 3. *ὁ χρυσὸς ἦσσαν κτῆμα τοῦ κλαίειν ἄν ἦν.* Adesp. 109, 2. *Μιλησία | σμάραγδος ἐμπόλημα τιμηέστατον (τιμαφέστατον).* Antiph. III. 150. *τρόπος δίκαιος κτῆμα τιμώτατον.* Plat. com. II. 648. *γυνῆ — ἔστι πάντων κτημάτων κράτιστον.* Eubul. III. 260. *γυναῖκας — πάντων ἀριστον κτημάτων.* Men. IV. 259. *οὐκ ἔστιν οὐδὲν κτῆμα κάλλιον βίῳ.* Mon. 423. *οὐκ ἔστιν οὐδὲν κτῆμα κάλλιον φίλον.* 275. *κάλλιστόν ἐστι κτῆμα παιδείᾳ.* 416. *οὐκ ἔστι σοφίας κτῆμα τιμώτερον.* Hipparch. IV. 431. *πάντων κτῆμα τιμώτατον — εἰς τὸ ζῆν τέχνη.* Eur. Fr. 1016. *οὐκ ἔστιν ἀρετῆς κτῆμα τιμώτερον.*

703. Cf. 1164. *θάλλων εὐγενεῖ τέκνων σπορᾶ. εὐκλείας — ἀγαλμα*] *Ὑπὸ στέφανον εὐκλείας* Aj. 465.

705. *ἦθος φέρει*] Cf. Catull. 61, 54. 'indomitos in corde gerens Ariadna furores.' Aesch. Cho. 573. *γλῶσσαν εὐφημον φέρειν.* Aesch. Sept. 622. *γέροντα τὸν (μὲν?) νοῦν, σάρκα δ' ἠβῶσαν φέρει.* Suppl. 994. *πᾶς δ' ἐν μετοίκῳ γλῶσσαν εὐνικον φέρει | κακὴν.* Eur. Hipp. 118. *ὑφ' ἠβης σπλάγγον ἔντονον φέρων.* Phoen. 1531. *ἀλαὸν ὄμμα φέρων.* Fr. Adesp. 519. *οὐ χρεὶ ποδώκη τὸν τρόπον λίαν φορεῖν.* Agathon. Fr. 14, 2. *ψυχῆς φρόνησιν ἐντὸς οὐκ ἀργὸν φορεῖ.* Adesp. 432. *οὐ χρεὶ ποδώκη τὸν τρόπον λίαν φορεῖν.* 182. *μὴ εὐγένεια τὸν τρόπον χρησιῶν φορεῖν.* Arist. Eq. 757. *λήμα θούριον φορεῖν.* Eupol. II. 491. *ἴνα — τὸν πνεύμον' ἔκλυτον φορῆ.* Plat. com. II. 632. *φορεῖτε γλῶττιαν ἐν ὑποδήμασιν.* II. 679. *καλάμνα σκέλη φορῶν.* Ephipp. com. 339. *ἐπαρίστερ' ἐν τῷ στόματι τὴν γλῶττιαν φορεῖς.* Alex. III. 423. *τὸ στόμ' ὡς κορυφὸν φορεῖ.* Com. anon. IV. 603. *ὥσπερ σέλινον οὐλα τὰ σκέλη φορεῖ.* 657. *ὅταν λάγνην τὸν ὀφθαλμὸν φορῆς.* 609. *γλῶττιάν τέ σοι δίδωσιν ἐν δήμῳ φορεῖν | καλῶν λόγων ἀείνων,* etc. Lucret. III. 1062. 'sollicitamque geris cassa formidine mentem.' Ovid. Met. XIII. 363. 'Tu vires sine mente geris.' Cic. Off. III. 29. 'Mentem injuratum gerō.' Plura dedi ad Trach. 323.

707. *δοσις —*] Cf. El. 1505 sq. Aj. 760. Eur. Hipp. 78. *δοσις — τὸ σωφρονεῖν ἐλλήχεν — τούτοις δρέπεσθαι — θέμις.* Arist. Eccl. 683. *δοίω — τούτους* etc.

708. *ἦν οὐκ ἄλλος*] Sc. *ἔχει.*

709. *οὔτοι*] Cf. ad Phil. 307. Eur. El. 937. *κάκείνους στυγῶ | τοὺς παῖδας δοσις —.* Xen. Hipp. VIII. 3. *οἱ δέ γε δεδιδασγμένοι — οὔτοι δ' αὖ* etc. *διαπυχθέντες*] Cf. Moschion. 6. *διαπύξω λόγῳ | ἀρχὴν — βίον.* Eur. Hipp. 989. *τὸ μέντοι προᾶγμ' — εἴ τις διαπύξειεν, οὐ καλὸν, τόδε. ὠφθῆσαν κενοί*] Cf. Tr. 452. *ὀφθῆσει κακός.* O. R. 509. *ὠφθη κακός.* Theodect. Fr. 8, 8. *ὅταν δὲ φωραθῶσιν, ὀφθέντες κακοί,* etc. *ὠφθῆσαν*] Aoristus gnomicus, ut *ἐδίδαξαν* 1353.

710. *ἄνδρα*] Leg. *ἄνδρῳ.* Cf. Ant. 1023. *ἀνθρώποισι γὰρ — κοινόν ἐστι τοῦξαρμαρτάνειν.* Aesch. Pr. 1040. *σοφῶ γὰρ αἰσχροὺν ἔξαρμαρτάνειν.* Tr. 65. *σὲ (σοί?) πατὴρ οὕτω δαρὸν ἐξενωμένον | τὸ μὴ πυθέσθαι ποῦ 'στιν αἰσχύνην φέρει.* 1230. *τὸ μὲν νοσοῦντι θυμοῦσθαι κακόν | τὸ δ' ὠδ' ὄρᾶν φρονοῦντα τίς ποτ' ἂν φέροι;* Eur. Her. 224. *σοὶ γὰρ τὸδ' αἰσχρόν — συγγενεῖς — ἔλκεσθαι βία.* Menand. IV. 326. *οὐδὲν γὰρ αἰσχρόν ἐστι τάληθῆ λέγειν.* Monost. 405. *οὐκ ἐστὶν αἰσχρόν ἀγνοοῦντα μανθάνειν.*

711. *τὸ μὴ τείνειν ἄγαν*] Sub. *τὸν πόδα* (716). Schol. *μὴ αὐθάδη εἶναι.* Cf. 716. Arist. Ran. 1101. *ὅταν δὲ μὲν τείνη βιαίως* etc. Lucian. Dial. mer. 3, 3. *ὄρα μὴ κατὰ τὴν παροιμίαν ἀπορρήξωμεν πᾶνν (ἄγαν?) τείνουσαι τὸ καλῶδιον.* Anth. Pal. Append. 327, 8.

ζῆθι κάλων τείνας οὐριον εὐφροσύνα. Confer etiam scolium notissimum, εἰθ' ἐξῆν ὀποιός τις ἦν (ἔσθ'?) ἕκαστος | τὸ σιῆθος διελόντ' ἔπειτα τὸν νοῦν | εἰσιόντα, κλείσαντα πάλιν | ἄνδρα φίλον νομίζεν ἀδόλω φρενί.

712 sq. δρᾶς, παρὰ ξείθροισι —] Haec παρωδεῖ Antiphanes com. III. 138. ξείθροισι χειμάρροισι] Torrentibus. Cf. Hom. P. 13, 138. ποταμὸς χειμάρροος. Eur. Tro. 449. φάραγγες ὕδατι χειμάρρω ῥέουσαι.

713. ὑπέικει] Cf. Fr. 607. ὑπέικει καὶ θέλων ἐγκλίνεται (Ζεὺς Ἔρωτι). κλῶνας] I. q. κλάδους. Cf. O. C. 483. Adesp. 418, 5.

714. τὰ δ' ἀντιτείνοντ'] Cf. Eur. Fr. 654. δυοῖν λεγόντιον, θατέρου θυμουμένου, | ὁ μὴ ἀντιτείνων τοῖς λόγοις σοφώτερος. Eur. Fr. 340, 1. Κύπρις γὰρ οὐδὲν νουθετουμένη χαλᾶ, | ἦν δ' αὖ βιάζῃ, μᾶλλον ἐντείνειν φιλεῖ. Herc. 282. τῷ δ' ἀναγκαίῳ τρόπῳ (πότιμω?) | ὅς ἀντιτείνει σκαιὸν ἡγοῦμαι βροτόν. Med. 891. οὐδ' ἀντιτείνειν — αὐτόπρεμν'] Schol. αὐτόρριζα. I. q. πρέμνοθεν, a stirpe. Cf. Arist. Ran. 903. τὸν δ' ἀνασπῶντ' αὐτοπρέμνοις τοῖς λόγοισιν etc. Aesch. Sept. 1060. αἶτ' Οἰδιπόδον γένος ὠλέσατε πρέμνοθεν οὕτως. Confer πρόρριζος (Eur. Hipp. 681).

715. αἴτως δέ —] Cf. 85. O. R. 931. αἴτως δέ καὶ σύ γε (δύλβιος γένοιτο). Tr. 1038. Aj. 1179. ἐγκρατῆ] Tight, firm. Cf. 474. τὸν ἐγκρατέστατον σίδηρον. Thuc. I. 76. ἀναγκασθέντας ἄρχειν ἐγκρατῶς. Lucian. D. mer. III. 3. ubi scholiasta, καὶ γὰρ ναῦς βιαίως τοῦ ποδὸς ἐνταθέντος ὑπέκλυεν ὥστε ὕδωρ εἰσδέξασθαι, πάλιν δ' ἀνωρθώθη χαλάσαντος τὸν πόδα. Aesch. Pr. 55. ἐγκρατεῖ σθένει — θεῖνε. Eur. Or. 698. εἰ δ' ἡσύχως τις αὐτὸς (αὐτὸν al.) ἐντείνοντι μὲν | χαλῶν ὑπέικοι, καιρὸν εὐλαβοῦμενος, | ἴσως ἂν ἐκπνεύσει· διὰ δ' ἀνῆ πνοάς (πνοή?), | τύχοις ἂν αὐτοῦ ῥαδίως ὄσον θέλεις. (Ubi corrigendum, ni fallor, εἰ δ' ἡσύχως τις τὸν πόδ' ἐνταθέντ' ἄγαν —, coll. v. 706. καὶ ναῦς γὰρ ἐνταθεῖσα πρὸς βίαν ποδὶ | ἔβαπεν, ἔστη δ' αὐθις, ἦν χαλᾶ πόδα.) Construe ἐγκρατῆ τείνας (sc. ὥστε εἶναι). πόδα τείνας] Cf. 711. τὸ μὴ τείνειν ἄγαν. 706. καὶ ναῦς γὰρ ἐνταθεῖσα πρὸς βίαν ποδὶ | ἔβαπεν, ἔστη δ' αὐθις, ἦν χαλᾶ πόδα. Iph. T. 1135. ναῦς ἐνταθεῖσα πόδα. Eur. Fr. 340, 1. Κύπρις γὰρ οὐδὲ νουθετουμένη χαλᾶ· | ἦν δ' αὖ βιάζῃ, μᾶλλον ἐντείνειν φιλεῖ. Epicrat. com. III. 372. τοὺς κάλως ἔκλυε (l. τε λῦε) καὶ χάλα πόδα. Arist. Eq. 436. ἄθρει καὶ τοῦ ποδὸς παριεῖ. Apoll. Rhod. II. 931. Qu. Smyrn. IX. 438.

716. κάτω στρέψας] Cf. Eur. Herc. 1305. ἄνδρ' Ἑλλάδος τὸν πρῶτον — ἄνω κάτω στρέψασα. ὑπίοις — σέλμασιν] Cf. Aesch. Pers. 419. ὑπιουῖτο δὲ σκάφη νεῶν.

717. Ironice dictum. Cf. 311. Aj. 100. σέλμασιν] Cf. Aesch. Pers. 359. σέλμασι | νεῶν ἐπενθορόντες. ναντίλλεται] Cf. Eur. Fr. 793, 2. οὐ πάλιν ναντίλλεται.

718. Cf. 1029. ἀλλ' εἶπε τῷ θανάτῳ (τοῦ θυμοῦ τι?). O. C. 1328. μήνιν βαρεῖαν εἰκαθεῖν — τῷδ' ἀνδρῶ. Eur. Hec. 403. χάλα τοκεῦσιν εἰκότως θυμονυμένους. Ion. 648. κείνο δ' οὐκ ἀνασχετόν, | εἶκιν ὁδοῦ χαλῶντα τοῖς κακίοσιν. Hel. 80. δεργῆ δ' εἶξα μᾶλλον ἢ μ' ἐχρήν. Med. 874. οὐκ ἀπαλλαχθήσομαι | θυμοῦ; Herod. II. 80. εἰκονοῖ τῆς ὁδοῦ. Paul. Epist. Rom. 12, 19. ὁδοῖ τόπον τῆ δεργῆ. Aesch. Eum. 900. μετρίσταμαι κότου. Sic δεργῆς χαλᾶν, ἀνιέναι, etc. 719. κάπ' ἐμοῦ] Cf. Aj. 345. ἴ κάπ' ἐμοί. O. R. 1110. εἰ χρεῖ τι κάμῃ — σταθμᾶσθαι. Ph. 192.

720. προσβεύειν] Cf. Eur. Her. 45.

721. Cf. similem locum corruptum Tr. 338. τούτων ἔχω γὰρ πάντ' ἐπιστήμην ἐγώ. et Eur. Rhes. 106. ἀλλ' οὐ γὰρ αὐτὸς πάντ' ἐπίστασθαι βροτῶν | πέφυκεν. πάντ' —] Cf. O. R. 823. πᾶς ἀναγνος. El. 301. ὁ πάντ' ἀναλκυσ. O. R. 1197. τοῦ πάντ' εὐδαίμονος. ἐπιστήμης πλέων] Cf. Aj. 1150. ἄνδρα — μωρίας πλέων. 1112. οἱ πόνον πολλοῦ πλέω. Ph. 1074. οἴκτου πλέως. El. 607. 1405. Aj. 745. Ph. 39. O. C. 1162.

722. εἰ δ' οὖν] Cf. O. R. 851. εἰ δ' οὖν τι κάκτροπέοιτο etc. Aesch. Ag. 1042. εἰ δ' οὖν ἀνάγκη τῆδ' ἐπιρροέοι τύχης. 662. Ch. 564. Eur. Herc. 211. εἰ δ' οὖν — θέλεις. Plat. Resp. III. 388 C. εἰ δ' οὖν θεοὺς, μήτοι τόν γε μέγιστον etc. I. 337 C. εἰ δ' οὖν καὶ μή ἔστιν ὁμοιον etc. Similiter Eur. Hipp. 508. ταύτη] Cf. O. C. 1300. Ph. 1331. Plat. Crat. 18. καὶ ταῦτα μὲν δὴ ταύτη. Herod. II. 60. ταῦτα μὲν δὴ ταύτη ποιέεται. ὀρέπειν] Cf. Soph. O. R. 847. σαφῶς | τοῦτ' ἔστιν ἤδη τοῦργον εἰς ἐμὲ ἔπειν.

723. τῶν λεγόντων εὔ] I. e. τῶν εὔ λεγόντων. Cf. 1031. τὸ μανθάνειν δ' ἤδιστον εὔ λεγοντος. Sic Aj. 1252. οἱ φρονοῦντες εὔ.

724 sq. Cf. El. 369 sq.

725. σέ τ' αὖ τοῦδ'] Cf. 1341 sq. Ph. 426. Arist. Lys. 1320. καὶ τὰν σιὰν δ' αὖ τὰν κρατίστην.

726. οἱ τηλικοῖδε —;] Cf. Aesch. Ag. 1628. γνώσει γέροντων ὧν ὡς διδάσκεισθαι βαρὺ | τῷ τηλικούτῳ, σωφρονεῖν εἰρημένον. Theogn. 578. μή με δίδασκ' οὐ τοι τηλικὸς εἰμὶ μαθεῖν. καὶ —] Cf. 770. El. 385. ἦ ταῦτα γὰρ (vulg. δὴ) με καὶ βεβούλευνται ποιεῖν; Aj. 44. ἦ καὶ τὸ βούλευμ' ὡς ἐπ' Ἀργείοις τόδ' ἦν; Eur. Or. 1331. ἦ τοῦδ' ἔκαυ καὶ βοῇ κατὰ στέγας;

728. μηδὲν] Minime. Anglice by no means.

729. Cf. Men. IV. 258. μὴ τοῦτο βλέψης, εἰ νεώτερος λέγω | ἀλλ' εὔ φρονοῦντος ἀνδρὸς εἰ λόγους ἐρῶ.

730. ἔργον — σέβειν] Cf. Aj. 852. ἀλλ' οὐδὲν ἔργον ταῦτα θρηνηῖσθαι μάτην. 12.

731. εὐσεβεῖν ἐς τοὺς κακοὺς] Cf. 1350. εἰς τοὺς θεοὺς εὐσεπειν. Phil. 1441. εὐσεβεῖν τὰ πρὸς θεοὺς. Eur. Fr. 685, 3. εὐσεβοῦσιν εἰς θεοὺς. Aesch. Ag. 338. εἰ δ' εὐσεβοῦσι (εὔ σέβουσι?)

τοὺς πολισούχους θεούς. Alc. 1151. εὐσέβει περὶ ξένους. Phoen. 1331. χθόνιον εὐσεβεῖν θεόν. Tro. 85. ὡς τὰμ' ἀνάκτορ' εὐσεβεῖν εἰδώσι. Eur. ~~Fr. 685~~ ³⁰ εὐσεβοῦσιν εἰς θεούς. Fr. 252, 3. τὰδ' ἐστὶ χροῖματ', ἦν τις εὐσεβῆ θεόν (εὐσεβῆ ἴς θεόν, αὐτ' εὐ σέβη θεόν?).

732. Cf. Tr. 445. τῆδε τῆ νόσῳ | ληφθέντι. Adesp. 296. δυσπραξία ληφθεῖς. νόσῳ] Cf. 1052. Isocr. Or. XV. § 265. ζητοῦντας τὴν νόσον ταύτην (τὴν ἀμαθίαν) διαφυγεῖν.

733. Cf. Eur. Her. 81. ἐκ τίνος γῆς, ᾧ γέρον, τετράπολιν | ξύνοικον ἤλθες λαόν; δμῶπτολις λεώς] Cf. Incert. Stob. XI. 2. ἀλάθεια θεῶν δμῶπολις.

735. Cf. Eur. Phoen. 725. ποῖ; μῶν νεάζων οὐχ ὄρας δ χορή σ' ὄραν; Adesp. 452. τὸ νέον ἄπαν ὑψηλὸν ἐστὶ καὶ θρασύ. De duplici ὡς cf. Tr. 394. El. 1341. ἠγγειλας, ὡς ἔοικέ, μ' ὡς τετην-κότα. O. R. 922.

736. Cf. Aj. 1367. ἦ 'μοι] Cf. 557.

738. Cf. Phil. 386. πόλις γὰρ ἐστὶ πᾶσα τῶν ἠγουμένων.

739. καλῶς γ'] Cf. Arist. Nub. 647. ταχύ γ' ἂν δύναιο μανθάνειν περὶ ἑνθμῶν. Eccl. 806. πάνυ γ' ἂν οὖν Ἀντιοθένης | αὐτ' εἰσενέγκοι.

740. Cf. Tr. 1238.

742. διὰ δίκης ἰὼν πατρί] Cf. O. R. 773. διὰ τύχης τοιαῶν ἰὼν. Fr. 470, 5. βροτοῖς — ἐλθὼν ἐς λόγον. Thuc. VI. 61. διὰ δίκης ἐλθεῖν. Aesch. Pr. 120. τὸν πᾶσι θεοῖς | δι' ἀπεχθείας ἐλθόνθ'. Eur. Herc. 220. εἰς ἅπασιν διὰ μάχης μολῶν. Phoen. 489. καὶ μὴ δι' ἔχθρας τῶδε καὶ φόνου μολῶν. Iph. A. 1393. διὰ μάχης μολεῖν πᾶσιν Ἀργείος. Andr. 416. πατρί τῶ σῶ διὰ φιλημάτων ἰὼν. Hipp. 1164. δι' ἔχθρας — ἀφιγμένος. Plat. Theag. p. 130 B. τῆ προτε-ραία μοι δι' ἀπεχθείας — ἐγεγόνει.

743 sq. Cf. 1056. El. 307 sq. Aj. 1350.

743. Cf. Aj. 1096. τοιαῦθ' ἀμαρτάνουσι — ἐπη.

745. τιμάς — πατῶν] I. q. καταπατῶν. Cf. Aj. 1335. τὴν δί-κην πατεῖν. Soph. Fr. 606. πόλις | ἐν ἧ τὰ μὲν δίκαια καὶ τὰ σώ-φρονα | λάγδην πατεῖται, etc. Hom. Il. 4, 157. κατὰ δ' ὄρκια πιστὰ πάτησαν. Plat. Gorg. 484 A. Aesch. Ag. 378. οὐκ ἔφα τις θεοὺς βροτῶν ἀξιοῦσθαι μέλειν ὅσοις ἀθίκτων χάρις πατοῖτο. 1357. Arist. Vesp. 377. ἔν' εἰδῆ μὴ πατεῖν τοῖν θεοῖν ψηφίσματα.

746. ᾧ μαρόν ἦθος] Cf. O. C. 960. ᾧ λῆμ' ἀναιδές. 863. ᾧ φθέγμ' ἀναιδές. Arist. Ran. 571. ᾧ μαρὰ φάρυγξ. ὕστερον] Cf. Phil. 181. οὐδενὸς ὕστερος.

747. Cf. Aesch. Ag. 331. οὐ τᾶν ἐλόντες αὐθις ἀνθαλῶν ἄν. Eur. Med. 867. οὐ τᾶν ἀμάρτοις τοῦδέ γ'. Iph. A. 961. ἔδωκα τᾶν Ἑλλήνων. Arist. Ran. 488. οὐ τᾶν ἑτερός γ' αὐτ' εἰργάσαι' etc. ἦσσω — τῶν αἰσχροῶν] Cf. Aj. 1339. οὐ τᾶν ἀτιμάσαιμ' ἄν. Soph. Fr. 668. πᾶς οἰνωθεῖς ἀνήρ | ἦσσαν μὲν ὀργῆς ἐστὶ, τοῦ δὲ νοῦ κενός. Arist. Pl. 363. ἀλλ' εἰσὶ τοῦ κέρδους ἅπαντες ἥττονες.

748. Cf. O. R. 1440. ἀλλ' ἢ γ' ἐκείνου πᾶσ' ἐδηλώθη φάτις.
 750. οὐκ ἔστιν ὡς —] Cf. ad Phil. 196. οὐκ ἔστιν ὡς οὐ —.
 De ποτὲ — ἔστι cf. ad O. R. 892. Qu. οὐκ ἔσθ' ὅπως οὐ θεῶν —.
 751. ἢ δ' οὖν θανείται] Cf. O. R. 669. ὁ δ' οὖν ἴτω. Aj. 961.
 οἱ δ' οὖν γελώντων. Tr. 329. ἢ δ' οὖν ἐάσθω. Aesch. Eum. 847.
 σὺ δ' οὖν μένοις ἄν (i. q. μενεῖς). Sept. 402. Cho. 52. Arist. Ran.
 552. 554. 606. 628. θανοῦσ' ἄλει τινά] Cf. Aj. 1138. τοῦτ' εἰς
 ἀνίαν τοῦπος ἐρχεταί τι. El. 808. Eur. Iph. T. 548. τέθνηχ' ὁ
 τλήμων, πρὸς δ' (πρὸς τ') ἀπώλεσέν τινα.
 752. ἢ κάπαπειλῶν —;] Cf. ad 770. κάπαπειλῶν] I. e. καὶ
 ἐπαπειλῶν. Cf. El. 779. δεῖν' ἐπηπειλεῖ τελεῖν. 408. Aj. 312. Arist.
 Vesp. 670. ἐπαπειλοῦντες. Av. 630. ἐπηπειλήσα. ἐπεξέρχεται] Cf.
 Thuc. III. 40. 5. μάλιστα δὲ οἱ μὴ ξὺν προφάσει τινὰ κακῶς ποιοῦν-
 τες ἐπεξέρχονται.
 754. κλάων] Cum magno malo tuo. Anglice to your cost.
 Cf. O. R. 401. 1152. φρενώσεις] Cf. Aesch. Prom. 335. πολλῶν
 γ' ἀμείνων τὸς πέλας φρενοῦν ἔφνυς | ἢ σαντόν. Ag. 1183. Cho.
 116. Bacch. 792. Ion. 526. Confer v. νουθετεῖν. φρενώσεις] I. q.
 νουθετήσεις. Cf. Tr. 52.
 755. εἶπον ἄν —] I. e. dixissem. εἶποιμ' ἄν significaret di-
 cerem. Cf. Plat. Euthyphr. p. 12 D. εἰ μὲν οὖν σὺ με ἠρώτας τι
 τῶν νῦν δὴ — εἶπον ἄν ὅτι etc. p. 453 C. κἄν εἰ ἐπιχειρήσαντες
 δημοσιεῖν παραναλοῦμεν ἀλλήλους, ὡς ἱκανοὶ ἰατροὶ ὄντες, ἐπε-
 σκεψάμεθα δήπου ἄν ἐγὼ τε σὲ καὶ σὺ ἐμέ.
 756. δούλημα] Cf. O. R. 85. κήδευμα. Eur. Phoen. 1506. ἀγε-
 μόνευμα νεκροῖσι. μὴ κώτιλλέ με] Cf. Theogn. 363. εὖ κώτιλλε
 τὸν ἐχθρόν.
 757. Cf. Eur. Her. 1014. ἃ γ' εἶπας ἀντήκουσας (Elmsl.). Alc.
 701. εἰ δ' ἡμᾶς κακῶς | ἐρεῖς, ἀκούσει πολλὰ κοῦ ψευδῆ κακά.
 Hom. II. 20, 250. ὅπποιον εἶρησθα ἔπος, τοῖόν κ' ἐπακούσας (leg.
 κεν ἀκούσας). Hesiod. Op. 719. εἰ δὲ κακὸν εἶποις, τάχα καὶ τὸς
 μεῖζαν ἀκούσας. O. R. 544.
 758. ἀλλ' οὐ τόνδ' Ὀλυμπον —] Cf. El. 1063. ἀλλ' οὐ τὰν
 Διὸς ἀστραπὰν etc. 1238. ἀλλ' οὐ τὰν Ἄρτεμιν etc. O. R. 660. 1088.
 Arist. Vesp. 1223. Av. 174. 1606. Ran. 840. etc. Lys. 986. 990.
 1171. Theocr. V. 14. 17. τόνδ' Ὀλυμπον] Cf. Aj. 1389. Ὀλύμ-
 που τοῦδ' ὁ πρεσβέων πατήρ etc. Ph. 1330. οὗτος ἦλιος.
 759. ἐπὶ φόγοισι] Cf. Ant. 792. ἐπὶ λώβῃ. El. 108. ἐπὶ κωκντῶ.
 Aj. 143. ἐπὶ δυσκλείῃ. Eur. Hec. 643. ἔρις, ἄν — κρῖνει — ἀνήρ
 βούτας ἐπὶ δορὶ καὶ φόνῳ καὶ ἐμῶν μελάθρων λώβῃ. Iph. A. 1176.
 ἐπὶ δὲ δακρυοῖς | μόνῃ κἀθημαι. Bacch. 1364. ἐκλείπω σ' ἐπὶ δυ-
 στυχία. Phoen. 1590. μαρναμένους ἐπὶ τραύμασιν αἵματος. Herod.
 II. 121. ἐπὶ λύμῃ. VI. 67. ἐπὶ γέλωτι τε καὶ λάσθῃ εἰρώτα τὸν
 Δημόρατον etc. Aesch. Ag. 620. ἐπίγογον φάτιν. δειννάσεις] Cf.
 Aj. 243. κακὰ δειννάων ῥήμαθ'. Eur. Rhos. 925. ὅς ἡμῶν πόλλ'

ἔδέννασεν τέχνην. 951. μάτην ἡμᾶς ἔδέννασε. Herod. IX. 107. γυναικὸς κακίω ἀκοῦσαι δέννος μέγιστός ἐστι.

760. τὸ μῖσος] Cf. Phoc. 991. τὸ μῖσος. Sic στύγος (i q. μίσσημα) Aesch. Cho. 1015. Sept. 650. Eum. 641. etc.

761 sq. De sententia cf. Menand. 603.

762 sq. De constructione cf. El. 995. ποῖ γὰρ ποτε βλέψασα τοιοῦτον θράσος | ἀτὴ δ' ὀπλίξει κἄμ' ὑπηρετεῖν καλεῖς. 913 sq. Ph. 1411 sq.

763. οὐδαμὰ] Cf. 830. Tr. 323. 381.

764. ἐν ὀφθαλμοῖς δρῶν] Cf. Tr. 746. ξυμφορὰν ἐν ὀφθαλμοῖς | πατρὸς δεδοκῶς. 241. Eur. Or. 1018. ὡς σ' ἰδοῦσ' ἐν ὀφθαλμοῖσιν | πανωστάτην πρόσομφιν. Hom. Il. 10, 275. τοὶ δ' οὐκ ἴδον ὀφθαλμοῖσιν. Her. 571. τλημονεστάτην δέ σε | πασῶν γυναικῶν εἶδον ὀφθαλμοῖς ἐγώ. Med. 1034. ὑμεῖς δὲ μητέρ' οὐκέτ' ὀφθαλμοῖσιν φίλοις | ὄψεσθ'.

768. Cf. O. C. 598. τί γὰρ τὸ μείζον ἢ κατ' ἀνθρώπον νοσεῖς; Aj. 761. ὄσις — μὴ κατ' ἀνθρώπον φρονεῖ. Tr. 1018. Aesch. Ag. 342. γύναι, κατ' ἀνδρα σὺ φρονεῖς εὐφρόνως λέγεις. Eur. Med. 673. σοφώτερον ἢ κατ' ἀνδρα συμβαλεῖν ἔπη. Eur. Fr. 963, 2. ὁ σ' ἐξέπαρξεν μείζον ἢ χροεῖν φρονεῖν. Antiph. 40, 3. ὄσις δὲ μείζον ἢ κατ' ἀνθρώπον φρονεῖ. Plat. Apol. 5. μείζω τινὰ ἢ κατ' ἀνθρώπον σοφίαν. Herod. IV. 95. ἤθεα βαθυτέρα ἢ κατὰ Θρηϊκίας. ἀνδρ'] Hominem mortalem.

770. αὐτὰ] Sic ταύταιν O. R. 1504. O. C. 859. 1149. Sed τούτω et τῷδε El. 981. Legendum, ni fallor, αὐτῶ.

771. εὖ γὰρ οὖν λέγεις] Cf. 1255. Eur. Bacch. 922. ἀλλ' ἢ ποῖ ἦσθα θῆρ; τεταύρωσαι γὰρ οὖν.

772. Cf. 1314. ποίω δὲ κάπελύσαι' ἐν φοναῖς τρόπῳ; Aj. 1290. ποῖ βλέπων ποτ' αὐτὰ καὶ θροεῖς; Tr. 314. τί δ' ἂν με καὶ κρῖνοις;

773. Cf. Phil. 2. ἀκτὴ — βροτοῖς ἀσιπτος. 487. μὴ μ' ἀφῆς | ἔρημον οὕτω χωρὶς ἀνθρώπων στίβον. Aj. 657. μολὼν τε χῶρον ἔνθ' ἂν ἀσιπθῆ κίχῳ. 659. γαίης δρύξας ἔνθα μὴ τις ὄφεται.

774. κατῶρυχι] Cf. Eur. Hec. 1002. χρυσοῦ παλαιὰ Πριαμίδων κατῶρυγες. Infra 1100. κατῶρυχος στέγης. Aesch. Prom. 452. κατῶρυγες δ' ἔλαιον (i. e. sub terra).

775 sq. Cf. 256. λεπτή δ' ἄγος φεύγοντος ὡς ἐπὶ κόνις. 247. κάφαγιστεύσας ἂ χροῖ. τοσοῦτον ὄσον] Cf. O. C. 790. τῆς ἐμῆς | χροῖος λαχέιν τοσοῦτον (qu. τοσόνδ' ὄσ') ἐνθανεῖν μόνον. O. R. 1191. τοσοῦτον ὄσον δοκεῖν (φέρει). Arist. Lys. 732. ὄσον διαπετάσασ' ἐπὶ τῆς κλίτης μόνον. Plat. Prot. 334 C. ὄσον μόνον τὴν δυσχέρειαν κατασβέσαι etc. Tr. 1117. δός μοι σεαυτὸν οὐ τοσοῦτον ὡς (τοσόνδ' ὄσον?) δάκνει etc. Ephipp. 15, 4. μὴ πολυτελῶς (ἀγόρασον), ἀλλὰ καθαρείως ὅ τι ἂν ἦ | ὄσις ἐνεκ'. Xen. An. VII. 8. 19. πρόβατα ὄσον θύματα (ἔχοντες). φορβῆς] A φέρβεσθαι, ut nostrum food a verbo to feed. Cf. Ph. 43. 162. 712. 1108. etc.

776. μίασμα — υπεκφύγη] Cf. Eur. Hipp. 35. μίασμα φεύγων αϊματος. πᾶσ'] Cf. Aj. 728.

778. που] I dare say, perhaps. Ironice dictum ut ἴσως Aj. 1009. τεύξεται τὸ μὴ θανεῖν] Cf. Eur. Alc. 243. διεμάχον τὸ μὴ θανεῖν. Aesch. Prom. 871. μίαν δὲ παίδων ἕμερος θέλξει τὸ μὴ | κτεῖναι σύννευον.

779. ἀλλὰ τηρικαῦθ'] Cf. Eur. Med. 908. ἔγνωσ τε τὴν νικῶσαν ἀλλὰ τῷ χρόνῳ.

781. ἀνίκατε μάχαν] Cf. 799. ἄμαχος γὰρ ἐμπαίξει (ἐμπίπτει?) θεὸς Ἀφροδίτα. Connecte ἄμαχος cum θεός.

782 sq. δς — δς —] Cf. Ph. 663. δς γ' — δέδωκας, δς χθόν' Οἰταιάν ιδεῖν, | δς πατέρα πρόσβην, δς φίλους, δς τῶν ἐμῶν etc.

ἐν κτήμασι πίπτεις] Cf. Aj. 374. ἐν ἐλίκεσσι βοιοὶ πεσών. El. 1477. ἐν μέσοις ἀρκυστάτοις πέπτωχ' ὁ τλήμων. Aesch. Ag. 341.

ἔρωσ δὲ μὴ τις πρότερον ἐμπίπτει στρατῷ | ποθεῖν — ἢ μὴ χροῆ. 1448. δαῖμον, δς ἐμπίπτεται δόμασι καὶ διφνίοισι Τανταλίδαιον.

Eur. Fr. 322, 5. ἐν τοῖς δ' ἔχουσιν ἡβητῆς (ἐμπίπτεται?) πέφνχ' ὄδε ('Ἐρωσ). Isocr. p. 216. τοσοῦτος δ' ἔρωσ ἐνέπεσε τῶν πόνων — τοῖς Ἑλλήσι. Hor. Od. 1, 19, 1. 'In me tota ruit Venus.' Virg. G. III. 242. 'Omne adeo genus in terris hominumque ferarumque, | et genus aequoreum, pecudes, pictaeque volucres, | in furias ignemque ruunt: amor omnibus idem.' Propert. El. I. 2. 'Et caput impostitis pressit Amor pedibus.'

783. ἐν μαλακαῖς παρεῖαις νεάνιδος] Cf. Hor. Od. IV. 13. 6. 'Ille (Amor) virentis — Chiae pulcris excubat in genis.' Cf. Phrynich. trag. 13. λάμπει θ' ἐπὶ πορφυρέαις παρῆσιν φῶς ἔρωτος. Hor. Carm. III. 13. 6. 'Ille virentis et | doctae psallere Chiae | pulchris excubat in genis.'

785. Cf. O. R. 476 sq. ὑπερπόντιος] Cf. Tr. 650. πελάγιον — Eur. Med. 440. αἰθερία δ' ἀνέπτα (αἰδώς). Hipp. 147. φοιτᾷ γὰρ καὶ διὰ λίμνας, χέρσον θ' ὑπερ, πελάγους δίναισιν νοτίας ἄλμας. 449. φοιτᾷ δ' ἂν αἰθέρ', ἔστι δ' ἐν θαλασσίῳ | κλύδωνι Κίτιρις. 1267. ποτᾶται δ' ἐπὶ γαῖαν εὐάχητόν θ' ἄλμυρόν ἐπὶ πόντον ('Ἐρωσ). 525 sq. Ad rem cf. Fr. 678, 9. εἰσέρχεται μὲν γὰρ (Κύπρις) ἰχθύων πλωτῶ γένει, | ἔνεσι δ' ἐν χέρσον τετρασκελεῖ γονῆ. Andr. 831. ἔρρ' αἰθέριον. 516. ἴθ' ὑποχθόνιοι. Tro. 325. πάλλε πόδ' αἰθέριον. Hec. 927. Alc. 983. ἐγὼ καὶ διὰ μούσας καὶ μεταρσιος ἦξα. Cf. etiam Tro. 766. Aj. 1004. Alex. III. 480. πέτεται διαπόντιος.

786. ἀγρονόμοις αὐλαῖς] Cf. O. R. 1103. πκάκες ἀγρονόμοι.

787. καὶ σε — φῦξιμος οὐδεις] Sic Lys. 3, 27. καὶ ταῦτα ἔξαρονός ἐστι. Plat. Alc. II. 141 D. οἶμαι δὲ σε οὐκ ἀνήκοον εἶναι ἔνια etc. Sic accusativum regit πόριμος Aesch. Prom. 939. συνίστωρ Ag. 1058. ἐπιστήμων Xen. Cyr. III. 3. 9. Cf. Tr. 441 sq. 497 sq. Hom. Il. 14, 198. ἡμέρον, ὥτε σὺ πάντας | δαμνᾷ ἀθανάτους ἠδὲ θνητοὺς ἀνθρώπους. H. Ven. 2 sq. Plat. Symp. 178. δι

μέγας θεός εἴη ὁ Ἔρως καὶ θανμαστός ἐν ἀνθρώποις τε καὶ θεοῖς. Anacreont. 62, 4. ὄδε καὶ θεῶν δυνάστης, | ὄδε καὶ βροτοὺς δαμάζει. Ovid. Her. IV. 111. *totumquidam* Amor jussit non est contemneretur: | regnat et in dominos jus habet ille deos.' Ovid. alicubi, 'Tu superas ipsumque Jovem, tu numina ponti | victa domas.'

788. φύξιμος] Cf. Hom. Od. 5, 359. ὄθι μοι φάτο φύξιμον εἶναι. Simonid. 249. φύξιμος ὀδμή (i. e. ἡ φυγεῖν ἐμποιοῦσα).

789. ἀμερίων — ἀνθρώπων] Cf. Aj. 398. ἀμερίων — ἀνθρώπων. 208. Eur. Phoen. 130. ἀμερίῳ (ἀμερίων al.) γέννα. ὁ δ' ἔχων] Sc. τὸν ἔρωτα. Cf. Plat. Phaedr. 239 C. ἀνὴρ ἔχων ἔρωτα. Eur. Iph. A. 1331. Ἡ πολύμοχθον ἀμερίων (sc. γένος). 1515. δι' αἵματος ἀμερίων. Ph. 132. ἀμερίῳ γέννα.

791. καὶ δικαίων] Etiam justorum. ἀδίκους φρένας παρεικᾶς] Cf. 298. τόδ' — παραλλάσσει φρένας χρηστάς πρὸς αἰσχρὰ πράγμαθ' ἴσασθαι βροτῶν. Aesch. Cho. 600. θηλυκρατῆς ἀπέρωτος ἔρως παρανικᾶ etc. Hom. Od. 20, 346. παρέπλαγξεν δὲ νόημα. 881. Aj. 69. ὀμμάτων ἀποστρόφους | αὐγὰς ἀπειρξω. Tr. 106.

792. ἐπὶ λῶβῳ] Cf. ἐπὶ κωκυτῶ, ἐπὶ ψήγιοι.

793. νεῖκος ἀνδρῶν ξύναιμον] Cf. El. 1071. διπλῆ φύλοπις (τέκων). Aj. 860. πατρῶον ἐστίας βάθρον. Tr. 817. ὄγκον — ὀνόματος — μητρῶον. Aesch. Ag. 48. ἐκπατίους ἄλγεισι παίδων. 153. νεικέων τέκτονα σύμφυτον. Sept. 340. βλαχαι δ' αἱματέοσαι τῶν ἐπιμασιδίων ἀρτιβρεφεῖς βρέμονται. Eur. Bacch. 1204. λευκοπήχου | χειρῶν ἀκμαῖσι. Eur. Med. 1264. χαλεπὰ γὰρ βροτοῖς ὀμογενῆ μᾶσματ'. Ion. 1215. πτηνὸς εἰσπίπτει ὀμοῖς | κῶμος πελειῶν. Arist. Pac. 155. χροσοχάλινον πάταγον ψαλίων. Theocr. XXII. 200. μάχην ἐμφύλιον ἀνδρῶν. Eustath. Ismen. III. 96. χορὸς ὀδόντων λευκός. Hieroclis verba sunt, καλὸν μὲν τῷ θεῷ πείθεσθαι, καλὸν δὲ καὶ τοῖς γονεῦσιν —. εἰ δὲ πρὸς ἄλλο μὲν ὁ θεοῖς νόμος, πρὸς ἄλλο δὲ οἱ γονεῖς φέροιεν, μαχιμένης τῆς αἰρέσεως, τοῖς ἀμείνοσιν ἔπεσθαι δεῖ, πρὸς ταῦτα μόνον ἀπειθοῦντες γονεῦσι, πρὸς δὲ καὶ αὐτοὶ τοῖς θεοῖς νόμοις οὐ πείθονται.

794. ταράξας] Cf. O. R. 483. δεινὰ ταρασσει σοφὸς οἰωνοθέτας.

796. ἡμέρος εὐλέκτρον νόμφας] Cf. Aesch. Suppl. 1003. καὶ παρθένων χλιδαῖσιν εὐμόρφους ἐπι | πᾶς τις παρελθὼν ὀμματος θελεκτήριον | τόξενμ' ἔπεμψεν ἡμέρου νικῶμενος. Fr. 421.

798. πάρεδρος θεομῶν] Cf. ad Arist. Av. 1753. πάρεδρον — Διός. Eur. Med. 842. τᾷ σοφίᾳ παρέδρους πέμπειν ἔρωτας. Hipp. 674. τίς ἂν βροτῶν πάρεδρος ἢ ξύνεργος ἀδίκων ἔργων φανεῖη; Pind. Ol. VIII. 25. Διὸς ξενίου πάρεδρος Θέμυς. Isthm. VI. 3. πάρεδρον Λαμάτερος. τῶν μεγάλων — θεομῶν] Cf. Arist. Av. 331. παρέβη μὲν θεομοῦς ἀρχαίους, παρέβη δ' ὄρκους.

799. Cf. Herod. IV. 134. ὄρέων αὐτοὺς ἐμπαίζοντας ἡμῖν. Connecte ἄμαχος cum ἐμπαίζει, falls on one irresistibly. Cf. Arist. Th. 975. ἢ πᾶσι τοῖς χοροῖσιν ἐμπαίζει.

801. *θεομῶν ἔξω φέρομαι*] Cf. Aesch. Prom. 883. *ἔξω δὲ δρόμον φέρομαι λύσσης | πνεύματι μάργω*. Ag. 1245. *τὰ δ' ἄλλ' ἄκουσας ἐκ δρόμου πείσωνι τρέχω*. Cho. 514. 1022. Eur. Bacch. 853. *ἔξω δ' ἐλαύνων τοῦ φρονεῖν ἐνδύσεται*. 331. *οἴκει μεθ' ἡμῶν, μὴ θύραζε* (i. e. ἔξω, ἐκτός) *τῶν νόμων*. Arist. Ran. 994. *ὅπως μὴ σ' ὁ θυμὸς ἀρπάσας ἐκτός οἴσει τῶν ἐλαῶν*. Plat. Crat. 414 B. *ὥσπερ ἐκτός δρόμον φερόμενον*. Legg. IX. 876 E. *βαίνειν ἔξω τῆς δίκης*. Isocr. p. 213. *αἰσθάνομαι δ' ἔμμαντὸν ἔξω φερόμενον τῶν καιρῶν*.

803. *ἴσχειν δ' —*] Cf. Eur. Herc. 443. *δακρῶν ὡς οὐ δύναμαι κατέχειν | γραίας ὄσων ἔτι πηγάς*.

804. *τὸν παγκοίταν — θάλαμον*] Cf. 810. *ὁ παγκοίτας Ἄιδας*. 946. El. 138. *ἔξ Ἀΐδα παγκοίνου λίμνας*. Aj. 1193. Eur. Suppl. 1022. *Περσεφονείας ἦξω θαλάμους*. Hec. 483. *ἀλλάξασ' Ἄϊδα θαλάμους*. Herc. 807. *ὃς γὰς ἐξέβα θαλάμων Πλούτωνος* etc. Fr. 119, 2. Simonid. Fr. 127, 4. Aesch. Pers. 624. Ion. Fr. 8. *χαῖρε — τὸν αἰεὶ νύκτος ἔχων θάλαμον*. Sic *μέγας θάλαμος Ἀμφιτρίτης de mari* O. R. 195.

805. *ἀνύτουσαν*] Cf. Tr. 657. *πρὶν τάνδε πρὸς πόλιν ἀνύσει*. El. 1451. Aj. 607. Eur. Suppl. 1142. *ποτανοὶ δ' ἤνυσαν τὸν Ἄϊδα*.

807 sq. *τὰν νεάταν ὁδὸν στείχουσαν*] Cf. Tr. 876. *ἔρχομαι τὰν πυμάταν ὁδόν*. 874. *βέβηκε Δηάνειρα τὴν πανσοιήτην | ὁδῶν ἀπασιῶν* etc. Aj. 857. 994. Eur. Herc. 411. *ὡς οὐ ποτ' αὖθις ἀλλὰ νῦν πανύστατον | ἀκτίνα κύκλον θ' ἥλιον προσόγομαι*. Alc. 610. *ὑμεῖς δὲ τὴν θανοῦσαν, ὡς νομίζεται, | προσείπατ' ἐξιοῦσαν ὑστατὴν ὁδόν*. 208. Hec. 411. Catull. III. 11. Anth. Gr. I. p. 137. *ᾧχεο γὰρ πυμάταν εἰς Ἀχέροντος ὁδόν*. Hor. Od. II. 17. 10. *'Ibimus — supremum | carpere iter comites parati.'*

812. *Ἀχέροντος ἀκτάν*] Cf. O. R. 178. *ἀκτάν πρὸς ἐσπέρου (ἐννύχου?) θεοῦ*. Pind. P. 11, 33. *Ἀχέροντος ἀκτάν εὖσοιον*.

813. *ὑμεναίων ἐγκληρον*] Cf. Eur. Herc. 467. *Θηβῶν — ἐγκληρα πεδία*.

814. *ἐπινύμφειος*] Sic *Ἐπιδάμνειος* (v. Steph. Byz. p. 346.), et *ἀηδόνηος* (Aesch.). Confer etiam epitheta *ἐπιτυμβίδιος, ἐπιμασιδίδιος*. *οὔτ' — ὑμνησεν*] De definito tempore post participium illato cf. ad O. R. 452.

816. *Ἀχέροντι νυμφεύσω*] Cf. 654. Eur. Iph. A. 451. *Ἄιδης νυμφεύσει*. Or. 1109. *ἀλλ' οὐκ ἐθ' Ἄϊδην νυμφίον κεκτημένη*. El. 1144.

817. *κλεινὴ καὶ ἔπαινον ἔχουσα*] Cf. Plat. Legg. 663 A. *κλέος τε καὶ ἔπαινος*. I. 632 C. *δόξα καὶ κλέος*. Lucian. Somn. 13. *τιμὴν καὶ δόξαν καὶ ἔπαινον*. Lycurg. c. Leocr. 110. *ἔπαινος καὶ δόξα*. Plura dabit F. W. Schmidt. III. 21.

818. *κεῦθος νεκύων*] Cf. Eur. Hec. 1. *νεκρῶν κευθμῶνα*. Alc. 875. *βᾶθι κεῦθος οἰκῶν*. Aesch. Suppl. 778. *κελαινὸν εἴ τι κευθός ἐστί πον*. Pr. 227. *Ταρταρὸν μελαμβραθῆς | κευθμῶν*.

819. φθινάσιν — νόσοις] Cf. Harpocr. in Ἀρτεμισία: — φθινάδι νόσῳ ληφθεῖσαν. Eur. Alc. 201. φθίνει καὶ μαραίνεται νόσῳ. Her. 779. ~~μητῶν~~ ~~ληφθεῖσάν~~ ~~σήμερον~~. Pluralis νόσοι ut in Aj. 59. φοιτῶντ' ἄνδρα μανιάσιν νόσοις.

820. ἐπίχειρα] Cf. 760. Aesch. Pr. 326. τοιαῦτα μέντοι τῆς ἄγαν ὑψηλόρου | γλώσσης, Προμηθεῦ, τὰπίχειρα γίννεται. Arist. Vesp. 581. Schol. οὐ διὰ ξιφῶν τὸν μισθὸν τοῦ πλημμελήματος λαχοῦσα καὶ τὴν τιμωρίαν.

821. αὐτόνομος] Anglice, by reason of thy independent spirit. I. q. αὐτόγνωτος (i. e. αὐτογνώμων) 875. Schol. ἀντὶ τοῦ ἰδίοις αὐτῆς νόμοις χρῆσασμένη. μόνη δὴ] Sola profecto.

824. Φρυγίαν] Cf. ad Aj. 1292. Lydii et Phryges simul commemorantur Aesch. Pers. 766. Λυδῶν δὲ λαδὸν καὶ Φρυγῶν ἐκτίησατο.

825 sq. Cf. El. 150. ἰὼ παντλάμων Νιόβα, σὲ δ' ἔγωγε νέμω θεὸν, αἶτ' ἐν τάφῳ πετραίῳ αἰὲν δακρύεις. Hom. Il. 24, 614. νῦν δέ που ἐν πέτρῃσιν, ἐν οὖρεσιν οἰοπόλοισιν, | ἐν Σιτύλῳ, ὅθι φασι θεῶν ἔμμεναι εὐνάς | Νυμφάων, αἶτ' ἄμφ' Ἀχελώϊον ἐρρώσαντο, | ἔνθα λίθος περ εἰοῦσα θεῶν ἐκ κήδεα πέσσει. Ovid. Met. VI. 310. VI. 310. 'Flet tamen et validi circumdata turbine venti | in patriam rapta est. Ibi fixa cacumine montis | liquitur, et lacrymas etiamnum marmora manant.' Σιτύλῳ πρὸς ἄκρῳ] Cf. Paus. I. 21. 3. ταύτην τὴν Νιόβην καὶ αὐτὸς εἶδον ἀνελθὼν ἐς τὸν Σίπυλον τὸ ὄρος. ἡ δὲ πλησίον μὲν πέτρα καὶ κρημνός ἐστιν οὐδὲν παρόντι σχῆμα παρεχόμενος γυναικὸς οὔτε ἄλλως οὔτε πενθούσης· εἰ δέ γε πορρωτέρῳ γένοιο, δεδακρυμένην δόξεις ὄραῖν καὶ κατηφῆ γυναικα.

826. κισσὸς ὡς ἀτενῆς] Cf. Eur. Med. 1210. προσείχεθ' ὥστε κισσὸς ἔρρεσιν δάφνης | λεπτοῖσι πέπλοις. Epithetum ἀτενῆς (tenax) apte convenit nomini κισσός.

827. βλάστα] Cf. Fr. 294, 2. O. R. 717. παιδὸς — βλάστας. O. C. 972. βλάστας γενεθλοῦς πατρός. Adesp. 373, 2. βλάσταις — τέκνων.

828. τακομέναν] Cf. 977. El. 834. 283.

829. ὡς φάτις ἀνδρῶν] Cf. O. R. 715. ὥσπερ γ' ἡ φάτις. Aj. 978. ὥσπερ ἡ φάτις κρατεῖ.

831. τέγγει δ' ἐπ' ὀφρύσι —] Cf. Hom. Od. 4, 153. αὐτὰρ ὁ πικρὸν ἐπ' ὀφρύσι δάκρυον εἶβεν. δειράδας] Cf. Eur. Phoen. 280. ἐπὶ δειράσι νυφοβόλοις Παρνασσῶ.

833. κατευνάζει] Cf. Tr. 95. Eur. Hipp. 562. βροντᾶ γὰρ ἀμφιπύρῳ τοκάδα τὰν — πότμῳ φονίῳ κατευνάσεν. 1374. διὰ τ' (κατὰ τ') εὐνάσαι τὸν ἐμὸν βίοντον (ἔραμαι). Hec. 472. τὰν Ζεὺς ἀμφιπύρῳ κοιμίζει φλογμῶ Κρονίδας. Phoen. 184. σύ τοι (τᾶν?) μεγαληγορίαν ὑπεράνορα κοιμίζεις.

834. ἀλλὰ θεός τοι] ἦν omissum ut in 947. Sed v. annot. crit.

835. θνητογενεῖς] Cf. Eur. Herc. 799. θνατογενοῦς τε καὶ Λιός.

836. μέγ' ἀκούσαι] Anglice, is a great thing to have said of one. Cf. Xen. Anab. VII. 7. 23. μέγα δὲ εὖ ἀκούειν ὑπὸ ἐξακισχιλίων ἀνδράπων. Eur. Tro. 262. οὐ γὰρ μέγ' αὐτῇ βασιλικῶν λέκτρων τυχεῖν; Rhés. 198. μέγα δὲ κοιράνοισι γαμβρόν πέλειν. Herod. V. 111. ἦν τε γὰρ κατέλης ἀνδρα στρατηγόν, μέγα τοι γίνεται, etc.

837. ἰσοθέοις] Confer ἰσομήτωρ (Astydamos Athen. II. 40 B.).

838. γελῶμαι] Cf. Ph. 1023. γελώμενος πρὸς σοῦ. O. C. 1423.

843. πολυκλήμονες] Cf. Eur. Andr. 669. πατέρων ἀγαθῶν εἶην πολυκλήτων τε δόμων μέτοχος.

844 sq. Antigone, de misericordia Chori impetranda desperans, ad cives suos locosque vicinos, tacitos miseriarum suarum injuste inflictarum testes, flebiliter se convertit.

844 sq. Cf. O. C. 1333. πρὸς νῦν σε κρηνῶν καὶ θεῶν δρογνίων.

Θήβας — ἄλλος] Cf. ad El. 5. Ἄργος — τῆς οἰστροπλήγος ἄλλος Ἰνάχου κόρης. Argolis Ἄργεῖον τέμενος vocatur Pind. N. X. 19.

845. Θήβας — εὐαρμάτου] Cf. Eur. Herc. 467. Θηβῶν τῶν φιλαρμάτων ἀναξ. Pind. P. II. 5. εὐάρματος Ἰέρων. Isth. 2, 17. εὐάρματον ἀνδρα. Eur. Phoen. 17. Θήβαιον εὐίπποις. ἔμπας] In any case, at any rate.

846. ὕμμ'] Forma epica et lyrica ὕμμε legitur apud tragicos tantum in Aesch. Eum. 621., idque, quod mireris, in senario.

ἐνμάρτυρας ὕμμ' ἐπιβῶμαι] Cf. Tr. 1248. τοῦτων μάρτυρας καλῶ θεούς. Hom. II. 7, 76. ὦδε δὲ μνθέομαι, Ζεὺς δ' ἄμμ' ἐνμάρτυρος ἔστω. Od. 1, 273. μῦθον πέφραδε πᾶσιν· θεοὶ δ' ἐπιμάρτυροι ἔστων. II. 10, 463. σὲ γὰρ πρόωτην ἐν Ὀλύμπῳ | πάντων ἀθανάτων ἐπιβωσόμεθ'. Od. 1, 378. ἐγὼ δὲ θεοὺς ἐπιβώσομαι αἰὲν ἔόντας. 2, 143. Eur. Phoen. 494. μάρτυρας τῶνδε δαίμονας καλῶ. Suppl. 261. θεοὺς τε καὶ γῆν — θέμεναι μάρτυρας. Med. 169. κλύεθ' οἷα λέγει κάπιβοῦται | θέμιν εὐκταῖαν Ζῆνά θ' etc. Thuc. VIII. 53. ἐπιθειάζοντων (schol. ἤγονν θεῖά τινα ἐπιβωωμένον).

847. φίλων ἀκλαντος] Cf. Aj. 910. ἀφρακτος φίλων.

848. ἔρμα τυμβόχωστον] Cf. Aesch. Ch. 154. πρὸς ἔρμα (ἔρμα? schol. τάφον) τόδε. ἔρμα] Cf. Eur. Hel. 860. ἔρμα στερεὸν γῆς. τυμβόχωστον] Cf. v. τυμβοχοεῖν (i. e. θάπτειν χωστῶ τάφῳ, Etym. M. p. 771, 39.). Hom. II. 21, 322. μιν — τυμβοχοῆσ'. Herod. VII. 117. ἐντυμβοχόεε δὲ πᾶσα ἡ στρατιή. Aesch. Sept. 1022. τυμβοχόα χειρώματα. Cho. 351. πολύχωστος τάφος.

849. ποταινίον] Recens congesti. Cf. Fr. 162. ἔχουσι ἡδονὰς ποτανίους. Aesch. Prom. 102. οὐδέ μοι ποτανίον | πῆμ' οὐδὲν ἤξει. Confer v. πρόσφατος.

851 sq. Cf. 952. 257. 249. O. C. 972. Tr. 106. Eur. Suppl. 966. καὶ νῦν ἄπαις ἄτεκνος γηράσκω ὄντοστανότατος (leg. δύστανος ἐγώ), οὗτ' ἐν τοῖς φθιμένοις οὗτ' ἐν ζῶσιν ἀριθμουμένα (κρηνομένη

Musgr.), *χωρίς δὴ τινα τῶνδ' ἔχουσα μοῖραν*. Pind. P. II. 87. *γόνον οὐτ' ἐν ἀνδράσι γερασφόρον οὐτ' ἐν θεῶν νόμοις*. οὐτ' — οὐ] Cf. Eur. Med. 1345. *ὅς οὐτε λέκτρων νεογάμων ὀνήσομαι, | οὐ παῖδας — ἔξω προσεπειν*. Or. 41. 1086. (*μήτε — μή*). Herod. VIII. 98. *τοὺς οὐτε νεφετὸς, οὐκ ὄμβρος, οὐ καῦμα, οὐ νύξ ἔεργει* etc.

853. *ἐπ' ἑσχατον θράσους*] Cf. Herod. VIII. 52. *ἐς τὸ ἑσχατον κακοῦ ἀπιγμένοι*. I. 22.

854. *ὕψηλὸν ἐς Δίκας βάρηρον προσέπεσες*] Cf. Eur. Bacch. 703. *ἔπαισεν εἰς πέτραν*. Aesch. Eum. 537. *βωμόν αἰδεσαι Δίκας, | μηδέ νιν, κέρδος ἰδὼν, ἀθέω ποδὶ λάξ πατήσης* (al. ἀτίσης). Ag. 374. *ἀνθρὶ λακτίσαντι μέγαν Δίκας βωμόν*. Cho. 635. *Δίκας δ' ἐρείδεται πυθμῆν*. Eum. 564. *τὸν πρὶν ὄλβον ἔρματι προσβαλὼν Δίκας*. προσέπεσες] Qu. *ἔπαισας*. Sed παραβατὸν (—) est in v. ant. 874. Cf. Aesch. Agam. 1006. *ἔπαισεν ἐπ' ἄτας ἄφαντον ἔρμα*. 1624. *πρὸς κέντρα μὴ λάκτιζε, μὴ παῖσας μογῆς*. Herod. I. 16. *προσπταῖσας μεγάλως*. V. 62. *προσέπταιον μεγάλως*. Plat. Resp. VIII. 553 D. *διαν τὸν πατέρα ἴδη ἐξαίφνης πταίσαντα ὥσπερ πρὸς ἔρματι τῇ πόλει*. πολὺ] Cf. 720. *προσβέβυεν πολὺ*. Aesch. Cho. 1039. *νικῶν πολὺ*.

856. Cf. Eur. El. 1187. *πατρὸς δ' ἔτισας φόνον δικαίως*. Aesch. Ag. 1582. *χειρὸς πατρῴας ἐκτίνοντα μηχανάς*. 1562. Eur. Herc. 983. *ἔχθραν πατρῴαν ἐκτίνων πέπτωκε*. Hipp. 831. *πρόσωθεν δέ ποθεν ἀνακομίζομαι τύχαν* (leg. κότον) *δαιμόνων ἀμπλακίασι τῶν πάροισθ' ἰνός*. ἐκτίνεις] Cf. Eur. Andr. 53. *οὐ κτίνει δίκην*. Plat. Legg. XI. 936 E. *ἐκτίνειν τὴν βλάβην*. IX. 857 B. *τὸ κλέμμα ἐκτίσας διπλοῦν*. Phaedr. 249 A. *δίκην ἐκτίνουσιν*. Hor. Carm. III. 6. 1. 'delicta majorum immeritus lues.'

857. *ἔφανσας*] I. e. ἐθρόσας. Cf. Aj. 957. *ὦμοι — ἐθρόσας ἀνανδον ἔργον* etc. Cf. 961. *ψαύων* (?) *τὸν θεόν*. Phil. 1170. *πάλιν πάλιν παλαιὸν ἄλγημ' ὑπέμναςας*. Eur. Alc. 899. *ἔμνηςας ὁ μου φρένας ἤλκωσεν*. Andr. 249. *ἦ καὶ πρόσω γὰρ τῶν ἐμῶν ψαύσεις* (*μνήσει?*) *κακῶν*; Hipp. 310. *θιγγάνει σέθεν τάδε*; Herod. VI. 21. *ἐζημωσάν μιν ὡς ἀναμνήσαντα οἰκήτῃ κακά*. Genitivum esse ἀλγεινοτάτας μερίμνας vix opus est ut moneam.

859. *τριπόλητον*] Sc. λόγῳ aut φήμῃ. Anglice much bruited. Schol. *πολλάκις ἀναπεπολημένον*. Cf. Phil. 1238. *δὶς ταυτὰ βούλει καὶ τρεῖς ἀναπολεῖν μ' ἔπη*; Hom. Il. 18, 542. *πείραρον ἄρουραν, | εὐρεῖαν, τρίπολον*. Theocr. 25, 25. *τριπόλοις σπόρον ἐν νεοῖσιν | ἔσθ' ὅτε βάλλοντες καὶ τετραπόλοισιν ὁμοίως*. Pind. N. VII. 153. *ταυτὰ — τρεῖς τετράκι τ' ἀμπολεῖν*. Pind. P. VI. 1. *ἀναπολλόμενον*] Cf. El. 169. *τὸν ἀνήνυτον οἶτον ἔχουσα κακῶν*.

860. *τοῦ τε πρόπαντος* —] Cf. Eur. Phoen. 624. *ἐρρέτω πρόπας δόμας*. 1505. *ἃ δόμον Οἰδιπόδα πρόπαν ὤλεσε*. Or. 970. *οἴχεται τέκνων πρόπασα γέννα Πέλοπος*.

864. Dativus *ἐμῷ πατρὶ* a *κοιμήματα* pendet, i. e. coitus cum meo patre. Construe *κοιμήματά τ' αὐτογέννητα ματρὸς πατρὶ*.

Cf. Hom. Il. 16, 176. *ὄν τέκε* — *γυνή θεῶ εὐνηθεῖσα*. Eur. Iph. T. 387. *τὰ Ταντάλου θεοῖον ἐσιάματα*. O. R. 1362. *δρομογενῆς ἀφ' ὧν αὐτὸς ἔφρον τάλας*. O. C. 946. *ὄτω γάμοι | ξυνόνοτες ἠδρόθησαν ἀνόσοι τοκέων*.

868. *μέτοιχος*] Cf. 852. Plat. Phaed. 117 C. *χρῆ τὴν μετοίκησιν τὴν ἐνθένδε ἐκεῖσε εὐτυχῆ γενέσθαι*.

870. *κασίγνητε*] Oedipum intellige, qui ab eadem matre natus est. *γάμων κυρήσας*] Cf. O. R. 1514. *βίον λῶνος | ὑμᾶς κυρήσαι*. O. C. 247. *αἰδοῦς κῦρσαι*. 1083. Herod. 9, 116. *δίκης κυρήσας*. 7, 158. *ἀτιμῆς πρὸς ὑμέων κυρήσας*. 1, 31. 35. 59. 112. *γάμων*] Sc. ἐν Ἄιδου. Cf. 888. 1240.

871. Cf. El. 808. *ὡς μ' ἀπώλεσας θανάων*. Tr. 1159. *ζῶντά σ' ἔκτεινεν θανάων*. Aj. 901. 1027. Eur. Hipp. 838. *ἀπώλεσας γὰρ μᾶλλον ἢ κατέφθισο*. Eur. Hel. 94. Tro. 1163. *Αἴας μ' ἀδελφὸς ὤλεσ' ἐν Τροίᾳ θανάων*.

874. *οὐδαμῆ*] Cf. Phil. 789. Aesch. Pers. 385. Prom. 58. 256. 340. Eur. Tro. 729. Eur. Fr. 34. Adesp. Fr. 11.

875. *αὐτόγνωτος* — *δργά*] Cf. Aesch. Prom. 543. *Ζῆνα γὰρ οὐ τρομέων ἐν ἰδίᾳ γνώμα* (i. e. *αὐθαίρετως*) *σέβει θνατοὺς ἄγαν Προμηθεῦ*. *αὐτόγνωτος*] Self-willed. I. q. *αὐτογνώμων*, ut explicatur in Etym. M. p. 173, 38. Schol. *αὐθαίρετος καὶ ἰδιογνώμων τρόπος*. Eodem sensu *αὐτόνομος* supra 821. Cf. Aesch. Prom. 543. *αὐτόνω γνώμα* (sic Dind. gl. *ἰδίᾳ γνώμη*). Sic *αὐτόβουλος* (1053) et *αὐθάδης*.

877. *ἐρχομαι* —] Cf. Ant. 807. *ὄρατ' ἔμ' — τὰν νεάταν ὁδὸν στείρουσαν*. 849. 868.

879. *λαμπάδος ἱερὸν ὄμμα*] Cf. Phil. 663. *ἠλίον τόδ' εἰσορᾶν — φάος*. Eur. Med. 353. *εἴ σ' ἠπιούσα λαμπὰς ὄψεται θεοῦ* etc. Iph. A. 1382. *ὦ λαμπαδοῦχος ἀμέρα Διὸς τε φέγγος*. Iph. T. 193. *ἀλλάξας δ' ἐξέδρασ' ἱερὸν ὄμμ' ἀγᾶς ἄλιος*.

881. *ἀδάκρυτον*] Proleptice positum. Cf. O. C. 1200. Tr. 106.

883. *ἀοιδὰς καὶ γόους*] Cf. El. 88. *πολλὰς μὲν θρήνων φάδας*. Eur. Herc. 1025. *τίνα στεναγμὸν ἢ γόον ἢ φθιτῶν φάδαν — ἀχήσω*; Hel. 165. *ποῖον ἀμιλλαθῶ γόον; ἢ τίνα μουσαν ἐπέλω*; Forma soluta in scenario, ut *ἀείδειν* Aesch. Ag. 16. Aj. 629. *ὄξυτόνους μὲν φάδας θρηγήσει*. Aristid. T. I. p. 78. *θρήνους ἔδειν*.

884. *εἰ χρεῖη λέγειν*] Cf. O. C. 268. *εἴ σοι τὰ μητρὸς καὶ πατρὸς χρεῖη λέγειν*.

885. *κατηρεφεῖ τύμβω*] Cf. Phil. 272. *ἐν κατηρεφεῖ πέτρᾳ*. El. 381. *ἐν κατηρεφεῖ στέγγι χθονός*.

886. *περιπτύξαντες*] Cf. Aj. 915. *ἀλλὰ νιν περιπτυχῆ | φάροι καλύψω τῷδε*. 899.

887. Cf. Phil. 269. *ξὺν ἧ μ' ἐκεῖνοι, παῖ, προθέντες ἐνθάδε | ᾧχοντ' ἔρημον*. 273. *λιπόντες ᾧχονθ'*. Arist. Nub. 744. *ἀφείς ἀπελιθε*

(αὐτό). *χοῖν*] Cupit. Cf. Aj. 1373. σοὶ δὲ δοῶν ἐξεσθ' ἃ *χοῖν*.
El. 606. κήρουσέ μ' εἰς ἅπαντας, εἴτε *χοῖν* κακὴν, | εἴτε στόμαργον
εἴτ' ἀναιδείας *πλέαν*.] Arist. Nub. 358. Th. 751. Eur. Fr. 918. πρὸς
ταῦθ' ὅ τι *χοῖν* (*χοῖν* vulg.) καὶ παλαμάσθων etc.

888. *τυμβεύειν*] Intransitive, ut *δουλεύειν*, *ταγεύειν* (Aesch.
Sept. 58.), etc.

889. *τοῦπι τήνδε τὴν κόρην*] As far as concerns this
damsel. Cf. Eur. Or. 1338. *σώθηθ' ὅσον γε τοῦπ' ἔμ'*. Alc. 666.
τέθνηκα γὰρ δὴ τοῦπι σ'. Rhes. 397.

891. *νυμφεῖον*] Cf. 1205. Tr. 920.

892. Cf. Ph. 1453. ὦ μέλαθρον *ξύμφρονον ἔμοι*.

894. *δέδεκται*] Cf. Aesch. Prom. 153. *Ἄιδου τοῦ νεκροδέγμο-*
νος. Pluto *πολυδέγμων* et *πολυδέκτης* Hom. H. Cer. 17. 31. etc.

Φερσέφασσα] *Περσέφασσα* est Aesch. Cho. 488. Eur. Orest. 914.

895. Cf. Ant. 1311. El. 1485. *βροτῶν — σὺν κακοῖς μεμγ-*
μένων.

896. *ἐξήκει*] Has run out. Cf. Phil. 199. *πρὶν δδ' ἐξήκοι χρό-*
νος. Herod. II. 111. Dem. 1055, 4. Lys. 109, 14. Plat. Legg. 766 C.
Xen. Hell. VII. 1. 28. VII. 5. 8. Anab. VI. 3. 26. *μοῖραν —*
βίου] Cf. Fr. 624, 2. *οὐ γὰρ πρὸ μοῖρας ἢ τύχη βιάζεται*.

897. Cf. 1246. *ἐλπῖσιν δὲ βόσκομαι — οὐκ ἀξιώσειεν στένειν*.
Tr. 137. ἃ καὶ σε τὰν ἄνασσαν *ἐλπῖσιν λέγω τάδ' αἰὲν ἴσχειν*. *τρῆφν*]
Cf. 660. 1089. Aj. 503. 644. 1124. O. R. 356. 374. Tr. 28. 117.
Ph. 795.

900 sq. Cf. O. C. 1602. *λουτροῖς τέ νιν | ἐσθῆτί τ' ἐξήσκησαν*
ἦ νομίζεται.

900. *αὐτόχειρ*] Cf. 306. *αὐτόχειρα τοῦ τάφου*.

901. Cf. Aesch. Sept. 739. *τίς ἂν σφε λούσειεν*; Eur. Phoen.
1667. Hec. 611. Aristoph. Nub. 838. *ὥσπερ τεθνεώτιος καταλόει*
(καταλόεις?) μου τὸν βίον. *κάκωσμησα*] Usitata in hac re locutio.
κάπτνυμβίους χοῶς ἔδωκα πατρός χέοντες λουτρά] Cf. El. 406.
πατρὶ τυμβεῦσαι χοῶς. 84.

902. *χοῶς ἔδωκα*] Eadem verba Eur. Or. 124. Phoen. 940.
Iph. T. 61.

903. *περιστέλλουσα*] Cf. Aj. 1170. *τάφον περιστελοῦντι δυστή-*
νον νεκροῦ. 821. Eur. Med. 1034. *καὶ κατθανοῦσαν χερσὶν εὐ πε-*
ριστελεῖν. Or. 1066. *καὶ κατθανόντων εὐ περιστελὸν δέμας*. Tro.
1143. *πέπλοισιν ὡς περιστέλλης νεκρὸν | στεφάνοις θ'*. 390. Alc. 667.
Herc. 1360. Iph. T. 627. Plat. Hipp. maj. 291. *τοὺς αὐτοῦ γονέας*
τελευτήσαντας καλῶς περιστέλλαντι. *τοιᾶδ' ἄρννμαι*] I get this
reward. Cf. Tr. 711. *ὦν — τὴν μάθησιν ἄρννμαι*. Ph. 838. *κρά-*
τος ἄρννται. Plat. Legg. VII. 813 E. *ἀρννμένους μισθόν*. Eur. Alc. 56.
μεῖζον ἄρννμαι κλέος. Andr. 697. *τὴν δόκησιν ἄρννται*. Hec. 1073.
ἀρννμένος λώβαν. Trag. adesp. Fr. 4. *τοῦ μὲν δικαίου τὴν δόκησιν*
ἀρννσο, etc.

904. τοῖς φρονοῦσιν εὖ] Cf. O. C. 810. οὐ δὴθ' ὅτι γε νοῦς ἴσος καὶ σοὶ πάρα. 1446. ἀνάξια γὰρ πᾶσιν ἔσθε δυστυχεῖν. Eur. Med. 580. ἐμοὶ γὰρ ὅστις ἄδικος ὢν σοφὸς λέγειν | πέφυκε πλείστην ζημίαν ὀφλισκάνει. φρονοῦσιν εὖ] Cf. 1031. εὖ σοὶ φρονήσας εὖ λέγω.

906. Cf. Eur. Fr. 786, 2. φίλος δέ μοι | ἄλoutos ἐν φάραγι σήπεται νέκυς. El. 319. αἷμα πατρὸς μέλαν σέσηπεν ἐπύθεται. Odys. 1, 161. οὐ δὴ που λεύκ' ὄστέα πύθεται δμβροφ. Lucan. Phars. 7, 810. 'tabesne cadavera solvat | an roigus haud refert.'

907. πολιτῶν] I. q. πόλεως. Cf. 842. ἤρομην πόνον] Cf. Eur. Ion. 199. κοινὸς αἰρόμενος πόνους. O. C. 460. ἀρεῖσθε — πόνους.

908 sq. Cf. Herod. III. 119. ἡ δ' ἀμείβετο τοῖσδε, "ὦ βασιλεῦ, ἀνὴρ μὲν μοι ἂν ἄλλος γένοιτο, εἰ δαίμων ἐθέλοι, καὶ τέκνα ἄλλα, εἰ ταῦτα ἀποβάλοιμι· πατρὸς δὲ καὶ μητρὸς οὐκ ἔτι μεν ζώντων ἀδελφεὸς ἂν ἄλλος οὐδενὶ τρόπῳ γένοιτο· ταύτη τῇ γνώμῃ χρεομένη ἔλεξα ταῦτα."

908. τίνος νόμου —;] I. q. ποίῳ νόμῳ; ut in El. 579. Cf. Eur. Med. 538. μὴ πρὸς ἰσχύος χάριν. Diphil. IV. 395. οὐδὲν ἠδέως | ποιεῖ γὰρ οὗτος, ἀλλ' ὅσον νόμον χάριν.

909 sq. Hic locus manifesto ab Herodoto sumptus est. Similia de Abaucha Scythia narrantur Lucian. Tox. 61., qui interrogatus sua ab igne amicum aegrotum potius quam uxorem et liberos servasset respondit, ἀλλὰ παῖδας μὲν, ἔφη, καὶ αὐτὸς ποιήσασθαί μοι ῥάδιον, καὶ ἄδηλον εἰ ἀγαθοὶ ἔσονται οὗτοι, φίλον δὲ οὐκ ἂν εὐροίμι ἄλλον ἐν πολλῷ χρόνῳ τοιοῦτον ὅλον (ὀλος?) Γυνδάνης ἐστί. Aesch. Suppl. 442. καὶ χρημάτων μὲν ἐκ δόμων πορθουμένων | γένοιτ' ἂν ἄλλα κτησίον Διὸς χάριν, etc. "Edward I. seems to have been one of the most witty of our early kings. On the death of his only son he was resigned and patient, but on the death of his father he was very dejected and inconsolable, for, as he said to Charles, King of Sicily, "God may send more sons, but the death of a father is irrecoverable." (Globe. Sep. 14. 1880.)

910. τοῦδ'] Sc. τοῦ παιδός. ἤμπλακον] Perdidiſsem. Cf. Eur. Alc. 241. 420.

911 sq. μητρὸς δ' ἐν Ἄιδου καὶ πατρὸς κεκευθότιον —] Cf. Herod. III. 119. πατρὸς δὲ καὶ μητρὸς οὐκέτι μεν ζώντων ἀδελφεὸς ἂν ἄλλος οὐδενὶ τρόπῳ γένοιτο. ἐν Ἄιδου — κεκευθότιον] Cf. Aj. 634. Ἄιδα κεύθων. O. R. 968. O. C. 1552. Aesch. Sept. 585. μάντις κεκευθὼς πολεμίας ὑπὸ χθονός. Hom. Il. 23, 244. εἰσόκεν αὐτός ἐγὼν Ἄιδα κεύθωμαι.

912. Secundum Dindorfium Sophocles scripsisset potius οὐκ ἔσθ' ὅπως ἀδελφὸς ἂν βλάστοι ποτέ.

913. *ἐκπροσιμῆσας*] *Mirum compositum, nusquam alibi occurrens.*

913. 914. *Κροῶντι μέντοι ταυτ' ἔδοξ' ἀμαρτάνειν* Schneid. prob. Mein.

915. Cf. Eur. Or. 237. *ὦ κασίγνητον κάρα.*

916. *ἄγει με*] *Per satellites suos, ἄγοντας* (931). *διὰ χειρῶν*] Cf. 1258. Aesch. Sept. 429. *φλέγει δὲ λαμπὰς διὰ χειρῶν ὠπλισμένη.*

917. Cf. El. 492. *ἄλεκτρο' ἄννυφα — γάμων ἀμύλλημαθ'.* Eur. Hec. 416. *ἄννυφος, ἄννυμέναιος, ὧν μ' ἔχρην τυχεῖν.* El. 962. *ἄλεκτρα γηράσκοουσιν ἄννυμέναιά τε.* Ion. 1464. *ἄπαιδες, ἄτεκνοι.*

918. *γάμον μέρος λαχοῦσαν*] Cf. Theogn. 353. *εἰ γνώμης ἔλαχες μέρος.* Aesch. Ag. 512. Eur. Iph. T. 1299. Suppl. 1078. *οὔτε παιδείου τροφῆς*] I. e. *οὔτε παῖδας θρέψασαν.*

920. *ζῶσ'* —] Cf. Eur. El. 682. *τέθνηκα κἀγὼ, μηδέ με ζῶσαν λέγε.* Maximian. Eleg. V. 231. *'Nil mihi cum superis; explevi munera vitae.'* *κατασκαφάς*] Cf. 891. *κατασκαφῆς οἴκησις.* Aesch. Sept. 1008. *Ἐτεοκλέα — θάπτειν ἔδοξε γῆς φίλαις (φίλης?) κατασκαφαῖς.* 1037. *τάφον γὰρ αὐτῷ καὶ κατασκαφάς ἐγὼ — μῆχανήσομαι.*

921. *παρεξελθοῦσα — δίκην*] Cf. 60. *νόμον βία | ψῆφον τυράννων ἢ (καί?) κράτη παρεξίμεν.*

922. Cf. Aj. 937 sq.

923. *ἐπεὶ γε δὴ*] I. q. *ἐπειδὴ γε.* Cf. Herod. III. 9. *δεῖ δὲ καὶ τὸν ἥσσον πιθανόν, ἐπεὶ γε δὴ λέγεται, δηθῆναι.* Sic Tr. 484. *ἐπεὶ γε μὲν δὴ πάντ' ἐπίστασαι λόγον. et γε δὴ* Ant. 923. *et γε μὲν δὴ* El. 1243. Eur. Iph. A. 496. *ἐπειδὴ — γε* El. 631. *φεύγω τρόπον γε δὴ τιν' οὐχ ἑκῶν ἑκῶν.* Herod. II. 120. *μέλλοντα γε δὴ etc.* Xen. Hell. 7, 5, 25. *ἐπεὶ γε μὴν ἐκεῖνος ἔπεσεν, etc. et ad O. R. 412.*

924. Cf. El. 968. *εὐσέβειαν — οἶσει* (med.). O. R. 864. O. C. 1411. Aj. 75. Aesch. Sept. 1001. *ἄγος καὶ θανῶν κεκτήσεται.* Eur. Med. 218. *δύσκληιαν ἐκτίσαντο καὶ ἔραθυμίαν.* Iph. T. 676. *καὶ δειλίαν γὰρ καὶ κάκην κεκτήσομαι.*

925. *ἐν θεοῖς*] Cf. ad O. R. 677. Schol. *εἰ ταῦτα τοῖς θεοῖς ἀρέσκει, παθόντες τὴν τιμωρίαν γνοίμεν ἂν τὴν ἀμαρτίαν.*

926. *ἂν ξυγγνοῖμεν ἡμαρτηκότες*] Cf. Herod. I. 91. *ὁ δὲ ἀκούσας συνέγνω ἔωντοῦ εἶναι τὴν ἀμαρτιάδα καὶ οὐ τοῦ θεοῦ.* VI. 92. *Σικυώνιοι μὲν νυν, συγγρόντες ἀδικῆσαι, ὠμολόγησαν ἑκατὸν τάλαντα ἐκίσαντες ἀζήμιοι εἶναι. Αἰγινήται δὲ οὔτε συνεγινώσκοντο ἡσάν τε αὐθαδέστεροι.* 140. *ξυγγνοῖμεν*] Sic O. R. 1046. *εἰδεῖτ'.* Eur. Ph. 590. *ξυμβαίμεν.* Hom. II. 2, 83. *φαίμεν. παθόντες —*] Cf. El. 399. *πεσοῦμεθ', εἰ χρὴ, πατρὶ τιμωρούμενοι.* 977. Tr. 492.

928. *De vi particulae καὶ cf.* El. 1146. 1301. Ant. 928. O. C. 53.

931. *τοιγὰρ*] Cf. Hom. II. 1, 76. Od. 1, 179.

932. κλαύμαθ'] Cf. Ph. 1260. ἴσως ἂν ἐκτὸς κλανμάτων ἔχοις πόδα. Arist. Ran. 813. κλαύμαθ' ἡμῖν γίνγεται. Pac. 249. βραδυ-
τῆτος ὑπερ] De ὑπερ cum genitivo eodem fere sensu quo ὑπό
cf. Eur. Andr. 490. ἔριδος ὑπερ. Hipp. 159. ὑπερ παθέων. Suppl.
1125. ἀλγέων ὑπερ.

933. θανάτου —] Cf. O. C. 529. θάνατος μὲν τάδ' ἀκούειν.
1217. Aj. 215. θανάτῳ γὰρ ἴσον πάθος ἐκπεύσει. Eur. Or. 1044.
θανάτου πέλας βεβῶσι. Hipp. 1073. αἰαῖ, πρὸς ἧπαρ δακρῶν τ'
ἐγγὺς τόδε. Dem. p. 404. ἔστι μὲν ἐγγυτάτω μανίας (ταῦτα). Plat.
Phaed. p. 38. Heind. ἐγγύς τι τείνειν τοῦ τεθνάναι.

935. θαρσεῖν — παραμυθῶμαι] Bonum animum habere
suadeo. Cf. Hom. Il. 9, 684. τοῖς ἄλλοισιν ἔφη παραμυθήσασθαι |
οἰκὰδ' ἀποπλείειν. 15, 45. Plat. Legg. II. 666 A. πῶς οὖν αὐτοὺς
παραμυθησόμεθα προσθύμους εἶναι;

936. κατακυροῦσθαι] Cf. Eur. Or. 1013. ψήφῳ θανάτου κατα-
κυρωθεῖς.

937. Θήβης ἄστν πατρῶον] Cf. O. C. 297. πατρῶον ἄστν
γῆς ἔχει.

938. θεοὶ προγενεῖς] Cf. Aj. 387. ὦ Ζεῦ προγόνων προπάτωρ.
Dion. Hal. XI. p. 696. μαρτύρομαι θεοὺς καὶ προγόνων δαίμονας.

939. οὐ μέλλοντ' ἔτι] Cf. 1256. Ph. 567. ὡς ταῦτ' ἐπίστω
δρῶμεν', οὐ μέλλοντ' ἔτι. 1256. τόδ' ὄψει δρῶντα (με) κοῦ μέ-
λοντ' ἔτι. Ant. 939. Tr. 75.

940. λεύσετε] Hoc aut indicativus aut imperativus esse pot-
est. Cf. Eur. Med. 158. λεύσεσθ' ἃ πάσχω. Hec. 1114 sq. Phoen.
614 sq. Aesch. Prom. 92. ἴδεσθέ μ' οἶα πρὸς θεῶν πάσχω θεός.
V. Elmsl. ad Med. 158. οἱ κοιρανίδαι] Cf. 988. Θήβης ἀνακτες.
O. R. 911. O. C. 1348. Eur. Andr. 507. ὦ χθονὸς Φθίας κράντορες.
De hiatus in ὦ κοιρανίδαι cf. 936. O. C. 170. 173. 188. Arist.
Th. 776.

941. βασιλίδα] Cf. Eur. Alc. 80. φθιμένην | χρῆ βασιλείαν πεν-
θεῖν. Hipp. 1281. βασιλιῆδα τιμάν. Hec. 547. μούνην δὴ —] Cf.
Tr. 1063. μόνη με δὴ καθεῖλε. Ant. 821. ζῶσα μόνη δὴ | θνατῶν
Ἄϊδαν καταβήσει. Herod. III. 1. ἦν Ἀπρίεω τοῦ προτέρου βασιλέος
θυγάτηρ — μούνη τοῦ οἴκου λελειμμένη. Simili modo usurpatur
v. ἀναξ 988.

942. οἶα πρὸς οἶων ἀνδρῶν πάσχω] Cf. 847. Aj. 557. οἶος
ἐξ οἶον ἑράφης. Tr. 1045. οἶαις οἶος ὧν ἐλαύνεται. 994. Ant. 847.
El. 751. Eur. Alc. 145. οἶας οἶος ὧν ἀμαρτάνεις. Fr. 587. οἶαισιν
αἰσχύναισιν οἶα μαινεται | πενθοῦσα.

944. Δανάας — δέμας] Periphrasis pro Δανάη. Cf. Hor. Od.
III. 16. 1. 'Inclusam Danaeu etc. Anth. Pal. IX. 48. 1. Ζεὺς κύ-
κνος, ταῦρος, σάτυρος, χρυσὸς δι' ἔρωτα | Δήδης, Εὐρώπης, Ἀν-
τιόπης, Δανάης.

945. οὐράνιον φῶς ἀλλάξαι] Lucem tenebris mutare. Solennis locutio est ἀλλάσσειν τί τινος, 'to take one thing in exchange for another'. Cf. Aesch. *Pr.* 7, 3. πόνω πόνον | ἐκ νυκτὸς ἀλλάσσοῦσα τὸν καθ' ἡμέραν. Eur. *Hec.* 483. ἀλλάξασ' Ἀἶδα θαλάμους —. Aesch. *Pr.* 1003. τῆς σῆς λατρείας τὴν ἐμὴν δυσπραξίαν — οὐκ ἂν ἀλλάξαιμ' ἐγώ. Eur. *Bacch.* 1329. ὄφερος ἀλλάξει τύπον. *Theogn.* 21. οὐδέ τις ἀλλάξει κάκιον τοῦσθλοῦ παρεόντος. *Aelian.* V. H. V. 1. τῆς τροφῆς ἀλλαζόμενος θάνατον. *Arist. Av.* 117. δρο-νίθων μεταλλάξας φύσιν. *Plat. Polit.* 289 E. οἱ πόλιν ἐκ πόλεως ἀλλάσσοντες. *Hor. Od. I.* 16. 25. 'Nunc ego mitibus mutare quaero tristia.' *I.* 29. 14. II. 16. 18. 'Terras mutamus (i. e. adimus).' *Epod. I.* 27. 'Pecusve Calabris — Lucana mutat pascua.' *Od. III.* 1. 47. 'Cur valle permutem Sabina divitiis operosiores.' *Hor. Epist. I.* 7. 36. 'nec | otia divitiis Arabum liberrima muto.' *Senec. Epist.* 115. 'nec — desunt qui luces innocentiam salutem opinionem mutant.' *Claudian. Bell. Gild.* 117. 'Tuque, o quae vecta per altum | sponte Palatinis mutesti collibus Idam.' χαλκο-δέτοις ἀδλαῖς] Cf. *El.* 837. χρυσοδέτοις ἔρκεσι. *Apollod. II.* 4. 1. δείσας οὖν Ἀκρίσιος τοῦτο ὑπὸ γῆς θάλαμον κατασκευάσας χάλκεον τὴν Δανάην ἐφροῦρει.

948. τυμβήρει θαλάμῳ] Cf. 804. τὸν παρκοίταν — θάλαμον. κατεζεύχθη] Cf. *Aj.* 123. ἄτη συγκατέζενκται κακῆ. *Herod. IX.* 15. εἰ δὲ ἐπ' ἀναγκαίης μέζονος κατεζεύχθης.

949. γενεᾷ τίμιος] Cf. *O. R.* 1467. ὦ γονῆ γενναῖε. *Aj.* 1094. δε μηδὲν ὦν γοναῖων εἰδ' ἀμαρτάνει. ὦ παῖ παῖ] Cf. *El.* 1084. Sic ὦ Ζεῦ Ζεῦ.

950. ταμιεύεσκε] Cf. 963. παύεσκε. *Fr.* 491. βλαστάνεσκε. *Aesch. Fr.* 312, 3. κλαίεσκον (in senario). *Aesch. Ag.* 702. ἔσκε. *Pers.* 656. *Hom. II.* 4, 233. θαρσύνεσκε. *Arist. Av.* 1538. ἦτις ταμιεύει (κεραμεύει *Dobr. Bo.*) τὸν κεραινὸν τοῦ Διός. χρυσορύτους] Cf. *Aesch. Prom.* 805. χρυσορύτων — νᾶμα. 435. ἀγνορύτων ποταμῶν. *Sept.* 939. γαῖα — φονονύτω. *Aj.* 134. τῆς ἀμφιρύτων. Eur. *Bacch.* 154. Τρωῶλον χρυσορόον.

951. τις δύνασις δεινά] Cf. *O. C.* 1652. δεινοῦ τινος φόβου. *Aj.* 1266. ὡς ταχεῖά τις βροτοῖς | χάρις διαρρεῖ. *Fr.* 497. μέγα τι σθένος. 961. Eur. *Or.* 1562. μεγάλα δὲ τις δύναμις. *Herod. IX.* 3. δεινός τις ἐνέστακτο ἡμερος. Ad rem ipsam cf. *Aesch. Prom.* 527. οὐκ οὖν ἂν ἐκφυγοί γε τὴν πεπρωμένην. *Theogn.* 816. δ τι μοῖρα πανθεῖν οὐκ ἔσθ' ὑπαλύξαι. *Herod. I.* 91. τὴν πεπρωμένην μοῖρα ἀδύνατά ἐστιν ἀποφυγέειν καὶ τῷ θεῷ. De τις sic posito cf. *Phil.* 519. τις εὐχερῆς. 604. μάντις ἦν τις εὐγενῆς. *Herod. II.* 43. ἀλλὰ τις ἀρχαῖός ἐστι θεός etc. IV. 198. ἀρετὴν — τις — σπουδαίη. *Plut. Mar.* 12. οὕτω τις ἦν ποικίλος ἀνήρ. *Aesch. Eum.* 807. ἐν ᾧ τις ἔσται δεινός εὐκλείας ἔρωσ. *Sept.* 473. ὁ σηματοργός δ' οὗ τις εὐτελής ἄρ' ἦν. *Arist. Av.* 924. ἀλλὰ τις ὠκεία Μουσάων φά-

τις — μοιριδία] Cf. O. C. 228 Pind. Ol. IX. 28. *σύν τιμ μοιριδίῳ παλάμῃ. δύνασις*] Semel tantum occurrit supra 604. *δύνασις* semel tantum O. R. 938.

954 *μελαίναι*] *Quas melainas saepe dicit Homerus.*

955 sq. De Lycurgi supplicio cf. Hom. Il. 6, 130. *οὐδὲ γὰρ οὐδὲ Δρύαντος υἱός, κρατερός Ανκούργος, | δὴν ἦν, ὅς ῥα θεοῖσιν ἐπουρανίοισιν ἔριζεν. | ὅς ποτε μαινομένοιο Διωνύσοιο τιθήνας | σεῦε κατ' ἠγάθειον Νυσηῖον. — τῷ μὲν ἔπειτ' ὀδύσαντο θεοὶ ῥεῖα ζῶοντες, | καὶ μιν τυφλὸν ἔθηκε Κρόνου παῖς· οὐδ' ἄρ' ἔτι δὴν | ἦν, ἐπεὶ ἀθανάτοισιν ἀπήχθητο πᾶσι θεοῖσιν.*

955. *ζεύχθη*] Cf. Phil. 1025. *κλοπῇ τε κἀνάγκῃ ζυγείς.* Schol. *τὸ ἐξῆς· ζεύχθη πετρώδει κατάφρακτος ἐν δεσμῷ.* Augmentum omissum ut in τράφῃ 984.

956. *Ἡδωνῶν*] Edoni gens Thraciae erant. Aeschyli tragodia, tetralogiae prima τῆς *Ανκουργείας*, in qua Lycurgi res gestae describebantur, *Ἡδωνοὶ* appellata fuit. *κερτόμοις ὀργαῖς*] Cf. 962. *ἐν κερτομίαις γλώσσας.* Herod. V. 83. *χοροῖσι — κερτομοῖσι.* Hom. Il. 5, 419. *κερτομίαις ἐντέεσσι Δία Κρονίδην ἐρέθειζεν.* Hesiod. Op. 786. *κέρτομα βάζειν.* *ὀργαῖς*] Cf. 355. *ἀστυνόμους ὀργάς.* 1200. *ὀργὰς εὐμενεῖς.* Aj. 639. *συντρόφοις ὀργαῖς.* Aesch. Pr. 323. *ἄς ἔχεις ὀργὰς ἄρες.* Eur. Hipp. 440. *ὀργαὶ δ' εἰς σ' ἐπέσκηψαν θεᾶς.* Med. 457. *θυμουμένων | ὀργὰς ἀφήρουν.* 866. *τὰς δ' ἐμὰς — ὀργὰς φέρειν | εἰκὸς σ'.*

958. *κατάφρακτος*] Cf. ad 235. Aj. 909. Arist. Ach. 95.

959. *δεινὸν — μένος*] Cf. Aj. 1066. *μηδὲν δεινὸν ἐξάρης μένος.* El. 610. *μένος πνέουσιν.* Tr. 999. 1089. Aesch. Ag. 1067. *πρὶν αἱματηρὸν ἐξαφρίζεσθαι μένος.* Prom. 722. *ἔνθα ποταμὸς ἐκφυσᾷ μένος.* Sept. 393. *ἔππος χαλινῶν ὡς κατασθμαίνων μένος.* *μανίας — ἀνθηρὸν — μένος*] Cf. Tr. 1000. *τόδ' ἀκήλητον μανίας ἄνθος καταδερχθεῖς.* Plat. Polit. 310. *πέφυκεν ἀνδρεία — τελευτώσα ἐξανθεῖν παντάπασι μανίας.*

960. *ἐπέγνω —*] Cf. Tr. 932. *ἔγνω γὰρ τάλας | ὅψ' ἐκδιδαχθεῖς — ὄννεκα etc.*

961. *μανίαις*] Cf. Eur. Or. 57. *τὸ μητρὸς δ' αἱμὰ νιν τροχηλατεῖ | μανίαισιν.* Iph. T. 273. *μανίαις ἀλαίνων.* Iph. A. 952. *μανιῶν τε λήξω.* Arist. Pac. 65. *παράδειγμα τῶν μανιῶν ἀκούετε.* Theocr. XI. 11. *ὀρθαῖς μανίας.* Plat. Legg. IX. 869 A. *μανίας ὀργῆς.*

962. *κερτομίαις γλώσσας*] Cf. 956. *κερτομίαις ὀργαῖς.* Eur. Bacch. 1292. *ἐκερτόμει θεὸν σὰς τε βακχείας μολῶν.* *κερτομίαις γλώσσας*] Cf. Hom. Il. 20, 202. *ἤμην κερτομίας ἠδ' αἴσυλα μυθήσασθαι.* Od. 20, 263. *κερτομίας δέ τοι αὐτὸς ἐγὼ καὶ χεῖρας ἀφέξω.* Il. 1, 539. *αὐτίκα κερτομοῖσι Δία Κρονίωνα προσήδα.* Od. 9, 474. *καὶ τότε ἐγὼ Κύνκλωπα προσήδων κερτομοῖσιν.* Il. 5, 419. *κερτομοῖς ἐπέεσσι Δία Κρονίδην ἐρέθειζον.* 4, 6. Od. 15, 177. 24, 239.

963. *παύεσκε*] He put down. (Cf. El. 796.) 949. *ταμειύεσκε*. Aesch. Fr. 298. *κλαίεσκον*. Herod. VII. 106. *πέμπτεσκε*. 119. *σιτεύεσκον*. 119. *ποιεέσκετο*. *ibid.* *ἔχεσκον*. 211. *φεύγεσκον*. *ἐνθέους*] Deo afflatus. Cf. Eur. El. 1032. *μαινάδ' ἐνθεον κόρην*. Hipp. 141. Tro. 255. 366.

965. *ἠρέθιζε Μούσας*] Cf. Hom. Il. 4, 6. *αὐτίκ' ἐπειράτο Κρονίδης ἐρεθίζεμεν Ἥρην | κερτομίους ἐπέεσσι* etc. Long. Past. III. 8. *ἀπήρξαντο καὶ σύριγγος καθάπερ τὰς ἀηδόνας ἐς τὴν μουσικὴν ἐρεθίζοντες*.

966 sq. Schol. Apoll. Rh. II. 178. *πηρωθῆναι δὲ αὐτὸν* (Phinea) *ὅτι* —. *Σοφοκλῆς δὲ ὅτι τοὺς ἐκ Κλεοπάτρας υἱοὺς ἐτύφλωσεν — πεισθεὶς διαβολαῖς Δίας* (*Ἰδαίαις* Wagner. Qu. *Εἰδοθέας* aut *Εὐρυτίας*). De hac fabula consule schol. ad 981. Apollod. I. 9. 21. III. 15. 3. II. 178. *Asclepiadem in schol. ad Hom. Od. XII. 69. Hygin. Fab. 19.*

966. *παρὰ — σπιλάδων*] Cf. 1123. *γαίων παρ' ὕγρων Ἰσμηνοῦ χεῖθρων* (leg. *ὕγροις* — *χεῖθροις*?). Sed dativus hic restituendus videtur. *Κνανέων σπιλάδων*] Cf. Herod. IV. 85. *ἔπλωε ἐπὶ τὰς Κνανέας καλευμένας, τὰς πρότερον πλαγκτὰς Ἑλληνές φασί εἶναι*. 89. *τὰς Κνανέας διεκπλώσας*. Strabon. VII. p. 319. *αἱ δὲ Κνανεαὶ πρὸς τῷ στόματι τοῦ Πόντου εἰσὶ δύο νησίδαι, τὸ μὲν τῇ Εὐρώπῃ προσεχές, τὸ δὲ τῇ Ἀσίᾳ*. Eur. Med. 2. *Κνανέας Συμπληγάδας*. 1259. *Κνανεῶν Συμπληγάδων πετρῶν*. Schol. *ἀντὶ τοῦ, παρὰ δὲ τοῖς κνανέοις πελάγεσι* (dat.) *τῆς διδύμης θαλάττης γέγονεν ἐμφύλια κακὰ περὶ τοὺς Φινεΐδας. Κνανέοις δὲ πελάγεσιν εἶπεν τοῖς ὑπὸ τῶν Κνανέων πετρῶν περιεχομένοις*. Dionys. Perieg. 156. *ἐκ τοῦ δ' ἂν καὶ πόντον ἴδους διθάλασσον ἔοντα*. Eur. Iph. T. 421. *τὰς συνδρομάδας πέτρας*. Aesch. Pers. 866. *οἶαι Στρομμονίου πελάγους Ἀχελώιδες εἰσὶ πάροικοι Θρηκίων ἐπαύλων*.

967. *ἀκταὶ —*] Sc. *εἰσὶ. ὁ Θρηκῶν ἄξενος*] Cf. Aesch. Prom. 726. *ἴνα | τραχεῖα πόντου Σαλμυδησοῖα γνάθος, | ἐχθρόξενος ναῦταισι, μητριὰ νεῶν*. Schol. ad Apoll. Rhod. II. 177. *ὑπὸ πάντων ὁμολογεῖται τὸν Φινέα περὶ τὸν Σαλμυδησοῦν κατοικῆσαι. ὁ δὲ Σαλμυδησοῦς ἐστὶ τῆς Θράκης ἐστὶ κατὰ τὰ ἀριστερὰ εἰσπλέοντι τὸν Πόντον*.

968. *ἀκταὶ Βοσπόρμαι*] Sub. *εἰσὶν*.

970. *ἀγχίπολις Ἄρης*] Sic *Ἄρηκα Παλλάς* dicitur *ἀγχίπολις* in Aesch. Sept. 501. quia templum aut sacellum ejus prope oppidum situm erat. Schol. *παρὰ γὰρ Θραξὶ τιμᾶται ὁ Ἄρης, ὡς ὁ ποιητὴς* (Il. 13, 301.) *‘τῶ μὲν ἄρ' ἐκ Θρηκῆς Ἐφύρουσ μετὰ θωρήσεσθον.’ Ἄρης* hoc facinus saevum et crudele inspexisse dicitur quia omnia facinora violenta ei deo tribuebantur, et quia inter deos regionis istius *ἐγχωρίους* habebatur. Hinc Clemens Alex. Protr. II. p. 24. *Σοφοκλῆς δὲ Θραξικὰ οἶδεν αὐτὸν* (Aρη).

et Alexander apud Theonem Smyrn. (ap. Gale Add. ad Parth. p. 49.) *πυρόεις ἀστήρ Θορήκος Ἄρηος.*

971. *διόσσειο Φινεΐδας*] Cf. Timocl. 6, 13. *ὀφθαλμῆ τις; εἰσι Φινεΐδαι τυφλοί.* Eur. Iph. T. 422. *Φινεΐδας ἀύπνους ἀκτῆς ἐπέρασαν.* Virg. Aen. III. 210. *Φινεΐδαι* commemorantur etiam Arist. Poet. 16.

972. *ἔλκος* —] Cf. Pind. N. VIII. 49. *δάοισιν — ἔλκεια δῆξαν.* Virg. Ecl. VIII. 47. 'Saevus Amor docuit natorum sanguine matrem | commaculare manus.' *Ἐλκος ἀράσσειν* dictum ut *κείρειν φόνον* (Aj. 55.), *σφάζειν αἷμα, τιρώσκειν φόνον, τέγγειν δάκρυ,* etc.

973. *ἀραχθὲν*] Sic pro *τυφλωθὲν* Wunder. Dind. alii. Cf. 52. *διπλᾶς | ὄψεις ἀράξας αὐτὸς αὐτονεγῶ χειρὶ.* O. R. 1276. *ἦρασσ' ἐπαίρων (ἦρασσεν αἴρων?) βλέφαρα.*

974. *ἀλαῶν*] Proleptice positum. Cf. O. C. 1200. *τῶν σὼν ἀδέρκτων ὀμμάτων ητῶμενος.* *ἀλαστορόισιν*] Cf. Schol. *τοῖς ἀλαστα πεπονθόσιν, ἧ τοῖς δυστυχέσι κύκλοις τῶν ὀμμάτων.* Dativus loci est *κύκλοις.*

975. *ὕφ' αἱματηραῖς χείρεσσι*] Cf. O. R. 203. *ὑπὸ σφ' φθίσον κεραναῶ.* Hom. II. 1, 860. *ἐδάμη ὑπὸ χερσὶν Αἰακίδου.* 3, 352. *καὶ ἐμῆς ὑπὸ χερσὶ δάμασσον.* 8, 344. *πολλοὶ δὲ δάμεν Τρώων ὑπὸ χερσίν.* 14, 42. 4, 479. 5, 653. 11, 444. 10, 452. 22, 208. 5, 556. *χείρεσσιν ὑπ' Αἰνείαιο δαμέντε.* 13, 816. *χερσὶν ὑφ' ἡμετέρῃσιν ἄλοῦσά τε περθημένη τε.* Od. 3, 234. *ὡς Ἀγαμέμνων | ὠλεθ' ὑπ' Αἰγίσθοιο δόλω* etc. Hesiod. Op. 152. *χείρεσσιν ὑπὸ σφετέρῃσι δαμέντες.* Scut. 362. *ἐμῶ ὑπὸ δουρὶ τυπαίς.* 367. Pind. N. I. 67. *βελέων ὑπὸ δίπταισι.* VIII. 50. *πολεμιζόμενοι ὑπ' ἀλεξιμβρότῳ λόγχῃ. χείρεσσι*] Cf. 1297. (Utrobique in melicis.) Sic *τείχεσσι* Aesch. Cho. 363. *μερόπεσσι* Suppl. 91. *βαρίδεσσι* Pers. 559. *διπλάκεσσι* 282.

976. *κερκίδων ἀκμαῖσιν*] Cf. Fr. 48. *ἄχνην* (leg. *ἀκμήν*) *Λυδῆς κερκίδος.* Apollod. II. 8. 1. *ἡ δὲ κερκίσι τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐξώρυσεν αὐτοῦ.* Antonin. Lib. 25. *ἐπάταξαν ἐαντῆς τῇ κερκίδι παρὰ τὴν κλεῖδα καὶ ἀνέρορῆξαν τὴν σφαγὴν.* Eur. Or. 1482. *φασγάνων ἀκμάς.* Suppl. 318. *λόγχης ἀκμήν.*

977. *κατὰ — τακόμενοι*] Cf. El. 187. *ἄτις — κατατάκομαι.* 283. *κλαίω, τέτῃκα.* Hom. II. 3, 176. *τὸ καὶ κλαίονσα τέτῃκα.*

978. *πάθαν*] Eadem forma est O. C. 7. Aj. 295.

979. *μέλειοι μελέαν* —] Cf. O. R. 479. *μέλεος μελέω ποδὶ χηρεύων.* Arist. Ach. 1151. *τὸν μέλεον τῶν μελέων ποιητήν.* Antiphan. III. 121. *οἱ νῦν δὲ — ἀνθεισιπότατα μέλεα μελέοις ὀνόμασι | ποιοῦσιν.*

980. *ἀνύμφετον*] Schol. *κακόννημον.* I. q. *ἀννύμεναιον* (917. El. 962. O. C. 1222.). Cf. El. 164. *ἄτεκνος τάλαιν' ἀνύμφετος αἰὲν οἰγῶ.* 1183. *φεῦ τῆς ἀνύμφον δυσμόρου τε σῆς τροφῆς.*

981. *ἀρχαιογόνων* — *Ἐρεχθειδῶν*] Cf. Aj. 203. *γενεᾶς χυθόνων ἀπ' Ἐρεχθειδῶν.* Sic *πρωτογόνων* Ph. 180.

982. Ἐρχεθιδᾶν] Schol. τῶν Ἀθηναίων. Dem. p. 1385. τὸν μὲν καὶ ἐκ γένους ὄντα τοῦ Εὐμολπιδῶν. Aesch. Eum. 58. οὐδ' ἦτις αἶα τοῦτ' ~~ἠένυχεται γένος~~. m. cn

983. τηλεπόροις] Cf. Arist. Nub. 967. τηλεπορον βόαμα.

984. Cf. Hesiod. Th. 268. αἶ ῥ' ἀνέμων πνοιῆσι καὶ οἰωνοῖς ἄμ' ἔπονται. Tyrt. 8, 54. μηδὲ πρόσθε θέειν ἀνέμων.

985. Βορέας] Cf. Theogn. 716. ὠκύτερος δ' εἶησθα — παίδων Βορέω, τῶν ἄφαρ εἰσι πόδες. Tyrt. 12, 4. νικῶν δὲ θεῶν Θρηῆκιον Βορέην. ὀρθόποδος ὑπὲρ πάγον] Cf. 1126. ὑπὲρ διλόφοιο πέτρας. ὀρθόποδος —] Schol. ὑψηλοῦ ὄρους καὶ ἀκρωρείας. Cf. Aesch. Eum. 294. τίθησιν ὀρθὸν — πόδα. Infra 1145. Παρνασίαν ὑπὲρ κλιτύν. Fr. 110, 1. ἀπ' ὀρθίων πάγων | καθείρπεν ἔλαφος.

986. κἀπ' ἐκείνα — ἔσχον] Assailed even her. Cf. Phil. 1120. στυγεράν ἔχε δύσποτμον ἄρὰν ἐπ' ἄλλοις. Hom. Od. 19, 71. δαιμονίη, τί μοι ὦδ' ἐπέχεις (Lat. in me invehēris) κεκοτηοῖ θυμῷ. 22, 75. ἐπὶ δ' αὐτῷ πάντες ἔχωμεν | ἀθροοί (ingruamus). 22, 15. ἐπισχόμενος βάλεν ἰῶ. Arist. Lys. 490. οἱ ταῖς ἀρχαῖς ἐπέχοντες. Pind. Ol. 2, 160. τόξον σκοπῶ ἐπέχειν. Eur. Herc. 984. ἄλλω ἐπέσχε τόξα. Her. 847. Εὐρυσθέως | πύλοισ ἐπέιχε. Herod. IX. 59. ἐπέιχε τε ἐπὶ Λακεδαιμονίους — μόνους. Thuc. 8, 105. Hesiod. Scut. 350. τί νῦν νῶϊν ἐπίσχετον ὠκέας ἵππους —; 352. ἀλλὰ παρῆξ ἔχε δίφρον. Schol. ἔσχον δὲ ἐπέσχον, ἐπετέθησαν, ἐπεβάρησαν.

987. μακραιωνες] Longaevae. Cf. O. R. 1099. τῶν μακραιώνων.

988. Θήβης ἄνακτες] Cf. O. R. 911. χώρας ἄνακτες. O. C. 295. 831. Eur. Ion. 1227. Δελφῶν — ἄνακτες. Andr. 508. Φθίας κράντορες.

994. δι' ὀρθῆς] Sic κατ' ὀρθήν O. R. 696. ἐκ ταχείας Tr. 395. διὰ κενῆς Arist. Vesp. 929. τήνδ' ἐνανκλήρεις πόλιν] Cf. Aesch. Sept. 652. σὺ δ' αὐτὸς γινῶθι ναυκληρεῖν πόλιν. Supra 167. ἦνίκ' Οἰδίπους ὤρθον πόλιν.

996. φρόνει βεβῶς —] Cf. Tr. 289. φρόνει νῦν ὡς ἤξοντα. ἐπὶ ξυροῦ τύχης] I. e. in summo discrimine. Sed scripserat, nī fallor, ἀκμῆς ἐπὶ ξυροῦ. Cf. Hom. Il. 10, 173. νῦν γὰρ δὴ πάντεσσιν ἐπὶ ξυροῦ ἴσταται ἀκμῆς. Simonid. Fr. 103. ἀκμᾶς ἕστακνίαν ἐπὶ ξυροῦ Ἑλλάδα πᾶσαν | ταῖς αὐτῶν ψυχαῖς κείμεθα ὀυσάμενοι. Herod. VI. 11. ἐπὶ ξυροῦ γὰρ ἀκμῆς ἔχεται (ἴσταται?) ἡμῖν τὰ πρῆγματα. Theogn. 557. φράζεο· κίνδυνός τοι (φράζεο δὴ πάντεσσιν?) ἐπὶ ξυροῦ ἴσταται ἀκμῆς. Theocr. XXII. 6. ἀνθρώπων σωτήρας ἐπὶ ξυροῦ ἤδη ἰόντων. Eur. Herc. 630. ὦδ' ἔβητ' ἐπὶ ξυροῦ; Hel. 897. ὄν — ἐπ' ἀκμῆς εἰμι κατθανόντ' ἰδεῖν. Lucian. Jon. Trag. 3. ἐν ἐσχάτοις τὰ θεῶν πράγματα καὶ, τοῦτο δὴ τὸ τοῦ λόγου, ἐπὶ ξυροῦ (add. ἀκμῆς?) ἔστηκεν.

997. τὸ σὸν φρίσσω στόμα] Cf. Eur. Hipp. 417. οὐδὲ σκότον

φρίσσοι. 855. τὸ δ' ἐπὶ τῷδε πῆμα φρίσσω πάλα. Cycl. 322. Ζηρός δ' ἐγὼ κεραννὸν οὐ φρίσσω, ξένε.

999 sq. Cf. Aesch. Sept. 24. νῦν δ', ὡς ὁ μάντις φηοῖν, οἰωνων βοτήρ, | ἐν ᾧσι νομῶν καὶ φρεσὶν πυρὸς δίχα. etc. Euripides tamen Tiresiam ἐμπύρω τέχρη usum esse testatur.

999. ἐς — θᾶκον ὀρνιθοσκοπὸν ἴζων] Cf. Aesch. Prom. 833. ἀμφὶ Δωδώνην, ἵνα | μαντεία θᾶκός τ' ἐστὶ Θεσπρωτοῦ Διός. Eur. Phoen. 853. οἰωνίσματα' ὀρνίθων μαθῶν | θάκοισιν ἐν ἱεροῖσιν οὐ μαντεύομαι. Bacch. 347. ἔλθῶν δὲ — θάκους τοῦδ' ἴν' οἰωνοσκοπεῖ. Ion. 1618. εἰς θρόνους γ' ἴζου παλαιούς. Hel. 303. πρὸς πλουσίαν τράπεζαν ἴζουσα. 885. καὶ προσκαθίζω θᾶκον οὐκ εὐδαίμονα. Andr. 44. εἰς ἀνάκτορον | θάσσω τόδ' ἔλθοῦσ'. Eur. Fr. 793, 1. τί δῆτα θάκοις ἀρχικοῖς (leg. μαντικοῖς) ἐνήμενοι | σαφῶς διόμνυσθ'. (διόμνυτ'?) εἰδέναι τὰ δαιμόνων —; Arist. Ran. 198. 682. Nub. 254.

θᾶκον ὀρνιθοσκοπὸν] Significatur Tiresiae οἰωνοσκοπεῖον, de quo v. Paus. IX. 16. 1. (Dind.)

1000. λιμῆρ] Receptaculum. Cf. Ant. 1284. δυσκάθατος ἄιδου λιμῆρ. Aj. 683. O. R. 420. 1208. γάμου λιμῆρ. O. C. 100. Eur. Med. 768. οὗτος γὰρ ἀνήρ — λιμῆρ φέρονται τῶν ἐμῶν βουλευμάτων. Or. 1077. μέγας πλούτου λιμῆρ.

1001. ἀγνώτ' ἀκούω φθόγγον] Cf. Aesch. Ag. 1021. ἀγνώτα φωνὴν βάρβαρον κεκτημένη.

1002. κλάζοντας] Cf. ad 112. Hom. Il. 10, 276. κλάγξαντος ἄκουον. 12, 207. κλάγξας πέτετο. 16, 429. αἰγυπιοὶ μεγάλα κλάζοντε. Exspectabas hic κλαζόντων. Eadem constructio est Phil. 497 sq. O. R. 1376 sq. Aesch. Prom. 144. φοβερὰ δ' ἐμοῖσιν ὄσοις δμίχλα προσῆξε — σὸν δέμας εἰσιδούσα. Thuc. VII. 42. καὶ τοῖς μὲν Συρακοσίοις — κατάπληξις ἐγένετο — ὀρώντες etc.

1003. Cf. Aesch. Pers. 207. κίρκον — χηλαῖς κάρα τίλλοντα.

1004. ῥοῖβδος] Stridor, strepitus. Hinc ἀπορροιβθεῖν 1021. Cf. Eur. Iph. A. 1086. ῥοιβδήσει. Arist. Nub. 407. τοῦ ῥοιβδου καὶ τῆς ῥύμης. Av. 1182. ῥύμη τε καὶ περοῖσι (?) καὶ ῥοιζήμασιν. Hom. Il. 16, 361. σκέπτει' δισιῶν τε ῥοίζον καὶ δοῦπον ἀκόντων. Soph. Tr. 568. διερροίζησεν. ἄσημος] Cf. 1209. Tr. 866. ἤχει τις οὐκ ἄσημον — κωκυτόν. O. C. 1668. γόνων οὐκ ἄσημονες φθόγγο. Herod. II. 2. 5. ἀσήμων κνυζημάτων. V. 92. χρηστήριον — ἄσημον.

1005. ἐμπύρω] Cf. Eur. Phoen. 954. ὄσις δ' ἐμπύρω χρεῖται τέχρη | μάταιος. Iph. T. 16. εἰς ἐμπυρὸν ἦλθε καὶ λέγει Κάλχας τάδε. Andr. 1113. τυγχάνει δ' ἐν ἐμπύροις. Suppl. 155. μάντις δ' ἐπῆλθε ἐμπύρων τ' εἶδες φλόγα; Phoen. 1255. μάντις δὲ μῆλ' ἔσφαζον ἐμπύρους τ' ἀκμάς | ῥήξεις τ' ἐνωμων, etc. Apoll. Rhes. I. 145. οἰωνούς τ' ἀλέγειν ἢ δ' ἐμπυρα σήματ' ἰδέσθαι. Pind. Ol. VIII. 3. ἐμπύροις τεκμαιρόμενος. Isth. III. 21. αὔξομεν ἐμπυρα θανόντων. Contra Aesch. Ag. 69. ἀπύρων ἱερῶν. Pind. Ol. VII. 88. ἀπύροις ἱεροῖς. ἐγευόμην] Cf. Arist. Ran. 462. γεύσει τῶν θυρῶν.

1006. βωμοῖσι παμφλέκτοισιν] All-devouring. Cf. El. 1139. παμφλέκτον πυρός. Axionic. III. 532. πυρὶ παμφλέκτω. Eur. Med. 1184. νᾶμα παμφάγον πυρός. ἐκ δὲ θυμάτων Ἥφαιστος οὐκ ἔλαμπεν] Cf. Eur. Phoen. 1255. μάντις δὲ μῆλ' ἔσφαζον, ἐμπύρους τ' ἀκμάς | ῥήξεις τ' ἐνώμων ὑγρότητ' ἐναντίαν, | ἄκραν τε λαμπάδ', ἦ δυοῖν ὄρους ἔχει, etc. Ovid. Epist. Pont. IV. 9. 54. 'detque bovum voto lucidus omen apex.'

1007. Ἥφαιστος] Cf. 123. Eur. Iph. A. 1601. ἐπεὶ δ' ἄπαν | κατηνθρακώθη θυμ' ἐν Ἥφαιστοῦ φλογί. Hom. Il. 2, 226. σπλάγχνα — ὑπέρεχον Ἥφαιστοιο. 17, 88. Aesch. Ag. 289.

1008. μυδῶσα κηκίς] Nidor. Anglice the unctuous vapour. Cf. Aesch. Cho. 268. θανόντας ἐν κηκίδι πισσῆρει φλογός. 1012. φόνου δὲ κηκίς ξὺν χρόνῳ ξυμβάλλεται. Ag. 960.

1009. ἐτυφε] Fumum ciebat. Cf. Eur. Cycl. 655. τυφέτω. 651. τυφῆσθω Κύκλωφ. Tro. 146. τύφεται Ἴλιον. Hec. 478. Bacch. 8.

1010. χολαί] Pluralis ponitur quia plures victimae offerebantur. Cf. Aesch. Prom. 495. Eur. El. 827. λοβός μὲν οὐ προσῆν | σπλάγχνοις, πύλαι δὲ καὶ δοχαὶ χολῆς πέλας | κακὰς ἔφαινον τῶ σκοποῦντι προσβολάς. Com. anon. IV. 613. ὄστις ἐλλίξει θεοὺς | δοσιῶν ἀσάρκων καὶ χολῆς πυρουμένης — χαιρεῖν ἀπαρχαῖς. καταρρυεῖς] Cf. Arrian. Ind. 30, 8. καὶ τὰς σάρκας αὐτοῖσι περιρρεούσας ὑπολείπειν τὰ δοτεᾶ.

1011. καλυπτῆς ἐξέκειντο πιμελῆς] Cf. Aesch. Prom. 496. κνίσθη τε κῶλα συγκαλυπτὰ. Hom. Il. 1, 460. μηρούς τ' ἐξέταμον κατὰ τε κνίσθη ἐκάλυψαν | δίπτυχα ποιήσαντες. 2, 423. Od. 3, 458. 12, 360. Herod. II. 47. ἐπεὰν θύσῃ, τὴν οὐρὴν ἄκρην καὶ τὸν σπλήνα καὶ τὸν ἐπίπλοον συνθεῖς ὁμοῦ κατ' ὧν ἐκάλυψε πάσῃ τοῦ κτήνεος τῆ πιμελῆ. Malum omen habebatur quando igne non omnino consumebantur femora.

1013. φθίνοντ' —] Cf. O. R. 906. φθίνοντα — Λαῖον θέσφατ' ἐξαιροῦσιν ἤδη. ἀσήμων] Cf. Aesch. Prom. 683. αἰολοστόμους | χρησμούς ἀσήμους δυσκρίτως τ' εἰρημένους. ὄργίων] Cf. Tr. 765. Aesch. Sept. 180. φιλοθύτων — ὄργίων.

1015. νοσεῖ πόλις] Cf. Eur. Herc. 34. στάσει νοσοῦσαν — πόλιν. 273. πόλις | στάσει νοσοῦσα. Iph. A. 411. Ἑλλάς — νοσεῖ.

1016. ἐσχάαι] Cf. Soph. Fr. 35. καὶ βωμιαῖον ἐσχάρας (adde βάθρον?) λαβῶν —. Eur. Alc. 117. θεῶν ἐπ' ἐσχάραις. Her. 122. ἐπ' ἐσχάραν Διός. Ph. 281. βώμοι ἐσχάραι. Andr. 1139. βωμοῦ δεξιμηλον ἐσχάραν. Fr. 628. μηλοσφαγεῖ τε δαιμόνων ἐπ' ἐσχάραις. Ammon. v. βωμός. παρὰ Εὐρεπίδῃ ἐσχάρα ἀντὶ τοῦ βωμοῦ κείται etc.

1019. θυσιάδας λιτάς] Supplicationes sacrificales. Schol. τὰς διὰ θυσιῶν γινομένας λιτάς. Cf. Aesch. Sept. 269. θυσιάδος βοῆς (schol. τῆς παρὰ ταῖς θυσίαις γινομένης).

1020. μηρίων φλόγα] Cf. Tr. 766. φλόξ αἱματηρά.

1021. *δρονις*] *Correpta ultima*. Cf. El. 149. *δρονις ἀτυζομένα* etc. Fr. 578. Eur. Herc. 974. *βωμὸν δρονις ὡς ἐπηξ' ὕπο*. 71. *ProduciturweademocAristoAv*. 103. *εὐσήμονις*] *Distinct, clear*. Cf. Aesch. Eum. 392. *ἦ καὶ τοιαύτας τῶδ' ἐπιρροίεις φρυγᾶς; 'Ροιζεῖν et δροῖζος* apud Homerum de sono usurpantur. Similes versus elumbes sunt Aesch. Cho. 150. 493. Pers. 465.

1022. *ἀνδροφθόρου — αἵματος*] Cf. Phil. 266. *ἀνδροφθόρου — ἐχίδνης*. Aesch. Eum. 737. *βροτοφθόρους κηλίδας*. Eur. Or. 833. *ματροκτόνον αἶμα*. Aesch. Cho. 27. *λινόφθοροι δ' ὑφασμάτων λακίδες* etc. Hesiod. Scut. 256. *αἱ δὲ φρένας εἴτ' ἀρέσαντο | αἵματος ἀνδρομέου*. Eur. Phoen. 952. *αἶμ' ἦν λάβη βρότειον*. De numeri mutatione cf. Phoen. 886. Plut. Caes. 35. *ὑπήκουσε δ' οὐδεις, εἴτε φοβούμενοι*, etc. *αἵματος λίπος*] I. e. *θρόμβους*. Cf. Aesch. Ag. 1428. *λίπος ἐπ' ὀμμάτων αἵματος ἐμπρέπει* (I. *αἱματόεν πρέπει*).

1023—1028. Cf. Aesch. Prom. 1037 sq. *ἡμῖν μὲν Ἐρμῆς οὐκ ἄκαιρα φαίνεται | λέγειν* etc.

1023. Cf. Terentii illud 'Humanum est errare.'

1025. Cf. Eur. Hipp. 778. *βασιλις οὐκέτ' ἔστι δὴ | γυνή*.

1026. *ἄνολβος*] Cf. 1265. *ἐμῶν ἄνολβα βουλευμάτων*. Aj. 1156. *τοιαῦτ' ἄνολβον ἄνδρ' ἐνουθέτει παρών*.

1027. *ἀκίνητος*] Cf. Arist. Ran. 898. *λῆμα δ' οὐκ ἄτολμον ἀμφοῖν | οὐδ' ἀκίνητοι φρένες*.

1028. *σκαιότητ'*] Cf. Critiam trag. Fr. 5, 1. *σοφῆς δὲ πενίας σκαιότητα πλουσίαν | κρείσσον* etc.

1030. *τὸν θανόντ' ἐπικτανεῖν*] Cf. 1288. *αἰαῖ, δλωλότ' ἄνδρ' ἐπεξεργάσω*. Phil. 946. *κοῦκ οἶδ' ἐναίρων νεκρόν*. Aj. 1348.

1031. *εὐ σοι φρονήσας* —] Cf. Eur. Iph. T. 353. *οἱ δυστυχεῖς γὰρ τοῖσιν εὐτυχεστέροις — οὐ φρονοῦσιν εὐ*. Aesch. Ag. 411. *εὐ φρονῶν ἐμοί*. Eur. Rhes. 653. *ἀεὶ ποτ' εὐ φρονοῦσα τυγχάνεις πόλει*. Arist. Pl. 577. *τοὺς γὰρ πατέρας φεύγουσι φρονοῦντας ἄριστα αὐτοῖς*. Soph. El. 334. *εὐ λέγω*] Cf. 723. *τῶν λεγόντων εὐ καλὸν τὸ μανθάνειν*. δ'] Cf. ad O. R. 29.

1033. *ὥστε τοξόται σκοποῦ* —] Cf. 1084. Aesch. Ag. 611. *ἔκυρσας ὥστε τοξότης ἄκρος σκοποῦ*. Aesch. Suppl. 446. *γλώσσα τοξεύσασ' ἃ μὴ 'σι καιρία*. Eur. Hec. 603. *καὶ ταῦτα μὲν δὴ νοῦς ἐτόξευσεν μάτην*. Suppl. 456. *καὶ ταῦτα μὲν δὴ πρὸς τάδ' ἐξηκόντισα*. ὥστε] Cf. 587. 653.

1034. *τοξεύει' ἀνδρὸς τοῦδε*] Cf. Eur. Tro. 645. *ἐγὼ δὲ τοξεύσασα τῆς εὐδοξίας, | λαχοῦσα πλεῖον (?)*, *τῆς τύχης ἡμάρτανόν*. Iph. T. 362. *δσας γενείου χεῖρας ἐξηκόντισα*. Bacch. 664. *αἶ τῆσδε γῆς — κῶλον ἐξηκόντισαν*. Ion. 1411. *εἰς τοῦθ' ἰκοίμην τοῦδε τοξεύω, τέκνον*. Menand. IV. 257. *αἰσχρόν γ' ὅταν τις γλώσση ματαίους ἐξακοντίσῃ λόγους*. Pind. N. VI. 28. *ἔλλομαι — σκοποῦ ἄντα τυχεῖν ὥστ' ἀπὸ τόξου ἰεῖς*. Plat. Theaet. 180. *ὥσπερ ἐκ φαρέτρας ῥηματίσκια αἰνιγματώδη ἀνασπῶντες ἀποτοξεύουσι*. Sic ἀκοντίζειν τινός,

Hom. Il. 8, 118. τοῦ δ' ἰθὺς μεμαῶτος ἀκόντισε Τυδέος υἱός. 13, 516. τοῦ δὲ βράδην ἀπίοντος ἀκόντισε δουρὶ φαεινῷ. In scholio προηγή-
ρες pro προηγήτες. (Hom.) Od. 18, c162.) legendum Cobeto vldetur.

1035. γένους] Cf. 1055. τὸ μανικὸν — γένος. 342. ἱππείω
γένει. Aj. 398. θεῶν γένος. De ὑπαί in senario cf. El. 711. 1409.

1036. ἐξημπολόημοι] Schol. πεπραγματεύμαι, προδόδομαι, φόρ-
τος γεγένημαι. Cf. Phil. 579. τί με — διεμπολῶ λόγιοι —; 303.
ἐξεμπολήσει κέρδος. 978. πέπραμαι. Tr. 537. κόρην γὰρ — παραιο-
δέδεγμαί, φόρτον ὥστε νατίλος, | λωβητὸν ἐμπόλημα τῆς ἐμῆς
φρενός. Arist. Pac. 633. S. Pet. Epist. II. 2. 3. ἐν πλεονεξίᾳ πλα-
στοῖς λόγοις ὑμᾶς ἐμπορεύσονται (make merchandise of you?').
κάκπεφορτισμαί] Cf. Hesiod. Op. 690. μηδ' ἐνὶ νηυσὶν ἅπαντα
βίον κοίλῃσι τίθεσθαι, | ἀλλὰ πλέω λείπειν, τὰ δὲ μείονα φορτίζε-
σθαι. Machon. apud Athen. XIII. 582 E. Ὑμήτιόν τε φορτιούμενος
(qu. τ' ἐμφορτ.) μέλι.

1038. ἤλεκτρον — χρυσόν] Cf. Hom. Od. 4, 73. χρυσοῦ ἤλε-
κτρον τε καὶ ἀργύρου ἠδ' ἐλέφαντος. Hesiod. Scut. 142. ἠλέκτρον
θ' ὑπολαμπές ἔην χρυσοῦ τε φαεινῷ. Herod. III. 115. ποταμὸν —
ἀπ' οὗτεν τὸ ἤλεκτρον φοιτᾷν λόγος ἐστί. ibid. 5 τε κασσίτερος —
καὶ τὸ ἤλεκτρον.

1039 sq. Cf. El. 1487.

1042. οὐδ' ὡς] Cf. Arist. Nub. 527. Dem. p. 1032. οὐδ' ὡς
χαλεπὸν ἐστὶ γυνῶνα περὶ αὐτῶν.

1043. θάπτειν παρείην] Cf. Arist. Pl. 331. δεινὸν γὰρ εἰ —
αὐτὸν δὲ Πλοῦτον παρείην τῷ λαβεῖν.

1044. θεοὺς μαίνειν] Cf. Eur. Herc. 1232. τί δ'; οὐ μαίνεις
θνητὸς ὄν τὰ τῶν θεῶν; Fr. 91, 3. τὸ καλῶς πεφυκὸς οὐδεὶς ἂν
μάνειεν λόγος.

1045. πίπτοναι — πτώματ'] Cf. Aesch. Prom. 919. πεσεῖν ἀτί-
μως πτώματ' οὐκ ἀνασχετά. Sic πηδᾶν πήδημα, ἄλλεσθαι ἄλμα, etc.

1046. οἱ πολλὰ δεινοί] Cf. O. C. 1514. Aj. 911. ὁ πάντα κωφός.
El. 1326. ὦ πλείστα μῶροι. Eur. Ph. 254. ὦ πόλλ' ἐγὼ μοχθηρός.

ἔταν λόγους —] Cf. Eur. Hipp. 505. τῆσχα δ' ἦν λέγης καλῶς.

1048. ἀνθρώπων τις] A certain one (or any one) of mor-
tals. Ambigue dictum. φράζεται] Percipit. Cf. Aj. 1041. Eur.
Hec. 546. ἐφράσθη.

1050. Cf. 683. 702. O. R. 549. Ph. 81. 673. El. 1015. προ-
νοίας οὐδὲν ἀνθρώποις ἔφην | κέρδος λαβεῖν ἄμεινον οὐδὲ νοῦ σοφοῦ.
Eur. Fr. 501. καὶ κτήμα δ', ὦ τεκοῦσα, κάλλιστον τότε | πλοῦτου
δὲ (τε?) κρείσσον. Eubul. III. 260. πάντων ἄριστον κτημάτων (γυνή).

1051. μὴ φρονεῖν] Cf. Aj. 554. Eur. Iph. A. 586.

1052. νόσον πλήρης] Cf. Ph. 520. ὅταν πλησθῆς τῆς νόσου
ξυνοουσία. 39. δάκη — νοσηλείας πλέα. Isocr. Or. XV. § 265. τὴν
νόσον ταύτην (τὴν ἀμαθίαν) διαφυγεῖν.

1053. τὸν μάντιν ἀντιπεῖν κακῶς] To speak evil in return of the seer.

1055. Cf. Fr. 512. φιλόργυρον μὲν πᾶν τὸ βάρβαρον γένος. Eur. Iph. A. 520. τὸ μαντικὸν πᾶν σπέρμα φιλότιμον κακόν. Fr. 1001. ἀεὶ ποί' ἐστὶ σπέρμα κηρύκων λάλον. Herc. 636. πᾶν δὲ φιλότεκνον γένος. Alex. 68. ἀεὶ φιλόμυρον πᾶν τὸ Σάρδεων (Σύρον ἐστίν;) γένος.

1056. τὸ δέ γε τύραννον] Cf. O. R. 362. σὺ δ' ἄθλιός γε etc. τύραννον] Infra 1169. τύραννον σχῆμα. O. R. 585. Eur. Hel. 514. τυράννοις δόμοις.

1057. ταγούς] Cf. Aesch. Prom. 96. ὁ νέος ταγὸς μακάρων. Pers. 23. ταγοὶ Περωῶν. 480. Arist. Eq. 159. ὃ τῶν Ἀθηνῶν ταγὲ τῶν εὐδαιμόνων. Xen. Hell. VI. 1. 8. Hom. Il. 23, 160.

1060. τᾶκίγητα] Cf. O. C. 1526. δ' δ' ἐξάγιστα μηδὲ κινεῖται λόγῳ. διὰ φρενῶν φράσαι] Cf. Eur. Med. 1051. προσέθαι μαλθακοὺς λόγους φρενί. Similiter fere διὰ στέρων ἔχειν τι supra 639.

1061. κίνει — λέγων] Cf. Phil. 590. ποιῶ λέγων.

1062. οὕτω] I. e. ἐπὶ κέρδεσιν. Cum δοκῶ supple λέξιν. τὸ σὸν μέρος] Cf. Phil. 492. Aj. 99. 1313. 1401. ἐπαιπέσας τὸ σὸν Aesch. Ag. 550. Plat. Crit. 50 B. etc. Tr. 1215. κοῦ κάμει τούμὸν μέρος.

1063. Cf. Ph. 253. ὡς μηδὲν εἰδότη' ἴσθι μ' ὧν ἀνιστορεῖς. 567. ὡς ταῦτ' ἐπίστω δρώμεν'. 415. Arist. Ach. 325. ὡς τεθνήξων ἴσθι νυγί. ἐμπολήσων] Schol. ἐξαπατήσων. Cf. Tr. 538. λωβητὸν ἐμπολήμα (schol. ζημίαν) τῆς ἐμῆς φρενός. Phil. 579. τί με — διεμπολᾶ λόγοισι —; Eur. Ion. 1371. ἀπημπούλα με λάθρα. Phoen. 1228. μήτε Πολυνείκους χάριν | ψυχὰς ἀπεμπολάτε, etc. Arist. Ach. 374. λανθάνουσ' ἀπεμπολώμενοι. Pac. 633. πωλούμενος — οὐκ ἐμάνθανεν. S. Petr. Epist. II. 2. 3. πλαστοῖς λόγοις ὑμᾶς ἐμπορεύονται. 14. 15. S. Paul. Epist. Tit. I. 11. Philipp. III. 19. Jud. 11. 16. Ezek. XIII. 19.

1064 sq. Cf. El. 1364 sq. O. C. 617. ἀλλ' εὔ γέ τοι ἄκατισθι —] Cf. Tr. 1107. ἀλλ' εὔ γέ τοι τόδ' ἴστε. Aj. 1370.

1065. τροχούς — ἡλίον] Cf. Hor. Carm. II. 5. 13. 'currit enim ferox aestas.' ἀμιλλητήρας] Cf. O. C. 1063. διμφοαρμάτοις φεύγοντες ἀμιλλαις. El. 861. Eur. Or. 450. γέροντι δεῦρ' ἀμιλλᾶται ποδί. Andr. 1086. τρεῖς μὲν φαεινὰς ἡλίον διεξόδους etc.

1067. ἀντιδούς ἔσει] Cf. O. C. 816. λυπηθεῖς ἔσει. O. R. 1146. οὐ σιωπήσας ἔσει;

1068. τῶν ἄνω] Superiorum. Anglice of the living. Cf. 697. 1322. El. 1167. ἡνίκ' ἦσθ' ἄνω. Phil. 1348. Aesch. Cho. 123. κῆρυξ μέγιστε τῶν ἄνω τε καὶ κάτω. Eur. Hec. 791. οὔτε τοὺς γῆς νέρθεν οὔτε τοὺς ἄνω δείσας. Infra 1072. τοῖς ἄνω θεοῖσιν. Supple τινα. Cf. ad El. 1322.

1070. Cf. Arist. Pac. 649. ἀλλ' ἔα τὸν ἄνδρ' ἐκείνον οὐπερ ἔστι εἶναι κάτω | οὐ γὰρ ἡμέτερος ἔτ' ἔστι ἐκείνος ἀνήρ, ἀλλὰ σός. De Cleone dictum, qui jam mortuus erat. Eur. Hel. 1161. νῦν δ' οἱ μὲν Ἄϊδα μέλονται κάτω. τῶν κάτωθεν — θεῶν] Cf. El. 1058. τοὺς ἄνωθεν — οἰωνούς. Eur. Alc. 426. τῷ κάτωθεν ἀσπόνδῳ θεῷ. Hel. 1020. τοῖς ἄνωθεν. Tr. 601. ταῖς ἔσωθεν. 315. τῶν ἐκείθεν. Arist. Pac. 313. εὐλαβεῖσθε — τὸν κάτωθεν Κέρβερον. Supra 451. τῶν κάτω θεῶν. El. 292. οἱ κάτω θεοί. Aj. 571. τοῦ κάτω θεοῦ. Ant. 75. τοῖς κάτω.

1071. ἄμοιρον] Sc. ταφῆς. Cf. Aj. 1327. οὐ φησ' ἑάσειν τόνδε τὸν νεκρὸν ταφῆς | ἄμοιρον. ἀνόσιον] I. e. μὴ τυχόντα τῶν δόλων (schol.).

1072. τοῖς ἄνω θεοῖσιν] Cf. Fr. 856, 12. ἐν θεοῖς ἄνω. Eur. Hec. 791. Fr. 434, 2. Aesch. Cho. 123.

1073. βιάζονται τάδε] Cf. 66. βιάζομαι τάδε. Aesch. Sept. 1050. μὴ βιάζεσθαι τόδε.

1074. λωβητῆρες] Femininum ut σωτήρ Phil. 1471. etc. ὕστεροφθόροι] Cf. Aesch. Agam. 58. ὕστερόποιον — Ἐρινύν. Ch. 383. ὕστερόποιον Ἄταν. Prom. 515. μῆμονές τ' Ἐρινύες. Eur. Fr. 979, 3. ἀλλὰ σῖγα καὶ βραδεῖ ποδὶ | στείχουσα μάργει τοὺς κακοὺς, διὰ τύχη. Straton. Epigr. ὕστερόποιον ἀζόμενοι Νέμεσιν. Orph. Argon. 1167. ἐπεὶ νύ οἱ αἰὲν Ἐρινὺς — ὕστερόπους ἔπεται. Tibull. I. 9. 'Sera tamen tacitis poena venit pedibus.'

1075. λοχῶσιν — Ἐρινύες] Cf. El. 491. ἃ δεινοῖς κρυπτομένα λόχοις χαλκόπους Ἐρινύς. λοχῶσιν] Lie in ambush. Cf. Eur. El. 225. πῶς ξιφήρης πρὸς δόμοις λοχᾶς ἐμοῖς; Alc. 849. λοχῆσας. θεῶν Ἐρινύες] Cf. El. 112. σεμναί τε θεῶν παῖδες Ἐρινύες.

1077. κατηργρωμένος] Cf. Pind. P. XI. 41. εἰ μισθῷ συνετίθεν παρέχειν φωνᾶν ὑπάργυρον. N. X. 43. ἀργυρωθέντες σὺν φιάλαις ἐπέβαν.

1078. χρόνον τριβῆ] Cf. Fr. 586. γῆρας διδάσκει πάντα καὶ χρόνον τριβῆ.

1079. ἀνδρῶν, γυναικῶν] Cf. Aesch. Eum. 1026. εὐκλεῆς λόχος | παίδων, γυναικῶν. Pers. 404. ἐλευθεροῦτε δὲ | παῖδας, γυναῖκας etc. Ephipp. III. 337. ἐνθ' ὄνων, ἐπιπων στάσεις. Eur. Suppl. 732. βοή — νέων, γερόντων. Arist. Ran. 157. Lys. 238. Pl. 681. Terent. Andr. IV. 1. 53. 'conari manibus, pedibus.'

1080 sq. "Haec quin ad Thesei contra Thebas expeditionem maximeque ad Epigonorum, qui vocantur, bellum spectent, quo bello capta dirutaque est Thebarum urbs imperiumque peregrino traditum, eo minus potest dubitari quod ipsius Sophoclis artem in hoc argumento versatam esse constat." (Seyf.) Madvig sic explicat: "Tiresias unde oritura sint illa ante Creontis aedes κωκύματα exponit, generalique sententia addit urbes iis miseratione et indignatione adesse solere quorum ex corporibus projectis frusta

divulsa in locum sacrum canes feraeque pertulerint et quasi sacrificarint, quod in Polynicis corpore futurum Tiresias putat."

συνταράσσονται πόλεις] Cf. Eur. Her. 379. μή μοι δορὶ συνταράξῃς τὰν — πόλιν. Iph. T. 538. ὃ ξυνταραχθεὶς οἶκος. Phoen. 203. ὡς ταραγμὸς εἰσῆλθεν πόλιν. Arist. Pac. 266. τούτῳ ταραξεί τὰς πόλεις καθήμενος.

1081. καθήγισαν] Cf. Eur. Or. 40. σφαγαῖς | θανοῦσα μήτηρ πρὸ καθήγισται δέμας. et ad El. 1488. Herod. VII. 167. ἐπὶ πνυρῆς μεγάλης σώματα δλα καταγίζων. II. 130. I. 202. Apollon. Dys. c. 10. Θεόπομπος δ' ἐν τοῖς Θανμασίοις, ἐν τῷ ἀγῶνι τῶν Ὀλυμπίων πολλῶν ἐπιπολαζόντων ἱκίων ἐν τῇ πανηγύρει καὶ διασφριζόντων τὰ διαφερόμενα κρέα τῶν ἱεροθύτων ἀδιγῆ μένει.

1083. ἐστιοῦχον] Cf. Aesch. Pers. 510. ἤκουσιν — ἐφ' ἐστιοῦχον γαῖαν. Eur. Andr. 282. ἔρημον ἐστιοῦχον αὐλάν.

1084. σου] Tanquam si secuturum esset ἐτόξευσα, nisi rependum σοι.

1085. θυμῷ] Prae ira. καρδίας τοξέυματα] Cf. O. R. 892. θυμοῦ βέλη. Eur. Fr. 499, 2. μάτην ἄρ' εἰς γυναῖκας ἐξ ἀνδρῶν φόγος | ψάλλει κενὸν τόξευμα καὶ κακῶς λέγει. Eur. Suppl. 242. εἰς τοὺς ἔχοντας κέντρο' ἀφιάσιν κακά. Aesch. Suppl. 446. γλώσσα τοξέυσασ' ἃ μή 'σσι κείρια. Prom. 649. Ζεὺς γὰρ ἡμέρον βέλει | πρὸς σοῦ τέθαλπται. Pind. Isthm. V. 59. γλώσσα — τοξέυματα ἔχει. Hor. Od. II. 8. 14. 'Cupido | semper ardentem acuens sagittas.'

1086. θάλπος] Ardorem. Cf. Aesch. Prom. 653. Ζεὺς γὰρ ἡμέρον βέλει | πρὸς σοῦ τέθαλπται. 590. 879. ὑπεκδραμεῖ] Cf. Eur. Med. 984. ἄταν δ' οὐχ ὑπεκδραμεῖται. Phoen. 887. ὡς δὴ θεοὺς ὑπεκδραμούμενοι. Andr. 415. ἦν ὑπεκδράμης μόρον. 338. h. 581. Med. 524. Eur. Fr. 67, 6. ὄμωσ δ' ἀγῶνα τόνδε δεῖ μ' ὑπεκδραμεῖν. Herod. I. 156. ἦν τὸ παρεὸν ὑπεκδράμωσι.

1089. τρέφειν] To keep. Cf. Aj. 1124. ἡ γλώσσά σου τὸν θυμὸν ὡς δεινὸν τρέφει. O. C. 186. O. R. 356. Ant. 897. Aj. 503. 644. Ph. 795. Fr. 28. τὴν γλώσσαν — τὸν νοῦν τ'] Cf. Fr. 325, 2. ὀρθῆ μὲν ἡ γλώσσ' ἐστὶν ἀσφαλῆς δ' ὁ νοῦς. ἡσυχαιτέραν] Cf. Aesch. Eum. 223. ἡσυχαιτέραν (-αίτερον?). Sic φιλαίτερος Xen. Anab. I. 9. 29. ἀσμεναίτατα Plat. Resp. I. 329 B.

1090. Cf. Tr. 736. λάβους φρένας | τῶν νῦν παρουσῶν τῶνδ' ἀμείψασθαί ποθεν. Phil. 1079. χοῦτος τάχ' ἂν φρόνησιν ἐν τούτῳ λάβοι | λῶν τιν' ἡμῖν (l. ἡ νῦν). τὸν νοῦν — τῶν φρενῶν] Cf. Adesp. 240. ἐξαφαιρεῖται φρενῶν | τὸν νοῦν τὸν ἐσθλόν. 321. πηδῶν ὁ θυμὸς τῶν φρενῶν ἀνωτέρω. Arist. Lys. 432. οὐ γὰρ μοχλῶν δεῖ μᾶλλον ἢ νοῦ καὶ φρενῶν. Ran. 534. ἀνδρὸς — νοῦν ἔχοντος καὶ φρένας. Th. 291. καὶ ποσθαλίσκον νοῦν ἔχειν μοι καὶ φρένας. Cratin. II. 56. ἡβης ἐκείνης νοῦ τ' ἐκείνου καὶ φρενῶν. φρέει] Cf. Adesp. 519. οὐ χρὴ ποδώκη τὸν τρόπον λῖαν φρεῖν.

1092. λευκὴν — τρίχα] Cf. Eur. Herc. 910. ὦ λευκὰ γῆρα σώματ'.

1093. ἐκ ~~μελαίνης~~ Cf. Tr. 284. ἐξ ὀλβίων ἄζηλον εὐροῦσαι βίον.

1094. ἐς πόλιν] De civitate. λακεῖν] Cf. Tr. 826. Aesch. Ag. 616. Sept. 141. Eur. Or. 162. 323. Arist. Pl. 39.

1095. ἔγνωκα καὐτός] Cf. Eur. Alc. 1080. ἔγνωκα καὐτός, ἀλλ' ἔρωσ τις μ' ἐξάγει. Aesch. Prom. 51. ἔγνωκα τοῖσδε (ἔγνωκα καὐτός?) κοῦδὲν ἀντειπεῖν ἔχω. ταράσσομαι φρένας] Cf. Fr. 607, 3. ἔρωσ — καὶ θεῶν ἄνω | ψυχὰς τεράσσει. Eur. Ion. 1543. ἐμοῦ ταράσσει — φρένα. Bacch. 1322. τίς σὴν ταράσσει καρδίαν λυπηρὸς ὦν; Aesch. Prom. 628. σὰς δ' ὀκνῶ θράξει φρένας. Arist. Ach. 315. ἔπος — ταραξικάρδιον.

1096. Cf. Fr. 1230. οἴμοι, τὸ μὲν νοσοῦντι θυμοῦσθαι κακόν, | τὸ δ' ὠδ' ὄραν φρονοῦντα τίς ποτ' ἂν φέροι; εἰκαθεῖν] Cf. 1102. El. 361. 396. 1014. Tr. 1177. O. C. 1178. 1328. 1334. Ph. 1352. O. R. 651. Nullum praesens est εἰκάθειν aut διωκάθειν. V. Elmsl. ad Med. 186. τε] Cf. ad Tr. 334.

1097. ἄτη πατάξει θυμὸν] Cf. Arist. Ran. 54. τὴν καρδίαν ἐπάταξε πῶς οἶε σφοδρά. Theogn. 1199.

1102. καὶ —;] Cf. El. 1046. καὶ τοῦτ' ἀληθές, οὐδὲ βουλευοσι πάλιν; 1481. Ph. 921. Fr. 524, 12. καὶ ταῦτ' — χρεῶν ἐπαινεῖν καὶ δοκεῖν καλῶς ἔχειν. Amph. III. 307. τί φῆς; σὺ ταυτὶ προσδοκῆς πείσειν ἐμέ; ἐπαινεῖς] Suades. Anglice advisest, recommendest. Cf. Aj. 1360. τοιοῦσδ' ἐπαινεῖς δῆτα σὺ καῖσθαι φίλους; O. C. 665. θαροεῖν ἐπαινώ. El. 1322. οἰγᾶν ἐπήνεσα. παρεικαθεῖν] Cf. O. C. 1334.

1103. ὅσον τάχιστα] Cf. O. R. [1436. El. 1433. Nisi corrigendum ὅπως γ' —. συντέμνουσι] Quickly overtake. Cf. Aesch. Suppl. 255.

1104. θεῶν ποδώκες βλάβας] Cf. Aesch. Fr. 283. τό τοι κακὸν ποδώκες ἔρχεται βροτοῖς, | καὶ τὰμπλάκημα τῷ περῶντι τὴν δύκην (θέμιν Dind.). κακόφρονας] Sic Aj. 751. φιλοφρόνως (ὄ). Aesch. Prom. 24. ἀποκρῖναι (ὄ). Suppl. 624. ἐπέκρανεν (ἔ). Eur. Iph. A. 391. οἱ κακόφρονες (ὄ).

1105. Cf. Arist. Vesp. 950. χαλεπὸν μὲν — ὑπεραποκρίνεσθαι κινὸς, λέξω δ' ὄμως. Nub. 1363. κἀγὼ μόλις μὲν, ἀλλ' ὄμως ἠνεσχόμην τὸ πρῶτον. Eur. Ph. 1421. μόλις μὲν, ἐξέτεινε δ' εἰς ἦπαρ ξίφος. Lucian. D. D. 8. ἄκων μὲν, κατοίσω δέ. D. Mort. X. 6. οὐχ ἐκῶν, ἀποκρῖνω δέ. Plat. Epist. 7. βραδύτερον μὲν, εἴλλε δέ με ὄμως. καρδίας δ' ἐξίσταμαι] Schol. μόγις μεθίσταμαι τῆς προτέρας γνώμης. Aj. 82. φρονοῦντα γάρ νιν οὐκ ἂν ἐξέστην ὀκνω (sc. ἰδεῖν). Ant. 564. οὐ — μένει νοῦς — ἀλλ' ἐξίσταται. Thuc. IV. 28. ἐξίστατο τῆς ἐπὶ Πύλῳ ἀρχῆς.

1106. τὸ δρᾶν] I. q. simplex δρᾶν. Cf. ad O. C. 443. Phil. 1241. ὅς σε καλύσει τὸ δρᾶν. El. 1030. μακρὸς τὸ κρῖναι ταῦτα — χρόνος. Sic φεύγειν eum infinitivo 263. O. R. 1010. ἀνάγκη δ' οὐχὶ δυσμαχητέον] Cf. Tr. 492. θεοῖσι δυσμαχοῦντες. O. C. 191. καὶ μὴ χρεία πολεμῶμεν. Aesch. Prom. 105. τὸ τῆς ἀνάγκης ἔστι ἀδήριτον σθένος (i. e. ἀκαταμάχητον). Eur. Fr. 716. σὺ δ' εἰκ' ἀνάγκη καὶ θεοῖσι μὴ μάχου.

1107. ἐπ' ἄλλοισιν τρέπε] Tmesis ut in O. C. 1777. μηδ' ἐπὶ πλείω | θρηῆρον ἐγείρετε. Aesch. Eum. 434. ἦ κάπ' ἐμοὶ τρέπου' ἂν αἰτίας τέλος;

1108 sq. Cf. Tr. 1197—1201. Similia sunt quae jubet Lycus Eur. Herc. 240. ἄγ', οἱ μὲν Ἑλικῶν, οἱ δὲ Παρονασοῦ πύχας | τέμνειν ἄνωχθ' ἑλθόντας ὕλουργὸς δρυὸς | κορμούς· ἐπειδὴν δ' ἔσομοσθῶων πόλει, | βωμόν περιξ νήσαντες ἀμφήρη ξύλα | ἐμπύπρατ' αὐτῶν καὶ πυροῦτε σώματα | πάντων. ἴτ' ἴτ' ὀπάοντες] Cf. Aesch. Sept. 103. ἴτ' ἴτε πάντες. ὀπάονες] I. q. διαδοί. Cf. O. C. 1103. Aesch. Cho. 769. δορυφόρους ὀπάοντας. Suppl. 492. 954.

1109. οἷ τ' ὄντες οἷ τ' ἀπόντες] Cf. El. 305. O. R. 782. El. 504. Ph. 987. Eur. El. 564. τί τῶν ἀπόντων ἢ τί τῶν ὄντων πέρι; ἀξίνας] Cf. Herod. VII. 64. Xen. An. I. 5. 12. Media syllaba longa est Hom. II. XIII. 612.

1110. ἐπόψιον] Conspicuum, ut in alto situm. Cf. 1196 sq. O. C. 1600. εἰς ἐπόψιον πάγον μολούσα.

1111. ἐπεστράφη] Cf. Dem. p. 665, 5.

1112. Cf. El. 680. κάπεμπόμην πρὸς ταῦτα καὶ τὸ πᾶν φράσω. Tr. 626. Eur. Iph. T. 675. κοινῇ τ' ἐπλευσα, δεῖ με καὶ (καὶ με δεῖ?) κοινῇ θανεῖν. Herod. I. 155. τὰ μὲν γὰρ πρότερον ἐγὼ τε ἔπραξα καὶ ἐγὼ ἐμῇ κεφαλῇ ἀναμάξας φέρω. ἐκλύσομαι] Cf. Tr. 21. ἐκλύεται με. Aesch. Eum. 169. καὶ τὸν (νιν?) οὐκ ἐκλύεται. Eur. Andr. 819. θανάτου νιν ἐκλύσασθε. Hom. Od. 10, 286. Xen. Hell. VII. 1. 13.

1113. Cf. Herod. I. 155. φροντίζω μὴ ἄριστον ἢ ἔξανδροποδίσασθαι σφεας. τοὺς καθεσιῶτας νόμους] Cf. Aj. 1247. κατάστασις — νόμον. Arist. Nub. 1400. τῶν καθεσιῶτων νόμων ὑπερφρονεῖν δύνασθαι. Herod. I. 65. τὸν νῦν κατεσιῶτα κόσμον Σπαρτιήτησι. II. 177. νόμον — τόνδε Ἄμασις ἔστι ὁ καταστήσας.

1115. πολυώνυμη] Cf. Callim. H. Cer. 3, 6. δὸς μοι παρθενίην αἰώνιον, ἄππα, φυλάσσειν | καὶ πολυωνυμίην. νύμφας ἀγάλμα] Cf. O. R. 1107. Aesch. Ag. 208. Eur. Suppl. 370. 1164. Iph. T. 273. Νηρέως ἀγάλμαθ'. Adesp. 126, 3. Αἰτωλίδος ἀγάλματα ματρός.

1116. βαρυβρομέτα] Cf. εἰριβρομέτης (Hom.), εἰριβρομέτας Arist. Ran. 814. πυριβρομέτας Aesch. Suppl. 209. ὑμιβρομέτης Arist. Lys. 773.

1118. ἀμφέπει] Cf. El. 651. δόμονος Ἄτρειδῶν σκῆπτρά τ' ἀμφέπειν τάδε.

1119. Ἰταλίαν] Cf. Fr. 529. Sophocles in Triptolemo fabula frumenti Italici excellentiam celebravit (Plin. N. H. 18, 65.). Magnam Graeciam intellige, [i] quae] propter vitis feracitatem inter Bacchi habitationes memoratur. Schol. διὰ τὸ πολυάμπελον τῆς χώρας. παγκοίνοις] Cf. Pind. Ol. VI. 63. πάγκοινον χώραν.

1121. κόλποις] Vallibus. Schol. πεδίοις.

1122. Cf. Tr. 509. Βακχίας — Θήβας. ματροπόλιν Θήβαν] Cf. O. C. 708. ἄλλον δ' αἶνον ἔχω ματροπόλει τῆδε (Athenis) κράτιστον. Βακχεῦ] Eadem forma est Eur. Ion. 218. ὁ Βακχεύς. et Bacch. 145. ὁ Βακχεύς δ' ἔχων πυρσώδη φλόγα πένκας ἐκ νάρθηκος αἴσσει. Cum Βακχεύς cf. Ἄγρευς (Apollinis titulum Aesch. Fr. 191.) et Ζαγρεύς (Fr. 215.).

1123. ὑγρῶν — ξείθρων] Cf. Aesch. Suppl. 255. ὑγρᾶς θαλάσσης. Eur. Iph. A. 948. ὑγρῶν κυμάτων. Hel. 1209. ὑγροῖσιν ἐν κλυδωνίοις ἄλός.

1126 sq. Cf. Eur. Phoen. 226. ἰὼ λάμπουσα (f. φαίνουσα) πέτρα πυρὸς δικόρουφον σέλας ὑπὲρ ἄκρων Βακχειῶν Διονύσου. Ion. 7, 3. ἵνα δειράδες Παρνασοῦ πέτρας ἔχουσι σκόπελον οὐράνιον θ' ἔδραν, ἵνα Βάκχιος ἀμφιπύρους ἀνέχων πένκας λαυηρὰ πηδᾶ νυκτιπόλοις ἄμα συμβάχχαις. 1125 sq. Διονύσου πέτρας — δισοάς. Fr. 752. Bacch. 306. ἔτ' αὐτὸν ὄφει κἀπὶ Δελφίσιον πέτρας | πηδῶντα σὺν πένκασι δικόρουφον πλάκα, | πάλλοντα καὶ σείοντα βάκχιον κλάδον. 408. 559. Herc. 790. Arist. Nub. 603. Παρνασσίαν θ' ὅς κατέχων | πέτραν σὺν πένκαις σελαγεῖ, Βάκχαις Δελφίσιον ἐμπρέπων, | κωμαστῆς Διόνυσοσ. Ran. 1211. Paus. X. 4. 3. X. 32. 7. Ovid. Met. II. 221. 'Parnassusque biceps.' Elmsleius (ad Bacch. 306.) haec observat: "Multa apud poetas mentio est flammae in monte Parnasso noctu lucentis, quam qui videbant Bacchum utraque manu facem gestantem cum solito famularum comitatu saltare credebant. Cujus ignis quae fuerit natura eorum est investigare qui in physicis versantur."

1127. στέρον — λιγνὺς] Cf. Tr. 794. Aesch. Sept. 494. λιγνὸν μέλαιναν.

1128. ἐνθα Κωρύκται ρύμφαι —] Cf. Aesch. Eum. 22. σέβω δὲ ρύμφας, ἐνθα Κωρυκίς πέτρα | κοίλη φίλορις, δαιμόνων ἀναστροφή.

1130. Κασταλίας τε νᾶμα] Cf. Eur. Ion. 95. τὰς Κασταλίας ἀργυροειδεῖς βαίνετε δίνας. Iph. T. 1257. Κασταλίας ῥεέθρων. Soph. Fr. 758, 2. Ὑπέρεια κρήνη, νᾶμα θεοφιλέστατον. Eur. Phoen. 102. Δίρκης νᾶμα. 127. Λεργαῖα νάματα. 663. 939. Herc. 573. Bacch. 5. Cycl. 96. νᾶμα ποτάμιον.

1131. Νυσαίων ὀρέων] Cf. Fr. 782, 2. τὴν βεβακχιωμένην | βροτοῖσι (βάκχαισι?) κλεινὴν Νῦσαν. (Ubi Nysa Euboica dicitur.) Aj. 895. Tr. 662. Arist. Pl. 662.

1132. ὄχθαι] Cf. Phil. 726. Σπερχειοῦ παρ' ὄχθαις. Aesch. Prom. 810. τοῦτον παρ' ὄχθας ἔρφ'. Sept. 392. βοᾷ παρ' ὄχθαις ποταμίαις. Ag. 1120. κάχερουσίους ὄχθους (κάχερουσίας ὄχθας?). Hom. Il. 7, 187. παρ' ὄχθαις Σαγγαρίου. Ὀχθῆ plerumque fluminis ripam significat, ὄχθος collis; attamen ὄχθος priori sensu usurpatur Eur. Suppl. 655. Ἰσμήνιον πρὸς ὄχθον.

1137. τὰν] Sc. πόλιν, Θηβαίας — ἀγνίας. ἔκπαγλα] Cf. O. C. 716.

1138. Cf. O. C. 107. ὦ μεγίστης Παλλάδος καλούμεναι | πασῶν Ἀθῆναι τιμωτάτη πόλις. Herod. I. 134. τιμῶσι δὲ ἐκ πάντων τοὺς —.

1139. ματρὶ σὺν κεραυνία] Cf. Eur. Bacch. 6. μητρὸς — κεραυνίας.

1141. ἀμὰ πόλις] Cf. O. R. 695. ὅς γ' ἐμὰν γὰν — κατ' ὄρθον οὐρουσας. O. C. 842. πόλις ἐναίρεται, πόλις ἐμὰ, σθένει.

1142. ἔχεται —] Cf. Aj. 272. οἶον εἶχετ' ἐν κακοῖς. 1145. ἐν κακῷ χειμῶνος εἶχετο. Ph. 1097. ἔχει τύχα τᾶδ'. Plat. Legg. IX. 881 B. μὴ μανίας ἐχόμενος. Herod. VI. 11. 2. ἐπὶ ξυροῦ γὰρ ἀκμῆς ἔχεται (ἴσταται?) ἡμῶν τὰ πρήγματα.

1144. μολεῖν] Sensu imperativo, ut videtur. Cf. Phil. 1080. ὀρμᾶσθαι. Eur. Tro. 422. ἔπεισθαι. Tr. 270. Τιτυνθίαν πρὸς κλιτύν.

1145. κλιτύν] Ultima syllaba in κλιτύς brevis est apud Tragicos (Tr. 271. Hipp. 227. Bacch. 409.), producitur Homero. σπονόμεντα πορθύμῳ] Cf. 592. στόνω βρέμενοι δ' ἀνιπλήγες ἀκταί. Aj. 675. στένοντα πόντον. Eur. Herc. 861. πόντος — κύμασι στένων λάβρος. Hom. Od. 12, 97. ἀγάστονος Ἀμφιτρίτη. Aesch. Prom. 737. ἀλιστόνοις — ῥαχίαισιν.

1146. πῦρ πνεόντων — ἄστρων] Cf. Eur. Alc. 496. πῦρ πνέουσι μυκτήρων ἄπο. Hom. Il. 6, 182. δεινὸν ἀποπνεύουσα πυρὸς μένος αἰδομένοιο. Hesiod. Theog. 319. ἡ δὲ Χίμαιραν ἔτικτε πνέουσαν ἀμυμάκετον πῦρ. Pind. Fr. inc. 78. πῦρ πνέοντος κεραυνοῦ. Aesch. Prom. 917. πύρπνον βέλος.

1147. νυχίων φθεγμάτων ἐπίσκοπε] Witness of nocturnal shoutings. Cf. Virg. Aen. IV. 303. 'Nocturnusque vocat clamore Cithaeron.' Aristoph. Ran. 343. Ἰακχ' ὦ Ἰακχε, νυκτέρον τελετῆς φωσφόρος ἀστήρ. Eur. Ion. 1078. ὅτε καὶ Διὸς ἀστερωπὸς ἀνεχόρευσεν αἰθήρ, χορεύει δὲ σελάνα. Hel. 1454. ταχεῖα κώπα — χοραγὲ τῶν καλλιχόρων δελφίνων. Tibull. II. 1. 87. 'Jam nox jungit equos, currumque sequuntur | matris lascivo sidera pulva choro.' Mystera enim Bacchi noctu celebrabantur ad taedarum lucem (schol. ad Arist. Ran. 342.).

1149. παῖ Ζηγὸς γένεθλον] Cf. Ph. 453. ὦ γένεθλον Οἰταίου πατρός. Ζηγὸς] Cf. ad El. 1097. Tr. 956.

1150. Cf. Eur. Ion. 715. ἵνα Βάκχος — πηδᾷ νυκτιπόλοις ἄμα σὺν βάκχαις. Hom. Od. 6, 80. σὺν ἀμφιπόλοισι γυναιξίν.

1152. αἶ σε — πάννυχοι χορεύουσι] Cf. 152. θεῶν δὲ ναοὺς χοροῖς παννυχίους πάντας ἐπέλθωμεν.

1153. θυιαίου] Cf. Hor. Od. II. 19. 9. 'pervicaces — Thuidas' III. 15. 10. 'pulso Thuias uti concita tympano.' Θυῖη est Herod. VI. 178.

1154. χορεύουσι] Choreis celebrant. Cf. O. R. 1093. καὶ χορεύεσθαι πρὸς (σ' ἕφ'?) ἡμῶν.

1155. Κάδμον πάροικοι —] Cf. Eur. Andr. 43. δόμων πάροικον Θέτιδος. 1090. λαὸς οἰκίτηρ θεοῦ. καὶ δόμων Ἀμφίονος] Cf. Arist. Av. 1247. μέλαθρα μὲν αὐτοῦ καὶ δόμους Ἀμφίονος | καταθαλάσω. Aesch. Fr. 160. καὶ δόμους Ἀμφίονος.

158 sq. γὰρ ὄρθοι —] Cf. Fr. 14, 5. ὅταν δὲ δαίμων ἀνδρὸς εὐτυχοῦς τὸ πρὶν | πλάστιγγ' ἔρσειη (πλάστιγγα ἔβηρη?) τοῦ βίου παλίντροπον, etc. Archiloch. Fr. 56. πολλάκις μὲν ἐκ κακῶν ἀνδρας ὄρθοῦσιν μελαίην κειμένους ἐπὶ χθονί, πολλάκις δ' ἀνατρέπονται καὶ μάλ' εὖ βεβηκότας ὑπτίους κλίνουσ'. Hor. Carm. I. 35. 2. 'Praesens vel imo tollere de gradu | mortale corpus vel superbos | vertere funeribus triumphos.' καταρρέπει] Dejicit. Cf. Aesch. Eum. 888. οὗ τᾶν δικαίως τῆδ' ἐπιρρέποις πόλει | μῆνιν τιν'. Ag. 249. Δίκη δὲ τοῖς μὲν παθοῦσιν μαθεῖν ἐπιρρέπει. Theogn. 157. Ζεὺς γὰρ τοι τὸ τάλατον ἐπιρρέπει ἄλλοτε (ἄλλοτ' ἐπ'?) ἄλλω.

1160. Cf. Aj. 1419. πρὶν ἰδεῖν δ' οὐδεὶς μάντις | τῶν μελλόντων ὁ τι πράξει. Tr. 1272. τὰ μὲν οὖν μέλλοντ' οὐδεὶς ἐφορᾷ (προορᾷ?). Fr. 516. ὡς οὐκ ἔστιν | πλὴν Διὸς οὐδεὶς τῶν μελλόντων | ταμίης, ὁ τι χρὴ τετελέσθαι. O. R. 709. Hesiod. Fr. 52. μάντις δ' οὐδεὶς ἔστιν ἐπιχθονίων ἀνθρώπων etc. Virg. Aen. X. 502.

1161. ὡς ἐμοί] Cf. Aj. 395. ἰὼ σκότος, ἐμὸν φάος — ὡς ἐμοί. 1282. O. C. 76. γενναῖος, ὡς ἰδόντι. 20. O. R. 436. Eur. Alc. 801. ὡς γ' ἐμοὶ χρῆσθαι κριτῆ. Ion. 1539. τὸ γένος οὐδὲν μεμπτόν ὡς ἡμῖν τόδε.

1162. σώσας — ἐχθρῶν] Cf. Ph. 919. σῶσαι κακοῦ (σε) τοῦδε. El. 1133. πρὶν — κάνασώσασθαι φόνου. Eur. Or. 779. σωθῆναι κακῶν. Tro. 684. σωθῆναι πόνων. Alc. 770. κακῶν γὰρ μυρίων ἐρρέετο.

1163. παντελῆ μοναρχίαν] Summum imperium. Cf. O. C. 1293. πανάρχους — θρόνοις. Aesch. Sept. 116. ὦ Ζεῦ πάτερ, πᾶν τέλος ὅς νέμεις. Cho. 965. παντελής πρόμος. I. q. πᾶν κράτος (Phil. 142.). παντελῆ] Entire, complete, absolute. Cf. 1016. O. R. 930. παντελής δάμαρ.

1164. εὐθύνη] Cf. 178. πᾶσαν εὐθύνων πόλιν. θάλλων — σπορᾷ] Cf. Pind. Ol. IX. 18. θάλλει δ' ἀρεταῖσιν. P. XI. 53. ὄλβω τεθαλότα.

1165 sq. τὰς γὰρ ἡδονὰς —] Cf. Alex. III. 518. τὰς ἡδονὰς δεῖ συλλέγειν τὸν σῶφρονα· | τρεῖς δ' εἰσὶν αἶ γε τὴν δύναμιν κεκτημένοι | τὴν ὡς ἀληθῶς συντελοῦσι τῷ βίῳ, | τὸ πεινῆν, τὸ φαγεῖν,

τὸ τῆς Ἀφροδίτης τυγχάνειν, | τὰ δ' ἄλλα προσθήκας ἅπαντα χρὴ καλεῖν.

1166. *προδοῦν*] *πρ. I. q* ἐπιλίπωσι (have betrayed, given up). Schol. οὐ νομίζω ζῆν ἐκείνον τὸν ἄνδρα ὃν ἂν προδώσιν αἱ ἡδοναί. Cf. Arist. Nub. 1500. ἦν ἡ σμινύη μοι μὴ προδοῦ τὰς ἐλπίδας. Herod. VII. 187. etc.

1167. *ἔμψυχον* — *νεκρόν*] *Proprie enim cadaver ἄψυχον est. Sic Eur. Tro. 625. δῶρον ἀψύχῳ νεκρῷ. Cf. Phil. 1018. ἐν ζῶσιν νεκρόν. Eur. Hec. 428. τέθνηκ' ἔγωγε πρὶν θανεῖν. Paul. Epist. ad Tim. I. 5. 6. ἡ δὲ σπαταλώσα ζῶσα τέθνηκε. Martial. III. 12. 4. 'Qui non coenat et ungitur, Fabulle, | Hic vere mihi mortuus videtur.'*

1169. *ζῆ*] Attice pro *ζῆθι*. Citat ex Sophocle et Euripide *Antiatticista* in Bekk. Anecd. p. 97, 29. *τύραννον σχῆμα*] Cf. Eur. Hipp. 843. *τύραννον δῶμα. Andr. 3. Πριάμου τύραννον ἐστίν. σχῆμ'*] Cf. Phil. 952. *ὃ σχῆμα πέτρας διπύλον. 223. Eur. Hec. 619. ὃ σχῆματ' οἴκων. Andr. 1. 7. Xen. Oecon. II. 4. εἰς δὲ τὸ σὸν σχῆμα, δ σὺ περιβέβλησαι, καὶ τὴν σὴν δόξαν* etc.

1170. Cf. Aj. 477. *οὐκ ἂν πριαίμην οὐδενὸς λόγου βροτὸν | ὅσις κεναῖον ἐλπῖον θεομαίνεται. Arist. Nub. 1395. Pac. 1223. Plaut. Mil. II. 3. 45. 'Non ego tuam empsim vitam vitiosa nuce.' καπνοῦ σκιάς*] Cf. Phil. 946. *Similiter Fr. 308. τὰ πάντα' ὄνου σκιά. Aesch. Fr. 399, 2. καπνοῦ σκιά. Eur. Fr. 934. νοῦν ἔχοντος ἦν ἄρα | φίλον πριάσθαι χρημάτων πολλῶν σαφῆ. Eur. Hipp. 958. πολλῶν γραμμάτων τιμῶν καπνοῦς. Plat. Resp. IX. 581 D. ἡδονὴν ἡγεῖται καπνὸν καὶ φλογαρίαν. Men. IV. 213. ἡ πρόνοια δ' ἡ θνητῆ καπνὸς | καὶ φλόγαφος. Eurpol. II. 444. καπνοῦς ἀποφαίνει καὶ σκιάς. Arist. Nub. 330.*

1171. *τάλλ' ἐγὼ* —] Cf. Eur. Fr. 95. *ἀλλ' οὐδὲν ἠδύγεια πρὸς τὰ χρήματα. Arist. Ach. 812. 815. 821. Pac. 1261. Ran. 1229.*

1172. *βασιλέων*] Anglice, of the royal family.

1173. *αἰτιοὶ θανεῖν*] Cf. Tr. 1233. *ἡ μοι μητρὶ μὲν θανεῖν μόνη | μετατίος. Herod. II. 20. τοὺς ἐτησίους ἀνέμους εἶναι αἰτίους πληθύνει τὸν ποταμὸν.*

1175. *αὐτόχειρ*] Cf. Aesch. Suppl. 761. *ξυντίθησι δὲ παιδὸς μόρον, ὡς αὐτοφόνως ὤλετο πρὸς χειρὸς ἔθεν. αἰμάσσειται*] Cf. Aj. 909. *οἶος ἄρ' αἰμάχθης. Eur. El. 574. ἡμάχθη πεσών.*

1176. Cf. O. R. 733. *ὁδὸς Δελφῶν κατὰ Δαυλίας ἄγει. 761.*

1177. *αὐτὸς πρὸς αὐτοῦ*] Cf. Tr. 891. *αὐτὴ πρὸς αὐτῆς χειροποιεῖται τάδε. πατρὶ μηνίσας φόνου*] Cf. Soph. Tr. 269. *ὦν ἔχων χόλον. O. R. 698. Aj. 41. χόλω βαρυνθεῖς τῶν Ἀχιλλείων ὀπλων. Eur. Orest. 751. ἴσως σοι θυγατέρος θυμούμενος. 1630. ὄργην Μενέλεω ποιούμενος. Theocr. XXV. 199. οἶον δ' ἀθανάτων τιν' εἰσοκομεν ἀνδράσι πῆμα | ἰρῶν μηνίσαντα Φορῶνεῖδῃσιν ἐφείναι.*

1178. ὡς ἄρ'] Cf. El. 1185. δροθόν] True. Gl. ἀληθές. ἤγνους] Cf. O. R. 166. ἤγνους' ἐκτοπίαν φλόγα πῆματος.
1179. Cf. Tr. 289. φρόνει νιν ὡς ἤξοντα. 1038. 1370. Aj. 981. ὡς ὠδ' ἐχόντων — πάρα στενάζειν. 281. ὡς ὠδ' ἐχόντων τῶνδ' ἐπίστασθαί σε χορή. 904. ὡς ὠδε τοῦδ' ἔχοντος ἀλάζειν πάρα. Phil. 415. Aesch. Ag. 1364. ὡς ὠδ' ἐχόντων — χαίρουτ' ἄν. Eur. Med. 1308. ὡς οὐκέτ' ὄντων σῶν τέκνων φρόντιζε δή. Xen. An. III. 2. 10. οὕτω δ' ἐχόντων εἰκὸς etc. Herod. I. 126. ὡς ὦν ἐχόντων ὠδε ἀπίστασθε — τὴν ταχίστην. VIII. 144. νῦν δέ, ὡς οὕτω ἐχόντων στρατιὴν ὡς τάχιστα ἐκπέμπετε.
1180. ὁμοῦ] Prope. Cf. Arist. Eq. 245. Pac. 513. καὶ μὴν ὁμοῦ 'στὶν ἤδη. Th. 572. πρὶν οὖν ὁμοῦ γενέσθαι. Fr. 458. λάβετε· καὶ γὰρ ἐσθ' ὁμοῦ.
1182. ἦτοι — ἦ] Cf. Tr. 150. κλύουσα παιδὸς] Having heard of her child. Cf. O. C. 307. κλύων σοῦ. 355. 436. Tr. 170. 928. 1122. Aj. 1236. Ph. 426. 439. 441. El. 317. Eur. Phoen. 1343. Iph. A. 1117. οἴσθα γὰρ πατρὸς | πάντως δὲ μέλλει. Hom. Od. 11, 173. 494.
1183. ὦ πάντες ἀστοί] Cf. Arist. Lys. 638. Eccl. 834.
1184. πρὸς ἐξοδὸν στείχουσα] Sic nos dicimus 'to go out for a walk.' Cf. Aj. 287. ἐξόδους ἔρπειν κενάς. Phil. 43. ἦ 'πὶ φορβῆς (φορβήν?) νόστιον ἐξελέλυθεν. Eur. Her. 475. ξένοι, θρόσος μοι μηδὲν ἐξόδους ἐμαῖς | προσοθήτε. Plat. Phaedr. 227. πορεύομαι δὲ πρὸς περίπατον ἔξω τείχους. Legg. VI. 784 D. τῶν ἐξόδων — τῶν γυναικείων. Dem. p. 1182. ἐξόδους λαμπρὰς ἐξιοῦσαν (ἐταίραν). Lucian. Amor. 42. ἐξοδοὶ ἐπὶ θέας ἐπιτριβουσαι τοὺς γεγαμηκότας. Plutarch. Solon. p. 197. ἐπέστησε δὲ καὶ ταῖς ἐξόδους τῶν γυναικῶν.
- Παλλάδος — εὐγμάτων] Sic νερτέρων δωρήματα (offerings to the dead) Eur. Or. 123.
1185. προσήγορος] Activo sensu, compellans. Cf. Aesch. Pr. 857. αἱ προσήγοροι (act.) δρούες.
1186. καὶ τυγχάνω γε —] And I happen to be unfastening — when a sound etc. Cf. Fr. 239, 6. καὶ κλίνεται γε (ἡμαρ) κάποπερκοῦται βότρως. ἀνασπαστοῦ] I. e. quae pessulo retracto aperitur. Cf. Arist. Vesp. 382. κἀνασπαστὸν ποιεῖν εἶσω. Herod. III. 93. τοὺς ἀνασπαστοὺς καλεομένους. V. 106. ἐμὲ ἀπὸ θαλάσσης ἀνασπαστὸν ποιήσας. Hermannus confert Xen. An. I. 8. 1. IV. 6. 2. Cyr. I. 4. 28.
1187. κληῖθρ' — χαλῶσα] Cf. Eur. Hipp. 808. Iph. T. 1304. Hel. 1196. Arist. Vesp. 1134.
1188. φθόγγος — βάλλει] Cf. Ph. 205. βάλλει βάλλει μ' ἐτύμμα φθογγά. Ant. 412. ὁσμήν ἀπ' αὐτοῦ μὴ βάλοι πεφηνγότες. El. 737. ὄξιν δι' ὠτων κέλαδον ἐνσεισας θοαῖς | πάλους. Hom. Il. 10, 535. ἔπιων μ' ὠκνπόδων ἀμφὶ κτύπος οὔατα βάλλει. Helioid. II. p. 58.

ἡ φωνὴ βάλλει μὲν τὴν ἀκοήν. δι' ὧτων] Cf. O. R. 1387. El. 737. et δι' ὧτος El. 1437. Fr. 737. Eur. Rhes. 566. νόφος στάζει δι' ὧτων. ὑπία — κλίνομαι] Cf. Tr. 1226. Aesch. Pers. 930.

1191. Cf. 1250. γνώμης γὰρ οὐκ ἄπειρος (ἄμοιρος?) ὧσθ' ἀμαρτάνειν. Virg. Aen. I. 630. 'Non ignara mali miseris succurrere disco.'

1192. παρών] Having been present. Imperfecti participium ut in O. C. 1587. ὧς μὲν γὰρ ἐνθὲνδ' εἶρε καὶ σύ που παρών | ἔξοισθ'. Tr. 422. 431. Aesch. Pers. 266. Arist. Vesp. 892.

1193. οὐδὲν παρήσω —] Cf. Tr. 682. παρήκα θεομῶν οὐδέν.

1194. τί γὰρ σε —;] Cf. Ph. 629. λόγοισι μαλθακοῖς. O. C. 774. σκληρὰ μαλθακῶς λέγων. Eur. Herc. 298. ὧς λόγοισι τόνδε μαλθάξαιμεν ἄν. Or. 691. μαλθακοῖς λόγοις. Med. 776. μαλθακούς λόγους. Med. 318. λέγεις ἀκοῦσαι μαλθακά. Aesch. Ag. 520. οὐκ ἔσθ' ὅπως λέξαιμι τὰ ψευδῆ καλὰ | ἐς τὸν πολλὸν φίλοισι καρποῦσθαι χροόνον. Eur. Fr. 1035. δύστηνος ὅστις τὰ καλὰ καὶ ψευδῆ λέγων | οὐ τοῖσδε χρῆται τοῖς καλοῖς δ' ἀληθέσειν. Fr. 1036. πότερα θέλεις σοι μαλθακὰ ψευδῆ λέγω | ἢ σκληρ' ἀληθῆ;

1195. ἀλήθεια] Eadem crasis est Fr. 326, 2. ὄτω δ' ὄλεθρον δεινὸν ἀλήθει' ἄγει.

1196. ποδαγός] Dorica forma ut κυναγός, γάμορος, γάποπος, etc.

1197. ἔκειτο νηλεές — σῶμα] Cf. O. R. 182. νηλέα δὲ γένεθλα — κείται ἀνοίκτως.

1199. ἐνοδῖαν θεόν] Cf. Eur. Hel. 570. οὐ νυκτίφαντον πρόπολον Ἐνοδῖαν μ' ὄρας. Ion. 1049. Ita appellata est dea quia in triviis colebatur. Simili modo ἡ ἀφανῆς θεὸς et Αἰδωνεὺς a Choro invocantur ut Oedipo morituro faustam receptionem dent O. C. 1556 sq.

1200. ὄργας εὐμενεῖς] Cf. ad 957. Eur. Tro. 53. ἐπήνεσ' ὄργας ἠπίους. Pind. Isth. II. 53. ὄργαν — γλυκεῖαν ἔσχεν.

1201. λούσαντες] Cf. O. C. 1602. El. 1139. νεοσπάσι θαλλοῖς] Cf. Fr. 445, 2. θαλλὸν χυμαίραις προσφέρων νεοσπάδα. Alia forma νεοσπαδῆς legitur Aesch. Eum. 42. Confer ὀδνοσπάς Aesch. Fr. 363. ὀλοσπάς Fr. 245. et λυκοσπάς.

1202. ὁ δὴ ἔλειπτο] Cf. Arist. Vesp. 235. πάρεσθ' ὁ δὴ λοιπὸν γ' ἔτ' ἐστίν. συγκατήθρομεν] Simplex αἰθεῖν legitur Aj. 286.

1203. τύμβον — χώσαντες] Cf. 848. ἔρμα τυμβόχωστον — τάφον. 81. τάφον χώσουσ' ἀδελφοῦ. Eur. Iph. T. 702. τύμβον τε χώσον. Hec. 221. σφάζει πρὸς ὄρθον χῶμ' Ἀχιλλείου τάφον. Hom. Od. 24, 80. μέγαν καὶ ἀμύμονα τύμβον | χεύαμεν (χώσαμεν?). Herod. V. 8. χῶμα — χέαντες (χώσαντες?).

1204. κόρης νυμφεῖον Αἰδου] Duplex genitivus. Cf. ad Phil. 489. Arist. Ran. 357. Κρατίνου — γλῶττης βακχεῖ' ἐτελέσθη. Plat.

Phaedr. 267 C. Πάλλον μουσεῖα λόγων. Aesch. Cho. 181. καρδίας κλυδώνιον χολῆς. Prom. 434. κελαινὸς Ἄιδος δ' ὑποβρέμει μυχὸς γᾶς.

1205. νυμφεῖον Ἄιδου] Cf. Aesch. Ag. 1084. δάκτυνον Ἄιδου. Eur. Med. 977. τὸν Ἄιδα κόσμον. Suppl. 773. Ἄιδου μολπαί. Cycl. 388. Ἄιδου μάγειρος. Arist. Th. 1046. Ἄιδου γόον. νυμφεῖον] Cf. Tr. 920. ὦ λέχη τε καὶ νυμφεῖ' ἐμά.

1206. ἄπωθεν] Cf. Tr. 816. Arist. Pl. 674. Theodect. Fr. 8, 7. Aesch. Fr. 359. Eur. Iph. A. 983. Iph. T. 108. Theocr. I. 45. Arist. Av. 1184. Pl. 674. Dem. p. 1078. ὀρθίων κωκυμάτων] Cf. El. 683. ὀρθίων κηρυγμάτων. Aesch. Cho. 751. ὀρθίων κελουμάτων. Ag. 1152. ὀρθίοις ἐν νόμοις. Eur. Iph. A. 94. ὀρθίω κηρύγματι | Ταλθύβιον εἶπον πάντ' ἀφιέναι στρατόν. Hom. Il. 11, 10. ἦῦσε — ὄρθη'.

1207. πασιτάδα] Cf. Eur. Phoen. 1371. πασιτάδων ὑπὲρ τέρεμνα. Or. 1371. κεδρωτὰ πασιτάδων ὑπὲρ τέρεμνα.

1209. ἀθλίας ἄσημα — βοῆς] I. e. ἀθλία ἄσημος βοή. Cf. 1265. ἐμῶν ἀνολβα βουλευμάτων. Virg. Aen. I. 422. 'strata viarum.' Eur. Phoen. 1500. βοστρυχώδεις ἀβρὰ παρητίδος. ἄσημα] Cf. Tr. 866. ἦχει τις οὐκ ἄσημον ἀλλὰ δυστυχῆ | κωκυτὸν εἶσω. Aesch. Prom. 662. χρησιμοὺς ἀσημούς. Herod. V. 92. χρηστήριον — ἄσημον. Supra 1021. οὐδ' ὄρνις εὐσήμους ἀπορροιβδεῖ βοάς. 1004. 1013.

περιβαίνει] Cf. Arist. Vesp. 395. ὥσπερ φωνή με τις ἐγκυκλύκωται. 974. κακὸν τι περιβαίνει (περιμένει R.) με κάναπείθομαι. Ran. 154. ἐντεῦθεν αὐλῶν τίς σε περιείσιν πνοή. Aesch. Sept. 834. κακὸν με καρδίαν τι περιπίπτει κρύος. Eur. Alc. 758. ἕως ἐθέρμην' αὐτὸν ἀμφιβᾶσα φλόξ | οἴνου. Herc. 1140. αἰαῖ στεναγμῶν γάρ με περιβάλλει νέφος. Suppl. 609. τότε μοι τὸ (leg. τοί με) θρόσος ἀμφιβαίνει. Hom. Od. 6, 122. ὥστε με κουράων ἀμφήλυθε θῆλυς αὐτῆ | νυμφῶν, etc. 7, 261. περὶ δέ σφεας ἦλυνθ' ἰωὴ φόρμιγγος γλαφυρῆς. Il. 5, 535. ἔππων μ' ὠκνπόδων ἀμφὶ κτύπος οὐατα βάλλει. Soph. O. C. 1478. ἀμφίσταται διαπρύσιος ὄτοβος. Virg. G. IV. 349. 'impulit aures | luctus Aristaei.' Aen. XII. 618.

1210. μᾶλλον ἄσσον] Propius. Namque ἄσσον significat tantum prope, Ant. 1215. El. 900. O. C. 312. 722. 1098.

1211. ἔπος ἦσι] Cf. Arist. Ran. 823. ἦσει δῆματα γομφοπαγῆ.

1213. κέλευθον ἔρω] Cf. El. 1163. ὦ δεινοτάτας — πεμφθεις κελεύθους. 1273. τῶν παρελθουσῶν ὁδῶν] Cf. O. C. 1397. οὔτε ταῖς παρελθούσαις ὁδοῖς | ξυνήδομαί σοι. Aj. 994. ὁδὸς θ' ὁδῶν πασῶν ἀνιάσασα δὴ | μάλιστα τοῦμὸν σπλάγχχνον. 877. Eur. Andr. 1126. εὐσεβεῖς ὁδοὺς ἤκοντα (με).

1214. σαίνει] Cf. O. C. 320. Eur. Ion. 685. οὐ γάρ με σαίνει θέσφατα. Rhés. 55. σαίνει μ' ἔννηχος φρυκτωρία. Hipp. 862. καὶ μὴν τύποι γε σφενδόνης χρουσηλάτου — προσσαίνουσί με. Fr. 978. προσσαίνειν. Arist. Eq. 211. τὰ μὲν λόγι' αἰκάλλει με. Th. 869. ἀλλ' ὥσπερ αἰκάλλει τι καρδίαν ἐμήν.

1216. *ἀρμών*] Cf. Eur. Med. 1315. *ἐκλύεθ' ἀρμούς, ὡς ἴδω διπλοῦν κακόν*. Hipp. 809. Eur. Fr. 781, 41. *δι' ἀρμών εξαμείβεται πύλης* ψ *καπνοῦ (μελαιναι) λιγνός*. Eur. Fr. 472, 8. *ἀτρικεῖς ἀρμούς κυπαρίσσου*. Herod. II. 148. *αὐλή ἀε' ἐκάστη περιστύλος λίθου λευκοῦ ἀρμοσμένον τὰ μάλιστα*. *λυθοσπαδῆ*] Cf. Aesch. Eum. 42. *νεοσπαδῆς ξίφος*.

1217. *δύντες πρὸς αὐτὸ στόμιον*] *δῦναι accusativum regit* Aj. 1192. *αἰθέρα δῦναι μέγαν*. Fr. 338. *στενὴν δ' ἔδνμεν ψαλίδα*. Eur. El. 1271. *χάσμα δύονται χθονός*. Rhes. 569. Sed Aesch. Fr. 261. *ἔδν δ' ἐς ἄντρον*. Eur. Herc. 873. *εἰς δόμους δυσόμεσθ' Ἡρακλέος*. *αὐτὸ στόμιον*] Cf. Polyb. I. 44. 3. *κατουρίας ἐπ' αὐτὸ τὸ στόμα τοῦ λιμένος ἐποιεῖτο τὸν πλοῦν*. Arist. Eccl. 1107. *θάψαι μ' ἐπ' αὐτῷ τῷ στόματι τῆς εἰσβολῆς*. Hom. II. 13, 615. *κόρυθος φάλον ἤλασεν ἵπποδασείης | ἄκρον ἐπὶ λόφον αὐτόν*. Aesch. Prom. 754. *ἐπ' αὐταῖς στενοπόροις λίμνης πύλαις*. 721. *κροτάφων ἀπ' αὐτῶν (ἄκρων?)*. 847. *Νείλου πρὸς αὐτῷ στόματι καὶ προσχώματι*. Sept. 528. *τύμβον κατ' αὐτόν — Ἀμφίονος*. Fr. 24. *κατ' αὐτόν τύμβον ἀθλίον Λίγα*. Eur. Alc. 1161. *τύμβον παρ' αὐτόν*. Ion. 34. *καὶ θῆς πρὸς αὐταῖς εἰσόδοις δόμων ἐμῶν*; Suppl. 1211. *παρ' αὐτὴν τρίοδον*. Phoen. 1195. *ἀνεῖρψ', ὑπ' αὐτὴν ἀσπίδ' εἰλίξας δέμας*. *στόμιον*] Cf. Aesch. Cho. 796. *ὦ μέγα ναίων στόμιον*. *Στόμιον dicitur aditus ad antrum Delphicum* Strab. IX. p. 641.

1218. *θεοῖσι κλέπτομαι*] Fallor (decipior) ab deis. Cf. 681. El. 56. Tr. 243. Eur. Or. 1596. *θεῶν κλεφθῆεις ὑπο*. 1510. *θεῶν κλοπαῖς*. Theogn. 540. *εἰ μὴ ἐμὴν γνώμην ἐξαπατῶσι θεοί*.

1219. *ἐξ — κελεύσασιν*] Cf. 412. *ὄσμην ἀπ' αὐτοῦ μὴ βάλου πεφευγότες*. Aj. 759. *πίπτειν βαρείαις πρὸς θεῶν δυσπραξίαις*. El. 784. *ἀπήλλαγμα φόβου | πρὸς τῆσδε*. Tr. 150. O. R. 310. *ἀπ' οἰωνῶν φάτιν*. Aesch. Sept. 750. *κρατηθεῖς ἐκ φίλων ἀβουλίαις (ἀβουλίαν M. pr. unde ἀβουλιᾶν Dind.)*. Eur. Iph. T. 1428. *ὡς ἐκ θαλάσσης ἐκ τε γῆς ἱππεύμασι | λαβόντες αὐτοὺς —*. Arist. Ach. 546. *περὶ τριηράχου βοῆς*. Sed corrigendum suspicor *κελεύσματος*. Cf. Thuc. 2, 92. *ἀφ' ἐνός κελεύσματος*. Sophron. ap. Athen. 87 A. *ἐξ ἐνός κελεύματος*. Herod. I. 157. *ἐκ τούτου δὲ κελευσμοσύνης — μετέβαλον*.

1220. *ἠθροῦμεν*] Explorabamus. Anglice we examined, searched. Cf. 1216.

1221. *κρεμαστὴν ἀχένος*] Suspended by the neck. Cf. Tr. 779. *μάρψας ποδός νιν*. Si additum fuisset *ἐκ*, sensus foret suspended from, ut in Aesch. Fr. 235. *κρεμάσασα τόξον πίτυος ἐκ μελανδρόου*. Cf. O. C. 1521. *ἄδικτος ἠγητῆρος*. Phil. 1067. *φωρῆς — προσφθεγκτός*. Tr. 661. *πειθοῦς παγχρόστῳ (πέπλω)*. Tr. 685. *ἀκτῖνος — θεομῆς ἄδικτον*. Eur. Andr. 459. *ἀθώπευτον — γλώσσης*. Arist. Nub. 764. *λιπόδετον — τοῦ ποδός*. Plat. Phaedr. 251. *ἀσήμαντοι τούτου*. Matth. Evang. XI. 11. *ἐν γεννητοῖς γυναικῶν*. Luc.

Evang. VII. 28. Caes. B. G. VII. 30. 'insuetus laboris.' Tacit. Ann. I. 20. 'invictus operis ac laboris.' Hor. Od. I. 22. 1. Sat. I. 9. 11. Virg. G. III. 289. Ad rem cf. O. R. 1264. Aesch. Ag. 875. πολλὰς ἄνωθεν ἀρτάνας ἐμῆς δέξης | ἔλυσαν ἄλλοι (ἄστοι?) πρὸς βίαν λελημμένης (ἀνημμένης Wecklein). Eur. Hipp. 779. κρεμαστοῖς ἐν βρόχοις ἤρημένῃ.

1222. βρόχῳ] Cf. Eur. Or. 1033. βρόχους κρεμαστούς μὲν τῷδε] Cf. Eur. Iph. T. 824. εὐμίτοις πλοκαῖς. σινδόνης] Cf. Herod. II. 86. σινδόνης βυσσίνης τελαμῶσι. VII. 181. σινδόνης τελαμῶνες. I. 200. II. 95. Thuc. II. 49.

1223. μέσση] Eadem forma legitur infra 1236. O. R. 1247. μέσσαν ἀκτίνα (mel.). Fr. 234, 5. Cf. ad Aj. 185. περιπετῆ] Cf. Aesch. Ag. 225. πέπλοισι περιπετῆ.

1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς διεφθάρης;] Cf. Tr. 1145. φρονῶ δὴ ξυμφορᾶς ἴν' ἔσταμεν. Aj. 314. ἐν τῷ πράγματος. 323. O. C. 1510. O. R. 1174. ὡς πρὸς τί χρείας; 367. Eur. Hel. 1195. ἐν τῷ δὲ κείσαι συμφορᾶς; τίς ἢ τύχη; 320. El. 238. εἰ ζῆς ὅπως τε ζῶσα συμφορᾶς ἔχεις. Phoen. 977. εἰς τόδ' εἴμι συμφορᾶς. Cicer. Epist. 'Nec quid consilii capiam — scio.' Liv. V. 39. 'Hoc consilii.'

1230. ἰκέσιός σε λίσσομαι] Cf. Phil. 470. ἰκέτης ἰκνοῦμαι. O. R. 41. ἰκετιούμεν σε — πρόστροποι. Eur. Ion. 1119. ἀντιάζω σ' ἰκέτις.

1231. παπτήγας] Cf. Aj. 11. Theocr. VI. 28. παπταίνουσα πρὸς ἄντρα τε καὶ ποτὶ ποίμνας. Pind. Isth. VI. 44. τὰ μακρὰ δ' εἴ τις παπταίνει, etc.

1232. πτύσας προσόπῳ] With an expression of loathing. Cf. 653. πτύσας ὡσεὶ τε δυσμενῆ. Fr. 616. ἀπέπτυσεν λόγους. Aesch. Eum. 294. οὐδ' ἀντιφωνεῖς, ἀλλ' ἀποπτύεις λόγους —; Eur. Fr. 418, 2. κακοὺς δ' ἀποπτύωμεν. Lucian. Alex. II. 253. μετὰ δ' οὖν τὴν ἐπωδὴν τρεῖς ἄν μου πρὸς τὸ πρόσωπον ἀποπτύσας etc. Plut. Lucull. 18. κἀκεῖνο μὲν ἀπέριψε προσπτύσασα.

1233. κνώδοντας] Cf. ad Aj. 1025. πῶς σ' ἀποσπάσω | τοῦδ' αἰόλον κνώδοντος; Xen. Cyn. 10, 3. τὰ δὲ προβόλια πρῶτον μὲν λόγῃς ἔχοντα τὸ μέγεθος πενταπαλαίστους, κατὰ δὲ μέσον τὸν αἰλὸν κνώδοντας (teeth) ἀποκεχαλκευμένους σιφρούς. Lob. ad Aj. 814.

1235. ὥσπερ εἶχ'] As he was. Cf. Phil. 819. δέξαι — μ' ὅπως ἔχω. Arist. Lys. 610. ὡς ἔχω. ἐπενταθεῖς] Cf. Aj. 451. χεῖρ' ἐπεντείνοντ' (al. ἐπεντίνοντ').

1236. ἤρεισε πλευραῖς] I. e. applicuit, affixit. Cf. O. C. 1113. ἐρείσαι', ὦ παῖ, πλευρὸν ἀμφιδέξιον | ἐμφύντε τῷ φύσαντι. Aesch. Ag. 1004. νόσος γὰρ γείτων ὁμότοιχος ἐρείδει. Eur. Andr. 842. ἀπόδος (ξίφος), ἴν' ἀνταίαν ἐρείσω πλαγίαν. ὑγρὸν —] I. e. relaxatum, languidum. Cf. Eur. Phoen. 1439. κἀπιθεῖς ὑγρὰν χέρα | — προσεῖπε δακρούς. Xen. Eq. I. 6. τὰ γε μὴν γόνατα ἦν βαδίζων δ

πῶλος ὑγρῶς κάμπτη. *ibid.* ὑγρὰ ἔξειν τὰ σκέλη. X. 16. ὑγροῖν δὲ τοῖν σκελοῖν — φέρεται (δ ἵππος). Xen. Cyneg. V. 3. λαγόνας ὑγρῶς. Eur. Fr. 941, 2. ὑγρῶν ἐν ἀγκάλαις. Pind. P. I. 17. ὑγρὸς νόστος. Lucian. Salt. 73. ὑγρότης τῶν μελῶν. Luc. 6. ἡ δὲ ὀσφὺς ἡμῶν ὑγρῶς ἐπικινεῖται. 8. σκόπει ὀπως εὐχερῶς καὶ ὑγρῶς τὰ παλαιόματα ἔσται. Plut. Mar. 28. Aelian. V. H. XIV. 7. εἰ δέ τι χαῦνον ἦν αὐτοῖς τῶν μελῶν ἢ ὑγρότερον. Apud Hippocratem ὑγρὰ κοιλία ἐτ ὑγρὸς κείσθαι.

1237. παρθένῳ προσπύσεται] Cf. Tr. 767. προσπύσεται πλευραῖσιν. Eur. El. 1247. Παλλάδος σεμνὸν βρέτας | πρόσπνυξον. 1318. πρόσπνυξον σῶμα. Hom. Od. 3, 22. Μέντορ, πῶς τ' ἄρ' ἴω, πῶς τ' ἄρ' προσπύξομαι αὐτόν; 11, 451. πατέρα προσπύξεται.

1238. φουαῶν —] Cf. Aj. 918. Aesch. Eum. 248. πολλοῖς δὲ μόχθοις ἀνδροκαμῆσι φουαῖ | σπλάγγνον. Ag. 1389. κάκφουαῶν δὲ ξεῖαν αἵματος σφαγῆν | βάλλει μ' ἔρεμνῆ ψακάδι φοινιάς δρόσου.

δξεῖαν] Anglice of bright colour. Cf. Arist. Pac. 1173. φοινικὶδ' δξεῖαν πάνν.

1239. φοινίου σταλάγματος] Cf. Eur. Hec. 241. φόνου σταλαγμοί. Aesch. Agam. 1278. φοινίῳ προσφάγματι (σταλάγματι?).

1240. Cf. Eur. Phoen. 895. πολλοὶ δὲ νεκροὶ περὶ νεκροῖς πεπτωκότες.

1243. Cf. 1050. ὄσφ κρᾶτιστον κτημάτων εἰβουλίᾳ. πρόσκειται] Cf. El. 1040. εἴρηκας ὀρθῶς ᾧ σὺν πρόσκεισαι κακῶ. 240. εἴ τι πρόσκειμαι χρησιῶ. Fr. 89. βραχεῖ λόγῳ καὶ πολλὰ πρόσκειται σοφά. Eur. Rhcs. 265. ἢ πόλλ' ἀγρώσταις σκαῖα πρόσκειται φρενί. Herod. II. 83. ἀνθρώπων μὲν οὐδενὶ προσκείται ἢ τέχνη etc.

1246 sq. Cf. Aesch. Pr. 518. εὐελπίς εἰμι τῶνδ' ἐκ δεσμῶν ἔτι | λυθέντα —. ἐλπίσιν δὲ βόσκομαι] Cf. Fr. 687. ἐλπίς γὰρ ἢ βόσκουσα τοὺς πολλοὺς βροτῶν. Eur. Bacch. 617. ἐλπίσιν δ' ἐβόσκειτο. Phoen. 396. αἱ δ' ἐλπίδες βόσκουσι φνγάδας, ὡς λόγος. Aesch. Ag. 1658. οἶδ' ἐγὼ φεύγοντας ἀνδρας ἐλπίδας σιτουμένους.

1247. Cf. El. 642. μῆ — σπείρη ματαίαν βάξιν ἐς πᾶσαν πόλιν. Fr. 592. μῆ σπείρε πολλοῖς (l. μῆ σπείρ' ἐς ἄλλους) τὸν παρόντα δαίμονα. O. R. 93. ἐς πάντα αὔδα.

1248. οὐκ ἀξιώσειν] Sub. προθεῖναι. Cf. El. 172. οὐκ ἀξιοῖ φανῆναι. 1240. τόδε μὲν οὐ ποτ' ἀξιώσω τρέσαι. Ph. 811. οὐ μῆν σ' ἐνορκόν γ' ἀξιώθ' ἔσθαι.

1249. προθήσειν] Cf. Herod. VI. 21. καὶ πένθος μέγα προεθήσαντο. IX. 24. πένθος ἐποίησαντο Μασιστίου. El. 108. ἐπὶ κωκυτῶ τῶνδε πατρῶων | πρὸ θυρῶν ἠχῶ πᾶσι προφωνεῖν.

1250. γνώμης γὰρ οὐκ ἄπειρος —] Cf. 1191. κακῶν γὰρ οὐκ ἄπειρος. Aj. 1106. Eur. Phoen. 1376. οὐ μακρὰν γὰρ τειχέων περιπτνχαῖ | ὥστ' οὐχ ἅπαντά σ' εἰδέναι τὰ δρώμενα. Andr. 80. γέρον ἐκείνος ὥστε σ' ὠφελεῖν παρών.

1251. ἡ — ἄγαν σιγῇ] Excessive silence.' Cf. 1256. Arist. Nub. 1120. μήτ' ἄγαν ἐπομβρίαν. Dem. p. 1128. τούτους τῆς ἄγαν κολακείας ἐπισχῆσθε. Aesch. Pr. 123. διὰ τὴν λίαν φιλότητα βροτῶν. Eur. Iph. T. 721. ἀλλ' ἔστιν ἔστιν ἡ λίαν δυσπραξία —.

1252. ἡ μάτην πολλῆ βοή] Cf. Aj. 1149. τὴν πολλὴν βοήν. O. R. 874. εἰ πολλῶν ὑπερπλησθῆ μάταν.

1253. μή τι — καλύπτει] Cf. Eur. Her. 483. θέλω πνθῆσθαι μὴ 'πὶ τοῖς πάλοι κακοῖς | προσκειμένον τι πῆμα σὴν δάκνει φρένα. Phoen. 92. Tro. 176.

1255. δόμους παραστείχοντες] Domum ingredientes. Cf. O. R. 808. ὄχους παραστείχοντα. Aesch. Ag. 568. δόμους (δόμοις M.) παραστείχοντα. Eur. Med. 1137. ἐπεὶ παρῆλθε νυμφικούς δόμους. Hipp. 108.

1256. καὶ τῆς —] Loge κάκ τῆς —. Cf. O. C. 1142. βάρος γὰρ ἡμᾶς οὐδὲν ἐκ τούτων ἔχει. τῆς ἄγαν — σιγῆς] Cf. Arist. Th. 704. τῆς ἄγαν — σιγῆς.

1257. ἐρήκει] Advenit. Cf. Aj. 34. El. 304.

1258. μνήμ' ἐπίσημον] Schol. τὸν νεκρόν. διὰ χειρὸς ἔχων] Cf. Thuc. II. 13. II. 76. Arist. Vesp. 597. φυλάττει διὰ χειρὸς ἔχων. Aesch. Sept. 513. διὰ χειρὸς βέλος φλέγων. Plut. Cic. 16. Sert. 6. Mar. 10. Per. 34. Arist. Resp. 5, 8, 8.

1259. εἰ θέμις ἐπειν] Haec ad ea quae sequuntur spectant.

1262. Cf. Eur. Phoen. 407. αἱ δ' ἐλπίδες βόσκοιτο φυγάδας, ὡς λόγος. Bacch. 573. ἐλπίοι δ' ἐβόσκοτο. Aesch. Ag. 1658.

1265. ἀνολβα βουλευμάτων] Cf. Lucret. I. 1068. 'prima viai.' Lucret. I. 86. 'Ductores Danaum delecti, prima virosum.' Tacit. Ann. IV. 67. 'saeva ventorum.' Cf. 1026. κείνος οὐκ ἔτ' ἔστ' ἀνὴρ | ἄβουλος οὐδ' ἀνολβος. Aj. 1156.

1266. νέος νέω ξὺν μόρω] Cf. O. C. 1447. νέα τάδε νεόθεν ἤλθέ μοι. Aesch. Prom. 957. νέον νέοι κρατεῖτε. Aj. 735. νέας βουλὰς νέοισιν ἐγκαταζεύξας τρόποις.

1268. ἔθανες, ἀπελύθης] Cf. 1314. ἀπελύσατ' ἐν φοναῖς. Eur. Fr. 994, 2. εἰ δὲ θανεῖν θέμις (χρεῶν?), ὧδε θανεῖν καλὸν | εἰς ἀρετὰν καταλυσαμένους βίον. Luc. Evang. I. 29. νῦν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν σου —.

1269. δυσβουλίας] Cf. Aesch. Sept. 802. παλαιῶς Λαῖον δυσβουλίας. 750. ἀβουλιᾶν (gen. plur.).

1270. Cf. Aj. 354. οἴμ' ὡς εἰκας ὀρθὰ μαρτυρεῖν ἄγαν.

1272 sq. Cf. Aesch. Ag. 1174. καί τις σε κακοφρονῶν τίθησι δαίμων ὑπερβαρῆς ἐμπύτων μελίζειν πάθη γοερά;

1274. ἐπαισεν ἐν τ' ἔσεισεν] Cf. Tr. 1087. παῖσον, ἔσεισον etc. Plut. Alex. 9. λέγεται πρῶτος ἐνοεῖσαι τῷ ἱερῷ λόγῳ τῶν Θεβαίων. Rufum Ephes. de Morb. Rem. I. 2. πόνοι εἰς ὄσφιν ἐνοεῖουσι. O. R. 1252. βοῶν γὰρ εἰσέπαισεν Οἰδίπους. Sic ἐνοεῖεν τινὶ Diod. 13, 40. εἰς τι 14, 60. Dion. Hal. ἐνοεῖεν τοῖς πολεμίοις, etc.

ἀγρίαις ὁδοῖς] In savage fashion. Cf. Fr. 324. φθονεραὶ γὰρ ὁδοί. O. R. 67. 311. O. C. 1314.

1275. ἀντρέπων] Cf. Aesch. Pers. 163. μὴ μέγας | πλοῦτος κοινίας οὐδας ἀντρέπη ποδι | ὄλβον.

1278. Connecte ὡς cum ἔοικας.

1279. πρὸ χειρῶν] I. q. πρόχειρα. Cf. El. 1116. πρόχειρον ἄχθος, ὡς ἔοικε, δέροκομαι. Phil. 747. Aesch. Prom. 54. φέρων — ἦκειν] Cf. Ph. 972. πρὸς κακῶν ἀνδρῶν μαθῶν | ἔοικας ἦκειν αἰσχρά. 1267. λόγους — οὓς ἦκω φέρων. O. R. 86. ἦκεις τοῦ θεοῦ φήμην ἔχων.

1281. τί δ' ἐστὶν ἀδ;] Monometer, ut in Eur. Iph. A. 1133. ἔχ' ἦσυχος. Ar. Ach. 407. ἀλλ' οὐ σχολή. Nub. 1233. ποίους θεούς;

1282. Cf. Aj. 898. Tr. 1130. El. 792. τοῦδε παμμήτωρ —] Cf. O. C. 1383. ἀπάτωρ ἐμοῦ. Aesch. Prom. 90. παμμήτορ τε γῆ. Hom. H. 30, 1. Γαῖαν παμμήτειραν αἰέσομαι. Sic παντελής δάμαρ O. R. 930. Contra μήτηρ ἀμήτωρ El. 1154.

1283. ἄρτι νεοτόμοισι] Cf. Aj. 898. ἀρτίως νεοσφαγῆς. Tr. 1130. τέθνηκεν ἀρτίως νεοσφαγῆς. πλήγμασιν] Cf. Eur. Iph. T. 1366. δεινὰ πλήγματα γενεαίδων. Tr. 789. πλήγματα κρατός.

1284. δυσκάθαρος] Aegre purgandus. Propter caedem caedi succedentem ita ut nullus finis occidendi inveniatur, ut explicat Herm. Cf. Arist. Pac. 1250. ὦ δυσκάθαρε δαῖμον, ὡς μ' ἀπώλεσας.

1285. ὀλέκεις] Cf. Tr. 1013. ὠλεκόμαν ὁ τάλας. Aesch. Prom. 579. ὀλέκει.

1286. κακάγγελτα] Cf. Aesch. Ag. 636. κακαγγέλω | γλώσση. Eur. Phoen. 1217. ἐξ εὐαγγέλου φήμης.

1287. προπέμψας] Cf. El. 1155. ἦς ἐμοὶ σὸν πολλάκις | φήμας λάθρα προῦπεμψες. Ph. 846. τίνα θροεῖς λόγον;] Cf. Eur. Or. 1249. τίνα θροεῖς αὐδάν; Ion. 784. ἀναύδητον λόγον ἐμοὶ θροεῖς. Aesch. Cho. 828. θροοῦσα — πατρὸς αὐδάν. Ag. 1141. θροεῖς νόμον ἄνομον.

1288. ἐπεχειργάσω] Schol. ἐπέσφαξας. Cf. 1030. μῆδ' ὀλότα | κέντει· τίς ἀλκή τὸν θανόντ' ἐπικτιανεῖν; O. C. 1733. ἐπενάριξον. Sic διαπράσσεσθαι Tr. 786.

1291. σφάγιον] Victimam. Cf. Aj. 219. σφάγι' αἰμοβαφή χειροδάκτυλα. Eur. Tro. 742. οὐχ ὡς σφαγεῖον Δαναΐδαις τέξουσ' ἐμόν. El. 800. Cycl. 394.

1292. ἀμφικεῖσθαι] Cf. O. C. 1620. ἐπ' ἀλλήλοισιν ἀμφικεῖμενοι.

1293. ἐν μυχοῖς] In the secret chambers (of the house). Cf. Tr. 686. ἐν μυχοῖς σώζειν. Ph. 1013. διὰ μυχῶν. Act. Apost. XXVI. 26. οὐ γὰρ ἐστὶν ἐν γωνία πεπραγμένον τοῦτο. Regiae fores ἐκκνυκλήματος ope aperiantur et Eurydices cadaver cernitur.

1295. κακὸν τόδ' ἄλλο δεύτερον] Herod. IV. 53. πεμπτός ποταμός ἄλλος. I. 197. δεύτερος — ὄδε ἄλλος νόμος.

1296. *Similitudo* <https://www.doi.org/10.1517.cnis> ἄρα με πότιμος ἐπαμμένει σέ τ', ὦ φίλα; 1716. τίς ἄρα με πότιμος — ἐπιμένει; Aj. 1215. τίς μοι τίς ἔτ' οὖν τέροντις ἐπέσται (τίς ἄρ' οὖν — ἔτ' ἔσται?);

1299. ἔναντα] Cf. Eur. Orest. 1478. ἔναντα δ' ἦλθεν Πυλάδης. Aesch. Cho. 573. Arist. Eq. 342. Hom. II. 20, 67. ἔναντα Ποσειδάωνος ἄνακτος | ἴσταν'. et poetam apud Plat. Charm. 155 D. κατέναντα. Simplex ἄντα legitur Pind. N. VI. 28. Isth. VI. 28.

1300. Cf. Eur. Med. 1393. φεῦ φεῦ, μουσαρά καὶ παιδολότορ.

1301. πέριξ] Cf. Aesch. Pers. 374. ἄλλας δὲ κύκλω νῆσον Αἴαντος πέριξ (sc. τάξαι, qu. πέρι). Eur. Herc. 243. βωμόν πέριξ νήσαντες ἀμφῆρη ξύλα. Herod. IV. 180.

1302. λύει κελαινὰ βλέφαρα] I. e. aperit. Cf. Aj. 676. ἐν δ' ὁ παγκρατῆς ὕπνος | λύει πεδήσας. O. R. 1222. κατεκοίμισα τοῦμόν ὄμμα. Eur. Herc. 641. βλεφάρων σκοτεινὸν φάος. Aesch. Ag. 1293. ὡς ἀσφίδαστος — ὄμμα συμβάλω τόδε. Virg. Aen. IV. 244. 'lumina morte resignat.' Apud Homerum λύνει γούνατα, γυῖα, ἦτορ, μένος, ψυχὴν. κελαινὰ βλέφαρα] Cf. O. C. 1684. νῶν δ' ὄλεθρία νῦξ ἐπ' ὄμμασιν βέβακε. Eur. Alc. 270. σκοιὰ δ' ἐπ' ὄσσοισι νῦξ ἐφέρπει. Hom. II. 5, 696. τὸν δ' ἔλιπε ψυχὴ, κατὰ δ' ὀφθαλμῶν κέχυι' ἀγλός. Od. 22, 88.

1303. Menoecēi tumulus extra Thebarum portas situs memoratur a Pausania IX. 25. 1. Megareus etiam ab Aeschylō appellatur Sept. 474.

1304. κακὰς πράξεις] Infortunium. Cf. Tr. 293. ἀνδρὸς εὐτυχῆ | κλύουσα πράξιν. Usitatus foret κακὴν πράξιν. V. Tr. 152. 879. Aj. 790. 792.

1305. ἐφνυνήσασα] Cf. O. R. 1275. τοιαῦτ' ἐφνυνῶν.

1307. ἀνέπταν φόβω] Cf. Aj. 693. περιχαρῆς δ' ἀνεπιτόμαν. O. R. 487. πέτομαι δ' ἐλπῖον. Eur. Suppl. 89. φόβος μ' ἀναπτεροῖ. Or. 866.

1309. ἀνταίαν ἔπαισεν] Sub. πληγὴν. Cf. El. 196. ἀνταία γένων ὠρμάθη πλαγά. 1415. ὄμοι, πέπληγμαι. ΗΛ. πᾶσον, εἰ σθένεις, διπλῆν. Aesch. Sept. 895. διανταίαν λέγεις πλαγάν. 894. διανταίαν — πεπλαγμένους. Ag. 1345. δευτέραν πεπληγμένους. 1387. πεπτωκότι | τρίτην ἐπενδίδωμι. Cho. 639. τὸ δ' ἄγχι πλενμόνων ξίφος διανταίαν δξυπενκὲς οὐτᾶ. 184. ἐπαίσθη δ' ὡς διανταίω βέλει. Eur. Andr. 842. ἀπόδος (ξίφος), ἴν' ἀνταίαν ἐρεῖσω πλαγάν. 884. Ion. 767. διανταῖος ἔτιπεν ὀδύνα με πλενμόνων τῶνδ' ἔσω. ἀμφιθήκω ξίφει] Cf. Tr. 930. ἀμφιπλήγι φασγάνω.

1310. δειλαῖος] Cf. El. 849. δειλαία δειλαίων κυρεῖς.

1311. δειλαία συγκέκραμαι δύα] Cf. Aj. 895. ὄρω Τέκμησσαν οὐτᾶ τῷδε συγκεκραμένην. 123. El. 1485. βροτῶν — σὺν κακοῖς

μεμιγμένων. Tr. 662. Aesch. Cho. 744, ὄς μοι τὰ μὲν παλαιὰ συγκεκραμένα | ἄλλη δύσοιστα — ἐμὴν ἤλγυνεν ἐν στέροισι φρένα. Pind. Ol. XI. 104. ὦρα τε κεκραμένον. P. XI. 41. οὔτε γῆρας — κέκρται ἱερά γέννα. V. 2. X. 65. Isth. 3, 3. ἄξιος εὐλογίας ἀσπῶν μεμίχθαι. Arist. Pl. 853. Diphil. IV. 424. πενία — συγκεραεῖσα δυσοσεβεί τρόπω. Eur. Or. 34. ἀγρία συντακίς νόσω. Aj. 123. ὀδοῦνεκ' ἄτη συγκατέτευκται κακῆ. O. C. 526. κακῆ μ' — πόλις — ἐνέδησεν ἄτα. Eur. Hipp. 1389. ὦ τλήμων, οἶα ξυμφορᾷ ξυνεζύγησ. Andr. 98. στερορόν τε τὸν ἐμὸν δαίμον', ὧ ξυνεζύγησ. δειλαία — δύα] Cf. O. C. 513. δειλαίας — ἀλγηδόνοσ. Tr. 1028. δειλαία — νοῦσοσ.

1312. αἰτίαν — τῶνδε — ἔχων] Cf. Herod. V. 70. οἱ μὲν γὰρ Ἀλκμαιωνίδαι — εἶχον αἰτίην τοῦ φόνου τούτου.

1313. ἐπεσκήπτου] Anglice you were charged.

1314. Cf. El. 679. εἰπέ τῷ τρόπῳ διόλλυται. Tr. 878. O. R. 99. Eur. Hec. 515. πῶσ καί νῦ ξεπερᾶζατ'; Phoen. 1553 sq. ἀπελύσατ'] Cf. 1268. ἔθανεσ, ἀπελύθησ. Eur. Med. 146. θανάτω καταλυσαίμαν | βιοτᾶν στυγεράν προλιποῦσα. Sic Latine decedere, Anglice to decease.

1315. παῖσοσ' ὑφ' ἥπαρ] Cf. Tr. 931. φασγάνῳ | πλευράν ὑφ' ἥπαρ καὶ φρένασ πεπληγμένην. Eur. Or. 1063. παῖσοσ πρὸσ ἥπαρ φασγάνῳ. Eur. Fr. 969, 2. ἡ δίκη παῖσει πρὸσ ἥπαρ. Aesch. Ch. 272.

1316. ὀξυκώκυτον] Cf. Aj. 321. ἀρόφητοσ ὀξέων κωκυμάτων. El. 243. ὀξυτόνων γόων. Aesch. Sept. 954. ὀξυμόλλοισ — οἰμώγματοσ. Hom. Il. 18, 71. ὀξὸν δὲ κωκύσοσα etc. Sic ὀξύγοοσ (Sept. 320.), ὀξυβόασ (Ag. 57.).

1318. ἐμᾶσ — ἐξ αἰτίας] Cf. O. R. 1236. ὦ δυοτάλαινα, πρὸσ τίνοσ ποτ' αἰτίας;

1319. ἐγὼ γὰρ σ' ἐγὼ σ' —] Sic O. R. 1217. εἶθε σ' εἶθε σε μῆποτ' εἰδόμαν. ἔκανον] Cf. O. C. 545. ἔκανον et ἔκανεσ. O. R. 348. καίνων. O. C. 994. καίνων. El. 820. καινέτω. Fr. 955. κέκονα. Aesch. Sept. 630. κᾶνοι. Ag. 1562. καίνων. Cho. 886. καίνειν. 930. ἔκανεσ. Sept. 347. καίνεται. ὦ μέλεοσ] Cf. Tr. 377. ὦ δύσστηνοσ. Arist. Ran. 921. ὦ παμπόνηροσ. Vesp. 900. ὦ μαροὸσ οὔτοσ. Nub. 1168. ὦ φίλοσ. Av. 1175. 1467.

1320. φάμ' ἔτυμον] Dico quod verum est. Cf. Ph. 205. βάλλει μ' ἐτύμα φθογγὰ του. Infra 1339. O. R. 1341. Fr. 499, 4. Eur. El. 818. φήμην ἔτυμον. Hel. 357. βᾶξισ ἔτυμοσ. Iph. A. 795. φάτισ ἔτυμοσ. Eur. Fr. 673. Arist. Eq. 1249. Th. 265.

1321 sq. Cf. O. R. 1340. ἀπάγει' ἐκποδῶν οὐ τάχιστά με, | ἀπάγει', ὦ φίλοι, τὸν ὀλεθρον μέγα, etc. Arist. Th. 915. ἀπαγέ μ' ἀπαγ' ἀπαγ' ἀπαγέ με λαβῶν ταχὺ πάνν.

1324. τῶν προκειμένων τι χροὴ πράσοειν] Cf. Eur. Rhes. 984. οὐ δ', εἴ τι πράσοειν τῶν προκειμένων θέλεισ, etc. Iph. T. 1433.

1325. ἢ μηδένα] I. e. ἢ τὸν μὴ ὄντα, than nobody. Cf. O. C. 918. καὶ μὴ ἴσον τῷ μηδενί. Aj. 1114. οὐ γὰρ ἤξιον τοὺς μηδένας. O. R. 1019. 1231. 1231. οὐδὲν ὄν τοῦ μηδὲν ἀντίστοιχῆς ὑπερ.

1327. Cf. Aj. 268. τό τοι διπλάζον, ᾧ γύναι, μείζον κακόν. τὰν ποσὶν κακά] Cf. ad O. R. 130. τὸ (al. τὰ) πρὸς ποσὶ σκοπεῖν (I. τὸ τὰν ποσὶ σκοπεῖν) μεθέντας. Eur. Alc. 739. τοῦν ποσὶν γὰρ οἰστέον κακόν. Andr. 397. τὰ δ' ἐν ποσὶν οὐκ — λογίζομαι κακά. Iph. T. 1312. τὰ δ' ἐν ποσὶν | παρόντι' ἄκουσον. Diog. L. VI. 4. 28. τὰ δ' ἐν ποσὶ πράγματα παρορᾶν. Herod. III. 79. 1. ἐκτεινον πάντα τινὰ τῶν Μάγων τὸν ἐν ποσὶ γινόμενον (τῶν — γινομένων?).

1331. τερμίαν — ἡμέραν] I. q. τελευταίαν (O. R. 1529.), ὑστάτην, νεάτην, πνυμάτην.

1333. Cf. Tr. 835. πῶς δδ' ἂν ἀέλιον (ἔτι φάος?) ἕτερον ἢ ταυῶν (τὸν νῦν?) ἴδοι;

1335. Cf. Phil. 1036. θεοῖσιν εἰ δόκης μέλει. Aesch. Cho. 780. μέλει θεοῖσιν ὄνπερ ἂν μέλη πέρι (τελεῖν?). Ag. 974. μέλοι δέ τοι σοὶ τῶνπερ ἂν μέλλης τελεῖν. Eur. Her. 711. ἀνδρῶν γὰρ ἀλκή· σοὶ δὲ χρῆ τούτων μέλει.

1336. Verbum συγκατεύχομαι, ut observat Dind., fortasse non alibi legitur nisi in Plut. Mor. p. 492 D. "Composito utitur συγκατηνξάμην quia preces suas Chori de providentia divina verbis adjunctas esse vult." (Dind.)

1341. σέ τ' αὖ τάνδ'] Cf. 725 sq.

1342. οὐδ' ἔχω δπα πρὸς πότερον ἴδω] Cf. Phil. 897. οὐκ οἶδ' ὅποι —. Xen. Mem. II. 1. 21. ἀποροῦντα ὀποτέραν τῶν δδῶν τράπηται.

1344 sq. Sic Alcestis moriens exclamat Eur. Alc. 267. μέθετε μέθετέ μ' ἤδη. | κλίνατ', οὐ σθένω ποσὶν.

1345. πάντα γὰρ λέχρια] Schol. πλάγια καὶ πεπτωκότα. Anglice tottering, falling. Cf. O. C. 195. Eur. Hec. 1026. ἐς ἄντιλον ἐμπεισῶν λέχριος. Med. 1168. λεχρία πάλιν χωρεῖ. Hesych. λέχρια: πλάγια. τὰ δ' —] Cf. O. R. 263. 1300. Aesch. Ag. 1175. δαίμων ὑπερβαρῆς ἐμπίτωνν. Eur. Eur. cadaver intellige. τὰν χεροῖν] Cadaver filii dicit. Cf. 1279. 1297.

1346. Cf. O. R. 263.

1348. ἐς τὰ θεῶν μηδὲν ἀσεπτῆν] Cf. 731. εὐσεβεῖν ἐς τοὺς κακούς. Ph. 1441. εὐσεβεῖν τὰ πρὸς θεούς. Eur. Fr. 684, 3. εὐσεβοῦσιν εἰς θεούς. Bacch. 490. τὸν ἀσεβοῦντι' εἰς τὸν θεόν. Arist. Pl. 497. τὰ τε θεῖα σέβοντας. Plat. Min. p. 319. ἐς θεούς καὶ λόγῳ καὶ ἔργῳ ἐξαμαρτάνειν. τὰ θεῶν] Cf. Tr. 498. τὰ μὲν θεῶν παρῆβαν. Fr. 729. θνήσκειν καὶ τὰ θεῶν, θεούς δ' οὐ. Sic τάνθρώπων Tr. 439. O. R. 498. τὰ βροτῶν Aesch. Ag. 32. τὰ δεσποτῶν 435. Eur. Her. 618. τὰ θεῶν ὑπερ (φέρει Elmsl.). Fr. 793. εἰδέναι τὰ δαιμόνων. ἀσεπτῆν] Cf. O. R. 515. Sic ἀνηκουσεῖν Aesch. Prom. 40. ἀπιστεῖν, ἀτλητεῖν, ἀδυνατεῖν, ἀδηλεῖν (?), ἀφυλακτεῖν, ἀτευκτεῖν.

1349. μεγάλοι — λόγοι] Cf. ad El. 830. μηδὲν μέγ' εἴπης. Aj. 384. Hom. Od. 22, 288. μὴ μέγα εἰπεῖν. Arist. Ran. 835. μὴ μεγάλα λίαν λέγει. Theocr. X. 20. μηδὲν μέγα μυθεῖ. Aesch. Sept. 479. ὑπέραυχα βάζουσιν ἐπὶ πτόλει. 561. μεγάλα μεγαληγόρων κλύουσα ἀνοσίων ἀνδρῶν. Eur. Phoen. 186. ἴω Νέμεσι — σὺ τοι (τᾶν?) μεγαληγορίαν ὑπεράνορα κοιμίζεις.

1350. μεγάλας πληγὰς — ἀποτίσαντες] Cf. Aesch. Agam. 1430. τύμμα τύμματι τίσαι.

1353. γῆρα —] Cf. Fr. 586. γῆρας διδάσκει πάντα καὶ χρόνον τριβή. Aesch. Pr. 1017. ἀλλ' ἐκδιδάσκει πάνθ' ὃ γηράσκων χρόνος. ἐδίδαξαν] Aoristus gnomicus ut ὠφθησαν 709.

1361. Cf. 649.

ELECTRA.

1. Haec imitatur Aristophanes Av. 1565. τὸ μὲν πόλισμα τῆς Νεφελοκοκκυγίας | δρᾶν τοδὶ πάρεστιν, οἱ προεβέβουμεν.

2. Cf. Aesch. Cho. 2. Eur. Phoen. 195. Ἀγαμέμνονος παῖ, —] Confer Iepidam Machonis hujus loci imitationem apud Athen. XIII. 579 A. αἰτουμένην λέγουσι τὴν πυγὴν ποτε | ὑπὸ τοῦ βασιλέως Μανίαν Δημητρίου | ἀνταξιώσαι δωρεὰν καὶ τὸν (λαβεῖν?) τινα | δόντος δ' ἐπιστρέψασα μετὰ μικρὸν λέγει, | Ἀγαμέμνονος παῖ, νῦν ἐκεῖν' ἔξεστί σοι.

5. τῆς οἰστοροπλήγος — κόρης] Cf. Aesch. Prom. 589. τῆς οἰστοροδιωγίου κόρης | τῆς Ἰναχέας.

6. Imitatur Strattis comicus II. 770. σκηνὴ μὲν (ἔστιν ἦδε) τοῦ χοροκτόνου | Κινησίου —.

7 sq. Adumbrata sunt haec in dramate satyrico apud Athen. XIII. 595 E. οὐξ ἀριστερεᾶς δ' ὄδε | πόρνης ὁ κλεινὸς ναὸς, ὃν δὴ Παλλίδης | τεύξας κατέγνω διὰ τὸ πρᾶγμ' αὐτοῦ φυγὴν.

9. Μυκήνας τὰς πολυχρούσους] Cf. Hom. Il. 7, 180. Hor. Od. I. 7. 9. 'ditesque Mycenae.' πολυχρούσους] Cf. O. R. 151. τὰς πολυχρούσου Πυθῶνος. Eur. Hec. 490. τῶν πολυχρούσων Φρυγῶν.

13. ἦνεγκα] Eadem forma est Eur. Ion. 38. Arist. Th. 742. Usitatior est ἦνεγκον, ut εἶπον. Cratin II. 112. ἔθρομέ τε δημοίοισιν | χρήμασιν εἰς ἦβην, ἵνα οἱ ποτε λοιγὸν ἀμύναι.

16. βουλευτέον] Cf. Aesch. Ag. 847.

18. κινεῖ] Cf. Pindar. Fr. 259 B. ἐκίνησ' ἑρατὸν μέλος αὐλῶν. Eur. Andr. 607. κινεῖν δόρυ.

19. ἄστρων] I. e. οὐρανοῦ. Cf. Eur. Hel. 617. Arist. Eccl. 83. ἕως ἔτι' ἐστὶν ἄστρα (ἔστι τᾶστρα?) κατὰ τὸν οὐρανόν.

21. ξυνάπτειτον λόγοισιν] Cf. Eur. Phoen. 702. εἰς λόγους ξυνήψα Πολυνεΐκει μολῶν Arist. Lys. 468.
22. ἔργων ἀκμῇ] Cf. 1338. ἀπηλλάχθαι δ' ἀκμῇ. Aj. 811. οὐχ ἔδρας ἀκμῇ. Phil. 12. ἀκμῇ γὰρ οὐ μακρῶν ἡμῖν λόγων.
24. φαίνεις] I. e. σημαίνεις, δηλοῖς. Cf. ad Aj. 471.
27. ὀρθὸν οὐς ἴστησιν] Cf. Fr. 791. ὀρθόκερως φροῖκη. ὠσαύτως δὲ οὐ —] Cf. Eur. Med. 319. ὡς δ' αὐτως ἀνήρ. Andr. 673.
28. Haec parafodē Aristophanes in fabula Gerytades secundum h. l. In editione mea omittit "Qu. πρόει — προάδειν."
30. ὀξεῖαν ἀκοήν] Cf. Aesch. Suppl. 883. ἐπεὶ οὐκ ἀκούει' ὀξὺ τῶν ἐμῶν λόγων. Eur. Or. 1544. Hom. Il. 16, 256. Thuc. II. 11. Plat. Ion. p. 146 B. αἰσθάνονται τοῦ μέλους ὀξεως.
33. πατὴρ — δίκας] πατρί — al. Cf. Eur. Or. 531. μητρὸς δίκας.
34. δίκας ἀροίμην] Cf. O. R. 1225. ὅσον δ' ἀρεῖσθε πένθος. O. C. 460. μέγαν | σωτήρ' ἀρεῖσθε. Tr. 491. νόσον — ἐξαρούμεθα. Theoc. V. 20. ἄλγος ἀροίμην. ἀροίμην] Aoristi optativus. Male futurum habet Linwood. Cf. ad O. R. 72. Κρέοντ' — ἐς τὰ Πυθικά | ἔπεμψα Φοῖβον δώμαθ', ὡς πύθοιθ' ὅ τι | δρωῶν — τήνδε ἔυσαιμην πόλιν.
35. ἀκπεύσει] Cf. Aj. 215. O. C. 206. Aesch. Eum. 419. τίμας γε μὲν δὴ τὰς ἐμὰς πεύσει τάχα.
37. δόλοισι κλέπτειν —] Cf. 56. Aj. 1137. πόλλ' ἂν καλῶς λάθρα οὐ κλέψειας κακά. Eur. Fr. 291, 2. νείκη γὰρ ἀνδρῶν — χρεῶν | δόλοισι κλέπτειν. Aesch. Eum. 203. ἔχρησα ποινὰς τοῦ πατρὸς κλέψαι. Sic κλέπτειν μύθους Aj. 189. κλέπτοιαι μύθους.
- 42 sq. Cf. O. C. 450. ἀλλ' οὐτι μὴ τύχῳσι τοῦδε συμμάχου, | οὐδὲ σφιν ἀρχῆς τῆσδε Κάδμειας ποτὲ | ὄνησις ἦξει.
43. ἡνθισμένον] Cf. Herod. I. 98. ἡνθισμένοι — φαρμάκοισι. Philem. IV. 26. ἄνωθεν ἐξηνθισμένον. Epicrat. III. 369. δελφάκων — κρέα — πυρὸς ἀκμῇ 'ξηνθισμένα.
- 44 sq. Cf. Aesch. Ch. 562. ἦξω ξὺν ἀνδρὶ — Πυλάδῃ, ξένος τε καὶ δορυξένος (ξένω τε καὶ δορυξένω?) δόμων. ὁ γὰρ] Cf. ad 846.
45. Cf. 705. Μάγνης ἀνήρ. Aesch. Ag. 880. Cho. 562. 914.
46. μέγιστος — δορυξένων] Cf. Eur. Med. 687. πάντων φίλτατος δορυξένων. Andr. 1000. Sic μέγιστος πολέμιος Eur. Fr. 692. τυγχάνει] Sub. ὦν. Cf. 313. 1457. Aj. 9. ἔνδον γὰρ ἀνὴρ τυγχάνει. Plat. Hipp. Maj. p. 45. διὰ ταῦτα τυγχάνει καλή.
47. ὄρκον προστιθεῖς —] Cf. Fr. 419. ὄρκου δὲ προστεθέντος. Arist. Av. 1004. ὀρθῶ μετόρησω κανόνι προστιθεῖς etc.
48. ἀναγκαίας τύχης] Cf. Aj. 485. Aesch. Ag. 1042. ἀνάγκη — τύχης. Amph. com. III. 308. τῇ χειρὶ τρίβων τὴν ἀναγκαίαν τύχην (φύσιν?).
52. κατατόμοις χλιδαῖς] Cf. Aesch. Fr. 322, 1. χλιδῶν τε πλόκαμος.

53. στέφαντες] I. e. κοσμήσαντες. Cf. 440. 458. 895. Ant. 431. χοαῖσι τρισπόνδοισι τὸν νέκυν στέφει. Aj. 93. Aesch. Cho. 94. τοῖσι πέμπουσιν τάδε | στέφει. ἀφορρον] Cf. 1430. Tr. 902. Theocr. XIV. 40. ἀφορρον ταχινὰ πέτεται etc.

54. τύπωμα χαλκόπλευρον] Cf. Aesch. Cho. 686. νῦν γὰρ λέβητος χαλκίου πλευρώματα | σποδὸν κέκευθεν ἀνδρὸς εὖ κεκλαυμένον. ἤρμενοι] Sic ἐξηρασμένοι O. C. 1016.

55. Cf. Phil. 553. οὐδὲν οὐ που κάτοισθα τῶν σαντοῦ πέρι. Eur. Her. 88. τὸν Ἡρόκλειον ἴστε που παραστάτην | Ἰόλαον. Eur. Andr. 563. ξριν δὲ τὴν κατ' οἶκον οἰσθὰ που κλύων. Eur. Bacch. 462. τὸν ἀνθεμῶδην Τμῶλον οἰσθὰ που κλύων. Leucon. com. II. 749. οἰσθὰ που —. Plat. Apol. c. 5. Χαιρεφῶντα ἴστε που. Herod. III. 72. φυλακὰς γὰρ δὴ διεστρώσας οἰσθὰ κού και αὐτός.

56. κλέπτοντες] Fallentes, decipientes. Cf. El. 37. δόλοισι κλέψαι χειρὸς ἐνδίκους σφαγὰς. Tr. 243. Ant. 1218. 681. 188. Eur. Herc. 100. κλέπτουσα μύθοις. Eur. Fr. 291, 2. δόλοισι κλέπτειν.

60. ἐξενέγκωμαι κλέος] Cf. Tr. 497. σθένος ἐκφέρεται νίκας.

58. φλογιστόν] A φλογίζω, Ph. 1199. Tr. 95.

61. δοκῶ μὲν] Sic οἶμαι μὲν Phil. 339. Eur. Iph. A. 392. ῥῆμα σὺν κέρδει] Cf. Aesch. Ag. 456. βαρεῖα δ' ἀστῶν φάτις ξὺν κότῳ.

62. ἤδη γὰρ εἶδον] Cf. Aj. 1142. ἤδη ποτ' εἶδον —.

64. χέοντες λουτρὰ] Cf. Aesch. Cho. 129. χέουσα τάσδε χέρυβας φθιτοῖς.

65. ἐπαυχῶ] Cf. Ant. 483. Arist. Av. 483. τῆσδε τῆς φήμης ἄπο] Cf. Tr. 667.

66. ἄστρον ὤς] Cf. Aj. 322. ταῦρος ὤς. Eur. Hec. 1172. θῆρ ὤς διώκω.

67. θεοὶ τ' ἐγγώριοι] Cf. Tr. 183. θεοῖσι τοῖς ἐγγωρίοις.

68. Schol. καὶ ταῦτα δὲ Φερεκράτης παρώδηκεν. Qui etiam alios hujus fabulae locos traduxit.

70. πρὸς θεῶν ὀρμημένος] Cf. Aesch. Cho. 941. θεόθεν εὖ φραδαῖσιν ὀρμημένος.

71. ἀλλ' ἀρχέπλοτον —] Cf. Ant. 1157. Herod. VII. 104. οὐκ ἔων φεύγειν, ἀλλ' ἐπικρατέειν.

74. σοὶ — μελέσθω] Cf. 1436. τάνθ' ἀδ' ἂν μέλοι' ἐμοί —.

75. Cf. Phil. 837. καιρός τοι πάντων γνώμαν ἴσχων πολὺν παρὰ πόδας κράτος ἄρνεται (i. e. πολὺν νικᾷ). Pind. P. IX. 78. ὁ δὲ καιρός δμοίως παντός ἔχει κορυφάν.

76. ἐπιστάτης] Cf. Aesch. Ag. 1248. ἀλλ' οὔτι παιῶν τῶδ' ἐπιστατεῖ λόγῳ.

85. νίκην — και κράτος] Cf. Aesch. Suppl. 951. νίκη και κράτος.

86 — 95. ὦ φάος ἀγνόν — τὰ δὲ παννυχίων etc.] Cf. Aj. 930. τοῖά μοι | πάννυχα και φαέθοντι ἀνεστέναζες.

86. ὦ φάος ἀγνόν] Cf. Eur. Fr. 446. ὦ λαμπρὸς αἰθὴρ ἡμέρας θ' ἀγνόν φάος, etc.

87. ὦ γῆς ἰσόμοιρος ἀήρ] I. e. ἴσην μοῖραν ἔχων τῇ γῆ· πανταχοῦ γάρ ἐστιν ἀήρ. Parem cum terra ambitum habens explicat Dind. Parodia loci Pherecratei teste schol. Cf. Aesch. Cho. 319. σκότω (l. σκότου) φάος ἰσόμοιρον. Xen. Cyr. IV. 6. 12. ἰσόμοιρον δ' ἐποίησαν καὶ τὸν παρὰ Κναξάρου ἀγγελον. Diog. L. 8, 26. ἰσόμοιρά τε εἶναι ἐν τῷ κόσμῳ φῶς καὶ σκότον.

88. θρήνων ᾠδὰς] Cf. Aj. 630. δευτόνους — ᾠδὰς θρηνησει.

90. στέρωνων πληγὰς] Cf. Aj. 631. Eur. Andr. 789. πλήγματα κρατὸς στέρωνων τε κτύπους (κόπους Lob.).

92. αἷμα — φόνον] Cf. 281. αἷμ' ἐπισφάξασ'.

94 sq. Cf. Aesch. Cho. 345 sq. Eur. Andr. 1182 sq. Hom. Od. 1, 236 sq.

97. κοινολεχῆς] Cf. ὀμολεχῆς O. R. 1362.

100. τούτων οἶκτος] Cf. Eur. Alc. 369. πένθος λυπρὸν συνοίσω τῆσδε. 895. ὦ μακρὰ πένθη λῦπαί τε φίλων. Hel. 1337. πένθει παιδὸς ἀλάτω. Fr. 272. οὐ τῶν κακούργων οἶκτος.

103. ἀλλ' οὐ μὲν δῆ] Sic ἀλλ' οὐδὲ μὲν δῆ Aj. 877. El. 913. Tr. 1128. Cf. Fr. 173.

104. θρήνων — γόων] Cf. Med. 1211. θρήνων καὶ γόων. Andr. 92. Hel. 87.

105. ἀστρων δριπὰς] Scintillationes siderum. Cf. O. C. 1248. Eur. Iph. T. 885.

107. τεκνολέτειρ] Confer παιδολέτεια Eur. Med. 849. et παιδολέτωρ Aesch. Sept. 726. Eur. Med. 1393. Rhes. 349.

108. Cf. Tr. 866. ἡχεῖ τις οὐκ ἄσημον κωκυτόν.

109. πρὸ θυρῶν] Cf. Ant. 526.

111. ὦ χθόνι' Ἐρμῆ] Cf. Aj. 832. πομπᾶν Ἐρμῆν χθόνιον. Ant. 173. Eur. Alc. 746. Aesch. Cho. 124. Arist. Ran. 1126.

115. τίσασθε πατρὸς φόνον] Cf. Eur. Or. 323. αἵματος τινύμεναι δίκαν, τινύμεναι φόνον (φόνου?).

118. ἀγειν] Sustinere. Cf. Aesch. Cho. 506. φελλοὶ δ' ὡς ἄγοσσι δίκτυον.

119. σωκῶ] Schol. ἰσχύω. Cf. Aesch. Eum. 36. ὡς μὴ με (al. μήτε) σωκεῖν μήτε μ' (μηδὲ σωκεῖν μηκέτ') ἀκταίνειν βάσιν.

120. ἀντίροπον] Cf. Aesch. Ag. 574. νικᾷ τὸ κέρδος, πῆμα δ' οὐκ ἀντιρρέπει.

122. Cf. Eur. Hec. 122. ἦν δὲ τὸ μὲν σὸν σπεύδων ἀγαθὸν etc.

123. ἀκόρεστον οἰμωγᾶν] Cf. Aesch. Ag. 756. ἀκόρεστον οἰζύν. Pers. 545. γόοις ἀκορέστοις. Bion. I. 56. ἀκόρεστον ἀνίην.

124. τὸν πάλαι —] Cf. Eur. Med. 205. ἄχεα μογερὰ βοᾶ τὸν προδόταν. ἐκ δολερᾶς —] Cf. 279. πατέρα τὸν ἀμὸν ἐκ δόλου κατέκτανε. Tr. 1123. Eur. Bacch. 856. μητρὸς ἐκ χειρῶν κατασφαιγείς. Iph. T. 552. 872. Eur. Fr. 467. Arist. Ran. 1142.

126. Cf. Eur. Hipp. 407. *ὡς δλοιο παγκάκως | ἦτις —*.
130. *παραμύθιον*] Solamen. Cf. Thuc. V. 103. *ἐλπίς δὲ κινδύῳ παραμύθιον οὔσα etc. et Ant. 935.*
131. Cf. 222. *ἐξοιδ', οὐ λάθει μ' οἶα.*
134. *φιλότητος*] Benevolentiae. Cf. Phil. 1122. Aj. 1410. *ἀμειβόμεναι*] Rependentes.
137. Cf. Eur. Alc. 986. *τόλμα δ' οὐ γὰρ ἀνάξεις ποτ' ἐνερθεν κλαίων τοὺς φθιμένους ἄνω.* Eur. Suppl. 797. *κοινὸν ἐς ἄδην.*
138. *ἀνστάσεις*] Cf. Fr. 501, 2. *τὸν θανόντα δακρυοῖς ἀνιστάται.*
140. *τῶν μετρίων*] Cf. Eur. Ion. 632. *εἴη δ' ἔμοιγε μέτρια μὴ λυπουμενῶ.* Med. 125. *τῶν γὰρ μετρίων — τοῦνομα νικᾷ.*
- ἀμήχανον ἄλλος*] Cf. Ant. 363. *νόσων ἀμηχάνων φυγᾶς.* Aesch. Eum. 561. *ἀμηχάνους δύαις.* 769. *ἀμηχάνοισι δυσπραξίαις.* Suppl. 620. *ἀμήχανον βόσκημα πημονῆς.* Fr. 375. *ἀμήχανον τέχνημα καὶ δυσέκδυτον.*
145. Cf. Theogn. 439. *νήπιος δς τὸν ἐμὸν μὲν ἔχει νόον ἐν φυλακῆσιν etc.*
- 147 sq. *ἄ στονόεσσ' —*] Cf. Aesch. Ag. 1144. *Ἴτυν Ἴτυν στένονο' ἀηδῶν.* Eur. Hel. 1109. *σὲ τὰν αἰδοιόταταν θρηνηθῆ μελωδῶν ἀηδόνα δακρυόεσσαν.* Eur. Fr. 773, 24. *μέλπει δ' ἐν δένδρῳ ἔλεινὰν ἀηδῶν ἀρμονίαν θρηρευομένα γόοις Ἴτυν Ἴτυν πολύθρηνον (πολυθρήνοις?).* Hor. Od. IV. 12. 5. 'Nidum ponit Ityn flebiliter gemens | Infelix avis, etc.'
149. *θροῖς*] Correpta ultima. V. Aesch. Fr. 297. *ἀτυζομένα*] Cf. Hom. Il. 15, 96. 22, 474. *ἀτυζομένην ἀπολέσθαι.* 6, 463. 18, 7. 6, 38. *Διὸς ἄγγελος*] Cf. Simonid. Fr. 74. *ἄγγελε κλυτὰ ἔαρος — χελιδοῖ.*
150. *νέμω θεὸν*] Deam habeo, i. e. ut deam honoro. Notum est Homericum illud θεὸς ὡς τίετο δήμου.
155. *περισσά*] Schol. *ἀντὶ τοῦ ἄμετρος ἐν τῷ θρηνεῖν περισσῶς.*
156. *οἷς δμόθεν εἶ*] Cf. Eur. Fr. 736, 4. *κἂν δμόθεν ὦσι.* Iph. A. 501. *τὸν δμόθεν πεφνηκότα | στέργειν.* Orest. 486. *Ἑλληνικόν τοι τὸν δμοθεν τιμᾶν ἀεὶ.* Hom. H. Ven. 135. *σοῖς τε κασιγνήτοις, οἳ τοι δμόθεν γεγάασιν.* Hesiod. Op. 108.
157. *οἶα Χρυσόθεμις ζῶει*] Cf. O. C. 1313. *οἶον (l. οἶος) δουρσοῦς Ἀμφιάρεως.* Aj. 945. *οἶοι νῶν ἐφρεστᾶσι σκοποί.* *ζῶει*] Forma verbi epica, rara in tragoedia. Occurrit etiam in versu choriambico O. C. 1213. et fortasse in versu troch. dact. Fr. 520. *καὶ Ἰφιάνασσα*] Digamma ante Ἰφιάνασσα latet.
162. *εὐπατρίδαν*] Cf. 859. 1081. Eur. Ion. 1078: *ἄ τῶν εὐπατριδᾶν γεῶσ' οἴκων.* Alex. III. 419. *πένητας δ' εὐπατρίδας οὐδέεις δρεᾶ —*.
163. Cf. Arist. Nub. 604. *Παργασίαν θ' δς κατέχων πέτραν σὺν πεύκαις σελαγεῖ βάγκαις Δελφίον ἐμπρέπων κωμαστής Διόνυσος.*

167. *δακρύοις μυδαλέα*] Cf. Aesch. Pers. 539. *διαμυδαλέοις* | *δναμυδαλέους?*) *δάκρυσι κόλπους τέγγουσι*.

168. *οἶτον ἔχουσα*] Cf. Hom. Il. 9, 563. *ἀλκύνονος πολυπενθέα οἶτον ἔχουσα*.

169. *ἔδάη*] Cf. Aesch. Ag. 123. *ἔδάη — ἀρχούς*. Cho. 604. *φροντίσιον δαεῖς*. Eur. Hec. 78. *φοβεράν θῦνιν ἔμαθον, ἔδάην*. Phoen. 826. *βάρβαρον ὡς ἀκοὰν ἔμαθον, ἔδάην*. *τί — ἀγγελίας;*] Cf. Phil. 175.

178. *ὑπεράχθεο*] Sic *ὑπέσχεο* O. C. 227.

181. *βούνομον — ἀκτάν*] Cf. O. R. 26. *φθίνουσα δ' ἀγέλαις βοννόμοις*.

187. *κατατάκομαι*] Cf. Ant. 977. *κατὰ δὲ τακόμενοι* —. Eur. El. 240. *λύπαις τε συντέτηκας*.

189. *ἔποικος*] Advena. Cf. Aesch. Cho. 971. *μετοίκους δόμων*.

194. *νόστοις*] Cf. Aj. 900. *ᾧμοι ἐμῶν νόστων*.

195. *δτε οἱ —*] Cum hiatu epico ut in Tr. 650. *ἀ δέ οἱ*. Aesch. Ag. 1146. *περίβαλον γάρ οἱ —*. Cratin. II. 148. *Ἦραν τέ οἱ Ἀσπασίαν τίπτει*.

197. *γενῶν — πλαγά*] Cf. Fr. 787. *πρίονος πληγαί*. *ἔρος*] Forma epica et Aeolica in anapaestis locum habens.

198. *δόλος ὁ κτείνας*] Cf. 279. *ἐκ δόλου κατέκτανεν*. *δεινὸν δεινώς*] Cf. Phil. 166. *στυγερόν στυγερώς*. Eur. Bacch. 1188. *σοφὸς σοφῶς*. 1195. *περισσὰν περισσῶς*.

201. Cf. Aj. 994. Tr. 875. Ant. 100.

204. *ἔκπαγλ' ἀχθῆ*] Cf. Aesch. Ag. 836. *ἔκπαγλον κακόν*. 50. *ἐκπάγλοις* (ita recte Margol. *ἐκπατίοις* vulg.) *ἄλγεσι*. Nicand. Ther. 445. *καὶ ἦν ἔκπαγλα χαλεφθῆ*. Hom. Od. 5, 340. *ᾠδύσαι' ἐκπάγλως*. II. 2, 223. *τῷ δ' ἄρ' Ἀχαιοὶ | ἐκπάγλως κοτέοντο*.

206. *θανάτους αἰκείς*] Cf. Tr. 1256. *αἰνὸς θανάτους*. Aesch. Ag. 1311. *θανῶν ἄλλων πονῶς θανάτων ἐπικραίνει*. Cho. 47. *δεσποτῶν θανάτοισιν*.

210. *ποινίμα πάθεα*] I. e. ultoria.

213. *φράζον*] Anglice take care. Cf. 383. Aesch. Eum. 130.

214. *γνώμαν ἴσχεις*] I. e. *γινώσκεις*. Cf. Phil. 837. 853.

215. Cf. Aj. 260. *τὸ γὰρ εἰσλεύσσειν οἰκεία πάθη, | μηδενὸς ἄλλον παραπράξαντος, μεγάλας ὀδύνας ὑποτείνειν*.

219. Cf. Hesiod. Op. 210. *ἄφρων δ' ὅς κ' ἐθέλη πρὸς κρείσσονας ἀντιφερίζειν | νίκης τε στέρεται πρὸς τ' αἰσχεῖν ἄλγεα πάσχει*.

220. *οὐκ ἐριστά*] Cf. 467. 1385. *δυσέριστον αἷμα φουσῶν Ἄρης πλάθειν*] Cf. Phil. 728. *θεοῖς πλάθει*.

222. Cf. 131.

223. *σχῆσω*] Cf. 375. Aesch. Eum. 694. *τὸ μὴ ἀδικεῖν | σχῆσει (αἰτούς)*. V. Elmsl. ad Her. 924.

224. *ταύτας ἄτας*] Genitivus. Cf. 375. *δ ταύτην τῶν μακροῶν σχῆσει γόων*.

230. *ἄλντα*] Cf. Aesch. Prom. 154. *δεσμοῖς ἀλύτοις. κεκλή-
σεται*] V. Monk. ad Hipp. 2. Blomf. Gl. Pers. 247.
231. Cf. Aj. 601. Eur. El. 1108. Arist. Ran. 1531. *πάγχυ
γὰρ ἐν μεγάλοις ἀχέωνι παυσαίμεθ' ἄν οὐτως.*
232. *ἀνάριθμος θρήνων*] Cf. O. R. 179. Tr. 247.
233. *εὐνοία — αὐδῶ*] Cf. Phil. 1322. *ἐάν τε νουθετῆ τις εὐνοία
λέγων.* 1163.
234. *ὥσει —*] Cf. Ant. 653. *ὥσει τε δυσμενῆ.* Confer *ὥσπερεῖ.*
235. *τίπειν — ἔταν ἔταις*] Cf. ad O. R. 175. Aj. 1197. *ὡ
πῶνοι πρόγονοι πόνων.* Eur. Hel. 195. 364.
236. *μέτρον*] Anglice limit. Cf. Aesch. Cho. 797. *προσιτιεῖς
μέτρον. φέρε*] Cf. Arist. Ach. 236.
240. *εἴ τῳ πρόσκειμαι χρησιῶ*] Cf. 1040. *ὃ σὺ πρόσκεισαι
κακῶ.* Propter metrum positum pro *εἴ τι πρόσκειται χρηστόν σοι.*
Sic Ant. 1243. *δοῦν μέγιστον ἀνδρὶ πρόσκειται κακόν (ἀβουλία).*
Eur. Her. 996. *συνοικίῃν φόβῳ.* O. C. 514. *ἀλγηδόνας ἃ ξυνέστας.*
O. R. 303. *οἶα νόσῳ ξύνεστιν.*
242. Cf. 18. 223.
243. *δξυτόνων γῶων*] Cf. Aj. 629. *δξυτόνους ᾠδὰς θρηνήσει.*
247. *δώσουσ' ἀντιφόνους δίκας*] Cf. Aesch. Eum. 268. (*δπως*)
ἀντιπῶνους τήης μητροφόνους δύας (leg. ματροφόνους δίκας). *ἀντι-
φόνους δίκας*] Cf. Ph. 1156. *ἀντίφωνον κορέσαι στόμα.* Aesch. Eum.
464. *ἀντιπῶνους ποιναιῖσι — πατρός.*
249. *ἔρροι τᾶν αἰδῶς*] Cf. O. R. 910. *ἔρρει δὲ τὰ θεῖα.* Eur.
Med. 439. *βέβακε δ' ὀρκῶν χάρις, οὐδ' ἔτ' αἰδῶς Ἑλλάδι τᾷ μεγάλῃ
μένει, αἰθερία δ' ἀνέπτι.*
250. *τὸ σὸν —*] Cf. El. 577. *ἐρῶ γὰρ καὶ τὸ σόν.* Ant. 1167.
ἦ με χρῆ φράσαι τὸ σόν; O. R. 320. 510. O. C. 625. Aj. 99.
1313. 1401.
251. *τὸ σὸν σπεύδουσ'*] Cf. Eur. Hec. 120. 1175. 1201. Phoen.
591. *δύο κατὰ σπεύδεις.*
253. *σοὶ γὰρ ἐφόμεσθ' ἄμα*] Cf. O. R. 471. *δεινὰ δ' ἄμ' ἐπον-
ται Κῆρες.* Aj. 814. Arist. Pac. 727. *ἐπεσθον ἄμ' ἐμοί.* Eur. Tro.
1009. *δπως | ἐποι' ἄμ' αὐτῆ.*
256. Cf. Ant. 392. Arist. Nub. 798. Vesp. 318. Herod. IX. 109.
259. Cf. Aesch. Eum. 692. *τὸ τ' (κατ'?) ἦμαρ καὶ κατ' εὐφρόνην.*
260. Cf. Phil. 259. *ἦ δ' ἐμὴ νόσος | ἀεὶ τέθηλε κἀπὶ μείζον
ἔρχεται. καταφθίνονθ'*] Tabescentia. Cf. Phil. 266. *ἀγρία νόσῳ |
καταφθίνοντα.* Aesch. Pers. 377. *ἐπεὶ δὲ φέγγος ἡλίου κατέφθιτο, etc.*
262. *συμβέβηκεν*] Obtigerunt, evenerunt. Cf. Aesch.
Pers. 802.
263. Cf. 358.
- 266—274. Cum his cf. Eur. Alc. 945—949. Iph. A. 1171—
1176.
266. *ἡμέρας — ἄγειν*] Cf. Arist. Lys. 765. *ἀγνοῖαι νύκτας.*

267. Cf. O. C. 1293. τοῖς σοῖς — ἐνθακεῖν θρόνοις.
269. V. schol. Aesch. Ag. 1395. εἰ δ' ἦν πρόπον τοιῶδ' (Aegistho) ἐπισπένδειν νεκρῶ, | τὰδ' (τόδ' aut τοῦτ'?) ἄν δικαίως ἦν.
271. τούτων] Cf. 355. λυπῶ δὲ τούτους. 361. τούτοις ὑπεκάθοιμι.
272. ἡμῖν] Anglice to our grief. Cf. Aj. 216. 1224.
277. Cf. Ant. 483. τούτοις ἐπαυχεῖν καὶ δεδρακυῖαν γελᾶν.
279. ἀμὸν] Cf. Phil. 1314. Aesch. Suppl. 322. Sept. 654. Eur. Hel. 531. El. 555. Iph. A. 1455.
281. ἔμμην'] Cf. Herod. VIII. 41. ὡς ἐόντι ἐπιμήνια ἐπιτελέουσι προτιθέμετες.
282. Cf. Aesch. Ag. 1313. ἀλλ' εἰμι κἂν δόμοις ἐμὴν κωκύσομαι — μοῖραν.
283. κλαίω, τέτηκα] I melt (pine) away. Cf. Eur. Andr. 116. τάκομαι ὡς πετρίνα πιδακόεσσα λιβάς. Hom. Il. 3, 176. κλαίουσα τέτηκα.
284. πατὴρ — ἐπωνομασμένην] Cf. Eur. Herc. 1328. ταῦτ' ἐπωνομασμένα σέθεν —. Or. 1008. ἐπώνυμα δεῖπνα Θυέστου.
286. τοσόνδ' ὄσον] Cf. Aesch. Ag. 860. τοσόνδ' ὄσονπερ οὔτος ἦν ὑπ' Ἰλίῳ. Apoll. Rhod. I. 275. οὐδ' ἔχει ἐκφλύξει τόσον γόνος ὄσον ὄρεχθεῖ. ἠδονὴν φέροι] Cf. Pherecr. II. 326. σοί τε γὰρ κλύειν | ἐμοί τε λέξει θυμὸς (τοιὰδ'?) ἠδονὴν φέροι.
287. γενναία γυνή] Cf. Aesch. Ag. 614. οὐκ αἰσχρὸς ὡς γυναικὶ γενναίᾳ λακεῖν.
288. Cf. Phil. 382. τοιαῦτ' ἀκούσας κάξονειδισθεὶς κακά.
289. ὦ δύσθεον —] Schol. καὶ ταῦτα Ἀριστοφάνης παρῴδηκεν ἐν Γηρητιάδῃ. Unde plura ex hac fabula traduxisse Aristophanem colligi potest. δύσθεον μίσημα] Cf. Aesch. Cho. 1028. θεῶν στόγος. Sept. 653.
290. ἐν πένθει] Cf. 846. ἀμφὶ τὸν ἐν πένθει.
297. ὑπεξέθου] Cf. Arrian. Anab. VI. 4. 3. ἐξηγγέλλοντο αὐτῶ παῖδας μὲν καὶ γυναικας ὑπεκτεθεῖσθαι ἐς τὰς ὄχρωτάτας τῶν πόλεων.
299. τοιαῦθ' ὑλακτεῖ] Cf. Eur. Alc. 760. ἄμουσ' ὑλακτῶν. σὺν δ' —] Cf. Aj. 1288. σὺν δ' ἐγὼ παρῶν. 959. Eur. Hipp. 1269. σὺν δ' ὁ ποικιλόπτερος (ἄγει).
301. ὁ πάντ' ἀναλκις] Cf. Pind. Ol. I. 130. ἡ πᾶσα βλάβη] Cf. Ph. 622. ἡ κείνος ἡ πᾶσα βλάβη —; 927. Arist. Thesm. 787. ὡς πᾶν ἐσμὲν κακὸν ἀνθρώποις. Ach. 909. μικρὸς — ἀλλ' ἄπαν κακόν. Av. 431. παιπάλημ' ὄλον.
302. Cf. Aesch. Ag. 1643 sq.
305. Cf. 171. 319.
309. πολλή 'στ' ἀνάγκη] Occurrit etiam Tr. 295.
313. ἀγροῖσι τυγχάνει] Sub. ὦν. Cf. 46. 1457. Aj. 9. ἐνδον — ἄρι τυγχάνει. Eur. Andr. 1114. τυγχάνει δ' ἐν ἐμπύροις. Hec. 971.

ἐν τῷδε πότμῳ τυγχάνουσα. ἀγροῖσι] Dativus loci ut οὐρανῷ 714. ἀγοραῖσι O. R. 20. γῆ 1266.

316. ~~ιστόρει~~ ~~τί~~ ~~σοι~~ ~~φίλον~~] Cf. Plat. Lach. 189. λέγ' οὖν δ τι σοι φίλον. Qu. Ιστόρει τό σοι φίλον.

317. τοῦ κασιγνήτου τί φῆς —;] Cf. ad Tr. 1122. Phil. 439.

323. οὐ μακρὸν] Non diu. Cf. 1389.

326. ἐντάφια] Cf. Eur. Hel. 1404.

328. πρὸς θυρῶνος ἐξόδους] Cf. Eur. Ion. 515. ἐπ' ἐξόδοισι — πυλῶν. Rhés. 514, Hel. 1165. ἐπ' ἐξόδοισι. Aesch. Sept. 58. θυρῶνος] Cf. O. R. 1242. παρῆλθ' ἔσω θυρῶνος.

331. θυμῷ — μὴ χαρίζεσθαι κενά] Cf. O. C. 855. δργῆ χάριν δους, ἢ σ' αἰεὶ λυμáινεται. Monost. 245. θυμῷ χαρίζον μηδέν. Theogn. 1224. θυμῷ δειλὰ χαριζομένη. κενά] Frustra. Cf. ad 962.

334. οἱ' αὐτοῖς φρονῶ] Cf. Arist. Pac. 661. εἰπ' δ τι νοεῖς αὐτοῖσι. Ach. 446. εὐδαιμονοῖς (εὐ σοι γένοιτο?), Τηλέφω δ' ἀγῶ φρονῶ. Pl. 577. φρονοῦντας ἄριστα | αὐτοῖς. Nub. 1411.

335. ὑφειμένη] Cf. Arist. Ran. 1220. ὑφέσθαι μοι δοκεῖ. Plut. de sup. I. 169 B. τοῦτο ἰδὼν κυβερνήτης — τὴν κεραιάν ὑφίησι. Aesch. Eum. 555. καθήσειν (sc. λαῖφος).

336. δρᾶν τι] Cf. 305. Tr. 160.

340. Cf. Trag. adesp. 437. κρεισσόνων γὰρ καὶ δίκαια κᾶδικ' ἔστ' ἀκουστέα. et illud, δοῦλε, δεσποτῶν ἄκουε καὶ δίκαια κᾶδικα.

341. Cf. Eur. Her. 509. πατρός δ' ἐκείνου φύντας οὐ πεφύκαμεν κτλ. Fr. 94, 1. δεινόν γε τοὺς μὲν δυσσεβεῖς etc. Eur. Fr. 773, 1. δεινόν γε τοῖς πλουτοῦσι etc. Adesp. 385. δεινόν γε ταῦτὸ τοῖς μὲν ἀνδάνειν βροτῶν, κτλ.

342. τῆς δὲ τικτούσης μέλει] Cf. Aesch. Ag. 370. οὐκ ἔφατις θεοὺς βροτῶν ἀξιοῦσθαι μέλειν (ἀξιοῦν τημελεῖν?). Eur. Herc. 773. θεοὶ τῶν ἀδίκων μέλουσι καὶ τῶν ἀδίκων ἐπάειν.

344. κείνης διδακτᾶ] Cf. Phil. 1066. οὐδέ σου φωνῆς ἔτι | γενήσομαι προσφθεγκτός. O. R. 1437. θνητῶν μηθενὸς προσήγορος. et ad Phil. 3.

345. Cf. Arist. Nub. 1336. ἐλοῦ δ' ὑπότερον τοῖν λόγων βούλει λέγειν. Eur. Hipp. 894. δυοῖν δὲ μοῖραιν θάτερον πεπλήξεται | ἢ γὰρ etc. Phoen. 951. τοῖνδ' ἐλοῦ δυοῖν πότμον | τὸν ἕτερον ἢ γὰρ παῖδα σώσον ἢ πόλιν. Polyzel. II. 867. τριῶν κακῶν ἐν γούν ἐλέσθ' αὐτῷ 'σὶ πᾶσ' ἀνάγκη. Thuc. IV. 28. λογιζόμενοις δυοῖν ἀγαθοῖν τοῦ ἑτέρου τεύξεσθαι, ἢ — ἢ —. Dem. de Cor. 139. καίτοι δυοῖν αὐτὸν ἀνάγκη θάτερον, ἢ — ἢ —. p. 178, 11. καίτοι δυοῖν αὐτὸν ἀνάγκη θάτερον, ἢ μηδὲν —, ἢ —. Lucian. Anach. 17. δυοῖν γὰρ θάτερον πάντως οὐκ ἂν ἀμάρτοιμεν ἢ —, ἢ —. Isocr. XV. 211. δυοῖν θάτερον, ἢ —, ἢ —. Isocr. ad Nicoel. § 38. χρῶ τοῖς εἰρημένοις ἢ ζῆτει βέλτιω. Aesch. Prom. 867. δυοῖν δὲ θάτερον βουλήσεται. Hor. Epist. I. 6. 69. 'Si quid novisti rectius istia, etc.'

349. πατρὶ — τιμωρουμένης] Pro — τιμωρούσης (O. R. 136.).
 Cf. 399. πατρὶ τιμωρούμενοι.
352. ἐπεὶ δίδαξον] Cf. O. C. 969. ἐπεὶ δίδαξον —. Eur. Hec. 1208. ἐπεὶ δίδαξον τοῦτο. Cycl. 121. σπειροῦσι δ', ἢ τῶ ζῶσι, Δῆμητρος στάχυν; Hel. 1579. Arist. Vesp. 73. ἐπεὶ τοπάξετε. 519. ἐπεὶ δίδαξον ἡμᾶς. Pac. 1279. σὺ γὰρ εἶπέ μοι etc. Nub. 736. Aesch. Cho. 214. ἐπεὶ τί νῦν — κυρῶ;
354. Cf. Fr. 236. ἔχει μὲν ἀλγείν', οἶδα· πειρᾶσθαι δὲ χρῆ | ὡς ὄρατα τἀναγκαῖα τοῦ βίου φέρειν. Aesch. Ag. 1573 sq. Eur. Hec. 322.
355. τούτους] Cf. 271. 361.
356. προσάπτειν] Cf. 432. O. C. 236. μή τι πέρα χρέος ἐμᾶ πόλει προσάψης.
358. Cf. 263.
360. χλιδᾶς] Cf. Aesch. Prom. 971. χλιδᾶν ἔοικας τοῖς παροῦσι πράγμασι. Eur. Fr. 986. πλούτῳ χλιδῶσα.
361. πλουσία τράπεζα] Cf. O. R. 1070. πλουσίῳ χαίρειν γένει. Eur. Hel. 295. πρὸς πλουσίαν | τράπεζαν Ἴζουσ'.
363. Cf. Eur. Ion. 632. εἴη δ' ἔμοιγε μέτρια μὴ λυπουμένῳ.
364. βόσκημα] Cf. Aesch. Eum. 302. ἀναίματος βόσκημα δαιμόνων, σκιάν. ad Aj. 976. ὦν γὰρ ἠράσθη τυχεῖν, etc.
365. Cf. Fr. 148. οὔτοι χρῆ — μητρὸς καλεῖσθαι παῖδα, τοῦ πατρὸς παρόν. Fr. 107, 1. τοῦδε κεκλήσθαι πατρός. 148. γαστρὸς καλεῖσθαι παῖδα.
369. μηδὲν πρὸς ὀργήν] Sub. εἴτης. Cf. Arist. Ran. 117. 841.
372. ἠθάς — μύθων] Cf. Eur. Andr. 818. τῶν γὰρ ἠθάδων (schol. συνήθων) | φίλων νέοι μολόντες εὐπειθέστεροι.
373. οὐδ' ἂν ἐμνήσθην] Nec mentionem fecissem. Cf. Phil. 310. ἠνίκ' ἂν μνησθῶ. O. R. 564. ἐμνήσαι' οὐν ἐμοῦ τι; El. 1252. τότε ἔργων τῶνδε μεμνήσθαι χρεῶν.
374. κακὸν — εἰς αὐτὴν ἰόν] Cf. O. C. 1771. ἰόντα φόνον τοῖσιν ὀμῆμοις.
375. ταύτην] Exspectabas, opinor, αὐτήν. Sed cf. Arist. Nub. 1307 sq. μακρῶν σήσει γόων] Cf. 224. Arist. Lys. 380. σήσω σ' ἐγὼ τῆς νῦν βοῆς. 284. 425.
382. ὑμνήσεις κακά] Cf. O. R. 1275. τοιαῦτ' ἐφνυμῶν. Eur. Tro. 385.
384. νῦν γὰρ ἐν καλῷ φρονεῖν] Cf. Eur. Her. 971. οὐκοῦν ἔτ' ἐστὶν ἐν καλῷ δοῦναι δίκην. Plat. Resp. p. 571.
385. ἢ ταῦτα δή με —;] Cf. Ph. 565. ἢ ταῦτα δή — δρωῶν Ἀτρείδων χάριν; ἢ — καὶ] Cf. Ant. 752. 726. 770. Aj. 44. Tr. 246.
387. τοῦδέ γ' εἵνεκ'] Cf. 787. Eur. Hel. 1254. Arist. Nub. 420. Plat. Polit. I. 375. Dem. Ol. III. 6.

390. Cf. 922. Ant. 42. *ποῦ γνώμης ποτ' εἶ;* Aj. 102. 314. Tr. 375. *ποῦ ποτ' εἰμὶ πράγματος;* 390. 705. 1145. O. R. 1442. O. C. 170. Eur. Bacch. 358. *ὦ σκέτλι', ὡς οὐκ οἶσθα ποῦ ποτ' εἶ λόγων.* Hipp. 1012. *μάταιος ἦν ἄρ', οὐδαμοῦ μὲν οὖν φρενῶν.*
392. *μνεῖαν*] I. q. *μνήμην.* Cf. 214. Fr. 87.
393. *καλὸς γὰρ* —] Cf. Arist. Ach. 71. Eccl. 773. Nub. 1366.
397. *ἐμποροῦει*] Cf. O. R. 456. Ach. 480.
398. *ἐξ ἀβουλίας πεσεῖν*] Cf. Aesch. Ag. 268. *πέφηνγε τοῦπος ἐξ ἀπιστίας.*
399. *πατρὶ τιμωρουμένη*] Pro *τιμωροῦσα.* Cf. 349. Eur. El. 1095. *πατρὶ τιμωρούμενοι.* Or. 1117. *σοί γε τιμωρούμενος.*
400. *συγνώμην ἔχει*] Cf. Tr. 1265. Arist. Vesp. 368. *ἡ δὲ — συγνώμην ἔχει τοῦ δικτύου.* Nub. 1479.
401. *πρὸς κακῶν*] Cf. Aj. 319. 581. 1072.
403. Cf. 431. Eur. Hec. 1278. *μήπω μανεῖη Τυνδαρίς τοσόνδε παῖς.*
406. *τυμβεῦσαι χόας*] Sic *ἄλμα κουφίζειν* Aj. 1287.
414. Cf. Aj. 1260. *οὐδ' ἐπὶ σμικρῷ λόγῳ — ἔτ' ἴσχει μνήσιν.* Cf. Aesch. Pers. 479. *οἶσθα σημῆναι τορῶς.*
- 415 sq. *πολλά τοι* —] Similis locus est Eum. 750. *γνώμης δ' (μῆς?) ἀπούσης πῆμα γίνεταί μέγα, | βαλοῦσά τ' (l. παροῦσα δ') οἶκον ψήφος ὠρθώσεν μία. πολλά*] Saep. Cf. Phil. 1458.
- 422 sq. Cf. Aesch. Ag. 493. *κῆρυκ' ἀπ' ἀκτῆς τόνδ' ὄρω κατὰσκιον | κλάδοις ἐλαίας.*
428. *θεῶν — ἐγγενῶν*] Cf. Ant. 199. *θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς.*
429. *ἀβουλίᾳ πεσεῖν*] Cf. Aj. 759. *πίπτειν — δυσπραξίαις.* Tr. 592.
430. *κακῷ*] Cf. 374. 1056.
432. *προσάφης μηδέν*] Cf. O. C. 1737. *τρέσητε μηδέν.* Ph. 332.
434. *λουτρὰ προσφέρειν πατρί*] Cf. Dioscorid. Anth. III. 13. *ἀλλὰ περιστείλας με δίδου χθονὶ μηδ' ἐπὶ νεκρῷ | λουτρὰ χέης. λουτρὰ*] Cf. 84.
436. Cf. Aj. 658. *κρύψω τόδ' ἔγχος — γαίας ὀρύξας ἔνθα μή τις ὄνεται.*
438. Cf. Aj. 660. *ἀλλ' αὐτὸ νῦξ Ἄιδης τε σωζόντων κάτω.*
439. Cf. Eur. Her. 570. *τλημονεστάτην — πασῶν γυναικῶν.*
440. *ἔβλαστε*] Correpta prima. Cf. Aesch. Prom. 172. *μελίγλωσσοσ (ῖ).*
441. *ὄν γ' ἔκτεινε*] Cf. 923. Ph. 250. 1247. O. R. 342.
442. *αὐτῇ — δέξασθαι*] Cf. Eur. Hec. 530. *δέξαι χόας μοι (al. μου).* Aesch. c. Ctes. 111. *μηδὲ δέξαιντο αὐτοῖς τὰ ἱερά.* Hom. II. 2, 186. *δέξατό οἱ σκῆπτρον.*
443. *γέρα (ᾶ), ut in Eur. Phoen. 888. et Timocl. 8, 16. ὄν τάφοισι*] Cf. O. R. 942. *ἐπεὶ νιν θάνατος ἐν τάφοις ἔχει.*
444. In editione mea corr. “*δορυσσόον.*”

445. *εμασχαλισθη*] Cf. Fr. 566. *πλήρη μασχαλισμάτων. κάρα — ἐξέμαξεν*] Cf. Hom. Od. 19, 92. *οὔτι με λήθεις | ἔρθοῦσα μέγα ἔργον, ὃ σῆ κεφαλῇ ἀναμάξεις.* Herod. I. 155. 3. *κεφαλῇ ἀναμάξας.*

446. *ἄρα μὴ*] Cf. Ant. 632. Aesch. Sept. 208.

447. *λυτήρια — τοῦ φόρου*] Cf. 635. *λυτηρίου εὐχὰς — δειμάτων ὧν νῦν ἔχω.* Aesch. Eum. 48. *τί γὰρ λύτρον πεσόντος αἵματος φόρῳ;*

449. Cf. Eur. Or. 127. *εἶδετε γὰρ ἄκρας ὡς ἀπέθριον τρίχας.*

451. *λιπαρῇ τρίχα*] Cf. 1378. *λιπαρεῖ — χειρί.*

452. *χλιδαῖς ἡσκημένον*] Cf. Eur. Fr. 1132, 2. *οὐκ ἐν (οὐδὲν?) πολυχρόσοισιν ἡσκηται χλιδαῖς.* Aesch. Pers. 182. *πέπλοιοι Περιοκοῖς ἡσκημένη.*

453. *αἰτοῦ δὲ —*] Cf. Eur. El. 677. *σύ τ', ὦ κάτω γῆς οἰκῶν πάτερ, ἄμνε τοῖσδε τέκνοισ. γῆθεν*] I. q. *κάτωθεν, ἔνεοθεν.* Cf. Aesch. Sept. 247. Eum. 904.

455. *ἐξ ὑπερέρας χειρὸς*] Cf. Phil. 91. *οὐ γὰρ ἐξ ἐνὸς ποδὸς | ἡμᾶς — χειρώσεται.* Tr. 875. *ἐξ ἀκινήτου ποδός.* Eupol. II. 458. *ἐκ δέκα ποδῶν ἤρει λέγων τοὺς δῆτορας.*

456. *ἐχθροῖσιν — ἐπεμβῆναι*] Cf. Aj. 1348. *οὐ γὰρ θανόντι καὶ προσεμβῆναι σε χρή.* 42. Eur. Hipp. 668. *ἢ καμ' ἐάτω ταῖσδ' ἐπεμβάινειν ἀει.* Lucian. XVI. 9. *ἔοικε — οὐκ ἐπεμβήσεσθαι ἡμῖν ἐκῶν.* Aj. 1281. *συμβῆναι ποδί.*

458. *στέφωμεν*] I. e. *honoremus.* Cf. 53. Ant. 431. Aj. 93.

459. *οἶμαι μὲν οὖν, οἶμαι*] Cf. Arist. Pl. 114. *οἶμαι γὰρ οἶμαι, ζῆν θεῶ δ' εἰρήσεται, etc.*

460. *τι καὶ κείνῳ μέλον*] Some thoughtfulness too on his part.

466. *τὸ δίκαιον*] Cf. 338. *Construendum videtur δυοῖν γὰρ ἐρίζειν τὸ δίκαιον οὐκ ἔχει λόγον.*

467. Cf. Aesch. Sept. 689. *ἐπισπέρχει* (schol. *ἐπισπεύδει*). Hesych. h. v. *δυοῖν ἐρίζειν*] Cf. Pind. P. IV. 285. *οὐκ ἐρίζων ἀντία τοῖς ἀγαθοῖς. ἐπισπεύδειν τὸ δρᾶν*] Cf. Ph. 118. *οὐκ ἂν ἀρονοίμην τὸ δρᾶν.* 1241. *ἔστιν ὃς σε κωλύσει τὸ δρᾶν.* 1252. *οὐδὲ πείθομαι — τὸ δρᾶν.* O. C. 442. *τὸ δρᾶν οὐκ ἠθέλησαν.* Ant. 78. *τὸ δὲ | βία πολιτῶν δρᾶν ἔφυν ἀμήχανος.* El. 1079. *τό τε μὴ βλέπειν ἐτοίμα.* Ph. 620. *τὸ σπεύδειν δέ σοι παραινῶ.* Ant. 219. *τὸ μὴ 'πυχωρεῖν (ἐπεντέλλω) τοῖς ἀπιστοῦσιν τάδε.* 668. *δοσις — τοῦπιτάσσειν τοῖς κρατύνοισιν νοεῖ.* 778. *τεύξεται τὸ μὴ θανεῖν.* 535. *ἢ 'ξομεῖ τὸ μὴ εἶδέναι;* 266. *δοκωμοτεῖν | τὸ μῆτε δρᾶσαι etc.* O. C. 1127. *ἦτρον — τὸ μὴ ψευδοστομεῖν.* Ant. 236. *τῆς ἐλπίδος — δεδραγμένος | τὸ μὴ παθεῖν ἂν etc.* 443. O. C. 1700. O. R. 1388.

470. Cf. Arist. Av. 1506. *ἀπὸ γὰρ ὀλοῦμ', εἴ μ' ἐνθάδ' ὃ Ζεὺς ὄψεται.*

471. Cf. Aj. 607. El. 471. Tro. 706. Eur. Alc. 641. Hel. 57. Aesch. Prom. 518. Arist. Nub. 1236. Thesm. 887.

474. γνώμας λειπομένα σοφᾶς] *Mente prudenti carens.* Cf. Ant. 548. Tr. 937. Aj. 543.
475. πρόματις] Cf. *ν. προμαντεύεσθαι* Eur. Fr. 482.
477. ὄρκον προστιθείς] Cf. Fr. 419. ὄρκον δὲ προστεθέντος. Tro. 255. ὄρκον αὐτῷ προσβαλὼν διώμοσεν.
479. ὑπεσί μοι θράσος] Cf. Eur. Suppl. 609. τόδε μοι (μ' αὐ?) θράσος ἀμφιβαίνει. Alc. 604. πρὸς δ' ἐμᾶ ψυχᾷ θράσος ἦσται. Aesch. Cho. 411. Pers. 914. θράσος] *Fiducia.* Cf. 412. Eur. Hec. 369. οὐτ' ἐλπίδος — ὄρῳ | θάρασος παρὸν νῦν etc.
480. ἀδυνόων] Cf. Med. 840. ἀνέμων ἀδυνόους αὔρας. Telecl. 368. κλύουσαν] Cf. ad Aesch. Cho. 410. πέπαλται δ' αὐτέ μοι φίλον κέαρ τόνδε κλύουσαν (schol. ἀντὶ τοῦ κλυούσης) οἶκτον. Ag. 1611. Eur. Med. 814. 58. Iph. A. 491.
483. ἀμνασιῇ] Cf. ἀπρακτεῖν, ἀτλητεῖν, καχεκτεῖν (Polyb.).
486. ἐν αἰκίαις] Cf. 511. Ant. 1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς διεφθάρης; O. C. 1682. Arist. Av. 1071. ἐρπετά τε — ὑπ' ἐμᾶς φάρυγος ἐν φοναῖς ἄλλυται.
493. Cf. Eur. Hipp. 1140. νυμφιδία — ἄμυλλα.
497. πελᾶν] I. e. ἤξειν, ἐλεύσεσθαι. Fortasse corruptum.
498. τοῖς δρῶσι καὶ συνδρῶσιν] Anglice the agents and accomplices. συνδρῶσιν] Cf. 1025. Arist. Eccl. 16. καὶ ταῦτα συνδρῶν οὐ λαλεῖς τοῖς πλησίον. Eur. Andr. 40. θυγατρὶ συνδρῆ τάδε. 337. Orest. 406. Πυλάδης δ συνδρῶν αἶμα καὶ μητρὸς φόνον. 1535. Hec. 871. Aesch. Eum. 613.
499. μαντεῖαι] *Divinationes.*
501. φάσμα νυκτός] Cf. 644. φάσματα — ὀνειρών.
504. Cf. Aj. 861. Phil. 867. 987. Aesch. Pers. 832. σὺ δ', ὦ γεραῖά μητερ ἢ Ξέροξον φίλη. Arist. Lys. 137. Eq. 1329.
508. ποτισθεῖς] Cf. Aesch. Ag. 1014. οὐδ' ἐπόντισε οκάφος.
512. Cf. 765.
514. ἔλιπεν ἐκ τοῦδ' οἶκον] Cf. Eur. Herc. 133. τὸ δὲ δὴ κακοτυχῆς οὐ λέλοιπεν ἐκ τέκνων.
- 515: Cf. 1497 sq. Eur. Andr. 766. πατέρων ἀγαθῶν εἶην πολυκλήτων τε δόμων μέτοχος.
516. ἀνειμένη] *At liberty*, at large. Cf. Ant. 579. μηδ' ἀνειμένως εἶν. Herod. VII. 103. ἀνειμένον ἐς τὸ ἐλεύθερον. ὡς ξουκας] Cf. Tr. 1241. Eur. Med. 338. ὄχλον παρέξεις, ὡς ξουκας, ὦ γύναι. Iph. A. 847. μνηστεύω γάμους | οὐκ ὄντας, ὡς εἴξασιν. Her. 681.
521. ὡς θρασεῖα] Sub. εἰμί. Cf. 1289. καὶ μήτε μήτηρ ὡς κακὴ δίδασκέ με. O. C. 1096. τὸν σκοπὸν μὲν οὐκ ἐρεῖς | ὡς ψευδόματις. πέρα δίκης] Cf. Eur. Iph. A. 397. Suppl. 745. Aesch. Prom. 30. Fr. 283. τῷ περῶντι τὴν θέμιν. Eum. 489. ὄρκων περῶντας μηδέν'. Sic καιροῦ πέρα Aesch. Prom. 30. 507.

524. Cf. Eur. Fr. 347, 5. κλύοντα δεινὰ πρὸς κακίωνων. El. 930. Aesch. Prom. 868.

525. Cf. Ant. 567.

527. Cf. O. R. 578. ἄρρητοι οὐκ ἔνεστιν ὧν ἀνιστορεῖς. Aesch. Eum. 588. ἔπεινα· τούτου δ' (γ?) οὐτις ἄρρητοι πέλει. Ag. 1380. οὐτω δ' ἐπραξα· καὶ τὰδ' οὐκ ἀρρήσομαι. Eur. Her. 919. ξυμφέρεται τὰ πολλὰ πολλοῖς (i. e. congruunt). Photius, συμφέρεται: συναρμόττει, συμφωνεῖ, ὁμοιοεῖ.

528. Cf. O. C. 1026. καὶ σ' ἔλλε θηρῶνθ' ἢ δίκη. 908. Eur. Her. 941. ὦ μῖσος, ἦ κεις; ἔλλε σ' ἢ δίκη χρόνω.

529. παῖδες — διπλοῖ] Secundum alios unica filia fuit Helenae Hermione, eamque famam cum Homero sequitur Euripides Hel. 283. Iph. A. 1201. Andr. 898. Or. 65. Vide schol.

533. ἢ τίκτουσ'] Imperfecti participium. ἢ τεκοῦσ' Tricl.

535 sq. Cf. Aj. 460 sq. πότρεα πρὸς οἴκους —; ἀλλὰ δητ' ἰὼν —;

538. Cf. Ant. 458.

543. δαίσασθαι] Cf. Fr. 153, 4. ἐδαίσατο.

545. παρεῖτο] Plusquamperfectum passivum. Cf. Eur. Tro. 682. παρήκα (i. παρεῖκα). Fr. 305. παρεῖκα.

547. Cf. O. C. 664. θαρσεῖν μὲν οὖν ἐγὼ σε κἄνευ τῆς ἐμῆς | γνώμης ἐπαινώ.

548. εἰ φωνὴν λάβοι] Cf. Aesch. Ag. 31. εἰ φθογγὴν λάβοι. Eur. Iph. T. 52. φθέγμα δ' ἀνθρώπου λαβεῖν.

550. Cf. Aesch. Ag. 757. δίχα δ' ἄλλων μονόφρων εἰμί.

551. σχοῦσα] Rarius legitur hoc participium, Eur. Hel. 469. Antiph. com. 231, 7. ἢ ξηρασίαν σχόντ' αὐτόπρεμν' ἀπόλλυται. Antiphont. V. 67.

552. Cf. Eur. Alc. 674. οὐ μὴν ἐρεῖς γέ μ' etc. ἄρξασά τι λυπηρόν] Cf. Aesch. Ag. 1529. θανάτω τίσας ἄπερ ἤρξεν (ἔρξεν hodie).

556. Cf. O. C. 1120.

561. ἔσπασε] Carried away, enticed.

564. τὰ πολλὰ πνεύματα] Cf. 931. τὰ πολλὰ — κτερίσματα. El. 564. Aesch. Ag. 1456. μία τὰς πολλὰς — ψυχὰς ὀλέσασ' ὑπὸ Τροίᾳ. Aesch. Fr. 184. ποῦ μοι τὰ πολλὰ δῶρα ἀκροθίνια; Fr. 301, 2. τῶν πολλῶν κακῶν. Fr. 666, 6. τὰ πολλὰ (sc. ἔπη) φροῦδα. Eur. Tro. 1187. τὰ πολλ' ἀσπάσμαθ'. Patrocl. trag. 1, 1. καὶ νῦν τὰ δεινὰ ταῦτα καὶ τὰ πόλλ' ἔπη etc. Trag. adesp. 88, 1. τοῦ σώματος γὰρ εἶνεχ' οἱ πολλοὶ πόνοι. Ad rem cf. Aesch. Ag. 952. πνοαὶ δ' ἀπὸ Στρυμόνος μολοῦσαι | κακόσχολοι — παλιμμήκη χρόνον τιθέοσαι | τριβᾶ κατέξαινον ἄνθος Ἀργείων.

566. θεᾶς παίζων κατ' ἄλλος] Cf. Arist. Ran. 440. χωρεῖτε νῦν ἱρὸν ἀνὰ κύκλον θεᾶς, ἀνθοφόρον ἀν' ἄλλος παίζοντες etc. 319. οἱ μεμνημένοι | ἐνταῦθά πον παίζουσαν (sc. in sacro Cereris

luco, ἄλσει, 442.). Xen. Cyn. 3, 10. Plut. Alex. 23. παίζων ἀλώ-
πεκας ἐθήρευε καὶ ὄρνιθας. Anglice sporting.

567. ἐξεκίνησας] *Excitasti, exturbasti*. Cf. Xen. Cyn. 3, 10.
φθονερώς ἐκκινουσί παρα τὸ ἴχνος.

568. κεράστην ἔλαφον] Cf. Achae. trag. 40. κοχλίας κεράστας.

571. ἀντίσταθμον] I. q. ἀντίποινα 592.

572. ἐκθύσει] Cf. Eur. Cycl. 371. ξένους — ἐκθύει. Or. 191.
ἐξέθυσ' ὁ Φοῖβος ἡμᾶς.

573. λύσις] Sub. ποδός, coll. Hec. 1020. Ἀργεῖοι νεῶν | λύσαι
ποδοῦσιν οἴκαδ' ἐκ Τροίας πόδα. Nisi pro ἀπόλυσις more Sopho-
cleo positum est. Sic Polyb. X. 40. 10. τοῦτους μὲν ἀπέλυσε —
πάντας εἰς τὰς ἑαυτῶν πατρίδας. Appian. Hannib. 10. Quos locos
apposuit Schmidt.

575. ἀντιβᾶς] Cf. Eur. Iph. A. 1016. ἦν δ' ἀντιβαίη, πρὸς
ἐμέ σοι πορευτέον. Bacch. 1126. Herod. VI. 73. οἱ Αἰγυγῆται οὐκ
ἐδικαίευν ἔτι ἀντιβαίνειν. Arist. Ran. 203.

579. τούτου — εἶνεκ'] Cf. Eur. Fr. 143, 4. χροσοῦ νόμιζε
σαντὸν εἶνεκ' εὐτυχεῖν. Tro. 1129. οὐ θᾶσσον εἶνεκα. Arist. Av. 84.
σφῶν δ' αὐτὸν εἶνεκ' ἐπεγεῶν.

583. πρώτη θάνοις ἄν, εἰ δίκης γε τυγχάνοις] Cf. Eur. Her.
970. τότ' ἠδικήθη πρῶτον οὐ θανῶν ὄδε. Arist. Av. 1221.

587. παλαμναίῳ] Cf. Eur. Tro. 1207. Aesch. Eum. 416.

589. Cf. Phil. 874. Aj. 1304.

591. Cf. Arist. Ran. 731. πονηροῖς κακ πονηρῶν. Eq. 336.

592. ἀντίποινα] Schol. ἀμοιβαῖα. Cf. Phil. 316. θεοί | δοῖέν
ποι' αὐτοῖς ἀντιποῦν' ἐμοῦ παθεῖν.

596. πᾶσαν ἦς γλῶσσαν —] Cf. O. C. 131. ἀφώνως ἀλόγως
τὸ τᾶς εὐφάμου στόμα φροντίδος ἰέντες. 963. Eur. Hec. 338. πά-
σας — φθογγὰς ἰεῖσα. Arist. Vesp. 562. ἀλλ' ἀκροῶμαι πάσας
φωνὰς ἰέντων εἰς ἀπόφην. Eq. 522. πάσας δ' ὑμῖν φωνὰς ἰεῖς —.
Av. 233. ἰέντα γῆρυν. Plat. Legg. X. 890 D. πᾶσαν, τὸ λεγόμενον,
φωνὴν ἰέντα. Solon. 36, 9. γλῶσσαν οὐκέτ' Ἀττικὴν | ἰέντες. Herod.
II. 15. 5. οὐδὲ ἔδει σφέας ἐς διάπειραν τῶν παιδίων ἰέναι τίνα
γλῶσσαν πρῶτην ἀπήρουνσι.

597. κακοστομοῦμεν] Confer v. ἐλευθεροστομεῖν.

602. δυστυχή τρίβει βίον] Cf. Aesch. Ag. 155. παλιντυχεῖ τρίβῃ
βίου. Eur. Her. 86. οὐ νησιώτην, ὦ ξένοι, τρίβω βίον. Arist. Pac.
589. ὅποσοι βίον ἐτρέβομεν γεωργικόν. Av. 155. οὐκ ἄχαρις εἰς
τὴν διατριβήν (βίος).

603. πολλὰ δῆ] Persaepe. Cf. 1377. Tr. 1192. Arist. Eq. 411.
πολλὰ δῆ 'πὶ πολλοῖς. σοι τρέφειν μιάστορα] Cf. Eur. Med. 1371.
οἶδ' εἰαίν, οἴμοι, σῶ κάρα μιάστορες. Aesch. Eum. 176. ἕτερον ἐν
(αὔ?) κάρα μιάστορ' ἐκείνον πάσεται. μιάστορα] Cf. O. R. 353.
Sed corrigendum videtur ἀλάστορα. Cf. O. C. 788. ἀλάστορ οὐμός.

607. ἀναιδείας πλέων] Cf. Aj. 745. 1150. Eur. Alc. 727. φρεῦ φρεῦ· τὸ γῆρας ὡς ἀναιδείας πλέων. Arist. Eq. 303. τοῦ σοῦ θράσους πᾶσα μὲν γῆ· πλείονες ἄλιτρίας πολλὰς πλέων. Dem. p. 405. πλείστης ἀναιδείας — μεστόν.

609. σχεδόν τι —] Cf. Ant. 470. σχεδόν τι μῶρῳ μωρίαν ὀφλισκάνω. O. R. 737.

610. μένος πνέουσαν] Cf. Aesch. Eum. 840. πνέω τοι μένος ἄπαντά τε (log., πνέω τοι) κότον. Cho. 34. κότον πνέων. Pr. 720. ἔκφροσ᾽ μένος. Hom. Il. 2, 537. μένεα πνείοντες Ἴφαιτες.

612. Cf. Aesch. Ag. 848. Arist. Nub. 1034. δεινῶν δέ σοι βουλευμάτων ἔοικε δεῖν πρὸς αὐτόν. Ran. 1305. καίτοι τί δεῖ | λύρας ἐπὶ τούτων (τούτων libri et vulg.).

614. καὶ ταῦτα] Anglice And that too. Cf. O. R. 37. Ant. 322.

622. Cf. Aesch. Sept. 182. ὑμᾶς ἐρωτῶ, θρόεμματ' οὐκ ἀνασχετά.

624. Cf. Aj. 1368. Aesch. Cho. 923. σύ τοι σεαντήν, οὐκ ἐγὼ, κατακτενεῖς. Eur. Her. 733. σύ τοι βραδύνεις, οὐκ ἐγὼ, δοκῶν τι δρᾶν.

625. Cf. Hor. A. P. 311. 'Verbaque provisam rem non invita sequuntur.'

627. Cf. Ant. 488. οὐκ ἀλύξετον | μόρον κακίστου. et ad Aj. 656.

628. Cf. Eur. Alc. 601. ἐκφέρεται πρὸς αἰδῶ.

630. Cf. Aj. 1253.

634. θύμαθ' — παγκαρπία] Cf. Fr. 464. παγκαρπία. Eur. Fr. 904, 4. θυσιάν — παγκαρπείας.

635. λυτηρίου — δειμάτων] Cf. Aesch. Cho. 820. δειμάτων λυτήριον.

636. εὐχὰς ἀνάσχω] Cf. Eur. El. 592. ὦ φίλα, ἄνεχε χέρας, ἄνεχε λόγον, ἴει λιτὰς εἰς τοὺς θεούς. δειμάτων] Cf. Paus. VII. 25. αὐτίκα λέγεται δείμασιν ἐκτὸς τῶν φρενῶν γενέσθαι.

637. Φοῖβε προσαιτήριε] Cf. 1375. Trach. 209. Ἀπόλλωνα προσάιταν. Aesch. Sept. 449. προσαιτηρίας | Ἀρτέμυδος. Trag. adesp. Aesch. Fr. 386.

639. Cf. Fr. 284, 1. ὁ πάνθ' ὄρων πάντ' ἀναπτύσσει χρόνος. Fr. 657. πάντ' ἐκκαλύπτων ὁ χρόνος εἰς τὸ φῶς ἄγει.

642. σπεῖρη — βάζην] Cf. 606. Fr. 592. μὴ σπεῖρε πολλοῖς (l. σπεῖρ' ἐς ἄλλους) τὸν παρόντα δαίμονα. Eur. Fr. 846. ὡς ὁ πλείστος ἔσπαρται λόγος. Virg. Aen. II. 98. 'hinc spargere voces | in vulgum ambiguas.' ἐς πᾶσαν πόλιν] Cf. O. R. 93. ἐς πάντας αὐδα.

643. τῆδε γὰρ κἀγὼ φράσω] Cf. Aesch. Eum. 44. τῆδε γὰρ τρανῶς ἐρῶ.

644. ἃ γὰρ προσεῖδον —] Cf. Aesch. Pers. 220. εἴ τι φλαῦρον εἶδες, αἰτοῦ τῶνδ' ἀποτροπὴν τελεῖν, τὰ δ' ἀγάθ' ἐκτελεῖ γενέσθαι, etc.

646. δὸς τελεσφόρα] Sub. εἶναι. Cf. O. C. 1489. τελεσφόρον

χάριν δοῦναί σφιν. Aj. 1390. Eur. Phoen. 70. τελεσφόρους εὐχὰς κραίνειν. 641. τελεσφόρον διδοῦσα χρησμών.

651. ~~οκλήστρα~~ ἀμφέπειν] Cf. Aj. 1015. ὡς τὰ σά | κράτη θανόντος καὶ δόμου νέμοιμι σοὺς. Pind. Ol. I. 12. ἀμφέπει οκλήστρον.

653. εὐήμεροῦσαν] Cf. O. C. 616. εὐήμερεϊ. Aj. 709. εὐάμερον — φάος. Alex. III. 458. εὐημερία δέσποινα. Philem. IV. 26. ἡδύ γ' ἔστ' εὐήμερεϊν | ἐν ἅπασιν. Contra Pher. II. 296. δυσήμερεϊν.

663. ἐπεικάζων κυρῶ] Cf. Aesch. Ag. 1201. κυρεῖν λέγουσαν. Suppl. 596. καὶ τόδ' ἂν γένος λέγων | ἐξ Ἐπάφου κυρήσαις. Cho. 12. πότερα — πατρὶ τῶμῶ τάσδ' ἐπεικασας τύχῳ | χοῶς φερούσας (leg. φέρειν τοῖς) νερτέροις μειλύματα;

664. πρέπει γὰρ ὡς τύραννος εἰσορᾶν] Cf. Aesch. Suppl. 719. πρέπεισι δ' ἄνδρες νάιοι — ἰδεῖν. Pers. 247. Hom. Od. 24, 252. οὐδέ τι τοι (σοι) δούλειον ἐπιπρέπει εἰσοράσθαι | εἶδος.

665. μάλιστα πάντων] Cf. Arist. Av. 1531. Eccl. 768. ἦδε σοι κείνη πάρα] Cf. Phil. 261. ὄδ' εἴμ' ἐγὼ σοι κείνος.

668. ἐδεξάμην τὸ ἤθηθ' ἐν] Cf. Herod. VIII. 114. 4. δεξάμενος τὸ ἤθηθ' ἀπαλλάσσετο. IX. 91. δέκομαι τὸν οἰωνόν. Aesch. Ag. 1653. δεχομένοις λέγεις θανεῖν σε. Eur. El. 622. προσηκάμην τὸ ἤθηθ'.

670. Cf. Theoc. XXIV. 115. Ἀρπαλύκῳ Φανοτῆϊ.

672. τὰπινκία] Sub. ἄθλα.

675. τί φῆς, τί φῆς, ὦ ξεῖνε] Cf. Arist. Nub. 1444. τί φῆς, τί φῆς σὺ; Lys. 710. τί φῆς, τί φῆς;

676. θανόντ' Ὀρέστην — λέγω] Cf. O. C. 1580. λέξας Οἰδίπουν δλωλότα. Aesch. Cho. 682. τεθνεῶντ' Ὀρέστην εἰπέ. Eum. 638.

νῦν τε καὶ πάλαι λέγω] Cf. Ant. 181. κάμιστος εἶναι νῦν τε καὶ πάλαι δοκεῖ. Trag. adesp. 84, 1. (οὕτως) ἔμοιγε νῦν τε καὶ πάλαι δοκεῖ.

677. οὐκέτ' εἰμὶ δῆ] Cf. Eur. Hec. 683. Hipp. 778. Hel. 1194. Arist. Eq. 1243.

683. δρθίων κηρυγμάτων] Cf. Ant. 1206. δρθίων κωκυμάτων. Eur. Iph. A. 94. δρθίῳ κηρύγματι. Aesch. Ch. 740. δρθίων κελουμάτων.

685. εἰσῆλθε λαμπρός] Cf. Aesch. Ag. 1180. λαμπρός δ' ἔοικεν — πνέων ἐσάξειν. Arist. Eq. 430. ἔξεμι γὰρ σοι λαμπρός. πᾶσι τοῖς ἐκεῖ σέβας] Cf. Iph. A. 633. ὦ σέβας ἔμοι μέγιστον Ἀγαμέμνων ἀναξ. Theoc. XXIV. 76. σέβας δ' ἔση Ἀργεῖαιον. Aesch. Ag. 515. Ἐρμῆν — κηρόνων σέβας. Chó. 243. 157. Prom. 1091.

686. Cf. Xen. Cyr. VIII. 7. 17. ὡς οὐδέν εἰμὶ ἐγὼ ἔτι ἐπειδὰν τοῦ ἀνθρώπινου βίου (τὸν —?) τελευτήσω.

690. εἰσεκήρυσαν] Cf. Arist. Ach. 135. ἕτερος ἀλαζῶν οὗτος εἰσοκηρύττεται.

691. δρόμων διαύλων] Hinc locus ἀδιανλος unde redire non licet, Eur. Fr. 860.

696. Cf. O. C. 252. Ant. 624. καὶ ταῦτα μὲν τοιαῦθ'] Cf. Aesch. Prom. 500. τοιαῦτα μὲν δῆ ταῦτα. Arist. Av. 801. ταυτί

τοιαυτί. Pl. 8. Plat. Symp. 220 C. και ταῦτα μὲν δὴ ταῦτα (leg. — μὲν τοιαῦτα).

698. ἄλλης ἡμέρας] Another day. Cf. Plat. Crit. 44 A. τῆς ἐτέρας (ἡμέρας, i. e. cras). Arrian. Anab. I. 4. 5. τῆς αὐτῆς ἡμέρας. Sic τῆς αὐτῆς ἡμέρας Isocr. 58 C.

707. Cf. Eur. Hipp. 974. Ἀθήνας τὰς θεοδμήτους. Iph. T. 1449.

708. δέκατον ἐκπληρῶν ὄχον] Cf. Herod. VII. 186. 2. VIII. 82.

IX. 30. Xen. Cyr. V. 3. 24. και ἵππεις ἐξεπλήρωσαν εἰς διαχιλίους.

710. κλήρους ἔπηλαν] Cf. Ant. 396. Herod. III. 128. Hom. Il. 15, 191. ἔλαχον πολὺν ἄλα παλλομένων. 24, 400. παλλόμενος κλήρω λάχον ἐνθάδ' ἔπεισθαι.

711. ὑπαὶ σάλπιγγος] Cf. Arist. Ach. 970. εἴσοιμ' ὑπαὶ περύγων etc.

713. ἐν δ' — ἔμεσιώθη] Tmesis ut in Ant. 420. ἐν δ' ἔμεσιώθη μέγας αἰθήρ. 1274. 551.

714. κροτητῶν ἀρμάτων] Stridentium (crepantium) curruum. Cf. Fr. 226, 1. κροτητὰ πηκτιδων μέλη. Trag. adesp. 66. μέλη πάραυλα κἀκρότητα (καὶ κροτητὰ?) κύμβαλα.

716. Cf. Eur. Hec. 387. κεντεῖτε, μὴ φείδεσθ'.

717. χνόας] I. e. modiolos rotarum. Cf. 717. 745. Hesychius, χνόαι: αἱ χονικίδες, αἱ τῶν ἀξόνων σύριγγες. φρουράμαθ' ἱππικά] Cf. Aesch. Sept. 245. ἱππικῶν φρουραγμάτων. 475.

719. Cf. Eur. Tro. 1206. κούδεις αὐτὸς εὐτυχεῖ ποτε (εὐτυχῆς αἰεῖ?).

720 sq. Cf. Hom. Il. 23, 335. Xen. Conv. IV. 6. ὑπ' αὐτήν — στήλην] Cf. 1397. πρὸς αὐτὸ τέμα. Ant. 1217. δύντες πρὸς αὐτὸ στόμιον. Aesch. Sept. 528. τύμβον κατ' αὐτὸν —. Fr. 24. κατ' αὐτὸν τύμβον ἀθλοῦ Λίχα. Prom. 847. Νείλου πρὸς αὐτῶ στόματι.

721. σύριγγα] Cf. Aesch. Suppl. 181. σύριγγες οὐ σιγῶσιν ἀξονήλατοι. ἀνεῖς —] Anglice having let go, having given rein to. Cf. Eur. Herc. 122. πῶλον ἀνέντες.

722. Cf. Eur. Fr. 779, 8. πατήρ δ' ὄπισθε νῶτα σειραῖον βεβῶς | ἔπιπνε.

725. βία φέρουσιν] Cf. Eur. Hipp. 1224. αἱ δ' ἐνδακοῦσαι στόμα πυριγενῆ γνάθοις | βία φέρουσιν. ἐξ ὑποστροφῆς] Anglice on his return. I. q. ὑπότροπος (Hom. Od. 20, 332. 22, 35.).

727. Βαρκαίοις ὄχοις] Cf. Fr. 599. ὄχοις Ἀκεσταιοῖσιν ἐμβεβῶς.

731. ἠνιοστρόφος] Cf. Eur. Phoen. 172. ἠνιοστροφεῖ.

732. παρεῖς] Anglice having let pass. Cf. ad Aj. 742.

733. κνωμένον] Cf. Lucian. I. 499. κνωῶν τὴν θάλασσαν.

735. πίστιν φέρωις] I. q. πίστιν ἔχων. Cf. O. R. 1445. νῦν τῶν θεῶν πίστιν φέρωις.

737. δξὴν —] Cf. Ant. 1188. και με φθόγγος οἰκείου κακοῦ | βάλλει δι' ὄτων. Aj. 242. Hom. Il. 11, 532. λγυρῆ μάστιγι. Aesch. Cho. 375. διπλῆς — μαράγγης δοῦπος ἰκνεῖται.

742. Cf. Tr. 613. Eur. Suppl. 593. κλεινός ἐν κλεινῷ δορί (καινός — καινῷ Cobet). Bacch. 1073. ὀρθή δ' ἐς ὀρθὸν αἰθέρ' etc.

744. στήλην ἄκραν παίσας] Cf. Ag. 1006. ἔπαισεν ἄφαντον ἔρμα.

745. ἐθράσανε δ' ἄξονος μέσας χνόας] Cf. 711. 717. Rhes. 118. θραύσαντες ἀντύγων χνόας. Arist. Nub. 1264. ὦ τύχαι θραυσάντυγες.

747. πίπτοντος πέδῳ] Cf. Aesch. Cho. 47. πεσόντος αἵματος πέδῳ (πέδοι Dind.). Eum. 479. πέδῳ πεσῶν. Eur. Or. 88. δεμνίοις πέπτωχ' ἴδε. Ion. 457.

752. φορούμενος] Fort. σποδούμενος —. Cf. Eur. Hipp. 1238. σποδούμενος — πρὸς πέτρας. Aesch. Ag. 670. οὐρανῷ σκέλη προφαίνων] Cf. Eur. El. 860. ὡς νεβρός οὐράνιον πήδημα κουφίζουσα. Tro. 325. πάλλε ποδ' αἰθέριον. Arist. Vesp. 1492. σκέλος οὐράνιον γ' ἐκλακίζων.

757 sq. Cf. 1113. 1142. Aesch. Ag. 441 sq. Eur. Suppl. 1130. κέαντες] Cf. Aesch. Ag. 849. Eur. Rhes. 97. ἐκκέαντες. Pac. 1133.

758. Cf. Fr. 348, 2. χαλκηλάτους λέβητας. δευλαίας σποδοῦ] Cf. Anth. Pal. VII. 435. ἐν πυρὶ θεῖς μεγάλην (ὄλλγαν F. W. Schmidt) ἤλθε φέρων σποδιάν (sc. sex fratrum). Append. p. 225, 2. Jacob. σάντες ἐμῆς μικρὸν πρόσθε λυγρῆς σποδιῆς. Valde similis locus est Prop. II. 9. 9. 'foedavitque comas et tanti corpus Achil-lis | maximaque in parva sustulit ossa manu (Briseis).' Non tamen liquet cur Orestis corpus μέγιστον dicatur.

759. τεταγμένοι] Sc. φέρειν. Cf. Arist. Pac. 1340. ἀλλ' ἀρά-μενοι φέρωμεν οὐπιτεταγμένοι (οἱ προσετ. mss.) τὸν νυμφίον.

760. ἐκλάχη] Cf. O. C. 1337. τὸν αὐτὸν δαίμον' ἐξειληγότες. Phil. 1429. ἀριστεῖ' ἐκλαχῶν (ἐκβαλῶν mss.).

763. ὦν ὄπωπ' ἐγὼ κακῶν] Cf. Ant. 6. ὁποῖον οὐ | τῶν σῶν τε κάμῶν οὐκ ὄπωπ' ἐγὼ κακῶν.

765. Cf. Aesch. Sept. 1056. γένος ὠλέσατε πρέμνοθεν οὕτως. Arist. Ran. 587. πρόρροζος — κάκιστ' ἀπολοίμην.

769. τῷ νῦν λόγῳ] Cf. O. C. 801. Arist. Nub. 372.

770. δεινὸν —] Cf. Aesch. Pr. 39. Sept. 1022. Eur. Andr. 985. Phoen. 366.

777. φυγὰς ἀπεξενούτο] Cf. Eur. Hec. 1221. πατρώας γῆς ἀπεξενωμένοις.

779. φόνους πατρώους] Cf. 955. τὸν αὐτόχειρα πατρώου φόνου.

δεῖν' ἐπηπείλει τελεῖν] Cf. Aj. 312. ἔμοι τὰ δεῖν' ἐπηπείλησ' ἐπη. Ant. 408. τὰ δεῖν' ἐτηρηλημένοι.

782. διηγέ μ'] Cf. O. C. 1619. τὸν λοιπὸν ἤδη βίον — διά-ξενον. Dem. p. 255, 9. ὁ γὰρ τότε ἐνοστὰς πόλεμος — ἐν πᾶσι τοῖς κατὰ τὸν βίον ἀφθονωτέροις καὶ εὐωνοτέροις διήγαγεν ἡμᾶς τῆς νῦν εἰρήνης. Isocr. 35 B. πόλεις ἐν ὁμονοίᾳ διάγειν.

784. Cf. Aj. 759. πίπτειν βαρεῖαις πρὸς θεῶν δυσπραξίαις. Ant. 1219. Tr. 150.

785. ἐκπίνουσ' αἶ ἐκ ψυχῆς ἀκρατον αἷμα] Cf. Tr. 1055. ἐκ δὲ χλωρὸν αἷμά μου | πέπωκεν. Ant. 532. σὺ δ', ἦ κατ' οἴκους ὡς ἔχιδν' ὑφειμένη | λήθουσα μ' ἐξέπινες. Aesch. Cho. 578. ἀκρατον αἷμα πίεται. Arist. Nub. 712. καὶ τὴν ψυχὴν ἐκπίνουσι. Theocr. II. 55. τί μεν μέλαν ἐκ χροῶς αἷμα | ἐμφὸς ὡς λιμνᾶτις ἀπαν ἐκ βδέλλα πέπωκας; Timocl. com. III. 612. τὰργύριόν ἐστιν αἷμα καὶ ψυχὴ βροτοῖς. Aesop. Fab. 36. ἐκπιῶνται μου τὸ λοιπὸν αἷμα.

787. ἡμερεύσομεν] Degemus. Cf. Aesch. Cho. 710. Eur. Fr. 525, 2. τῶν ἐν πόνοισιν ἡμερευουσῶν αἶ. 812, 6. διαίταν θ' ἦγνι' ἡμερεύεται.

792. Νέμεσι] Cf. ad Arist. Ran. 893. καὶ ξύνεσι (ξύνεσις al.).

793. Cf. Eur. Or. 862. καθείλον ἡμᾶς κάπεκύρωσαν θαναῖν.

794. Cf. Aesch. Ag. 1669. πρᾶσσε, πιαίνου μαίνων τὴν δίκην, ἐπεὶ πάρα.

797. ἂν ἦκοις] Cf. Aj. 186. ἦκοι γὰρ ἂν θεία νόσος. O. R. 1182. τὰ πάντ' ἂν ἐξήκοι σαφῆ.

798. Cf. Phil. 1379. El. 798. Arist. Pl. 115. οἶμαι — τῆς ξυμποροῦσ ταύτης σε παύσειν ἧς ἔχεις.

804 sq. ἄρ' ὑμῖν —;] Cf. Eur. Or. 1312 sq. Aesch. Cho. 738. πρὸς μὲν οἰκέτας | θεοσκυθρῶπων ἐντὸς ὀμμάτων γέλων | κεύθουσ' ἐπ' ἔργοις διαπεπραγμένοις καλῶς | κείνη, etc.

808. Cf. Aj. 901. Ant. 871. Eur. Hipp. 809. γυναικὸς, ἣ με κατθανοῦσ' ἀπώλεσεν.

817. ἀλλ' οὔτι μὴν —] Cf. Phil. 1273. ἀλλ' οὔτι μὴν (sic L. μὴ pleraque apogr.) —.

818. Cf. 109. τῶνδε πατρῶων | πρὸ θυρῶν ἠγῶ πᾶσι προφωνεῖν (προφραίνειν?).

819. παρῆσ' ἐμαντήν] Cf. Eur. Herc. 1203. Sapph. Fr. 19. τὰ πτερά (παριέναι). ἀθανῶ βίον] I. e. ἀθανοῦμαι. Phil. 954. ἀλλ' ἀθανοῦμαι τῷδ' ἐν αὐλίῳ μόνος. Aesch. Pr. 145. Eur. Cycl. 468. συνανανῶ κόρας.

822. τοῦ βίου δ' οὐδεὶς πόθος] Cf. Eur. Med. 226. βίου | χάριν μεθεῖσα κατθανεῖν χορήζω. Arist. Lys. 865.

830. μηδὲν μέγ' αὖσης] Cf. Aj. 384. μηδὲν μέγ' εἵτης. 423. 1122. Fr. 601. μήπω (μηδὲν?) μέγ' εἵτης πρὶν τελευτήσαντ' ἴδης. Arist. Ran. 835. μὴ μεγάλα λίαν λέγε. Plat. Phaed. 95 B. μὴ μέγα λέγε. Theocr. X. 20. μηδὲν μέγα μυθεῦ.

833. ὑποίσεις] I. q. ὑποτενεῖς.

834. Cf. Hom. Il. 22, 213. ᾤχετο δ' εἰς Ἄϊδαο. Eur. Phoen. 1055. ἐπὶ θάνατον οἴχεται. Med. 1235. ἦτις εἰς Ἄϊδον πύλας οἴχει. Hel. 518. Trag. adesp. 424. ἔζησ' ἄρ' οὐδὲ γῆς ἔνερθ' ᾤχον θανάων.

835. Cf. Aj. 969. O. C. 1339.

837. χρυσοδέτοις] Cf. Fr. 223. ῥηγνὺς χρυσοδέτον κέρας. Eur. Phoen. 805. χρυσοδέτοις περόναις.

838. *ἔρκεσι κρυφθέντα*] Cf. Fr. 513, 5. *τὸν μὲν τάφῳ κρυφθέντα πρὸς τὸ φῶς ἄγειν*. Eur. El. 154. *ὀλόμενον δολίοις βροχῶν ἔρκεσιν*.

841. *πάμπυρτος*] Cf. Ant. 1167. *ἔμπυρτον — νεκρὸν*.

850. *ἴστωρ*] Hic femininum, ut in Eur. Iph. T. 1431.

851. *παμμήνῳ*] Cf. Hor. Od. II. 19. 6. 'mensas per omnes.'

855. *παραγάγης*] Anglice mislead, draw aside. Cf. O. R. 974. Ant. 294.

858. *κοινοτόκων*] Hoc ad Orestem eodem quo Electra patre progenitum spectat.

861. *χαλάροισι ἐν ἀμίλλαις*] Cf. O. C. 1064. *πόλοισι ἢ (ἢ 'ν?) δειμαρμάτοις ἀμίλλαις*. Eur. Ion. 1241. *τεθρόπιπων ὠκίσταν χαλάν* (audacter positum pro *ἄρμα ἐξευγμένον τέτταρσιν ὠκείαις Ἴπποις*). Phoen. 808. *τετραβάμοσιν ἐν χαλαῖσιν*.

863. *ὄλκοις*] Loris. Cf. 747. *τμητοῖς ἰμάσι*. Eur. Fr. 223 C. v. 18. *ἢ γὰρ τέθνηκε; καινὸν αὖ λέγεις κακόν*. B. *ὄλκοις γε ταυρείοισι διαφορομένη*. Diogen. Athen. 1, 10. *ἀντιζύγοις ὄλκοις*. Eur. Ion. 145. *δάφνας ὄλκοις*. Arist. Thesm. 779. *σμίλης ὄλκούς*. Alia forma usus est Cratinus 35. *ἐγκῦρσαι*] Cf. Theocr. Id. 22, 19. *ναῶν θ'* — *αἶ χαλεποῖς ἐνέκυρσαν ἀήταις*.

869. *τάφον ἀντιάσας*] Cf. ad Aesch. Suppl. 272. *ἀντίασον γοράτων* —.

871. Cf. Aesch. Sept. 371. *σπουδῇ διώκων πομπίμους χνόας ποδῶν*.

873. *ἀνάπανταν — κακῶν*] Cf. Phil. 878. 638. Tr. 1253. Eur. Fr. 904, 13. *εὐρεῖν μόχθων ἀνάπανταν*. Arist. Ran. 185. *ἀναπάντα ἐκ κακῶν καὶ πραγμάτων*.

876. *πημάτων ἄρηξιν*] Cf. Eur. Her. 840. *οὐκ ἀρήξει' αἰσχύνῃ πόλει*; Aesch. Sept. 118. *ἄρηξον δαῖτων ἄλωσιν*.

879. *ἀλλ' ἢ μέμηνας —*;] Cf. Aesch. Ag. 276. Cho. 220. 774. *ἀλλ' ἢ φρονεῖς εὐ τοῖσι νῦν ἠγγελέμενοις*; Eur. Hipp. 932. Arist. Vesp. 8. *ἀλλ' ἢ παραφρονεῖς*; Fr. 178. *ἀλλ' ἢ παραφρονεῖς; κάπλι τοῖς — γελᾶς*] Cf. Aesch. Cho. 222. *ἀλλ' ἐν κακοῖσι τοῖς ἐμοῖς γελᾶν θέλεις*. | *OP. κὰν τοῖς ἔμοις ἄρ', εἴπερ ἐν γε τοῖσι σοῖς*.

881. Cf. O. C. 380. Eur. Her. 693. Rhes. 146.

882. Cf. Aesch. Ag. 672. *λέγουσιν ἡμᾶς ὡς δλωλότας*.

888. Cf. Tr. 1082. Ant. 417. Theocr. V. 31. *μὴ σπευδ' οὐ γὰρ τοι πυρὶ θάλλπει*.

889. *μαθοῦσά μου*] Cf. Phil. 370. 541. Aj. 800. O. C. 593. Ant. 723.

890. *ὡς — μώραν λέγῃς*] Sub. *αὐτήν*. Cf. Eur. Alc. 142.

895. *περιστεφῇ — ἀνθέων*] Cf. O. R. 83. *πολυστεφῆς (περιστεφῆς?) παγκάρπου δάφνης*. Archil. Fr. 20. *ἔστηκεν ὕλης ἀγροῖης ἐπιστεφῆς*.

897. Cf. Ant. 406. *καὶ πῶς δρᾶται κἀπύληπιος ἠρέθη;*

898. ἐχοίμπτη] Cf. Herod. IX. 98. 3. ἐγχοίμπτας τῷ αἰγιαλῷ. Multo saepius passiva vox usurpatur.

901. νεώρη βόστρυχον] Cf. O. C. 475. οἶος νεώρει νεοπόκου μαλλῷ.

903. σνήθηες ὄμμα] Cf. Eur. Rhes. 608. φθέγματος γὰρ ἡσθόμην | τοῦ σοῦ σνήθη γῆρυν. Artemidor. I. 80. γυναικὶ γνωρίμη καὶ σνήθει μίγνυσθαι.

906. χαρᾶ —] Cf. ad 1222. Aesch. Agam. 270. χαρὰ μ' ὑφέρπει δάκρυον ἐκκαλουμένη.

908. ἀγλαΐσμα] Cf. Aesch. Cho. 193. εἶναι τόδ' ἀγλαΐσμά μοι τοῦ φιλιτίου | βροτιῶν Ὀρέσιου. Eur. El. 325. πυρὰ δὲ χέροςος ἀγλαΐσμάτων. Hel. 11. τὸ μητρὸς ἀγλαΐσμα. 289. δ' δ' ἀγλαΐσμα δωμάτων ἐμοῦ τ' ἔφν.

909. τῷ γὰρ προσήκει —;] Cf. Aesch. Cho. 172. οὐκ ἔστιν δοτις πλὴν ἐμοῦ (ἐνὸς Dobr.) κείρατό νιν.

913. ἀλλ' οὐδὲ μὲν δῆ] Cf. Tr. 1128. ἀλλ' οὐδὲ μὲν δῆ — γε. El. 103. ἀλλ' οὐ μὲν δῆ. Aj. 877. ἀλλ' οὐδὲ — δῆ.

916. θάρσυνε] Hic intransitivum est θαρσύνειν ut κρατύνειν.

917. τοῖς αὐτοῖσί τοι —] Cf. Fr. 713. ἀλλ' οὐμὸς ἀεὶ πότιμος ἐν πυκνῷ θεοῦ | τροχῷ κυκλεῖται καὶ μεταλλάσσει φύσιν. Eur. Tro. 1206. οὐδεὶς αὐτὸς εὐτυχεῖ ποτε (εὐτυχῆς ἀεὶ?). παραστατεῖ] Fort. παρίσταται. Cf. Aj. 93. 117. 1383. Plat. com. II. 639. τούτῳ παρίστω. Men. IV. 105. ἐμοὶ παράστα. Menand. 550, 1. ἅπαντι δαίμων ἀνδρὶ συμπαρίσταται (συμπαραστατεῖ al.) | εὐθὺς γενομένῳ, μυσταγωγὸς τοῦ βίου | ἀγαθός.

918. τὰ πρόσθεν] Cf. Aesch. Ag. 19. Sic τὰ πάροιθεν Eur. Tro. 807. τὸ πάρος Herc. 127. τὸ πρότερον Thuc. VI. 86. τὸ πρὶν Aesch. Prom. 443. ἢ δὲ νῦν —] Cf. Eur. Phoen. 1598. πολλῶν κακῶν ὑπῆρξεν Οἰδίπτου δόμοις | τόδ' ἡμαρ. Tro. 871. ὡς ἄρ' ἡμῖν οὐ σμικρῶν κακῶν | ἤρξεν τὸ δῶρον etc. Aj. 282. 934. 1018. Andr. 274. Thuc. II. 12. ἦδε ἡ ἡμέρα τοῖς Ἕλλησι μεγάλων κακῶν ἄρξει. Andoc. p. 71. οἱ ὑπῆρξαν τῆς ἐλευθερίας ἀπάσῃ τῇ Ἑλλάδι. et ad Arist. Pac. 435. εὐχόμεσθα τὴν νῦν ἡμέραν | Ἕλλησιν ἄρξαι πᾶσι πολλῶν κάγαθῶν. Monost. 242. θεὸς τοῖς ἀργοῖσιν οὐ παρίσταται. 252. θεὸς δ' ἀμαρτάνουσιν οὐ παρίσταται. 624. πολλοῖσιν ἀδίκοις ἡ τύχη παρίσταται. Plat. II. 639. τούτῳ παρίστω. Aj. 92. ὦ χαῖρ' Ἀθάνᾳ — ὡς εὖ παρέστης. 117. τοιάνδ' ἀεὶ μοι ξύμμαχον παρεστάναι. 1383. τούτῳ γὰρ ὦν ἐχθιστος Ἀργείων ἀνὴρ | μόνος παρέστης χερσίν.

919. κῦρος] Confirmatio. I. e. rata faciet. Cf. Herod. VI. 129. ὡς δὲ ἡ κυρὴ ἐγένετο τῶν ἡμερέων τῆς τε κατακλίσεός τε τοῦ γάμου. Aesch. Suppl. 391. ὡς οὐκ ἔχουσι κῦρος οὐδὲν ἀμφὶ σοῦ. Thuc. V. 38. ἀπερ ἅπαν τὸ κῦρος ἔχουσι.

920. φεῦ τῆς ἀνοίας] Cf. 1183. φεῦ τῆς ἀνύμφου — τροφῆς. 1054. Ant. 603. Fr. 517. Eur. Phoen. 1425. φεῦ φεῦ, κακῶν οἶων,

Οιδίπους, ὧς σε (δσον vulg.) στένω. Arist. Eq. 350. ὦ μῶρε τῆς ἀνοίας. 515. ἔπ' ἀνοίας.

921. πρὸς ἡδονὴν λέγω] Cf. Fr. 60, 2. πᾶν πρὸς ἡδονὴν λέγει.

922. ὅποι γνώμης φέρει] Cf. 390. Tro. 705. ὥστ' οὐκ ἔχω τάλαινα ποῖ γνώμης πέσω (i. q. ἔλθω, cf. O. C. 170. ποῖ τις φροντίδος ἔλθη;). Ant. 42.

923. πῶς δ' —] Cf. Phil. 250.

924. Cf. Eur. Or. 68. ἐπ' ἀσθενοῦς | ζώμης δχούμεθ', ἦν τι μὴ κείνου πάρα | σωθῶμεν.

931. τὰ πολλὰ — κτερίσματα] Cf. 564. τὰ πολλὰ πνεύματ'. Arist. Ran. 555. καὶ τὰ σκόροδα τὰ πολλὰ. 558. τὸ πολὺ τάριχος.

936. ἔν' ἤμεν αἴτης] Cf. ad O. R. 367. Eur. Hel. 738. οὐ τ' ἐομὲν τύχης. 1445. ἵνα — τῆς τύχης.

945. δρα] Anglice consider. πόνου —] Cf. Hor. Sat. I. 9. 59. 'Nil sine magno | Vita labore dedit mortalibus.'

949. λαβῶν ἀπειτέρηκε] Cf. Phil. 1283. ἐμοῦ δόλοισι τὸν βίον λαβῶν | ἀπειτέρηκας. 931.

950. λελείμεθον] Cf. ad Phil. 1079. γὰρ μὲν οὖν δρομώμεθον. Hom. Il. 23, 485. δεῦρό νῦν ἢ τρίποδος περιδῶμεθον ἢ ἐλέβητος. Elmsl. ad Ach. 733.

952. θάλλοντά τ'] θάλλοντ' ἔτ' recte Reisk. Vulgatam injuria tuetur Dind. in Lex. p. 217.

953. φόνου — πράκτορ'] Cf. Aesch. Eum. 319. πράκτορες αἵματος. Ag. 111. ξὺν δορὶ πράκτορι.

957. οὐδὲν γὰρ σε δεῖ κρύπτειν —] Cf. Phil. 915. οὐδὲν σε κρύψω.

958. ποῖ γὰρ μονεῖς ζάθνυμος;] Cf. Arist. Lys. 526. ποῖ γὰρ καὶ χρῆν ἀναμείναι; Elmsleius (ad Iph. T. 358.) injuria ποῖ cum βλέψασα construit. Cf. ad Herc. 1160 sq.

960. ἐστερημένη] Pro usitationi ἀπειστερημένη.

962. ἄλεκτρα —] Cf. 786. 164. Eur. Phoen. 1739. ἀπαρθένειτ' ἄλωμένα.

963. τῶνδε] Sub. λέκτρων καὶ ὑμεναίων ex praec. ἄλεκτρα — ἀννυμέναιά τε. Cf. Fr. 373. ἄμοχθος γὰρ οὐδεῖς· ὁ δ' ἦκιστ' ἔχων (sub. μόχθους) μακάριτατος.

966. πημονὴν αὐτῶ σαφῆ] Per appositionem clausulae illatum. Cf. Aj. 556. Eur. Suppl. 453. Or. 1105.

967. ἐπίσπη] Cf. 1037. ἐπισπέσθαι. Ant. 636. γνώμας αἷς ἐγωγ' ἐφέρομαι. Aesch. Eum. 620. βουλῆ τε φάσκω δεῖν ἐπισπέσθαι πατρός. Xen. Anab. IV. 1. 6. ἐπίσποιο.

968. κάτω θανόντος] Leg. κάτω κεύθοντος.

972. τὰ χορησιὰ] Cf. Phil. 457. κάποφθίνει τὰ χορησιὰ.

974. προσβαλεῖς] I. q. προσθήσεις (Eur. Her. 476. Hipp. 950. Andr. 217.). Cf. Eur. Fr. 866, 2. σαντῆ προσβαλεῖν ἀλάστορα.

976. δεξιῶσεται] Cf. Paus. II. 16. 2. λόγοις τε χρηστοῖς καὶ ἔργοις δεξιῶσασθαι. Aesch. Ag. 852. θεοῖσι πρῶτα (θεοὺς πρῶ-
 τιστα?) δεξιῶσομαι. www.libtool.com.cn

979. εὐ βεβηκόσιν] Cf. Archil. Fr. 56, 3. πολλάκις δ' ἀνατρέ-
 πουσι καὶ μάλ' εὐ βεβηκότας | ὑπίους κλίνοσο'.

980. ἀφειδήσαντε] Cf. v. ἀκηδεῖν.

981. τούτω] Femininum ut in Aesch. Pers. 193. Xen. Cyr.
 I. 2. 11. Sic τούτων Plat. Legg. X. 898 A. τῷδε τῷ O. C. 977.
 τῷ Hom. II. 5, 778.

983. Cf. Trag. adesp. 193. τιμᾶν Μακεδόνων εἶνεκ' εὐανδρη-
 οίας (ἀνδρηοίας al. ἔνεκα τῆς εὐανδρίας recte Herw.).

985. ἐκλιπεῖν κλέος] Cf. 1149.

987. παῦσον ἐκ κακῶν ἐμὲ] Cf. 231. οὐδέ ποτ' ἐκ καμάτων
 ἀποπαύσομαι. Aj. 988. σύγκαμνε. Aesch. Prom. 1060. αἰ πημο-
 σύνας συγκάμνουσαι ταῖς τοῦδε. et ad Arist. Ran. 1531.

992. φρενῶν — κακῶν] Cf. Aesch. Ag. 1064. ἡ μαίνεται τε
 καὶ κακῶν κλύει φρενῶν.

995. θρόσος — ὀπλίξει] Cf. Aesch. Suppl. 955. θρόσος λαβοῦσαι.

1000. ἀπορρεῖ] Defluit. Cf. Aj. 523. ὄτου δ' ἀπορρεῖ μνη-
 σις εὐ πεπονθότος, etc. 1267. τοῦ θανόντος ὡς ταχεῖά τις | χάρις
 διαρρεῖ. Eur. Fr. 399, 1. πλοῦτον δ' ἀπορροθέντος ἀσθενεῖς γάμοι.
 Tr. 1108. Soph. Fr. 787, 8. πάλιν διαρρεῖ κἀπὶ μηδὲν ἔρχεται.
 Phil. 259. δαί τέθηλε κἀπὶ μείζον ἔρχεται.

1002. ἐξαπαλλαχθήσεται] Verba hujusmodi composita adamat
 Sophocles. Sic apud eum ἐξεφίεσθαι, ἐξαπολλύναι, ἐξαποφθεῖρουν,
 ἐκπρομιμᾶν, ἐκθεᾶσθαι, ἐκλαγγάνειν, ἐξανέχεσθαι, ἐξεπιστάσθαι,
 ἐξικετεύω, etc.

1003. κακὰ κτησώμεθ'] Cf. Aj. 968. ἐκτήσασθ' αὐτῷ θάνατον.
 777. θεᾶς | ἐκτήσασθ' ὀργήν. Tr. 793.

1005. λυεῖ] Sub. τέλη, ut in O. R. 317.

1006. βάζιν καλὴν λαβόντε] Cf. Aj. 494. βάζιν ἀλγεινὴν λαβεῖν.
 O. R. 519. φέροντι τήνδε βάζιν. 93. κακὰν φάτιν ἄρη.

1009. ἀλλ', ἀντιάζω] Cf. Phil. 809. ἀλλ', ἀντιάζω, μὴ με κα-
 τάλιτης μόνον. Aj. 492. O. R. 192. Eur. Ion. 1119. πανωλέθρους
 τὸ πᾶν — δλέσθαι] Cf. Aesch. Ag. 1167. πόλεος ὀλομένας τὸ πᾶν.
 Suppl. 781. τὸ πᾶν ἄφαντος. Sept. 71. Herod. VI. 37. 3.

1011. κατάσχες ὀργήν] Cf. O. C. 874. οὗτοι καθέξω θυμόν.
 O. R. 782. μόλις κατέσχον (sc. ὀργήν). 1012. ἀτελεῖ] Irrita.

1013. νοῦν σχῆς ἀλλὰ τῷ χρόνῳ ποτὲ] Cf. 1256. μόλις γὰρ
 ἔσχον νῦν ἐλεύθερον στόμα. 1464. τῷ γὰρ χρόνῳ | νοῦν ἔσχον. Ph.
 1041. Aj. 306. Tr. 201. et Aj. 1264. εἴθ' ὑμῖν ἀμφοῖν νοῦς γένοιτο
 σωφρονεῖν.

1014. εἰκαθεῖν] I. e. ὥστε εἰκαθεῖν. Sic 326. οὐ γὰρ ἀλήην
 ἔχομεν ὥστε μὴ θανεῖν. Cf. 1464. Eur. Herc. 144. τίν' ἐλπίδ'
 ἀλήην τ' εἰσορᾶτε μὴ θανεῖν;

1021. εἴθ' ὄφελ' —] Cf. Eur. Med. 1. Arist. Nub. 41.
1022. πᾶν γὰρ ἄν κατειργάσω] Cf. O. R. 265. κἀπὶ πᾶν (πάντ' vulg. πᾶντ' I. pr. m.) ἀγίζομαι.
1023. Cf. Eur. Fr. 840, 1. λέληθεν οὐδὲν τῶνδ' ἐμ' ὧν σὺ νοουθετεῖς, | γνώμην δ' ἔχοντά μ' ἢ φύσις βιάζεται. Arist. Av. 371. οἷδε τὴν φύσιν μὲν ἐχθροὶ, τὸν δὲ νοῦν εἰσὶν φίλοι. Theocr. 22, 160. κόραι — οὔτε φυχῆς ἐπιδευέες οὔτε νόοιο. Arist. Lys. 1124. ἐγὼ γυνὴ μὲν εἰμι, νοῦς δ' ἔνεστί μοι.
1024. ἄσκει — μένειν] Cf. Fr. 878. οἱ γὰρ γύνανδροι καὶ λέγειν ἡσοικότες. Eur. Fr. 1067, 2. χρηστοῖς θ' ὀμιλοῦντ' εὐσεβεῖν τ' ἡσοικότες.
1025. ὡς οὐχὶ συνδράσουσα νοουθετεῖς τάδε] Cf. Tr. 1232. ὡς ἐργασείων οὐδὲν ἄν λέγω θροεῖς. O. R. 625.
1026. ἐγχειροῦντα] Sub. κακά. Cf. Aesch. Eum. 430. κλύειν δίκαιος μᾶλλον ἢ πράξει θέλεις. Eur. Orest. 413. οὐ δεινὰ πάσχειν δεινὰ τοὺς εἰργασμένονος. Herc. 727. προσδόκα δὲ δρωῶν κακῶς | κακὸν τι πράξειν. Med. 1302. κείνην μὲν οὖς ἔδρασεν ἐρξουσιν κακῶς. El. 1058. Or. 560.
1027. ζηλῶ σε τοῦ νοῦ] Cf. Arist. Eq. 837. ζηλῶ σε τῆς εὐγλωττίας. Vesp. 1450. ζηλῶ γε τῆς εὐτυχίας τὸν πρόεσβν —. Ach. 1008. Th. 175.
1034. οὐδ' αὖ τοσοῦτον —] Anglice, nor yet on the other hand do I bear you so great a hatred. Cf. 911. κἀγὼ μὲν οὐκ ἔδρασα — οὐδ' αὖ σύ. Aj. 1118. οὐδ' αὖ τοιαύτην γλῶσσαν ἐν κακοῖς φιλῶ. τοσοῦτον ἐχθος ἐχθαίρω] Cf. Phil. 59. ἐχθος ἐχθήρας μέγα.
1037. ἐπισπέσθαι] Cf. 967. Ant. 636.
1038. τόθ' ἠγήσει σὺ νῶν] Cf. Phil. 133. Ἐρμῆς δ' ὁ πέμπων δόλιος ἠγήσασατο νῶν. Arist. Av. 675.
1039. ἢ δεινὸν —] Cf. Ant. 323. ἢ δεινὸν ᾧ δοκεῖ γε καὶ ψευδῆ δοκεῖν.
1040. ᾧ σὺ πρόσκεισαι κακῶ] Cf. 240. εἴ τω πρόσκειμαι χρησιῶ. Ant. 1243. Aj. 407. Eur. Fr. 418, 2. κακοῖς γὰρ οὐ σὺ πρόσκεισαι μόνη.
1044. ἐπαιnéσεις ἐμέ] Cf. 1057. Eur. Alc. 1128. ἀλλ' ἔσθ' ὀθ' ἡμᾶς αἰνέσεις πιθοῦ μόνον.
1045. ἐκπλαγεῖσά σε] Cf. Phil. 226.
1048. Cf. Aesch. Prom. 984. ἐρεῖν ἔοικας οὐδὲν ἄν χορῆζει πατήρ.
1049. πάλαι δέδοκται ταῦτα] Cf. Aesch. Prom. 998. ὡπταί πάλαι δὴ καὶ βεβούλενται τάδε.
1052. Cf. ad O. C. 177. Ant. 1043.
1053. σφόδρ'] Hoc adverbium in tragoedia legitur tantum hic et Aj. 150.
1054. πολλῆς ἀνοίας —] Cf. Eur. Andr. 520. καὶ γὰρ ἀνοία | μεγάλη λείπειν ἐχθροὺς ἐχθρῶν, etc.

1056. ἐν κακοῖς — βεβήκης] Cf. 1094. μοῖρα μὲν οὐκ ἐν ἐσθλῇ βεβῶσαν. O. R. 80. εἰ γὰρ ἐν τύχῃ γέ τω | σωτήρι βαίη. Eur. Her. 611. οὐδὲ τὸν αὐτὸν αἰεὶ βεβάναι δόμον εὐτυχία. O. C. 1358. δὲ ἐν πόνῳ (πότμω?) | ταῦτῳ βεβηκῶς τυγχάνεις κακῶν ἔμοι. Eur. Fr. 1073. ὀρθαῖς ἐν τύχαις βεβηκότα. Fr. 196, 4. τί δῆτ' ἐν ἄλβῳ μὴ σαφεῖ (ἀσφαλεῖ recte Schmidt) βεβηκότες etc.

1057. Cf. 1044. Aesch. Eum. 836. τόνδ' ἐπαινέσεις λόγον.

1066. βροτοῖσι φάμα] Cf. Eur. Hec. 1267. ὁ Θρηξὶ μάντις. Or. 363. ὁ ναυτίλοισι μάντις. Phoen. 17.

1068. βόασον — ὄπα] Cf. Eur. Hel. 1612. βοᾷ τὴν ἐναντίαν ὄπα. Ion. 1204. ἐξέκλαγξ' ὄπα | ἀξύνετον.

1070. Cf. Eur. Andr. 949. ἐντεῦθεν δόμοι | νοσοῦσιν ἀνδρῶν.

1073. φιλοτασίῳ διαίτῃ] Cf. Eur. Hipp. 172. Aesch. Sept. 228. Hor. Epist. I. 18. 94.

1077. ἄ πανόδυτος ἀηδῶν] Cf. Aj. 629. οἰκτρῶς γόνον δορυθός ἀηδοῦς. Aesch. Ag. 1143 sq. Sic φιλόδουτος Aesch. Suppl. 69.

1079. τό τε μὴ βλέπειν εἰσίμα] Cf. Ant. 78. τό δὲ | βία πολιτῶν δρᾶν ἔφυν ἀμήχανος.

1081. εὔπατρις] Cf. Theogn. 193. ταύτην (νύμφην?) — κακόπατρην (κακοπάτριδι?) ἐοῦσαν.

1087. τό μὴ καλὸν] Cf. Ant. 371. δὴ τὸ μὴ καλὸν ξύνεστι.

1088. ἐνὶ λόγῳ] Cf. Eur. Herc. 1391. ἅπαντας δ' ἐνὶ λόγῳ πενήθησατε. Amph. III. 313. ἅπαντες ἀνδροφόνοι γὰρ εἰσιν ἐνὶ λόγῳ.

1089. σοφὰ τ' ἀρίστα τε — κεκλήσθαι] Cf. Phil. 118. σοφὸς τ' ἂν αὐτὸς κἀγαθὸς κεκλή' ἄμα.

1094. Cf. 1056. Eur. Her. 610. οὐδὲ τὸν αὐτὸν αἰεὶ βεβάναι δόμον εὐτυχία. Eur. Fr. 196, 4. τί δῆτ' ἐν ἄλβῳ μὴ σαφεῖ (ἀσφαλεῖ recte Schmidt) βεβηκότες | οὐ ζῶμεν ὡς ἡδιστα —; Fr. 1058, 1. ὀρθαῖς ἐν τύχαις βεβηκότα. Archil. 58, 3. πολλάκις δ' ἀνατρέπουσι (ἀνατρέποντες?) καὶ μάλ' εὖ βεβηκότας | ὑπίτους (χῦπίτους?) κλίνουσ'.

1096. Cf. Isocr. Or. XV. § 189. ἐφορῶν οὕτως αὐτὴν (τὴν τῶν λόγων μελέτην) ὥσπερ νῦν παρ' ὑμῖν φερομένην. § 343. ἀγανακτῶ γὰρ ὄρων τὴν συκοφαντίαν ἄμεινον τῆς φιλοσοφίας φερομένην.

1098. ὀρθά] Recte. Cf. O. R. 903. εἴτερον ὄρθ' ἀκούεις.

1102. Cf. Tr. 229. ἀλλ' εὖ μὲν ἔγμεθ' —. Aesch. Cho. 1044. ἀλλ' εὖ τ' ἐπραξας μήτ' ἐπιζευχθῆς στόμα | φήμη πονηρᾶ. Suppl. 219. ἀλλ' εὖ τ' ἐπεμνεν εὖ τε δεξιάσθω χθονί.

1104. παρουσίαν] Anglice company. Cf. Aj. 872. ἡμῶν γε ναὸς κοινόπλοον δμύλιαν. Eur. Alc. 606. ἀνδρῶν Φεραίων εὐμενῆς παρουσία. Hipp. 1179. ὀπισθόπους φίλων — δμύγυρις.

1109. ἐμφανῆ τεκμήρια] Cf. Aesch. Cho. 667. ἐμφανὲς τέκμαρ.

1110. οὐκ οἶδα τὴν σὴν κληδόν'] Cf. Aj. 792. οὐκ οἶδα τὴν σὴν πρᾶξιν, Αἴαντος δ' οὐ —. Fr. 168. οὐκ οἶδα τὴν σὴν πείραν, ἐν δ' ἐπίσταμαι —. μοι — ἐφεῖτ' — ἀγγεῖλαι] Cf. 144. Tr. 286.

Aj. 116. 991. Ph. 619. 770. Aesch. Prom. 4. ἄς σοι πατήρ ἐφείτο (ἐπιστολάς). Hom. Od. 13, 7. Theocr. VIII. 1.

1111. ἐφείτο] Cf. Theocr. XXV. 205. κτεῖναι δέ μ' ἐφείτο θηρίων αἰνόν.

1112. ὧς μ' ὑπέρχεται φόβος] Cf. Herod. VI. 134. 5. φρίκης αὐτὸν ὑπελθούσης.

1114. τεύχει] Cf. 1120. Pind. P. III. 38. τείχει (l. τεύχει) θέσαν ἐν ξυλίνῳ. Patrocl. trag. 1, 1. καὶ νῦν τὰ δεινὰ ταῦτα καὶ τὰ πόλλ' ἔπη | εἰς ὧδε μικρὸν τεύχος ἤθρουσεν τύχη.

1115. τοῦτ' ἐκεῖν' ἤδη σαφές] Cf. Arist. Ach. 154. τοῦτο μὲν γ' ἤδη σαφές.

1120. κέκευθεν] Cf. Aesch. Cho. 687. λέβητος χαλκίου πλευρώματα | σποδὸν κέκευθεν ἀνδρὸς —. Pers. 648. Eur. Hec. 880. στέγαι κεκεύθασ' αἶθε Τρωάδων ὄχλον. Iph. A. 111. Ion. 1389. Rhés. 171. 621. Hom. Il. 22, 118. Od. 7, 303. Aesch. Epigr. Fr. 450. Αἰσχύλον Εὐφορίωνος Ἀθηναίων τόδε κεύθει | μνήμα —.

1122. Cf. Aesch. Prom. 637. ὧς τάποκλαῦσαι κάποδύρασθαι τύχας. Eur. Fr. 563. τερπνὸν τὸ λέξαι (κλαῦσαι?) κάποκλαύσασθαι (κάποδύρασθαι?) πόλιν (πάθη αὐτ κακὰ?).

1123. δόθ' ἦτις ἐστὶ] Cf. 1060.

1125. πρὸς αἵματος φύσιν] I. e. consanguineus. Cf. Aj. 1305. τοὺς πρὸς αἵματος. Trag. adesp. 316. φίλων γε μέντοι χρῆσις ἢ πρὸς αἵματος | μόνη — ὠφελεῖν φιλεῖ. Aesch. Eum. 556. ἐγὼ δὲ μητρὸς τῆς ἐμῆς ἐν αἵματι.

1126. Cf. Aesch. Suppl. 602. ὦ χαῖρε πρέσβυ, φίλτατ' ἀνθρώπων ἐμοί. Cho. 1051. ὦ φίλτατ' ἀγγέλων ἐμοί. Eur. Hipp. 1333. ἄνδρα πάντων φίλτατον βροτῶν ἐμοί. Arist. Nub. 110. ἔθ', ἀντιβολῶ σ', ὦ φίλτατ' ἀνθρώπων ἐμοί.

1127. ἀπ' ἐλπίδων —] Cf. Tr. 667. κακὸν μέγ' ἐκπράξασ' ἀπ' ἐλπίδος καλῆς. Eur. Hec. 351. ἔπειτ' ἐθρέφθη ἐλπίδων καλῶν ἄπο (ἔπο vulg.) | βασιλεῦσι νύμφη.

1130. λαμπρόν] Cf. 685. Tr. 379. Arist. Pac. 859. νυμφίον — λαμπρόν.

1134. ὅπως] Cf. O. R. 1389. 1391. Aesch. Cho. 194. Prom. 748. Eur. Hipp. 643. Arist. Pac. 136. Vesp. 961. 732. Eccl. 151. 1139 sq. Cf. Ant. 1201 sq. O. C. 1602.

1139. παμφλέκτον πυρός] Cf. Ant. 1006. βωμοῖσι παμφλέκτοισιν. Axionic. com. III. 532. πυρὶ παμφλέκτω.

1141. ἐν ξένοισι χεροὶ κηδευθεῖς] Cf. Demad. 179, 30. ταφῆ κηδευθεῖσα ταῖς τῶν ἐναντίων χεροῖ. et v. κηδεμών.

1142. σμικρὸς — ὄγκος] Cf. 757. 1113. Aesch. Ag. 426 sq. 435 Menand. IV. 187. εἰς τὸν ἴσον ὄγκον τῷ σφόδρ' ἔρχεται εὐτελεῖ. Dionys. Hal. de Thuc. jud. 1, 2. προελόμενον εἰς ἐλάχιστον ὄγκον συναγαγεῖν τὴν πραγματείαν. Eur. Suppl. 1130. σποδοῦ τε πληθὸς δλίγον.

1143. τροφῆς ἀνωφελήτου] Cf. Aesch. Cho. 752. καὶ πολλὰ καὶ μοχθῆρ' ἀνωφελῆτ' (ἀνωφελῆ τ'?) ἐμοὶ | τλάσῃ etc.

1144. ἀμφὶ σοὶ] Cf. O. C. 365. 1614, Ph. 1354.

1145. Similiter Aj. 1103. οὐδ' ἔσθ' ὄπου σοὶ τόνδε κοσμηῆσαι πλεόν | ἀρχῆς ἔκειτο θεσμός ἢ καὶ τῷδε σέ.

1149. ἐκλέλουτε] Defecerunt. Cf. 985. ὥστε μὴ 'κλιπεῖν κλέος.

1150. συναρπάσας] Cf. Act. Apost. XXVII. 15. συναρπασθέν-τος δὲ τοῦ πλοίου — ἐφερόμεθα. Thuc. VI. 104. ἀναρπασθεὶς ὑπ' ἀνέμου.

1153. μαίνεται δ' ὑφ' ἡδονῆς] Cf. Arist. Ran. 751. πλεῖν ἢ μαίνομαι (sc. χαίρων). Eur. Cycl. 465. γέγηθα μαινόμεσθα (μαίνομαί τε?).

1155. φήμας — προύπεμπες] Cf. O. R. 1286. προπέμψας ἄχη (ἔπη?).

1157. ἐξαφείλετο] Cf. Trag. adesp. 296, 2. ἐξαιριεῖται φρενῶν | τὸν νοῦν τὸν ἐσθλόν.

1158. ἀντὶ φιλιότητος σποδοῦ —] Cf. Aesch. Ag. 440. πυρωθὲν ἐξ Ἰλίου φίλοισι πέμπει ("Ἀρης) βραχὺν ψῆγμα δυσδάκρυτον ἀντήγορος σποδοῦ γεμίζων λέβητας εὐθέτους. 434 sq. Eur. Suppl. 1125.

1159. σποδὸν τε καὶ σκιάν] Cf. Eur. Fr. 532, 2. κατθανῶν δὲ πᾶς ἀνὴρ γῆ καὶ σκιά. Hor. Od. IV. 7. 16.

1166. τὴν μηδὲν] Sub. οὖσαν. Cf. Aj. 1231. δε' οὐδὲν ὦν τοῦ μηδὲν ἀντίεστις ὑπερ. 767. ὁ μηδὲν ὦν. 1094. δε μηδὲν ὦν γοναῖσι. 1275. τὸ μηδὲν ὄντας — ἐρρύσατο. Tr. 1107. κἄν τὸ μηδὲν ὦ. O. R. 1019. καὶ πῶς ὁ φύσας ἐξ ἴσου τῷ μηδενί; O. C. 918. κἄμ' ἴσον τῷ μηδενί (ἔδοξας εἶναι). Aj. 1114. οὐ γὰρ ἤξιον τοὺς μηδένας. Eur. Phoen. 598. τὸν οὐδέν.

1169. τοῦ σοῦ — ἀπολείπεσθαι τάφου] Cf. Eur. Or. 216. ἀμνημονῶ γὰρ τῶν πρὶν ἀπολειφθεὶς φρενῶν. Med. 35. πατρώας μὴ ἀπολείπεσθαι χθονός.

1173. Cf. Phil. 1421. καὶ σοὶ — τοῦτ' ὀφείλεται παθεῖν. Eur. Andr. 1271. πᾶσιν γὰρ ἀνθρώποισιν ἤδε πρὸς θεῶν | ψῆφος κέκρανται, κατθανεῖν τ' ὀφείλεται. Arist. Fr. 442. τὸ γὰρ φοβεῖσθαι τὸν θάνατον λῆρος πολὺς· | πᾶσιν γὰρ ἡμῖν τοῦτ' ὀφείλεται παθεῖν.

1174. ποῖ λόγων — ἔλθω;] Connecte ποῖ cum λόγων. Cf. O. C. 170. ποῖ τις φροντίδος ἔλθῃ; 310. ποῖ φρενῶν ἔλθω; Tr. 705. οὐκ ἔχω — ποῖ γνώμης πέσω. Phil. 896. ποῖ ποτ' ἐξέβης λόγῳ (l. λόγων); Arist. Th. 1128. αἰαῖ, τί δράσω; πρὸς τίνας στρεφθῶ λόγους; Aesch. Pers. 458. ὥστ' ἀμηχανεῖν | ὅποι τράποιτο. Ag. 1530. ἀμηχανῶ — εὐπαλάμων μεριμνᾶν ὅπα (ὅποι?) τράπωμαι.

1175. κρατεῖν — γλώσσης] Cf. Monost. 80. γλώσσης πειρῶ κρατεῖν. Eur. Hel. 1388. κρατοῦντα στόματος. Aesch. Pr. 884. γλώσσης ἀκρατής.

1178. καὶ μάλ' ἀθλίως] Cf. Aesch. Fr. 309. χοῖρον καὶ μάλ' εὐθηλοῦμενον.

1179. οἶμοι — συμφορᾶς] Cf. ad Aj. 980. ὄμοι βαρείας ἄρα τῆς ἐμῆς τύχης.

1180. ἄμφ' ἐμοὶ στένεις] Cf. Ph. 806. τὰμφι σοὶ στένων κακά. Aj. 340. ἄμφι σοὶ βοᾷ. O. R. 155. O. C. 492. Tr. 727. στένεις τάδε] Cf. 397. σὺ ταῦτα θῶπεν'.

1183. φεῦ τῆς — τροφῆς] Cf. 920. φεῦ τῆς ἀνοίας. ἀνύμφου — τροφῆς] Cf. Ant. 980. κλαῖον ματρὸς ἔχοντες ἀνύμφετον γονάν.

1187. ἐμπρέπουσαν ἄλγעי] Cf. Aesch. Ag. 6. λαμπροὺς δυνάστας ἐμπρέποντας αἰθέρι. Ch. 355. φίλος φίλοισι — κατὰ χθονὸς ἐμπρέπων. Eur. Her. 407. Ἐν δὲ πάντων γνώμα ταυτίδων ἐμπρέπει. Fr. 706. γυναικομίμοις ἐμπρέπεις ἐσθήμασιν. Aesch. Cho. 15. πένθει λυγρῶ πρόπεουσαν. Pers. 609. Eum. 107. Suppl. 116. ἠλέμοισιν ἐμπρεπῆ.

1189. Cf. O. R. 272. καὶ τοῦδ' ἐχθίονι (πότιμψ). Aesch. Pers. 438. καὶ τίς γένοιτ' ἂν τῆσδ' ἔτ' ἐχθίων τύχη; Eur. Phoen. 1348. καὶ πῶς γένοιτ' ἂν τῶνδε δυσποτιμώτερα; Arist. Av. 370.

1193. ἀνάγκη τῆδε προτιρέπει] Cf. Hom. Il. 6, 336. ἄχεϊ προτραπέσθαι. (Wund.)

1194. Cf. Aesch. Cho. 190. ἐμὴ δὲ μήτηρ οὐδαμῶς ἐπώνυμον | φρόνημα παισὶ δύσθεον πεπαμένη. ἐξισοῖ] Aequa est. Cf. v. μεσοῦν.

1197. Cf. Ant. 261. οὐδ' ὁ κωλύσων παρῆν.

1211. πρὸς δίκης] I. ρ. δικαίως. Cf. O. R. 1014. πρὸς δίκης οὐδὲν τρέμων.

1213. τήνδε προσφωνεῖν φάτιν] Cf. Aj. 500. καὶ τις πικρὸν πρόσφθεγμα δεσποτιῶν ἔρει etc.

1224. ὦ φίλτατον φῶς] Cf. Cicer. Phil. X. 6. 'lux et spes salutis.' Hom. Il. 8, 282. 17, 615.

1225. ὦ φθέγμ'] Cf. O. C. 863. ὦ φθέγμ' ἀναιδές. Aj. 14. ὦ φθέγμ' Ἀθάνας. Sed corrigendum ὠδέλφ'.

1230. ἐπὶ συμφοραῖσι] Sc. ἐσθλαῖς. Cf. Arist. Eq. 406. πῖνε πῖν' ἐπὶ (πῖν' ἐπ' ἐσθλαῖς?) συμφοραῖς. Lys. 1276. ἐπ' ἀγαθαῖς συμφοραῖς | ὀρησάμενοι θεοῖσιν. Eq. 655. ἐπὶ συμφοραῖς ἀγαθαῖσιν εἰσηγγελημέναις | εὐαγγέλια θύειν. Eur. Alc. 1155. χοροὺς ἐπ' ἐσθλαῖς συμφοραῖσιν ἰσάνασι.

1231. γεγηθὸς —] Cf. 906. χαρᾶ δὲ πίμπλημι' εὐθὺς δμμα δακρῶν. 1312. Tr. 1199. γόου δὲ μηδὲν εἰσῖτω (l. ἐρπέτω) δάκρυ. Aesch. Ag. 270. χαρὰ μ' ὑφέρει δάκρυον ἐκκαλουμένη. 541. ὥστ' ἐνδακρῦεν γ' ὄμμασιν χαρᾶς ὑπο. Eur. Herc. 744. Xen. Cyr. VII. 5. 32. ἔπειτα δὲ Κύρου κατεφίλων καὶ χεῖρας καὶ πόδας πολλὰ δακρῶντες ἅμα χαρᾶ etc. Hell. VII. 1. 32. κοινόν τι ἄρα χαρᾶ καὶ λύπη δάκρυά ἐστιν. Hom. Od. 19, 471. τὴν δ' ἄρα χάσμα καὶ ἄλγος ἔλεν φρένας.

1233. γοναὶ σωμάτων] Cf. Eur. Med. 1136. τέκνων — γονή.

1235. ἐφηύρετ', ἤλθετ', εἶδεθ'] Haec in mentem revocant Caesaris verba Veni, vidi, vici.

1236. οἶγ' ἔχουσα] Cf. Ph. 258. οἶγ' ἔχοντες.

1240. ἀδμήταν] Cf. O. C. 1321. ἐπιώνυμος τῆς πρόσθεν ἀδμήτης χρόνῳ μητρὸς λογευθεῖς.

1242. περισσὸν ἄχθος] Cf. Fr. 682, 3. βάρος περισσὸν γῆς ἀναστρωφόμενοι. Hom. II. 18, 104. ἐτώσιον ἄχθος ἀρούρης.

1244. Cf. O. C. 587. ὄρα γε μὴν· οὐ σμικρὸς, οὐκ, ἀγὼν ὄδε.

ὄρα γε μὲν δὴ] Cf. Tr. 488. Aesch. Suppl. 273. μακρὰν γε μὲν δὴ ῥῆσιν οὐ στέργει πόλις. Eur. Hel. 1259. διδοὺς γε μὲν δὴ δυσγενὲς μηδὲν δίδου. Com. incert. apud Poll. VII. 167. λούται γε μὲν δὴ λουτρὸν αὐτὸ (αὐτῆ?) δεύτερον. Confer γέ τοι δὴ O. R. 1171. Ἄρης] Anglice fight. Cf. Aesch. Suppl. 749. γυνὴ μονωθεῖσ' οὐδὲν· οὐκ ἔνεσι Ἄρης. Ag. 77. Arist. Lys. 464. Proverbium apud schol. Vesp. 352. ἔνεσι κὰν μύρμηκι κὰν σέρφῳ χολῇ.

1245. εὐ δ' ἔξιοιθα πειραθεῖσά που] Cf. Fr. 516. εἰ γῆς μὴ πεπείρασαι ξένης. Eur. Fr. 462. ἐπίσταμαι δὲ καὶ πεπείραμαι λίαν κτλ.

1246. Cf. Aesch. Ag. 1072. 1076. ὀτοτοτοῖ πόποι (τοτοῖ Dind.), δᾶ. Suppl. 889. ὀτοτοτοῖ, μᾶ γᾶ (φεῦ δᾶ?).

1252. ἔργων τῶνδε μεμνησθαι] Cf. Aesch. Prom. 531. ἄλλον λόγον μέμνησθε. Eur. Hel. 119.

1255. ὁ πᾶς — χρόνος] Cf. Fr. 518, 3. τὸν ἅπαντα χρόνον. Eur. Med. 1100. εἰσορῶ μελέτη κατατροχομένους τὸν ἅπαντα χρόνον. Eur. Fr. 506, 5. οὐδ' ὁ πᾶς ἂν οὐρανὸς (γὰρ ἂν χρόνος?) — ἐξαρκέσειεν. Arist. Nub. 462. τὸν πάντα χρόνον. Menand. IV. 107. εἰς πάντα τὸν χρόνον. Philem. com. IV. 6. τὰκ τοῦ χρόνου τοῦ παντὸς εἶσετ'. Pind. P. I. 46. ὁ πᾶς χρόνος. Ol. VI. 36. ἐν παντὶ χρόνῳ. Anth. Pal. X. 100. ἀνθρώποις ὀλίγος μὲν ὁ πᾶς χρόνος, δν etc. Dem. de Cor. 203. ἐκ παντὸς τοῦ (l. τοῦ παντὸς) χρόνου. p. 184. τὸν ἅπαντα χρόνον. Hyperid. Epitaph. 145. εἰς τὸν ἅπαντα χρόνον. Herod. I. 85. τὸν πάντα χρόνον τῆς ζόης. II. 13. 4. τὸν πάντα χρόνον. VI. 123. τὸν πάντα χρόνον. IX. 73. ἐς τὸν πάντα χρόνον.

1256. ἔσχον —] Cf. 1013. νοῦν σχὲς ἀλλὰ τῷ χρόνῳ ποτέ.

1259. Cf. Aesch. Ag. 925. μακρὰν γὰρ ἐξέτεινας. 1296. μακρὰν ἔτεινας. Eur. Med. 1318. μακρὰν ἂν ἐξέτεινα etc. Iph. A. 420. ὡς μακρὰν ἔτεινον. Hec. 1177. ὡς μὴ μακροὺς τείνω λόγους. Arist. Th. 382. μακρὰν ἔοικε λέξειν. Ach. 416. Plat. Resp. X. 605 D. μακρὰν ῥῆσιν ἀποτεινοντας (ἐκτεινοντας?). Herod. VII. 51. πλευῖνα λόγον ἐκτείνειν.

1263. Cf. Eur. El. 573. ὦ χρόνῳ φανείς, ἔχω σ' ἀέλιπτος. Alc. 1134.

1273. χρόνῳ μακροῦ] Cf. Tr. 227. Aesch. Ag. 521. ὀδὸν — φανῆναι] Cf. Aj. 877. ἀλλ' οὐδὲ μὲν δὴ τὴν ἀφ' ἡλίου βολῶν |

κέλευθον ἀνήρ οὐδαμοῦ δηλοῖ φανεῖς. Eur. Or. 1251. σῆθ' αἰ μὲν ὑμῶν τόνδ' ἄμαξήρη τρίβον.

1275. πολύπονον] *Polymnosam. πολύπονα per πολύσιτονα explicatur in Phil. 777.*

1276. τί μὴ ποιήσω,] Cf. Aj. 77. τί μὴ γένηται; O. R. 525. τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —; Eur. Suppl. 544. τί μὴ γένηται;

1277. ἄδονὰν μεθέσθαι] So that I should let go (lose) the pleasure to be derived therefrom.

1280. τί μήν;] Quidni? Cf. ad Aj. 668. Aesch. Eum. 197. ἔχρησα ποιῶνς τοῦ πατρὸς πέμψαι (πρᾶξαι?)· τί μήν; Ag. 674. λέγουσαι δ' ἡμᾶς ὡς δλωλότας· τί μήν;

1282. ἔσχον ὄργαν] Cf. 1011. κατάσχεσς ὄργην.

1283. ἄναυδον] Cf. Aesch. Ag. 238. χαλεπῶν τ' ἀναύδω μένει.

1286. πρόσσωπιν] Cf. Aj. 70. σὴν πρόσσωπιν εἰσιδεῖν.

1288. Cf. O. R. 1487. τὰ λοιπὰ τοῦ μικροῦ βίου.

1291. ἀντλεῖ] Exhaustit. Cf. Eur. Tro. 433. δέκ' ἀντλήσας ἔτη. Hipp. 898. λυπρὸν ἀντλήσει βίον. Aesch. Cho. 748. Prom. 375. ἔκχεῖ] Effundit. Cf. Fr. 668, 3. πολλὴν γλῶσσαν ἐκχέας. Aesch. Pers. 826. μηδέ τις — ὄλβον ἐκχέη μέγαν.

1293. τῷ παρόντι νῦν χρόνῳ] Cf. Eur. Hel. 1650. τὸν παρόντα νῦν χρόνον. Ion. 1349. εἰς τὸν ὄντα νῦν χρόνον.

1296. οὕτω δ' ὄπως —] Cf. Arist. Ran. 905. ἀλλ' ὡς τάχιστα χρὴ λέγειν· οὕτω δ' ὄπως ἐρεῖτον | ἀσιτεῖα etc. Ach. 931. et ad Ant. 220. O. C. 1279. ἐπιγνώσεται] Cf. Aj. 18. Ant. 961. Schol. Ran. 545. ὡς ταῦτα τοῦ Ξανθίου ποιούντος — καὶ διὰ τοῦτο ἐπιγνώστος ἂν αὐτά.

1297. φαιδρῶ προσώπῳ] Cf. 1310. Eur. Or. 891. τὸ δ' ὄμμ' ἀεὶ | φαιδρωπὸν ἐδίδον τοῖσιν Αἰγίσθου φίλοις. Arist. Eq. 550. φαιδρὸς λάμποντι προσώπῳ. Pac. 774. λαμπρὸν τὸ μέτωπον ἔχοντος. Theocr. XX. 24. Contra Aesch. Ag. 639. στυγνῶ προσώπῳ. Eur. Alc. 780.

1301. ὧδ' ὄπως καὶ σοὶ φίλον] Cf. Aj. 525. ἔχειν σ' ἂν οἶκτον ὡς κἀγὼ φρενὶ | θέλοιμ' ἄν. Tr. 330. οὕτως ὄπως ἄριστα. Hom. Il. 6, 476.

1306. Cf. O. R. 217. τῇ νόσῳ θ' ὑπηρετεῖν. O. C. 283. Alex. com. III. 453. εἰ μὴ γὰρ — ὦν ἄνθρωπος ἀνθρώπου τύχαις | ὑπηρετήσω, ποῦ φανήσομαι φρονῶν; τῷ παρόντι δαίμονι] Cf. Fr. 561. μὴ σπεῖρε πολλοῖς (leg. μὴ σπεῖρ' ἐς ἄλλους) τὸν παρόντα δαίμονα. El. 719. 1306. Eur. Alc. 577. πῶς οὖν ἔκρυπτες τὸν παρόντα δαίμονα —;

1307. τάνθ' ἐνδ'ε] Cf. O. R. 1267. δεινὰ δ' ἦν τάνθ' ἐνδ' ὄργᾶν. Phil. 895. 834. τάντευσθεν.

1308. ἐν οἴκοις] Qu. ἔσω 'στίν. Cf. O. R. 637. οὐκ εἰ σὺ τ' οἴκους (εἶσω?) σὺ τε, Κρόνον, κατὰ στέγας. Aj. 63. ἐς δόμους (et mox κατ' οἴκους). Tr. 156. ὠρμαῖτ' ἀπ' οἴκων (et mox ἐν δόμοις).

1310. φαιδρὸν τοῦμὸν ὄφεται κάρα] Cf. Apoll. Rhod. III. 1023. *ἱμερόεν φαιδροῖσιν ὑπ' ὄφρουσι μειδιῶντες.*
1311. ἐπιτέτκει] Cf. ad Tr. 463. Plat. Menex. 245 D. Diod. Sic. I. 83.
1315. εἰργασαί δέ μ' ἄσκοπα] Cf. Aj. 21. *πρᾶγος ἄσκοπον.* El. 864. *ἄσκοπος ἂ λῶβα.* Ph. 1111. *ἄσκοπα κρυπτά τ' ἔπη.*
1319. μόνη] Cf. 119.
1320. οὐκ ἂν δυοῖν ἤμαρτον] Cf. Thuc. I. 33. Andocid. p. 4, 11. Isoer. p. 229 D. *δυοῖν τοῖν αἰσχίστοιον οὐ διαμαρτάνουσι· εἰ μὲν γὰρ —, εἰ δὲ —.* Eur. Orest. 1151. *ἐνὸς γὰρ οὐ σφαλέντες ἔξομεν κλέος.* 1145. *καλῶς θανόντες ἢ καλῶς σεωσωμένοι.*
1322. ἐπήνεσα] I. q. *παρήνεσα.* Cf. O. C. 665. *ὡς ἐπ' ἐξόδῳ]* Cf. Tr. 532. *κατ' οἶκον θροεῖ — ὡς ἐπ' ἐξόδῳ.* Eur. Ion. 515.
1323. τῶν ἐνδοθεν] Cf. Trach. 601. *ταῖς ἔσωθεν — ξέναις.* Arist. Pl. 228. *τουτοδὶ κρεάδιον | τῶν ἐνδοθέν τις εἰσενεγκάτω λαβῶν.* 964. *φέρει νυν ἐγὼ τῶν ἐνδοθεν καλέσω τινά.* Xen. Cyr. V. 2. 5. *τοὺς ἐνδοθεν πάντα ἐξήγε φέροντας οἶνον etc.* Dem. p. 1046. *πολλὰ τῶν ἐνδοθεν ἐκφορήσας.*
1324. Cf. Fr. 61, 3. *ἄλλως τε καὶ κόρη τε κἀργεία γένος.*
1327. ἐγὼ δὲ ταρβῶ μὴ — θῆται παρ' οὐδὲν τὰς ἐμὰς ἐπιτολάς. O. R. 983. Ant. 34. 466.
1328. ἐγγενῆς] Cf. Pind. N. X. 95. *σφίσιον ἐγγενὲς ἔμμεν ἀγαθοῖς.*
1334. εὐλάβειαν — προυθέμην] Cf. O. R. 1460. *παίδων δὲ — μὴ μοι, Κρέον, | προυθῆ (προουθῆ mss.) μέριμναν.* 134. 287. Aj. 536.
1336. ἀπλήστον — σὺν χαρᾷ βοῆς] Cf. Eur. Suppl. 79. *ἀπληστος — χάρις γῶνα.*
1337. εἶσω παρέλθεται] Cf. Arrian. Ind. 28, 3. *ὡς δὲ ἔσω πνέων παρήλθε, etc.*
1338. ἀπηλλάχθαι δ' ἀκμή] Cf. ad 22. *ἔργων ἀκμή.* Eur. El. 684. *στείχειν δ' ἀκμή.* Aesch. Ag. 1324. *τὸ μὴ μέλλειν δ' ἀκμή.* Pers. 407. *κοῦκέτ' ἦν μέλλειν ἀκμή.*
1339. εἰσιόντι] Cf. Arist. Ach. 970. *εἴσιμι' ὑπαὶ πτερούγων —.* 202. *ἄξω τὰ κατ' ἀγροὺς εἰσιῶν Διονύσια.*
1340. ὑπάρχει —] Cf. Arist. Th. 851. *πάντως δ' ὑπάρχει μοι γυναικεία στολή.* 1012. Eccl. 114. *ἡμῖν δ' ὑπάρχει τοῦτο κατὰ τύχην τινά.* Xen. Mem. 2, 3, 4. *πρὸς φιλίαν μέγα ὑπάρχει τὸ ἐκ τῶν αὐτῶν φῦναι.*
1341. ἠγγεῖλας — ὡς τεθνηκότα] Cf. Eur. Hel. 617. *ὡς βεβηκνῖαν — ἠγγελλον.*
1344. τελουμένων] Cf. Eur. Andr. 998. *τελουμένων δὲ Δελφίς εἴσεται πέτρα.* Alc. 88. Iph. A. 1022.
1347. ἐς θυμὸν φέρω] Cf. Luc. Ev. IX. 44. *θέσθε ὑμεῖς εἰς τὰ ὤτα ὑμῶν τοὺς λόγους τούτους.*
1354. ὦ φίλτατον φῶς —] Cf. Eur. Ion. 1438. *ὦ τέκνον, ὦ φῶς μητρὶ κρεῖισσον ἡλίου.* Herc. 531.

1355. πῶς ἤλθες;] "Rarissima salutandi formula," ait Herwerden, qui confert Arist. Pac. 194. ὦ δειλακρίων, πῶς ἤλθες;

1357 sq. Cf. Eur. Or. 1043. ὦ φίλιτα', ὦ ποθεινὸν ἠδιστόν τ' ἔχων | τῆς σῆς ἀδελφῆς ὄνομα καὶ ψυχὴν μίαν. Med. 1067. ὦ φιλιτάτη χεῖρ, φίλιτατον δέ μοι κἀρα | καὶ σχῆμα καὶ πρόσωπον εὐγενὲς τέκνων, | εὐδαιμονοῦτον. Tro. 334. ποδῶν φέρουσα φιλιτάτην βᾶσιν. Iph. A. 1069. Andr. 574. Phoen. 166.

1359. οὐδ' ἔφαινες] Cf. 24. σημεῖα φαίνεις ἐσθλὸς εἰς ἡμᾶς γεγώς.

1365. κυκλοῦσι] Revolvunt. Cf. Tr. 130. ἀλλ' ἐπὶ πῆμα καὶ χαρὰ πᾶσι κυκλοῦσ'. ἡμέραι τ' ἴσαι] Cf. Thuc. II. 97. τεσσάρων ἡμερῶν καὶ ἴσων νυκτῶν. O. C. 618. μυρίας ὁ μυρίος | χρόνος τεκνοῦται νύκτας ἡμέρας τ' ἴων (fort. ἴσας).

1370. φροντίζεθ' ὡς —] I. q. φρονεῖτε —. Cf. Tr. 289. Eur. Med. 1311. ὡς οὐκέτ' ὄντων σῶν τέκνων φροντίζε δή.

1371. Cf. Eur. Her. 689. ἀλλ' οὖν μαχοῦμαι γ' ἀριθμὸν οὐκ ἐλάσσοι. Hom. Od. 18, 63. πλεόνεσοι μαχῆσεται ὅς κέ σε θείνη.

1372. Cf. Bacchylid. Fr. 13. οὐχ ἔδρας ἔργον οὐδ' ἀμβολᾶς.

1373. ὄσον τάχος] Cf. Aj. 985. Phil. 576.

1378. λιπαρεῖ — χερί] Cf. Plat. Hipp. min. 369. εὐρήσεις γάρ με λιπαρῆ ὄντα περὶ τὰ λεγόμενα ὑπὸ τούτου. Arist. Lys. 673.

1380. Cf. 453. αἰτοῦ δὲ προσπίνουσα —.

1384. προνέμεται — Ἄρης] Cf. Aesch. Ag. 1509 sq. προνέμεται] Cf. Aesch. Ag. 1511. προβαίνων (Ἄρης). Herod. III. 133. 1. ἐνέμετο πρόσω (ἐς τὸ πρόσω?). Schol. καὶ τὸ μὲν φορτικὸν τῆς ὄψεως ἀπέστη (λεγ. ἄπεισι).

1386. δωμάτων ὑπόστεγοι] Cf. Aj. 796. σκηνῆς ὑπανυλον. Eum. 577. δόμων ἐφέστιος | ἐμῶν.

1388. μετάδρομοι κακῶν — κύνες] Cf. Arist. Ran. 472. Κωκυτοῦ τε περιδρομοὶ κύνες. Aesch. Cho. 911. Eur. El. 1349. Or. 255.

1389. οὐ μακρὰν] Non diu. Cf. 325.

1392. δολιόπους] Cf. δολιόφρων Aesch. Cho. 947. Eur. Iph. A. 1301. στέγας] Dorice pro στέγης.

1393. ἐδώλια] Cf. Fr. 152. ἤδη τὰ Τροίας εἰσορῶν ἐδώλια | δέδοικας. Aesch. Ag. 1043.

1394. νεακόνητον —] Cf. Arist. Fr. 551. ἀλλ' ὦ Δελφῶν πλείστας ἀκονῶν | Φοῖβε μαχαίρας.

1396 sq. Cf. Eur. Rhes. 216. ἀλλ' εὖ σ' ὁ Μαΐας παῖς ἐκέῖσε καὶ πάλιν | πέμψειν Ἐρμῆς.

1404. στέγαι φίλων ἔρημοι] Cf. Eur. Herc. 430. στέγαι δ' ἔρημοι φίλων.

1405. τῶν δ' ἀπολλύντων πλέαι] Cf. Ph. 1087. ὦ πληρέστατον αὔλιον λύπας τᾶς ἀπ' ἐμοῦ. Aj. 307.

1408. ἤκουσ' ἀνήκουστα] Cf. Eur. Hipp. 362. αἶες ὦ — ἀνήκουστα. Andr. 1084. σήμαιν' ἀκοῦσαι δ' οὐκ ἀκούσθ' ὁμῶς θέλω.

ὥστε φοῖξαι] Cf. Tr. 1044. κλύουσ' ἔφριξα τάσδε συμφορὰς — Aj. 693. ἔφριξ' ἔρωτι (ἔφριξα χρωτὶ aut potius χρωῖτα?). Arist. de Anima II. 9. 7.

1410. Cf. Aj. 870. ἰδὸν, δούπον αὖ κλύω τινά.

1414. Cf. O. R. 376. οὐ γὰρ με μοῖρα πρὸς γε σοῦ πεσεῖν. O. C. 1546. ἴνα μοῖρ' ἀνδρὶ τῷδε τῆδε κρυφθῆναι χθονί.

1415. Cf. Aesch. Ag. 1345. δευτέρων πεπληγμένους. El. 1478. O. C. 611. O. R. 22. 704. Ant. 523. 1032—1033. Aj. 41. 212. 289. 576. 580. 665. 673. 696. 710. 805. 833. 877. 918. 907. 1034. 1286 sq. 1390. 1413. 1414. Tr. 391. 1051. Ph. 374. 468 sq. 1290.

1419. τελοῦσ'] Cf. Aesch. Cho. 1021. οὐ (εὔ?) γὰρ οἶδ' ὅποι τελεῖ. Sept. 659. Pers. 225.

1420. ὑπεξαίρουσι] Subtrahunt. Schol. ἐκχέουσι τὸ αἷμα τῶν φονευσάντων οἱ φονευθέντες. Cf. Aesch. Sept. 659. Pers. 225. Cho. 1021.

1423. θυηλῆς] Cf. Aesch. Ag. 819. ἄτης θύελλαι ζῶσι. Rara vox θυηλή hic tantum apud Sophoclem legitur, semel apud Homerum (Il. 9, 220.), semel apud Aristophanem (Av. 1520.), nunquam apud Aeschylum et Euripidem. Cf. Fr. 342, 3. νώτον καταστάζοντα βύσσιον φάρος. Eur. Herc. 934. ἀφρόν κατέσταζ' ἐντρίχου γενειάδος.

1426. Cf. 1309. ἦν σὺ μὴ δέισης ποθ' ὥς — ὄνεται κάρα. Xen. Cyr. VI. 2. 30. στρωμάτων δὲ ἐνδεθέντες μὴ δέισητε ὥς οὐχ ἡδέως καθενδήσετε.

1430. οὐκ ἄφορον;] Sub. ἄπει. Cf. Aj. 369. οὐκ ἐκτός;

1433. ὄσον τάχιστα] Cf. O. R. 1436. Ant. 1103. Nisi corrigendum ὅπως — ut in O. R. 1436. Ant. 1103.

1434. τὰ πρὶν εὖ θέμενοι] Cf. Eur. Herc. 605. πρὶν τόδ' εὖ θέσθαι.

1436. τάνθάδ' ἂν μέλοι' ἐμοί] Cf. 74. σοὶ δ' ἤδη τὸ σὸν μελέσθω βάντι φρουρήσαι χρέος. Aesch. Eum. 60. τάντεῦθεν — μελέσθω. Eur. Phoen. 759. σοὶ χρὴ μέλεσθαι. Theocr. I. 53. μέλειται δέ οἱ οὔτι τι πήρας etc.

1437. Cf. Aj. 149. Eur. Ion. 696. φίλαι, πότερ' ἐμᾶ δεσποίνα | τάδε τορῶς ἐς οὓς γεγωνήσομεν —; 912. εἰς οὓς καρούζω. 616. 1521. Or. 615. Hipp. 932. Andr. 1092. Herc. 1061.

1438. ἠπίως ἐννέπειν] Cf. Timocl. com. III. 602. ἠπίαις φωναῖσιν ἔμφορος λόγου κομπός. Herod. VII. 143. οὐκ — ἠπίως χρησθῆναι (τὸ ἔπος).

1440. ὀρούση] Cf. O. R. 877. ὕβρις — ὄρουσεν εἰς ἀνάγκαν.

1445. σέ τοι σὲ κρῖνω —] Cf. Aj. 1228. σέ τοι σέ — λέγω. 587. Ant. 398.

1448. συμφορὰς — ἔξωθεν] Cf. Eur. Herc. 723. οἱ δειμάτων ἔξωθεν. 1249. ἐκτός ὧν γε συμφορᾶς. Med. 1312. ἔξωθεν δόμων. El. 901. φόβου — ἔξωθεν εἰ.

1449. ἔξωθεν — τῆς φιλιότητος] Cf. Aj. 741. ἔνδοθεν στέγης — παρήκειν. Sic ἄπωθέν τιος Tr. 816. ἔνδοθέν τιος.

1451. φίλης γὰρ προσέηνου κατήνυσαν] Qu. φίλην δ' ἐς πρόξενον κατήνυσαν. Cf. ad O. C. 1755.

1452. ὡς ἐτητύμως] Cf. Aesch. Eum. 532. ὡς ἐτύμως. Sic ὡς ἀληθῶς.

1455. καὶ μάλ' ἄζηλος θέα] Cf. Arist. Th. 644. Ran. 410. καὶ μάλ' εὐπροσώπου (μειρακίσκης). Aesch. Cho. 877. Hermipp. I. 97.

1456. πολλὰ χαίρειν] Cf. Aj. 112. Aesch. Ag. 572. καὶ πολλὰ χαίρειν ξυμφοραῖς καταξιῶ. οὐκ εἰωθότως] Cf. Trag. adesp.

106. γύναι, τί μοι τραχεῖα κοῦκ εἰδισμένως | λαλεῖς;

1457. Cf. O. R. 937. Aesch. Ag. 1394. χαίροι' ἄν, εἰ χαίροι', etc. 1049. πείθοι' ἄν, εἰ πείθοι' ἀπειθοῖς δ' ἴσως. 1659. Cho. 99. Suppl. 925. Schol. ἐπισαρκάζουσα λέγει τάδε. χαρτὰ] Cf. Tr. 228. Archiloch. 68, 6. ἀλλὰ χαρτοῖόν τε χαῖρε καὶ κακοῖσιν ἀσχάλα. χαρτὰ τυγγάνει] Sub. ὄντα. Cf. 313. Aj. 9. et ad 36.

1458. ἀναδεικνύναι πύλας] Cf. Arist. Nub. 304. ἵνα μυστοδόκος δόμος ἐν τελευταῖς ἀγίαις ἀναδείκνυται. Qu. ἀμπεταννύναι —.

1460. ἐλπῖον κεναῖς — ἐξήρει'] Cf. Aj. 478. δοῦς κεναῖον ἐλπῖον θερμαίνεται.

1461. ἐξήρει'] Cf. O. R. 914. Trag. adesp. 142. ὁ θυμὸς αὐτὸν τῶν φρενῶν ἐξηρ' ἄνω (ἀπέσπασεν?).

1463. φύση φρένας] Cf. O. C. 804. Ant. 683. Fr. 118 D. Proverbium apud schol. Plat. Conv. p. 222 B. (Soph. Fr. 111.). ὁ ἀλιεὺς πληγεῖς νοῦν φύσει (φύει aut ἔφρυνε?).

1465. νοῦν ἔσχον] Cf. 1013. νοῦν σχές. συμφέρειν τοῖς κρείσσοσιν] Cf. Eur. Med. 13. πάντα ξυμφέρονο' Ἰάσοι. Arist. Lys. 166. ἔὰν μὴ τῇ γυναικὶ συμφέρη. Aesch. Eum. 848. ὄργας ξυνοίσω σοι.

τοῖς κρείσσοσιν] Ad Orestem refert Wunder, ad deos injuria Herwerden.

1467. ἔπεσι νέμεις] I. q. ἔπεται (sequitur). Cf. Aesch. Eum. 541. ποιὰ γὰρ ἐπέσται. Arist. Av. 597. νυγὶ πλεῖ, κέρδος ἐπέσται. Pind. P. I. 82. καιρὸν εἰ φθέγγαιο, — μείων ἔπεται μῶμος ἀνθρώπων. νέμεις] Cf. O. C. 1753. νέμεις γάρ. Theogn. 1182. δημοφάγον δὲ τύραννον — κατακλῖναι | οὐ νέμεις πρὸς θεῶν γίνεται οὐδεμία.

1469. Cf. Aj. 924. ὡς καὶ παρ' ἐχθροῖς ἄξιος θρήνων τυχεῖν.

1474. Construe κάλει μοι (αὐτήν). Cf. Arist. Lys. 850. ἐκκάλεσόν μοι Μυρράκιην. 851.

1476. ἐν μέσοις ἀρκυστάτοις] Cf. Aesch. Eum. 112. καὶ ταῦτα (κάρια recte Herw.) κοῦφως ἐκ μέσων ἀρκυστάτων | ὥρουσεν. Pers. 99. παράγει βροτὸν εἰς ἀρκύστατα. Ag. 1375. Eur. Or. 1420. Ἀρκυστασία est Xen. Cyr. VI. 6. Hesychius, Ἀρκύστατα: οἱ τόποι ἐνθα αἱ ἄρκυες πῆγνυται.

1477 sq. Cf. Aesch. Cho. 886. τὸν ζῶντα καίνειν τοὺς τεθνη-
κότας λέγω. www.libtool.com.cn

1479. ξυνῆκα τοῦπος] Cf. Aesch. Cho. 887. οἱ ἴγῳ· ξυνῆκα
τοῦπος ἐξ ἀνιγμάτων. Ubi Clytaemnestra loquitur.

1482. πάρες —] Cf. Arist. Eq. 341. πάρες — αὐτῷ διαρρα-
γῆναι. Herod. VII. 161. ἄλλῳ δὲ παρήσομεν οὐδενὶ ναυαρχέειν.

1483. κἄν σμικρὸν εἰπεῖν] Cf. Aj. 1078. ἀλλ' ἄνδρα χρῆ —
δοκεῖν πεσεῖν ἂν κἄν ἀπὸ σμικροῦ κακοῦ. Arist. Lys. 671. εἰ γὰρ
ἐνδώσει τις ἡμῶν ταῖσδε κἄν σμικρὰν λαβῆν, etc. Ach. 1021. κἄν
πέντ' ἔτη. Vesp. 92. κἄν ἄχνην. Theocr. XXIII. 35. ἀλλὰ τὸ, παῖ,
κἄν τοῦτο πανύστατον ἀδύ τι ῥέξον. Aj. 1078. δοκεῖν πεσεῖν ἂν
(τοῦτον) κἄν ἀπὸ σμικροῦ κακοῦ.

1485 sq. Cf. Ant. 461 sq. Aj. 473. Aesch. Ag. 1299. οὐκ ἔστ'
ἄλυξίς, ὦ ξένοι, χρόνου πλέω. σὺν κακοῖς μεμιγμένων] Cf. Aj.
895. οἴτω τῷδε συγκεκραμένη. Ant. 1311. δειλαία δὲ συγκέκραμαι
δύα. Tr. 662. Herod. VII. 203. εἶναι δὲ θνητὸν οὐδένα οὐδὲ ἔσεσθαι
τῷ κακὸν ἐξ ἀρχῆς γινόμενῳ οὐ συνεμίχθη. Pind. P. XI. 41. οὐτε
γῆρας — κέκραται ἱερῶ γέννα. Metaphora a vini mistura sumpta.

1487 sq. Cf. Eur. Ion. 933. θηροῖν — τύμβευμα. Aesch. Sept.
24. 1020. Byron Bride of Abydos II. 26. 'What recks it though
that corse shall be | within a living grave? | The bird that tears
that prostrate form | hath only robb'd the meaner worm.'

1489. ἄποπτον — ἡμῶν] I. q. ἄπωθεν ἡμῶν. Cf. O. R. 762.
ὡς πλείστον εἶη τοῦδ' ἄποπτος ἄστεως. Ph. 467. Aj. 15. ἐξ ἀπόπτου.

1491. λόγων — ἄγων] Cf. Eur. Andr. 233. εἰς ἄγων' ἔρχει
λόγων. Phoen. 1330. Or. 837. Xen. Lac. 8, 4.

1495. μὴ τάσσε] I. q. μὴ ἐπίτασσε aut μὴ πρόστασσε. Cf. Ant.
734. Phil. 6. 1144. O. C. 851. Aj. 528. Eur. Fr. 691. τάσσειν δὲ
μᾶλλον ἢ ἰπιτάσσεσθαι θέλοις (θέλεις?). 1497 sq. Cf. 515.

1498. τὰ τ' ὄντα καὶ μέλλοντα — κακά] Cf. 991. καὶ τῷ
λέγοντι καὶ κλύοντι σύμμαχος. Eur. El. 301. τύχας βαρείας τὰς
ἐμὰς κάμου πατρός. 303. τὰμὰ καὶ κείνον κακά.

1499. μάντις — ἄκρος] Cf. Aesch. Ag. 628. τοξότης ἄκρος.
1130. οὐ κομπάσαιμ' ἂν θεοφάτων γνώμων ἄκρος | εἶναι.

1500. ἀλλ' οὐ πατριῶν τὴν τέχνην ἐκόμψασας] Cf. Arist. Ran.

1146. οὐ γὰρ πατριῶν τοῦτο κέκτηται γέρας. Similis versus est
Aj. 1121. οὐ γὰρ βάνανσον τὴν τέχνην ἐκτησάμην.

1502. ὑφηγοῦ] Cf. Theocr. II. 101. ὑφάγεο τῆδε.

1505. δίκη] Poenam, supplicium.

1510. τῆ νῦν ὄρμη] Cf. Tr. 721. Ant. 135. τελεωθέν] Formae
τέλεος et τελεούν Ionicae et epicae sunt, itaque locum in ana-
paestis habent. V. Herod. I. 120. III. 86. Thuc. VI. 32. τελεώσαντες
(τελέσαντες recte E.) τὰς σπονδάς.

OEDIPUS COLONEUS.

www.libtool.com.cn

3. *πλανήτην*] I. q. *πλάνητα* (O. R. 1209. Iph. T. 417. Adesp. 100. *πόντιον πλάνητες*). Cf. 123. Trag. adesp. 284, 2. *πιωχός πλανήτης, βιον ἔχων τοῦφ' ἡμέραν*. Eur. Her. 878. *πλανήτην ἄθλιον βιον*. Plat. Resp. 371 D.

5. *μείον φέροντα*] Cf. O. R. 590. *πάντ' ἐκ σοῦ φέρω*. Arist. Ach. 66. *μισθὸν φέροντας δύο δραχμὰς τῆς ἡμέρας*.

6. *καὶ τόδ' ἔξαρκοῦν ἐμοί*] Sufficient even this for me. Cf. Tr. 1216. *ἀλλ' ἀρκέσει καὶ ταῦτα*.

7. *στέργειν*] Tolerare. Gl. A. *ὑπομένειν*. *Αἰνεῖν simili sensu usurpatur* Aesch. Pers. 648. Eur. Alc. 1. Cf. 519. Ph. 538. *ἐγὼ δ' ἀνάγκη προὔμαθον στέργειν κακά*. Fr. 861. *στέργειν δὲ τὰμπεσόντα — πρέπει*. Eur. Fr. 1076, 2. *μὴ βιάζεσθαι θεοὺς, στέργειν δὲ μοῖραν*. Tr. 992. *οὐ γὰρ ἔχω πῶς ἂν στέρξαιμι κακὸν τόδε λεύσσων*. Aesch. Pr. 10. Ag. 1569. Eur. Phoen. 1699. *τὰμ' ἐγὼ στέρξω κακά*. Or. 1032. *οὐ — στέρξεις τὰ κρανθέντ'*; Hipp. 458. *στέργοι — ξυμφορᾷ νικώμενοι*. 461. *εἰ μὴ τοῦσδε γε στέρξεις νόμους. αἱ πάθαι*] Cf. Aj. 295. Ant. 978. *χρόνος — μακρὸς*] Cf. O. R. 1112. Eur. Alc. 670. *γῆρας νέγοντες καὶ μακρὸν χρόνον βίου. χρόνος ξυνών*] Cf. O. R. 1082. *οἱ δὲ συγγενεῖς μήνες*. Aesch. Ag. 107. *σύμφρτος αἰὼν*. 894. *τοῦ ξυνεῦδοντος χρόνου*. Eum. 277. *χρόνος καθαίρει πάντα γηράσκων ὁμοῦ*. Eur. Suppl. 1118. *πολλοῦ δὲ χρόνον ζῶσας μετὰ δῆ (γραιῖς)*.

8. *τὸ γενναῖον*] Cf. 569. 1042. 1640. Eur. Hipp. 206. *ῥᾶον δὲ νόσον μετὰ θ' ἥσυχίας | καὶ γενναῖον λήματος οἴσεις. τρίτον*] Cf. Aj. 1174. Eur. Hipp. 1404. *πατέρα τε καὶ σὲ καὶ τρίτην ξυνάορον*.

9. *θάκησιν*] Cf. Phil. 18. *ἐνθάκησιν*.

10. Cf. Fr. 109, 6. *δεινὸς γὰρ ἔρπειν πλοῦτος ἔς τε τᾶβαρα | καὶ πρὸς βέβηλα. πρὸς βεβήλοις*] Cf. Arist. Eccl. 2. *ἐν εὐσκόποισιν*. 627. *ἐπὶ τοῖσιν δημοσίοισιν*.

12. *μανθάνειν — ἤκομεν*] Cf. Ant. 64. Aesch. Eum. 627. *μένω δ' ἀκοῦσαι πῶς ἀγὼν κριθήσεται*. 682. *δίκης γενέσθαι τῆσδ' ἐπήκοος μένω*. Pind. P. III. 28. *οὐκ ἔμειν' ἐλθεῖν τράπεζαν νυμφίαν*. Virg. Aen. I. 527. 'Non nos aut ferro Libycoos populare penates | venimus aut raptas ad litora vertere praedas.' Hor. Od. I. 23. 10. 'non ego te frangere persequor.'

13. *ξένοι — ἀστῶν*] Cf. El. 975. *ἀστῶν ἢ ξένων*.

14. *οἶ*] In fine versus, ut in El. 873. *ὦν | —. στέφουσιν*] I. e. circumcingunt.

15. *πόλιν στέφουσιν*] Cf. Ant. 121. *στεφάνωμα πύργων. ὡς ἀπ' ὀμμάτων*] Cf. O. C. 81. *λαμπρὸς ὥσπερ ὄμματι (ὡς ἀπ' ὀμμάτων?)*. El. 65. *τῆσδε τῆς φήμης ἄπο*. Thuc. VII. 76. *ὡς ἐκ τῶν*

ὑπαρχόντων. Aesch. Ag. 988. πένθομαι δ' ἀπ' ὀμμάτων νόστον αὐτόμαρτυς ὦν. Eur. Med. 217. οἶδα γὰρ πολλοὺς βροτῶν | σειμνοὺς γεγῶτας, τοὺς μὲν ὀμμάτων ἀπο, | τοὺς δ' ἐν θυραίοις (αὐ θυραίους aut θύραθεν?).

16. ὡς σάφ' εἰκάσαι] Cf. O. R. 82. ἀλλ' εἰκάσαι μὲν —. Tr. 141. El. 761. ὡς μὲν ἐν λόγῳ. Aesch. Cho. 963. ὡς ἐπεικάσαι πάθη. 12. 559. Eur. Herc. 713. ὡς θύραθεν εἰκάσαι. Or. 1290. Ἐλένης τὸ κῶκνυ' ἐστίν, ὡς ἀπεικάσαι (ἐπεικάσαι?). Herod. I. 31. 4. ὡς εἰκάσαι. IX. 32. 4. ὡς δὲ ἐπεικάσαι, ἐς πέντε μυριάδας συλληγήναι εἰκάσω. βρῶν δάφνης] Cf. Arist. Ran. 329. στέφανον βρῶντα μύρτιν. Alex. 85, 3. τράπεζαν — ποικίλων παροφίδων | κόσμον βρῶνσαν. Aesch. Cho. 67. νόσον βρῶειν. 588. πόνται δ' ἀγκάλαι κνωδάλων ἀνταίων βρῶνσι. Plat. Axioch. 371 C. Aesch. Fr. 350, 6. τὸ Φοῖβου θεῖον ἀφενδὲς στόμα — μαυτικῆ βρῶν τέχνη. Eur. Bacch. 107. βρῶετε χλοήρει μίλακι καλλικάρπῳ. Eur. Fr. 1086. ἄλλων ἰατρὸς, αὐτὸς ἔλκεσιν βρῶων. Hom. Il. 17, 56. ἔργος — βρῶει ἀνθεῖ λευκῶ.

17. πυκνόπτεροι — ἀηδόνες] Poetice positum pro πυκναί —. Cf. Aj. 1186. πολυπλάγκτων ἐτέων ἀριθμὸς (ubi πολυπλάγκτων poetice pro πολλῶν ponitur). Fr. 705. πύλας — ἐπταστόμους. Cf. 718. ἐκατόμποδες Νηρηίδες. 1092. πυκνοσίκτων ἐλάφων. Ant. 431. χοαῖσι τρισπόνδοισι. Aj. 252. δικρατεῖς Ἄτρεΐδαι. 56. ἔκειρε πολυκερων φόνον. Aesch. Pr. 433. ἀγροῦτων ποταμῶν (pro ἀγνῶν). Eur. Alc. 931. κόρος — μονόπαις. Suppl. 1230. χαλκοπληθῆ Δαναίδων — στρατόν. Her. 932. πολυπόνοις σὺν ἀσπίσιν. Rhés. 525. ἐπιπάροισι Πλειάδες. Aesch. Pr. 515. Μοῖραι τρίμορφοι (pro τρεῖς). Confer πυκνόφθαλμος (Trag. adesp. 458, 14. λάθοι δ' ἂν Ἄργον τὰς πυκνοφθάλους κόρας. Men. IV. 226.) et πυκνόματος. Similiter λευκόπτερος νιφὰς Aesch. Prom. 993. πυκνόπτεροι] Cf. Hom. Il. 11, 454. οἰωνοὶ — περὶ πτερὰ πυκνὰ βαλόντες. Od. 5, 53. πυκνὰ πτερὰ δεύεται ἄλμη. Arat. Dios. p. 106. τιναξάμενοι πτερὰ πυκνά. δ'] In fine senarii. Cf. ad O. R. 29. 791. Ant. 1031. Arist. Av. 1716. Eccl. 351. et μ' Ran. 298.

18. εὐστομοῦς] Cf. Aesch. Cho. 984.

19. κῶλα κάμψον] Cf. 85. Aesch. Ag. 335. κάμψαι διαύλου θάτερον κῶλον κάμψον. Prom. 32. φρουρήσεις — ὀρθοστάδην ἄεπνος, οὐ κάμψων γόνυ. 396. ἄσμενος δὲ τᾶν | σταθμοῖς ἐν οἰκείοισι κάμψειν γόνυ. Eur. Hec. 1140. ἴζω δὲ κλίνης ἐν μέσῳ κάμψας γόνυ. Hom. Il. 7, 118. φῆμι μιν ἀσπασίως γόνυ κάμψειν. Il. 19, 72. ἀλλὰ τιν' οἶω | ἀσπασίως αὐτῶν γόνυ κάμψειν. ἀξέστου] Cf. Fr. 298. ἀξέστους. Eur. Hel. 986. τῷδ' ἐπὶ ξεστῷ τάφῳ.

20. ὡς γέροντι] For an old man. Cf. 76. ὡς ἰδόντι. O. R. 1118. Aesch. Ag. 614. τοιόσδε κόμπος — οὐκ ἀισχρὸς ὡς γυναικὶ γενναίᾳ λακεῖν. Prom. 95. Plat. Parm. 136 D. πολὺ ἔργον — προστάτεις ὡς τηλικῶδε. Plat. Soph. 226. ταχεῖαν ὡς ἐμοὶ σκέψιν

ἐπιπάττεις. Resp. III. p. 267. σωφροσύνης δὲ ὡς πλήθει οὐ τὰ τοιάδε μέγιστα; Cic. Brut. 10. 41. 'Themistocles insecutus est — ut apud nos perantiquus.'

21. καθίζε γόν με] Cf. Eur. Her. 664. στρατὸν καθίζει.

22. Cf. El. 387. ἀλλ' ἐξίκοιτο τοῦδέ γ' εἶνεκ' ἐν τάχει.

23. ὅποι καθέσταμεν] Cf. O. R. 10. τίνι τρόπῳ καθέστατε —; Eur. Bacch. 184. ποῦ (ποῖ?) δεῖ πορεύειν; ποῖ καθιστάναί πόδα; 845. εἰς βόλον καθίσταται. Arist. Av. 45. ὅποι (al. ὅπου, ὅπη) καθιδρυθέντε διαγενοίμεθ' ἄν. Eccl. 832.

25. πᾶς — τις] Cf. Arist. Vesp. 623. πᾶς τίς φησιν τῶν παριόντων. Ran. 980. Ἀθηναίων ἅπας τις. Eur. Fr. 689, 2. καὶ πᾶς τις εἰς σὲ βούλετ' ἀνθρώπων (βούλεται βροτῶν?) μολεῖν. Herod. 3, 113. ἅπας τις τῶν πιμμένων. τοῦτό γ'] Cf. 597. πᾶς τοῦτό γ' Ἑλλήνων θροεῖ. 403. ἐμπόρων] ἐμπορος viator hic significat ut in Aesch. Cho. 202. 649. secundum Homericum vocabuli usum. Cf. 330. 901.

27. εἶπερ —] If indeed it is inhabited. ἐξοικήσιμος] Cf. Thuc. II. 17. ἐξωκλήθη. Sic ἀρησίσιμος pro ἀρηητός Ph. 74., ἀκουσίσιμος pro ἀκουστός Fr. 823.

28. δεῖν οὐδέν] Sc. μολεῖν ποι ex 26.

30. ἐξορμώμενον] I. e. σπεύδοντα. Cf. Trach. 929.

31. καὶ δὴ μὲν οὖν παρόντα] Nay actually present. Sub. ὄρω. Cf. Arist. Eccl. 786. ναὶ μὰ Δία καὶ δὴ μὲν οὖν | τῶδὶ ξυνάπτω τῷ τρίποδε. Eur. Alc. 820. μῶν ἢ τέκνων τις φροῦδος ἢ πατὴρ γέρον; | ΘΕ. γυνὴ μὲν οὖν ὄλωλεν Ἀδμήτου, ξένη.

33. Cf. O. R. 253. ὑπὲρ τ' ἐμαντοῦ τοῦ θεοῦ τε. 541. Aj. 492. El. 599. Aesch. Sept. 30. εἷς τ' ἐπάλξεις καὶ πύλας. Eur. Hel. 14. τὰ τ' ὄντα καὶ μέλλοντα πάντ' ἠπίστατο. Suppl. 383. ἐλθὼν δ' ὑπὲρ τ' Ἀσωπὸν Ἰσμηνοῦ θ' ὕδωρ. Ion. 1284. ὑπὲρ τ' ἐμαντὴς τοῦ θεοῦ θ'. 47. ἔκ τ' Ἀθηναίων χθονός | Σπάρτης τε Θηβῶν θ'. Arist. Vesp. 126. διὰ τε τῶν ὑδρορροῶν | καὶ τῶν ὀπῶν.

34. ἡμῖν] Cf. ad O. R. 1482.

35 sq. Cf. O. R. 1416. ἀλλ' ὦν (ἄμ'?) ἐπαιτεῖς ἐν δέον πάρεσθ' ὄδε | Κρέων τὸ πράσσειν καὶ τὸ βουλευεῖν.

36. τὰ πλείον' ἴστορεῖν] Cf. Phil. 576. μὴ νῦν μ' ἔρη τὰ πλείονα. Tr. 731. σιγᾶν ἂν ἀρμόζοι σε τὸν πλείω λόγον (χρόνον al.). Eur. Med. 609. ὡς οὐ κρινοῦμαι τῶνδέ σοι τὰ πλείονα. Aesch. Ag. 598. τὰ μάσσω — λέγειν. Arist. Ran. 160. οὐ καθέξω ταῦτα τὸν πλείω χρόνον.

37. χῶρον — οὐχ ἄγνόν πατεῖν] I. e. ὃν πατεῖν οὐχ ἄγνόν (δοῖόν) ἔστι. Sic Aesch. Eum. 55. κόσμος οὐ — φέρειν δίκαιος. Cf. Aesch. Sept. 753. ὅστις μὴ πρὸς ἀγνὰν σπείρας ἤρουραν etc. Eur. Her. 1011. οὐχ ἄγρός εἰμι τῷ κτανόντι κατθανών. Sotadem apud Apostol. VI. 53. εἰς οὐχ ὄσιον τρυμαλιῆν τὸ κέντρον ὠθεῖς. Athen. 620 F. De Philadelphii regis nuptiis incestis.

38. Cf. 54. Ant. 738. πόλις γὰρ οὐκ ἔσθ' ἦτις ἀνδρός ἐσθ' ἐνός. 287.

39. Cf. Philv. 2. βροτοῖς ἀστυειπτος οὐδ' οἰκουμένη.

40. Cf. 104. El. 112. σεμναί τε θεῶν παῖδες Ἑρινύες. Aesch. Eum. 416. ἡμεῖς γὰρ ἔσμεν Νυκτὸς αἰανῆς τέκνα. 321.

41. Cf. 68. O. R. 561. Tr. 1154.

42. ὃ γ' ἐνθάδ' — λεώς] Cf. 78. τοῖς ἐνθάδ' αὐτοῦ — δημό-
ταις. 617. τόπων τῶν ἐνθάδ'. Eur. Her. 263. τῶν ἐνθάδ' — κύριος.
Plat. Prot. p. 327 D. τὴν τῶν ἐνθάδε ἀνθρώπων πομηρίαν. τὰς
πάνθ' ὀρώσας] Cf. Aj. 836. καλῶ δ' ἀρωγὸν τὰς αἰε τε παρθένους
(αἰε τ' ἐπισκόπους?) | αἰε δ' ὀρώσας πάντα τὰν βροτοῖς πάθη | σεμνάς
Ἑρινύς etc. Tr. 1154. τοὺς δ' ἄν τὸ Θήβης ἄστυ ναίοντας μάθους
(i. e. if you were to enquire). El. 113. Ἐυμενίδας] Hoc Sicyo-
nium dearum earum nomen fuit, Σεμναί nomen Atticum. Utrum-
que κατ' εὐφημισμὸν.

43. νιν] Pluralis. Cf. Eur. Suppl. 1147. ἄλλα δ' —] Cf.
Eur. Hipp. 104. ἄλλοισιν ἄλλος θεῶν τε κἀνθρώπων μέλει. Pind.
P. III. 104. ἄλλοτε δ' ἄλλοιτα προαὶ ὑψιπετῶν ἀνέμων.

44. ἀλλ' ἔλεω μ' ἐ — δεξαίατο] Cf. El. 387. ἀλλ' ἐξίκοιτο — ἐν
τάχει. Eur. Rhés. 216. ἀλλ' εὖ σ' ὁ Μαίας παῖς — πέμπουεν Ἑρι-
μῆς. Aj. 1009. ἦ ποῦ με — δέξαιτ' ἄν — ἔλεως. El. 1376. ἀναξ
Ἄπολλον, ἔλεως αὐτοῖν κλύε. 655. Infra 486. ἐξ εὐμενῶν στέρων
(i. e. εὐμενεῖς) δέχεσθαι τὸν ἰκέτην σωτήριον. Xen. Cyr. I. 6. 2.
ὅτι οἱ θεοὶ ἔλεω τε καὶ εὐμενεῖς πέμπουσι σε — δῆλον. II. 1. 1.
προσευξάμενοι θεοῖς καὶ ἥρωσι τοῖς Πελοίδα γῆν κατέχουσιν ἔλεως
καὶ εὐμενεῖς πέμπειν σφᾶς, οὕτω διέβαινον τὰ ὄρια. III. 3. 21.
ἦτέτο ἔλεως καὶ εὐμενεῖς ὄντας ἡγεμόνας γίγνεσθαι τῇ στρατιᾷ.
τὸν ἰκέτην] Cf. 284. 487.

45. ὡς — γε] Cf. Aj. 921. Ph. 812. El. 21. Aesch. Pr. 77.
Eur. El. 896. Fr. 135, 2. ἔδρας —] Cf. 36. ἐκ τῆσδ' ἔδρας
ἔξελθε.

46. ξύνθημ'] I. q. σύμβολον. Schol. σύμβολόν μοι τῆς συμ-
φορᾶς, τὸ καταντῆσαί με εἰς Ἑρινύων ἱερόν. Cf. Phil. 403. σύμ-
βολον σαφὲς λύπης.

47. Cf. Eur. Suppl. 1068. ἀλλ' οὐδέ τοί σοι πείσομαι δρώση
τάδε. Aesch. Eum. 449. οὐδὲ μὴν ἐμοὶ θέμις — διαιρεῖν — δίκας.

48. ἐνδείξῃ τί δρωῶ] Cf. O. R. 1443. ὅμως δ' ἴν' ἔσταμεν |
χρείας ἄμεινον ἐκμαθεῖν τί δραστήον.

49. μή μ' ἀτιμάσῃς — ὦν σε προστρέπω φράσαι. Cf. 1273.
1278. O. R. 789. Aesch. Prom. 783. μηδ' ἀτιμάσῃς λόγου (λόγους
codices). Sept. 1021. ἀτιμον ἐκφορᾶς. Eur. Herc. 608. οὐκ ἀτι-
μάσω | θεοὺς προσειπεῖν πρῶτα τοὺς κατὰ στέγας.

50. προστρέπω] Cf. Aj. 831. τοσαῦτά σ', ὦ Ζεῦ, προστρέπω.
Eur. Suppl. 1195. κακῶς ὀλέσθαι πρόστρεπ' Ἀργείων χθόνα. Soph.
Fr. 760, 3. οἱ τὴν — Ἑργάνην. — προστρέπεσθε (med.).

51. ἄτιμος] Cf. Ag. 1279. οὐ μὴν ἄτιμοί γ' ἐκ θεῶν τεθνήξομεν. Cho. 1017. Pr. 808. μηδ' ἀτιμάσης λόγονος (λόγον conj. Blomf.). φανεῖ] Cf. Aj. 1241. οἰ. πανταχοῦ φανούμεθ' ἐκ Τεύκρου κακοί.

52. βεβήκαμεν] Versamur. Cf. 313. Tr. 40. κείνος δ' ὅπου | βέβηκεν οὐδεὶς οἶδε.

53. ὄσ' οἶδα κἀγὼ] Cf. 77. 185. 276. 870. O. R. 1239. ὅσον γε κὰν ἐμοὶ μνήμης ἐνι. El. 1146. 1301. Ant. 928. Aj. 525. Phil. 192. Arist. Thesm. 34. Hom. Il. 6, 476. Ζεῦ ἄλλοι τε θεοί, δότε δὴ καὶ τόνδε γενέσθαι | παῖδ' ἐμὸν ὡς καὶ ἐγώ.

54. ἔχει δέ νιν —] Cf. 40. Tr. 200. ὦ Ζεῦ, τὸν Οἰτῆς ἄτομον δς λειμῶν' ἔχεις. Aesch. Suppl. 699. θεοὺς δ', οἳ γὰν ἔχουσιν. Eum. 24. Βρόμιος δ' ἔχει τὸν γῶρον. Thuc. II. 74. θεοί, ὅσοι γῆν τὴν Πλαταιίδα ἔχετε. Arist. Eq. 581. ὦ πολιοῦχε Παλλάς. Th. 1140. ἢ πόλιν ἡμετέραν ἔχει (Παλλάς). Hom. H. Cer. 357. ἦσται Ἐλεουσίνος κροναδὸν πτολίεθρον ἔχουσα. Xen. Cyr. II. 1. 1. προσευξάμενοι θεοὶς καὶ ἤρωσι τοῖς Περούδα γῆν κατέχουσιν.

55. Ποσειδῶν] Idem deus Κολωνοῦ ἐπιστάτης appellatur 889. ἐν δὲ] Cf. El. 113. Sic ξὺν δὲ Ag. 586. πρὸς δὲ Prom. 928.

56. Τιτὰν Προμηθεὺς] Cf. Eur. Phoen. 1138. δεξιᾷ δὲ λαμπάδα | Τιτὰν Προμηθεὺς ἔφερον ὡς πρήσων πόλιν. Ion. 455. Προμηθεῖ Τιτᾶν. Apollod. I. 3. 6. Lucian. D. D. VIII.

57. χαλκόπους] Cf. El. 491. χαλκόπους Ἐρινύς. δδδς] Fundamentum. Ionicum et Epicum οὔδος legitur Hom. Il. 8, 15.

58. ἔρεισμ' Ἀθηνῶν] "Poeticum epitheton, quo nihil amplius significatur quam locus saxis firmus ad Athenas usque pertinens." (Dind.). Cf. Isocr. p. 461, 177. τὴν πόλιν ἔρεισμα τῆς Ἑλλάδος ὠνόμασεν. Lucian. Timon. 50. χαῖρε, ὦ Τίμων, τὸ μέγα ὄφελος τοῦ γένους, τὸ ἔρεισμα τῶν Ἀθηναίων, πρόβλημα τῆς Ἑλλάδος. Aesch. Fr. 385. οἳ τοι στεναγμοὶ τῶν πόνων ἐρείσματα (al. ἰάματα). οἱ — γύαι] Cf. ad Ant. 569. Fr. 651. κύναρὸς ἄκανθα πάντα πληθύνει (l. πληθύνει) γύην. Aesch. Pr. 369. λευροὺς (λευράς plerique mss.) γύας. Eur. Her. 839. τὸν Ἀργείων γύην. Hec. 453. Attica forma est δ γυῆς, non ἡ γύη. V. Elmsl. ad Her. 839.

59. σφίσι] I. q. αὐτοῖς. Sed σφιν pro αὐτοῖς ponitur O. C. 421. 444. 451. Aj. 570. El. 1070. σφίσι] nusquam alibi, ni fallor, legitur apud Sophoclem.

60. φέρονσι τοῦνομα] Cf. Fr. 573. φέρονσι τοῦνομα. Phil. 605. ὄνομα δ' ὠνομάζετο | Ἐλενος. ἀρχηγόν] Praesidem. Cf. Eur. Hipp. 152. τὸν Ἐρεχθειδᾶν ἀρχαγόν. Iph. T. 1303. ἀρχηγὸς χθονός. Tro. 1267. ἀρχηγοὶ στρατοῦ. Ion. 723. Hipp. 881. κακῶν ἀρχηγὸν ἐμφαίνεις λόγον. Isocr. p. 88 E. Θηβαῖοι δὲ τὸν ἀρχηγὸν τοῦ γένους ἑμῶν τιμῶσι καὶ ταῖς προσόδοις καὶ ταῖς θυσίαις μᾶλλον ἢ τοὺς θεοὺς τοὺς ἄλλους. Plat. Lys. 205 B. γεγωνὸς αὐτὸς ἐκ Διὸς τε καὶ τῆς τοῦ δήμου ἀρχηγέτου θυγατρὸς. Ibidem ἀρχηγέτης τῶν Αἰξωνέων memoratur. Menand. IV. 189. τὴν πολλῶν κακῶν | ἀρ-

χηγόν. Sosip. IV. 482. τῆς τέχνης ἀρχηγός ἦν. Epist. ad Hebr. II. 10. τὸν ἀρχηγὸν τῆς σωτηρίας.

62. τοιαυτὰ σοι ταῦτ' ἐστίν] Cf. El. 761. οὐ λόγοις —] 'Not honoured from mere tradition, but rather by reason of actual presence of the hero.' Cf. 647.

64 sq. Cf. Eur. Cycl. 117—119.

65. καὶ κάρτα] Cf. 301. El. 312. τοῦ θεοῦ — ἐπώνυμοι] Cf. Aesch. Eum. 90. σὺ δ' — Ἐρμῆ, φύλασσε· κάρτα δ' ὦν ἐπώνυμος | πομπαιὸς ἴσθι etc. Eur. Rhés. 158. ἐπώνυμος μὲν κάρτα καὶ φιλόπολις | Δόλων.

67. ἀρχεται] Passivo sensu. Cf. Ant. 63. Aj. 1075. Herod. VII. 159. ἴσθι ἀρξόμενος ὑπὸ Λακεδαιμονίων.

68. λόγῳ — κρατεῖ] I. e. 'no less by power than by report.'

71. ὡς πρὸς τί] "I. e. ὡς παρῆ πρὸς τί; λέξων ἢ καταρτύσων τι," (Dind.). Cf. ad O. R. 1174. ὡς πρὸς τί χρείας; 1144. Tr. 1182. ὡς πρὸς τί πίστιν τήνδ' ἄγαν ἐπιστοίεφεις; Aj. 44. Phil. 58. El. 1402. σὺ δ' ἐκπὸς ἦξας πρὸς τί; 921. τί δ' ἔστιν; οὐ πρὸς ἡδονὴν λέγω τάδε; Aj. 40. καὶ πρὸς τί δυσλόγιστον ὧδ' ἦξεν χέρα; καταρτύσων μολεῖν] Anglice, to work upon him (to get him) to come. Cf. Aj. 804. σπεύσαθ' — Τεῦκρον ἐν τάχει μολεῖν. Aperte Jebb confert Plat. Resp. 562 C. τὴν πολιτείαν — παρασκευάζει δεηθῆναι. et Plut. Mor. 38 D. ἄν — μὴ λόγοις χρηστοῖς ἀφαιρῶν ἢ παρατρέπων καταρτύσῃ τὴν φύσιν.

72. προσαρκῶν σμικρὰ] Cf. Aj. 439. οὐδ' ἔργα μείω χειρὸς ἀρκέσας ἐμῆς. Eur. Herc. 227.

73. καὶ τίς —;] Cf. 606. O. R. 967. Eur. Herc. 297. καὶ τίς θανόντων (θανῶν ποτ') ἦλθεν ἐξ Αἰδου πύλιν; ἄρκεσις] Auxilium. I. q. ἐπάρκεσις 447.

74. ὄρωντα] Cf. 267. ἐπεὶ τὰ γ' ἔργα μου | πεπονθότ' ἐστὶ μᾶλλον ἢ δεδρακότα. O. R. 747. Aesch. Cho. 831. πῶς ταῦτ' ἀληθῆ καὶ βλέποντα (κἄντιμ' ὄντα?) δοξάσω; Aesch. Ag. 1149. καὶ μὴν ὁ χρησμός οὐκέτ' ἐκ καλυμμάτων | ἔσται δεδορκώς. et Ant. 405. ἄρ' ἐνδηλα καὶ σαφῆ λέγω;

75. οἶσθ' — ὡς νῦν μὴ σφαλῆς] Gl. A. πῶς νῦν οὐ μὴ σφαλῆση. Cf. O. R. 543. οἶσθ' ὡς ποιήσον. Eur. Med. 600. οἶσθ' ὡς μετεύξει (leg. μέτενξαι) καὶ σοφωτέρα φανεῖ. Leges οἶσθ' — ὡς οὐ μὴ σφαλῆς.

76. Cf. Tr. 309. πρὸς μὲν γὰρ φύσιν | πάντων ἄπειρος τῶνδε, γενναῖος δέ τις. Eur. Hec. 356. ὡς ἰδόντι] Cf. 20. μακρὰν γὰρ ὡς γέροντι προουτάλης ὁδόν. 577. οὐ σπονδαῖον εἰς ὄφιν. Ant. 1161. ζηλωτός, ὡς ἐμοί. Stat. Theb. IV. 734. 'Regales tamen ore notae.' Hom. Od. 20, 194. πλὴν τοῦ δαίμονος] 'Apart from your plight.' Cf. Eur. Hec. 356. ἴση θεαῖσι πλὴν τὸ κατθανεῖν μόνον.

77. ἕως — λέξω] Cf. Ph. 764. ἕως ἀνῆ τὸ πῆμα. Tr. 148. ἕως — κληθῆ. Aj. 555.

78. ἐνθάδ' αὐτοῦ] Here on this very spot. Cf. Arist. Vesp. 765. ἐνθάδε | αὐτοῦ μένων δίκασε. Pl. 1187. Eupol. II. 546. ἦν δέ τις τῶν ἐνθάδ' αὐτοῦ etc. Plat. Resp. 621 C. αὐτοῦ τε μένοντες ἐνθάδε. Herod. IV. 135. Solon. Fr. 28, 11. Plena constructio est τοῖς ἐνθάδ' αὐτοῦ (οὔσι) δημόταις, μὴ (τοῖς) κατ' ἄστν (οὔσι). De omissione particuli τοῖς. Cf. 268. τὰ μητρὸς καὶ πατρὸς. 588. El. 991. καὶ τῷ λέγοντι καὶ κλύοντι σύμμαχος. Tr. 356. οὐ τὰπὶ Λυδοῖς οὐδ' ἐπ' (i. e. οὐδὲ τὰ ἐπ') Ὀμφάλη πόνων | λατρεύματ'. Eur. Hel. 1085. Tro. 716.

80. εἰ — ἦ] Cf. ad Ant. 1217. Aesch. Pr. 805. ἐλοῦ γὰρ ἦ (l. εἰ) πόνων τὰ λοιπά σοι | φράσω σαφηνῶς ἦ τὸν ἐκλύσουσι' ἐμέ. Cho. 876. Hom. II. XIV. 19. δαΐζόμενος κατὰ θυμὸν | διχθάδι', ἦ (εἰ?) — ἦε etc.

81. ἡμῖν] Cf. Ph. 433. ποῦ γὰρ ἦν ἐνταυθά σοι | Πάτροκλος — ;

83. ἐμοῦ μόνης] Supple οὔσης. Cf. Thuc. II. 35. ὡς καλὸν (add. ὄν?) ἐπὶ τοῖς — θάπτομενοις ἀγορεύεσθαι αὐτόν (τὸν λόγον). Plat. Gorg. p. 105. ὡς ἕτερον (add. ὄν?) τὴν ἀνδρείαν τῆς ἐπιστήμης. Xen. Mem. I. 6. 5. ὡς χαλεπώτερα πορίσασθαι τὰ ἐμὰ διαιτήματα τῶν ὄνων.

84. Cf. 668. εὐπίπνον, ξένη, τᾶσδε χώρας ἴκου τὰ κράτιστα γὰς ἔπαυλα. εὐτ'] I. q. ἐπειδή. Cf. Phil. 1099.

85. πρώτων ἐφ' ἑμῶν —] Cf. 467. τοῦ νυν καθαρόν τῶνδε δαιμόνων, ἐφ' ἃς | τὸ πρῶτον ἴκου (πρώτας ἀφίκου?) καὶ κατέστειπας πέδον. ἔδρας — ἐφ' ἑμῶν] Cf. Arist. Eq. 1312. ἦ 'πὶ τῶν σεμνῶν θεῶν (καθῆσθαι). Supra 19. οὐ κῶλα κάμψον τοῦδ' ἐπ' ἀξέστον πέτρον.

86. ἀγνώμονες] Durae. Cf. Tr. 473. φρονοῦσαν θνητὰ κοῦκ ἀγνώμονα (sc. οὔσαν). 1266.

87. τὰ πολλὰ — κακὰ] Cf. El. 564. τὰ πολλὰ πνεύματ'. 931. τὰ πολλὰ — κτερίσματα. Patrocl. Trag. Fr. 1. τὰ πόλλ' ἔπη.

89. τερμίαν] Gl. Par. τελευταίαν.

90. θεῶν σεμνῶν ἔδραν —] Cf. 458. 1049. El. 112. Thuc. I. 126. καθεζομένους δέ τινας καὶ ἐπὶ τῶν σεμνῶν θεῶν ἐν τοῖς βωμοῖς — διεχρήσαντο. Arist. Eq. 1312. Pausan. I. 28. 6. πλησίον δὲ ἱερὸν θεῶν ἔστιν ἃς καλοῦσιν Ἀθηναῖοι σεμνάς. et VII. 25. 3. καταφεύγουσιν εἰς τὸν Ἄρειον πάγον καὶ ἐπὶ τῶν θεῶν αἱ σεμναὶ κατοῦνται τοὺς βωμούς. Dinarch. c. Dem. § 35. ἐπιωοικηκῶς μὲν τὰς σεμνάς θεὰς ἐν Ἀρείῳ πάγῳ. ξενόστασιν] Cf. Fr. 258. πανδόκος ξενόστασις. Aesch. Cho. 662. ἐν δόμοισι πανδόκοις ξένων. Confer βούστασις (Aesch. Pr. 674.), ἱπόστασις, etc.

91. κάμψαι] Gl. Par. καταλῦσαι, τελειῶσαι. Cf. Eur. Hipp. 86. τέλος δὲ κάμψαιμ' ὥσπερ ἠρξάμην βίον. Hel. 1666. ὅταν δὲ κάμψης καὶ τελευτήσης βίον. El. 956. ποῖν ἂν πέλας | γραμμῆς ἵκηται καὶ τέλος κάμψῃ βίον. 663. Suppl. 750. Aoristus ut θανεῖν O. R. 713. Tr. 1159. Aesch. Pr. 688. βάξις (oraculi) ἦλθεν Ἰνάχῳ —

πυρωπὸν ἐκ Διὸς μολεῖν | κεραυνόν. Fr. Herod. I. 54. προλέγουσαι
Κροίσω, ἣν στρατεύεται ἐπὶ Πέρσας, μεγάλην ἀρχὴν μιν καταλύσαι
(al. καταλύσειν). III. 64. τῷ δὲ — ἐκέχρηστο — ἐν Ἀγβατάνοισι
τελευτήσῃ (τελευτήσῃ?) τὸν βίον. Arist. Vesp. 160. ὁ γὰρ θεὸς —
μοῦχρησαν ἀποκλῆναι τότε. Av. 1074. ἐπαναγορεύεται, | ἣν ἀποκτείνει
τις ὑμῶν Διαγόραν τὸν Μῆλιον, | λαμβάνειν τάλαντον.

92. οἰκήσονται] Cf. 626. κοῦποτ' Οἰδίπουν ἐρεῖς | ἀχρεῖον οἰκη-
τῆρα δέξασθαι τόπων | τῶν ἐνθάδ'.

93. αἴτην δὲ τοῖς πέμψασιν, οἳ μ' ἀπήλασαν] Cf. El. 762. τοῖς
δ' ἰδοῦσιν (leg. τοῖς παροῦσι δ'), οἵπερ εἶδομεν.

94. τῶνδε — πένθος] Cf. Eur. Alc. 380. πένθος — τῆσδε.
παρηγγύα] Cf. Eur. Suppl. 700. παρηγγύων | κελουσμὸν ἀλλήλοισι.

95. Διὸς σέλας] I. e. ἀστραπὴν (fulgur). V. Herwerden. Ex.
Crit. p. 30. Similis versus est Aesch. Cho. 756. ἦ (I. εἰ) λιμὸς
ἦ δίψη τις (δίψ' αὐτὸν?) ἢ λιπυροῖα (λειπυροῖα?) | ἔχει.

96. μὲν νυν] Cf. O. R. 31. Tr. 441. Eur. Hipp. 20. τοῦτοι
μὲν νυν οὐ φθονῶ. 1338. Eur. El. 1237. τῆνδε τὴν ὁδὸν —]
Cf. Eur. Alc. 613. ἐξιοῦσαν ὑστάτην ὁδόν. Her. 37.

97. πιστὸν ἐξ ὑμῶν περὸν] Cf. 1540. ἐπείγει γὰρ με τοῦκ
θεοῦ παρὸν (περὸν?). Aesch. Sept. 603. φεῦ τοῦ ξυναλλάσσοτος
ὄρνιθος βροτοῖς | δίκαιον ἄνδρα τοῖσι δυσσεβεστέροις. 838. Ag.
112. 157. Aesch. Fr. 95. ὄρνιθα δ' οὐ ποιωῖ σε τῆς ἐμῆς ὁδοῦ.
Trag. adesp. 275. εὐορνις τύχη. περὸν] Omen. Cf. Eur. Ion.
377. δι' οἰωνῶν περοῖς. Hipp. 760. Arist. Pl. 63. δέχου τὸν ἄνδρα
καὶ τὸν ὄρνιν τοῦ θεοῦ. Callim. Lav. Pall. 125. γνωσεῖται δ' ὄρνι-
θας δς αἰσιος οἳ τε πέτονται | ἥλιθα καὶ ποίων οὐκ ἀγαθαὶ πτέρυγες.

99 sq. Cf. 471. Aesch. Eum. 107. Plat. Phil. 61 B. μέλιτος
μὲν ἂν ἀπεικάζοι τις τὴν τῆς ἡδονῆς (κρήνην), τὴν δὲ τῆς φρονή-
σεως νηφαντικὴν καὶ αἶον ἀσπηροῦ καὶ ὑγεινοῦ τινος ὕδατος.

99. πρῶταισιν ὑμῖν —] Cf. 466. τῶνδε δαιμόνων, ἐφ' ἃς | τὸ
πρῶτον ἴκου (πρῶτας ἀφίκου?). ἀντέκωρσ'] Encountered, met,
have come in contact with. Gl. A. ἐνέτυχον. Cf. 1680. Ph. 545.

100. αἰοίνους] Cf. Aesch. Eum. 106. ἦ πολλὰ μὲν δὴ τῶν ἐμῶν
ἐλείξατε | χόας τ' αἰοίνους, νηφάλια μειλίγματα, --. καπὶ σεμνὸν
ἐξόμεν —] Cf. Ant. 1000. εἰς παλαιὸν θᾶκον — ἕζων. Aesch.
Eum. 29. ἐς θρόνους καθίζανω. Prom. 236. τὸν πατρῶον εἰς θρό-
νον | καθέζει'. Eur. Ion. 1623. εἰς θρόνους δ' ἕζον παλαιούς. Arist.
Ran. 1522. μηδέποτ' εἰς τὸν θᾶκον τὸν ἐμὸν | μηδ' ἄκων ἐγκαθε-
δεῖται. Herod. I. 199. ἕζομένην ἐς ἱρὸν Ἀφροδίτης. III. 140. ἕζετο
ἐς τὰ πρόθυρα. IV. 148. ἕζοντο ἐς τὸ Τηϋῆγον. Aeschin. 9, 14.
καθίζει ἐπὶ τὸν βωμὸν τῆς μητρὸς τῶν θεῶν. Lys. 132, 4. καθί-
ζουσι ἐπὶ τὸν βωμὸν Μουνυχιασιν. Plat. Phaed. 60 B. ἀνακαθίζο-
μενος ἐπὶ τὴν κλῆνην. Diog. L. I. 51. καθίσας εἰς τὸν θρόνον.

101. ἀσκέπαρον] Gl. A. ἄξεστον.

102. βίου — πέρασιν] Cf. O. R. 1530. πρὶν ἂν τέρμα τοῦ βίου περάσῃ. κατ' ὁμφάς —] Cf. 550. κατ' ὁμφὴν σὴν ἀπειστάλῃ. 1351. Aesch. Suppl. 789. ἦϊζε δ' ὁμφάν. Eur. Med. 175. πῶς ἂν — δέξαιτ' ὁμφάν —; Ion. 908. ὅς ὁμφάν κληροῖς πρὸς χρυσέους θάκους. Nusquam alibi legitur in Tragoedia.

104. μειόνως] Confer μειζόνως Eur. Hec. 1121. Rhcs. 849. et fortasse μασσόνως (Elmsl.) Aesch. Prom. 630.

105. μόχθοις λατρεύων] Cf. Aesch. Prom. 970. τῆδε λατρεύειν πέτρον.

106. ἔρ' — οἰκτιείρατ'] Cf. 248. ἀλλ' ἴτε, νεύσατε. ὦ γλυκεῖαι] Blanda allocutionis forma. Cf. Trach. 1039. ὦ γλυκὺς Ἄιδας. Sic apud Aristophanem γλύκων.

107. Construe ὦ Ἀθῆναι καλούμεναι μεγίστης Παλλάδος etc. Cf. Fr. 107. καταρκεῖ τοῦδε κεκλησθαι πατρός. El. 365. πατρός — κεκλησθαι. Tr. 736. 1158. Fr. 107. 148. Eur. Ion. 323. Λοξίου κεκλημέθα. Rhcs. 298. τίνος κεκλημένος;

109. ἀνδρὸς — εἰδωλον] Cf. Eur. Phoen. 1559., ubi Oedipus se ipsum appellat αἰθέρος ἀφανὲς εἰδωλον ἢ νέκυν ἐνεργθεν ἢ πιαρὸν ὄνειρον. Hor. Od. IV. 1. 3. 'Non sum qualis eram.' Οἰδίπῳ] To wit Oedipus. Similiter Aj. 817. δῶρον μὲν ἀνδρὸς Ἐκτορος, ξένων ἔμοι | μάλιστα μισηθέντος.

110. ἀρχαῖον δέμας] Cf. Aesch. Cho. 281. λειχήνας ἐξέσθοντας ἀρχαίαν φύσιν.

111. Cf. Ant. 155. ἀλλ' ὄδε γὰρ δὴ — χωρεῖ. Eur. Hipp. 1342. καὶ μὴν ὁ τάλας ὄδε δὴ στείχει etc. Or. 340. καὶ μὴν βασιλεὺς ὄδε δὴ στείχει etc.

112. χρόνον παλαιοῖ] Cf. O. R. 561. μακροὶ παλαιοὶ τε — χρόνοι. Arist. Ran. 347. χρονίους τ' ἐτῶν παλαιῶν ἐνιαυτούς. et ad Aj. 622. σῆς ἔδρας] Cf. 1163. ἦδ' ἔδρα. 1166.

113. σιγήσομαί τε καὶ —] Cf. 494. ἠκούσαμέν τε χῶτι δεῖ πρόστασσε δρᾶν. Ph. 48. ἀλλ' ἐρχεται τε καὶ φυλάζεται σίβος. Hec. 800. οἶμοι τάλαινα, ποῖ μ' ἐπεξάγεις πόδα (ποτέ?); πόδα] Cf. Eur. El. 1172. οἶδε — βαίνουσιν ἐξ οἴκων πόδα. Sed corrigendum proculdubio τόδε.

116. ἠδύβεια] Sic ἠδύσβεια Eur. Iph. T. 1202. ἠδύγενεια. Eur. El. 38. Orest. 774. 943.

117. ναίει] Cf. 137. Tr. 99.

119. Cf. O. R. 166. 1340. Eur. Fr. 773, 68. ἐκτόπιοι τε δόμων ἀπαιεῖτε.

120. ἀκορέστατος] Tanquam ab ἀκορήσ. Fortasse contracta forma pro ἀκορεσιτότατος, ut μέσσατος, νέατος, ὑπιατος, etc.

121. Cf. ad El. 709. Phil. 146. δέρκου θαρσῶν. 716.

126. ἀσιβεῖς ἄλσος] Cf. Aj. 657. χῶρον ἐνθ' ἂν ἀσιβῆ κίχῳ. Ph. 2. Aesch. Sept. 859. τὰν ἀσιβῆ Ἀπόλλωνι γὰν ἀνάλιον. ἄλσος ἐς τὰνδ' —] Cf. Eur. Hec. 512. χεῖρας εἰς ἐχθρῶν πεσεῖν. Phoen.

24. λειμῶν' ἐς Ἥρας. Herc. 1004. Or. 94. Rhes. 150. 203. 471. 502. 660. Aesch. Prom. 653.

127. ἀμαιμακεῖται] Cf. O. R. 177. ἀμαιμακέτον πυρός. Hom. Il. 6, 179. Χίμαιραν ἀμαιμακέτην.

128. ἄς τρέμομεν λέγειν] Cf. Eur. Iph. T. 915. δίκην παρασχεῖν ταῖς ἀνωτύμοις θεαῖς.

130. παραμειβόμεσθ'] Cf. Eur. Iph. A. 146. τροχάλοισιν ὄχους παραμειψαμένη. εὐφήμον στόμα φροντίδος] Cf. Aesch. Ag. 1214. εὐφημον, ὦ τάλαινα, κοίμησον στόμα. Cho. 572. ὑμῖν δ' ἐπαινῶ γλώσσαν εὐφημον φέρειν. Arist. Th. 39. εὐφημος πᾶς ἔστω λαὸς | στόμα συγκλείσας. Hor. Sat. I. 4. 137. 'Haec ego mecum | compressis agito labris.' Simile est illud Aesch. Ag. 1475. νῦν δ' (γ') ὄρθωσας στόματος γνώμην. ἀδέρκτως] Cf. 1200. ἀδέρκτων δμμάτων.

132. εὐφήμον — φροντίδος] Cf. El. 630. ὑπ' εὐφήμον βοῆς | θῦσαι. 1211. εὐφημα φώνει. Aesch. Ag. 1247. εὐφημον, ὦ τάλαινα, κοίμησον στόμα. Eur. Bacch. 70. στόμα τ' εὐφημον ἅπας δσιούσθω. Ion. 98. Arist. Av. 1719. τὸ τᾶς εὐφάμου στόμα φροντίδος ἰέντες] I. e. εὐφημον στόμα ἰέντες, εὐφημοῦντες τῷ στόματι, γλώσσαν εὐφημον φέροντες (Cho. 581.). στόμα] Loquelam. Anglice utterance, language. I. q. φωνήν. Cf. 981. σοῦ γ' εἰς τόδ' ἐξεληθόντος ἀνόσιον στόμα. O. R. 671. τὸ γὰρ σὸν — ἐποικτιεῖω στόμα | ἔλειόν. 426. Aj. 1225. Aesch. Cho. 563. φωνήν ἦσομεν Παρνασσίδα. Simonid. 72. πορφυρέου ἀπὸ στόματος ἰεῖσα φωνὰν παρθένος. Eodem sensu aliquando usurpatur γλώσσα. Aesch. Cho. 581. ὑμῖν δ' ἐπαινῶ γλώσσαν εὐφημον φέρειν. Eum. 988. γλώσσης ἀγαθῆς ὀδὸν εὐρίσκεις. ἰέντες] Cf. El. 596. ἢ πᾶσαν ἕως γλώσσαν. Ant. 1210. ἔπος | ἦσι δυσθρήνητον. Aj. 629. 851. Eur. Fr. 773, 62. ἔχειν χρὴ στόμ' ἐν ἦσυχίᾳ. Arist. Ach. 747. ἦσεῖτε φωνὰν —. Eq. 522. πάσας — φωνὰς ἰεῖς. Vesp. 562. πάσας φωνὰς ἰέντων. De syllaba brevi in fine versus in systemate cf. Phil. 184. 1103. Eur. El. 208. Suppl. 1017. Cycl. 67. et ad Phil. 1127. Ant. 102. Rhes. 23. (ubi colloquium fit). et Phil. 1129. O. C. 688. (ubi metri mutatio fit).

135. λεύσσω — γνῶναι] Cf. Phil. 716. λεύσσω δ' εἴ ποιν γνοίη, στατὸν εἰς ὕδαρ προσενώμα (leg. πόδ' ἐνώμα).

137. ποῦ μοί ποτε ναίει] Cf. 117. Tr. 98. καρύξαι τὸν Ἄλκμηνας πόθι μοι πόθι μοι ναίει ποτ'.

138. ἐκεῖνος ἐγώ] Cf. Aesch. Cho. 219. ὄδ' εἰμί. Arrian. Ind. 34, 12. οὗτος ἐγώ εἰμι Νέαρχος. Phil. 261. ὄδ' εἰμ' ἐγώ σοι κείνος. El. 665. ἦδε σοι κείνη πάρα. Ant. 384. ἦδ' ἔστ' ἐκείνη τοῦργον ἤξειργασμένη. 867. ἄδ' ἐγώ. Pers. 931. ὄδ' ἐγών (leg. ἐγώ). Arist. Nub. 1167. ὄδ' ἐκεῖνος ἀνήρ. Eur. Med. 97. τόδ' ἐκεῖνο, φίλοι παῖδες· μάτηρ | κινεῖ κραδίαν. Arist. Eq. 1331. ὄδ' ἐκεῖνος ὄρᾶν τετιγοφόρας. Hermipp. 50. τίς ἐσθ' ὁ πωλῶν τάνδραποδ'; B. ὄδ'

ἐγὼ πάρα. Cf. 74. 146. O. R. 1325. γινώσκω σαφῶς, | καίπερ σκοτεινὸς τὴν γε σὴν αὐδὴν δμως.

139. τὸ φατιζόμενον] I. q. τὸ λεγόμενον. Cf. Thuc. VIII. 87. πανωλεθρία δὴ, τὸ λεγόμενον, — ἀπώλετο. Ant. 829. ὡς φάτις ἀνδρῶν. Fr. 255. ὥσπερ ἡ παροιμία. Aesch. Ag. 255. ὥσπερ ἡ παροιμία. Dem. p. 796, 26. ὥστε, τὸ τῆς παροιμίας, ὀρῶντας μὴ ὀρᾶν κτλ. Verbum φατίζειν legitur Aj. 715. κοῦδὲν ἀναύδατον φατίσαιμ' ἄν. Eur. Iph. A. 135. φατισθεῖσα. 936. Herod. V. 58. ἐφάτισαν (ταῦτα τὰ γράμματα Φοινικήϊα). Apoll. Rhod. I. 1019. ἱερὴ δὲ φατίζεται ἥδ' ἔτι πέτρῃ. Ceterum synapheia hic violatur propter personae mutationem, ut in 143. 170. 173. 1757. Ant. 931. Eur. Med. 1396. Hec. 83. El. 1333. V. Elmsl. ad Med. 1364.

142. μή μ' — προσίδητ' ἄνομον] Anglice reddas, 'Do not look upon me as a wicked man.' Meinekus jure locutionem insolentem notat. Omnis difficultas tolletur, si pro προσίδητ' corrigatur νομίσητ'. Neque ob stare debet v. 1482. μηδ' ἄλαστον ἄνδρ' ἰδῶν κτλ.

143. Principes θεοὶ ἀλεξητήριοι erant Zeus, Apollo, et Hercules. In Oedipo Rege ut ἀλεξητήριοι invocantur Athene, Diana, et Apollo (159). Notanda autem hic est syllabae Ζεῦ correptione.

144. οὐ πάνν μοίρας —] By no means of the best lot for congratulation. Cf. El. 1093. μοίρα μὲν οὐκ ἐν ἐσθλᾷ βεβῶσαν. πάνν] Raro hoc adverbium legitur in Tragoedia, et semper in anapaestis, Aesch. Pers. 890. Ag. 1431. Cho. 848. Cf. ad Phil. 650. εὐδαιμονίσαι] I. e. ὥστε εὐδαιμονίσαι. Cf. O. R. 1204. τανῦν δ' ἀκούειν τίς ἀθλιώτερος;

146. δηλῶ δ'] Cf. 1145. δείκνυμι δ' ὦν γὰρ —. et ad Ant. 242. Dactylus in secundo pede dipodiae anapaesticae occurrit etiam infra 1773. Ant. 129. Tr. 1272. Ph. 1463. Eur. Andr. 1228. Iph. A. 161. Ion. 84. 105. 866. El. 1319. θάρσει Παλλάδος δόσιαν ἤξεις | πόλιν. 1352. V. Elmsl. ad Med. 1050. ἄλλοτρίους ὄμμασιν] Cf. Anth. IX. 12. 2. ὄμμασιν ἄλλοτρίοις ἀντερανιζόμενος. IX. 13. 6.

148. κἀπὶ σμικρᾶς — ὄρμον] Cf. 746. κἀπὶ προσόλον μᾶς — χωροῦντα. Eur. Or. 68. ἐπ' ἀσθενοῦς | ῥώμης (ῥοπῆς) ὀχρούμεθ'. Thuc. V. 103. ἀσθενεῖς τε καὶ ἐπὶ ῥοπῆς μᾶς ὄντες. VII. 59. ἐπ' ἀγκυρῶν ὀρμίζοντες. Dem. de Cor. 281. οὐκ ἐπὶ τῆς αὐτῆς ὀρμῆι τοῖς πολλοῖς. p. 1295. μηδ' ἐπὶ δυοῖν ἀγκύραιν ὀρμῆιν αὐτοὺς ἔατε. Herod. VII. 188. αἱ μὲν δὴ πρῶται τῶν νεῶν ὄρμεον — ἐπ' ἀγκυρῶν. Arrian. Ind. 27, 6. ἐπ' ἀγκυρῶν ὄρμεον. Alciph. III. 28. γραῦν ἐπὶ ἐνὶ γομφίῳ (ἐνὸς γομφίου?) σαλεύουσιν.

149. ἀλαῶν ὀμμάτων] Cf. 243. ἀλαοῖς — ὄμμασιν. Ant. 974. ἀλαῶν — ὀμμάτων κύκλοις. Eur. Phoen. 1528. ἀλαὸν ὄμμα φέρων. φντάλμιος] Cf. Fr. 720. προσῆλθε μητροὶ καὶ φνταλμίῳ πατρί. Aesch. Ag. 318. ἀνδρῶν — φνταλμίῳ. Eur. Rhos. 920. λέκτροις

ἐπλάθην Στρυνμόνος φνταλμίους. V. Blomf. Gl. Ag. 318. Schol. ἀπὸ φύτλης, ἀπὸ γενέσεως, καὶ ἐξ ἀρχῆς τυφλὸς πέφυκας. *δυσαίων*] Cf. Aesch. Sept. 928. Eur. Suppl. 960. Hel. 213. *Contrarium est εὐαίων.*

150. *μακραίων*] Cf. O. R. 518. *βίον — τοῦ μακραίωνος.* 1099. Aj. 194. Ant. 987. *δοῦ' ἐπεικάσαι*] Cf. 16. Tr. 141. *ὡς ἀπεικάσαι.* 1220. *Ὑτ ὡς εἰπεῖν.* Cf. Herod. I. 34. *ὡς εἰκάσαι.* II. 25. *ὡς δὲ ἐν πλέονι λόγῳ δηλώσαι, ὧδε ἔχει.* IX. 32. *ὡς δὲ ἐπεικάσαι* (al. ἀπεικάσαι), *ἔς πέντε μυριάδας συλλεγῆναι εἰκάσω.* Eur. Or. 1298. *Ἐλένης τὸ κόκκυμ' ἐστίν, ὡς ἐπεικάσαι.* Aesch. Cho. 976. *φίλοι δὲ καὶ νῦν, ὡς ἐπεικάσαι πάθη (πάθει?).* Eur. Alc. 801. *ὡς γ' ἐμοὶ χρῆσθαι κριτῆ.* Thuc. VI. 25. *δοσα ἤδη δοκεῖν αὐτῶ.*

151. *Ἐν γ' ἐμοί*] *Quantum per me licet.* Jebb vertit, if I can help it. Cf. 1214. O. R. 677. Eur. Her. 769. Gl. A. *ἀλλ' οὐκ ἂν ἐγὼ, φησὶν, αἰτιατέος (αἰτίας ἐκτός?) εἶην, ὡς μὴ προμηνύσασοι μὴ εἰσελεθεῖν εἰς τόδε τὸ ἱερόν.*

153. *ἀλλ' οὐ μὰν ἔν γ' ἐμοί*] Cf. El. 817. *ἀλλ' οὐ τι μὴν ἔγωγε —.* O. C. 28. *ἀλλ' ἔστι μὴν οἰκητός.* O. R. 810. *οὐ μὴν ἴσην γ' ἔτισεν.*

154. *προσθήσει τάσδ' ἀράς*] Cf. O. R. 820. *καὶ τάδ' οὐτις ἄλλος ἦν | ἢ γὰρ 'π' (γῶγ?) ἐμαντιῶ τάσδ' ἀράς ὁ προστιθεῖς.* Aesch. Pers. 531. *μὴ καὶ τι πρὸς κακοῖσι προσθήται κακόν.* Ag. 395. *πόλει πρόστριμμ' ἄφερτον ἐνθείς.* Eur. Her. 147. *ἴδια προσθέσθαι κακά.* Tro. 1043. *τὴν νόσον προσθεῖς ἐμοί.* Hipp. 951. *θεοῖσι προσθεῖς ἀνομίαν.*

155. *περῶς γὰρ —*] Sc. *τοὺς ὄρους.* Cf. 885. *μόλετ', ἐπεὶ πέραν (πέρα?) περῶσ' οἶδε δῆ.* Schol. *βαδίζεις γὰρ εἰς ὃ οὐ προσήκει χωρίον ἐπιβαίνειν. ἀφθέγκτω —*] Cf. Aesch. Eum. 236. *ἀφθέγκτου μηνιτήρος.*

157. *προπέσης*] *Progrediariis.* Cf. 1219. *ὅταν τις ἐς πλεονπέση τοῦ θέλοντος (δέοντος aut μεσοῦντος?).*

158. Schol. *κάθυδρος οὐ: ὕπου ὕδατος πλήρης.*

159. Schol. *μειλιχίων ποτῶν, γλυκῶν ποτῶν, ὃ ἐστὶ μέλιτος, οἷς μελίσσοισι τὰς θεάς. συγκιρνᾶται γὰρ ταύταις ταῖς θεαῖς ὕδατος καὶ μέλιτος κρατήρ.*

160. *συντρέχει*] I. e. *commiscetur cum.* Cf. Tr. 880. *εἰπέ, τῶ μόρω — ξυντρέχει.* Virg. G. III. 330. *'currentem undam.'*

161. *τῶ*] *Ideo.* *Frequens apud Homerum,* Il. 2, 250. 3, 258. 14, 126. 19, 300. Od. 3, 28. 17, 569. 22, 30. *Sed legendum videtur τὸ, ut in Il. 3, 176. τὸ καὶ κλαίουσα τέτηκα.* Cf. ad Ph. 142. Tr. 137.

164. *πολλὰ κέλευθος ἐρατίει*] Schol. *οἷον πολλή ἐστὶν ὁδὸς ἢ διαχωρίζουσά σε ἡμῶν. δεῖ γὰρ νοεῖν ὡς ἔτι πόρρωθεν προσφωνοῦσιν αὐτὸν μὴ δυνάμενον ἐπιβῆναι τῶ τόπῳ (τοῦ τόπου?), καὶ ταῦτα εἰπόντων κατὰ μικρὸν ὁ Οἰδίπους προσέρχεται καὶ ἴσταται*

ἐν τῷ οὐδῶ τοῦ χωρίου. Cf. Eur. Ph. 1266. ἐρήτυσον τένα | δεινῆς ἀμίλλης. Hom. Il. 10, 161. ὀλίγος δ' ἔτι χῶρος ἐρύκει (separat). Eur. Hel. 1268. πόσον δ' ἀπειργεὶ μῆκος ἐκ γαλας δόρου; Qu. — ἐρατύη.

165. ὦ πολύμοχθ' ἀλῆτα] Cf. Aj. 888. τὸν μακρῶν ἀλάταν πόνων.

166. λόγον εἴ τι ν' οἴσεις] Cf. Tr. 123. αἰδοῖα μὲν, ἀντία δ' οἶσω. λόγον] Respondet λόγος in v. str. 134.

167. πρὸς ἐμὰν λέσχην] To a conversation with me. Cf. ad Ant. 160. λέσχην] Confabulationem. Cf. Eur. Fr. 473. λέσχη ἀτρίβωνα. ἀβάτων] Cf. 675. τὰν ἄβατον θεοῦ φυλλάδα. Isocr. p. 217. ἄβατον τοῖς πονηροῖς ὥσπερ ἱερὰν ποιήσαντες. Arrian. Ind. 37, 4. Ποσειδῶνος ἱρὴ ἐλέγετο εἶναι καὶ ἄβατος.

169. ἀπερύνου] Anglice keep off. Cf. Aj. 186. ἀπερύκοι Ζεὺς κακὰν φάτιν.

170. ποῖ τις φροντίδος ἔλθῃ;] Cf. 310. Tr. 705. ὥστ' οὐκ ἔχω τάλαίνα ποῖ γνώμης πέσω. 375. El. 922. οὐκ οἶσθ' — ὅποι γνώμης φέρει. 1174. ποῖ λόγων ἀμηχανῶν (ἀμηχανῶ?) | ἔλθω; Aj. 404. ποῖ τις οὖν φύγη; Ant. 42. Aesch. Ag. 1530. ἀμηχανῶ φροντίδων — ὅποι τράπωμαι. Eur. Ion. 244. μερίμνης εἰς τόδ' ἦλθες. 248. 404. 583. Arist. Th. 603. ποῖ τις τρέπεται;

171. ἀστοῖς ἴσα χρῆ μελετᾶν] Cf. Soph. Fr. 851. νόμοις ἔπεισθαι τοῖσιν ἐγχώροις καλόν. Adesp. 435. ἀλλ' ἔπου χώρας τρόποις. Incert. apud schol. χρῆ δὲ ξένον μὲν κάρτα (τιν' ὄντα?) προσχωρεῖν πόλει.

172. εἰκονίας δ' δεῖ] Cf. 1178. τάδ' εἰκαθεῖν. Aj. 1243. εἴκειν δ — ἤρεσκεν κραταῖς. Ph. 464.

173. πρόσθιγε] Cf. Ph. 817. ἀπό μ' ὀλεῖς, ἦν προσθήγης. 9. Confer v. προσφαύειν. φαύω καὶ δῆ] Cf. Arist. Pac. 942. ὁ γὰρ βωμὸς θύρασι καὶ δῆ.

174. ὦ ξεῖνοι — σοὶ] Cf. 207. 237. 250. O. R. 1111. El. 1399. Ant. 806. μὴ δῆτ' ἀδικηθῶ] Cf. Tr. 802. μηδ' αὐτοῦ θάνα. Eur. Herc. 1399. Tro. 172. Infra 1207. μόνον — μηδεὶς κρατεῖτω τῆς ἐμῆς ψυχῆς ποτε.

175. πιστεύσας] I. q. πιθόμενος. Cf. O. R. 625. πιστεύσας σοὶ μεταναστάς] Having in compliance with your wishes shifted my position. Sic Arist. Ran. 1097. ὑποπερδόμενος | φρυσῶν τὴν λαμπρὰν ἐφρευγε.

176. ἐκ τῶνδ' ἐδράνων] Cf. 233. οὐ δὲ τῶνδ' ἐδράνων — ἐκθορε. Aj. 194. ἀλλ' ἄνα ἐξ ἐδράνων. Aesch. Suppl. 832. λεῖψ' ἐδρανα. 96. ἐδράνων ἐφ' ἀγνῶν. Pers. 4. τῶν ἀφνεῶν — ἐδράνων. Eur. Tro. 539. εἰς ἐδρανα λάϊνα.

179. ἔτι βαίνε πρόσω] Cf. Tr. 195. οὐδ' ἔχει βῆναι πρόσω. Eur. Phoen. 605. ἐγγύς, οὐ πρόσω βεβηκώς.

180. προβίβαζε] Anglice advance him forward.

182. ἔπε' ᾧδ'] Cf. 1542. ᾧ παῖδες, ᾧδ' ἔπεσθε. ἀμαυρῶ κώλω] Cf. 1639. ψάσας ἀμαυραῖς χερσίν. 1018. ἀμαυρῶ φωτί. Eur. Herc. 125. ~~ποδός ἀμαυρῶν ἴγνος.~~

183. ἃ σ' ἄγω] Cf. 1547. τῆδε γάρ μ' ἄγει | Ἐρμῆς. Arist. Vesp. 990. Plat. Phil. 38. τῆδε δὴ ἄγω.

184. τόλμα] Venture. Cf. El. 1051. οὔτε γὰρ σὺ τὰμ' ἔπη | τολμῆς ἐπαινεῖν etc. Phil. 82. 481. Aj. 528. Tr. 1070. Aesch. Prom. 1003. τόλμησόν ποτε — εὖ φρονεῖν. ξεῖνος ἐπὶ ξένης] Sub. γῆς aut χθονός (1713. 1256.). Cf. 563. 1705. Ph. 135. ἐν ξένα ξένον. O. C. 1256. ξένης ἐπὶ χθονός. Theocr. Epigr. XI. 3. εὖ μιν ἔθα-
ραν ἐταῖροι ἐπὶ ξείνης ξένον ὄντα. Eur. Andr. 136. γυνῶδι δ' οὔσ' ἐπὶ ξένας δμῶϊς, ἐπ' ἀλλοτριᾶς πόλεως.

185 sq. Cf. incert. apud Athen. VII. 317 A. πουλύποδός μοι, τέκνον, ἔχων νόον, Ἀμφίλοχ' ἤρωας, | τοῖσιν ἐφαρμάζου τῶν κεν κατὰ δῆμον ἔκηαι.

186. τέτροφεν] Anglice cherishes, holds. Cf. ad Ant. 1089. Etiam verbi τρέπω perfectum est τέτροφα.

187. ἀποστυγεῖν] Cf. 692. Herod. VI. 129.

188. Hiatus post παῖ ut in Arist. Nub. 1165. ᾧ τέκνον, ᾧ παῖ, ἔξελθ' οἴκων (ex trag.).

189. ἦν' ἄν — οἴτομεν] Illuc ubi. I. e. εἰς ὄσιον χωρίον. Cf. 405. μηδ' ἦν' ἄν σαντοῦ κρατοῖς (κρατῆς vulg.). Arist. Eq. 80. ἀλλὰ σκόπει | ὄπως ἄν ἀποθάνομεν (ἀποθάνωμεν vulg.) ἀνδρικό-
τατα. εὐσεβίας] Cf. Eur. Fr. 187, 2. ἀμελία. Aesch. Eum. 489. δυσσεβίας. εὐσεβίας ἐπιβαίνοντες] Cf. Phil. 1463. Hom. Il. 2, 234. κακῶν ἐπιβασκέμεν νῆας Ἀχαιῶν. Il. 8, 285. εὐκλείης ἐπίβησαν. Od. 22, 424. ἀναιδείης ἐπέβησαν. 23, 13. σοφοροσύνης ἐπέβησαν. 23, 52. ὄφρα σφῶν ἐνφροσύνης ἐπιβῆτον | ἀμφοτέρω φίλον ἦτορ. Hesiod. Op. 657. λυγρῆς ἐπέβησαν ἀοιδῆς. Plat. Epin. 981 A. ἐπι-
βῆναι σοφίας. Com. adesp. IV. 610. φοιτητῆς μανίας ἐπιδείπνων (ἐπιβαίνων?).

191. μὴ χρεῖα πολεμῶμεν] Cf. Ant. 1106. ἀνάγκη δ' οὐχὶ δυο-
μαχητέον.

193. βήματος] Sedis. I. q. βάθρου. Cf. Virg. Aen. I. 167. 'vinoque sedilia saxo.'

195. λέχριος] Cf. Ant. 345. Eur. Med. 1168. λέχρια πάλιν | χωρεῖ τρέμουσα κῶλα. Hec. 1026. ἐς ἄντιλον πεσὼν λέχριος.

196. λᾶος] Cf. Hom. Il. 12, 462. λᾶος ὑπὸ ζιπῆς. Od. 8, 192.

197. ἐμὸν τόδ' —] Cf. 47. El. 1470. οὐκ ἐμὸν τόδ' ἀλλὰ σὸν | τὸ ταυθ' ὄρᾶν etc. ἀσχαῖα βάσει] Cf. Aesch. Cho. 452. τέτραινε μῦθον ἡσύχῳ φρενῶν βάσει.

198. βάσει βάσιν ἄρμουςαι] Cf. ad Ph. 1403. ἀντέρειδε νῦν βάσιν σῆν. 691. οὐκ ἔχων βάσιν. Eur. Rhés. 210. βάσιν χερσὶ προσ-
θίαν καθαρμόσας. Phoen. 310. γήρα τρομερὰν ἔλκω ποδός βάσιν. Aesch. Pr. 317. μεθάρμουςαι τρόπους νέους.

200. γεραιὸν — σῶμα] Cf. Eur. Suppl. 1710. πόδι γεραιὸν ἔγνος τίθημι; Hipp. 170. γεραιᾶ (anap.).

201. χέρα — φιλίαν] Cf. Eur. Hel. 629. χέρα φίλιον (φιλίαν?). Andr. 1181. ὦ φίλιον στόμα καὶ γένυ καὶ χέρεις. Med. 1399. Rhcs. 902. Tro. 782. Aesch. Cho. 810.

202. ὦμοι δύσφρονος ἄτας] Cf. 982. ὦμοι μοι κακῶν. 1399. El. 1179. Aj. 367. οἴμοι γέλωτος. 980. Qu. ὦμοι δυσφύρον ἄτας.

203. ὅτε νῦν χαλᾶς] Since now thou yieldest. Schol. ὅτε νῦν εἵκεις καὶ οὐκ ἀντιτείνεις τὸ ἐξελθεῖν. λέγει δὲ ἐκ τοῦ ἱεροῦ.

χαλᾶς] Givest way, yieldest. I. q. εἵκεις. Aesch. Prom. 1059. τί χαλᾶ μωιῶν; 256. οὐδαμῆ χαλᾶ κακῶν. Eum. 213. εἰ τοῖσιν οὖν κτείνουσι ἀλλήλους χαλᾶς, etc. Soph. Fr. 340. Κύρις οὐδὲ νοῦθετουμένη χαλᾶ. Eur. Hec. 403. χάλα τοκεῦσιν εἰκότως θυμουμένους. Ion. 637. εἵκειν ὁδοῦ χαλῶντα τοῖς κακίουσιν. Eur. Fr. 362, 18. τοὺς μὴ χαλῶντας ἐν λόγοις.

204 sq. Cf. Eur. Cycl. 270. θέλω δ' ἐρέσθαι· πόθεν ἐπλεύσατ', ὦ ξένοι; | ποδαποί; τίς ὑμᾶς ἐξεπαίδευσεν πόλις;

205. ὁ πολύτονος] Ut ὁ τλήμων, ὁ δύστηνος, etc.

210. μὴ μὴ μὴ μ' ἀνέρη] Cf. Arist. Eq. 18. μὴ μοί γε, μὴ μοι, μὴ διασκανδικίσης. Pac. 385.

213. γεγῶναι] Cf. Ph. 238. γέγωνέ μοι πᾶν τοῦτο.

216. ὦμοι ἐγὼ, τί πάθω —;] Cf. Tr. 971. ὦμοι ἐγὼ σῶ μέλεος. τί πάθω; Hom. Od. 5, 465. ὦμοι ἐγὼ, τί πάθω; Il. 11, 404. ὦμοι ἐγὼ, τί πάθω; Theocr. III. 24. Herod. IV. 118. Aesch. Prom. 880. (ubi v. Blomf. Gl.).

217. ἐπ' ἔσχατα βαίνεις] Ad ultimam necessitatem adactus es. Cf. Ant. 853. προβάσ' ἐπ' ἔσχατον θράσους. Eur. Or. 447. ἦκεις ξυμφορᾶς εἰς τοῦσχατον. Her. 304. κακῶν εἰς τοῦσχατον πεσόντες ἠῦρομεν φίλους. Dem. de F. L. 18. ἐς τοῦσχατον ἐλθεῖν τὰ πράγματα. Herod. VIII. 52. ἐς τὸ ἔσχατον κακοῦ ἀπικέσθαι.

218. κατακρυφάν] Schol. ἀποφυγῆν τοῦ μὴ εἰπεῖν.

219. ἀπόγονον] Cf. 534. Herod. VI. 86. Γλαύκου νῦν οὔτε τι ἀπόγονόν ἐστι οὐδὲν, etc.

220. Λαῖον — τιν'] Cf. O. R. 1167. τῶν Λαῖον τοίνυν τις ἦν γεννημάτων.

223. δέος ἴσχετε μηδὲν ὄσ' αὐδῶ] I. e. δειμαίνετε μηδὲν —. Cf. O. R. 345. καὶ μὴν παρήσω γ' οὐδὲν — ἄπερ ξυνήμ'. Tr. 350. ἂ μὲν γὰρ ἐξείρηκας ἀγνοία μ' ἔχει.

226. πόρσω βαίνετε] Cf. 179. ἔτι βαῖνε πόρσω.

227. Cf. Arist. Ach. 895. ἐμοὶ δὲ τιμὰ τᾶσδε πᾶ γενήσεται; ὑπέσχεο] Confer ὑπεράχθεο. El. 178. ποῖ καταθήσεις;] Cf. Arist. Eccl. 794. ὅποι — καταθείην. Aristid. Plat. 3. χελιδόνος τιμὴν καταθείς.

228. μοιριδία] Cf. Ant. 951. Pind. P. I. 55. μοιριδίων ἦν. IV. 255. μοιριδίων ἄμαρ. Ol. IX. 28. σὺν τινι μοιριδίᾳ παλάμα

ἐξαίρετον Χαρίτων νέμομαι κἄπον. Isth. V. 43. οὐδενὶ — ἔρχεται] Cf. 1420. τί σοι — κέρδος ἔρχεται. μοιριδία τίσις] Cf. Ant. 951. ἄ μοιριδία τις ^{ω(στὴν?)} δυνάσις δεινά.

229. ἀν προπάθῃ] Cf. Thuc. III. 82. 6. ἀντιτιμωρήσασθαι τε τινα περὶ πλείονος ἢν ἢ αὐτὸν μὴ προπαθεῖν. τίειν] Rependere. Cf. 1203. παθόντα δ' οὐκ ἐπίστασθαι τίειν. Aesch. Cho. 651. τίειν μύσος χρόνῳ. ἀπάτα δ' —] Cf. Ph. 138. τέχνα τέχνας ἐτέρα προύχει. O. R. 380. Eur. Bacch. 903. ἐτέρα δ' ἐτέρος ἕτερον | δλβῶ καὶ δυνάμει παρήλθεν. Arctinus ap. schol. Il. 11, 515. ἕτερον δ' ἐτέρον κυδίων' ἔθηκε.

232. ἐδράνων] Cf. 177. Aj. 194. ἀλλ' ἄνα ἐξ ἐδράνων, δπου etc. Aesch. Pers. 4. Suppl. 852. λείψ' ἐδρανα. 102. Eur. Tro. 539.

ἔκτοπος — ἔκθορε] Cf. 119. ἐκτόπιος συνθείς.

234. ἀφορμος —] Cf. Eur. Hipp. 156. ἢ ναυβάτας τις ἐπλευσεν | Κρήτας ἔξορμος ἀνήρ.

235. χρέος] I. q. χρῆμα.

236. ἐμᾶ πόλει] Cf. 842. πόλις ἐναίρεται, πόλις ἐμὰ, σθένει. Eur. Phoen. 153. Tro. 806. Suppl. 576. Herc. 793. προσάψης] Cf. Eur. Herc. 831. Ἴηρα προσάψαι κοινὸν αἷμ' αὐτῶ θέλει | παῖδας κατακτείναντι. Pind. N. VIII. 62. θανάων ὡς παιοὶ κλέος μὴ τὸ δύσφαμον προσάψω.

237—257. Schol. τὸ τῆς Ἀντιγόνης πρόσωπον δλον καὶ τοῦ Χοροῦ τὸ τετρασίτιχον ἀδετοθνται. οὐδὲν δὲ ἐν τοῖς Διδύμοις τούτων ὀβελισθὲν εὔρομεν.

237. αἰδόφρονες] Cf. Eur. Alc. 675. αἰδόφρων | πρὸς σ' ἦν μάλιστα.

240. ἔργων ἀκόντων] Cf. O. R. 1230. κακὰ | ἐκόντα κοῦκ ἄκοντα. Infra 977. πῶς ἀν τό γ' ἄκον προᾶγμ' ἀν εἰκότως ψέγοις; Ph. 1318. Prometheus contra dicit Aesch. Prom. 274. ἐκὼν ἐκὼν ἡμαρτον.

243. ἄντομαι] Cf. 250. Eur. Alc. 1108. Med. 704. Apoll. Rhod. II. 1124. ἀντόμεθα πρὸς Ζηνὸς ἐποψίον. Empedocl. 14. καὶ σὲ, — παρθένε Μοῦσα, | ἄντομαι, — πέμπε etc.

244. προσορωμένα] Vox media ut ἔσορώμενοι El. 1059.

245. ἀφ' αἵματος ὑμετέρου] Cf. Eur. Orest. 194. τέκνα τε τάδε σέθεν ἀφ' αἵματος. 345. τῶν Τανταλιδῶν ἐξ αἵματος ὦν. Alc. 525. Περσέως ἀφ' αἵματος. Bacch. 986. οὐ γὰρ ἐξ αἵματος γυναικῶν ἔφν. Aesch. Sept. 141. σέθεν γὰρ ἐξ αἵματος γεγόναμεν. Soph. Aj. 1305. τοὺς πρὸς αἵματος.

247. αἰδοῦς] Compassion. Cf. 1333. Aj. 345. τάχ' ἀν τιν' αἰδῶ κἀπ' ἐμοὶ βλέψας λάβοι. 506. Eur. Her. 461. πολλῆς γὰρ αἰδοῦς κἀτυχῆς τις ἀν τύχοι. Herc. 301. ὄῃον γὰρ αἰδοῦς ὑποβαλῶν φιλ' ἀν τύχοις. Hec. 283. 790. Iph. A. 1233. Antiph. p. 619. καὶ μὴ τυχοῦσα μήτ' αἰδοῦς μήτ' ἔλεον μήτ' αἰσχύνῃς μηδεμῶς παρ' ὑμῶν etc. p. 618. ἐν ὑμῖν — κείμεθα] Cf. 392. O. R. 314.

ἐν σοὶ γὰρ ἔσμεν. Aj. 519. ἐν σοὶ πᾶσ' ἔγωγε σώζομαι. Eur. Alc. 289. Helioid. I. 2. ἐν σοὶ τὰ ἐμὰ — σώζεσθαί τε καὶ μὴ.

248. νεύσατε] Adnuite, concede. Cf. Ph. 484. νεύσον πρὸς αὐτοῦ. Ζηρὸς. ἐκεσίον, τέκνον, πείσθητι. Eur. Alc. 978. Hom. Cer. 445. νεύσε δέ οἱ κούρη. Arist. Th. 1020. κατάνευσον, ἔασον ὡς γυναῖκά μ' ἔλθειν. Hom. Il. 8, 246.

249. ἀδόκητον χάριν] Cf. Eur. Ion. 1452. ἀδόκητος ἀδονά. Eur. Fr. 364, 31. ἀδόκητ' εὐτυχησάντων δόμων. Hel. 657. ἀδόκητον ἔχω σε πρὸς στέροισι.

250. πρὸς σ' ὅ τι σοι φίλον —] Cf. 1333. Aj. 492. καί σ' ἀντιάζω πρὸς τ' ἐφρεσίον Διός —. Tr. 436. Phil. 468. Eur. Suppl. 288. πρὸς σε γενειάδος, ὦ φίλος, — ἄντομαι, ἀμφιπίπνουσα τί σὸν γόνυ —. Eur. Phoen. 923. μὴ πρὸς σε γονάτων. Med. 704. ἄντομαί σε τῆσδε πρὸς γενειάδος. Alc. 1108. μὴ πρὸς σε τοῦ σπείραντος ἄντομαι Διός. Iph. A. 1234. Andr. 921. Hom. Il. 22, 338. λίσσομ' ὑπὲρ ψυχῆς καὶ γούνων ὧν τε τοκῆων —. σ'] De numeri mutatione cf. El. 1399.

251. λέχος] Uxor. Cf. Tr. 360. κρύφιον ὡς ἔχοι λέχος. 27. λέχος γὰρ Ἡρακλεῖ κριτὸν | ξυστάσα —. 1227. Aj. 211.

252. Cf. El. 696. ὅταν δέ τις θεῶν | βλάπτῃ, δύναται' ἂν οὐδ' ἂν ἰσχύων φνυγεῖ. Arist. Pl. 104. οὐ γὰρ εὐρήσεις ἐμοῦ | ζητῶν ἔτ' ἄνδρα τοὺς τρόπους βελτίονα. Hom. Il. 14, 58. οὐδ' ἂν ἔτι γνοίης μάλα περ σκοπιάζων.

254. σέ τ' ἐξ ἴσου — καὶ τόνδε] Cf. ad 810.

260. θεοσεβειστάτας] Cf. Aesch. Eum. 831. χώρας μετασχεῖν τῆσδε θεοφιλεσιτάτης. Arist. Eq. 582. τῆς ἱερωιάτης — χώρας (Athen.). Pac. 976. τὴν ἱερὰν πόλιν. Eur. Pol. 307. πόλιν γε θεοφιλεσιτάτην | οἰκοῦσιν —.

261. Cf. Dem. p. 196. δόξαν ἔχοντας τοῦ σώζειν τοὺς ἀτυχήσαντας ἀεί. p. 247. Aesch. c. Ctes. p. 72, 38. Isoer. Paneg. p. 51 C. ad Phil. p. 410 D. Eur. Her. 329. ἀεί ποθ' ἦδε γαῖα τοῖς ἀμηχάνοις | σὺν τῷ δικαίῳ βούλεται προσωφελεῖν | τοιγὰρ πόνους δὴ μυρούς ὑπὲρ φίλων | ἤνεγκε, καὶ νῦν τόνδ' ἀγῶν' ὄρω πέλας. 177. Arist. Pl. 1027. Thuc. VI. 18. τὴν τε ἀρχὴν οὕτως ἐκτησάμεθα —.

262. ἀρκεῖν] Opem ferre. Cf. El. 322. ἀρκεῖν φίλοις.

263. ποῦ ταῦτ' ἐστίν] Cf. Eur. Phoen. 548. σὺ δ' οὐκ ἀνέξει δωμάτων ἔχων ἴσον | καὶ τῶδ' ἀπονεμεῖς; κἄτα ποῦ 'στὶν ἡ δίκη; 1702. ὁ δ' Οἰδίπους ποῦ καὶ τὰ κλεῖν' αἰνίγματα; Eur. Suppl. 127. τὸ δ' Ἄργος ὑμῖν ποῦ 'στὶν, ἢ κόμποι μάτην; Herc. 1418. οἴτινες] Ante hoc supplendum ἀφ' ὑμῶν. Cf. Phil. 1363. χρῆν γὰρ σε μήτ' αὐτόν ποτ' ἐς Τροίαν μολεῖν | ἡμᾶς τ' ἀπειργεῖν, οἳ γέ (i. e. ἀπὸ τούτων οἱ) σου καθύβρισαν. Aj. 457. καὶ νῦν τί χρῆ δρᾶν (sc. με); ὅστις etc. Paul. Epist. Philipp. IV. 3. συλλαμβάνου αὐταῖς, αἴτινες συνήθλησαν. Act. Apost. XVII. 11. οἴτινες ἐδέξαντο τὸν λόγον. Similis ad interrogationem conversio est Phil. 1365.

264. ἐξάραντες] Having removed. I. q. ἀναστήσαντες. εἶτα]

Post participium ut in 277. 914. Aj. 468. 761. 1092. 1094. Ant. 496. O. R. 1402. El. 52. Eur. Andr. 667. Suppl. 297. 1002. Aesch. Prom. 802. Arist. Vesp. 583. 1067. Pac. 203. 283. Av. 1111. Fr. 181.

265. οὐ γὰρ δὴ — γε] Cf. El. 1020. Arist. Nub. 402.

267. πεπονθότ'] I. e. ἄκοντα (cf. 240. ἔργων ἀκόντων. 977.). Cf. Arist. Th. 519. εἶτα δὴ θυμούμεθα | παθόντες οὐδὲν μείζον ἢ δεδρακότες (δεδράκαμεν?); Quod ex tragoedia sumptum videtur.

268. τὰ μητρός καὶ πατρός] I. e. — καὶ τὰ πατρός. Cf. El. 261. τὰ μητρός. 78. 588. 606. El. 991. καὶ τῷ λέγοντι καὶ κλύοντι σύμμαχος. 1498. et ad O. R. 541. Tr. 379.

269. καλῶς ἔξοιδα] Cf. El. 526.

271. παθῶν — ἀντέδρων] Cf. 953. ἀνθ' ὧν πεπονθῶς ἤξιον τὰδ' ἀνιδρᾶν. Ph. 672. Eur. Andr. 438. τοὺς παθόντας ἀνιδρᾶν. Suppl. 1179. γενναῖα γὰρ παθόντες ὑμᾶς ἀνιδρᾶν οφείλομεν.

272. ᾧδ'] Cf. Aj. 469. Eur. Andr. 1185.

273. ἰκόμην] Cf. 548. αἰδοῖς ἐς τόδ' ἦλθον. Eur. Herc. 1355. οὐδ' ἂν ᾧδμην ποτὲ | ἐς τοῦθ' ἰκέσθαι, δάκρυ' ἀπ' ὀμμάτων βαλεῖν.

ἰκόμην ἴν' ἰκόμην] Cf. 336. εἶσ' οὐπὲρ εἶσι. O. R. 1376. βλαστοῦσ' ὄπως ἔβλασταν. Aesch. Ag. 67. ἔστι δ' ὄπη νῦν | ἔστι. 1258. πράξα-σαν οἱ' ἐπράξαν. Eur. Or. 79. ἔπλευσ' ὄπως ἔπλευσα. Med. 1007. ἠγγεῖλας οἱ' ἠγγεῖλας. 885. ἀλλ' ἐσμέν οἶον ἐσμέν, οὐκ ἐρῶ κακόν, | γυναικίς. Iph. A. 649. γέγηθ' ὄπως γέγηθά σ' εἰσιδῶν, τέκνον. Iph. T. 575. ὄλωλεν ὡς ὄλωλε τοῖσιν εἰδόσιν. El. 289. ἔκυρσεν ὡς ἔκυρ-σεν. 1122. δέδοικα — ὡς δέδοικα. Herod. I. 206. σπεύδων τὰ σπεύ-δεις. Soph. Fr. 561. ἔγημεν ὡς ἔγημεν ἀφθόγγους γάμονος.

274. Cf. Phil. 471. ἔρημον ἐν κακοῖσι τοῖσδ' οἷος ὄρᾳς. El. 1127.

275. ἰκνοῦμαι] Obsecro. Unde ἰκέτης, ἰκετεύω, etc. Cf. 1011. Ph. 470. 932. El. 136. Aj. 587. ναί σε πρὸς — θεῶν ἰκνοῦμαι. Aesch. Pers. 217. Hom. Il. 18, 457. τοῦνεκα νῦν τὰ σά γούναθ' ἰκάνομαι.

276. ὥσπερ με κάνεσθήσασθ', ὦδε σώσατε] Cf. O. R. 276. ὥσπερ μ' ἀραῖον ἔλαβες, ὦδ', ἀναξ, ἐρῶ. ἀνεσθήσασθ'] Cf. 1286. Aj. 788. τί μ' — ἐξ ἔδρας ἀνίστατε; O. R. 142. Herod. V. 75. τοῦτους ἀνιστάσαι μὲν οἱ προτάνις — ὑπεργύους πλὴν θανάτου. De particula καὶ cf. ad 53. 165.

277. Cf. Phil. 992. θεοὺς προτείνων τοὺς θεοὺς ψευδεῖς τίθησ; Aesch. Suppl. 916. θεοὺς ἀνειπὼν τοὺς θεοὺς οὐδὲν σέβει. τιμών-τες εἶτα —] Cf. Aj. 1094. El. 1008. τοὺς θεοὺς —] Cf. Phil. 489. τοῦμόν ἐν σμικρῷ μέρει ποιούμενοι. Herod. II. 172. ἐν οὐδεμῇ μοίῳ μεγάλῃ ἦγον. Plat. Crit. § 12. ἐν μοίῳ — ἔχουσι. Aelian apud Suid. v. Ὄρα: τὰ θεῖα ἐν μηδεμῇ ὥρᾳ τιθεμένα.

278. γηδαμῶς] Cf. Arist. Ach. 444. Nub. 84. Vesp. 371.

282. κάλυπτε] Anglice sully. Cf. 929. αἰσχύνεις πόλιν | τὴν αὐτὸς αὐτοῦ. Pind. Ol. VII. 92. μὴ κρύπτε κοινὸν σπέρμ' ἀπὸ

Καλλιάνακος. Pind. Fr. 106. σκότει καλύψαι καθαρόν ἀμέρας σέλας. Aesch. Pers. 541. ἄστν τὸ Σούσων ἠδ' Ἀγβατάνων | πένθει δνο-
φερῶ κατέκρυψας. Aristid. II. p. 3. οὔτοι φύσει καὶ δυνάμει διεγε-
κόντες τοὺς πρὸ αὐτῶν ἀπέκρυψαν. τὰς εὐδαίμονας — Ἀθήνας] Cf. Arist. Eq. 159. Ἀθηῶν — τῶν εὐδαίμωνων.

283. ἔργοις — ἀνοσίοις ὑπηρετῶν] Cf. O. R. 217. τῇ νόσῳ θ' ὑπηρετεῖν. El. 1306. τῇ νόσῳ θ' ὑπηρετεῖν.

284. Cf. 276. O. R. 276. ὥσπερ μ' ἀραῖον ἔλαβες, ὧδ' — ἐρῶ. ἐχέγγυον] I. e. assured of your good-faith. Cui opponitur ἀνεχέγγυος Thuc. IV. 55. Confer φερέγγυος El. 942.

286. θυσπρόσοπιον] Cf. Plut. Mar. 15. θυσπρόσοποι τὰ εἶδη. εἰσορᾶν ἀτιμάσῃς] Cf. Eur. Herc. 609. οὐκ-ἀτιμάσω | θεοὺς προσ-
ειπεῖν πρῶτα τοὺς κατὰ στέγας. Aelian. V. H. III. 18. διὰ ταῦτα ἀτιμάσαι προελθεῖν περαιτέρω.

290. Cf. Herod. IV. 169. ἐν δὲ τῷ μεταξὺν τούτου χώρῳ etc. et ad Arist. Av. 551. τὰ δὲ μεταξὺν τούτου] I. e. τὰ δὲ μεταξὺν τούτου τοῦ χρόνου καὶ τοῦ παρεῖναι τὸν ἡγεμόνα, ut explicat Matthiae ad Eur. Hec. 433. Τούτου ad posterius spectat. Nos dicere-
remus 'meanwhile, till then.' Revera μεταξὺν cum duobus genitivis construi debet, sed eorum aliquando unus tantum exprimitur altero facile subintellecto. Cf. Plut. Lucull. 17. ἡμίονου δὲ μεταξὺν τοῦ βασιλέως — παρεισπεσόντος.

293. 'στ'] Cf. ad El. 309. Tr. 295.

296. ὁ κραίνων — χώρας] Cf. 862. 926. Aj. 1050. δς κραίνει στρατοῦ.

297. πατρῶον ἄστν γῆς] Cf. 669. τὰ κράτιστα γᾶς ἔπανλα. Eur. Phoen. 1065. ἐπίπυργα κληῖθρα γᾶς.

298. στελῶν] Accessiturus. Cf. O. R. 860. Ph. 495. 737. 983.

299. ἐντροπῆν — ἔξειν] Sic ἐντρέπεσθαι τινος Aj. 90.

301. καὶ κάρθ'] Cf. ad 65.

302. ἔπος] Cf. ad Ant. 20. Eur. Hec. 217. ἐρχεται σπουδῇ ποδός | — νέον τι πρὸς σε σηματοῦσ' ἔπος.

304. αἰτων] Prima syllaba in αἰειν producitur etiam Aesch. Eum. 841. Eur. Hec. 174. Arist. Vesp. 516. Alibi corripitur, ut in O. C. 1767. Aesch. Ag. 55. Pers. 639. Eur. Hec. 178.

305. πολὺ] Cf. 517. τό τοι πολὺ — ἄκονσμ'. O. R. 786. ὑφείρπε γὰρ πολὺ. Callim. H. Apoll. 70. πάντη δέ τοι οὔνομα πολὺ.

306. βραδὺς ἐρπει] Cf. Phil. 1223. ἐρπεις ὧδε σὺν σπουδῇ ταχύς. Eur. Herc. 237. ἄρ' οὐκ ἀφορμὰς τοῖς λόγοισιν ἀγαθοὶ | θνητῶν ἔχουσι, κἂν βραδὺς τις ἢ λέγειν; τὸ σὺν ὄνομα διήκει πάντας] Cf. Aj. 998 sq. El. 642. Aesch. Ag. 475. πόλιν διήκει θοὰ βάξις. Sept. 900. Eur. Hel. 223. διὰ δὲ πόλεας ἐρχεται βάξις. Hec. 928.

307. κλύων σοῦ] Having heard of thee. Cf. 355. 436. Ph. 439. El. 317. Tr. 1123. Aj. 1236. Ant. 1182. κλύουσα παιδός.

Hom. Od. 11, 173. εἰπέ δέ μοι πατρός τε καὶ νείος, ὃν κατέλειπον.
494. Hom. Od. 11, 458. εἴ που ἔτι ζώντος ἀκούετε παιδὸς ἑμοῖο.
Od. 4, 114. πατρός ἀκούσας ἀφίξεται ταχύς] Cf. Ph. 123. ἔρπει
ὄδε σὺν σπουδῇ ταχύς. Nonn. Dion. 43, 29. καὶ βοαδὸς ἐρπύζων.

308. ἀλλ' εὐτυχῆς ἔκοιτο —] Cf. Tr. 229. ἀλλ' εὐ μὲν ἔγμεθ' —.
El. 1102. ἀλλ' εὐ θ' ἰκάνεις —. Theocr. 24, 9. δλβιοὶ εὐνάξοισθε
καὶ δλβιοὶ ἀῶ ἔκοισθε. Arist. Lys. 1037. ἀλλὰ μὴ ὄρασ' ἔκοισθ' —.

309. I. e. 'for who is there that does out study his own
interest?' Cf. Aj. 1366. ἢ πάνθ' ὁμοία· πᾶς ἀνὴρ αὐτῷ ποιεῖ.
Eur. Med. 85. ὡς πᾶς τις αὐτὸν τοῦ πέλας μᾶλλον φιλεῖ. Eur.
Fr. 452, 1. ἐκείνο γὰρ πέπονθ' ὅπερ πάντες βροτοί· | φιλῶν μάλιστα
ἔμαντὸν οὐκ αἰσχύνομαι. Monost. 407. οὐκ ἔστιν οὐδεὶς ὅστις οὐχ
αὐτῷ φίλος.

310. ποῖ φρονῶν ἔλθω —;] Cf. ad 170. ποῖ τις φροντίδος ἔλθῃ;

312. Αἰτναίας — πῶλου] Cf. Hesych. Αἰτναία πῶλος: ἡ Σι-
κελική, ἡ μεγάλη ἀπὸ μέρους.

313. κρατὶ] Cf. Tr. 767. ἰδρὸς ἀνῆει χρωτί. Eur. Hel. 640.
γέγηθα· κρατὶ δ' ὀρθίου ἐθείρας ἀνεπτέρωκα. ἡλιοστερῆς] Sic
ἀργυροστερῆς activum est Aesch. Cho. 1002. ὀμματοστερῆς Eum.
940. Sed adjectiva hujus formæ verbalia plerumque passiva sunt,
ut ὀμματοστερῆς O. C. 1260. βιοστέρης 747. πατροστερῆς Aesch.
Cho. 253. Cf. Hom. Il. 16, 224. χλαινάων τ' ἀνεμοσκεπέων.

314. κνῆ — Θεσσαλῆς] Cf. Fr. 843. τρύχει καλυφθεὶς Θεσ-
σαλικῆς (Θεσσαλίδος?) ἀπληγίδος. Eur. Alc. 331. νύμφη Θεσσαλῆς.

κνῆ] Cf. Fr. 262. γυνὴ τίς ἦδε; κυκλᾶς Ἀρκάδος κνῆς. Arist.
Av. 1203. Nub. 268. Vesp. 445. Ach. 390. Lys. 751. Hom. Il.
10, 335. κρατὶ δ' ἐπὶ κνιδέην (ἔπ' ἰκνιδέην?) κνέην (ἔσαστο).
πρόσωπα] Pluralis ut in El. 1277. Duplex autem accusativus
πρόσωπα et νιν ut in Aesch. Sept. 819. κακὸν με καρδίαν τι πε-
ριπίνει κρύος. Cf. Phil. 823. 1301.

315. Cf. Eur. Iph. T. 577. ἄρ' εἰσίν; ἄρ' οὐκ εἰσὶ; τίς φρά-
σειεν ἄν; Aesch. Sept. 202. Arist. Lys. 128. ποιήσεται ἢ οὐ ποιή-
σεται, ἢ τί μέλλεται;

316. πλανᾷ] Sc. ἐμέ.

317. κοῦκ ἔχω τί φῶ] Cf. Aesch. Cho. 91. τῶνδ' οὐ πάρεσσι
θάρος, οὐδ' ἔχω τί φῶ. Eur. Iph. A. 643. οὐκ οἶδ' ὅπως φῶ
τοῦτο καὶ μὴ φῶ, τέκνον. Herc. 514. λεύσσω τὰμὰ φίλτατ', ἢ τί
φῶ; Hel. 572. Aristid. 148. ed. Jebb. ἢ γὰρ ὄναρ λέγεις ἢ γρίφον,
ἢ οὐκ ἔχω τί φῶ.

318. στέρξον] Acquiesce, pare. I. q. πιθοῦ.

319. παιδρὰ γοῦν ἀπ' ὀμμάτων σαίνει με —] Blando ocu-
lorum nutu se cognoscendam praebet vertit Dind. Cf. O. R.
81. εἰ γὰρ — βαίη λαμπρὸς ὥσπερ ὀμματι (ὡς ἀπ' ὀμμάτων?).
El. 1297. παιδρῶ προσώπῳ. 1310. Fr. 421, 2. ἀστραπὴν τιν' ὀμμα-
των ἔχει. 704. παιδρὰ χορεύει. Eur. Hipp. 866. καὶ μὴν τύποι

γε σφενδόνης χρυσηλάτου | — προσσάινουσί με. Or. 474. στίλβει
 νοσώδεις άστραπάς. Med. 1039. ὄμμα φαιδρὸν ὡς εἶδον τέκνων.
 Phoen. 1449. ὄμμάτων ἄπο | προσεῖπε θακρούς. Or. 883. τὸ δ'
 ὄμμ' αἰεῖ | φαιδρωπὸν ἐδίδον τοῖσιν Αἰγίσθου φίλοις. Eur. El. 1226.
 ἀλλ' οἶθε δόμων ἔπερ ἀκροτάτων | φαῖνουσί (σαίνουσι?) τινες δαί-
 μονες etc. Rhes. 55. Arist. Vesp. 1032. οὐ δεινόταται μὲν ἀπ' ὀφθαλ-
 μῶν Κύννης ἀκτίνες ἔλαμπον. Eq. 550. φαιδρὸς λάμποντι προσώπων.
 Hom. Od. 4, 150. κείνον γὰρ τοιοῖδε πόδες — ὀφθαλμῶν τε βολαὶ
 κεφαλῇ τ' κτλ. Il. 6, 295. ἀστὴρ δ' ὡς ἀπέλαμπε. Hom. H. in
 Sol. 10. λαμπραὶ δ' ἀκτίνες ἀπ' αὐτοῦ | αἰγλήεν στίλβουσι. Aesch.
 Ag. 520. φαιδροῖσι τοιοῖδ' (πάντες?) ὄμμασι | δέξασθε κόσμον (καὶ
 νῦν?) βασιλέα πολλῶ χρόνῳ. Prom. 356. ἐξ ὀμμάτων δ' ἤστραπτε
 γοργωπὸν σέλας. Hesiod. Scut. 60. πῦρ δ' ὡς ὀφθαλμῶν ἀπελάμ-
 πετο. Solon ap. Diog. L. I. 61. ὄρα μὴ — φαιδρῶ προσενέηη
 προσώπων etc. Apoll. Rhod. II. 43. ἔτι φαιδρὸς ἐν ὄμμασιν. III. 1017.
 τοῖος ἀπὸ ξανθοῦ καρῆατος Αἰσονίδαο | στράπτειν ἔξως ἠδείαν
 ἄπερ φλόγα. Epigr. ap. Diog. L. V. 5. 8. οὐ στίλβουσα φῶς ἀπ'
 ὀμμάτων (ἀσπίς). Xen. Anab. II. 6. 11. τὸ στῆγνὸν τότε φαιδρὸν
 αὐτοῦ ἐν τοῖς προσώποις ἔφασαν φαίνεσθαι. Philostr. Imag. 13.
 βλέμμα τε αὐτοῦ πρὸς σὲ φαιδροῦτη μεμυγμένον. Alciph. III. 67.
 ταῖς βολαῖς τῶν ὀφθαλμῶν ἀπαστράπτουσαν. Theocr. XXIV. 18.
 ἀπ' ὀφθαλμῶν δὲ κακὸν πῦρ | ἐρχομένοις λάμπεσκε.

320. σαίνει] Gladdens. Cf. 630. Ant. 1214. παιδὸς με σαίνει
 φθόγγος. 20. 242. 1228. Aesch. Cho. 192. σαίνομαι δ' ὑπ' ἐλλπίδος.
 Eur. Ion. 685. οὐ γὰρ με σαίνει θέσφατα, | μὴ τιν' ἔχη δόλον.

322. ἐμὴν δ'] Cf. ad O. C. 1275. ὦ σπέρματ' ἀνδρὸς τοῦδ',
 ἐμαὶ δ' ὀμαίμονες. et ad Tr. 406.

324. Cf. 863. ὦ φθέγμ' Ἀθάνας. Phil. 234. ὦ φίλιτον φώ-
 νημα. El. 1225. ὦ φθέγμ' (ὦδέλφ?), ἀφίκου;

326. λύπη] Prae dolore.

327—333. Similia sermonis interrupti exempla sunt infra
 652. 845. 1107. 1169. Aj. 591. 981. Tr. 876. Ph. 589. O. R. 626.
 1173. Hujusmodi loci ἀντιλαβαὶ dicuntur. Cf. ad El. 1220.

328. ὦ τρισάθλια τροφαί] Redde, 'O sad sad plight!' De plu-
 rali τροφαί cf. 330. ὦ δυσάθλια τροφαί. 1265. καὶ μαρτυρῶ κάκι-
 στος ἀνθρώπων τροφαῖς | ταῖς σαῖσιν ἤκειν. El. 1183. φεῦ τῆς
 ἀνύμφου δυσμόρου τε σῆς τροφῆς.

330. ὦ δισάθλια τροφαί] 'O most miserable existence!' Cf.
 1265. τροφαῖς ταῖς σαῖσιν. 338. βίον τροφάς. 446.

331. Cf. Eur. Iph. A. 1032. ὦ πότνια μοῖρα καὶ τύχη δαίμων
 τ' ἐμὸς. | ΚΑ. κἀμός γε καὶ τῆσδ', εἰς τριῶν δυσδαιμόνων.

332. τέκνον, τί δ' ἦλθες;] Cf. Eur. Or. 1065. Πυλάδην, σὺ δ'
 ἡμῖν —. Hec. 372. μήτερον, σὺ δ' ἡμῖν —. Her. 439. ὦ παῖδες,
 ὅμῖν δ'. Arist. Ach. 4. φέρε' ἴδω, τί δ' ἦσθην ἄξιον χαιρεθδόνος;

333. *πότερα non sequente ἤ, ut in El. 535. Ph. 1235. πόθοισι*] Cf. Aristot. in poemate de Ἀρετῇ, *σοῖς πόθοις Ἀχιλεὺς Ἰάσος τ' Αἴδασ δόμοις ἤλθον. αὐτάγγελος*] Sub. αὐτῶν. Cf. Ph. 568. *divisim Ph. 500. αὐτὸν ἀγγελον.*

334. *ξὺν ᾧπερ εἶχον* —] Cf. Tr. 1194. *ξὺν οἷς χορῆς φίλων.* Eur. Or. 1407. *πρὸς θρόνους ἔσω μολόντες ἄς ἐγῆμ' — Πάρις γυναικός.*

335. *οἱ δ' — ποῦ νεανία πονεῖν;*] Cf. Eur. Or. 1473. *ποῦ δῆτ' ἀμύνειν οἱ κατὰ στέγας Φρύγες;* Hom. Il. 13, 312. *νηοὶ μὲν ἐν μέσσηοι ἀμύνειν εἰσὶ καὶ ἄλλοι.* Eur. Fr. 461, 2. *αἰσχρὸν τε μοχθεῖν μὴ θέλειν νεανίαν.*

336. *δεινὰ τὰν κείνοις*] Cf. ad El. 924.

337. Cf. Herod. II. 35. *αἱ μὲν γυναῖκες ἀγοράζουσι καὶ καπηλεύουσι, οἱ δὲ ἄνδρες κατ' οἴκους ἐόντες ὑφαίνουσι.* Ibid. *τρέφειν τοὺς τοκέας τοιοῖ μὲν παισὶ οὐδεμία ἀνάγκη μὴ (μὴ οὐ?) βουλομένοι· τῆσι δὲ θυγατράσι πᾶσα ἀνάγκη καὶ μὴ βουλομένησι.* Dindorfius *ἐκείνω et κατεικασθέντε feminina habet.* Cf. ad 1113. 1674. In Nympho dori loco apud schol. *τὰς δὲ γυναῖκας ἀνιέναι (l. καθιέναι) τὰς τρίκας προσέταξε.*

338. *κατεικασθέντε*] Cf. Eupol. 345. *(ἤδη) κατεικάζουσι ἡμᾶς ἰσχαδί | βολβῶ τε.* Cratin. 63. *βίου τροφάς*] Cf. 446. *τροφάς ἔχω βίου.*

339. *κατὰ στέγας*] Cf. El. 282. 1308. O. R. 927. *στέγαι μὲν αἶδε.*

340. *αἱ — σύννομοι*] Their partners. Cf. El. 601. Aesch. Pers. 704. *τῶν ἐμῶν λέκτρων γεραῖα ξύννομ', εὐγενὲς γύναι.* Arist. Av. 209. 678.

341. *τὰ — τροφεία*] Pabulum. Pro τὴν τροφήν. Cf. Eur. Ion. 1493. *Eodem sensu θρεπτήρια infra 1263. et θρέπτρα Hom. Il. 4, 478. Sic κόμιστρα Eur. Herc. F. 1386.*

342. *σφῶν*] For you two. Construe cum πονεῖν.

344. *τὰμὰ δυστήνον κακὰ*] Cf. Ph. 1126. *τὰν ἐμὰν μελέου τροφάν.* Tr. 775. *τὸ σὸν μόνης δώρημ'.* Eur. Phoen. 390. *τλήμονος φυγὰς ἐμὰς.* 1533. *μονομάτορος ὀδύρομοῖς ἐμοῖς.* Suppl. 931. *τὸν ἐμὸν μόχθον ἀθλίας.* El. 367. *πόσις ἐμὸς τῆς ἀθλίας.* Arist. Pl. 33. *τὸν ἐμὸν τοῦ ταλαιπώρου.* Lucian. Somn. 29. *τὰμὰ οὗτοι σπαθῶσι τοῦ κακοδαίμονος.*

345. *ὑπερπονεῖον*] Cf. Aj. 1310. *τοῦδ' ὑπερπονουμένω. νέας τροφῆς*] Cf. Aj. 510. *νέας τροφῆς στερηθεῖς.* Eur. Med. 48. *νέα — φροντίς.* et ad O. C. 1259.

348. *γερονταγωγεῖ*] Cf. Fr. 434. Arist. Eq. 1099. Eur. Bacch. 193. *γέρον γέροντα παιδαγωγῆσω σ' ἐγώ. κατ' ἀγρίαν ὕλην*] Cf. O. R. 477. *φοιτᾷ γὰρ ὑπ' ἀγρίαν ὕλαν (φοιτᾷ γὰρ ἄν' —, aut φοιτᾷ δὲ κατ' —).*

349. *νηλίπους*] I. q. ἀνήλιπος (Theocr. IV. 56.).

350. *δμβροισ — καύμασι*] Cf. Tr. 146. οὐ θάλλπος θεοῦ, | οὐδ' *δμβρος — κλονεῖ*.

351. *δεύτερο ἡγήται*] Cf. Phil. 1442. ὡς ἰάλλα πάντα δεύτερο ἡγήται πατήρ | Ζεύς. Fr. 325. τὰ τῆς | οἴκοι διαίτης] Cf. El. 879. κάπτι τοῖς | σαντής κακοῖσι. Ph. 263. οἶ | δισοοὶ στρατηγού. Ant. 409. τὸν | νέκυν.

355. *ἃ τοῦδ' ἐχρήσθη σώματος*] Cf. 662. δεῖν' ἐπερρώσθη λέγειν | τῆς σῆς ἀγωγῆς. 436. Tr. 170. τοιαῦτ' ἐφραζε πρὸς θεῶν εἰμαρμένα | τῶν Ἡρακλείων ἐπιτελευτᾶσθαι πόνων. Aj. 1236. El. 317. Eur. Hel. 515. ἤκουσα τὰς θεοσπιρωδοῦ κόρας, ἃ χρήζουσ' ἐφάνη etc. Aesch. Ag. 1367. ἦ γὰρ — μαντευσόμεσθα τάνδροσ ὡς δλωλότος;

358. *τίς σ' — στόλος;*] I. q. *τίνι ἐξήρου στόλω* —. Cf. Ph. 244. *τίνι | στόλω προσέσχεσ τήνδε γῆν;* El. 782. Tr. 34. Aesch. Suppl. 2. *στόλον ἡμέτερον νάϊον ἀρθέντ' ἀπὸ προστομίων.*

360. *μὴ οὐχι* —] Redde without bringing me some tid-nige of alarm. Latine quin afferas. Cf. O. R. 220. οὐ γὰρ (ὡστ' οὐκ?) *ἄν μακρὰν | ἴχνευον αὐτὸ μὴ οὐκ ἔχων τι σύμβολον.* et ad O. R. 13.

362. *τροφήν*] Gl. A. *στροφῆν· διαγωγήν.* Cf. Ph. 544. *ἐκελευσ' ἔμοι σε ποῦ κυρῶν εἴης φράσαι.* Arist. Nub. 731. *ἀθρήσω πρώτων ὃ τι δρεῖ τουτονί.*

363. *παρεῖσ' ἔασω*] Praeteriens omittam. Cf. Eur. Fr. 187, 2. *τὰ μὲν κατ' οἴκους ἀμελία παρείς ἐᾷ.* Trag. adesp. 284, 2. *τὰ μικρὰ δ' ἄλλοις δαίμοσιν παρείς ἐᾷ.* Eur. Tro. 690. *παρεῖσ' ἐᾷ στόμα.*

367. *αὐτοῖν ἦν ἔρωσ* —] Cf. 1725. Fr. 219. *θανόντι κείνῳ συν-θανεῖν μ' ἔρωσ ἔχει.* Aesch. Ag. 341. Pers. 825. Eur. Phoen. 908. *ἐκεῖνο μὲν γὰρ πρῶτον ἦν, τῶν Οἰδίπουν | μηδένα πολίτην μηδ' ἄνακτ' εἶναι χθονὸς, | ὡς δαιμονῶντας κάνατροέροντας πόλιν.*

368. *χραίνεσθαι πόλιν φόνῳ*] Cf. 1373. *αἵματι | πεσεῖ μανθεῖς χῶ ξύναιμος ἐξ ἴσου.* Aj. 43. *δοκῶν ἐν ὑμῖν χεῖρα κραίνεσθαι φόνῳ.* Aesch. Sept. 48. *ἦ γῆν θανόντες τήνδε φράσειν φόνῳ.*

369. *λόγῳ σκοποῦσι*] I. q. *λογιζομένοις.* *φθοράν*] Cf. Ant. 1224. Herod. VI. 18. *φθορῆ τις θεήλατος.*

371. *ἀλιτήριον φρενὸς*] Cf. Eubul. III. 247. *φιλάργυρος δὲ κάλιτήριος.* Eur. Pol. II. 490. *Πρωταγόρας ἀλιτήριος.* Id. II. 460. Men. IV. 246. Damox. IV. 530.

372. *εἰσῆλθε* —] Cf. Tr. 298. *ἔμοι γὰρ οἶκτος δεῖνὸς εἰσέβη.* Fr. 678. *εἰσέρχεται γὰρ ἰχθύων πλωτῶ γένει.* Eur. Iph. A. 1589. *ἔμοι δὲ τ' ἄλγος οὐ μικρὸν εἰσῆει φρενί.* Herod. I. 24. *καὶ — τοῖσι ἐσελθεῖν γὰρ ἠδονῆν etc.* 86. *τῶ δὲ Κροίσῳ — ἐσελθεῖν — τὸ τοῦ Σόλωνος.* III. 14. *αὐτῶ τε Καμβύσῃ ἐσελθεῖν οἰκτιόν τινα.* 42. *τὸν (τῶ?) δὲ ὡς ἐσῆλθε θεῖον εἶναι τὸ πρῆγμα.* VI. 125. *ἰδόντα δὲ τὸν*

Κροΐσον (ιδόντι — τῷ Κροΐσῳ?) γέλωσ ἐσῆλθε. Thuc. VI. 31. μᾶλλον αὐτοὺς (αὐτοῖς?) ἐσῆι τὰ δεινά. Andoc. II. 10. εἰσῆλθέ μοι. Plat. Resp. 330 D. εἰσέρχεται αὐτῷ δέος καὶ φροντίς περὶ ὧν ἐμπροσθεν οὐκ εἴσῃε. Phaed. p. 133. οὐδὲν πάνν μοι ἔλεινὸν εἰσῆι.

374. νεάζων] Cf. Tr. 144. τὸ γὰρ νεάζων —. Eur. Phoen. 1613. ἀλλ' ἔτι νεάζων αὐτὸς εὐροίμ' ἄν βίον. χρόνῳ] Fort. γονῆ. Cf. 1294. γονῆ πεφυκῶς — γερατέρα. Euripides Eteoclem majorem facit, quod notat scholiasta ad Phoen. 71. Cf. 1295.

377. ὡς — ὁ πληθύνων λόγος] Cf. 930. ὁ πληθύνων χρόνος. Aesch. Ag. 869. ὡς ἐπλήθυνον λόγοι. Suppl. 293. ὡς μάλιστα καὶ (δῆ?) φάτις πολλῆ κρατεῖ. Soph. Aj. 978. ὥσπερ ἡ φάτις κρατεῖ. 775.

378. τὸ κοῖλον Ἄργος] Sic κοίλη Λακεδαιμῶν in Hom. Od. 4, 1. προσλαμβάνει κῆδος] Cf. Eur. Med. 886. κῆδος τόδ' ἡμῖν προσλαβῶν. 698. ἀνδρῶν τυράννων κῆδος ἠράσθη λαβεῖν. Iph. A. 630. ἀνδρὸς γὰρ ἀγαθοῦ κῆδος — λήψει. Andr. 648. κῆδος ξυνάψας.

381. καθέξων] Cf. Ant. 604. τίς σὰν, Ζεῦ, δύναται, τίς ἀνδρῶν ὑπερβασία (ὑπέρβασις ἄν?) κατάσχοι; βιβῶν] Cf. Arist. Av. 425. προσβιβᾶ. Infra 406. κατασκιῶσ'.

382. ἀριθμὸς — λόγων] I. e. mera verba, verba inania. Cf. Eur. Her. 997. οὐκ ἀριθμὸν, ἀλλὰ —. Arist. Nub. 1203. ἀριθμὸς, πρόβατ' ἄλλως, etc. Horat. Epist. I. 2. 27. 'Nos numerus sumus, et fruges consumere nati.'

383. ὅποι] Cf. El. 958. ποῖ γὰρ μενεῖς ῥάθυμος;

385. ἤδη γὰρ ἔσχες —] Have you then ever entertained the hope etc. Cf. El. 952. εἶχον ἐλπίδας — αὐτὸν ἔξεσθαι. Eur. Or. 56. ἐλπίδα δὲ δῆ τιν' ἔχομεν ὥστε μὴ θανεῖν.

386. ἐμοῦ — ὄραν τιν' ἔξειν] Cf. Tr. 57. εἰ πατρὸς | νέμει τιν' ὄραν τοῦ καλῶς πράσσειν. Plat. com. II. 615. περὶ τῶν δὲ πλεονῶν οὐδεμίαν ὄραν ἔχεις; De ὄστε cf. 1350. Tr. 1152. Ph. 656.

388. ποίοισι τούτοις;] Cf. Ant. 1049. Aj. 46. Ph. 441. 572. 1204. O. R. 571.

391. εὖ πράξειεν] Cf. O. R. 1005. ὅπως | σοῦ πρὸς δόμους ἐλθόντος εὖ πράξαιμί τι.

392. ἐν σοὶ —] Cf. 247. Aj. 519. Eur. Iph. T. 1057. καὶ τᾶμ' ἐν ὑμῖν ἔστιν ἡ καλῶς ἔχειν | ἢ μηδὲν εἶναι. Arist. Av. 1677. ἐν τῷ Τριβαλλῷ πᾶν τὸ πρᾶγμα.

393. τηρικαῦτ'] Cf. O. R. 76. Ph. 465. 505. Ant. 779. El. 294. Herod. II. 51. ἤδη τηρικαῦτα ἐς Ἑλληνας τελέουσι. ἀνήρ] Vir. Cf. Aj. 77. 1238. Eur. Alc. 957. κατ' ἀνήρ εἶναι δοκεῖ; Her. 1000. Arist. Eq. 178. γίγναι γὰρ ὄντως — ἀνήρ μέγιστος. 333. 392. 1255. Nub. 533. Ach. 77.

395. Cf. Eur. El. 755. ἤξουσιν· οὐ τοι βασιλέα φαῦλον κτανεῖν. Tro. 465. γράϊν πεσοῦσαν αἶρει' εἰς ὄρθον πάλιν. δε νέος

πέση] Cf. El. 771. Aesch. Sept. 257. Eum. 211. 661. Eur. El. 972. Med. 516. Iph. T. 1064.

397. ~~w~~ **βαίου χρόνου]** Cf. Tr. 44. Solon. El. 8, 1. *βαίος χρόνος.* Cf. 1653. *βαίων οὐδὲ σὺν χρόνω.* 617. El. 478. *μέτεισιν — οὐ μακροῦ χρόνου.* Ph. 821. Plat. Alcib. I. p. 7. *τοῦτο δὲ ἔσεσθαι μάλα ἡμερῶν ὀλίγων.* Legg. XI. p. 125. *τριάκοντα ἡμερῶν — λαβῶν ἀπίτω τὰ ἑαυτοῦ.* Herod. II. 115. *Cum ἐντὸς Plat. Alc. I. p. 10. ἐντὸς οὐ πολλοῦ χρόνου.* Isocr. p. 201 E. *ἐντὸς τριῶν ἑτῶν.*

μυρίον χρόνου] Cf. 617. *ὁ μυρίος χρόνος.* Phil. 1168. *μυρίον ἄχθος.* Fr. 377, 1. *μυρία μία | νύξ ἔστιν.* Aesch. Pers. 307. *μυρίας ἔππων.* Pind. Isthm. IV. 31. *μυρίον χρόνον.* III. 19. *μυρία κέλευθος.* N. X. 45. *μυρίον χαλκόν.* Apoll. Rhod. II. 1123. *τὸ δὲ μυρίον ἐκ Λιὸς ὕδαρ | λήξεν ἄμ' ἡελίω.* IV. 1765. *μυρίον οἶσμα.* Hom. II. 20, 282. *ἄχος — μυρίον.* Herod. I. 27. *ἔππον χιλίν.* V. 63. *ἔππον χιλίν.* Xen. An. I. 7. 10. *ἀσπίς μυρία.*

400. *ἐμβαίης δρων]* Cf. 924. O. R. 825. *ἐμβατεύειν πατριδος.* Sed Eur. Hec. 901. *οὐκέτι σ' ἐμβατεύσω.* 910. *Τροίαν Ἰλιάδ' ἐμβεβῶτα.* Eur. El. 1281. *Ἰσθμίας γῆς ἀνχέν' ἐμβαίνων ποδὶ.*

401. *θύρασι κειμένον]* Sc. *juxta fines regionis.* Cf. 784. *θύρασι]* Cf. Eur. El. 1074. Med. 466. Arist. Vesp. 942. 1023. Lys. 353. Th. 75. 792. Eccl. 993.

402. *ὁ τύμβος — ὁ σὸς]* Sc. *θανόντος.* *δυστυχῶν]* I. e. if neglected, as it would be if made in a strange land. Cf. Aj. 1126. *δίκαια γὰρ τόνδ' εὐτυχεῖν (de sepultura) κτείναντά με; βαρῦς]* Cf. Tr. 1202. *μεῖω σ' ἐγῶ | καὶ νέρθην ὄν ἀραῖος εἰσαι βαρῦς.* Aesch. Eum. 670. *βαρεῖα χώρα τῆδ' ὀμλήσω πάλιν.* 714. *βαρεῖαν τήνδ' ὀμλίαν χθονός.* Suppl. 410. *τὸν πανώλεθρον θεὸν | βαρὺν ξύννοικον θηρόμεσθ' ἀλάστορα.* Eur. Hipp. 980. *φήσουσι — τοῖς κακοῖς μ' εἶναι βαρύν.* Hec. 1087. *δαίμων — ὅστις ἐστὶ σοι βαρῦς.*

403. *ἄνευ θεοῦ]* Cf. Eur. Iph. A. 809. *οὐκ ἄνευ θεῶν.*

γνώμη μάθοι] Cf. O. R. 398. *γνώμη κυρήσας οὐδ' ἀπ' οἰωνῶν μαθῶν.*

404. *προσθέσθαι]* Cf. Tr. 1224. *ταύτην — προσδοῦ δάμαρτα.* Herod. I. 53. *ἐπειρωτῆ — εἴ τινα στρατὸν ἀνδρῶν προσθέοιτο σύμμαχον.* I. 69. *τὸν Ἕλληνα φίλον προσθέσθαι.* IX. 33. *φίλον αὐτόν προσθέσθαι.* III. 74. 405. *ἦν ἂν σαυτοῦ κρατοῖς]* Cf. ad 190.

406. *κατασκῆσαι —]* Cf. 1707. *κοῖταν ἔχει νέρθην εὐδοκίαστον.*

Θηβαία κόνει] Cf. Fr. 781. *ἐδέξατο (Amphiaraum) λαγαῖσα Θηβαία κόνις.*

407. Cf. Ant. 538. *ἀλλ' οὐκ ἔασει τοῦτό γ' ἡ δίκη σ', ἐπει etc.*

τοῦμφυλον αἶμα] Cf. O. R. 1406. *αἶμ' ἐμφύλιον.* Aesch. Eum. 224. *αἶμα μητροφῶν.* Eur. Or. 285. *μητροφῶν αἶμα.*

409. *ἄρα]* In media sententia positum, ut in Eur. Orest. 1512. Her. 640. El. 1229. Arist. Ach. 238. Eccl. 672. Pl. 579.

413. *θεωρῶν]* Cf. O. R. 114. Eur. Hipp. 792. 807.

419. τοῦμοῦ πόθου] Cf. 1413. τῆς ἐμῆς ὑπουργίας. O. R. 969. τῶμῳ πόθῳ | κατέφθιθ'. 980. τὰ μητρὸς — νυμφεύματα. 239. θεῶν εὐχαῖου. El. 343. τὰμα ρουθετήματα. 1097. τᾶ Ζηρὸς εὐσεβεία. Aesch. Pr. 123. διὰ τὴν λίαν φιλότητα βροτῶν. Hom. Od. 11, 202. σὸς πόθος. Il. 24, 111. αἰδῶ καὶ φιλότητα τεήν. Aesch. Pers. 705. τὴν ἐμὴν αἰδῶ μεθεῖς. Cho. 294. πατρὸς πένθος μέγα. Ag. 232. ἐμὴν αἰδῶ. Eum. 340. ἐμαῖσι λιταῖς. Sept. 1009. εὐνοία χθονός ('good will to the land'). Eur. Andr. 62. οἴκτω δὲ τῷ σῶ. 660. προνοία τῇ τε σῆ κάμῃ. Suppl. 1117. παίδων ὑπὸ πένθους. Her. 1012. τῆς ἐμῆς ἐχθρας. Andr. 62. Arist. Ran. 109. κατὰ σὴν μῆμσιν. Arist. Pac. 583. σῶ γὰρ ἐδάμην πόθῳ. Herod. V. 92. φιλοφροσύνης τοῦ πατρὸς εἵνεκα. IX. 37. τὸ ἐχθος τὸ Λακεδαιμονίων. Plat. Gorg. 485. εὐνοία τῇ ἑαυτοῦ. 486. εὐνοία γὰρ ἐρῶ τῇ σῆ. Xen. Cyr. III. 1. 28. εὐνοία καὶ φιλία τῇ ἐμῇ. Anab. IV. 7. 20. τῆς τῶν Ἑλλήνων εὐνοίας. VII. 7. 29. φιλία τῇ σῆ. Lys. p. 33, 1. δι' εὐνοίαν τῆς Ἑλλάδος. Liv. XXXV. 18. 'meis criminibus.'

420. φέρω] I. ο. ἀγγέλλω. Nauckius λέγω corrigit.

422. κατασβέσειαν] Cf. Aj. 1149. τάχ' ἂν τις — χεიმῶν κατασβέσειε τὴν πολλὴν βοήν. 1057. Xen. Hell. V. 3. 8. ὅπως τὸ φρόνημα τῶν νενικηκότων κατασβέσειε. τέλος] Eventus. Anglice the issue. Cf. Tr. 26. τέλος δ' ἔθηκε Ζεὺς ἀγώνιος καλῶς.

424. ἐπαναίρονται δόρῳ] Schol. κατ' ἀλλήλων ἐπαίρουσιν. Cf. Arist. Lys. 50. ἐπ' ἀλλήλοισιν αἵρεσθαι δόρῳ. Eur. Her. 314. εἰς (ἐπί?) γῆν ἐχθρόν αἵρεσθαι δόρῳ.

429. οὐκ ἔσχω] Non prohibuerunt. Cf. 887. βουθυτοῦντά μ' — ἔσχει'. ἀνάστατος] Cf. Tr. 39. Trag. adesp. 325. ὅς με — ἐξηνάγκασε | πτωχὸν γενέσθαι καὶ (κἀκ?) δόμων ἀνάστατον.

432. κατήνησεν] Qu. κατήνησεν. Cf. Tr. 994. οἶαν — ἐπὶ μοι μελέφ χάριν ἤνυσας. Ph. 1145. κοινὰν ἤνυσεν ἐς φίλους ἀρωγάν. 710. εἴ ποτε — πανοῖς ἰοῖς ἀνύσειε γαστρὶ φορβάν. O. R. 166. 720. Eur. Or. 89. αἶμα γενέθλιον κατήνησεν. Locutio καταινεῖν τί τι, ni fallor, nusquam alibi occurrit.

433. οὐ δῆτ', ἐπεὶ τοι —] Cf. Phil. 431. Eur. Her. 508. οὐ δῆτ', ἐπεὶ τοι καὶ γελατος ἄξια. Alc. 557. etc.

434. ἔξει θυμὸς] Cf. Eur. Hec. 1046. θυμῷ ζέοντι Θρηκὶ δουμαχωτάτω. Arist. Ach. 321. οἶον αὖ μέλας τις ὑμῖν θυμάλωφ (quasi θυμὸς) ἐπέζεσεν. Th. 468. οὐ θαυμάσιόν ἐστ' — ἐπιζεῖν τὴν χολήν. Eur. Iph. T. 987. δεινὴ τις ὄργη δαιμόνων ἐπέζεσε. Cycl. 343. Aesch. Prom. 370. τοῖονδε Τυφῶς ἐξαναζέσει χόλον. Sept. 708. νῦν δ' ἔτι ζεῖ (δαίμων). 709. ἐξέζεσεν γὰρ Οἰδίπῳ κατεύγματα. Herod. IV. 205. VII. 15.

435. λευσθηναί] Cf. Eur. Iph. A. 1350. El. 328. Hinc λευστήρ, δημόλευστος, etc.

436. ἔρωτος τοῦδ' — ὠφελῶν] Cf. 355. 1411. Tr. 170. Aj. 1236. O. R. 580. Qu. ἔρωτ' ἐς τόνδ' — ὠφελῶν.

437. μόχθος — πέπων] Cf. Tr. 728. δργή πέπειρα. Aesch. Eum. 70. ἐχθροῖσι τοῖς σοῖς οὐ γενήσομαι πέπων. Ag. 1336. πεπαιτέρα γὰρ μοῖρα τῆς τυραννίδος.

439. μείζω κολαστὴν τῶν πρὶν ἡμαρτημένων] Cf. Isocr. ad Nicocl. § 35. τῷ τὰς τιμωρίας ἐλάττους ποιείσθαι τῶν ἁμαρτημάτων.

441. χρόνιον] Diutinum, diu. Cf. Phil. 600. ὄν γ' εἶχον ἤδη χρόνιον ἐκβεβληκότες. ἐπωφελεῖν — τῷ πατρὶ] Cf. Eur. Andr. 678. οὐκουν δίκαιον τοῖς γ' ἐμοῖς ἐπωφελεῖν (ἐμ' ὄφ.?).

442. τὸ δρᾶν οὐκ ἠθέλησαν] Cf. Ant. 1106. καρδίας δ' ἐξίσταμαι | τὸ δρᾶν. Aj. 1143. ναύτας ἐφορμήσαντα χειμῶνος τὸ πλείν. Phil. 620. 881. 1241. 1252. Ant. 664. ἢ τοῦπτάσσειν τοῖς κρατοῦσιν ἐννοεῖ. El. 1079. τὸ μὴ βλέπειν ἐτοίμα. Ant. 78. τὸ δὲ | βία πολιτῶν δρᾶν ἔφην ἀμήχανος. 265. 778. τεύξεται τὸ μὴ θανεῖν. O. R. 1416. ἐς δέον πάρεσθ' ὅδε | Κρέων τὸ πρόσσειν καὶ τὸ βουλεύειν. Thuc. II. 53. τὸ μὲν προσταλαιπωρεῖν τῷ δόξαντι καλῶ οὐδεις πρόθυμος ἦν. Plat. Lys. p. 215. ἔξαρκος εἰ τὸ ἐρᾶν.

443. ἔπος σμικροῦ χάριν] I. e. for want of a few slight words (said on my behalf). V. schol. Cf. 620. ἐκ σμικροῦ λόγον. Aj. 1268. εἰ σοῦ γ' ὄδ' ἀνὴρ οὐδ' ἐπὶ σμικρῷ λόγῳ, | Αἴας, ἔτ' ἴσχη μῆστιν. El. 415. πολλὰ τοι σμικροὶ λόγοι — κατώρθωσαν βροτούς. Arist. Eccl. 751. οὐ γὰρ τὸν ἐμὸν ἰδρῶτα — οὐδὲν πρὸς ἔπος οὕτως ἀνοήτως ἐκβαλῶ.

444. πτωχὸς ἠλώμην] Cf. 745. δρῶν σε τὸν δύστηνον ὄντα μὲν ξένον, ἀεὶ δ' ἀλήτην. Eur. Her. 318. πτωχοὺς ἀλήτας εἰσορῶντες. Med. 515. πτωχοὺς ἀλῆσθαι. Fr. adesp. 107. ἄπολις, ἄοικος — πτωχὸς πλανήτης. σφιν] Pro αὐτοῖς, ut in 451. Aj. 570. et ad Aj. 440.

446. τροφάς — βίον] Cf. 338. βίον τροφάς. 330. 1265.

447. ἐπάρκεις] Cf. Eur. Hec. 758. καὶ δὴ τίν' ἡμᾶς εἰς ἐπάρκεσιν καλεῖς; Supra 73. ἄρκεσις. De verbo ἐπαρκεῖν cf. 777, Ant. 612. Aj. 360. Fr. 66.

449. σκήπτρα κραίνειν] I. e. regit, dirigit. Cf. 914. κραίνουσιν οὐδέν. Tr. 126. ὁ πάντα κραίνων βασιλεὺς Κρόνιδας. Cum genitivo Aj. 1050. ὃς κραίνει στρατοῦ. O. C. 296. 862. 926. Qu. σκήπτρα νωμᾶν (i. q. νέμειν).

450 sq. ἀλλ' οὐ τι μὴ τύχῃσι] Cf. Tr. 621. οὐ τι μὴ σφαλῶ. El. 42. οὐ γὰρ σε μὴ γήρα τε καὶ χρόνῳ μακρῷ | γνῶσ' οὐδ' ὑποπτεύσουσιν ὧδ' ἠνθισμένον (ἠσηκημένον?).

452 sq. Cf. Aj. 1386. ὡς ὁ στρατηγὸς οὐπιβρόντητος μολῶν | αὐτός τε χῶ ξύναιμος ἠθελησάτην etc. Tr. 228 sq. Hom. H. Cer. 1. Δήμητρα — ἄρχομ' ἀεῖδειν, | αὐτὴν ἠδὲ θύγατρα.

453. συννωῶν] Cf. Eur. Or. 633. ἐν ἔμαντῷ τι συννοούμενος. Ion. 644. Ἦνε σύννοια Ant. 279.

454. μαντεῖ' — παλαίφαθ'] Cf. Aesch. Ag. 759. παλαίφατος — γέρων λόγος. Ch. 312. Eur. Herc. 26. Hom. Od. 9, 507. ἢ μάλα

δή με παλαίφατα θέσφαθ' ἰκάνει. Pind. Ol. II. 71. ἐν δὲ Πυθῶνι
χρησθὲν (χρησιμὸν?) παλαίφατον τέλεσεν.

455. πεμπόντων] Cf. Aj. 961. οἱ δ' οὖν γελόντων.

456. μαστήρα] Anglice in search of. Cf. Tr. 733. πάρεσι,
μαστήρ πατρός δς πριν ὄχετο. Eur. Bacch. 985. Carcin. Fr. 5, 5,
πόθω δὲ μητέρ' ἠφανισμένης κόρης | μαστήρ' ἐπελθεῖν πάσαν ἐν
κύκλω χθόνα. εἴ τις ἄλλος ἐν πόλει σθένει] Cf. Aj. 488. εἴπερ
τινὸς σθένοντος ἐν πόλει Φρυγῶν.

460. ἀρεῖσθε] Cf. O. R. 1225. ὅσον δ' | ἀρεῖσθε πένθος. Tr.
491. νόσον — ἐξαρούμεθα. Aj. 75. δειλίαν ἀρεῖ. Ant. 907. οὐ τόνδ'
ἂν ἠρόμην πόνον. Aesch. Sept. 316. ἄρροισθε κῦδος.

461. ἐπάξιος — αὐτός τε παῖδές θ'] Cf. Aj. 1386. ὁ στρα-
τηγός — αὐτός τε χῶ ξύναιμος.

465. προξένει] Cf. Tr. 726. ἦτις καὶ θράσος τι προξενεῖ.

466. θοῦ — καθαρμόν] Cf. 542. ἔθου φόνον — πατρός; 1139.
μῆκος τῶν λόγων ἔθου. 134. O. R. 1448. τῆς μὲν — τάφον θοῦ.
Aj. 13. σπουδὴν ἔθου τήνδ'. 536. πρόνοιαν ἦν ἔθου. El. 1334.
εὐλάβειαν τῶνδε προυνθέμην. Ant. 150. πολέμων θέσθε λησμοσύναν.
O. R. 1459. παίδων δὲ — μή μοι — προσθῆ (προσθῆ Elmsl.) μέριμ-
ναν. Tr. 997. 1265. Fr. 756. ἐφ' ἃς τὸ πρῶτον ἴκον] Cf. 99.

469 sq. Cf. Aesch. Pers. 611—618., ubi libationes ut ex
lacte, melle, aqua, vino et oleo confectae describuntur, additis
florum coronis. Ibid. 206. καὶ χερσὶν καλλιρρόον | ἔβανσα πηγῆς.
Hesiod. Op. 593. κρήνης τ' ἀέναου καὶ ἀπορρῦτον (ἀειρρῦτου?)
ἢ τ' ἀθόλωτος (leg. ἡδ' ἀθολώτου) | τρεῖς ὕδατος προχέειν, τὸ δὲ
τέτρατον ἴεμεν οἴνου.

470. Cf. Ant. 916. ἄγει με διὰ χερῶν οὕτω λαβῶν. 1258.
διὰ χειρὸς ἔχων.

471. Cf. 482. στὰν δὲ τούτων γῆ μελάμφυλλος τύχη; χεῦμ']
Cf. Aesch. Eum. 283. Τρίτωνος ἀμφὶ χεῦμα. Suppl. 998. χεῦμ'
Ἐρασίνοιν. 1008. λιπαροῖς χεῦμασι (sc. ποταμῶν). Eur. Hel. 1320.
ποτάμιόν τε χεῦμ' ὕδατων. El. 152. ποταμίους παρὰ χεῦμασι. Trag.
adesp. 131. ὑπὲρ τε πόντου χεῦμ' ὑπὲρ τε Πλειάδα. Dionys. Perieg.
1182. ἱερὰ χεῦματα πόντου. ἀκήρατον] Cf. 690. ἀκηράτω ξὺν
ἄμβρω. Theocr. XXII. 38. ὕδατι πεπληθνῖαν ἀκηράτω. Herod. VI. 10.
χρυσὸς ἀκήρατος. Aesch. Pers. 606. ἀκήρατον — ποτόν.

472. ἀνδρὸς εὐχειρος τέχνη] I. e. τέχνασμα. ἔρεψον] I. q.
ἐπίστεψον. Hom. Il. 9, 175. κοῦροι δὲ κρητήρας ἐπεστέψαντο ποιοῖο.

473. Cf. Eubul. 56, 6. κισσῶ κάρα βρούσαν. λαβὰς ἀμφι-
στόμους] ἀμφίστομον δρυγμα est Herod. III. 60. ἀμφίστομοι θυ-
ρίδες Arist. H. A. IX. 40. 9. ἀμφίστομος τάξις (δύναμις) Polyb.
II. 28. 6. II. 29. 4.

475. οἶδς — μαλλῶ] Cf. Fr. 365, 1. ἦν μὲν γὰρ οἶδς μαλλός.
Cognatum forsā est Latinum vellus. νεώρους] I. q. νεογνής

(Eur. El. 495. *ποιίμνης νεογνὸν θρέμμ' ὑποσπάσας τόδε*). Quod fortasse hic reponendum. Sed corrigendum videtur *νεώρει νεοπόκου μαλλῶ*. Cf. El. 901. *νεώρη βόστρυχον. νεοπόκου*] Cf. *νεότομος* (Ant. 1283.), *νεοχάρακτος* (Aj. 6.), *νεόρρατος* (Aj. 30.), *νεορτος*, *νεόρρατος*, *νεοσφαγής*, *νεοσπας*, etc. Cf. Tr. 675. *ἀργῆς οἴδς εὐέρον πόκος*. Aesch. Ag. 1389. *εὐπόκοις νομεύμασιν*.

476. *εἰεν*] Cf. 1308. Soph. El. 533. *εἰεν· διδάξον δὴ με* —. Aj. 101. *τὰ δ' ἔνθεν*] Cf. ad Agam. 247. *ἔνθεν demonstrativum est Hom. Il. 13, 13. ποῖ τελευτῆσαι* —;] Cf. O. C. 383. *τοὺς δὲ σοὺς ὄποι θεοὶ | πόνους κατοικτιοῦσιν οὐκ ἔχω μαθεῖν*. El. 958. *ποῖ γὰρ μενεῖς δάφνυμος*; Aesch. Pers. 741. *πῶς τε δὴ καὶ ποῖ τελευτᾶν*; Cho. 521. *καὶ ποῖ τελευτᾶ — λόγος*; 1075. *ποῖ καταλήξει | μετακοιμισθὲν μένος ἄτας*; 1021. *οὐ γὰρ οἶδ' ὄπη (ὄποι?) τελεῖ*. Prom. 99. *ποῖ ποτε μόχθων | χρῆ τέρατα (τέρμα τι?) τῶνδ' ἐπιτεῖλαι*; 190. *ποῖ ποτε τῶνδε πόνων χρῆ σε τέραμα κέλασιν' εἰοιδεῖν*. Sept. 656. Eur. Hec. 419. *ποῖ τελευτήσω βίον*; Iph. T. 91. *τὸ δ' ἐνθένδ' οὐδὲν ἐρρήθη πέρα*. Hipp. 1185. *τοῦνθένδε πᾶς ἀνὴρ ἠπέιγετο*. Med. 1167. *τοῦνθένδε μέντοι δεινὸν ἦν θέαμ' ἰδεῖν*. Tro. 1029. *ἔν' εἰδῆς οἱ τελευτήσω λόγον*. Plat. Symp. p. 181 E. *τὸ τῶν παιδῶν τέλος ἀδηλον οἱ τελευτᾶ κακίας*. Arist. Lys. 526. [Aesch.] Ep. X. 684. *ποῖ λήξει ἢ τοσαύτη ἀναισχυντία προσμένων*.

477. *χοᾶς χεᾶσθαι*] Cf. Aesch. Pers. 225. *χοᾶς γῆ τε καὶ φθιτοῖς χεᾶσθαι*. Eur. Or. 466. *ἐπὶ Κλυταιμνήστρας τάφῳ | χοᾶς χεόμενος*. Arist. Fr. 488, 13. *καὶ χοᾶς γε χεόμενοι | αἰτούμεθ' αὐτοὺς τὰ καλὰ δεῦρ' ἀνιέναι*. Hom. Od. 10, 518. *χοῆν χεῖσθαι νεκύεσιν*. 11, 26. Herod. VII. 43. *χοᾶς δὲ οἱ μάγοι τοῖσι ἥρωσι ἐχέαντο*. Isae. 61, 20. *ἐπὶ τὰ μνήματα ἵεναι χεόμενον καὶ ἐναγιούντα*. 62, 40. *ἐναγίζουσι καὶ χεόνται*. Max. Tyr. 14, 2. *χεάμενος χοᾶς ἀνεκαλεῖτο ψυχὴν etc.* Schol. *τὰς ἐκθύσεις (τὰς καθύρσεις?)*.

στάντα πρὸς πρώτην ἔω] Cf. Cratin. II. 150. *πρὸς ἔω — ἴσω*.

479. *τρισάς γε πηγὰς*] I. e. *τρεῖς ὀπονδᾶς*. Cf. Ant. 431. *χοαῖοι τρισπόνδοι*. El. 895. *νεορρῦτους πηγὰς γάλακτος*. Eur. El. 307. *πηγὰς ποταμίους φορομένη*. Hom. Od. 10, 518. *ἀμφ' αὐτῶν δὲ χοῆν χεῖσθαι πᾶσιν νεκύεσσι, | πρῶτα μελικρήτω, μετέπειτα δὲ ἠδέϊ οἴνω, | τὸ τρίτον αὖθ' ὕδατι· ἐπὶ δ' ἄλφιστα λευκὰ παλύνειν*. 11, 26 sq. Eur. Iph. T. 159. *τάσδε χοᾶς μέλλω, κρατῆρά τε τὸν φθιμένων ὑδραίνειν γαίας ἐν νῶτοις πηγὰς τ' οὐρεῖων ἐκ μόσχων Βάκχου τ' οἴνηρὰς λειβάς ξουθᾶν τε πόνημα μελισσᾶν, ἃ νεκροῖς θελεκτήρια κεῖται (χεῖται?)*. Libationes mortuis fiebant ex vino, lacte, oleo, melle, et aqua, V. Blomf. Gloss. Pers. 616.

480. *τοῦ τόνδε πλήσας θῶ*] Cf. Aesch. Ag. 1397. *τοσόνδε κρατῆρ' ἐν δόμοις κακῶν ὄδε | πλήσας ἀραίων αὐτὸς ἐκπίνει μολῶν*.

481. Cf. Ant. 417. Eur. Or. 114. *ἐλθοῦσα δ' ἀμφὶ τὸν Κλυταιμνήστρας τάφον | μελίκρατ' ἄφες γάλακτος οἴνωπὸν τ' ἄχρη*.

Iph. T. 157 sq. Apud Homerum (Od. 11, 25.) oblationes mortuis fiunt *μελίκριτον, οἶνος*, et *ὑδωρ*, aspersis nonnullis *ἀλφίτοις*. *ῥδατος, μελίσης*] Sic *ἀνδρῶν, γυναικῶν* Ant. 1079. *σὺν δόρει, σὺν ἀσπίδι* Arist. Vesp. 1081. *μελίσης*] Pro *μέλιτος*. Sic *ἐλέφας* pro 'ebur' 'ovis' pro 'lana' (Tibull. II. 4. 28.), 'murex' pro 'purpura'.

482. *μελάμφυλλος*] Cf. Pind. P. I. 27. *Αἴτνας ἐν μελαμφύλλοις — κορυφαῖς*. Arist. Th. 997. *μελάμφυλλά τ' ὄρη δάσκα*. Chaerem. 14, 13. *Ἴων τε μελανόφυλλα συγκλῶσαι πτερά*.

483. *κλῶνας*] Cf. Ant. 713. El. 422. Eur. Ion. 423. *δαφνηφόρους | λαβούσα κλῶνας*. El. 324. *κλῶνα μυρσίνης | ἔλαβε*. Bacch. 1068. *κλῶν ὄρειον*. Trag. adesp. 418, 5. *κλῶνα πρὸς καλὸν δάφνης*.

ἀμφοῖν χεροῖν] Cf. Arist. Eq. 826. *κάμφοῖν χειροῖν (γε χεροῖν?) μυστιλάται* —. Av. 35. *ἀμφοῖν ποδοῖν*. Sed Plat. Prot. 314 D. *ἀμφοῖν τοῖν χεροῖν*.

484. *ἐπεύχεσθαι*] Infinitivus ut in 490. *ἀφέρειπειν*. Aesch. Prom. 712. *οἷς μὴ πελάζειν*.

486. *ἐξ εὐμενῶν στέρων δέχεσθαι*] Cf. Aesch. Ag. 797. *εὐφρονος ἐκ διανοίας ὑδαρεῖ σάινειν φιλότητι*.

487. *τὸν ἱκέτην*] Cf. 44. 284. El. 68. *δέξασθέ μ' εὐτυχοῦντα ταῦσδε ταῖς ὁδοῖς*. *σωτήριον*] Cf. 796. Aj. 779. El. 281. 925. Eur. Or. 127. 656. 1637. Bacch. 963. Ion. 484. Ph. 925. 1099. Med. 482. Her. 403. 406. 1032.

488. *κεῖ τις ἄλλος ἀντὶ σοῦ*] Cf. Tr. 1225. *μηδ' ἄλλος — ἀντὶ σοῦ λάβη ποτέ*. Aj. 444. Tr. 1226. Ant. 328. Eur. Hel. 574. *οὐκ ἔστιν ἄλλη σὴ τις ἀντ' ἐμοῦ γυνή*.

489. *μηκύνων βοήν*] Cf. Hom. Il. 1, 402. *μακρὸν Ὀλυμπον*.

490. *ἀφέρπειν*] Cf. Ph. 1080. *ὑμεῖς ὀρμασθαι*. 1411. 57. El. 9. *ἄστροφος*] I. q. *ἀμετάστρεπτος*. Cf. Plat. Legg. IX. 854 C. *τῶν κακῶν ξυνοσίας φεῦγε ἀμεταστρεπί*. Resp. X. 620 E. Aesch. Cho. 92. *σειχώ, καθάρμαθ' ὡς τις ἐκπέμψας, πάλιν | δικοῦσα τεύχος ἀστροφόοισιν ὄμμασιν*;

491. *παρασταίην*] Cf. ad El. 1306. Ph. 1302. Arist. Vesp. 348. Isocr. p. 238. Elmsl. ad Her. 1017.

492. *ἀμφὶ σοι*] Cf. Aj. 340. *ἀμφὶ σοὶ βοᾷ*. El. 1180. *ἀμφ' ἐμοὶ στένεις*. O. R. 155. *ἀμφὶ σοὶ ἀζόμενος*. Tr. 727. Aesch. Prom. 189. *δέδια δ' ἀμφὶ σαῖς τύχαις*. Pers. 8. *ἀμφὶ δὲ νόστω τῷ βασιλεῖω — ὀρσολοπεῖται θυμός*. Herod. VII. 212. *δείσαντα περὶ τῇ στρατιῇ*. VIII. 74. *περὶ σφίσι αὐτοῖσι δειμαίνοντες*.

494. *ἠκούσαμεν τε χῶτι* —] Cf. ad 113. *χῶτι* —] Cf. 1517. *χῶτι χρῆ ποιεῖν λέγε*. Connecte *δραῖν cum δεῖ* (cf. 1018.).

495. *ὁδωτά*] 'Ὀδοῦν significat to put in the way, guide, bring, send. 'Ὀδοῦσθαι legitur Herod. VI. 139. Redde, I in deed cannot undertake the journey. V. Gl. Blomf. ad Ag. 169.

λείπεται] Sc. *τοῦ ὁδοῦσθαι*. Cf. Aj. 1245. *οἱ λελειμμένοι*. Aesch. Fr. 36. *ἀγῶν γὰρ ἄνδρας οὐ μένει λελειμμένους*. Eur. Hipp. 324.

ἐν σοὶ λελείημαι. Eur. Fr. 1051. τοῖς ἐν οἴκῳ χρήμασιν λελείη-
μεθα. S. Jacob. Epist. I. 4. τέλειοι, ἐν μηδενὶ λειπόμενοι.

496. τῷ μὴ δύνασθαι] Supplendum ὁδοῦσθαι ex ὁδωτά. Non
enim significare potest δύνασθαι i. q. σθένειν, ἰσχύειν, σωκεῖν, to
be strong. Cf. Plat. Resp. I. 328 C. εἰ μὲν γὰρ ἐγὼ ἔτι ἐν δυνά-
μει ἦν τοῦ ἡράδιως πορεύεσθαι πρὸς τὸ ἄστυ, οὐδὲν ἂν σὲ ἔδει ἵεναι.

497. Cf. ad Tr. 272. O. R. 782. Arist. Av. 1365.

499. ψυχὴν — ἦν εὔνοος παρῆ] Cf. Fr. 97. ψυχὴ γὰρ εὔνοος
καὶ φρονοῦσα τοῦνδικον etc.

500. μόνον —] Solum vero me non relinquitē.

504. τοῦτο] Cf. 640. O. R. 407. ὅπως λύσομεν, τότε σκοπεῖν.
et ad Tr. 457.

505. τοῦκείθεν] Cf. Tr. 929. τὸ κείσε δευρό τ'.

506. Cf. O. R. 1461. ὥστε μὴ σπάνιν ποτὲ σχεῖν — τοῦ βίου.

507. Ἀντιγόνη, σὺ δ' —] Cf. Ant. 1087. ὦ παῖ, σὺ δ' —. Aesch.
Sept. 3. Ἥφαιστε, σοὶ δὲ —. Hom. Il. 1, 282. Ἀτρείδη, σὺ δὲ
παῦε τεὸν μένος.

510. ἐπεγείρειν] Cf. 1778. μῆδ' ἐπὶ πλείω | θορήγον ἐγείρετε.
Tr. 1242. 979. 1008. ἀνατέτροφας ὃ τι καὶ μύση (καμμύση?). Aesch.
Ag. 346. ἐρηγορὸς τὸ πῆμα. Eur. Suppl. 1146. οὐπω κακὸν τόδ'
εὔδει. Eur. El. 41. εὔδοντ' ἂν ἐξήγειρε τὸν Ἀγαμέμνωνος | φόνον.
Arist. Av. 1413. τοῦτὶ τὸ κακὸν οὐ φαῦλον ἐξεργήγορεν. Callimach.
ap. schol. O. C. 510. τί δάκρον εὔδον ἐγείρεις;

513. ἀπόρου φανείσας] Cf. Ph. 897. ποῖ χρὴ τᾶπορον τρέ-
πειν ἔπος;

514. ἧ ξυνέστας] Cf. Phil. 1157. μυρίον ἄχθος ὃ ξυνοικεῖς.

517. πολὺ — ἄκουσμα] Cf. 305. Aelian. V. H. II. 13. πολὺ
γὰρ ἦν τὸ τοῦ Σωκράτους ὄνομα. Herod. II. 2. πολλὸν ἦν τοῦτο
τὸ ἔπος. II. 181. ἐπεὶ τε δὲ πολλὸν τοῦτο ἐγίνετο. μηδαμὰ] Cf.
1104.

518. ἄκουσμα] Rumorum. Confer δραμα et θέαμα.

519. στέρξον, ἱκετεύω] Idem metrum est Arist. Lys. 783. αὐτὸς
ἔτι παῖς ὢν.

520. κἀγὼ γάρ] Sub. πείσομαι.

521. ἤνεγκον] Cf. 964. ἄς (ξυμφορὰς) — ἤνεγκον ἄκων. Fr.
592. Arist. Th. 743. κακότητ'] Miseriam. Cf. El. 236. Herod.
VI. 67. μυρίας κακότητος ἢ μυρίας εὐδαιμονίης. Pind. Fr. 171.
θεόσοτος ἀτλάτα κακότης.

522. Cf. 964. Fr. 604. ἄκων δ' ἀμαρτῶν οὐκ ἀνθρώπων
κακός. Eur. Fr. 265. ὁμολογῶ δέ σε | ἀδικεῖν τὸ δ' ἀδίτημ' ἐγέ-
νει' οὐχ ἐκούσιον. Arist. Vesp. 1002. ξύγγνωτέ μοι | ἄκων γὰρ
αὐτ' ἔδρασα κοῦ τοῦμοῦ τρόπου. θεὸς ἴστω] Cf. Ant. 184. ἴστω
Ζεὺς ὁ πάνθ' ὄρων. Tr. 399. ἴστω μέγας Ζεὺς.

524. ἐς τί;] Quorsum? Anglice, In what respect, to
what do you refer?

525 sq. οὐδὲν ἴδριν] Cf. Tr. 650. ἴδριες οὐδέν. ἄτα] Cf. Hom. II. 2, 111. Aesch. Ag. 1566. κεκόλληται γένος πρὸς ἄτα.

526. ἐνέδησεν] ~~ἰλιγὸς ἐνέξεν~~. Cf. O. R. 826. γάμοις — μητρὸς ζηγήναι. Aj. 123. ἄτη συγκατέζενκται κακῇ. Hom. II. 2, 111. Ζεὺς με μέγας Κρονίδης ἄτη ἐνέδησε βαρείη. Herod. I. 11. ἰκέτευε μὴ μιν ἀναγκαίη ἐνδεῖν.

529. θάνατος μὲν τὰδ' ἀκούειν] Cf. Aj. 215. θανάτω γὰρ ἴσων πάθος ἐκπεύσει. et ad Ant. 933.

532. δύο δ' ἄτα] Cf. Ant. 529. τρέφων δύ' ἄτα. Aesch. Ag. 770.

534. ἀπόγονοι] Cf. 220. Herod. VII. 150. οὕτω ἂν ὧν εἶημεν ὑμέτεροι ἀπόγονοι. 153. αὐτοῦ οἱ ἀπόγονοι. 154. 197. Sic ἔκγονος 588. Aj. 842.

536. κοιναί] Cf. Ant. 1.

537. ἰὼ δῆτα] Cf. El. 843. φεῦ. — φεῦ δῆτα. ἐπιστροφαί κακῶν] Impetus malorum. Cf. 1045. δαῖων ἀνδρῶν — ἐπιστροφαί.

538. ἄλαστ' ἔχειν] Sub. κακά. Cf. 1483. 1672. Eur. Herc. 911. ἄλαστα τὰν δόμοισι. Legendum ἄλαστ' ἄχη aut ἄλασση δῆ.

539. τί γάρ;] Quid enim? In initio sententiae ut in 542. 546. Aesch. Eum. 675. Eur. Or. 476. et in fine Aesch. Cho. 880. οὐχ' ὥστ' ἀρῆξαι διαπεπραγμένω· τί γάρ; Ag. 1239. καὶ τῶνδ' ὁμοιον εἴ τι μὴ πείθω· τί γάρ; 1139. οὐδὲν ποτ' εἰ μὴ ξυνθανουμένην· τί γάρ;

540. ταλακάρδιος] Cf. Hesiod. Scut. 424. Διὸς ταλακάρδιος νιός. Aesch. Ag. 419. τλησικάρδιος. Sic etiam ταλαίφρων, ταλασίφρων, ταλαίφρων, ταλαίπυρος.

541. Cf. Tr. 999. ἦν μὴ ποτ' ἐγὼ προσιδεῖν ὁ τάλας ὄφελον ὄσοις. Ph. 969. μὴ ποτ' ὄφελον λιπεῖν | τὴν Σκῦρον.

542. ἔθου φόνον] I. e. ἐφόνευσας. Cf. ad 466. Eur. Or. 833. ματροκτόνον αἷμα θέσθαι. Aesch. Pers. 1004. ἰὼ ἰὼ δαίμονες, ἔθεσθ' ἄελπτον κακόν. Sic τάφον θέσθαι O. R. 1448. καθαρμόν C. C. 467. ἐπιστροφῆν O. R. 134. σπουδῆν, συγγνωμοσύνην, λησμοσύνην, ὠνήν καὶ πρᾶσιν, etc.

544. ἔπαισας] Cf. ad Arist. Plut. 548. τὸν τῶν πτωχῶν δ' ὑπεκρούσω (βίον). ἐπὶ νόσῳ νόσον] Cf. Aesch. Cho. 404. ἄτην ἐτέραν ἐπάγουσαν ἐπ' ἄτη. Ag. 865. Philem. com. IV. 34. κακά | πρὸς τοῖς κακοῖσιν ἔτερα συλλέγει. Eur. Iph. A. 1235.

545. ἔχει δέ μοι — πρὸς δίκας τι] Cf. El. 351. οὐ ταῦτα — δειλίαν ἔχει; Eur. Hipp. 694. ἔχω δὲ καγὰ πρὸς τὰδ', εἰ δέξει, λέγειν.

546. πρὸς δίκας] Cf. O. R. 1014. ἄρ' οἶσθα δῆτα πρὸς δίκης οὐδὲν τρέμων; El. 1211. πρὸς δίκης γὰρ οὐ στένεις.

547. ἄνους] Unconscious. I. e. οὐδὲν ξυνεῖς ὧν ἔδρων — (976).

548. αἰδρις] Cf. Aj. 911. ἐγὼ δ' ὁ πάντα κωφός, ὁ πάντ'

αἰδοῖς. 213. Pind. P. II. 37. νεφέλα παρελέξατο, ψεῦδος γλυκὴ
μεθέπων, αἰδοῖς ἀνῆρ.

550. κατ' ὀμφῆς σὴν] Jussu tuo. Cf. 102. κατ' ὀμφῆς τὰς
Ἀπόλλωνος. ἐφ' ἀοτάλη πάρα] Cf. Eur. Bacch. 454. ἐφ' ὄπερ
ἐς Θήβας πάρει.

551 sq. Cf. 303.

552. αἱματηρὰς δμμάτων διαφθορὰς] Cf. Ant. 975. Eur. Phoen.
877. αἱματωποὶ δεργμάτων διαφθοραί. Or. 256. τὰς αἱματωποὺς κό-
ρας. Iph. A. 381. αἱματηρὸν δμμ' ἔχων.

553. ὁδοῖς] Cf. ad 303. 1397. El. 68. δέξασθέ μ' εὐτυχοῦντα
ταῖσθε ταῖς ὁδοῖς. Ant. 226.

555. κάρα] Facies, vultus. Cf. El. 1310.

556. Cf. Eur. Alc. 656. ἔδειξας εἰς ἔλεγχον ἐξελθὼν ὃς εἶ.

558. πόλεως — προστροπὴν — ἔχων] Cf. Eur. Iph. T. 618.
θεᾶς γὰρ τῆσδε προστροπὴν ἔχω. Paullo diverso sensu Eur. Pol.
II. 469. προστρόπαιον τῆς πόλεως. προστροπὴν] Supplicatio-
nem. I. q. ἰκεσίαν.

560. Cf. Plat. Men. 92 C. πῶς ἂν εἰδείης περὶ τούτου οὐ ἄπει-
ρος εἴης; Phaed. 65. ἐκεῖνος ἂν ποιήσειε — ὅστις ἴοι.

561. ἐξαφισαΐμην] Cf. Eur. Iph. A. 479. τῶν παλαιῶν ἐξαφί-
σταμαι λόγων.

562. ὃς οἶδα καὶ τὸς —] Cf. 1149. ἃ γ' εἶσει καὶ τὸς ἐκ ταύ-
ταιν ξυγῶν. 1307. οἴκοι δὲ χῆμεις εἰσόμμεσθ' ἃ χρὴ ποιεῖν. Ant.
801. ἐγὼ καὶ τὸς. Eur. Fr. 365. αἰδοῦς τε καὶ τὸς δυσκρίτως ἔχω
πέρι. Arist. Th. 920. οἴμ' ὡς πανοῦργος καὶ τὸς εἶναι μοι δοκεῖς.
Plat. Men. p. 110. ἔμαθον, οἶμαι, καὶ ἐγὼ ὥσπερ καὶ οἱ ἄλλοι.

563. Cf. Tr. 460. Eur. Her. 8. πόνων | πλείστων μετέσχον εἰς
ἀνῆρ. Rhés. 500. καὶ πλείστα χώραν τήνδ' ἀνῆρ καθυβρίσας. Or.
733. ποῦ 'στὶν ἢ πλείστοις Ἀχαιῶν ὄλεσεν γυνὴ μία; Rhés. 946.
καὶ πλείστον ἄνδρ' ἕνα | ἐλθόντα. Hec. 310. Aesch. Pers. 333. εἰς
ἀνῆρ πλείστον πόνον | ἐχθροῖς παρασχών.

564. ἤθλησα] Scilicet latrones suppressens. V. Plut. Thes. c. 7.

565. ὥσπερ σὺ νῦν] Sc. εἶ. Cf. Arist. Ran. 303. ἔξεστί θ'
ὥσπερ Ἡγέλογος, ἡμῖν λέγειν.

566. ὑπεκτραποίμην] Cf. Tr. 549. τῶν δ' ὑπεκτρέπειν πόδα
(φιλεῖ). Plat. Phaed. 108 B.

567. ἀνῆρ] Mortalis. I. q. ἀνθρωπος. Cf. Aj. 77. Ant. 768.
Eur. Med. 673. σοφώτερο' ἢ κατ' ἄνδρα συμβαλεῖν ἐπη. Arist. Av.
1581. τὸν ἄνδρα χαίρειν οἱ θεοὶ κελεύομεν. τῆς ἐς αὔριον —]
Cf. Tr. 945. οὐ γὰρ ἐσθ' ἢ γ' (leg. ἢ 'ς) αὔριον, | πρὶν εὐ πάθη
τις (ἂν περᾶσθης?) τὴν παροῦσαν ἡμέραν. Fr. 520. τὸ δ' ἐς αὔριον
δεῖ τωφλὸν ἔρπει. Sic εἰς νέωτα, εἰς ὥρας.

568. σοῦ] I. e. ἡ σοί. Cf. Ant. 75. πλείων χρόνος | ὃν δεῖ
μ' ἀρέσκεν τοῖς κάτω τῶν ἐνθάδε. Ph. 681.

571. ὃς εἶμι] Cf. O. R. 1068. Aj. 1259.

573. τὸ λοιπὸν] Posthac. Cf. El. 457. Tr. 168. Aj. 666. Ph. 454. 460. O. R. 795. 1273. Ant. 311. 717.

574. διοίχεται] Cf. Eur. Fr. 1063, 16. ἀνήρ τ' ἀρχαῖος χῆ γυνή διοίχεται. Aesch. Fr. 138, 2. ἀποίμωξόν με — τὰμὰ γὰρ διοίχεται.

577. σπουδαῖον] Worthy of attention, desirable. εἰς ὄψιν] In appearance. Fort. εἰσορᾶν.

580. τῷ παρόντι νῦν] Cf. El. 1293. τῷ παρόντι νῦν χρόνῳ. Fr. 1169. χρόνῳ τῷ ζῶντι καὶ παρόντι νῦν. El. 1255. ὁ — παρῶν — χρόνος.

583. τὰ λοιπὰ αἰτεῖ τοῦ βίου] You ask for the last (requirements) of life. Cf. O. R. 1487. τὰ λοιπὰ τοῦ πικροῦ βίου.

τὰ δ' ἐν μέσῳ] But as for its present needs (between now and the hour of your decease) etc. Cf. Ant. 537. καὶ ξυμμετίσχω καὶ φέρω τῆς αἰτίας. Eur. Hel. 1045. οὐ τὰν ἀνάσχοι' οὐδὲ σιγήσειεν ἄν | μέλλοντι' ἀδελφῇ σύγγονον κατακτανεῖν.

584. λῆσιν ἴσχεις] Cf. Aj. 520. ἴσχε — μνήσιν. 1269. Critias Athen. X. 432 E. λῆσις (leg. λῆσις) δ' ἐκτῆκει μνημοσύνην πραπίδων. δι' οὐδενὸς ποιεῖ] I. q. παρ' οὐδὲν ποιεῖ. Cf. ad El. 1327.

585. Schol. προσδοκῶν γὰρ οὐ ὠφελήσεσθαι παρ' ἐμοῦ δταν ἀποθάνω, ζῶντα με γηροβοσκήσεις.

586. ἐν βραχεῖ — χάριν] Cf. Tr. 1216. πρόσνευμαι δέ μοι | χάριν βραχεῖαν. Ph. 26. τοῦργον οὐ μακρὰν λέγεις.

587. ὄρα γε μὴν] Cf. El. 1243. ὄρα γε μέντοι —. Aesch. Cho. 942. ἄνα γε μάν, δόμαι. οὐ σμικρὸς, οὐκ, —] Cf. ad Aj. 970. Thuc. II. 89. ὁ δὲ ἀγὼν μέγας ὑμῖν. Arist. Pac. 276. Antiphon apud Stob. Flor. 68, 37. μέγας γὰρ ἀγὼν γάμος ἀνθρώπων.

588. ἢ μοῦ] I. e. ἢ τὰ ἐμοῦ. Cf. 268. 606. El. 991. 1498. Phil. 1384. λέγεις δ' Ἀτρεΐδαις ὄφελος ἢ 'π' ἐμοὶ (ἢ κάμοι?) τάδε; Eur. Phoen. 750. τὸ τοῦδε κῆδος μᾶλλον εἶλει' ἢ πατρός. Arist. Av. 1435. διαζῆν — ἐκ τοῦ δικαίου μᾶλλον ἢ (i. e. ἢ ἐκ τοῦ) δικορραφεῖν.

591. δι' αὐτὸς ἤθελον] Sc. φεύγειν.

592. θυμὸς ἐν κακοῖς οὐ ξύμφορον] Cf. Phil. 1387. διδάσκον μὴ θρασύνεσθαι κακοῖς (l. 'ν κακοῖς).

593. δταν μάθης μου] Cf. O. R. 544. Aj. 800. Ant. 723. 1031. El. 889. Ph. 370. πρὶν μαθεῖν ἐμοῦ. El. 889. μαθοῦσά μοι. Eur. Rhos. 129. μαθόντιες ἐχθρῶν μηχανὰς κατασκοπόου. τανῦν δ' ἔα] Sc. τὸ νουθετεῖν.

597. πᾶς — Ἑλλήνων] Cf. 25. πᾶς γὰρ τις ἠῦδα τοῦτό γ' ἡμῖν ἐμπόρων. Oedipi sors τριπόλις οἷος dicitur Ant. 857.

598. Cf. Phil. 601. Aesch. Ag. 272. τί γὰρ τὸ πιστόν ἐστι τῶνδὲ σοι τέκμαρ; Eur. Herc. 151. τί δὴ τὸ σεμνὸν σὺ κατεῖργασται πόσει; Bacch. 492. τί με τὸ δεινὸν ἐργάσει; Or. 245. Arist. Lys. 366. Thuc. VII. 45. δπλα πλέω ἢ κατὰ τοὺς νεκροὺς ἐλήφθη.

Plat. Resp. II. p. 211. νεκρὸν μείζω ἢ κατ' ἀνθρωπον. Crat. 247. ταῦτα μείζω ἐστὶν ἢ κατ' ἐμὲ καὶ σὲ ἐξευρεῖν. Plut. Artax. 15. λόγους δὲ μείζους ἢ καθ' ἡμᾶς ἐάσωμεν. Xen. Mem. IV. 4. 24. βελτίονος ἢ κατ' ἀνθρωπον νομοθέτου δοκεῖ μοι εἶναι. Isocr, p. 223. ἐλάττω νομίσας ἢ κατὰ τὴν αὐτοῦ φύσιν εἶναι. μείζον ἢ κατ' ἀνθρωπον] Cf. Ant. 768. δρᾶτω, φρονεῖτω μείζον ἢ κατ' ἀνδρ' ἰών. Tr. 1018. τοῦργον τόδε μείζον ἀνήκει (ἀν εἶη Nauck.) | ἢ κατ' ἐμὴν δόξαν. Aj. 761. Sept. 425. οὐ κατ' ἀνθρωπον φρονεῖ. Prom. 890. Eur. Med. 675. σοφώτερο' ἢ κατ' ἀνδρα συμβαλεῖν ἔπη. Herod. IV. 95. ἦθεα βαθύτερα ἢ κατὰ Θρηΐκας. VIII. 38. δύο γὰρ ὀπλίτας μέζοντας ἢ κατὰ ἀνθρώπων φύσιν ἔχοντας (ἐόντας Matth.) ἔπεσθαι σφι.

600. τῶν — σπερμάτων] Cf. 1275. ὦ σπέρματ' ἀνδρὸς τοῦδε.

602. Cf. O. R. 951. τί μ' ἐξεπέμφω δεῦρο τῶνδε δωμάτων; 434. ἐστειλάμην. 556. Eur. Hec. 963. τί χρῆμ' ἐπέμφω τὸν ἐμὸν ἐκ δόμων πόδα; Herc. 1421. εἰς Ἀθήνας πέμψομαι Θηβῶν ἄπο (I will send for you).

604. χρηστηρίων] Cf. 1331. Aj. 220. Eur. Ion. 419. χρηστήριον πέπτωκε τοῖς ἐπήλνοι | κοινὸν πρὸ ναοῦ. Hinc χρηστηριάζεσθαι Diodor. Sic. XVI. 26.

606. τὰμὰ κάκεινων] I. e. τὰμὰ καὶ τὰ ἐκείνων. Cf. ad 268. 588. El. 1498. Eur. Iph. A. 859. χωρὶς τὰμὰ κάγαμέμνονος. Eur. Phoen. 474. τοῦμὸν καὶ τοῦδε. Eur. El. 303. ἄγγελλ' Ὀρέστη τὰμὰ κάκεινον κακά. Sed infra 922. τὰμὰ καὶ τὰ τῶν θεῶν. O. R. 1147.

607 sq. Cf. Fr. 766.

609. συγγεῖ] Consumit. Cf. Tr. 1229. ὁ παγκρατῆς χρόνος] Cf. Aesch. Cho. 965. παντελής χρόνος (schol. ὁ πάντα τελῶν). Prom. 981. Simonid. Fr. 5. ὁ πανδαμάτωρ — χρόνος.

610. φθίνει — ἰσχὺς γῆς] Cf. O. R. 25. 666.

611. βλαστάνει δ' ἀπιστία] Cf. Aesch. Sept. 600. ἀφ' ἧς τὰ κεδνὰ βλαστάνει βουλευματα. Arist. Lys. 406. ἀπιστία] Cf. Trag. adesp. 86. πόλλ' ἀπιστία δέδρακεν ἀγαθὰ καὶ πίστις (πίστις δ' αὐτῶν) κακά.

612. πρόσθε — ποτ'] Cf. Aj. 612. πρὶν δὴ ποτε.

614. Cf. Aj. 34. πάντα γὰρ τὰ τ' οὖν πάρος | τὰ τ' εἰσέπειτα etc. Eur. Iph. T. 1230. τὰ τε πρῶτα (πρόσθε?) τὰ τ' ἔπειτα. ἐν ὑστέρω χρόνω] Cf. Tr. 18. χρόνω δ' ἐν ὑστέρω.

615. Cf. Aj. 1359. ἢ κάρτα πολλοὶ νῦν φίλοι καῦθις πικροί.

616. εὐήμερεῖ] Floret. Cf. El. 653. εὐήμεροῦσαν. Eur. Fr. 773, 47. εὐαμερία.

617 sq. Cf. El. 1364 sq. ὁ μυρίος χρόνος] Cf. 397. ἤξουσι βαιοῦ κοῦχι μυρίον χρόνον. Phil. 1168. μυρίον ἀχθος. Fr. 377, 1. μυρία μία | νῦξ ἐστι. Ant. 1064. ἀλλ' εὖ γέ τοι κάτισθι μὴ πολλοὺς ἔτι | τροχοὺς ἀμιλλητήρας ἥλιον τελεῖν | ἐν οἴοι —. Aesch. Prom. 94. τὸν μυριετῆ χρόνον. Eur. Hec. 606. ἐν τοι μυρίῳ στρατεύματι | ἀκόλαστος ὄχλος. Phoen. 313. μυρίαὶς ἐν ἀμέραις. Suppl. 787.

χρόνος παλαιός πατήρ — ἀμερᾶν. Fr. 245. μυρίον στρατεύματος. Theocr. 16, 22. τί δὲ κέρδος ὁ μύριος ἐνδοθι χουσός | κείμενος;

618. τεκνοῦται] Cf. Eur. Ion. 1263. νύχια Χθῶν ἐτεκνώσαστο φάσματ' ὄνειρων. νύκτας ἡμέρας τ'] Cf. Thuc. II. 97. τεσσάρων ἡμερῶν καὶ ἴσων νυκτῶν. El. 1365. Sic apud Horatium 'noctesque diesque.' Hinc νυχθήμερον (non ἡμερονύκτιον). Antiquitus enim dies vespertino tempore inchoare existimabatur. ἰών] In its course. Qu. ἴσας.

619. δεξιώματα] Amicitiae pignora. Cf. Eur. Fr. 324. ᾧ χουσὸν, δεξιῶμα κάλλιστον βροτοῖς. Vocabulum nusquam alibi in Tragoedia reperiuntur.

620. ἐκ σμικροῦ λόγου] Cf. 443. ἔπος μικροῦ χάριν. Ph. 731. τί — ἐξ οὐδενὸς λόγου σιωπᾶς; Aesch. Cho. 508. ἐκ σμικροῦ λόγου. Eur. Andr. 549. ἐκ τίνος λόγου νοσεῖ | δόμος; Arist. Eccl. 731. οὐδὲν πρὸς ἔπος.

621. ἔν'] Ubi, quando. Cf. 405. 411. εὐδῶν] I. q. κοιμώμενος. κεκρυμμένους] Cf. 1546.

622. θερμὸν αἷμα πέται] Cf. O. R. 1400. Aesch. Eum. 910. μηδὲ πιούσα κόνις μέλαν αἷμα πολιτῶν etc. Sept. 733. ἐπεὶ — χθονία κόνις πῆ μελαμπαγὲς αἷμα φοῖνιον.

623. ὁ Διὸς Φοῖβος] Cf. ad Aj. 172. Eur. Bacch. 859. τὸν Διὸς Διόνυσον. Aesch. Fr. 375. ἐναγώνιε Μαΐας καὶ Διὸς Ἐρμᾶ. Arist. Ran. 631. Διόνυσος Διὸς. σαφῆς] I. e. ἀληθῆς, ut explicat schol.

624. ἀλλ' οὐ γὰρ —] Cf. 755. ἔπη τᾶκίνητ'] Cf. Ant. 1060. ὄρσει με τᾶκίνητα διὰ φρενῶν (?) φράσαι. Infra 1526. ἀ δ' ἐξάγιστα μηδὲ κινεῖται λόγῳ.

626. διασκεδῶσιν] They will scatter to the winds. Cf. Ant. 287. καὶ γῆν ἐκείνων καὶ νόμους διασκεδῶν.

627. οἰκητῆρα] Cf. ad Aesch. Sept. 19.

632. δορυξένος — ἐστία] Cf. Aesch. Cho. 914. οὔτοι σ' ἀπέροισ' ἐς δόμους δορυξένους.

636. σεβισθεῖς] Alibi Sophocles activam formam exhibet. Sic 1007. θεοὺς — σεβίζειν. 1557. Ant. 943. Media forma occurrit Aesch. Suppl. 815. 922. Cho. 912.

638 sq. Cf. Hom. Il. 1, 135 sq. Thuc. III. 3. καὶ, ἦν μὲν ξυμβῆ ἡ πείρα· εἰ δὲ μὴ, Μυτιληναίοις εἰπεῖν etc. Arist. Pl. 468 sq. Th. 536 sq. Men. IV. 266. εἰ μὲν δὴ τινα πόρον ἔχεις· εἰ δὲ μὴ, νερόηκ' ἐγώ. Plat. com. II. 621. εἰ μὲν σοι τὴν θάλατταν ἀποδώσει ἐκῶν· εἰ δὲ μὴ, πάντα ταῦτα συντριανῶν ἀπολέσω (ἐξολῶ?). Soph. Fr. 420. εἰ μὲν τις οὖν ἔξεισιν· εἰ δὲ μὴ, λέγε. Plat. Conv. p. 320. εἰ μὲν σοι ἐθέλη — παύεσθαι ἢ λύξ· εἰ δὲ μὴ, ὕδατι ἀνακογχυλίασον. et cantilenam apud Athen. VIII. c. 15. εἰ μὲν τι δώσεις· εἰ δὲ μὴ, οὐκ ἐάσομαι.

639 sq. Cf. Tr. 457 sq. Eur. Tro. 874. κτανεῖν ἐμοί νιν ἔδοσαν, εἴτε μὴ κτανεῖν | θέλοιμ', ἀγεσθαι πάλιν ἐς Ἀργεῖαν χθόνα. O. R. 92. ἔτοιμος εἰπεῖν (εἰμὶ) εἴτε καὶ στείχειν ἔσω. Aesch. Fr. 266. τοὺς θανάτῳ εἰ θέλεις εὐεργετῆν, | εἴτ' οὖν κακουργεῖν, ἀμφιδεξίως ἔχει.

640. τόδ'] Emphatice illatum. Cf. ad 504. O. R. 407.

641. κριναντι] Cf. O. R. 640. ξυνοῖσομαι] Sc. σοι. I. q. οὐκ ἀντιστήσομαι (645). Photius, Συμφέρεται: συναρμόττει, συμφωνεῖ, ὁμοιοεῖ. Cf. El. 946. ξυνοῖσω πᾶν ὄσονπερ ἂν σθένω. Phil. 627. σφῶν δ' ὅπως ἄριστα συμφέροι θεός. Aesch. Suppl. 251. μόνον τόδ' Ἑλλὰς χθῶν ἄννοῖσεται στόχῳ. Eur. El. 527. ἔπειτα χαίτης πῶς ἄννοῖσεται πλόκος; ξυνοῖσομαι] Pro ξυνοῖσω. Cf. Eur. El. 527. Sic διοῖσεται pro διοῖσει Aj. 511. Herod. I. 173. οὐδαμοῖσι ἄλλοισι συμφέρονται (resemble) ἀνθρώπων. II. 80. συμφέρονται δὲ καὶ τότε ἄλλο — Λακεδαιμονίοισι. II. 44. εὖρον δὲ οὐδὲ τοῦτους τοῖσι Ἑλλῆσι συμφερομένους. IV. 13. οὐδὲ οὗτος συμφέρεται — Σκύθησι. IV. 114. οὐκ ἂν ὧν δυναίμεθα ἐκείνησι συμφέρεσθαι. IV. 154. συμφέρονται ἤδη Θηραῖοι Κύρηναίοισι. Plat. Legg. XI. 929 E. Isocr. p. 319 A. εἰ μὲν οὖν μοι συνοῖσει ('whether you will agree with me') κατειπόντι τὴν ἀλήθειαν οὐκ οἶδα. Plut. Sol. 25.

642. διδοίης — εὖ] Cf. 1435. ὦ Ζεῦ, διδοίης τοῖσι τοιούτοιςιν εὖ. O. R. 1081. Eur. Iph. A. 390. θεοῦ σοι τὴν τύχην διδόντος εὖ. Andr. 751. ὦ πρόσβν, θεοί σοι δοῖεν εὖ καὶ τοῖσι σοῖς. Eur. Suppl. 473. κακοῖσιν ὡς ὅταν δαίμων διδοῖ | καλῶς ὑβρίζουσ'.

643. τῆς ξυνοῖσας] Schol. τῆς ἐνταῦθα διατριβῆς.

647. μέγ' ἂν λέγοις δώρημα] Cf. El. 797. πολλῶν ἂν ἦκοις, ὦ ξέν' ἄξιος τυχεῖν, | εἰ τήνδε παύσας etc.

648. ἔμμενεῖ] Cf. O. R. 351. Aesch. Cho. 964. ὄρκος τ' ἔμμενει πιστώμασι. τελοῦντί μοι] I. e. ὥστε τελεῖν σέ μοι.

649. τὸ τοῦδέ γ' ἀνδρὸς] I. e. τὸ ἐμοῦ γε. Cf. 1412. I. q. θάρσει τοῦπ' ἐμέ (cf. Eur. Or. 1338. σώθηθ' ὅσον γε τοῦπ' ἐμέ). El. 1203. τὸ τῶνδε. Ph. 330. τὸ τῆς νόσου. Aesch. Suppl. 603. θαρσεῖτε, παῖδες, εὖ (ἔς?) τὰ τῶν ἐγχωρίων. Eur. Andr. 994. θάρσει (add. 'ς?) γέροντος χεῖρα. Xen. Anab. III. 2. 20.

650. ὑφ' ὄρκου — πιστώσομαι] I. e. ὀρκώσω (Thuc.). Cf. Phil. 811. οὐ μὴν σ' ἔνορκόν γ' ἀξιῶ θέσθαι, τέκνον. Aesch. Cho. 977. ὄρκος τ' ἔμμενει πιστώμασι. Aesch. Fr. 276. οὐκ ἀνδρὸς ὄρκοι πίστις, ἀλλ' ὄρκων ἀνήρ. Herod. IX. 106. πίστι τε καταλαβόντες (αὐτοὺς) καὶ ὀρκίοισι. ibid. τοῦτους δὲ καταλαβόντες ὀρκίοισι. III. 74. πίστι τε λαβόντες (καταλαβόντες Schw.) καὶ ὀρκίοισι. Infra 1039. πιστωθεῖς οὐ etc. οὔτοι — γε] Cf. O. R. 629. El. 763. Tr. 491.

651. Cf. El. 633. οὐκ ἂν πέρα λέξαιμ' ἔτι. Eur. Alc. 54. οὔτοι πλεον γ' ἂν ἤ μίαν ψυχὴν λαβοῖς. 72. πόλλ' ἂν σὺ λέξας οὐδὲν ἂν πλεον λάβοις. 506. τί δ' ἂν κρατήσας δεσπότην πλεον λάβοις; Iph. T. 496. τί δ' ἂν μαθοῦσα τότε πλεον λάβοις, γύναι;

653. τοῖσδ' ἔσται μέλον] Cf. 1433. ἔσται μέλουσα. El. 459. ἔσται μέλον.

654. Cf. Arist. Ph. 215. ~~δοῦναι~~ XP. μὴ φρονιζέει μηδὲν, ὠγαθέ.

657. πρὸς βίαν ἐμοῦ] Cf. Aj. 1327. φησὶ — πρὸς βίαν θάψωμαι ἐμοῦ.

660. αὐτοῦ γένηται] Cf. Ph. 950. Arist. Vesp. 642. οὗτος ἦδη σκορδινᾶται κάσιν οὐκ ἐν (ἔθ'?) αὐτοῦ. Herod. VII. 47. οὐδ' ἐντὸς ἐμεινωτοῦ (εἰμί). Plat. Phaedr. 250. ἐκπλήττονται καὶ οὐκέθ' αὐτῶν γίνονται. Charm. 155 D. ἐφλεγόμην καὶ οὐκέτ' ἐν ἐμαντῶ ἦν. Dem. p. 26. δεῖ δὴ — ὑμῶν αὐτῶν ἔτι καὶ νῦν γενομένους κτλ. p. 42. ἦν ὑμῶν αὐτῶν ἐδελήσθητε γενέσθαι. Plut. Syll. 9. ἡ δὲ σύγκλητος ἦν μὲν οὐχ αὐτῆς. Terent. V. 4. 35. 'Vix sum apud me, ita animus commotus est metu, spe, gaudio etc.'

661. ἐπερρώσθη] Qu. ἐπερρώσθη. Ἐπιρρώσθη apud Homerum significat celeriter moveri, Il. 1, 529. Od. 20, 107. Hesiod. Th. 8. ἐπερρώσαντο δὲ πουσίν. Eodem sensu simplex ῥώεσθαι, Il. 11, 50. etc. Cf. ad 1081.

662. τῆς σῆς ἀγωγῆς] Cf. 355. ἃ τοῦδ' ἐχρήσθη σώματος. O. R. 1401. El. 317.

663. πέλαγος] Cf. O. C. 1746. μέγ' ἄρα πέλαγος ἐλάχετ' αἴτης. Eur. Hipp. 824. ἐκπερᾶσαι κῆμα συμφορᾶς.

664. Cf. 403. κἄνευ θεοῦ τις τοῦτό γ' ἂν γνώμη μάθοι. El. 547. δοκῶ μὲν, εἰ καὶ σῆς δίχα γνώμης λέγω. Arist. Eccl. 525. κἄνευ μύρου. De syllaba longa ante creticum finalem cf. ad Phil. 22.

665. ἐπαινώ] I. q. παραινῶ. Cf. Aj. 1360. τοιούσδ' ἐπαινέεις δῆτα σὺ καῖσθαι φίλους; El. 1322. σιγᾶν ἐπήνεσα. Eur. Andr. 554. ῥώμην μ' ἐπαινώ λαμβάνειν. Aesch. Suppl. 997. ὑμᾶς δ' ἐπαινώ μὴ κατασχύνειν ἐμέ. Cho. 574. ὑμῖν (ὑμᾶς?) δ' ἐπαινώ γλώσσαν εὐφημον φέρειν. Sept. 593. πέμπειν ἐπαινώ. Simplex verbum αἰνώ hoc sensu est Cho. 547.

667. πάσχειν κακῶς] Cf. El. 770. κακῶς πάσχοντι.

668. εὐίππον — τᾶσδε χώρας] Cf. 711. Eur. Bacch. 574. εὐίππον χώραν. Andr. 1018. πλείστους — εὐίππους ὄχους ἔξενξαιτε. Hec. 1072. Θρηῆκης — εὐίππον — γένος. Cratin. Fr. 346. εὐίππο-τάτη Μαραθῶν. Pind. P. IV. 2. εὐίππον βασιλῆϊ Κυρῆνας. Arist. Nub. 300. λιπαρὰν χθόνα Παλλάδος, εὐάνδρον γὰν Κέκροπος. Pind. N. V. 9. εὐάνδρον (ἄρουραν). Iph. T. 133. Ἐλλάδος εὐίππου. Phoen. 17. Θῆβαισιν εὐίπποις. Tro. 229. εὐάνδρον — γᾶν. Sic oppidum Thebae εὐάματος (i. e. 'skilful in charioteering') dicitur Ant. 845.

669. ἔπαυλα] Sedes, habitationes. Proprie stabula, ut in O. R. 1138. Aesch. Pers. 876. Θρηκίων ἐπαύλων.

670. ἀργῆτα] I. e. λευκόγεων, ut recte exponit schol. Cf. Aesch. Eum. 46. ἀργῆτι μαλλῶ. Pind. P. IV. 14. πόλις ἐν ἀργάεντι μαστῶ (Cyrene). Apud Homerum ἀργινόεσσα Λύκαστος, Κάμειρος.

671. ἄ λῆγεια — ἀηδῶν] Cf. Aesch. Ag. 1146. ἰὼ ἰὼ λῆγείας μόνρον ἀηδόνος. μινύρεται] Cf. Aesch. Ag. 15. δταν δ' αἰείδειν ἤ μινύρεσθαι δοκῶ (δοκῆ aut θέλω?). Arist. Eccl. 880. μινυρομένη τε πρὸς ἔμαντήν μέλος. Callim. L. P. 119. διαμινύρομαι Arist. Thesm. 100. διαμινύρεται.

672. θαμίζουσα] Cf. Fr. 462, 3. τῷδε (τῆδε?) γὰρ θαμίζεται.

673. χλωραῖς] Green. Cf. Ant. 1133. χλωρά τ' ἀκτὰ πολυστάφυλος. βάσσεις] Cf. Aj. 198. ἐν εὐανέμοις βάσσαις.

674. οἰνώπα κισσόν] I. e. nigricantem. Cf. O. R. 211. οἰνώπα Βάκχον. Simonid. in Anth. P. VII. 20. οἰνωπὸν Βάκχον βότρυν ἐρεπιτόμενος. Hom. Il. 1, 350. οἴνοπα πόντον. Confer εὐώψ, φλογών.

675. ἄβατον] Cf. Fr. 85, 7. ἔρπειν ἔς τε τᾶβατα καὶ πρὸς τὰ βατά. 676 sq. Cf. Tr. 145 sq. Hom. Od. 13, 478 sq.

676. φυλλάδα] Cf. Fr. 754. τεμενίαν τε φυλλάδα. Ph. 33. στρωτή — φυλλάς. Aesch. Ag. 940. δίζης γὰρ οἴσης φυλλάς ἔκει' ἔς δόμους. 89. φυλλάδος ἤδη κατακαρφομένης. Eur. Suppl. 32. Herod. VIII. 24. ἔθαψε — φυλλάδα ἐπιβαλὼν.

677. ἀνήνεμόν τε πάντων χειμώνων] Cf. Eur. Hel. 1457. δταν αὔραις (αὔρας Badham) πέλαγος νήνεμον ἤ. Iph. A. 982. ἀνοσοσ κακῶν ἐμῶν.

678. βακχιώτας] Bacchator. Α βακχιουῖσθαι (Fr. 874, 1. τὴν βεβακχιωμένην (bacchatam) — Νῦσαν).

679. ἐμβατεύει] Versatur. Cf. O. R. 825. μήτ' ἐμβατεύειν πατρίδος. Eur. Fr. 696. δς τε πέτρον (πέτραν?) Ἀρκάδων δυσχείμερον (Πάν) ἐμβατεύεις. Aj. 694. Cratin. 321. χαῖρ', ὦ — Πάν Πέλασγικὸν Ἄργος ἐμβατεύων. Aesch. Pers. 453. νῆσός τις ἐστὶ — ἦν ὁ φιλόχορος | Πάν ἐμβατεύει. Eur. Rhes. 223. Λυκίας ναὸν ἐμβατεύων Ἄπολλον.

680. τιθήναις] Cf. 1050. οὗ πότναι τιθηνοῦνται τέλη.

681. οὐρανίας ἄχνας] Rorem intellige. Cf. Tr. 848. ἀδινῶν χλωρὰν τέγγει δακρῶν ἄχναν. Eur. Or. 115. οἰνωπὸν τ' ἄχναν. Fr. 42. ἄχνην Λυδῆς κερκίδος. Aesch. Fr. 336. ἄχνη πυρός.

682. κατ' ἄμαρ αἰεί] Cf. Ph. 797. El. 259. et ad 688.

684. ἀρχαῖον στεφάνωμ'] Cf. Aesch. Fr. 235. τῷ δὲ ξένω γε στέφανον, ἀρχαῖον στέφος (πλέκος Herw. fort. γάνος). Ag. 579. ἀρχαῖον γάνος. "Ad Sophoclis verba, ubi narcissus μεγάλαιν θεαῖν ἀρχαῖον στεφάνωμα vocatur, comparandus est Plutarch. Symp. III. 1. (p. 647 B.) ex quo sua hansit Clemens Alex. Paed. II. p. 78. Sylb." (Meinek. ad Euphor. p. 123.).

686. μινύθουσι] Intransitive, ut in Hom. Il. 17, 738. μινύθουσι δὲ οἴκοι. 16, 392. Od. 4, 374. Aesch. Sept. 920. δ (φορῆν) κλαιόμενας μιν μινύθει. Eum. 374. δόξαι — τακόμεναι κατὰ γᾶν μινύθουσιν ἄτιμοι. Confer φθινύθω, Hom. Il. 2, 346. 17, 364. Od. 12, 131.

687. νομάδες ῥεέθρων] Quae flumina nutriunt (implent).

688. Contra Strabo aestate fere siccum esse Cephissum affirmat (IX. p. 400.). ἐπ' ἡματι] Cf. Hom. II. 10, 48. ἄνδρ' ἔνα τοσσάδε μέρμερ' ἐπ' ἡματι (for a day) μητίσασθαί. II. 19, 229. ἐπ' ἡματι θακρούσαντας. Od. 12, 105. τρίς μὲν γάρ τ' ἀνήσιν ἐπ' ἡματι, τρίς δ' ἀναροιβδεῖ. Od. 14, 105. τῶν αἰεὶ σφιν ἕκαστος ἐπ' ἡματι (quotidie) μῆλον ἀγινεῖ. Hesiod. Op. 102. νοῦσοι δ' ἀνθρώποισιν ἐφ' ἡμέρῃ ἧδ' ἐπὶ νυκτι | αὐτόματοι φοιτῶσι.

689. ὠκντόκος] I. e. fecundans. Ἀρτέμδος epithetum est Timoth. Fr. 5.

691. στερνούχον χθονός] Cf. Pind. N. IX. 25. τὰν βαθύστερον χθόνα.

693. χρυσάνιος] Cf. Aj. 847. ἐπισχὼν χρυσόνωτον ἠνίαν (ἧλιος).

694. Cf. Aesch. Eum. 703. ξρυμα — ολον οὔτις ἀνθρώπων ἔχει | οὔτ' ἐν Σκύθαισιν οὔτε Πέλοπος ἐν τόποις.

696. νάσω Πέλοπος] I. e. Peloponneso. V. Blomf. Gl. Pers. 822.

698. ἀχείρωτον] Invictum. Contra εὐχείρωτος (victu facilis). Aesch. Pers. 452. Xen. Hell. V. 3. 4. αὐτόποιον] Cf. ad 193. Fr. 306. αὐτοκίτους δόμους. Ph. 35. αὐτόξυλόν γ' ἔκπωμα. Aesch. Pr. 309. πετρηρεφῆ | αὐτόκιυ' ἄντρα. Herod. II. 149. λίμνη — χειροποίητος. Heliodor. II. 29. σκηπτοῦ τινὸς ἢ χειροποίητου πωρὸς — ἐμπροσόντος. Sic Aelianus de Tempe dicit (V. H. III. 1.), οὐκ ἀνθρωπίνης χειρὸς ἔργα, ἀλλὰ φύσεως αὐτόματα. Hesiod. Th. 813. χάλκεος οὐδὸς — αὐτοφυῆς. Arist. Fr. 162. αὐτοφυῆς. Eur. Fr. 593. σὲ τὸν αὐτοφυᾶ. Herod. IV. 74. αὐτομάτη — φύεται. Theocr. 25, 208. βάκτρον — εὐπαγὲς αὐτόφλοιον. De sensu non convenit.

700. θάλλει] Cf. Aesch. Pers. 616. τῆς αἰὲν φύλλοισι θαλλούσης ἴσον | ξανθῆς ἐλάας. μέγιστα] Cf. O. R. 1223. Ph. 419. καὶ μέγα | θάλλοντες εἶσι. Herod. V. 97. αὕτη γὰρ ἡ πόλις — ἐδυνάστυενε μέγιστα.

701. γλανκᾶς — ἐλαίας] Cf. Eur. Ion. 1438. στέφανον ἐλαίας — ἦν πρῶτ' Ἀθάνας σκόπελος ἐξηνέγκατο, κτλ. 1486. τὸν ἐλαωφνῆ πάγον. Tro. 804. ὄχθοις ἱεροῖς, ἐν' ἐλαίας πρῶτον ἔδειξε κλάδον γλανκᾶς Ἀθάνα, οὐράνιον στέφανον, λιπαραῖσιν κόσμον Ἀθάναις. 1101. γλανκᾶς θαλλὸν ἱερὸν ἐλαίας. Script. V. Arist. p. 35 D. ἐστεφανώθη θαλλῶ τῆς ἱερᾶς ἐλαίας, δε νερόμισται ἰσότημος χρυσοῦ στεφάνω. ἐλαίας] Cf. 705. Arist. Nub. 1005. ἀλλ' εἰς Ἀκαδήμειαν κατιῶν ὑπὸ ταῖς μορῖαις ἀποθρέξεις (καταθρέξεις?). Plut. Anton. 34. ἀπὸ τῆς ἱερᾶς ἐλαίας στέφανον ἔλαβε. παιδοτρόφου] Cf. Arist. Av. 1100. λευκότροφα μύρτα.

702 sq. Allusio videtur esse ad Xerxis et Archidami historiam: alioquin enim quod de senibus dicit poeta ineptum foret. Thucydides Archidamum πολλῶν μαχῶν ἔμπειρον vocat, unde provectum aetate eum tum fuisse colligere possumus.

702. νεαρός] Cf. 475. οἴος γε νεαροῦς —. Aesch. Ag. 358. ὡς μήτε μέγαν (adultum) μήτ' οὖν νεαρῶν τιν' ὑπερτελέσει μέγα δου-

λείας γάγγαμον ἄτης παναλώτου. 75. νεαρὸς μυελὸς — ἰσόπρεσβυς. 1504. Hom. Il. 2, 289. παῖδες νεαροὶ χηραὶ τε γυναῖκες. Pind. P. 10, 25. νεαρὸν — υἷον.

703. γήρα συνναίων] Cf. El. 240. εἴ τω πρόσκειμαι χορησιῶ, ξυνναίωμι' εὐκηλος. 600. κακοῖς | πολλοῖς ἀει ξυνοῦσα. 785. ἦδε γὰρ μείζων βλάβη | ξύνοικος ἦν μοι. Aj. 611. θεία μανία ξύναυλος. Eur. Fr. 370, 2. μετὰ δ' ἦουχίας πολὺ γήρα συνουκοίην. Pind. P. IX. 23. τὸν δὲ σύγκοιτον γλυκὴν — ὕπνον etc. ἀλιώσει] Exstinguet, perdet. Cf. Tr. 258. κοῦχ ἤλωσε τοῦπος. Infra 1469. οὐ γὰρ ἄλιον ἀφορμᾶ ποτε (βέλος). Cf. v. ἠλιθιοῦν Aesch. Ag. 366.

704. κύκλος] Eye-ball, eye. Cf. Ph. 1354. ὦ τὰ πάντ' ἰδόντες ἀμφὶ μοι κύκλοι.

706. Cf. Tr. 63. ἐλεύθερον λόγον. Fr. 204.

707 sq. Cf. 713. Arist. Eq. 551. ἔπι' ἄναξ Πόσειδον. Aesch. Sept. 130. ὃ θ' ἔπιος ποντομέδων ἄναξ.

710. χθονὸς αὐχημα μέγιστον] Cf. El. 681. τὸ κλεινὸν Ἑλλάδος | πρόσχημ' ἀγῶνος (qu. κοινὸν — αὐχημ'). Eur. Phoen. 1137. ὕδρας — Ἀργεῖον αὐχημ'.

711. εὐπιπον —] Haec tria epitheta (εὐπιπον, εὐπωλον, εὐθάλασσον) revera non ad αὐχημα, sed ad ματρόπολιν (707) pertinere videntur. Cf. 668. εὐπιπον τᾶσδε χώρας. Arist. Nub. 300. εὐανδρον γᾶν (Atticam). Eur. Hec. 1072. Θρηῆς — εὐπιπον γένος. Phoen. 17. Θήβαισιν εὐίπποις. Epithetum εὐπιπον ad rei equestris peritiam spectat, εὐπωλον ad progeniei equinae excellentiam. εὐπωλον] I. q. κλυτόπωλον (Pind. Fr. 289. κλυτοπόλον Ποσειδάωνος). Hom. Il. 5, 551. Ἴλιον εἰς εὐπωλον. Iliad. parv. Fr. 1. Λαρδανίην εὐπωλον.

713 sq. Cf. Eur. Phoen. 1720. ἱερὸς Κολωνὸς δῶμά θ' ἱπιῖον θεοῦ. Steph. Byz. in Βάρκη: — οἱ τὰς ἱπποτροφίας παρὰ Ποσειδῶνος, ἡμιοχέιν δὲ παρὰ Ἀθηναῖς ἔμαθον. Arist. Eq. 551. ἔπι' ἄναξ Πόσειδον. Aesch. Sept. 133. ἔπιος ποντομέδων ἄναξ — Ποσειδῶν. νιν εἰς τόδ' εἶσας αὐχημ'] Cf. Ant. 1000. εἰς παλαιὸν θᾶκον — ἴζων. Pro εἶσας fort. ἦρας.

714. ἀκεστῆρα] Alia forma ἀκέστωρ est Eur. Andr. 901. ὦ Φοῖβ' ἀκεστῶρ. Neutra forma alibi in Tragoedia occurrit.

716. εὐήρετος] Cf. Aesch. Pers. 382. σκαλμὸν ἄμφ' εὐήρετμον. Eur. Ion. 1160. εὐηρέτους ναῦς. ἔκπαγλα] Connectendum cum θρώσκει. Cf. Ant. 1137. τὰν ἔκπαγλα τιμᾶς. El. 204. ἔκπαγλ' ἄχθη. Hom. alicubi, ἔκπαγλ' ἐφίλησα. Il. 1, 268. ἐκπάγλως. Mosch. IV. 2. ἐκπάγλως ἀχέουσα. Callim. H. Del. 248. ἀλλὰ μιν ἔκπαγλόν τι σεβίζομαι. Neutrum plurale ut ἀκάματα (El. 164.), ὄρθα, κοινά, etc.

ἀλία πλάτα] Cf. Aj. 357. ἄλιον — ἐλίσεων πλάταν. Eur. Her. 84. ἀλίω πλάτα. πλάτα θρώσκει] Cf. Eur. Hel. 666. πετομένας κόπας.

718. τῶν ἑκατομπόδων Νηρηίδων] Cf. Pind. Fr. 87, 12. κορᾶν ἑκατογγυῖων ἀγέλα (i. e. centum puellarum agmen, saltandi

notione simul admista). Sic *πυκνόπτεροι ἀηδόνες* supra 17. Eur. Andr. 1267. *λαβούσα πενήτηκοντα Νηρηίδων χορόν*. Eur. El. 432. *κλειναὶ νᾶες, αἱ ποτ' ἔμβατε Τροίαν — πέμπουσαι χορούς μετὰ Νηρηίδων*. Iph. T. 426. *ἐπ' Ἀμφιτρίτας ὁδοῖα δραμόντες· δπου πενήτηκοντα κορᾶν τῶν Νηρηίδων χοροί*. 263. *πεντήκοντα Νηρηίδων χορόν*. Iph. A. 1056. *πεντήκοντα κόραι Νηρηῖος*. Ion. 1086. *καὶ πενήτηκοντα κόραι Νηρηῖος*. Aesch. Fr. 164. *δέσποινα πενήτηκοντα Νηρηίδων κορῶν*. Pind. Isthm. V. 5. *Νηρεΐδεοσι πενήτηκοντα*. Hesiod. Th. 263. *αὐταὶ μὲν Νηρηῖος ἀμύμονος ἐξεγένοντο | κοῦραι πενήτηκοντα, κτλ*. Sed Plat. Criti. 116. *Νηρηῖδας δὲ ἐπὶ δελφίνων ἑκατὸν κύκλω*. Prop. III. 33. 'O centum aequoreae Nereo genitore puellae.' Confer *ἑκατογκέφαλος, ἑκατογκάρανος, ἑκατόγχερος, ἑκατόμπος, ἑκατόμπυλος*, etc. *Νηρηίδων*] Sic Aesch. Eum. 1025. *χθονὸς Θεσηῖδος*. Genitivus *Νηρηίδος* est in tetr. troch. Fr. 491. *Χρσηίδων* in senario Aesch. Ag. 1414.

720. ὦ πλείστ' ἐπαίνοις εὐλογούμενον πέδον] Cf. El. 1326. ὦ πλείστα μῶροι. Ph. 254.

722. τί δ' ἔστιν — καινόν;] Cf. Eur. Iph. T. 1160. τί δ' ἔστιν — καινὸν ἐν δόμοις;

725. *τέρμα τῆς σωτηρίας*] Cf. Eur. Or. 1335. *σωτηρίας γὰρ τέρμ' ἔχεις ἡμῖν μόνῃ*. Suppl. 617. *θεοὶ βροτοῖς νέμονοι πάντων τέρμ' ἔχοντες αὐτοί*. Hipp. 138. *τέρμα θανάτου*. Med. 151. *θανάτου τελευτάν*. Eur. Fr. 916, 6. *κρυερά — θανάτου — τελευτή*. Aesch. Sept. 209. *μηχανὴν σωτηρίας*. 898. *θανάτου τέλος*. Plat. Menex. 11. *τέλος τῆς σωτηρίας*. Pind. N. III. 25. *νόστον τέλος*. Pind. Ol. II. 57. *πέρας — θανάτου*.

726. *γέρων κυρῶ*] Supple ὦν. (El. 1409. *ποῦ ποτ' ὦν κυρεῖς*; Ph. 805. 544.) Cf. El. 46. *ὁ γὰρ | μέγιστος αὐτοῖς τυγχάνει δορυξένων*. 313. *νῦν δ' ἀγροῖα τυγχάνει*. Ph. 23. *εἴτ' ἄλλη κυρεῖ*. 741. *ἐν κακῶ δὲ τω φαίνει κυρῶν*. Aj. 9. *ἐνδον γὰρ ἀνήρ ἄρι τυγχάνει*. Aesch. Pr. 338. *ἐκτὸς αἰτίας κυρεῖς*. Pers. 520. *κακῶν μὲν ὅστις ἔμπειρος κυρεῖ*. Sept. 401. Suppl. 57. etc.

729. *δμμάτων — φόβον*] Cf. Aj. 139. *μέγαν ὄκνον ἔχω καὶ πεφόβημαι | πτηνῆς ὡς δμμα πελείας*.

731. *δν*] Hoc spectat ad *ἐμοῦ* ex *ἐμῆς* intelligendum. *ἔπος κακόν*] Convicium. Cf. Aj. 1323. *συμβαλεῖν ἔπη κακά*.

732. *δραῖν τι βουλευθεῖς*] Cf. El. 1100. *τί βουλευθεῖς πάρε*.

734. *πόλιν — σθένουσαν, εἴ τιν' Ἑλλάδος, μέρα*] Cf. Aj. 487. *ἔξέφην πατρός, | εἶπερ τινός, σθένοντος ἐν πλούτῳ*. Tr. 8. Aristoph. Pl. 655. *ἄνδρα — εἴ τιν' ἄλλον μακάριον κεῦθαίμονα*. *φόβον νεώρη*] Cf. ad 475. El. 901. *νεώρη βόστρυχον*. Qu. *φόβον νέορτον*.

738. *ἦκε*] Pro *προσῆκε*. Cf. Eur. Her. 214. Porson. ad Phoen. 372. Aesch. Cho. 167. *ἐχθροὶ γὰρ οἷς προσῆκε πενθήσαι τριχί*.

Eur. Her. 214. *γένους μὲν ἦκεις ὧδε τοῖσδε, Δημοφῶν.* Isae. XI. 26. *γένει μὲν — προσηκούσης, νόμῳ δὲ ἀποκλειομένης.* Herod. II. 35. *νόμος ἅμα κηδεῖ κεκάρθαι τὰς κεφαλὰς τοὺς (ἐς τοὺς?) μάλιστα ἰκνέεται.*

739. *ἐς πλείστον πόλεως*] Cf. Aj. 502. *Αἴαντος, δς μέγιστον ἰχνοσε στρατοῦ.* Tr. 312. *ἐπεὶ νιν τῶνδε πλείστον ὄκτισα. πόλεως*] Disyllabum, ut in Aesch. Eum. 567. 651. Sept. 2. 260. 535. Eur. Suppl. 481. *εἰς πλείστον*] Pro simplici πλείστον, ut ἐς πλέον pro πλέον O. R. 700. *σὲ γὰρ τῶνδ' ἐς πλέον σέβων.* 918. *οὐδὲν ἐς πλέον ποιῶ.*

741. *πᾶς — Καδμείων λεώς*] Cf. Tr. 194. *Μηλιεὺς ἅπας λεώς.*

742. *ἐκ δὲ τῶν*] Cf. O. R. 1082. *τῆς γὰρ πέφυκα μητρός.* 1466. Phil. 1243. *ξύμπας Ἀχαιῶν λαός, ἐν δὲ τοῖσδ' (leg. τοῖς) ἐγώ.* Aesch. Eum. 2. *ἐκ δὲ τῆς Θέμιν.* Aesch. Sept. 912. *οὐδαρόπλακτοι δὲ τοὺς μένουσι — λαχαί.* 197. Eum. 2. *ἐκ δὲ τῆς Θέμιν.* 261. Pr. 860. Eur. Alc. 274. *οἰκτρὰν φίλοισιν, ἐκ δὲ τῶν μάλιστα' ἐμοί.* Suppl. 218. *πρὸς δὲ τοῖσι etc.* Plat. Euthyd. 303 C. *ἐν δε τοῖς καὶ τοῦτο μεγαλοπρεπέστερον.*

743. Cf. 792. *πολλῶ γ', ὄσπερ καὶ σαφεστέρων κλύω.* Tr. 313. Ant. 1051. *πλείστον — κάμιστος*] Cf. Ph. 631. *τῆς πλείστον ἐχθίστης ἐμοί — ἐχίδνης.* Eur. Med. 1323. *ὦ μέγιστον ἐχθίστη γύναι.*

744. Cf. El. 1201. *μόνος γὰρ ἦκω τοῖσι σοῖς ἀλγῶν κακοῖς.*

745. *ξένον — ἀλήτην*] Cf. 1096. *ὦ ξεῖν' ἀλήτα.*

746. *ἐπὶ προσπόλον μιᾶς — χωροῦντα*] Cf. 148. *οὐ γὰρ ἂν — ἐπὶ σμικρᾶς μέγας ὄρμουν.*

747. *τήν*] Pro ἦν, quod in senario rarum est. Cf. O. C. 1258. Tr. 47. 381. Eur. El. 1114. Ph. 14. et ad O. R. 1065. O. C. 35. in melicis Aj. 256. Ph. 1127. Ant. 606. 826. 1187. Aj. 226. O. R. 1427. O. C. 702. et in anapaestis Fr. 480 D.

748. Construe, *οὐκ ἂν ποτ' ἔδοξα πεσεῖν —.* Cf. Phil. 869. *οὐ γὰρ ποτ', ὦ παῖ, τοῦτ' ἂν ἐξηύχης' ἐγὼ, | τλήναι σ' —.*

750. *σε κηδεύουσα καὶ τὸ σὸν κάρα*] Cf. ad Aj. 1147. Eur. Or. 791. *ἀλλὰ κηδεύσω σ' ἐγώ.* "Catull. 56, 40. 'adjuro teque tuumque caput.' Cic. pro domo 145. meque et meum caput de-votheo." (Mein.)

751. *τηλικούτος*] Notandum *τηλικούτος* metri necessitate pro *τηλικαύτη* positum, ut in El. 614. *οὐ γάμων ἐμπειρος*] Cf. Aesch. Pers. 604. *φίλοι, κακῶν μὲν δοτις ἐμπειρος κυρεῖ, etc.*

752. *τοὔπιόντος ἀρπάσαι*] Cf. O. R. 393. *καίτοι τό γ' αἰνιγμ' οὐχὶ τοὔπιόντος ἦν | ἀνδρὸς διειπεῖν.* Aesch. Pers. 758. *δέδοικα μὴ πολὺς πλοῦτου πόρος | οὐμὸς ἀνθρώποις γένηται τοῦ φθάσαντος ἀρπαγῆ.*

753. *ἄθλιον τοῦνειδος — ἀνειδίω' εἰς σὲ*] Cf. Eur. Iph. A. 305. *καλὸν γέ μοι τοῦνειδος ἐξωνείδισας.*

754. Cf. Aesch. Sept. 243. αὐτὴ σὺ δουλοῖς κἀμὲ καὶ σὲ καὶ πόλιν. ὠνείδισ' ἐς σέ] Cf. Phil. 523. τοῦτ' — εἰς ἐμὲ | τοῦνειδος — ὄνειδοσαι. ~~Alibi ὄνειδίζεσθαι.~~ O. R. 372. 373. O. C. 971. Eur. Iph. A. 305. καλὸν γέ μοι τοῦνειδος ἐξωνείδισας.

755. "Cf. Ph. 1020. ἀλλ' οὐ γὰρ οὐδὲν θεοὶ νέμονται ἡδὺ μοι, | σὺ μὲν γέγηθας ζῶν. O. R. 1409. ἀλλ' οὐ γὰρ αὐδᾶν ἔσθ' ἄ μηδὲ δρᾶν καλόν, | ὅπως τάχιστα πρὸς θεῶν καλύψατε. O. C. 624. ἀλλ' οὐ γὰρ αὐδᾶν ἡδὺ τὰκίνητ' ἔπη, | ἕα μ' ἐν οἴοις ἠρξάμην." (Mein.)

758. τήνδε τὴν πόλιν φίλως εἰπών] I. e. 'amanter urbi valedicens.' (Mein.) Pro προσειπών. Sophocles saepe simplicibus verbis pro compositis utitur. Cf. El. 1471. προσηγορεῖν φίλως.

759. ἢ δ' οἴκοι] Sc. πόλις, i. e. ἡ οἰκία.

761. Cf. O. C. 761. ὦ πάντα τολμῶν. Soph. Fr. 195. ὦ πᾶν σὺ τολμήσασα καὶ πέρα γύναι. Lys. XII. 86. πᾶν δ' ἄν μοι δοκεῖ τολμήσαι. Arist. Nub. 374. ὦ πάντα σὺ τολμῶν. Synesius Epist. 47. ὦ πρὸς τὰ καλὰ πάντων σὺ ποριμώτατε. κἀπό παντός ἄν φέρων —] Cf. 807. 1000. Ant. 312. οὐκ ἐξ ἄπαντος δεῖ τὸ κερδαίνειν φιλεῖν. Phil. 417. ἀφ' ἧς (πανουργίας) μηδὲν δίκαιον ἐς τέλος μέλλει ποιεῖν. 408. 927. O. R. 11. Eur. Fr. 29. ἐκ παντός ἄν τις πράγματος διισῶν λόγων | ἀγῶνα θεῖτ' ἄν, εἰ λέγειν εἴη σφόδρ. Arist. Th. 735. Isocr. XV. § 289. φιλοσοφία — τὴν δικαίως ἄν νομιζομένην.

762. λόγον δικαίου] Cf. Hyperid. pro Lyc. c. 7. ἃ ἔχουσι αὐτοὶ δίκαια περὶ τοῦ πράγματος λέγουσιν. c. 10. Isocr. p. 311 A. τοῦ γὰρ ἀντιδικίου — οὐδὲν λέγοντος δίκαιον. ποικίλον] Cf. Ph. 130. Aesch. Prom. 316. Arist. Eq. 758. ποικίλος γὰρ ἀνὴρ. Eur. Andr. 937. ποικίλων λαλημάτων. Sic Latine varius, Sallust. B. C. I. 1. Blomf. Gloss. Prom. 316.

764. ἀλοίην] Cf. O. C. 988. ἀλλ' οὐ γὰρ οὐτ' ἐν τοῖσδ' ἀλώσομαι κακὸς κτλ. Eur. Hipp. 959 sq.

765. οἰκείους κακοῖς] Cf. Aj. 260. 919. El. 215.

766. ροσοῦνθ'] Cf. El. 1070. ὅτι σφιν ἤδη τὰ μὲν ἐκ δόμων ροσεῖ. τέρψις] I. q. τερπνόν. Cf. 775. Aj. 114. ἐπειδὴ τέρψις ἦδὲ σοι τὸ δρᾶν. ἐκπεσεῖν χθονός] I. q. ἐκβληθῆναι. Cf. Aj. 1177. ἄθραπτος ἐκπέσει χθονός. Eur. Med. 451. 710. ἐκπεσεῖ χθονός.

767. "Cf. Diodor. IV. 65. τῶν περὶ τὴν οἰκίαν ἀσεβημάτων γνωσθέντων τὸν μὲν Οἰδίπουν ὑπὸ τῶν νῆων ἔνδον μένειν ἀναγκασθῆναι διὰ τὴν αἰσχύνην. Eur. Phoen. 876." (Doederl.) προσθέσθαι χάριν] Cf. Eur. Bacch. 713. χάριν δ' ἀνακτι θώμεθ'. Hec. 1193. εἴπερ τῷδ' ἐβουλήθης χάριν θέσθαι. Soph. Tr. 1252. τὴν χάριν ταχεῖαν — πρόσθετες (non προσθοῦ). 1216. πρόσνευμαι (πρόσνευμον?) δέ μοί | χάριν βραχεῖαν. 996. οἶαν χάριν ἀνίσω (ἦνσας αὐτ' ἄνσας?).

768. μεστός ἦν θυμούμενος] Cf. Ant. 280. παῦσαι πρὶν ὀργῆς καί με (ἀνά με?) μεσιῶσαι λέγων. Dem. p. 1175. ἐπειδὴ μεστός ἐγένετο ἀγανακτιῶν.

774. σκληρὰ μαλθακῶς λέγων] Cf. Ant. 1194. τί γάρ σε μαλθάσοιμ' ἄν (blande dictis fallam); Phil. 629. λόγοισι μαλθακοῖς. [www.perseus.tufts.edu/Latin/1406/Aj.1119](#). τὰ σκληρὰ — δάκνει. Eur. Fr. 1036. πότερα θέλεις σοι μαλθακὰ ψευδῆ λέγω | ἢ σκλήρ' ἀληθῆ; φράζε· σὴ γάρ ἡ κρίσις. Eur. Or. 882. καλῶς κακοῦς | λόγους ἐλίσσω. Theogn. 852. ὃς τὸν ἑταῖρον | μαλθακὰ κοτίλλων ἐξαπατᾶν ἐθέλει.

775. τίς αὐτῆ τέρψις —;] What pleasure is this? Cf. Aj. 114. ἐπειδὴ τέρψις ἦδε σοι τὸ δρᾶν. Ant. 1030. τίς ἀλήθ' τὸν θανόντ' ἐπικτανεῖν; Tr. 1140. καὶ τίς τοσοῦτος φαρμακεὺς Τραχινίων; Thuc. III. 12. τίς οὖν αὐτῆ ἡ φιλία ἐγίνετο —;

776. Cf. 1201. O. R. 1435. καὶ τοῦ με χρείας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν; Aesch. Prom. 1006. λιπαρήσω τὸν μέγα στυγούμενον. 518. Arist. Ach. 452. Telecl. com. II. 374.

777. ἐπαρκέσαι] Cf. Fr. 66. τῷ τεθνηκότι | τὸν ζῶντ' ἐπαρκεῖν. Supra 447. γένους ἐπάρκεσιν.

778. πλήρη δ' ἔχοντι θυμὸν] Cf. ad Ph. 324. θυμὸν γένοιτο χειρὶ πληρῶσαι κτλ.

779. χάρις χάριν φέροι] Cf. Aj. 522. χάρις χάριν γάρ ἐστιν ἡ τίκτουσ' ἀεί. [Phocyl.] 73. ἔρις δ' ἔριν ἀντιφυντεύει.

781. προσφέρων] Cf. Eur. Iph. A. 49. οὐ δὴ μ' ἀδελφός, πάντα προσφέρων λόγον, | ἔπεισε τλήναι δεινά. Fr. 702. διψῶντι γάρ τοι πάντα προσφέρων σοφὰ κτλ.

782. τοῖσι δ' ἔργοισιν] Sed revera. Notanda hic articuli additio. Cf. El. 60. διαν λόγῳ θανῶν | ἔργοισι σωθῶ. Eur. El. 894. ἦκω γάρ οὐ λόγοισιν ἀλλ' ἔργοις κτανῶν | Αἴγισθον. Phoen. 501. Iph. A. 1115. Herod. V. 24. τοῦτο δὲ οὐ λόγοισι ἀλλ' ἔργοισι οἶδα μαθῶν.

783. καὶ τοῖσδ'] Etiam his (choro). Cf. 811. ἀπελθ', ἐρῶ γὰρ καὶ πρὸ τῶνδε. O. C. 813. μαρτύρομαι τούσδ', οὐ σέ.

785. πάραυλον] Vicinum. I. e. ἄγχι γῆς (399). Cf. Aj. 892. τίνος βοῆ πάραυλος ἐξέβη νάπους; Cf. σύναυλος, ὑπανυλος.

786. κακῶν ἄνατος] Cf. 1519. γήρωσ ἄλυπα. El. 1002. ἄλυπος αἴτης. O. R. 191. Aesch. Ag. 1182. πῶς δὴτ' ἄνατος ἦσθα Λοξίου κάτω (κότου recte Blomf.); Suppl. 356. εἴη δ' ἄνατον πρᾶγμα τοῦτ' ἀστοξέων. Eum. 832. πάσης ἀπήμιον' οἰζύος. Herod. II. 119. ἀπαθῆα κακῶν. VII. 184. ἀπαθῆς τε κακῶν ἦν ὁ στρατός. ἀπαλλαχθῆ] Cf. Ant. 400. ἐγὼ δ' ἐλεύθερος | δίκαιός εἰμι τῶνδ' ἀπηλλάχθαι κακῶν. El. 1002. ἄλυπος αἴτης ἐξαπαλλαχθήσεται. Arist. Pl. 271. μῶν ἀξιοῖς φενακίσας ἡμᾶς ἀπαλλαγῆναι | ἀζήμιος —;

787 sq. De sermonis forma Herwerden confert O. R. 370.

788. ἀλάστωρ οὔμοσ] Cf. Eur. Med. 1330. τὸν σὸν δ' ἀλάστορ' εἰς ἔμ' ἔσκηψαν θεοί. Phoen. 1556. σὸς ἀλάστωρ — ἐπὶ παῖδας ἔβα σούς. Med. 1333. τὸν σὸν δ' ἀλάστορ' εἰς ἔμ' ἔσκηψαν θεοί. Tro. 941. ὃ τῆσδ' ἀλάστωρ. Or. 337. ἀλαστώρων τις. 1546. 1669.

Hipp. 820. Ph. 1593. Med. 1059. 1260. Herc. 1234. Aesch. Suppl. 410. τὸν πανώλεθρον θεὸν | βαρὺν ξύνουικον θησόμεσθ' ἀλάστορα. Ag. 1503. ὁ παλαιὸς δρυμὸς ἀλάστωρ Ἀτρέως. Eum. 682. βαρείαν τήνδ' ὀμιλλαν χθονός. Com. incert. βαρὺς βαρὺς σύνουικος, ὦ φίλοι, βαρὺς. Ἀλάστωρ ab ἀλαίνω derivatum ut μιάστωρ a μαινῶ. Radix vocabuli est ἄλη (mentis error). Ita Blomf. Gl. Pers. 983., qui ἀλάστωρ explicat 'qui in errorem perniciosum trahit', ἄλαστος 'qui in errorem inducitur.' Wakefield (ad Trach. 1235.) nomen ab eo deducit "quod nec reum sceleris oblivisci pateretur nec oblivisceretur ipse." Virg. Aen. IV. 471. 'Agamemnoniis Poenis agitatus Orestes.' III. 331. 'Et scelus Furiis agitatus Orestes.'

789. Cf. Aesch. Sept. 818. ἔξουσι δ' ἦν λάβωσιν (l. λάχωσιν) ἐν ταφῇ χθονός (χθόνα?). 732. χθόνα ναίειν διαπήλας (σίδαρος) ὀπόσα καὶ φθιμένοισιν (καφθιμένοισιν?) κατέχειν. Eur. Phoen. 1447. θάψον δέ μ' — ἐν γῆ πατρῶα — ὡς τοσόνδε γοῦν τύχω (l. λάχω) | χθονὸς πατρῶας.

790. ἐνθανεῖν] Cf. Eur. Rhes. 869. ὦ γαῖα πατρίς, πῶς ἂν ἐνθάνοιμί σοι; O. R. 1191. τοσοῦτον ὄσον δοκεῖν. Ant. 775. φορβῆς τοσοῦτον ὡς (leg. ὄσον) ἄγος μόνον προθεῖς. Eur. Phoen. 1449. ὡς τοσόνδε γοῦν τύχω (l. λάχω) | χθονὸς πατρῶας, καὶ δόμους ἀπώλεσα. Arist. Eccl. 623. γεωργεῖν τὸν μὲν πολλήν, τῷ δ' εἶναι μηδὲ ταφῆναι. Xen. Oecon. XI. 18. ἀριστῶ — ὄσα μήτε κενός μήτε ἄγαν πλήρης διημερεῦειν. Plut. Mor. 40. τοσοῦτον ἔφρασαν ὄσον — ὄρᾶσθαι κτλ. Plut. Sert. 27. χρησάμενος ταῖς Σερωρίον παρασκευαῖς ὄσον ἐνασχημονῆσαι.

792. ὄσωπερ καὶ —] Cf. 743. Tr. 313. ὄσωπερ καὶ φρονεῖν ὀλδεν μόνη. σαφεστέρων] Cf. 623. εἰ Ζεὺς ἐτι Ζεὺς χῶ Διὸς Φοῖβος σαφής.

794. τὸ ὄν — ὑπόβλητον στόμα] Cf. Aj. 481. ὑπόβλητον λόγον — ἔλεξας. 188. εἰ δ' ὑποβαλλόμενοι κλέπτουσι μύθους.

795. στόμασιν] Cf. Calli. com. 19. τραυλὴ μὲν ἐστίν, ἀλλ' ἀνεστομωμένη. Arist. Nub. 1108. μέμνησ' ὄπως | εὖ μοι στομῶσεις αὐτόν. 1110. 796. Cf. Ant. 313.

799. εἰ τεροπίμεθα] I. e. εἰ στέργοιμεν. Cf. Phil. 461.

800. δυνατχεῖν — ἐς τὰ σά] Cf. 402. Schol. ἀντὶ τοῦ ἐν τῷ μὴ πείθεσθαι σε μᾶλλον σὺ δυνατχεῖς ἢ ἐγώ. Sic εὐτυχεῖν εἰς τι Eur. Ion. 567. εἰς τέκν' εὐτυχεῖν.

801. τῷ νῦν λόγῳ] Cf. El. 769. Arist. Nub. 372.

804. φύσας — φρένας] Cf. El. 1463. μηδὲ πρὸς βίαν — φύση φρένας. Ant. 683. θεοὶ φύουσι ἀνθρώποις φρένας. Aj. 1077. Philem. IV. 35. κατὰ μικρὸν ἀεὶ, φασί, φύονται φρένες. Fr. 111. ὁ ἀλιεὺς πληγεὶς νοῦν φύσει. Herod. II. 68. γλῶσσαν δὲ μόνον θηρίων οὐκ ἔφρσε. VIII. 104. φύει πάγωνα. IV. 29. φύειν κέρρα V. 91. δόξαν δὲ φύσας αὐξάνεται. φύσας — φανεί] Cf. Ph. 1335. πέρας φανής.

805. λῦμα] Opprobrium. Cf. Aesch. Prom. 715. Eur. Tro. 588. σὺ τοι, λῦμ' Ἀχαιῶν, κτλ. Hel. 1287.

806. γλώσση] οὐδ' αὖτις] Cf. 761. O. R. 545. λέγειν σὺ δεινός. Ph. 440. γλώσση δεινοῦ καὶ σοφοῦ.

807. ἐξ ἅπαντος εἶ λέγει] Cf. 761. 1000.

808. χωρὶς —] Cf. Adesp. Fr. 560. χωρὶς τὰ Μουσῶν καὶ Φρυγῶν ὀρίσματα. Aesch. Ag. 637. χωρὶς ἢ τιμὴ θεῶν. Pr. 927. Eur. Alc. 528. Iph. A. 859. χωρὶς τὰμὰ κάγαμέμνονος.

809. ὡς δὴ σὺ —] Quasi vero etc. Anglice, As if you forsooth etc. Cf. Aesch. Ag. 1633. ὡς δὴ σὺ μοι τύραννος Ἀργείων ἔσει, ὃς κτλ. Eur. Andr. 233. τί σεμνομυθεῖς — ὡς δὴ σὺ σώφρων, τὰμὰ δ' οὐχί σώφρονα. Phoen. 887. ὡς δὴ θεοὺς ὑπεκδραμούμενοι. Alc. 537. 1014. Hel. 1044. Herc. 1407. Hom. Il. 1, 110. Plat. Gorg. 468 E.

810. οὐ δῆθ' —] Redde, Not indeed in the opinion of him who has a mind like yours. Cf. Tr. 1126. ἔχει γὰρ οὕτως ὥστε μὴ σιγᾶν πρέπειν. | HP. οὐ δῆτα τοῖς γε πρόσθεν ἡμαρτημένοις. ὅτω —] Cf. Ant. 904. τοῖς φρονοῦσιν εἶ. Aj. 1282.

νοῦς ἴσος καὶ σοί] Cf. 254. O. R. 612. φίλον ἐκβαλεῖν ἴσον λέγω καὶ τὸν παρ' αὐτῷ βίοντον. 1187. ὡς ὑμᾶς ἴσα καὶ τὸ μηδὲν ζώσας ἐναριθμῶ. De particula καὶ cf. 53.

811. ἐρῶ γὰρ καὶ πρὸ τῶνδε] Cf. 783. φράσω δὲ καὶ τοῖσδ'. O. R. 10. πρέπειων ἔφης | πρὸ τῶνδε φωνεῖν. Sic προδνήσκειν τινός Eur. Alc. 393. 486.

812. ἐφορμῶν] Sic μεθορμίζειν translate usurpatur Eur. Alc. 814.

813. Cf. Ant. 846. ξυμμάρτυρας ὑμᾶς ἐπιβῶμαι — οἷσι νόμοις — ἐρχομαι etc. Eur. Hipp. 1470. τὴν τοξόδαμνον Ἄρτεμιν μαρτύρομαι. Med. 22. θεοὺς μαρτύρεται. Nescio cuius Epigr. Νῦξ, σὲ γὰρ, οὐκ ἄλλην, μαρτύρομαι. τοῖσδ'] I. e. Chorum. Cf. 783. φράσω δὲ καὶ τοῖσδ', ὡς σε δηλώσω κακόν.

814. οἱ' ἀνταμείβει ῥήματ'] Cf. Hom. Od. 17, 479. μὴ σε νῶμι διὰ δώματ' ἐρύσσωσ', οἱ' ἀγορεύεις, | ἢ ποδὸς ἢ καὶ χειρός.

816. ἢ μὴν] Cf. Eur. Alc. 64. ἢ μὴν σὺ παύσει, καίπερ ὠμός ᾤν ἄγαν. Aesch. Pr. 908. Arist. Nub. 1242. Pl. 608. λυπηθεὶς ἔσαι] Cf. Ant. 1067. ἀντιδοὺς ἔσει. O. R. 1146. οὐ σιωπήσας ἔσει; 970. θανῶν εἶη. Arist. Av. 655. ἔσεσθον ἐπιπερωμένω. 1259.

820. Similiter Aesch. Pr. 1016. ΠΡ. ὄμοι. ΕΡ. τότε Ζεὺς τοῦπος οὐκ ἐπίσταται.

821. οὐ μακροῦ χρόνου] Cf. Ant. 1078. Ph. 821. El. 478. O. C. 397. βαιοῦ κοῦχί μνηρίου χρόνου.

824. Cf. Tr. 340. οὐδὲ τὸν πάρος | μῦθον μάτην ἤκουσας, οὐδὲ νῦν δοκῶ. Eur. Alc. 722. πλείω λέλεκται νῦν τε καὶ τὰ πρὶν κακά.

828. ποίαν λάβω θεῶν ἄρηξιν ἢ βροτῶν;] Cf. Aj. 398. οὔτε

γὰρ θεῶν γένος οὐθ' ἀμερίων ἔτ' ἄξιος βλέπειν τιν' εἰς (l. εἴμ')
 ὄνασιν ἀνθρώπων. 403. ποῖ τις οὖν φύγη; ποῖ μολῶν μένω;

834. οὐκ ἀφήσεις;] Cf. 857. οὐτοὶ σ' ἀφήσω. ἐς βάσανον
 εἶ χειρῶν] Cf. 1297. οὐτ' εἰς ἐλεγχον χειρὸς οὐδ' ἔργου μολῶν. O. R.
 493. 510. Theogn. 417. ἐς βάσανον δ' ἔλθὼν παρατρίβομαι ὥστε
 μολίβδῳ | χρυσός. Herod. IX. 48. 3. πρὶν γὰρ ἢ συμμῖξαι ἡμέας
 ἐς χειρῶν τε νόμον ἀφικέσθαι. Xen. Cyr. II. 1. 11. ὡς χεῖρας ξυμ-
 μίξοντας τοῖς πολεμίοις.

836. μωμένον] Cf. Tr. 1138. χρηστὰ μωμένη. Aesch. Cho. 45.
 τοιάνδε χάριν — μωμένα. 441. μόρον κτίσαι μωμένα. Hesych.:
 μώμεθα: ζητοῦμεν.

837. Cf. Aesch. Cho. 217. ἀλλ' ἐν κακοῖσι τοῖς ἐμοῖς γελᾶν
 θέλεις; | 'OP. κὰν τοῖς ἐμοῖς ἄρ', εἴπερ ἔν γε τοῖσι σοῖς. εἶ τι
 πημανεῖς ἐμέ] Cf. Aj. 1314. ὥστ' εἶ τι πημανεῖς με κτλ. Arist.
 Ach. 842. οὐδ' ἄλλος — σε πημανεῖ τι.

838. μέθεις χειροῖν τὴν παῖδα] Dimitte a manibus tuis.
 Cf. Phil. 1301. μέθεις με, πρὸς θεῶν, χεῖρα.

839. ἃ μὴ κρατεῖς] I. e. ἐκεῖνα ὧν μὴ κρατεῖς. Cf. ad O. C.
 1106. Ant. 546. μῆδ' ἃ μὴ 'θιγες | ποιοῦ σεαντής. Aesch. Eum. 574.
 ἄναξ Ἀπόλλων, ὧν ἔχεις αὐτὸς κράτει. Eur. Hec. 282. οὐ τοὺς
 κρατοῦντας χρῆ κρατεῖν ἃ μὴ χρεῶν. Aj. 1107. ἀλλ' ὧνπερ ἄρχεις
 ἄρχε. Ant. 664. δοτις τοῦπιτάσσειν τοῖς κρατοῦσιν ἐννοεῖ. Hom. Il.
 1, 295. ἄλλοιουν δὴ ταῦτ' ἐπιτέλλεο· μὴ γὰρ ἔμοιγε | σῆμαιν'. Theocr.
 XV. 90. πασάμενος ἐπίτασσε.

840. καλᾶν λέγω σοι] Cf. 856. μὴ ψαύειν λέγω. 864. 1630.
 Ph. 101. Tr. 137. Aj. 1089. El. 233. O. R. 350. Aesch. Ag. 928.
 λέγω κατ' ἄνδρα, μὴ θεὸν, σέβειν ἐμέ. Eur. Ion. 156. αὐδῶ μὴ
 χροίμπτειν θριγκοῖς. Bacch. 504. αὐδῶ 'μὲ μὴ δεῖν σωφρονῶν οὐ
 σώφροσιν. Arist. Ran. 369. 628. σοὶ δ' —] Creon haec ad An-
 tigonam dicit secundum Hermannum.

841. Cf. Eur. Alc. 889. πρόβα, πρόβα· βᾶθι κεῦθος οἶκων.
 410. ὑπάκουσον, ἄκουσον. Hec. 165. ἀπωλέσας, ὠλέσας'. Med. 1247.
 κατίδεν', ἴδεν'. Orest. 1469. ἀνίαχεν, ἴαχεν. 179.

842. πόλις ἐναίρεται] I. e. vastatur. Cf. Hom. Od. 19, 263.
 μηκέτι νῦν χροά καλὸν ἐναίρεο. πόλις ἐμὰ] Cf. O. R. 695. Ant.
 1141. Eur. Suppl. 1078. etc. σθένει] I. q. βία (vi illata), aut
 potius δυνάμει, στρατιᾷ, Anglice a force. Cf. 1088. σθένει 'πιν-
 κείω. Aj. 438. ἐς τόπον | Τροίας ἐπελθὼν οὐκ ἐλάσσοι σθένει.
 Fr. 830. Ἐνετιοῖν (ὀλίγοισιν Cobet.) ἵπποις τοῖσιν (πᾶσιν?) ἐκλελεγ-
 μένοις | ἥδιον εἶ (ἂν recte Cobet.) χωροῖμεν ἢ παντὶ σθένει (omni
 cum exercitu). Xen. Cyr. VI. 1. 42. ἦττον ἂν παντὶ σθένει
 ἀθροίζοιτο. Schol. Hom. Il. 18, 274. σθένος τὴν δύναμιν, ὃ ἐστὶ
 τὴν στρατιάν. οὕτω — καὶ Σοφοκλῆς (Fr. 830.).

845. πορεύομαι] Passivo sensu, ut in Aj. 1254. μέγας δὲ
 πλευρὰ βοῦς — ὀρθὸς εἰς ὁδὸν πορεύεται.

848. οὐκουν ποτ' — εἶ] Cf. O. R. 892. 1412. Ant. 750. Arist. Ach. 231. ἐκ τούτων — σκήπτρον] Sic Tr. 875. ἐξ ἀκινήτου ποδός. Phil. 91. ἐξ ἐνός ποδός.

850. ὑφ' ὧν ἐγὼ | ταχθεὶς τὰδ' ἔρδω] Cf. ad Phil. 6. ταχθεὶς τὸδ' ἔρδειν τῶν ἀνασόντων ὑπο. καὶ τύραννος ὧν ὄμως] Cf. 958. Aj. 15. κἄν ἀποπτος ἦς ὄμως. Eur. Alc. 935. γυναικὸς δαίμον' εὐτυχεστέρον | τοῦμοῦ νομίζω καίπερ οὐ δοκοῦνθ' ὄμως. Herod. VII. 165. ὄμως καὶ μέλλων ἀρχεσθαι etc.

853. αὐτὸς αὐτὸν —] Cf. 930. Trach. 451. εἰ δ' αὐτὸς αὐτὸν ὤδε παιδεύεις. Arist. Ran. 630. αὐτὸς σεαυτὸν αἰτιῶ.

855. ὀργῇ χάριν δούς] Gratifying, yielding to. Cf. El. 331. κοῦδ' ἐν χρόνῳ μακρῷ διδαχθῆναι θέλεις | θυμῷ ματαιῷ μὴ χαρίζεσθαι κενά; Aesch. Pers. 846. ψυχῇ διδόντες ἡδονήν (ψυχὴν ἡδονῇ Pauw.). Eur. Herc. 779. ἀνομία χάριν διδούς. Ion. 895. Κύπριδι χάριν πρᾶσσαν. Eur. Fr. 31, 1. ὀργῇ γὰρ δούς ἐνθέως χαρίζεται | κακῶς τελευτᾷ· πλείστα γὰρ σφάλλει βροτούς. Hesiod. Op. 299. ἔσθιε καὶ σῆ γαστρὶ δίδον χάριν, κτλ. Cratin. II. 222. ἔσθιε καὶ σῆ γαστρὶ δίδον χάριν. Monost. 245. θυμῷ χαρίζον μηδέν. Theogn. 1224. ὀργῇ θυμῷ δειλὰ χαριζομένη. Athen. XIII. 590 E. ἔλεω χαρισάμενος μὴ ἀποκτεῖναι. ἢ σ' ἀεὶ λυμαίνεται] Cf. Arist. Ran. 59. τοιοῦτος ἕμερός με διαλυμαίνεται.

856. ἐπίσχες] Cf. Aesch. Pr. 699. ἐπίσχες ἔστ' ἂν —. Cho. 883. ἐπίσχες, ὦ παῖ. μὴ ψαύειν λέγω] Cf. ad 840.

858. ῥύσιον] Ransom. Cf. Aesch. Ag. 513. Suppl. 412. 728. πόλει] Athenis, ni fallor.

859. ἐφάφομαι — ταύταιν] Anglice I will lay hands on these. Cf. Aesch. Suppl. 412. καὶ μήτε δήρις ῥύσιων ἐφάπεται —. 728. ἄγειν θέλοντες, ῥύσιων (858) ἐφάπτορες.

860. τὸνδ' ἀπάξομαι λαβών] Cf. Phil. 988. εἴ μ' — ἀπάξεται βία. 1029. τί μ' ἀπάγεσθε; Arist. Nub. 1105. πότερα τοῦτον ἀπάγεσθε λαβών | βούλει —; Lys. 1274. ἀπάγεσθε ταύτας. Aesch. Eum. 259. καὶ ζῶντά σ' ἰσχνάσας' ἀπάξομαι κάτω.

861. ὡς τοῦτο νῦν πεπράζεται] Cf. Aj. 39. ὡς ἔστιν ἀνδρὸς τοῦδε τᾶργα ταυτὰ σοι. 98. Eur. Med. 609. ὡς οὐ κρινοῦμαι τῶνδέ σοι τὰ πλείονα. Phoen. 727. Hec. 400. Andr. 254. 588.

863. ὦ φθέγμ' —] Cf. 960. ὦ λῆμ' ἀναιδές. 324. ὦ πατρὸς καὶ κασιγνήτης ἡδιστα προσφωνήμαθ'. El. 622. ὦ θρέμμ' ἀναιδές. 1225. ὦ φθέγμ' (ὠδέλφ'), ἀφίκον; Aj. 14. ὦ φθέγμ' Ἀθάνας. 325. ὦ δισσά — ἐμοὶ ἡδιστα προσφωνήματα. Ph. 234. ὦ φίλιτον φώνημα. Ant. 746. ὦ μαρὸν ἦθος. Sic λάλημα Ant. 320.

864. αὐδῶ σιωπᾶν] Cf. 1630. αὐδᾷ μολεῖν οἱ — Θεοσα. 932. O. R. 350. ἐννέπω σε τῷ κηρύγματι — ἐμμένειν. 1381. Eur. Herc. 1218. σὲ — αὐδῶ φίλοιον ὄμμα δεικνύναι. Bacch. 504. αὐδῶ 'μὲ

μη δεῖν σωφρονᾶν οὐ σώφροσιν. Aesch. Sept. 1033. αὐδῶ πόλιν
σε μὴ βιάζεσθαι τάδε. 1034. αὐδῶ σε μὴ περισσὰ κηρύσσειν ἐμοί.

866 sq. Cf. 895. οἴχεται τέκνων | ἀποσπάσας μου τὴν μόνην
ξυνωρίδα. Aesch. Cho. 683. φίλων ἀποφιλοῖς με τὴν παναθλίαν.
Eur. Hec. 277. μὴ μου τὸ τέκνον ἐκ χειρῶν ἀποσπάσης. 290. Herod.
III. 1. ἀποσπάσας ἀπὸ γυναικός τε καὶ τέκνων (μιν). III. 102. ἀπὸ
τέκνων — ἀποσπάσας (αὐτήν). Sic ἀποστερεῖν τί τινα, et ἀφαι-
ρεῖσθαι τινά τι. φίλων δμμ'] Antigonam dicit. Cf. 895.

870. οἶον κάμει] Per attractionem pro οἶος κάγώ. Cf. Tr. 444.
γηράναι] Cf. Aesch. Cho. 918. ἐγὼ δ' ἔθρεφα, σὺν δὲ γηράναι
θέλω. Participium est γηράς.

874. καθέξω θυμὸν] Cf. El. 1011. κατάσχες ὀργήν. 1283.

875. βραδύς] Corrigendum βαρύς. Cf. Tr. 599. ὡς ἐσμέν ἥδη
τῷ μακροῦ χρόνῳ βραδεῖς (l. βαρεῖς).

879. Cf. 917. Eur. Her. 143. Iph. A. 952. Dem. p. 638, 11.
665, 20. νεμῶ] Cf. Tr. 483. ἤμαρτον, εἴ τι τήνδ' ἄμαρτιαν νέμεις.
El. 150. σὲ δ' ἔγωγε νέμω θεόν. O. R. 31. 1080. Aj. 513. πόλιν]
Emphaticæ, ut in Eur. Iph. A. 854. ἡ Σίτυλος ἔσται πόλις —
Φθία δὲ — οὐδαμοῦ κεκλήσεται.

882. Ζεὺς γ' ἂν εἰδείη, σὺ δ' οὔ] Cf. Fr. 515. ὡς οὐκ ἔστι
πλὴν Διὸς οὐδεὶς τῶν μελλόντων ταμίης δ' τι χρὴ τετελέσθαι.

883. ἄρ' οὐχ ὕβρις τάδ';] Cf. Arist. Lys. 658. ταῦτ' οὖν οὐχ
ὕβρις τὰ πράγματ' ἔστι πολλή; Nub. 1299. ταῦτ' οὐχ ὕβρις δῆτ'
ἔστιν; Ran. 21. εἰτ' οὐχ ὕβρις ταῦτ' ἔστι καὶ πολλή τρυφή; Pl. 886.
ἄρ' οὐχ ὕβρις ταῦτ' ἔστι πολλή; Lucian. D. Mort. 2. ταῦτα οὐχ
ὕβρις; Dem. p. 323 D. 831 B. Ter. Andr. I. 5. 'Quid est, si hoc
non contumelia est?' ἀνεκτέα] Cf. Trag. adesp. Fr. 145. ἀνεκ-
τέον τόδε.

884. γὰς πρόμοι] Cf. O. R. 661. θεῶν πρόμον Ἄλιον. Eur.
Tro. 31. Ἀθηναίων τε Θησεῖδαι πρόμοι. Her. 670. Ἀθηναίων πρό-
μοι. Phoen. 1244. τῆσδε μὲν πρόμον χθονός. Iph. A. 699. Aesch.
Suppl. 904. πόλεως ἀγοὶ πρόμοι.

886. περῶσ'] I. e. progrediuntur ultra quam debent.
Cf. 155. περᾶς γὰρ περᾶς. Aesch. Fr. 268. καὶ τὰμπλάκημα τῷ
περῶντι τὴν θέμιν (ἔρχεται).

887. ἔσχετ'] Prohibuistis. Cf. 429. ἔσχον.

888. ἐναλίῳ θεῷ] Cf. 1493. ἐναλίῳ Ποσειδαονίῳ θεῷ. Eur.
Phoen. 1172. ἐναλίον θεοῦ | Περικλύμενος παῖς.

890. ἦξα θᾶσσον ἢ καθ' ἡδονὴν ποδός] Cf. El. 1503. μὴ —
καθ' ἡδονὴν θάνης. Phil. 206. στίβου κατ' ἀνάγκαν ἔροπτος.

891. Similis locus est Eur. Hec. 1114. ὦ φίλτατ', ἡσθόμην
γὰρ, Ἀγάμεμνον, σέθεν | φωνῆς ἀκούσας, εἰσορᾶς ἢ πάσχομεν;
Bacch. 178. ὦ φίλταθ', ὡς σὴν γῆρυν ἡσθόμην κλύων. Rhes. 608.
δέσπων' Ἀθάνα, φθέγματος γὰρ ἡσθόμην | τοῦ σοῦ συνήθη γῆ-
ρυν, etc.

893. τὰ ποῖα ταῦτα;] Cf. O. R. 935. τὰ ποῖα ταῦτα; Arist. Nub. 1270. τὰ ποῖα ταῦτα χορήμαθ';

895 sq. Cf. 866.

895. τέκνων — ξυνωρίδα] Cf. Eur. Med. 1145. τέκνων σῶν — ξυνωρίδα. Phoen. 1101. ξυνωρίς τέκνων. 1618. ἀλλ' εὔτεκνος (ἢ τέκνων F. W. Schmidt) ξυνωρίς; Herc. 451. ζεύγος — νεκρῶν.

898. λεῶν — ἱππότην] Cf. Aj. 565. ἐνάλιος λεώς. Aesch. Sept. 80. δεῖ πολλὸς ὄδε λεώς — ἱππότης. Pers. 125. πᾶς γὰρ ἱππηλάτας καὶ πεδοσιτιβῆς λεώς. 375. πάντα ναυτικὸν λεῶν. Arist. Ach. 162. δ θρανίτης (i. e. ναυτικός) λεώς.

900. ἀπὸ ῥυτῆρος] Immissis habenis. Anglice at full speed. I. e. ἄνευ χαλινοῦ, ut explicat Phrynichus Bekk. p. 24. Cf. Plut. Dion. 42. οὔτοι διελάσαντες τὴν ὁδὸν ἵπποις ἀπὸ ῥυτῆρος ἦκον εἰς Λεοντίνους τῆς ἡμέρας ἤδη καταφερομένης. Similiter Tr. 389. οὐκ ἀπὸ γνώμης. 1078 ἐκ καλυμμάτων. Thuc. I. 76. ἀπὸ τοῦ ἀνθρωπείου τρόπου. Eubul. III. 242. πηδᾶ χορεύει πῶλος ὡς ἀπὸ ζυγοῦ. ῥυτῆρος] Cf. Aj. 241. μέγαν — ῥυτῆρα λαβῶν. Fr. 938. ῥυτῆρι κροῶν κτλ. Hom. Il. 16, 475. ἐν δὲ ῥυτῆρι τάνυσθεν (they ran in the reins).

901. συμβάλλουσιν — ὁδοὶ] Cf. Aesch. Fr. 171. συμβολὰς τριῶν κελεύθων.

902. γέλως] I. e. γέλωτος ἐπόθεσις, a subject for laughter. Cf. Eur. Fr. 463, 4. γέλως γὰρ ἐχθροῖς γίνεταί τὰ τοιάδε. Adesp. 382, 9. Archil. Fr. 94, 4. Simonid. Amorg. 7, 74. Herod. III. 29. ἀτὰρ — οὐ χαίροντες γέλωτα ἐμὲ θήσεσθε. Dem. p. 47, 6. γέλως ἔσθ' ὡς χρώμεθα τοῖς προύγμασιν. Lucian. Epigr. I. ἀλλ' ὁ σὺ θανμάζεις τοῦθ' ἐτέροισι γέλως.

903. ξένω] Creonti.

905. δι' ὀργῆς ἦκον] Cf. Ant. 742. διὰ δίκης ἰὼν πατρί. Eur. Andr. 175. διὰ φόνου δ' οἱ φίλτατοι | χωροῦσι. 417. Hipp. 1154. δι' ἐχθρας μῶν τις ἦν ἀφιγμένος; Phoen. 384. διὰ πόθου δ' ἐλήλυθα. 479. καὶ μὴ δι' ἐχθρας τῷδε καὶ φόνου μολῶν κτλ. 1561. δι' ὀδύνας ἔβας. 20. Or. 745. Med. 61. 1070. Iph. A. 1392. οὐ δεῖ τόνδε διὰ μάχης μολεῖν | πᾶσιν Ἀργείοις. 983. Her. 625. Suppl. 111. Tro. 909. Herc. 220. Μινύαισι πᾶσι διὰ μάχης μολῶν. Bacch. 1024. μεθίει διὰ χειρῶν βλάστημ' ἐμῶν. Aesch. Prom. 121. Thuc. I. 73. δι' ὄχλου. Plat. Theag. p. 130. δι' ἀπεχθείας ἐγεγόνει. Herod. I. 169. διὰ μάχης μὲν ἀπικέατο Ἀρπάγω. Xen. An. III. 2. 8. αὐτοῖς διὰ φιλίας ἴεναι.

907. Similis locus est Arist. Pac. 138. νῦν δ' ἄτι' ἄν αὐτὸς καταφάγω τὰ σιτία, | τούτοις τοῖς αὐτοῖσι τούτων χορτάσω. οὔσπερ — τοὺς νόμους] Cf. Ant. 404. ταύτην γ' ἰδὼν θάπτουσαν δν σὺ τὸν νεκρὸν | ἀπέϊπας. Tr. 1208. ὦν ἔχω παιώνιον — τῶν ἐμῶν κακῶν. Arist. Av. 437. σὺ δὲ τούσδ' ἐρ' ὀσπερ τοῖς λόγοις συνέ-

λεξ' ἐγὼ | φράσον. Pac. 676. οὐκ ἦν ἄρ' οὐπερ φησὶν εἶναι τοῦ πατρὸς. νόμοις] Cf. El. 1043. τούτοις ἐγὼ ζῆν τοῖς νόμοις οὐ βούλομαι. Antw. 191. ἵπτοι οὐδ' ἐγὼ νόμοισι τήνδ' αὔξω πόλιν. 847. οἷος νόμοις. Eur. Hipp. 1049. οὐχ οὕτω θανεῖ | ὥσπερ σὺ σαντιῶ τόνδε προύθηκας νόμον. Men. IV. 227. εἰ δ' ἐπὶ τοῖς αὐτοῖς νόμοις | ἐφ' ὅσπερ ἡμεῖς ἔσπασος τὸν ἀέρα τὸν κοινόν, etc. Anth. Pal. V. 207. φοιτᾶν τοῖς ταύτης (Ἀφροδίτης) οὐκ ἐθέλουσι νόμοις.

908. Cf. El. 513. ἡ γὰρ Δίκη νιν εἶλεν, οὐκ ἐγὼ μόνη. Aj. 113. κείνος δὲ τίσει τήνδε κοῦκ ἄλλην δίκην. ἀρμοσθήσεται] Cf. Arist. Eq. 1236. ἐν ταῖσιν εὐστραῖς κοινύλοισ ἡρμοστόμην. Lucian. Apol. 11. οἱ τὰς πόλεις ἀρμόιτοντες. Similiter Arist. Vesp. 254. εἰ νῆ Δί' αὐθις κοινύλοισ ρουθητήσεθ' ἡμᾶς.

910. στήσης ἄγων] Cf. 1342. στήσω σ' ἄγων.

911. Cf. El. 800. Eur. Andr. 1274. ταῦτα δ' ἀξίως | σαντῆς τε ποιεῖς καὶ τέκνων τῶν ἐκ σέθεν.

913. δίκαι' ἀσκοῦσαν] Cf. Tr. 384. Eur. Bacch. 641. ἀσκεῖν σὴν φρον' εὐδοργήσιαν. Suppl. 882. χρησιότητ' ἡσκηκότα. 912. τὰγάθ' ἀσκήσας ἀνήρ. Hel. 1103. ἀπάτας — ἀσκοῦσα. Bacch. 476. ἀσέβειαν. ἀσκοῦντα. Arist. Nub. 931. λαλιὰν — ἀσκήσαι. Aesch. Prom. 1066. κακότητ' ἀσκεῖν. Crates Anal. Br. I. 186. ὅσοι τὰ δίκαι' ἀσκοῦσιν.

917. πόλιν κέναρδρον] Cf. Aesch. Pers. 117. κέναρδρον μέγ' ἄστν. 736. 767. Suppl. 660. μήποτε λοιμὸς ἀνδρῶν τῶνδε (l. τάνδε) πόλιν κενώσαι.

918. ἴσον τῷ μηδενί] Cf. O. R. 1019. καὶ πῶς ὁ φύσας ἐξ ἴσον τῷ μηδενί; Ant. 1325. τὸν οὐκ ὄντα μᾶλλον ἢ μηδένα. Tr. 1108. κᾶν τὸ μηδὲν ὦ. Eur. Ion. 596. ὁ μηδὲν ὄν κᾶξ οὐδένων (l. κᾶκ μηδένων) κεκλήσομαι. Herod. VIII. 106. ὅτι με ἀντ' ἀνδρὸς ἐποίησας τὸ μηδὲν εἶναι. τῷ μηδενί] Μηδενί hic masculinum est. Alioqui τῷ μηδὲν (sc. ὄντι) scribendum foret ut τοῦ μηδὲν in Aj. 1231.

919. οὐκ ἐπαίδευσαν κακόν] Cf. Phil. 1361. οἷς γὰρ ἡ γνώμη κακῶν | μήτηρ γένηται, τᾶλλα παιδεύει κακοὺς (κακὰ vulg.).

923. τὰ τῶν θεῶν — | ἱκτῆρια] Cf. Eur. Her. 102. εἰκὸς θεῶν ἱκτῆρας αἰδεῖσθαι.

924. σῆς ἐπεμβαίωνν χθονὸς] Cf. 400. O. R. 825. ἐμβατεύειν πατρίδος. Hom. Od. 5, 399. νῆχε δ' ἐπειγόμενος ποσὶν ἠπειρῶν ἐπιβῆναι. Eur. Or. 618. ἡ μὴ πῖβαινε Σπαρτιάτιδος χθονός. Hel. 929. ἦν δ' Ἑλλάδ' ἔλθω κάπιβῶ Σπάρτης πάλιν. Menand. IV. 175. πλεῖν — καὶ μηδ' ἐπιβαίνειν γῆς. Dem. p. 368. εἰ μήπω τῆς Ἀττικῆς ἐπιβαίνει. Dinarch. I. 45. ὄν οὐκ ἐῶσιν οἱ νόμοι τῆς Ἀθηναίων χώρας ἐπιβαίνειν. Herod. IV. 125. ἀπηγόρευον Σκύθησι μὴ ἐπιβαίνειν τῶν σφετέρων οὖρων. Lucian. de dips. 7. ἐπέβην τῆς Λιβύης. de S. D. 56. ἐννῆς ἐπιβῆναι. Plut. Per. 30. ὅς δ' ἂν ἐπιβῆ τῆς Ἀττικῆς κτλ. Plut. Lyc. 9. οὐδ' ἐπέβαινε τῆς Λακωνικῆς. Plut. Mar. 40. ἀπαγορεύει σοι — Λιβύης μὴ ἐπιβαίνειν. Schol. ad Arist.

Ρας. 608. μήτε γῆς μήτε λιμένων Ἀττικῶν αὐτοὺς ἐπιβαίνειν. Usitatio locutio est ἐπιβαίνειν τινὶ El. 456. 835. Similiter προστυγχανεῖν τινος El. 1463. Ph. 552.

927. εἰλικον — ἦγον] Cf. Appian. B. C. III. 77. ὄγειν ἐκέλευσεν ἔλικοντας. Achill. Tat. VIII. 14. 5. τὸν γὰρ Σωσθένην εἰλικον ἄγοντες. ἀλλ' ἠπιστάμην] Subaudiendum ἄν. Cf. 996. et ad O. R. 936. Arist. Eq. 1057. ἀλλ' οὐκ ἂν μαχέσαιτο· χέσαιτο γὰρ, εἰ μαχέσαιτο. Plat. Per. 34. οὐκ ἂν — προύβησαν, ἀλλὰ ταχέως ἀπείπον.

930. τὴν αὐτὸς αὐτοῦ] Poetice positum pro τὴν αὐτὸς σεαυτοῦ. Cf. 1356. O. R. 138. 1237. El. 285. Aj. 1132. Aesch. Ag. 836. τοῖς τ' αὐτὸς αὐτοῦ πῆμασιν βαρύνεται. Eur. Alc. 461. Arist. Eq. 1349. Sed Arist. Lys. 1125. αὐτὴ τ' ἐμανθῆς οὐ κακῶς γνώμης ἔχω. Timocl. 6, 19. Philem. 134, 2. Similiter Aesch. Prom. 284. πρὸς ἄλλοι' ἄλλον πημονὴ καθιζάνει. 921. τοῖον παλαιστὴν νῦν παρασκευάζεται | ἐπ' αὐτὸς αὐτιῶ. Herod. I. 51. τῶν τις Δελφῶν. ὁ πληθύνων χρόνος] Cf. 377. ὡς καθ' ἡμᾶς ἔσθ' ὁ πληθύνων λόγος. Aesch. Ag. 869. ὡς ἐπλήθυνον λόγοι.

931. γέρονθ'] Cf. Ant. 281. μὴ φευρεθῆς ἄνους τε καὶ γέρων ἄμα. O. R. 402. Arist. Eq. 1349. ἀνόητος — καὶ γέρων. τοῦ νοῦ κενόν] Cf. Fr. 843, 2. ἦσαν μὲν ὀργῆς ἐστι, τοῦ δὲ νοῦ κενός. El. 403. νοῦ — κενή. Ant. 754. φρενῶν — κενός.

932. εἶπον] I. q. ἐκέλευσα, κελεύω. El. 1456. ἦ πολλὰ χαιρείν μ' εἶπας οὐκ εἰωθότως. Phil. 101.

934. Sic Artames, qui Salamine periit, ironice σκληρᾶς μέτοικος γῆς dicitur Aesch. Pers. 324. Schol. μετοίκους γὰρ εἶπε (ἐπὶ Blomf. ad Ag. 57.) τῶν ὑψηλῶν τόπων τοὺς οἰωνοὺς ἐκεῖ (λέγει id.) —.

936. ἀπὸ τῆς γλώσσης λέγω] Cf. Aesch. Ag. 813. δίκας γὰρ οὐκ ἀπὸ γλώσσης θεοὶ | κλύοντες etc. 1620. ἀπὸ φθογγῆς. Eur. Bacch. 1049. τὰ τ' ἐκ ποδῶν σιγηλὰ καὶ γλώσσης ἀπὸ | σώζοντες. Hesiod. Op. 322. ἀπὸ γλώσσης ληίσσεται. Theogn. 63. ἀπὸ γλώσσης φίλος εἶναι. Thuc. VII. 10. ὅσα τε ἀπὸ γλώσσης εἴρητο αὐτοῖς εἶπον. Herod. I. 123. ἐντειλάμενός οἱ ἀπὸ γλώσσης. Xen. Symp. III. 5. Ἰλιάδα ὄλην — ἀπὸ στόματος εἰπεῖν. Plat. Theaet. 143. ἀπὸ στόματος. Plut. Them. 5. ἐκάστου τῶν πολιτῶν τοῦνομα λέγων ἀπὸ στόματος. O. R. 528. ἐξ ὀργῆς φρενός. Aesch. Sept. 873. δόλος οὐδέεις | μὴ 'κ φρενός ὀρθῶς με λιγαίνειν. 918. Eum. 674. ἀπὸ γνώμης. Eur. Fr. 412, 3. τὰπὸ καρδίας ἐρεῖ. Arist. Vesp. 656. λόγισαι — ἀπὸ χειρὸς. Arrian. Anab. I. 25. 13.

937. ὀρᾶς ἔν' ἦκαις —;] Cf. O. R. 953. σκοπεῖ κλύων | τὰ σέμν' ἔν' ἦκει τοῦ θεοῦ μαντεύματα. Eur. Med. 407. ὀρᾶς ἅ πάσχεις; Arist. Nub. 662.

938. Cf. Fr. 844. κλέπτων δ' ὅταν τις ἐμφανῶς ἐφευρεθῆ.

939. ἐγὼ οὔτ'] Cf. 998.

940. *Αιγέως*] Sic πόλεως ut disyllabum pronuntiatur supra 47. Connecte ἄβουλον cum τοῦργον.

942. αὐτοῦς] I. e. τοῦς πολίτας, ex πόλιν subintelligendum. Sic Aesch. Ag. 119. βλαβέντα δρόμων (i. e. λαγών, quamvis praecessit γέννα). Sept. 194. γυναικείω γένει | κρατοῦσα μὲν γὰρ (sc. γυνή) —. Prom. 425. καὶ Σκύθης δμῖλος, οἶ —. Eum. 688. Eur. Or. 431. Ἀγαμέμνονος δὲ σκῆπτρ' ἔῃ σ' ἔχειν πόλις; | OP. πῶς, οἴτινες ζῆν οὐκ ἔωσ' ἡμᾶς ἔτι; Thuc. I. 3. ἐν τῇ Φθιώτιδι — αὐτοῦς (τοῦς Φθιώτας). I. 136. ὁ δὲ φεύγει — ἐς Κέρκυραν, ὃν αὐτῶν εὐεργέτης. Herod. VII. 84. συμπλακείσης δὲ τῆς νῆος καὶ οὐ δυναμένων ἀπαλλαγῆναι (sc. τῶν ἐπιβατῶν) —. Aeschin. Socrat. II. 1. ἀπὸ Σικελίας — περὶ αὐτῶν ἐκείνων. Act. Apost. VIII. 14. ἀκούσαντες δὲ — ὅτι δέδεκται ἡ Σαμάρεια τὸν λόγον τοῦ θεοῦ ἀπέστειλαν πρὸς αὐτοῦς τὸν Πέτρον καὶ Ἰωάννην. Corn. Nep. Alcib. XI. 3. 'postquam inde expulsus Thebas venerat, adeo studiis eorum inservisse.' Id. Timoth. II. 1. 'Laconicam populatus classem eorum fugavit.' αὐτοῦς] Leg. αὐτοῖς. Cf. 1150. Ph. 965. ἐμοὶ μὲν οἰκτος δεινὸς ἐμπέπτωκέ τις. Aesch. Ag. 332. ἔρως δὲ μὴ τις πρότερον ἐμπίπτῃ στρατῷ | ποθεῖν —. Eur. Rhes. 657. φήμη τις φύλαξιν ἐμπέπτωκεν. Hec. 857. Hipp. 1218. Sed Iph. A. 808. οὔτα δεινὸς ἐμπέπτωκ' ἔρως | τῆσδε στρατείας 'Ελλάδ' ('Ελλάδι γ' Ald.) οὐκ ἄνευ θεῶν.

944. ὀθούνεκ' οὐ δεξοίατ'] Cf. O. R. 1271. ἀδῶν τοιαῦθ', ὀθούνεκ' οὐκ ὀφροῖτό νιν etc.

945. δεξοίατ'] Sic ὀφροῖατο O. R. 1271. γνωσοῖατο ibid. ὄτω γάμοι ξυνόητες — | Cf. Ant. 370. ὄτω τὸ μὴ καλὸν ξύνεστι. γάμοι — τοκέων] Cf. Ant. 864. κοιμήματά τ' αὐτογέννητ' ἐμῷ πατρὶ δυσμόρφω ματρός (i. e. patris mei cum matre ejus).

949. τῆδ' ὄμοῦ ναίειν πόλει] Cf. O. R. 338. τὴν σὴν δ' ὄμοῦ ναίουσαν οὐ κατείδες.

950. ᾧ πίστιν ἴσχω] Sic πίστιν φέρειν τινι El. 735. O. R. 1445. et Latine 'fidem habere alicui.'

951. εἰ μὴ μοι πικρὰς — ἀράς ἠρᾶτο] Cf. Ant. 427. ἐκ δ' ἀράς κακὰς | ἠρᾶτο τοῖσι —. Eur. Ph. 65. ἀράς ἀρᾶται παισὶν ἀνοσιωτάτας. Herod. II. 39. καταρῶνται — τῆσι κεφαλῆσι. πικρὰς — ἀράς] Cf. Aesch. Sept. 787. πικρογλώσσους ἀράς.

953. τάδ' ἀντιδρᾶν] Cf. 271. ὅστις παθῶν μὲν ἀντέδρων.

954. θνημοῦ γὰρ οὐδὲν γῆράς ἐστι —] Cf. Fr. 688. οὐκ ἔστι γηρᾶς τῶν σοφῶν. Fr. 59. ἀλλ' οὐδὲν ἔρπει ψεύδος ἐς γῆρας χρόνον. Aesch. Sept. 682. οὐκ ἔστι γῆρας τοῦδε τοῦ μιάσματος. Thuc. II. 44. τὸ γὰρ φιλότιμον ἀγήρων μόνον. Plat. Syll. 7. δοξομανίας καὶ φιλοτιμίας, ἀγήρατων παθῶν.

955. Cf. El. 1170. τοὺς γὰρ θανόντας οὐχ ὄρω λυπουμενούς. Tr. 1173. Aesch. Fr. 244. ἄλγος δ' οὐδὲν ἄπτεται νεκροῦ (νεκρῶν?).

Eur. Alc. 937. τῆς μὲν γὰρ οὐδὲν ἄλγος ἀφεται ποτε. Incert. ap. Plut. p. 109 F. ἄλγος γὰρ ὄντως οὐδὲν ἀπτεται νεκρῶν.

957. κεί δίκαι' ἄμωσ λέγω] Cf. 851. καὶ τύραννος ὦν ἄμωσ. 1529. οὐτ' ἂν τέκνοισι τοῖς ἔμοις στέργων ἄμωσ. Tr. 1115. νοσῶν ἄμωσ. Aj. 15. ὡς εὐμαθὲς σου, κἄν ἀποπτος ἦς, ἄμωσ | φώνημι' ἀκούω. Aesch. Cho. 115. μέμνησ' Ὀρέστον κεί θυραῖός ἐσθ' ἄμωσ. Eur. Hel. 728. ἐγὼ μὲν εἶην, κεί πέφυχ' ἄμωσ λάτρεις, | ἐν τοῖσι γενναίοισιν etc. Bacch. 787. κακῶσ δὲ πρὸς σέθεν πάσων ἄμωσ | οὐ φημι χρῆναι' σ' ὄπλ' ἐπαίρεσθαι θεῶ. Ion. 734. δέσποιν' ἄμωσ οὐσ'. Andr. 26. ἐν κακοῖσι κειμένην ἄμωσ | ἐλπὶς μ' αἰεὶ προσῆγε —. Notanda hic est particulae ἄμωσ collocatio. Plerumque ἄμωσ sequitur, ut in O. C. 851. καὶ τύραννος ὦν ἄμωσ. 1529. στέργων ἄμωσ. Sed aliquando praecedit, ut in 958. ἄμωσ καὶ τηλεκόσδ' ὦν ἀντιδρῶν πειράσομαι. Corrigen- dum videtur κεί λέγω δίκαι' ἄμωσ.

958. σμικρὸν] Confer βαιός O. R. 750.

960. ὦ λῆμ' ἀναιδὲς] Cf. Ant. 746. ὦ μαρὸν ἦθος καὶ γυναικὸς ὕστερον. Eur. Iph. A. 1423. ὦ λῆμ' ἄριστον. Iph. T. 609. τοῦ καθυβρίζειν δοκεῖς;] Cf. Ph. 1364. σου καθύβρισαν.

963. τοῦ σοῦ διῆκας στόματος] Cf. Tr. 323. οὐ τᾶρα τῷ γε πρόσθεν ἐξ ἴσου χρόνον | γλώσσαν διῆσει. διῆκας] Cf. Aj. 630. αἴλιον ἦσει. 851. ἦσει μέγαν κωκυτόν. El. 596. φόνους σοι — διῆκας] Similiter Aj. 302. σκια τινι λόγους ἀνέσπα.

964. θεοῖς γὰρ ἦν οὕτω φίλον] Cf. 1205. ἔστω δ' οὖν ὄπως ἐμῶν φίλον.

965. Cf. Plat. Phaedr. p. 244 E. νόσων καὶ πόνων τῶν μεγίστων — ἃ δὴ παλαιῶν ἐκ μηνιμάτων ποθὲν ἐν τοῖσι τῶν γενῶν — ἢ μαρία ἐγγενομένη — ἀπαλλαγὴν ἠῤυετο. et El. 570. Aj. 656. 757. τάχ' ἂν τι μηνίουσιν] Cf. O. R. 523. ἀλλ' ἦλθε μὲν δὴ τοῦτο τοῦνειδος τάχ' ἂν | ὄργῃ βιασθέν. et ad O. R. 11. μηνίουσιν] Secunda syllaba producitur; ut in 1274. οὐδ' ἃ μηνίεις φράσας.

966. καθ' αὐτόν] I. e. κατ' ἐμαντόν. Cf. Bekk. Anecd. p. 28, 27. Αὐτόν. Σοφοκλῆς ἀπὲ τοῦ ἐμαντόν. Quae glossa huc fortasse spectat. ἐμοὶ] Hic datus ab ὄνειδος pendet. Anglice reddas against me. Cf. ad Tr. 668.

969. ἐπεὶ δίδαξον] Cf. Arist. Vesp. 73. ἐπεὶ τοιάζειτε. 519. ἐπεὶ δίδαξον.

970. πρὸς παίδων θανεῖν] Cf. Aj. 842. πρὸς τῶν φιλίστων ἐκγόνων ὀλοῖατο. παίδων] Pro singulari. Sic τοὺς δρῶντας Ant. 325.

971. τοῦτ' ὄνειδίεις ἐμοὶ] Cf. Hesiod. Th. 717. πενήν — ἀνδρὶ — ὄνειδίεις. Cratet. trag. 2, 1. ἀνειδίσας μοι γῆρας.

972. οὔτε — οὐ] Cf. Ant. 249. Eur. Orest. 41. Med. 148. Aesch. Cho. 289. Prom. 448. Similiter μήτε — μὴ Eur. Orest. 46. 1086. βλάστας — εἶχον] Cf. Ant. 980. ματρός ἔχοντες ἀνύμφετον γονάν. O. R. 717. παιδός δὲ βλάστας etc. Tr. 382. Fr. 491. βλά-

σαν ἔσχε (sic Dobr.). Antiph. III. 129. Ἐμμητρον ἦν ἧ τὸ ξύλον, βλάστην ἔχει.

973. ἀγέννητος] *Nondum natus*. Cf. Fr. 739. ἀπάντα τὰ γέννητα πρῶτον ἤλθ' ἄπαξ. Alio sensu Tr. 61. ἐξ ἀγεννήτων (ex ignobilium oribus).

974. φανείς δύστηνος] Cf. Aj. 1021. δοῦλος — φανείς. Phil. 760. ἰὼ δύστηνε σὺ — φανείς.

975. ἐς χεῖρας ἦλθον πατρὶ] Cf. ad Trach. 441. Ἐρωτι μὲν νυν ὄσους ἀντανίσταται | πύκτης ὄπως ἐς χεῖρας οὐ καλῶς φρονεῖ. Aesch. Sept. 676. ἀλλ' ἀνδρας Ἀργεῖοισι Καδμείους ἄλλυς | εἰς χεῖρας ἐλθεῖν. Eur. Tro. 623. κακῶ κακὸν γὰρ εἰς ἀμιλλαν ἔρχεται. Hec. 226. μήτ' ἐς χερῶν ἀμιλλαν ἐξέλθης ἐμοί. Thuc. II. 3. ἐς χεῖρας ἦσαν. Xen. An. IV. 7. 15. Sic ἐς λόγους ἐλθεῖν τι infra 1164.

977. ἄκον προᾶγμ'] Cf. ad 240. ἔργων ἀκόντων. Fr. 604. ἄκων δ' ἀμαρτῶν οὔτις ἀνθρώπων κακός. Thuc. III. 40. σύγγνωμον δ' ἐστὶ (leg. συγγνώμην δ' ἔχει) τὸ ἀκούσιον.

978. μητρὸς — γάμους] Cf. O. R. 825. εἰ γάμοις με δεῖ | μητρὸς ζυγήναι.

980. οὐ γὰρ οὖν] Cf. 985. 1199. Ant. 489. 741. 771. 1255. Ph. 298 — 766. Aesch. Ag. 683. Eur. El. 290. Bacch. 922. Hipp. 666. Iph. A. 845. Arist. Th. 164. Vesp. 726. Av. 39. Herod. IX. 96. Similiter καὶ γὰρ οὖν Aesch. Agam. 532.

981. στόμα] *Sermonem, loquelam*. Cf. 794. et ad 131. Aj. 1225. δῆλος δέ μοι 'στὶ σκαιὸν ἐκλύσων στόμα. Eodem sensu γλῶσσα El. 596.

982. οἴμοι μοι κακῶν] Cf. Ph. 788. οἴμοι μοι τάλας.

985. ἀλλ' ἐν γὰρ οὖν ἔξοιδα] Cf. 1615. ἀλλ' ἐν γὰρ μόνον | τὰ πάντα λύει —. Qu. ἀλλ' ἐν γὰρ εὐ κάτοιδα.

988. ἀκούσομαι κακός] Cf. Theocr. XVI. 30. ὄφρα καὶ εἰν Ἀῖδαο κεκρυμμένος ἐσθλὸς ἀκούσης. Ph. 1074. ἀκούσομαι μὲν ὡς ἔφην οἴκτου πλέως | πρὸς τοῦδε. 607. 1313. O. R. 903.

989. ἐμφέρεις] Leg. ἐπιφέρεις. Cf. Eur. Or. 756. πολίταις ἐπιφέρων ἐγκλημά τι. Arist. Ran. 1253. τίν' ἄρα μέμψιν ἐποίησε ἀνδρὶ κτλ. Herod. I. 26. ἄλλοισι ἄλλας αἰτίας ἐπιφέρων. I. 68. ἐπενείκαντές οἱ αἰτήν. I. 131. τοῖσι ποιῶσι μωρίην ἐπιφέρουσι. I. 138. τὴν αὐτὴν αἰτήν ἐπιφέροντες. IV. 154. μαχλοσύνην ἐπενείκασαί οἱ. IV. 166. αἰτήν οἱ ἄλλην ἐπενείκας. Xen. Mem. I. 2. 31. τὸ κοινῆ τοῖς φιλοσόφοις ὑπὸ τῶν πολλῶν ἐπιτιμώμενον ἐπιφέρων αὐτῶ. Isocr. Or. XV. § 253. ἡς (αἰτίας) οὗτοι τοῖς σοφισταῖς ἐπιφέρουσι. § 262. τίνα γὰρ ἂν τις αὐτοῖς ἐπενεγεῖν αἰτίαν ἔχοι προπεδοδέστειραν ταύτης; Plut. Per. 31. τὴν αἰτίαν ἐπιφέρουσι τῷ Περικλεῖ. Hor. Sat. I. 5. 12. 'Tum pueri nautis, pueris convicia nautae | ingerere.'

990. φόνους πατρῶους] De una caede, ut in El. 779. ἐγκαλῶν δέ μοι | φόνους πατρῶους.

993. κτείνω] Cf. Eur. Phoen. 1616. ὁ σπείρας πατῆρ | κτείνει με (attempts to kill me). 1413. 1636. Andr. 631. γυναῖκα δυστυχῆ κτείνεις. Or. 1197. ἦν — κτείνῃ σε (Gl. ἀπειλῆ κτείνειν). Ph. 981. μή μ' εὐλογοῖται τὰμά τις κτείνων τέκνα (schol. συμβουλεύων κτείνειν). Infra 1442. μή πεῖθ'.

994. εἰ πατήρ σ' ὁ καινῶν] Sub. ἐστί. Cf. El. 647. Eur. El. 264. μήτηρ δέ σ' ἡ τεκοῦσα ταῦτ' ἠνέσχετο; Arist. Av. 95. τίνες εἶσίν μ' οἱ ζητοῦντες; τῖνοι' ἄν] Cf. El. 116. Tr. 809. 1111. Ph. 1041.

995. δοκῶ μὲν] Cf. El. 61. 547. Fr. 106. δοκῶ μὲν, οὐδέεις Eur. Iph. A. 392. ὄμαι μὲν. Plat. Soph. 221.

996. τοῦνδικον περιβλέποις] Cf. Plin. Epist. IV. 13. 'Rogo ut — circumspicias praeceptores, quos etc.' De particulae ἄν omissione cf. 927.

998. θεῶν ἀγόντων] Cf. Ant. 624.

1001. νομίζων] Cf. Ant. 1058.

1002. τοιαῦτ' ὄνειδίσεις με] Cf. O. R. 1423. οὐδ' ὡς ὄνειδιῶν τι —.

1004. κατώκηται] Constitutae sunt, sc. legibus et institutis.

1005. τοῦδ' ἐκλανθάνει] Cf. Eur. Herc. 1043. ἐκλανθέσθαι κακῶν.

1006 sq. Cf. Arist. Nub. 302 sq. Eq. 582. Isocr. Paneg. 6. πρὸς τὰ τῶν θεῶν εὐσεβέστατα διακειμένους (τοὺς Ἀθηναίους).

ἐπίσταται — σεβίζειν] Cf. O. R. 589. ὅστις σωφρονεῖν ἐπίσταται. El. 629. 394. Tr. 543. Eur. Hipp. 996. ἐπίσταμαι θεοὺς σέβειν.

1007. τιμαῖς σεβίζειν] Cf. 1557. τὰν ἀφανῆ θεὸν καὶ σὲ λιταῖς σεβίζειν. Eur. El. 196. εὐχαῖσι θεοὺς σεβίζουσι. O. R. 909. κούδα μού τιμαῖς Ἀπόλλων ἐμφανῆς. τοῦθ'] I. e. κατὰ τοῦτο. Qu. τῶδ'. Locutio enim solennis est ὑπερφέρειν τινὰ (τι) τιλ, ut in Eur. Her. 554. ὑπερφέρεις | τόλμη τε τόλμαν etc. Dion. Cass. 48, 32. πλούτω — τοὺς καθ' ἑαυτὸν ὑπερενεγκῶν. Herod. V. 28. ἡ Νάξος εὐδαιμονίῃ τῶν νήσων προέφερε.

1008. κλέψας] Having attempted to steal. Cf. ad Aj. 1121.

1010. Dativus ἐμοὶ ab ἐλθεῖν ἀρωγούς pendet.

1011. ἱκνοῦμαι] Obsecro. Cf. ad Ph. 470. κατασκήπτω λιταῖς] I entreat with supplications. Mira locutio et vix sana. Qu. χᾶμ' ἐπισκήπτω λιταῖς.

1014. αἱ δὲ συμφοραὶ —] Cf. Tr. 327. ἦδε τοι τύχη | κακῆ μὲν ἀπῆ 'στ', ἀλλὰ συγγνώμην ἔχει.

1015. ἀμναθεῖν] Cf. Aesch. Eum. 441. Eur. Andr. 1080. Iph. A. 910. Arist. Nub. 1326. Phot. ἡμύναθον· ἡμνα. Nullus praesens est ἀμννάθειν. V. Elmsl. ad Med. 186.

1016. *ἄλις λόγων*] Cf. Eur. Phoen. 1762. *ἄλις ὀδονμάτων ἐμῶν*. Hec. 278. *τῶν τεθνηκότων ἄλις. ἐξηρασμένοι*] Passiva forma perfecti medio sensu usurpata. Sic Ant. 363. *νόσων — φυγὰς ξυμπέφρασαι*. 531. *ὑφειμένη*. O. R. 1490. *κεκλανμένοι*. El. 54. *ἡρόμενοι*. 335. Aj. 208. *ἐνήλλακται*. Phil. 1280. *πέπανμαι*. Aj. 279. *πεπανμένος*. Tr. 589. *βεβούλευμαι*. 934. *πεπληγμένην*. Aesch. Sept. 885. *διήλλαχθε*. Aesch. Fr. 224. *γεγευμένη*. Eur. Alc. 154. *ὑπερβεβλημένην*. 540. *ὑφειμένην*. 1176. *μεθηρομόμοσθα*. Her. 42. *ὑπηγκαλισμένη*. 1016. *γένος ὑπηγκαλισμένη*. Hec. 789. *καὶ ζῶμεν ἄδικα καὶ δίκαι' ὠρισμένοι* (having defined). Hipp. 667. *γεγευμένος*. Med. 1127. *ἔσιταν ἡκισμένη*. Phoen. 614. *ἐπεστρατευμένου*. Iph. A. 254. *κεκόμψευσαι*. Or. 1411. *πέφαργμαι*. Hel. 1518. *ἐκπεπόρθμυνται*. Eur. Fr. 472, 19. *πεφύλαγμα*. Fr. 18. *κεκοίνωνται*. Pind. Fr. 76. *πεπειραμένον*. Herod. III. 137. *ἤρμοσμαι*. Thuc. II. 78. *ἐκκεκόμομαι*. Xen. An. V. 11. 9. *ἀποδέδειγμα*. VII. 4. 16. *ἔσπασμαι*. Xen. Cyr. I. 4. 18. *ἄ* (δπλα) *ἐπεποίητο*. VIII. 3. 4. *ἀκινάκην παρεσκευασμένη*. Symp. I. 11. *συνεσκεύασμαι*. Plat. Phaed. p. 85 D. *γέγραπται*. Euth. 2. Dem. p. 194, 26. *παρεῖνται*. p. 760, 10. *διωρίσμεθα*, p. 958. *λέλυσαι*. p. 967. *ἀπηλλαγμένος*. *ibid.* *δεδικασμένος*. c. Mid. 557. *γέγραμμαι ἐμαντῶ ταῦτα*. Strab. IV. p. 301. *ἔσπασμένος τὸ ξίφος*. Plut. Anton. 22. *πολλὰ τῆς εἰς τὴν ταφὴν δαπάνης ὑφρησμένοι*. 71. *τὸ ἐλπίζεν ἀποτεθειμένος*. Plut. Mar. 27. *ἀπεωσμένον* (mid.). 46. *ἀπηλαγμένοι*. Per. 31. *ἐπήραον* (πέτρον). Lucull. 37. *πολλὰ νεοσοφισμένω*. Pomp. 67. *ὑπήκτο*. Lucian. Charid. 5. *ὑπερκεπεπληγμένοις τὸ κάλλος*. Hyperid. c. 42. *συνέειλεγμαι*. Arrian. Anab. VI. 4. 3. *ὑπεκτεθεισθαι*. Plat. Euth. p. 4. *γέγραμμαι*.

1018. *ἀμαυρῶ*] Cf. 1639. Eur. Hec. 125. *ποδὺς ἀμαυρὸν ἴχνος*. 231. *ἀμαυρὸν σθένος*.

1019. *ὁδοῦ κατάρχειν τῆς ἐκεῖ*] Cf. Tr. 1135. *δεινοῦ λόγου κατῆρξας*. Arist. Lys. 638. *λόγων κατάρχομεν τῇ πόλει χρησίμων*. Hom. Od. 5, 237. *ἦρχε δ' ὁδοῖο | νήσον ἐπ' ἔσχατιῆς* (ἔσχατιήν?).

τῆς ἐκεῖ] Pro *τῆς ἐκεῖσε*. Cf. Herod. VII. 147. *καὶ ἡμεῖς ἐκεῖ* (ἐκεῖσε?) *πλέομεν ἔνθαπερ καὶ οὔτοι*.

1020. Cf. Arist. Thesm. 663. *εἰά νυν ἴχνευε — ταχὺ πάντ', εἴ τις ἐν | τοῖσδε τοῖς τόποις* (εἴ τις ἐν τόποις vulg.) *ἔδραϊός ἄλλος αὐτὸν λέληθεν ὦν*.

1022. *εἰ δ' —, οὐδὲν δεῖ πονεῖν*] Cf. Eur. Iph. A. 1042. *εἰ δὲ μὴ, τί δεῖ πονεῖν; ἐγκρατῆς*] In possession of. Sc. *τῶν παίδων*. Cf. Ph. 75. *τόξων ἐγκρατῆς. φεύγουσιν*] Creontis satellites.

1023. *οἱ σπεύδοντες*] I. e. *οἷς μέλει τοῦτο*. Cf. 900. *σπεύδειν ἀπὸ ὀντήρος*.

1024. *χώρας φυγόντες τῆσδ'*] Cf. Hom. Il. 8, 137. *Νέστορα δ' ἐκ χειρῶν φύγον ἠγία σιγαλόεντα* (the splendid reins fell from the hands of Nestor).

1025. *ἐξυφηγοῦ*] Sic *ἐξυπηρετεῖν* Trach. 1156. Qu. *εἴ' ὑφηγοῦ*.

ἔχων ἔχει] Cf. Aesch. Ag. 340. οὐ τῶν ἐλόντες αὐθις ἀνθαλοῖεν ἄν. 1532. φέρει φέροντι', ἐκτίνει δ' ὁ καίνων. Eur. Alc. 1065. μή μ' ἔλυσ' ἠρημένον. Cic. Epist. ad Fam. IX. 26. 'Habeo, non habeor a Laide.'

1026. καί σ' εἶλε — ἡ Δίκη] Cf. El. 528. ἡ γὰρ Δίκη νιν ἔλεν. Eur. Her. 941. εἰλέ σ' ἡ Δίκη. θηρῶνθ'] Cf. Aesch. Pr. 1072. πρὸς αἵτης θηραθεῖσαι. τὰ γὰρ δόλω — κτήματ'] Cf. Tr. 668. τῶν σῶν Ἑρακλεῖ δωρημάτων. Ph. 560. ὡς μάθω τί μοι | νεώτερον βούλενμ' ἀπ' Ἀργείων ἔχεις. Sed corrigendum suspicor τὰ γὰρ δόλω | καὶ μὴ Δίκη κεκτημέν'. Cf. Eur. Fr. 354, 2. οὔτε γὰρ πλοῦτός ποτε | βέβαιος ἄδικος. Eur. Fr. 362, 11. ἀδίκως δὲ μὴ κτῶ χρήματ', ἦν βούλη πολὺν | χρόνον μελάθροισ ἐμμένειν' τὰ γὰρ κακῶς | οἴκους ἐσελθόντ' οὐκ ἔχει σωτηρίαν. Arist. Pl. 755. οὐκ ἐκ δικαίου (qu. μὴ 'κ τοῦ δικαίου) τὸν βίον κεκτημένοι. Av. 1435. διαζῆν — χρῆν — ἐκ τοῦ δικαίου μᾶλλον ἢ δικορραφεῖν. Hyperid. c. 46. τῆς πόλεως τὴν ἐκ (ἐκ τοῦ?) δικαίου πρόσοδον. et Latinum illud 'male parta male pereunt.'

1029. ἄσκενον] Cf. El. 36. ἄσκενον — ἀσιδίων τε καὶ στρατοῦ.

1030. τόλμη τῆς παρεσιώσης τὰ νῦν] Cf. Arist. Lys. 318. τοῦ νῦν παρεσιώτους θράσους θέσθαι τροπαῖον ἡμᾶς.

1031. Cf. Arist. Nub. 1347. ὡς οὔτος, εἰ μὴ τῷ 'πεποιθῆεν, οὐκ ἂν ἦν οὔτως ἀκόλαστος. 1349. ἀλλ' ἔσθ' ὅτῳ θρασύνεται.

πιστός] Activo sensu. Cf. Aesch. Prom. 916. τῶς πεδαρσίσιος κτύποις | πιστός. Pers. 755. τοξουλκῶ λήμαι πιστούς. Theogn. 807. ἀστῶν μηδενὶ πιστός ἐὼν —. Thuc. III. 30. Sic ἄπιστος Anaxil. Athen. II. 63 B. Thuc. I. 68. μεμπτός τινι Tr. 445. στενακτός O. C. 1662. 1034. Connecte τὰ νῦν (nunc).

1036. Cf. Fr. 731. ἐγὼ δ' ἐρῶ σοι δεινὸν οὐδὲν, ἀλλ' ὅπως etc. "Se ipsum negat, dum hic (in Thesei regno) sit, quod is dixerit reprehensurum." (Madvig)

1039. Cf. 650. οὔτοι σφ' ὑφ' ὄρκου γ' ὡς κακὸν πιστώσομαι.

1041. στήσω] Cf. Aesch. Eum. 789. μηδ' — στήσητε δύσκηλον χθόνα.

1042. ὄναιο] Cf. Eur. Or. 1677. Iph. A. 1008. Hel. 646. 1418. Arist. Pl. 1062. τοῦ — γενναίου] Your noble conduct (or spirit). Cf. 8. τὸ γενναῖον. 569. τὸ σὸν γενναῖον. Qu. τοῦ τε γενναίου τρόπου, aut ὄναιο σαντοῦ — χάριν.

1045. ἐπιστροφαι] Impetus hostiles. Cf. 537. μυρίων ἐπιστροφαι κακῶν. Arist. Vesp. 422. πᾶς ἐπίστρεφε | δεῦρο.

1046. χαλκοβόαν] Schol. στερεοβόαν, μεγαλόφωνον. Cf. Hesiod. Th. 770. Ἄιδεω κύνα χαλκεόφωνον. Hom. Il. 5, 785.

1047. Ἄρη μίξουσιν] Cf. Herod. IV. 127. συμμίσγοιμεν ἂν ἐς μάχην ἑμῶν. ibid. πρότερον δὲ — οὐ συμμίσχοιμεν σοι. Virg. Aen. XII. 628. 'Ingruit Aeneas Italis et praelia miscet.' XII. 720. 'illi inter sese multa vi vulnera miscent.' Lucret. IV. 1007. 'praelia miscent.'

1048. ἢ λαμπάσιν ἀκταῖς] I. e. ἢ πρὸς λαμπάσιν ἀκταῖς, ut ὑπὸ τε σοῦ καὶ ἔμοῦ, et similia. λαμπάσιν] λαμπάσιν hic adjectivo sensu usurpatur. Schol. ταῖς λαμπαδευομέναις — ὑπὸ τῆς μυστικῆς φλογὸς καὶ τῶν ἱερῶν δάδων. ἀκταῖς] Schol. ἀπὸ κοινοῦ τὸ ἀκταῖς ληπτέον.

1049. πότνιαι] Sub. θεαί. Cf. 84. ὦ πότνια δεινῶπις (de Furiis). Intelliguntur Ceres et Libera?

1050. τιθηνοῦνται] Fovent, curant. Cf. 480. Anglice foster, attend to. τέλη] Schol. τελετάς. Cf. Aesch. Pers. 204. ἀποιτρόποισι δαίμοσιν — ὦν τέλη τάδε. Fr. 384. ἔφριξ'· ἐρῶ δὲ τοῦδε μυστικοῦ τέλους (ita Dind.).

1051. χρυσέα κλῆς —] Cf. Aesch. Ag. 35. τὰ δ' ἄλλα σιγῶ· βοῦς ἐπὶ γλώσση μέγας | βέβηκεν. Fr. 307. ἀλλ' ἔστι κἄμοι κλῆς ἐπὶ γλώσση φύλαξ. Theogn. 813. βοῦς μοι ἐπὶ γλώσσης (l. γλώσση) κρατερῶ ποδὶ λάξ ἐπιβαίνων | ἴσχει κωτίλλειν καίπερ ἐπιστάμενον.

χρυσέα] I. e. sacra, divina. Sic Fr. 767. χρυσῆ μακέλλη Ζηνός.

1052. κλῆς] Cf. Ant. 180. 505. βέβακε] Anglice rests. Eodem fere sensu quo ἔστι. Cf. 1684.

1054. ἐγρεμάχαν] Sic δπλομάχης Plat. Euthyd. 299. τειχομάχας Arist. Ach. 570. Palladis epithetum est ἐγρεμάχη (ἐγρεμάχης?) Hom. H. V. 424. Confer epithetum ἐγρεκύδομος.

1055. διστόλους] I. q. δισσάς, ut ολόζωνος pro simplici οἶος ponitur O. R. 846. Sic δμόστολος O. R. 202. αὐτάρχει — βοῦ] Anglice with a successful (adequate) onset.

1056. ἀδμήτας] I. e. innuptas, virgines, secundum usum Homericum (Od. 6, 109.), ut monuit Herwerden. Cf. Hesiod. Fr. 56. παρθένος ἀδμής.

1058. τοῦσδ' ἀνὰ χώρους] Sic Arist. Ran. 326. τόνδ' ἀνὰ λειμῶνα.

1059. Schol. τὸν ἐφέσπερον: ἐπὶ τὸν ἔσπερον. Id. τὸν Αἰγάλεων φησί· καὶ γὰρ τοῦτο ἐπ' ἐσχάτων ἔστιν τοῦ δήμου τούτου. καταλέγονσι δὲ χωρία παρ' ἃ μάλιστα εἰκάζουσι τὴν συμβολὴν γενέσθαι τοῖς περὶ τὸν Κρέοντα καὶ Θεσέα. Cf. Aj. 805. οἱ δ' ἐσπέρους ἀγκῶνας, οἱ δ' ἀντηλίους (μολεῖν). 874. πλευρὸν ἔσπερον νεῶν. 285. ἔσπεροι λαμπτήρες. O. R. 178. Eur. Or. 1002. τὰν πρὸς ἔσπερον (ἔσπεραν? Cf. 1260.). Nusquam alibi apud Sophoclem legitur ἐφέσπερος.

1060. πέτρας νιφάδος] Cf. O. R. 473. τοῦ νιφόεντος — Παρνασοῦ. νιφάδος] Cf. Aesch. Sept. 212., ubi νιφάς valet a snow-storm. Confer λισσάς (a bare smooth cliff) Plut. Mar. 23. Crass. 9. Distabat ab Athenis circiter viginti secundum Herodotum V. 83. Idem Herodotus (IX. 7.) campum Thriasium ἐπιτηδεώτατον ἐμμαχέασθαι appellat. πελώσ'] Futurum Atticum. Eadem contracta forma legitur Phil. 150. El. 497. Aesch. Prom. 282. Euripides alteram formam πελάσω praeferit Or. 1684. Iph.

T. 886. Hel. 361. El. 1332. Sic ἴστασο et ἴσω, ἐπίστασο et ἐπίσω, βιβάσω et βιβῶ, ἐλάσω et ἐλῶ, etc.

1061. Οἰάτιδος ἐκ νόμου] Nomen ab Οἶα ductum, qui pagus tribus Oeneidis aut (sec. Harpocr.) Paudionidis fuit. Diog. L. IV. 3. Πολέμων — Ἀθηναῖος, τῶν δῆμων Οἶηθεν. Pagus Οἶα ad septentrionem montis Aegalei jacebat sec. Leake. Frequens apud Herodotum est nomen νομός.

1062. ἑμφαρμοῖτοις — ἀμίλλαις] Cf. El. 861. χαλαροῖς ἐν ἀμίλλαις. Tr. 220. βακχεῖαν — ἀμιλλαν. Ant. 1065. τροχοὺς ἀμλλητήρας ἡλίον. Eur. Hel. 394. Πέλοψ ὁ τὰς τεθρίππους — ἀμίλλας ἐξαμλληθεῖς. Or. 450. γέροντι δεῦρ' ἀμιλλᾶται ποδί. Eur. El. 546. σὲ τὴν δρεγμα δεινὸν ἡμιλλημένην | τύμβον 'πὶ κρηπιδ'. Andr. 1086. Plut. Lucull. 28. ἡμιλλᾶτο πρὸς τὸν λόφον. Pind. Ol. III. 66. ἑμφάροματον διαφορηλασίαν. Sic El. 699. ὠκύπους ἀγών. Aj. 935. ἀριστόχειρ — ἀγών.

1065. Ἄρης] I. e. animus bellicus. Anglice fight, valour. Cf. El. 1242. κᾶν γυναιξιν ὡς ἔνεσι' Ἄρης. Aesch. Pers. 93. ἀπόσοιστας γὰρ ὁ Περοῶν | στρατὸς, ἀκλίφρων τε λαός. 950. Ἰάνων ναύφαρκτος Ἄρης. Eur. Her. 292. μάλα δ' ὀξὺς Ἄρης ὁ Μυκηναίων. Iph. A. 283. λευκήρετον δ' Ἄρη (i. e. exercitum) Ταφίων ἦγον. ἀλώσεται] Sc. Creon.

1066. δεινὰ δὲ Θησειδᾶν ἀκμά] Cf. Pind. Isthm. IV. 50. ὄνοτὸς μὲν ἰδέσθαι, συμπεσεῖν δ' ἀκμᾷ βαρύς. Θησειδᾶν] I. e. Atheniensium. Similiter Thebani Κάδμον τέκνα dicuntur. Cf. Aj. 190. Σιονφιδᾶν. 202. Ἐρεχθειδᾶν. Eur. El. 712. Ἄτρεΐδαι. ἀκμά] Vigor, vis. Cf. O. R. 1243.

1067. ἀστράπτει] Cf. Xen. Cyr. VI. 4. 1. ἤστραπτε μὲν χαλκῶ, ἦνθει δὲ φοινικίσι πᾶσα ἡ στρατιά.

1068. Schol. τὸ ἐξῆς, πᾶσα δ' ὀρμᾶται ἄμβασις.

1069. Cf. Aesch. Pers. 668. Herod. I. 216. Hom. Il. 16, 105. βάλλετο δ' αἰεὶ | καπφάλαρ' ἐνποίηθ'. Arist. Ran. 963. Μέμνονας κωδωνοφαλαροπώλους. Eur. Suppl. 594. ὀρμᾶσθαι χρεῶν | πάντ' ἄνδρ' ὀπλίτην ὀρμάτων τ' ἐπεμβάτην, | μοναμπύκων τε φάλαρα κινεῖσθαι στόμα κτλ. ἀμπυκτήρια] Cf. Aesch. Sept. 457. ἔπιπος δ' ἐν ἀμπυκτῆροισιν ἐμβρομωμένας. Hesychius ἀμπυκτήρια per τὰ φάλαρα explicat.

1070. ἐπίαν] Cf. Eur. Phoen. 1701. ἱερὸς Κολωνὸς δῶμά θ' ἐπίον θεοῦ. Pind. Ol. XIII. 115. ἐπία — Ἀθάνα. Arist. Nub. 82. νῆ τὸν Ποσειδῶ τουτοῖν τὸν ἔπιον. ἄμβασις] Cf. Eur. Bacch. 780. κέλενε πάντας ἀσιδηφόρους, | ἔπιων τ' ἀπαντᾶν ταχυπόδων ἐπεμβάτας | πέλας θ' ὄσοι πάλλοιοι, κτλ. Phoen. 1163. τί μέλλετ' ἄρδην πάντες ἐπιπίπτειν πύλαις, | γυμνήτες, ἐπιπῆς, ὀρμάτων τ' ἐπιστάται. Similiter ξένων — βάσις Trach. 960. οἶ] I. e. ἀμβάται, ex ἄμβασις intelligendum. Sic Aesch. Pr. 833. κελαινὸν φύλον, οἶ πρὸς ἡλίον | ναῖουσι πηγαῖς.

1072. τὸν πόντιον —] Cf. Aesch. Sept. 123. Πάλλας δ' ὄπιπιος ποτιομέδων ἀναξ. Eur. Hel. 1605. πόντιε Πόσειδον. Rhes. 240. πόντιος δαΐμων Cycl. 413. ποτιόν θεοῦ. Arist. Ran. 1341. ἰὼ πόντιε δαΐμων (Eur.). γαιόχορον] Cf. Pind. Ol. 1, 39. Aesch. Sept. 806. etc. Frequens apud Homerum.

1073. ῥέας] Monosyllabum ut ἔα, ἔως, θεῶν, etc.

1074. ἔρδουσιν —;] Are they in action. Hinc ἔργον certamen, ut in Paus. I. 21. 1. τὸ ἔργον — τὸ Μαραθῶνι.

1075. προμνᾶται] Anglice presages. Cf. 1080.

1077. τῶν δεινὰ τλασῶν] Pluralis ut in 1640. τλάσας. Schol. δεινά: τὰ σά (τόσα?) δεινά.

1078. δεινὰ δ' εὐροῦσᾶν] Cf. El. 1061. ἀφ' ὧν τ' ὄνασιν εὐρωσι. Tr. 284. ἄζηλον εὐροῦσαι βίον.

1079. κατ' ἄμαρ] Quotidie. Cf. 682. Ph. 798. El. 259. Tr. 1128. τοῖς — ἐφ' ἡμέραν (ἡμαρτημένοις).

1080. μάντις] Cf. O. R. 1086. Aesch. Sept. 808. οἱ ἄγε τάλαίνα, μάντις εἰμι τῶν κακῶν.

1081. εἴθ' —] Cf. Aesch. Suppl. 780. μέλας γενοίμαν καπνὸς νέφεσι γειτονῶν Διός. Oraculum apud Plut. Dem. 19. τῆς ἐπὶ θεομύθου μάχης ἀπάνευθε γενοίμην | αἰετὸς ἐν νεφέεσσι καὶ ἤξει θήσασθαι. ἀελλάια πελειάς] Cf. Fr. 614. ἀελλάδες φωναί (φῆναι?).

ταχύρροτος πελειάς] Cf. Hom. Il. 23, 367. ἐρρώοντο μετὰ προῆσ' ἀνέμοιο. Od. 23, 3. γούνατα δ' ἐρρώσαντο. Verbum ῥῶσθαι apud Homerum significat to move rapidly, to rush, Il. 11, 50. 16, 166. 18, 411. 18, 417. 23, 367. 24, 616. Od. 24, 69. Cf. ad 661. Hesych. ῥῶσθαι: σπουδάζειν.

1082. αἰθερίας νεφέλας κύρσαιμι] May I reach a cloud of heaven. Cf. Eur. Phoen. 167. ἀνεμώκεος εἶθε δρόμον νεφέλας ποσὶν ἐξανύσαιμι δι' αἰθέρος πρὸς ἐμὸν ὁμογενέτορα. et O. R. 1514. βίον λῶνονος | ὑμᾶς κυρῆσαι. Ant. 870.

1084. θεωρήσουσα τοῦμόν ὄμμα] Cf. Aesch. Pr. 310. ἡ θεωρήσων τύχας | ἐμὰς ἀφίξει —; Herod. VIII. 26. ὡς Ὀλύμπια ἄγοιεν καὶ θεωροῦσι ἀγῶνα γυμνικὸν καὶ ἵππικόν. Eur. Andr. 1086. τρεῖς μὲν φαεινὰς ἡλίου διεξόδους | θέα διδόντες ὄμματ' ἐξεπίπλαμεν. Phoen. 462. ὄμματ' ὄμμασιν διδοῖ; Iph. A. 231. ναῶν δ' εἰς ἀριθμὸν ἡλυθον | καὶ θέαν ἀθέσφατον, | τῶν γυναικείαν ὄψιν ὀμμάτων | ὡς πλήσαιμι. Eur. Fr. 1063, 7. βλέπουσά τ' εἰς πᾶν καὶ παρούσα πανταχοῦ | τὴν ὄψιν ἐμπλήσασ' ἀπήλλαται κακῶν. Trag. adesp. 458, 7. τὴν ὄψιν ἐμπλήσασ'.

1086. παντόπτα Ζεῦ] Forma παντόπτης legitur Aesch. Suppl. 145. πατήρ δ' παντόπτας. Eum. 1045. Aesch. Fr. 192, 5. ὁ παντόπτας ἄλλος. Eur. Phoen. 1115. Arist. Av. 1058. ἦδη μοι τὸ παντόπτα καὶ παντάρχα θνητοὶ πάντες θύσουσ'. Ach. 435. Eccl. 80. Altera forma πανόπτης legitur Aesch. Prom. 91. τὸν πανόπτην

ἡλίον κύκλον. Eum. 997. Ζεὺς δ πανόπτας. Cho. 985. Suppl. 301. Eur. Phoen. 1131.

1087. γὰς | τᾶσδε δαμούχοις] Cf. 1348. τῆσδε δημοῦχοι χθονάσ.

1088. σθένει ἑπικειῶ] Cf. Tr. 497. σθένος — νίκας. Confer ἀρμάτειος (Eur. Or. 1397.), δμμάτειος (Hesych.).

1089. τὸν εὐαγρον] Proleptice positum ut ἡ πολύφθορος Tr. 478., et ἡ σύμμαχος O. R. 274. λόχον] Insidias. Cf. El. 490. δεινοῖς κρυπτομένα λόχοις Ἐρινύς.

1091. τὸν ἀγρευτὰν Ἀπόλλω] Cf. Aesch. Fr. 205. ἀγρεὺς δ' Ἀπόλλων ὀρθὸν ἰθύνοι βέλος. Paus. I. 41. 3. ἀγροτέραν Ἄρτεμιν καὶ Ἀπόλλωνα ἀγραῖον (ἀγρευτὰν aut ἀγρέα?). Xen. Cyn. VI. 13. τῷ Ἀπόλλωνι καὶ τῇ Ἀρτέμιδι τῇ ἀγροτέρα μεταδοῦναι τῆς θήρας.

1092. πυκνοστίκτων ἐλάφων] Cf. El. 568. σικτὸν — ἔλαφον. Supra 17. πυκνόπτεροι — ἀηδόνες.

1094. στέργω] Rogo, obsecro. Cf. O. R. 11. τίνι τρόπον καθέστατε, | δέισαντες ἢ στέρξαντες; διπλᾶς ἀρωγὰς μολεῖν] Iæg. διπλᾶς ἀρωγὸς —. Cf. El. 453. αἰτοῦ δὲ — εὐμενῇ | ἡμῖν ἀρωγὸν αὐτὸν εἰς ἐχθροὺς μολεῖν.

1096. ὡς ψευδόμαντις] Cf. El. 520. 1289. καὶ μήτε μήτηρ ὡς κακὴ δίδασκέ με. Eur. Andr. 646. τί δῆτ' ἂν εἴποις τοὺς γέροντας ὡς σοφοί; Aesch. Ag. 443. στένουσι δ' εὐ λέγοντες ἄνδρα τὸν μὲν ὡς μάχης ἴδρις κτλ.

1097. ψευδόμαντις] Cf. Eur. Or. 1667. Herod. IV. 69. ψευδομάντιας καλέουτες. Confer σάληθόμαντις Aesch. Ag. 1241. ὀρθόμαντις Pind. N. I. 61. σεμνόμαντις O. R. 556. etc.

1098. προσπολονόμενας] Cf. Aesch. Prom. 645. αἰεὶ γὰρ ὄφεις ἔννηχοι πωλεύμεναι etc.

1100. τίς ἂν θεῶν — δοίη;] Anglice, would that some one of the gods etc. Cf. Aesch. Ag. 1448. τίς ἂν ἐν τάχει — μολοί —; Arist. Nub. 729. τίς ἂν ἐμβάλοι | ἐξ ἀρνακίδων —;

1102. Cf. 1104. προσέλθει', ὦ παῖ. 1112. ἐρείσας', ὦ παῖ. Ph. 369. ὦ σκέλι', ἢ ἑτολμήσατε —; 466. ἤδη, τέκνον, στέλλεσθε. 645. Eur. Ion. 1621. ὦ τέκνον, στείχωμεν οἴκους. Arist. Ran. 1479. χωρεῖτε τοῖνον, ὦ Διόνυσ', εἴσω. Vesp. 975. ἔθ', ἀντιβολῶ σ', οἰκτιρεῖσθε αὐτὸν, ὦ πάτερ. Lys. 1166.

1103. Θεσέως] Disyllabum, ut Πενθέως Eur. Bacch. 320. Ὀρφέως Eur. Iph. A. 1214. Πηλέως Eur. Iph. A. 1568. δπαίων] Cf. Ant. 1108. Herod. V. 111. εἶπε πρὸς ταῦτα δ ὀπιών (δπαίων?) αὐτοῦ, etc. Etiam apud Aeschylum et Euripidem legitur.

1104. προσέλθει', ὦ παῖ] Cf. ad 1102.

1105. σῶμα βαστάσαι] Cf. El. 1216. εἶπερ γ' Ὀρέστου σῶμα βαστάζω τόδε.

1106. αἰεῖς ἂ τεύξει] Cf. 1168. δοτις ἂν σου τοῦτο προσχηροῖ τυχεῖν. Ant. 546. ἂ (f. ὦν) μὴ ἕθιγες ποιοῦ σεαυτῆς. Phil. 230. οὐ γὰρ εἰκὸς οὐτ' ἐμὲ | ἑμῶν ἀμαρτεῖν τοῦτό γ' (f. τοῦδέ γ'). Soph.

Fr. 824, 3. *δακρυροεῖ* — *τὰ καὶ τὰ τυγχάνων*. Eur. Phoen. 1006. *κλένας λόγους ὥσθ' ἃ βούλομαι τυχεῖν*. 513. *τυχεῖν ἃ χρῆζει*. Med. 259. *τοσόνδε δὴ σοὺ τυγχάνειν βουλήσομαι*. 758. *τυχοῦσ' ἃ βούλομαι*. Alc. 702. *ἃ δ' ἡμῶν χρῆν σε τυγχάνειν ἔχεις*. Hec. 51. Aesch. Cho. 711. *τυγχάνειν τὰ πρόσφορα*. 714.

1107. *δοῦ*] Prope. Cf. Ant. 1180. Ph. 1218. Arist. Eq. 245. *αὐτῶν ὡς δοῦ προσκειμένων*. Pac. 513. Th. 572. Fr. 458.

1108. *ἔρη*] Cf. Aesch. Ag. 1506. Eum. 631. 636. Eur. Tro. 768. *ὦ Τυνδάρειον ἔρως*. Ph. 198. *χρυσενβόστρυχον ὦ Διὸς ἔρως*. Iph. A. 118. *Similiter θάλος* Eur. Ph. 88.

1110. *ἔχω τὰ φίλτατ'*] Cf. Ph. 434. *ὅς σοι πατὴρ ἦν τὰ φίλτατα*. El. 1208. O. R. 1474. Eur. Herc. 514. *λεύσσω τὰμὰ φίλτατ', ἦ τί φῶ;*

1112. *ἐρείσας* — *πλευρὸν ἀμφιδέξιον*] Cf. O. R. 1243. Eur. Hipp. 780. *ἀμφιδέξιον σίδηρον*.

1113. *ἐμφύντε τῷ φύσαντι*] Cf. Hom. Od. 12, 434. *τῷ προσφῶς ἐχόμεν*. Il. 24, 213. *τοῦ ἐγὼ μέσον ἦπαρ ἔχοιμι | ἐσθόμεναι προσφῶσα*. Il. 24, 21. *πάντα κύσεν περιφύς*. Od. 10, 397. *ἔφην τ' ἐν χερσὶν ἕκαστος*. Il. 6, 253. *ἐν δ' ἄρα οἱ φῦ χειρὶ* —. Od. 1, 381. *ὁδὰξ ἐν χεῖλεσι φύντες*. Il. 8, 84. *ὅθι τε πρῶται τρίχες Ἴππων | κραινῶ ἐμπεφύσασι*. 1, 513. *ὡς ἔχει' ἐμπεφυνῖα*. 6, 253. *ἐν τ' ἄρα οἱ φῦ χειρὶ*. Od. 24, 320. *κύσσε δέ μιν περιφύς*. Theocr. XIII. 47. *τὰ δ' ἐν χερὶ πᾶσαν ἔφυσαν*. Herod. III. 109. *καὶ ἐμφῦσα οὐκ ἀνίει πρὶν ἂν διαφάγη*. VI. 91. *χεῖρες δὲ κεῖναι ἐμπεφυνκῖαι ἦσαν τοῖσι ἐπισπαστήροι*. IV. 91. Trach. 1262. Lucian. Herm. 9. *προσφῶς ἂν ἀπέτραγεν αὐτοῦ τὴν δῖνα ὁ γέρων*. Polyb. XII. 11. 6. *ἀμφοῖν ταῖν χερσὶν ἐπέφν*. Plut. Caes. 38. *ταῖς κώπαις ἐμφύντες*. Plut. Ant. 86. *ὁρμήσασαν ἐμφῦναι τῷ βραχίονι (τὴν ἀσπίδα)*. Heliod. 8, 9. *ἀπῆγεν αὐτὴν τῷ τραχήλῳ προσφῦσα*. ἀναπαύσατον —] Cf. Plat. Lys. 213 D. *βουλόμενος τὸν — Μενέξενον ἀναπαῦσαι*. Arrian Exp. Alex. II. 8. 2. *ἀνέπαυε τὴν στρατιάν*.

1118. Cf. Phil. 1304. *ἀλλ' οὐτ' ἐμοὶ τοῦτ' ἐστὶν οὔτε σοὶ καλόν*.

1119. *φοβεῖ πρὸς τοῦτο*] Cf. O. R. 980. *σὺ δ' ἐς τὰ μητρὸς μὴ φοβοῦ νυμφεύματα*. Tr. 1211. *εἰ φοβεῖ πρὸς τοῦτο*. Herod. III. 30. *πρὸς ὧν ταῦτα δείσας etc.* Antonin. Lib. Met. 13. *θανμάσας πρὸς τὸν ὄγκον τοῦ σώματος*. Sic πρὸς οὐδὲν Aj. 1018. *πρὸς τί Aj. 40. πρὸς ταῦτα Aj. 971. etc.*

1120. *ἄελπτα*] *Hic adverbialiter positum, ut in Eur. Phoen. 311. ἰὼ ἰὼ, μόλις φανεῖς ἄελπτα κἀδόκητα ματρός ὠλένας; I. q. ἐξ ἀέλπτων Aj. 727. Cf. Tr. 203. ἄελπτον ὄμμι' ἐμοὶ φήμης ἀνασχὸν τῆσδε*. De constructionis mutatione cf. O. R. 60. 101. O. C. 380. 1120. Ant. 413. Aesch. Cho. 518. *τὰ πάντα γὰρ τις ἐκχέας ἀνθ' αἵματος | ἐνός, μάτην ὁ μόχθος*. Eur. Hipp. 23. *τὰ πολλὰ δὲ | πάλαι προκόψασ', οὐ πόνον πολλοῦ με δεῖ*. Phoen. 283. *μέλλων δὲ πέμπειν μ' — ἐν τῷδ' ἐπεστράτευσαν Ἀργεῖοι πόλιν. φανέντ'*

ἀέλπτα] Cf. Eur. Phoen. 310. φανείς ἀέλπτα κἀδόκητα. Infra 1696. κατὰ μεμπτα. El. 1226. τὰ λοιπά. O. C. 1137. Ant. 546. κοινά. El. 786. ἔκπλα. Eur. Ion. 717. κληροῦρα πηδᾶ. 1198. ἀτρεστα. Or. 404. εὐπαίδευτα. Eur. Alc. 1156. ἔχω σ' ἀέλπτως οὐποι' ὄψεσθαι δοκῶν. et ad El. 123. Tr. 49. 350. El. 1263. ἐπεὶ σε νῦν ἀφράστως ἀέλπτως τ' ἔσειδον.

1124. καὶ σοὶ θεοὶ πόρουεν —] Cf. Eur. Hel. 1405. θεοὶ δὲ σοὶ τε δοῖεν οἱ' ἐγὼ θέλω | καὶ τῷ ξένῳ τῷδ'. Hom. Od. 6, 180. σοὶ δὲ θεοὶ τόσα δοῖεν ὅσα φρεσὶ σῆσι μενοινᾶς.

1125. τὸ — εὐσεβὲς] Notatur pietas Atheniensium. Cf. Lycurg. c. Leocr. p. 149, 35.

1128. ἀμύνομαι] Pro ἀμύνομαι positum. Cf. 873. ἔργοις πεπονθῶς δῆμασίν σ' ἀμύνομαι.

1131. ἢ θέμις] Cf. Hom. Od. 11, 451. πατέρα προσπύζεται, ἢ θέμις ἐστίν. 14, 130. ἢ θέμις ἐστὶ γυναικός.

1132. καίτοι τί φωνῶ;] Cf. Aesch. Prom. 101. καίτοι τί φημί; πῶς σ' ἄν —;] Cf. O. R. 1413. ἦ', ἀξιώσατ' ἀνδρὸς ἀθλοῦ διγεῖν.

1133. τίς οὐκ ἐνὶ κηλῆς —;] Cf. 1232. τίς οὐ καμάτων ἐν;

1134. κηλῆς κακῶν] Macula malorum. Improprrie. Cf. O. R. 834. κηλῖδα — συμφορᾶς. 1384. τὸν ἐκ θεῶν | φανέντ' ἀναγνον καὶ γένους (φρονέα?) τοῦ Λαῖου. | τοιάνδ' ἐγὼ κηλῖδα μηνύσας ἐμὴν κηλ. κηλῆς — ξύνοικος] Cf. 1296. El. 785. ἦδε γὰρ μείζων — βλάβη | ξύνοικος ἦν μοι. Aesch. Ag. 1626. ὁ δυσφιλῆς σκότῳ λιμὸς ξύνοικος. Plat. Lægg. IX. 870 C. φθόνον χαλεπὸν ψυχῆς ξύνοικον. οὐκ ἔγωγέ σε] Sc. θελήσοιμ' ἄν.

1135. οὐδ' οὖν ἔασω] Nor yet will I suffer you (so to do). Cf. O. R. 90. οὔτε γὰρ θρασὺς οὔτ' οὖν προδείσας εἰμί. 1414. τὰμὰ γὰρ κακὰ | οὐδεὶς ὀλός τε πλὴν ἐμοῦ φέρειν βροτῶν. 1430. τοῖς ἐν γένει γὰρ τᾶγγενῇ μόνους θ' ὄραν | μόνους τ' ἀκούειν εὐσεβῶς ἔχει κακὰ. Aesch. Pers. 590. κακῶν μὲν ὅστις ἔμπειρος κυρεῖ.

1136. συνταλαιπωρεῖν] Cf. Arist. Lys. 1221. μετὰ σοῦ ξυνταλαιπωροῦμεν.

1137. σὺ — μοι χαῖρε] Cf. O. R. 596. νῦν πᾶσι χαίρω. Arist. Lys. 1074. πρῶτα μὲν μοι χαίρετε. Hom. Il. 19, 77. αὐτόθεν ἐξ ἔδρης. τὰ λοιπά] In future. Cf. O. R. 1487. El. 1226.

1138. ἐς τόδ' ἡμέρας] Cf. Eur. Alc. 9. Phoen. 436. Aesch. Eum. 670. ἐς τὸ πᾶν χρόνου.

1139. μῆκος — ἔθου] Cf. ad 466.

1140. Cf. Dem. p. 383. θαυμάζω δ' ἔγωγε εἰ κηλ. Xen. Cyr. IV. 5. 20. οὐδὲν θαυμάζω εἰ Κναξάρης δκνεῖ.

1144. τὰ δρώμεν'] Cf. 85. κράτος τῶν δρωμένων. El. 1333.

1145. δείκνυμι δ'] Cf. 146. δηλῶ δ' οὐ γὰρ ἄν κηλ.

1147. ἀκραιφνεῖς] Cf. Eur. Alc. 1052. καὶ πῶς ἀκραιφνῆς — ἔσται; Hec. 537. ἀκραιφνὲς αἶμα. Arist. Fr. 98. ἀκραιφνὲς ὕδαρ.

1148. *μάτην κομπῆν*] Sic Herod. VII. 103. *δρα μὴ μάτην κόμπος ὁ λόγος οὗτος ὁ εἰρημένος εἴη* (l. ξη). Eur. Suppl. 138. *ἢ κόμπου μάτην; λίβ' ἀγών*] Eadem crasis est El. 1492. O. C. 1148. Eur. Or. 849. Ph. 591. Suppl. 754. Her. 722. Hel. 1096. Arist. Ran. 891. *ἠρέθη*] Pro composito *καθηρέθη*. Herod. VII. 50. *μεγάλα γὰρ πρήγματα μεγάλοισι κινδύνοισι ἐθέλει καταϊρέσθαι*. IX. 35. Pind. Ol. X. 75. *ἀγώνιον — εὐχος ἔργω καθελών*. IX. 35. *ἀγῶνας τοὺς μεγίστους — συγκαταιρέει*. Plut. Lys. 11. *ἔργον — μέγιστον — συνηρηκῶς*. Plut. Mar. 45. *συνηρηκῶς τὸν Μιθριδατικὸν πόλεμον*.

1149. *ταῦταιν*] Cf. 859. O. R. 1504.

1150. De constructione cf. Aesch. Sept. 400. *καὶ νύκτα ταύτην ἦν λέγεις — τάχ' ἂν γένοιτο μάντις ἡννοία τινί*. 681. Ag. 1008. Cho. 520. 791. Eum. 478. S. Luc. Evang. XXI. 6. *ταῦτα ἃ θεωρεῖτε, ἐλεύσονται ἡμέραι ἐν αἷς οὐκ ἀφεθήσεται λίθος ἐπὶ λίθῳ etc.* Arist. Lys. 408. *ὦ χρυσοχόε, τὸν ὄρμον δν ἐπισκεύασας, | κτλ.*

1151. *συμβалоῦ γνώμην*] Conjice, reputa. Anglice consider, reflect. Sic *γνώμην τίθεσθαι* Phil. 1448.

1153. *πρᾶγος*] Cf. Aj. 21. 347. Aesch. Sept. 2. 596. 859. Pers. 248. Suppl. 232. Sic *χρέος χρῆμα, δέος ζέυμα, λέπος λέμμα, κλέπος κλέμμα, δέος δεῖμα, βλέπος βλέμμα, στέφος στέμμα, βλάβος βλάμμα. ἀτίζειν*] Cf. ad Aj. 501. 1129. Aesch. Sept. 447. *θεοὺς ἀτίζων*. Suppl. 741. Eur. Suppl. 19. *νόμμ' ἀτίζοντες θεῶν*. Alc. 1037. Aesch. Fr. 103. *ἀτίσεις*.

1156. *ἔμπολιν*] Cf. 637. Eupol. 137. *ἔμπολις* (i. q. *δοτός*). Cum *ἔμπολις* confer *ἄπολις, ὑπίπολις, ἀγχίπολις* (Ant. 970.), *δικαίωπολις*, etiam *ἔγχωρος, ἔντοπος*.

1157. *προσπεσόντα πως βωμῶ*] Cf. Tr. 695. *δίφασά πως*. 904. *βωμοῖσι προσπίπνοσα*.

1158. *βωμῶ τῷ Ποσειδῶνος*] Cf. Ph. 679. *λέκτρων — τῶν Διός*. 1406. *βέλεσι τοῖς Ἡρακλέους*. 1411. *αὐδὴν τὴν Ἡρακλέους*. Ant. 745. *τιμὰς — τὰς θεῶν*. Aesch. Prom. 652. *λέχος τὸ Ζηνός*.

1159. *ἔκυρον*] Gl. A. *ἐτύγχανον*. Apud Homerum legitur *κῦρε* II. 23, 821. Utraque aoristi forma *κῦρσαι* et *κυρῆσαι* occurrit apud Sophoclem.

1160. *θακήματι*] Sessione. I. q. *ἔδρα*. Cf. 1179. Sed *θάκημα* valet *sedes* 1380.

1162. *μῦθον οὐκ ὄγκου πλέων*] Cf. 1341. *δν — βραχεῖ σὺν ὄγκῳ καὶ πόνῳ διασκεδῶ*. El. 1142. Eur. Iph. A. 865. *ὁ λόγος εἰς μέλλοντα σώσει χρόνον, ἔχει δ' ὄγκον τινά*. Aesch. Pr. 953. *φρονήματος πλέως ὁ μῦθός ἐστι*.

1164. *σοὶ — ἐς λόγους ἐλθεῖν*] Neophron. Fr. 1, 4. *σοὶ δ' εἰς λόγους μολῶν ἄρ' ἠλπίζον μαθεῖν*. Herod. I. 86. *τυράννοισι — ἐς λόγους ἐλθεῖν*. II. 3. *ἐλθὼν ἐς λόγους τοῖσι ἱρεῦσι*. IV. 33. *Ἴωσι ἐς*

λόγους ἔλθειν. σοί] In initio versus ut in O. C. 1309. Ant. 211. Eur. Hipp. 85. σοῦ 270.

1165. ἀπελθεῖν τ' ἀσφαλῶς] Cf. O. R. 229. πείσεται — ἀστεργὲς οὐδέν, γῆς δ' ἀπεισι, ἀσφαλῆς (ἀβλαβῆς al.). Herod. III. 7. καὶ δεηθεὶς τῆς ἀσφαλήτης ἔτυχε, πίστις δούς τε καὶ δεξάμενος παρ' αὐτοῦ. τῆς δεῦρ' ὁδοῦ] Cf. O. R. 1478. καὶ σε τῆσδε τῆς ὁδοῦ | δαίμων — φρουρήσας τύχοι. El. 404. οἴπερ ἐστάλην ὁδοῦ. Aj. 731. δραμοῦσα τοῦ προσωτάτω. Arist. Ran. 174. ὑπάγεθ' ἡμεῖς τῆς ὁδοῦ. Genitivus τῆς δεῦρ' ὁδοῦ pendet non ab μολόντ', ut putarunt Reisk. aliique, sed ab ἔλθειν ἀπελθεῖν τε.

1166. προσθακῶν ἔδραν] Cf. O. R. 2. τίνας ποθ' ἔδρας τάσδε μοι θοάζετε (προσθάσσετε?); Aesch. Suppl. 186. πάγον προσίειν.

1167. εἴ τις — ἔσθ' ὅστις —] ὅστις pro usitatore δς. Cf. Eur. Andr. 915. σοὶ δ' ἦν τις ὅστις τοῦδ' ἐκοινῶνει φόνον; El. 630. ἦπον τις ὅστις γνωριεῖ μ' ἰδῶν. Arist. Eccl. 477. ἀρ' ἔστι τῶν ἀνδρῶν τις ἡμῖν ὅστις ἐπακολουθεῖ; V. Elmsl. ad Med. 789. ἔγγενῆς] Cf. O. R. 1168. κείνου (κείνω?) τις ἔγγενῆς γεγῶς. Ant. 659. τὰ — ἔγγενῆ φύσει.

1168. τοῦτο — τυχεῖν] Cf. ad 1106. O. R. 598. Phil. 1315. ὦν δέ σου τυχεῖν ἐρίεμαι | ἄκουσον. Eur. Med. 259. τοσοῦτον οὖν σου τυγχάνειν βουλήσομαι. 758. τυχοῦσ' ἄ βούλομαι. Phoen. 1680. μάταια μοχθεῖς· οὐ γὰρ ἄν τύχοις τάδε.

1170. Cf. 1755. O. R. 1435. καὶ τοῦ με χρεῖας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν; Verbum δεῖσθαι genitivum et personae et rei gubernat.

1171. ἔξοιδ' — ὅς ἔσθ'] Cf. ad Arist. Ach. 442. προστάτης] Supplex. Cf. 1278.

1172. καὶ τίς ποι' ἐστὶν ὄντινα ψέξαιμ' ἐγῶ;] Ita enim legimus. Cf. Aesch. Ag. 620. οὐκ ἔσθ' ὅπως λέξαιμι τὰ ψευδῆ καλά. Cho. 172. οὐκ ἔστιν ὅστις πλὴν ἐμοῦ κείρατό νιν.

1178. μή μ' ἀνάγκη προσβάλλης] Metri gratia positum pro μῆ μοι ἀνάγκην προσβάλλης (i. e. μῆ με ἀναγκάσης). Similiter El. 240. εἴ τω πρόσκειμαι χρησιῶ. 1040. ᾧ οὐ πρόσκεισαι κακῶ. Sed corrigendum forsitan μῆ νιν ἀνάγκην προσβάλλης (sc. μοι). Usitator enim constructio est προσβάλλειν τί τινι, El. 974. Tr. 42. 255. 1138. στέργημα γὰρ δοκοῦσα προσβαλεῖν (sc. σοι). El. 1193. τίς γὰρ σ' ἀνάγκη τῆδε προτρέπει (f. προσβάλλει) βροτῶν; Eur. Fr. 524, 2. τὸ φῶς δ' ἀνάγκην προστίθησι σωφρονεῖν. Aesch. Pr. 986. μηδέ μοι διπλᾶς | ὁδοῦς, Προμηθεῦ, προσβάλλης.

1181. νέα] Sc. οὔσα.

1184. Cf. Aesch. Eum. 741. ἐμοὶ πίθεσθε μὴ βαρυστόνως φέρειν. ὕπεικε] Cf. Hom. Il. 1, 294. ἦ γὰρ κεν δειλὸς — καλειόμην, | εἰ δὴ σοὶ πᾶν ἔργον ὑπέιξομαι | ὅττι κεν εἴπης.

1186. λέξεται] Cf. Eur. Hec. 906. λέξει (pass.). Alc. 322.

1187. λόγων δ' ἀκοῦσαι τίς βλάβη;] Ut enim ait Menander, ἀνδρὸς χαρακτήρ ἐκ λόγων γνωρίζεται. et Aristides, οἷος ὁ τρόπος,

τοιούτος καὶ ὁ λόγος. Quintil. XI. 1. 30. 'Profert enim mores plerumque oratio et animi secreta detegit (τὰ κεκρυμμένα μὴνύει).'

1188. Cf. Aj. 1137. πολλὰ ἄν κακῶς (καλῶς recte L. pr.) λάθρα σὺ κλέρειας κακὰ. Eur. Phoen. 1649. οὐκ, ἦν πονηρὰ γ' ἢ κακῶς τ' εἰρημμένα (καλῶς δ' εὐρημμένα?). Archipp. com. 36, 1. ἔστιν δέ μοι πρόφρασις καλῶς εὐρημμένη.

1192. ἔασον] Cf. Eur. Hipp. 521. ἔασον, ὦ παῖ. 1416. ἔασον· οὐ γὰρ —. Arist. Ran. 1243. ἔασον (s. ἔα αὐτὸν), ὦ τῶν· πρὸς τοῦδ' γὰρ εἰπάτω. Lys. 945. ἔα αὐτ'. Lys. 734. ἀλλ' ἔῷ ἀπολέσθαι τᾶρι'; γοναὶ κακαὶ] Cf. Ant. 642. γονὰς κατηκόους (ὑπηκόους?) φύσαντες ἐν δόμοις ἔχειν.

1193. Cf. Aj. 330. φίλων γὰρ οἱ τοιοῖδε νικῶνται λόγοις.

1194. φίλων ἐποδαῖς] Cf. Tr. 1001. Aj. 582. Aesch. Prom. 172. καὶ μ' οὐτι μελιγλώσσοις πειθοῦς ἐπαιδοῖσιν θέλξει. 378. ὀργῆς νοσοῦσης εἰσὶν ἱατροὶ λόγοι. Appian. B. C. I. 72. ἡδὺς ὦν εἰπεῖν κατεκλήλει λόγοις μαλακοῖς. Eur. Hipp. 478. εἰσὶν δ' ἐπωδαὶ καὶ λόγοι θελκτήριοι. Phoen. 1260. Fr. 1064. Adesp. Fr. 296, 4. Pind. P. III. 91. τοὺς μὲν μαλακαῖς ἐπαιδοῖς ἀμφέπων. N. VIII. 82. ἐπαιδοῖς δ' ἀνῆρ νύδδνον καὶ τις κάματον θῆκεν. Plat. Phaed. 77 E. ἀλλὰ χρῆ, ἔφη ὁ Σωκράτης, ἐπάδειν αὐτῷ (τῷ παιδίῳ) ἐκάστης ἡμέρας ἕως ἂν ἐξεπάσητε. Plut. de Is. et Os. 384 A. τὰ κροῦματα τῆς λύρας, οἷς ἐχρῶντο πρὸ τῶν ὕπνων οἱ Πυθαγόρειοι, τὸ ἐμπαθὲς καὶ ἄλογον τῆς ψυχῆς ἐξεπάθοντες οὕτω καὶ θεραπεύοντες. Plat. Phaedr. 267 D. δεινὸς — ὠργισμένοις ἐπάδων κηλεῖν.

1197. γνώσει κακοῦ θυμοῦ τελευτῆν ὡς κακῆ προσγίγνεται] Cf. El. 948. παρουσίαν (al. παρουσία) μὲν οἶσθα καὶ σὺ που φίλων | ὡς οὐτις ἡμῶν ἔστιν. 876. πημάτων ἄρηξιν, οἷς ἴασιν (al. ἴαισι) οὐκ ἔνεσι' ἰδεῖν.

1199. ἔχεις γὰρ — | Redde, for you have no trifling matter for reflection. οὐχὶ βαιὰ — | Cf. Tr. 44. χρόνον γὰρ οὐχὶ βαιὸν κτλ. τάνθυμματα] Cf. O. C. 292. ταρβεῖν τάνθυμματα | πολλή 'στ' ἀνάγκη τὰπὸ σοῦ.

1200. ἀδέροτων δμμάτων τητώμενος] Of thy (now) sightless eyes. Proleptice positum. Sic Tr. 914. λαθραῖον δμμ' ἐπισκασμένη. 106. Aj. 899. κεῖται κρυφαῖω φασγάνῳ περιπτυχῆς. 69. Ant. 792. σὺν καὶ δικαίῳν ἀδίκους φρένας παρασπᾶς. 424. 881. 972. Aesch. Ag. 1247. εὐφημον, ὦ τάλαινα, κοίμησον στόμα. Pers. 298. ἀνανδρον τάξιν ἠρήμου θανών. ἀδέροτων δμμάτων] Cf. 130. ἀδέροτως. Ant. 974. ἀλαῶν ἀλαστόροισιν δμμάτων κύκλοις.

1203. τίειν] Rependere. Cf. 230.

1204. βαρεῖαν ἠδονὴν νικᾷτέ με] Cf. 673. Eur. Fr. 1034. τὸ νικᾶν τάνδιχ' ὡς καλὸν γέρας. Arist. Vesp. 594. γνώμην — ἐνίκησεν.

1205. λέγοντες] Sc. ad Antigonom et Theseum. ὅπως ὑμῖν φίλον] Cf. 964. θεοῖς γὰρ ἦν οὕτω φίλον. El. 1301. ὦδ' ὅπως καὶ σοὶ φίλον | καὶ τοῦμόν ἔσται.

1206. *ἐλεύσεται*] Cf. Tr. 595. Aesch. Pr. 853. Suppl. 531.

1207. *μηδείς κρατείτω*] Let no one become master (possessed). Sic *μηδ' αὐτοῦ θάνω* (nor let me die here).

1210. *σὺ δ' ὄν σῶς ἴσθ'*] Cf. Ph. 21. *εἴπερ ἐστὶ σῶν*.

1211. *τοῦ πλέονος μέρους χηρῆζει*] Cf. 778. O. R. 933. *δοῦν χηρῆζων ἀφίξει*. 597. *σέθεν χηρῆζοντες*. Phil. 1100. *τοῦ πλέονος* (qu. *λαϊόνος*. schol. *τοῦ λυσιτελεστέρου*) *δαίμονος*. Aj. 473. *αἰσχρὸν γὰρ ἄνδρα τοῦ μακροῦ χηρῆζειν βίον*.

1212. *ζῶειν*] Forma verbi epica in versu dactylico occurrēns El. 157. *οἶα Χρυσόθεμις ζῶει*. et fortasse in versu troch. dact. Fr. 520. *ζῶοι* (f. *ζῶη* aut *ζήτω*) *τις ἀνθρώπων τὸ κατ' ἄμαρ ὄπως ἥδιστα πορούων*. Eur. Alc. 716. Sed mendosum forsā est *ζῶειν*.

τοῦ μετρίου παρῆς] Sub. *χηρῆζειν*. Gl. T. *τοῦ μετρίου, τοῦ ἱκανοῦ*.

1213. *σκαισούναν φυλάσσω*] Cf. O. R. 382. *ὄσος παρ' ἑμὴν ὁ φθόνος φυλάσσειται*.

1214. *ἐν ἔμοι*] Cf. ad O. R. 677. *ἐν δὲ τοῖσδ' ἴσος*. Eur. Fr. 347, 3. *ἐν γ' ἔμοι κρῖνοιτ' ἂν οὐ καλῶς φρονεῖν | ὄστις* —. Amph. 21, 3. *μάταιός ἐστιν ἐν γ' ἔμοι καὶ τοῖς σοφοῖς κτλ*. Arist. Fr. 267 K.

1215. Connecte *πολλά δὴ, multa sane. αἱ μακροὶ ἡμέραι*] Longa dies. Cf. O. R. 561. *μακροὶ παλαιοὶ τ' ἂν μετρηθεῖεν χρόνοι*. Sic *ὁ μακρὸς χρόνος* Ph. 306. Aesch. Prom. 449.

1218. *ὄπου*] Cf. Aj. 890. *ἀλλ' ἀμενηνὸν ἄνδρα μὴ λεύσειν ὄπου*. Ant. 318. *τί δὲ ὑθμίζεις τὴν ἐμὴν λύπην ὄπου;* Aj. 103. *ἢ τοῦπίριπτον κίναδος ἐξήρου μ' ὄπου;* 890. O. R. 926. *αὐτὸν εἶπαι', εἰ κάτισθ', ὄπου;* Aesch. Eum. 301. *ἔρρειν, τὸ χαίρειν μὴ μαθόνθ' ὄπου φρενῶν*. Arist. Ach. 748. *ἐγὼν δὲ καρυξῶ Δικαιόπολιν ὄπα*.

1219. *πέση*] Cf. 157. *προπέσης. τοῦ θέλοντος*] Suspectum. Cf. 1604. *τὸ δρῶν*. Tr. 196. *τὸ ποθοῦν*. Eur. Iph. A. 1270. *τὸ κείνου βουλόμενον*. Eur. Hec. 299. *τῷ θυμουμένῳ*. Thuc. I. 90. *τὸ μὲν βουλόμενον*. 6, 24. *τὸ ἐπιθυμοῦν τοῦ πλοῦ*. 2, 59. *τὸ δρυζόμενον τῆς γνώμης*. 1, 36. *τὸ δεδιός* — *τὸ θαρσοῦν*. 1, 43. *ἐν τῷ τοιῷδε ἀξιοῦντι*. 5, 9. 4, 18. 1, 142. 1, 84. Plat. Phil. 32. *τοῦ χαίροντος* — *τοῦ λυπουμένου*. *ἰσοτέλεστος*] Anglice impartial. Cf. Nonn. Dion. 18, 247. *ἰσοτέλεστον μίμημα* (an exact copy). Sic *ἡμιτέλεστος* (half finished). Thuc. 3, 3. *ἀτέλεστος* (unfinished), *ὀφριτέλεστος* (Hom. Il. 2, 325.), *αὐτοτέλεστος*, *ἀγχιτέλεστος*.

1222. *Ἄϊδος*] Eadem forma est Aesch. Prom. 433. *Ἄϊδος — μοῖρα*] Cf. Aesch. Pers. 915. *εἶθ' ὄφειλε, Ζεῦ, καμὲ — θανάτου κατὰ μοῖρα καλύψαι*. Eur. Med. 987. Solon. Fr. 25, 18. *οὐκ ἂν ἄωρος ἔων μοῖραν ἔχοι θανάτου*. Hom. Il. 21, 111. *θάνατος καὶ μοῖρα κραταιή*. Ant. 147. *θάνατος μέρος* (i. q. *μοῖρα*). *ἄλυρος ἄχορος*] Cf. El. 1069. *ἀχόρευτα* — *ὄνειδη*. Aesch. Suppl. 681. *ἄχορον ἀκίθαριν δακρυόγονον Ἄρη*. 635. Ag. 962. *τὸν δ' ἄνευ λύρας* — *ἕμνωδεῖ θρηῆνον Ἐρινύος*. Eum. 319. *ἀφόρμικτος*. Eur.

Andr. 1038. ἀχόρους στοναχὰς μέλλοντο. Tro. 121. ὄτας κελαδεῖν ἀχορευτοῦς. Hel. 185. ἄλυρον ἔλεγον. Iph. T. 145. ἀλύροις ἔλέγοις. Phoen. 1028. ἄλυρον μούσαν. Herc. 881. Alex. III. 456. φθόγγους δ' ἀλύρους | θρηνοῦμεν.

1223. θάνατος ἐς τελευτάν] Cf. Eur. Fr. 908, 6. πλὴν θαν ἔλθῃ κρονερά Διόδεν | θανάτου πεμφθεῖσα τελευτή. De nominis θάνατος collocatione cf. Ὁρέσταν in El. 163.

1224 sq. Cf. Ant. 721. Aesch. Fr. 395. τὸ μὴ γενέσθαι δ' ἐστὶν ἢ πεφυκέναι | κρεῖσσον κακῶς πράσσοντας. Eur. Fr. 285, 2. κράτιστον εἶναι φημὶ μὴ φῦναι βροτιῶ. Fr. 452, 1. ἐρχοῖν γὰρ ἡμᾶς σύλλογον ποιουμένους | τὸν φῦντα θρηνεῖν εἰς δσ' ἐρχεται κακά, | τὸν δ' αὖ θανόντα καὶ πόνον πεπαυμένον | χαιρόντας εὐφημοῦντας ἐκπέμπει δόμων. Fr. 908, 1. τὸ μὴ γενέσθαι κρεῖσσον ἢ φῦναι βροτιοῖς (βροτιοῦς al.). Bacchylid. Fr. 2. θνατοῖσι μὴ φῦναι φέριστον | μηδ' ἀελίου προσιδεῖν φάος· | ὄλβιος δ' οὐδεὶς βροτῶν πάντα χρόνον. Herod. I. 31. V. 4. VIII. 138. Eccles. IV. 2. Theogn. 423. ἦν ἄρα τοῖνδε θνοῖν ἐνὸς αἵρεσις, ἢ τὸ γενέσθαι | μηδέποτ', ἢ τὸ θανεῖν αὐτίκα τιτόμενον. | ἀρχὴν μὲν μὴ φῦναι ἐπιχθονίοισιν ἄριστον | μηδ' εἰδεῖν ἀγὰς δξέος ἡλίου. ἀρχὴν μὲν μὴ φῦναι ἐπιχθονίοισιν ἄριστον, | μηδ' εἰδεῖν ἀγὰς δξέος ἡλίου· | φῦντα δ' ὅπως ὠκισα πύλας Ἀἴδαο περῆσαι | καὶ κείσθαι πολλὴν γῆν ἐπαμησάμενον (ἐπιεσάμενον?). Alex. III. 447. οὐκοῦν τὸ πολλοῖς τῶν σοφῶν εἰρημύνον, | τὸ μὴ γενέσθαι μὲν κράτιστόν ἐστ' αἶ, | ἐπὰν γένηται δ', ὡς τάχιστ' ἔχειν τέλος. Arist. ap. Plut. Consol. § 27. Cicer. Tusc. Quaest. 1, 48. 'docuisse regem (sc. Silenum Midam) non nasci homini longe optimum esse, proximum autem quam primum mori.'

1225. ἐπεὶ φανῆ] Cf. ad 1443. εἴ σου στερηθῶ.

1226. βῆναι κείθεν ὄθεν περ ἦκει] Lege βῆναι ἵτεῦθεν ὄθεν —. Cf. Thuc. VII. 27. διανοοῦντο αὐτοὺς πάλιν ὄθεν ἦλθον ἐς Θοράκην ἀποπέμπειν. Arist. Th. 710. ἀλλ' ὄν ἦκεις ὄθεν ἦκεις κτλ. Eccl. 620. πρὶν ἐκεῖσ' οἱ φῆς ἀφικέσθαι.

1228. πολὺ δεύτερον] Is by far the next best thing.

1229. τὸ νέον] Sic τὸ νεάζον Tr. 144.

1230. κούφας ἀφροσύνας] Cf. Ant. 617. κουφονόων ἐρώτων. Simonid. Fr. 104. θνητῶν δ' ὄφρα τις ἄνθος ἔχη πολυήρατον ἤβης | κούφον ἔχων θυμὸν πόλλ' ἀτέλεστα νοεῖ.

1231. πλάγχθη πολύμοχος] Cf. Eur. Herc. 1197. οὐκ ἂν ἴδοις ἔτερον πολυμοχθότερον πολυπλαγκτιότερόν τε θνατῶν. Cum ἔξω supple ἔστί (i. q. οὐκ ἐν). Sed corrigendum suspicor μόχθος πολύπλαγκτος. πλάγχθη] A πλάζομαι. Cf. Aj. 886. πλαζόμενον (oberrantem).

1235. κατάμειπτον] Cf. 1696. Confer κατάμοφος Aesch. Ag. 145. ἐπίμοφος Ag. 553.

1236. πύματον] Cf. Hom. H. Merc. 289. πύματόν τε καὶ ὄστατον. ἀκρατὲς] Powerless, helpless. I. q. ἀσθενὲς et ἀμενὲς (Eur.

Suppl. 1126. γοαίας ἀμενοῦς). Alia forma ἀκράτωρ est Phil. 486. καίπερ ὄν ἀκράτωρ (ἀκρατῆς?) ὁ τλήμων χωλός.

1237. Cf. Fr. 502. πάντ' ἐμπέφυκε τῷ μακροῦ γήρα (χρόνω aut βίω?) κακά. Eur. Phoen. 528. οὐχ ἅπαντα τῷ γήρα κακά | — πρόσσειν. Arist. Vesp. 441. εἶτα δῆτ' οὐ πόλλ' ἔνεσι δεινὰ τῷ γήρα κακά;

1238. κακά κακῶν] Cf. El. 849. O. R. 465. Ph. 65. Diocl. ap. Phot. p. 124, 17. πλυνεῖ τε τὰ κακά τῶν κακῶν (τε κακά κακῶν?) ὑμᾶς (ὑμᾶς αεί?). Append. Prov. III. 39. Κακά κακῶν: τὰ ὑπερβολικά κακά.

1239. οὐκ ἐγὼ μόνος] Cf. El. 528. O. R. 850. 630.

1240. Cf. Hom. Od. 14, 270. περὶ γὰρ κακά πάντοθεν ἔστη. Il. 13, 28. ὡς — ὡς —] Cf. O. R. 848. ὡς — ὡδε. Tr. 1162. ὡς — οὕτως. ὡς τις ἀκτὰ —] Cf. Hom. Il. 2, 394. ὡς δε κύμα | ἀκτῆ ἐφ' ὑψηλῆ, διε κινήση νότος ἔλθων, | προβλήτι σκοπέλω· τὸν δ' οὐποτε κύματα λείπει | παντοίων ἀνέμων, ὅτ' ἂν ἐνθ' ἦ ἔνθα γέγονται. et ad Trach. 112 sq.

1241. κλονεῖται] Cf. Pind. P. IX. 48. ψάμαθοι κύμασιν ὄπιταῖς τ' ἀνέμων κλονέονται.

1242. ὡς καὶ τόνδε] Cf. El. 65. ὡς καμ' ἐπανχῶ κτλ. 1085. ὡς καὶ σὺ — εἶλον. Arist. Lys. 804. ὡς δὲ καὶ Φορμίων. Constructio hic subito mutatur, sententia enim coeperat verbis ἐν ᾧ τλάμων δδ'.

1243. κυματοαγεῖς] Hinc ἀκτῆ (ἀπὸ τοῦ ἀγνυθαι τὰ κύματα). Cf. Ant. 592. κυματοπλήγες ἀκταί. Herod. IV. 196. παρὰ τὴν κυματογῆν ('ad litus', a 'lido' 'laedo'). Aesch. Pr. 911. κύμασιν ἄτης.

1245 sq. Cf. Xen. Cyr. I. 1. 5. ἦν τε πρὸς ἡῶ, ἦν τε πρὸς ἐσπέραν (l. ἔσπερον), ἦν τε πρὸς ἄρκτον, ἦν τε πρὸς μεσημβρίαν.

1245. ἀελίου δυσμᾶν] Cf. Plat. Phaed. 5. μέχρις ἡλίου δυσμῶν. 68. ἦν ἐγγὺς ἡλίου δυσμῶν. Polyb. II. 14. πρὸς μεσημβρίαν τε καὶ δυσμᾶς. Xen. Anab. VIII. 3. 34. ὡς δ' ἦν ἡλιος ἐπὶ δυσμαῖς. Plat. Legg. p. 867. ἡμεῖς δ' ἐν δυσμαῖς τοῦ βίου. Aesch. Pers. 237. τῆλε πρὸς δυσμαῖς, ἀνακτος ἡλίου φθινάσμασιν. Pind. Isth. 3, 83. ἐν δυσμαῖσιν αὐγᾶν. Confer ἀνατολαί. Pluralis hujus nominis ut et nominis ἀνατολαί ideo usurpari videtur quia sol diversis horis secundum anni tempestatem oritur et occidit.

1246. Cf. Fr. 862. ἐλπίς γὰρ ἡ βόσκουσα τοὺς πολλοὺς βροτῶν.

1247. μέσσαν ἀκτίνα] I. e. μεσημβρίαν, meridiem. Cf. Fr. 235, 5. ἡμαρ — μέσσαν. Eur. Ion. 1140. οὔτε πρὸς μέσας βολὰς | ἀκτίνος οὔτ' αὐ πρὸς τελευτώσας. Herc. 403. οὐρανοῦ ὑπὸ μέσσαν ἔδραν. Callim. H. Del. 279. πᾶσαι δὲ χοροὺς ἀνάγοναι πολῆες, | αἶ τε πρὸς ἠοίην, αἶ θ' ἔσπερον, αἶ τ' ἀνὰ μέσσην | κλήρους ἐστήσαντο. Xen. Cyr. I. 1. 5. ἦν τε πρὸς ἡῶ, ἦν τε πρὸς ἄρκτον, ἦν τε πρὸς μεσημβρίαν.

1248. *νυχιᾶν ἀπὸ ζυπᾶν*] Haec non de montibus Rhipaeis sed de ventis ab septentrione flantibus accipit Dind. in Lex. p. 437. Cf. Ant. 137. *ἐπέπνευε διπαιῖς ἐχθίστων ἀνέμων.* Aeschylum apud schol. *Ῥιπαὶ μὲν δὴ πατρός.* Schol. *λέγει δὲ αὐτὰ ἐννύχια διὰ τὸ πρὸς τῇ δύσει κείσθαι.* Schol. Apoll. IV. 284. *Ῥιπαῖα δὲ ὄρη ἐν ταῖς ἀνατολαῖς, κτλ.* *Ῥιπαῖα ὄρη* memorat Strabo p. 295. 299.

1251. *ἀστακτὶ λείβων δάκρυον*] Cf. Plat. Phaed. 117 C. *ἐμοῦ γε — ἀστακτὶ ἐχώρει τὰ δάκρυα.* Apoll. Rhod. III. 805. *τὰ δὲ (δάκρυα) ἔρρεεν ἀσταγὲς αὐτως.* Eur. Iph. T. 1242. *ἀστάκτων — ὑδάτων.* Aesch. Agam. 1534. *ψακὰς δὲ λήγει (δμβρον).* *λείβων δάκρυον*] Cf. Aesch. Sept. 50. *δάκρυον λείβοντες.* Eur. Andr. 418. *δάκρυα λείβων.* Iph. A. 650. *λείβεις δάκρυ' ἀπ' ὀμμάτων σέθεν.*

1253. *πάρεσι δεῦρο*] Huc advenit.

1254 sq. Cf. Tr. 947 sq. *πότερα πρότερον ἐπιστένω —*; Eur. Phoen. 1330. *οἶμοι, τί δράσω; πότερ' ἐμαντὸν ἢ πόλιν | στένω δακρύσας —*;

1258. *ὁ δυσφιλής — πίνος*] Cf. Aesch. Ag. 1641. *ὁ δυσφιλής σκότῳ | λυμὸς ξύνοικος.* 1203. *δυσφιλὲς δάκος.* Cho. 614. *δυσφιλὲς γαμήλευμα.* Simonid. Amorg. 6, 101.

1259. *γέρων γέροντι —*] Cf. Fr. 623. *γέρων γέροντα παιδαγωγῆσω σ' ἐγώ.* *γέρων — πίνος*] Cf. Fr. 862. *σὺ γὰρ γέροντα βουλευεῖς.* Aesch. Cho. 805. *γέρων φόνος.* Aesch. Fr. 305. *ὡς λέγει γέρον γράμμα.* Hec. 406. *γέροντα χροῦτα.* 142. *γεραῖα χερός.* 274. *γραιάς — παρηγίδος.* Ion. 1213. *γραιᾶν ὠλένην.* Hom. Od. 22, 184. *σάκος εὐρὸν γέρον.* Eur. Med. 48. *νέα φροντίς.* Alc. 695. *νεανίας λόγους.* Or. 450. *γέροντι — ποδί.* 528. *γέροντ' ὀφθαλμόν.* Eubul. III. 263. *Λέσβιον γέροντα νεκταροσταγῆ.* Epinic. com. IV. 505. *γέροντα Θάσιον.* Alex. III. 460. *γέρων (οἶνος).* Theocr. VII. 17. *γέρων — πέπλος.* XXI. 12. *γέρων — λέμβος.* Ag. 286. *γραιάς ἐρείκης.* Soph. Fr. 748. *γραιάς ἀκάνθης.* Aesch. Pers. 799. *ὦν νέος φρονεῖ νέα.* 750. *νέω θρόσει.* Pind. Ol. II. 78. *νέοις ἐν ἀέθλοισι.* Catull. 68, 46. 'charta loquatur anus.' Sic *γέροντα πράγματα* in Etym. M. *πίνος*] Cf. Arist. Ach. 426. *δυσπινῆ πεπλώματα.* Cf. 1597. *δυσπινεῖς στολάς.* Aesch. Ag. 752. *ὄν πίνω χερῶν.* 561. *ἐμπεδον οἶνος ἐσθημάτων.* Eur. El. 304. *οἶοις ἐν πέπλοις ἀλλίζομαι, | πίνω θ' ὄσφ βέβριθα.* Eupol. II. 529. *πιναρὸν ἔχοντ' — τρίβων'.* *συγκατώκηκεν*] Perfectum ut in El. 1101. *ἐνθ' ὄκηκεν.*

1260. *κρατὶ — ὀμματοστερεῖ*] Cf. Aesch. Eum. 877. *φλογμός τ' ὀμματοστερεῖς.* Similis locus est 313. *κρατὶ δ' ἡλιοστερεῖς | κυνή πρόσωπα Θεσσαλὶς νη ἀμπέχει.*

1261. *ἄσοεται*] Cf. Hom. Il. 6, 510. *ὕψου δὲ κάρη ἔχει, ἀμφὶ δὲ χαῖται | ὤμοις ἀίσοονται.*

1262. *ἀδελφὰ — τούτοιςιν*] Qu. — *τούτων δή.* Cf. Ant. 192. *ἀδελφὰ τῶνδε κηρύξας.* Plat. Resp. IV. p. 421. *τὸ τούτου ἀδελφόν.*

1263. *νηδύος*] Cf. Eur. Fr. 282, 5. *νηδύος θ' ἡσημένιος. θρεπτήρια*] Nutrimenta. I. q. *τροφεία* 341. Solennis significatio est the recompense for nourishment, Hesiod. Op. 186. οὐδὲ μὲν οἴγε | γηράντεσσι τοκεῦσιν ἀπὸ θρεπτήρια δοῖεν.

1264. *ὄψ' ἄγαν*] Leg. *ὄψε γούν*. Cf. Aesch. Ag. 1425. *γνώσει διδαχθεὶς ὄψε γούν τὸ σωφρονεῖν*. Arist. Vesp. 217. *γῆ τὸν Δί' ὄψε γούν ἀνεστηκασί νῦν*.

1265. *κάκιστος — ἤκειν*] Redde, that I have acted as the basest of men in the matter of your support. Cf. ad O. R. 1433. *ἄριστος ἑλθὼν πρὸς κάκιστον ἄνδρ' ἐμέ*. 1519. *ἀλλὰ θεοὶς γ' ἐχθιστος ἤκω*. et ad El. 797. *τροφαῖς*] Cf. 330. *ὦ δυσάθλιαι (τρισάθλιαι?) τροφαί*. 446. *ἐκ ταῖνδε καὶ τροφὰς ἔχω βίον*.

1266. *τάμα*] Anglice my conduct. *μὴ 'ξ ἄλλων πύθη*] Cf. El. 1225. *μηκέτ' ἄλλοθεν πύθη*.

1267. *Ζηὶ σύνθακος θρόνων*] Cf. 1382. *Δίκη ξύνεδρος Ζηνὸς ἀρχαίους νόμοις* (leg. *θρόνοις*).

1269. *παρασταθήτω*] Idem fere quod *παρέστω*. Cf. O. R. 911. *δόξα μοι παρεστάθη*.

1272. *μὴ μ' ἀποστραφῆς*] Cf. Philon. p. 172. *τοὺς ἐκέτας οὐκ ἀποστρέφεται*. Eur. Iph. T. 801. *μὴ μ' ἀποστρέφον*. Hel. 77. *τί δ' — μ' ἀπεστράφης*; Suppl. 159. *οὕτω τὸ θεῖον ἐράδιως σ' ἀπεστράφη*; Arist. Pac. 683. *ἀποστρέφεται τὸν δῆμον*. *φώνησον — τι*] Cf. Eur. Hipp. 300. *φθέγγαι τι δεῦρ' ἄθροισον*.

1273. *οὐδ' ἀνταμείβει μ' οὐδὲν*] Cf. Ph. 230. *φωνήσασ' — ἀλλ' ἀνταμείψασθ'*. *ἀτιμάσας*] Cf. ad 49. 1278. O. R. 789. Aesch. Eum. 294. *οὐδ' ἀντιφωνεῖς, ἀλλ' ἀποπιτύεις λόγους —*;

1275. *ὦ σπερμάτ' —*] Cf. 600. *ἀπηλάθην πρὸς τῶν ἐμαντιῶν σπερμάτων*. *ἐμαὶ δ' —*] Cf. Eur. Hec. 532. *ὦ παῖ Πηλέως, πατήρ δ' ἐμός*.

1276. *πειράσασ' ἀλλ' ὑμεῖς γε —*] Cf. El. 415. *λέγ' ἀλλὰ τοῦτο. πειράσασ'*] Cf. O. R. 399. *ὄν δὴ σὺ πειρᾶς ἐκβαλεῖν*.

1277. *δυσπρόσοιστον*] Unapproachable. Schol. *προσπέλαστον*. Confer *εὐπρόσοιστος* Eur. Med. 279. *ἀπρόσοιστος* Aesch. Pers. 91. Sic *προσφέρεσθαι τι*. *κάπροσῆγορον*] Cf. Tr. 1093. *ἄπλατον θρέμμα κάπροσῆγορον*. Eur. Suppl. 879. *εὐπροσῆγορον στόμα*.

1278. *προστάτην*] Supplicem. Cf. 1171.

1281. *ῥήματα — τέργαντα*] Eadem licentia poetica 74. *ἀπανθ' ὄρωντα λέξομεν*.

1282. *κατοικίσαντα*] Miserationis plena reddidit Dind. Qu. *κατακνίσαντα*. *πως*] Somehow. Cf. Eur. Hipp. 436. *ἐν βροτοῖς | αἱ δευτέραι πως φρονίδες σοφώτεραι*. Et sic saepe.

1283. *παρέσχε*] Aoristus gnomicus. Cf. Hor. Od. I. 34. 'Hinc apicem rapax Fortuna — sustulit, hic posuisse gaudet.' *τοῖς ἀφωνήτοις*] I. q. *ἀφώνοις*. Sic *ἄχορος* et *ἀχόρευτος* 1223. El. 1069. *ἀνανδος* et *ἀναύδητος* Tr. 968.

1284. *ἐξηγεῖ σύ μοι*] Suggestis mihi. Cf. 1589. 1520. Eur. Bacch. 185. *ἐξηγοῦ σύ μοι*. Aesch. Cho. 552. Eum. 595.

1286. *ἀνέστησέν*] Cf. 276. Aj. 788. *τί μ' — ἐξ ἔδρας ἀνίστατε;*

1288. *λέξαι τ' ἀκοῦσαι τ'*] Cf. Eur. Her. 181. *εἰπεῖν ἀκοῦσαι τ'.*

1289. *βουλήσομαι*] Cf. ad O. R. 1077. Aj. 680. Eur. Med. 259. *τοσόνδε δὴ σου τυγχάνειν βουλήσομαι.*

1291. *δ δ' ἦλθον —*] Cf. ad O. R. 1005. *καὶ μὴν μάλιστα τοῦτ' ἀφικόμεν, ὅπως —*. Hom. Il. 1, 64. *ἐρείομεν — ὅ τι τόσσον ἐχώσατο.*

1292. Cf. Fr. 731, 2. *φυγὰς πατρῴας ἐξελέλασαι χθονός*. Eur. Hel. 90. *φυγὰς πατρῴας ἐξελέλαμαι χθονός.*

1293. *τοῖς σοῖς — ἐνθακεῖν θρόνοις*] Cf. El. 267. *θρόνοις — ἐνθακοῦντα τοῖσιν πατρῴοις. πανάρχους*] I. q. *παντάρχους*. Sic *πανόπτιας* (Aesch. Eum. 1048. *Ζεὺς πανόπτιας*) et *παντόπτιας* O. C. 1085. Confer v. *παγκρατής*.

1297. *εἰς ἔλεγχον χειρὸς — μολῶν*] Cf. 834. *τάχ' ἐς βράσανον εἰ χειρῶν*. Phil. 98. *εἰς ἔλεγχον ἐξιῶν*. Eur. Alc. 640. *ἔδειξας εἰς ἔλεγχον ἐξελεθῶν δε εἰ*. Sic *εἰς ἔλεγχον ἵναί περὶ τινος*. Plat. Phaedr. 278 C. *εἰς ἔλεγχον ἰὼν περὶ ὧν ἔγραψε*. Isocr. 264 A. *ἔργον*] Cf. Aj. 814. *τάχος γὰρ ἔργον καὶ ποδῶν ἄμ' ἔνεται.*

1299. *τὴν σὴν Ἐρινὸν*] Cf. 1434. *τῶν τε τοῦδ' Ἐρινύων*. O. R. 418. Aesch. Ag. 57. *τῶνδε μετοίκων — Ἐρινὸν*. Sept. 720. *πατρὸς εὐκταίαν Ἐρινὸν τελέσαι τὰς περιθύμους κατάρας Οἰδιπόδα*. Virg. Aen. II. 573. 'Trojae et patriae communis Erinys.'

1303. *γῆς — Ἀπίας*] Cf. Aesch. Ag. 247. *Ἀπίας γαίης — ἔρκος*. 241. Suppl. 260. 116. Hom. Il. 1, 270. *ἐκ Πύλου ἐλθῶν | τηλόθεν ἐξ Ἀπίης γαίης*. Schol. Ven. Il. I. 22. Apollod. II. 1. 5. Steph. Byz. v. Ἀπία.

1305. *ἐπιτάλογχον — στόλον*] Cf. 1311 sq. *στόλον*] Expeditionem. Cf. Phil. 916.

1306. *πανδίκως*] Cf. Tr. 1247. Aesch. Sept. 667. *πανδίκως ψευδῶννμος*. Eum. 802. *πανδίκως ἐπίσχομαι*. Suppl. 415. Cho. 669. *Corrigendum forsan ἢ θάνοιμ' ἢ πανδίκως | τὸς τοιάδ' —*.

1308. *εἰεν τί δῆτα —*;) Cf. Eur. Her. 1037. *πῶς οὖν ταῦτ' ἐγὼ πεπνυμένος | δεῦρ' ἦλθον —*; | *Ἦραν νομίζων θεοφάτων κρείσσω πολύ. εἰεν τί δῆτα —*;) Cf. 476. *εἰεν τὸ δ' ἐνθεν ποῖ τελεντήσαι με χρῆ*; Eur. Hec. 313. *εἰεν τί δῆτ' ἐρεῖ τις —*;

1311 sq. Cf. Ant. 119. *φονίασιν ἀμφιχανῶν κύκλω λόγχοις ἐπιτάπυλον στόμα (πόλιςμ'?)*. Hinc *ἐπιτάλογχος στόλος* 1305. Cf. 1524. Aesch. Ag. 465. *ἀσπίστορας κλόνοους λογχίμους τε*. Suppl. 182. Achae. Fr. 29. Arist. Pac. 357. *Cum λόγχη hoc sensu confer φαρέτρα* (Hesych. *πολλὴ φαρέτρα: πολλοὶ τοξόται*). Sic nos dicimus a freelance (λόγχη).

1313. *τὰ πρῶτα*] Cf. Aj. 435. *τὰ πρῶτα καλλιστει' ἀριστεύσας*

στρατοῦ. 1300. στρατοῦ τὰ πρῶτ' ἀριστεύσας. δορούσσους] Cf. Aesch. Sept. 125. 979. Suppl. 181. Hesiod. Scut. 54. δορυσσῶν Ἀμφιτρούων. [Pind.] P. c. II. 65. ἵπποσόοιοι ἀνδρεσσι.

1314. κρατύνων] Excellens. I. q. κρατῶν. Cf. O. R. 903. ὦ κρατύνων (Ζεῦ) El. 175. Ant. 664. οἰωνῶν ὁδοῖς] I. e. in divinatione. Cf. O. O. 311. μαντικῆς — ὁδόν.

1318. κατασκαφῆ] Cf. Aesch. Sept. 46. Cho. 50.

1321. ἐπώνυμος —] Cf. Aesch. Sept. 536. οὐτι παρθένων ἐπώνυμον | φρόνημα, γοργόν δ' ὄμμ' ἔχων προσισταται. ἀδμήτης] Eadem forma est El. 1239. τὰν αἰὲν ἀδμήταν. Aesch. Suppl. 140. ἀδμήτας ἀδμήτα ῥύσιον γενέσθω. Sic ἀταυρώτη Arist. Lys. 217. πολυκλαύτη Aesch. Ag. 1557.

1322. λοχευθεῖς] Sc. ἐξ αὐτῆς. Cf. Aesch. Fr. 155. Ἰστρος τοιαύτας παρθένους λοχεύεται. Eur. Tro. 597. ἐνθ' ἔλοχεύθη. Ion. 455. Τιτᾶνι λοχευθεῖσαν 921. 948. τίς λοχεύει σε; 1546. Bacch. 3. El. 1129. Λοχεύειν παῖδα (to bring forth) legitur Hom. H. Merc. 230. et in Orphicis. Passivum λοχεύεσθαι (to be brought to bed) Eur. Tro. 597. ἐνθ' ἔλοχεύθη. Bacch. 3. πιστός —] Cf. Aesch. Sept. 19. οἰκιστῆρας ἀσπιδηφόρους | πιστούς.

1323. τοῦ κακοῦ πότιμον φυτευθεῖς] Cf. Eur. Her. 578. σοὶ παῖδές ἐσμεν· σοῦ γὰρ ἐκπεθράμμεθα. et O. R. 1080. ἐγὼ δ' ἐμειν- τὸν παῖδα τῆς τύχης νέμων.

1327. ἐξαιτούμενοι] Cf. Eur. Andr. 54. τὰ πρόσθε σφάλματ' ἐξαιτούμενος.

1328. μῆνιν — εἰκαθεῖν] Cf. Ant. 718. ἀλλ' εἰκε θυμοῦ (θυμὸν?) καὶ μετὰστασιν δίδου.

1329. τῶδ' ἄνδρι —] Cf. ad O. R. 532. Eur. Med. 1337. νυμφευθεῖσα δὲ | παρ' ἄνδρι τῶδε καὶ τεκοῦσά μοι τέκνα.

1330. Dindorfius genitivum πάτρας ab ἐξέωσε pendere existimat, quum ἀποουλᾶν cum accusativo construi soleat, et confert Ant. 537. καὶ ξυμμετίσχω καὶ φέρω τῆς αἰτίας.

1332. οἷς ἂν σὺ προσθῆ] Cf. Herod. VI. 110. ἦν γὰρ σὺ γνωμῆ τῆ ἐμῆ προσθῆ, κτλ. Hinc προσθήκη (auxilium) O. R. 38.

1333. πρὸς νῦν σε —] Cf. Phil. 468. πρὸς νῦν σε πατρός, πρὸς τε μητρός κτλ. O. C. 250. πρὸς σ' ὅ τι σοὶ φίλον ἐκ σέθεν (οἴκοθεν?) ἄντομαι. Eur. Med. 324. Tro. 1035. μὴ πρὸς σε γονάτων τῆς τε νεογάμου κόρης. Iph. A. 1233. μὴ πρὸς σε Πέλοπος —. Phoen. 1665. ναὶ πρὸς σε τῆσδε μητρός —. Tibull. IV. 5. 8. 'Per te dulcissima furta — rogo.' κρηνῶν] Cf. Ant. 844. ἰὼ Διοκταῖα κρηναὶ Θήβας τ' ἄλλοις κτλ. Schol. παθητικόν ἐστὶ τὸ πρὸς πατρῶων κρηνῶν ὀρεοῦν, ὡς εἰ ἔφη, πρὸς τῶν ἐκθρεψάντων σε ὑδάτων. θεῶν ὀμογγίων] Cf. Eur. El. 428. Andr. 921. ἀλλ' ἄντομαί σε Δία καλοῦσ' ὀμόγγιον. Arist. Ran. 750. ὀμόγγιε Ζεῦ. Plat.

Legg. V. 729 C. *δμογγίων θεῶν κοινωνίαν ἄπασαν*. 881 D. *ἀρξῆ ἐνεχέσθω Διὸς δμογγίον*. IX. 981 D.

1334. *παρεικαθεῖν*] *Cedere*. Cf. Ant. 1102. *καὶ ταῦτ' ἐπαινεῖς καὶ δοκεῖς παρεικαθεῖν*.

1337. *τὸν αὐτὸν δαίμον' ἐξειληγότες*] Cf. El. 760. *δπως πατρῶας τύμβον ἐκλάχοι χθονός*. Eur. Fr. 115. *τί ποτ' Ἀνδρομέδα περιᾶλλα κακῶν | μέρος ἐξέλαχον*; Arist. Av. 279. *λόφον κατειληφῶς* (l. *κατειληχῶς*) — *δρως*.

1339. *καθ' ἡμῶν ἐγγελῶν*] Cf. Aj. 969. *τί δῆτα τοῦδ' ἐπεγγελάῳεν* (l. *τοῦδὲ γ' ἐγγελάῳεν*) *ἂν κάτα*; Sic *ἐπεμβῆναι τιμι εἰ ἐπεμβῆναι κατά τινος* (El. 835.). *Constructio usitata est ἐγγελάῳ τινι*, El. 277. 807. *ἀβρύνεται*] Cf. Aesch. Ag. 1205. *ἀβρύνεται γὰρ πᾶς τις εὐ πράσσων ἀνήρ*.

1341. *βραχεῖ σὺν — χρόνῳ*] Cf. 1162. *βραχύν τιν' αἰτεῖ μῦθον, οὐκ ὄγκον πλέων*. 1602. *ταχεῖ* (l. *βραχεῖ*) — *ξὺν χρόνῳ*. El. 42. *χρόνῳ μακροῦ*. Aesch. Pr. 75. *καὶ δὴ πέπρακται τοῦργον οὐ μακροῦ χρόνῳ* (πόνῳ al.).

1344. *ξυνθέλοντος*] Cf. Fr. 449. *δμορροθῶ, συνθέλω, συμπαραινέσας ἔχω*. Eur. Herc. 832.

1347. *ἐκπεμψαι*] Cf. Aesch. Pers. 143. *τὸν — εὐνατήρ' ἀποπεμψαμένα*. Herod. III. 52. *ἀποπέμπεται (μιν) στείλας πλοῖον ἐς Κέκρυραν*.

1348. *τῆσδε δημοῦχος χθονός*] Cf. 1087. *γᾶς τᾶσδε δαμουχοῖς*. Similiter choreutae appellantur *χώρας ἀνακτες* O. R. 911. *Θήβης οἱ κοιρανίδαί* Ant. 940.

1349. *μῆ*] De *μῆ* sic posito cf. ad Phil. 66.

1350. *δικαιῶν ὥστ' — κλύειν*] Cf. 570. Ph. 656. El. 1454. Tr. 1152. Eur. Alc. 699. *σοφῶς δ' ἐφηῦρες ὥστε μῆ θανεῖν ποτε*.

1352. *ἀξιωθεῖς*] Sc. *τούτου*.

1353. *τοῦδ'*] Cf. El. 374. *εἰ μῆ κακὸν μέγιστον εἰς αὐτὴν ἰὸν | ἦκουσ', δ ταύτην τῶν μακροῶν σήσει γόων*.

1354. *δς γ' —*] Similis allocutionis mutatio occurrit Eur. Hec. 1179. *πρὸς τόνδε δ' εἰμι καὶ λόγοις ἀμείνομαι | δς φῆς — παῖδ' ἐμὸν κτανεῖν*.

1356. *τὸν αὐτὸς αὐτοῦ πατέρα*] Cf. 930. *αἰσχύνεις πόλιν | τὴν αὐτὸς αὐτοῦ*. Aj. 1132. *τούς γ' αὐτὸς αὐτοῦ πολεμίους (οὐκ ἔῶ θάπτειν)*. Similiter Aesch. Prom. 275. *πρὸς ἄλλοι' ἄλλον*.

1357. *ἀπολιν*] Cf. Ph. 1018. *ἐν ἧ με προυβάλου | ἄφιλον, ἐρημον, ἀπολιν, ἐν ζῶσιν νεκρόν*. Ant. 370. Adesp. 107. *ἀπολις, δούκος, etc. ἔθηκας — φορεῖν*] Cf. Aesch. Ag. 178. 1036. 1174. Eur. Hec. 358. Her. 990. Med. 718. Rhes. 918. Fr. 645, 2. 1061, 3. Aristarch. Fr. 2, 5. Adesp. Fr. 342, 1.

1358 sq. *ἐν ταυτῷ πόνῳ —*] Cf. El. 1056. *δταν γὰρ ἐν κακοῖς | ἦδη βεβήκης*. 1095. *μοίρα μὲν οὐκ ἐν ἐσθλᾷ βεβῶσαν*. Eur. Her. 610.

οὐδὲ τὸν αὐτὸν ἀεὶ βεβάναι δόμον εὐτυχία. Hec. 970. αἰδώς μ' ἔχει | ἐν τῷδε πότιμα τυγχάνουσι' ἔν' εἰμι νῦν.

1359. [βεβηκώς] m. Thomas Mag. Βεβώς Ἄτικοι λέγουσι, οὐ βεβηκώς, καὶ βεβῶσιν, οὐ βεβήκασιν. Cf. Ant. 996. βεβώς. 67.

1360. οὐ κλανιστὰ δ' ἐστίν] Sed non lacrymis opus est. Cf. Aesch. Sept. 363. πολυκλαύστων (al. πολυκλαύτων) ἀχέων. Sic κανιστὸς et καντὸς (a καίω), et γνωστὸς γνωτὸς, ἀνεκτὸς et ἀνεκτέος. Κλαντὸς significat flebilis.

1361. Cf. Aj. 1117. ἕως (ὡς vulg.) ἂν ἦς οἴοσπερ εἰ. Ph. 635. 1330. Plat. Phaedr. 243 E. τοῦτο μὲν πιστεῦω ἕωσπερ ἂν ἦς δεῖ. Tim. 78 D. ἕωσπερ ἂν ἡ πόλις ξυνεστήκη.

1362. μόχθω τῷδ' — ἐντροφον] Cf. Aj. 623. παλαιᾷ μὲν ἐντροφος ἀμέρα. Sed Eur. Iph. A. 289. Αἴας δ' ὁ Σαλαμῖνος (Σαλαμῖνι?) ἐντροφος.

1363. ἐκ σέθεν] Per (propter) te.

1364. ἐπαιτῶ — βίον] Cf. Eur. Rhes. 715. βίον δ' ἐπαιτῶν. τὸν καθ' ἡμέραν βίον] Cf. Fr. 536, 2. τὸ καθ' ἄμαρ πορούνων. Phil. 1083. τί ποτ' οὖν μοι τὸ καθ' ἄμαρ ἔσται; Arist. Eq. 1101. κριθὰς ποριῶ σοι καὶ βίον καθ' ἡμέραν. 1126. ἤδομαι βρύλλων τὸ καθ' ἡμέραν. Isocr. 12, 179. ὅστι' ἐπιπόνως ἐργαζομένους μόλις ἔχειν τὸ καθ' ἡμέραν. Heliod. VI. p. 284. ἡ καθ' ἡμέραν ἀναγκαῖος τροφή. II. 15. ἡ ἐφήμερος τροφή.

1365. εἰ δ' ἐξέφρυσα τάσδε μὴ —] Cf. Phil. 66. εἰ δ' ἐργάσει | μὴ ταῦτα. 653. ὡς λῖπω μὴ τῷ μάτην. 332. φράσης μοι μὴ πέρα. El. 992. Arist. Ran. 639. εἶναι τοῦτον ἡγοῦ μὴ θεόν. 1417. ἔν' ἔλθῃς μὴ μάτην. Pac. 672. ἔσπευθεν εἶναι μὴ μάχας. Eur. Hec. 11. ἔν' — τοῖς ζώσιν εἶη παισὶ μὴ σπάνις βίου.

1366. ἡ τᾶν —] Cf. Aesch. Sept. 548. ἡ τᾶν πανώλεις παγκακῶς τ' ὀλοῖατο.

1368. αἰδ' ἄνδρες, οὐ γυναῖκες] Cf. Ant. 484. ἡ νῦν (τᾶρ' aut μὴν?) ἐγὼ μὲν οὐκ ἀνὴρ, αὕτη δ' ἀνὴρ, | εἰ κτλ.

1369. καὶ μὴ σὸς, ἀλλὰ —] Inest forsā allusio ad Polynices verba 1323. ἐγὼ δὲ σὸς.

1370. εἰσορᾷ] Cf. 1536. Pind. P. III. 85. λαγέταν γὰρ τοι τύραννον δέρεται (regards with favour), εἴ τιν' ἀνθρώπων, δὲ μέγας Πότιμος. Sic ἐποπτεύειν Ol. VII. 11. οὔτι πω] Cf. ad El. 905.

1371. ὡς αὐτίκ'] Sc. εἰσώπεται.

1373. ἐρείψεις] Cf. Ant. 596. ἐρείπει θεῶν τις (γενεάν). Aesch. Sept. 880. δωμάτων ἐρευρίτοιχοι. Eur. Iph. T. 49. πᾶν δ' ἐρείψιμον στέγος | βεβλημένον πρὸς οὐδας. Bacch. 7. δόμων ἐρείπια.

1375. σφᾶν] Cf. 952. Aj. 301. σκιᾷ τινι | λόγους ἀνέσπα. Aesch. Ag. 1235. ἄσπονδόν τ' ἄρα | φίλοις πνέουσαν. Sept. 785. τέκνοιον δ' ἄρα εἰφῆκεν ἐπικότους τροφᾶς, αἰαί, πικρογλώσσους ἄρας. Eur. Phoen. 890. ἐκ δ' ἐπνευσ' αὐτοῖς ἄρας | δεινᾶς. Hipp. 1324. ἄρας

ἀφήμας παιδί. ἐξανῆκ'] I. q. ἡρασάμην, unde dativus σφῶν. Cf. 1385. Ant. 427. ἐκ δ' ἀράς κακὰς | ἤρατο τοῖσι τοῦργον ἐξειργασμένοις.

1376. ἀνακαλοῦμαι] Cf. Tr. 910. Eur. Phoen. 616. Μυκήναις, μὴ ἴνθ' ἀδ', ἀνακάλει θεοὺς. 622. ἀνακάλει Λέρονος ὕδωρ. 626. Arist. Fr. 314. Μούσας ἀνακαλεῖν ἔλικοβοσοτρόχους.

1381. ἡ παλαίφατος Δίκη] Cf. Trach. 823. τῆς παλαιφάτου προνοίας. Aesch. Ag. 750. παλαιφάτος — λόγος.

1382. ξύνεδρος Ζηνός] Cf. 1267. Ant. 798. τῶν μεγάλων πάρεδρος θεσμῶν. 451. Arist. Av. 1753. καὶ πάρεδρον Βασιλείαν ἔχει Διός. Nub. 903. φέρε γὰρ ποῦ ἴσιν (Δίκη); | ΔΙ. παρὰ τοῖσι θεοῖς. Hesiod. Op. 259. παρ Διὶ πατρὶ καθεζομένη Κρονίωνι (Δίκη). Dem. p. 772. τὴν — σεμνὴν Δίκην, ἣν ὁ τὰς ἀγιοτάτας ἡμῖν τελετὰς καταδείξας Ὀρφεὺς παρὰ τὸν τοῦ Διὸς θρόνον φησὶ καθήμενην πάντα τὰ τῶν ἀνθρώπων ἐφορᾶν. Plut. Alex. 52. οὐκ οἶσθα δι τὴν Δίκην ἔχει πάρεδρον ὁ Ζεὺς καὶ τὴν Θέμιν —; ἀρχαίους νόμοις] Cf. Arist. Av. 331. παρέβη μὲν θεσμούς ἀρχαίους, παρέβη δ' ὄρκους ὀρνίθων. Aesch. Prom. 151. νεοχμοῖς νόμοις.

1383. ἀπόπτυστος] Cf. Eur. Med. 1373. ἀπόπτυστον φρένα. Arist. Eq. 1285. τὴν ἀπόπτυστον δρόσον. ἀπάτωρ ἐμοῦ] Cf. Ant. 1282. τοῦδε παμμήτωρ νεκροῦ. Aesch. Ag. 311. οὐκ ἀπαππον — πυρός.

1384. τάσδε συλλαβὰν ἀράς] Cf. O. R. 971. τὰ δ' — συλλαβῶν θεοπίσματα.

1385. σοι] In (contra) te. Cf. 1375.

1388. κτανεῖν θ' ὑφ' οὔπερ] Cf. Aj. 1050. δοκοῦντ' ἐμοί, δοκοῦντα δ' ὄς κραινέει στρατοῦ. O. R. 1363. ὀμολεχῆς δ' ἀφ' ὧν αὐτὸς ἔφην. El. 1060.

1389. τὸ Ταρτάρου — ἔρεβος] Cf. Aj. 394 sq. Eur. Hipp. 837. τὸ κατὰ γᾶς κνέφας.

1390. ὡς σ' ἀποικίση] Cf. Tr. 955. ἦτις (αἴθρα) μ' ἀποικίσειεν ἐκ τόπων (lege ἐκτόπιον).

1396. γέρα] Ironice dictum ut τὸν ἀγαθὸν Κρόντα Ant. 31. et ἀγαθοὶ στρατηλάται Ph. 873.

1397. οὔτε — νῦν τ'] Cf. Plat. Prot. 309 B. οὔτε προσεῖχον τὸν νοῦν, ἐπελανθανόμην τε αὐτοῦ θαμά. ταῖς παρελθούσαις ὁδοῖς] Cf. Ant. 1213. ἀρα δυστυχεσιτάτην | κέλευθον ἔρω τῶν παρελθουσῶν ὁδῶν; Eur. Andr. 1126. τίνος μ' ἔκατι κτείνειτ' εὐσεβεῖς ὁδοὺς | ἦκοντα; Aesch. Cho. 343. τέκνων τε κελεύθοις ἐπίστρεπτον αἰῶνα κτίσας. Pind. N. VIII. 60. κελεύθοις ἀπλοαῖς ζωᾶς ἐφαπτοίμαν. Eur. Herc. 432. βίον κέλευθον ἄθειον.

1398. οὔτε — ξυνήδομαι σοι] Cf. Eur. Med. 136. οὐδὲ συνήδομαι, ὧ γύναι, ἄλγεσι δώματος. Hipp. 1281. τί τάλας τοῖσδε συνήδει —;

1399. Cf. O. R. 417. Elmsl. ad Her. 131. et Med. 1333.

1400. οἴμοι δ' ἐταίρων] Cf. Aesch. Sept. 892. οἶον ἀρ' —] Cf. O. R. 1395. ὀδοῦ τέλος — ἀφωρομήθημεν] Cf. Tr. 156. ὀδὸν γὰρ ἤμος τὴν τελευταίαν ἀναξ | ὠρμάτ' ἀπ' οἴκων Ἡρακλῆς. 159. Aj. 290. Aesch. Prom. 292. ἤκω δολιχῆς τέρμα κελεύθου διαμειψάμενος.

1402. Cf. Aj. 1047. οὔτος, σὲ φωνῶ — μὴ κτλ. Sic ἐννέπειν τινα Aj. 764. ἀντιφωνεῖν τινα Phil. 1065.

1404. τῆδε συγκῦρσαι τύχη] Cf. Ph. 683. μοίρα τοῦδ' ἐχθίοι συντυχόντα. Tr. 880. εἶπε τῶ μόρω ξυντρέχει (ξυγκυρεῖ?).

1406. τὰ σκληρὰ] Cf. Aj. 1119. τὰ σκληρὰ — δάκνει.

1407. μὴ τοι —] Cf. 1439. μὴ τοι μ' ὀδύρον. Ant. 544. μή-τοι, κασιγνήτη, μ' ἀτιμάσης, κτλ. Aesch. Prom. 436. μὴ τοι χλιδῆ δοκεῖτε — σιγᾶν με. 626. μήτοι με κρύψης τοῦθ' ὄπερ μέλλω παθεῖν. De mensura secundae syllabae in ἐάν v. Dind. ad Arist. Vesp. 228.

1410. κτερίσμασι] Cf. El. 931. τὰ πολλὰ πατρὸς πρὸς τάφον κτερίσματα. Eur. Suppl. 308. κατείργοντας νεκροὺς | τάφον τε μοίρας καὶ κτερισμάτων λαχεῖν (l. τυχεῖν). Ceterum κᾶν κτερίσμασι liberius additum est, proprie enim τιμᾶτε κτερίσμασι aut aliquid simile scribendum fuisset. ἐν τάφοισι θέσθε] Media vox ut in Aj. 1406. τρίποδ' — θέσθ' ἐπίκαιρον. Cf. Ant. 503. τὸν αὐτάδελφον ἐν τάφῳ τιθεῖσα. O. R. 942. ἐν τάφοις ἔχει.

1411 sq. Locutionis stylus omnino Sophocleus est, ut est in Aj. 866. πόνος πόνῳ πόνον φέρει.

1411. δν κομίζετον —] 'Which ye receive from this man by your labours.' Cf. O. R. 580. πάντ' ἐμοῦ κομίζεται.

1413. τῆς ἐμῆς ὑπουργίας] Of (from) the service rendered (by you) to me.

1414. πεισθῆναί τί μοι] Cf. O. R. 1434. πιθοῦ τί μοι. Eur. Or. 92. πρὸς θεῶν πίθοι' ἄν δῆτά μοι τι, παρθένε; Iph. A. 1436.

1417. διεργάση] Perdas. Cf. Eur. Hec. 369. etc.

1418. Cf. El. 573. οὐ γὰρ ἦν λύσις | ἄλλη στρατιῶ πρὸς οἶκον. αὐθις αὐτὸν πάλιν] Cf. Ph. 952.

1422. πρεσβέοντα] Being the elder. Cf. 1294. Herod. VII. 2.

1424. ἐς ὄρθον ἐκφέρει] Cf. O. R. 88. τὰ δύσφορ' εἰ τύχοι | κατ' ὄρθον ἐξεληθόντα. De positione particulae οὖν cf. Tr. 1247.

ἐκφέρει] Intransitive ut in Tr. 824. ὅποτε τελεόμηνος ἐκφέρει (i. e. ἐξέλθοι) δωδέκατος ἄροτος.

1425. ἐξ αὐτοῖν] Cf. Ant. 145. καθ' αὐτοῖν (i. e. κατ' ἀλλήλων) δικρατεῖς λόγους στήσαντε. Trach. 821 sq.

1426. χερίζει γάρ] Vult enim. Anglice, Yes, for he desires this. Cf. Aesch. Cho. 334. ἀλλ' ἔτ' ἄν ἐκ τῶνδε θεὸς χερίζων | θεῖη κελάδους. Prom. 928. οὐ θῆν ἄ χερίζεις, ταῦτ' ἐπιγλωσσῶ Διὸς (Διί?).

1429. φλαῦρ'] Cf. Aj. 1323. κλύοντι φλαῦρα.

1431 sq. Cf. Arist. Ran. 116. ὦ σκέτλιε, τολμήσεις γὰρ ἵναί; ΔΙ. καὶ σύ γε —. Aesch. Prom. 776. καὶ μηδὲ (καὶ μὴ γε recte Elmsl.) σαυτῆς ἐκμαθεῖν ζήτει πόνους.

1431. ὦ παῖ] Cf. 1405. δεδογμένα] Sub. ἐστί. I. q. δέδοκται (Phil. 990. 1274. 1277. οὕτω δέδοκται; καὶ πέρα γ', ἴσθ', ἢ λέγω. Tr. 720.). Cf. Ant. 576. δεδογμέν', ὡς ἔοικε, τήνδε καταναεῖν.

1432. ἦδ' ὁδός] Haec expeditio (contra Thebas).

1434. Cf. 1299. Eur. Med. 1386. ἀλλά σ' Ἐρινὺς δλέσειε τέκνων | φονία τε Δίκη. Herod. IV. 149. ἰδρῦσαντο ἐκ θεοπροπίου Ἐρινύων τῶν Λαίου τε καὶ Οἰδιπόδew ἱρόν.

1435. Cf. 642. ὦ Ζεῦ, διδοίης τοῖσι τοιοῦτοισιν εὔ. Polyb. IV. 21. 11. ἐάν ποτ' αὐτοῖς ὁ θεὸς εὔ δῶ (εὐδοῶ duo mss.). Commutatio numerorum notandus est. Sic Arist. Av. 641. εἰσέλθεται' — φράσατον. Pl. 75. μέθεσθε — ἀκούετον. 73. τελεῖτε] Verbum proprium in hac re. V. O. R. 1448. Hom. II. 24, 660. εἰ μὲν δὴ μ' ἐθέλεις τελέσαι τάφον Ἐκτορι δία.

1436. ἐπεὶ οὐ] Eadem crasis est Arist. Lys. 273.

1438. βλέποντ'] Cf. Eur. Alc. 143. καὶ πῶς ἂν αὐτὸς καταθάνοι τε καὶ βλέποι;

1440. ἐς προὔπιον ἄδην] Cf. Eur. Hipp. 1366. προὔπιον ἐς ἄδην στείχω. Herod. IX. 17. προόπιω θανάτω. Thuc. V. 99. ἐς προὔπιον κίνδυνον. ἄδην] Death. Cf. Aesch. Ag. 667. ἄδην πόπιον πεφενγός. Eur. Hipp. 1047. ταχῶς γὰρ ἄδης ῥᾶστος ἀνδρὶ δυστυχεῖ. 1366. El. 883. τῶν φανερώς οἰχομένων εἰς ἄιδαν. Alc. 13. Virg. Aen. II. 359. 'Vadimus haud dubiam in mortem.'

ἄδην] Mortem. Cf. Aesch. Prom. 498. 812. Ag. 667. ἄδην πόπιον πεφενγότες. Eur. Ion. 1050.

1442. μὴ πείθ'] Do not attempt to persuade me. Cf. ad 993. δυστάλαινα τᾶρ' ἐγώ] Cf. Aj. 980. ὦμοι βαρείας ἄρα (f. τᾶρα) τῆς ἐμῆς τύχης.

1443. ταῦτα δὴ 'ν τῷ δαίμονι —] Cf. Aesch. Eum. 469. Dem. 292. ἐν θεῷ τὸ τέλος ἦν.

1444. καὶ τῆδε φῦναι χᾶτέρᾳ] Cf. Ph. 503. παθεῖν μὲν εὔ, παθεῖν δε θᾶτερα. Tr. 272. θᾶτέρᾳ δὲ νοῦν ἔχοντ'.

1445. I. q. κυρῆσαι (O. R. 1513. βίου δὲ λῳόνος | ἐμᾶς κυρῆσαι κτλ.). Cf. Aj. 508. ἦ σε πολλάκις | θεοῖς ἀρᾶται ζῶντα πρὸς δόμοις μολεῖν. Tr. 47. τὴν ἐγὼ θαμὰ | θεοῖς ἀρᾶμαι πημονῆς ἄτε λαβεῖν. ἀντήσαι κακῶν] Cf. Eur. Herc. 319. εἰ. μὲν σθενόντων τῶν ἐμῶν βραχιόνων | ἦντησ'. Hom. II. 1, 67. ἀρῶν κνίσης — ἀντιάσας. Od. 3, 44. τοῦ γὰρ καὶ δαίτης ἦντήσατε. Herod. I. 114. ἀποκίλιετο τῶν ὑπὸ Κύρον ἄντησε. II. 119. καὶ ξεινίων ἄντησε (came in for) μεγάλων. El. 869. οὔτε του τάφου ἀντιάσας κτλ. Aj. 433. τοιοῦτοις — κακοῖς ἐντυγχάνω.

1446. *πᾶσιν*] In the opinion of all. Cf. Ant. 904. *καίτοι σέ γ' εἴ τιμήσα τοῖς φρονοῦσιν εὖ*. O. R. 40. *ὦ κράτιστον πᾶσιν Οἰδίου κάρα*.

1447. *νέα τάδε νεόθεν ἤλθε* —] Cf. Ant. 1266. *νέος νέω ξὺν μόρω*. 156. Aesch. Prom. 957. *νέον νέοι κρατεῖτε*.

1450. *εἴ τι μοῖρα μὴ κιχάνει*] Schol. *εἰ μὴ κατὰ μοῖραν ταῦτα πάσχω*. Cf. Aesch. Cho. 612. *κιχάνει δέ νιν Ἐρμῆς*. Simonid. Fr. 91. *μοῖρ' ἔκιχεν θανάτου*. Mimnerm. Fr. 6. *ἔξηκονταετη μοῖρα κίχοι θανάτου*. Solon Fr. 22, 4. *δγδωκονταετη μοῖρα κίχοι θανάτου*. Hom. Il. 11, 451. *φθῆ σε τέλος θανάτοιο κιχήμενον*. Blomf. ad Sept. 44. Monk. ad Hipp. 1442. Qu. *εἴ με μοῖρα μὴ κιχάνει*.

1451. *μάταν*] Cf. 1565. Phil. 345. *ἀξίωμα δαιμόνων*] Purpose of the gods. Cf. 1459.

1452 sq. Cf. Aj. 131. *ἡμέρα* (ut hic *χρόνος*) *κλίνει τε κἀνάγει πάλιν* | *ἅπαντα τάνθρωπεια*.

1453. *ὄρᾳ ὄρᾳ ταῦτ'* —] Cf. Aesch. Pers. 989. *ὄρῳ ὄρῳ*. Eum. 255. *δρα δρα*.

1455. *παρ' ἄμαρ* —] Cf. 1567. Aj. 131. *ὡς ἡμέρα κλίνει τε κἀνάγει πάλιν* | *ἅπαντα τάνθρωπεια*. 475. *τί γὰρ παρ' ἡμαρ ἡμέρα τέρπειν ἔχει*; Fr. 234, 5. *εἴτ' ἡμαρ αὔξει μέσσον δμφρακος τύπον*. O. C. 1079. *τελεῖ Ζεὺς τι κατ' ἄμαρ*. Eur. Her. 610. *οὐδὲ τὸν αὐτὸν ἀεὶ βεβάνει δόμον εὐτυχία* (φημί)· *παρὰ δ' ἄλλαν ἄλλα μοῖρα διώκει· τὸν μὲν ἀφ' ὑψηλῶν βραχὺν ᾤκισε, τὸν δ' ἀτίταν* (ἀτυχοῦντ') *εὐδαίμονα τεύχει*. Pind. P. II. 88. *χρῆ δὲ πρὸς θεὸν οὐκ ἐρίζειν, δς ἀνέχει ποτὲ μὲν τὰ κείνων, τότ' αὐθ' ἑτέροις ἔδωκεν μέγα κῦδος*. Hom. Od. 2, 284. *ἐπ' ἡμαυ πάντα δλέσθαι*. Il. 10, 48. 19, 229. Eur. Fr. 304, 5. *τύχας δὲ θνητῶν τὸ μὲν μέγ' εἰς οὐδὲν ὁ πολὺς χρόνος μεθίστησι, τὸ δὲ μείον αὔξων* (αὔξει?). Fr. 415, 4. *τοῖς μὲν αὔξεται βίος, | τῶν δὲ φθίνει τε καὶ θερίζεται* (μεθίσταται αὐτ μαραινεται?) *πάλιν*. Fr. 420, 3. *μί' ἡμέρα* | *τὸν μὲν καθεῖλεν ὑπόθεν, τὸν δ' ἦρ' ἄνω*. Fr. 916, 3. *ὦ πολύμοχθος βιοτὰ θνητοῖς, | ὡς — τὰ μὲν αὔξεις, τὰ δ' ἀποφθινύθεις*. *αὔξων*] Cf. 1567. *πάλιν σφε δαίμων δίκαιος αὔξει*. Ant. 191. *τήνδ' αὔξω πόλιν*. Eur. Med. 936. *κεῖνα νῦν αὔξει θεός*.

1457. *πῶς ἄν* —;] Cf. Arist. Vesp. 166. *πῶς ἄν σ' ἀποκτείναιμι*;

1458. *τὸν πάντ' ἄριστον*] Cf. Aj. 1415. *τῷ πάντ' ἀγαθῷ*. 911. *ὁ πάντα κωφός, ὁ πάντ' αἰθρῖς*. El. 301. Cratin. II. 15. *καὶ παντ' ἀρίστῳ τῷ Πανελλήνων πρόμῳ*. *πόροι*] I. q. *πορεύσειε*. Cf. 1476.

1459. Cf. Ag. 272. *ἦ γὰρ τι πιστὸν ἐστὶ τῶνδ' εἰς τέκμαρ*;

1460. Cf. 1502. Hesiod. Op. 676. *Διὸς δμβρωφ*. Ph. 613. Eur. Fr. 132. *ἄγον δέ μ', ὦ ξέν', εἴτε πρόσπολον θέλεις | εἴτ' ἄλοχον κτλ*. Eur. Herc. 11. *ἠνίκ' εἰς ἔμοις | δόμους ὁ κλεινὸς Ἡρακλῆς νιν ἤγετο*. Herod. I. 114. *ἀγόμενος τὸν παῖδα*. *ἄξεται*] Cf. Herod. III. 125. *ἄμα ἀγόμενος ἄλλους τε πολλοὺς τῶν ἐταίρων κτλ*.

1461. πέμψατ'] Arcèssite eum. Cf. ad Ant. 19.
1462. ἐρείπεται] Comes crashing down. Cf. Aj. 309. ἐρείφθεις. Aesch. Pr. 1028. ὑπτέσθω μὲν αἰθαλοῦσσα φλόξ. Sic περσούνται δοῦποι Aj. 632.
1464. κτύπος — διόβολος] Cf. Eur. Alc. 126. πρὶν αὐτὸν εἶλε διόβολον πλάκτρον πυρὸς κεραυνίου. ἄφατος] Cf. Arist. Av. 1713. κάλλος οὐ φατὸν λέγειν. ἐς δ' ἄκραν — φόβαν] Cf. 1624. El. 449. ἄκρας φόβας. Fr. 791. ὀρθόκερως φρέκη. Aesch. Cho. 32. ὀρθότριξ φόβος.
1466. ἔπτηξα θυμὸν] Cf. Aj. 171. σιγῇ πτήξειαν ἄφωνοι. Hom. Il. 14, 40. πτήξε θυμὸν (activo sensu). Eur. Bacch. 1034. οὐκέτι φόβῳ πτήσω. Arist. Av. 778. πτήξε δὲ ποικίλα φύλα θηρῶν. Vesp. 1481. πτήσσει Φρύνιχος ὡς τις ἀλέκτωρ. ἀστραπὴ φλέγει] Cf. Tr. 99. ὦ λαμπρᾷ στεροπᾷ φλεγέθων. Ph. 1199. Eur. Med. 144. διὰ μου κεφαλῆς φλόξ οὐρανία βαίη. Aesch. Sept. 433. φλέγει δὲ λαμπὰς διὰ χειρῶν ὀπλισμένη. οὐρανῶ] Cf. El. 174. ἔτι μέγας (γὰρ ἐν?) οὐρανῶ Ζεύς. Fr. 520, 1. οὐρανοῦ δ' ἄπο | ἤστραψε, βροντῇ δ' ἐρράγη δι' ἀστραπῆς.
1468. τί μάν;] Quidni? Cf. ad Aj. 668. βέλος] Fulmen. Cf. Tr. 1087. ἐγκατάσκηπον βέλος — κεραυνοῦ. Aesch. Sept. 435. κεραυνοῦ δὲ μιν βέλος ἐπισχέθου. Pr. 358. Ζητὸς ἀγρυπνον βέλος. 919. τινάσσων χερσὶ πυρπνόνον βέλος. Similiter fere Aesch. Sept. 156. τί πόλις ἄμου πάσχει; τί γενήσεται; | ποῖ δ' ἔτι τέλος ἐπάγει θεός; δέδια δ' —] Cf. Aesch. Pr. 188. ἐμὰς δὲ φρένας ἐδέδισε διατόρος φόβος; δέδια δ' (γὰρ Ald. γ' Bothe) ἀμφὶ σαῖς τύχαις.
1469. ἄλιον] Vanum, irritum. Cf. Aesch. Ag. 366. ὄπως — βέλος ἡλίθιον σκήψειεν. Hom. Il. 18, 324. ὦ πόποι, ἦ ῥ' ἄλιον ἔπος ἐκβαλον ἤματι κείνῳ. Il. 14, 455. οὐκ δῖω — ἄλιον πηδῆσαι ἄκοντα. Hinc ἄλιον O. C. 703. Tr. 258.
1471. ὦ μέγας αἰθῆρ] Cf. Aj. 1192. αἰθέρα δύναι μέγαν. Ant. 421. μέγας | αἰθῆρ. Eur. El. 59. αἰθέρ' εἰς μέγαν.
1474. τῶ δὲ συμβαλῶν ἔχεις —;] Cf. Eur. Ion. 1314. τῶ τότε γινῶναι με χρῆ; Arist. Nub. 385. φέρε, τουτὶ τῶ χρῆ πιστεύειν; Ach. 703. τῶ γὰρ εἰκὸς —; Pl. 48. τῶ τοῦτο κρίνεις;
1476. πορευσάτω] Cf. 1458. El. 801. τοῦ πορευσάντος ξένου. Eur. El. 438. πορεύων — Ἀχιλῆ — ἐπὶ Σιμωντιίδας ἀκτάς. Med. 363. ὡς εἰς ἀπορόν σε κλύδωνα θεός, Μήδεια, κακῶν ἐτόρρευσεν.
1477. ἀμφίσταται — ὀτοβος] Cf. Eur. Iph. A. 1039. ἔστασαν ἰαχάν. Iph. T. 1307. τίς ἀμφὶ δῶμα θεᾶς τόδ' ἴσθῃσιν βοήν —; Or. 1543. στήσαι — κραυγῆν. Soph. Ant. 1209. τῶ δ' ἀθλίας ἄσσημα περιβαίνει βοῆς.
1478. ἰδὸν μάλ' αὐθις] Cf. 1731. El. 1410. ἰδὸν μάλ' αὐ θροεῖ τις. 1416. ὦμοι μάλ' αὐθις. Ph. 793. παπαῖ μάλ' αὐθις. Aj. 870.
1479. διαπρῦσιος] Cf. Eur. Hel. 1308. κρόταλα δὲ Βρομία διαπρῦσιον ἰέντα κέλαδον ἀνεβόα. Hom. Il. 8, 227. ἤϋσεν δὲ δια-

πρόσιον. δτοβος] Cf. Aj. 1202. γλυκὴν αὐλῶν δτοβον. Aesch. Sept. 140. δτοβον ἀρμάτων ἀμφὶ πόλιν κλύω.

1481. ἀφεγγές] Cf. 1549. Eur. Phoen. 546. νυκτὸς ἀφεγγές βλέφαρον. Aesch. Prom. 115. δδμὰ — ἀφεγγής (?). γὰρ ματέρει] Cf. Aesch. Sept. 16. γῆ τε μητρὶ, φιλιότη τροφῶ.

1482. ἐναισίον δέ σου τύχοιμι] Cf. O. R. 677. σοῦ μὲν τυχῶν ἀγνώστος. 1450. El. 1463. Eur. Med. 943. ἀνδρὸς τ' ἀρίστου σοῦ τυχοῦσ' δμεννέτου. Alc. 10. δοίου γὰρ ἀνδρὸς δσιος ὧν ἐτύγχανον | παιδὸς Φέρητος. 577. αὐτὸς δ' ἀρίστου τοῦδε τυγχάνω ξένου. 682. ἄλλον τυχῶν | σωτήρος. Tro. 739. αὐτὴ τ' Ἀχαιῶν πρηνεμεστέρων τύχαις. Hel. 698. 1300. Eur. Fr. 1132, 9. τίνας θεῶν βροτῶν τε πρηνεμενοῦς τυχῶν; Arist. Pl. 636. Ἀσκληπιουῦ παιῶνος εὐμενοῦς τυχῶν.

1483. Cf. Arist. Pl. 1144. οὐ γὰρ μετεῖχες τὰς ἴσας πληγὰς ἐμοί.

1485. Ζεῦ ἄνα] Ut apud Homerum Il. 16, 233. Ζεῦ ἄνα κτλ.

ἄνα] Hoc vocativo ab epicis non raro usurpato hic tantum, in carmine choricō, utitur Sophocles.

1487. κηχῆσται μου] Suspectum. Verbum κηχάνειν accusativum gubernat O. R. 1257. Aj. 571. 657. Aesch. Cho. 612. et alibi.

1488. τὸ πιστόν —;] Cf. 598. τί δ' ἂν θέλοις γὰρ τὸ μεῖζον — νοσεῖς; Aesch. Ag. 272. τί γὰρ τὸ πιστόν ἐσσι τῶνδ' ἐσοί τέκμαρ;

1490. σφιν] Pro αὐτῶ. Rarus hic usus. Cf. Aesch. Pers. 759.

τυγχάνων] Consecutus vertit Dind. Recte explicat Porsonus, 'quam promisi, si ipse a Theseo id quod peterem consequerem.' Cf. Phil. 619. τούτων — μὴ τυχῶν (if he did not succeed in this).

1493. γύαλον] Schol. ἀντὶ τοῦ πέτραν. Cf. Ph. 1081. ὦ κοίλας πέτρας γύαλον. Eur. Iph. T. 1236. ἐν καρποφόροις γυάλοις. Pind. P. VIII. 89. Πυθῶνος ἐν γυάλοις. Hesiod. Th. 499. γυάλοις ὑπὸ Παρνησσοῖο. Montibus γυάλα tribuunt Hesiodus aliique, ut monuit Dind.

1494. Ποσειδαονίω] Cf. Tr. 502. Ποσειδάωνα. Epica forma Ποσειδάων ut apud Homerum. Cf. Pind. N. VI. 46. Ποσειδάωνιον ἂν τέμενος.

1495. βούθυτον ἐστὶαν ἀγίλων] Cf. Eur. Hel. 1474. βούθυτον ἀμέραν. Alc. 1156. βωμοὺς τε κνισῶν βουθύτοιαι προστροπαῖς. 119. θεῶν — ἐπ' ἐσχάταις — μηλοθύταν. Ion. 664. βουθύτω σὺν ἡδονῇ. Eur. Fr. 628. μηλοσφαγεῖ τε δαιμόνων ἐπ' ἐσχάταις. Aesch. Cho. 251. βουθύτοις ἐν ἡμασιν. Suppl. 706. βουθύτοιαι τιμαῖς. Iph. T. 1085. βωμοὺς μηλοθύτους. Arist. Av. 1232. μηλοσφαγεῖν τε βουθύτοις ἐπ' ἐσχάταις. Pind. Ol. 3, 34. βωμοὶ πατρὶ ἀγισθέντες.

1497 sq. Duae constructiones confusae ut in Aj. 494. μὴ μ' ἀξιώσης βάξιν ἀλγεινὴν λαβεῖν κτλ. ἐπαξιῶ — χάριν παρασχεῖν] Cf. El. 658. ἐπαξιῶ σε δαίμον' ὄντ' ἐξειδέναι.

1499. αἴσο'] Cf. 890. δεῦρ' ἦξα θᾶσσον κτλ.

1500. τίς αὖ — ἠγχείται κτύπος;] Cf. 1507. τί ἐστιν — νέορτον αὖ; Ant. 7. καὶ νῦν τί τοῦτ' αὖ φασί — κήρυγμα θεῖναι etc. 1281. τί δ' ἐστὶν αὖ κάκιον — Ph. 815. τί παραφρονεῖς αὖ; El. 328. τίν' αὖ σὺ τήνδε — φωνεῖς φάτιν; Aj. 787. τί μ' αὖ — ἐξ ἔδρας ἀνίστατε; Ph. 1263. τίς αὖ παρ' ἀντροῖς θόρυβος ἵσταται βοῆς; Ant. 1172. τί δ' αὖ τόδ' ἀχθος βασιλέων ἤκεις φέρων; Eur. Or. 790. τί τόδε καινὸν αὖ λέγεις; Med. 705. τόδ' ἄλλο καινὸν αὖ λέγεις κακόν. Tro. 707. El. 1121. Hipp. 866. ἠγχείται κτύπος] Cf. Arist. Thesm. 995. κτυπεῖται — ἠγώ. Pl. 758. ἐκτυπεῖτο δὲ | ἐμβὰς γερόντων κτλ. Tr. 866. ἠγχεῖ τις οὐκ ἄσημον ἀλλὰ δυνατοῦ (πάνω σαφή, διαφανῆ, αὐτ διατόρον?) | κακῶν εἴσω. 642. αὐλὸς οὐκ ἀναρσίαν ἀχῶν καναχάν. Philostr. V. Apoll. V. 16. κτυπεῖται τις ἐν-ταῦθα ἐπ' αὐτοῦ ἄκμων (i. e. percussus resonat). αὖ] Now.

1501. ἐμφανῆς] Manifestus. Cf. ad Ph. 189. ἀχῶ τηλεφανῆς. 216. τηλωπὸν ἰωάν (ἰωγάν?).

1502. μή τις —;] I. q. μῶν —; Cf. Aesch. Prom. 247. 958. Suppl. 302. Eur. Hipp. 799. Elmsl. ad Her. 483. Διὸς κεραυνός] Cf. Aesch. Sept. 444. τὸν πυρφόρον — κεραυνόν. Sept. 668. πυρωπὸν — Διὸς — κεραυνόν. δμβροία χάλαζα] Cf. O. R. 1279. δμβρος χάλαζά θ' αἱματοῦσ'.

1503. ἐπιρράξασα] Ingruens. Cf. O. R. 1244. ἐπιρράξασ' ἔσω. Aristot. de Mundo III. 392, 12. δμβροὶ καταρράσσουσι. Diod. Sic. I. 41. χάλαζα καταρράσσει (leg. καταρράσσει). eund. alicubi, τὰ δειθρα συρράττει. Aelian. H. A. III. 18. ἡ γαστήρ κατέρραξε. Strab. XIV. 669. ποταμὸς καταρράττων. XI. 593. Synes. Epist. IV. 161. ἄνεμος ἐπαρράττει. V. Lob. ad Ajac. 250. θεοῦ τοιαῦτα χειμάζοντος] When the weather is thus tempestuous. Cf. Phil. 464. Herod. III. 117. ὕει σφι ὁ θεός. IV. 28. ὕων οὐκ ἀνίει (ὁ θεός). VII. 191. ἐχείμαζε ἡμέρας τρεῖς. Xen. Oecon. 8, 16. Sic ὕει, βροντᾶ, ἀσιράππει, νίφει, χалаζᾶ, etc. Lucian. disput. 8. ὕοντος προσέει ἢ χалаζῶντος τοῦ θεοῦ.

1505. ποθοῦντι προυφάνης] Cf. Hom. Od. 21, 209. σφῶν ἐελδομένοισιν ἰκάνω. et ad Tr. 18.

1506. τῆσδ' — τῆς δδοῦ] Resulting from (by reason of) this journey. Cf. O. R. 44. τὰς ξυμφορὰς — τῶν βουλευμάτων.

1507. Cf. Eur. Orest. 790. τί τόδε καινὸν αὖ λέγεις; νέορτον] Cf. Fr. 788.

1508. ῥοπή βίου μοι] Cf. O. R. 961. σμικρὰ παλαιὰ σώματ' εὐνάζει ῥοπή. Tr. 82. ἐν οὖν ῥοπή τοιαῦθε κειμένω, Eur. Hipp. 1162. Ἴππόλυτος οὐκέτ' ἔστιν, ὡς εἰπεῖν ἔπος, | δέδορκε μέντοι φῶς ἐπὶ σμικρᾶς ῥοπῆς. Monost. 465. ῥοπή 'στιν ἡμῶν ὁ βίος. ἄπερ ξυνήγησα] I. e. τούτων ἄπερ ξυνήγησα.

1510. ἐν τῷ δὲ κείσαι —;] Quo indicio confidis? (Dind.) Cf. Tr. 1186. ἐν τῷ διέγνωσ τοῦτο τῶν εἰρημένων; El. 774. Arist.

Eq. 1209. τῷ δῆτ' ἄν ὑμᾶς χρησάμενος τεκμηρίω | δόξαιμι κρίνειν — σοφῶς; Aesch. Ag. 272. τί γὰρ τὸ πιστόν ἐστι τῶνδ' ἐσσι τέκμαρ; Eur. Hel. 1195. ἐν τῷ δὲ κείσαι συμφορᾶς; Iph. A. 1343. οὐκ ἐν ἀβροτήτι κείσαι κτλ. Andr. 26.

1514. ὧ πολλὰ βροταὶ διατελεῖς] Cf. Ant. 1046. οἱ πολλὰ δεινοί. Phil. 254. ὧ πόλλ' ἐγὼ μοχθηρός. Aj. 909. ὁ πάντα κωφός. El. 1326. ὧ πλεῖστα μῶροι. τὰ πολλὰ — βέλη] Cf. El. 931. τὰ πολλὰ — κτερίσματα.

1515. σκήψαντα] Cf. Tr. 1087. ἐγκατάσκηπον βέλος. Herod. VII. 16. ἐς οὐκίματα τὰ μέγιστα — ἀποσκήπτει τὰ βέλεα. χειρὸς ἐξ ἀνικήτου] From his invincible hand. βέλη] Tela. Cf. Tr. 1657. Aesch. Pr. 917. τινάσσω τ' ἐν χειροῖν πύρριπτον βέλος. Arist. Av. 1714. πτεροφόρον Διὸς βέλος. Virg. G. I. 332.

1516. πολλὰ — κοῦ ψευδόφημα] Cf. Tr. 1277. Eur. Alc. 705. ἀκούσει πολλὰ κοῦ ψευδῆ κακά.

1517. Cf. 1716. τίς ἄρα με πότμος — ἐπαμμένει; Ant. 1296. τίς ἄρα με πότμος ἔτι περιμένει;

1519. γήρως ἄλυπα] Cf. 786. κακῶν ἄνατος. El. 1002. ἄλυπος ἄτης. etiam supra 727. Aesch. Sept. 679. ἄ — τῆδε κείσεται πόλει] Cf. Ant. 485. εἰ ταῦτ' ἀνατὶ τῆδε κείσεται κρήνη.

1520. γῶρον — ἐξηγήσομαι] I will lead the way to the place.

1521. ἄδικτος ἡγητήρος] Without taking hold of a guide. Cf. Aesch. Eum. 683. κερδῶν ἄδικτον — βουλευτήριον. Tr. 686. ἀκτῖνος — ἄδικτον (pass.). Eur. Hipp. 1006. ἐνὸς δ' ἄδικτος. Sic O. R. 969. ἄψαντος ἔγχους. 885. Δίκας ἀφόβητος. Ant. 847. φίλων ἄκλιαντος. Aj. 910. ἄφρακτος φίλων.

1523. κέκευθε] Cf. El. 868. κέκευθεν. Ant. 911. ἐν Ἄιδου — κεκευθότων. Aj. 634. Ἄιδα κεύθων. κείται] Cf. Thuc. II. 43. τὸν τάφον — ἐν ᾧ κείται. Matth. Ev. XXVIII. 6.

1524. πολλῶν ἀσπίδων] Cf. Eur. Phoen. 78. πολλὴν ἀθροίσας ἀσπίδ' Ἀργείων. Herod. V. 30. ὀκτακισχίλην ἀσπίδα Ναξίων εἶναι. Xen. An. I. 7. 10. ἀσπίς μυρία καὶ τετρακοσία. ἀλκήν] Cf. Hesiod. Op. 200. κακοῦ δ' οὐκ ἔσεται ἀλκή.

1525. δορός — ἐπακτοῦ] Cf. Tr. 259. σιρατὸν λαβὼν ἐπακτόν. Aesch. Sept. 583. πόλιν πατρῶαν καὶ θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς | πορθεῖν, σιράτενμ' ἐπακτόν ἐμβεβληκότα. 1019. Eur. Suppl. 712. στερορὸν δόρον | σπαρτῶν τόδ' ἀνδρῶν. Phoen. 1088. Ἀργείου δορός.

1526. ἐξάγιστα] Sacra. Schol. ἀντὶ τοῦ ἀγνά καὶ μὴ οἶά τε ῥηθῆναι. Hesych. ἐξάγιστα: πάντα τὰ ἱερά καὶ ἀφωσιωμένα, ἃ οὐχ οἶόν τε ἐκκομίζεσθαι τῶν ἱερῶν· ἔτι δὲ ἀγνά ἀπέδοσαν. Dem. p. 798, 6. τοὺς πονηροτάτους καὶ τοὺς ἐξαγίστους ὀνομαζομένους. μῆδ' ἐκινεῖται λόγῳ] Cf. 624. Ant. 1060. ὄρσεις με τάκνητα διὰ φρενῶν (?) φράσαι.

1529. Cf. Tr. 1115. κλυθί μου στέργων δμωσ.
 1530. σῶζε] Cf. Tr. 682. Aesch. Prom. 523. Eur. Suppl. 916.
 Hel. 265. www.libtool.com.cn
 1531. τῷ προφεργάτῳ] Cf. Fr. 399. ἡ γὰρ φλήη ἔγὼ τῶνδε τοῦ προφεργέτου. Aesch. Pr. 770. παῖδα φέριτερον πατρός.
 1532. Cf. Phil. 131. τῶν αἰεὶ λόγων. Aesch. Pr. 973. θῶπτε τὸν κρατοῦντ' αἰεὶ. Eur. El. 1262. νικᾶν ἴσαις ψήφοισι τὸν φεύγοντ' αἰεὶ. Herod. II. 98. τοῦ αἰεὶ βασιλεύοντος Αἰγύπτου. II. 168. ταῦτα τοῖσι αἰεὶ δορυφορέουσι ἐδίδοτο. IV. 10. τοὺς αἰεὶ βασιλέας γινόμενους Σκυθίων. Plat. Prot. p. 219. τῷ αἰεὶ ἐπιθυμοῦντι. Xen. Cyr. VII. 1. 47. ὁ αἰεὶ βασιλεύων.
 1533. χοῦτως ἀδῆον —] Confer Eurysthei verba Eur. Suppl. 1032. καὶ σοὶ μὲν εὐνοὺς καὶ πόλει σωτήριος | μέτοικος αἰεὶ κείσομαι κατὰ χθονὸς κτλ. ἀδῆον] I. q. ἀδῆατον. Cf. Aesch. Sept. 264. λάφυρα δῆων. Cho. 626. δῆοισιν.
 1534. σπαρτῶν —] Cf. Aesch. Sept. 412. 474. Eum. 410. Eur. Phoen. 795. etc. αἱ δὲ μυρίαὶ πόλεις —] Cf. Ant. 317. τοὺς πλείονας | ἀτωμένους ἴδοις ἂν ἢ σεσωσμένους. 676. τῶν δ' ὀρθομένων | σώζει τὰ πολλὰ σώμαθ' ἢ πειθαρχία. Eur. Hec. 306. ἐν τῷδε γὰρ κάμνουσιν αἱ πολλαὶ πόλεις. Xen. An. II. 1. 19. εἰ μὲν τῶν μυρίων ἐλπίδων μία τις ὑμῖν ἔστι σωθῆναι. Arist. Thesm. 927. αἱ μυρίαί — μηχαναί.
 1535. οἰκῆ] Administer. Cf. Plat. Legg. III. 702 A. πῶς ποτ' ἂν πόλις ἀριστα οἰκοίη;
 1536. εἰσορῶσ'] Visit, avenge. Cf. 1370.
 1540. ἐπείγει] Urgel. Cf. Ph. 1451. δδ' ἐπείγει γὰρ κατὰ πρύμναν. τοῦκ θεοῦ παρὸν] Cf. 1694. τὸ φέρον (παρὸν?) ἐκ θεοῦ. Phil. 149. πειρῶ τὸ παρὸν θεραπεύειν.
 1541. ἐντροπέωμεθα] Schol. ἐπιστροφώμεθα, coll. Homericο ἐντροπαλίζεσθαι.
 1543. αὔ — καινός] Cf. 1507. Eur. Orest. 790. τί τότε καινὸν αὔ λέγεις; Med. 705. τόδ' ἄλλο καινὸν αὔ λέγεις κακόν. Tro. 707. El. 1121. Hipp. 866.
 1546. μοῖρ'] Sc. ἐστί. Cf. El. 376. οὐ γὰρ σε μοῖρα πρὸς γ' ἐμοῦ πεσεῖν. O. R. 376. κρηφθῆναι] Sepeliri. Cf. 621.
 1547. Cf. Eur. Fr. 779, 10. τῆδε στροφ' ἄσμα, τῆδε. 841. Tro. 1024. Phoen. 1720. τᾶδε τᾶδε βᾶθί μοι, τᾶδε πόδα τίθει, πάτερ. Arist. Ran. 301. ἴθ' ἤπερ ἔρχει.
 1548. Ἐρμῆς ὁ πομπὸς] Cf. Phil. 133. Ἐρμῆς δ' ὁ πέμπων δόλιος ἠγγήσατο νῶν. Aj. 832. καλῶ δ' ἅμα | πομπάιον Ἐρμῆν χθόνιον εὔ με κοιμίσαι. El. 1396. Aesch. Cho. 612. νιχχάνει δὲ νιν Ἐρμῆς. Eur. Med. 760. ἀλλά σ' ὁ Μαιᾶς πομπάιος ἀναξ | πελάσειε δόμοις. Aliquando ψυχπομπὸς appellatur Ἐρμῆς.

1549. φῶς ἀφεγγές] O light no more light to me. Sic ὕπνος ἄυπνος Phil. 848. Cf. Aesch. Prom. 115. δδμά — ἀφεγγής (ἀφραστός?). Ut hic Oedipus, sic Ajax moriens soli valedicit Aj. 856.

1551. τὸν τελευταῖον] Proleptice positum. Cf. 1200. Aj. 517. El. 242.

1554. κάπ' εὐπραξία] Cf. Aesch. Sept. 1007. ἐπ' (propter) εὐνοία χθονός. Eur. Iph. A. 1523. κλήσωμεν Ἄρτεμιν — ὡς ἐπ' εὐτυχεῖ πότμῳ. Iph. T. 1490. ἔπ' ἐπ' εὐτυχία etc.

1555. μέμνησθε] Imperativus.

1556 sq. Cf. Ant. 1199. αἰτήσαντες ἐνοδίαν θεὸν | Πλούτωνά τ' ὀργὰς εὐμενεῖς κατασχεθεῖν. Hom. Il. 9, 357. Ζεὺς τε καταχθόνιος καὶ ἐπαινή Περσεφόνηια. 565. κικλήσκουσι Ἄϊδην καὶ ἐπαινήν Περσεφόνηϊαν. τὰν ἀφανῆ θεὸν] Cf. Pind. Fr. 207. Ταρτάρου πνυθμὴν πιέζει σ' ἀφανούς. Aesch. Sept. 859. τὰν ἀνάλιον πάνδοκον εἰς ἀφανῆ τε χέρσον.

1557. λιταῖς σεβίζειν] Cf. 1007. θεοὺς — τιμαῖς σεβίζειν. Eur. El. 196. εὐχαῖσι θεοὺς σεβίζουσι.

1559. ἐννυχίων ἀναξ] Cf. Tr. 501. τὸν ἐννυχον Ἄϊδαν. Eur. Alc. 1159. νερτέρων τῷ κοιράνῳ.

1560. Tres molossi, ut videtur, ut in Aesch. Prom. 693.

Αἰδωνεῦ] Cf. Aesch. Pers. 641. Ἄϊδωνεὺς δ' ἀναπομπὸς ἀνείης Ἄϊδωνεὺς Δαρεῖον.

1561. ἐπιπόνῳ] Cf. Tr. 644. ἐπίπονον ἀμέραν. 829. ἐπίπονον λατρεία. βαρναχεῖ] Cf. Aesch. Eum. 145. ἐπάθομεν πάθος δυσαχές.

1562. ἐξανύσαι] Cf. Tr. 657. πρὶν τάνδε πρὸς πόλιν ἀνύσει. Aj. 607. Eur. Suppl. 1142. ποτανοὶ δ' ἤγνσαν τὸν Ἄϊδαν. Eur. Or. 1701. λαμπρῶν ἄστρων πόλον ἐξανύσας.

1563. τὰν παγκευθῆ — νεκρῶν πλάκα] Cf. 1682. ἄσκοποι δὲ πλάκες ἔμαρναν | ἐν ἀφανεῖ τινι μόρῳ φερόμεναι. 1577. νερτέρας — νεκρῶν πλάκας. παγκευθῆ —] Cf. Aj. 1194. τὸν πολύκοινων Ἄϊδαν. Ant. 804. 810.

1565. μάταν] Undeservedly, without reason. Cf. 1451. Connecte ἄν cum αὔξοι.

1566. σφε] Cf. ad Ant. 1319. αὔξοι] Cf. 1455. Eur. Med. 962. κείνης ὁ δαίμων κείνα νῦν αὔξει θεός. Hesiod. Op. 6. δεῖτα δ' ἀρίζηλον μινύθει καὶ ἄδηλον ἀέξει (Ζεὺς).

1568. σῶμα — θηρὸς] Cf. Virg. G. III. 369. 'corpora magna boum.' Aen. VII. 18. 'formae magnorum ululare luporum.' Lucret. II. 1150. 'ferarum ingentia corpora.' θηρὸς] Cf. Tr. 1098. Ἄϊδον τρίκρανον σκύλακα. Hesiod. Th. 311. Κέρβερον ὠμηστῆν, Ἄϊδεω κῦνα χαλκεόφωνον. Eur. Alc. 370. ὁ Πλούτωνος κῦων.

1570. πολυξένοις] Cf. Aj. 1193. τὸν πολύκοινων Ἄϊδαν. Ant. 804. τὸν παγκοῖταν — θάλαμον. Aesch. Suppl. 157. τὸν Ζαργέα,

τὸν πολυξενότατον Ζῆνα τῶν κεκμηκότων. Sept. 860. πάνδοκον εἰς ἀφανῆ τε χέρσον. Phocylid. 107. κοινὰ μέλαθρα δόμων αἰώνια καὶ πατρὶς Ἄιδης, | βουνὸς χωῶρος ἄπασι. Eur. Suppl. 800. κοινὸν ἐς Ἄιδην καταβᾶσα. Homerus Orcum πολυδέγμονα et πολυδέκτην appellat, Aeschylus (Prom. 159.) νεκροδέγμονα.

1571. εὐνάσθαι] Cf. Fr. 581. πόλλ' ἐν κακοῖσι θυμὸς εἰνηθεὶς δρᾶ. Hinc εὐνήτρια Tr. 922. κνυεῖσθαι] Cf. ad Ar. Vesp. 977.

1574. Schol. τὸν Κέρβερον ἐξευμενίζομαι (ἐξευμενίζονται? cf. ad 1560.) τῷ ξένῳ δρωμμένῳ καὶ περῶντι νεκρέρας νεκρῶν πλάκας ἀβλαβῶς ὑπαντήσαι. ὦ Γᾶς παῖ καὶ Ταρτάρου] In Trach. 1099. Cerberus Ἐχίδνης θρέμμα appellatur. Secundum Hesiodum Cerberus Echidnae et Typhonis proles fuit. Cf. ad Tr. 1099. 1111.

1575. ἐν καθαροῦ βῆναι —] Cf. Hom. Il. 8, 491. ἐν καθαροῦ (ἀγορὴν ποιήσατο), ὅθι δὴ νεκρῶν διεφαίνετο χωῶρος. 10, 199. Arist. Eccl. 320. ἐν καθαροῦ. Pind. Ol. X. 60. Liv. 24, 14. 'campus purus ac patens.' Pluralis ἐν καθαροῖς est Plat. Legg. X. 910 A.

1576. νεκρέρας — πλάκας] Cf. Eur. Alc. 47. κἀπάξομαι γε νεκρέραν ὑπὸ χθόνα.

1578. σέ τοι κικλήσκω] Cf. Soph. Aj. 1228. σέ τοι, σὲ τὸν τῆς αἰχμαλωτίδος λέγω. Arist. Av. 406. σέ τοι καλῶ. τὸν αἰὲν ἄϋπνον] Sic 1765. αἰὲν ἄλυπον. O. R. 905. τάν τε σάν ἀθάνατον αἰὲν ἀρχάν. Supra 685. ἄϋπνοι κρηναί. Aj. 881. Ph. 848. Eur. Med. 480. δράκοντά θ', δε πάγχρυσον — δέρας — ἔσωζε — ἄϋπνος ὦν. Aesch. Ag. 1450. τὸν αἰε — ἕπνον.

1579. ξυνομοπάτως] Cf. ad El. 124. Eur. Iph. Aul. 379. σωφρονεστέρας. Suppl. 967. γηράσκω δυνατοσιάτως (?). Iph. T. 1375. εὐλαβεστέρας. Arist. Lys. 419. εὐρυτέρας. Arist. Fr. 321. ἀμεινώως. Herod. III. 143. εὐπετεστέρας. Plat. Legg. 867 D. ἡμερωτέρας. Xen. Eq. I. 6. ὑγροτέρας. Isocr. Or. XV. § 181. δικαιοτέρας. § 208. κομποτέρας. § 297. ἐρρωμενεστέρας. Sed Thuc. II. 97. τὰ ξυνομόματα.

1580. λέξας Οἰδίπουν δλωλότα] Cf. El. 676. θάνοντ' Ὀρέστην — λέγω. Aesch. Cho. 670. τεθνεῶντ' Ὀρέστην εἰπέ.

1581. ἐν βραχεῖ] Sc. λόγῳ. (Phil. 435. λόγῳ δέ σ' ἐν βραχεῖ | τοῦτ' ἐκδιδάξω. Eur. Or. 440. ὡς θάνω· βραχὺς λόγος.) Cf. 586. El. 673. ἐν βραχεῖ ξυνηθεὶς λέγω. Eur. Or. 724. οἰχόμεσθ', ὡς ἐν βραχεῖ σοι τὰμὰ δηλώσω κακά. Hel. 1522. ὡς ἂν ἐν βραχεῖ μάθης.

1583. ὡς λειπότα — ἐξέπισασο] Cf. O. R. 848. ἀλλ' ὡς φανέν γε τοῦπος ὧδ' ἐπίσασο. 955. ἀγγελῶν | ὡς οὐκ ἔτ' ὄντα Πόλυβρον, ἀλλ' ὀλωλότα. Phil. 253. εἰδὸτ' ἴσθι μ' ὦν ἀνιστορεῖς. El. 882. 1341. Tr. 289. Aesch. Ag. 672. λέγονσιν ἡμᾶς ὡς ὀλωλότας.

λειπότα — βίον] Cf. El. 1131. ὡς ὄφελον πάροινεν ἐκλιπεῖν βίον. Phil. 1158. Eur. Suppl. 693. πρὸς ἀρμάτων τ' ἀγαῖσι λιπόντων βίον. Phoen. 1249. νείσεσθε βίον μὴ λιπόντες ἐνθάδε. Hec. 1017. ἀπολέμω δὲ χειρὶ λείψεις βίον. Med. 146. θανάτῳ κατα-

λυσαίμαν | βιοτὰν στυγεράν προλιπούσα. Or. 937. ἀπτόχειρι δὲ σφαγῇ | ἐπέσχει' — λείπειν βίον.

1584. τὸν αἰεὶ βίον] Cf. 1701. Aj. 343. τὸν εἰσαεὶ λεηλατήσῃ χρόνον. El. 1075. Eur. Or. 207. ἄγαμος — βίον εἰς τὸν αἰεὶ ἔλκω χρόνον. Eur. Phoen. 1537. τὸν αἰεὶ χρόνον.

1585. θεία — τύχη] Cf. Fr. 197. θεία τύχη. Ph. 1326. ἐκ θείας τύχης.

1587. σὺ που παρὼν κάτοισθα] Cf. El. 1244. εὖ δ' ἐξοισθα πειραθεῖσά που. Ph. 553. οὐδὲν σὺ που κάτοισθα —. παρὼν] As you were present. Imperfecti participium. Cf. Tr. 431. ὅς σοῦ παρὼν ἤκουσεν ὡς κτλ. 422. Ant. 1192. παρὼν ἐρῶ. Aesch. Pers. 266. καὶ μὴν παρὼν γε κοῦ λόγους ἄλλων κλύων, | Πέροσαι, φράσαιμ' ἄν οἱ' ἐπορσύνθη κακά. Plat. Tim. 17. ὅσα δὲ μὴ (μεμνήμεθα) σὺ παρὼν ὑπομνήσεις. Arist. Vesp. 872.

1588. ὑφηγητῆρος οὐδενός] Sub. ὄντος. Cf. O. R. 966. ὄν ὑφηγητῶν ἐγὼ | κτεεῖν ἔμελλον πατέρα τὸν ἐμόν. 1260. ὡς ὑφηγητοῦ (ὄφ' ἤγητοῦ L.) τινός | πύλαις διπλαῖς ἐνήλατ'. Supple ὄντος. et ad O. C. 502.

1590. καταρράκτην] Cf. Fr. 347. Fr. 648. Lucian. Cont. 19. ὑπὸ κρουνοῦ τι καταρράττοντι. Dem. p. 1259. δάξαντες εἰς τὸν βόρβορον. Herod. V. 16. θύρην καταπακτὴν (καταρράκτην?). Cf. etiam v. συρράσσειν τι (confligere) Xen. 4, 3, 19. 7, 5, 16. et ἐπιρράσσειν supra 1503. O. R. 1244. Hinc δαγδαῖος. ὀδὸν] Cf. Hom. Od. 7, 89. ἀργύροισι δὲ σταθμοὶ (σταθμοὶ δ'?) ἐν χαλκῶν ἔστασαν οὐδῶ. Hesiod. Th. 749. ἀμειβόμεναι μέγαν οὐδὸν | χάλκεον.

1591. γῆθεν] Cf. El. 453. Aesch. Sept. 247. Eum. 904. Eur. Tro. 1106. Ion. 269.

1594. ξυνθήματα] Schol. ὑπομνήματα τῆς πίστεως κτλ. Idem fere quod πιστώματα. Cf. Aesch. Ag. 651. ξυνώμοσαν — καὶ τὰ πίστ' ἐδειξάτην. Cho. 888. πιστὰ δ' εὐορκώματα. 964. ὄρκος τ' ἐμμένει πιστώμασι. Eum. 214. Ἦρας τελείας καὶ Διὸς πιστώματα.

1595. ἀφ' οὗ μέσος στάς —] Cf. Alciph. Fr. 3. μέση γὰρ ἔστηκα ἀπὸ τῆς Ἀφροδίτης καὶ τοῦ Ἔρωτος. Hom. Il. 7, 277. μέσση ἀμφοτέρων. Eur. Ph. 583. τῶνδ' ἐν μέσση πεσεῖν. τοῦ τε Θεορικίου πέτρου] Cf. Herod. VII. 216. κατὰ Μελάμπρον τε καλεούμενον λίθον. Arist. Ran. 194. παρὰ τὸν Αὔαινον λίθον (ἀνάμενε). Sic etiam Κόρακος πέτρη in Hom. Od. 13, 408.

1596. λαῖνον τάφον] Cf. Arist. Ach. 27. λαῖνων σταθμῶν (trag).

1597. ἔλυσε] He loosed. Cf. Tr. 923. λύει τὸν αὐτῆς πέπλον.

δουσιναῖς στολάς] Cf. Arist. Ach. 426. δουσιναῖς πεπλώματα (trag).

1598. ἀύσας παῖδας] Ab αὐτεῖν. Cf. O. R. 1260. δεινὸν δ' ἀύσας. El. 830. μηδὲν μέγ' ἀύσης. Tr. 565. ἐκ δ' ἦυσ' ἐγώ. Eur. Fr. 781, 5. γαμηλίους | μολπὰς αὐτεῖ. Hom. Od. 9, 65. πρὶν τινα τῶν δειλῶν ἐτάρων τρίς ἔκαστον αὐσαι. Theocr. XXIV. 47. δμῶσας δὴ τότε αὐσεν κτλ. Sic βοᾶν (to shout) et βοᾶν τινα (to call

any one). ἐντῶν ὑδάτων] Cf. Aj. 883. ἐντῶν Βοσπορίων ποταμῶν. Aesch. Ag. 1408. ἐντᾶς ἐξ ἄλός. Eum. 452. ἐντοῖς πόροις. Eur. Ion. 118. ἐντᾶν ἀέναον παγάν. Hipp. 653. ἐντοῖς νασμοῖσιν. Πυτὸς α ἔξω formatum ut χυτὸς α χέω.

1599. λουτρὰ καὶ χοάς] Cf. El. 84. πατὴρ χέοντες λουτρά.

1600. εὐχλόου Δήμητρος] Cf. ad Arist. Lys. 835. παρὰ τὸ τῆς Χλόης. Eupol. II. 502. θῦσαι γὰρ με δεῖ | κριὸν Χλόη Δήμητρι. Pausan. I. 22. 3. Eust. p. 772, 62. προσόφιον πάγον] Cf. Ant. 1110. εἰς ἐπόφιον τόπον. Aesch. Ag. 307. πορθμοῦ κάτοπτον προῶνα. Eur. Hipp. 30. κατόφιον | γῆς τῆσδε ναὸν Κύπριδος καθέισατο.

1601. Cf. ad 1640. 1676. Arist. Ran. 565. νῶ δὲ δεισάσα (δεισάσαι al.) γέ που — ἀνεπηδήσαμεν.

1602. ταχεῖ — ἔν χρόνῳ mss. βραχεῖ — recte Reisig. Cf. Tr. 395. σὺν χρόνῳ βραδεῖ (l. βραχεῖ) μολῶν. 201. σὺν χρόνῳ. τάσδ' ἐπιστολάς — πόρευσαν] Cf. Aesch Cho. 674. ἐφειμάς τάσδε πόρθμευσον πάλιν. Eur. Iph. T. 735. ὄρκον δότω μοι τάσδε πορθμύσειν γραφάς | πρὸς Ἄργος. λουτροῖς — ἐξήσκησαν] Cf. Ant. 900. θανάοντας αὐτόχειρ ἑμᾶς ἐγὼ | ἔλουσα κἀκόσμησα κἀπιτυμβίους | χοάς ἔδωκα. 1201. καὶ τὸν μὲν — λούσαντες ἄγρον λουτρὸν — συγκατήθομεν. El. 1139. κοῦτ' — λουτροῖς σ' ἐκόσμησ' οὔτε παμφλέκτου πυρὸς | ἀνεἰλόμην, ὡς εἰκὸς, ἄθλιον βάρος.

1603. ἐσθῆτί τ' ἐξήσκησαν] Cf. Aesch. Pers. 182. πέπλοισι Περσικοῖς ἠσκημένη. Eur. Ion. 326. εὐ γὰρ ἠσκησαι πέπλοισι. Hel. 1539. ναυφθόροις ἠσθημένον (leg. ἠσκημένον) | πέπλοισιν. 1398. πέπλους δ' ἀμείψασ' ἀντὶ ναυφθόρου στολής | ἐγὼ νῦν ἐξήσκησα. Eur. El. 1071. κατόπτρῳ πλόκαμον ἐξήσκεις κόμης. Rhos. 922. ὀργάνοισιν ἐξήσκημένα. Proprie ἐξήσκησαν tantum ad ἐσθῆτι pertinet, per zeugma vero etiam ad λουτροῖς. Cf. ad El. 435.

1604 sq. Similiter 1610. ὁ δ', ὡς ἀκούει — εἶπεν.

1604. δρωῶντας] Suspectum. Cf. 1644. τὰ δρωόμενα.

1605. ἀργόν] Infectedum. Cf. O. R. 287. οὐκ ἐν ἀργοῖς οὐδὲ τοῦτ' ἐπραξάμην (τοῦτο προυθέμην?). Eur. Phoen. 778. ἐν δ' ἐστὶν ἡμῖν ἀργόν.

1606. κτύπησε] Cf. 1607. O. R. 1249. γοῶτο. Tr. 903. βρυχάτο. 915. φρούρουν. El. 715. φορεῖθ'. 716. φείδοντο. Aesch. Pers. 376. τροπούτο. 458. κυκλοῦτο. Cho. 736. θέτο. 930. κάνες. Eur. Hec. 1152. Τρώων κόραι | θάκουν. Bacch. 1064. κυκλοῦτο. 1132. γυμνοῦντο. Ζεὺς χθόνιος] I. e. Πλούτων. Cf. Aesch. Suppl. 147. 228. Prom. 993. Aesch. Fr. 376. Eur. Hipp. 1201. El. 748. Arist. Av. 1750. Hom. Il. 9, 457. Ζεὺς τε καταχθόνιος. Virg. Aen. IV. 638. 'Stygiū Jovem.' Sil. Ital. VIII. 116. 'Nigro forte Jovi etc.'

1607. ῥίγησαν] Cf. Hom. Il. 12, 208. Τρώες δ' ἐρρίγησαν ὅπως ἴδον αἰόλον θυῖν. Verbum non alibi apud Atticos repertum. Atticorum est ῥιγοῦν, cuius aoristus est ἐρρίγωσα (Arist. Pl. 847.).

1608. οὐδ' ἀνέσαν] Nor did they relax (cease). Cf. El. 229. El. 721. Eur. Or. 691. *διαν δ' ἀνῆ πνοᾶς (δῆμος), | τύχους ἀν αὐτοῦ ξαδίως δσ' ἀν θέλης.* Usitatio constructio est cum genitivo (Eur. Med. 457. οὐκ ἀνίης μωρίας. Hipp. 285. ἀνήσω — προσθυμίας), aut cum participio (Iph. T. 318. οὐκ ἀνιέμεν πέτρους βάλλοντες).

1610. φθόγγον — πικρὸν] Cf. Phil. 189. *πικρᾶς οἰμωγᾶς.* Aj. 500. *πικρὸν πρόσφθεγμα.* Ant. 423. *πικρᾶς δρονιδος δξὲν φθόγγον.* Eur. Phoen. 890. *πικροὺς γόους.* Tro. 441. *πικρὰν Ὀδυσσεῖ γῆρυν.* 1227. *πικρὸν ὄδυρμα.* Aesch. Cho. 385. *πενκάεντ' ὄλολυγμὸν ἀνδρός.* Arist. Pac. 805. *πικροτάτην ὄπα.*

1614. *τὴν δυσπὸνήτην ἔξει' ἀμφ' ἐμοὶ τροφήν]* Cf. El. 1144. *τροφῆς — τὴν ἐγὼ θάμ' ἀμφὶ σοὶ — παρέσχον.* Aesch. Pers. 515. *ὦ δυσπὸνήτε (δυσφόρητε aut δυσκόμοστε?) δαῖμον.*

1615. ἀλλ' ἐν γὰρ —] Cf. 985. *ἀλλ' ἐν γὰρ οὖν ἔξοιδα.*

1616. *λύει — μοχθήματα]* I. e. amovet. Cf. El. 939. *τῆς νῦν παρούσης πημονῆς λύσεις βάρους.* Aesch. Sept. 259. *λύουσα πολεμίων φόβον.* Sic ἀνάγκας *λύειν* Eur. Suppl. 39. *καμάτους λύειν* Anth. Pal. IX. 708. 2.

1617. Cf. Ant. 304. *εἴπερ ἴσχει Ζεὺς ἔτ' ἐξ ἐμοῦ σέβας. τὸ γὰρ φιλεῖν —]* Cf. Tr. 463. *οὐδ' ἂν εἰ κάρτ' ἐντακείῃ τῷ φιλεῖν.*

1619. *τὸ λοιπὸν ἤδη —]* Cf. Phil. 454. Tr. 168. 921. 81. *τὸν λοιπὸν ἤδη βίον εὐαίων' ἔχειν.* El. 782. Aesch. Pers. 697. *βίον εὐαίωνα — διήγαγες.* Eur. Med. 1037. *λυπρὸν διάξω βίον.* 1355. *τερπνὸν διάξειν βίον.* Phoen. 1521. *μόνα αἰῶνα διάξουσα.* Alc. 943. *οὐδεὶς ἄλυπος τὸν βίον διήγαγεν.* Arist. Vesp. 1006. *ὦσθ' ἡδέως διάγειν τὸν λοιπὸν χρόνον.* Eccl. 240. *εὐδαιμονοῦντες τὸν βίον διάξετε.* Plat. Resp. II. 372 D. *οὕτω διάγοντες τὸν βὸν βίον ἐν εἰρήνῃ.* Sic Latine 'vitam transigere, traducere.'

1620. *τοιαῦτ' ἐπ' ἀλλήλοισιν —]* Praepositio ἐπὶ supervacanea videtur. Cf. ad Tr. 934. *ἀμφιπίπτων στόμασιν.* Aesch. Ag. 326. *ἀμφὶ σώμασιν πεπωκότες.*

1621. *λύγη]* Cf. Arist. Ach. 690. *εἶτα λύζει καὶ δακρύει.* Confer *βύζην* (Thuc.).

1622. *ὠρώρει βοή]* Sic apud Homerum *ἀντή, δρυμαγδός, κόναβος, δμαδος καὶ δοῦπος, ἀλαγητός, κυδοιμός, κλαγγή* (ὠρώρει). Aesch. Ag. 653. *ἐν νυκτὶ δυσκύμαντα δ' ὠρώρει κακά.* 1407. Sept. 86. Hom. Il. 18, 497. *ἐνθα δὲ νεῖκος | ὠρώρει.* Apoll. Rhod. IV. 1697.

1624. *θῶψεν]* Cf. Aesch. Pr. 285. *οὐκ ἀκούσαις ἐπεδούξας. ὀρθίας στήσαι — τριγας]* Cf. 1465. Aesch. Sept. 564. *τριχὸς δ' ὀρθίος πλόκαμος ἴσταιται (μοι) κτλ.* Cho. 29. *ὀρθόθριξ φόβος.* Eur. Hel. 638. *γέγηθα, κρατὶ δ' ὀρθίους ἐθειράς | ἀνεπτέρωκα.* Hom. Il. 24, 359. *ὀρθαὶ δὲ τριγες ἔσταν ἐνὶ γναμπιοῖσι μέλεσσιν.* Aesch.

Hesiod. Scut. 391. *δρθάς δ' ἐν λοφιῇ φρίσσει τρίχας*. Plat. Ion. 535. *δρθαί αἱ τρίχες ἴστανται ὑπὸ φόβον καὶ ἡ καρδία πηδᾷ*. Soph. Fr. 791. *δρθόκρωτος φρίση*. Virg. Aen. IV. 280.

1625. Cf. Tr. 175. *ᾧσθ' — ἐκητῶν ἐμὲ | φόβω — ταρβοῦσαν*. Ph. 225. *καὶ μὴ μ' ὄκνω | δεισαντες ἐκπλαγῆτ' ἀπηγριωμένον*. Eur. Herc. 971. *οἱ δὲ ταρβοῦντες φόβω | ᾧρουον ἄλλος ἄλλοσ'*. Ant. 269. *κάρα νεῦσαι φόβω*.

1627. Cf. Eur. Alc. 252 sq. Arist. Lys. 605 sq. *ᾧ οὔτος οὔτος Οἰδίπους*] Cf. Aj. 89. *ᾧ οὔτος Αἴας*. Arist. Vesp. 1364. *ᾧ οὔτος οὔτος, τυφεδανὲ καὶ χοιρόθλιψ*. Av. 1238. *ᾧ μῶρε μῶρε*. Aesch. Cho. 642. *ᾧ παῖ παῖ*. Lucian. Herm. 58. *ᾧ οὔτοι*.

1628. *πάλαι δὴ —*] Cf. Eur. Fr. 579. *πάλαι πάλαι δὴ σ' ἐξερωτῆσαι θέλων, κτλ*. Arist. Av. 921. Eur. Med. 1116. *πάλαι δὴ, τὰπὸ σοῦ βραδύνεται*] Cf. El. 1501. *ἡ δ' ὁδὸς βραδύνεται*. 1464. *καὶ δὴ τελεῖται τὰπ' ἐμοῦ*.

1629. *ὡς ἐπήσθεται —*] Cf. Eur. Cycl. 419. *ὡς ἐπησθόμην*. Virg. Aen. II. 377. 'sensit medios delapsus in hostes.'

1630. *αὐδᾷ μολεῖν*] Cf. 864. *αὐδᾷ σιωπᾶν*. Aesch. Sept. 1042. *αὐδᾷ πόλιν σε μὴ βιάζεσθαι τάδε*. Eur. Herc. 498. *ἐγὼ δέ σ', ᾧ Ζεῦ, — αὐδᾷ — ἀμύνειν*. οἱ] Schol. *ἀντι τοῦ πρὸς αὐτὸν (αὐτόν)*. οἱ] Cf. Aj. 906. Tr. 650. El. 196.

1632. *δὸς μοι χερὸς σῆς πίσιν*] Cf. Ph. 813. *ἐμβαλλε χερὸς πίσιν*. Tr. 1182. *ἐμβαλλε χεῖρα δεξιὰν πρῶτιστά μοι*. | *ΥΔ. ὡς πρὸς τί πίσιν τήνδ' ἄγαν ἐπιστρέφεις*; Eur. Her. 308. *δὸτ', ᾧ τέκν', αὐτοῖς χεῖρα δεξιὰν δότε, | ὑμεῖς τε παισὶ*. Med. 21. *δεξιᾶς | πίσιν μεγίστην*. Arist. Nub. 81. *κύσον με καὶ τὴν χεῖρα δὸς τὴν δεξιάν*.

1633. *καταίνεσον*] Assenti, pollicere. I. q. *συναίνεσον*. Cf. 1637. Fr. 893. *καταίνεσαντες* (i. e. *συγκαταθέμενοι*, Suid.). Aesch. Cho. 706. *καταίνεσαντα*. Eur. Iph. A. 695. Herod. VI. 62. *καταίνει ταῦτα*.

1634 sq. Cf. 1774. *δράσω καὶ τάδε καὶ πάνθ' ὀπόσ' ἂν | μέλλω πρᾶσσειν πρόφορᾷ δ' ὑμῖν κτλ*.

1634. *τελεῖν δ' ὅσ' ἂν μέλλης*] Supple *τελεῖν*. Sic Eur. Med. 753. *πράξασ' ἃ μέλλω* (sc. *πράξειν*).

1635. Cf. Phil. 131. *δέχου τὰ συμφέροντα τῶν ἀελ λόγων*.

1636. *ὄκτου μέτα*] Cum lamentatione. Cf. Aesch. Sept. 51. *ὄκτος δ' οὔτις ἦν διὰ στόμα*.

1637. *ὄρκιος*] Jurejurando obstrictus. Anglice with an oath. Cf. Ant. 305. *ὄρκιος δέ σοι λέγω*. Phil. 1324. *Ζῆνα δ' ὄρκιον καλῶ*. 811.

1639. *ἀμανραῖς χερσίν*] Angl. dark (not guided by sight). Sic *τυφλῆ χεῖρ* Eur. Phoen. 1699. Cf. 182. *ἀμανρῶ κώλω*. Tr. 565. *ψάνει ματαίαις χερσίν*. Eur. Fr. 362, 32. *ἀλλ', ᾧ τέκνον, μοι δὸς χερ', ὡς θίγη πατήρ*. *ὦν παιδῶν*] Cf. Tr. 266. *τῶν ὦν τέκνων*.

525. τὸν δὲν προσμένονα' ἀκότιαν. Aj. 442. τῶν ὄπλων τῶν ὧν πέρι. O. R. 1248. τοῖς ὄσιν αὐτοῦ.

1640. ὧ παιδεῖ] Pluralis ὧ παῖδες est 1667. τλάσα —] Cf. El. 943. τλήθαι σε δρῶσαν ἂν ἐγὼ παρανέσω. Ph. 474. ὄμως δὲ τλήθι· τοῖσι γενναίοισι τοι —. 50. δεῖ σ' — γενναῖον εἶναι. Eur. Alc. 627. ἔργον τλάσα γενναῖον τόδε. Supra 8. τὸ γενναῖον. 569. τὸ σὸν γενναῖον. 1042. τοῦ τε γενναίου χάριν. Eur. Fr. 1066, 2. ἡ δ' εὐγένεια καὶ τὸ γενναῖον μένει. 232, 4. τὸ τοῦ πατρὸς γενναῖον.

1643. ἔρπεθ' ὡς τάχιστα] Hinc apparet non tantum lentum incessum, sed etiam celerem, verbo ἔρπειν significari.

1644. ἐξαπείδομεν] Mirum compositum, nusquam, ni fallor, alibi occurrens.

1645. εἰσηκούσαμεν] Paruimus. Nisi pro φωνήσαντες reponendum sit προσφωνούντος.

1646. ἀστακί] Schol. ἀστακί· πολυστακί, πολυδακρύτως. Cf. 1251. ἀστακί. Ant. 413. ἐγερετὶ ἀποφρητί. Pind. N. VIII. 15. ἀβοατί (ῖ). Arist. Eccl. 464. ἀστενακί. Plat. Legg. IX. 854 C. ἀμψασορεπί. Plut. ἀγελασί. Legg. IV. 601 G. ἀνιδιτί. Herod. II. 118. ἀνωμοτί. Dem. p. 797. ἀποφρητί. Isocr. p. 315 D. ἀνεγκλητί. Aj. 1227. ἀνομωκί (in arsi). Lucian. Cont. 1. ἀδακρυτί. Ἀστακί legitur etiam Plat. Phaed. 66. Philostr. V. Apoll. III. 17. Heroic. X. 8. Aelian. H. A. X. 17. Suid. Adde ἀκλαντί, ἀκηρυκτί, ἀφρικτί, ἀναιμακτί, ἀναιμωτί, ἀκονιτί, ἀπονητί, ἀμελλητί, ἀτιμωρητί, ἀπνευστί, ἀνιδρυτί, ἀμογητί, ἀθεωρητί, ἀκλητί, ἐγερετί, ἀνωϊστί, ἀνουθητητί, ἀκριτί. Duo tantum per diphthongum ei in fine scribi oportere putat Blomf. in Gl. Prom. 216., nempe αὐτοβοεὶ et fortasse αὐτοετεί. Quibus addere debebat ἀβλαβεί. In his adverbii littera finalis plerumque brevis est, aliquando longa (Lex. Segner. p. 432. Bekk.).

1647. ἀστακί — στένοντες] Cf. 1710. αἰετὶ γὰρ δμμα σε τόδ' — ἐμὸν στένει δακρῶν.

1650. δμμάτων ἐπίσκιον] Cf. Tr. 914. καγὼ λαθραῖον δμμ' ἐπεσκιασμένη | φρούρου. χεῖρ' ἀντέχοντα κρατὸς] Cf. Phil. 830. δμμασι δ' ἀντίσχοις τάνδ' αἴγλαν ἃ τέταται τανῦν. (Ubi ἀντέχειν dativum regit.) Hom. Od. 4, 114. δάκρυ δ' ἀπὸ βλεφάρων χαμάδις βάλε πατρὸς ἀκούσας, | χλαῖναν πορφυρέην ἀντ' ὀφθαλμοῖν ἀνασχών. Od. 1, 334. ἄντα παρειάων σχομένη.

1651. δεινοῦ τινος φόβου —] Cf. Ant. 951. ἃ μοιριδία τις δύνασις δεινά.

1652. ἀνασχετοῦ βλέπειν] Cf. O. R. 792. γένος — ἀτλητον — δρᾶν.

1653. βαιὸν οὐδὲ σὺν χρόνῳ] Cf. 397. ἤξοντα βαιοῦ κοῦχλῖ μυρίου χρόνου. Tr. 334. βαιὸν ἀμμείνασα. Ant. 1078. φανεί γὰρ οὐ μακροῦ χρόνου τριβὴ κτλ. Schol. βαιόν: ἀντὶ τοῦ μετ' ὀλίγον, οὐ μετὰ πολὺ. Sic παλαιὸν (παλαιὸν ἐξ ὅτου etc.).

1654. γῆν τε προσκνυῖνθ'] Cf. Phil. 533. El. 1374. Aesch. Pers. 500. γαῖαν οὐρανὸν τε προσκνυῖν. Hom. Od. 5, 463. κύσε δὲ ζεῖδωρον ἄρουραν Arist. Eq. 156. ἔπειτα τὴν γῆν πρόσκνυσσιν καὶ τοὺς θεοὺς. Pl. 771. καὶ προσκνυῶ γε πρῶτα μὲν τὸν ἥλιον, | ἔπειτα σεμνῆς Παλλάδος κλεινὸν πέδον, κτλ.

1655. ἐν ταυτῷ λόγῳ] Cf. El. 1088. ἐν ἐνὶ λόγῳ.

1659. ἐξέπραξεν] Interfecit. Schol. ἀνεῖλεν. I. q. ὤλεσεν. Cf. Aesch. Ag. 1275. ἐκπράξων ἐμέ. Eur. Hec. 515. πῶς καὶ νιν ἐξεπράξατ';

1661 sq. Cum his confer narrationem de Amphiarai morte apud Pind. N. IX. 24. ὁ δ' Ἀμφιάρη σχίσσεν κεραννῶ παμβία Ζεὺς τὰν βαθύστερον χθόνα κρύψεν θ' ἄμ' ἵπποις. et El. 836 sq.

1661. ἀλύπητον] Anglice, without causing pain, activo sensu ut ἀνάληγτος.

1662. ἀλύπητον] Cf. Tr. 167. ζῆν ἀλυπήτω βίῳ (ἀλύπητον βίον?).

1663. στενακτός] Confer αἰακτός Aesch. Pers. 931. Eur. Phoen. 1321. στενακτὰν ἱακτὰν — θρηνήσω. σὺν νόσοις ἀλγεινός] Cf. O. R. 17. οἱ δὲ σὺν γήρα βαρεῖς. Ant. 809. οὔτε φθινάσι πληγείσα νόσοις. Mimnerm. Fr. 6. αἶ γὰρ ἄτερ νούσων τε (με?) καὶ ἀργαλέων μελεδῶνων | ἐξηκονταέτη μοῖρα κίχιο θανάτου. Aelian. H. A. IX. 62. τὸν βίον κατέστρεψε — ἀλγῶν οὐδὲ ἔν.

1664. εἴ τις βροτῶν θαυμαστός] Cf. Tr. 7. ὄκνον | ἄλγιστον ἔσχον, εἴ τις Αἰτωλῆς γυνή. Aj. 488. Theocr. Epigr. XVI. 4. Elmsl. ad O. C. 733. Valck. ad Phoen. 1589.

1665 sq. Cf. Aj. 1038. διὰ δὲ μὴ τάδ' ἐστὶν ἐν γνώμῃ φίλα, | κείνός τ' ἐκείνα στεργέτω κἀγὼ τάδε. Ant. 469 sq.

1666. παρείμην] Schol. παραχωρήσοιμι. Cf. Eur. Med. 892. παριέμεσθα καὶ φαρμὲν κακῶς φρονεῖν. Tim. Lex. παριέμαι: παραιτοῦμαι.

1667. οἱ προπέμψαντες φίλων] Cf. Ant. 765. τοῖς θέλουσι τῶν φίλων. Xen. An. I. 5. 15. σὺν τοῖς παροῦσι τῶν πιστῶν. προπέμψαντες] Cf. Aesch. Sept. 1062. μήτε προπέμπειν ἐπὶ τύμβον. 1072. καὶ ξυνθάρομεν | αἶδε προπομποί. Pers. 530.

1668. ἀσημιον] I. q. ἀσημος. Tr. 866. ἡχεῖ τις οὐκ ἀσημιον — κωκυτόν. Ant. 1004. περῶν γὰρ ροῖβδος οὐκ ἀσημος ἦν. Sic δμαιομος et δμαίμων.

1671. οὐ τὸ μὲν, ἄλλο δὲ μὴ] Cf. Eur. Hel. 647. (952?) δυοῖν γὰρ ὄντοι οὐχ ὁ μὲν τλήμων, ὁ δ' οὐ. Phoen. 1665. Aesch. Pers. 807. συμβαίνει γὰρ οὐ τὰ μὲν, τὰ δ' οὐ. Herod. II. 37. οὐκ ὁ μὲν, ὁ δ' οὐ, ἀλλὰ πάντες. Pind. N. VII. 54. λαχόντες ὁ μὲν τὰ, τὰ δ' ἄλλοι. ἔμφυτον — αἶμα] Scelestum patris satum. (Brunck.) Cf. O. R. 1406. αἶμ' ἔμφύλιον. Eur. Fr. 444, 2. τῶν ἐμφύτων τε καὶ θεηλάτων κακῶν.

1672. πατὴρ — ἄλαστον αἷμα] Cf. ad 538. ἔπαθον ἄλαστ' ἔχειν (ἄχη?).

1673. ὄτινι] Cf. Aesch. Ag. 1367. Sic ἦστινος Eur. Hipp. 903. οἴστοι Arist. Pac. 1279.

1674. πόνον — εἴχομεν] Cf. Eur. Iph. T. 310. πᾶς ἀνὴρ ἔσχεν πόνον | βάλλων —.

1675. ἐν πυμάτῳ] Postremo. Anglice, at the last. Cf. 1235. O. R. 663. ἀλόγιστα πεπόνθαμεν] Cf. Eur. Hec. 1080. δεινὰ δεινὰ πεπόνθαμεν.

1676. ἰδόντε καὶ παθούσα] Cf. Dem. p. 471, 13. ἰδόντες καὶ παθόντες.

1677. ἔστι μὲν εἰκάσαι] Cf. Arist. Pac. 118. ἔστι τι τῶνδ' ἐτύμως; —. TP. δοξάσαι ἔστι, κόραι.

1679. πόθῳ λάβοις] Paullo aliter Herod. I. 165. ἔλαβε πόθος τε καὶ οἰκτος (αὐτοῦς).

1680. τί γὰρ —;] Quid enim? Cf. 542. Aesch. Ag. 1210. καὶ τῶνδ' ὁμοιοι εἶ τι μὴ πείθω· τί γὰρ; Cho. 867. οὐχ ὥστ' ἀρῆξαι διαπεπραγμένῳ· τί γὰρ; Eum. 675. Eur. Or. 476. Suppl. 54. 119. 124. ὄτω — ἀντέκνωσ'] Cf. 99.

1681. ἄσκοποι — πλάκες] Cf. 1577. νερετέρας — νεκρῶν πλάκας. 1564.

1683. ἐν ἀφανεῖ τινι μόρῳ φερόμενον] Cf. Ant. 1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς διεφθάρης; El. 486. ἃ νιν κατέπεφνεν αἰσχίσταις ἐν αἰκίαις. Hom. Il. 2, 302. οὐς μὴ κῆρες ἔβαν θανάτιο φέρουσαι. 834. κῆρες γὰρ ἄγον μέλανος θανάτιο. Od. 14, 207. Hinc κηρεσιφόρητος Il. 8, 527. Virg. Ecl. V. 34. 'postquam te fata tulerunt.'

1684. νῦξ ἐπ' ὄμοισιν βέβακε] Cf. Eur. Alc. 270. πλησίον Ἄιδας· οκοτία δ' ἐπ' ὄμοισι νῦξ ἐφέρει. βέβακε] Versatur. Anglice rests. Cf. 1052. ὦν — κλῆς ἐπὶ γλώσσῃ βέβακεν.

1685. ἀπίαν γᾶν] Notanda est primae syllabae in ἀπίαν productio, quam constanter corripit Homerus in locutione ἀπίης γῆς.

1686. πόντιον κλύδων'] Cf. Tr. 100. ἢ ποντίους αὐλῶνας (ναίει). γᾶν — ἀλώμεναι] Cf. Eur. Hel. 598. πᾶσαν πλανηθεὶς τήνδε βάρβαρον χθόνα. Xen. Ephes. V. 14. πολλὴν γῆν πλανηθεῖσα καὶ θάλασσαν. Theocr. XIII. 66. ἀλώμενος ὄσο' ἐμόγησεν | ὄρεα καὶ θρυμῶς. Callim. H. Dian. 235. κούρας | ὄρεα πλαζομένας ἀξείνια. 193. ἐφοίτα | παῖταλά τε κρημονούς τε.

1687. βίον δύοισιτον ἔξομεν τροφάν] Cf. Ph. 690. πῶς ἄρα πανδάκροντον — βιοτὰν κατέσχευ. Aj. 499. δουλίαν ἔξεν τροφήν. El. 1183. φεῦ τῆς ἀνύμφου θυσμόρον τε σῆς τροφῆς. Aesch. Ag. 1041. δουλίας μάτῃς τυχεῖν.

1688. Cf. Ant. 275. κάμῃ — πάλος καθαιρεῖ τοῦτο τὰγαθὸν λαβεῖν. Ph. 331.

1689. κατὰ με φόνιος αἶδας ἔλοι] I. q. καθέλοι. Cf. Aj. 516.

καὶ μητέρα' ἄλλη (αἰνή?) μοῖρα τὸν φύσαντά τε | καθέειλεν Ἄιδου
θναοσίμους οἰκήτορας.

1690. ἀδᾶς] Sors fatalis. Cf. q. μοῖρα. Cf. Aj. 517.

1691. βίος οὐ βιωτός] Cf. Aeschin. 17, 17. ἀβίωτον ἡγούμενος
εἶναι τὸν λοιπὸν βίον ξημαντῶ. De Falsa leg. ἀβίωτον εἶναι μοι
τὸν βίον νομίζων. Antiphont. 122, 16. ἀβίωτον τὸ λοιπὸν τοῦ
βίον διάξω. Arist. Pl. 970. ἀβίωτον εἶναι μοι πεποίηκε τὸν βίον.
Eur. Ion. 670. ἀβίωτον ἡμῖν. Her. 606. οὐ βιώσιμον.

1692. ὦ διδύμα — ἀρίστα] Dualis numeri feminini generis
vocativi. Construe ὦ διδύμα ἀρίστα τέκνων.

1693. τὸ παρὸν ἐκ θεοῦ] I. q. τὸ θεῖον, τὰ θεῖα (Arist. Av.
961. τὰ θεῖα μὴ φανῶς φέρε). Cf. 1540. τοῦκ θεοῦ παρὸν. Ph.
149. πειρῶ τὸ παρὸν θεραπεύειν. Plat. Gorg. 499 C. ἀνάγκη μοι
— τὸ παρὸν εὖ ποιεῖν. Ad rem cf. Phil. 1316. ἀνθρώποισι μὲν
ἐκ θεῶν | τύχας δοθείσας ἔστ' ἀναγκαῖον φέρειν. Fr. 521. χρεῶν |
τὰ θεῖα θνητοὺς ὄντας εὐπειτῶς φέρειν. Eur. Phoen. 393. δεῖ φέρειν
τὰ τῶν θεῶν. 1776. τὰς γὰρ ἐκ θεῶν ἀνάγκας θνητῶν ὄντα δεῖ
φέρειν. Her. 618. τὰ θεῶν φέρε. Thuc. 2, 64. φέρειν τε χρῆ τὰ τε
δαιμόνια ἀναγκαῖως κτλ.

1695. οὔτοι κατάμεμπτ' ἔβητον] Anglice, you have not
fared so badly. Cf. O. R. 882. εἰ δέ τις ὑπέροπτα χερσὶν ἢ λόγῳ
πορεύεται, κτλ. Similiter fere Aesch. Suppl. 1062. τὰ θεῶν μηδὲν
ἀγάζειν. φλέγεσθον] Suspectum. Schol. μὴ ἄκρω φλέγεσθε τὸ
ἐκ θεοῦ πεμφθὲν δυσανασχέτως φέρουσαι. Quae explicatio parum
satisfacit.

1696. οὔτοι κατάμεμπτ' ἔβητον] Sic ὑπέροπτα πορεύεσθαι
O. R. 883. Schol. οὔτοι κατάμεμπτος ἔβη (καταμέμπτως ἔβητον?),
οὐκ ἐν τοιοῦτοις ἔστ' ὥστε καταμέμψεσθαι. Cf. El. 1093. μοῖρα
μὲν οὐκ ἐν ἔσθλῃ βεβῶσαν. 1056. δταν γὰρ ἐν κακοῖς | ἤδη βεβή-
κης, κτλ. 979. εὐ βεβηκόσιν ποτέ. O. C. 1359. Phil. 1465. καὶ μ'
εὐπλοῖα πέμνον ἀμέμπτως. Aesch. Suppl. 266. πράξας ἀμέμπτως.
624. Eur. Her. 610.

1698. Qu. καὶ γὰρ δ μηδὰμ' ἔφν καλὸν ἦν φίλον. Cf. Eur.
Phoen. 814. οὐ γὰρ δ μὴ καλὸν οὔποι' ἔφν καλὸν.

1699. ὁπότε γε καὶ τὸν —] Latet in his corruptela. Proba-
bilis est Heimsoethii correctio ἕως γ' ἔτ' αὐτὸν —.

1700. ὦ φίλος] Cf. Arist. Nub. 1168. ὦ φίλος, ὦ φίλος. O. R.
1321. ἴω φίλος.

1701. τὸν ἀεὶ κατὰ γᾶς σκότον —] Cf. 1584. El. 1075. Aj.
342. τὸν εἰσαεὶ — χρόνον. Aesch. Ag. 1450. μόλοι τὸν ἀεὶ φέ-
ρουσ' ἐφ' ἡμῖν | Μοῖρ' ἀτέλετον ὕπνον. Plat. Symp. 208. κλέος εἰς
τὸν ἀεὶ χρόνον ἀθάνατον καταθέσθαι. Eur. Phoen. 810. δ κατὰ
χθονὸς Ἄιδας. Hipp. 836. τὸ κατὰ γᾶς κλέφας. Suppl. 799. τῶν
κατὰ χθονὸς νεκρῶν. Eur. Fr. 533. δ δ' ὑπὸ γᾶς ἄδου σκότος οὐδ'
εἰς ὄνειρον ἠδὺς ἀνθρώποις μολεῖν. εἰμένος] Cf. Eur. Tro. 496.

τροχηρά περὶ τροχηρὸν εἰμένην χροά | πέπλων λακίσματ'. Vocabulum nusquam alibi in Tragoedia repperit.

1702. Connecte οὐδὲ cum ποτὲ (οὐδέποτε). Cf. 451. 177. O. R. 870. οὐδὲ μὴ ποτε λάθα κατακοιμάσῃ. El. 1052. Tr. 621. Ph. 611.

1704. ἔπραξεν ὅλον ἠθέλεν] Cf. Aj. 968. ὦν γὰρ ἠρόσθη τυχῆιν | ἐκτίσαθ' αὐτῷ, θάνατον ὄνπερ ἠθέλεα. Eur. Or. 1345. ἔπραξεν οἷα χρὴ πράσσειν κακούς.

1707. κοίταν — εὐσκίαστον] Cf. 406. ἦ καὶ κατασκιδῶσι (καῖμ' ἐπισκιδῶσι?) Θηβαίᾳ κόνει;

1716. τίς ἄρα με πότμος — ἐπαμμένει;] Cf. Ant. 1296. τίς ἄρα τίς με πότμος ἔτι περιμένει; Aesch. Prom. 626. τέκμηρον δ τι μ' ἐπαμμένει παθεῖν. Pers. 812. οὐ σφιν κακῶν ὕψιστ' ἐπαμμένει παθεῖν.

1720. ἔλυσεν τὸ τέλος — βίου] Cf. Tr. 1171. ἔφρασκε μόχθων ἔμοι λύσιν τελεῖσθαι.

1723. κακῶν — δυσάλωτος] Cf. Aesch. Prom. 166. τὰν δυσάλωτον — ἀρχάν.

1724. συνῶμεν] Cf. συνθείς.

1725. ὡς τί δέξομεν;] Pro δέξωμεν secundum usum Epicum, ut μήσομαι pro μήσωμαι Tr. 974. et ἀλέξεται pro ἀλέξῃται. O. R. 171. Hom. Il. 15, 297. στείομεν, ὡς κε πρῶτον ἐρούσομεν ἀντιάσαντες. Od. 14, 400. ἀλεύεται (pro ἀλεύῃται). Cf. Ph. 1206. ὡς τίνα δέξῃς παλάμαν ποτέ; 1191. τί δέξοντες —; ἡμερος ἔχει με — ἰδεῖν] Cf. El. 542. ἦ τῶν ἐμῶν Ἄιδης τιν' ἡμερον (Ἄιδην τις ἡμερος?) τέκνων — ἔσχε δαίσασθαι πλέον; Arist. Ran. 59. τοιοῦτος ἡμερός με διαλυμαίνεται. 66. τοιοντοσὶ τοίνυν με δαρδάπτει πόθος | Εὐρυπίδου. Herod. I. 30. ἡμερος ἐπέιρεσθαί μοι (al. με) ἐπῆλθε.

1726. χθόνιον ἐστίαν] Cf. Eur. Rhés. 288. αὐτόρριζον ἐστίαν χθονός.

1730. τί τόδ' ἐπέπληξας;] Cf. Aesch. Prom. 79. τὴν δ' ἐμὴν ἀνθαδίαν | ὀργῆς τε τραχύτητα μὴ 'πέπλησέ μοι. Cic. Phil. III. 6. 'ignobilitatem objicit C. Caesaris filio.'

1733. καὶ τότε] Cf. Ant. 417. ἐπενάριξον] Cf. Tr. 94. νῦν ἐναριζομένα (?). Ant. 1288. δλωλότ' ἄνδρ' ἐπεξεργάσω.

1735. ἔρημος ἄπορος] Leg. ἔρημον ἄπορον. Cf. ad v. 1718.

1736. αἰῶνα τλάμον' ἔξω] Cf. 1687. βίου δύσοιστον ἔξομεν τροφάν. El. 1085. πάγκλαυτον αἰῶνα — εἴλου. Ph. 1348. ὦ στυγνός αἰών. 690. Aesch. Pers. 717. βίοντον εὐαίωνα — διήγαγες.

τὸ μὴ πίτνειν] Cf. Fr. 152. ἐγὼ δ' ὃ φεύγεις, οὐ τὸ μὴ κλύειν κακῶς. et ad Ant. 263.

1737. τρέσητε μηδέν] Cf. Ant. 84. ἀλλ' οὐν προμηνύσης γε τοῦτο μηδενί. El. 432. προσάψης μηδέν. Ph. 332.

1740. πίτνειν κακῶς] Hac de locutione cf. ad Aesch. Agam. 32. τὰ δεσποτῶν γὰρ εὐ πεσόντα θήσομαι (πεσόντ' ἐπίσταμαι?).

1742. ὅπως μολούμεθ' —] Cf. Ant. 271. οὐ γὰρ εἶχομεν — ὅπως δρῶντες καλῶς | πράξαιμεν. Eur. Fr. 738, 2. πολλοὶ γεγῶτες ἄνδρες οὐκ ἔχουσ' ὅπως δειξοῖν (log. δειξουσιν) αὐτοὺς κτλ. μολούμεθ'] Cf. Aesch. Prom. 689. μολεῖσθαι.

1743. μηδέ γε μάτενε] Cf. El. 1347. οὐχὶ ξυνήης; ΗΛ. οὐδέ γ' ἐς θυμὸν φέρω.

1744. καὶ πάρος] Ut in 1739.

1745. τοτὲ μὲν — τοτὲ δ'] Cf. Dinarch. c. Dem. c. 72. τὰς πόλεις τοτὲ μὲν εὖ τοτὲ δὲ φανύλως πράττειν. Sed v. annot. crit. Ὑπέρφεν legitur Aesch. Pers. 825. Ag. 385. Eur. Ph. 559. τοτὲ δ' ὑπερθεν] Dind.: 'Plus quam Nempe sensu (Ph. 1277.). Cf. Eur. Med. 650. μόχθος δ' οὐκ ἄλλος ὑπερθεν ἢ γὰς πατριᾶς στέρεσθαι. Sed corrigendum suspicor τάδε δ' ὑπέρφεν. Cf. Paul. II. Epist. Cor. XI. 5. τῶν ὑπερλίαν ἀποστόλων.

1746. πέλαγος — ἐλάχεται ἄτης] Cf. Tr. 663. 118. βίοντον πολύπονον ὡσπερ πέλαγος Κρήσιον. Eur. Hipp. 822. κακῶν — πέλαγος. Suppl. 826. κακῶν πέλαγος. Ion. 927. κακῶν — κῆμα. Herc. 1088. Aesch. Suppl. 470. ἄτης δ' ἄβυσσον πέλαγος οὐ μάλ' εὐπορον | τόδ' ἐσβέβηκε. Eur. 439. αἰαῖ, κακῶν δὴ πέλαγος ἔρρωγεν μέγα Πέρσαις —. Sept. 758. κακῶν δ' ὡσπερ θάλασσα κῆμ' ἄγει. Pr. 1051. κακῶν τρινημία. et O. R. 1366. εἰ δέ τι προσβύτερον ἐτι κακοῦ κακόν, τοῦτ' ἔλαχ' Οἰδίπους. Arist. Th. 1070. τί ποτ' Ἄνδρομέδα περιᾶλλα κακῶν | μέρος ἐξέλαχον; (Eur.).

1748. ποῖ μόλωμεν —;] Cf. Aj. 404. ποῖ τις οὖν φύγη; ποῖ μολῶν μὲνω; 1006. El. 812.

1749. Cf. El. 958. εἰς τίν' ἐλπίδων | βλέψασ' ἔτ' δροθήν;

1752. ξυνά] Simul. Sic κοινὰ (in common) Ant. 546. μή μοι θάνης σὺ κοινά. Aj. 577. χάρις ἢ χθονία] Cf. 1776.

1753. νέμεσις γάρ] Cf. El. 1467. εἰ δ' ἔπεστι νέμεσις, οὐ λέγω. Hom. Il. 3, 156. 14, 80. οὐ γὰρ τις νέμεσις φυνγείην κακόν. Virg. Aen. IV. 349. 'Quea tandem Ausonia Tenauros considerare terra | invidia est?'

1754 sq. Cf. Eur. Her. 33. ἰκέται καθεζόμεσθα βῶμοι θεῶν | προσωφελῆσαι. 345. ἰκέται μένοντες ἐνθάδ' εὖ πράξαι πόλιν. Iph. A. 1242. προσπίτνον σοι] Cf. Eur. El. 576. μέλλεις προσπίτνειν τοῖς φιλάτοις; Sed Phoen. 931. τί προσπίτνεις με; Alc. 165. πανύστατόν σε προσπίτνονσ' αἰτήσομαι.

1755. τίνος —;] Cf. 1170. μή μου δεηθῆς. ΘΗ. ποίου πράγματος; ἀνύσαι] I. e. ὥστε ἀνύσαι αὐτήν. Cf. Phil. 62. οἶ σ' — οὐκ ἤξίωσαν τῶν Ἀχιλλείων δπλων | ἐλθόντι δοῦναι κτλ. El. 1269. Eur. Med. 1396. φίλιον χρήζω στόματος — προσπύξασθαι. 1435. καὶ τοῦ με χρείας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν;

1757. Cf. 1641. μηδ' ἄ μὴ θέμις | λεύσσειν δικαιοῦν.

1758. θεμιτόν] Cf. ad 1729. O. R. 993. Eur. Or. 97. σοὶ δ' οὐχὶ θεμιτόν πρὸς φίλον στείχειν τάφον; Ph. 615. οὐ θεμιτόν σοι

ματρὸς ὀνομάζειν κάρα. Herod. III. 37. ἐς τὸ οὐ θεμιτὸν ἔστι ἐσιέ-
ναι ἄλλον γε ἢ τὸν ἱερά. V. 72. πάλιν χῶρει μηδ' ἔσιθι ἐς τὸ
ἱρόν· οὐ γὰρ θεμιτὸν Δωριεῦσι παρίεναι ἐνθαῦτα.

1763. θήκη] Cf. El. 896. θήκην πατρός. Aesch. Ag. 454.
θήκας Ἰλιάδος γὰς — κατέχουσιν. Herod. I. 187. νεκρῶν θήκας.

1767. Διὸς δροκος] Cf. O. R. 647. δροκον — θεῶν. Tr. 1239.
θεῶν ἀρά.

1768. κατὰ νοῦν κείνῳ] According to his mind. Cf. Soph.
Fr. 282. πράξιαις | κατὰ νοῦν τὸν ἐμόν. Arist. Pac. 762. πράξας
κατὰ νοῦν. 940. ὡς πάντα — χωρεῖ κατὰ νοῦν. Eq. 550. 598.
Plat. Phil. 26. καὶ μάλα — ἔμοιγε κατὰ νοῦν. Polit. 290. δωρεὰς
θεοῖς κατὰ νοῦν ἐκείνοις δωρεῖσθαι. Tim. 17. ῥηθεῖσα πᾶσι κατὰ
νοῦν. Herod. IV. 97. ἦν τε κατὰ νόον πρήξωμεν. VI. 130. πᾶσι
κατὰ νόον ποιεῖν. VII. 150. ἦν γὰρ ἐμοὶ γένηται κατὰ νόον, κτλ.
Sic κατὰ θυμὸν Callim. H. Apoll. 28. Latine ex sententia (Cic.)
κείνῳ] I. e. Oedipo.

1769. ταῦτ'] Sc. lugere eum non appropinquantes ad tumultum
ejus. ἀπαρκοῖ] Cf. Aesch. Ag. 363. Pers. 475. Eur. Fr. 892, 4.
οὐκ ἀπαρκεῖ πλησμονή.

1770. ὠγγύλιος] Cf. Ph. 142. Aesch. Pers. 967. τὰς ὠγγύλιος
— Ἀθάνας. Eur. Ph. 1120. ὠγγύλια εἰς πυλώματα. Incerta est
vocabuli derivatio. Confer epithetum Κρόνιος. ἐάν πως] Si
forte. Cf. Tr. 584. Plat. Alc. I. 122. μηδὲ τοῦτο ἡμῖν ἄρρητον
ἔστω, ἐάν πως αἰσθῆ οὐ εἰ. Arist. Ran. 175.

1771. ἴοντα φόνον —] Anglice, the impending slaughter.
Cf. El. 374. κακὸν — εἰς αὐτὴν ἴον | ἤκουσα. Ant. 10. στείχοντα
— κακά. 186. αἶτην — στείχουσαν ἀστοῖς.

1774. πρόσφορά θ' ὑμῖν] Cf. El. 227. πρόσφορον — ἔπος.
Arist. Vesp. 737. καὶ μὴν θρέψω γ' αὐτὸν παρέχων | ὅσα πρεσβύτη
ξύμφορα (πρόσφορα?) —. 809. σοφόν γε τουτὶ καὶ γέροντι πρόσ-
φορον —. Eur. Hel. 428. μόνος δὲ νοσιῶ τοῖς ἐνεὶ ζητῶν φίλοις |
τὰ πρόσφορα. Antiph. 62, 1. τὰς προσφόρους | ὑμῖν τροφάς. Aesch.
Cho. 699. Eum. 207. Arist. Eccl. 514. σὸν δ' ἔργον τᾶλλα δι-
δάσκειν, | ὅ τι σοι δρῶσαι ξύμφορον ἡμεῖς δόξομεν ὀρθῶς ὑπα-
κούειν.

1775. νέον] I. q. νεωστί. Cf. Aesch. Pr. 35. ἅπας δὲ τραχὺς
δοσις ἂν νέον κρατῆ (Schol. νεωστί). 39. τῷ νέον θακοῦντι παγκρα-
τεῖς ἔδρας. 991. νέον νέοι κρατεῖτε. Hom. Od. 19, 518. ἔαρος νέον
ἱσταμένοιο. τῷ — πρὸς χάριν] Cf. Antiph. com. III. 152. ὑπῶ —
τι πρώτων πρὸς χάριν.

1777. ἐπὶ — ἐγείρετε] Per tmesin positum pro μηδ' ἐπεγεί-
ρετε πλείω θρηῆνον. Sic Ant. 1107. μηδ' ἐπ' ἄλλοισιν τρέπε. Aesch.
Eum. 434. ἢ κάπ' ἐμοὶ τρέποιτ' ἂν αἰτίας τέλος; Cf. 511. τὸ πάλοι
κείμενον ἤδη κακὸν ἐπεγείρειν.

1779. πάντως] Omnino, utique. Cf. Aj. 1068. πάντως θανόντος γ' ἄρξομεν. ἔχει — κῦρος] I. e. κεκύρωται. Cf. El. 919. Aesch. Suppl. 391. βίβλος οὐκ ἔχουσι κῦρος οὐδὲν ἀμφὶ σοῦ (sc. οἱ νόμοι). Eum. 960. Thuc. V. 38. ἀπερ ἅπαν τὸ κῦρος ἔχουσι.

OEDIPUS REX.

1. ὦ τέκνα Κάδμου] Gl. B. ἀπόγονοι τοῦ Κάδμου. Blanda alloquendi formula: omnium aetatum enim sunt ii quos compellat. Sic Aesch. Eum. 1011. πολισσοῦχοι | παῖδες Κραναοῦ (Athenienses). 633. Αἰγέως στρατῶ (populo). Sept. 1. Κάδμου πολῖται. 302. πόλιν καὶ στρατὸν Καδμογενῆ. Eur. Suppl. 664. Κάδμου λαός. Phoen. 1466. Κάδμου λαός. 808. Καδμογενῆ — γένναν. Epigr. apud Diog. L. II. 6. Κραναοῦ Κέκροπος τε πολῖται. Simili modo Athenienses Ἐρεχθεῖδαι appellatur Eur. Hipp. 150. τοῦ πάλαι νέα τροφή] Cf. O. C. 69. Θησεὺς — τοῦ πρὶν Αἰγέως τόκος. Phil. 3. κρατίστου πατρὸς Ἑλλήνων τραφεῖς. Eur. Cycl. 189. ἀρῶν τροφαί. Virg. Aen. 3, 181. 'seque novo veterum deceptum errore locorum.' Hor. Od. II. 4. 5. 'Movit Ajacem Telamone natum | forma captivae dominum Tecmessae.

2. Cf. Phil. 1173. τί τοῦτ' ἔλεξας; Eur. El. 339. τίνας τούσδ' ἐν πύλαις ὄρῳ ξένους; Herc. 1132. τίν' ὄμνιν τήνδε δέρομαι; Cycl. 222. ἔα, τίν' ὄχλον τόνδ' ὄρῳ —; ἔδρας τάσδε — θοάζετε] Gl. B. προσεδρείας. Ἔδρα hic non sedes significat, sed sessio. Sic κοίτην κείσθαι Aesch. Ag. 1492. κείσθαι — κοίταν τάνδ' ἀνελεύθερον. Porro ἔδρα non tantum sessio significat, sed etiam prostratio, genuflexio (ut supplicantis). Θοάζειν (θάσσειν) ἔδραν autem ut βαδίζειν ὄδον, πίπτειν πτώμα, πηδᾶν πήδημα, etc. Cf. 32. ἐζόμεσθ' ἐφέστιοι 13. O. C. 1166. τίς δῆτ' ἂν εἶη τήνδ' ὁ προσθακῶν ἔδραν; 1157. προσπεσόντα — βρωμῶ καθῆσθαι. 1160. 1163. 841. Aj. 1173. θάκει δὲ προστρόπαιοι. Fr. 109. τυραννίδος | θακοῦσιν αἰσχίστην ἔδραν. Aesch. Eum. 41. ἔδραν ἔχοντα προστρόπαιοι. Suppl. 345. πέφρικα λεύσων τάσδ' ἔδρας κατασκίους. Pr. 389. θακοῦντι παγκρατεῖς ἔδρας. Hel. 895. ὦ παρθέν', ἰκέτις ἀμφὶ σὸν πίτνω γόνυ | καὶ προσκαθίζω θᾶκον οὐκ εὐδαίμονα. Phoen. 300. γονυπετεῖς ἔδρας προσπίτνω σε. Her. 55. ἦ που καθῆσθαι τήνδ' ἔδραν καλήν δοκεῖς. Her. 125. ἰκέται κάθηται. 197. ἤλαντες ἰκέτας βρωμίους καθημένους. 239. Ζεὺς, ἐφ' οὗ (ᾧ?) σὺ βώμιος | θακεῖς νεοσσῶν τῶνδ' ἔχων πανήγυρον. 509. ἰκέτας δαιμόνων καθημένους. 955. ἰκέτας δαιμόνων καθημένους, | τοὺς μὲν γέροντας, τοὺς δὲ νηπίους ἐτι. Hec. 147. Ἴς' Ἀγαμέμνονος ἰκέτις

γονάτων. 923. σεμνὰν προσίζουσ' οὐκ ἦνυσ' Ἄρτεμιν. Or. 345. ἐξό-
 μεσθα δὴ | ἰκέται. Herc. 715. ἰκέτιν πρὸς ἀγνοῖς ἐστίας θάσσειν
 βάρους. 1214. εἰς ἐνὶ σὸν τὸν θάσσοντα δυστήνους ἔδρας | αὐδῶ κτλ.
 Tro. 138. ὦμοι θάκους οὖς θάσσω. Rhes. 512. τοῦτον δ' ὄν ἔζειν
 φῆς σὸ κλωπικὰς ἔδρας, κτλ. Arist. Lys. 1140. ἰκέτης καθέζετο |
 ἐπὶ τοῖσι βωμοῖς. Thesm. 889. τί δὴ σὸν θάσσεις τάσδε τυμβήρεις
 ἔδρας; (Trag.) Pl. 382. ἐπὶ τοῦ βήματος καθεδούμενον | ἰκε-
 τηρίαν ἔχοντα. Thuc. I. 24. ταῦτα δὲ ἰκέται καθεζόμενοι ἐς
 τὸ Ἡραῖον ἐδέοντο. I. 126. 7. καθίζουσιν ἐπὶ τὸν βωμόν ἰκέται.
 III. 75. 4. καθίζουσιν ἐς τὸ Ἡραῖον ἰκέται. Lys. p. 191, 30. ἰκέται
 ἐπὶ τὸν βωμόν (τῶν βωμῶν al.) ἐκαθέζοντο. Herod. I. 45. ἐπὶ
 δύο ἔετα ἐν πένθει μεγάλῳ κατήστο τοῦ παιδὸς ἔστερημένος. II. 113.
 ἰκέται ἰζόμενοι τοῦ θεοῦ. IV. 165. Ἀρνάνδευ ἰκέτις ἔζετο τιμωρῆσαι
 ἔωυτῇ κελύουσα. V. 71. ἰκέτης ἔζετο πρὸς τὸ ἀγαλμα. VI. 108.
 ἰκέται ἰζόμενοι ἐπὶ τὸν βωμόν. VII. 120. ἔζεσθαι ἰκέτας τῶν θεῶν.
 Plut. Per. 31. Μένωνα — πείσαντες ἰκέτην ἐν ἀγορᾷ καθίζουσιν
 αἰτούμενον ἄδειαν etc. Virg. Aen. XI. 349. 'Totamque videmus |
 Consedissee urbem luctu.' Tibull. II. 6. 33. 'Illius ad tumulum
 fugiam supplexque sedebō.' θοάζετε] I. q. θάσσετε. Unde θῶκος
 ut a θάσσειν θῶκος. Cf. Aesch. Suppl. 595. ὑπ' ἀρχᾶς (ἀρχᾶ?)
 δ' οὐδενὸς θοάζων (schol. καθήμενος) κτλ. Empedocl. 52. θάρσει
 καὶ τότε δὴ σοφῆς ἐπ' ἄκροισι θοάζε. Eur. Bacch. 65. θοάζω
 Βρομίω. 219. ἐν δὲ δασκίοις | ὄρεισι θοάζειν. Eur. Or. 1557. προ-
 κηρύσσει θοάζων ὄδ' αἰθέρους ἄνω καπνός. Fr. 949. κῆτος θοάζων
 ἐξ Ἀτλαντικῆς ἁλός. Plutarch. Mor. p. 22 E. τῷ θοάζειν ἢ τὸ κινεῖ-
 σθαι σημαίνουσι, ὡς Εὐριπίδης, ἢ τὸ καθέζεσθαι —, ὡς Σοφο-
 κλῆς (h. l. cit.). Hesych. ἐθοάζειν: ἐκαθέζετο. Grammat. in cod.
 Taurin. ap. Pasin. I. 262. προθοάζοντα: προκαθήμενοι. Verbū
 θοάζειν decies apud Euripidem occurrit, quater sensu transi-
 tivo (impellere), sexies intransitivo (moveri celeriter), ut
 monuit Jebb.

3. ἰκτηρίοις κλάδοισιν —] I. e. θαλλοῖς (olivæ ramis). Cf.
 143. ἄραντες κίτηρας κλάδους. Aj. 1175. ἰκτήριον θησαυρόν 1172.
 Aesch. Cho. 1035. ξὺν τῷδε θαλλῷ καὶ στέφει προσίζομαι | μεσόμ-
 φάλον θ' ἴδρυμα κτλ. Suppl. 22. σὺν τοῖσδ' ἰκετῶν ἐγχειρίδιος
 ἐριοστέπτοις κλάδοισι. 189. λευκοστεφεῖς ἰκτηρίας. Eum. 44. εἰλαίς
 θ' ὑφιγένητον κλάδον | λήναι μεγίστω ('καχίστω?) σωφρόνως ἐστεμ-
 μένον, | ἀργῆτι μάλλῳ. Eur. Suppl. 10. ἰκτηρί θαλλῷ προσπίτνουσ'
 ἔμὸν γόνυ. 113. ἰκεσίοις — κλάδοις. Trag. adesp. 185. λιτήρα θαλ-
 λόν (l. ἰκτηρα —, i. e. τὸν ἰκέσιον). Moschion. Fr. 9, 3. προσίκτην
 θαλλὸν ἠγκαλισμένος | ἔστειχεν. Suppl. 101. ἰκεσίοις δὲ σὺν κλά-
 δοις —. infra 143. ἰκτηρας κλάδους. Her. 71. ἰκέται δ' ὄντες ἀγο-
 ραῖον Διὸς | βιαζόμεσθα, καὶ στέφη μαίνεται. 518. τί δεῦρ' ἀφίκεσθ'
 ἰκεσίοισι σὺν κλάδοις; 36. στέμματα. 357. στέφη. ἐξεστεμμένοι]
 Qu. ἐξηκοήμεγοι αὐτ ἐξωπλισμένοι: ipsi enim rami ἐξεστεμμένοι

erant, non supplices. Schol. rec.: ἀντὶ τοῦ ἰκέτηρός κλάδους στέμματι ἐστεμμένους κατέχοντες. Hom. Il. 1, 14. στέμματ' ἔχων ἐν χερσίν. Eur. Or. 12. ὦ στέμματα (schol. ἔρια) ξήνασ' ἐπέκλωσεν θεά. Arist. Vesp. 475. φορῶν κρασπέδα στεμμάτων (schol. ἐξ ἐρίων). Virg. Aen. VIII. 126. 'Cui me fortuna precari | et vitta cinctos? voluit praetendere ramos.' Liv. 29, 16. 'velamenta supplicum, ramos oleae — porrigentes.' 24, 30. Tacit. Hist. I. 66. Stat. Theb. XII. 492. 'supplicis arbor olivae.'

5. παιάνων τε καὶ στεναγμάτων] Cf. 186. παιὰν δὲ λάμπει στονόεσσά τε γᾶρος δμᾶνλος. Eur. Alc. 423. ἀντηγήσατε | παιᾶνα τῷ κάτωθεν ἀσπόνδῳ θεῷ. Proclum Chrest. p. 381 G. τὸ δὲ παλαιὸν ἰδίως ἀπενέμετο (δ παιὰν) τῷ Ἀπόλλωνι καὶ τῇ Ἀρτέμιδι ἐπὶ καταπαύσει λοιμῶν καὶ νόσων ἄδόμενος. Plut. Anton. 24. ἡ γὰρ Ἀσία πᾶσα, καθάπερ ἡ Σοφόκλειος ἐκείνη πόλις, δμοῦ μὲν θυμιαμάτων ἔγεμεν, δμοῦ δὲ παιάνων τε καὶ στεναγμάτων. Dem. p. 300, 21. χαρᾶς καὶ παιάνων (ἐπαιάνων libri) ἡ πόλις ἦν μεστή. "Joseph. B. Jud. VII. 4. 1. ἅπασα ἡ πόλις ὡς νεῶς ἦν στεφανωμάτων καὶ θυμιαμάτων ἀνάπλεως." (Dind.)

6 sq. Cf. 305. Tr. 391.

7. ἄλλως] I. e. praeterea. Cf. Phil. 38. καὶ ταῦτά γ' ἄλλα θάλλεται ῥάκη. Eur. Herc. 912. μάντιν οὐχ ἕτερον ἄξομαι. Plat. Gorg. § 64. ὑπὸ τῶν πολιτῶν καὶ τῶν ἄλλων ξένων. Xen. Cyr. I. 6. 2. Liv. IV. 40. 'eo missa plaustra jumentaque alia.' II. 17. 'principes securi percussi; sub corona venierunt coloni alii.'

8. ὁ πᾶσι κλεινός] Cf. 40. 1255. O. C. 1446. Aj. 598. πᾶσιν περίφαντος ἀεὶ. Phil. 575. δδ' ἔσθ' ὁ πᾶσι κλεινὸς Οἰδίπους.

9. ἐπεὶ πρόπων ἐφνς] Since you are the proper person etc. Gl. B. πρόπων: ἀρομόζων. Cf. El. 664. πρέπει γὰρ ὡς τύραννος εἰσορᾶν. Aesch. Pers. 252. τοῦδε γὰρ δρόμημα φωτὸς Περσικὸν πρέπει μαθεῖν. Suppl. 719. πρόπουσι δ' ἄνδρες νάιοι — ἰδεῖν. Eur. Alc. 1069. νέα γὰρ, ὡς ἐσθῆτι καὶ κόσμῳ πρέπει. Suppl. 1056. ὡς οὐκ ἐπ' ἀνδρὶ πένθιμος πρόπεις ὄρᾶν. Bacch. 1186.

10. πρὸ τῶνδε φωνεῖν] Cf. O. C. 811. ἀπελθ'· ἐρῶ γὰρ καὶ πρὸ τῶνδε. Eur. Alc. 18. ἦτις ἤθελε | θανεῖν πρὸ κείνου. 326. θάρσει· πρὸ τούτου γὰρ λέγειν οὐχ ἄξομαι. 710. Her. 622. πρὸ τ' ἀδελφῶν καὶ γᾶς. Hom. Il. 8, 57. μάχεσθαι πρὸ τε παίδων καὶ πρὸ γυναικῶν. Herod. I. 152. εἴλοντο πρὸ πάντων λέγειν τὸν Φωκαεά. Act. Apost. 14, 13. ὁ δὲ ἱερεὺς τοῦ Διὸς τοῦ ὄντος πρὸ τῆς πόλεως αὐτῶν ταύρους καὶ στέμματα ἐπὶ τοὺς πυλῶνας ἐνέγκας σὺν τοῖς ὄχλοις ἤθελε θύειν. τίμη τρόπον καθέστατε] In what manner (condition) you are placed. Cf. O. C. 23. ὅποι καθέσταμεν.

11. δείσαντες] Prae metu. Cf. 448. 90. προδείσας. Ant. 1189. δείσασα. στέρξαντες] Having put up with, endured. Gl. B. στέρξαντες: παθόντες. Cf. Phil. 538. προύμαθον στέργειν κακά.

Tr. 992. Eur. Phoen. 1679. τὰμ' ἐγὼ στέρω κακά. ὡς θέλοντος ἄν —] Cf. 145. 523. Tr. 394. δίδαξον, ὡς ἐρποντος, ὡς δρᾶς, ἔμου. O. C. 761. ~~ἀπὸ παντός~~ ἄν φέρων | λόγου δικαίου μηχανήματα ποικίλον. 83. 965. Phil. 407. ἔξοιδα γὰρ γιν παντός ἄν λόγου | γλώσση θιγόντα. Ant. 1171. Eur. Hipp. 519. πάντ' ἄν φοβηθεῖς ἴσθι. Plat. Euth. 4. προστιθεῖς ἄν ἡδέως (μισθόν). Isocr. Epist. IX. 6. δυνηθεῖς ἄν — διαλεχθῆναι. Lucian. Herm. 28. ὡς τάχα ἄν τὴν ἀρίστην ἐλομένους.

12. προσαρκεῖν] Opem ferre. Cf. 141. O. C. 72. δυσάλγητος] Unfeeling. I. q. ἀνάληγτος (Aj. 946.). Cf. Fr. 866, 2. δστις γὰρ ἐν κακοῖσιν ἰμεῖρος βίου | ἢ δειλός ἐστιν ἢ δυσάλγητος φρένας. Alio sensu Eupol. 410. δύσαλγητον (i. e. δύσοιστον). Confer ἀνάληγτος, δυσθρήνητος, δυσδάκρυτος.

13. Cf. Eur. Her. 282. μάτην γὰρ ἦβην ὠδέ γ' ἄν κεκτώμεθα | πολλὴν ἐν Ἄργει μὴ σε τιμωρούμενοι. Xen. An. VI. 4. 19. οὐκ ἄν ἐφη ἐξαγαγεῖν, μὴ (μὴ οὐ?) γιγνομένων τῶν ἱερῶν. Herod. VI. 106. εἰνάτη δὲ οὐκ ἐξελεύσεσθαι ἔφασαν μὴ οὐ πλήρους ἐόντος τοῦ κύκλου.

14. κρατύνων — χώρας] Cf. Ph. 1161. μηκέτι μηδενὸς κρατύνων ὄσα πέμπει βιόδωρος αἰα. 366. 1059. Eur. Bacch. 660. Πενθεῦ, κρατύνιον τῆσδε Θηβαίας χθονός.

15. προσήμεθα βωμοῖσι —] Cf. Eur. Suppl. 92. βωμίαν ἐφημένην.

16. βωμοῖσι τοῖς σοῖς] Schol. ὡς γὰρ ἐπὶ θεοῦ βωμούς πάρεσιν ἐπὶ τοὺς πρὸ τῶν βασιλείων ἰδρυμένους. Cf. Eur. Alc. 171. πάντας δὲ βωμούς οἱ κατ' Ἀδμήτῳ δόμους | προσῆλθε καξέστερε καὶ προσῆξάτο. οἱ μὲν — σθένοντες] Hoc non necessario de infantibus intelligendum est, sed de adolescentulis utriusque sexus.

οἱ μὲν —] Cf. Hom. Od. 11, 38. νύμφαι τ' ἠἴθεοί τε πολύτλητοί τε γέροντες | παρθενικαὶ τ' ἀταλαί, νεοπενθέα θυμὸν ἔχουσαι. Similiter apud Horatiam (I. Serm. VI. 74.) juvenes, senes, et pueri simul commemorantur. οὐδέπω —] Cf. Eur. Herc. 71. οἱ θ' Ἡράκλειοι παῖδες, οὗς ὑποπιτέρους | σώζω νεοσσούς, δρῆς ὡς ὑφειμένη (ἐφημένη, αὐτ ὑφειμένους?).

17. Cf. Hom. Il. 8, 518. παῖδας πρωθήσας πολιοκροτάφους τε γέροντας | λέξασθαι περὶ ἄστυ θεοδμήτων ἐπὶ πύργων | θηλύτεροι δὲ γυναικες — πῦρ μέγα καύοντων. σὺν γῆρα βαρεῖς] I. e. 'graves annis', ut scribit Horatius Sat. I. 1. 4. Cf. Aj. 1017. ἐν γῆρα βαρός. Tr. 235. νόσφ βαρύν. Arist. Ach. 220. τῷ παλαιῷ Λακροτείδῃ τὸ σκέλος βαρύνεται. Theocr. XXIV. 100. βαρός περ ἐὼν ἐνιαυτοῖς. Virg. Aen. IX. 246. 'annis gravis.' O. C. 1663. σὺν νόσοις ἀλγεινός. Phil. 1223. σὺν σπουδῇ ταχύς. 185. ἐν τ' ὀδύνας ὀμοῦ | λιμῷ τ' οἰκτρός.

18. ἠθέων] Cf. Eur. Phoen. 945. οὐ γὰρ ἐστιν ἠθεος. Eupol. II. 561. κόρη — ἠθεος. Soluta forma ἠθεος legitur in choricis

Eur. Iph. A. 171. Hom. Il. 18, 593. *ἐνθα μὲν ἡΐθεοι καὶ παρ-
θῆνοι ἀλφεισίβοιοι | ὠρχοῦντο.* 22, 127. *ἄτε παρθένος ἡΐθεός τε.*
Herod. III. 48. *ἴστασαν χορούς παρθένων τε καὶ ἡΐθέων.* Sic δήϊος
et δήϊος. *ἡθέων λεκτοί*] Cf. Eur. Hec. 525. *λεκτοί τ' Ἀχαιῶν
ἔκκριτοι νεανίαί.* Suppl. 356. *λεκτούς ἀθροίσας δεῦρ' Ἀθηναίων
κόρους | ἤξω.* Virg. Aen. IX. 226. *'ductores Teucrum primi et
delecta juventus | consilium summis regni de rebus habebant.'*

19. *φῦλον*] Gl. B. *φῦλον. γένος τῆς πόλεως.*

21. Cf. Herod. I. 52. *Θηβαίων ἐν τῷ νηῷ τοῦ Ἰσμηγίου Ἀπόλ-
λωνος.* Pind. P. XI. 10. *Ἰσμηγίον δ' ὀνύμαξεν, ἀλαθέα μαντεῖον
θῶκον.*

22. Cf. Aesch. Sept. 739. *κακῶν δ' ὥσπερ θάλασσα κῦμ' ἄγει
— δ καὶ περὶ πρόμναν πόλεως καχλάζει.* Thuc. VI. 10. *καὶ μὴ
μετεώρω τῇ (τε vulg.) πόλει ἀξιοῦν κινδυνεύειν.*

23. *σαλεύει*] Gl. B. *κλονεῖται καὶ κινδυνεύει.* Cf. ad 695. El.
1074. *πρόδοτος — σαλεύει Ἡλέκτρα.* Eur. Rhes. 249. *δταν — σα-
λεύῃ πόλις.* Plat. Legg. XI. 923 B. *ἐν νόσοις ἢ γῆρα σαλεύοντας.*
Isocr. p. 178. *τὴν γὰρ πολιτείαν — σαλεύσαι (al. σαλευθῆναι) —
ἐποίησεν.* Arrian. Ind. 27, 3. *καὶ αἱ νέες ἐπ' ἀγκυρόνων ἐσάλευσαν.*
Dion. Hal. Ant. R. XI. 691. *σεσάλενται καὶ νοσῆι τὸ πάτριον ἡμῶν
πολίτευμα ἐκ πολλοῦ.* Plut. Pomp. 53. *ἐκύμαιεν ἢ πόλις καὶ πάντα
τὰ πράγματα σάλον εἶχε. κἀνακουφίσαι κἀρα*] Cf. Fr. 22. *τοῦκεί-
νης (αἰγείρου μακροῦς) κἀρα | κινεῖ τις αὔρα κἀνακουφίζει πτερόν
(πάλιν?).* Eur. Or. 218. *ἀνακουφίσω δέμας.* Hipp. 1392. *ἀνεκου-
φίστην δέμας.*

24. *βυθῶν*] Depths. Cf. Aj. 1087. Ph. 783. O. C. 500. Fr. 748.
Aesch. Prom. 430. Cho. 500. Suppl. 403. Fr. Inc. 168. Adesp.
110, 4. *καί με συμφορᾶς ἀεὶ | βαθεῖα κηλὶς ἐκ βυθῶν ἀναστρέφει.*
Heliod. 2, 17. *κλύδωνι κακῶν βεβυθισμένοι. ἔτ' οὐχ —*] Pro
οὐχ οἶα τε ἔτι —. Cf. Tr. 161. *ὡς ἔτ' οὐκ ὦν.* Phil. 1217. *ἔτ'
οὐδὲν εἰμι.* Arist. Pl. 1117. *θύειν ἔτ' οὐδεὶς ἀξιοῖ. οὐχ οἶα τε*]
Cf. 1415. Eur. Bacch. 1255. *θεομαχεῖν μόνον | οἶός τ' ἐκείνος.*
Arist. Eq. 343. Ran. 1087. Th. 178. Lys. 718. *φονίου σάλου*]
Improprīe, ut in Ant. 163. Redde, by reason of the bloody
surge. Cf. Aj. 351. *ἴδεσθὲ μ' οἶον ἄρου κῦμα φονίας ὑπὸ ζάλης
ἀμφίδρομον κυκλεῖται.*

25 sq. Cum hoc loco cf. 269 sq. Aesch. Suppl. 676—692.
Eum. 940 sq. 735. *ἐκ δὲ τοῦ λειχὴν ἀφυλλος ἄτεκνος — πέδον
ἐπισύμενος βροτοφθόρους κηλίδας ἐν χώρᾳ βαλεῖ.* Aesch. 69, 15.
*μήτε γῆν καρπούς φέρειν μήτε γυναικας τέκνα τίκτειν γονεῦσιν
ἐοικότα.* Aesch. c. Ctes. 36. *μήτε γῆν καρπούς φέρειν, μήτε γυναικας
τέκνα τίκτειν, μήτε βοσκήματα γονὰς ποιεῖσθαι.* Xen. Vect. IV.
δταν τε αὐ νοσήσωσι πόλεις ἢ ἀφορίαις καρπῶν ἢ πολέμων. Herod.
VI. 139. *ἀποκτεῖνασι δὲ τοῖσι Πελαγοῖσι τοὺς σφετέρους παῖδάς τε*

καὶ γυναῖκας οὐτε γῆ καρπὸν ἔφερε οὐτε γυναῖκές τε καὶ ποῖμναι ὁμοίως ἔικτον καὶ πρὸ τοῦ. IX. 93. ἐπεὶ τε δὲ τὸν Εὐθύμιον ἐξετόφλωσαν, ~~w—h~~ οὐτε πρόβατά σφι ἔικτε οὐτε γῆ ἔφερε ὁμοίως καρπὸν. Deuter. XXX. 9. Pind. P. IV. 265. καὶ φθινόκαρπος ἐοῦσα (ἡ δρῦς) κτλ. Pind. Hyp. Fr. 4. καρποῦ φθίσιν. φθίνουσα] Pe-riens, languens. Cf. 666. O. C. 610. et ad 173. κάλυξιν ἐγκάρποις] Cf. Aesch. Ag. 1392. κάλυκος ἐν λοχεύμασιν. Arist. Av. 1065. ἃ πάντ' ἐν γαίᾳ ἐκ κάλυκος αὐξανόμενον γέννυσι παμφάγοις — καρπὸν ἀποβόσκειται. Cratin. II. 72. ἀνεμωνῶν κάλυξί τ' ἡριναῖς. Hesychius κάλυκος per ἔμβρονα φυτῶν explicat. Cum ἔγκαρπος confer ἔμμητος, ἔσπερμος, ἔνθηρος, ἔμπαις etc. De dativo κάλυξιν cf. Eur. Bacch. 683. ἠῦδον δὲ πᾶσαι σώμασιν παρειμέναι. Or. 695. καὶ ναῦς γὰρ ἐνταθεῖσα πρὸς βίαν ποδὶ κτλ. Hom. II. 2, 148. λήιον ἡμῦνι ἀσταχύεσσιν.

26. φθίνουσα —] Cf. 668. O. C. 610. φθίνει μὲν ἰσχύς γῆς, φθίνει δὲ σώματος. ἀγέλαις βουνόμοις] Cf. El. 181. βουνόμον (βούνομον?) ἀπάν.

27. ἀρόνοις] Gl. B. ἀγεννήτοις. ἐν δ' —] And withal. Cf. 182. O. C. 55. Tr. 207. Aj. 675. 954. Aesch. Sept. 965. ἐν δὲ καρδία στένει. Hom. II. 1, 110. El. 713. ἐν δὲ πᾶς ἐμεστώθη δρόμος. Ant. 420. ἐν δ' ἐμεστώθη μεγάς αἰθήρ. 1274. 551. Herod. I. 74. ἐν δὲ καὶ νυκτομαχίην τινὰ ἐποιήσαντο. I. 184. ἐν δὲ δὴ καὶ γυναῖκες δύο. 185. ἐν δὲ δὴ καὶ τὴν Νίναν. VII. 176. ἐν δὲ Ἄρτεμιδος ἱρόν. Similiter οὖν δὲ, πρὸς δὲ, ἐπὶ δὲ, μετὰ δὲ, etc. Nisi potius tmesis hic est, ut ἐν ad σκήψας pertineat. Tr. 1053. ἐκ — βέβρωκε σάρκας. 565. ἐκ δ' ἦῦσ' ἐγώ. O. C. 1777. ἐπὶ — θρηγὸν ἐγείρετε. Ant. 601. κατ' — ἀμᾶ κοπίς. Sic Hesychius ἐνσκήψαντες por ἐφορμήσαντες explicat. Cf. Tr. 1087. ὦ Διὸς ἀπίς, — ἐγκατάσκηπον βέλος. Aesch. Pers. 514. κακῶν, ἃ Πέρσαις ἐγκατέσκηψεν θεός. 105. Μοῖρ' — ἐπέσκηψε (ἐνέσκηψε?) Πέρσαις πολέμους. 715. λοιμοῦ τις ἦλθε σκηπτὸς ἢ στάσις πόλει. Eum. 767. μὴ βαρὺν κότον σκήψητε. Eur. Med. 1333. τὸν σὸν ἀλάστορ' εἰς ἐμ' ἐσκήψαν θεοί. Trag. adesp. 389. ὅταν τι ναοῖς ἐγκατασκήψῃ μύσος. Aristoph. II. 1167. ἐς Οἰδίπουν δὲ παῖδε — Ἄρης κατέσκηψ'. Thuc. II. 47. λεγομένη μὲν καὶ πρότερον πολλαχόσε ἐγκατασκήψαι (νόσος). Herod. IV. 79. ἐς ταύτην (τὴν οἰκίαν) ὁ θεὸς ἐνέσκηψε βέλος. VII. 134. τοῖσι δὲ — μῆνις κατέσκηψε Ταλθύβιον. VIII. 39. ἐς τὸ (τέμενος) ἐνέσκηψαν (λίθου). Plut. Thes. 15. ἀφορία τε γὰρ καὶ νόσος ἐπέσκηψε πολλή. Philostr. Her. p. 702. ὕδρον ἐνσκήψαντος αὐτῷ ἐς τὸν πόδα. Heliod. II. 24. ὄμμα Κρόνιον εἰς τὸν οἶκον ἐνέσκηψε. Schol. Pl. 1054. λιμοῦ γὰρ ἐνσκήψαντος κτλ. πυρφόρος] I. e. πυρετοφόρος, febrem inducens. Insolens significatio epitheti quod occurrit 206. O. C. 55. Phil. 1198. Eur. Suppl. 260. Thuc. II. 49. τὰ δὲ ἐντὸς οὕτως ἐκάετο κτλ. El. 888. θάλλει τῷδ' ἀνηκέστῳ πυρί. Compara Latinum 'febris' cum Germanico 'feuer' et

nostro 'flore.' Hinc *πυρετός*. Lucret. VI. 1166. 'Intima pars homini vero flagravat ad ossa; | flagravit stomacho flamma, ut fornacibus intus.

28. *ἐλαύνει*] *Agitat, vexat*. Cf. Aj. 504. *κἀμὲ μὲν δαίμων ἔλαβ'.* 756. *ἔλα γὰρ αὐτὸν — Ἀθάνας μῆνις.* 2.5. *λύπη — ἐλλήλαται.* Tr. 1045. *σκήψας*] *Having assailed*. Schol. *βαρέως ἐμπεσὼν*. Cf. Aesch. Prom. 749. *πέδω σκήψασα*. Eur. Hipp. 438. *ὄργαι δ' ἔς σ' ἐπέσκηψαν (ἐν?) θεᾶς.* 1418. Pers. 715. *λοιμοῦ τις ἦλθε σκηπτὸς ἢ στάσις πόλει —*; Thuc. II. 47. *ἐγκατασκήψαι* (de peste): Lucret. VI. 1140. 'Incubuit tandem populo Pandionis.' Alibi transitivum est *σκήπτειν*, ut in Trach. 1087. *ἐγκατάσκηψον βέλους*. Aesch. Pers. 520. *κακῶν, ἃ Πέρσαις ἐγκατέσκηψεν θεός*. Eum. 747. *ὁμείς δὲ τῆ γῆ τῆδε μὴ βαρὸν κότον | σκήψητε*. Sept. 436. Eur. Med. 1323. etc. Herod. I. 105. *τοῖσι δὲ — ἐνέσκηψε ἢ θεὸς θήλεαν νόσον*.

29. *μέλας δ'] δ' in fine senarii ut in 332. 485. 785. 791. 1224. O. C. 17. 1347. Phil. 618. Ant. 1031. El. 1017. Arist. Av. 1716. Eccl. 351. Similiter τ' in O. R. 1184. μ' in Arist. Ran. 298. Eur. Iph. T. 961. et ταῦτ' in O. R. 332. Aeschyli et Euripidis exempla nulla sunt; Aristophanis tria Av. 1716. Eccles. 1351. Ran. 298.*

30. *στεναγοῖς καὶ γόοις*] Cf. Eur. Alc. 86. *κλύει τις ἢ στεναγμὸν — ἢ γόον —*; Or. 959. *στεναγμοὺς καὶ γόους*. 204. 313. Herc. 1025. *τίνα στεναγμὸν ἢ γόον ἢ φθιτῶν ᾧδᾶν ἢ τίν' Ἀἴδα χορὸν ἀχῆσω*; Ph. 1592. Hipp. 86. *πλουτίζεται*] Cf. Aesch. Ag. 1239. *ἄλλην τιν' ἄταις ἀντ' ἐμοῦ πλουτίζετε*.

31. Cf. Aesch. Pers. 698. *ὡς — βίοντον εὐδαιωνα Πέρσαις ὡς θεὸς διήγαγε*. 633. *ἰσοδαίμων βασιλεύς*. 856. *εὖθ' δ — βασιλεύς ἰσόθεος Δαρεῖος ἄρχε χώρας*. Eur. El. 994. *σεβίζω σ' ἴσα καὶ μάκαρας*. 67. *ἔγώ σ' ἴσον θεοῖσιν ἠγοῦμαι φίλον*. Hec. 354. *δέσπονα δ' — ἦν γυναιξί — μέτα, | ἴση θεαῖσι*. Tro. 1169. *τῆς ἰσοθέου τυραννίδος*. Suppl. 177. *τύραννος ἰσοδαίμων*. Hom. Il. 5, 78. *θεὸς δ' ὡς τίετο δήμῳ*. 10, 33. Od. 11, 484. *πρὶν μὲν γὰρ σε ζῶν ἐτίομον ἴσα θεοῖσιν | Ἀργεῖοι*. 14, 205. Eupol. 117, 6. Hesiod. Th. 91. *ἐρχόμενον δ' ἀνὰ ἄστυ θεὸν ὡς ἰλάσκονται*. Jamblich. V. Pyth. p. 208. *τοὺς μὲν εταίρους ἦγεν ἴσους μακίρροσσι θεοῖσι κτλ.* Menand. 805. *νόμος γονεῦσιν ἰσοθέους τιμὰς νέμειν*. Cicero. pro Marcello, 'Haec qui faciat non ego summis viris comparo, sed simillimum deo judico.' Ant. 837. *ἰσόθεος. μὲν νυν*] Cf. Tr. 441. *ἰσοόμενον*] Sic mss. *Lege ἴσον νέμων*. Gl. B. *ἰσοόμενον. σίναπτε δὲ πρὸς τὸ κρίνοντες*.

32. *ἐζόμεσθ' ἐφέστιοι*] Cf. 41. *ἰκετεύομέν σε πάντες οἶδε*. 327. *πάντες σε προσκνυόμεν οἶδ' ἰκτήριοι*. Tr. 904. Eur. Her. 33. *ἰκέται καθεζόμεσθα βῶμοι θεῶν | προσωφελῆσαι*. 240. *ἐφ' οὗ οὐ βῶμιος θακεῖς*. 345. *ἐζόμεσθα δὴ | ἰκέται*. Suppl. 93. *μητέρα*

γεραιὰν βωμίαν ἐφημένην. Alc. 168. πάντας δὲ βώμους οἱ κατ' Ἀδμήτου δόμους. Andr. 357. βώμοι πίπτοντες. ἐφέστιοι] I. q. ἐπιβώμοι. Cf. Trach. 205. Aesch. Suppl. 360. οὔτοι καθήσθε δωμάτων ἐφέστιοι | ἐμῶν. 498. ἐφέστιον θεῶν. Eum. 547. 639. Soph. El. 419. ἐφέστιον πῆξαι σκήπτρον.

34. ἐν τε δαιμόνων ξυναλλαγαῖς] And in our dealings with the gods. Schol. ἐν ταῖς πρὸς τὸ θεῖον κοινωνίαις καὶ ὀμιλίαις. Cf. 960. νόσου ξυναλλαγῆ (ἔθανε). Ant. 158. νεοχομοῖσι θεῶν ἐπὶ συντυχίαις.

35 sq. Cf. Aesch. Pers. 710. ὅς γ' ἕως ἔλευσες αὐγὰς ἡλίου ζηλωτὸς ὦν | βίοντον εὐαίωνα Πέρσαις ὡς θεὸς διήγαγες, νῦν τέ σε ζηλώ θανόντα.

35. Cf. Aesch. Sept. 775. ἀναρπάξανδρον κῆρ' ἀφελόντα χώρας. ὅς γ'] Cf. O. C. 427. ἐξέλυσας — δασμόν] I. e. κατέλυσας, ἔπανσας. Cf. 306. ἔκλυον (gl. ἀπαλλαγῆν) — νοσήματος. Trach. 656. νῦν δ' Ἄρης — ἐξέλυσ' ἐπίπτονον ἀμέραν. El. 939. τῆς νῦν παρούσης πημονῆς λύσεις βάρος. Tr. 653. 181. Aj. 706. ἔλυσεν αἰνὸν ἄχος ἀπ' ὀμμάτων Ἄρης. O. C. 1616. Eur. Phoen. 695. ποδῶν σῶν μόχθον ἐκλύει παρών. Sic ὑρέσθαι μᾶσμα 313. Similiter Ant. 422. τούτου δ' ἀπαλλαγέντος.

36. ἀοιδοῦ] Cf. 391. 130. 808. 1199. Eur. Phoen. 1507. μέλος ἔγνω Σφιγγὸς ἀοιδοῦ. 1522. Σφιγγὸς ἀοιδοῦ σῶμα φονεύσας.

δασμόν] Cf. O. C. 635. γῆ τῆδε κάμοι δασμόν οὐ συμκρὸν τίνει.

38. προσθήκη] Ope. Schol. ἐπικουρία. Cf. Aesch. Ag. 500. εὐ γὰρ πρὸς εὐ φανείσι προσθήκη πέλοι. Dem. c. Aristog. 1. § 24. ἡ εὐταξία τῆ τῶν νόμων προσθήκη τῶν ἀσχυρῶν περιέσει. Sic προστιθέσθαι opem ferre significat O. C. 1332.

39. ὀρθῶσαι βίον] Cf. Plat. Lach. 181 B. τὴν πατρίδα ὀρθοῦντα — εἰ ἄλλοι ἤθελον τοιοῦτοι εἶναι, ὀρθῆ ἂν ἡμῶν ἡ πόλις ἦν καὶ οὐκ ἂν ἔπεσε τὸ τοιοῦτον πῶμα. Eur. Fr. 239. ὁ δ' ἡδὺς αἰῶν ἡ κακὴ τ' ἀνανδρία | οὐτ' οἶκον οὔτε πόλιν ἂν ὀρθώσειεν ἂν.

40. κράτιστον πᾶσιν] Cf. O. C. 1446. ἀνάξια γὰρ πᾶσιν ἔστε δυστυχεῖν. Aj. 598. πᾶσιν περίφαντος αἰεὶ. 1282. Xenophon, Σωκράτης ἀξίός ἐστι θανάτου τῆ πόλει. Οἰδίπουν κάρα] Cf. 1207. Eur. Rhés. 226. ὦ δία κεφαλά. Virg. Aen. IV. 354. 'capitisque injuria cari.'

41. ἱκετεύομεν — πρόστροποι] Cf. Ant. 1230. ἱκέσιός σε ἱσσομαι. Phil. 470. ἱκέτης (πρόστροπος?) ἱκνοῦμαι. Eur. Ion. 1119. ἀντιάζω σ' ἱκέτις. O. C. 1327. οἱ σε — ἱκετεύομεν ξύμπαντες ἐξαιτούμενοι. πρόστροποι] Supplices. I. q. προστρόπαιοι. Cf. Ph. 773.

42. Cf. 189. 218. O. C. 524. Eur. Andr. 28. ἀλκὴν τιν' εὐρεῖν κάπικούρησιν (κάπικουφίσιον?) κακῶν. Hom. Od. 22, 305. οὐδέ τις ἀλκή | γίγνεται οὐδέ φυγή. του θεῶν] Cf. 396. οὐτ' ἐκ θεῶν του γνωτῶν. 43. ἀνδρός] Gl. B. ἀνδρός μάντεως.

44. Connecte τοῖσιν ἐμπείροισι μάλιστα. τὰς ξυμφορὰς — τῶν βουλευμάτων] Consiliorum eventus. I. e. τὰς ἀποβάσεις. Cf. Thuc. I. 111. τὰς ξυμφορὰς τῶν πραγμάτων. I. 140. ἐνδέχεται γὰρ τὰς συμφορὰς τῶν πραγμάτων οὐχ ἥσσον ἀμαθῶς χωρῆσαι ἢ καὶ τὰς διανοίας τῶν ἀνθρώπων. Herod. VII. 157. τῷ δὲ εὖ βουλευθέντι πρῆγματι τελευτῆ ὡς τὸ ἐπίπαν χρηστὴ ἐθέλει ἐπιγίνεσθαι. Sunt qui male consiliorum collationes explicant collata locutione ξυμφέρειν βουλευματα Aesch. Pers. 534. Cf. El. 1230.

45. ζώσας] I. e. vigentes (et sic feliciter evadentes). Cf. Ant. 457. ἀεὶ ποτε | ζῆ ταῦτα. O. R. 482. τὰ δ' ἀεὶ ζῶντα περιποτᾶται. Aesch. Ag. 793. ἀτης θύελλαι ζῶσι. Contra 906. φθίνοντα — Λαῖον θέσφατα. Ant. 1013. φθίνοντ' ἀσήμεων δργίων μαντεύματα. μάλιστα] Cum τοῖσιν ἐμπείροισι connectendum.

46. ἀνόρθωσον] Cf. 51. Eur. Bacch. 364.

47. εὐλαβήθηθ'] Pray take care, look to it.

48. τῆς προθυμίας] Gl. B. προθυμίας. ἔνεκα. Cf. Eur. Phoen. 1697. αἰνῶ μὲν σε τῆς προθυμίας.

50. στάντες τ' ἐς ὄρθον —] I. q. στάντες τ' ὄρθοί (El. 27. 723.). Cf. O. C. 1424. ἐς ὄρθον ἐκφέρει μαντεύματα. Tr. 347. Infra 88. κατ' ὄρθον ἐξελθόντα. 696. Eur. Suppl. 1240. μόνον σύ με | ἐς ὄρθον ἴστη. Tro. 465. γραῖαν πεσοῦσαν αἴρει' εἰς ὄρθον πάλιν. Or. 231. αὐθις μ' ἐς ὄρθον στήσον. Eur. Fr. 264, 3. δς γὰρ ἂν σφαλῆ | ἐς ὄρθον ἔστη χά πρὶν εὐτυχῶν πίπτει. Theogn. 304. τὸν δὲ κακὸν (βίον) κινεῖν ἔστ' ἂν ἐς ὄρθά βάλης. Fr. 555. εἰς ὄρθον φρονεῖν. O. C. 1424. πεσόντες] Cf. Tr. 84. Aj. 1077.

51 sq. Cf. 694 sq.

52 sq. Cf. 694. δς γ' ἐμὸν γὰν φίλαν ἐν πόνοισι | ἀλύουσαν κατ' ὄρθον οὖρις | τὰ νῦν τ' εὐπομπος ἂν γένοιο.

52. Cf. Ant. 162. τὰ μὲν δὴ πόλεος ἀσφαλῶς — ὤρθωσαν θεοί. Eur. Suppl. 1238. σὺ γὰρ μ' ἀνορθοῖς ὥστε μὴ ἔξαμαρτάνειν. ὄρνιθι —] Cf. Eur. Iph. A. 525. ὄρνιθα μὲν τάνδ' αἰσιον ποιούμεθα. 1326. πονηρὸν εἰπας οἰωνὸν λόγον. Ion. 1353. Ἀθήνας ἔλθ' ὑπ' οἰωνῶν καλῶν. Eur. Or. 778. δάκρυα γοῦν γένοιτ' ἂν. ΠΥ. οὐκοῦν οὔτος οἰωνὸς μέγας. Hel. 1050. κακὸς μὲν ὄρνις (leg. οὔρνις). Her. 730. ὄρνιθος εἶνεκ' ἀσφαλῶς πορευτέον. Iph. A. 988. εἰτά σοι τάχα | ὄρνις γένοιτ' ἂν τοῖσι μέλλονσι γάμοις | θανοῦσ' ἐμὴ παῖς. Phoen. 865. Iph. A. 607. Aesch. Ag. 104. Aesch. Fr. 95. ὄρνιθα δ' οὐ (δ' οὖν, γοῦν, aut νῦν?) ποιῶ σε τῆς ἐμῆς ὁδοῦ. Pind. N. IX. 43. αἰσιᾶν — ὄρνιχων. Pind. IV. 23. 197. Hom. II. 24; 376. Hesiod. Fr. 149. δῶρα φέρων, ἔλθῃ δὲ σὺν οἰωνοῖς ἀγαθοῖσιν. Long. Past. III. 4. πάνν ἠπορεῖτο ὁ Δάφνης ὡς οὐκ αἰσίοις ὄρνισιν ἐλθῶν.

53. ἴσος] Idem.

54 sq. De νῦν δὲ repetito cf. 258—263. Tr. 88—90.

54. εἶπερ ἄρξεις] Anglice, if you are to govern. Cf. Arist.

Nub. 443. 920. 1035. Av. 900. Dem. p. 21, 27. ὡσερ κρατεῖς] Ut profecto regis. Anglice as indeed you do reele.

55. Cf. Eur. Fr. 828. αἱ γὰρ πόλεις εἰς ἄνδρες, οὐκ ἐρημία. Alcaeus Fr. 23. ἄνδρες πόλιος πύργος ἀνήϊοι (sic Blomf.). Thuc. VII. 77. ἄνδρες γὰρ πόλις, καὶ οὐ τείχη οὐδὲ νῆες ἀνδρῶν κεναί. 56. οὔτε πύργος οὔτε ναῦς] Cf. Ant. 913. οὐ πύργος, οὐ ναῖς. πύργος] Cf. Aj. 159. πύργου ζῦμα.

57. Connecte ἀνδρῶν cum ἐρημος. Sic El. 1405. φίλων ἐρημοί. Cf. Ph. 31. κενὴν οἰκησιν ἀνθρώπων δίχα. Phil. 487. μὴ μ' ἀφῆς | ἐρημον οὕτω χωρὶς ἀνθρώπων στίβου. Aj. 464. γυμνὸν φανέντα τῶν ἀριστείων ἄτερ. 750. οἶος Ἀτρειδῶν δίχα. Ant. 424. Ad rem cf. Trag. incert. ἄνδρες γὰρ εἰσιν αἱ πόλεις, οὐκ οὐκίαι. Aesch. Pers. 349. ἀνδρῶν γὰρ ὄντων ἔρκος ἐστὶν ἀσφαλές. ἔσω] Pro ἔνδον, ut alibi. Cf. 1171. El. 1103. Aj. 105. 235. Ph. 533. Ant. 491. 1248. Tr. 867. O. C. 18.

58. γνωτὰ κοῦκ ἄγνωτα] Cf. 1230. ἐκόντα κοῦκ ἄκοντα. 63. Aj. 113. τήνδε κοῦκ ἄλλην δίκην. El. 1049. πάλαι κοῦ νεωστί. 1283. ὀργάν ἀναυδον οὐδὲ σὺν βοᾷ. Tr. 962. ἀγχοῦ — κοῦ μακράν. O. C. 397. βαιοῦ κοῦχι μυρίου χρόνου. 935. βία τε κοῦκ ἐκίων. 1653. βαιὸν οὐδὲ σὺν χρόνῳ. 935. Aj. 289. ἄκλητος οὐθ' ὑπ' ἀγ- γέλων κληθεῖς —. Ant. 492. λυσοῶσαν οὐδ' ἐπήβολον φρενῶν. El. 885. ἐξ ἐμοῦ τε κοῦκ ἄλλου. 131. 222. 929. 1049. 1283. Fr. 25. πρὸς χάριν τε κοῦ βία λέγω. Eur. Andr. 357. ἐκόντες, οὐκ ἄκοντες. Or. 613. Rhes. 964. ὡς θανῶν τε κοῦ λεύσσαν φάος. Hom. Il. 6, 333. κατ' αἶσαν ἐνεΐκεσας οὐδ' ὑπὲρ αἶσαν. 3, 59. κατ' αἶσαν — οὐδ' ὑπὲρ αἶσαν. Herod. III. 25. ἐμμανής τε ἐὼν καὶ οὐ φρενήρης. ἄγνωτα] Cf. Arist. Ran. 926. δῆματα — ἄγνωτα τοῖς θεωμένοις. Plat. Parm. 135. πολλὴ ἀνάγκη αὐτὰ εἶναι τῇ ἀνθρωπίνῃ φύσει ἄγνωστα.

60. Subita constructionis mutatio, dicturus enim erat οὐ νο- σεῖτε ὡς ἐγώ. Redde, and afflicted though ye be, there is not one among you so afflicted as I am. De structura cf. Arist. Nub. 577. πλείστα γὰρ θεῶν ἀπάντων ὠφελοῦσαι (sic R.) τὴν πόλιν, | δαιμόνων ἡμῖν μόναις οὐ θύετ' οὐδὲ σπένδετε. Ach. 1165. Vesp. 135. Pac. 1242. Av. 47. Eur. Hipp. 23. 1119. Phoen. 1472. Aesch. Suppl. 455. νοσεῖτε] Cf. Ant. 1015. τῆς σῆς ἐκ φρε- νὸς νοσεῖ πόλις. Eur. Rhes. 412. φίλων νοσοῦντων. Hel. 581. ἐκεῖ νοσοῦμεν, ὅτι δάμαρτ' ἄλλην ἔχω. Iph. T. 992. νοσοῦντά τ' οἶκον — πατρῶον. Herc. 272. πόλις | στάσει νοσοῦσα. Eur. Fr. 202, 2. ταράσσων μηδὲν ὦν πόλις νοσεῖ. Fr. 566, 2. κέρδους δ' ἕκατι καὶ τὸ συγγενὲς νοσεῖ. Aeschin. II. 188. τὸ νοσοῦν τῆς πόλεως. ὡς ἐγὼ — ἐξ ἴσου] Insolentius dictum pro ἐξ ἴσου ἐμοί.

62. εἰς ἓν ἔρχεται] Cf. ad 519. Eur. Iph. 1022. τί δ' ἐστίν; ὡς μοι πάντες εἰς ἓν ἵκτετε, | ζύγχουσι ἔχοντες κτλ.

63. καθ' αὐτὸν κούδεν ἄλλον] Cf. O. C. 908. τούτοισι κούκ ἄλλοισι. 966. ἢ δ' ἐμὴ ψυχὴ] Cf. 94. Ant. 569. ἢ δ' ἐμὴ ψυχὴ πάλα τέθνηκε. O. Cb. 1207. Cf. Ph. 775.

64. Cf. Eur. Ph. 447. παῦσαι πόνων με καὶ σὲ καὶ πᾶσαν πόλιν. Aesch. Sept. 240. αὐτὴ σὺ δουλοῖς κάμει καὶ σὲ καὶ πόλιν. Eur. Fr. 898, 4. αὐτὴ τρέφει σὲ κάμει καὶ πάντας βροτούς.

65. Schol. οὐκ ἀμέριμνον με ὄντα παρακαλεῖτε φροντίζειν. Cf. ad O. C. 307. Tr. 978. οὐ μὴ ἔξεργεῖς τὸν ἕπνω κάτοχον; Eur. El. 41. εὔδον' ἂν ἐξήγειρε τὸν Ἀγαμέμνωνος | φόνον. ἕπνω — ἐνδόντα] Somno cedentem, indulgentem. Anglice yielding to (indulging in) sleep. Cf. Eur. Tro. 687. ἐνδόντες τύχη.

66. Cf. 959. εὖ ἴσθ' ἐκείνον θανάσιμον βεβηκότα. Eur. Phoen. 728. ἐγῶδα κείνοισι τοῖς λόγοις ὄντας θρασείας. Connecte πολλά δὴ (multa sane).

67. ὁδοὺς ἐλθόντα φροντίδος] Cf. Eur. Or. 632. Μενέλαε, ποῖ σὲν πόδ' ἐπὶ συννοία κνκλεῖς, | διπλῆς μερίμνης διπτύχους ἰὼν ὁδοὺς; Hec. 744. σῶν ὁδὸν βουλευμάτων. Hipp. 390. λέξω δὲ καὶ σοὶ τῆς ἐμῆς γνώμης ὁδόν. 290. Her. 236. τρισσαὶ μ' ἀναγκάζουσι συμφορᾶς (συννοίας Schmidt) ὁδοὶ κτλ. Tro. 237. πυκνὰς — ὁδοὺς ἐλθόντα. Arist. Nub. 75. νῦν οὖν δλην τὴν νύκτα φροντίζων ὁδοῦ | μίαν ἤνθρωπον ἀτραπὸν δαιμονίως ἕπερφυᾶ. Herod. VII. 234. τὰς διεξόδους τῶν βουλευμάτων. φροντίδος] Gl. B. λογισμοῦ.

68. σκοπῶν ἠῦρισκον] Cf. 286. σκοπῶν — ἐκμάθοι. Phil. 282. πάντα δὲ σκοπῶν | ἠῦρισκον οὐδὲν. — Aj. 1058. ἐξηύρομεν ζητούντες.

70. γαμβρόν] I. e. κηδεστήν. Cf. Aesch. Ag. 683. Eur. Iph. A. 986. Proprie γαμβρός mariti affinis est, πενθερός uxoris; sed a poetis promiscuo sensu usurpatur (Poll. III. 31). Eur. Hipp. 634. καλοῖς | γαμβροῖσι χαίρων. Sic Astyages Κροίσου γαμβρός (frater per nuptias) dicitur Herod. I. 73.

71 sq. Cf. 932. ἀλλὰ φράζ' ἔστον | χηρῶν ἀφιζαὶ χῶτι σημηναὶ θέλων.

71. Cf. Aesch. Prom. 679. ὁ δ' εἰς τε Πυθῶ καπὶ Δωδώνης πυκνοὺς | θεοπρότους ἔαλλεν, ὡς μάθοι τί χρεὴ | δρωῖν' ἢ λέγοντα δαίμοσιν πράσσειν φίλα. Cho. 313. τί σοι φάμενος ἢ τί ῥέξας τύχοιμ' ἂν. Eur. Phoen. 878. ἐμοὶ δ' ἐπέσταλκ' ἐκμαθεῖν σέθεν πάρα | τί δρωῖντες ἂν μάλιστα σώσαιμεν πόλιν. 925. ἄκουε δὴ νυν θεοφάτων ἐμῶν ὁδόν, | ἢ δρωῖντες ἂν σώσαιτε Καδμείων πόλιν.

72. τί δρωῖν ἢ τί φωνῶν] Cf. Ph. 905. οὐδὲν — δρωῖς οὐδὲ φωνεῖς. τήνδε ἑυσαιμην πόλιν] I should save this city. Cf. 312. ἑὔσαι σεαυτὸν καὶ πόλιν. Aesch. Sept. 128. ἑυσιπόλις γενοῦ, Παλλάς. 318. πόλεως ἑύτορες ἔλθετε. Hesiod. Scut. 105. δς Θήβης κρηθιμνον ἔχει ῥύεται τε πόλῃα. Eur. Fr. 360, 15. ὡς θεῶν τε βωμοὺς πατρίδα τε ἑνώμεθα. Vocalis ante ῥ corripitur in thesi ut in Aesch. Eum. 232. ἐγὼ δ' ἀρήξω τὸν ἱκέτην τε ῥύσομαι.

et alibi non raro. De aoristi optativo cf. Tr. 903. κρύψασ' εαυτήν
 ἔνθα μή τις εἰσίδῃ. Theocr. XXV. 228. δεδεγμένος ὀππόθ' ἔκοιτο.

73. Cf. 963. Tr. 173. καὶ τῶνδε ναμέρεια συμβαίνει χρόνον |
 τοῦ νῦν παρόντος, ὡς τελοσθῆναι χρεῶν. Eur. Or. 1213. καὶ δὴ
 πέλας νῦν δωμαίων εἶναι δοκῶ· | τοῦ γὰρ χρόνου τὸ μῆκος αὐτὸ
 συντρέχει. Ion. 547. ἄρα δῆτ' ἐκεῖ μ' ἔφυσας; ΕΞΟΥ. τῷ χρόνῳ γε
 συντρέχει. Herod. I. 116. ὁ τε χρόνος τῆς ἐκθέσιος τῆ ἡλικίῃ τοῦ
 παιδὸς ἐδόκειε συμβαίνειν. IV. 158. καὶ τὸν κάλλιστον τῶν χώρων
 — συμμετρησάμενοι τὴν ὥρην τῆς ἡμέρας, νυκτὸς παρήγον. Schol.
 rec. καί με ἦδη ἀπὸ τοῦ νῦν ἡμέρα συνεξεταζομένη τῷ καθήκοντι
 χρόνῳ λυπεῖ, ἀποροῦντα δηλονότι ὁ τι πράττει. Gl. B. ἡμαρ τὸ
 ἐνεστός.

74. λυπεῖ τί πράσσει] Reuders me uneasy as to how he
 is faring. τοῦ γὰρ εἰκότος πέρα —] Cf. O. C. 1212. δοτις τοῦ
 πλέονος μέρους χρῆζει τοῦ μετρίου πέρα (παρεῖς vulg.) ζῶειν. 155.
 Aj. 794. ὥστε μ' ὠδίνειν τί φῆς. Eur. Hec. 185. δειμαίνω τί ποτ'
 ἀναστένεις. Arist. Ach. 361. πάνν γὰρ ἐμέ γε πόθος ὁ τι φρονεῖς
 ἔχει. Pl. 679. περιῆλθε τοὺς βωμοὺς ἅπαντας ἐν κύκλῳ, | εἴ που
 πόπανον εἶη τι καταλελειμμένον. Nub. 1392. οἶμαί γε τῶν νεωτέ-
 ρων τὰς καρδίας πηδᾶν ὁ τι λέξει.

75. Cf. 963. Tr. 173.

77. μὴ δοῶν] Si non facerem. Cf. 13.

78. ἐς καλὸν] Opportune, commode. Cf. Plat. Symp. 174 E.
 ἐς καλὸν ἦκεις. Eur. Herc. 728. ἐς καλὸν | στείχει. El. 384. νῦν γὰρ
 ἐν καλῷ φρονεῖν. Xen. Anab. IV. 7. 3. εἰς καλὸν ἦκεις. Id. alicubi,
 εἰς καλὸν ὅμῃν συντετύχηκα. Sic ἐς δέον, ἐς καιρὸν.

80. εἰ γὰρ ἐν τύχῃ γέ τῳ] Cf. El. 1416. εἰ γὰρ Αἰγίσθῳ γ'
 ὀμοῦ. O. C. 500. Aesch. Sept. 472. πέμπτοιμ' ἂν ἦδη τόνδε, σὺν
 τύχῃ δέ τῳ. Cho. 137. ἔλθεῖν δ' Ὀρέστην δεῦρο σὺν τύχῃ τινὶ |
 κατεύχομαί σοι. τύχῃ — σωτήρι] Cf. Phil. 1471. Aesch. Ag. 673.
 τύχῃ δέ σωτήρ ναῦν στελοῦσ' ἐφέζετο. Sept. 210. εὐπραξίας — σω-
 τήρος. Eur. Med. 361. χθόνα σωτήρα κακῶν. El. 993. τιμὰς σωτή-
 ρας. ἐν τύχῃ — βαίῃ] Cf. ad El. 1056.

81. λαμπρὸς — ὄμματι] Cf. Tr. 379. ἦ κάρτα λαμπρὰ καὶ
 κατ' ὄμμα καὶ φύσιν. O. C. 318. Arist. Eq. 550. φαιδρὸς λάμ-
 ποντι προσώπω. Qu. λαμπρὸς — εἰσορᾶν.

82. οὐ γὰρ ἂν — εἶρπε] Sub. εἰ μὴ ἡδὺς ἦν. Cf. 318. οὐ
 γὰρ ἂν δεῦρ' ἰκόμην. O. C. 98. 125. 148. 746. El. 323. 1305.
 εἰκάσαι μὲν] Quatenus conjicere licet. ἡδὺς] Laetus.
 Anglice, pleasant, in good humour. Cf. 929. I. q. φαιδρός.
 Sic τερπνός Aesch. Ag. 147. Contra ἀηδής (downcast). Tr. 869.
 ἀηδής καὶ συνωφρωμένη. El. 666. φέρων λόγους ἡδέεις. 56. ἡδέϊαν
 φάτιν. Ant. 12. μῦθος — οὐθ' ἡδὺς οὐτ' ἀλγεινός.

83. πολυστεφής — δάφνης] Multa lauro coronatus, ut
 θεωρός. Cf. Aesch. Eum. 39. ἔρω πρὸς πολυστεφῆ μυχόν. Eur.

Hipp. 806. αἰαί. τί δῆτα τοῖσδ' ἀνέστεμμαι κἄρα | πλεκτοῖσι φύλλοις
 δυστυχῆς θεωρὸς ὦν; Liv. 23, 11. Arist. Pac. 1044. οὐτοσί | προσέρ-
 χεται δάφναις ~~ἐπιτεφάνωμένος~~ (Hierocles vates). Nub. 625. Pl.
 20 sq. Euphorion. Fr. 52. ναρκίσσου ἐπιτεφεές πλοκαμίδας. Trach.
 178. καταστεφῆ | στείχονθ' ὄρω τιν' ἄνδρα πρὸς χάριν λόγων.

84. τάχ' εἰσόμυσθα] Cf. Ant. 631. τάχ' εἰσόμυσθα μάντεων ὑπέρ-
 τερον. Ant. 627. Arist. Nub. 1144. Lys. 1115. Ach. 332. ξύμ-
 μετρος — ὡς κλύειν] Cf. 1113. Ant. 387. ποῖα ξύμμετρος προύβην
 τύχη; Eur. Alc. 26. ξυμέτρως δ' ἀφίκετο (Schol. εὐκαίρως). Aesch.
 Cho. 609. Sept. 368. καὶ μὴν ἄναξ ὄδ' αὐτὸς — εἰς ἀρτίκολλον
 ἀγγέλου λόγον μαθεῖν. ὡς κλύειν] Cf. Ant. 292. 303. Tr. 1125.

85. ἐμὸν κήδευμα] Cf. Eur. Or. 477. κήδευμ' ἐμὸν. Hipp. 11.
 Ἰππόλυτος, ἀγνοῦ Πιπιδέως παιδεύματα. Tro. 420. νόμφευμα. Or.
 928. οἰκουρήματα. κήδευμα] Cf. Ant. 320. λάλημα. 756. Ph. 927.
 δεῖμα — τέχνημα. El. 289. μίσσημα. Eur. Suppl. 172. πρεσβεύματα
 (abstr.). Andr. 1249. συγκοιμήματα. Or. 579. εὐναστήριον. Phoen.
 298. ὦ ξυγγένεια τῶν Ἀγήρορος τέκνων. Aesch. Pers. 167. Πέρσαι,
 γηραλέα πιστώματα. Sept. 445. φερέγγυον φρούρημα (Polyphontes).
 Hom. Od. 12, 286. ἄνεμον χαλεποί, δηλήματα νηων.

86. Θεοῦ φήμην] Cf. 158. 475. 723. φῆμαι μαντικά. Tr. 1150.
 φήμην — θεοφάτων. Eur. Hipp. 1056. Arist. Eq. 1320. τίν' ἔχων
 φήμην ἀγαθὴν ἦκεις ἐφ' ὅτι κνισῶμεν ἀγνίας; Av. 720. Hom.
 Od. 2, 35. 20, 100. Aesch. Ag. 1162. 1173.

87. Gl. B. δύσφορα. τὰ δοκοῦντα σκέτλια. Cf. 770. τὰ — ἐν
 σοὶ δυσφόρως ἔχοντα. El. 144. Aj. 51. 643. Arist. Lys. 180.

88. κατ' ὀρθὸν ἐξελθόντα] Gl. B. τελεσθέντα ὡς δεῖ. Cf. 696.
 O. C. 1424. τὰ τοῦδ' — ἐς ὀρθὸν (κατ' ὀρθὸν?) ἐκφέρει μαντεύ-
 ματα. El. 945. πόνου τοι χωρὶς οὐδὲν εὐτυχεῖ. Fr. 610. εὐτυχοῦντα
 πάντ'. Aesch. Ag. 1327. εὐτυχοῦντα (πράγματα). Eur. Herc. 1143.
 πάντα δυστυχεῖ τὰ σά. El. 1072. εἰ μὲν τὰ Τρώων εὐτυχοῖ, κεχαρ-
 μένην. Ion. 319. ὦ τλήμον, ὡς τἄλλ' εὐτυχοῦσ' οὐκ εὐτυχεῖς. 579.
 εἰς τέκν' εὐτυχεῖν. Bacch. 1073. ὀρθή δ' ἐς ὀρθὸν αἰθέρ' ἐστη-
 ρίζετο. Eur. Fr. 262, 3. εἰς ὀρθὸν ἔστη. Tr. 465. γραῖαν πεσοῦσαν
 αἰρετ' εἰς ὀρθὸν πάλιν. Orest. 231. μ' ἐς ὀρθὸν στήσον. Suppl. 1229.
 Ion. apud Athen. XIII. 603. ἄρ' ὦν οὐ κατ' ὀρθὸν μοι πέπτωκε
 τὸ στρατήγημα; πάντ' ἂν εὐτυχεῖν] Cf. Eur. Hec. 429. πάντα
 δυστυχῶ. 975. τοῦκείνου μὲν εὐτυχεῖς μέρος. Hel. 1213. τὰδ' εὐτυχῶ.
 1369. τὰ μὲν κατ' οἶκους εὐτυχοῦμεν, ὦ φίλοι. Med. 952. εὐδαι-
 μονήσει δ' οὐχ ἔν, ἀλλὰ μυρία. Or. 541. τοῦτο δ' οὐκ εὐδαιμονῶ.
 Eur. Fr. 661. οὐκ ἔστιν ὅστις πάντ' ἀνῆρ εὐδαιμονεῖ. Fr. 45. ὥστ'
 οὔτις ἀνδρῶν εἰς ἅπαντ' εὐδαιμονεῖ. Fr. 728. φιλεῖ τοι πόλεμος οὐ
 πάντ' εὐτυχεῖν. Fr. 728. τὸν δ' εὐτυχοῦντα πάντ' — βροτῶν κτλ.
 Trag. adesp. 124. σοφὴ μὲν ἤμην ἀλλὰ πάντ' οὐκ εὐτυχῆς. Epigr.
 apud Dem. p. 322. μηδὲν ἄμαρτεῖν ἔστι θεῶν καὶ πάντα κατορθοῦν.
 Herod. I. 65. τοὺς ἄλλους πολέμους εὐτυχεόντες. III. 40. τὸ μὲν

τι εὐτυχέειν τῶν προηγημάτων. III. 43. εὐτυχέειν τὰ πάντα. VII. 190. τὰλλα οὐκ εὐτυχέων. VII. 232. οὐ μέντοι τά γε πάντα εὐτύχησαν. VIII. 60. ἤνπερ καὶ τὰ ἄλλα εὐτυχήσωμεν. VIII. 105. οὐ γὰρ τὰ πάντα ἐδυστύχεε. Dem. p. 1466. τῶ πάντα κατορθοῦν. Lucian. de m. c. 12. ἐντύχηται σοι πάντα τῆς ἐνχῆς μειζύονως. Athen. III. 77 E. καὶ εὐτυχήσαι πάντα Φίλιππον. Thuc. III. 39. 4.

89. τοῦπος] Oraculi dictum. Cf. Tr. 822. τοῦπος τὸ θεοπρόπον κτλ.

90. οὐτ' οὖν] Cf. O. C. 1135. οὐκ — οὐδ' οὖν —. προδείσας εἰμί] Cf. Ant. 1067. ἀντιδοὺς ἔσει.

91. εἰ — εἴτε] Cf. O. C. 638 sq. Aesch. Cho. 768. εἰ ξὺν λοχίταις εἴτε καὶ μονοσιβῆ; Ag. 816. Suppl. 185. Eum. 95. Eur. Alc. 149. 255. Med. 609. Rhes. 956. El. 800.

92. ἔτοιμος εἰπεῖν] Cf. Aj. 813. χωρεῖν ἔτοιμος. Eur. Phoen. 975. αὐτός τ' — θνήσκειν ἔτοιμος. Eur. El. 790. εἰ δὲ ξένους ἀστοῖσι συνθύειν χρεῶν, | Αἴγισθ', ἔτοιμοι, κοῦκ ἀπαρνούμεσθ', ἀναξ. Her. 502. ἔταιμα. Hel. 1523. εἰδέναι πρόθυμος (εἰμί). Med. 612. Tro. 74. Plat. Crat. 384. ἔτοιμος ἔγωγε καὶ μανθάνειν καὶ ἀκούειν. Arist. Th. 59. εἴτε καὶ στείχειν] Cf. Aesch. Cho. 756. εἰ ξὺν λοχίταις εἴτε καὶ μονοσιβῆ. Ag. 843. εἴτ' οὖν θανάτος εἴτε καὶ ζῶντος πέρι | λέγω. Suppl. 185. ἀλλ' εἴτ' ἀπήμων εἴτε καὶ τεθυμένος.

93. ἐς πάντας] Cf. Ant. 1247. El. 606. κήρυσσέ μ' εἰς ἅπαντας —. 642. μὴ — σπείρη ματαίαν βάζειν ἐς πᾶσαν πόλιν. Herod. VIII. 26. εἰπέ τε ἐς πάντας τάδε. τῶνδε γὰρ πλέον φέρω —] Cf. Ph. 596. οὗτος γὰρ πλέον | τὸ θάρσος εἶχε θατέρου δρᾶσειν τάδε.

95. λέγοιμ' ἄν] Dicam. Secunda persona multo saepius sic usurpatur.

97. μίασμα χώρας — ἐλαύνειν] Cf. 402. ἀγηλατήσειν. Aesch. Cho. 967. δταν ἀφ' ἐστίας μύσος πᾶν ἐλαθῆ. Eum. 283. καθαροῖς ἠλάθη χοιροκτόνοις (τὸ μίασμα).

98. ἀνήκεστον τρέφειν] Cf. Herod. I. 137. ἀνήκεστον πάθος ἔρδειν τινά. III. 154. ἐωντὸν λωβᾶται λώβην ἀνήκεστον. VI. 12. λυμαίνεται ἡμέας λύμῃσι ἀνηκέστοισι. Ἀνήκεστον ἄλγος et ἀνίην dixerunt Homerus et Theognis. τρέφειν] Alere. Cf. Ant. 660. εἰ γὰρ δὴ τά γ' ἐγγενῆ | ἄκοσμα θρέψω. 533. Aj. 1124. τὸν θυμὸν ὡς δεινὸν τρέφει. 503. 644. Ph. 795. Hor. Od. I. 22. 13. 'quale portentum neque militaris | Daunia in densis alit esculentis.'

99. ποῖω καθαρωῶ; τίς δ τρόπος τῆς ξυμφορᾶς;] Similes versus sunt Arist. Av. 94. τίς ἢ πτέρωσις; τίς δ τρόπος τῆς τριλοφίας; 994. τίς δ' ἰδέα βουλευματος; | τίς ἠπίνοια, τίς δ κόθορνος τῆς ὁδοῦ; 291. καθαρωῶ] Cf. 1228. O. C. 466. θοῦ νῦν καθαροῦν τῶνδε δαιμόνων. Herod. VII. 197. καθαροῦν τῆς χώρης ποιευμένων Ἀχαιῶν ἐκ θεοπροπίου.

100. ἀνδρηλατοῦντας] Cf. Aesch. Ag. 1586. φόνῳ φόνον — λύοντας] Cf. Phil. 959. φόνον φόνον δὲ δύσιον τίσω. 1224. λύσαν δὸς' ἐξήμαρτον ἐν τῷ πρώτῳ χρόνῳ. Aesch. Ag. 1430. ἔτι σε χρὴ στερομένην φίλων | τύμμα τύμματι τίσαι. Cho. 803. τῶν πάλοι πεπραγμένων λύσασθ' αἷμα προσφάτοις δίκαις. 48. 73. 309. 400. Eur. Or. 503. φόνῳ φόνον λύσει. 807. φόνῳ φόνος ἐξαμείβων. 597. μίασμα λῦσαι. Iph. T. 1224. ὡς φόνῳ φόνον μυσαρὸν ἐκνήρω. Herc. 40. ὡς φόνῳ σβέση φόνον. Eur. El. 852. αἷμα δ' αἵματος | πικρὸς δανεισμὸς ἦλθε τῷ θανάτῳ νῦν. 1094. εἰ δ' ἀμείβεται | φόνον δικάζων φόνος, ἀποκτενῶ σ' ἐγώ. Or. 597. μίασμα λῦσαι. Arist. Ran. 691. λῦσαι τὰς πρότερον ἁμαρτίας.

101. ὡς τὸδ' αἷμα χειμάζον πόλιν] Cf. ad El. 881. Eur. Phoen. 1475. ἡμεῖς μὲν (ἀνῆξαμεν εἰς ἔριν λόγων) ὡς νικῶντα δεσπότην ἔμον (contending that etc.), | οἱ δ' ὡς ἐκείνον. Her. 693. ὡς μὴ μεροῦντα τᾶλλα σοι λέγειν πάρα. Accusativus ponitur quia opinionem de re de qua agitur exprimit, genitivus autem est v. 242. ὡς μιάσματος | τοῦδ' ἡμῖν ὄντος, quia ibi tantum res narratur.

αἷμα] Caedem. Cf. O. C. 407. ἔμφυλον αἷμα. Eur. Suppl. 148. αἷμα συγγενὲς φεύγων. Herodian. II. 6. ἐπεὶ τὸν τε δῆμον ἦσυχάζοντα ἔγνωσαν, μήτε τινὰ τολμῶντα ἐπεξελθεῖν τῷ τοῦ βασιλείως αἵματι. χειμάζον] Cf. O. C. 1504. θεοῦ | τοιαῦτα χειμάζοντος. Eur. Suppl. 280. πόλις δὲ πρὸς πόλιν | ἔπηξε χειμασθεῖσα. Arist. Ran. 361. τῆς πόλεως χειμαζομένης.

105. ἔξοιδ' ἀκούων] Cf. O. C. 1171. Hom. Il. 4, 374. ὡς φάσαν οἳ μιν ἴδοντο πονεύμενον· οὐ γὰρ ἔγωγε | ἦντησ' οὐδὲ ἴδον· περὶ δ' ἄλλων φασὶ γενέσθαι.

106. ἐπιστέλλει σαφῶς] Cf. 96. ἄνωγεν ἐμφανῶς.

107. τοὺς αὐτοέντας] Ipsum interfectorem. I. q. τοὺς αὐθέντας, τοὺς αὐτόχειρας. Cf. 266. ζητῶν τὸν αὐτόχειρα τοῦ φόνου λαβεῖν. El. 955. τὸν αὐτόχειρα πατρῶου φόνου — κτανεῖν. Ant. 306. Eur. Andr. 172. 615. Tro. 655. Rhes. 873. Herod. I. 117. Soluta nominis forma, ut τιμάρορος, συνάρορος, τετράρορος, φαεσφόρος (Aesch. Ag. 472.), etc. Phryn. Bekk. p. 15, 11. Σοφοκλῆς δὲ λύσας τοῦνομα αὐτοέντης εἶπεν. ἔστι δὲ πολιτικώτερον τὸ αὐθέντης. τιμωρεῖν τινὰ] Gl. B. τιμωρεῖν: κολάζειν. Cf. 1287. βοᾷ διοίγειν κληῖθρα, καὶ δηλοῦν τινα | τοῖς πᾶσι Καδμείοισι τὸν πατροκτόνον.

108. οἱ δ' εἰσι ποῦ γῆς;] Cf. Ant. 42. ποῦ γνώμης ποτ' εἶ;

111. ἀλωτὸν] Gl. B. καταληπτόν. Cf. 542. δὲ πλήθει χρήμασιν θ' ἀλλοκεται. Ph. 863. τὸ δ' ἀλώσιμον ἐμᾶ φροντίδι κτλ. Eur. Alc. 802. οὐδ' ἀλλοκεται τέχρη (τὸ τῆς τύχης).

113. τῷδε συμπίπτει φόνῳ] Cf. Aj. 429. κακοῖς τοιοῖσδε συμπεπιωκότα. Tr. 880. εἰπέ τῷ μόρῳ — ξυντρέχει (ξυμπίπτει?). Aesch. Eum. 336. θνατῶν τοῖσιν αὐτουργίαι ξυμπέσωσιν μάταιοι.

114. ὡς ἔφρασκεν] Sc. ὁ θεός (96).

115. ἀπεισάλη] Set out. I. q. ἀφωρμήθη. Cf. O. C. 550. 735. Aristarch. trag. Fr. 2, 3. οὕτω κρατηθεὶς τάσδ' ἀπεισάλην ἔδοός. www.libtool.com.cn

116. συμπράκτωρ ὁδοῦ] Poetice dictum pro συνέμπορος, συνοδοίπορος.

117. ὅν —] Anglice from whom one having gained information might have used it. Schol. οὐδὲ ἀκόλουθος παρ' οὗ τις ἂν μάθοι καὶ χρῆσαιτο πρὸς ζήτησιν. Cf. 285. παρ' οὗ τις ἂν | σκοπῶν τάδ' — ἐκμάθοι. Tr. 60. πάρεσσι χρῆσθαι τάνδρι τοῖς τ' ἑμοῖς λόγοις.

118. εἰς τις] Cf. 247. εἴτε τις | εἰς ὃν λέληθεν. Ant. 262. εἰς γὰρ τις ἦν ἕκαστος οὐξειρωασμένος. 269. Eur. Fr. 346. εἰς γὰρ τις ἐστὶ κοινὸς ἀνθρώποις νόμος. Herod. VI. 91. εἰς δέ τις τούτων ἐκφυγῶν κτλ. Arist. Eq. 1301. καὶ μίαν λέξαι τιν' αὐτῶν —. S. Marc. Ev. 14, 51. εἰς τις νεανίσκος. S. Luc. Ev. XXII. 50. καὶ ἐπάταξεν εἰς τις ἕξ αὐτῶν τὸν δοῦλον κτλ.

119. πλὴν ἔν οὐδὲν] Similiter El. 598. καὶ σ' ἔγωγε δεσπότιν | ἢ μητέρ' οὐκ ἔλασον εἰς ἡμᾶς νέμω εἰδῶς φράσαι] Cf. El. 1447. κατειδυῖαν φράσαι. 41. ὅπως ἂν εἰδῶς ἡμῖν ἀγγελίης σαφῆ. Tr. 21 sq.

120. Gl. B. μαθεῖν: ἡμᾶς.

122. οὐ μῆ ῥώμη] I. e. οὐχ ἑνὸς ἀνδρὸς ῥώμη. Cf. Aesch. Sept. 103. πάταγος οὐχ ἑνὸς δορός. Eur. Suppl. 94. οὐχ ἕνα θυμὸν | κακῶν ἐχούσας. Med. 952. Andr. 96. Cycl. 518.

124. ξὺν ἀργύρῳ] Cf. 643. δρωῶντα — κακῶς — τοῦμὸν σῶμα σὺν τέχρῃ κακῆ. Ant. 1266. νέω ξὺν μόρῳ — ἔθανες. 172. Aj. 1245. εἰ σὺν δόλῳ κεντήσῃ etc. Phil. 842. κομπεῖν — ἀτελεῖ σὺν ψεύδειν. 1217. σὺν σπουδῇ ταχύς. Aesch. Pers. 775. τὸν δὲ σὺν δόλῳ Ἄρταφρένης ἔκτεινεν. O. C. 817. 1341. 1653. Aesch. Pers. 761. μέγα — πλοῦτον ἐκτίσω ξὺν αἰχμῇ. Eur. Hec. 1251. οὐ γὰρ ποτ' ἂν σὺ μ' εἴλες ὧδε σὺν δόλῳ. εἴ τι μὴ —] Cf. 969. O. C. 1450. Tr. 712. εἴ τι μὴ ψευσθήσομαι. 586. εἴ τι μὴ δοκῶ κτλ. Schol. εἰ μὴ τις τῶν πολιτῶν διέφθειρεν αὐτὸν χρήμασι πείσας πρὸς τὸν κατ' ἐκείνου νόμον. Dem. p. 762. πράττων ἐπ' ἀργυρίῳ.

125. ἐπράσσει —] Cf. Aj. 445. νῦν δ' αὐτ' Ἄτρεῖδαι φωτὶ παντουργῶ φρένας | ἔπραξαν (corrigendum forsān ἔπρασαν). Ant. 1034. κοῦδὲ μαντικῆς | ἀπρακτος ὑμῖν εἰμι, κτλ. Thuc. IV. 121. καὶ τι αὐτῶ καὶ ἐπράσσειο ἐς τὰς πόλεις προδοσίας πέρι, V. 83. ὑπῆρχε δὲ τι αὐτοῖς καὶ ἐκ τοῦ Ἄργου αὐτόθεν πρασσόμενον. Arist. Av. 1028. VI. 10. οὕτω γὰρ ἐνθένδε ἄνδρες ἐπραξαν αὐτά. Herod. III. 146. οὐκ ἐς τοῦτο ἀφροσύνης ἀπικόμενος. Isocr. p. 200 A. εἰς τοῦτ' ἀπληστίας ἤλθον ὥστε καὶ κτλ. ἐνθένδ'] Hinc. Cf. O. C. 657. 1587. Ph. 529. ἐς τόδ' ἂν τόλμης ἔβη] Cf. O. C. 1138. ἐς τόδ' ἡμέρας. El. 14. τοσόνδ' ἐς ἡβης. Thuc. I. 118. ἐπὶ μέγα ἐχώρησαν δυνάμειος. Plat. Apol. 41. ἀμήχανον ἂν εἶη εὐδαιμονίας.

126. δοκοῦντα ταῦτ' ἦν] I. e. ἐδόκει ταῦτα. Schol. ταῦθ' ὑπεροεῖτο.

127. ἀρωγός] Ultor. Cf. 496. El. 1391. παράγεται γὰρ ἐνέρων δολιόπους ἀρωγός. Fr. 66. χρῆ δὲ τῷ τεθνηκότι | τὸν ζῶντ' ἐπαρκεῖν αὐτὸν ὡς θανούμενον.

129. εἶργε τοῦτ' ἐξειδέναί] Cf. Phil. 1407. εἶρξω πελάζειν σῆς πατρός. Tr. 1257. Aj. 70. Eur. Her. 340. τίς νιν εἶργε συμφορὰ — ἐμὴν τέρωται φρένα; 963. εἶργει τόνδε μὴ θανεῖν νόμος. Hec. 855. εἶργοισι χρῆσθαι — τρόποις. Or. 257. σήξω σε πηδᾶν. Herod. VIII. 98. οὐ νῦξ ἐέργει μὴ οὐ κατανύσαι. ἐξειδέναί] I. q. ἐκμαθεῖν.

130. τὸ πρὸς ποσὶ σκοπεῖν] τὰ — al. Cf. Ant. 1327. τὰν ποσὶν κακά. Arist. Av. 66. ἐροῦ τὰ πρὸς ποδῶν. Ter. III. 3. 32. 'Istuc est sapere, non quod ante pedes modo est videre, sed etiam illa quae futura sunt prospicere.'

131. τάφανῃ] Cf. Eur. Hipp. 346. τάφανῃ γνῶναι σαφῶς.

προσῆγο] Induced. I. q. προτρέπεται. Cf. Eur. Ion. 659.

132. ἐξ ὑπαρχῆς αὐθις] I. q. ἐξ ἀρχῆς πάλιν. Dem. p. 1013, 9. Arist. Rhet. I. 1. 15. Arist. Pl. 867. εἰ πάλιν ἀναβλέψειεν ἐξ ἀρχῆς.

133. ἐπαξίως γὰρ Φοῖβος, ἀξίως δὲ σὺ] Similiter Ant. 898. φίλη μὲν ἦξεν πατρὶ, προσφιλέης δὲ σοί. El. 267.

134. πρὸ τοῦ θανόντος τήνδ' ἔθεσθ' ἐπιστροφῆν] Qu. τοῦ καθανόντος —. Cf. 1459. παίδων δὲ — μή μοι — προσηή μέριμναν. O. C. 466. El. 1334. νῦν δ' εὐλάβειαν τῶνδε προσηέμην (i. e. πρὸ τῶνδε ἐθέμην) ἐγώ. Aj. 536. ἐπήνεσ' ἔργον καὶ πρόνοιαν ἦν ἔθου. 13. σπουδὴν ἔθου τήνδ'. Eur. Ph. 1584. ὦρα τάφου | μνήμην τίθεισθαι. Med. 911. ὑμῶν δὲ, παῖδες — πολλὴν ἔθηκε σὺν θεοῖς προμηθίαν. Tr. 996. 1265. Ant. 131. O. C. 466. 542. 439. Fr. 523. Act. Apost. XXVII. 12. ἔθεντο βουλὴν ἀναχθῆναι ἐκεῖθεν. πρὸ —] I. e. ὑπὲρ —. Cf. Tr. 504. πρὸ γάμων (schol. περὶ τῶν γάμων).

ἐπιστροφῆν] Curam. I. q. φροντίδα. Cf. 728. ποίας μερίμνης τοῦτ' ἐπιστραφεὶς λέγεις; Ph. 599. τίνος δ' Ἀτρεΐδαι τοῦδ' — ἐπεστρέφοντο πράγματος χάριν; Menand. IV. 284. οὐδὲ λόγον ὑμῶν οὐδ' ἐπιστροφῆν ἔχω.

136. Cf. Herod. IX. 120. τῷ Πρωτεσίλειω τιμωρόντες ἐδέοντο μιν καταχρησθῆναι. Thuc. I. 127. τὸ ἄγος — ἐλαύνειν ἐκέλευον, δῆθεν τοῖς θεοῖς τιμωροῦντες. Aeschin. 69, 9. βοηθεῖν τῷ θεῷ. 70, 29. φονῆ βοηθεῖν τῷ θεῷ.

137. ὑπὲρ γὰρ οὐχί —] Cf. 406. Tr. 44. χρόνον γὰρ οὐχὶ βαιὸν, ἀλλ' ἤδη δέκα | μῆνας κτλ. ἀπωτέρω] Cf. Plat. Phaedr. 254 C. ἀπελθόντε — ἀπωτέρω. Resp. V. 449 B. μικρόν — ἀπωτέρω τοῦ Ἀδειμάντου καθῆστο.

138. αὐτὸς αὐτοῦ] Poetice dictum pro αὐτὸς ἑμαυτοῦ. Cf. El. 285. κλαίω — αὐτὴ πρὸς αὐτήν. O. C. 930. αἰσχύνεις πόλιν | τὴν αὐτὸς αὐτοῦ. 1356. Aj. 1132. Infra 228. 1237. Aesch. Cho. 215. 929.

139. ἐκείνον ὁ κτανῶν] Cf. 269. ταῦτα τοῖς μὴ δοῶσιν. 820. τάσδ' ἄρας ὁ προσιτιθεῖς. O. C. 994. πατήρ σ' ὁ καίνων. 893. τίς σ' ὁ πημίνας; 324. ταῦτα — τοὺς δοῶντας. 384. τοῦργον ἤξειργασμένη. Tr. 534. χειρὸν ἀτεχρησάμην. Ph. 1242. τίς ἔσται μ' οὐπικωλύσων τάδε; Aj. 522. Arist. Pac. 647. ταῦτα δ' ἦν ὁ δοῶν | βυροσπῶλης, Av. 95. τίνες εἰσὶ μ' οἱ ζητοῦντες; Astydam. κῆν αὐτὸν οἱ ζητοῦντες ὧσι μυροῖοι. Eur. Alc. 1048. τὰ — κοῦφα τοῖς νικῶσιν. El. 264. μήτηρ δέ σ' ἡ τεκοῦσα ταῦτ' ἠνέσχετο; Ion. 324. τάλαινά σ' ἡ τεκοῦσα. 671. μ' ἡ τεκοῦσα. Iph. A. 878. τίς αὐτὸν οὐπάγων —; El. 264. Dem. p. 1156. οὐκ ἦν αὐτὴν ὁ θρέμων.

140. τοιαύτη] Gl. B. ἐπιβούλω. χειρὶ τιμωρεῖν] Cf. 107. Aj. 409. πᾶς δὲ στρατὸς — ἄν με χειρὶ φονεῖοι. Eur. Iph. A. 1165. αὐτὸς κτανῶν, οὐκ ἄλλος, οὐδ' ἄλλη χειρὶ.

141. κείνω προσαρκῶν] Interfectorem ejus reperire conando. Cf. 496.

142. βάθρων ἴστασθε] Cf. O. R. 152. 473. 580. El. 724. δόμων — ἐντάφια — φέρουσαν. 1139. 1331. 324. Ph. 613. ἀγοῖτο νήσου. 1002. πέτρας πέσων. 697. 1044. Aj. 788. τί μ' — ἐξ ἔδρας ἀνίστατε; 730. 1287. Ant. 10. 38. 418. χθονὸς — αἰέρας. Tr. 572. Aesch. Agam. 27. εὐνῆς ἐπαντίλασαν. Ch. 280. Eur. Andr. 380. ἀλλ' ἐξανίστω τῶνδ' ἀνακτόρων θεᾶς. Bacch. 592. Phoen. 1260. Med. 701. El. 786. 1286. Ion. 462. Herc. 349. 1050. Andr. 1037.

βάθρων] Steps (of the altar). Cf. Aesch. Pers. 811. βωμοὶ δ' αἰστοὶ, δαιμόνων θ' ἰδρύματα | πρόρριζα φύρδην ἐξανέστραπται βάθρων. Eur. Tro. 16. κρηπίδων βάθροις.

143. ἴστασθε] Schol. rec. ἀνίστασθε, ἀνάστητε. ἰκτῆρας κλάδους] Cf. 3. ἰκτηρίοις κλάδοισιν ἐξεστεμμένοι. 147. 186. Eur. Suppl. 10. ἰκτῆροι θαλλῶ. Adesp. 185. λιτῆρα (ἰκτῆρα?) θαλλόν. Moschion. Fr. 10, 3. προσέκτην θαλλὸν ἠγκαλισμένος | ἔστειχεν. Aesch. Suppl. 478. κλάδους τε τούτους — βωμοὺς ἐπ' ἄλλους — θές.

144. Κάδμον λαδὸν] Cf. Aesch. Eum. 1012. παῖδες Κραναοῦ.

145. ὡς πᾶν ἐμοῦ δράσοντος] Cf. 11. ὡς θέλοντος ἄν | ἐμοῦ προσαρκεῖν πᾶν. 265. κἀπὶ πάντ' (f. πᾶν) ἀφίξομαι κτλ. O. C. 465. ὡς νυν πᾶν (ὡς πᾶν ἄν?) τελοῦντι προξένει. El. 615. ἄρά σοι δοκεῖ | χωρεῖν ἄν εἰς πᾶν ἔργον; Eur. Cycl. 132. πᾶν δέ σοι δροῦμένον ἄν. Adesp. Fr. 4, 2. τὰ δ' ἔργα τοῦ πᾶν δοῶντος. Arist. Vesp. 348. ὡς πᾶν ἄν ἔργαγε ποιοίην. Ach. 640. ἤϋρετο πᾶν ἄν κτλ. Plat. Apol. § 29. ὅπως ἀποφεύξεται πᾶν ποιῶν θάνατον. Xen. An. III. 1. 18. ἄρ' οὐκ ἄν ἐπὶ πᾶν ἔλθοι; ἢ γὰρ εὐτυχεῖς — φανούμεθ' ἢ πεπιωκότες] Cf. Tr. 83. ἢ σεσώσμεθα | ἢ πίπτομεν οὐὸ πατρὸς ἐξολωλότος.

147. ἰστώμεσθα] Sc. βάθρων (142).

148. ἐξαγγέλλεται] Exponit, praedicat. I. q. ἐπαγγέλλεται. Cf. Ph. 919. El. 626. Ant. 488. O. C. 1024. Eur. Ion. 1605. εὐδαίμον' ὑμῖν πότμον ἐξαγγέλλομαι. Her. 532. κἀξαγγέλλομαι | θνήσκων

ἀδελφῶν τῶνδε κάμαντις ὑπερ. Sic Aj. 1376. ἀγγέλλομαι. et ad Phil. 130.

149. μαντείας] I. q. φήμας. Cf. Trach. 238.

151. ἀδνεπὲς φάτι] Cf. El. 56. ἠδεῖαν φάτιν. Hom. H. 32, 2. ἠδνεπείαι κοῦραι — Διός (Μοῦσαι). 20, 4. Hesiod. Th. 965. ἠδνεπείαι | Μοῦσαι Ὀλυμπιάδες. 1021. Pind. Ol. 11, 97. ἀδνεπὲς λύρα. N. 1, 4, 7, 21. Hom. Il. 1, 248. Νέστωρ ἠδνεπὲς. H. XX. 4. Eur. Hec. 131. ἠδνλόγος. Eur. Or. 897. ἠδὺς — λόγους. El. 666. φέρων λόγους ἠδεῖς. Aesch. Ag. 1134. πολνεπείς τέχνηι θεσπιωδῶν. Hom. Il. 9, 404. Aesch. Eum. 195. τίς ποτε —] Of what ever kind, importing what etc. Hom. H. in Merc. 471. σὲ δὲ φασὶ δαήμεναι ἐκ Διὸς ὀμφῆς | μαντείας, ἐκάεργε, Διὸς πάρα θέσφατα πάντα. 523. Aesch. Ag. 1132. ἀπὸ δὲ θεσφάτων τις ἀγαθὰ φάτις | βροτοῖς στέλλεται. Eum. 19. Διὸς προφήτης δ' ἐστὶ Λοξίας πατρός. Virg. Aen. III. 251. 'Quae Phoebus pater omnipotens, mihi Phoebus Apollo | Praedixit.' τᾶς πολυχρόσου Πυθῶνος] From wealthy Python (Delphi). Cf. 142. 473.

153. ἐκτέταμαι] Crucior, angor, distrahor. Cf. Eur. El. 177. θυμὸν ἐκπέποταμαι. Or. 981. τεταμένην αἰωρήμασι. Med. 585. ἐν ἐκτενεῖ σ' ἔπος. Pind. P. XI. 83. ξυναῖσι δ' ἀμφ' ἀρεταῖς τέταμαι (schol. τὴν ἐπιθυμίαν τεταμένην ἔχω). Similiter Plat. Euthyd. p. 303 B. γελῶντα παραταθῆναι. φοβεράν φρένα δέματι πάλλων] Connecte φρένα cum πάλλων, non cum ἐκτέταμαι. Cf. 914. ὑποῦ γὰρ αἶρει θυμὸν Οἰδίπους. Similiter El. 906. χαρᾷ δὲ πῖμπλημ' εὐθὺς ὄμμα δακρῶν. O. C. 1624. ὥστε πάντας ὀρθίας | στήσαι φόβω δέσαντας ἐξαιφνης τρίγας. Aesch. Cho. 411. πέπαλται δ' αὐτέ μοι φίλον κέαρ τόνδε κλύουσαν (κλυούσα?) οἰκτον. 742. ἦ δὴ (μὴν?) κλύων ἐκείνος εὐφρανεῖ νόον. Prom. 379. ἐάν τις — μαλθάσση κέαρ κτλ. 906. κραδία δὲ φόβω φρένα λακίτζει. Eur. Hel. 632. γέγηθα, κρατὶ δ' ὀρθίους εἰθείρας ἀνεπτέρωκα. Med. 98. μήτηρ | κινεῖ κραδίαν, κινεῖ δὲ χόλον. Eur. Fr. 908, 6. τήκω τάλαιναν καρδίαν ὀρωδία. Arist. Th. 841. κόμας καθεῖσαν. Lys. 1304. ἐμβη — κοῦφα πάλλων (παδῶν?). πάλλων] Cf. Eur. El. 476. ἐν δὲ δόρει φονίω τετραβάμονες ἵπποι ἔπαλλον. 435. ἦν ὁ φίλανλος ἔπαλλε δελφίς —. Or. 316. αἶ τε τὸν ταναὸν αἰθέρ' ἀμπάλλεθ' (-εσθ' mss.). Tro. 325. πάλτε πόδ' αἰθέριον. Aesch. Suppl. 576. χλωρῶ δέματι θυμὸν | πάλλοντ' ὄψιν ἀήθη. 792. κελαινώχρωσ δὲ πάλλεται μου καρδία — οἴχομαι φόβω. Cho. 517. κακ νυκτιπλάγκτων δειμάτων πεπαλμένη. 167. ὀρχεῖται δὲ καρδία φόβω. Hom. Il. 22, 451. ἐν δὲ μοι ἀντῆ | στήθεισι πάλλεται ἦτορ ἀνά στόμα. 461. παλλομένη κραδίην. Hom. H. Cer. 294. δέματι παλλόμεναι. Herod. VII. 140. δέματι παλλόμενοι (οἱσας). Mosch. II. 16. ἦ δ' ἀπὸ μὲν στρωτῶν λεχέων θόρε δειμαίνουσα, | παλλομένη κραδίην. Plut. Mor. p. 169 B. τρέμων κάθηται καὶ παλλόμενος. φοβεράν φρένα] My mind

full of fear. Cf. Thuc. II. 3. IV. 128. Xen. Cyr. III. 3. 19. 524. ἐκ — δειμάτων πεπαλμένη. 567. πάλλοντ'.

154. ἰήϊε — Παιῶν] Cf. 1096. ἰήϊε Φοῖβε. Eur. Phoen. 1050. ἰήϊον βοῶν. El. 1211. Apoll. Lex. Hom. ἰήϊος ὁ Ἀπόλλων. ἀπὸ τῆς τοξείας. ἔνιοι δὲ φιλῶς ἀπὸ τῆς ἰασέως. Similiter Hesychius. Cf. Aesch. Ag. 144. ἰήϊον δὲ καλῶ Παιῶνα. Apoll. Rhod. II. 714. θαρσύνεσκον ἔπεσον, Ἰήϊε κεκληγνῦται. Arist. Vesp. 874. ἰήϊε Παιῶν. 890. Arist. Eq. 408. ἰηπαιωνίσοι. Apollo ἰήϊος ab exclamatione ἰῆ appellabatur, ut Dionysus εὐϊός ab εὐοί.

155. ἀμφὶ σοὶ —] Cf. O. C. 492. δειμαίνοιμ' ἄν — ἀμφὶ σοί. El. 1180. ἀμφ' ἐμοὶ στένεις. Aj. 340. Tr. 727. Eur. Her. 40. ἀμφὶ τοῖσδε καλχαίνων τέκνοις. ἀζόμενος] Cf. Aesch. Eum. 390. 999. Suppl. 652. 884. Pers. 589. Hom. II. 14, 261. ἄζετο γὰρ μὴ Νυκτὶ θοῆ ἀποθύμα ἔρδοι. Aesch. Eum. 389. τίς οὖν τάδ' οὐχ ἄζεται τε καὶ δέδοικεν βροτῶν —; 367. Suppl. 639. Eur. Alc. 327. θάρσει· πρὸ τούτου γὰρ λέγειν οὐχ ἄζομαι. Her. 600. δυσφημεῖν γὰρ ἄζομαι θεόν. 1037. Or. 1116. Eur. Fr. 348. ἀζοίμην. Theogn. 280. μηδεμίαν κατόπισθ' ἀζόμενον νέμεσιν. Alcm. 45. σὲ γὰρ ἄζομαι. Theocr. XXV. 4. Ἐρμέω ἀζόμενος δεινὴν ὄπιν εἰνοδλοιο. Hec. 185. δειμαίνω τί ποτ' ἀναστένεις.

156. Cf. Hom. II. 2, 551. περιτελλομένων ἐνιαυτῶν. 8, 404. Od. 11, 295. ἄψ περιτελλομένου ἔτεος. 14, 294. Arist. Av. 696. περιτελλομέναις ὥραις. Herod. II. 121. χρόνον περιμόντος. πάλιν] Rursus, repetitum. Opponitur praecedenti νέον.

158. χρυσέας] Similiter 188. ὦ χρυσέα θύγατερ Διός. Fr. 11. τὸ χρύσειον δὲ τῆς Δίκης δέδορκεν ὄμμα. Pind. Fr. 60. χρυσέα — Πυθοῖ. φάμα] Gl. B. μαντεία. Cf. 723. φῆμαι μαντικά. 86. 475. Tr. 1150. El. 56. ἠδέϊαν φάτιν. 667. Eur. Ion. 180. τοὺς θεῶν ἀγγέλλοντας φήμας θνατοῖς.

159. κέκλωμαι, ὦ —] Cf. Aesch. Suppl. 41. ὄντ' ἐπικεκλωμένα —. 590. τί' ἄν θεῶν ἐνδικωτέροισι κεκλώμαν εὐλόγως ἐπ' ἔργοις; Hom. II. 9, 454. πολλὰ κατηρᾶτο στυγεράς τ' ἐπεκέκλετ' Ἐρινῶς. Arist. Nub. 565. Ζῆνα — πρῶτα μέγαν κικλήσκω. χρέος] I. q. χροῆμα. Cf. Aesch. Sept. 20. Pers. 783. Ag. 85. Sic πρᾶγος et πρᾶγμα.

160. γαιάοχον] Hic i. q. πολιοῦχον. Sic Aesch. Sept. 796. γαιάοχε παγκρατὲς Ζεῦ. Plerumque epithetum Neptuni est. Cf. ad O. C. 1072. Γαιάοχος formatum ut πολλοχος. ἀδελφεᾶν] Cf. O. C. 535. 1056. Haec antiqua forma in Tragoedia in melicis tantum usurpatur. Corruptus enim est versus Aesch. Sept. 576.

161. κυκλόεντ' ἀγορᾶς θρόνον] Cf. Diphil. com. IV. 401. ὦστ' οὐ στρατιώτην ἄν τις ἀλλὰ καὶ κύκλον | ἐκ τῆς ἀγορᾶς δοθὸν βαδίζειν ὑπολάβοι. Eur. Or. 922. ὀλιγάκις ἄστν κάγορᾶς χραίνων κύκλον. θρόνον — θάσσει] Cf. Aj. 249. θοδὸν εἰρεσίας ζυγὸν ἐζόμενον. Aesch. Ag. 982. θάρσος εὐπιπὲς ἴζει φρενὸς φίλον θρῶ-

νον. 190. δαιμόνων — σέλιμα σεμνὸν ἡμέων. Prom. 389. ἦ τῶ νέον θακῶντι παγκρατεῖς ἔδρας; Pers. 146. τόδ' ἐνεξόμενοι στέγος ἀρχαῖον. Eum. 409. βρέτας τε τοῦμόν τῶδ' ἐφημένῳ ξένῳ. 3. τόδ' ἔξετο μαυτεῖον. 446. τὸ σὸν ἐφημένη βρέτας. Eur. Andr. 118. ἃ Θέτιδος δάπεδον — θάσσεις. 1266. χοιράδος κοῖλον μυχὸν | Σηπιάδος ἴζον. Iph. A. 141. μήτ' ἀλσώδεις ἴζον κρήνας. Iph. T. 266. ναυτίλους — θάσσειν φάραγγ' ἔφρασκε. Hel. 1107. θάκους ἐνίζουσαν. 1573. τοίχους — ἔζοντο. Bacch. 1048. ποιηρὸν ἴζομεν νάπος. El. 980. ἴρον καθίζων τρίποδ'. Or. 861. θάσσουντ' ἄκραν. 956. οὐδ' ὁ Πύθιος | τρίποδα καθίζων Φοῖβος. Ion. 366. εἶπερ καθίζει τρίποδα κοινὸν Ἑλλάδος. 5. δμφαλὸν μέσον καθίζων. 1314. τοὺς ἀδίκους βωμὸν οὐχ ἴζειν ἐχρῆν. Iph. T. 277. θάσσειν φάραγγα. Eur. Fr. 1049, 2. βωμὸν προσίζει. Ion. 1486. ἃ — τὸν ἔλαιοφνῆ πάγον θάσσει. Herc. 1214. θάσσουντα δυστήγους ἔδρας. Her. 56. ἦπου καθῆσθαι τήνδ' ἔδραν καλὴν δοκεῖς. Hel. 1114. μουσεῖο καὶ θάκους ἐνίζουσαν. ἀγορᾶς] Cf. Aesch. Sept. 272. θεοῖς — ἀγορᾶς ἐπισκόποις. Ag. 90. Eum. 973. εὐκλέα] Cf. 180. νηλέα. Pind. Fr. 45. εὐκλέ' ἀγοράν. Ol. VI. 76. εὐκλέα μορφάν. P. VIII. 65. γὰν εὐκλέα. IX. 58. εὐκλέα νύμφαν. N. V. 15. εὐκλέα νᾶσον. VI. 48. P. XI. 187. ἀγακλέα κούραν. Ol. II. 90. εὐκλέας οἰστοὺς ἰέντες. Simonid. Fr. 97, 1. εὐκλέας ἀλα κέκενθε, κτλ. Solennis Attica forma est εὐκλεᾶ (Phil. 1422. εὐκλεᾶ θέσθαι τάφον. Eur. Phoen. 1251. Fr. 242, 2.). Templum Dianae εὐκλείας prope Proeti portam stabat. Ionica et epica forma. ἀγορᾶς θρόνον — θάσσει] Ἄρτεμις inter deos forenses enumerabatur; ut Ζεὺς, Ἐρμῆς, Θέμις, et fortasse alii.

163. τρισσοὶ ἀλεξίμοροι] Tres dei averrunci (θεοὶ ἀλεξητήριοι) erant Zeus (O. C. 143.), Apollo et Hercules. ἀλεξίμοροι] Confer vv. ἀλεξίκακος, ἀλεξήτωρ (O. C. 143.), ἀλεξητήριος. προφάνητέ μοι] Cf. O. C. 1505. ποδοῦντι προφάνης. Ant. 1150. προφάνηθ'.

164. εἴ ποτε καὶ προτέρως — ἔλθετε καὶ νῦν] Cf. El. 1301. ὦδ' ὅπως καὶ σοὶ φίλον | καὶ τοῦμόν ἐσται. Tr. 340 sq. Arist. Nub. 356. καὶ νῦν, εἶπερ τινὲ κάλλω, | οὐρανομήκη δῆξατε κάμοι φωνήν. Eq. 590. Pac. 302. Ach. 404. Th. 1155. Hom. Il. 5, 116. εἴ ποτέ μοι καὶ πατρὶ φίλα φρονέουσα παρέσθης | δήτω ἐν πολέμῳ, νῦν αὐτ' ἐμὲ φίλοι, Ἀθήνη. ἅτας ὑπερ —] Cf. 187. 265. 989. Ant. 932. Aj. 1310. Aesch. Sept. 112. ἴδετε παρθένον ἱέσιον λόχον δουλοσύνας ὑπερ. 89. βοᾷ ὑπὲρ τειχέων | ὁ λεύκασπις ὄρνυται λεῖως. Eur. Ph. 1346. εἰς ἀσπίδ' ἤξειν βασιλικῶν ὑπερ. ὄρνυμένας] Cf. 177. Aesch. Sept. 87. ὄρόμενον κακὸν ἀλεύσατε. 110. κῦμα γὰρ περὶ πόλιν — καχλάζει — ὄρόμενον. Ag. 1382. κακὸν — ὄρόμενον. 639. ὠρώρει κακά. Eur. Ph. 1065. ὄθεν ἐπέσντο τάνδε γὰν — τις ἅτα.

166. ἡνύσατ' ἐκτόπιον] Schol. ἐξετοπίσατε, ὑπερόριον ἐποιήσατε. Cf. 1340. ἀπάγει' ἐκτόπιον ὅτι τάχιστά με. O. C. 119. ἐκτόπιος

ονθείς. Eur. Fr. 773, 68. ἐκτόποιί τε δόμων ἀπαιέρετε. Confer ἐκπάτιος (Aesch. Ag. 49.). Qu. ἠλάσατ'. ἠνύσατ'] Cf. 720. οὐτ' ἐκεῖνον ἠνύσει φωνέα γενέσθαι. Ant. 1178. τοῦπος ὡς ἄρ' ὄρθον ἠνύσας. Ph. 1145. κοινὰν ἠνύσεν ἐς φίλους ἀρωγὰν. Aj. 951. ἄγαν γ' ὑπερβριδὲς ἄχθον ἠνύσαν. Tr. 996. φλόγα πῆματος] Cf. Eur. Fr. 360, 23. πόλιν δὲ πολεμία κατεῖχε φλόξ. Infra 191. φλέγει με περιβόατος (Ἄρης). πῆματος] Cf. Aj. 363. τὸ πῆμα τῆς ἄτης. Apud Homerum πῆμα κακοῖο, δύης — πῆμα.

167. ὃ πόποι] Cf. Tr. 853. Aesch. Eum. 145. Pers. 717. 838. etc. De hiatu cf. El. 164. ἐγὼ ἀκάματα. ἀναρίθμητοι] Cf. Herod. I. 126. πόνοι — ἀναρίθμητοι.

169. πρόπας στόλος] Schol. ὁ πᾶς λεώς. Cf. O. C. 1305. Tr. 226. Aesch. Ag. 1010. Praepositio πρὸ in compositis saepe vim vocabuli auget. Sic O. C. 1237. πρόπαντα κακά. Ant. 860. πρόποντος δόμον. Aesch. Pr. 414. πρόπασα δ' ἤδη σπυρόνεν λέλακε χώρα. Pers. 548. νῦν δὴ πρόπασα μὲν στένει | γαί' Ἄσις ἐκκενουμένα. 440. κακῶν δὴ πέλαγος ἔρρωγεν μέγα — πρόπαντι βαρβάρων γένει. Eur. Or. 960. οἴχεται τέκνων πρόπασα γέννα Πέλοπος. Ph. 624. 1505. Hom. II. 2, 193. νῆας τε προπάσας.

170. οὐδ' ἐνι —] Cf. Aesch. Prom. 606. τί μῆχαρ ἦ τι φάρμακον νόσου δεῖξον, εἶπερ οἴσθα. Hom. II. 11, 822. οὐκέτι ἄλλαρ Ἀχαιῶν ἔσσεται. Hom. Od. 22, 305. οὐδέ τις ἀλήγη γίγνεται οὐδὲ φυγή. Herod. IV. 151. ἐπεὶ τε δὲ κακοῦ οὐδὲν ἦν σοι μῆχος, κτλ. II. 181. III. 68. Aesch. Suppl. 743. Ag. 2. Eum. 905. Eur. Andr. 535. Arist. Pac. 1320. Infra 42. ἱκετεύομέν σε πάντες — ἀλήγην τιν' εὐρεῖν ἡμῖν. 218. ἀλήγη λάβοις ἂν κἀνακούφισιν κακῶν. 189. εὐῶπα πέμψον ἀλκάν. Phil. 1151. βελέων ἀλήγη. Eur. Andr. 536. τί δ' ἐγὼ κακῶν | μῆχος ἐξανύσωμαι; Pind. P. X. 81. ἄγκυραν — χοιράδος ἄλλαρ πέτρας. Theocr. II. 95. χαλεπᾶς νόσω εὐρέ τι μᾶχος. Herod. II. 181. τοῦτο γάρ οἱ κακοῦ εἶναι μῆχος. et ad 25. ἔγχος] Gl. B. δύναμις, βοήθεια. Gl. B. ἐνι: ὑπάρχει. ἔγκονα] Schol. rec. ἤγουν οἴτοι καὶ τὰ ἄλλα γεννήματα, οἱ καρποί. Cf. 25. φθίνουσα μὲν κάλυξιν ἐγκάρποις χθονός. Eur. Iph. A. 517. Χαλκίδος ἔγκονα θρέμματα.

171 sq. οὔτε γὰρ ἔγκονα —] Cf. Aesch. Suppl. 674. τίκτεσθαι δὲ φόρους γᾶς | ἄλλους (διπλοῦς?) εὐχόμεθ' αἰεὶ, | Ἄρτεμιν δ' ἐκάταν γυναι κῶν λόχους ἐφορεῦεν.

171. ἀλέξεται] Secundum usum epicum pro ἀλέγεται positum. Sic ἀλεύεται pro ἀλεύηται Hom. Od. 14, 400. ὄφρα καὶ ἄλλος ἀλεύεται ἠπεροπεύειν. et ῥέξομεν pro ῥέξωμεν O. C. 1725. Cf. 539. Aj. 165. ἀπαλέξασθαι. Fr. 286. Hom. II. 13, 475. ἀλέξασθαι μεμῶως κύνας ἠδὲ καὶ ἄνδρας.

172. κλυτᾶς χθονός] Gl. B. κλυτᾶς: ἐνδόξου. Cf. Aj. 375. ἐν κλυτοῖς πεσὼν αἰπολλοῖς. 177. κλυτῶν ἐνάρων. Ant. 1119. κλυτὰν — Ἰταλίαν. Phil. 706. ἱερᾶς γᾶς. Hesiod. Th. 216. πέργη κλυτοῦ

᾽Ωκεανοῦ. 483. ζαθέης — γαίης. Aesch. Cho. 651. κλυτὰ βυσσόφρων Ἐρινός. αὔξεται] Grow. Cui opponitur φθίνειν (to perish) 25. 666. O. C. 610. Cf. Empedocle. 113. καὶ φθίνει εἰς ἄλληλα καὶ αὔξεται ἐν μέρει αἴσης. Terra enim non modo peste sed etiam ἀχμῶ laborare fingitur. V. 25.

174. ἰήτων καμάτων] Cf. Eur. El. 1204. ἰήιον κλύων γόνου ματρός. Phoen. 1050. ἰήιον μέλος. ἀνέχουσι] Superant. Anglice get over. Schol. rec. ἀνεοῖν ἔχουσιν, ἀναπαύονται. Appian. de Reb. Hisp. c. 32. τῆς μάχης οὐκ ἀνασχῶν. Punic. c. 75. ἀνασχεῖν τοῦ πολέμου. 136. ἀνέσχεν ἢ βουλή τοῦ συνοικισμοῦ. Hom. Od. 5, 320. ἀνασχεθεῖν (emergere).

175. ἄλλον δ' ἂν ἄλλω —] I. e. ἐπ' ἄλλω, ut explicat schol. Cf. El. 235. μὴ τίκειν σ' ἄταν ἄταις. O. C. 544. δευτέραν — ἐπὶ νόσῳ νόσον. Aj. 866. πόνος πόνῳ πόνον φέρει. Eur. Tro. 591. ἐπὶ δ' ἄλγεσιν ἄλγεα κείται. Or. 1254. φόβος ἔχει με μὴ τις — πῆματα πῆμασιν ἐξέυρη. Phoen. 1495. φόνῳ φόνος | Οἰδιπόδα δόμον ὤλεσε. Hel. 195. ἔμολε δάκρυα δάκρυσί μοι φέρων. ἅπερ εὐπτερον δρῶν —] Cf. Eur. Herc. 510. καὶ μ' ἀφείλεθ' ἢ τύχη, | ὥσπερ πτερόν πρὸς αἰθέρα, ἡμέρα μῆ. Hipp. 829. δρῶν γὰρ ὡς τις ἐκ χερῶν ἀφαντος εἶ, | πῆδημ' ἐς Ἄϊδου κραιπνὸν δρμησάσά μοι. Suppl. 1142. ποτανοὶ δ' ἤρυσαν τὸν Ἄϊδαν. Arist. Ran. 1352.

176. ἅπερ] Cf. Aj. 168. παταγοῦσιν ἄτε (ἅπερ al.) πτηνῶν ἀγέλαι. κρείσσον —] Tricl. ἤγουν ταχύτερον τοῦ τῆς ἀστραπῆς πυρός. Sic σθεναρώτερον (flecter) 468. Acherusius lacus dici videtur, quem omnes transire existimabantur priusquam ad Orcum pervenirent. Cf. Ant. 813. τὰν Ἀχέροντος ἀκτάν. Aesch. Eum. 660. Sic οἶαπερ, οἶα, ἄτε.

177. κρείσσον — πυρός] Cf. Eur. Hec. 602. γαντική τ' ἀναρχία | κρείσσον πυρός. Andr. 271. ἃ δ' ἔστ' ἐχίδνης καὶ πυρός περραιτέρω. Thuc. II. 50. κρείσσον λόγου. II. 64. ἐλπίδος. Infra 137. ἔργα — κρείσσον' ἀγρόνης. Cratin. min. III. 377. ἔχει γὰρ χεῖρα — πολὺν κρείττω τοῦ πυρός αὐτοῦ. ἀμαιμακέτον] Cf. O. C. 127. ἄσλος ἐς τὰνδ' ἀμαιμακετῶν κορῶν (Furiarum). Hesiod. Th. 319. ἀμαιμάκετον πῦρ. Hom. Il. 6, 179. Χίμαιραν ἀμαιμακῆτην. 16, 329. Od. 14, 311. Pind. Isth. 8, 74. P. 1, 28. πόντον — ἀμαιμάκετον. 3, 58. μένει ἀμαιμακῆτω. 4, 370. ἀκτάν —] Cf. Ant. 812. Ἀχέροντος ἀκτάν. Pind. P. 11, 33. Ἀχέροντος ὀκτάν εὐσοκίον. (Musgr.) ἐσπέρον θεοῦ] Schol. rec. σκοτεινοῦ: περιφραστικῶς δὲ ἀντὶ τοῦ Ἄϊδου. Blomfield (Gl. Pers. 237.) parum probabiliter epithetum ἐσπέρον ad locutionem αἰ δνσμαι τοῦ βίου refert.

179. ὦν — ἀνάριθμος] “I. e. οἱ ἐν τῇ πόλει ἀνάριθμοι δλλνται.” (Matth.) Cf. El. 232. ἀνάριθμος — θρηγῶν. Tr. 247. τὸν ἀσκοπον χρόνον ἡμερῶν — ἀνήριθμον. Aj. 603. μηνῶν ἀνάριθμος — τρυχόμενος. Pind. Isth. 4, 49. ἀναριθμῶν ἀνδρῶν χαλαζάεντι φόνῳ.

180. Cum hoc loco Herwerden confert Ovid. Met. 6, 606 sq.

νηλέα] Ut εὐκλέα 161. Cf. Hom. Il. 19, 229. νηλέα θυμὸν ἔχον-
τας. Hom. H. Merc. 385. νηλέα φωνήν. Pind. P. I. 95. νηλέα νόον.
Eur. Cycl. 368. νηλής δ' ἐλάμων. Aesch. Prom. 42. αἶε γε δὴ νηλής
σὺ καὶ θράσους πλέως. 240. νηλεῶς. Soph. Ant. 1197. ἐνθ' ἔκειτο
νηλεῆς — σῶμα Πολυνείκους ἔτι. γένεθλα] Offspring. Cf. 1425.
τὰ θνητῶν — γένεθλα. Ant. 1149. παῖ Διὸς γένεθλον. Phil. 453.
Aesch. Cho. 256. αἰετοῦ γένεθλ' ἀποφθείρας. Nonn. Dion. 27, 274.
Ἰνδῶν δοῦλα γένεθλα. πρὸς πέδῳ] Mire positum pro ἐν πέδῳ.

181. θαναταφόρα] τὰ ἄωρα γεννήματα explicat Triclinius.
Cf. ad Tr. 214. Aesch. Cho. 369. θανατηφόρον αἶσαν. Ag. 1176.
πάθη γοερά θανατοφόρα (?).

183. Tricl. τουτέστιν, αἱ μὲν ἄλοχοι διὰ τὰ ἄωρα γεννήματα
ἱκετεύουσαι, δι' αὐτὰς δὲ αἱ μητέρες αὐτῶν. ἐν δ'] I. e. et inter
alios. Cf. Tr. 206. Aj. 675. O. C. 55. ἐπι] Anglice in addi-
tion, besides. Gl. B. σὺν ταύταις.

184. ἀκτὰν — βώμιον] Cf. Aesch. Cho. 722. ὦ — πότιν' ἀκτὴ
χώματος. Tr. 1010. Κηναία κρηπὶς βωμῶν. Eur. Herc. 985. ἀμφὶ
βωμίαν | ἔπηξε κρηπὶδ'. Sed ἀχὰν παραβώμιον Nauck.

185. πόνων ἱκτῆρες] Supplices propter mala. ἱκτῆρες]
Cf. 143. Eur. Her. 102. 365. 764. Cycl. 370.

187. παιὰν —] Cf. 5. πόλις — γέμει — παιάνων τε καὶ στεναγ-
μάτων. παιὰν — λάμπει] Cf. Ph. 189. ἀχὼ τηλεφανής. δμυανλος]
Sc. τῷ παιᾶνι. I. q. σύμφωνος. Gl. B. συμμιγής. ὦν ὑπερ —]
Quapropter. Cf. Aesch. Sept. 112. ἴδετε παρθένων ἱέσιον λόχον
δουλοσύνας ὑπερ. λάμπει] Accenditur. Cf. 473. ἔλαμψε —
φάμα. et ad Phil. 216. τηλωπὸν ἰωάν. Bacchylid. 13, 12. παιδικοί
θ' ὕμνοι φλέγονται. Arist. Thesm. 1041. γόν φλέγουσαν (ex trag.).

188. ὦ χρυσέα θύγατερ Διὸς] χρυσῆ secundum nonnullos
scriptores cognomen Athenae fuit (schol. Hom. Il. 2, 725.).

189. εὐῶπα πέμψον ἀλκάν] Cf. Aesch. Cho. 490. δὸς δέ τ'
(qu. σὺ δὲ δὸς aut δὸς δὸς) εὐμορφον κράτος. Ant. 530. τέγγουσ'
εὐῶπα παριάν. Sic χρυσῶπα — Ὀλυμπον Eur. Bacch. 553. Fre-
quentior forma est εὐῶπὸς Eur. Orest. 916. Ion. 1611. V. Lob.
ad Aj. p. 274. Eur. Phoen. 1357. εὐπροσώποις φρομίμοις. Arist.
Pac. 617. ταῦτ' ἄρ' εὐπρόσωπος ἦν (Εἰρήνη). Ach. 990.

190. μαλερόν] Vehementem. Schol. τὸν καταμαραίνοντα.
Epithetum ignis apud Homerum Il. 9, 242. 20, 316. 21, 375.
Epigr. 4, 5. Cf. Aesch. Cho. 319. πυρὸς μαλερὰ γνάθος. Pers. 62.
Ag. 137. Eur. Tro. 1300. Herod. VII. 140. μαλεροῦ πυρὶ (orac.).
Arist. Carm. 6, 5. πόνους τλήναι μαλεροῦς ἀκάμαντας. Pind. Ol.
IX. 34. φίλαν πόλιν μαλεραῖς (glowing) ἐπιφλέγων δοιδαῖς.

191. ἀγαλκος ἀσπίδων] Cf. 885. δίκας ἀφόβητος. El. 36. ἀσ-
κενον ἀσπίδων. 1002. ἄλυπος ἄτης. O. C. 677. ἀήνημον — χει-
μῶνων. 785. κακῶν ἄνατος. 1519. γήρωσ ἄλυπα. 865. ἀφρωνος ἀράς.
746. 677. Aj. 321. ἀνόφητος δξέων κωκυμάτων. Tr. 685. ἄπυρον

ἀκίτως. 691. ἀλαμπές ἡλίον. O. C. 1722. 23. ἀταρβής τῆς θεάς. 1383. ἀπάτωρ ἐμοῦ. Aj. 1327. ταφῆς ἄμοιρον. Eur. Bacch. 1298. ἄτεκνος ἀροσίων παίδων. Phoen. 324. ἄπελος φαρέων. Eur. El. 308. ἀνεοτος ἱερῶν. 1130. ἀγέιτονα φίλων. Iph. A. 982. ἀνοσος κακῶν ἐμῶν. 884. ἀνοσος κακῶν. Hom. Od. 4, 758. ἀπαστος ἐδητύος ἢ δὲ ποτήτος. Thuc. 2, 65. χρημάτων ἄδωρος. Herod. 7, 61. ἀπαις — ἔροενος γόνου. ἄχαλκος ἀσπίδων] Cf. Eur. Iph. A. 669. χάλκασπις Ἄρης. Pind. Isthm. 7, 35. Soph. O. C. 1046. τὸν χαλκοβόαν Ἄρη.

192. φλέγει με] Φλέγειν transitivum est etiam Aj. 196. 714. Aesch. Pers. 364. Prom. 582. Sept. 286. φλέγει] Cf. 166. φλόγα πῆματος. περιβόατος] Activo sensu. Passivo Menand. 402, 3. ἀπέιργασται μέγα | καὶ περιβόητον ἔργον. Antiph. 25, 1. ἐὰν δὲ τὸ ὑργαστήριον ποιῆτε περιβόητον. Thuc. VI. 31. τόλμης τε θάμβει καὶ ὄψεως λαμπρότητι περιβόητος. Athen. XIII. 596 B. ἢ καὶ τοὺς περιβόητους ὀβελίσκους ἀναθεῖσα. Confer περίστατος (Theopomp. II. 808. περίστατον βοῶσα τὴν κόμην ποιεῖ) et βληχητός (Eupol. II. 477. βληχητὰ τέκνα, bleating children). Cf. Apoll. Rhod. III. 792. τηλοῦ δὲ πόλις περὶ πᾶσα βοῆσει | πότιμον ἐμόν. ἀντιάζω] Obsecror. I. q. ἄντομαι. Cf. El. 1009. ἀλλ', ἀντιάζω, κατάσχες ὀργὴν. Ph. 809. ἀλλ', ἀντιάζω, μὴ με καταλίπης. Aj. 492. καὶ σ' ἀντιάζω πρὸς κτλ. Eur. Ion. 1119. ἀντιάζω σ' ἱκέις. Alc. 402. Andr. 573. Iph. T. 1053. Aesch. Ag. 1557. Herod. I. 105. σφέας ἀντιάζας δῶροισί τε καὶ λιτῆσι. II. 141.

193 sq. Cf. O. C. 234. σὺ δὲ τῶνδ' ἐδράνων | πάλιν ἐκτοπος αὐθις ἄφορμος ἐμᾶς χθονὸς ἐκθορε.

193. παλίσουτον δράμμηνα νωτίσαι] Anglice, to turn his backward course (to flee). Schol. rec. λείπει τὸ δός. Gl. B. δός παλινδρομήσαι. Similiter ἄλμα κουφίζειν Aj. 1287. πήδημα κουφίζειν Eur. El. 861. μέλος λιγαίνειν Bion. Id. XV. 1. παλίσουτον] Retreating rapidly. Gl. ὀπισθόρμητον. Cf. Eur. Suppl. 388. παλίσουτος | στείχε. Sic αὐτόσουπος Fr. 503. κραυπνόσουτος, λαβρόσουτος, νεόσουτος (Hesych.). νωτίσαι] Tergum dare. Cf. Eur. Andr. 1142. πρὸς φυγὴν ἐνώτισαν. Bacch. 762. ἀπενώτιζον φυγῆ | γυναικὲς ἄνδρας. Herc. 362. ζανθὸν κρατ' ἐπινωτίσας δεινῷ χάσματι θηρός. Aesch. Ag. 277. πόντον ὥστε νωτίσαι. Archipp. 5. ἐπενώτισεν (i. e. ἐφώρμησεν, Hesych.).

194. ἄπουρον] Sic L. pr. m. I. q. τηλουρόν (Aesch. Pr. 1. 807. Eur. Andr. 889) et ἐκτόπιον (166.). Sic πρόσουρος Phil. 691. ἔπουρος, etc. Alia lectio est ἔπουρον (i. e. secundo vento).

ἐς μέγαν θάλαμον —] I. e. in Oceanum. Cf. Fr. 612. πολύκοιρον (πολύκοιτον Seyf. ad Aj. 1194. sic ὁ παγκοίτας θάλαμος de sepulcro Ant. 804.) Ἀμφιγρίταν.

196. τὸν ἀπόξενον ὄρμον] I. e. τὸν ἄνορμον. Cf. Phil. 217. ναὸς ἄξενον — ὄρμον. Aesch. Ag. 1253. τῆσδε γῆς ἀπόξενος.

Aesch. Eum. 882. ἄτιμος ἔρρειν τοῦδ' ἀπόξενος πέδου. Prom. 726. ἴνα | τραχέια πόντου Σαλμυδησοῖα γνάθος | ἐχθρόξενος ναῦταισι, μητριὰ νεῶν. Cum ἀπόξενος confer ἀπάνθρωπος (Prom. 20. τῶδ' ἀπάνθρωπῳ πάφῳ), ἀπότιμος, ἀπόδημος, ἀπόμουσος, ἀπόπτολις, ἀπόσιτος, ἀπόμισθος, ἀποχρήματος, ἀπόφονος, etc.

198. τέλει γὰρ —] Schol. εἴ τι ἢ νύξ ἀγαθὸν καταλείπεται (καταλείπει Dind.). Redde, For, if night leaves ought at its close, this the day assails. Cf. Tr. 29. νύξ γὰρ εἰσάγει καὶ νύξ ἀπωθεῖ (ut hic ἀφῆ) διαδεδεγμένη πόνον. Fr. 400. πόνῳ πόνον | ἐκ νυκτὸς ἀλλάσσοῦσα τὸν καθ' ἡμέραν. Similiter Herod. V. 92. ὄσα γὰρ Κύπελος ἀπέλιπε κτείνων τε καὶ διώκων, Περίανδρός σφρα ἀπετέλεσε (al. ἐπετέλεσε). Schol. ἐπὶ τῷ ἑαυτῆς τέλει.

199. τοῦτ' ἐπ' ἡμῶν ἔρχεται] Hoc dies aggreditur. Similis tmesis est O. C. 1777. ἐπὶ — ἐγείρετε. Aesch. Ag. 781. πᾶν δ' ἐπὶ τέρμα νῶμα. Ant. 153. El. 1297. Aj. 438. Tr. 1180. Cf. Fr. 431. ἔρως γὰρ ἄνδρας οὐ μόνους ἐπέρχεται. Aesch. Pers. 845. ὦ δαῖμον, ὥς με πόλλ' ἐπέρχεται κακά. Suppl. 554. λειμῶνα — ὄν τ' ἐπέρχεται Τυφῶ μένος.

200. τὸν —] Pro ὄν. Referendum ad Ἄρεα (190). Cf. 1466. ταῖν μοι μέλεισθαι. τᾶν πυρφόρων ἀστραπᾶν] Cf. Phil. 1198. πυρφόρον ἀστεροπητήν.

201. κράτη νέμων] Cf. 237. γῆς — ἧς ἐγὼ κράτη τε καὶ θρόνους νέμω. Aesch. Ag. 74. ἰσχὺν ἰσόπαιδα νέμοντες.

203 sq. Cf. Timotheum Dith. Fr. 9. σύ τ' (leg. δ'), ὦ τὸν δαί (ἄνω?) πόλον οὐράνιον | ἀκτίσι λαμπραῖς Ἥλιε βάλλων, | πέμψον ἑκαβόλον ἐχθροῖς βέλος | σᾶς ἀπὸ νευρᾶς, Παιάν. Sic Chryses Apollini precatur Hom. II. 1, 42. τίσειαν Δαναοὶ ἐμὰ δάκρυα σοῖσι βέλεσσιν. Profecto in tota hac parte hujus fabulae Sophocles istum Iliadis locum in mente videtur habuisse.

203. λύκει' ἄναξ] Cf. 919. ὦ λύκει' Ἄπολλον. El. 645. λύκει' ἄναξ. 655. 1379. Aesch. Sept. 145. καὶ σὺ, λύκει' ἄναξ, λύκειος γενοῦ. 686. Ag. 1228. λύκει' Ἄπολλον. Apollo ita appellabatur ut 'averuncus deus.' Cf. ad El. 6. Schol. rec. χρυσοστράφων: ἀπὸ τοῦ τόξου, τοῦ χρυσοῦν νευρὰν ἔχοντος. Cf. 1097. ἰήιε Φοῖβε, σοὶ δὲ ταῦτ' ἀρέσσι' εἶη.

204. ἀγκυλᾶν] Cf. Eur. Or. 1476. ἀγκύλας — ἔχων. Aesch. Fr. 16. καὶ παλτὰ ἀγκυλητὰ (leg. ἀγκυλωτὰ) — βαλῶν. Arist. Av. 1180. ἡγκυλωμένους. Baech. 1205. ἀγκυλωτοῖς Θεοσαλῶν στοχάσμασιν.

205. ἀδάματ'] Cf. 1315. Aj. 450. O. C. 1572. Aesch. Cho. 49. σέβας δ' ἄμαχον, ἀδάματον, κτλ. Sept. 219. Soph. Phil. 198. τείνα τὰ θεῶν ἀμάχητα βέλη. ἐνδατεῖσθαι] Anglice be scattered. Cf. ad Tr. 791. Aesch. Sept. 578. Aesch. Fr. 350. Plat. Resp. II. 383 B. Herc. F. 218. λόγους ὀνειδιστήρας ἐνδατούμενος. Nicand. Ther. 509. ἦτοι ἀριστολόχεια παλλοκίος ἐνδατέοιτο.

206. *προσταχθέντα*] Assigned. Cf. Eur. Hec. 102. *ἦν' ἐκληρώθην καὶ προσειάχθην*. Herod. 7, 65. Thuc. 6, 42. *τάς τε πυρφόρους Ἀρτέμιδος αἴγλας*] Cf. Tr. 213. *Ἄρτεμιν — ἀμφίπτυρον* (i. e. binas taedas gerentem). Cic. Verr. IV. § 74. *'Sagittae pendebant ab humero, sinistra manu retinebat arcum, dextra ardentem facem praeferebat (Diana Segestana)'*. Eur. Suppl. 260. *τήν τε πυρφόρον θεάν | Δήμητρα*. Artemis invocatur quia ad partus praeesse putabatur. Cf. Aesch. Suppl. 676. *Ἄρτεμιν δ' Ἐκάταν γυναικῶν λόχους ἐφορεύειν. αἴγλας*] Cf. Ant. 610. *Ὀλύμπου μαρμαρόεσσαν αἴγλαν*. Eur. Tro. 551. *πυρός μέλαιναν αἴγλαν*.

208. *διόσσει*] Cf. Tr. 1083. *δδ' αὖ διήξε πλευρῶν*.

209. *τὸν χρυσομίτραν — Μαινάδων ὀμόστολον*] Cf. Lucian. D. D. 18, 1. *μίτρα μὲν ἀναδεδεμένος τὴν κόμην, τὰ πολλὰ δὲ μαινομένης γυναιξὶ συνῶν (Διώνυσος)*.

210. *τᾶσδ' ἐπώνυμον γᾶς*] Cf. Ant. 1122. Tr. 510. *Βακχίας ἀπὸ — Θήβας*. Eur. Ion. 1555. *ἐπώνυμος δὲ σῆς ἀφικόμενην χθονός | Παλλάς*.

211. *οἰνώπα Βάκχον*] I. e. rubicundi coloris. Cf. O. C. 674. *τὸν οἰνώπα κισσόν* (hic nigricantem). *Οἰνωπὸς γένυς Baccho tribuitur* Eur. Bacch. 236. 438. *Βάκχον εὔιον*] Cf. Eur. Bacch. 566. 579. 157. 1160.

212. *μαινάδων ὀμόστολον*] Gl. *τὸν συνόμιλον, τὸν συνοδοιπόρον*. Cf. Aesch. Suppl. 499. *μορφῆς δ' οὐχ ὀμόστολος φύσις*. Apoll. Rhod. II. 802. Phil. 203. *κτύπος φωτὸς σύντροφος*. Aesch. Fr. 339. *πάτερ θεοῖνε (φίλοινε?)*, *Μαινάδων ζευκτήριε*. Ion. Eleg. I. *θυροσφόροις μέγα πρεσβέων Διώνυσος*. Confer *μονόστολος, δίστολος*.

213. *πελασθῆναι*] Cf. Ph. 1327. *πελασθεῖς*. Eur. Or. 1279. *πελάζεται*. Rhes. 776. *πελάζεσθαι στρατῷ*. Aesch. Sept. 144. *πελαζόμεσθα. φλέγοντ' ἀγλαῶπι —*] Cf. Eur. Bacch. 145. *ὁ Βακχεὺς δ' ἔχων πυρσῶδη φλόγα πένκας ἐκ νάρθηκος*.

214. *ἀγλαῶπι — πένκα*] Cf. Aesch. Ag. 288.

215. *ἀπότιμον*] *ἀπότιμος* ab *ἄτιμος* eo distat quod illud honore privatus significat (cf. *ἀπόφθεγκτος, ἀπόσιτος*), hoc sine honore. V. Herm. ad Eur. Iph. T. 922. Cf. Herod. II. 167. *ἀποτιμότερους τῶν ἄλλων ἡγευμένους πολιτείαν τοὺς τὰς τέχνας μανθάνοντας*. Sic *ἀπόμοσος* Aesch. Cho. 600. *ἀπόφονος* Or. 163. Eur. Med. 1085. *ἀπέρωτος*.

217. *δέχεσθαι*] Cf. Eur. Hipp. 694. *ἔχω δὲ κἀγὼ πρὸς τὰδ', εἰ δέξει, λέγειν*. Thuc. V. 60. *δεξάμενος τοὺς λόγους*. Matth. Ev. XI. 14. *εἰ θέλετε δέξασθαι. τῇ νόσῳ θ' ὑπηρετεῖν*] I. e. and to give your attention to the pestilence (so as to find means to avert it). Cf. O. C. 283. *ἐργοῖς — ἀνοσίσις ὑπηρετῶν*. El. 1306. *οὐ γὰρ ἂν καλῶς | ὑπηρετοίην τῷ παρόντι δαίμονι*. Eur. Med. 585. *καλῶς γὰρ οὖν οὐ τῷδ' ὑπηρετεῖς λόγῳ*. Eur. Fr. 284, 7. *κἀξυπηρετεῖν τύχαις*. Chaeremon. Fr. 39. *γέρων γὰρ ὀργῇ πᾶς ὑπηρετεῖν*

κακός. Alex. com. III. 453. εἰ μὴ γὰρ ὦν ἄνθρωπος ἀνθρώπου τύχαις | ὑπηρέτησω, ποῦ φανήσομαι φρονῶν; O. R. 217. O. C. 283. Xen. Mem. I. 4. 13. ταῖς νόσοις ἐπικουρήσαι. Antiphont. III. 4. 10. ταῖς ἀτυχίαις βοηθοῦντες. Isocrat. IV. 56. βοηθῆσαι ταῖς αὐτῶν συμφοραῖς. Epist. 9, 16. S. Marc. Evang. IX. 24. βοήθει μου τῇ ἀπιστίᾳ.

218. ἀλλήν — κακῶν] Cf. Eur. Andr. 28. ἀλλήν τιν' εὐρεῖν κἀπικούρησιν (κἀπικούφισιν recte Herw.) κακῶν. Or. 1341. οἴκτειρον ἡμᾶς κἀπικούφισον κακῶν. El. 72. μόχθου 'πικουφίζουσαν (σε).

219. ἀγώ —] Scil. ἔτη (216.). ξένος — τοῦ λόγου] A stranger to this rumour. Nulla enim oppositio hic fit inter ξένος (advena) et ἀστός (civis). Cf. Hippocr. p. 229, 12. τοῦ πνεύματος δεῦσις ξενικωτάτη. Plat. Apol. 17 D. ξένως ἔχω τῆς ἐνθάδε λέξεως. τοῦδ' ἐξερω] Cf. ad Aj. 1101. Ph. 22.

220. οὐ γὰρ ἂν —] Ita enim (ξένος ὦν τοῦ πράγματος) non potuissem porro rem investigare, nullum indicium habens. Cf. 82. ἀλλ' εἰκάσαι μὲν ἠδύς· οὐ γὰρ ἂν — ὦδ' εἶροπε κτλ. 318. οὐ γὰρ ἂν δεῦρ' ἐκόμην. Ph. 412. οὐκ ἦν ἐτι ζῶν, ὦ ξέν'· οὐ γὰρ ἂν ποτε — ἐσυλήθην ἐγώ. O. C. 146. δηλῶ δ'· οὐ γὰρ ἂν ὦδ' — εἶροπον. 99. El. 1448. ἔξοιδα, πῶς γὰρ οὐχί; συμφορᾶς γὰρ ἂν | ἔξωθεν εἶην κτλ. 323. 1305. Tr. 1118. Aesch. Prom. 1019. Eur. Hec. 1251. σοὶ δ' οὐκ ἔχρησεν οὐδὲν ὦν ἔχεις κακῶν; | ΠΟ. οὐ γὰρ ποτ' ἂν σύ μ' εἶλες ὦδε σὺν δόλω. Iph. T. 1201. Orest. 705. Arist. Pl. 427. Thucyd. VII. 51. Iph. A. 1256. φιλῶ τ' ἔμαντοῦ τέκνα· μαινοίμην γὰρ ἂν. Arist. Th. 1014. ἤξει με σώσων· οὐ γὰρ ἂν παρέπτετο. Nub. 227. οὐ γὰρ ἂν ποτε | ἐξηῦρον ὀρθῶς τὰ μετέωρα πράγματα, | εἰ μὴ κτλ. Plat. Symp. 175 D. δήλον ὅτι ἡῦρες αὐτὸ καὶ ἔχεις· οὐ γὰρ ἂν προαπέστης. μακρὰν ἔχενον] Cf. Tr. 317. οὐδ' ἀνιστόρου μακράν. Aj. 1040. μὴ τεῖνε μακράν. τοῦ πραγθέντος] I. e. caedis Laii.

221. μὴ οὐκ ἔχων τι σύμβολον] Redde, 'I should not have investigated it far not having any clue to it' 'Nisi indicium aliquod haberem' vertit Dindorf., σύμβολον ad oraculum ab Creonte allatum (242) referendum esse admonens, ex quo cognoverat Oedipus quae via sibi ingredienda esset. Schol. οὐ γὰρ ἂν τοσοῦτου ὄντος τοῦ χρόνου τοῦ μεταξὺ ἀνεζήτουν τὸ πρᾶγμα, εἰ μὴ ἦδειν καταληψόμενος. Cf. ad 12. O. C. 360. ἦκεις γὰρ οὐ κενή γε — μὴ οὐχί δεῖμ' ἐμοὶ φέρουσά τι. Dem. Or. 18. § 228. οὐ γὰρ ἂν μεταπέθειν ὑμᾶς ἐζήτει μὴ (μὴ οὐ?) τοιαύτης οἴσης τῆς ὑπαρχούσης ὑπόληψεως περὶ ἐκατέρου. Or. 18. § 34. μὴ (f. μὴ οὐ) κατηγορήσαντος Αἰσχίνου μηδὲν ἔξω τῆς γραφῆς οὐδ' ἂν ἐγὼ λόγον οὐδένα ἐπιούμην. Or. 19. § 123. οὐ γὰρ ἐνῆν μὴ (μὴ οὐ?) παρακρουσθέντων ὑμῶν μεῖνα Φιλίππῳ. Herod. 6, 9. καταρρώδησαν μὴ οὐ δυνατοὶ γένωνται ὑπερβαλέσθαι — μὴ οὐκ ἐόντες ναυκράτορες. 6, 106. οὐκ ἐξελεύσεσθαι ἔφρασαν μὴ οὐ

πλήρεος ἐόντος τοῦ κύκλου (sc. τῆς σελήνης). Plat. Lys. 212 D. οὐκ ἄρα ἐστὶ φίλον τῷ φιλοῦντι μὴ οὐκ ἀντιφιλοῦν. ἔχων τι σύμβολον] Cf. 1058. οὐκ ἀναγένοιτο τοῦθ' ὄπως ἐγὼ λαβὼν | σημεῖα τοιαῦτ' οὐ φανῶ τοῦμόν γένος. Phil. 403. ἔχοντες σύμβολον σαφῆς λύπης. Eur. Rhes. 220. Ὀδυσσεῶς | οἶσω κάρα σοι, σύμβολον δ' ἔχων σαφῆς | φήσεις —. Eur. El. 577. συμβόλοισι γὰρ | τοῖς σοῖς πέπεισμαι θυμόν. Pind. Ol. XII. 10. σύμβολον δ' οὐπω τις ἐπιχθονίων πιστόν ἀμφὶ πράξιος ἔσσομένης ἤυρεν θεόθεν. Verbum ἔχειν non raro adipisci significat ut in El. 1464. τῷ γὰρ χρόνῳ νοῦν ἔσχον. 1013. αὐτὴ δὲ νοῦν σχές. Phil. 1420. ἀθάνατον ἀρετὴν ἔσχον (f. ἤυρον). Ceterum particulae μὴ οὐ coalescunt ut in 555. Aesch. Sept. 204. Eur. Hec. 1081. Bacch. 638. etc.

222. νῦν δ'] Cf. El. 1334. νῦν δ' —] Haec opponuntur praecedentibus verbis ἀγὼ ξένος —. ὕστερος] Sc. τοῦπραχθέντος (220). Sed corrigendum videtur ὕστερον. εἰς ἀστοὺς τελῶ] I. e. εἰς τέλος πολιτῶν ἐρχομαι. Cf. Eur. Bacch. 820. εἰς γυναικας ἐξ ἀνδρός τελῶ; Eur. Fr. 492, 5. εἰς ἀνδρῶν μὲν οὐ | τελοῦσιν αἰτιμόν. Herod. VI. 108. τοὺς μὴ βουλομένους ἐς Βοιωτοὺς τελείν. VI. 53. ἐς Ἑλλάδας ἐτέλεον. Arist. T. I. p. 91. εἰς Ἑλλάδας τελείν.

223. ὑμῖν προφωνῶ] Edico vobis. Cf. Aj. 1089. καὶ σοι προφωνῶ τόνδε μὴ θάπτειν.

227. Vauvillersius sic recte explicat: 'Et, si quidem timet quis accusationem, ipse clam praeventens semetipsum indicet: illaesus enim abibit etc.' Cf. Tr. 457. κελ μὲν δέδοικας, οὐ καλῶς ταρβεῖς, ἐπεὶ κτλ. Arist. Ran. 1109. εἰ δὲ τοῦτο καταφοβεῖσθον, μὴ τις ἀμαθία προσῆ, — μηδὲν ὀρρωδεῖτε τοῦθ', Thuc. VI. 27. ἐψηφίσαντο καὶ εἴ τις ἄλλο τι οἶδεν ἀσέβημα γεγενημένον. Xen. Vect. IV. 41. εἰ δὲ τινες αὐτὸ φοβοῦνται μὴ —. τοῦπίκλημ'] The charge. I. q. ἐγκλημα. Cf. 529. ὑπεξελεῖν] Cf. El. 1420. παλίρρυστον γὰρ αἶμ' ὑπεξαιροῦσι τῶν κτανόντων οἱ πάλαι θανόντες. Fr. 690, 2. ὦ γλῶσσαι, πῶς δῆτα τλήσει προᾶγμ' ὑπεξελεῖν (ὑπεξελεῖν vulg.) τόδε; Rhetor. ad Alex. 1432. προκατάληψις ἐστὶ δι' ἧς τὰ τε τῶν ἀκουόντων ἐπιτιμήματα καὶ τοὺς τῶν ἀντιλέγειν μελλόντων λόγους προκαταλαμβάνοντες ὑπεξαιρήσομεν τὰς ἐπιφερομένας δυσχερείας. Aphthon. apud Walz. I. p. 84. νῦν δὲ ποῦ δίκαιον αἰτίας ὑπεξελεῖν τὸν πρὸ τῶν ἔργων τῆ γνώμη γενόμενον; Lucian. Tox. 42. τὸν φίλον ὑπεξελεῖν πειρώμενος τοῦ δήγματος. Eur. Hipp. 633. ὄλβον δωμάτων ὑπεξελών. Phoen. 998. ὡς εὔπατρός ἐξεῖλον φόβον. Med. 487. πάντα δ' ἐξεῖλον φόβον. 900. πατρὶ νεῖκος ἐξαιρουμένη. Arist. Ran. 688. πρῶτον οὖν ἡμῖν δοκεῖ | ἐξιῶσαι τοὺς πολίτας κάφελεῖν τὰ δέγματα. Thuc. I. 42. τῆς δὲ ὑπαρχούσης — ὑποψίας σῶφρον ὑφελείν μάλλον. Isocr. c. Nic. 19. τοὺς φόβους ἐξαιρῶ τῶν πολιτῶν. Plut. Mor. p. 635 A. τὴν τοῦ ἀλγοῦντος ὑπεξαιρεῖν. Platonium V. 3. ὁ γὰρ δῆμος τὸν φόβον ἐξήρει τῶν

καμφοδούντων φιλοτίμως τῶν τοιούτους βλασφημούντων ἀκούων.
Arist. Vesp. 387. οὐδὲν πείσει· μηδὲν δέισης.

228. Cf. Aesch. Sept. 402. αὐτὸς καθ' αὐτοῦ — πείσεται γὰρ —] Cf. Herod. II. 141. καὶ οἱ δόξαι ἐν τῇ ὄντι ἐπιστάνα τὸν θεὸν θαρσύνειν ὡς οὐδὲν πείσεται ἄχαρι. VI. 69. ἐπαγγέλλασθε τάδε, ὡς πείσονται τε ἄχαρι οὐδὲν διὰ τὴν ἀπόστασιν, κτλ. VI. 9. 4. πείσονται ἄχαρι οὐδέν. VII. 38. εἶχον θάρσος ὡς οὐδὲν πεισόμενοι ἄχαρι πρὸς τοῦ βαρβάρου. VII. 52. VIII. 143. I. 38. I. 108.

229. ἀσεργές οὐδέν] I. q. οὐδὲν ἄχαρι. ἀσφαλῆς] Cf. O. C. 1165. ἀπελθεῖν ἀσφαλῶς τῆς δεῦρ' ὁδοῦ. 1288.

232. τὸ γὰρ κέρδος τελῶ γῶ] Cf. Tr. 191. ὅπως — πρὸς σοῦ τι κερδάναιμι καὶ κτώμην χάριν. Eur. Rhés. 112. παντὶ γὰρ προκείμενον | κέρδος πρὸς ἔργῳ τὴν χάριν τίπτει διπλῆν. Arist. Vesp. 1420. ἐγὼ γὰρ ὑπὲρ αὐτοῦ δίκην δίδωμί σοι | ἦν ἂν σὺ τάξης, καὶ χάριν προσείσομαι. Plat. Apol. 20 A. καὶ χάριν προσείδεναι. χῆ χάρις —] Cf. Plat. Crat. 393 D. Qu. καὶ χάρις —.

προσκίεσται] Cf. Ant. 94. ἐχθρὰ δε τῷ θανάτῳ προσκίσει δίκη.

233. φίλου δείσας] Pro προδείσας. Sic προταρβεῖν τινος Trach. 90. Cf. Tr. 108. ἀνδρὸς δεῖμα τρέφονσαν —. Herod. I. 111. τοῦ τόκου τῆς γυναικὸς ἀρρωδέων. Sed φίλου potius cum ἀπίσσει connectendum videtur.

234. ἀπίσσει τοῦπος —] Cf. 641. γῆς μ' ἀπίσσει πατρίδος. 670. Fr. 438. λιμὸν οὔτος τῶνδ' ἀπίσσει (ἔπανσε mss.). Alioquin ἀπίσσειται dicendum fuisset, ut in Tr. 1249. 216. El. 944. 1325.

235. ἐκ τῶνδε] Cf. 282. 1251.

236 sq. Cf. Aesch. Cho. 285. καὶ τοῖς τοιούτοις οὔτε κρατῆρος μέρος | εἶναι μετασχεῖν, οὐ φιλοσπόνδον λιβὸς, | βωμῶν τ' ἀπειργεῖν οὐχ ὀρωμένην πατρὸς | μῆνιν· | δέχεσθαι δ' οὔτε συλλύειν (συνναλεῖν?) τινά· | πάντων δ' ἄτιμον κάφιλον θνήσκειν χρόνον. Eum. 653 sq.

236. γῆς τῆσδ'] Construendum cum εἰσδέχεσθαι. Cf. 1223. Aj. 1274. Eur. Phoen. 451. τόνδ' εἰσεδέξω τειχέων πείσασά με. τοῦτον τὸν ἄνδρα] I. e. interfectorem.

237. κράτη τε καὶ θρόνους] Cf. Ant. 173. ἐγὼ κράτη δὴ πάντα καὶ θρόνους. Aj. 1015. ὡς τὰ σὰ | κράτη θανάτου καὶ δόμους (θρόνους?) νέμοιμι σοῦς. κράτη νέμω] I. q. κράτη νωμῶ. Anglice I wield. Cf. 201. Aj. 1016. Sic κράτη ἔχειν O. R. 586. 758.

238. Cf. Eur. Or. 46. μήδ' ἡμᾶς στεγαις, | μὴ (ἦ?) πυρὶ δέχεσθαι, μήτε προσφωνεῖν τινα | μητροκτονοῦντας. Aesch. Cho. 296. μήτε προσφωνεῖν τινα] Cf. Eur. Or. 75. 512 sq.

239. ἐν θεῶν εὐχαῖσι] Cf. El. 1096. τῆ Ζηνὸς εὐσεβείᾳ. Aesch. Ag. 228. λιτὰς — πατρῶους. μηδὲ θύμασι] Cf. ad Ant. 267. θύμασι] I. q. θυσίαις.

240. κοινὸν ποιῆσθαι] I. q. κοινῶν —. Cf. Dem. de F. L. 431. ἐν ἅπασιν τοῖς ἱεροῖς ἐπὶ ταῖς θυσίαις σπονδῶν καὶ κρατήρων

κοινωνὸς πεποίησθε. Arist. Vesp. 917. οὐδὲν μετέδωκεν; ΞΑ. οὐδὲ τῷ κοινῷ γ' ἔμοι. Aesch. Ag. 1037. κοινωνὸν εἶναι χερνίβων. μήτε χερνίβων νέμειν] *Usitata* interfectorum ποῦσα. Aesch. Eum. 626. Eur. Or. 1601. εὐ γοῦν θύγους ἄν χερνίβων. Cf. Aesch. Eum. 655. ποίοισι βωμοῖς χρώμενος τοῖς δημίοις; | ποία δὲ χέρνιψ φρατόρων προσδέξεται; Draco (apud Demosth. p. 505, 14.) jubet χερνίβων εἰργεσθαι τὸν ἀνδροφόνον, σπονδῶν, κρατήρων, ἱερῶν, ἀγορᾶς. 618, 7. Singularis χέρνιψ occurrit Fr. 708. Eur. Alc. 100. Herc. 929.

241. ὠθεῖν δ' ἀπ' οἴκων] Eadem verba 819. Supple αὐδῶ. Cf. El. 72. 435. 650. O. C. 405. 1404. Aj. 1035. Tr. 95. Eur. Phoen. 1232. αἶ αἶ τί μ' οὐκ εἶσας ἐξ εὐαγγέλου | φήμης ἀπελθεῖν, ἀλλὰ μηνῦσαι κακά (sub. ἠνάγκασας). Arist. Nub. 1483. ὀρθῶς παραινεῖς οὐκ ἔδῶν δικορραφεῖν, | ἀλλ' ὡς τάχιστ' ἐμπιμπρόναι τὴν οὐκίαν. Herod. VII. 104. ὁ νόμος — οὐκ ἔδῶν φεύγειν —, ἀλλὰ μένοντας ἐν τῇ τάξει ἐπικρατέειν ἢ ἀπόλλυσθαι (sc. κελεύων). VII. 143. Thuc. IV. 9. Hom. Il. 5, 819. Paul. Epist. I. Tim. 4. 3. κωλυόντων γαμεῖν, ἀπέχεσθαι βρωμάτων (sub. κελεόντων) κτλ.

242. τοῦδ'] Sc. ἀνδρός. Cf. 353. τὸ Πυθικὸν θεοῦ μαντεῖον] Cf. El. 32. Arist. Eq. 220. χρησμοὶ τε συμβαίνουσι καὶ τὸ Πυθικόν. Infra 965. τὴν Πυθόμαντιν ἔστιαν.

243. ἐξέφηγεν] Verbum proprium in hac re. V. Tyrt. Fr. 4, 10. Φοῖβος — ὦδ' ἀνέφηγε πόλει. Apoll. Rhod. II. 315. Xen. Hell. VI. 4. 7. Plut. Agid. 9, 2. Camill. 4, 3. Heliodor. VIII. 11.

244. τῷ τε δαίμονι — σύμμαχος πέλω] Cf. El. 1306. οὐ γὰρ ἄν καλῶς | ὑψηροτόην τῷ παρόντι δαίμονι.

245. τῷ θανόντι σύμμαχος] Sic Socrates βοηθεῖ τῷ θεῷ Plat. Apol. 23 B.

248. κακὸν κακῶς —] Cf. 1353. οὐ δ', ὥσπερ εἰκὸς, κατανεῖ κακὸς κακῶς. Eur. Med. 787. κακὴν κακῶς | θανεῖν σφ' ἀνάγκη. Aj. 1391. κακοὺς κακῶς — φθείρειαν. νη] Post τὸν δεδρακότα. Cf. Tr. 287. O. C. 1191. El. 1364. Arist. Pl. 149. καὶ τὰς γ' ἐταίρας φασὶ — τὸν πρωκτὸν αὐτὰς εὐθὺς ὡς τοῦτου τρέπειν. ἄμορον ἐκτρέψαι βίον mss. Leg. δύσμορον τρέψαι βίον. Cf. El. 602. δυστυχῆ τρέβει βίον. Arist. Pl. 526. ὀδυνηρότερον τρέβεις βίον πολὺ τοῦ νῦν. Diocl. com. 14. μηδ' ἀγόμφιον ποτε | αἰῶνα τρέψει. Eupol. III. 440. βίον ὡς μοχθηρὸν ἐτριβες. κἀδέως] And without the help of the gods. Gl. B. ἀδέως. ἔξω τῆς θεῶν ἐπιμελείας. Cf. 661. ἀθεός ἀφίλος. El. 1181. ὦ σῶμ' ἀτίμως κἀδέως ἐφθαρμένον. 123. ἀθεώτατα — ἀλόντ' ἀπάταις. Antiph. VII. 616. ἀθέως καὶ ἀκλεῶς — τὸν βίον ἐκλιπῶν.

249. ἐπεύχομαι — παθεῖν] Cf. Tr. 16. αἰεὶ καταθανεῖν ἐπηχόμην. οὐδ' εἰ γὰρ —] Metri necessitate positum pro οὐδὲ γὰρ εἰ (for not even if) —. Cf. Ph. 66. εἰ δ' ἐργάσει | μὴ ταῦτα. El. 992. εἰ φρενῶν | ἐτύγγαν' αὐτῇ μὴ κακῶν. Sic etiam εἴ τι μὴ — ἐπρασσετο. 124. ὥσπερ τις εἰ σοι — μηδὲν διδοίη. O. C. 776.

251. τοῖσδ'] Gl. B. τοῖς φρονεῦσι. Spectat hoc ad 246 sq. ἀνδρός — βασιλέως] Cf. El. 23. ἀνδρῶν προσπόλων. Arist. Eq. 1114. δεδίασ' ἄσπ' ἄσπερ ἄνδρα πύρανον. Herod. III. 42. ἀνήρ ἄλιεύς. IV. 151. συμμίγοντι ἀνδρὶ πορφύρει.

252. ὑμῖν δὲ ταῦτα πάντ' ἐπισοκήπτω τελεῖν] Cf. 1446. Aj. 566. 752. Tr. 803. 1221. Eur. Iph. T. 701. πρὸς δεξιᾶς σε τῆσδ' ἐπισοκήπτω τάδε. Herod. II. 65. III. 73. IV. 33.

253. ὑπὲρ τ' ἔμαντοῦ τοῦ θεοῦ τ'] Cf. 541. O. C. 533. Aj. 492. πρὸς τ' ἐφρεσίον Διὸς | εὐνής τε τῆς σῆς. Phil. 185. ἐν τ' δδύνας ὁμοῦ λιμῶ τ' οἰκτρὸς. Xen. An. I. 8. 14. εἰς τε τοὺς πολεμίους καὶ τοὺς φίλους. Similis locus est Eur. Ion. 1284. ὑπέρ τ' ἔμαντις τοῦ θεοῦ θ'.

254. ἀκάρπως καθέως ἐφθαρμένης] Similiter El. 1181. ὦ σῶμ' ἀτίμως καθέως ἐφθαρμένης.

255. θεήλατον] Cf. 992. θεήλατον μάντευμα δεινόν. Ant. 278. θεήλατον — ἔργον. Fr. 619, 3. νόσους δ' ἀνάγκη τὰς θεηλάτους φέρειν. Fr. 444, 2. οὐκ ἔστ' ἀποστροφή — τῶν ἐμφύτων τε καὶ θεηλάτων κακῶν. Eur. Andr. 852. συμφοραὶ θεήλατοι. Or. 2. συμφορὰ θεηλάτος. Ion. 1306. θεηλάτους ἔδρας. 1392. ἐκ τινος θεηλάτου. Aesch. Ag. 1297. θεηλάτου βοὸς δίκην. Herod. VII. 18. Ἐλληνας — φθορῇ τις καταλαμβάνει θεήλατος.

260. λέκτρα] Pluralis ut in O. C. 528. Ant. 863. Ph. 677. Eur. Med. 594. γυναιχ' δμόσπορον] Gl. B. δμόκοιτον. I. q. δμόλεκτρον (aut 508.), σύλλεκτρον, κοινόλεκτρον, κοινόλεχθ'. Plerumque δμόσπορος passivo sensu usurpatur, ut fratres, δμόσποροι dicuntur.

261. κοινά] Sc. βλαστήματα. Cf. ad Ant. 1209. ἄσσημα — βοῆς. 1265. Sed pro κοίν' ἀν corrigendum suspicor κύματ' (Nauck.) aut σπέρματ'.

262. ἐδυστύχησεν] Gl. B. ἀπέθανεν.

263. Cf. 1311. ὦ δαῖμον, ἔν' ἐξήλω (εἰσήλω?). 1300. Aesch. Ag. 1175. δαίμων ὑπερβαρῆς ἐμπίτων. 1468. δαῖμον, ὃς ἐμπίτνεις δάμασι καὶ διφνεῖσι Τανταλίδαισιν. Ant. 1345. ἐπὶ κρατί μοι (μον κάρα?) πότμος δυσκόμιστος εἰσήλατο. Pers. 516. ὦ δυσπόνητε δαῖμον, ὡς ἄγαν βαρῆς | ποδοῖν ἐνήλω παντὶ Περσικῶ γένει. 911. ὡς ὁμοφρονῶνς δαίμων ἐνέβη | Περσῶν γενεᾷ. Hor. Od. I. 19. 1. 'in me tota ruit Venus.' Prop. I. 1. 4. 'et caput impositis pressit Amor pedibus.' Adesp. 406, 3. ἡ Δίκη πατὲ | τῶ δυσσεβοῦντι σῖγ' ἔχουσ' ἐνήλατο.

264 sq. μήτ' — μήτ' οὖν] Cf. Aesch. Ag. 349. μήτε — μήτ' οὖν. 457. αὐτοῖς] Post τοῖς μὴ δρῶσιν positum ut νιν post δεδρακότα 248. ἀνιέναι] Cf. 1405. Aesch. Sept. 413. σπαρτῶν δ' ἀπ' ἀνδρῶν — ῥίζωμ' ἀνείται. Eur. Bacch. 765. κρήνας — ἄς ἀνήκ' αὐταῖς θεός. Phoen. 940. γῆν, ἧ — σταχὺν σπαρτῶν ἀνήκεν. Arist. Ran. 1462. ἐνθένδ' ἀνίει τάγαθά. Aristoph. II. 1148. αἰτούμεθ' αὐτοὺς τὰ καλὰ δεῦρ' ἀνιέναι. Cratin. II. 110. αὐτόματα θεὸς ἀνίει τάγαθά.

264. τάδ' —] Cf. 340. ἃ νῦν ἀτιμάξεις πόλιν. 1327. πῶς ἔτλης τοιαῦτα σὰς ὄνεις μαρᾶναι; Ant. 546. τί ταῦτ' ἀνίης μ'; El. 613. ἦτις τοιαῦτα τὴν τεκοῦσαν ὕβρισεν. Aj. 1346. σὺ ταῦτα τοῦδ' ὑπερμαχεῖς ἐμοί; 1107. τὰ σέμν' ἔπη κόλαζ' ἐκείνους. Sed corrigendum proculdubio τοῦδ' cum Br. ὡσπερὲ — πατρὸς] Cf. Fr. 33. ὑφηρέθη σου κάλαμος ὡσπερὲ λύρας. Ragum in Tragoedia. Ὡσεὶ legitur El. 234. Ant. 653. Fr. 34.

265. ὑπερμαχοῦμαι] Cf. El. 188. ἄς φίλος οὔτις ἀνὴρ ὑπερίσταται. Eur. Fr. 120, 3. πάτρας ὑπερθανεῖν. Eur. Herc. 863. σταδιοδρομοῦμαι. Fr. 17. ὑπερδοῦναι. Arist. Vesp. 956. οὐ σοῦ προμάχεται etc. κἀπὶ πάντ' ἀφίξομαι] Cf. Eur. Hipp. 283. ἐς πάντ' ἀφίγμαι κοῦδὲν εἰργασομαι πλέον. Arist. Vesp. 636. ὡς δ' ἐπὶ πάντ' ἐλλήλυθεν. Eq. 618. εἴθ' ἐπέλθοις ἅπαντά μοι σαφῶς. Ran. 1118.

266. τὸν αὐτόχειρα τοῦ φόνου] Cf. 231. El. 955. τὸν αὐτόχειρα πατρῶν φόνου. Ant. 306. τὸν αὐτόχειρα τοῦδε τοῦ τάφου. Adesp. σὺ δ' αὐτόχειρ γε μητρὸς, ἧ σ' ἐγείνατο.

267. τῷ —] For (in behalf of) etc. Sic Aj. 1045. ᾧ (for whom). Λαβδακείῳ παιδί] Cf. 1216. Λαῖγιον τέκνον. Tr. 913. τὸν Ἡράκλειον θάλαμον. 916. δεμνίους τοῖς Ἡρακλείοις. 1059. θήρσιος βία. 1219. τὴν Εὐρυτείαν — παρθένον. 51. τὴν Ἡράκλειον ἔξοδον. El. 182. παῖς Ἀγαμεμνονίδας. 1117. τῶν Ὀρεστέων κακῶν. 570. Δητώα κόρη. Aj. 134. Τελαμώνιε παῖ. 801. τοῦ Θεστορείου μάντεως. Ant. 1115. Καδμείας νύμφας. Fr. 153. τὸν Ἀσάκτειον παῖδα. Aesch. Prom. 578. ᾧ Κρόνιε παῖ. Eur. Or. 1512. ἡ Τυνδάρειος παῖς. 374. τῆς Τυνδαρείας θυγατρὸς. Hel. 136. οἱ Τυνδάρειοι κόροιο. Iph. T. 5. Tro. 770. ᾧ Τυνδάρειον ἔξνος. Rhos. 255. Ἀγαμεμνόνειον κῶατα. Iph. A. 514. ᾧ Σιούφειον σπέρμα. Arist. Ran. 1232. Πέλοψ ὁ Ταντάλειος. Th. 919. τὸν Τυνδάρειον παῖδα. Hom. Il. 4, 367. Καπανήσιος υἱός. Od. 3, 264. Ἀγαμεμνονίην ἄλοχον. Iliad. parv. Fr. 16. Ἐκτορέην ἄλοχον. Pind. Ol. II. 13. ᾧ Κρόνιε παῖ Ῥέας. Pind. P. II. 34. ᾧ Δεινομένειε παῖ. Mosch. Id. II. 53. πόρτιος Ἰναχίης. Herod. V 59. κατὰ Δαῖον τὸν Λαβδάκον τοῦ Πολυδώρου τοῦ Κάδμου. Virg. Aen. VII. 1. 'Aeneia nutrix.' Ovid. Met. XIII. 45. 'Poeantia proles.' κατεύχομαι] Imprecor. I. q. καταῶμαι. Cf. O. C. 1575. τις εἷς] Cf. 118. Ant. 269. λέγει τις εἷς —. Antiph. com. III. 95. φακῆν | ἔψευ μ' ἐδίδασκε τῶν ἐπιχωρίων τις εἷς.

268. τοῦ πρόσθε Κάδμου] Cf. 851. τοῦ πρόσθεν λόγον. Ph. 1151. τὰν πρόσθεν βελέων ἀλκάν.

269 sq. Cf. 25 sq.

269. ταῦτα τοῖς μὴ δρωσιν] Cf. Ant. 706. Aj. 1007. Eur. Ion. 324. τάλαινά σ' ἡ τεκοῦσα. 671. μ' ἡ τεκοῦσα. Andr. 25. Θρηῆκην χιόνι τὴν κατάρρυντον. Herod. III. 65. καὶ ταῦτα μὲν ποιεῦσι ἑμῖν γῆ τε καρπὸν ἐκφέρειοι, καὶ γυναικῆς τε καὶ ποίμνια τίκτοιεν, ἐοῦσι

ἐς τὸν ἅπαντα χρόνον ἐλευθέροισι, μὴ ἀνασωσαμένοισι δὲ τὴν ἀρχὴν — τὰ ἐναντία τούτοις ἀρέομαι ὑμῖν γενέσθαι.

271. τῶ πότιμω —] I. e. peste.

272. φθηρεῖσθαι mss. Cf. Thuc. VII. 48. 5. φθηρεῖσθαι αὐτῶν τὰ πράγματα. Arist. Eq. 892. ἀποφθερεῖ. Sed corrigendum proculdubio φθαρηῖναι. καὶ τοῦδ' ἐχθίονι] Cf. El. 1189. τῶνδ' ἐτ' ἐχθίω. 1370. Ant. 64. Aesch. Prom. 871.

274. ἡ σύμμαχος] Proleptice positum ut πολύφθορος Tr. 478., τὸν εὐαγρον O. C. 1089. Cf. Fr. 302. οὐκ ἔστι τοῖς μὴ δρωῖσι σύμμαχος τύχη. 667. El. 991. Eur. El. 766. ὦ θεοὶ δίκη τε πάνθ' ὀρωῶς, ἡλθές ποτε.

275. Cf. Aj. 705. Ἀπόλλων — ἐμοὶ ξυνεῖης διὰ παντὸς εὐφρων.

276. Cf. O. C. 284. ἀλλ' ὥσπερ ἔλαβες τὸν ἱκέτην ἐχέγγυον, | δούου με κτλ. 276. ὥσπερ με κάνεσθήσασθ', ὧδε σώσατε. Aesch. Cho. 108. λέγοις ἄν, ὥσπερ ἠδέσω τάφον πατρὸς. Ut hic ὥσπερ — ὧδε, sic ἦ — τῆδε Tr. 554. ἀραῖον ἔλαβες] Cf. Plut. Syll. 10. ἀραῖς καὶ δορκίαι καταλαβῶν εὐνοήσῃεν τοῖς ἐαντοῦ πράγμασιν. Herod. III. 74. φίλον προσεκτέοντό (μιν), πίστι τε λαβόντες καὶ δορκίοισι. IX. 106. πίστι τε καταλαβόντες καὶ δορκίοισι ἐμμενεῖν κτλ. ibid. τούτους δὲ καταλαβόντες δορκίοισι κτλ. Sic ἐνορκον λαβεῖν τινα Aeschin. in Ctes. p. 399, 22. δέσμιον Phil. 679. Similiter δι' οὐκτου λαβεῖν (misereri) Eur. Suppl. 193.

277. οὐτ' ἔκτανον γὰρ —] Cf. Ant. 329. τὸ γὰρ | προᾶγμ' οὐτ' ἔδρασ' οὐτ' εἶδον ὅστις ἦν ὁ δρωῶν.

278. τοῦ πέμψαντος] Cf. 306. Connecte εἰπεῖν τὸ ζήτημα τὸδε (i. e. τὸδε δ ζητεῖται).

279. διεπεῖν] Cf. 394. τὸ — αἴνγμα — διεπεῖν.

280. Cf. El. 697. Eur. Ion. 374. ἐς γὰρ τοσοῦτον ἀμαθίας ἔλθοιμεν ἄν, | εἰ τοὺς θεοὺς ἄκοντας ἐκπονήσομεν (?) | φράζειν δ μὴ θέλουσιν ἢ προβωμίαις | σφαγαῖσι μῆλων ἢ δι' οἰωνῶν πτεροῖς (?).

282. τὰ δεύτερον ἐκ τῶνδ'] The next best course after this. Cf. Herod. VIII. 100. ἄλλην ἔχω καὶ ἐκ τῶνδε βουλήν.

ἄν λέγοιμ'] Anglice I will say. Cf. 95. O. C. 507.

283. τὸ μὴ οὐ φράσαι] Cf. 1232. Ant. 544. Aj. 728. Tr. 622. μὴ οὐ (sine τῷ) O. R. 1065. 1091. O. C. 566. Ant. 936. Aj. 540. El. 107. 133. Aesch. Pr. 627. 787. 918. Eum. 300. 914. et ad Tr. 90. 225.

284. Cf. O. C. 1359. ἐν πόνῳ ταὐτῷ βεβηκῶς — ἐμοί.

287. ἐν ἀργοῖς] In rebus infectis. Sic Aj. 716. ἐξ ἀέλπτων. 971. ἐν κενοῖς (frustra). Cf. O. C. 1605. κοῦκ ἦν ἐτ' ἀργὸν οὐδέν. Eur. Ph. 778. ἐν δ' ἐστὶν ἡμῖν ἀργόν. ἐπραξάμην] Qu. ἐγὼ 'θέμην.

289. μὴ παρῶν θαναμάζεται] Cf. Aesch. Sept. 704. χάρις δ' ἀφ' ἡμῶν ὀλομένων θαναμάζεται.

290. *καὶ μὴν* —] Cf. Eur. Ph. 712. *κωφὰ*] Cf. Aj. 911.
291. *τὰ ποῖα ταῦτα;*] Eadem verba O. C. 893.
293. *τὸν δ' ἰδόντι οὐδεις δρᾶ*] Leg. *τὸν δὲ δρῶντι* —. Cf. Ant.
239. *τὸ γὰρ | πρᾶγμ' οὐτ' ἔδρασ' οὐτ' εἶδον δους ἦν δ δρῶν.* Aj. 1280. *οὐχ δδ' ἦν δ δρῶν τάδε.* 1288. Alex. III. 419. *πένητας δ' εὐπατρίδας οὐδεις δρᾶ.*
294. *δείματος γ' ἔχει μέρος*] *Lego δείματος τρέφει μέρος.* Cf. Tr. 28. *ἀεὶ τιν' ἐκ φόβου φόβον τρέφω.* 108. *δεῖμα τρέφουσαν.*
297. *οὐξελέγξων*] Cf. El. 1197. *οὐδ' οὐπαρήξων οὐδ' ὁ κωλύσων πάρα;* O. C. 302.
300. *νωμῶν*] Cf. Aesch. Sept. 25. *ἐν ὧσι νωμῶν καὶ φρεσίν, πυρὸς δίχα, | χρηστηρίους δρῆιδας ἀψευδεῖ τέγγη.* 14 sq. Eum. 265. *δελτογράφω δὲ πάντ' ἐπωπᾶ (qu. πάντα νωμᾶ) φρενί.* Eur. Phoen. 1255. *μάντιες δὲ — ἐμπύρους τ' ἀκμάς | δῆξεις τ' ἐνώμων.* Hom. Od. 18, 215. *ἐνὶ φρεσὶ κέρδε' ἐνώμας.* 20, 257. *κέρδεα νωμῶν (astutias volvens animo).* 13, 255. *αἰεὶ ἐνὶ στήθεσσι νόον πολυκερδέα νωμῶν.* Herod. IV. 128. *νωμῶντες ὧν οἷτα ἀνααιρεομένους τοὺς Δαρείων.* Plat. Cratyl. 411 D. *τὸ νωμῶν καὶ τὸ σκοπεῖν ταυτὸν.* Blomf. Gl. Sept. 3.
301. *οὐράνιά τε*] Similis syllabae longae tertii pedis solutio nusquam alibi apud Sophoclem occurrit, semel tantum apud Aeschylum (Eum. 485. *ἡμεῖς δὲ μαρτύριά τε καὶ τεκμήρια*), ut monuit Wunder Adv. p. 32. *χθονοσυιβῆ*] Formatum ut *πεδοσυιβῆς, ἡλιοσυιβῆς, ἀσιυιβῆς, εὐσυιβῆς*, etc. Nusquam alibi legitur. Cf. Aesch. Suppl. 1000. *καὶ κνώδαλα πετροῦντα καὶ πεδοσυιβῆ.* Pers. 132. Eur. Hel. 1536. *περοῖσιν ἀρθεῖσ' ἢ πεδοσυιβεῖ ποδί;*
302. *εἰ καὶ μὴ βλέπεις, φρονεῖς δ' ὅμως*] Cf. Ant. 234. *κεῖ σοι τὸ μηδὲν ἐξερῶ, φράσω δ' ὅμως.* Tr. 116. Aj. 15.
303. *νόσω ξύνεστιν*] Cf. El. 599. *κακοῖς | πολλοῖς ἀεὶ ξυνοῦσα.* et ad Ph. 268. Eur. Fr. 1079, 3. *ταύτη τῇ νόσω ξυνών.* Bacchylid. Fr. 39. *ἀβρότητι ξυνέασιν.* Lucian. de Salt. 1. *βίω ἀρχμηρῶ συζῶν.* Plut. Cic. 24. *ἀκράτῳ φιλοτιμίᾳ συνών.*
304. *ἐφήξιν*] Cf. Ant. 1257. Aj. 34.
305. *εἴ τι μὴ κλύεις*] Cf. Aesch. Ag. 1267. *εἴ τι μὴ φρενῶν σῦγος.* Tr. 595. *εἴ τι μὴ δοκῶ | πράσσειν μάταιον.* 712. *εἴ τι μὴ ψενσθήσομαι.* Aesch. Pr. 196. *εἴ τι μὴ βλέπτει λόγον.* “Modeste loquitur Oedipus εἴ τι μὴ (nisi forte) dicens, quia suspicari poterat vati non ignota esse quae dicturus erat. Quod confirmari ipsius Tiresiae verbis 317. *ταῦτα γὰρ καλῶς ἐγὼ | εἰδῶς διώλεσα.*” (Dind.) *κλύεις τῶν ἀγγέλων*] Cf. O. C. 412. *κλύουσα τοῦ λέγεις — ; τῶν ἀγγέλων*] Qui ad arcessendum eum missi erant.
306. *ἔκλυσιν*] Escape from. Cf. 35. Tr. 654. Aesch. Pr. 262. *ἄθλων δ' ἔκλυσιν ζητεῖ τινά.*
309. *ἐκπεμψαίμεθα*] Cf. 951. Aj. 612. *δὴν ἐξεπέμψω.* O. C. 1347,

Herod. I. 120. τὸν δὲ παῖδα τοῦτον ἐξ ὀφθαλμῶν ἀπόπεμψαι ἐς Πέρσας. III. 52. ἐξ ὀφθαλμῶν μιν ἀποπέμπεται.

310. οὐ δ' οὖν —] Cf. El. 891. οὐ δ' οὖν λέγ'. Tr. 1157. Aj. 114. Arist. Vesp. 6. ἀπ' οἰωνῶν φάτιν] Cf. Ant. 1219. ἐξ ἀθύμου δεσπότου κελύσμασιν. Quum Teiresias caecus esset et propterea alitum volatum? observare non posset, intelligendum hoc est de cantu et garritu eorum. φθονήσας — φάτιν] Cf. 323. τήνδ' ἀποστερῶν φάτιν. Usitatio constructio est φθόνει τινός τινι, ut in Aesch. Prom. 603. μηδέ μοι φθονήσας εὐγμάτων. Eur. Herc. 333. οὐ φθονῶ φέπλων.

311. μαντικῆς δόδον] Cf. O. C. 1314. οἰωνῶν ὁδοῖς. Eur. Phoen. 918. θεσφάτιν ἐμῶν δόδον. Hipp. 391. λέξω δὲ καὶ σοὶ τῆς ἐμῆς γνώμης δόδον. Arist. Eq. 1015. Φράζου, Ἐρεχθεῖδη λογίων δόδον ἦν κτλ. Pind. Ol. VII. 46. πραγμάτων ὁρθάν δόδον. 90. ὕβριος ἐχθράν δόδον. P. III. 103. ἀλαθείας δόδον Pind. Fr. 172. πιστοτάτα οὐγᾶς δόδος. Et sine δόδον Eur. El. 400. βροτιῶν μαντικὴν χαιρεῖν ἐῶ. μαντικῆς] Sub. τέχνης. Cf. 462. Ant. 1034.

312. Cf. El. 987. παῦσον ἐκ κακῶν ἐμέ, | παῦσον δὲ σαντήν. ὄῦσαι — πόλιν] Cf. epithetum ἑυσίπολις.

313. ὄῦσαι δὲ πᾶν μίασμα —] Qu. λῦσαι —. Cf. Eur. Or. 590. μίασμα λῦσαι. Sic ἐκλύειν δασμὸν supra 36.

314. ἐν σοὶ γὰρ ἐσμέν] Cf. O. C. 247. ἐν ὑμῖν γὰρ ὡς θεῶ κείμεθα. 392. 422. 1443. Aj. 519. ἐν σοὶ πᾶσ' ἔγωγε σώζομαι. Phil. 963. Tr. 621. Aesch. Pers. 15. Eur. Alc. 289. ἐν σοὶ δ' ἐσμέν καὶ ζῆν καὶ μή. Phoen. 1256. Iph. T. 1057. Iph. A. 1379. Hel. 1141. Med. 228. Arist. Ach. 474. Av. 1677. ἐν τῷ Τριβαλλῶ πᾶν τὸ πρᾶγμα. Heliod. I. 2. ἐν σοὶ τὰ ἐμά — σώζεσθαί τε καὶ μή. Terent. Adelph. III. 2. 32. 'in quo nostrae spes opesque omnes sitae.' ἀφ' ὧν ἔχοι τε —] Cf. 979. εἰκὴ κράτιστον ζῆν ὅπως δύνατό τις. Ant. 666. ἀλλ' ὃν πόλις στήσειε, τοῦδε χορὴ κλύειν. El. 1378. ἦ σε πολλὰ δὴ | ἀφ' ὧν ἔχοιμι λιπαρεῖ πέστιν χερσὶ. 1379. ἐξ οἶων ἔχω | αἰτῶ. Tr. 93. 505. Eupol. II. 466. Arist. Vesp. 1457. τὸ γὰρ ἀποστήνα χαλεπὸν φύσεος ἦν ἔχοι τις ἀεὶ. Nub. 1214. Av. 1319. Ph. 275. ᾤχοντο — προθέντες — οἳ' αὐτοῖς τύχοι. Eur. Phoen. 1029. εἰ γὰρ λαβῶν ἕκαστος ὃ τι δύνατό τις | χρηστὸν διέλθοι (παράσοι?) τοῦτο, κτλ.

317. λυεῖ] Cf. ad El. 1005. Eur. Hipp. 443. οὐ τᾶρα λυεῖ τοῖς ἐρῶσι τῶν πέλας, κτλ. De sensu loci cf. Tr. 312 sq. ταῦτα γὰρ — διώλεσα] Ea fortasse significat quae futura vatis menti obversantur. Sic Ant. 229. καὶ τὰδ' εἴσεται Κρόων | ἄλλον παρ' ἀνδρός; Cf. Aesch. Ag. 37. ὡς ἐκὼν ἐγὼ | μαθοῦσιν αὐδῶ καὶ μαθοῦσι λήθομαι. Herod. IV. 43. τοῦ ἐπιστάμενος τὸ οὖνομα ἐκὼν ἐπιλήθομαι. Plaut. Mil. Glor. II. 6. 88. 'linguam comprimes post-hac: etiam illud quod scies nesciveris.' Qu. πάντα —.

318. *διώλεσα*] Have let slip, have forgotten. I. q. *ἐπελαθόμεν*. Sic *διαφθείρειν* aliquando oblivisci significat, Eur. Hipp. 391. Sic etiam *σώζειν* (*σώζεσθαι*) recordari significat, O. C. 1530. Tr. 682. Eur. Hel. 266. Plat. Crit. p. 172. οὐ γὰρ ἄν —] Cf. O. C. 98. 146.

320 sq. Cf. Eur. Phoen. 894 sq. τὸ σὸν τε σὺ] I. e. σὺ τε τὸ σὸν (*διοίσεις*).

321. *διοίσω*] Cf. Eur. Hipp. 1148. δάκρυσι διοίσω πότμον. Hel. 253. συμφέρον δέ σοι | ὡς ἔῃσθα τἀναγκαῖα τοῦ βίου φέροι.

324. οὐδὲ σοί] Also not to you.

325. *πρὸς καιρὸν*] Opportune. Cf. Tr. 59. πρὸς καιρὸν ἐνέπειν. Ph. 1279. πρὸς καιρὸν λέγων. Aj. 38. Sic πρὸς βίαν, χάριν, εὐσέβειαν, ἡδονήν, ὀργήν, ἀνάγκην, ἰσχὺν, κόρον etc. ὡς οὖν μηδ' ἐγὼ —] Cf. Ant. 215. ὡς οὖν σκοποὶ νῦν ἦτε τῶν εἰρημέων —. (Ita enim iste locus legendus videtur.) μηδ' ἐγὼ] I. q. μὴ καὶ ἐγὼ. Cf. 1409.

326. *φρονῶν γ'*] If at least you are wise.

328. πάντες γὰρ —] Subaudiendum *προσκυνεῖτέ με ἱκτῆριοι*. ἐγὼ δ' —] Schol. rec. οὐ μὴ ποτε εἶπω τὰ ἐμὰ, ἤγουν τὴν ἐμὴν μαντείαν, ὡς ἂν μὴ ἐκφήνω, ἤγουν φανερὰ ποιήσω, τὰ σὰ κακά. οὐ μὴ ποτε — εἶπω] Cf. Arist. Pac. 1037. ὥστ' οὐχὶ μὴ παύση ποι' ὄν ζηλωτὸς ἅπασιν.

329. τὰ σ'] I. e. τὰ σά. Cf. 405. El. 1499. 329. Ph. 339. Eur. Suppl. 257. Eur. El. 273. ὥστε στέγειν γε τὰμὰ καὶ σ' ἔπη καλῶς. Hel. 85. 584. 586. Tro. 918. Iph. T. 1005. Cycl. 230. 267.

330. *ξυνειδῶς*] Schol. rec. *εἶδησιν ἔχων τοῦ πράγματος*.

332. ταῦτ' | —] Cf. ad 29. Athenaeus (p. 453 E.) elisionis hujus insolentiam notat, Sophoclem in hac re Calliae exemplum secutum esse admonens. V. Elmsl. ad Her. 838.

333. ἄλλως] Cf. 1151. ἄλλως πονεῖ. Herod. V. 41. κομπέειν ἄλλως. πύθοιό μου] Cf. Arist. Th. 596. εἰ μὴ 'πετύσθη ταῦτα τῶν σάφ' εἰδότεν. Pac. 824. ὡς ἐγὼ 'πνυθόμεν τινός. Herod. I. 111.

334. οὐκ — ἀλλ' —;] Cf. O. C. 804 sq. ὃ κακῶν κάκιστε] Cf. O. C. 1384. κακῶν κάκιστε.

335. *ὀργαίνειν*] Intransitivum ut in Tr. 552. Eur. Alc. 1106. etc. Sic *ὀρμαίνω*, *δαιμαίνω*, *χαλεπαίνω*, *δυσμεναίνω*, *κηραίνω*, *χαλκαίνω*, *μωραίνω*, *θυμαίνω*, etc.

336. *ἄτεγκτος*] Cf. Aesch. Fr. 413. ἄτεγκτος (ἄνθρωπος) παρηγορήμασιν. Aesch. Prom. 1008. τέγγει γὰρ οὐδὲν οὐδὲ μαλθάσει κέαρ | λιταῖς ἐμαῖς. Eur. Herc. 833. ἀλλ' εἴ, ἄτεγκτον συλλαβοῦσα καρδίαν, κτλ. Hipp. 303. οὔτε γὰρ τότε | λόγοις ἐτέγγεθ' ἤδε νῦν τ' οὐ πείθεται. Arist. Th. 1047. ἴω μοι μοίρας ἄτεγκτε δαίμων (δαίμων?). Plat. Resp. II. 361 C. ὥστε μὴ τέγγεσθαι ὑπὸ κακοδοξίας. Legg. IX. 880 E. μηδὲν τεγχθέντων. Aelian. apud Suid. v. ἄτεγκτος,

Οἰκτόν γε μὴν καὶ δάκρυα ἐμβυλοῦσα ὡς καὶ πάντας τοὺς ἀτέγκ-
τους καὶ ἀτερόμονας τέγξαι. Ruhnk. ad Tim. p. 248. ἀτελεύτητος]
Unfinished, interminable. Cf. Hom. Il. 1, 527. οὐδ' ἀτελεύ-
τητον ὃ τι κεν κεφαλῇ κατανεύσω. Sed nihil dubito quin repro-
nendum sit κἀπαραίτητος (inexorabilis). Cf. Trag. adesp. 414.
μόνη ὅτιν ἀπαραίτητος ἀνθρώποις Δίκη. Confer δυσπαραίτητος
(Aesch. Prom. 34. Διὸς γὰρ δυσπαραίτητοι φρένες), et praeterea
ἀπαράλεκτος, ἀπαράθελκτος, ἀπαράτιλος, ἀπαράκλητος, ἀπαράβλητος,
ἀπαράγγελτος, ἀπαρατήρητος, ἀπαρασκευάστος, ἀπεριλάλητος, etc.

337. δογῆν ἐμέμψω —] Cf. El. 384. καί με μὴ — μέμψη.
Ant. 1157. Fr. 734. οὐ μέμφομαι σε. Aesch. Prom. 1073. Eum.
944. οὐτι μέμψεσθε συμφορὰς βίον. 596. 1019. Suppl. 744. Eur.
Hec. 873. τὸ θῆλυ μέμφομαι γένος. Phoen. 784. ἐγὼ δὲ τέχνην
μαντικὴν ἐμεμψάμην. Herc. 188. τὸ πάνσοφον δ' εὖρημα — μέμ-
ψει. Sed Or. 279. Λοξία δὲ μέμφομαι. τὴν σὴν] Ambigue di-
ctum, aut δογῆν enim aut μητέρα intelligi potest. ὁμοῦ ναίουσας]
Cf. 414. οὐ βλέπεις — δτιων οἰκίς μετὰ. O. C. 949. τῆδ' ὁμοῦ
ναίειν πόλει. El. 1166. Phil. 473. κακοῖσι — ἐνναίοντα. El. 785.
ἦδε — βλάβη ξύνοικος ἦν μοι.

338. ἀλλ' ἐμὲ ψέγεις] Repetitio eorum quae jam dicta erant,
δογῆν ἐμέμψω τὴν ἐμὴν. Cf. ad Aj. 1114. 414. οὐ βλέπεις — δτιων
οἰκῶς μετὰ.

339. τίς γὰρ τοιαῦτ' ἄν οὐκ ἄν δογίζουτ' ἔπη | κλύων;] De
duplicata particula ἄν, cf. Soph. Fr. 789. πῶς ἄν οὐκ ἄν ἐν δίκη
θάνοιμ' ἄν; Fr. 606. οὐ γὰρ ποτ' ἄν γένοιτ' ἄν ἀσφαλῆς πόλις.
El. 697. δύναται' ἄν οὐδ' ἄν ἰσχύων φυγεῖν. Eur. Suppl. 447. πῶς
οὖν ἔτ' ἄν γένοιτ' ἄν ἰσχυρὰ πόλις; Hipp. 960. ποιοὶ γὰρ δοκοὶ
κρείσσονες — τῆσδ' ἄν γένοιτ' ἄν —; Her. 721. φθάνοις δ' ἄν
οὐκ ἄν τοῖσδε συγκρούπτων δέμας. Tro. 456. οὐκέτ' ἄν | φθάνοις
ἄν καραδοκῶν. 961. πῶς οὖν ἔτ' ἄν θνήσκοιμ' ἄν ἐνδίκως; Eur.
Fr. 33, 2. τίς ἄν κλύων τῶνδ' οὐκ ἄν ἐκβάλοι δάκρυ; Arist. Av.
1147. Lys. 361. φωνὴν ἄν οὐκ ἄν εἶχον.

340. δ — ἀτιμάζεις πόλιν] Cf. ad Aj. 1107. τὰ σέμν' ἔπη |
κόλαζ' ἐκείνουσ. Plat. Resp. II. 6. ταῦτα δὴ καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἐγκω-
μαῖζοι δικαιουσύνην. Phaedr. XXI. δ ψέγομεν τὸν Ἔρωτα. Sic
ἐπαινεῖν τιὰ τι (Plat. Symp. 221 C.), ἐλέγχειν τιὰ τι (Plat. Lys.
222 D.), etc.

341. ἦξει γὰρ αὐτὰ] Cf. Aesch. Ag. 228. ἦξει τὸ μέλλον. 1148.
473. 1209. σιγῇ στέγω] Cf. Tr. 989. σιγῇ κεύθειν. Phil. 136.
τί χρὴ λέγειν ἢ τί στέγειν; Sic σιγῇ καλύπτειν Eur. Hipp. 712.

342. ἄ γ' ἦξει] Cf. El. 441. 923. Ph. 250. 1247. Arist. Th. 197.

343. οὐκ ἄν πέρα φράσαιμι] Cf. O. C. 211. 235. 651. El.
633. 1483. Ph. 332. 1275. 1277. 1286. πρὸς τὰδ'] Proinde.
Cf. 426. Eur. Hipp. 304. ἀλλ' ἴσθι μένοι (πρὸς τὰδ' αὐθαδεστέρα |
γίγνου θαλάσσης), εἰ θανεῖ, κτλ.

344. δι' ὀργῆς] Cf. 807. παῖω δι' ὀργῆς. O. C. 905. εἰ μὲν δι' ὀργῆς ἦκον, κτλ.

345. παρήσω — οὐδέν] Cf. 283. Ant. 1193. κοῦδέν παρήσω τῆς ἀληθείας ἔπος. Tr. 682. O. C. 363. Fr. 305. ὡς ὀργῆς ἔχω] Cf. Eur. Hipp. 1413. ἔκτανες τᾶν μ', ὡς τότε ἦσθ' ὠργισμένος. Herod. I. 114. ὁ δὲ — ὀργῆ, ὡς εἶχε (ὀργῆς ὡς εἶχε?) ἑλθὼν κτλ. VI. 116. ὡς ποδῶν εἶχον. Thuc. I. 22. ὡς ἑκατέρων τις εὐνοίας ἢ μνήμης ἔχοι. II. 90. ὡς εἶχε τάχους ἕκαστος. Eur. Hipp. 462. εὖ ἔχειν φρενῶν. Plut. Mar. 37. ὡς ἕκαστος ποδῶν εἶχε καὶ δόμης. Infra 1442. ἐν' ἕσταμεν χρείας (circumstanced as we are).

347. καὶ] Etiam. Cf. ad O. C. 1349. καὶ (τοῖς?) πᾶσι Καδμείοις τοῖς σαντοῦ θ' ἄμα. 932. εἶπον μὲν οὖν καὶ πρόσθεν, ἐν νέπῳ δὲ νῦν κτλ. καὶ ξυμφυτεῦσαι τοῦργον εἰργάσθαι θ'] Vis praepositionis οὖν etiam ad εἰργάσθαι pertinet. Cf. Ant. 537. Aesch. Prom. 331. πάντων μετασχὼν καὶ τετολημκῶς ἐμοί. Eur. Hipp. 730. τῆς νόσου δὲ τῆσδέ μοι | κοινῇ μετασχῶν. Arist. Eccl. 873. Pl. 225. ξυμφυτεῦσαι] To have concocted (concerted). Cf. Aj. 953. τοιόνδε μέντοι — Παλλὰς φυτεύει πῆμ' Ὀδυσσεῶς χάριν. El. 198. δεινὰν δεινῶς προφυτεύσαντες | μορφᾶν (sc. φόνου). Pind. Isthm. V. 12. οὖν τέ οἱ δαίμων φυτεύει δόξαν ἐπήρατον. Hom. Od. 2, 165. τοῖσδεσσι φόνον καὶ κῆρα φυτεύει, 14, 110. κακὰ δὲ μνηστῆρος φύτευεν. 14, 218. κακὰ δυσμενέεσσι φυτεύων. 5, 340. 15, 178. 17, 82. 159. II. 15, 134. Cyprior. Fr. 17. Ζῆνα δὲ τὸν θ' ἔρξαντα καὶ δς ἰάδε πάντ' ἐφύτευσεν, | οὐκ ἐθέλεις ἐπτεῖν.

δοον μὴ —] Cf. Tr. 1214. δοον γ' ἂν αὐτὸς μὴ ποτιπαύων (μὴ τι προσπαύων?) χεροῖν. Eur. Iph. T. 613. οὐδ' ἐγὼ, ξένοι, | ἀνάδελφός εἰμι, πλὴν δσ' οὐκ ὀρῶσά νιν. Arist. Vesp. 1288. δοον δὲ μόνον εἰδέναι. Lys. 732. δοον διαπετάσασ' ἐπὶ τῆς κλίνης μόνον. Plat. Euthyd. 273 A. δοον μὴ ὑβριστῆς διὰ τὸ νέος εἶναι. Phaedr. 242. δοον μὲν ἔμαντῶ μόνον ἱκανός. Thuc. I. 111. τῆς γῆς ἐκράτουν δσα μὴ προϊόντες ἐκ τῶν ὀπλων. IV. 16. φυλάσσειν τὴν νῆσον Ἀθηναίους δσα μὴ ἀποβαίνοντας. Arist. Av. 151. δοον | μὴ —] Cf. 1074. δπως | μὴ — ἀναρρήξει κακά. Phil. 66. εἰ δ' ἐργάσει | μὴ ταῦτα. Aj. 985. οὐχ δοον τάχος | δῆτ' αὐτὸν ἄξεις —; O. C. 1349.

350. ἀληθες;] Cf. Ant. 758. Arist. Nub. 841. Ran. 840. Eq. 89. Vesp. 1223. Lys. 433. Av. 174. 1606. ἐννέπω] Jubeo. Cf. 1381. O. C. 89. 932. Aj. 1047. Ph. 101. El. 233. Tr. 137. σὲ λέγω τὰδ' αἰὲν ἴσχειν. 227. χάρειν τὸν κῆρυκα προννέπω. Aesch. Sept. 1042. 1043. Cho. 1030.

351. ἐμμένειν] Cf. Eur. Med. 751. δμνυμι γαῖαν — ἐμμενεῖν ἄ σου κλύω. 752. Isocr. p. 194 B. ἐνέμειναν τοῖς ὠμολογημένοις.

353. γῆς τῆσδ' ἀνοσίῳ μιάστορι] Cf. ad El. 603. δν πολλὰ δῆ με σοὶ τρέφειν μιάστορα | ἐπητιάσω. El. 275. τῶ μιάστορι

(Aegistho) *ξύνεσι*. Eur. El. 682. *ἀνοσίους μάλιστα*. Or. 1584. *τὴν Ἑλλάδος μάλιστα* (Helenam). Med. 1368. Andr. 616.

354. *ἐξέκίνησας* [δημα] Excitasti. Anglice, hast started. Cf. El. 567. Tr. 979. 1242. Arist. Nub. 1397. *καινῶν ἐπὶ κινήτῃ*. Plat. Phil. 15 E. *πάντα κινεῖ λόγον*.

355. *ποῦ —*;] I. q. *πῶς*. Cf. Tr. 584. Eur. Iph. A. 406. *δείξεις δὲ ποῦ μοι πατὴρ ἐκ ταύτου γεγώς*; Her. 510. Ion. 1605.

356. Cf. 369. Fr. 691. *τάληθδες αἰὲ πλείστον ἰσχύει λόγου*. Fr. 77. *καὶ γὰρ δικαία γλῶσσ' ἔχει κράτος μέγα*. Aesch. Pr. 1012. *ἀνθαδία — οὐδενὸς μεῖζον σθένει*. Eur. El. 953. *ἔχει γὰρ ἡ Δίκη μέγα σθένος*. Eur. Fr. 343. *θάρασει τό τοι δίκαιον ἰσχύει μέγα*. Dem. XIX. § 208. *τάληθδες ἰσχυρόν*.

358. *προτρέπω*] Cf. 1446. *προτρέγομαι*. Ant. 270. *πάντας ἐς πέδον κᾶρα | νεῦσαι φόβῳ προύτρειπεν*. Plat. Legg. IX. 858 A. *ἐπὶ τὴν ἱεροσουλίαν προτρέπον ἵνα (σε)*. Schol. ad El. 1281. *ἡ ἡδονὴ προετρέπετο αὐτὴν βοῆσαι κτλ*. Sic *κηκίεσθαι pro κηκίειν* Phil. 697. Sed nulla hic causa est cur media voce usus sit Sophocles quum activam sinat metrum, ut in Ant. 270. *δς πάντας — νεῦσαι φόβῳ προύτρειπεν*. Frequens apud Platonem *προτρέπειν*, etiam *προτρέπεισθαι* (med.).

359. Cf. Aesch. Cho. 767. *λέγ' αὐθις, ὡς μάθω σαφέστερον*.

360. Cf. Arist. Eq. 1234. *καί σου τοσοῦτον πρῶτον ἐκπειράσομαι*. Herod. I. 46. *διέπεμπε δὲ πειρεόμενος τῶν μαντητῶν δ' ἡ φρονόειεν*. *ἐκπειρά*] Cf. Eur. Suppl. 1089. *κᾶξεπειράθην τέκνων*.

361. *οὐχ ὥστε γ' εἰπεῖν*] Cf. 1131.

363. *ἀλλ' οὐ τι χαίρων*] I. e. *κλαίων* (401. 1152. etc.). Cf. Phil. 1299. Ant. 230. 759. Eur. Or. 1593. Med. 402. *οὐ γὰρ — χαίρων τις αὐτῶν τοῦμὸν ἀλγυνεῖ κᾶρα*. Hipp. 41. Cycl. 666. Arist. Ach. 563. *ἀλλ' οὐ τι χαίρων ταῦτα τολμήσει λέγειν*. Ran. 843. *ἀλλ' οὐ τι χαίρων αὐτ' ἔρεις*. Vesp. 186. Herod. III. 36.

366. *σὺν τοῖς φιλάτοις ὀμιλοῦντ'*] Cf. 1185. *ξὺν οἷς οὐ χρῆν μ' ὀμιλῶν*. Xen. Anab. III. 2. 25. *καλαῖς — γυναιξὶ — ὀμιλεῖν*. Philon. Vit. Jos. *πρὸ δὴ συνόδων νομίμων ὀμιλίαν ἑτέρας γυναικὸς οὐκ ἴσμεν*. *τοῖς φιλάτοις*] Pluralis de una persona ut in 1184. Tr. 1237. *τοῖσιν ἐχθίστοισιν* (de una persona) *συνναιεῖν δημοῦ*. Aesch. Pers. 234. *τοῖς τ' ἔνερθε γῆς φίλοις* (Dario). Prom. 67. Eur. Hec. 403. etc. Locutio *τὰ φίλτατα* praesertim de uxore et liberis usurpatur.

367. *οὐδ' ὄραῖν ἔν' εἰ κακοῦ*] Cf. 413. *οὐ βλέπεις ἔν' εἰ κακοῦ*. 1442. *ἔν' ἔσταμεν χρείας*. Aj. 314. *ἐν τῷ πράγματος*; 386. *οὐχ ὄραῖς ἔν' εἰ κακοῦ*; Tr. 375. *ποῦ ποτ' εἰμὶ πράγματος*; 1145. Ant. 42. *ποῦ γνώμης ποτ' εἰ*; 1229. *ἐν τῷ συμφορᾶς διεφθάρης*; El. 390. *ποῦ ποτ' εἰ φρενῶν*; 922. *οὐκ οἶσθ' — ὅποι γνώμης φέρει*. 936. *ἔν' ἤμεν ἄτης*. 1035. *οἶ — ἀτιμίας*. 1174. *ποῖ λόγων ἔλθω*; Phil. 1181. Eur. Or. 684. *ὄπη — τύχης*. Hel. 738. *οὐ τ' ἔσομεν τύχης*.

1445. ἴνα — τῆς τύχης. Med. 1303. οὐκ οἶσθ' οἱ κακῶν ἐλήλυθας. Herc. 46. ζῆτοῦσ' ὄπου γῆς πύργον οἰκιοῦμεθα.

368. γεγηθῶς] *I. b. q. χαίρων, c. sed aliquantum fortius.*

369. τῆς ἀληθείας σθένος] Cf. Tr. 504. μέγα τι σθένος ἂ Κύπρις ἐκφέρεται νίκας ἀεί. Aesch. Pr. 105. τὸ τῆς ἀνάγκης ἔστ' ἀδήριτον σθένος. Eur. El. 958. ἔχει γὰρ ἡ Δίκη μέγα σθένος. 427. σκοπῶ τὰ χρημαθ' ὡς ἔχει μέγα σθένος. Eur. Fr. 343. θάρσει, τό τοι δίκαιον ἰσχύει μέγα.

370. Cf. O. C. 787. οὐκ ἔστι σοι ταῦτ', ἀλλὰ σοι τὰδ' ἔστ' ἐκεῖ, | χώρας ἀλάστωρ οὐμός ἐνναίων ἀεί. Phil. 1053. πλὴν εἰς σέ· νῦν δὲ σοί γ' ἐκὼν ἐκοτήσομαι. Repetitio verbi emphatica est. Sic e. g. 1141. λέγω — ἢ οὐ λέγω; 335.

371. τυφλὸς — τὸν τε νοῦν] Confer Epicharmi illud, νοῦς ὄρα καὶ νοῦς ἀκούει. Eur. Hel. 118. καὶ νοῦς ὄρα. Aesch. Sept. 25. ἐν ὡσὶ νωμῶν καὶ φρεσίν. Ag. 1623. οὐχ ὄρας ὄρων τάδε; Prom. 448. κλύοντες οὐκ ἤκουον. Theogn. 1163. ὀφθαλμοὶ καὶ γλῶσσα καὶ οὐατα καὶ νόος ἀνδρῶν | ἐν μέσσοις στηθέων ἐν συνετοῖς φύεται. Pind. N. VII. 23. τύφλὸν δ' ἔχει ἦτορ ὄμιλος ἀνδρῶν ὁ πλείστος. Helioid. 7, 12. ἀλλὰ καὶ νοῦς ἐκείνη καὶ ὦτα καὶ πάντα τυγχάνω. Hor. Serm. II. 3. 284. 'sanus utrisque | auribus atque oculis, mentem nisi litigiosus | exciperet dominus cum venderet.'

374. Cf. Tr. 669. μάλιστα γ', ὥστε μήποτ' ἂν προθυμίαν — τῷ παρανέσει λαβεῖν. 117. El. 755. 1316. τρέφει πρὸς νυκτός] Cf. Arist. Eccl. 973. Χαρήτων θρέμμα. Ibycus Athen. p. 564. σὲ μὲν Κύπρις ἂ τ' ἀγανοβλέφαρος Πειθῶ ἰσοδόεοισιν ἐν ἄνθεσι θρέψαν.

375. ὄσους φῶς ὄρα] Cf. Ph. 663. Aesch. Pers. 255. Ag. 1630. Eum. 496. Eur. Or. 386. Her. 969. Phoen. 1091. 1524. Alc. 18. etc.

376. οὐ γὰρ με μοῖρα —] Cf. Hom. Il. X. 13. οὐ γὰρ με κτανέεις, ἐπεὶ οὔτοι μόρσιμός εἰμι (μόρσιμόν ἐστι?). μοῖρα] Sub. ἐστί. Cf. O. C. 1546. ἴνα | μοῖρ' ἀνδρὶ τῷδε τῆδε κρυφθῆναι χθονί. El. 1414. Eur. Or. 1656.

377. ἱκανὸς Ἀπόλλων] Cf. Herod. VIII. 36. ὁ δὲ θεὸς σφέας οὐκ εἶα κινεῖν φὰς αὐτὸς ἱκανὸς εἶναι τῶν ἐωνιοῦ προκατήσθαι. ὧ τὰδ' ἐκπράξαι μέλει] Schol. τὰ κατ' ἐμὲ ἐκδικῆσαι. λείπει, ἔάν με φρονέσης. Cf. Aesch. Suppl. 95. ἀτόθεν ἐξέπραξεν ἔμπας. Eur. Suppl. 1203. θεῶ δὸς ὧ Δελφῶν μέλει. Cho. 947. ἔμολε δ' ὧ μέλει κρυπταδίου μάχας.

379. Κρέων γέ σοι πῆμ' οὐδὲν —] Cf. Hesiod. Op. 56. σοί τ' αὐτῷ μέγα πῆμα καὶ ἀνδράσι ἔσομένοισι. Hom. Il. 3, 50. πατρί τε σῶ μέγα πῆμα κατηφείην δὲ σοί αὐτῷ. 10, 453. οὐκέτ' ἔπειτα σὺ πῆμά ποτ' ἔσοσαι Ἀργείοισιν. Plut. consol. ad Apoll. 30. διὸ καὶ ἐπὶ πᾶσιν ὀδύρονται στένοντες καὶ τὴν εαυτῶν ἀτυχίαν αἰτιώμενοι, πρὸς οὓς ὑποτυχῶν ἂν τις εἴποι. "Θεὸς δέ σοι πῆμ' οὐδὲν, ἀλλ' αὐτὸς σὺ σοί", etc. Plut. Mor. p. 117 A. ἐποτυχῶν ἂν τις

εἶποι· “θεὸς δέ σοι πῆμ’ οὐδέν, ἀλλ’ αὐτὸς σὺ σοι. σοὶ] Pro
σαντιῶ, ut in 425. Sic ἐξ ἐμοῦ pro ἐξ ἐμαντιῆς El. 885.

380. τυραννί] Cf. Aesp. 291. ἰὼ τυραννὶ βαρβάρων ἀνδρῶν
φίλη. τέχνη] Ingenium. Skill, cleverness, ability. τέχ-
νης ὑπερφέρουσα] Supple ἐτέρας. Cf. Phil. 138. τέχνα γὰρ τέχνας
ἐτέρας προὔχει κτλ. Eur. Bacch. 905. ἕτερα δ’ ἕτερον ἔλβω
καὶ δυνάμει παρῆλθε. Her. 554. ἀλλ’ ὑπερφέρει | τόλμης τε τόλμα
καὶ λόγου χρηστοῦ λόγος (sic enim Elmsl.). Herod. VIII. 138. δόδα
δδμῆ ὑπερφέροντα τῶν ἄλλων. IX. 96. κάλλει τε καὶ μεγάλθει ὑπερ-
φέρων Περσέων. Arist. Eq. 584. ἀπασῶν — ὑπερφερούσης — χώρας.

382. φθόνος φυλάσσεται] Cf. O. C. 1213. σκαιούσαν φυλάσσων.

384. εἰσεχείρισε] I. q. ἐνεχείρισε.

385. ταύτης] Emphaticce repetitum post ἤσδε 383. Κρέων
δ πιστὸς] Ironice dictum. Cf. Tr. 541. τοιάδ’ Ἡρακλῆς | δ πιστὸς
ἡμῖν κάγαθὸς καλούμενος | οἰκούρι’ ἀντέπεμψε. Ant. 31. τὸν ἀγα-
θὸν Κρέοντα. El. 300. δ κλεινὸς — νυμφίος. Eur. Her. 978. τὴν
θραοσίαν. Arist. Nub. 8. δ χρηστὸς οὔτοσι νεανίας.

386. λάθρα μ’ ὑπέλθων] Cf. Phil. 1007. οἱ’ αὖ μ’ ὑπῆλθες.
Eur. Iph. A. 66. εὖ δέ πως γέρον | ὑπῆλθεν αὐτοὺς Τυνδάρεως
πυκνῆ φρενί. Andr. 435. δόλω μ’ ὑπῆλθες. Suppl. 138. Arist. Eq.
269. εἶδες οἱ’ ὑπέρχεται | ὡσπερὲ γέροντας ἡμᾶς. 459. ὡς εὖ τὸν
ἄνδρα ποιμίως θ’ ὑπῆλθες ἐν λόγοισι. Vesp. 465. ἡ τυραννὶς ὡς
λάθρα ’λάνθαν’ ὑπιοῦσά με. Quintil. IV. 5. 5. ‘Fallendus iudex
et variis artibus subeundus.’

387 sq. Cf. Ant. 1055. τὸ μαντικὸν γὰρ πᾶν φιλάργυρον γένος.

387. ὑφείς] Having suborned. Cf. 705. Ant. 531. Herod.
III. 126. ἄνδρας οἱ ὑπέισας (al. ὑπέεις) κατ’ ὁδόν. μηχανορράφον]
Cf. Eur. Andr. 447. μηχανορράφοι κακῶν. 1116. εἰς ἣν ἀπάντων
τῶνδε μηχανορράφος. Aesch. Cho. 221. μηχανορραφῶ. Hom. Il.
15, 16. κακορραφίης ἀλεγεινῆς.

388. Cf. Arist. Pl. 665. ὅς ἐστι μὲν τυφλός, | κλέπτων δὲ τοὺς
βλέποντας ὑπερηκόντισεν. Eur. Iph. A. 520 sq. 956 sq. Bacch. 255 sq.
ἀγύρτην] Cf. Ant. 1055—1063. Arist. Av. 960—990. Plat. Resp.
II. 364 C. ἀγύρται δὲ καὶ μάντις ἐπὶ πλουσίων θύρας ἰόντες. (Unde
vox θυροκόπος.) Rhos. 503. ἀγύρτης, πτωχικὴν ἔχων στολήν. 715.
εἶρε’ ἀγύρτης τις λάτρις. Casandra ἀγύρτρια dicitur Aesch. Ag.
1273. ἀλωμένη δὲ φοιτὰς ὡς ἀγύρτρια — ἠνεσχόμην. Hom. Od.
19, 284. χρήματ’ ἀγυρτάζειν.

390. ἐπει —] Cf. El. 352. O. C. 969. ποῦ σὺ μάντις εἰ σα-
φῆς;] Cf. 355. Aj. 1100. ποῦ σὺ σιραιηγεῖς τοῦδε, ποῦ δέ σοι |
ἔξεστ’ ἀνάσσειν —; 522. ποῦ τὰς φίλας δῆτ’ εὐφρόνας δείξεις —;
102. 1237. ποῦ βαντὸς — οὐπερ οὐκ ἐγώ; El. 390. Tr. 375. Eur.
Iph. A. 406. δείξεις δὲ ποῦ μοι πατρὸς ἐκ ταυτοῦ γεγῶς; Ion. 528.
ποῦ δέ μοι πατήρ σὺ; Or. 802. ποῦ γὰρ ὦν δείξω φίλος, | εἴ σε

μὴ κτλ. Med. 548. Alex. III. 453. εἰ μὴ γὰρ ἂν ἄνθρωπος ἀνθρώπου τύχαις ἐπιηρητήσω, ποῦ φανήσομαι φρονῶν;

393. τοῦπιόντος —] Of any chance comer. I. q. τοῦ επιτυχόντος. Cf. O. C. 752. ἀλλὰ τοῦπιόντος ἀρπάσαι. Arist. Ran. 1375. εἴ τις ἔλεγέ μοι τῶν επιτυχόντων. Thuc. VI. 22. πολλή γὰρ οὐσα (ἡ στρατιὰ) οὐ πάσης ἔσται πόλεως ὑποδέξασθαι.

394. διειπεῖν] I. q. διηγήσασθαι. Cf. Tr. 22. μαντείας ἔδει] Cf. Eur. Hipp. 236. 346. Rhes. 952. Med. 239. Aesch. Cho. 777. Aesch. c. Tim. p. 11, 15. ἔτι ταῦτα μαντείας προσδεῖται. Plat. Symp. p. 206 B. μαντείας δεῖται ὃ τι ποτὲ λέγεις, καὶ οὐ μανθάνω.

395. προυφάνης ἔχων] Cf. 790. δύστηνα προυφάνη λέγων.

397. ἔπανσά νιν] Cf. Arist. Eq. 862. ἔπανσα τοὺς ξυνωμότας. 877. 879. Pac. 921. Ὑπέροβλόν τε παύσας.

398. γνώμη] Ingenio. Cf. O. C. 403. κἀνευ θεοῦ τις τοῦτό γ' ἂν γνώμη μάθοι. Eur. Hel. 763. γνώμη δ' ἄριστη (ἄριστος?) μάντις ἢ τ' εὐβουλία. Eur. Fr. 973. μάντις δ' ἄριστος ὅστις εἰκάζει καλῶς. Theocr. XXI. 32. ὅς γὰρ ἂν εἰκάζη κατὰ τὸν νόον, οὗτος ἄριστος | ἔστιν ὄνειροκριτάς. Hom. Od. 1, 200. αὐτὰρ νῦν τοι ἐγὼ μαντεύσομαι ὡς ἐνὶ θυμῷ | ἀθάνατοι βάλλουσι, καὶ ὡς τελέεσθαι δῖω | οὔτε τι μάντις ἔων οὐτ' οἰωνῶν σάφα (ἀπο?) εἰδῶς. Ovid. Met. VII. 759. 'Carmina Laiades non intellecta priorum | solverat ingeniis.'

401. κλάων] Cum magno malo tuo. Frequens locutio apud comicos. Cf. 1152. Ant. 754. Aesch. Suppl. 932. Eur. Iph. A. 306. Hipp. 1086. κλάων τις αὐτῶν ἄρ' (τᾶρ?) ἐμοῦ γε θίξεται. Suppl. 458. κλάων δ' ἂν ἤλθες — περισσὰ φωνῶν. Her. 271. Andr. 756. συνθεῖς τάδε] Cf. Aesch. Prom. 686. συνθέτους λόγους. Eur. Ion. 833. συντιθέντες τᾶδικ'. Hel. 833. οἱ συντιθέντες τᾶδικ' εἶτα μηχαναῖς | κοσμοῦσι. Bacch. 297. συνθέντες λόγον. Arist. Vesp. 693. ξυνθέντε τὸ πρᾶγμα. Thuc. VIII. 68. ὃ — ἅπαν τὸ πρᾶγμα ξυνθεῖς. Dem. p. 778. ψευδεῖς αἰτίας συντιθεῖς. Nos dicimus hoc sensu to concoct.

402. ἀγηλατήσιν] I. e. ἐκβαλεῖν (399). Cf. Herod. V. 72. ἀγηλατέει ἐπτακόσια ἐπίστια Ἀθηναίων. Lyc. 436. ἀγήλατος μάστιξ. Confer ἀνδρηλατεῖν, ξενηλατεῖν, λεηλατεῖν, ἱππηλατεῖν, βοηλατεῖν, δηληλατεῖν, ῥινηλατεῖν, ἰχνηλατεῖν, etiam κνηγητεῖν. γέρον] I. e. ἄνους ὡς γέρον. Hinc ἐδόκεις. Cf. O. C. 931. Eur. Andr. 678. Iph. A. 489. Similiter Teiresiam alloquitur Pentheus Eur. Bacch. 258. εἰ μὴ σε γῆρας πολίων ἐξεργύετο, | καθῆσ' ἂν ἐν βράκχαισι δέσμοις μέσαις κτλ.

405. τὰ σ' —] I. e. τὰ σὰ —. Cf. 330. Ph. 339. El. 1499. Aesch. Prom. 340. τὰ μὲν σ' ἐπαινῶ. Eur. Tro. 918. Hel. 586. Suppl. 257. 456. Cycl. 230. 267.

406. ὅπως — λύσομεν] Cf. Aj. 1040. ὅπως κρύψεις τάφῳ | φράζου τὸν ἄνδρα. Ph. 78. Arist. Nub. 1262.

407. θεοῦ μαντεῖ' ἄριστα λύομεν] Cf. Eur. Iph. A. 1268. οἱ τὰς — παρθένους κτενοῦσί μου — θέσφατ' εἰ λύσω θεᾶς. τῶδε] Cf. O. C. 504. τὸν τόπον δ' ἵνα | χρήσῃται μ' ἐφευρεῖν, τοῦτο βούλομαι μαθεῖν. Tr. 455. ὅπως δὲ λήσεις, οὐδὲ τοῦτο γίγνεται. 458. τὸ μὴ πυθέσθαι, τοῦτό μ' ἀλγύνειεν ἄν. Ant. 706. ὡς (δ?) φῆς σὺ, κοῦδὲν ἄλλο, τοῦτ' ὀρθῶς ἔχειν. Ph. 912. O. C. 640. Arist. Nub. 1262. τί δ' ὄστις εἰμὶ, τοῦτο βούλεσθ' εἰδέναι. Th. 570. τὸν σῆσαμοῦνθ' ἔν κατέφαγες, τοῦτον χεσεῖν ποιήσω. Arist. Fr. 418. πόθεν δὲ καταφαγεῖν ἔχοι, τούτου κατημέληκε. Herod. VI. 133. οἱ δὲ ὄκως διαφυλάξουσιν τὴν πόλιν, τοῦτο ἐμμηχανῶντο. Lys. XX. 9. οὐκ οὖν δίκαιοί εἰσιν ὧν ὑμῖν εὖνοι ἦσαν, τούτων δίκην διδόναι. Paul. II. Epist. Corinth. 10, 18. οὐ γὰρ ὁ ἑαυτὸν συνιστῶν, ἐκεῖνός ἐστι δόκιμος κτλ. O. C. 778. πλήρη δ' ἔχοντι θυμὸν ὧν χρήζεις, τότε | δωροῖθ'.

408. Cf. 544. Eur. Suppl. 570. κλύοιμ' ἄν· οὐ γὰρ ἀλλὰ δεῖ δοῦναι μέρος.

409. τοῦδε — κρατῶ] Sc. τοῦ ἴσα ἀντιλέξαι. Redde, for of this privilege I am master (I claim an equal right).

410. σοι ζῶ δοῦλος] Ita que non παρρησία uti vetitus. Cf. Eur. Ion. 674. στόμα | δοῦλον πέπαται κοῦκ ἔχει παρρησίαν. Phoen. 392. Iph. A. 33. σὸς δὲ δοῦλος οὐκ ἔφην.

411. προστάτου ἵπγράφομαι] Cf. ad Aj. 1260. Arist. Pac. 684. αὐτῷ πονηρὸν προστάτην ἐπεγράφατο. Ach. 1095. Xen. Hell. VII. 5. 2. ἐπεγράφοντο ὡς Θηβαῖοι. Arist. Pac. 684.

412. ἐπειθὶ καὶ —] Cf. Phil. 380. καὶ ταῦτ' ἐπειθὶ καὶ λέγεις θρασυστομῶν. Eur. Med. 526. ἐγὼ δ', ἐπειθὶ καὶ λίαν πυργοῖς χάριν, κτλ. τυφλὸν μ' ὠνειδίσας] Cf. O. C. 1002. τοιαῦτ' ὠνειδίζεις με τῶνδ' ἐναντίον. Plat. Gorg. ad fin. εἴ τις τῷ ὠνειδίζει φιλοκερδεῖ εἶναι.

413. σὺ καὶ δεδορκῶς οὐ βλέπεις —] Cf. Aj. 85. ἐγὼ σκοτώσω βλέφαρα καὶ δεδορκότα. Fr. 663. ἀλλ' οὐδ' ὀρώντες εἰσορῶσι τὰμφανῆ. Aesch. Ag. 1623. οὐχ ὄρας ὄρων τάδε. Eur. Bacch. 332. νῦν γὰρ πέτει τε καὶ φρονῶν οὐδὲν φρονεῖς. Monost. 433. ὁ γραμμάτων ἄπειρος οὐ βλέπει βλέπων. Act. Apost. 28, 27. βλέποντες βλέπετε καὶ οὐ μὴ ἴδητε. οὐ βλέπεις ἢν' εἰ κακοῦ] Cf. Tr. 1145. φρονῶ δὴ ξυμφορᾶς ἢν' ἔσταμεν. El. 936. ἢν' ἤμεν ἄτης. Eur. Ion. 1251.

414. ὄτων] Sic ὄτοισι Arist. Eq. 755. Eupol. II. 484.

417. ἀμφιπλήξ — ἀρά] Cf. Tr. 930. ἀμφιπλήγι φασγάνῳ.

μητρὸς — ἀρά] Cf. Aesch. Sept. 70. Ἄρά τ' Ἐρινὸς πατρὸς ἡ μεγασθενῆς. Ant. 1075. Eur. Med. 1386. ἀλλά σ' Ἐρινὸς ὀλέσει τέκνων | φονία τε Δίκη. Hom. Od. 2, 135. 11, 280. 17, 475. 21, 412.

μητρὸς τε καὶ τοῦ σοῦ πατρὸς] Similiter Ant. 257. σημεῖα δ' οὔτε θηρὸς οὔτε τοῦ κυνῶν κτλ.

418. δεινόπους Ἀρά] Cf. El. 491. χαλκόπους Ἐρινός. Aj. 837. Ἐρινός τανύποδας. Aesch. Sept. 791. καμπίλους Ἐρινός. Ἀρά] I. q. Ἐρινός. Cf. Aesch. Eum. 416. Inverso modo *ερινός* pro *ἀρά* ponuntur O. C. 1298. Aesch. Sept. 701. Ambae consociantur Sept. 70. ἀρά τ' ερινός (τε δεινή?) πατρός.

419. βλέποντα — δρθ'] Cf. 902. Sic δρθὰ φρονεῖν Eur. Med. 1129. βλέποντα — σκότον] Cf. 413. 972. 1273. Aj. 85. ἐγὼ σκοτώσω βλέφαρα καὶ δεδορκότα. 394 sq. Eur. Bacch. 510. καθείρξαι τ' αὐτὸν — ὡς ἂν σκότιον εἰσορᾷ κνέφας. Phoen. 380. σκότον δεδορκώς. Suppl. 334. αἱ δ' ἦσυχτοι (ἡσύχως?) σκοτεινὰ πράσσουσαι πόλεις | σκοτεινὰ καὶ βλέπουσιν.

420. βοῆ —] Cf. ad Phil. 1458 sq. πολλά δὲ φωνῆς τῆς ἡμετέρας | Ἐρμαῖον ὄρος παρέπεμψεν ἐμοὶ | στόνον ἀτίτυπον χειμαζομένῳ. Tr. 787. ἀμφὶ δ' ἐκτύπον πέτραι, | Λοκρῶν ὄρειοι πρόωνες Εὐβοίας τ' ἄκραι. Ovid. Met. IX. 165. 'Implevitque suis nemorosum vocibus Oeten.' Virg. Aen. III. 303. 'nocturnusque vocat clamore Cithaeron.' Eclog. IV. 44. 'ut littus Hyla Hyla omne sonaret.' Lucret. V. 992. 'et nemora ac montes gemitu silvasque replebat.' Liv. 21, 33. 'clamoribus dissonis, quos nemora etiam repercussaeque valles augebant.' ποῖος —;] Cf. 1489. ποῖας γὰρ ἀστῶν ἦξει' εἰς ὀμίλιας, | ποῖας δ' ἐορτὰς —; Phil. 278. ποῖ' ἐκδακρῶσαι, ποῖ' ἀποιμῶξαι κακά; Aesch. Eum. 655. ποῖα δὲ χέρνιψ φρατέρων προσδέξεται; Eur. Tro. 528. τίς οὐκ ἔβα νεανίδων, τίς οὐ γεραῖός, ἐκ δόμων; Eur. Fr. 116. ποῖαι λιβάδες; ποῖα σειρήν; Arist. Lys. 962. ποῖος δ' ἂν νεφρός ἀντίσχοι, | ποῖα ψυγή, ποῖοι δ' ὄρχεις, | ποῖα δ' ὄσφύς; Arist. Pl. 786. ἐμὲ γὰρ τίς οὐ προσεῖπε; ποῖος οὐκ ὄχλος | περιεστεφάνωσεν ἐν ἀγορᾷ πρᾶσβυτικός; λιμὴν] I. e. receptaculum. Sed jamdudum ἑλικῶν (i. e. Ἐλικῶν) reponendum esse monui. Quae necessaria est correctio.

422. τὸν ὑμέναιον —] Tanquam λιμένα.

423. ἀνορμον] Cf. Aesch. Ag. 665. ἀνορμον κύματος ζάλην. 194. δύσορμοι βορεῶν ἄλαι. εἰσέπλευσας] Cf. Arist. Eccl. 1106. ἐάν τι — πάθω — δεῦρ' εἰσπλέων. Similiter Aesch. Pr. 1001. εἰς τάσδε σαντὸν πημονὰς καθώρμσας. εὐπλοῖας τυχῶν] Cf. Ph. 1465. Eur. Iph. A. 88. ἀπλοῖα χρώμενοι.

425. Tricl. οὐ ἢ τῆς ἀνομίας τῆς σῆς αἰσθησίς σε δμοιώσει σοὶ τε καὶ τοῖς σοῖς τέκνοις — καὶ ὥσπερ τῇ ἀληθείᾳ νῖός τυγχάνεις, οὕτω καὶ τότε τοῖς πᾶσιν ἐπιδειχθήσῃ τοῖς δὲ τέκνοις, οὐ τούτων ὧν νῦν δοκεῖς πατὴρ, ἀδελφός ὧν φανήσῃ ἐξ ἧς αὐτὰ ἐγέννησας, ἐξ αὐτῆς καὶ αὐτὸς γεννηθείς. ἃ σ' ἐξισώσει σοὶ —] Hupfeld explicat, "Quae efficient ut par sis et tibi (ut patri) et liberis tuis, i. e. ut et pater sis et frater liberorum tuorum." Cf. Isocr. p. 185 D. σκοποῦσιν — ὅπως τοὺς ἔχειν τι δοκοῦντας τοῖς ἀπύροις ἐξισώσουσιν. p. 136. τοὺς ἐπαίνους ἐξισῶσαι ταῖς ἐκείνων ἀρεταῖς. Ceterum notandus est sigmatismus in hoc versu.

426. πρὸς ταῦτα] Idcirco. Cf. El. 382. 820. Eur. Hec. 849. Sic πρὸς οὐδὲν Aj. 1018. τοῦμόν στόμα] Cf. Aj. 1110. οὐ τὸ σὸν δέισας στόμα O. C. 794. 1277.

427. προπηλάκιζε] Hoc verbum nusquam alibi apud Tragicos occurrit.

428. κάκιον — ἐκτριβήσεται] Cf. Herod. 7, 120. κάκιστα ἐκτριβήσεται. 6, 86. ἐκτίτριπται τε πρόρριζος ἐκ Σπάρτης. 6, 37. Eur. Hipp. 682. Ζεὺς σε — πρόρριζον ἐκτρίψειεν.

429. Cf. Arist. Thesm. 563. ταυτὶ δῆτ' ἀνέκτ' ἀκούειν;

430. οὐκ εἰς ὄλεθρον;] Cf. 1146. Sic ἐς φθόρον Aesch. Sept. 252. Ag. 1267. ἐς κόρακας in Comoedia. οὐχὶ θᾶσσον;] Cf. Tr. 1183. οὐ θᾶσσον οἴσεις; O. C. 824. χώρει — ἔξω θᾶσσον. 839. 890. Aj. 581. πύκαζε θᾶσσον.

431. Cf. Ant. 386. δδ' ἐκ δόμων ἄφορρος εἰς δέον περᾶ.

433. μῶρα φωνήσονται] Cf. Soph. Aj. 745. ταυτ' ἐστὶ τᾶπη μωρίας πολλῆς πλέα. Eur. Her. 682. μῶρον — εἰπεῖν ἔπος. Arist. Pl. 119. μῶρ' ἔπη.

434. σ' ἐστειλάμην] Cf. Eur. Med. 668. τί δ' ὀμφαλὸν γῆς θεοσπιρῶδον ἐστάλης; Sic πεμψαίετο O. C. 602.

435 sq. ὡς μὲν σοὶ δοκεῖ] Non necessaria est correctio ὡς σοὶ μὲν δοκεῖ, ut monuit Dind., qui conferri jubet O. C. 1156. σοὶ μὲν ἔμπολιν | οὐκ ὄντα, συγγενῆ δέ. Adde El. 370. εἰ σὺ μὲν μάθοις | τοῖς τῆσδε χρῆσθαι, τοῖς δὲ σοῖς αὐτῆ πάλιν. 448. ἀλλὰ ταῦτα μὲν μέθες· σὺ δὲ κτλ. 761. τοιαυτὰ σοὶ ταυτ' ἐστὶν, ὡς μὲν ἐν λόγῳ | ἀλγεινὰ, κτλ. Phil. 919. σῶσαι κακοῦ μὲν πρῶτα (pro πρῶτα μὲν) τοῦδ', ἔπειτα δὲ κτλ. 1285. ὀλοισθ', Ἀτρεΐδαι μὲν μάλισθ', ἔπειτα δὲ | ὁ Λαγτίου παῖς καὶ σὺ.

436. γονεῦσι] Cf. O. R. 40. 977. O. C. 810. Aj. 277. 1248. 1282. 1363. Ph. 1031. Tr. 296. Ant. 904. 1161. οἳ σ' ἔφρυσαν] Qui revera te genuerunt (non Polybus et Merope). ἔμφρονας] Cf. Aj. 306. Ant. 1237. Aesch. Pr. 848.

437. Cf. Aesch. Pr. 763. ποίῳ τρόπῳ; σήμνηνον.

438. ἦδ' ἡμέρα φύσει σε] Schol. δείξει σε ὄθεν ἐγεννήθης. Cf. 436. Oedipus in Eur. Phoen. 1689. haec dicit, ὄλωλ'. ἐν δ' ἡμαρ μ' ὄλβισ', ἐν δ' ἀπώλεσεν. "Qui versus cum hoc certat elegantia. — Unius diei spatio drama finitur." (Herw.)

439. αἰνικτὰ — λέγεις] Cf. Aj. 1158. μῶν ἠνιξάμην; Aesch. Cho. 874. ξυνήκα τοῦτος ἔξ αἰνιγμάτων. Ag. 1156. φρενώσω δ' οὐκέτ' ἔξ αἰνιγμάτων. 1093.

440. ἀριστος εὐρίσκειν] Cf. Herod. I. 193. χωρέων — ἀρίστη — Δήμητρος καρπὸν ἐκφέρειν. III. 80. διαβολὰς ἀριστος ἐνδέκεσθαι. Plat. Phaedr. 267. διαβάλλειν — κράτιστος. Arist. Vesp. 904. ἀγαθός γ' ὑλακτεῖν καὶ διαλείχειν τὰς χύτρας. Eupol. II. 461. λαλεῖν

ἄριστος. Thuc. III. 38. καὶ μετὰ καινότητος μὲν λόγον ἀπαταῶσαι ἄριστοι. εὐρίσκειν] I. q. λύειν. Cf. Eur. Phoen. 1730. παρθένου κόρας αἰνίγμ' ἀσύνετον εὐρών.

441. τοιαῦτ' — οἷσι] Cf. Ant. 691. Allusio est ad Sphingis aenigmatis solutionem.

442. τὸ δρᾶν οὐκ ἠθέλησα] Cf. Ant. 1106. ἐξίσταμαι τὸ δρᾶν. 78. τὸ δὲ βία πολιτῶν δρᾶν ἔφην ἀμάχανος. Xen. Apol. 13. πάντες λέγονσι τὸ προειδέναί τὸν θεὸν τὸ μέλλον.

444. παῖ] Cf. Ant. 988. Eur. Phoen. 834. Nomen ejus fuit Μαντῶ secundum Apollod. III. 7. 4. et alios.

445. τὸ — ἐμποδῶν] Ea quae instant. Cf. Eur. Ph. 734. κομίζετω δῆθ'] Cf. Phil. 759. El. 672. Eur. Tro. 1230. οἰμοί μοι. XO. οἰμοί δῆτα. Phoen. 161. ὄρᾳς. ANT. ὄρῶ δῆτ'. Suppl. 808. Arist. Pac. 967.

448. οὐ γὰρ ἔσθ' ὄπου μ' ὀλεῖς] Cf. Aj. 1069. οὐ γὰρ ἔσθ' ὄπιον | λόγων ἀκοῦσαι ζῶν ποτ' ἠθέλησ' ἐμῶν. 1103. οὐδ' ἔσθ' ὄπου σοὶ τόνδε κοσμήσαι πλέον | ἔκειτο θεσμός ἢ κτλ. Eur. Herc. 186. οὐ γὰρ ἔσθ' ὄπου | ἔσθλόν τι δράσας μάρτυρ' ἂν λάβοις πάτραν. Phil. 522. O. C. 1372. Ant. 329.

449. τὸν ἄνδρα τοῦτον δν —] Cf. Soph. Tr. 283. τάσδε δ' ἄσπερ εἰσορᾳς — χωροῦσι πρὸς σε. O. C. 1150. λόγον δ' ὅς ἐμπέπτωκεν κτλ. 283. El. 1364. Eur. Or. 1645. Ἑλένην μὲν ἦν σὺ —, ἦδ' ἐστίν. Arist. Pl. 200. Av. 651. 1269. Nub. 145. 1115. Herod. II. 106. τὰς δὲ στήλας τὰς ἴστα — αἱ μὲν πλεῦνες οὐκέτι φαίνονται. Lycurg. § 42. Plaut. Epid. III. 4. 12. 'Istum quem quaeris ego sum.' Menaechn. 2, 2, 37. Amph. 4, 1, 1. Virg. Aen. I. 573. 'Urbem quam statuo vestra est'.

451. Λαίειον] Cf. 1216. Λαίειον — τέκνον.

452. εἶτα δ' —] De constructione cf. Ant. 813. οὐθ' ὑμεναίων | ἐγκληρον, οὐτ' ἐπινυμφιδίος | πῶ μέ τις ὕμνος | ὕμνησεν. 1162. σώσας μὲν ἐχθρῶν τήνδε Καδμείαν χθόνα, | λαβῶν τε χώρας παντελῆ μοναρχίαν | εὐθυνε. 291. κρομφῆ κᾶρα σεῖοντες οὐδ' ὑπὸ ζυγῶ λόφον δικαίως εἶχον. 1188. κατὰ μὲν φθίσις — θανάτων δ' ἐμᾶ χώρα πύργος ἀνέστα. El. 63. Tr. 838. Aesch. Sept. 554. ἀνῆρ ἄκομπος, χεῖρ δ' ὄρᾳ τὸ δράσιμον. 814. τοιαῦτα χαιρεῖν καὶ δακρῦεσθαι πάρα | πόλιν μὲν εὖ πράσσοισαν, οἱ δ' ἐπιστάται — διέλαχον κτλ. Luc. Evang. VIII. 12. οἱ δὲ παρὰ τὴν ὁδὸν εἰσιν οἱ ἀκούοντες, εἶτα ἔρχεται ὁ διάβολος κτλ. ξένος — μετοίκος] Cf. Eur. Suppl. 892. τοὺς μετοικοῦντας ξένους. Arist. Eq. 347. εἴ που δικίδιον εἶπας εὖ κατὰ ξένου μετοίκου. Cho. 684. μετοίκον ἐς τὸ πᾶν αἰεὶ ξένον | θάπτειν. Distinctio fit Aeschin. I. 195. τοὺς ξένους καὶ τοὺς μετοίκους. ἐγγενής] I. e. ἀστός. Cf. Aesch. Cho. 459. πόνος ἐγγενής (i. e. ἀπὸ τῶν ἐν γένει). Suppl. 335. κῆδος ἐγγενές. Eur. Ion. 305. καὶ πῶς ξένος ὦν ἔσχεν οὖσαν ἐγγενῆ; Arist. Vesp. 1076. Ἄτικοὶ μόνου δικαίως ἐγγενεῖς αὐτόχθονες.

454. τυφλὸς γὰρ —] Cf. Tr. 284. 1075. Aesch. Cho. 262. ἀπὸ μικροῦ δ' ἂν ἄρχειας μέγαν | δόμον. Arist. Eq. 1321. τὸν Δῆμον — καλὸν ἐξ αἰσχροῦ πεποιήκα. Plut. Mar. 34. πλουσιώτατος ἐκ πένητος καὶ μέγιστος ἐκ μικροῦ γεγονώς. Lucian. Jup. Conf. 8. ἐκ πλουσιωτάτων πενέστατοι — γίνεσθε. Clem. Alex. p. 221. ὁ κόσουφος — παταγητικὸς ἐξ ὄδικοῦ γενόμενος. τῇ συμφορᾷ] With the event. Συμφορὰ, ut bene notum est, mediae significationis vocabulum est.

455. ξένην ἐπι] Over a strange country. Cf. Eur. Hipp. 898. 1049. ξένην ἐπ' αἶαν.

456. σκήπτρω προδεικνύς] Cf. Theocr. XXII. 102. τὸν μὲν ἄναξ ἐτάραξεν ἐτώσια χερσὶ προδεικνύς | πάντοθεν. Herod. IV. 10. τῷ ζωστήρι προδείξαντα. ἐμπορεύσεται] Cf. El. 405. ποῖ δ' ἐμπορεύει; Fr. 711. ὄστις δὲ πρὸς τύραννον ἐμπορεύεται. Arist. Ach. 480. ἐμπορευεῖα. 754.

458. Cf. Ovid. Met. X. 348. 'Tunc soror gnati genetricisque vocabere fratris?' (Herw.)

460. ὀμόσπορος] Activo sensu, τὴν αὐτὴν ἄρουραν σπείρων, sed passivo supra 260. Cf. 260. Eur. Herc. 1. τίς τὸν Διὸς σύλλεκτρον οὐκ οἶδεν βροτῶν —;

462. φάσκειν] Consider. Cf. El. 8. Phil. 1411. et praeterea Phil. 57. 1080. O. C. 490.

463. τίς] Supple ἔστι. Δελφίς — πέτρα] Cf. Eur. Ion. 550. Πυθίαν πέτραν. Andr. 999. τελουμένον δὲ Δελφίς εἴσεται πέτρα. Herc. 790. Bacch. 306. Arist. Nub. 600. Παργασία πέτρα. Nonn. Dion. XIII. 122. σοφῆ παρὰ Δελφίδι πέτρῃ. θεσπιέπεια] Epica ἀριέπεια et ἡδυνέπεια confert Dind.

465. ἄρορητ' ἀρορήτων] Cf. Phil. 65. O. C. 1238. κακὰ κακῶν. Aesch. Pers. 681. Diocl. com. 2. Meinekius confert Euseb. Praep. Ev. V. 6. ἄκουε δ' οἶα ἐκφαίνει ὁ τὰ ἀρορητότερα (τᾶρορητα cod. H. prob. Mein.) τῶν ἀρορήτων διηρηνηκώς. Porphyg. ibid. IV. 8. ταυτὰ μοι ὡς ἀρορήτων ἀρορητότατα (ἀρορητα Mein.) κρύπτειν.

467. ἀελλάδων] Cf. O. C. 1083. ἀελλαία ταχύροστος πελειάς. Fr. 626. ἀελλάδες φωναί (φῆναι?). Eur. Hel. 1330. μετὰ κορυῶν δ' ἀελλόποδες. Pind. N. I. 6. ἀελλοπόδων ἵππων. P. IV. 18. δίφρους ἀελλόποδας. Simonid. Fr. 7. χαίρει' ἀελλοπόδων θύγατρεις ἵππων. Hesiod. Scut. 316. κύκνοι ἀερωσιτόται.

468. νομῶν] I. q. κινεῖν (Eur. Bacch. 764.). Cf. Aj. 245. ὦρα τιν' ἤδη — ποδοῖν κλοπᾶν ἀρέσθαι. 369. οὐκ ἄγορρον ἐκνεμεῖ πόδα; Phil. 717. 1149. Fr. 856, 11. νομῆ πτερόν. Aesch. Ch. 288. λαμπρόν ἐν σκότῳ νομῶντ' ὄφρον. Sept. 3. οἶακα νομῶν. Pers. 321. δόρον νομῶν. Eur. Or. 1468. φυγᾷ δὲ ποδὶ τὸ χρυσοσοάνδαλον ἔγχος ἔφερον. Iph. T. 313. Theocr. XXII. 33. πτωεῖά τε χερσὶν ἐνώμων. Pind. N. VI. 15. ἔγχεσιν ἐν Πραξιδάμαντος ἐὸν πόδα

νέμων. Hom. Il. 10, 358. λαυηρὰ δὲ γούνατ' ἐνώμα | φεύγειν. Od. 21, 245. τόξον μετὰ χερσὶν ἐνώμα. 393. ὁ δ' ἤδη τόξον ἐνώμα, πάντη ἀναστρωφῶν. 22, 110. ἄλεισον μετὰ χερσὶν ἐνώμα. 10, 32. αἰεὶ γὰρ πόδα νῆος ἐνώμων. Il. 7, 238. ἐπ' ἀριστερὰ νωμῆσαι βῶν (clypeum). 5, 594. Ἄρης δ' ἐν παλάμῃσι πελώριον ἔγχος ἐνώμα. 3, 218. 15, 677.

469. ἐπενθρόσκει] Cf. Aesch. Pers. 365.

470. πῦρ καὶ στεροπαῖς] Hendiadys pro κεραυνῶ πῦρ. Cf. Tr. 99. ὦ λαμπρᾷ στεροπῇ φλέγέθων. Eur. Hec. 68. ὦ στεροπὰ Διός. γενέτας] Filius, ut in Eur. Ion. 916. ὁ δ' ἐμὸς γενέτας. Alibi pater (i. q. γενέτωρ) significat, Eur. Or. 1010. Tro. 1288. θεοὶ γενέται. Ion. 1130. Aesch. Eum. 73. Confer epithetum πρυγενέτης. et γαμέτης (maritus) Aesch. Prom. 899.

471. ἄμ' ἐπονται] Cf. Aj. 814. τάχος ποδῶν — ἄμ' ἐφεται.

472. ἔλαμψε — φάμα] Has shone forth (like a flame of fire) from Parnassus. Cf. 186. παιὰν δὲ λάμπει στονόεσά τε γῆρος δμᾶνλος. Arist. Lys. 388. δειναὶ — Κῆρες] Sic Ph. 1466. μεγάλη Μοῖρα. Κῆρες] Hic Furiae, ut in Tr. 133. Eur. El. 1252. δειναὶ δὲ Κῆρες σε — τροχληατήσουσ'. Herc. 870. Κῆρας ἀνακαλῶν τὰς Ταρτάρου. Eur. El. 1300. οὐκ ἠρκέσατον Κῆρας μελάθροις. Hom. Il. 22, 202. Κῆρας ὑπεξέφνγεν θανάτω. Clemens Alex. Strom. VI. 749. νῦν δὲ τοσαῦται κῆρες τῷ βίῳ παραπεφύκασιν ὥστε τὸν ἐν ταῖς μάχαις θάνατον αἰρετώτερον εἶναι δοκεῖν. Sphinx κῆρ ἀναρπάξανδρος appellatur Aesch. Sept. 776. τοῦ νιφόντος — Παρνασοῦ] From snowy Parnassus. Cf. 152. τὰς πολυχρῦσους Πυθῶνος — ἔβας. 142. Eur. Phoen. 214. ὑπὸ δειράσι νιφοβόλοις Παρνασοῦ. Dionys. Perieg. 439. Παρνησοῦ νιφόντος ὑπὸ πτυξί. Panyas. apud Pausan. Phoc. 8. Παρνησοῦν νιφόντια. ἀναπλάκῃτοι] Schol. αἱ εἰς μηδὲν ἀμαρτάνουσαι, ἀλλὰ πάντων κρατοῦσαι — ἢ οὕτως ἄφνκτοι, ἀπλάνῃτοι κτλ. I. e. ἀναμάρτητοι (unerring). Cf. Trach. 120. ἀναπλάκῃτον (schol. ἄπταιστον).

475. φάμα] An oracular voice. Cf. Arist. Av. 720.

476. Cf. Ant. 785. φοιτᾶς δ' ὑπερπόντιος ἐν τ' ἀγρονόμοις αὐλαῖς. φοιτᾷ γὰρ — ἄτε ταῦρος] Cf. Tr. 11. φοιτῶν ἐναργῆς ταῦρος. O. C. 349. κατ' ἀγρίαν | ὕλην — ἀλωμένη. Theocr. XIV. 43. ἔβα καὶ ταῦρος ἀν' ὕλαν. Hom. Il. 5, 162. πόρτιος ἤε βοὸς ξύλοχον κατὰ βοσκομενῶν. Eur. Iph. T. 251. βοῦς ὄλοφορβοῖς. Varron. de R. R. II. 5. 'Pascuntur armenta commodissime in nemoribus, ubi virgulta et frons multa.'

479. μέλεος μελέω ποδὶ] Cf. Ant. 979. μέλειοι μελέαν πάθαν κλαῖον. 1267. νέος νέω ξὺν μόρω. Aj. 267. κοινὸς ἐν κοινοῖσι. 1177. κακὸς κακῶς — ἐκπέσοι. μελέω ποδὶ] Cf. Phil. 291. δύστηνον ἐξέλκων πόδα. χηρεύων] In solitudine vivens. Cf. Eur. Alc. 1089. Isae. 61, 22. Dem. 867, 4. et cum genitivo Hom. Od. 9, 124. Theogn. 956 B.

480. μεσόμφαλα γᾶς μαντεῖα] Cf. 898. Aesch. Cho. 1036. μεσόμφαλόν θ' Ἰδρυμα, Λοξίου πέδον. Sept. 747. Ag. 1027. Eum. 39. 151. Sept. 744. ἐν μεσομφάλοις Πυθικαῖς χρηστηρίοις. Eur. Phoen. 244. Eur. Ion. 5. ἤκω δὲ Δελφῶν τήνδε γῆν, ἐν' ὀμφαλῶν | μέσον καθίζων Φοῖβος ὑμνωδεῖ βροτοῖς. 223. μέσον ὀμφαλον γᾶς. 462. Φοιβηῖοις ἐνθα γᾶς μεσόμφαλος ἐστία παρὰ χορευομένῳ τρίποδι μαντεύματα κραίνει. Iph. T. 1258. μέσον γᾶς ἔχων μέλαθρον. 917 sq. Or. 332. ἵνα μεσόμφαλοι λέγονται (κλέονται?) μυχοὶ γᾶς. 584. Ἀπόλλων, ὃς μεσομφάλους ἔδρας | ναίων βροτοῖσι στόμα νέμει σαφέστατον. Med. 668. Pind. P. XI. 15. Πυθῶνά τε καὶ ὀρθοδίκων γᾶς ὀμφαλόν. IV. 74. Lyric. incert. Bergk. 123. ὁ Πύθιος μεσομφάλοις θεὸς παρ' ἐσχάταις. ἀπονοσφίζων] Devitans. Schol. φεύγων. Gl. ἐκφεύγων. Cf. ad 693. εἴ σ' ἐνοσφίζομαι. Eur. Bacch. 730. Plat. Legg. IX. 865 E. Sic κενοῦν, ἐρημοῦν relinquere (locum).

482. ζῶντα] I. e. vigentia. Cf. 45. Ant. 457. ἀεὶ ποτε | ζῆ ταῦτα. Aesch. Ag. 819. ἄτης θύελλαι ζῶσι. δεινὰ —] Cf. El. 221. δεινοῖς ἠναγκάσθη, δεινοῖς.

483. δεινὰ ταράσσει] Cf. Ant. 794. τόδε νεῖκος ἀνδρῶν ξύναιμον ἔχεις ταράξας. Arist. Ran. 796. τὰ δεινὰ κινήθησεται. οἰωνοθέτας] I. q. οἰωνοσκόπος (Eur. Suppl. 509.). Confer νομοθέτης.

484. οὔτε δοκοῦντι' —] Schol. οὔτε πιστὰ οὔτε ἀπιστα. ἀποφάσκοντα] Negantia. Cf. O. C. 317. καὶ φημί κάποφημι κοῦκ ἔχω τί φῶ. Eur. Rhes. 900. ἀπὸ μὲν φαρμένας ἐμοῦ πορευθεῖς. Herod. IV. 96. οὔτε ἀπιστέω οὔτ' οὖν πιστεύω τι λίην.

486. πέτομαι δ' ἐλπίσιν] Cf. Ant. 1308. ἀνέπταν φόβῳ. Aj. 693. περιχαρῆς δ' ἀνεπιόμαν. Eur. Suppl. 88. ὡς φόβος μ' ἀναπεροῖ. Bacch. 332. νῦν γὰρ πέτει τε καὶ φρονῶν οὐδὲν φρονεῖς. Eur. El. 175. οὐκ ἐπ' ἀγλαταῖς — θυμὸν — ἐκπεπτόταμαι. Pind. P. VIII. 88. μεγάλας ἐξ ἐλπίδος πέταται. Pind. Fr. 87. πτάμεναι νόημα. Plut. Sertor. 24. ἀνεπερωθῆναι πρὸς τὴν ἐλπίδα. ἡ ψυχὴ μου πεπόνηται] Cf. Arist. Vesp. 93. ὁ νοῦς πέτεται τὴν νύκτα περὶ τὴν κλεψύδραν. Nub. 319. Av. 1445. ἀνεπερωῶσθαι καὶ πεπονηθῆναι τὰς φρένας. Theogn. 1053. τῶν γὰρ μαινομένων πέτεται θυμὸς τε νόος τε. Theocr. II. 19. πᾶ τὰς φρένας ἐκπεπτότασαι; XI. 72. πᾶ τὰς φρένας ἐκπεπτότασαι.

488. οὔτ' ἐνθάδ' ὀρῶν οὔτ' ὀπίσω] Cf. Eur. Fr. 49, 2. γαστήρ ἅπαντα, τοῦπίσω δ' οὐδὲν σκοπεῖ. Hom. Il. 1, 343. οὐδέ τι οἶδε νοῆσαι ἄμα πρόσω καὶ ὀπίσω. 3, 109. 18, 250. Hom. H. Ven. 104. εἰσοπίσω (in futurum). Soph. Phil. 1105. εἰσοπίσω (hence forth).

491. εἴτ' οὖν — εἴτε] Cf. 1049. El. 199. 560. Aesch. Ag. 491. 843.

492. De hiatu post βασάνῳ cf. Aesch. Pers. 109. Eur. Bacch. 380. 521. Arist. Vesp. 290.

493. βασάνῳ] Cf. 510. Arist. Eq. 1209. τῷ δῆτ' ἂν ὑμᾶς χορησάμενος τεκμηρίῳ | δόξαιμι κρίνειν — σοφῶς;

495. τὰν ἐπίδαμον φάτιν] Famam popularem. Cf. 31 sq. Aj. 978. ὡσπερ ἡ φάτις κρατεῖ. Aesch. Ag. 456. βαρεῖα δ' ἀστὴν φάτις ξὺν κότῳ. 938. φήμη — δημόδρους μέγα σθένει. Sept. 753 sq.

496. Οἰδιπόδα] Eadem forma est 1195. O. C. 222. Ant. 380. Herod. IV. 149. Λαῖον τε καὶ Οἰδιπόδεω. Λαβδακίδαῖς] I. e. Laio. Sic El. 1068. τοῖς ἐνεσθ' Ἀτρεΐδαῖς (Agamemnoni). ἐπίκουρος θανάτων] I. e. vindex caedis. Cf. 126. Λαῖου δ' ὀλωλότης | οὐδείς ἀρωγός ἐν κακοῖς ἐγίγνετο. Ant. 560. τοῖς θανοῦσιν ὠφελεῖν. Eur. Iph. A. 1027. χέρ' ἐπίκουρον κακῶν. Her. 921. πατρὶ τῶνδ' Ἀθάναν λέγουσ' ἐπίκουρον εἶναι. Or. 211. ἐπίκουρον νόσου. Hipp. 1062. El. 137. πατρὶ θ' αἱμάτων | ἐχθίστων ἐπίκουρος (ἐλθοῖς). 398. 986. 1391. 462. Pind. Ol. II. 80. λειψῆθ' ἡ δὲ Θέρσανδρος — Ἀδρασιδᾶν θάλας ἀρωγὸν δόμοις.

497. θανάτων] Cf. Tr. 1276. El. 206. ἐμὸς ἴδε πατὴρ θανάτους αἰκείς. Aesch. Cho. 51. δνόφοι καλύπτουσι δόμους δεσποτῶν θανάτοις. Eur. El. 484.

500 sq. ἀνδρῶν δ' —] Cf. Hor. Epist. I. 7. 98. 'metiri se quemque suo modulo ac pede verum est.'

501. σοφία δ' —] Cf. Eur. Bacch. 893. ἐτέρῳ δ' ἕτερος ἕτερον ὄλβῳ καὶ δυνάμει παρῆλθεν. Pind. Ol. IX. 103. ἐντὶ γὰρ ἄλλαι δόων ὁδοὶ περαιτέραι. Pind. Fr. 33. τί δ' ἔλπει σοφίαν ἔμμεναι, ἧ δλίγον ἀνῆρ ὑπὲρ ἀνδρὸς ἰσχύει; πλέον — φέρεται] Anglice, has the advantage of me. Cf. 1189. τίς ἀνῆρ πλέον | τᾶς εὐδαιμονίας φέρει —; Phil. 117. Aesch. Ag. 1027. πλέον φέρειν. Herod. 8, 29. πλέον αἰεὶ κοτε ὑμέων ἐφερόμεθα. Andoc. in Alcib. § 4. πλέον φέρονται τῶν ἄλλων. Eur. Or. 660. δεῖ γὰρ σ' ἐμοσ πράσσοιτος ὡς πράσσω τὰ νῦν | πλέον φέρεσθαι. Hec. 308. δταν τις ἐσθλός — μηδὲν φέρηται τῶν κακίωνων πλέον.

503 sq. Schol. ἐγωγ' οὐκ ἂν ποτε ἐπαινέσαιμι τοὺς μεμφομένους τὸν βασιλέα. Cf. Trag. adesp. 77. οὐκ οἶδ' ὅπως χρῆ (μὴ) σαφῶς κατειδότα | τῆς Ἡρακλείας φροντίδος κατηγορεῖν.

504. πρὶν ἴδοιμ'] Cf. ad Phil. 961.

505. μεμφομένων] Genitivus absolutus secundum Herwerden.

507. καταφαίην] Assentirer. Cf. Arist. Metaph. 3, 7. ἡ διάνοια ἢ κατάφησιν ἢ ἀπόφησιν. (Musgr.)

509. φανερά] Cf. Tr. 861. ἃ δὲ — Κύπρις — φανερά τῶνδ' ἐφάνη πράκτωρ. Eur. Hipp. 1288. τί — ψενδέσι μύθοις ἀλόχου πεισθεῖς | ἀφανῆ; φανεράν δ' ἔσχεδες ἄτην κτλ. ὄρθον] Cf. 853. 88. Herod. VII. 103. οὕτω μὲν ὄρθοιτ' ἂν ὁ λόγος ὁ παρὰ σεῦ εἰρημένος. Sic ὄρθως (i. q. ἀληθῶς) Ant. 99. περὶ εὖσ' — κόρα] I. e. Sphinx. Cf. 36. 130. 391. 1199. Eur. Phoen. 819. τὸ παρθέμιον πτερόν — Σφιγγός. 1049. ἃ περοῦσσα παρθέμιος. 1721. 48. σοφῆς αἰνίγμα παρθέμιου.

510. σοφὸς ὦφθη] Cf. Tr. 452. ὀφθῆσει κακός. Ant. 709. ὦφθησαν κενοί. Sphingis aenigma Οἰδιπόδα σοφία dicitur Pind.

P. IV. 467. βασιάνω] By trial, by proof (which he gave of his wisdom). ἀθύπολις] “I. e. ἡδὺς τῆ πόλει.” (Dind.) Cf. δικαιοπόλις.

511. Hiatus post τῶσιν arsi, praesertim in dactylico versu, nullam offensionem habet.

512. ὀφλήσει κακίαν] Cf. Ant. 470. μωρίαν ὀφλισκάνω. 1028. σκαυότητ' ὀφλισκάνει. Eur. Med. 581. πλείστην ζημίαν ὀφλισκάνει.

515. ἀτλητῶν] Anglice, unable to bear. I. q. δυσφορῶν. Non alibi legitur. Confer ἀμναστεῖν El. 482. ἀσεπτεῖν Ant. 1350. ἀνηκουστεῖν Aesch. Prom. 40. Herod. I. 115. 4. ἀφροντιστεῖν, ἀναρμυστεῖν.

517. ἐς βλάβην φέρον] Cf. 991. ἐς φόβον φέρον. 519. λόγοισιν εἶτ' ἐργοῖσιν] Cf. Tr. 236. ποῦ γῆς πατροφῆς εἶτε βαρβάρου; λέγε. Hor. Sat. II. 5. 10. ‘Turdus sive aliud privum dabitur tibi, devolet illuc | res ubi magna nitet domino sene.’ Eur. Suppl. 293. εἰς δκνον — μῦθος — φέρει. Iph. A. 552. Herod. I. 10. ἐς αἰσχύνην μεγάλην φέρει. I. 119. ἐς τί ὑμῖν ταῦτα φαίνεται φέρειν; III. 133. ὅσα ἐς αἰσχύνην ἐσὶ φέροντα. VIII. 142. φέρει εἰς πᾶσαν τὴν Ἑλλάδα. IX. 33. ἐς ἀρήτους ἀγῶνας φέρον τὸ Τισαμενοῦ μαντήσιον. IV. 90. VI. 42. οὐδὲν ἐπὶ πλέον τούτων ἐγένετο ἐς νεῖκος φέρον Ἴωσι. 19. Plut. Lucull. 23. τὴν ὄψιν οὐκ εἶχε συμβαλεῖν εἰς ὃ τι φέροι.

518. Cf. Aj. 473. αἰσχρὸν γὰρ ἄνδρα τοῦ μακροῦ χρηζέειν βίον. βίον — μακροαῖνος] Vitae longaevae. Cf. O. C. 152. ἦσθα — μακροαίων. Ant. 987. Aj. 194. Aesch. Fr. 281. μακροαίνας βίους. Aesch. Pers. 262. μακροβίτος αἰών. Tr. 81. βίτον εὐαίων' ἔχειν. Eur. Suppl. 960. δυσαίων βίος. Aesch. Pers. 711.

519. φέροντι τήνδε βάζιν] Cf. Aj. 494. βάζιν ἀλγεινὴν λαβεῖν. El. 1006. βάζιν καλὴν λαβόντε. Aj. 193. μὴ — κακὰν φάτιν ἀρηεῖς ἀπλοῦν — φέρει] Cf. 517. εἰς βλάβην φέρον.

523. ἀλλ' ἦλθε μὲν δὴ —] Cf. Tr. 627. ἀλλ' οἶσθα μὲν δὴ —. El. 103. ἦλθε — τοῦνειδος] Cf. Aesch. Ag. 1560. ὄνειδος ἦκει τόδ' ἀντ' ὄνειδος (ἐκείνου?). Eum. 155. ἐμοὶ δ' ὄνειδος ἐξ ὄνειράτων μολὸν κτλ. τάχ' ἄν — βιασθὲν] Cf. O. C. 965. θεοῖς γὰρ ἦν οὕτω φίλον | τάχ' ἄν τι μνηῖουσιν ἐς γένος πάλαι.

524. γνώμη φρενῶν] Cf. Eur. Fr. 718. ὦρα σε θυμοῦ κρείσσονα γνώμην ἔχειν. Trag. adesp. 175. ὁ θυμὸς αὐτὸν τῶν φρενῶν ἔξηρ' ἀνώ. 390. γνώμη] Consilio. Anglice purpose. Cf. 527.

525. τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —;] Cf. Tr. 744. τοῦ παρ' ἀνδρωπῶν μαθῶν; 1131. Eur. Fr. 683, 2. πρὸς τοῦ (νοσεῖ); τίς αὐτὴν πημονὴ δαμάζεται; El. 1276. τί μὴ ποιήσω; Aj. 77. τί μὴ γένηται; Eur. Suppl. 544. τί μὴ γένηται; Aesch. Eum. 593. πρὸς τοῦ δ' ἐπεισθῆς —. ἐφάνθη] Hic aoristus, multo rarior quam ἐφάνη, occurrit etiam 1485. Tr. 743. Aesch. Pers. 256. Eur. Herc. 804.

526. τοὺς λόγους ψευδεῖς λέγοι] Cf. Tr. 438. οὐ γὰρ γυναικὶ τοὺς λόγους ἐρεῖς κακῆ.

528. ἐξ ὀφθαλμῶν — ὀφθαλμῶν] With steady eyes. "I. e. sana mente et sibi conscius." (Herw.) Schol. οἱ γὰρ σώφρονες καθεστηκὸς ἔχουσι τὸ ὄμμα, οἱ δὲ μαινόμενοι παρατετραμμένον. Cf. 1385. El. 455. ἐξ ὑπερέτερας χειρὸς. Phil. 88. 563. Eur. Iph. A. 804. χαῖρ', οὐ γὰρ ὀφθαλμοῖς ὀφθαλμοῖσιν σ' ἔτ' εἰσορῶ. Hec. 958. κοῦκ ἂν δυναίμην προσβλέπειν σ' ὀφθαλμοῖς κόραις. Theocr. 5, 35. μέγα δ' ἄχθομαι αἰ τὺ με τολμῆς | ὀφθαλμοῖσιν τοῖς (l. σοῖς) ὀφθαλμοῖσιν ποτιβλέπεν. Plut. T. II. 476 E. ὀφθαλμοῖσιν τοῖς ὀφθαλμοῖσιν ἀντιβλέπεν. ἐξ ὀφθαλμῶν φρενός] With undisturbed (sound) mind. Cf. Aesch. Sept. 873. δόλος οὐδεὶς | μὴ 'κ φρενός ὀφθαλμῶν (ὀφθαλμῶν recte Blomf.) με λιγαίνειν. Ag. 1468. φρενός ἐκ φιλίας τί ποτ' εἶπω; Cho. 101. λέξω τὸν ἐκ φρενός λόγον. Sept. 914. ἐτύμως δακρυχέων ἐκ φρενός.

529. τοῦπίκλημα] The charge. Cf. 227.

531. δωμάτων ἐξω περᾶ] Cf. Ant. 386. ὄδ' ἐκ δόμων ἀπορροῆς ἐς δέον περᾶ. Eur. Iph. T. 724. δωμάτων δ' ἐξω περᾶ. Iph. A. 1533. δόμων ἐξω πέρασον. Hec. 665. περῶσα τυγχάνει δόμων ἄπο. Med. 272. γῆς ἐξω περᾶν. Or. 1572. δόμων ἐξω περᾶν.

532. οὔτος σὺ] Cf. Eur. Hec. 1280. οὔτος σὺ, μαινέει καὶ κακῶν ἐρᾶς τυχεῖν. Arist. Ach. 564. οὔτος σὺ, ποῖ θεῖς; Av. 1199. Th. 610. Lys. 728. αὐτὴ σὺ, ποῖ θεῖς;

533. τόλμης πρόσσωπον] Cf. Babr. Fab. 95, 57. ἡ δ' ἀναιδεῖς | ὀφρὸν ἔχουσα καὶ μέτωπον εἰσὶτήκει. (Herw.) Ant. 1193. τῆς ἀληθείας ἔπος. τὰς ἐμὰς στέγας ἴκον] Cf. Tr. 329. καὶ πορευέσθω στέγας.

534. τοῦδε τάνδρος] Cf. 1464. O. C. 1331. Tr. 1175. Eur. Med. 1337.

536. φέρ' εἰπέ —] Cf. El. 376. φέρ' εἰπέ δὴ τὸ δεινόν. δειλίαν —] Cf. Plut. Mar. 16. τίνα δὴ καταγνοῦς ἀνανδρίαν ἡμῶν Μάριος εἶργει μάχης —;

538. γνωριῶμι] Cf. O. R. 1500. δνειδιεῖσθε.

539. ἀλεξάιμην] Cf. ad 171. ὧ τις ἀλέξεται. Aesch. Suppl. 1053. ἀπαλέξει. Hom. Il. 15, 565. ἀλέξασθαι. Xen. An. III. 4. 33. Quint. Smyrn. VI. 307. Bekk. Anecd. p. 415. ἀπαλέξω.

541. ἄνευ τε πλήθους —] Cf. 253. O. C. 33. τῆς ὑπὲρ τ' ἐμοῦ; αὐτῆς θ' ὀρώσης. Eur. Ion. 1288. ὑπὲρ τ' ἐμαντοῦ τοῦ θεοῦ θ', ἴν' ἔσταμεν. Suppl. 383. Herc. 477. Iph. A. 508. Aesch. Eum. 691. ἔν τε τοῖς νέοισι καὶ παλαιτέροις. Eur. Hipp. 205. μετὰ θ' ἰονχίας καὶ γενναίου λήματος. 1197. τὴν εὐθὺς (l. εὐθύ τ') Ἄργουσι κάπυδαυρίας ὁδόν. Aj. 53. 492. Phil. 1294. El. 599. Arist. Eq. 1103. ἐξηπατήθην ὑπὸ τε σοῦ καὶ Θουφάνου. Vesp. 126. Herod. V. 5. ἐγκωμιασθεῖσα ὑπὸ τε ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν. 105. ὑπὸ τ' Ἀθηναίων καὶ Ἰώνων.

542. θηρῶν] Confer proverbium ἀδύνατα θηρῶς (Mant. Prov. I. 1.). δ] Quam rem. Cf. Thuc. I. 122. ἀντικρὺς δουλείαν, δ

καὶ ἐνδοιασθῆναι αἰσχρὸν τῇ Πελοποννήσῳ. Hom. Od. 12, 75. νεφέλη δέ μιν ἀμφιβέβηκε | κνανέη· τὸ μὲν οὔποτ' ἐρωεῖ. Sic δὲ ad γυναικὸς refertur Eur. Andr. 270. ἀλίσκεται] Cf. 111. τὸ δὲ ζητούμενον | ἀλωτόν. O. C. 597. Ant. 650. El. 1366. Tr. 678. Eur. Fr. 434, 2. τολμήμασιν δὲ καὶ χερῶν ὑπερβολαῖς | ἀλίσκεται τε πάντα καὶ θηρεύεται. 811. τάφανῃ | τεκμηροῖσιν εἰκότως ἀλίσκεται. Xen. Hipp. IV. 20. ἃ καὶ αὐτὰ τέχνη ὑπ' ἀνθρώπου ἀλίσκεται. Isocr. Or. XV. § 224. πάσας τὰς πράξεις καὶ τὰς τέχνας εἰδότες ταῖς μελέταις καὶ ταῖς φιλοπονίαις ἀλίσκομενας. Aesch. Prom. 166. πρὶν ἂν — παλάμη τινὲ τὰν δυσάλωτον ἔλη τις ἀρχάν. Sic ἀλωτὸς supra 111. ἀλώσιμος Phil. 863.

543. οἶσθ' ὡς ποιήσον;] Cf. Eur. Iph. T. 1204. οἶσθὰ νυν ἃ μοι γενέσθω; Hec. 229. οἶσθ' οὖν δ' ὀρεῶσον; Her. 452. ἀλλ' οἶσθ' ὃ μοι σύμπραξον; O. C. 75. οἶσθ' ὡς νῦν (οὐ?) μὴ σφαλῆς; Eur. Ion. 1029. οἶσθ' οὖν δ' ὀρεῶσον; Hel. 315. 1233. Iph. A. 725. 634. Cycl. 131. οἶσθ' οὖν δ' ὀρεῶσεις (l. ὀρεῶσον); Arist. Eq. 1158. οἶσθ' οὐα δ' ὀρεῶσον; Pac. 1061. ἀλλ' οἶσθ' δ' ὀρεῶσον; Av. 54. οἶσθ' οὖν δ' ὀρεῶσον; 80. Ach. 1064. Hermipp. com. II. 400. οἶσθὰ νυν ὃ μοι ποιήσον; Menand. IV. 297. οἶσθ' ὃ τί ποιήσον; Plaut. Rud. III. 5. 8. 'Tange, sed scin' quomodo?' et Plat. Resp. 461 E. ἢ πῶς ποιοῦμεν;

544. ἴσ' ἀντάκουσον] Cf. Aj. 1141. Eur. Her. 1014. ἃ γ' (δο?) εἴπας ἀντήκουσας. Alex. III. 454. ἂν δ' εἴπης ἀπαξ | εὐθύς ἀντήκουσας.

545. λέγειν σὺ δεινὸς] Cf. O. C. 806. γλώσση σὺ δεινὸς, ἄνδρα δ' οὐδέν' οἶδ' ἐγὼ | δίκαιον ὅστις ἐξ ἅπαντος εὐ λέγει. (Ubi ut hic Oedipus Creontem alloquitur.) μανθάνειν — κακὸς] Cf. Eur. Med. 259. κακὴ δ' ἐς ἀλκήν καὶ σίδηρον εἰσορᾶν. Her. 747. κακὸς μένειν δόρυ. Rhés. 176. κακαὶ γεωργεῖν χεῖρες εὐ τεθραμμένα.

546. βαρύν] Cf. 673. Eur. El. 1119. οὐκέτ' ἔσται σοι βαρὺς. Aesch. 31, 1. βαρὺς καὶ ἀφόρητος ἄνθρωπος.

547 sq. Cf. 1066 sq. Eur. Med. 1370 sq. Aesch. Sept. 1042 sq. Plaut. Merc. 141. 'Hominem ego iracundiorem quam te novi neminem. — At ego maledicentio rem quam te novi neminem.' (Herw.)

548. ὅπως] That. Cf. Ant. 685. ἐγὼ δ' ὅπως σὺ μὴ λέγεις ὀρθῶς τάδε | οὔτ' ἂν δυναίμην — λέγειν. Fr. 153, 1. Aesch. Suppl. 277. ἅπιστα μνηθεῖσθ' — ὅπως τόδ' ὑμῖν ἔστιν Ἄργεῖον γένος. Arist. Pac. 132. Herod. III. 116.

549. Cf. Aesch. Pr. 1012. αὐθαδία γὰρ τῶν φρονούντων μὴ καλῶς | αὐτὴ καθ' αὐτὴν οὐδενὸς μείζον σθένει. (Herw.)

552. οὐχ ὑπέξεν τὴν δίκην] Cf. Eur. Or. 1649. δίκην ὑπόσχεσ αἵματος μητροκτόνου. Hec. 1253. ὑπέξω τοῖς κακίοσιν δίκην. Andr. 358. Cycl. 695. El. 698. Ion. 1308. σὺ δ' οὐχ ὑπέξεις ζημίαν (τὴν δίκην?) κτείνουσο' ἐμέ; τὴν δίκην] Cf. Eur. Her. 1025.

οὗτος δὲ δώσει τὴν δίκην θανάων ἐμοί. Arist. Av. 337. δοκεῖ μοι τῶδε δοῦναι τὴν δίκην. Xen. Hell. II. 3. 9. III. 3. 11. III. 4. 25. VI. 2. 34. www.libtool.com.cn

555. *ἔπειθες ἢ οὐ ἔπειθες;*] Cf. 141. λέγω — ἢ οὐ λέγω; Aesch. Sept. 203. ἤκουσας ἢ οὐκ ἤκουσας; 100. Eur. Ion. 825.

ἢ οὐκ] Eadem crasis est 993. 1140. Ant. 458. O. C. 504. 939. 998. 1155. 1436. Tr. 321. Aj. 334. Aesch. Sept. 97. 186. Cho. 1006. Eur. Hec. 1077. Hel. 136. 922. etc. ἐπὶ | τὸν —] Cf. Phil. 626. et ad Phil. 263. Similiter ὅσον | μὴ χερσὶ καίνων O. R. 347.

556. *σεμνόμαντιν*] Confer *ψευδόμαντις* (Soph.), *δρθόμαντις* (Pind.), *ἀληθόμαντις* (Aesch.), *ἀριστόμαντις* (Soph.), *κλυτόμαντις* (Pind.), *πρωτόμαντις* (Aesch.), et *ἰατρόμαντις*, *μουσόμαντις*, *ὄνειρόμαντις*, *θυμόμαντις*, *στρατόμαντις*.

557. *αὐτός εἰμι*] Cf. ad Phil. 521. Eur. Phoen. 920. ἀνὴρ δδ' οὐκ ἐθ' αὐτός· ἐκνεύει πάλιν. Iph. T. 729. Thuc. III. 38. ἐγὼ μὲν οὖν ὁ αὐτός εἰμι τῇ γνώμῃ.

558. *πόσον τιν' —;*] Cf. Aesch. Pers. 334. πόσον τι πλήθος; Eur. Phoen. 856. πόση τις ἢ 'πίλοιπος ἀστεως ὁδός —; πόσον — χρόνον ἀφαντος ἔρρει;] Cf. Eur. Or. 415. πόσον χρόνον δὲ μητρὸς οἴχονται πνοαί;

560. *ἀφαντος ἔρρει*] Cf. 832. Aesch. Ag. 610. 643. Eur. Or. 1496. 1557. Hel. 612. Hom. Il. 6, 60. Od. 1, 242. *θανασίμῳ χειρώματι*] Cf. Aj. 1033. πρὸς τοῦδ' ὄλωλε *θανασίμῳ πεσήματι*. Eur. Ion. 1250. *θανασίμους σφαγάς*. Hec. 571. *χειρώματι*] Passivo sensu, ut in Aesch. Ag. 1325. *εὔμαροῦς χειρώματος*. Sept. 1022. *τυμβοχόα χειρώματα*. Soph. Ant. 126. *δυσχείρωμα*.

561. Cf. Tr. 1154. *τοὺς δ' ἂν τὸ Θήβης ἄστυ ναίοντας μάθοις*. O. C. 42. *παλαιοὶ — χρόνοι*] Cf. Aj. 600. *παλαιὸς χρόνος*. 622. *παλαιᾷ — ἀμέρα*. O. C. 41. 112. Tr. 1154. Arist. Ran. 347. *χρονίους τ' ἐτῶν παλαιῶν ἐνιαυτούς*. Eur. Hipp. 905. *οὐπω χρόνον παλαιόν*. Iph. A. 409. *χρόνον παλαιόν*. Rhes. 389. *παλαιᾷ σ' ἡμέρα προσενέπω*. et ad Phil. 493.

562. *ἦν ἐν τῇ τέχνῃ*] Cf. Aj. 271. *ἦν ἐν τῇ νόσῳ*. Eur. Hipp. 454. *εἰσὶν ἐν μούσαις ἀεὶ*. Plat. Men. p. 91. *ἑβδομήμοντα ἔτη γεγονότα, τετραράκοντα δὲ ἐν τῇ τέχνῃ ὄντα*. Resp. VI. 489 B. *δοιο — εἰσὶν ἐν μούσαις ἀεὶ*. Herod. II. 82. *οἱ ἐν ποιήσει γενόμενοι*. Isocr. p. 207. *τῶν ἐν τυραννίδι καὶ πλοῦτῳ καὶ τρυφαῖς ὄντων*. *τῇ τέχνῃ*] Cf. El. 1500. Eur. Phoen. 784. *τέχνην μαντικὴν*.

564. *ἐμνήσασ' — ἐμοῦ*] I. q. *ἐμνήσθη*. Cf. El. 373. Arist. Eq. 1277. *ἀνδρὸς ἐμνήσθη φίλον*. Nub. 926. Theocr. XVII. 135.

τῷ τότε ἐν χρόνῳ] Cf. 1660. O. R. 1030. El. 674. *τῆδ' ἐν ἡμέρα*.

566. *ἔρρευαν τοῦ θανάοντος*] I. e. *ἔρρευαν περὶ τὸν θανάοντα*

(a search for the deceased). Ant. 268. *οἱ οὐδὲν ἦν ἐρευνῶσιν πλέον.* Eur. Ion. 328. *οὐδ' ἤξας εἰς ἐρευναν ἐξευρεῖν γονάς;*

567. *πῶς δ' οὐχί;*] I. q. *πῶς γὰρ οὐ;* Cf. 1015. El. 911. Aj. 279. Aesch. Fr. 310. *λευκός, τί δ' οὐχί; καὶ καλῶς ἠφρευμένος | ὁ χοῖρος.* Plat. Pol. 302 B. *δεῖ πῶς δ' οὐ;*

568. *ὁ σοφός*] Cf. Eur. Her. 978. *τὴν θρασεῖαν.* Xen. An. VI. 4. 7. *ἀποκαλοῦντες τὸν προδότην.*

569. Cf. 1520. *ἂ μὴ φρονῶ γὰρ οὐ φιλῶ λέγειν μάτην.* Aesch. Sept. 619. *φιλεῖ δὲ σιγᾶν ἢ λέγειν τὰ καίρια.* Dionys. trag. Fr. 6. *ἢ λέγε τί σιγῆς κρεῖσσον ἢ σιγῆν ἔχε.*

570. *τόσον*] Cf. ad Trach. 53. Eur. Med. 461. *ἦκω τοσόνδε προσκοπούμενος.*

572. *δοθύνεκα*] That. Contractum ex ὄτον ἔνεκα, ut οὐνεκα ex οὐ ἔνεκα. Cf. 707. 1271. O. C. 944. 1006. El. 47. 1308.

574. *ἐγὼ δέ σου —*] Redde Anglice, and I claim the right of questioning you in like manner. *σου μαθεῖν*] I. q. *παρά σου αὐτ ἐκ σου.* Ph. 370. *πρὶν μαθεῖν ἐμοῦ.* Eur. Ion. 314. *κείνον — θέλων μαθεῖν ἔπος.*

576. *Legē οὐ γὰρ δὴ φονεύς (γ') ἀλώσομαι.* Cf. Eur. Ion. 972. *τίς γὰρ νιν ἐξέθηκεν; οὐ γὰρ δὴ σύ γε.*

577. *γῆμας ἔχεις*] I. q. *γεγάμηκας.* Cf. 699. *στήσας ἔχεις.* 731. *λήξαντ' ἔχει.* Ph. 1362. *θανμάσας ἔχω.* 600. *εἶγον — ἐκβεβληκότες.* Tr. 37. *ταρβήσασ' ἔχω.* Aj. 22. O. C. 817. 1140. El. 590. Ant. 22. 32. 77. 192. Fr. 806. *ἀναλώσας ἔχει.* Eur. Med. 33. *ἀτιμάσας ἔχει.* Fr. 807. *κηρύξας ἔχω.* Theogn. 1057. *οἱ μὲν γὰρ κακότητα κατακρύψαντες ἔχουσι | πλούτω.* Lucret. I. 1068. 'Amplexi quod habent perverse prima viai.' VI. 898. 'Multa quoque in se | semina habent ignis stupae tœdaeque tenentes.'

578. *ἄρρησις οὐκ ἔνεστιν ὧν ἀνιστορεῖς*] Cf. El. 527. *τῶνδ' ἄρρησις οὐκ ἔνεστί μοι.* Aesch. Eum. 588. *ἔκτεινα· τούτου δ' (γ') οὐτίς ἄρρησις πέλει.* *ἀνιστορεῖς*] Sciscitaris. Cf. O. C. 901. Tr. 317. Ph. 253.

579. *Similiter Magi dicunt Astyagi, σέο δ' ἔνεστεῶτος βασιλέος, ἔοντος πολυήτεω, καὶ ἄρχομεν τὸ μέρος καὶ τιμὰς πρὸς σέο μεγάλας ἔχομεν.* *ἄρχεις δ' ἐκείνη ταυτὰ*] Regis autem pariter atque illa. Cf. El. 300. *ὄν δ' ἐποτρύνει — αὐτῇ ταυτὰ.* *γῆς ἴσον νέμων*] Cf. Tr. 163. *εἶπε δ' ἦν τέκνοις | μοῖραν πατρῶας γῆς διαίρετον νέμοι.* Aj. 265. 513. 1351. 1371. Eur. Phoen. 1020. Fr. 872, 3. *πρεσβεῖα νέιμας τῆσδε γῆς.* Eur. Herc. 462. *σοὶ μὲν γὰρ Ἄργος ἔνεμ' ὁ κατθανῶν πατήρ.*

580. *ἦ θέλουσα*] Cf. 1356. Phil. 420. *θάλλοντές εἰσι.* 459. *ἐξαρχοῦσά μοι | ἔσται.* Aj. 1320. *κλύοντές ἐσμεν.* Matth. Ev. VII. 29. *ἦν γὰρ διδάσκων.* *πάντ' ἐμοῦ κομίζεται*] Cuncta a me impetrat. Cf. Oed. C. 1411. *ὁ νῦν ἔπαινος, ὃν κομίζετον | τοῦδ'*

ἀνδρός κτλ. Antiph. 26, 3. μὴ φῶσί σου — σηπίας εἰληφέναι. Hom. II. 1, 596. μειδήσασα δὲ παιδὸς ἰδέξατο χειρὶ κύπελλον.

582. κακὸς — φίλος] Cf. 611. φίλον — ἐσθλόν. Phil. 586. φίλος μέγιστος. 421. φίλος ἔμῃς.

583. εἰ διδοίης — σανταῖ λόγον] Cf. Plat. Soph. 230. λόγον ἑαυτοῖς δόντες. Dem. Or. 45. 67. λόγον δ' ἑμαντῶ διδοὺς εὐρίσκω κτλ. Herod. I. 34. ἑωντῶ λόγον ἔδωκε. I. 97. ἐδίδοσαν σφίσι λόγον. I. 209. ἐδίδου λόγον ἑωντῶ περι τῆς θυμιοσ. II. 162. οὐδένα λόγον ἑωντῶ δούς. III. 25. οὔτε λόγον ἑωντῶ δούς. III. 45. δοῦναί σφι λόγον. III. 76. ἐδίδοσαν αὐτις σφίσι λόγους. IV. 102. οἱ δὲ — δόντες σφίσι λόγον. V. 68. λόγον σφίσι δόντες. 75. σφι αὐτοῖσι δόντες λόγον ὡς οὐ ποιοῖεν τὰ δίκαια. Eur. Med. 868. ἐγὼ δ' ἑμαντῆ διὰ λόγων ἀφικόμεν. ὡς ἐγὼ] Sub. δίδωμι ἑμαντῶ.

584 sq. Confer Histiaei verba ad Darium Herod. V. 106. εἴ τι' ἂν δοκεῖς ἄρχειν ἐλέσθαι] Cf. Arist. Av. 355. πῶς γὰρ ἂν τούτους δοκεῖς ἐκφυγεῖν; Pl. 380. καὶ μὴν φίλως γ' ἂν μοι δοκεῖς — λογίασθαι δώδεκα.

585. φόβοισι] Alarms. Cf. 917. ἦν φόβους λέγη. et ad Aj. 531.

586 sq. Cf. Eur. Hipp. 1013 sq.

586. ἄτρεστον] Cf. Aj. 365. τὸν ἐν δαταῖς ἄτρεστον μάχαις. Aesch. Prom. 416. Ag. 1402. 'Suppl. 240. Eur. Ion. 1198. Λοξίου γὰρ ἐν δόμοις | ἄτρεστα ναλοῦσ'.

587 sq. Cf. Eur. Ion. 621 sq. 625 sq. Hipp. 1013 sq. Cf. Phil. 1052. νικᾶν γε μέντοι πανταχοῦ χρηζῶν ἔφην. Ant. 501.

588. τύραννα δρᾶν] I. q. τυραννίκα. Primitivum pro possessivo, ut alibi γέρων (O. C. 1259. γέρων — πίνος), νεανίας, ἀδελφός, etc. Cf. Ant. 1169. τύραννον σχῆμ' ἔχων. Eur. Andr. 3. 303. Hel. 523. Hipp. 143. Tro. 474. Aesch. Pr. 763. Arist. Vesp. 507. φρονεῖν τυραννικά. Plat. Theag. 754 B. δρᾶσαι τῶν τυραννικῶν (τι). Herod. 2, 173. νῦν δὲ ποιεῖς οὐδαμῶς βασιλικά. Plut. Caes. 25. τυραννίδα (log. τυραννικά) δοκοῦντα πράττειν ἀπέκτειναν.

589. σωφρονεῖν ἐπίσταται] Cf. El. 394. Aesch. Prom. 982. καὶ μὴν σύ γ' οὐπω σωφρονεῖν ἐπίστασαι. Chaerem. Fr. 26. Eur. Fr. 799, 2. μηδὲ τὴν δρυγὴν ἔχειν | ἀθάνατον ὅστις σωφρονεῖν ἐπίσταται. 909, 3. ἦτις ἀνδρὶ συντέτηκε σωφρονεῖν ἐπίσταται.

590. ἐκ σοῦ πάντ' — φέρω] Cf. O. C. 5. μείον φέροντα.

591. "Egredie sibi invicem opponuntur ἄνευ φόβου et δυνῶν." (Herw.)

593. δυναστείας] Non alibi legitur hoc vocabulum in Tragodia. Δυναστῆς est Ant. 608. Aesch. Ag. 6.

594. οὐπω —] Cf. El. 403. οὐ δῆτα· μὴ πω νοῦ τοσόνδ' εἶην κενή. Hom. II. 14, 143. σοὶ δ' οὐπω μάλα πάγχυ θεοὶ μάκαρες κοτέουσιν.

596. πᾶσι χαίρω] I. e. πάντες με χαίρειν κελεύουσι, omnes me salvere jubent (salutant). Anglice, I am saluted by

all, all bid me χαίρειν. Dem. c. Aristog. 703. ὄφειλε γὰρ μηδεὶς ἄλλος Ἀριστογοεῖτον χαίρειν. Sic apud Ciceron. (Epist.) 'Tibi gratulor, mihi gaudeo. Cf. O. C. 1137. σὺ δ' αὐτόθεν μοι χაίρει. Eur. Iph. T. 922. χαῖρ', ὦ πόσις, μοι τῆς ἐμῆς ὀμοσπόρου. Arist. Lys. 1074. ἄνδρες Λάκωνες, πρῶτα μὲν μοι χαίρετε.

597. αἰκάλλουσί με] Cf. Arist. Eq. 48. ὑποπεσὼν τὸν δεσπότην | ἤκαλλ', ἐθώπευ', ἐκολάκευ', ἐξηπάτα. Eur. Andr. 631. προδότην αἰκάλλον κύνα.

598. τυχεῖν — ἀπαντ'] Cf. O. C. 1106. αἰτεῖς ἃ τεύξει. 1168. Eur. Hec. 51. ὄσονπερ ἠθελον τυχεῖν. Med. 756. τυχοῦσ' ἃ βούλομαι. Or. 676. τὸ δ' αὖ δύνασθαι παρὰ θεῶν χρεῖζω τυχεῖν.

600. Similiter Menander IV. 292. οὐδέεις πονηρὸν πρᾶγμα χρηστός ὢν ποιεῖ.

601. ἐραστῆς] An admirer. Cf. Arist. Nub. 1459. πονηρῶν ὄντ' ἐραστὴν πραγμάτων. Herod. 3, 53. τυραννὶς σχῆμα σφαλερὸν, πολλοὶ δ' αὐτῆς ἐρασταί εἰσι. Eur. Rhes. 166. οὐ σῆς ἐρῶμεν πολυόχλου τυραννίδος. Herc. 66.

603. τῶνδ' ἔλεγχον] In appositione cum integra sententia. Cf. Aj. 1058. ἡμεῖς μὲν ἂν τήνδ' ἦν ὀδ' εἴληχεν τύχην, | θανόντες ἂν προυκείμεθ' αἰσχρίστῳ μόρῳ. Ant. 165. τοῦτο μὲν — τοῦτ' ἄλλο —. Eur. El. 229. εὐδαιμονοίης, μισθὸν ἠδιστον λόγων. 1175. ἄποιν' ἐμῶν πημάτων. Hec. 1150. τὸ λοίσθιον δὲ, πῆμα πῆματος πλέον, | ἐξεργάσαντο δεῖν'. Phoen. 1234. Aesch. Ag. 223. Hom. Il. 24, 735. ἦ τις Ἀχαιῶν | ἔριπει χειρὸς ἐλὼν ἀπὸ πύργου, δευρὸν ὕλεθρον. Notanda est alliteratio in Πυθῶδ' — πυθοῦ.

604. πεύθον] Eadem forma est Tr. 387. Nisi utrobique πυθοῦ scribendum.

605. τοῦτ' ἄλλο] I. q. τοῦτ' αὖ. Sic El. 601. ὁ δ' ἄλλος (i. q. ὁ δ' αὖ). Cf. Ant. 646. τί τόνδ' ἂν εἶποις ἄλλο πλὴν αὐτῷ πόνους, φῦσαι; 167. τοῦτ' αὖθις, ἠνίκ' Οἰδίπους ὄρθον πόλιν, κτλ. τερασκόπῳ] Cf. Aesch. Eum. 62. ἰατρομαντις δ' ἐστὶ καὶ τερασκόπος. Ag. 1415. 951. Cho. 544. Eur. Bacch. 248. Forma vulgaris est τερατοσκοπός, Plat. Legg. XI. 933 C. λάβης] Cf. 461. καὶ λάβης μ' ἐψευσμένον. 643. δρωῖντα γὰρ νιν κακῶς εἴληφα. Sic ἄλλοικεν 576. αἰρεῖν Ant. 46. etc.

607. τῆ τ' ἐμῆ] Schol. ὅτι καὶ αὐτὸς τὸν (?) ἐμαντοῦ κατανηφιζομαι θάνατον. κτάνης — λαβῶν] Cf. 641. κτεῖναι λαβῶν.

608. Cf. 656 sq. χωρίς] Scorsum. Hic adverbii vice fungitur. Sed corrigendum videtur γνώμης δὲ δήλης —.

611. ἐκβαλεῖν] Angl. to lose. Cf. O. C. 631. Aj. 965. Theogn. 323. μή ποτ' ἐπὶ σμικρᾷ προφάσει φίλον ἄνδρ' ἀπολλέσσαι (ἀπόβαλλε aut ἀποβάλλειν?). ἴσον λέγω καὶ —] Cf. ad O. C. 810.

612. τὸν παρ' αὐτῷ βίοντον] Sub. ἐκβαλεῖν. Cf. O. C. 1584. ὡς λειλοπτότα | κείνον τὸν αἰεὶ (αἰεὶ al. lege αὐτοῦ) βίοντον ἐξεπίστασο.

613. Cf. Aesch. Ag. 729. γνώσει δὲ χρόνῳ διαπευθόμενος | τὸν τε δικαίως καὶ τὸν ἀκαίρως | πόλιν οἰκουροῦντα πολιτῶν. Philom. IV. 61. χρόνος δίκαιον ἄνδρα μὴνύει ποτέ. Hom. Il. 2, 365 sq.

614. Cf. Eur. Hipp. 428. κακούς δὲ θνητῶν ἐξέφην', όταν τύχη, — χρόνος. 1051. οὐδὲ μὴνυτήν χρόνον | δέξει καθ' ἡμῶν, ἀλλὰ μ' ἐξελάς χθονός; Eur. Fr. 221, 1. τήν τοι Δίκην λέγονοι παῖδ' εἶναι χρόνον, | δέκονοι δ' ἡμῶν δοτις ἔστ' ἢ μὴ κακός. Philom. IV. 61. χρόνος δίκαιον ἄνδρα μὴνύει ποτέ. Monostich. 11. ἄγει δὲ πρὸς φῶς τήν ἀλήθειαν χρόνος. Theogn. 967. τούτων δ' ἐκφαίνει πάντως χρόνος ἦθος ἐκάστου. Pind. Ol. XI. 53. ὁ τ' ἐξελέγγων μόνος ἀλάθειαν ἐτήτυμον χρόνος. Pind. Fr. 132. ἀνδρῶν δικαίων χρόνος σωτήρ ἄριστος. Simonid. Fr. 99. οὐκ ἔστιν μίζων βάσανος χρόνου οὐδενός ἔργου, | ὅς καὶ ὑπὸ στέροισι ἀνδρὸς ἔδειξε νόον. Plat. Symp. p. 184 A. ἵνα χρόνος ἐγγένηται, ὅς δὴ δοκεῖ τὰ πολλὰ καλῶς βασανίζειν. Similiter δίκη χρόνου παῖς dicitur Eur. El. 150. Fr. 223, 1.

615. κἄν ἐν ἡμέρᾳ γνοίης μᾶ] I. e. καὶ ἐν ἡμέρᾳ μᾶ ἂν γνοίης. Cf. 591. πολλά κἄν ἄκων ἔδρων.

616. καλῶς ἔλεξεν εὐλαβουμένῳ πεσεῖν] Recte haec dicta esse fateberis, si caves ne labaris. (Br.) εὐλαβουμένῳ πεσεῖν] I. e. εὐλαβουμένῳ μὴ πέσῃ (cf. Tr. 1129. εὐλαβοῦ δὲ μὴ φανῆς κακός γεγώς). De dativo cf. Tr. 296.

617. φρονεῖν — ταχεῖς] Cf. Eur. Hec. 850. ταχὺν προσαρκέσαι, | βραδὺν δ', εἰ κτλ.

618. Connecte ταχύς τις. Cf. Aj. 1266. ὡς ταχεῖά τις βροτοῖς | χάρις διαρρεῖ. 8. ὡς τις εὐρινος βάσις. Tr. 313. γενναῖα — τις. Eur. Hipp. 424. θρασύπλαγχνός τις. Med. 520. δεινὴ τις ὄργη. ταχύς] Cf. Ph. 1223. ἔρπεις — ταχύς. Aesch. Pers. 725. ταχεῖά γ' ἦλθε χρησμῶν προᾶξις.

619. Cf. Aj. 1282. Tr. 296. Eur. Or. 1509. πανταχοῦ | ζῆν ἠδὲ μᾶλλον ἢ θανεῖν τοῖς σώφροσιν.

620. τὰ τοῦδε μὲν —] 'His ends will have been gained, and mine missed.' (Jebb.)

622 sq. Cf. Ant. 497. θέλεις τι μείζον ἢ κατακτεῖναι μ' ἐλών; | KP. ἐγὼ μὲν οὐδὲν τοῦτ' ἔχων ἅπαντ' ἔχω.

624. Redde, Yes, when first you have shown what it is that I envy (wherein I envy you).

625. Cf. Tr. 1232. ὡς ἐργασείων οὐδὲν ὦν λέγω θροεῖς. El. 1025. ὡς οὐχὶ συνδράσουσα νουθετεῖς τάδε. πιστεύσων] I. q. πεισόμενος. Cf. O. C. 175. μὴ δῆτ' ἀδικηθῶ σοι πιστεύσας μεταναστάς.

628. εἰ δὲ —;] Cf. Arist. Av. 371. εἰ δὲ τὴν φύσιν μὲν ἐχθροί, τὸν δὲ νοῦν εἰσιν φίλοι, | καὶ διδάξοντές τι δεῦρ' ἤκουσιν ἡμᾶς χρήσιμον; ἀρχτέον] Passivo sensu, i. e. ἀρχεσθαι δεῖ. Cf. Ant. 63. ἀρχόμεσθ' ἐκ κρείσσωνων. Isocr. Or. 14. § 10. οὐ τῶν ἄλλων

αἰτοῖς ἀρκτέον, ἀλλὰ πολὺ μᾶλλον Ὀρχομενίους φόρον οἰστέον. Dinarch. in Dem. § 108. ἄρχομαί τινος (pro ek aut ὑπό τινος). Aj. 853. ἀρκτέον τὸ πρᾶγμα (i. e. ἀρχεσθαι δεῖ τοῦ πράγματος). Sic χαριστέον Plat. Phædr. 227 C. φυλακτέον (i. e. δεῖ φυλάσσεσθαι) Aesch. Sept. 495. χρησιτέον, et alia.

629. οὔτοι — γε] Cf. O. C. 650. El. 763. Tr. 491. ὦ πόλις πόλις] Cf. O. C. 844. ὦ ξένοι ξένοι. 1099. ὦ πάτερ πάτερ. Ph. 797. ὦ θάνατε θάνατε. 1188. ὦ πούς πούς. El. 1084. ὦ παῖ παῖ Tr. 1023. Ant. 948. Tr. 1089. ὦ χέρες χέρες. O. R. 1403. ὦ γάμοι γάμοι. Arist. Ach. 27. ὦ πόλις πόλις.

630. πόλεως μέτεσι] Cf. O. C. 568. χᾶτι τῆς ἐς αὔριον | οὐδὲν πλεόν μοι σοῦ μέτεσιν ἡμέρας. Ant. 1072. Eur. El. 1288. κάμοι μύθον μέτα, Τυνδαρίδαι. Ion. 1297. Her. 186. Arist. Eccl. 173. ἐμοὶ δ' ἴσον μὲν τῆσδε τῆς χώρας μέτα | δσονπερ ὑμῖν. Ran. 1163. ὄτω μετῆ πάτρας. Andr. 591. σοὶ ποῦ μέτεσιν ὡς ἐν ἀνδραῖον λόγον; Dem. 1305, 18. μετῆν τῆς πόλεως δικαίως. Herod. I. 146. τοῖσι Ἰωνίης μέτα οὐδὲ τοῦ ὀνόματος. Aeschin. I. 78. ὡς οὐ μετὸν τᾶ κρινομένω τῆς πόλεως. Thuc. I. 28.

633. νεῖκος εὔ θέσθαι] Rixam componere. Anglice to arrange, to settle. Cf. El. 1434. τὰ πρὶν εὔ θέμενοι. Fr. 321. παρὸν θέσθαι καλῶς. 686. στέργειν δὲ τὰκπεσόντα καὶ (l. κεν) θέσθαι πρόπει κτλ. Fr. 534. Aesch. Ag. 32. Eur. Bacch. 49. τὰνθένδε θέμενος εὔ. Herc. 605. 938. Iph. A. 672. Iph. T. 1003. οὐ δ' ἂν τὸ σαντοῦ θέμενος εὔ νόστον τύχοις. El. 648. καὶ μὴν ἐκεῖνά γ' ἦ τύχη θῆσει καλῶς. Herc. 875. πάνι' ἐγὼ θῆσω καλῶς. Thuc. I. 25. ἐν ἀπόρω εἰγοντο θέσθαι (εὔ θέσθαι?) τὸ παρόν. IV. 17, 4. ἐντυχίαν καλῶς θέσθαι. 59, 4. Hesiod. Op. 23. οἰκόν τ' εὔ θέσθαι. Hom. Il. 2, 382. Similiter καλῶς θέσθα. Eur. Hipp. 709. Andr. 379. Blomf. Gl. Agam. 32.

634. σιάσιν γλώσσης] Cf. Tr. 1179. ταρβῶ μὲν ἐς λόγον σιάσιν τοιάνδ' ἐπελθὼν (τοιάνδε γ' ἐλθὼν?). Eur. Phoen. 1469. ἀνῆξε δ' ὀρθὸς λαὸς εἰς ἔριν λόγων.

635. ἐπήρασθ'] Cf. Dem. p. 302, 13. πολλοὺς καὶ θρασεῖς ἐπαιρόμενος λόγους.

636. νοσοῦσης] Cf. Eur. Phoen. 881. νοσεῖ γὰρ ἦδε γῆ πάλαι. 1028. νόσον δὲ τήνδ' ἀπαλλάξω χθόνα. Andr. 549. ἐκ τίνος λόγον νοσεῖ | δόμος; Herc. 542. νοσησάσης χθονός. Iph. T. 680. νοσοῦσι δώμασι. 930. νοσοῦντας — δόμους. 992. νοσοῦντά τ' οἶκον. Fr. 497. ἐντεῦθεν νοσεῖ | τὰ τῶν γυναικῶν. Xen. An. VII. 2. 32. ἐπεὶ τὰ Ὀδρυσῶν πράγματα ἐνόησεν. Dem. de Cor. 45. αἱ δὲ πόλεις ἐνόσον, τῶν μὲν — δωροδοκοῦντων κτλ.

637 sq. Cf. Tr. 1183. οὐ θᾶσσον οἴσεις μηδ' ἀπιστήσεις ἐμοί; Aj. 75. οὐ σῖγ' ἀνέξει μηδὲ δειλίαν ἀρεῖ; Aesch. Sept. 250. οὐ σῖγα μηδὲν τῶνδ' ἐρεῖς κατὰ πτόλιν; Eur. Hipp. 498. Hel. 347. Arist. Eccl. 1144. Plat. Conv. 175 B. Elmsl. ad Med. 1120.

637. οὐκ εἰ σύ τ' —;] Cf. Ant. 724. ἀναξ, σέ τ' εἰκός, εἴ τι
καίριον λέγει, | μαθεῖν, σέ τ' αὐ τοῦδ'· εὐ γὰρ εἰρηται διπλῆ. Aesch.
Ag. 1658. στείχε και οὐ χοί γέροντες πρὸς δόμους πεπρωμένους
(ἐρρωμένως?). κατά στέγας] Under cover (indoors). Cf. O. C.
339. κατά στέγας θακοῦσιν. El. 282. κατά στέγας κλάω. 1308.
Αἰγισθος μὲν οὐ κατά στέγας, | μήτηρ δ' ἐν οἴκοις (ἔσω 'σίν?).
O. R. 1515. ἴθι στέγης ἔσω. Ant. 1248. ὑπὸ στέγης ἔσω. Tr. 492.
εἴσω στέγης χωρῶμεν. 202. εἴσω στέγης. 329. πορευέσθω στέγας.
Eur. Phoen. 193. εἴσβα δῶμα και κατά στέγας μῖνε.

638. και μὴ — οἴσετε] I. q. μηδὲ — οἴσετε. Repetendum οὐ
ex priore membro. Cf. ad Aj. 75. Tr. 1183. τὸ μηδὲν ἄλγος]
Cf. Ant. 466. παρ' οὐδὲν ἄλγος.

640. Cf. Herod. 6, 130. ἓνα ὑμέων ἐξαιρετον ἀποκρίνων. 3, 25.
8, 7. 3, 17. τοῦ πεζοῦ ἀποκρίναντα.

641. κτεῖναι λαβών] Anglice to take and kill me. Cf. 607.
O. C. 475. ἡ γῆς ἀπῶσαι —] Cf. 100. 308. 658.

643. τοῦμόν σῶμα] Cf. O. C. 501. τοῦμόν δέμας. Tr. 1193.
Eur. Andr. 315. τοῦ σοῦ σώματος. Her. 529. ἠγείσθ' ὄπου δει
σῶμα κατθανεῖν τόδε. Iph. A. 407. Κλυταιμνήστρας δέμας. δρωῖντα
— σὺν τέχῃ κακῇ] Cf. 124. εἴ τι μὴ ξὺν ἀργύρῳ | ἐπράσσει' ἐν-
θένδ'. τέχῃ κακῇ] Anglice with evil design. Cf. Phil. 88.
ἔφην γὰρ οὐδὲν ἐκ τέχνης πρᾶσσειν κακῆς.

644. De hyperbato cf. 76. 1251. χῶπως μὲν ἐκ τῶνδ' οὐκέτ'
οἶδ' ἀπόλλυται. O. C. 874. ἄξω βία | κεί μουῖνός εἰμι τόνδε και
χρόνῳ βραδύς. Ant. 324. Eur. Or. 1210. ὡς τᾶλλα γ' εἰπας, εἶπερ
εὐτυχήσομεν, | κάλλιθ', ἐλόντες σκύμνον ἀνοσίον πατρός. 599. ἀλλ'
ὡς μὲν οὐκ εὐ μὴ λέγ' εἰργασται τάδε κτλ. Med. 473. ἐγὼ τε γὰρ
λέξασα κουφισθήσομαι | ψυχὴν κακῶς σε και σὺ λυπήσει κλύων.
Hec. 840. και βούλομαι θεῶν θ' εἴνεκ' ἀνόσιον ξένον | και τοῦ
δικαίου τήνδε σοι δοῦναι δίκην. Arist. Eccl. 1049. αὕτη σὺ, ποῖ
παραβᾶσα τόνδε τὸν νόμον | ἔλκεις —; μὴ νυν ὀναίμην] Positiva
forma adjurationis erat οὕτως ὀναίμην.

646. ὦ πρὸς τῶν θεῶν] Cf. 1037. ὦ πρὸς θεῶν — φράσον.
Aj. 372. ὦ πρὸς θεῶν ὑπείκει. Arist. Vesp. 484. Pl. 458. 1176.

647. ὄρκον — θεῶν] Cf. O. C. 1767. χῶ πάντ' αἰτων Διὸς ὄρ-
κος. Eur. Hipp. 1040. ὄρκους παρασχών, πίστιν οὐ σμικρὰν, θεῶν.
Hom. Od. 2, 377. γρηῖς δὲ θεῶν μέγαν ὄρκον ἀπῶμνυ. Pind. Ol.
VII. 65. θεῶν δ' ὄρκον μέγαν μὴ παρφάμεν.

649. πιθοῦ θελήσας] Cf. O. C. 757. κρύφον θελήσας ἄστν και
δόμους μολεῖν. Phil. 1343. συγχώρει θέλων. Eur. Fr. 434, 5. ὑπέκει
και θέλων ἐγκλίνεται. Aesch. Pr. 782. τήν δ' ἐμοι χάριν | θέσθαι
θέλησον.

651. τί σοι θέλεις δητ' εἰκάθω;] Cf. Ant. 1102. και ταῦτ'
ἐπαινεῖς και δοκεῖς παρεικαθεῖν;

652. οὔτε — τε] Cf. O. C. 1397. Ant. 763. Ph. 1321. El. 350. 1078. Aesch. Prom. 260. οὔτ' ἐμοὶ λέγειν καθ' ἡδονὴν σοὶ τ' ἀλ-
 γος. 244. οὔτε πρὶν νῆπιον] Sc. in Sphingis aenigmate solvendo.

653. ἐν δορκῶ μέγαν] Strong in his oath. "Cf. ad 871. μέγας ἐν τοῦτοις θεοῖς [?]. Eur. Hipp. 1036. ἀρκούσαν εἴπας αἰτίας ἀποστροφὴν | δορκὸς παρασχῶν, πίστιν οὐ σμικρὰν, θεῶν." (Herw.) Similiter Phil. 185. ἐν τ' ὀδύνας ἰμοῦ λιμῶ τ' οἰκτρός. Aj. 1017. ἐν γῆρα βαρῦς.

654. καταίδεσαι] Cf. 647. Herod. III. 72. καταιδέμενος ἡμέας.

655. φράζε δή τί φῆς] Explain what you say. Cf. Ph. 559. φράσον δ' ἄπερ γ' ἔλεξας. Arist. Plut. 349. λέγ' ἀνύσας δ τι φῆς ποτε. Plat. Legg. VII. 819 E. λέγ' δ τι καὶ φῆς. Eur. Iph. A. 127. σήμαν' δ τι φῆς. Xen. Anab. II. 1. 15. οὐ δ' ἡμῖν εἶπε τί λέγεις.

656 sq. Cf. 608. γνώμης δὲ δήλης μὴ με χωρὶς αἰτιῶ.

656. ἐναγῆ] Piacularem. I. e. ἄγει αὐτ' ἀρᾶ obnoxium. Modo enim dixerat (644) ἀραῖος ὀλοίμαν. Cf. Herod. VI. 56. ἐν τῷ ἄγει ἐνέχεσθαι. Thuc. I. 126. καὶ ἀπὸ τούτου ἐναγῆς καὶ ἀλιτήριοι τῆς θεοῦ — ἐκαλοῦντο. Aeschin. 69, 13. γέγραπται γὰρ οὕτως ἐν τῇ ἀρᾷ· εἴ τις τάδε, φηοί, παραβαίνοι — ἐναγῆς, φηοί, ἔστω τοῦ Ἀπόλλωνος. 70, 14. ἐξάγειν ἐκ τοῦ ἱεροῦ ὡς ἐναγῆ. Herod. I. 61. etc. Confer v. ἔνορκος. Burton explicat, 'Sacramenti religione ita obstrictum ut, si pejeraverit, piaculum sit admissurus.' Ita decem vocabula Latina requiruntur ad unum Graecum explicandum. αἰτία — βαλεῖν] Cf. Tr. 940. ὡς νιν ματαίως (ut hic σὺν ἀφανεῖ λόγῳ) αἰτία βάλοι κακῆ. Plat. Epist. 7. p. 341 A. βαλεῖν ἐν (dele?) αἰτία τὸν δεικνύντα.

657. σὺν ἀφανεῖ λόγῳ] Cf. 608. γνώμη δ' ἀδήλω (I. γνώμης δὲ δήλης) μὴ με χωρὶς αἰτιῶ. Antiphon p. 136. ἐγὼ μὲν γὰρ σοὶ φανερὰν τὴν πρόνοιαν εἰς ἐμὲ ἀποδείκνυμι, σὺ δὲ με ἐν ἀφανεῖ λόγῳ ζητεῖς ἀπολέσαι. (Herm.) ἄτιμον βαλεῖν] Cf. 670. γῆς ἄτιμον τῆσδ' ἀπωσθῆναι. Phil. 1028. ἐμὲ — ἄτιμον ἔβαλον. El. 71. 444. O. C. 1278. Aj. 426. 440. Eur. Hipp. 1056. ἄκριτον ἐμβαλεῖς με γῆς;

658. Cf. El. 1063. 1239. Arist. Lys. 1171. νυν] Producitur etiam 644. El. 616. Ph. 1240. Ant. 705. Aj. 1129. Eur. Or. 1292. ἐπίστω] Cf. Phil. 419. Sed ἐπίστωσθαι est infra 848.

659. φυγῆν ἐκ τῆσδε γῆς] Cf. Ant. 412. ὁσμὴν ἀπ' αὐτοῦ. O. C. 1328. μῆνιν — τῷδ' ἀνδρὶ. Aesch. Ag. 1385. δικάζεις ἐκ πόλεως φυγῆν ἐμοί. Herod. I. 159. φεύγων θάνατον βίαιον πρὸς Περσέων. III. 19. δουλοσύνην διέφυγον πρὸς Περσέων.

660. οὐ τὸν —] Cf. 1088. El. 1063. 1238. Ant. 758. Arist. Lys. 1171. Theocr. IV. 29. οὐ τήνα γ' οὐ Νύμφας. V. 14. οὐ μὲν οὐ τὸν Πᾶνα. θεὸν] Cf. O. C. 868. Pind. Ol. VII. 60. ἀγνὸν θεὸν (Ἀέλιον). Sol saepe θεὸς dicitur. Cf. 1426. φλόγα | αἰδεῖσθ'

ἀνακτος ἡλίου. Tr. 145. θάλλπος θεοῦ. Eur. Alc. 738. φίλον τὸ φέγ-
 γος τοῦτο τοῦ θεοῦ. Or. 1025. Suppl. 208. 469. Med. 352. Aesch.
 Pers. 508. Herod. I. 216. θεῶν δὲ μόνον ἡλίον σέβονται. *ibid.*
 τῶν θεῶν τῷ ταχίστῳ (ἡλίῳ). Π. 24. οὗτος δὲ θεὸς (sol). πρόμον]
 Principem. I. q. ἀναξ. Cf. O. C. 884. ἰὼ γὰς πρόμοι. Aesch.
 Ag. 208. Eum. 402. Eur. Phoen. 1250. Tro. 31. Hom. II. 5, 333.
 8, 75. Od. 11, 473.

661. ἄθεος] Anglice without the favour of heaven. Cf.
 254. El. 1181. πύματον] Quasi πνθμενέστατον (funditus). I. q.
 ἔσχατον. Cf. O. C. 1235. 1675. Cf. Herod. VII. 229. ἐς τὸ ἔσχατον.

666. κακοῖς κακὰ προσάψει] Cf. Tr. 330. μηδὲ πρὸς κακοῖς |
 τοῖς οὗσι λύπην πρὸς γ' ἔμοῦ νέαν λάβη. Ph. 1266. νέα — πρὸς
 κακοῖσι πέμποντες κακά. Eur. Herc. 1213. κακὰ θέλων κακοῖς συ-
 νάψαι.

668. προσάψει] Gl. συναφθήσεται. Neutro sensu, ut aliquando
 usurpatur συνάπτειν. Cf. Fr. 349, 2. Eur. Hipp. 188. τῷ δὲ συνάπτει |
 λύπη τε φρενῶν χειροῖν τε πόνος. Ph. 714. εἰς λόγους συνήψα.
 Πολυτεῖται. Her. 811. ἔμοι — μάχη (μάχην?) συνάψας. Bacch. 52.
 Aesch. Pers. 88.

669. ὁ δ' οὖν ἔτω] Cf. Aj. 961. οἱ δ' οὖν γελόντων. 114. σὺ
 δ' οὖν — χρῶ χειρί. Tr. 329. ἡ δ' οὖν ἐάσθω. Aesch. Prom. 935.
 ὁ δ' οὖν ποιεῖτω. Arist. Ach. 186. οἱ δ' οὖν βοώντων. Lys. 491.

παντελῶς] Utterly. I. q. ἔμπας, omnino. Cf. Fr. 572. πρὶν
 αὐτῷ παντελῶς ἤδη βίος | διεκπερανθῆ.

671. τὸ — σὸν — στόμα] Cf. 426. Aj. 1110. οὐ τὸ σὸν δει-
 σῶς στόμα. 1147. 1225. O. C. 981. 794. 1277.

672. ἐνθ' ἂν ἦ] Anglice wherever he may be. Sic Aj.
 1369. ὡς ἂν ποιήσης (however you may act). Eur. Med. 331.
 ὅπως ἂν, οἶμαι, καὶ παραστῶσιν τύχαι.

673. εἰκὼν δηλός] Cf. Dem. de Cor. 231, 16. φανεροὶ πᾶσιν
 ἦσαν ἀναγκασθησόμενοι. στυγνός] Cf. 1133. El. 918. βαρὺς]
 Sullen, pettish. Cf. 546. Aj. 1017. ἐν γήρα βαρὺς. Phil. 1045.

674. διὰ θυμοῦ περάσσης] I. e. πέρα ἔλθης. Schol. διὰ ἐπὶ
 τὸ πέρα ἔλθης τῆς δργῆς. Qu. διὰ θυμὸν περάσσης. φύσεις]
 Cf. Thuc. VII. 14. αἱ ὑμέτεραι φύσεις. 48. ἐπιτάμενος τὰς Ἀθη-
 ναίων φύσεις. Arist. Pac. 607. τὰς φύσεις ὑμῶν δεδοικώς.

676. Cf. Aj. 369. οὐκ ἐκτός (sub. εἰ); οὐκ ἄπορρον ἐκνεμεῖ
 πόδα; ἐκτός εἰ] Be gone.

677. σοῦ μὲν τυχῶν ἀγνώτος] Cf. 1133. O. C. 1482. ἐναισίον
 δὲ σὺν τύχοιμι. 1213. Phil. 320. συντυχῶν κακῶν | ἀνδρῶν Ἀτρεΐ-
 δῶν. Ant. 925. Trag. adesp. 161. ἀγνώτας φίλους. Aesch. Eum. 932.
 ὁ δὲ μὴ κύρσας βαρεῶν τουτῶν (τῶν Εὐμενίδων) —. Eur. Hel.
 698. εἰ καὶ τὰ λοιπὰ τῆς τύχης εὐδαίμονος | τύχοιτε, κτλ. Hipp.
 1320. Eur. Fr. 26. τύχοιμι δ' αὐτῆς (Ἀφροδίτης) ἤνικ' ἐστὶν εὐμε-

νής. Fr. 1132, 9. *τίνος θεῶν βροτῶν τε πρηνεμενοῦς τυχῶν*; Arist. Pl. 636. *Ἀσκληπιοῦ παιῶνος εὐμενοῦς τυχῶν*. Xen. Anab. V. 5. 15. *ἔρωτάτε, ὁποῖων τινῶν ἡμῶν ἔτυχον*. Lys. p. 24, 23. *διὰ τί γὰρ ἄν καὶ τύχοιμι τοιούτων ὑμῶν*; Plut. Cic. 41. *ὥστε μὴδ' ὅτε κατήσεν αὐθις εἰς Ἰταλίαν τυχεῖν εὐγνώμονος (αὐτῆς)*. Plut. Anton. 83. *ὅπως — δι' ἐκείνων ἱεῶ σου τύχοιμι καὶ πραιοτέρου*. ἀγνώτος] I. q. ἀγνώμονος (Tr. 473. *Ἐπεὶ σε μανθάνω | θνητὴν φρονοῦσαν θνητὰ κοῦκ ἀγνώμονα*. O. C. 86.). Cf. 1133. ἀγνῶτ' ἀναμνήσω νιν. 681. Trag. adesp. 161. ἀγνῶτας (i. e. ἀγνώμονας sec. Hesych.) φίλους. Thuc. III. 53. *Passivum est ἀγνῶς* Ph. 1008. Ant. 1001. *ἐν δὲ τοῖσδ'*] Sed horum iudicio. Anglice, but in the estimation of these men. Sic O. C. 1212. *σκαιοσύναν φυλάσσων | ἐν ἐμοὶ κατάδηλος ἔσται*. Phil. 685. *ἴσος ἐν γ' ἴσοις ἀνῆρ*. Amph. Fr. 21, 3. *μάταιός ἐστιν ἐν γ' ἐμοὶ καὶ τοῖς σοφοῖς | κριταῖς ἅπασιν*. "Cf. Ant. 459. *ἐν θεοῖσι τὴν δίκην δώσειν*. Eur. Hipp. 988. *οἱ γὰρ ἐν σοφοῖς | φαῦλοι παρ' ὄλῳ μουσικώτεροι λέγειν*." (Jebb) ἴσος] Aequus, justus. "Cf. Phil. 685. *ἀλλ' ἴσος ἐν ἴσοις (ἀλλὰ δίκαιος ὦν?) ἀνῆρ*. Plat. Legg. 975 C. *τὸν μέλλοντα δικαστὴν ἴσον ἔσεσθαι*. Dem. Or. 7. § 35. *ἴσῳ — δικαστηρίῳ*." (Jebb)

679. *δόμων — ἔσω*] Cf. 1241. *παρῆλθ' ἔσω θυρῶνος*. 1515. *ἴθι στέγης ἔσω*. El. 40. Ph. 1325. Tr. 492. 900. Aj. 11.

680. *μαθοῦσά γ' —*] Yes (I will do so) when I have learnt etc. *τύχη*] Cf. Ant. 387.

681. *δόκησις ἀγνῶς λόγων*] Sc. Tiresiae, a Creonte memorata. Redde suspicio verbis expressa (non factis probata). *δόκησις*] Opinio. I. q. *δόξα*. Cf. Tr. 426. *δόκησιν εἰπεῖν*. 427. *ποῖαν δόκησιν*; Eur. El. 384. *δοκήσει δωματίων ὀγκωμένος*. Eur. Her. 396. Fr. 131, 2. Adesp. 3, 1. *τοῦ μὲν δικαίου τὴν δόκησιν ἀρνησο*. Arist. Nub. 562. Ran. 737. 1485. ἀγνῶς] Cf. Ant. 1001. Ph. 1008. Eur. Iph. A. 18. ἀγνῶς, ἀκλέης. Aesch. Cho. 666. ἀγνῶς πρὸς ἀγνῶτ' εἶπε συμβαλὼν ἀνῆρ. Suppl. 971. ἀγνῶθ' ὄμιλον. Ag. 1021. ἀγνῶτα φωνὴν βάρβαρον.

682. *δάπτει*] Cf. Aesch. Prom. 437. *συννοία δὲ δάπτομαι (leg. δάκνομαι) κέαρ*. Arist. Ran. 65. *τοιουτοῖσι τοίνυν με δαρδάπτει πόθος*. Sed corrigendum suspicor δάκνει. *δέ τοι τὸ μὴ 'νδικον*] Cf. Aesch. Eum. 135. *ἄλγησον ἦπαρ ἐνδίκαις ὀνειδέσει*. Hor. Epist. I. 16. 38. 'Falsis opprobriis morderi.' τὸ μὴ 'νδικον] Injusta criminatio (Creontis ab Oedipo facta).

684. *ἀμφοῖν ἀπ' αὐτοῦν*] Sc. ἤλθεν ἡ στάσις (rixa). *ναίχι*] Cf. Arist. Th. 1184. Callim. Epigr. 30 Plat. de lucrī cup. 232. (resp.) et O. C. 1747. *ναὶ ναὶ καὶ τίς ἦν λόγος*;) And what was the cause? Cf. Aesch. Cho. 515. *ἐκ τίνος λόγος*;

685. *προπονουμένας*] Cf. Aj. 1310. *ὑπερπονουμένην*.

686. *ἔληξεν*] Sc. ὁ λόγος, ἡ στάσις.

687. *ἔν' ἦκεις*] Cf. Ph. 377. *ὁ δ' ἐνθάδ' ἦκων —*.

689. παριείς] Cf. El. 545. ἡ τῶ πανώλει πατρὶ τῶν μὲν ἐξ ἔμου | πόθος παρεῖτο; et ad Tr. 941. Arist. Eq. 436. τοῦ ποδὸς παρίει. Eur. Or. 871. ~~κατηφῆ~~ ~~καὶ~~ ~~παρειμένον~~ νόσφ. καταμβλύνων] Cf. Fr. 808. ὀργῇ γέροντος — ταχεῖ' ἀμβλύνεται. Aesch. Sept. 715. τεθηγμένον τοί μ' οὐκ ἀπαμβλυνεῖς λόγφ. Prom. 891. ἀπαμβλυνθήσεται γνώμην. Herod. III. 134. γηράσκοντι — αἱ φρένες — ἀπαμβλύνονται. Aj. 651. ἐθηλύνθην (ἀπημβλύνθην?) στόμα.

691. παραφρόνιμον] Insanum. I. q. παράφρονα. Vocabulum non alibi repertum. ἄπορον ἐπὶ φρόνιμα] Cf. Ant. 359. ἄπορος ἐπ' οὐδέν.

692. πεφάνθαι] Legitur etiam Ant. 562. πεφάνται Aesch. Ag. 373. Hom. Il. 2, 122.

693. εἴ σε νοσοφίζομαν] Si aliquid a te celassem Hesychius νοσοφίζεσθαι per λανθάνειν et νοσοφίζομεθα per ἀγνοόμεθα explicat. Cf. Archiloch. 94. ὄρκον δ' ἐνοσοφίσθης μέγαν, ἄλλας τε καὶ τράπεζαν.

694 sq. Cf. 35. ὅς γ' ἐξέλυσας ἄστν Καδμεῖον μολὼν — νῦν δ' — ἱκετεύομέν σε πάντες — ἀλκὴν τιν' εὐρεῖν ἡμῖν. 51. ἀλλ' ἀσφαλεία τήνδ' ἀνόρθωσον πόλιν. | ὄρνιθι γὰρ καὶ τὴν τοι' αἰσίφ τύχην | παρέσχες ἡμῖν, καὶ τανῦν ἴσος γενοῦ. Plane gemellus locus est Eur. Alc. 220. ὠναξ Παιᾶν, ἔξευρε μηχανάν τιν' Ἀδμήτφ κακῶν, πόριζε δὴ πόριζε· καὶ πάρος γὰρ τοῦτ' ἐφηῦρες (?)· καὶ νῦν λυτήριος ἐκ θανάτου γενοῦ φόνιόν τ' ἀπόπαυσον Ἄϊδαν. ἔμᾶν γᾶν] Cf. O. C. 842. πόλις ἐναίρεται πόλις ἐμὰ σθένει. Ant. 1141.

695. ἀλόουσαν] Cf. Phil. 174. 1194. El. 155. Aesch. Sept. 391. Eur. Hipp. 1182. Or. 277. Arist. Vesp. 111. (Eur.) Sed corrigendum videtur σαλεύουσαν.

696 sq. Cf. 53. ὄρνιθι γὰρ καὶ τὴν τότε αἰσίφ τύχην | παρέσχες ἡμῖν, καὶ τανῦν ἴσος γενοῦ. κατ' ὄρθόν] Recte. Cf. Ion. ap. Athen. XIII. 603. ἄρ' ὦν κατ' ὄρθόν μοι πέπτωκε τὸ στρατήγημα; Menand. IV. 324. κατ' ὄρθόν εὐδρομεῖ. κατ' ὄρθόν οὐρίας] Cf. Tr. 827. καὶ τάδ' ὄρθῶς ἐμπεδα κατουρῖζει. οὐρίας] Cf. 23. Eur. Suppl. 473 sq. Rhes. 248. Aesch. Pers. 594. τὸν αὐτὸν αἰεὶ δαίμον' οὐριεῖν τύχης. Cho. 317. ἕκαθεν οὐρίας. Eur. Herc. 95. οὐριος δρόμος ἐκ κακῶν. Ion. 1509. οὐρος ἐκ κακῶν. Infra 1315. νέφος — θυσοουριστότατον.

697. στον ποτὲ —] Cf. Phil. 1308. κοῦκ ἔσθ' στον | ὀργῆν ἔχοις ἄν οὐδὲ μέμψιν εἰς ἐμέ.

698. στον —] Cf. Ant. 1177. πατρὶ μηνίσας φόνον. 643. Phil. 1308. οὐκ ἔσθ' στον | ὀργῆν ἔχοις ἄν οὐδὲ μέμψιν εἰς ἐμέ. Tr. 269. ὦν ἔχων χόλον. Aj. 41. Tr. 274. ἔργου | ἕκατι τοῦδε μήνισας. El. 570. κάκ (fort. καὶ) τοῦδε μηνίσασα κτλ. Eur. Or. 751. θυγατέρος θυμούμενος. Arist. Pac. 659. Theocr. XXV. 199. ὄσον δ' ἀθανάτων τιν' ἔισκομεν ἀνδράσι πῆμα | ἰρῶν μηνίσαντα Φορωνεῖθῃσιν ἐφείναι.

699. *μῆνιν — στήσας*] *Ut boiñ ισάναι, κραυγήν, etc. Aesch. Eum. 825. μηδ' ὑπερθύμως ἄγαν — στήσητε δύσκηλον (δύσχημον?) χόλον. Hom. Iliad 13, 333. Ισιατο νείκος. Od. 19, 11. ξριν στήσαντες. Eur. Iph. A. 789. ἔλπις, ὅταν — στήσουσι.*

700. "Nam te, mulier, majore quam hi reverentia ob-servo, atque adeo rem omnem tibi narrabo." Hoc ideo dicit quia Chorus Jocastae modo sciscitanti satisfacere recusaverat." (Burton). *ἐς πλεόν*] Cf. 918. *οὐδὲν ἐς πλεόν ποιῶν. O. C. 1219. ἐς πλεόν τοῦ θέλοντος πεσεῖν. Sic ἐς πλείστον pro πλείστον O. C. 739. πενθεῖν — ἐς πλείστον πόλεως.*

701. *Κρόντος*] Subaudiendum *μηνίω*. Respondet hoc genitivo *δτου* 698. *βεβουλευκῶς ἔχει*] Cf. Ph. 600. *εἶχον — ἐκβεβληκότες.*

702. *τὸ νείκος ἐγκαλῶν*] I. e. rixae causam imputans. Jebb vertit 'if thou canst tell clearly how the feud began.' Cf. El. 778. *ἐγκαλῶν δὲ μοι φόνους πατρῶους. et ad Phil. 328.*

703. *καθεστάναι*] Cf. Tr. 1091. *ὑμεῖς ἐκείνοι δὴ καθέσταθ' οἱ ποτε etc. Eur. Iph. A. 1272. etc.*

704. Cf. Eur. Phoen. 33. *παῖς οὐμὸς ἢ γνούς (sc. αὐτὸς) ἢ τινος μαθὼν πάρα (ἢ γνούς αὐτὸς ἢ τινος μαθὼν F. W. Schmidt). Her. 848. τὰπὸ τοῦδ' ἤδη κλύων | λέγοιμ' ἄν ἄλλων.*

705. Cf. 387. *ὑφεῖς μάγον τοιόνδε μηχανορροφον. ἐπεὶ τό γ' εἰς ἑαυτὸν*] Cf. O. C. 966. *ἐπεὶ καθ' αὐτὸν γ' οὐκ ἄν ἐξεύροις κτλ.*

706. *τὸ — εἰς ἑαυτὸν —*] Cf. Ant. 1349. *τὰ τ' εἰς θεοῦς μηδὲν ἀσεπιεῖν. Ph. 1441. Eur. Iph. T. 691. τὸ μὲν γὰρ εἰς ἔμ' οὐ κακῶς ἔχει. Herc. 170. τὸ δ' εἰς ἔμ' —. πᾶν ἐλευθεροῖ στόμα*] He keeps his mouth altogether free (he does not commit himself). Cf. 1440. Aj. 275. 728. Ant. 776. El. 1256. *μόλις γὰρ ἔσχον νῦν ἐλεύθερον στόμα. Aj. 1225. σκαιὸς ἐκλύσων στόμα. Ant. 445. ἔξω βαρῆας αἰτίας ἐλεύθερον. Aesch. Suppl. 926. ἐξ ἐλευθεροστόμου γλώσσης. Prom. 180. Eur. Andr. 153.*

707. *ἀφείς σεαυτὸν ὧν λέγεις πέρι*] I. e. liberans te sollicitudine his de rebus etc. (Burton).

708. *σοι*] For your information (or comfort).

709. *μαντικῆς ἔχον τέχνης*] Sub. *τι*. Having any knowledge of prophetic art. Cf. Ant. 1160. *καὶ μάντις οὐδεὶς τῶν καθεστῶτων βροτοῖς. Herod. I. 120. καὶ τὰ γε τῶν ὄνειράτων ἐχόμενα τελέως ἐς ἀσθενὲς ἔρχεται.*

710. *φανῶ δ' ἐγὼ σημεῖα —*] Cf. Tr. 1164. *φανῶ δ' ἐγὼ τοῦτοισι συμβαίνοντ' ἴσα | μαντεῖα καινά.*

711 sq. Cf. Tr. 1159. *ἐμοὶ γὰρ ἦν πρόφαντον ἐκ πατρὸς πά-λαι | πρὸς τῶν πνεόντων μηδενὸς θανεῖν ἕπο, | ἀλλ' ὄστις Ἄιδου φθίμενος οἰκίητορ πέλοι.*

711. *χορησμός — ἦλθε Λαίῳ*] Cf. El. 169. *τί γὰρ οὐκ ἐμοὶ*

ἔρχεται ἀγγελίας —; Herod. V. 98. Ἀθηναίοισι ἦλθε μαντήϊον ἐκ Δελφῶν. Π. 152. πέμπαντι δέ οἱ ἦλθε χρησμός.

713. ἔξουμοῖρα] Cf. Ph. 331. ἐπεὶ γὰρ ἔσχε μοῖρ' Ἀχιλλῆα θανεῖν. Eur. Hec. 5. De hoc oraculo cf. Eur. Phoen. prolog. et Aesch. Sept. 725 sq.

714. Cf. Eur. Iph. A. 61. οἶτον γυνῆ γένοιτο Τυνδαοῖς κόρη, τοῦτω συναμνεῖν κτλ. 53.

715. ὥσπερ γ' ἦ φάτις] Cf. Ant. 829. ὡς φάτις ἀνδρῶν. Aj. 978. ὥσπερ ἦ φάτις κρατεῖ. Aesch. Suppl. 293.

716. φονέουσι] Cf. Ant. 1174. καὶ τίς φονεύει; ἀμαξιτοῖς] Cf. Eur. Or. 1251. ἀμαξήρη τρίβον. Ant. 251. γῆ — ἐπιμαξευμένη.

717 sq. Cf. 819 sq. Tr. 287 sq.

717. παιδὸς δὲ βλάστας —] I. e. 'And from the birth of the child three days did not intervene.' De correptione vocalis ante βλ cf. O. C. 533. 697. 972. Ph. 1311. Tr. S42. El. 440. 1060. 1081. 1095. 1400. Fr. 119. 501. 529. Adesp. 376. Eur. Med. 1256. Fr. 432. 698. et ante γλ cf. Aesch. Ag. 1629. Ὀρφεῖ δὲ γλώσσαν κτλ. Pers. 591. Suppl. 761. εἶναι. βύβλον δὲ καρπὸς κτλ. Eur. El. 1013. γυναικα, γλώσση κτλ. O. C. 972. δς οὔτε βλάστας πω γενεθλίους πατρὸς, | οὐ μητρὸς εἶχον. Tr. 382. τῆς ἐκείνος οὐδαμὰ | βλάστας ἐφῶναι. Singularis βλάστη est Ant. 826. Fr. 296. Soph. Fr. 294, 2. ξέορμενίζει — βλάστη. Eur. Med. 1094. οἷσιν δὲ τέκνων ἐστὶν ἐν οἴκοις | γλυκερὸν βλάστημ' κτλ. Sed pluralis est O. C. 972. Adesp. 373, 2. θαλέθοντι βίω βλάσταις τε τέκνων βροδομένα. Ceterum accusativus βλάστας ab ἐνζεύξας ἐρριπεν pendet, pronomine νιν perspicuitatis causa addito. Cf. ad El. 1364. τοὺς γὰρ ἐν μέσῳ λόγους κτλ. O. C. 619 sq. Ant. 1064 sq.

718. καὶ νιν —] Cf. Ph. 354. Eur. Phoen. 41. πῶλοι δὲ νιν | χηλαῖς τένοντας ἐξεφοίνισσον ποδῶν. De νιν post παιδὸς βλάστας positō cf. 248. Tr. 289. καί] Cf. Marc. Evang. XV. 25. ἦν δὲ ὥρα τρίτη καὶ ἑσταύρωσαν αὐτόν. Nos dicemus when. ἄρθρα — ποδοῖν] Cf. 1032. ποδῶν — ἄρθρα. Ph. 1202. ἐμοῦ (l. ἐμόν) ποδὸς ἄρθρον ἀπῶσαι. Tr. 779. μάργας ποδὸς νιν ἄρθρον ἢ λυγίζεται. ἐνζεύξας] Cf. Aesch. Prom. 108. ἀνάγκαις ταῖσδ' ἐνέζευγμαi. 578. ταῖσδ' ἐνέζευξας — ἐν πημοσύναις.

719. εἰς ἄβατον θρος] De tribracho sic positō cf. 1496. Aj. 459. et El. 326. Phil. 1302. O. R. 967. Cf. Aj. 459. ἔχθει δὲ Τροία πᾶσα καὶ πεδία τάδε.

720. ἦνυσεν — γενέσθαι] Caused to become. Sub. ὥστε. Cf. Aesch. Pers. 721. πῶς δὲ καὶ στρατὸς τοσόσδε πεζὸς ἦνυσεν περᾶν;

723. φῆμαι μαντικαῖ] Cf. 158.

724 sq. ὦν γὰρ —] Locutio praegnans duo sententias complectens ὦν ἄν χρειαν ἔχη et ἄ ἄν ἔρουνᾶ, ut monuit Jebb, qui confert Phil. 327. τίνος — χόλον — ἐγκαλῶν.

724. ὦν ἐντρέπον σὺ μῆδεν] Cf. 1056. μῆδεν ἐντραπῆς (τοῦτου). 1226. εἶπερ — τῶν Λαβδακείων ἐντρέπεσθε δωμάτων. El. 519. ἐντρέ-
πει | ἐμοῦ γε (σὺ?) Aj. 90. τί βαιὸν οὕτως ἐντρέπει τῆς συμμαχου;
1117. τοῦ σοῦ ψόφον | οὐκ ἂν στραφεῖην. O. R. 1056. O. C. 299.
1541. Eur. Fr. 84. εἰ τοῦ τεκόντος οὐδὲν ἐντρέπει πατρός. Plat.
Phaedr. 254. οὐτε μάστιγος ἔτι ἐντρέπεται. Hom. Il. 15, 553. οὐδέ
νυ σοί περ | ἐντρέπεται φίλον ἦτορ ἀνεπιού κταμένοιο (οὐταμένοιο?);
Od. 1, 60. Confer etiam Homericum ἐντροπαλλῆσθαι.

725. ὦν γὰρ ἂν θεὸς χρεῖαν ἔρευνᾷ ῥαδίως αὐτὸς φανεῖ] Cf.
Aesch. Cho. 815. πολλὰ δ' ἄλλα φανεῖ χρηζῶν. Ant. 268. δὲ' οὐδὲν
ἦν ἔρευνῶσιν πλέον. ἔρευνᾷ] Cf. Fr. 104. μὴ πάντ' ἔρευνᾷ· πολλὰ
καὶ (τοι?) λαθεῖν καλόν. Aesch. Ag. 1093. ἔοικεν εὖρος ἢ ξένη κνήδος
δίκην | εἶναι, ματεύει δ' (f. ματεύουσ') ὦν ἀνευρήσει (l. ἦν ἔρευν-
νήση) φόνον.

728. ποίας μερίμνης — ἐπιστραφεῖς] Cf. Aj. 1117. τοῦ δὲ σοῦ
ψόφον | οὐκ ἂν στραφεῖην.

729. ἔδοξ' ἀκούσαι —] Cf. El. 78. ἔδοξα — αἰσθῆσθαι.

731. Cf. 527. ἠῦδᾶτο μὲν τὰδ' κτλ. 1442. οὕτως ἐλέχθη ταῦτα.
γὰρ] Cf. 1117. Tr. 409. Phil. 756.

733. σχιστῆ — δόδος] Cf. Aesch. (ap. schol. Fr. 173.) ἐπῆμεν
τῆς δόδοῦ τροχῆλατον | σχιστῆς κελεύθου τρίοδον, ἔνθα συμβολὰς |
τριῶν κελεύθων Ποτινάδων ἡμείβομεν. Eur. Phoen. 38. καὶ ξυνάπ-
τετον πόδα | εἰς ταῦτὸν ἄμφω Φωκίδος σχιστῆς δόδοῦ. Iph. A. 144.
πόρον σχιστόν. Adesp. 271. δισχιδῆς δόδος (i. e. ἡ δύο ἐκτροπᾶς
ἔχουσα, Phryn.). Paus. Phoc. 5. ἐπὶ δόδον ἀφίξει καλουμένην σχιστῆν.
Virg. Aen. VI. 540. 'Hic locus est partes ubi se via findit in
ambas.'

734. εἰς ταῦτό] Cf. Tr. 425. Aesch. Cho. 208. Eur. Phoen.
588. Med. 564. Hel. 764. Suppl. 423. Iph. T. 658. Arist. Nub.
663. 849. Εἰς ταῦτὸν multo saepius occurrit. De praepositionis
collocatione cf. 761. 1205. Ant. 1176. πότερα πατρώας ἢ πρὸς
οἰκείας χερὸς | ὄλωλεν; 367. O. C. 936. Eur. Hec. 146. Aesch.
Sept. 1032. Suppl. 296. Arist. Eq. 610. Anacr. 14, 22. ὄρη τε
καὶ κατ' ἀγρούς. 3, 5. ἢ Νεῖλον ἢ 'πὶ Μέμφιν. Hor. Carm. III. 25.
'quae nemora, quos agor in specus.' Virg. Aen. VI. 642. 'Quas
ego te terras et quanta per aequora vectum | accipio?' Dind. ad
Ant. 212.

736. σχεδόν τι] Cf. Ant. 470. Tr. 43. El. 609. Plat. Resp. X.
615 D. σχεδόν τι αὐτῶν τοὺς πλείστους. Hipp. maj. 287. σχεδόν
γὰρ τι ἔμπειρός εἰμι κτλ. Ion. 534. Hyperid. c. 44. οἱ πλουσιώτατοι
σχεδόν τι τῶν ἐν τῇ πόλει. Plut. Cim. 4. περὶ τὸν αὐτὸν ἁμοῦ
τι χρόνον. πρόσθεν ἢ] Cf. 832. El. 82. 1333.

738. Cf. Aj. 585. Arist. Th. 71. ὦ Ζεῦ, τί δοῦσαι διανοεῖ με
τήμερον; Pac. 58. ὦ Ζεῦ, τί ποτε βουλεύει ποιεῖν; 62. Versus sic

divisi sunt 598. 785. 856. 1290. 302. 324. 395. 538. 779. 1244. El. 547. 550. 577. Aj. 1091. 994. 855. Ph. 1369.

739. ἐνθύμιον] Anglice on your mind. Cf. Tr. 110. ἐνθυμίους εὐναῖς ἀνανδρώτοιαι τρύχεσθαι. Sic ἐνθύμιον ποιεῖσθαι τι (to take a thing to heart) Thuc. VII. 50. Antiph. 121, 2. 125, 1. 4. 119, 7. ἐνθόμιος ὑμῖν γενήσεται (a source of anxiety). Eur. Herc. 722. ἐπειδὴ σοι τόδ' ἐστ' ἐνθύμιον. Ion. 1347. ἐνθύμιόν μοι τόδε τίθησι Δοξίας. Hom. Od. 15, 421. μή σοι λίην ἐνθύμιον — ἔτιω. Herod. II. 175. τὸν δὲ — ἐνθυμιστὸν (ἐνθύμιον?) ποιησάμενον οὐκ ἔαν ἔτι κτλ. V. 39. εὐούσης ταύτης οἱ καταθυμίας. VIII. 54. ἐνθύμιόν οἱ ἐγένετο. Thuc. VII. 18. Aristid. T. I. p. 284. ἐνθύμιον ποιησάμενος.

740. φύσιν] I. q. μορφὴν, εἶδος. Anglice figure, stature. I. q. φυήν. (Hom. II. 1, 115. ἐπεὶ οὐ ἔθεν ἐστὶ χειρῶν | οὐ δέμας οὐδὲ φυήν. 2, 58. εἶδος τε μέγεθος τε φυήν τε. Od. 6, 16. φυήν καὶ εἶδος δμοίη.) Cf. Tr. 379. ἢ κάρτα λαμπρὰ καὶ κατ' ὄμμα καὶ φύσιν. 308. Aesch. Pers. 447. ἀκμαῖοι φύσιν. Pind. N. VI. 5. προσφέρομεν — φύσιν ἀνθρώποις. Arist. Vesp. 1071. τὴν ἐμὴν ἰδὼν φύσιν. Nub. 503. οὐδὲν διοίσεις Χαιρεφῶντες τὴν φύσιν. Av. 1569. 371. Λαισποδίας εἰ τὴν φύσιν. Th. 167. Xen. Cyr. I. 2. 1. φύσιν μὲν δὴ τῆς μορφῆς καὶ τῆς ψυχῆς τοιαύτην ἔχων κτλ. Herod. VIII. 38. δύο γὰρ ὀπλίτας μέζοντας ἢ κατὰ ἀνθρώπων φύσιν ἔχοντας (ἐόντας Matth.) ἐπεσθαι (qu. μέζονα ἢ κατὰ ἀνθρώπων φύσιν ἔχοντας). Isocr. Or. XV. § 122. οὐτε τὴν τοῦ σώματος φύσιν ἔχων ἐρρωμένην κτλ. Lucian. de Salt. 75. νανώδης τὴν φύσιν.

741. ἀκμὴν ἤβης] Cf. 1492. ἠνίκ' ἂν πρὸς γάμων ἤκητ' ἀκμάς. Eur. Alc. 326. ἤβης ἐν ἀκμῇ. Ion. 366. σοὶ ταυτὸν ἤβης, εἴπερ ἦν, εἰλ' ἂν μέτρον. Aesch. Sept. 11. ἤβης ἀκμαίας. Arist. Eccl. 720. ἵνα τῶν νέων ἔχωσιν αὐταὶ τὰς ἀκμάς. Theocr. XXV. 164. ἤλυθε γὰρ στείχων τις ἀπ' Ἄργεος ὡς (f. ὦν) μέσος ἀκμῆς | ἐνθάδ' Ἀχαιὸς ἀνήρ.

742. μέγας] Of big (full) stature (age). Hoc ad ἀκμὴν ἤβης spectat, ut mox μορφῆς ad φύσιν (740). Cf. Aesch. Pers. 189. μεγέθει (in height) τε τῶν νῦν εὐπρεπεστάτη πολὺ. Theocr. 25, 40. οἶόν τοι μέγα εἶδος ἐπιπρέπει. Herod. III. 1. μεγάλη τε καὶ εὐειδής. III. 20. μέγιστοι καὶ κάλλιστοι ἀνθρώπων. V. 56. ἀνδρα — μέγαν καὶ εὐειδέα. χνοάζων ἄρι] Cf. Metagen. II. 751. ἄρι χνοαζούσας αὐλητριάδας. Greg. Nyss. de op. hom. c. 25. νεανίαν ἄρι τοῖς ἰούλοις ὑποχνοάζοντα. Arist. Nub. 978. τοῖς αἰδοίοισι δρόσος καὶ χνοῦς ὥσπερ μήλοισιν ἐπήνθει. Theocr. 27, 48. μᾶλα τεὰ τάδε — χνοάοντα πιάσω. 11, 9. ἄρι γενειάδων περὶ τὸ στόμα τὼς κροτάφως τε. Virg. Aen. 10, 324. 'flaventem prima lanugine malas.' et v. ἀριχνοῦς (Inscr.). λευκανθὲς κάρα] Cf. Arist. Vesp. 1064. κύκνου δ' ἔτι πολιώτεραι δὴ | αἰδ' ἐπανθοῦσιν τρίχες (ἡμῶν). Aesch. Pers. 1056. γενείου — λευκήρη (λευκανθῇ recte Blomf.)

τρίχα. Eur. Phoen. 333. λευκόχροα κόμαν. Pind. N. IX. 23. λευκανθέα σώματ'. Plat. Polit. p. 270. τῶν μὲν πρεσβυτέρων αἱ λευκαὶ τρίχες ἐμελαινοῦτο. Babriam Fab. 22, 8. τῶν οὖν τριχῶν ἐκάστοθ' ἢ μὲν ἀκμαίη | ἐτίλλεν ἄς ἠύρισκε λευκανθίζούσας. Ovid. Met. VIII. 567. 'raris jam sparsus tempora canis.' Confer μελανθῆς Aj. 919. μελανθῆς αἷμα. Aesch. Suppl. 145. μελανθῆς ἠλιόκτυπον γένος.

743. ἀπεσιτάει] Cf. 993. Eur. Her. 631. τῆσδ' ἔδρας ἀποσιταεῖ.

747. Cf. Tr. 666. ἀθυμῶ δ' εἰ φανήσομαι τάχα | κακὸν μέγ' ἐκπράξασ' —. Eur. Andr. 61. φάβω μὲν εἰ τις δεσποτῶν αἰσθησεται, —. Med. 184. βλέπων] Seeing (what is true). Cf. 413. Tr. 551. Ant. 1113.

748. ἦν ἐν ἐξείτης ἐτι] Cf. Eur. Ion. 854. ἐν γὰρ τι τοῖς δούλοισιν αἰσχύνῃν φέροι. Arist. Vesp. 818. ἐν ἐτι ποθῶ. Eccl. 655. ἐν ἐτι ζητῶ.

749. ἀν δ' ἔρη] Cf. O. C. 13. ἀν δ' ἀκούσωμεν. Phil. 574. ἀν λέγῃς δέ. Arist. Eccl. 829. ἄττ' ἀν δὲ δόξῃ. 798. Ach. 176. Similitar ἦνικ' ἀν δὲ Pac. 1159. 1179. Eccl. 273. Pl. 107. ἦνικ' ἀν γὰρ Nub. 1124. ἄττ' ἀν οὖν Pac. 651.

750. βαιὸς] With a small retinue. Vocabulum frequens apud Sophoclem, rarum apud Aesch. et Eurip. Βαιὸς (ἀνῆρ) et μέγας sibi opponuntur Aj. 160. Cf. Aesch. Cho. 755. εἰ ξὺν λοχίταις εἶτε καὶ μονοσιβῆ. Plut. Anton. 51. αὐτὸς δὲ καταβάς ὀλιγοστός ἐπὶ θάλασσαν — Κλεοπάτραν περιέμενε. et O. C. 958. σμικρός.

751. ἀνδρας λοχίτας] Cf. O. C. 413. ἀνδρῶν θεωρῶν. Aj. 723. ἀνδρῶν γερόντων. Eur. Iph. A. 645. πόλλ' ἀνδροὶ βασιλεῖ καὶ στρατηλάτῃ μέλει. Suppl. 444. ἀνῆρ βασιλεύς. Med. 700. ἀνδρῶν τυράννων. 308. Hec. 646. ἀνῆρ βούτας. Hom. Il. 5, 746. ἀνδρες ἦρωες. 22, 140. οἰωνοὶ φῆναι. Od. 1, 391. ἀνῆρ χαλκεύς. Herod. I. 90. ἀνθρωπος βασιλεύς. Thuc. III. 20. Θεαινέτου — ἀνδρὸς μάντεως. Xen. Hier. XI. 6. ἀνδροὶ τυράννων. λοχίτας] Cf. Aesch. Cho. 768. εἰ ξὺν λοχίταις εἶτε καὶ μονοσιβῆ. Ag. 1621. εἶα δὴ, φίλοι λοχίται.

οἱ' ἀνῆρ ἀρχηγέτης] Cf. 763. οἱ' ἀνῆρ | δοῦλος. Phil. 584. οἱ' ἀνῆρ πένης. Tr. 105. οἶά τιν' ἄθλιον ὄρνιν. Eur. Or. 32. οἶα δὴ γυνή. Bacch. 291. οἶα δὴ θεός. Andr. 912. μὲν ἐς γυναῖκα' ἔρραπας οἶα δὴ γυνή; Plat. Criti. 113 E. οἶα δὴ θεός. Herod. III. 63. οἶα ἀνῆρ ἀγαθός. Thuc. VIII. 84. οἶα δὴ ναῦται. ἀρχηγέτης] A ruler. I. q. ἀρχων. Eur. El. 891. θεοὺς μὲν ἡγοῦ — τύχης ἀρχηγέτας τῆσδ'. Or. 554. τῶ γένους ἀρχηγέτῃ. Pind. Ol. VII. 77. Τλαπολέμω — Τιρυνθίων ἀρχαγέτα, ὥσπερ θεῶ κτλ. Hinc ἀρχηγεῖν pro ἀρχεσθαι (incipere) El. 83. Alia forma ἀρχέτης legitur Eur. El. 1149. Confer λοχαγέτης (Aesch. Eur.), ξεναγέτης (Pind.).

752. πέντ' ἦσαν οἱ ξύμπαντες] Cf. Trach. 761. τὰ πάνθ' ὁμοῦ | ἑκατὸν — βοσκήματα. Herod. I. 50. κτήνεα — τὰ θύσιμα (l. θύσιμα τὰ) πάντα τρισχίλια ἔθνησε. I. 98. κύκλων ἐόντων τῶν συναπάντων ἑπτὰ. V. 52. οὔτοι οἱ πάντες σταθμοὶ εἰσι ἔνδεκα καὶ ἑκα-

τόν. 54. IX. 71. ἀπέθανον οἱ πάντες — εἰς καὶ ἐννεήκοντα. Thuc. I. 60. ἑξακοσίους καὶ χίλιους τοὺς πάντας. III. 92. 1. Μηλιῆς οἱ ξύμταντές εἰσι μὲν τρία μέρη, κτλ. IV. 38. εἴκοσι — διέβησαν καὶ τετρακόσιοι οἱ πάντες. VIII. 100. αἱ πᾶσαι νῆες παρήσαν ἐπὶ τὰ ἐξήκοντα. Xen. Hell. 6, 2, 14. ἐγένοντο αὐτῶ αἱ ἅπασαι περὶ ἑβδομήκοντα. Dem. p. 306, 21. τριακοσίων οὐσῶν τῶν πασῶν (τριήρων). Arrian. Anab. VI. 2. 1. ἐπὶ μὲν ἐθνῶν τῶν ξυμπάντων. Arrian. Ind. 43, 1. ὁ πλοῦς αὐτῶ ἐγένετο τὰς πάσας πέντε καὶ τριήκοντα ἡμέρας. 5. ἐν ἡμέρῃσιν ὀκτῶ τῆσι πάσῃσιν. 38, 9. ἐνταῦθα ἔμειναν τὰς ἡμέρας πάσας μίαν καὶ εἴκοσι. Alex. com. 162, 3. πένθ' οἱ πάντες. Machon. Athen. XIII. 582 B. τὰ πάντ' ἔχουσ' ὀνάρια κτλ. Act. Apost. XIX. 7. ἦσαν δὲ οἱ πάντες ἄνδρες ὡσεὶ δεκαδύο. XXVII. 37. ἤμην δὲ — αἱ πᾶσαι ψυχαὶ διακόσαιοι ἑβδομηκονταεξ.

753. Cf. Hom. Od. 9, 89. ἄνδρε δύο κρίνας, τρίτατον κήρουχ' ἄμ' ὀπάσσας. ἀπήνη δ' ἤγε μία τὸν Λάϊον] And there was one chariot which conveyed Lains. Cf. Phil. 527. χῆ ναῦς γὰρ ἄξει. Aesch. Pers. 560. πεζοὺς — νᾶες — ἄγαγον.

756. οἰκεύς] Servus domesticus. I. q. οἰκέτης, i. e. servus ἐν οἴκοις natus (Eustath. p. 1423, 4.). Rarum vocabulum.

759. κράτη σέ τ' εἶδ' ἔχοντα —] I. e. σὲ εἶδε ἔχοντα Λαῖον ὀλωλότος. De particulae τε collocatione v. Elmsl. ad Iph. T. 199. Cf. ad Phil. 1411 sq. Ant. 120 sq.

761. Cf. 734. Ant. 1176. πότερα πατρώας ἢ πρὸς οἰκείας χερσός; 367. El. 780. οὔτε νυκτός — οὔτ' ἐξ ἡμέρας. Eur. Hel. 863. Τροίας δὲ σωθεὶς ἀπὸ βαρβάρου χθονός. Hec. 143. ἀλλ' ἴθι ναός, ἴθι πρὸς βωμοσός. Suppl. 317. καὶ μὴν Κάνωνον ἀπὶ Μέμφιν ἔκετο. Phoen. 361. οὔτω δὲ τάρβος ἐς φόβον τ' ἀφικόμην. Aesch. Eum. 662. ἡμαρ καὶ κατ' εὐφρόνην δμῶς. Arist. Av. 740. νάπαιοι καὶ κορυφαῖς ἐν θρεΐαις. Eq. 610. μήτε γῆ μίτ' ἐν θαλάττη. 567. Mosch. Id. II. 138. σὺ δὲ χθόνα καὶ κατὰ πόντον | ἄβροχος ἀΐσσεις.

762. τοῦδ' ἄποπτος ἄστεως] Out of sight of this city. Cf. El. 1487. κτανῶν πρόθεσ | ταφεῦσιν — ἄποπτον ἡμῶν. Phil. 467. ἐξάποπτον — σκοπεῖν. Aj. 15. Dionys. Hal. II. 54. ἐν ἀπόπτῳ τίθενται τὸν χάρακα.

763. οἶ' ἀνῆρ δοῦλος] Cf. ad 751. Phil. 584. πολλὰ δρῶν — χρηστά θ' οἶ' (ὡς?) ἀνῆρ πένης.

764. τῆσδε καὶ μείζω χάριν] Eadem verba sunt Aj. 1371.

765. πῶς ἂν —;] Utinam —! Cf. Aj. 388. Phil. 794. El. 660. Eur. Hipp. 207. Alc. 882. Med. 97. Iph. T. 613. Hipp. 344. Or. 1045. Arist. Ach. 991. Plat. Euthyd. 275 C. πῶς ἂν καλῶς σοι διηγησαίμην; πάλιν] Retro.

766. πάρεσιν] Licet. Anglice it is possible. ἐφίεσαι] Cupis.

768. *θέλω*] Subjunctivus.

770. *τά γ' ἐν σοὶ δυσφόρως ἔχον'*] I. e. τὰ δύσφορα ὄντα σοὶ (87), *αὐτὰ δ' ἐν δυσφοροῦσι ἐν σοὶ*] In tuo pectore. (Dind.)

771. *κοῦ μὴ στερεθῆς γ'*] Plena locutio foret *κοῦ δέος ἐστὶ μὴ* —, ut docet Herodoti locus I. 84. *οὐ γὰρ ἦν δευδὸν μὴ ἀλώ* (ἀλώη?) *κοιτέ. ἐς τοσοῦτον ἐλπίδων* —] Cf. Dem. p. 1147. *εἰς τοσοῦτο δικῶν καὶ πραγμάτων προβέβηκεν.* et ad Arist. Nub. 832.

772. Cf. 1229. Ant. 772. 1344. Aj. 1290. Eur. Hec. 1066. *ποῖ καὶ με πτώσσοι;* Alc. 834. *ποῦ καὶ σφε θάπτει;* *μείζονι*] Cf. Ant. 638. 182. Eur. Andr. 681. *μείζων* (of greater account). 370.

773. *διὰ τύχης τοιαῦδ' ἰών*] Cf. Ant. 742. *διὰ τύχης ἰών πατρὶ* El. 1059. *ὡς πολλὰ παθὸν | δι' ἐλευθερίας μόλις ἐξήλθες (ἡλθες δῆ?)*. Aesch. Prom. 120. *τὸν πᾶσι θεοῖς | δι' ἀπεχθείας ἐλθόνθ'*. Eur. Phoen. 20. *καὶ πᾶς σὸς οἶκος βήσεται δι' αἵματος*. 395. *διὰ πόθου δ' ἐλήλυθα*. 498. *δι' ἐχθρας καὶ φόνου μολών*. 1561. Alc. 874. *δι' ὀδύνας ἔβας*. Or. 757. *διὰ φόβου γὰρ ἔρχομαι*. Tro. 794. *χωρεῖν δλέθρου διὰ παντός*. Hipp. 540. *διὰ πάσας ἰόντα συμφορᾶς θνατοῖς*. Her. 625. *ἀ δ' ἀρετὰ βάλνει διὰ μόχθων*. Andr. 175. *διὰ φόνου δ' οἱ φίλτατοι χωροῦσι*. 417. *καὶ πατρὶ τῶ σῶ διὰ φιλημάτων ἰών*. El. 1210. Sic *διὰ μάχης ἰέναι* Eur. Iph. A. 1392. 1415. Hel. 984. Herc. 220. etc. *διὰ μάχης ἀφικέσθαι τινὶ* Herod. I. 169. *διὰ φόβου εἶναι* Thuc. VI. 59.

774. *Κορίνθιος*] Herodotus (V. 67.) Polybum Sicyonis regem fuisse tradit.

775. *ἡγόμην*] Habebat. Cf. Cratin. 112. *Ψύρα τε τὴν Σπάρτην ἄγεις*.

776. *πρὶν μοι* —] I. e. donec —. Cf. Aesch. Prom. 478. *οὐκ ἦν ἀλέξην' οὐδὲν πρὶν γ' ἐγὼ σφισιν | ἔδειξα κράσεις κτλ.* Eur. Alc. 128. *δμαθέντας γὰρ ἀνίστη | πρὶν αὐτὸν εἶλε διόβολον πλάκτρον πυρὸς | κεραννίου*. Med. 1170. *καὶ τις — ἀνωλόλυξε πρὶν γ' ὄρεα διὰ στόμα | χωροῦντα λευκὸν ἀφρόν*. Hec. 130. *σπονδαὶ δὲ λόγων — ἦσαν — πρὶν δ' ποικιλόφρων — Λαερτιάδης πείθει στρατιάν*. Rhes. 294. *πρὶν δῆ δι' ὄτων γῆρον οὐχ Ἑλληνικὴν | ἐδεξάμεσθα*.

777. *ἐπέστη*] Cf. Tr. 1172. *μόχθων τῶν ἐφεστώτων ἐμοὶ τέλος*. Eur. Hipp. 818. Hom. Il. 12, 326. *κῆρες ἐφεσπᾶσιν θανάτω*. Thuc. III. 82. Dem. p. 287, 5. *θανμάσαι — ἀξία*] Cf. Plat. Phaed. p. 92 D. *δι' ὑποθέσεως ἀξίας ἀποδέξασθαι*.

779. Cf. ad Phil. 520. Tr. 267. *δείπνοις ἡνίκ' ἦν ᾤνωμένος*. Eur. Med. 196. *παρὰ δείπνοις*. Hec. 903. *ἐκ δείπνων* (post coenam). Aesch. Pers. 139. *λέκτρα δ' ἀνδρῶν πόθῳ πίμπλλεται δακρύμασιν (δακρυμάτων?)*.

780. *πλαστός ὡς εἶην πατρὶ*] Cf. Sosith. trag. 2, 5. *οὗτος δ' ἐκείνον παῖς πατρὶ πλαστός νόθος, | μητρὸς δ' ὀποίας ἢ τεκοῦσ' ἐπίσταται*.

781 sq. *κἀγὼ* —] Cf. Arist. Nub. 1363, *κἀγὼ μόλις μὲν ἀλλ' ὄμως ἠνεσχόμην τὸ πρῶτον*.

781. *βαρυνθείς*] Schol. *χολωθείς*. Cf. Aj. 41. *χόλω βαρυνθείς τῶν Ἀχιλλείων ὄπλων*. Aesch. Ag. 188. *ἀπλοία — βαρύνοντ'*. 758. Cho. 529. Hom. II. 23, 156. *τὴν οὖσαν ἡμέραν*] Cf. Tr. 330. *πρὸς κακοῖσι τοῖς οὔσι*. El. 1498. Ant. 1109. *οἱ τ' ὄντες οἱ τ' ἀπόντες*.

782. *κατέσχον*] Sc. *ἔμαυτὸν αὐτὴν δργήν*, quod ex verbo *βαρυνθείς* facile intelligi potest. Cf. 1387. O. C. 874. *οὐ τοι καθέξω θυμόν*. El. 1011. *κατάσχεσ δργήν*. Eur. Hipp. 658. *οὐκ ἂν ποτ' ἔσχον μὴ οὐ τάδ' ἐξελεῖν πατρὶ*. Andr. 687. *ἔσχον μὴ κτανεῖν*. Composita verbi *ἔχειν* saepe intransitivo sensu usurpantur, ut *ἀνέχειν*, *ἔξέχειν*, *παρέχειν*, *ἐπέχειν*, *ὑπερέχειν*, *ἀπέχειν*, *διέχειν* etc. De verbo *κατέχειν* cf. e. g. Eur. Cycl. 349. Dindorfius confert Appian. B. Civ. 3, 43. *ὁ δὲ αὐτοῖς χαλεπτόμενος τῆς σιωπῆς οὐ κατέσχευ, ἀλλ' ὠνειδίξεν ἀχαριστίαν*. *θάτέρα*] Proximo die. Cf. Trach. 272. O. C. 497. *διτέρα*. Plat. Crit. 44. *οὐ τοίνυν τῆς ἐπιούσης ἡμέρας οἶμαι αὐτὸ ἦξειν ἀλλὰ τῆς ἐτέρας*. Plut. Nic. 26. *καὶ τὴν ἡμέραν ἐκείνην καὶ τὴν νύκτα τὴν ἐτέραν ἐπιμείναντες*. El. 698. *ἄλλης ἡμέρας*. Xen. Anab. III. 4. 1. *μείναντες δὲ ταύτην τὴν ἡμέραν τῇ ἄλλῃ ἐπορεύοντο κτλ.*

783. *δυσφόρως τοῦνειδος ἦγον* —] I. e. *ἐδυσφόρουν διὰ τὸ ὄνειδος τῷ μεθέντι τὸν λόγον*. *Δυσφορεῖν τι* legitur Aesch. Suppl. 513. Eur. Andr. 1234.

784. *τῷ μεθέντι τὸν λόγον*] Cf. Menand. 88. *οὔτ' ἐκ χειρὸς μεθέντα (μεθέντι?) καρτερόν λίθον | ῥάδιον ἐπισχεῖν οὔτ' ἀπὸ γλώσσης λόγον*. Aesch. Cho. 824. *ὀξύκρεκτον — νόμον μεθήσομεν*. Dativus quia *δυσφόρως ἦγον* idem valet quod *ὠργίζοντο*. *ἦγον*] Cf. Ant. 34. *καὶ τὸ πρᾶγμ' ἄγειν | οὐχ ὡς παρ' οὐδέν*.

785. *τὰ μὲν κείνοιν ἐτεροπόμην*] Cf. Eur. Ion. 553. *τερφθεῖς τοῦτο*. Rhes. 391. *χαίρω δὲ σ' εὐτυχοῦντα*. Hipp. 1354. *εὐσεβεῖς — θνήσκοντας οὐ χαίρουσι*. Aesch. Sept. 815. *τοιαῦτα χαίρειν καὶ δακρύεσθαι πάρα | πόλιν μὲν εὐπράσσουσαν, κτλ.* Soph. Phil. 1314. *ἦσθην πάτρα τὸν ἄμὸν εὐλογοῦντά σε*. O. R. 936. Aj. 136. 790. δ'] Cf. ad 29.

786. *ἔκνιζέ μ'*] Nettled me. Cf. Eur. Med. 555. *ἦ οὐ κνίξει*. 568. *οὐδ' ἂν σὺ φαίης, εἴ σε μὴ κνίξοι λέχος*. 599. Herod. VII. 10. 5. et 12. *ὑφείριπε γὰρ πολὺ*] For it rankled in me deep. Cf. Phil. 1215. El. 916. Eur. Hipp. 1089. Med. 57. Aesch. Ag. 270. *χαρά μ' ὑφέριπει*. 450. *φθονερόν δ' ὑπ' ἄλγος ἔριπει*. Cho. 463. *τρόμος μ' ὑφέριπει*. Plat. Legg. II. 672 B. *λόγος τις ἅμα καὶ φήμη ὑπορρεῖ πῶς. πολὺ*] Cf. O. C. 305. 786. Aesch. Sept. 6. *Ἐτεοκλέης ἂν εἰς πολὺς (πλείστον εἰς?) κατὰ πόλιν | ὑμνοῖθ' ὑπ' ἀσπῶν*. Herod. I. 98. *ἦν πολλὸς ὑπὸ παντὸς ἀνδρὸς — ἀνεόμενος*.

787. Brevius haec narrantur ab Euripide Phoen. 34. ἡ γυνὸς ἢ τινὸς μαθῶν παρὰ | ἔστειχε τοὺς φύσοντας ἐκμαθεῖν θέλων | πρὸς δῶμα Φοίβου.

788. ὦν μὲν ἰκόμην] Cf. 1005. τοῦτ' ἀφικόμην.

789. ἄτιμον] Cf. ad Oed. C. 49. Aesch. Fr. 255. ὦ θάνατε παιδῶν, μή μ' ἀτιμάσης μολεῖν. Aesch. Pr. 782. τὴν δ' ἐμοὶ χάρον | θέσθαι θέλησον μὴδ' ἀτιμάσης λόγους (λόγον recte Elmsl.). Sept. 1024. ἄτιμον ἐκφορᾶς. ἐξέπεμψεν] Sent away (from his shrine).

790. προφάνη λέγων] Cf. 395. Qu. προύφηγεν λέγων.!

791. μυχθῆραι] Cf. 995. εἶπε γάρ με Λοξίας ποτὲ | χοῆραι μιγῆραι μητρὶ. δ'] De particula δὲ in fine senarii cf. ad 29.

792. ἀπλητον — δρᾶν] Cf. Tr. 694. ἀξύμβλητον — μαθεῖν. O. C. 1657. οὐδ' ἀνασχετοῦ βλέπειν. Eur. Alc. 885. παίδων δὲ νόσους — οὐ τλητὸν δρᾶν. Pind. Isthm. VII. 30. σθένει τ' ἔκπαγλος ἰδεῖν τε μορφάεις. Hor. Od. IV. 2. 'niveus videri.' Redde intolerabile visu.

794. Cf. Aelian. Hist. An. VII. 48. ἦκε δ' οὖν ἐς τὴν Λιβύην, καὶ τὰς μὲν πόλεις ἀπελίμπανε καὶ τοῦτο δὴ τὸ λεγόμενον ἄστροις αὐτὰς ἐσημαίνεται, προῆει δὲ ἐς τὴν ἔρημον.

796. Cf. 1412. 1436. Tr. 903. κρύψασ' εαυτὴν ἔνθα μή τις εἰσίδου (lege ὄνεται, coll. El. 436.). 800. El. 436. κρύψων νιν ἔνθα μήποτ' etc. Eur. Bacch. 1381. ἔλθοιμι δ' ὅπου μήτε Κιδαιρῶν μιὰρός etc. Ion. 1125. Σοῦθος μὲν ᾤχετ' ἔνθα πῦρ πηδᾶ θεοῦ. κακῶν χρησμῶν] Cf. 1175.

797. ὄνειδη — τελούμενα] Cf. 1035. 1494. 1192.

800. "Sophocles haud dubie sententiam posuerat quae versum integrum explebat, ita ut Oedipi narratio non ab sexto pede trimetri sed versu integro inciperet, omissio τριπλῆς, quo non opus erat, quum via illa satis significata esset verbis κελεύθου τῆσδε." (Dind.)

802. Aurigae nomen fuit Polyphontes (aut Polyphetes, aut Polypoetes). Cum his confer Euripidis narrationem Phoen. 37—45.

804. ἡγεμῶν] Auriga (ὁ τροχηλάτης, ὁ ἡνίοχος).

805. πρὸς βίαν] Cf. Soph. Phil. 594. πρὸς ἰσχύος κράτος.

806. Cf. 837. Arist. Nub. 186. τοῖς ἐκ Πύλου ληφθεῖσι, τοῖς Λακωνικοῖς. τὸν ἐκτρέποντα] Sc. με. Cf. El. 350. τὴν τε δρωσαν ἐκτρέπει. τροχηλάτην] I. q. ἀρματηλάτην, διαφορηλάτην. Cf. El. 49. τροχηλάτων διαφορῶν. Eur. Phoen. 39. καὶ νιν κελεύει Λαῖον τροχηλάτης, κτλ. Cf. ζευγηλάτης (Fr. 545.). Hinc τροχηλατεῖν (i. q. ἐλαύνειν) Eur. El. 1253.

807. δι' ὀργῆς] In anger, angrily. Cf. 344. θυμοῦ δι' ὀργῆς. Eur. Iph. A. 896. δι' αἰδοῦς ὄμμ' ἔχων ἐλεύθερον. Bacch. 212. διὰ σπουδῆς περᾶ. 441. καγὼ δι' αἰδοῦς εἶπον, κτλ.

808. *ῥχους*] *Currum*. Cf. *El.* 727. *Βαρκαίους ῥχους*. *Fr.* 599. *ῥχους Ἀγεσταιοῖν ἐμβεβώς*. *El.* 50. *ἐκ τροχηλάτων | δίφρων κυλι-σθεῖς*. *Eur. Iph. A.* 599. *τὴν βασιλείαν δεξώμεθ' ῥχων ἄπο*. *Tro.* 622. *ῥχων ἀποβάσα*. *El.* 1130. *τούσδ' ῥχους*. 727. *Phoen.* 44. *ῥχή-ματα* (pro *ῥχημα*). *ῥχους παρασείχοντα*] *Ad currum accedentem*. Cf. *Ant.* 1255. *δόμους παρασείχοντες*. *Aesch. Ag.* 568. *μέσον κάρα*] *Anglice right* (plump) on my head. *Accusativus partis verberatae*.

809. *διπλοῖς κέντροισι*] *Geminis flagellis*. Cf. *Aj.* 242. *μάστιγι διπλῆ*. *Fr.* 125, 2. *μάσθλητα δίγονον* (i. e. *διπλοῦν ἱμάντα*, ut explicant *Hesych. et Etym. M.*). *Aesch. Ag.* 642. *διπλῆ μάστιγι*. *Cho.* 375. *διπλῆς μαράγγης*. *Eur. Ph.* 181. *ὡς ἀτρεμαῖα κέντρα — πώλοις μεταφέρων* (*ἐπιφέρων*?) *ἰθύνει*. *Hipp.* 1194. *ἐπήγε κέντρον — πώλοις*. *Herc.* 929. *κᾶθεινε κέντρον κτλ.* *Bacch.* 795. *πρὸς κέντρα λακτίζοιμι*. *Eur. Fr.* 604. *Aesch. Prom.* 691. *ἀμφάκει κέντρον*. *Eum.* 157. *ἐνυπεν δίκαν διφοηλάτου μεσολαβεῖ κέντρον*. *Plat. Phaedr.* 254. *ὁ δὲ οὔτε κέντρον ἡμοικῶν οὔτε μάστιγος ἔτι ἐντρέπεται*. *Hom. Il.* 23, 387. *ἄνευ κέντροιο θέοντες* (*ἔπιοι*). 23, 430. *κέντρον ἐπισπέρχων*. *Trojani κέντροες Ἴππων*, equi autem ipsi κεντροηκεές appellantur. *Hinc locutio πρὸς κέντρα λακτίζειν*, *Aesch. Pr.* 323. *Agam.* 1633. *Eur. Bacch.* 795. *μέσον κάρα — μὸν καθίκετο*] *Secundum usum Homericum*, *Od.* 1, 342. *με μίλιστα καθίκε πένθος ἄλαστον*. *Il.* 14, 104. *μάλα πῶς με καθίκεο θυμὸν ἐνιπῆ*. *Sed construendum potius μὸν cum καθίκετο*. *Sic Eur. Herc.* 992. *ὑπὲρ κάρα βαλὼν | ξύλον καθῆκε παιδὸς ἐς ξανθὸν κάρα*. *Plat. Ax.* 369 E. *καθικνεῖσθαι τῆς ψυχῆς*. *Plut. Ant.* 12. *σκύττει λαοῖσι καθικνούμενοι τῶν ἐντυγχανόντων*. *Alcib.* 7. *κονδύλω καθικόμενος αὐτοῦ παρῆλθεν*. 12. *καθικνεῖσθαι τινος σκύττει, κονδύλω*. *Plut. Caes.* 39. *ἐπήρατο τὴν μάχαιραν ὡς καθιζόμενος*. *Lucian. de domo* 22. *τῆ δεξιᾷ δὲ καθικνεῖται τῷ ξίφει*. *Timon.* 40. *σκάπτε — βαθείας καταφέρων* (sc. *πληγᾶς*). 53. *Hermot.* 33. *πύξ κενὴν πληγὴν τινα καταφέροντα*. *Conv.* 16. *τάχα δ' ἂν τινος καθίκετο τῆ βακτηρίᾳ*. 24. *σφόδρα ἡμῶν ὁ πέρουσι χειμῶν καθίκετο*. 19. *κατοῖσιν αὐτοῦ ἔφη τὴν βακτηρίαν*. 27. *εἰτ' οὐδέν σου τάκει καθίκετο —*; *D. D.* VIII. 1. *διελέ μου τὴν κεφαλὴν ἐς δύο κατενεγκῶν* (τὸν *πέλεκυν*). *Alciph.* *Epist.* III. 66. *πρῶως εὐ μάλα κατέφερέ μου τῶν γνάθων τὸ ξυρὸν κτλ.* *Aelian.* V. H. X. 16. *ἐπαῦθα ἤδη καὶ τῆ βακτηρίᾳ καθίξεσθαι αὐτοῦ ἠπέλλει*. *Aesop. Fab.* 96. *κατενεγκῶν τὸν πέλεκυν τοῦ μὲν διήμαρτε, κτλ.* *Schol. ad Arist. Pl.* 233. *καθίκοιτο γὰρ ἂν οὕτω μᾶλλον τῆς κεφαλῆς*. *Unde hic fortasse μέσον κάρα reponendum esse suspicari licet*.

810. *οὐ μὴν ἴσῃν γ' ἔτισεν*] Cf. *Ph.* 811. *οὐ μὴν σ' ἐνορμον* (add. *γ'*) *ἀξιῶ θέσθαι*. *οὐ — ἴσῃν*] I. e. *amplius supplicium*. Cf. *Thuc.* III. 67. *οὐκ ἀνταποδόντες τὴν ἴσῃν τιμωρίαν*. *Virg. Aen.* I. 140. *'post mihi non simili poena commissa luētis.'* *Aesch.*

Ag. 523. διπλᾶ δ' ἔτισαν Πριαμίδαι θάμαρτια. Herod. IX. 78. τῷ σὺ τὴν δμοίην ἀποδιδούς ἔπαινον ἕξεις κτλ. 94. ταύτην δίκην — ἐκτίνοσι. Hom. II. 9, 508. ἵνα βλαφθεὶς ἀποτίσῃ. 387. πρὶν γ' ἀπὸ πᾶσαν ἔμοι δόμεναι θυμαλγέα λώβην.

814. τοῦτω προσήκει Λαῖον —] Cf. Eur. Med. 1304. οἱ προσήκοντες γένει. Arist. Av. 969. τί οὖν προσήκει δῆτ' ἔμοι Κορινθίων; Herod. III. 14. τὸν δὲ πτωχὸν, οὐδέν σοι προσήκοντα.

815. Cf. Trag. Adesp. 280. τίς ἄρ' ἔμοῦ γένοιτ' ἂν ἀθλιώτερος; ἐχθροδαίμων] Cf. 1345. τὸν — θεοῖς ἐχθρότατον.

816. Cf. Eur. Or. 46. ἔδοξε δ' Ἄργει τῷδε μῆθ' ἡμᾶς στέγαις | μὴ πυρὶ δέχεσθαι μήτε προσφανεῖν τινα | μητροκτονοῦντας. 238.

817. ξένων — ἀστῶν] Cf. 246 sq. Tr. 187. El. 975. Eur. Suppl. 395. Pind. Ol. VII. 90. P. IV. 78.

819. ὠθεῖν δ'] Sc. πάντα. Supplendum χορή. Cf. ad 241. Herod. IX. 2. οὐδὲ ἕων ἵεναι ἑκατέρω, ἀλλ' αὐτοῦ ἰζόμενον ποιεῖν δκως κτλ. S. Paul. I. Epist. Cor. XIV. 34. οὐ γὰρ ἐπιτέτραπται αὐταῖς λαλεῖν, ἀλλ' ὑποτάσσεσθαι. τὰ δ' —] Cf. Phil. 1355. Aj. 1063. αὐτὸν οὖτις ἐστὶ σθένων τοσοῦτον ὥστε σῶμα τυμβεύσαι. 1147. σὲ — τάχ' ἂν κατασβέσσει τὴν πολλὴν βοήν. 310. κόμην δνοξὶ συλλαβῶν χειρὶ. Tr. 1197. El. 1364.

820. τάσδ' ἄρας ὁ προσιθεῖς] Cf. Fr. 321. ταῦτ' ἐστὶν ἄλγιστ', ἦν παρὸν θέσθαι καλῶς | αὐτὸς τις αὐτῷ τὴν βλάβην προσθῆ φέρων. ὁ προσιθεῖς] I. q. ὁ προσάπτων (O. C. 236.). Cf. O. C. 153. ἀλλ' οὐ μὰν ἐν γ' ἔμοι | προσθήσει τάσδ' ἄρας.

821. ἐν χεροῖν ἐμαῖν] Anglice by my hands. Cf. Hom. II. 1, 587. μὴ σε — ἐν ὀφθαλμοῖσιν ἴδωμαι | θεινομένην. 22, 426. ὡς δρελεν θινέειν ἐν χερσὶν ἐμῆσιν. Od. 8, 459. Pind. Ol. I. 140. P. II. 14. Arist. Ach. 184. Ran. 1449.

822. ἄρ' —;] Nonne? Cf. 822. Aj. 277. 1282. El. 614. 790. 816. O. C. 753. 780. Aesch. Cho. 297. τοιοῖοδε χρημοῖς ἄρα χορὴ πεποιθέναι; Eur. Alc. 341. ἄρά μοι στένειν πάρα —; 771. ἄρα τὸν ξένον στυγῶ δικαίως —; Arist. Av. 797. ἄρ' ὑπόπτερον γενέσθαι παντός ἐστὶν ἄξιον; Lys. 387. λέχη — χρᾶνω] Cf. Eur. Hipp. 1266. χρᾶναι λέχη.

823. πᾶς ἀναγνος] Cf. 1197. Aj. 911. 1415.

824. καὶ μοι — μὴ 'στι] Cf. O. C. 600. γῆς ἐμῆς ἀπηλάθην —, ἐστὶν δέ μοι | πάλιν κατελθεῖν μήποδ' ὡς πατροκτόνω. Aesch. Cho. 291. καὶ τοῖς τοιοῦτοις οὔτε κρατῆρος μέρος | εἶναι μετασχεῖν.

825. ἐμβατεύειν πατρίδος] Cf. 803. ἀπήνης ἐμβεβώς. O. C. 400. 924. Ἐμβατεύειν alibi accusativum gubernat. Sic Eur. Hec. 901. οὐκέτι σ' ἐμβατεύσω. Eur. El. 1250. οὐ γὰρ ἐστὶ σοι πόλιν | τήνδ' ἐμβατεύειν μητέρα κτείναντι σὴν. 595. ἐμβατεύσαι πόλιν.

γάμοις] Cf. Eur. Hipp. 453. ἠράσθη γάμων | Σεμέλης.

826. γάμοις — μητρὸς ζυγῆραι.] Cf. Eur. Ion. 949. οὐπερ

ἐξεύχθην γάμοις. Iph. A. 809. εἰ γὰρ μὴ γάμοισιν ἐξύγης. Phoen. 336. σὲ δ', ὦ τέκνον, καὶ γάμοισι δὴ κλύω | ζυγέντα παιδοποιὸν ἄδονάν — ἔχειν. 1384. οὔτε γάμοις | ἔξενε' Ἀδράστου παῖδα. El. 99. ἐν γάμοις ζευχθεῖσαν. Tro. 263. ταύταν τῷ πάλος ἔξευξεν; Med. 735. ὀρώοισι — ζυγείς. Eur. Alc. 500. τῷ ξυνέξενξαι πλάνῳ; Monost. 197. Hippoth. 3. ζευχθεὶς γάμοισιν οὐκέτ' ἔστ' ἐλεύθερος. Eur. Fr. 4, 2. ἡ ζυγείσα δευτέρῳ πόσει. Fr. 63. παῖδ' ὀμεναίοις — θέλων | ζεύξαι νύμφης τε λεπάδνοις. Aesch. Prom. 578. ταῖσδ' ἐνέξευξας — ἐν πημοναῖσιν. 108. Soph. Phil. 1025. κλοπῇ τε κἀνάγκῃ ζυγείς. O. C. 526. Tr. 536. Lucian. Tox. 25. κόρη αἰσχροῦ — συγκαταξενγνόμενον. Herodian. III. 10. οὐ πάντι ἡδόμενος τῷ γάμῳ, ἀνάγκῃ μᾶλλον ἢ προαιρέσει συνεξενγμένους. Joseph. A. I. 19. 10. καὶ γὰρ θυγατέρας τὰς ἐμὰς συνέξευξα. Schol. ad Aesch. Ag. 236. ἐξεύχθαι γάμοις αἱ γημάμεναι λέγονται.

827. ἐξέφρασε κἀξέθραπέ με] Cf. Eur. Med. 1349. παῖδας, οὐς ἔφρασα κἀξέθραπέμην. Hec. 762. ἔτεκον κᾶφερον ζώνης ὑπο. El. 969. ἦ μ' ἔθραπε κᾶτεκε. Arist. Pac. 629. Vesp. 1133.

829. ἀνδρὶ τῷδ'] I. e. ἐμοί. Lat. 'huic homini.' Cf. Hor. Sat. I. 9. 47. II. 3. 31.

830. ὦ θεῶν ἀγνὸν σέβας] Cf. Phil. 1289. ἀγνὸν Ζητὸς ὑψίστου σέβας. Soph. Fr. 128. σέβας δὲ μηρῶν ἀγνὸν οὐκ ἐπηδέσω. Eur. Cycl. 580. τὸ πᾶν τε δαιμόνων ἀγνὸν σέβας. Med. 750. δμνυμι Γαίαν Ἥλιον θ' ἀγνὸν σέβας. Eur. Fr. 443. ἡμέρας θ' ἀγνὸν σέβας. Aesch. Eum. 888. ἀγνὸν — Πειθοῦς σέβας.

832. Cf. Arist. Th. 380. περιθου νυν τόνδε πρῶτον πρὶν λέγειν.

833. κηλῖδα — συμφορᾶς] Cf. 1384. O. C. 1134. ὦ τίς οὐκ ἐν | κηλῖς κακῶν ξύνοικος; Trag. adesp. 83, 3. οὕτως πέπονθα καὶ με συμφορᾶς ἀεὶ | βαθεία κηλῖς ἐκ βυθῶν ἀναστρέφει κτλ. Antiphont. p. 123, 22. εἰ δὲ θεία κηλῖς τῷ δρᾶσαντι προσπίπτει ἀσεβοῦντι. 42. πάσης ὑπὲρ ἀπάντων τῆς κηλίδος εἰς ὑμᾶς ἀναφερομένης.

835. τοῦ παρόντος] I. e. ἐκείνου δεσ παρῆν. Imperfecti participium. Cf. 756.

837. τοσοῦτον — μόνον] Cf. O. C. 790. χθονὸς λαχεῖν τοσοῦτον ἐνθανεῖν μόνον. Ant. 775. φορβῆς τοσοῦτον ὡς (δοσον?) ἄγος μόνον προθεῖς.

838. πεφασμένον] Sc. αὐτοῦ. Cf. Tr. 803. τοσαῦτ' ἐπισκήψαντος (sub. αὐτοῦ). Eur. Hel. 58. γνότος. Phoen. 1134. θανόντος.

840. ἄν ἐκπεφευγούην] I. q. ἄν εἶην ἐκπεφευγῶς (crimine absolutus ergo). Cf. Arist. Ach. 940. πεποιθοῖη. Xen. Cyr. II. 4. 17. προεληλυθοῖης. Cratin. II. 179. ἐδηδοκοῖη.

841. περισσόν — λόγον] Cf. Fr. 79, 2. τὰ γὰρ περισσὰ πανταχοῦ λυπῆρ' ἔπη. Eur. Hipp. 437. οὐ γὰρ περισσόν οὐδὲν οὐδ' ἔξω λόγον | πέπονθας. 948. ὡς περισσὸς ὢν ἀνήρ. Soph. Fr. 79, 2.

τὰ γὰρ περισσὰ πανταχοῦ λυπήρ' ἔτη. Herod. II. 32. μηχανᾶσθαι περισσά.

845. Cf. Hom. II. 17, 95. μὴ πῶς με περιστείωσ' ἔνα πολλοί.

846. ολόζωνον] I. q. οἶον (Aj. 750.). Vocabulum ἀπαξ εἰρη-
μένον, ut multa alia ab Sophocle usurpata. Cf. μονόζωνος (Hesy-
chius etc.), μονόστολος (Eur. Phoen. 754. λόγων ἀνάσσειν ἢ μονο-
στόλου δορός;), μονοσιβής (Aesch. Cho. 756. εἰ ξὺν λοχίταις εἶτε
καὶ μονοσιβῆ;), μονόκωπος ἀνήρ Eur. Hel. 1128. οιοβώτας. Aj. 615.

847. Cf. Ant. 722. φιλεῖ γὰρ τοῦτο μὴ ταύτη ἴζειν. Aesch.
Cho. 240. καὶ τὸ μητρόσ εἰς σέ μοι ἴζειν | στέργηθρον. Antiph.
III. 67. ἦν — ὁ γαῖφος ἐνταῦθα ἴζειν. Arist. Ran. 1393. Pl. 51.

848. Cf. O. C. 1584. ὡς λειοπίτα | κείνον τὸν ἀεὶ βίοντον ἐξε-
πίστασο. Phil. 415. ὡς μηκέτ' ὄντα κείνον ἐν φάει νόει. 567. ὡς
ταῦτ' ἐπίστω δρώμεν', οὐ μέλλοντ' ἔτι. 810. Tr. 289. φρόνει νιν
ὡς ἦξοντα. Ant. 621. El. 1370. Xen. Mem. IV. 2. 30. ὡς πάνν
μοι δοκοῦν (δοκεῖ vulg.) — οὕτως ἴσθι. Anab. I. 3. 15. ὡς μὲν
στρατηγήσοντα ἐμὲ — μηδεὶς ὑμῶν λεγέτω. φανέν — τοῦπος]
Uttered. I. q. λεχθέν. Cf. 474. 525. 848. Tr. 1.

849. ἐκβαλεῖν πάλιν] Cf. El. 1046. καὶ τοῦτ' ἀληθὲς οὐδὲ
βουλεύσει πάλιν; Ph. 961. Aesch. Sept. 1042. μηδέ τω δόξῃ πάλιν.
Eur. Phoen. 934. ἀνήρ ὄδ' οὐκέθ' αὐτός ἐκνεύει πάλιν. Arist.
Av. 2. ἦδὲ δ' αὐ κρώζει πάλιν. ἐκβαλεῖν] Cf. Arist. Vesp. 1289.
Ran. 595. Pind. P. II. 81. ἔπος ἐκβαλεῖν κροταιόν.

851. εἰ δ' οὖν] Sin contra. Cf. Ant. 722. El. 577. De opta-
tivo ἐκτρέπειτο cf. Ant. 1032.

852. "I. e. non efficiet ut Laii caedem a te perpetrata esse
justa rectaque via probasse videatur." (Dind.) σὸν γε] Cf. 572.

853. δικαίως ὀρθόν] Cf. ad Tr. 347. οὐδὲν ὦν ἔλεξεν ἀρτίως |
φανεῖ δικαίως ὀρθόν. Aesch. Eum. 924. ὀρθοδίκαιοι. Pind. P.
XI. 16. ὀρθοδίκαν (ὀρθόδικον?) γὰς δμφαλόν.

854. διεῖπε] Plane dixit. Cf. 994. εἶπε γὰρ με Λοξίας κτλ.
723. διώρισαν.

857. οὔτε τῆδ' — οὔτε τῆδ'] Neither here nor there, i. e.
not at all. Tanquam si dixisset οὐδὲν ἂν φροντίσαιμι. Cf. Ph. 206.
ἦ που τῆδ' ἢ τῆδε τόπων.

858. Cf. Phil. 598. τίνας δ' ἐπεστρέφοντο πράγματος χάριν;
Arist. Eccl. 105. De hac collocatione τοῦ εἵνεκα cf. El. 579.

859. τὸν ἐργάτην] βοτήρ appellatur supra 837. Cf. 761.

860. στελοῦντα] Arcessiturum. μηδὲ τοῦτ' ἀφήσ] Nor
let this matter drop.

862. ὦν οὐ σοὶ φίλον] I. e. τούτων ἃ ἐμὲ πράξαι οὐ σοὶ φί-
λον ἔστί. Cf. Ph. 1227. ἔπραξας ἔργον ποῖον ὦν οὐ σοὶ πρόπον;

863. εἰ μοι ξυνεῖη —] Anglice, Would that etc. Hoc ple-
rumque per εἶθε aut εἰ γὰρ (ut in Hom. Od. 3, 205.) exprimitur,

raro per *εἰ* solum, nunquam per *εἶθε γάρ*. Cf. Eur. Hec. 824. *εἴ μοι γένοιτο φθόγγος ἐν βραχίοσι* —. Suppl. 620. Hel. 1408. Aesch. Sept. 246. *αἰτουμένω μοι κοῦφον εἰ δούης τέλος*. Virg. Aen. VI. 187. 'Si nunc se nobis ille aureus arbore ramus | ostendat.' Hor. Sat. II. 6. 8. et Eur. Med. 635. *στέργου δέ με σωφροσύνα, δώρημα κάλλιστον θεῶν*. Hipp. 1111. *εἶθε μοι εὔξαμένα θεόθεν τάδε μοῖρα παράσχοι, | τύχαν μετ' ὄλβου κτλ.*

864. *φέρουσι — ἀγνείαν*] Having the reputation of devout purity. Cf. El. 968. *εὐσέβειαν — οἶσει* (med.). Ant. 924. *τὴν εὐσέβειαν εὐσεβοῦσ' ἐκτισάμην*. O. C. 1411. *ἔπαινος, ὃν κομίζετον — ἔτ' ἄλλον οἶσει*. Aj. 436. *πᾶσαν εὐκλειαν φέρων*. Ant. 370. *ὅτω τὸ μὴ καλὸν ξύνεσι*. *Φέρουσι* pro *φερομένω*, ut *κομίζετον* pro *κομίζεσθον*. De dativo cf. Herod. IV. 203. *μετεμέλησέ σφι οὐ σχοῦσι τὴν Κυρήνην*. *εὐσεπιον*] I. q. *εὐσεβῆ*. Cf. 890. *τῶν ἀσέπτων*. et ad 515. Aesch. Eum. 990. *θυσίαις περισέπτους*. Eur. Hel. 542. *Πρωτίως ἀσέπτου παιδός*. Aesch. Eum. 1037. *περίσεπτα* (?). Fr. 47. *ἄσεπτον* (pro *ἀσεβές*).

865. *ὧν νόμοι πρόκεινται*] Cf. Ant. 481. *νόμους ὑπερβαίνουσα τοὺς προκειμένους*. 454. Aj. 1130. 1343. Eur. Ion. 442 sq. Hipp. 98. Suppl. 563. et Aj. 1104. *ἀρχῆς ἔκειτο θεσμός*.

866. *οὐρανίαν δι' αἰθέρα*] *αἰθήρ* hic femininum est, ut semper apud Homerum. Apud Aeschylum semper masculinum, apud Euripidem et masculinum et femininum est. Eur. Andr. 1229. *λευκὴν αἰθέρα*. Ion. 1445. *λαμπρᾶς αἰθέρος ἀναπυχαί*. El. 991. *φλογεράν αἰθέρ'*. Fr. 114, 4. *αἰθέρος ἱερᾶς*. Fr. 978, 3. *ἐκ βαθείας — αἰθέρος*. Pindar. Ol. I. 13. XIII. 125. etc. Hom. H. in Cer. 70. *αἰθέρος ἐκ δίης*. Sed Eur. Hec. 1100. *αἰθέρα οὐράνιον*. Alibi apud Sophoclem semper masculinum est. *δι' αἰθέρα τεκνωθέντες*] Cf. Empedocl. 426. *ἀλλὰ τὸ μὲν πάντων νόμιμον διὰ τ' εὐρυμέδοντος αἰθέρος ἠνεκέως τέταται διὰ τ' ἀπλέτου αὐγῆς*.

869. *θνατὰ φύσις ἀνέρωρ*] Cf. Fr. 531. *θνητὴν δὲ φύσιν χρὴ θνητὰ φρονεῖν*. Ant. 346. *πόντον τ' εἰναλίαν φύσιν*. Fr. 517. *τὴν γυναικίαν φύσιν*. *ἀνέρωρ*] Eadem forma epica et lyrica producta prima syllaba legitur Ph. 709. Tr. 1011. *ἔτικτεν*] Imperfectum ut in 1098. *τίς σε, τέκνον, τίς σ' ἔτικτε*; O. C. 982. Fr. 481, 2. Trag. Aesp. 405. *οὐ γάρ με Νῦξ ἔτικτε δεσπότην λύρας*.

870. *κατακοιμάση*] Consopiet. Cf. 1202. *κατεκοίμησα τοῦμὸν δμμα*.

871. *μέγας ἐν τούτοις θεός*] Cf. 653. *τὸν — ἐν δοκῶ μέγαν*. 441. *ὡς ἔμ' (ἔνθα μ') εὐρήσεις μέγαν*. Sed corrigendum suspicor *μέγα* δὴ *τούτων σθένος*.

873 sq. Haec dicit Chorus propter Oedipi arrogantiam versus Creontem v. 618—672.

873. *ἕβρις φυτεύει τύραννον*] Cf. Aesch. Ag. 741. *φιλεῖ δὲ τίκτειν ἕβρις μὲν παλαιὰ νεάζουσιν ἐν κακοῖς βροτῶν ἕβριν*. Eum. 489.

δυσσεβίας μὲν ὕβρις τέκος ὡς ἐτύμως. Suppl. 498. φύλαξαι μὴ θράσος τέκη φόβον. Eur. Fr. 440. δοῶ δὲ τοῖς πολλοῖσιν ἀνθρώποις ἐγὼ | τίκονσαν ὕβριν τὴν πάροιδ' εὐπραξίαν. 441. ὕβριν τε τίκει πλοῦτος ἢ φειδῶ (τρυφή vel χλιδή?) βίον. Dionys. trag. Fr. 4. ἢ γὰρ τυραννὶς ἀδικίας μήτηρ ἔφν. Solon. Fr. 8. τίκει τοι κόρος ὕβριν, ἐπὶν πολὺς ὄλβος ἔπηται. Theogn. 153. τίκει τοι κόρος ὕβριν διαν κακῶ ὄλβος ἔπηται | ἀνθρώπων. Pind. Ol. 13, 12. ὕβριν κόρον (ὑβρεως κόρον?) ματέρα θρασύμυθον. Herod. VIII. 77. δια Δίκη σβέσσει κρατερόν κόρον ὕβριος υἷόν (orac.). Eur. Phoen. 559. τί τὴν τυραννίδ', ἀδικίαν εὐδαίμονα, | τιμᾶς ὑπέρρεφεν: Append. Vat. Prov. II. 6. ἢ γὰρ τυραννὶς ἀδικίας μήτηρ ἔφν. (Qui versus Dionysii est.) Pythagoras (apud Stob. XII. p. 247.) haec vitia in civitates irrepere solere dicit, πρῶτον τρυφήν, ἔπειτα κόρον, εἶτα ὕβριν, μετὰ δὲ ταῦτα ὄλεθρον. Pindarus hunc ordinem paullum immutat, ὕβριν κόρον ματέρα appellans (Ol. XIII. 12. Cf. Herod. VIII. 77.).

874. μάταν] Anglice for no good purpose. Cf. 1057. Ant. 1252. ἢ μάτην πολλὴ βοή.

876. Schol. εἰς δύσβατον ἀκρόρειαν ἀναβιβάσασα τοὺς χρωμένους αὐτῇ κατεκρήμυσεν. Herwerden apte conferri jubet Aesch. Pers. 823. ὕβρις γὰρ ἐξανθοῦσ' ἐκάραψε στάχυν | αἴτης, ὄθεν πάγκλαυτον ἐξαμῆ θέρον. Cf. Cyprior. Fr. 8, 3. ἀκρότατον δ' ἀναβάς διεδέρατο νῆσον ἄπασαν.

877. ἀπότομον] Praeruptum. Cf. Eur. Alc. 118. μόρος γὰρ ἀπότομος (ἄποτμος vulg.) πλάθει. 1003. ἀποτόμον λήματος.

ᾠρουσεν] Cf. El. 1441. λαθραῖον ὡς ὀρούση πρὸς δίκας ἀγῶνα. Aesch. Ag. 826. πῆδημ' ὀρούσας. Eum. 114. κούφως ἐκ μέσων | ἀρκυσιᾶτων ᾠρουσεν. Pind. Ol. VII. 37. κορυφὰν κατ' ἀκραν ἀνορούσασα.

878. ποδὶ χρῆσιμῶ χρῆται] Cf. 1241. δογγὴ χρωμένη. Tr. 193. οὐκ εὐμαρεῖα χρώμενος πολλῇ. Fr. 751. οὐπω δεός εἰς ἀλίβαντα καταπεσεῖν αὐτὸν ζῶντι ποδὶ χρώμενον (ita enim legerim). et ad Fr. 831. Eur. Iph. A. 88. ἀπλοῖα χρώμενοι. Hel. 732. δυοῖν κακοῖν — χρῆσθαι. Her. 714. ἦν δ' οὖν — χρῆσονται τύχη. Aesch. Ag. 933. ἐκὼν γὰρ οὐδεὶς δουλίῳ χρῆται ζυγῶ.

879 sq. τὸ καλῶς δ' ἔχον πόλει πάλαισμα] Haec ad Oedipi προμηθίαν in salute civitatis servanda spectant, ut monuit Jebb. V. 48. 93. 247. Idem confert Isochr. Ep. 7. § 7. τοῖς καλῶς τὰς πόλεις τὰς αὐτῶν διοικοῦσιν ἀμιλλητέον. Cf. Aesch. Cho. 824. πόλει τὰδ' εἶ. Arist. Th. 677. ὅσα καὶ νόμματα μηδομένους ποιεῖν ὁ τι καλῶς ἔχει.

880. πάλαισμα] I. q. ἀγῶνα, ἀμιλλαν. Cf. Aesch. Eum. 589. 776. Plut. Mor. 820 C. ἀγῶνα πολιτείας ἀγωνιζόμενοις. Brunckius πάλαισμα de conamine ad consilium exsequendum intelligit.

882. θεὸν οὐ λήξω ποτὲ προστάταν ἴσχω] Cf. 303. El. 1312. οὐποτ' ἐκλήξω χαρᾶ | δακρυροοῦσα. et Tr. 209. τὸν εὐφάρετταν

Ἀπόλλωνα προστάταν. Aesch. Sept. 449. προστατηρίας | Ἀρτέμιδος. Soph. El. 637. Φοῖβε προσστατήριε.

883. ὑπέροπτα] Adverbialiter positum. Sic κατάμεμπτα βαίνειν O. C. 1695. πορεύεται] Anglice walks. Cf. Xen. Cyr. II. 2. 24. ἡ γὰρ ποτηρία διὰ τῶν παραντίκα ἡδονῶν πορευομένη. O. C. 1696. οὔτοι κατάμεμπτ' ἔβητον. S. Pet. Epist. II. 2. 10. τοὺς ὀπίσω σαρκῶς — πορευομένους. II. 3. 3.

884. δίκας ἀφόβητος] Cf. 969. ἄφαντος ἔγχους. Tr. 23. ἀταρβῆς τῆς θέας. 686. O. C. 1521. ἄδικτος ἡγητήρος. οὐδὲ — σέβων] I. e. καὶ οὐ σέβων. De οὐ post εἰ cf. ad Aj. 1131.

885. δαιμόνων ἔδη] Cf. El. 1374. πατρῶα προσκύσανθ' ἔδη. Aesch. Pers. 404. θεῶν τε πατρῶων ἔδη. Ag. 339. θεῶν θ' ἰδρύματα. Suppl. 492. Pers. 811. Ch. 1034. Plat. Legg. IV. 717 B. ἰδρύματα ἴδια πατρῶων θεῶν. XI. 931 A. Plura Ruhnk. ad Tim. h. v.

888. δυσπότμον — χλιδᾶς] On account of his wretched pride. Cf. Aj. 1156. τοιαῦτ' ἄνολβον ἄνδρ' ἐνουθέτει. Sic δύστηνος El. 806. 121. χάριν χλιδᾶς] Cf. Ant. 370. Eur. Or. 1404. ἔρροι τᾶς ἀσύχον προνοίας κακοῦργος ὦν (χάριν κακός?).

890. ἀσεπτῶν] I. q. ἀσεβῶν. Cf. ad 864. εὐσεπτον. Fr. 47. ἀσεπτον (i. e. ἀσεβές). Ant. 1350. μηδὲν ἀσεπτεῖν. Eur. Iph. A. 1092. τὸ μὲν ἀσεπτον ἔχει δύναμιν κτλ. Hel. 548. Πρωτέως ἀσεπτον παιδός. Aesch. Prom. 812. σεπτὸν — ὄεος (holy stream). ἐρξεται] Abstinebit. Herod. 7, 197. ὡς κατὰ τὸ ἄλσος ἐγένετο, αὐτός τε ἐργετο αὐτοῦ καὶ τῇ στρατιῇ πάσῃ παρήγγειλε. Plat. Legg. 838 A. εὐ — εἰργονταί τῆς τῶν καλῶν ξυνομοσίας.

891. τῶν ἀθίκτων θίξεται] Cf. 897. O. C. 39. Aesch. Ag. 371. οὐκ ἔφα τις θεοὺς βροτῶν ἀξιοῦσθαι μέλειν (ἀξιοῦν τημελεῖν?) ὅσοις ἀθίκτων χάρις πατοῖτο. Eur. Hipp. 652. λέκτρων ἀθίκτων. Hor. Od. I. 3. 24. 'Impiae non tangenda rates transiliunt vada.'

ματίζων] Schol. ματαιοφρονῶν. Hesych. ματαῖζει: μωραίνει. Cf. Aesch. Ag. 995. σπλάγχνα δ' οὔτι ματίζει.

892 sq. Cf. Aesch. Eum. 490. νῦν καταστροφῆν νέων θεομίων, εἰ κρατήσῃ δίκαια τε καὶ βλάβαι τοῦδε ματροκτόνου. πάντας ἦδη τόδ' ἔργον εὐχερεῖα συναρμόσει. Arist. Nub. 1393 sq.

892. τίς ἐτι —;] 'Quisnam, si ita se res habet, cupiditatum tela ab animo arcere volet?' (Erf.) ἐτι ποί'] Ever again. Cf. 1412. ἔνθα μὴ ποί' εἰσόψεσθ' ἐτι. O. C. 848. Ant. 750. ταύτην ποί' οὐκ ἔσθ' ὡς ἐτι ζῶσαν γαμείς. ἐν τοῖσδ'] I. e. ἐν τοιοῖσδε (598). In hac rerum conditione. Cf. 901. τάδε. Sed corrigendum videtur ὦν τοῖσδ'.

893. θυμοῦ βέλη —] Cf. Ant. 1085. ἀφῆκα θυμῷ καρδίας τοξεύματα. Pind. Ol. II. 123. ὅσοι δ' ἐτόλμασαν — ἀπὸ πάμπαν ἀθίκτων ἔχειν — ψυχᾶν (schol. τὴν ψυχὴν ὁσὴν φυλάξαι) κτλ. Iram dicit.

896. χορεύειν] To dance in chorus (in honor of the god). Cf. Aj. 701. νῦν γὰρ ἐμοὶ μέλει χορεῦσαι. (A Choro dictum.)

897 sq. Similiter El. 498. ἦ τοι (l. ἦ τοι) μαντεῖαι βροτῶν οὐκ εἶσιν ἐν δεινοῖς ὀνειροῖς οὐδ' ἐν θεοφάτοις, εἰ μὴ τόδε φάσμα νυκτὸς εὐκατάσχησει. 823. ποῦ ποτε κεραυνοὶ Διὸς, ἦ ποῦ φαέθων | Ἄλιος, εἰ ταῦτ' ἐφορῶντος | κρούπουσιν ἔκηλοι;

898. γᾶς ἐπ' ὀμφαλὸν] Cf. Eur. Med. 666. τί δ' ὀμφαλὸν γῆς θεσπιρῶδὸν ἐστάλης; Ion. 223. Orest. 226. Phoen. 244. Iph. A. 1252. Cic. Verr. VI. 48. 'Qui locus, quod in media est insula situs, umbilicus Siciliae nominatur.' Liv. XXXV. 18. 'Aetoli, qui umbilicum Graeciae incolunt.' Pind. P. XI. 17. Πυθῶνά τε καὶ ὀρθόδικαν (ὀρθόδικον?) γᾶς ὀμφαλόν.

899. Ἄβαιοι] Cf. Herod. VIII. 33. καὶ Ἄβας, ἔνθα ἦν ἱρὸν Ἀπόλλωνος πλοῦσιον, κτλ. 134. καὶ ἐς Ἄβας καὶ Φωκέων ἀπικόμενος ἐπὶ τὸ χρηστήριον. Oracula ibi edita memorantur Paus. IV. 32. 5. X. 35. 1.

901. χειρόδεικτα] Digitis monstrata. Gl. B. φανερά. Confer epithetum δακτυλόδεικτος. Aesch. Ag. 1292.

902. ἀρμόσει] Intransitive. Cf. Ant. 1318. El. 1293. Tr. 731.

903. κρατύνων] Cf. El. 175. Ζεὺς, δς ἐφορᾷ πάντα καὶ κρατύνει. O. C. 1314. O. R. 14. Aesch. Prom. 150. νεοχμοῖς δὲ δὴ νόμοις Ζεὺς ἀθέτως κρατύνει. Ag. 160. Plat. Phileb. p. 12 C. Hor. Sat. II. 6. 20. Carm. Saec. 15. ὄρθ'] Recte. I. q. ὀρθῶς. Cf. El. 1098.

904. Ζεῦ πάντ' ἀνάσσω] Cf. Aesch. Pr. 536. ὁ πάντα νέμων — Ζεὺς. μὴ λάθοι —] Cf. Eur. Med. 332. Ζεῦ, μὴ λάθοι σε τῶνδ' ὅς αἴτιος κακῶν. Hipp. 893. ἡμέραν δὲ μὴ φύγοι | τήνδ', εἴπερ ἡμῖν ὤπασας σαφεῖς ἀράς. Arist. Pac. 267. μὴ ἴθοι (μὴ ἴθη al.) φέρω.

905. Cf. Aj. 1147. καὶ σὲ καὶ τὸ σὸν λάβρον στόμα. Eur. Or. 538. ὅπου σε μέλλω σὴν τε λυπήσειν φρένα.

906. φθίνοντα] Per παλαιὰ explicat schol. Cf. Ant. 1013. φθίνοντ' ἀσήμεων ὀργίων μαντεύματα. Aesch. Sept. 844. θέσφατ' οὐκ ἀμβλύνεται. Eur. Iph. T. 116. οὐ γὰρ τὸ τοῦ θεοῦ γ' αἴτιος γενήσομαι | πεσεῖν ἄχρηστον (l. ἄκρατον) θέσφατον. Contra 44. ὡς τοῖσιν ἐμπείροισι καὶ τὰς ξυμφορὰς | ζώσας ὀρῶ μάλιστα τῶν βουλευμάτων. Λαῖτον θέσφατα] I. e. oracula Laio data. Cf. Herod. V. 43. Λαῖτον (Λάσων Dobr.) χρησμοί.

907. Cf. Aesch. Eum. 738. Eur. El. 1103. Arist. Eq. 860.

908. ἐξαιροῦσιν] I. e. ἀφανίζουσιν, ut explicat Hesychius.

909. τιμαῖς — ἐμφανής] I. e. palam honoratur.

910. ἔρρει δὲ τὰ θεία] Cf. Aj. 249. ἔρροι τᾶν αἰδῶς ἀπάντων τ' εὐσέβεια (κεῦσέβεια?) θνατῶν. El. 249. Eur. Suppl. 712. οἴχεται τὰ Παλλάδος. Theogn. 1140—1142.

911. χῶρας ἀνακτες] Cf. O. C. 831. ὦ γῆς ἀνακτες. Ant. 988. Θήβης ἀνακτες. 940. et ad O. C. 1348. Ant. 508. Φθίας κράντορες.

Eur. Ion. 1227. Δελφῶν — ἀνακτες. δόξα μοι παρεσιάθη] I. e. obversata est.

913. στέφη] Cf. Aesch. Cho. 1032. ξὺν τῷδε θαλλῷ καὶ στέφει προσίζομαι — Λοξίου πέδον. Eur. Suppl. 36. σέβουσα δ' ἱερὰ στέμματα. Στέφη aut στέμματα idem quod ἔρια (schol. O. C. 475.).

914. ὑψοῦ — αἶρει θυμὸν] Schol. μετεωρίζεται τὴν ψυχὴν καὶ ὑπερβαλλόντως ἄχθεται. Cf. Aj. 1066. μηδὲν δεινὸν ἐξάρης μένος. El. 1461. Aesch. Sept. 196. δὴ τότ' ἤρθην φόβῳ πρὸς μακάρων λιπᾶς. Aj. 603. ἦ κάρτα πρὸς γυναικὸς αἰρεσθαι νέαρ. Eur. Iph. A. 821. ὑψηλόφρων μοι θυμὸς αἰρεται πρόσω. Suppl. 555. ὁ δλβος νῦν ὑψηλὸν αἶρει. Her. 323. Alc. 356. οὔτ' ἂν φρεν' ἐξάιροιμι κτλ. Arist. Av. 1447. ὑπὸ γὰρ λόγων ὁ νοῦς τε μετεωρίζεται | ἐπαίρεται τ' ἀνθρωπος. Hom. Il. 3, 108. αἰεὶ δ' ὀπλοτέρων ἀνδρῶν φρένες ἠερέθονται. Similiter fere somnia sua narrant Hecuba et Iphigenia, Hec. 68. ὦ σκοτία Νύξ, | τί ποτ' αἶρομαι ἔννυχος οὔτω δείμασι, φάσμασι; Adesp. 142. ὁ θυμὸς αὐτὸν τῶν φρενῶν ἐξήρ' ἄνω.

915. ὁποῖα] Ut olā 751. 763. I. q. ὅπως.

916. ἔννοους] Schol. συνετός. Cf. Aesch. Prom. 453. ὡς σφᾶς, νηπίους ὄντας τὸ πρῖν, | ἔννοους ἔθηκα καὶ φρενῶν ἐπιηβόλους. Eur. Bacch. 1271. γίγνομαι δέ πως | ἔννοους μετασταθεῖσα τῶν πάρος φρενῶν. τὰ καινὰ τοῖς πάλαι τεκμαίρεται] Judges of the new oracles by the old ones (which have been proved to be false). Cf. 711 sq. Eurip. Fr. 578. τεκμαιρόμεσθα τοῖς παροῦσι τὰφανῆ. Dinarch. c. Dem. § 33. τεκμαιρόμενοι τὰ μέλλοντα ἐκ τῶν γεγενημένων. Isocr. Paneg. § 141. εἰ δὲ δεῖ τὰ μέλλοντα τοῖς γεγενημένοις τεκμαίρεσθαι. Herod. II. 33. ὡς ἐγὼ συμβάλλομαι τοῖς ἐμφανέσι τὰ μὴ γνωσκόμενα τεκμαιρόμενος. Solon. ap. Stob. Flor. III. 39. τὰ ἀφανῆ τοῖς φανεροῖς τεκμαίρου." (Herw.) Ad rem cf. 953. Aesch. Cho. 900. ποῦ δὴ τὰ λοιπὰ (σεμνὰ aut δεινὰ?) Λοξίου μαντεύματα τὰ πνθόχρηστα —;

917. ἐστὶ τοῦ λόγοντος] Cf. Phil. 386. Aesch. Eum. 708. κάρτα δ' εἰμὶ τοῦ πατρός. Eur. El. 1103. οἱ μὲν εἰσιν ἀρσένων, | οἱ δ' αὖ φιλοῦσι μητέρας μᾶλλον πατρός. Arist. Eq. 860. ὦ δαιμόνιε, μὴ τοῦ λόγοντος ἴσθι. Plat. Polit. p. 111. ἔλαθον αὐτοὶ τε ἀπολέμως ἔχοντες — ὄντες τε αἰεὶ τῶν ἐπιτιθεμένων. Gorg. p. 133. εἰμὶ δὲ ἐπὶ τῷ βουλομένῳ (αἰεὶ τοῦ βουλομένου?), ὥσπερ οἱ ἄτιμοι τοῦ ἐθέλοντος κτλ. Dem. p. 982. μήτε συγγνώμης μήτ' ἄλλου μηδενός εἰσιν ἄλλ' ἢ τοῦ πλείονος. Alciph. III. 11. ὅλη δὲ εἰ τοῦ ἄστεος.

φόβους] Res terribiles. Cf. Arist. Pl. 637. λέγεις μοι χαρὰν, λέγεις μοι βοάν (ex Trag.). Cf. 585. ἄρχειν — σὺν φόβοισι. et ad Aj. 531.

918. οἷ οὖν] I. q. ἐπεὶ οὖν. Cf. O. C. 203. ὅτε νῦν. 84. εὔτε νῦν. οὐδὲν εἰς πλεόν ποιῶ] I do not succeed. Cf. ad 700. Aj. 876. κούδεν εἰς ὄψιν πλεόν. Eur. Hipp. 284. εἰς πάντ' ἀφίγμαι κούδεν εἰργασμαι πλεόν. Iph. A. 1383. καὶ πλεόν πράξωμεν οὐδέν.

921. λύσιν — εὐαγγῆ] Angl. a solution which shall show that Oedipus is guiltless. Cf. Ant. 521. τίς οἶδεν εἰ κάτω ἴσιν εὐαγγῆ. (schol. εὐσεβῆ) τὰδε; Plat. Epist. II. 312 A. τοῦτο δ' οὐκ εὐαγές μοι ἀπέβη. εὐαγγῆ] I. q. καθαρὰν, εὐσεβῆ. ἡμῖν] Scribendum potius ἡμιν, quod legitur Hom. II. 17, 415. Sic ἕμιν Phryn. com. II. 594. ἡμιν Aesch. Eum. 347. (mel.) etc.

923. ὡς κυβερνήτην νεώς] Cf. Aesch. Sept. 2 sq. 62. 208 sq. 652.

925. Cf. El. 660 sq.

926. ὅπου] Sub. ἐστί. Cf. Ant. 318. τί δὲ ζυθμίσεις τὴν ἐμὴν λύπην ὅπου; O. C. 1217. τὰ τέροντα δ' οὐκ ἂν ἴδοις ὅπου. Aj. 33. 103. ἢ τοῦπίριπτον κίναδος ἐξήρου μ' ὅπου; 890. ἀμενηνὸν ἄνδρα μὴ λεύσειεν ὅπου. Eur. Hipp. 585. ἀγὰν μὲν κλύω, σαφῶς δ' οὐκ ἔχω γεγώνειν ὅπα. Similiter Aj. 118. δρᾶς, Ὀδυσσεῦ, τὴν θεῶν ἰσχὺν δοῖ. Menand. 533, 5. ἀριθμοῦσάν τε τοὺς πάππους ὄσοι. Arist. Pl. 974. οὐκουν ἐρεῖς ἀνύσασα τὸν κλισμὸν τίνα;

929. ἠδὺς] Pleasant, in good humour. Cf. 82.

930. παντελὴς δάμαρ] Sic παμμήτωρ Ant. 1282. Cf. Ant. 1163. παντελῆ μοναρχίαν. 1016. ἐσχάροι τε παντελεῖς (i. e. πᾶσαι). O. R. 669. παντελῶς (entirely, utterly). Fr. 572. Hesych. τελεσφόρος οἶκος: τοῦ γεγαμηκότος καὶ τεκνώσαντος. V. Blomf. Gl. Cho. 651.

931. αὐτως] Cf. Ant. 715. αὐτως δὲ καὶ ὄστις ἐγκρατὴς κτλ. 85.

935. Cf. Soph. O. C. 893. τὰ ποῖα ταῦτα; Arist. Nub. 1270. τὰ ποῖα ταῦτα χρήμαθ';

936. Cf. ad Phil. 1314. Aesch. Ag. 1394. ὡς ᾧδ' ἐχόντων — χαιροῖτ' ἂν, εἰ χαιροῖτ', ἐγὼ δ' ἐπεύχομαι. 1049. πείθοι' ἂν, εἰ πείθοι' ἀπειθοῖς δ' ἴσως. Cho. 103. λέγοις ἂν, εἰ τι τῶνδ' ἔχοις ὑπέττερον. Eum. 398. μάθοιμ' ἂν, εἰ λέγοι τις ἐμφανῆ λόγον. Suppl. 903. κλάοις ἂν, εἰ ψαύσειας.

937. Cf. O. C. 927. οὐκουν ἔγωγ' ἂν — οὐθ' εἶλλον οὔτ' ἂν ἦγον, ἀλλ' ἠπιστάμην (sc. ἂν) κτλ. Plat. Lys. 208. κἂν — ἐφῆν ἂν. πόθεν, ἢ δ' ὅς, ἐφῆν; Eur. Hel. 766. τί σοι λέγοιμ' ἂν τὰς ἐν Αἰγαίῳ φθοράς —; οὐ γὰρ ἐμπλήσαιμι (ἂν πλήσαιμι?) σε | μύθοφ. Xen. Cyr. V. 1. 20. εὖ ἴσθι ὅτι τοῦτο αἰσχυνομένην ἂν εἰπεῖν νομίζοιμ γὰρ (γὰρ ἂν?) ἐμαντὸν εἰκέναι λέγοντι κτλ. Anab. IV. 6. 13. μένοιεν γὰρ (γὰρ ἂν?) αὐτοῦ μᾶλλον ἀθρόοι οἱ πολέμιοι. Plat. Parm. 138. καὶ μὴν τοσοῦτον γε ὂν οὐδαμοῦ ἂν εἴη· οὔτε γὰρ ἐν ἄλλῳ οὔτε ἐν ἑαυτῷ εἴη (ἂν εἴη?). 145. καὶ ἀρχὴν δὴ — ἔχοι ἂν τὸ ἐν; — ἔχοι. 147. ἤδη ἂν ἐκφεύγοι τὰ μὴ ἕτερα εἶναι ἀλλήλων; — ἐκφεύγοι.

πῶς δ' οὐκ ἂν;] Cf. El. 1307. ἀλλ' οἶσθα μὲν τὰνθένδε, πῶς γὰρ οὐ; κλύων. Aesch. Pr. 739. ἀσχάλλοις δ' ἴσως] Cf. Aesch. Prom. 764. γαμῆ γάμον τοιοῦτον ᾧ ποτ' ἀσχαλεῖ. 161. ξυνασχαλῆ (leg. ξυνασχαλεῖ) κακοῖς. 303. ξυνασχαλῶν (fut.) κακοῖς. Eur. Or. 785. θάνατον ἀσχάλλων (ἀσχάλλων al.) πατρῶον. Herod. III. 152. ὁ Δαρεῖος ἠσχαλλε (al. ἠσχαλε). IX. 117. ἠσχαλλον — οὐ δυνάμενοι

ἐξελεῖν τὸ τεῖχος. IX. 177. ἤσχαλλον οἱ Ἀθηναῖοι. Forma ἀσχαλᾶν legitur Prom. 243. δοτις σοῖσιν οὐ ξυνασχαλᾶ | μόχθοις. Eur. Iph. A. 920. ἐπίσταται. ἰδὲ ((θυμὸς)) τοῖς κακοῖσι τ' ἀσχαλᾶν, κτλ. Hom. Il. 2, 297. ἀσχαλάαν. Archiloch. Fr. 60, 6. κακοῖσιν ἀσχάλα | μὴ λίην.

939. τύραννον αὐτὸν — στήσουσιν] Cf. Ant. 666.

941. Cf. Arist. Ran. 73. τί δ'; οὐκ Ἰοφῶν ζῆ; Pac. 700. ἐγκρατῆς ἐτι] Sc. τῆς Ἰσθμίας. Anglice yet in power, yet ruler. Cf. O. C. 1022. Ph. 75. Xen. Hell. III. 1. 14. ἐγκρατῆς γίνεσθαι τῆς Αἰολίδος. V. 1. 25. δοσης ἐγκρατῆς ἦν Τηρέβατος. VII. 1. 32. ἐγκρατεῖς — τοῦ Σικνώνος. Herod. VIII. 49.

942. ἐν τάφοις] Cf. El. 443. σὺν τάφοις — νέκυσ.

943. Cf. O. C. 1583. ὄλωλε γὰρ δύστηνος; AI. ὡς λειποπία | κείνον τὸν ἀελ (αὐτοῦ?) βίοντον ἐξεπίστασο. ὦ γέρον] Cf. 1001. γέρον. 990. γεραῖε. 1009. 1011. 1013. 1111.

944. ἀξιῶ θανεῖν] I hold myself deserving to die. Cf. Tr. 410. ποῖαν ἀξίους δοῦναι δίκην, | ἦν εὐρεθῆς — ἐς τήνδε μὴ δίκαιος ὢν; Arist. Ran. 1012. 944. Eq. 182. Thuc. VII. 15.

945. ὡς τάχος] Cf. 1154. O. C. 1398. Aj. 578. 593. Phil. 924. Fr. 235.

946. Cf. Aesch. Cho. 887. ποῦ δὴ τὰ λοιπὰ (σεμνὰ αὐτ λαμπρὰ?) Δοξίον μαυτεύματα | τὰ πυθόχρηστα πιστά τ' εὐορκώματα; Adesp. 372. ποῦ γὰρ τὰ σεμνὰ κείνα —;

947. ἦν ἐστέ] Cf. 953. σκόπει — τὰ σέμν' ἦν ἦκει τοῦ θεοῦ μαυτεύματα. 1311. ὦ δαῖμον, ἦν ἦλω. 413. οὐ βλέπεις ἦν εἰ κακοῦ. 367. οὐδ' ὄραν ἦν εἰ κακοῦ (σε φημί). 687. ὄρῃς ἦν ἦκεις; O. C. 937. Eur. Hel. 401. Αἴγυπτος; ὦ δύστηνος, οἱ πέπλευκ' ἄρα.

949. Cf. Ph. 334. τέθνηκεν ἀνδρὸς οὐδενὸς θεοῦ δ' ἔπο | τοξευτός. Tr. 1160. πρὸς τῶν πνεόντων (τῶν ἐμπνεόντων?) μηδενὸς θανεῖν ἔπο. Ant. 51. Ph. 66.

950. ὦ φιλιπτον — κάρα] Cf. Eur. Hec. 670. τὸ βακχεῖον κάρα — Κασάνδρας. Virg. Aen. IV. 490. 'Testor, cara, deos et te, germana, tuumque | dulce caput.' Hor. Od. I. 24. 'tam cari capitis.'

951. τί μ' ἐξεπέμψω —;] Cf. O. C. 602. πῶς δῆτά σ' ἄν πεμψαῖθ' —;

953. τὰ σέμν' ἦν ἦκει —] Cf. 946. Aesch. Cho. 900. ποῦ δὴ τὰ λοιπὰ (l. σεμνὰ) Δοξίον μαυτεύματα —; Trag. adesp. 372. ποῦ γὰρ τὰ σεμνὰ κείνα; ποῦ δὲ Λυδίας | μέγας δυνάστης Κροῖσος; Aj. 1107. τὰ σέμν' ἔπη. ἦν ἦκει] I. e. quam mendacia se ostenderint. Cf. O. C. 937. ὄρῃς ἦν ἦκεις;

955. Cf. El. 881. οὐχ ἔβρει | λέγω τάδ', ἀλλ' ἐκείνον ὡς παρόντα νῶν. 1341. ἠγγεῖλας, ὡς ἔθικέ, μ' ὡς τεθνηκότα. 882. Ph. 253. ὡς μηδὲν εἰδότε ἴσθι μ' ὢν ἀνιστορεῖς. Tr. 289. φρόνει νιν ὡς ἤξοντα. O. C. 1583. ὡς λειποπία | κείνον — ἐξεπίστασο.

957. *σημήνας γενού*] Cf. 1146. Aj. 588. *μὴ προδοὺς ἡμᾶς γένη*. Ph. 773. *μὴ σαυτὸν — κτείνας γένη*. Plat. Soph. 217. *μὴ — ἀπαρηθεις γένη*. www.greekol.com.cn

958. Cf. Aj. 719. *ἄνδρες φίλοι, τὸ πρῶτον (lege πρῶτον τόδ') ἀγγεῖλαι θέλω*. Tr. 749. *εἰ χρὴ μαθεῖν σε, πάντα δὴ φωνεῖν χρεῶν*.

959. *εὖ ἴσθ'*] Hiatus qualis est in ὦ οὗτος O. C. 1627. Aj. 986. *θανάσιμον βεβηκότα*] Cf. 823. Aj. 517. *Ἄιδον θανασίμους οἰκήτορας*. El. 1152. *φροῦδος — εἰ θανῶν*. Phil. 425. 819. Eur. Hec. 1032. *ἢ σ' ἐπήγαγε θανάσιμον πρὸς Ἄιδαν*. 414. *οἴχεται θανῶν*.

960. *νόσου ξυναλλαγῆ*] By having to do with (being involved in) disease. Cf. 34. *ἐν τε δαιμόνων ξυναλλαγῆς*.

961. *σμικρὰ — ῥοπή*] Cf. O. C. 1508. *ῥοπή βίου μοι*. Fr. 499, 4. *λεπταῖς ἐπὶ ῥοπήσιν (λεπτῆς ἐπὶ ῥοπῆς γὰρ?) ἐμπολὰς μακρὰς | (ἀεὶ) παραρρότιοντες*. Tr. 82. O. C. 1508. *Trag. adesp. 102, 2. ἢ γὰρ τύχη βραχεῖαν ἦν λάβη ῥοπήν, κτλ.* Eur. Hipp. 1158. *δέδορκε μέντοι φῶς ἐπὶ σμικρᾷς ῥοπῆς*. Thuc. V. 103. *ἐπὶ ῥοπῆς μᾶς (σμικρᾷς recte Herw.) ὄντες*. Monost. 712. *στρέφει δὲ πάντα τῶν βίῳ μικρὰ τύχη (ῥοπή feliciter F. W. Schmidt)*. Plat. Resp. VIII. p. 556. *οὐκοῦν ὥσπερ σῶμα νοσῶδες μικρᾷς ῥοπῆς ἔξωθεν δεῖται προσλαβέσθαι πρὸς τὸ κάμνειν, κτλ.* Plut. Artax. 30. *ἦν μὲν οὖν ἐπὶ ῥοπῆς μικρᾷς ὁ Ἄρτοξέροξης διὰ τὸ γῆρας ἤδη τότε, προσπεσόντος δ' αὐτῷ τοῦ περὶ τὸν Ἀρσάμην πάθους — ὑπὸ λύπης καὶ δυσθυμίας ἀπεσβέσθη*. Plut. Mar. 45. *ῥοπῆς βραχείας ἐπιγερομένης. σῶματ' ἐνθάξει*] I. e. consopit. Anglice, consigno to rest. Cf. Tr. 1042. *ὦ γλυκὺς Ἄιδας, εὐνασὸν μ' εὐνασον ὠκυπέτα μόρφον τὸν μέλεον φθίσας*. Eur. Suppl. 766. *κἄστρωσέ γ' εὐνάς κἀκάλυψε σῶματα*. Apoll. Rhod. II. 858. *ἀλλά νῦν καὶ τὸν | αὐθι μινυρθαδίη πάτρης ἕκασ εὐνασε νοῦσος*.

963. *τῷ μακροῦ — συμμετρούμενος χρόνῳ*] Cf. 73. Eur. Ion. 547. *τῷ χρόνῳ γε συντρέχει*. Orest. 1215. *χρόνον τὸ μῆκος αὐτὸ συντρέχει*. Aesch. Prom. 223. *οὐκ ἠξίωσαν οὐδὲ προσβλέπειν τὸ πᾶν*. Fr. 362, 2. Thuc. VII. 15.

964. *φεῦ φεῦ, τί δῆτ' ἄν —*] Cf. Ph. 428. *φεῦ φεῦ, τί δῆτα δεῖ σκοπεῖν ὄθ' οἶδε μὲν | τεθναῖο' —*;

965. Cf. Eur. Hipp. 1058. *τοὺς δ' ὑπὲρ κᾶρα | φοιτῶντας ὄρνις πόλλ' ἐγὼ χαιρεῖν λέγω*. Hel. 747. *οὐδ' ἦν ὑγῆς οὐδὲν ἐμπύρου φλογὸς | οὐδὲ πτερωτῶν φθέγματ'*. 753. *τί δῆτα μαντενόμεθα; τοῖς θεοῖσι χρῆ | θύοντας αἰτεῖν ἀγαθὰ, μαντείας δ' ἔαν*.

τὴν πνθόμαντιν ἐστίαν] Cf. Aesch. Cho. 1030. *τὸν πνθόμαντιν Δοξίαν*. O. C. 413. *Δελφικῆς ἀφ' ἐστίας*. Confer *πνθόκραντος* Aesch. Ag. 1255.

966. *κλάζοντα*] Cf. Ant. 112. 1002. Hom. Il. 16, 428. *οἱ δ' ὄσθ' αἰγυπιοὶ — κλάζοντε μάχονται*. 10, 276. 17, 756. Hesiod. Op. 447. Mosch. IV. 23. *ἢ δὲ κατ' αὐτοὺς | πωτᾶται κλάζουσα*

μάλα λιγὸν πότνια μήτηρ. Aelian. H. A. I. 48. οἱ συνιέντες δρονίων και ἔδρας και κλαγγάς. δρονις] Cf. Arist. Av. 717. Dem. p. 417. Menand. Athen. 373 C. D. Non raro scribitur δρονις. ὄν ἕφηγητῶν] Sub. ὄτων. Cf. 1260. ὡς ἕφηγητοῦ τινος.

967. Concursus tot syllabarum brevium in hoc versu notandus est. Cf. Eur. Or. 283. οἶμαι δὲ πατέρα τὸν ἔμδον —.

968. ὁ δὲ θανὼν κεύθει κάτω] Cf. Ant. 911. μητρός δ' ἐν Ἄιδου και πατρός κεκενθότοι. Aj. 634. κρείσσων Ἄιδα κεύθων. El. 969. πατρός κάτω | θανόντος (leg. κεύθοντος). Aesch. Sept. 585. μάντις κεκενθῶς πολεμίας ὑπὸ χθονός. Eur. Phoen. 956.

969. ἄφαντος ἔγχους] Cf. O. C. 1521. ἄδικτος ἡγητῆρος. Eur. Ph. 80. πρὶν ψαῦσαι δορός. ἄφαντος] Activo sensu. Sic πάμφλεκτος El. 1139. ἀνωφέλτος El. 1144. ἄκλαντος El. 912. ἀπώμοτος Ant. 394. ἀφόβητος O. R. 885. φιλοκίσιτος Aj. 580. πολύπλαγκτος Ant. 615. πιστός O. C. 1031. μεμπτός Tr. 447. ἀμφίπλακτος Ph. 688. ἄγευτος Ant. 582. καλυπτός 1011. ἄδικτος O. C. 1521. ἀδεκτος O. C. 1200. λωβητός Phil. 607. ἀνωφέλτος Ant. 645. κροτητός El. 714. χαλκόπλακτος El. 484. ἀνέλπιος El. 186. χαλκόπλακτος El. 484. ἄκλεπτος Fr. 628. πανάλωτος Aesch. Ag. 352. κάτοπιος 298. πυργοδάικτος Pers. 108. πλαγκτός Pers. 282. αλακτός Pers. 928. 1069. νυκτιφροῦρητος Pr. 886. ὑπέρβατος Ag. 417. δορύπαλος Ag. 115. πάμφθατος Cho. 290. ξιφοδήλητος Ag. 1506. Cho. 727. ἀνδροδάικτος 847. γαρθηκοπλήρωτος Aesch. Pr. 109. ἄκλαντος Aesch. Sept. 696. πανάλωτος Ag. 363. ἀγέλατος Ag. 768. ὑποπιος Eur. Hec. 1117. ἀπιστος (disobedient) Iph. T. 1476. ἀφρόντιστος (thoughtless) Med. 919. πολύκλαντος Herc. 1427. πλωτός (floating) Herod. II. 156. ἀπιστος Thuc. I. 68. ἀνέλπιος III. 30. πιστός III. 30. πολύκλαντος Mosch. III. 74. βληχητός Eur. Pol. II. 477. ἄσαντος (οὐ σαίνων) Hesych. Sic etiam ἀνόητος, ἀνάλητος, δυσάλητος, etc. Cf. Porson. ad Hec. 1125. Phoen. 218. τῶμῳ πόθῳ] Cf. O. C. 419. τοῦμοῦ πόθου. 969. τῶμῳ πόθῳ. 332. σῆ προμηθία. 1412. σοῖς πόθοις. Aesch. Prom. 396. θρηῆνος οὔμος. Pers. 698. τὴν ἐμὴν αἰδῶ. Cho. 294. πένθος πατρός. Eur. Andr. 62. οἴκτω — τῷ σῳ. 660. προνοία τῆ σῳ. Hipp. 962. δυσμενεία σῳ. Arist. Pac. 584. σῳ γὰρ ἐδάμην πόθῳ.

970. κατέφθιτο] Cf. Phil. 346. Fr. 761. θανὼν εἶη] I. q. θάνοι. Cf. 1146. οὐ σιωπήσας ἔσει; O. C. 816. λυπηθεῖς ἔσει.

971. συλλαβῶν] Secum auferens. Cf. O. C. 1383. σὺ δ' ἔρρε — τάσδε συλλαβῶν ἀράς.

975. ἐς θυμὸν βάλης] Cf. Herod. I. 84. ἐφράσθη και ἐς θυμὸν ἐβάλετο. VII. 51. ἐς θυμὸν ὦν βαλεῦ και τὸ παλαιὸν ἔπος, etc. VIII. 68. Hesiod. Op. 27. σὺ δὲ ταῦτα τεῶ ἐνικάτθεο θυμῳ. Hom. Od. I, 201. ὡς ἐνὶ θυμῳ | ἀθάνατοι βάλλουσι. El. 1347. οἴχι ξυ-

νίης; — οὐδέ γ' ἐς θυμὸν φέρω. Cf. Aesch. Prom. 705. τοὺς ἐμὸν λόγους θυμῷ βάλ'. Luc. Evngg. 21, 13. θέσθε οὖν εἰς τὰς καρδίας ὑμῶν μὴ προμελετᾶν ἀπολογηθῆναι.

977. Cf. Aesch. Prom. 993. τί δ' ἂν φοβοίμην, ᾧ θανεῖν οὐ μόρσιμον; δ] Redde Anglice, in the opinion of whom. τὰ τῆς τύχης] Cf. Eur. Iph. A. 1404. τὰ τῆς τύχης δὲ καὶ τὰ τῆς θεοῦ νοσεῖ. Phoen. 1202. καλῶς τὰ τῶν θεῶν καὶ τὰ τῆς τύχης ἔχει. Hec. 489. τύχην δὲ πάντα τὰν βροτοῖς ἐπισκοπεῖν (λέξω); Hel. 1421. τὰ τῶν θανόντων. Herc. 505. τὰ τοῦ βίον. Monost. 489. τὰ θνητὰ (θνητῶν?) — μεταβολὰς πολλὰς ἔχει. Chaeremon. 2. τύχη τὰ θνητῶν πράγματ', οὐκ εὐβουλία. Nicostr. 19, 4. τύχη τὰ θνητῶν πράγμαθ', ἡ πρόνοια δὲ | τυφλὸν τι —. Cic. Tusc. V. 9. 'Vitam regit fortuna, non sapientia.' Thuc. IV. 55. 3. τὰ τῆς τύχης. Dem. p. 43. εἰ — τὰ τῆς τύχης ἡμῖν ὑπάρξει. 53. τὸ τῆς τύχης. 1448. τὰ μὲν γὰρ τῆς τύχης δεξιὰς ἔχει τὸς μεταβολὰς. Dem. Phil. 1, 5. τὰ τῆς τύχης. Theophr. Char. 8. ἐνθυμῆ τὰ τῆς τύχης; Herod. I. 32. VII. 49. Diagoras Fr. ap. Philodem. π. εὖσ. p. 85 G. κατὰ δαίμονα καὶ τύχαν τὰ πάντα βροτοῖσι.

978. πρόνοια δ' ἐστὶν οὐδενὸς σαφῆς] Cf. Thuc. IV. 62. τὸ ἀσιτάθμητον τοῦ μέλλοντος ὡς ἐπὶ πλείστον κρατεῖ.

979. εἰκῆ κράτιστον ζῆν —] Cf. Eur. El. 379. κράτιστον εἰκῆ ταυτ' εἶν ἀφειμένα. Aesch. Prom. 450. ἔφυρον εἰκῆ πάντα. δπως δύναιτό τις] Cf. Ant. 666. ἀλλ', ὃν πόλις στήσσει, τοῦδε χρῆ κλύειν. Eur. Phoen. 1029. λαβῶν ἕκαστος δ τι δύναιτό τις. Arist. Vesp. 1431. ἔρδοι τις ἦν ἕκαστος εἰδείη τέχνην. Eupol. II. 466. νυνὶ δ' ἄποι τύχοιμεν | στρατευόμεσθ'.

980. Cf. Tr. 1211. ἀλλ', εἰ φοβεῖ πρὸς τοῦτο, τᾶλλα γ' ἔργασαι. O. C. 1119. μὴ θαύμαζε πρὸς τὸ λιπαρές. Valck. ad Phoen. 157. 624. νυμφεύματα] Cf. γαμήλευμα (connubium) Aesch. Cho. 614.

981. Confer somnia Hippiae apud Herod. VI. 107. et Julii Caesaris apud Sueton. c. 7.

982. μητρῷ] Quanquam pluralis πολλοὶ praecessit. Herwerden confert Hom. Od. 2, 276. παῦροι γὰρ τοὶ παῖδες ὁμοῖοι πατρὶ πέλονται. Cf. Ant. 466. ταῦθ' ὄτω παρ' οὐδέν ἐστι] Cf. Ant. 34. τὸ πρᾶγμ' ἄγειν | οὐχ ὡς παρ' οὐδέν. ad El. 1327. Eur. Or. 562. παρ' οὐδέν (a small matter) αὐταῖς ἦν ἂν ἀλλύναι πόσει.

983. ἄστα τὸν βίον φέρει] Cf. 320. ἄστα — διοίσω τοῦμόν. El. 1327. Eur. Hel. 254. συμφέρον δέ σοι (τοι?) | ὡς ἄστα τὰ γαγκαῖα τοῦ βίου φέρειν.

985. νῦν δ'] But now (as it is). Cf. 1512. O. C. 273. 1367. El. 1334.

986. πᾶσ' ἀνάγκη] Cf. El. 1497. Aesch. Suppl. 440. πᾶσ' ἔστ' ἀνάγκη.

987. καὶ μὴν — γε] Cf. 290. 345. 1004. 1066. Ant. 221.

οἱ πατρός τάφοι] Cf. O. C. 411. σοῖς — τάφοις. Sensus est, "Magni momenti est quod pater (mortuus et) sepultus est."

988. τῆς ζωῆς φόβος] I. e. ὑπὲρ τῆς ζωῆς. Plat. Resp. III. 387 C. ἡμεῖς δὲ ὑπὲρ τῶν φυλάκων φοβούμεθα. Phaed. 78 B. ὑπὲρ τοῦ ποῖον τινὸς δεδιέναι. 88 B. δεδιέναι ὑπὲρ τῆς αὐτοῦ ψυχῆς. Cf. Eur. Andr. 963. αἰχμαλωτίδος φόβῳ | γυναικός. 1060.

989. Cf. 1129. ποῖον ἄνδρα καὶ λέγεις; Eur. Hec. 515. πῶς καὶ νιν ἐξεπράξατ'; Arist. Nub. 840. τί δ' ἂν παρ' ἐκείνων καὶ μάθου χρηστόν τις ἂν; ἐκφοβεῖσθ'] Cf. O. C. 269. El. 276. 1426.

991. ἐς φόβον φέρει] Cf. 517. Eur. Iph. 480. τροφαὶ δ' — μέγα φέρουσι εἰς ἀρετῆν. Herod. VI. 42. οὐδὲν ἐπὶ πλέον ἐγένετο τούτων ἐς νεῖκος φέρον Ἴωσι.

993. Cf. 1289. αὐδῶν ἀνόσι' οὐδὲ ζητά μοι. O. C. 1641. μηδ' ἃ μὴ θέμις λεύσειεν δικαιοῦν. El. 126. 432. 494. 565. Ant. 880. 1259. etc. Aesch. Prom. 766. οὐ γὰρ δητὸν (θεμιτὸν Br.) αὐδαῖσθαι τάδε. Sept. 96. 184. Cho. 1005. Heliod. 4, 19. εἶδον ὀφθαλμοῖς ἃ μὴ θέμις.

996. πατρῶον — αἷμα — ἐλεῖν] To take the life of my father. Cf. El. 207. αἶ τὸν ἐμὸν εἶλον βίον. 1419. παλλόροντον γὰρ αἷμ' ὑπεξαιροῦσι τῶν κτανόντων οἱ θανόντες. Fr. 153. ἀνδρὸς αἷμα συγγενές | κτείνας (χέας aut ἐλών?). Eur. Or. 514. εἰς ὀμμάτων μὲν ὄνιν οὐκ εἶον περᾶν | οὐδ' εἰς ἀπάντημ' ὄσις αἷμ' ἔχων κυροῖ (l. ἐλών κυροῖ?). Sic αἷμα λαβεῖν Eur. Or. 944—945. Similiter nos dicimus 'to take a person's life.'

997. ἡ Κόρινθος — ἀπωκεῖτ'] Similiter fere Phil. 454. τὸ λοιπὸν ἤδη τηλόθεν τό τ' Ἴλιον | καὶ τοὺς Ἀτρεΐδας εἰσορῶν φυλάσσομαι. etiam O. R. 794. 1272.

998. ἐξ ἐμοῦ — μακρὰν ἀπωκεῖτ'] Lit. was dwelt in by me far off. Cf. Arist. Av. 1184. κἄστ' οὐ μακρὰν ἀπωθεν. Ran. 434. Eur. Phoen. 920. οὐ μακρὰν ἀπεσι. Cycl. 12. Iph. A. 664. Graeci μακρὰν ἀπώκων γῆν dicebant, ideoque etiam μακρὰν ἀπωκεῖτο γῆ ἐμοί. Locus αποικεῖσθαι dici potest ut persona aliqua πιστεύεσθαι ἐγγύην, et similia. "Passive de Corintho dixit quod active de se ipso dicere poterat, ἐγὼ ἀπώκων μακρὰν τῆς Κορίνθου." (Dind.) Cf. 1093. χορευέσθαι πρὸς ἡμῶν. Eur. Fr. 255. δοκεῖς τὰ τῶν θεῶν ξυνετὰ νικήσειν ποτὲ | καὶ τὴν Δίκην μακρὰν ἀπωκίσθαι βροτῶν; Eur. Hec. 2. ἴν' Ἀιδῆς χωρὶς ὄκισται θεῶν. Artemidor. I. 53. τῆς πόλεως ἀπώκισται (ὁ βυροσδέψης). Transitive sensu αποικίζειν in alienum locum transportare significat, ut in Tr. 955. O. C. 1390. Hom. Od. 12, 135. Confer ἀποικος (extorris) infra 1518. Similiter fere Eur. Hec. 876. καὶ Λήμνον ἀρσένων ἐξώκισαν (pro Λήμνον ἀρσενας).

999. ὄμματ'] I. e. Faciem. I. q. ὄνιν, κἄρα (El. 1310. O. C. 285.), πρόσωπον.

1000. ἀπόπολις] Cf. O. C. 207. Tr. 647. Aesch. Ag. 1384. ἀπόπολις δ' ἔσει.

1002. τί — ἐξελευσάμην;] Cf. Ant. 1308. τί μ' οὐκ ἀνταίαν ἔπαισέν τις —; Eur. Her. 805. τί τήνδε γαίαν οὐκ εἰόσαμεν; Arist. Lys. 181. τί δῆτα ταῦτ' οὐχ ὡς τάχιστα — ξυνομόσομεν —; Plat. Charm. p. 154 E. τί — οὐκ ἀπελύσομεν — τοῦτο; Men. p. 92. τί δὲ αὐτῷ οὐδὲν ἔφρασας; Polit. p. 279. τί δῆτα οὐ — τοῦτο ἐδράσαμεν —; ἐγὼ οὐχι] Eadem crasis est O. C. 998. Ant. 458. El. 1281.

1003 sq. Aristoteles (de Poet. c. XI.) ad hunc locum respicit, ἔστι δὲ περιπέτεια μὲν ἢ εἰς τοῦναντίον τῶν πραττομένων μεταβολή, καθάπερ εἴρηται· καὶ τοῦτο δὲ, ὡςπερ λέγομεν, κατὰ τὸ εἰκὸς ἢ ἀναγκαῖον, ὡςπερ ἐν τῷ Οἰδίποδι ἐλθὼν ὡς εὐφρανῶν τὸν Οἰδίπου καὶ ἀπαλλάξων τοῦ πρὸς τὴν μητέρα φόβου, δηλώσας δς ἦν τοῦναντίον ἐποίησεν. ibid. § 3. καλλίστη δὲ ἀναγνώρισις διὰν ἅμα περιπέτεια γέγονται, οἷον ἔχει ἢ ἐν τῷ Οἰδίποδι.

1003. ἐξελευσάμην] Media vox ut in Ant. 1112. ἐκλύσομαι. Tr. 21. ἐκλύεται με. Aj. 531. ἐξελευσάμην. Sed activa est O. R. 35. Tr. 654. Aj. 1225. Cf. Tr. 181. πρῶτος ἀγγέλων | ὄκνον σε λύσω. Eur. Or. 1234. κάπελυσ' ὄκνου (σε).

1004. χάριν — ἀξίαν] Cf. Eur. Alc. 311. αἰτήσομαι γὰρ σ' ἀξίαν μὲν οὐποτε (χάριν).

1005. τοῦτ'] Hanc ob causam. Cf. ad 788. Aesch. Pers. 159. ταῦτα δῆ. O. C. 1291. δ δ' ἦλθον ἦδη σοι θέλω λέξαι, πάτερ. Tr. 190. Ph. 552. Arist. Pl. 966. ἀλλ' ὅ τι μάλιστα' ἐλλήνδας λέγειν σ' ἐχρήν. Eur. Ion. 346. ταῦτα καὶ μαντεύσομαι. Hec. 971. τί χρῆμ' ἐπέμψω τὸν ἐμὸν ἐκ δόμων πόδα; Phoen. 263. Confer etiam locutionem ellipticam ταῦτ' ἄρα.

1006. εὖ πράξαιμι τι] I. q. χρηστόν τι πράξαιμι. Arist. Pl. 341. χρηστόν τι πράττων. O. C. 391. τίς δ' ἂν τι τοῦδ' ὑπ' ἀνδρὸς εὖ πράξειεν ἄν; Tr. 191. Eur. Tro. 679. πράξειν τι κεδνόν.

1008. ὦ παῖ] Cf. ad Ant. 770. καλῶς εἶ δῆλος] Cf. ad El. 1017. καλῶς — ἦδη κτλ. Phil. 1011. δῆλος δὲ καὶ νῦν ἔστιν ἀλγεινῶς φέρων. Arist. Lys. 919. ἦ τοι γυνὴ φιλεῖ με, δῆλη 'στὶν καλῶς. 510. ἀλλ' ἦσανόμεσθα καλῶς ὑμῶν. Av. 1407. καταγελαῖς μου, δῆλος εἶ. Cratin. jun. 4, 1. τὸν καλῶς (probe, penitus) εὐδαίμονα. Eur. Cycl. 631. διάπυρος δ' ἔστιν καλῶς. S. Marc. Ev. VII. 9. καλῶς ἀθετεῖτε τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ. Theocr. III. 3. τὸ καλὸν (schol. ἀντὶ τοῦ λίαν) πεφιλαμένε. Diod. Sic. XIII. 9. ὅσα μὴ καλῶς ὑπὸ τοῦ πυρὸς ἐδόκει διεφθάρθαι. XVIII. 9. μήπω καλῶς ἐγνωσμέτης τῆς Ἀλεξάνδρου τελευτῆς. Charit. p. 136, 22. πρὶν καλῶς τὴν ναῦν καταχθῆναι. οὐκ εἰδῶς τί δοῦς] Cf. Phil. 238. ὅπως εἰδῶ τίς εἶ.

1010. πῶς γὰρ οὐχι;] Cf. O. R. 928. El. 865. 1307. 1448.

Aesch. Cho. 752. Eur. Bacch. 612. φεύγεις — μολεῖν] Cf. ad Ant. 263. Eur. Herc. 1074. τὸ φάος ἐκλιπεῖν ἐπὶ κακοῖσιν οὐ φεύγω.

1011. ἐξέλεθη σαφῆς] Turn out true. Cf. 88. 1182. τὰ πάντ' ἄν ἐξήκοι σαφῆ.

1012. ἢ μὴ — λάβης;] Cf. El. 1503. ἢ μὴ φύγω σε;

1013. τοῦτ' αὐτὸ — τοῦτό μ' — φοβεῖ] Cf. Tr. 408. τοῦτ' αὐτ' ἔρηρξον τοῦτό σου μαθεῖν. Arist. Nub. 26. 1052.

1014. οἶσθα — τρέμων;] Cf. Ph. 946. κοῦκ οἶδ' ἐναίρων νεκρόν. πρὸς δίκης] Cf. El. 1211. πρὸς δίκης γὰρ οὐ στένεις. O. C. 546. ἔχει δέ μοι — πρὸς δίκας τι. Aesch. Cho. 686. πρὸς δυσοσβετίας δ' ἦν ἐμοί.

1015. γεννητῶν] Cf. Fr. 1017, 2. γεννητὴν θεῶν (Ἥλιον).

1016. σοι — ἐν γένει] Tibi cognatus. Cf. 1430. τοῖς ἐν γένει. O. C. 1167. δρα κατ' Ἄργος εἴ τις ὑμῖν ἐγγενης (ἐν γένει?) | ἔσθ'. Eur. Alc. 904. ἐμοί τις ἦν ἐν γένει, ὃ κτλ. Aesch. Cho. 287. ἐκ προστροπαίων ἐν γένει πεπτωκότων. Eum. 606. ἐγὼ δὲ μητρὸς τῆς ἐμῆς ἐν αἵματι (consanguineus). Τὰ ἐγγενηῆ et τὰ ἔξω γένους sibi opponuntur Ant. 660.

1019. ἐξ ἴσου τῶ μηδενί] Cf. 1187. ἴσα καὶ τὸ μηδέν. Ant. 516. ἐξ ἴσον τῷ δυσοσβετί. 644. ἐξ ἴσον πατρὶ. Tr. 322. O. C. 918. καὶ μ' ἴσον τῷ μηδενί. Aj. 1275. ἤδη τὸ μηδέν ὄντας. Ant. 1325. τὸν οὐκ ὄντα μᾶλλον ἢ μηδένα. Aj. 1114. τοὺς μηδένας. τῷ μηδενί] Cf. Ant. 1325. Sed Aj. 1231. τοῦ μηδέν. 767. 1094. El. 1166. Eur. Phoen. 607. τὸν οὐδὲν (μηδέν?) εἰς μάχην. Masculinum hic est, ni fallor, τῷ μηδενί.

1021. ἀντὶ τοῦ] Quare? Cf. 1155. Tr. 339. Sed Hom. Od. 8, 550. εἶπ' ὄνομ' ὅτι σε κείδι κάλεον μήτηρ τε πατήρ τε. ὀνομάζετο] Sic pater ὄνομα παιδί θέσθαι (non θεῖναι) dicebatur.

1022. ἐξέπεισ'] Induced. Cf. Tr. 1141. Phil. 900. οὐ δὴ σε δυσχέρεια τοῦ νοσήματος | ἐπεισεν. Eur. Ph. 437.

1023. ἀπ' ἄλλης χειρὸς] Sc. λαβίων. ὦδ' —] Connecte ὦδε μέγα (sic valde). Cf. O. C. 1005. καὶ θ' ὦδ' ἐπαινῶν πολλὰ κτλ.

1024. δῶρον] Cf. Eur. Ion. 537. σὸν (σοῦ?) γεγῶτ' (sc. παῖδα) ἢ δῶρον ἄλλων;

1025. ἐμπολήσας] Having sold. Cf. Tr. 250. ἐμποληθεῖς. Arist. Pac. 367. τυχῶν] Cf. 1039.

1026. ἐν Κιθαιρώνας πτυχαῖς] I. e. in convallibus. Proprie πτυχή valet plica. Cf. Od. 19, 433. ταχὺ δ' ἴκανον πτύχας ἠνεμοέσας (Παρηησοῦ). Pind. P. VI. 18. Κρῖσαιαῖον ἐν πτυχαῖς. IX. 15. Πίνδου κλεινναῖς ἐν πτυχαῖς. N. II. 21. ἐν Πέλοπος πτυχαῖς. Eur. Bacch. 62. εἰς Κιθαιρώνας πτυχὰς ἔλθῶν. 796. 1217. ἐν Κιθαιρώνας πτυχαῖς. 943. τὰς Κιθαιρώνας πτυχὰς. Iph. T. 9. κλειναῖς (κοίλαις Cobet.) ἐν πτυχαῖσιν Ἀυλίδος. Herc. 240. Παρηησοῦ πτυχὰς. Andr. 1278. Πηλίου πτυχὰς. Similiter a pastoribus in

monte Cithaerone nutriti et educati sunt Zethus et Amphion Antiope filii.

1028. ποιμνίους ἐπιστάτων] Cf. Aj. 27. ποιμνίων ἐπιστάταις. El. 702. ἀρμάτων ἐπιστάται. Eur. Fr. 188, 4. σκάπτων, ἀρῶν γῆν, ποιμνίων (l. ποιμνίους) ἐπιστατών. Arist. Vesp. 955. οἶός τε πολλοῖς προβατίοις ἐφεισάται. Plat. Gorg. 465 C. ἡ ψυχὴ ἐπιστατεῖ τῷ σώματι. Resp. 443 E. Plat. Legg. X. 906 A. ποιμνίων ἐπιστάταις. sed Prot. 338 B. τὸν χεῖρω τῶν βελκιδίων ἐπιστατεῖν.

1029. θητεία] Photius aliique grammatici θητεύειν per ἐπιμοσθῶ ἐργάζεσθαι explicant. V. Monk. ad Alc. 6.

1030. σοῦ δ' — σωτήρ γε] I. e. σοῦ δέ γε σωτήρ κτλ. Anglice, Yes, and your saviour. Cf. 372. 931. 943. O. C. 840. Aj. 1150. Ph 1193.

1031. ἄλγος ἴσχυοντ'] Cf. Ph. 734. μῶν ἄλγος ἴσχεις τῆς παρσιώσεως νόσου; Aj. 1397. οὐδὲν ἄλγος ἔξομεν.

1032. ποδῶν — ἀρθρα] Cf. 718. ἀρθρα — ποδοῖν. Ph. 1202. ἐμοῦ (ἐμὸν?) ποδὸς ἀρθρον. Tr. 779.

1034 sq. Cf. Phoen. 26 sq. λύω σ' —] Cf. Arist. Th. 1108. λῦσον τε δεσμῶν (με). ποδοῖν ἀκμάς] Crura extrema. Πούς aliquando integrum crus significat, non tantum pedem. Cf. 1243. ἀμφιδεξίους ἀκμαῖς. 1350. Ant. 976. κερκίδων ἀκμαῖσιν. Aesch. Eum. 370. βαρυνπεσῆ καταφέρω ποδὸς ἀκμάν. Pers. 1060. ἀκμῆ χειρῶν. Eur. Bacch. 1206. λευκοπήχεσιν χειρῶν ἀκμαῖσι (ἡγρεύσαμεν).

1035. δεινόν γ' ὄνειδος] Cf. Phil. 477. ὄνειδος οὐ καλόν. Eur. Med. 514. καλόν γ' ὄνειδος τῷ νεωσιτὶ νυμφίῳ. Ph. 828.

1036. ὦστ' ἀνομάσθης —] Cf. Aj. 574. 430. Arist. Ran. 1192. εἶθ' ὡς Πόλυβον ἤρρησεν οἰδῶν τὸ πόδε. Aesch. Pr. 86. 736. 830. Sept. 574. Suppl. 45. 309. Ag. 670. Eur. Tro. 983. Iph. T. 33. Hor. Ep. I. 4. 1. I. 13. 8.

1037. ὦ πρὸς θεῶν — φράσον] Cf. 646. Aj. 372. ὦ πρὸς θεῶν ὑπείκει.

1039. τυχῶν] Cf. 1025.

1041. κάτοιδε δηλώσαι] Cf. El. 414. ἀλλ' οὐ κάτοιδα πλὴν ἐπὶ σμικρὸν φράσαι.

1042. τῶν Λαῖτον — τις] 1117. 1122. 1167. τῶν — ἀνομάζετο] "Cf. Diodor. I. 38. Θαλῆς εἰς ἐπτὰ σοφῶν ὀνομαζόμενος. Xen. Cyr. Cf. 1. 9. οἱ τῶν δημοτίμων καλούμενοι." (Dind.)

1043. Π. Tr. 316. μὴ τῶν τυράνων Ἐδρύτου σορὰ τις ἦν; πάλαι ποτέ] Cf. Arist. Pl. 1002. πάλαι ποτ' ἦσαν ἀλκιμοὶ Μιλήσιοι.

1045. ἔστ' ἐτι ζῶν] Cf. Ph. 412. οὐκ ἦν ἐτι ζῶν. Tr. 735. μηκέτ' εἶναι ζῶσαν. Arist. Th. 77. εἴτ' ἔστ' ἐτι ζῶν εἴτ' ἀπόλωλ' Εὐρυπίδης. ὡς ἰδεῖν ἐμέ] Cf. Tr. 1125. ὡς κλύειν ἐμέ (so as for me to hear).

1046. εἰδεῖτ'] Cf. Ant. 926. ξυγγνωόμεν.

1048. κάτοιδε — εἰσιδῶν] Remembers to have seen.

1049. εἴ' οὖν — εἶτε κἀνθάδ'] Cf. El. 199. 560. Aesch. Ag. 843. εἴ' οὖν θανόντος εἶτε καὶ ζῶντος πέρι. 491. 472. Suppl. 185. ἀλλ' εἴ' ἀπὴμων εἶτε καὶ τεθυμένος (?). Cho. 681. Eur. Her. 149. Fr. 704, 2. εἶτε δὲ Μυσοῦς (γεγώς) ἦν εἶτε κἄλλοθεν —.

1050. Cf. Arist. Pl. 255. ἔ' ἐγκονεῖτε, σπεύδεθ', ὡς ὁ καιρὸς οὐχὶ μέλλειν. Th. 661. χεῖρ | μὴ βροαδύνειν, ὡς ὁ καιρὸς ἐστὶ μὴ μέλλειν ἔτι. Aesch. Ch. 710. ἀλλ' ἔσθ' ὁ καιρὸς — τυγγάνειν κτλ. Plut. Pomp. 74. συννοήσασα τὸν καιρὸν οὐκ ὄντα θρήνων καὶ δακρύων. Articulus plerumque omittitur ante καιρὸς, ut in El. 22.

1051. μὲν — ἀτὰρ —] Cf. Tr. 54. 761. Ἀτὰρ tantum ter legitur apud Aeschylum, ne semel quidem apud Euripidem. Apud epicus poetas αὐτὰρ. οὐδέν' ἄλλον] Sub. ἐννέπει ex 1048.

1053. De collocatione nominis Ἰοκάστη cf. Tr. 56.

1054. νοεῖς;] Cf. O. C. 1034. νοεῖς τι τούτων —;

1055. ἐπιέμεσθα] Redde jubebamus potius quam cupiebamus. Cf. 776. Ph. 770. Aj. 116. 991. El. 1111. Tr. 286.

1056. τί δ' ὄντιν' εἶπε;] Sub. εἰδέναι βούλει. Cf. Aesch. Pr. 791. τί δ' ὄντιν'; οὐ γὰρ ζητὸν αὐδᾶσθαι τόδε. Arist. Nub. 1266. τί δ' ὄστις εἰμὶ, τούτο βούλεσθ' εἰδέναι; μηδὲν ἐντρέπου οὐ μηδὲν. τὰ δὲ ἐξηθέντα] Redde, and as to what has been said. Cf. 724. Post μεμνησθαι enim postularetur genitivus. V. 49. El. 564. Tr. 1223. etc.

1058. Cf. Aj. 378. οὐ γὰρ γένοιτ' ἂν ταῦθ' ὄπως (lege ταῦτ' ὡς), οὐχ ὡδ' ἔχειν.

1060. εἶπερ τι — κήδει] Cf. Phil. 621. κεί τινος κήδει πέρι. Arist. Ach. 1028. Nub. 106. ἀλλ', εἴ τι κήδει τῶν πατρῶων ἀλφίτων.

1061. ἄλις νοσοῦσ' ἐγώ] Cf. Ant. 546. ἀρκέσω θνήσκουσ' ἐγώ. O. C. 1016. ἄλις λόγων. Eur. Alc. 673. πάσασθ'· ἄλις γὰρ ἡ παροῦσα συμφορά. Herc. 1339. ἄλις γὰρ ὁ θεὸς ὠφελῶν. Phoen. 1748. ἄλις ὀδονμάτων ἐμῶν. Trag. adesp. 76. ἄλις ἐγὼ θυσιγῶν. Isae. II. § 7. ἱκανὸς γὰρ ἔφη αὐτὸς ἀτυχῶν εἶναι.

1062. θάρσει] Thomas M. θαρρῶ Ἀτικοί, οὐ θαροῶ. Moeris, θάρρος Ἀτικῶς, θάρσος Ἑλληνικῶς. Blomf. Gl. Cho. 308. τρίτης — μητροῦς] Cf. Aesch. Pers. 804. καὶ τριτοσπόρου γονῆ. Eur. Andr. 636. κεί τρις νόθος πέφνκε. Herod. I. 91. Κροῖσος δὲ πέμπτον γονέος ἀμαρτάδα ἐξέπλησε. Philon. Jud. p. 594. τοῖς τ' ἐκ τριγενείας (τριγονίας?) συγματαίαις. Aristid. II. 196. ἐκ τριγονίας ἐδούλενον. Demosth. p. 1327. πονηρὸς ἐκ τριγονίας.

1063. τριδουλος] Cf. Arist. Fr. 484 D. ζεύγος τριδουλον. Athen. XIII. 595 A. ὥστε γίνεσθαι μὴ μόνον τριδουλον ἀλλὰ καὶ τριτογονον αὐτήν. Poll. VIII. 85. Ἀθηναῖοί εἰσιν ἑκατέρωθεν ἐκ τριγονίας. Confer hodierna vocabula 'quadroon', 'octoroon'. Similia composita sunt τριγέρων, τριπάλαιος, τριπατρος, τριπορονος, τριπόλος, τριπέδων, τριπάλαι, etc.

1065. Cf. 1084 sq. Ant. 96.

1066. φρονοῦσα — εὖ] Cf. Aj. 491. εὖ φρονοῶ τὰ σά. Eur. Andr. 146. μὴ — σοί μ' εὖ φρονοῦσαν εἶδῃ. τὰ λῶστα σοι λέγω] Cf. Aesch. Ag. 1023. τὰ λῶστα τῶν παρεσιῶτων λέγει. Prom. 308. παραινεῖσαι γέ σοι θέλω τὰ λῶστα. 204. ἐνταῦθ' ἐγὼ τὰ λῶστα βουλευῶν. Eur. Hipp. 901. τὸ λῶστον σοῖσι βουλευῶσαι δόμοις. Soph. Fr. 193. ὅπου δὲ μὴ τὰ λῶστ' (τᾶριστ') ἐλευθέρως λέγειν | ἔξεσι, κτλ.
1068. γνοίης ὅς εἶ] Pro usitatori ὅστις εἶ. Sic Aj. 1259. οὐ μαθὼν ὅς εἶ φύσιν —; O. C. 1171. 1274. 1291. El. 947. Ph. 534 sq. Arist. Ach. 442. τοὺς μὲν θεατὰς εἰδέναι μ' ὅς (εἰδέν' ὅστις?) εἶμ' ἐγώ.

1070. πλουσίω — γένει] Sic πλούτω καὶ γένει consociantur Herod. IX. 93. Cf. El. 361. πλουσία τράπεζα. Eur. Alc. 56. πλουσίως ταφήσεται. Eur. Fr. 661, 3. πλουσίαν ἀροῖ πλάκα. Arist. Vesp. 1168. πλουσίως | ὠδὶ προβὰς κτλ. Eupol. II. 450. ἀλλὰ τὰς κοίτας γ' ἔχουσι πλουσίως σεσαγμένας. Plat. Theaet. 175. ἀναβάλλεσθαι — ἐλευθέρως. Aesch. Pers. 266. νόστιμον φάος. Cho. 332. δίκταις (f. διπλοῦς) — θρηῆνος. Eur. Herc. 221. ὄμμ' ἐλεύθερον. Phoen. 550. ἐχθρᾶς — ἡμέρας.

1072. Cf. Aj. 856. σὲ δ', ὦ φαεινῆς ἡμέρας τὸ νῦν σέλας — προσεγγέτω | πανύστατον δὴ κοῦποι' αὐθις ὕστερον. Eur. Hec. 411. ὡς οὔποι' αὐθις, ἀλλὰ νῦν πανύστατον | ἀκτῖνα κύκλον θ' ἡλίου προσόψομαι.

1074. δέδοιχ' ὅπως μὴ — ἀναρρήξει κακά] Cf. Eur. Her. 249. μὴ τρέσῃς ὅπως σέ τις — ἀποσπάσει βίᾳ. Eur. Hipp. 518. δέδοιχ' ὅπως μοι μὴ λίαν φανεῖ σοφή. Arist. Eq. 112. τοῦ δαίμονος | δέδοιχ' ὅπως μὴ τεύξομαι κακοδαίμονος. Av. 1238. μὴ θεῶν κίνει φρένας | δεινὰς (δείσας Porson.) ὅπως μὴ σου γένος πανώλεθρον — ἀναστρέψει Δίκη. Pl. 200.

1075. ἀναρρήξει κακά] Intransitivum. Cf. 1280. τὰδ' ἐκ δυοῖν ἔρρωγεν — κακά. Eur. Hipp. 1334. μάλιστα μὲν νυν σοὶ τὰδ' ἔρρωγεν κακά, etc.

1076. δηγνύτω] Break forth. Cf. Aesch. Pers. 433. κακῶν πέλαγος ἔρρωγεν. Trach. 852. ἔρρωγεν παρὰ δακρῶν. Pro ἀναρρηγνύτω. Sic Phil. 912. ἐκλιπὼν — λιπὼν.

1077. βουλήσομαι] Cf. Aj. 681. καὶ ταῦθ' ὑπουργῶν ὠφελεῖν βουλήσομαι. O. C. 1289. καὶ ταῦτ' ἀφ' ὑμῶν — βουλήσομαι — κνρεῖν ἐμοί. Eur. Med. 259. 726. Arist. Pl. 290. 319.

1078. φρονεῖ — μέγα] Cf. Ant. 768. φρονεῖτω μεῖζον ἢ κατ' ἄνδρ' ἰών. Eur. Phoen. 41. ὁ δ' εἶροπ' ἄνανδος, μέγα φρονοῶν. 703. Her. 987. τὴν φρονοῦσαν μεῖζον ἢ γυναῖκα χρῆ. Andr. 1009. Herc. 475. Iph. T. 503. Hipp. 6. 447. Or. 798. El. 1127. Hinc φρονήματος μέγεθος Plut. Mar. 9.

1079. τὴν δυσγένειαν τὴν ἐμὴν αἰσχύνεται] Is ashamed of my low birth. Cf. Arist. Pl. 774. αἰσχύνομαι δὲ τὰς ἐμαντοῦ συμφορὰς. Eur. Ion. 367. αἰσχύνεται τὸ πρόγῃμα.

1080. *παῖδα τῆς τύχης*] Cf. O. C. 1323. *τοῦ κακοῦ | πότμου φυνευθείς*. Eur. Fr. 989. *ὁ τῆς τύχης παῖς κληῖρος ἐπὶ τούτῳ ταγείς*. Fr. 222. *τὴν τοι δάκην λέγουσι παῖδ' εἶναι χρόνον*. Similiter Hor. Serm. II. 6. 49. *'Fortunae filius'*. Chaerem. Fr. 5. *ἐναντοῦ δὲ παῖς (κισσός). νέμων*] I. q. *νομίζων*. Cf. Aj. 1331. *φίλον σ' ἐγὼ μέγιστον Ἀργείων νέμων*. O. C. 879. Tr. 483.

1081. *τῆς εὐ διδοῦσης*] Cf. O. C. 642. 1435. Eur. Andr. 750. *ὦ πρόβν, θεοὶ σοι δοῖεν εὐ καὶ τοῖσι σοῖς*. Iph. A. 390. *θεοῦ σοι τὴν τύχην διδόντος εὐ*. Orest. 667. *ὅταν δ' ὁ δαίμων εὐ διδῶ, τί δεῖ φίλων*; Med. 875. *τί πάσχω θεῶν ποριζόντων καλῶς*; Alc. 1005. *χαῖρ', ὦ πότμι', εὐ δὲ δόσης*. Suppl. 463. *φεῦ φεῦ, κακοῖσιν ὡς ὅταν δαίμων διδῶ | καλῶς, ὑβρίζουσ'*. Xen. Cyr. III. 1. 34. *ἦν ὁ θεὸς εὐ διδῶ*. Polyb. IV. 21. 11. *ἵνα ποτ' αὐτοῖς ὁ θεὸς εὐ διδῶ*. Pflugk. ad Eur. Andr. 751.

1082. *τῆς γὰρ πέφυκα μητρός*] Cf. El. 45. *ὁ γὰρ | μέγιστος αὐτοῖς τυγχάνει δορυξένων*. Aesch. Sept. 17. *ἡ γὰρ νέουσι — ἐθρέψατο*. Suppl. 360. *τῶν γὰρ οὐ δεῖται πόλις*. Eur. Her. 510. *πατρὸς δ' ἐκείνου φύνας οὐ πεφύκαμεν κτλ*. Hom. II. 2, 265. *τῆς γὰρ τοι γενεῆς (εἰσὶ). συγγενεῖς μῆνες*] Sc. *ἐμοί*. Cf. O. C. 7. *χῶ χρόνος ξυνῶν μακρός*. Aesch. Ag. 108. *σύμφυτος αἰῶν*. 894. *τοῦ ξυνεῦδοτος χρόνου*. Eum. 277. *χρόνος — γηράσκων ὁμοῦ*. Eur. Herc. 1293. *ὧ δ' αἰεὶ κακῶς | ἔστ' οὐδὲν ἀλγεῖ συγγενῶς δύστηνος ὦν*.

1084. *τοιόσδε δὴ φῶς*] Cf. Aesch. Prom. 255. *τοιούσδε δὴ σε Ζεὺς ἐπ' αἰτιάμασιν | αἰκίζεται*. Herod. IV. 5. *γένεος μὲν τοιούτου δὴ τινος γενέσθαι. οὐκ ἂν ἐξέλθοιμ'*] Non evadam. Anglice I will not turn out. Cf. 1011. *ταρβῶν γε μὴ μοι Φοῖβος ἐξέλθη σαφῆς*. 88. *κατ' ὄρθον ἐξεληθόντα*. 1182. *τὰ πάντ' ἂν ἐξήκοι σαφῆ*.

1085. *οὐκ ἂν ἐξέλθοιμ'* —] Locus nondum emendatus, sed sensus ejus hic est, 'I shall never turn out different (change my opinion), so as to abandon the attempt to learn my descent.' ὥστε μὴ 'κμαθεῖν —] Cf. Ant. 97. ὥστε μὴ οὐ καλῶς θανεῖν.

1086—1109. Cf. Ant. 1115—1154. Tr. 205—224. Aj. 693—717.

1086 sq. *εἴπερ* —] Cf. El. 472. *εἰ μὴ 'γὼ παράφρων μάντις ἔφην καὶ γνώμας λειπομένα σοφῆς κτλ*. Arist. Ran. 722. *εἰ δ' ἐγὼ ὀρθὸς (οἶος?) ἰδεῖν βίον ἀνέρος ἢ τρόπον ὅστις ἔτ' οἰμώξεται, κτλ. μάντις*] Cf. O. C. 1075. *ὡς προμνᾶται τι μοι γνώμα τάχ' ἐνδύωμαι κτλ*. 1080. *μάντις εἴμ' ἐσθλῶν ἀγώνων*. Eur. Hel. 757. *γνώμη δ' ἀρίστη (ἄριστος?) μάντις ἢ τ' εὐβουλία. κατὰ γνώμαν ἴδρις*] I. q. *γνώμη σοφός* (Aj. 1374.). Cf. Tr. 102. *ὦ κρατιστεύων κατ' ὄμμα*. 379. Phil. 910. *εἰ μὴ 'γὼ κακὸς γνώμην ἔφην*. El. 472.

1088 sq. *οὐ τὸν Ὀλυμπον* —] Similiter El. 1065. *ἀλλ' οὐ τὰν Διὸς ἀστραπὰν — δαρὸν οὐκ ἀπόνητοι (lego οὐ τὰδ' ἔτ' ἔσται)*. Ant. 758. Arist. Lys. 986. *οὐ τὸν Δί' οὐκ ἐγὼν γα*. Schol. *οὐκ*

ἔση εἰς τὴν αὔριον ἀπειράτος τοῦ ἡμᾶς αὔξειν σε ὡς τροφὸν καὶ μητέρα τοῦ Οἰδίποδος.

1088. ἀπείρων] I. q. ἀπειράτος (epice ἀπειρήτος), inexper-tus, ignarus, nescius. Cf. Fr. 244. ἀπείρονας (i. e. ἀπειράτους, teste Hesychio). Apud Homerum ἀπείρων plerumque significat boundless, endless, immeasurable, Il. 24, 776. Od. 7, 286. 8, 340. Arist. Fr. 247. δακτύλιον ἀπείρονα. Aesch. Fr. 379, 2. ἐν λόχῳ τ' ἀπείρονα | εὔξασθε. Hesiod. Scut. 472. λαὸς ἀπείρων. Pind. P. II. 64. ἀπείρονα δόξαν. Epitaphium apud schol. Av. 1021. σοφίης τὸν ἀπείρονα πλοῦτον. Hic significat untried, unexplored, Hom. Il. 17, 41. ἀλλ' οὐ μὰν ἐτι δηρὸν ἀπειρήτος πόνος ἔσται. Idem sensus vocabuli est in Hermetis loco apud Stob. Ecl. Phys. I. 6. et in Parmenidis fragmento ibid. I. 16.

1090 sq. Cf. Ant. 1152. Eur. Alc. 445. πολλά σε μουσοπόλοι μέλψουσι — Σπάρτα κύκλος ἀνίκα Καρνεῖον περινοσεται ὄρα μηνὸς ἀειρομένης παννύχου σελάνας. Eur. Her. 777. ἀλλ' ἐπι σοὶ πολύθνητος αἰεὶ τιμὰ κραίνεται (οὐδὲ κέυθει μηνῶν φθινὰς ἡμέρα) λέων τ' αἰοιδαὶ χορῶν τε μολπαι, ἀνεμόεντι δὲ γᾶς δχθῶ δλολύγ-ματα παννυχίους ὑπὸ παρθένων ἰακχεῖ ποδῶν κρότοιον. Fortasse haec fabula pridie plenilunii docta est.

1090. τὰν αὔριον πανσέληνον] Proximum plenilunium. Anglice during the next full moon. Cf. Eur. Alc. 784. τὴν αὔριον μέλλουσαν. Hipp. 1117. τὸν αὔριον — χρόνον. Aesch. Sept. 389. λαμπρὰ δὲ πανσέληνος ἐν μέσῳ σάκει. Eur. Ion. 1155. κύκλος δὲ πανσέληνος ἠκόντις' ἄνω | μηνὸς διχήρης. Arist. Ach. 84. τῆ πανσελήνω. Thuc. VII. 50. ἡ σελήνη ἐκλείπει' ἐτύγχανε γὰρ πανσέληνος οὕσα. Herod. II. 47. ἐν τῇ αὐτῇ πανσελήνω. VI. 106. τὴν πανσέληνον ἔμενον. Plenilunium ideo, ni fallor, memoratur quia eo lunae statu facilius foret παννυχίδα celebrare in umbrosis Cithaeronis convallibus. Allusio videtur esse ad festum Πάνδια, quod statim post Dionysia magna plenilunii tempore medio mense Elaphebolione habebatur. Ex hoc loco colligi fortasse potest postremo Dionysiorum die hanc fabulam doctam esse.

1091. πατριώταν] Ex eadem regione oriundum. Anglice fellow countryman. Partim enim ad Boeotiam pertinebat Cithaeron. Sic Plutarchus (Mor. p. 671 C.) Dionysum Thebanum πατριώτην θεὸν appellat, ut monuit Jebb. Cf. Plut. Q. S. IV. 6. 1. τὸν πατριώτην θεόν. Pherecrates (II. 257.) Aegyptios τοὺς Λυκούργου πατριώτας vocat. Confer vv. πολίτης, χωρίτης, δημότης.

1092. αὔξειν] I. e. τιμᾶν. Cf. O. C. 1445. 1576. Ant. 191. τοιοῦτ' ἐγὼ νόμοισι τήνδ' αὔξω πόλιν. Pind. Ol. 5, 4. τὰν σὸν πόλιν αὔξων. P. 8, 38. αὔξων πάτραν. Eur. Suppl. 507. ἦν (sc. τὴν πατρίδα) | αὔξων χρεῶν. Med. 966. κείνα νῦν αὔξει θεός. Iph. A. 1160. τὸ σὸν μέλαθρον αὔξουσα κτλ. et passim. Sed aliud quid latet: corrigendum videtur αὔχειν. V. annot. crit.

1093. χορεύεσθαι —] Choreis celebrari —. Cf. Ant. 1152. αἱ (βάκχαι) σε — πάννηχοι χορεύουσι. Pind. P. 8, 37. αὔξων δὲ πάτραν Μιδυλιδᾶν λόγον φέροις. Isth. I. 7. τὸν ἀκείρειόμεν Φοῖβον χορεύων. Eur. Ion. 1080. Fr. 874. τὴν βεβακχιωμένην βροτοῖσι κλεινὴν Νῦσαν. Eur. Iph. T. 353. αὐλεῖται δὲ πᾶν μέλαθρον. Hel. 1433. γαῖαν βοᾶσθαι μακαρίαις ὑμνωδίαις. Her. 401. θνηπολεῖται δ' ἄστν μάντεων ὕπο. Herc. 871. τάχα σ' ἐγὼ μᾶλλον χορεύσω. 686. Μούσας, αἱ μ' ἐχόρευσαν. Iph. A. 1057. γάμους ἐχόρευσαν. Virg. G. II. 487. 'virginibus bacchata Lacaenis | Taygeta.' χορεύεσθαι πρὸς ἡμῶν] Cf. 374. μᾶς τρέφει πρὸς νυκτός.

1094. ἐπίηρα φέροντα] I. e. χαριζόμενον. Locutio Homericā. Cf. Hom. II. 1, 572. μητρὶ φίλη ἐπίηρα φέρων. Od. 3, 164. αἷτις ἐπ' Ἀτρεΐδῃ Ἀγαμέμνονι ἦρα φέροντες. τοῖς ἐμοῖς τυράννοις] Cf. ad Ant. 60. Eur. Hipp. 870. δλομένους — τῶν ἐμῶν τυράννων δόμους.

1097. ἴηε Φοῖβε, σοὶ δὲ ταῦτ' ἀρέστ' εἶη] Cf. El. 150. Νιόβα, σὲ δ' ἔγωγε νέμω θεόν.

1099. τῶν μακραιῶνων] Cf. Ant. 987. Μοῖραι μακραιῶνες. Aesch. Sept. 524. δαροβίοισι θεοῖσι. Apoll. Rhod. II. 508. τὴν μὲν γὰρ φιλότῃ θεὸς ποιήσατο Νύμφην | αὐτοῦ μακραιῶνα καὶ ἀγροῦν.

1100. Πανὸς ὄρεσσιβάτα] Cf. Ant. 350. θηρὸς ὄρεσσιβάτα. Aj. 694. Arist. Th. 326. Νύμφαι τ' ὄρειπλαγκτοί. Theocr. I. 124. ὦ Πὰν Πὰν, εἴτ' ἔσοι κατ' ὄρεα μακρὰ Λυκαίω, | εἴτε τὺ γ' ἀμφιπολεῖς μέγα Μαιναλον. Pan οὖρειος dicitur Eur. Iph. T. 1126. Consociatio ejus cum nymphis notatur Hel. 191. Bacch. 951. ὄρεσσιβάτα] Cf. Ant. 350. Hom. H. XIX. 1. Usitatio forma est ὄρειβάτης. Ant. 1116. Διὸς βαρυβρεμέτα.

1101. ἦ σέ γε —] Cf. Hom. Od. 8, 489. ἦ σέ γε Μοῦσ' ἐδίδαξε Διὸς παῖς ἦ σέ γ' Ἀπόλλων. II. 10, 481. ἀλλὰ λὺ' ἔππους, | ἦὲ σὺ γ' ἄνδρας ἔγειρε. Herod. II. 173. λάθοι ἂν ἦ μανεῖς ἦ δ' γε ἀπόπληκτος γενόμενος. VII. 10. ἦ κου ἐν γῆ τῇ Ἀθηναίων ἦ σέ γε ἐν τῇ Λακεδαιμονίων. Theocr. X. 34. τὼς ἀδλῶς μὲν ἔχοισα καὶ ἦ ῥόδον ἦ τὺ γὰ μᾶλον. Timocreon. Fr. 1. ἀλλ' εἰ τὺ γε Πανσανίαν ἦ καὶ τὺ γε Σάνδιππον αἰνέεις ἦ τὺ γε Λευτυζίδα κτλ. Πανὶ πλαθεῖσα] Cf. Tr. 17. Phil. 677. τὸν πελάταν λέκτρων ποτὲ τοῦ Διὸς Ἰξίονα. Eur. Hec. 878. Θρηγὶ πλαθεῖσα ξένω. Aesch. Prom. 894. μήποτέ μ', ὦ Μοῖραι, λεχέων Διὸς εὐνάτειραν ἴδοισθε πέλουσαν μηδὲ πλαθειῆν (πλασθειῆν mss.) γαμέτῃ τινὶ τῶν ἐξ οὐρανοῦ. Pers. 158. θεοῦ μὲν εὐνάτειρα Περσῶν, θεοῦ δὲ καὶ μήτηρ ἔφως. 142. Eur. Ion. 17. οὐπερ ἠννάσθη θεῶ. Rhes. 920. λέκτροις ἐπλάθην Στρυνμόνος. Andr. 25. πλαθεῖσ' Ἀχιλλέως παιδί. Tro. 203. Hom. II. 16, 176. ὃν τέκε — γυνὴ θεῶ εὐνηθεῖσα.

1103. πλάκες ἀγρόνομοι] Cf. Ant. 786. ἀγρόνομους ἀδλαῖς.

1105. ὁ Βακχεῖος θεός] Cf. Ant. 154. O. C. 678. Βακχιώτας Διόνυσος. Arist. Th. 988. κισσοφόρε Βακχεῖε δέσποτ'. Herod. IV. 79.

Διονύσῳ Βακχείῳ τελεσθῆναι. Hom. H. XVIII. 46. Βακχείος Διώνυσος.

1106. εὐρημα δέξαι' ἔκ του] Cf. 1163. ἐμὸν μὲν οὐκ ἔγωγ', ἔδεξάμην, δέ του. [cool.com.cn](http://www.cool.com.cn)

1107. εὐρημα —] Cf. Ant. 1115. πολυώνυμε, Καδμείας νόμφας ἄγαλμα — Βακχεῦ. νυμφῶν Ἑλικωνίδων] Cf. Aj. 884. ἦ τις Ὀλυμπιάδων θεῶν. Phil. 725. Μηλιάδων νυμφῶν. 1454. 1470. Eur. Herc. 791. ὦ Μουσῶν Ἑλικωνιάδων δώματα. De forma Ἑλικωνίς cf. Alc. 116. Ἀμμωνίδας ἔδρας. Eur. El. 734. ξηραί τ' Ἀμμωνίδες ἔδραι.

1109. νυμφῶν — αἷς πλεῖστα συμπαίξει] Cf. Arist. Av. 1099. νόμφαις οὐρείαις ξυμπαίζων. Pac. 817. Th. 975. ἦ πᾶσι τοῖς χοροῖσιν ἐμπαίξει (1. χοροῖσι συμπαίξει). Ran. 410. Anacr. 2. Διονύσῳ — νόμφαι — συμπαιζουσι. Hom. Od. 7, 106.

1110. εἰ χρῆ τι κάμῃ —] Cf. Tr. 749. εἰ χρῆ μαθεῖν σε, πάντα δὴ φωνεῖν χρεῶν. Ant. 719. γνώμη γὰρ εἴ τις κάπ' ἐμοῦ νεωτέρου | πρόσεσι, φήμ' κτλ. Phil. 192. εἴπερ κἀγὼ τι φρονῶ. Tr. 53. El. 339. Eur. Herc. 41. κᾶμ', εἴ τι δὴ χρῆ κᾶμ' ἐν ἀνδράσιν λέγειν. ξυναλλάξαντα] Having had dealings with. Cf. 1130. Eur. Her. 4. πόλει δ' ἀχρηστος και συναλλάσσειν βαρῦς.

1111. πρέσβεις] Senes. Cf. 990. γεραῖε. 1001. γέρον. 1013. πρέσβυ. 1121. O. C. 744. γέρον. Eur. Herc. 247. Oedipus Chorum alloquitur. Sic Aesch. Pers. 840. ὑμεῖς δὲ, πρέσβεις, χαίρετ' ἐν κακοῖς ὄμως. σταθμᾶσθαι] Conjicere. A στάθμη (amussis). Cf. Eur. Fr. 327, 2. τᾶρετῆ σταθμῶμενος τὰ πάντα. Herod. II. 2. τοιοῦτω σταθμηόμενοι πρήγμαι. Frequens apud Herodotum.

1112. μακροῦ γήρα] Cf. Fr. 863. πάντ' ἐμπέφυκε τῷ μακροῦ γήρα κακά. Qu. μακροῦ χρόνῳ utrobique.

1113. ξυνάδει] Concinit, congruit. Cf. Plat. Phil. 92 C. οὔτος οὖν σοι ὁ λόγος ἐκείνῳ πῶς ξυνάσεται; Prot. 333 A. οὐ γὰρ συναφδουσιν οὐδὲ συναρμόττουσιν ἀλλήλοισ. Eur. Med. 1008. ξυμφωδᾶ. σύμμετρος] Of the same age. Schol. ὀμηλιξ. Cf. 84. ξύμμετρος γὰρ ὡς κλύειν. Ant. 387. ποία ξύμμετρος προύβην τύχη; Aesch. Cho. 221. τριχὸς — ξυμμέτρον τῷ σῶ κάρῳ. 611. ξύμμετρόν τε διαίβιον. Eum. 505. ξύμμετρον δ' ἔπος λέγω.

1114. ἄλλως τε —] Et praeterea. Cf. Eur. Ion. 613. ἄλλως τε τὴν σὴν ἄλοχον οἰκτιρῶ, πάτερ. Herod. 8, 142. ἄλλως τε τούτων ἀπάντων αἰτίους γενέσθαι δουλοσύνης — Ἀθηναίους οὐδαμῶς ἀνασχετόν.

1115. ἐπιστήμη] Opponitur praecedenti δοκῶ (1111). Sic φρονεῖν et δοκεῖν sibi opponuntur Aj. 942.

1116. σύ μου προύχοις τάχ' ἂν που] Cf. Phil. 138. τέχνα γὰρ τέχνας ἑτέρας προύχει. De προύχοις post pluralem πρέσβεις cf. ad O. C. 174.

1117. *ἔγνωκα γάρ]* Cf. 731. Tr. 409. *δίκαμα γάρ.* Phil. 756. *δεινὸν γάρ οὐδὲ ζητόν.* Arist. Nub. 679. *δορθῶς γάρ λέγεις.* Eur. Hel. 565. *ἔγνωσ γάρ δορθῶς ἄνδρα δυστυχεστάτον.* Or. 104. Plat. Men. p. 78. *οὐκοῦν νῦν δὴ ἔλεγες —; MEN. εἶπον γάρ. Λαῖτον γάρ ἦν]* Herwerden *δοῦλος* subintelligit, coll. 1122. *Λαῖτον ποτ' ἦσθα σύ;* Lys. c. Agor. § 64. *ἐγένετο δ' ὁ Εὐμάχης οὔτος Νικοκλέους καὶ Ἀντικλέους* (sc. *δοῦλος*). Ter. Andr. II. 2. 10. 'Forte ibi hujus video Pyrrhiam.'

1118. *εἶπερ τις ἄλλος πιστός]* Cf. Aj. 488. *εἶπερ τινὸς σθέ- νοτος ἐν πλοῦτῳ* (l. *πόλει*) *Φρυγῶν.* O. C. 1664. *εἰ τις βροτῶν, θανμαστός.* 734. Tr. 8. Aesch. Ag. 943. *εἶπερ τις εἰδώς.* Arist. Pl. 655. *νῦν δ' εἴ τιν' ἄλλον μακάριον κεύδαίμονα.* Lucian. Phal. I. 2. *εἰ καὶ τις ἄλλος εὖ γεγονώς:* Callim. H. Dian. 164. *λιπαρή τε καὶ εὐβότος εἴ νύ τις ἄλλη. ὡς νομεὺς ἀνήρ]* Cf. 751. O. C. 20. *μακρὰν γάρ ὡς γέροντι προουτάλης ὁδόν.* Phil. 584. Aesch. Prom. 953. *σεμνότομος γε — ὁ μῦθός ἐστιν ὡς θεῶν ὑπηρέτου.* Pers. 1023. *βαίά γ' ὡς ἀπὸ πολλῶν.* Ag. 614. *ὁ κόμπτος — οὐκ αἰσχρὸς ὡς γυναικὶ γενναίᾳ λακεῖν.* Cho. 715. Thuc. IV. 84. *ἦν δὲ οὐδὲ ἀδύνατος ὡς Λακεδαιμόνιος εἰπεῖν. νομεὺς ἀνήρ]* Qu. *ἀνὴρ νομεύς.* Cf. 257. *ἀνδρὸς — βασιλέως.* 751. *ἀνὴρ ἀρχηγέτης.* Aesch. Ag. 1596. *ἀνδρὶ στρατηγῷ.* Eum. 911. *ἀνδρὸς φινυποϊμένος.* Eur. Iph. A. 554. *ἀνδρὶ βασιλεῖ καὶ στρατηλάτῃ.* Arist. Eq. 1114. *ἄνδρα τύραννον.* Arist. Fr. 510. *ἀνδρὸς χαλκίως.* Herod. IV. 151. *ἀνδρὶ πορφυρεῖ.* IV. 200. *ἀνὴρ χαλκίως.* V. 111. *ἄνδρα στρατηγόν.* V. 125. *ἀνδρὸς λογοποιῶ.* Sed Eur. Hipp. 1216. *ὥστε ναυβάτης ἀνὴρ.* Arist. Th. 149. *ποιητὴν ἄνδρα* (coll. Lys. 368.). Pind. P. I. 176. *ὥσπερ κυβερνάτας ἀνὴρ.* Theocr. I. 86. *αἰπὸλῳ ἀνδρὶ.* Herod. VII. 50. *ἐπ' ἀροτῆρας καὶ οὐ νομάδας — ἄνδρας.*

1119. *τὸν Κορίνθιον ξένον]* Cf. Arist. Th. 404. *τῷ Κορινθίῳ ξένῳ.*

1120. *τοῦτον ὅνπερ εἰσορᾷς]* Cf. Tro. 283. *τάσδε δ' ὥσπερ εἰσορᾷς.*

1121. *οὔτος σύ —]* Cf. Tr. 402. *οὔτος, βλέψ' ὧδε.* Arist. Ach. 290. Plaut. Amph. II. 6. 8. 'Sosia, age, me huc adspice.'

1123. *ἦ]* Cf. O. C. 973. *οἴκοι τραφεῖς]* I. e. *οἰκότερον* aut *οἰκογενής*, Lat. *verna*. Hujusmodi *servi pluris aestimabantur quam servi empti* (*ἀργυροῶνητοι*). Hinc *servi hujus grandiloquentia*.

1125. *ποίμνας — ξυνειπόμην]* Cf. 1523. *τῷ βίῳ ξυνέσπετο (?) τὰ πλείστα τοῦ βίου]* Cf. 1487. *τὰ λοιπὰ τοῦ μικροῦ βίου.*

1126. *ξύναυλος]* Cf. Aj. 611. *θεῖα μανία ξύναυλος.*

1127. *πρόσχωρος τόπος]* Cf. Aesch. Pers. 278. *Σαλαμῖνος ἀκταὶ πᾶς τε πρόσχωρος τόπος.*

1128. *οἶσθα τῆδέ που μαθῶν]* Cf. 1142. *οἶσθα παῖδά μοι τινα | δοὺς —; Arist. Ran. 319. ἐνταῦθά που παίζουσιν.* Vesp. 234. *Ἐδεργίδης ἀρ' ἐστὶ που 'νταῦθ' —; Av. 1184. Xen. An. III. 2. 24. ὡς αὐτοῦ που οἰκήσοντας.* Eur. Bacch. 462. *τὸν ἀνθεμῶδη Τμῶ-*

λον οἰσθὰ που κλύων; Her. 90. τὸν Ἡράκλειον ἴστε που παραστάτην —; Soph. Phil. 163. σίβον ἐγμύνει τῆδε (τόνδε vulg.) πέλας που. w1129. ἵπποιοι. ἄνδρα καὶ λέγεις;] Cf. 989. πόλας δὲ καὶ γυναικὸς ἐκφοβείσθ' ὕπερ; Aj. 1290. Ant. 772. 1314. Arist. Eq. 342. Pac. 1289. Lys. 836. Nub. 1344. Eccl. 946. 1014.

1130. ξυναλλάξας τι] Having had any intercourse (dealings) with. Cf. 1110.

1131. οὐχ ὥστε γ' εἰπεῖν] Cf. 361. μνήμης ἀπο] Sic ἀπὸ γλώσσης, ἀπὸ χειρὸς, ἀπὸ στόματος.

1132. κοῦδέν γε θαῦμα] Cf. 1319. καὶ θαῦμά γ' οὐδέν —. Eur. Hel. 976. καὶ θαῦμά γ' οὐδέν. Arist. Vesp. 1139. κοῦ θαῦμά γ'. Pl. 99. καὶ θαῦμά γ' οὐδέν. Eur. Fr. 324, 6. οὐ θαῦμ' ἔρωτας μυρίους αὐτὴν τρέφειν.

1133. ἀγνώτ'] Ignarum. I. q. ἀνεπιστήμονα. Alio sensu supra 677. σοῦ μὲν τυχὼν ἀγνώτος (i. q. ἀγνώμονος).

1134. κάτοιιδεν ἦμος —] Cf. Eur. Tro. 70. οἶδ' ἠνίκ' Αἴας εἶλκε Κασάνδραν βίβη. Eur. Hec. 239. οἰσθ' ἠνίχ' εἶλκε —; 108. Iph. A. 337. Iph. T. 852. οἶδ' εἶτε. Lucian. D. Mort. X. 5. οἶδα γάρ σε πολλαῖς ἐν ταῖς παλαιστοραῖς ἰδών. Epicum ἦμος legitur etiam Tr. 155. 531. Aj. 935. Eur. Hec. 915. nusquam apud Aeschylum.

τὸν Κιθαιρώνος τόπον] Cf. 1127. Aj. 437. τὸν αὐτὸν ἐς τόπον | Τροίας ἐπελθών. Aesch. Eum. 283. χώρας ἐν τόποις Λιβυτικῆς. Pers. 795. εἰ μὴ στρατευόισθ' ἐς τὸν Ἑλλήνων τόπον. Aeschin. II. 9. τὸν ἐπὶ Θράκης τόπον. Polyb. III. 95. 5. τοὺς περὶ τὸν Ἰβηρα ποταμὸν τόπους. 28, 11, 3. τοὺς καθ' Ἡράκλειον τόπους. Strab. XII. p. 578. φέρει δὲ ὁ περὶ Λαοδίκειαν τόπος προβάτων ἀρετὰς κτλ.

1137. εἰς ἀρκτοῦρον] Gl. B. μετόπωρον. Sic apud Hippocratem περὶ ἀρκτοῦρον, πρὸ ἀρκτοῦρον, ἐπ' ἀρκτοῦρον, ἐπὶ τῷ ἀρκτοῦρω. ἐκμήνους χρόνους] Cf. Tr. 164. χρόνον — τρίμηνον — κἀνιαύσιον. Ph. 715. δεκῆτη χρόνον. Eur. El. 883. ἐκπλεθρον — ἀγῶν'.

1138. χειμῶνι δ' ἤδη] Hyemis autem jam adventu. Accusativus χειμῶνα significaret per hyemem. Sic Hesiod. Scut. 394. δῶ εἰφεζόμενος θέρος (through the summer) ἀνθρώποισιν αἰεῖδεν | ἀρχεται. Arist. Av. 1089. χειμῶνος (hyeme) μὲν χλαίνας οὐκ ἀμπισχνοῦνται. ἔπαυλ'] Stabula. Anglice sheds. Cf. O. C. 669. κράτιστα γᾶς ἔπαυλα. Aj. 601. Aesch. Pers. 876. πάροικοι Θρηκίων ἐπαύλων. Vocabulum non alibi repertum in Tragoedia.

1139. σταθμά] Cf. Ph. 489. τὰ Χαλκιδόντος — σταθμά.

1140. λέγω τι τούτων —;] Cf. O. C. 1033. νοεῖς τι τούτων, ἦ —;

1142. Cf. Ph. 681. ἄλλον δ' οὔτιν' ἔγωγ' οἶδα κλύων κτλ.

1143. θρέμμα] A nurseling. Cf. Phil. 243. ὦ τοῦ γέροντος θρέμμα Λυκομήδους.

1144. Cf. 938. τί δ' ἐστί; ποίαν δύναμιν ὧδ' ἔχει διπλῆν; Tr. 339. τί δ' ἐστί; τοῦ (τί δέ?) με τήνδ' ἐφίστασαι βᾶσιν; 418.

πρὸς τί δ' ἱστορεῖς; El. 1176. τοῦτο τοῦπος] I. e. hanc rem de qua sermo fit. Anglice this matter. Cf. Ph. 897. O. C. 1616.

ἱστορεῖς] Cf. El. 316. www.ancientlibrary.com

1145. ὦ τᾶν] Cf. Phil. 1387. Eur. Her. 322. 688. Cycl. 534. Elmsl. ad Bacch. 801. Locutio non occurrit apud Aeschylum.

1146. οὐκ εἰς ὀλεθρον;] Cf. 430. El. 1430. ὦ παῖδες, οὐκ ἀπορροον; Arist. Ran. 607. οὐκ ἐς κόρακας; οὐ μὴ πρόουτον; οὐ σιωπήσας ἔσει;] Cf. O. C. 816. λυπηθεῖς ἔσει. Ant. 1067. ἀντιδοὺς ἔσει. O. R. 970. θανάων εἶη. Aesch. Suppl. 460. γηρυνθεῖσ' ἔσει (ἔχεις recte Naber).

1147. ἃ, μὴ κόλαζε] Cf. Phil. 1300. ἃ ἃ, μηδαμῶς.

1149. ὦ φέριστε δεσποτῶν] Cf. Aesch. Sept. 39. Ἐτερόκλεες, φέριστε Καδμείων ἀναξ. Frequent apud Homerum, non alibi legitur in Tragoedia.

1151. ἄλλως πονεῖ] Cf. 333. τί ταῦτ' | ἄλλως ἐλέγγεις;

1152. πρὸς χάριν — ἐρεῖς] Cf. Fr. 25. τοιαῦτά τοί σοι πρὸς χάριν τε κοῦ βία λέγω. O. C. 1775. Fr. 60. πᾶν πρὸς ἡδονὴν λέγει. O. R. 1353. οὐδὲν εἰς χάριν πράσσω. El. 921. οὐ πρὸς ἡδονὴν λέγω τάδε; Ant. 908. τίνος — ταῦτα πρὸς χάριν λέγω; Tr. 180. στεῖχονθ' ὀρῶ τιν' ἄνδρα πρὸς χάριν λόγων. Eur. Med. 773. δέχου δὲ μὴ πρὸς ἡδονὴν λόγους. Hec. 257. ἦν τοῖσι πολλοῖς πρὸς χάριν λέγητέ τι. Eur. Fr. 909, 8. κάκπονεῖν ἂν τῷ ξυνόντι πρὸς χάριν μέλλη λέγειν. Suppl. 384. Antiphan. III. 152. νίῳ γὰρ ἀγαπητῷ τι πράτων πρὸς χάριν κτλ. Herod. III. 126. ὡς οὐ πρὸς ἡδονὴν οἱ ἦν τὰ ἀγγελλόμενα. Thuc. III. 42. οὕτω γὰρ — ἦμισα ἂν — παρὰ γνώμην τι καὶ πρὸς χάριν λέγοι. Isocr. Or. XV. § 141. τοὺς πρὸς χάριν δμιλοῦντας. Plut. de adul. et amic. discr. c. 16. τὸ ἡδὺ καὶ τὸ πρὸς χάριν εἰωθὼς ὑποκρέκειν. κλαίων] To your cost.

1153. μὴ δῆτα — τὸν γέροντά μ' αἰκίσῃ] Cf. Aj. 111. μὴ δῆτα τὸν δύστηνον ὧδέ γ' αἰκίσῃ. τὸν γέροντά μ'] Cf. ad O. C. 44.

1154. ἀποστρέφει χέρας] Retorquebit manus. Cf. Aj. 72. τὰς αἰχμαλωτίδας χέρας | δεσμοῖς ἀπενθύνοντα. Arist. Lys. 455. ἀποστρέφετε τὰς χεῖρας αὐτῶν, ὦ Σκύθαί.

1155. δύστηνος] Sc. ἐγώ. ἀντι τοῦ;] Quare. Cf. ad 1021. 1157. Cf. El. 1131.

1158. ἐς τόδ' ἤξει;] Sc. εἰς τὸ ὀλέσθαι. Cf. ad Aj. 1365. ἐνθάδ' ἔρομαι. Phil. 377. ὁ δ' ἐνθάδ' ἤκων. Xen. An. II. 5. 22. ἀλλὰ τί δὴ ὑμᾶς ἐξὸν ἀπολέσαι οὐκ ἐπὶ τοῦτο ἤλθομεν; τοῦνδικον] The truth. Cf. 280. 1283. Aj. 546.

1160 sq. Cf. Tr. 1238. ἀνῆρ ὁδ', ὡς ἔοικεν, οὐ νεμεῖ πατρὶ | φθίνοντι μοῖραν. Arist. Vesp. 168. ἀνθρωπος οὗτος μέγα τι δρασεῖε κακόν. Φι. μὰ τὸν Δί' οὐ δῆτ', ἀλλ' ἀποδόσθαι βούλομαι —. Eccl. 812. ἀνθρωπος οὗτος ἀποβαλεῖ τὴν οὐσίαν. ἐς τριβὰς ἐλᾶ] Cf. Ant. 577. μὴ τριβὰς ἔτ'. Arist. Ach. 385. τί — πορῆζει τριβὰς;

ἐλᾷ] Herwerden dubitat num futurum hic sit ἐλᾷ an praesens. "Hoc magis suadet, inquit, sententia, illud dicendi usus." Mihi praesens potius quam futurum esse videtur. Ἐλᾷν enim aequè atque ἐλαίνειν usurpatur, Eur. Med. 70. Alc. 954. Andr. 711. Bacch. 1332. Herc. 819. Ἐλα. Aesch. Fr. 112. Ἐλα, δῖωκε —. Pind. Isth. IV. 48. Ἐλα νῦν μοι πεδόθεν. Omnibus notum est dictum illud τὴν κατὰ σαντὸν Ἐλα. Sed ἐλᾷ futurum est supra 318. Aj. 504. 756.

1163. ἐδεξάμην δέ του] I. e. παρὰ του. Sic μαθεῖν παρὰ τινος et μαθεῖν τινός. Cf. 1106. εὔρημα δέξαι' ἐκ του —. Phil. 1287. Eur. Alc. 387. ἐπὶ τοῖσδε παῖδας χειρὸς ἐξ ἐμῆς δέχου. Hel. 838.

1164. Cf. Ph. 220. τίνες ποτ' ἐς γῆν τήνδε κὰκ ποίας τύχης —;

1166. ἀλώλας] Cf. Arist. Pac. 364. ἀπόλωλας, ὦ κακόδαιμον. 362. ἀπόλωλας, ἐξόλωλας. Pl. 421. ὦστ' ἀπολώλατον.

1167. Cf. O. C. 220. Λαῖτον ἴστε τιν'; Eur. Iph. T. 545. τίς; — IΦ. Ἀτρῆως ἐλέγετο δὴ τις, Ἀγαμέμνων ἄναξ. Herod. I. 111. καὶ ἐγὼ ἀναλαβὼν ἔφερον, δοκέων τῶν τινος οἰκετέων εἶναι (sc. τὸ παιδίον). τίς — γεννημάτων] Cf. Eur. Alc. 820. τέκνων τίς. γεννημάτων] Cf. 1042. Tr. 315. γέννημα τῶν ἐκείθεν οὐκ ἐν ὑστάτοις. Ant. 627. παίδων τῶν σῶν νέατον γέννημα. Eust. ad Dionys. Perieg. 294. τὰ νόθα τῶν γησιῶν διορίζειν γεννήματα. Sub hoc nomine includebatur progenies et libera et servilis.

1168. κείνον — γεγώς] Cf. Eur. Fr. 231, 2. πατέρων — ἐσθλῶν — γεγώς. Adesp. 9, 2. ἀρίστου πατρὸς Ἑλλήνων γεγώς.

1169 sq. Cf. El. 1329. δὲ οὐ παρ' αὐτοῖς, ἀλλ' ἐν αὐτοῖσιν κακοῖς — ὄντες οὐ γιγνώσκετε. Arist. Pl. 399 sq. Av. 445. 1435.

1170. κᾶγωγ' ἀκούειν] Concise positum, ut in responsionibus fieri solet, pro κᾶγωγε πρὸς τῷ δεινῷ ἀκούειν εἰμί. Cf. Eur. Or. 1162. Herc. 1356. Arist. Av. 445. ὄμνημι' ἐπὶ τούτοις, πᾶσι νικᾶν τοῖς κραιαῖς. 1435. Nub. 104. 622. 1418. 1465. Th. 491. Ran. 773. Eccl. 51. ἀκουστέον] Cf. El. 340. τῶν κρατούντων ἐστὶ πάντ' ἀκουστέα.

1171. κείνον γέ τοι δὴ] Cf. Arist. Nub. 372. τοῦτό γέ τοι δὴ τῷ νῦν λόγῳ εἰ προσέφρασας. Ran. 1047. Plat. Pol. 504 A. πρέπει γέ τοι δὴ — οὕτω σκοπεῖν. Crit. 44 A. Resp. 476 E. Confer γε μὲν δὴ El. 1242. ἢ δ' ἔσω] Cf. El. 1103. τοῖς ἔσω. Ph. 533. τὴν ἔσω —. ἢ δ' — σὴ γυνή] Cf. Ph. 371. ὁ δ' εἶπ' Ὀδυσσοῦς. Aj. 780. ὁ δ' — πέμπει με — Τεύκρος φνλάσσειν.

1173. δίδωσι —] Praesens historicus. Cf. Eur. Phoen. 47. κηρούσει — ὄστις μάθοι κτλ. Hec. 10. ἐκπέμπει λάθρα | πατήρ, ἔν' — εἴη κτλ. et ad Arist. Ran. 24.

1174. ὡς πρὸς τί χρειάς;] With a view to (for) what purpose? I. q. ὡς πρὸς τίνα χρειάν; ὡς τί χρῆζων; Cf. Tr. 1182. ὡς πρὸς τί —; O. C. 71. ὡς πρὸς τί; Ph. 58. πλεῖς δ' ὡς πρὸς

οίκον. Ant. 35. τὸ πρᾶγμ' ἄγειν οὐχ ὡς παρ' οὐδέν. Aj. 44. ὡς ἐπ' Ἀργείοις. Tr. 532. ὡς ἐπ' ἐξόδῳ. Aj. 537. ὡς ἐκ τῶνδε. Aj. 740. Rhés. 99. οὐ δ' ὡς τί δράσων πρὸς τὰδ' ὀπλίξει χεῖρα; Eur. Med. 680. οὐ δ' ὡς τί χηρῶν τήνδε ναυτολεῖς χθόνα; Or. 796. ὡς τί δὴ τόδε; Ion. 537. ὡς τί δὴ φεύγεις με; πρὸς τί χρείας] Cf. Ant. 1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς. Aj. 314. ἐν τῷ πραγμάτος. Phil. 175. ἐπὶ παντί τῳ χρείας ἴσταμένῳ. ὡς ἀναλώσοιμι νιν] Tanquam si praecessisset ἔδωκε. Sic Eur. Hec. 10. ἐκπέμπει λάθρα | πατήρ, ἦν', εἴ ποτ' Ἰλίου τεῖχη πέσοι, | τοῖς ζῶσιν εἴη κτλ. Aesch. Pers. 450. πέμπει ὄπως, διαν — ἐκσωζοῖατο, | κτείνοιεν. ἀναλώσοιμι] Destroy. Cf. Thuc. III. 81. οἱ δ'. ὡς ἕκαστοι ἐδύναντο, ἀηλοῦντο. Aesch. Sept. 813.

1175. τλήμων] Miser. Cf. El. 121. 275. Sic δύστηνος. θεοφάτων — κακῶν] Cf. 796. κακῶν | χρησμών δνειδή.

1176. τοὺς τεκόντας] I. e. patrem. Pluralis ut in 1095. Fr. 61, 2. τοὺς τεκόντας καὶ φυτεύσαντας. Dicaeog. 4. τραφεῖς — τῶν φυτευσάντων ἕπο. Cf. etiam 1185. οὓς τέ μ' οὐκ ἔδει κτανῶν.

1178. κατοικτίσας] Cf. O. C. 384. 461. 1282. κατοικτείρειν est O. R. 13.

1182. ἐξήκει] Have turned out. Cf. 1011. ταρβῶν γε μή μοι Φοῖβος ἐξέλθη σαφής. 88. 1084. Herod. I. 120. VI. 80.

1183. ᾧ φῶς —] Cf. Eur. Alc. 207. Hec. 408.

1184. ξὺν οἷς τ' οὐ χρεῖν ὀμιλῶν] Cf. 366. τ'] In fine senarii, ut δ' in O. R. 29. etc. μ' in Arist. Ran. 298. Eur. Iph. T. 961.

1185. ξὺν οἷς τ' οὐ χρεῖν ὀμιλῶν] Cf. 1273. οὓς μὲν οὐκ ἔδει | ὀφιοῖαθ'. Aesch. Cho. 930. ἕκανές γ' ὄν οὐ χρεῖν.

1187. ὡς ἡμᾶς —] 'How do I count you as living a life which is no life.' (Jebb) ἴσα καὶ τὸ μηδέν] I. q. ἴσα τῷ μηδενί. Cf. 1019. O. C. 918. κάμ' ἴσον τῷ μηδενί. Aj. 1275. ἤδη τὸ μηδέν ὄντας. Eur. El. 989. σεβίζω σ' ἴσα καὶ μάκαρας. et ad O. C. 810. Ant. 1325. τὸν οὐκ ὄντα μᾶλλον ἢ μηδένα. Tr. 1107. κἂν τὸ μηδέν ᾧ. Ad rem cf. Aj. 125. ὄρω γὰρ ἡμᾶς οὐδέν ὄντας ἄλλο πλὴν | εἶδωλ' ὄσοιπερ ζῶμεν ἢ κούφην σκιάν. Fr. 12. ἀνθρωπός ἐστι πνεῦμα καὶ σκιὰ μόνον. 682. οὐδέν γὰρ ἐσμεν πλὴν σκιάς ἐοικότες. Pind. Pyth. VIII. 135. ἐφάμεροι. τί δέ τις; τί δ' οὔτις; | σκιάς θναρῶ ἀνθρωπος. ἴσα] Adverbialiter ut in Phil. 317. Sic ἴσον Ant. 420. El. 532. 1478. Fr. 810.

1191. ὅσον δοκεῖν] Cf. Xen. Oecon. XI. 18. ἀριστῶ — ὄσα — διημερεῖεν. δοκεῖν] I. q. δόξαν ἔχειν, εὐδοξον εἶναι, to be in repute. Cf. Eur. Tro. 608. ὄρω τὰ τῶν θεῶν, ὡς τὰ μὲν πυργοῦσ' ἄνω, | τὸ (τὰ?) μηδέν ὄντα, τὰ δὲ δοκοῦντ' ἀπώλεσαν. Hec. 294. ἐκ τ' ἀδοξούντων — κάκ τῶν δοκοούντων. Adesp. 482, 5. καθελῶν μὲν δοκούντ', ἀδόκητον δ' ἐξαιείρων (Ζεύς). S. Paul. Epist. Gal. II. 2. τοῖς δοκοῦσι. 7. οἱ δοκοῦντες.

1192. ἀποκλίνει] Gl. B. πεσεῖν.

1194. τὸν σὸν — δαίμονα] Cf. Tr. 910. αὐτὴ τὸν αὐτῆς δαίμον' ἀνακαλουμένη. Aj. 534. πρέπειον γε τῶν ἦν δαίμονος τοῦμοῦ τότε. El. 1157. Eur. Alc. 510. καὶ τὸνδε τοῦμοῦ δαίμονος πόνον λέγεις.

1195. καθ' ὑπερβολάν] 'With peerless skill.' (Jebb)

1196. δοτις] Ad σοῦ ex σὸν subintelligendum referendum. τοξεύσας] Cf. Eur. Tro. 683. ἐγὼ δὲ τοξεύσασα τῆς τ' εὐδοξίας | λαχοῦσα πλείον (πλείστον?) τῆς τύχης ἡμάρτανον. Aesch. Ag. 628. κῦρσαι ὥστε τοξότην ἄκρον σκοποῦ. Eur. Hec. 603. καὶ ταῦτα μὲν δὴ νοῦς ἐτόξευσεν μάτην. Suppl. 744. ὦ κειοὶ βροτιῶν, | οἳ τόξον ἐκτείνοντες ὡς καιροῦ (leg. οὐρανοῦ) πέρα. Hor. Od. II. 16. 17. 'Quid brevi fortes jaculamur aeno | Multa?'

1197. πάντ' εὐδαίμονος] Cf. El. 301. ὁ παντ' ἀναλκις. Aj. 911. ὁ πάντα κωφός, ὁ πάντ' αἰδώς. 1415. τῶ πάντ' ἀγαθῶ. Ant. 721. El. 301.

1198. κατὰ — φθίσιος] Cf. 970. κατέφθιτο. Phil. 346. κατέφθιτο. Fr. 761.

1200. θανάτων — πύργος] Cf. Aj. 159. σφαλερόν πύργον θῦμα. Eur. Alc. 311. καὶ παῖς μὲν ἄρσην πατέρ' ἔχει πύργον μέγαν. Med. 390. ἦν μὲν τις ἡμῖν πύργος ἀσφαλῆς φανῆ. 1319. ἔρυσμα πολεμίας χερσός. Monost. 303. λιμὴν ἀτυχίας. De hiatu post καλεῖ cf. ad 1190. Similis hiatus est Eur. El. 153. πατέρα φίλιτον καλεῖ | δλόμενον —. Sed transponendum forsitan ἐμὸς καλεῖ.

1204. ἀκούειν — ἀθλιώτερος] Cf. O. C. 144. οὐ πάνν μοίρας εὐδαιμονίαι | πρώτης. Phil. 1074. Herod. IX. 107. ἀκούειν] Cf. Ant. 836. μέγ' ἀκούσαι | τοῖσι θεοῖσιν σύγκληρα λαχεῖν.

1205. ἐν πόνοις] Sub. ὄν. Cf. 695. Aj. 1306. τοιοῦτ' ἐν πόνοισι κειμένους. 1007. Phil. 185. ἐν τ' ὀδύνας.

1206. αἵταις — ξύνοικος] Cf. Phil. 1168. ἀχθος φ' ξυνοικεῖ. O. C. 702. γήρα συνναίων. Plat. Symp. 203. αἰεὶ ἐνδεία ξύνοικος. ἀλλαγῆ βίου] I. e. μεταβολῆ. Cf. Aesch. Ag. 482. ἀλλαγῆ λόγου.

1208. λιμὴν] Sc. Ἀφροδίτης. Cf. Empedocl. v. 205. ἡ δὲ χθῶν τούτοισιν ἴση συνέκνυσε μυγεῖσα — Κύπριδος ὀρμυθεῖσα τελείοις ἐν λιμένεσσιν. 275. λιμένας σχιστοὺς Ἀφροδίτης. Theophil. com. III. 628. ἐν νυκτὸς ἔτερον λιμέν' ἔχουσι' ἐφημερέθη (sc. νέα γυνή). Theogn. 452. ἀπορρήξασα δὲ δεσμὰ | πολλάκις ἐκ νυκτῶν ἄλλον ἔχει λιμένα. Aj. 683. ἐταιρείας λιμὴν. θαλαμηπόλῳ] Scholiasta per νυμφίῳ explicat. Vocabulum θαλαμηπόλος ancilla significat apud Homerum et Aesch. Sept. 359. πικρὸν δ' ὄμμα τῶν θαλαμηπόλων. Non legitur alibi in Tragoedia.

1211. πῶς ποτε, πῶς ποτ'] Cf. Phil. 688. τότε τοι θαῦμά μ' ἔχει | πῶς ποτε πῶς ποτ' ἀμφιπλάκτων ῥοθίων μόνος (I. μένος) κλύων, πῶς ἄρα πανδάκρυτον οὕτω βιοτὰν κατέσχευ. 175. αἰ πατρῶα — ἄλοκες] I. e. εἰς ἃς ἐσπειρεν ὁ πατήρ σου (matris tuae uterus). Cf. Eur. Phoen. 18. μὴ σπεῖρε τέκνων ἄλοκα δαιμόνων

βία. Frequens metaphora apud tragicos Graecos. Cf. e. g. 1256 sq. 1405. 1485. 1497. Ant. 569. Tr. 31 sq. Aesch. Sept. 753.

1211. ἄλοχος] Cf. 1256. Ant. 569. Aesch. Sept. 753.

1212. ἐς τοσόνδε] Sc. χρόνου. Cf. El. 961. ἐς τοσόνδε τοῦ χρόνου.

1213. ὁ πάνθ' ὄρων χρόνος] Cf. O. C. 42. τὰς πάνθ' ὄρώσας *Εὐμενίδας*. Fr. 280, 2. ὁ πάνθ' ὄρων | καὶ πάντ' ἀκούων πάντ' ἀναπτύσσει χρόνος.

1214. δικάζει — γάμον] Cf. Eur. Or. 164. ἐδίκασε φόνον ὁ Λοξίας ἐμᾶς ματέρος. 580. El. 1094. εἰ δ' ἀμείνεται | φόνον δικάζων φόνος. Herc. 1150. τέκνοις δικαστῆς αἵματος γενήσομαι. Suppl. 1225. πατέρων θανόντων ἐκδικάζοντες φόνον. Pind. Ol. II. 106. τὰ δ' — ἀλιτρά κατὰ γᾶς δικάζει τις. ἄγαμον γάμον] Cf. Aj. 665. ἄδωρα δῶρα. Aesch. Pr. 544. ἄχαρις χάρις. Pr. 939. ἀπόλεμος — πόλεμος. Ag. 1111. νόμον ἄνομον. 1522. ἄχαριν χάριν. Eum. 957. Νυκτὸς παῖδες ἀπαιδες. Pers. 686. νᾶες ἄναες. Eur. Hec. 608. νύμφην τ' ἀνυμφον παρθένον τ' ἀπάρθενον. Hel. 690. γάμον ἄγαμον. 363. ἐγ' ἀνεργα. Suppl. 32. δεσμὸν ἄδεσμον. Iph. T. 897. πόρον ἄπορον. Herc. 1133. ἀπόλεμον πόλεμον. Hec. 948. γάμος οὐ γάμος. 1136. ἀπόλεμον πόλεμον. El. 1154. μήτηρ ἀμήτωρ. Phoen. 548. ὑπνος ἄυπνος. 1062. γάμους δυσγάμους. 1745. χάριν ἀχάριστον. Iph. T. 566. χάριν ἄχαριν. Julian. Or. VII. p. 425. ξυντελουμένω γάμων οὐ γάμων. Lycophr. 466. ξρωτας οὐκ ξρωτας. Catull. 64, 82. 'Funera Cecropiae ne funera portarentur.' Tragic. apud Cic. de Orat. III. 58. 'innuptae nuptiae.'

1215. τεκνοῦντα καὶ τεκνούμενον] Cf. 1210. παιδὶ καὶ πατρὶ.

1216. Δαιήιον τέκνον] Cf. Aj. 91. Διογενὲς τέκνον. Aesch. Ag. 1499. Ἀγαμεμνονίαν — ἄλοχον. Suppl. 60. τᾶς Τηρεΐας — ἀλόχου. Pind. P. II. 18. ὦ Δεινομένειε παῖ. Arist. Thesm. 919. τὴν Τυνδάρειον παῖδα. Virg. Aen. II. 403. 'Priameia virgo.'

1217. εἶθε σ' εἶθε σε —] Cf. Ant. 1319. ἐγὼ γάρ σ' ἐγὼ σ' ἔκανον. εἰδόμενον] Sic εἰσιδόμενον Aesch. Pr. 435.

1218. ὡς περιάλλα] Ut ὡς ἀληθῶς, ἐτητύμως, ῥᾶστα, etc. Cf. Theocr. XII. 28. τὸν Ἀτικὸν ὡς περιάλλα | ξείνον ἐτιμήσασθε Διοκλέα τὸν φιλόπαιδα. Περιάλλα legitur praeterea Soph. Fr. 224. οὖς (νόμους) — περιάλλα μονσοποιεῖ. Eur. Fr. 115. τί ποτ' Ἀνδρομέδα περιάλλα κακῶν | μέρος ἐξέλαχον; Pind. P. XI. 8. ὃν περιάλλα' ἐτίμασε Λοξίας. Hom. H. XVIII. 46. Sed v. annot. crit.

1219. ἐκ στομάτων] Pluralis ut in Tr. 938. ἀμφιπίπτων στόμασιν. Eur. Alc. 414. ποτὶ σοῖσι πίνων στόμασιν. τὸ δ' ὀρθὸν εἰπεῖν] And to speak the truth. Cf. Tr. 374. τὸ δ' ὀρθὸν ἐξείρηχ' ὄμως.

1221. ἀνέπνευσα] Cf. Aj. 274. ὡς ἔληξε κἀνέπνευσε τῆς νόσου.

1222. κατεκοίμησα τοῦμόν ὄμμα] Cf. Aesch. Ag. 1293. ὡς ἀσφάδαστος — ὄμμα συμβάλω τόδε. Eur. Hipp. 562. βροντῆ γὰρ ἀμφιπύρω τοκάδα — πτόμω φονίω κατεκοίμασε. Sic κοιμᾶν στόμα

Aesch. Ag. 1220. "Elegantissime dictum pro ἀνεπαυσάμην, i. e. quietem nactus sum." (Herw.)

1223. μέγιστα] Adverbialiter, ut in O. C. 700. Qu. ὦ γῆς μέγιστ' ἀνακτες ἐκτιμώμενοι (El. 64. ἐκτείμηνται).

1224. δ'] Cf. ad 29.

1225. ἀρεῖσθε πένθος] Cf. ad 1506. O. C. 460. τῆδε τῇ πόλει μέγαν | σωτῆρ' ἀρεῖσθε. Aj. 75. οὐ σῖγ' ἀνέξει μηδὲ δειλίαν ἀρεῖ; 129. μηδ' ὄγκον ἄρη (ᾱ) μηδένα. 193. μὴ — κακὰν φάτιν ἄρη (ᾱ). El. 34. δίκας ἀροίμην. Tr. 491. νόσον — ἐξαρούμεθα. Ant. 907. Theocr. V. 20. ἄλγος ἀροίμην. Eur. Her. 147. πένθος αἴρεσθε. 505. κίνδυνον — αἰρεσθαι. 986. ἐγὼ δὲ νεῖκος οὐχ ἐκὼν τόδ' ἠράμην. Ion. 199. κοινὸς αἰρούμενος πόνουσ. Herc. 147. ὑπὲρ τὴν ἀξίαν τὸ πένθος αἴρεσθ'. Rhes. 54. αἰρεσθαι φυγῆν. 126. Aesch. Sept. 316. ἀρεῖσθε κῦδος. Hesiod. Th. 628. εὖχος ἀρέσθαι. Herod. II. 1. πένθος ποιέσθαι. ἔγγενῶς] Genuinely, sincerely, truly. Cf. ad 1506. El. 1328. Sic 452. ἐγγενῆς φανήσεται Θηβαῖος (a true-born Theban.)

1226. τῶν Λαβδακείων — δωμάτων] Cf. El. 1117. τῶν Ὀρεστίων κακῶν. Eur. Alc. 1. ὦ δώματ' Ἀδμήτεια. ἐντρέπεσθε δωμάτων] Cf. 724. ὦν ἐντρέπου σὺ μηδέν. Aj. 90. El. 519.

1227. Cf. Aesch. Cho. 71 sq. Sept. 731 sq. Eur. Iph. T. 1139. θάλασσα κλύζει πάντα τὰνθρώπων κακά. Catull. 88, 5. 'suscipit, o Gelli, quantum non ultima Tethys | nec genitor nympharum abluit Oceanus.' Ovid. Fast. II. 40. 'Ah nimium faciles, qui tristia crimina caedis | fluminea tolli posse putetis aqua.' IV. 313. Virg. Aen. II. 719. IV. 635. Hor. Sat. II. 3. 282. Pers. Sat. II. 15. Plaut. Most. II. 2. Senec. Hipp. 715. 'Quis eluet me Tanais? Non ipse toto' etc. Shakesp. Macbeth II. 2. 'Will all great Neptune's ocean wash this blood | clean from my hand? etc. — Retire we to our chamber. | A little water clears us of this deed.'

1228. νύφαι — τὴν στέγην] Cf. Eur. Iph. T. 1303. ὡς φόνον νύφουσα δῆ. δσα κεύθει —] Tanta mala celat. Anglice so many ills does it conceal, while others it will presently bring to light. Ὅσα idem valet quod δτι τοσαῦτα, ut alibi οἶος i. q. ὅτι τοιοῦτος. Supplendum autem τὰ μὲν ex τὰ δὲ in sequenti clausula.

1229. δσα κεύθει — κακά] I. e. δσα (τὰ μὲν) κεύθει, τὰ δ' αὐτίκ' — φανεῖ. Cf. El. 1290. πατρῶαν κίησιν — ἀντλεῖ, τὰ δ' ἐκχεῖ. κεύθει] Cf. Eur. El. 359. οἱ' ἐμὸς κεύθει δόμος. Rhes. 872. οἶκος σε κεύθων. ἐς τὸ φῶς φανεῖ] Cf. Ant. 1279. τὰ μὲν πρὸ χειρῶν τάδε φέρων, τὰ δ' ἐν δόμοις | ἔοικας ἦκων καὶ (εἰσήκων?) τάχ' ὑπεσθαι κακά. El. 640. ἀναπτύξαι πρὸς φῶς. Phil. 581. λέγειν ἐς φῶς. Fr. 513, 5. τὸν ἐν τάφῳ κρυφθέντα πρὸς τὸ φῶς ἄγειν.

1230. ἐκόντα κοῦκ ἄκοντα] Cf. O. C. 240. ἔργων ἀκόντων. 977. ἄκον προᾶγμα. Phil. 1318. ἐκουσίοισιν — βλάβαις. 771. ἐφίε-
μαι ἐκόντα μὴ ἄκοντα — μεθεῖναι ταῦτα. Ant. 276. πάρειμι δ'
ἄκον οὐχ ἐκούσιν. Eur. Or. 605. ἐκούσαν, οὐκ (οὐδ'?) ἄκουσαν.
Herc. 532. ἐκούσα κοῦκ ἄκουσα. Andr. 357. ἐκόντες, οὐκ (οὐδ'?)
ἄκοντες. Hec. 566. ὁ δ' οὐ θέλων τε καὶ θέλων κτλ. Rhcs. 964.
ὡς θανῶν τε κοῦ λεύσσω φάος.

1231. αἶ φανῶσ'] Cf. Tr. 1021. ἀναπτέροφας ὁ τι καὶ μύση.
El. 773. ὦν τέκη. 1060. ἀφ' ὦν τε βλάστωσιν κτλ. Aesch. Sept.
818. ἦν λάχωσιν — χθόνα. Eum. 211. γυναικὸς ἦτις ἄνδρα νοσ-
φίση. Eur. Hipp. 327. γνώμην δικαίαν ἀγαθὴν, ὅτω παρῆ. 527.
οἷς ἐπιστρατεύση. 1265. ᾧ — ἐφορμάση. Ion. 856. οὐδὲν κακίον
δοῦλος ὅστις ἐσθλὸς ἦ. Alc. 998. ὅ τι νεύση. Hesiod. Op. 292.
ἐσθλὸς δ' αὐτὸν κἀκείνος ὅς εὖ εἰπόντι πίθηται. αὐθαίρετοι] Cf.
O. C. 523. Trag. adesp. 474. κλύδωνα σαυτῷ προσφέρεις αὐθαίρετον.

1232. λείπει] Intransitivum, ut in El. 514. Cf. Tr. 88. οὐδὲν
ἐλλείπω τὸ μὴ οὐ | πᾶσαν πυθέσθαι κτλ. Aesch. Prom. 1056. τί
γὰρ ἐλλείπει μὴ οὐ παραπαίειν | ἢ τοῦδ' εὐχῆ; 918. ἦδεμεν] Cf.
Eur. Bacch. 1343. ἦδετε.

1233. βαρύντον'] Cf. Aesch. Eum. 794. βαρυστότως φέρειν.
Dem. p. 314, 10. τοῖς βαρυστόνοις ἐκείνοις ἐπικαλονμένοις ὑπο-
κριταῖς.

1234. Cf. O. C. 1579. ἄνδρες πολῖται, ξυντομοιᾶτως μὲν ἂν |
τύχοιμα λέξας Οἰδίπουν ὀλωλότα.

1236. Cf. O. R. 949. πρὸς τῆς τύχης ὄλωλεν οὐδὲ τοῦδ' ὑπο.
Tr. 878. τάλαιν' ὀλεθρία, (τάλαιν', ὀλεθρίω?) τίνι τρόπῳ θανεῖν
σφε φῆς).

1237. αὐτὴ πρὸς αὐτῆς] Cf. Aj. 906. αὐτὸς πρὸς αὐτοῦ. Ant.
1174. Aesch. Prom. 762. τῶν δὲ πραχθέντων —] Cf. El. 761.
τοιαῦτά σοι ταῦτ' ἐστίν, ὡς μὲν ἐν λόγῳ | ἀλγεινὰ, τοῖς δ' ἰδοῦσιν
(l. τοῖς παροῦσι δ'), οἵπερ εἶδομεν, | μεγίστα πάντων ὧν ὀπωπ' ἐγὼ
κακῶν. Ulpian. ad Dem. c. Lept. init. ὄνις ἀκοῆς ἐναργεστέρα.

1239. ὅσον γε κἂν ἐμοὶ —] Cf. O. C. 53. ὅσ' οἶδα κἀγώ.
Lucian. Jup. Trag. 10. οὐχ ὅσα γε — κἀμὲ ὄρᾶν. Arist. Eccl. 350.
οὐκον πονηρὰ γ' ἐστίν ὅ τι (al. ὅσον, leg. ὅσα) κἂμ' εἶδέναι.

1240. κείνης ἀθλίας] Ut νιν δύστηνον Aj. 122.

1241. ὅπως] Ut, quando. Cf. Ant. 407. ὅπως γὰρ ἦκο-
μεν κτλ. Tr. 767. 919. O. C. 1638. Aesch. Prom. 236. Hom. Il.
12, 208. Od. 3, 373. ὀργῆ χωμένη] Indulging in anger.
Cf. Herod. I. 137. οὕτω [τῷ] θυμῷ χρᾶται. 155. σὺ μὴ πάντα
θυμῷ χρέο. V. 83. ἀγνωμοσύνη χρησάμενοι. VI. 61. ὡς φθόνῳ
καὶ ἄγῃ χρεόμενος. Plutarch Coriol. init. θυμοῖς — χωόμενος ἀκρά-
τοις. παρῆλθ' ἔσω θυρῶνος] Cf. Tr. 900. ἐπεὶ γὰρ ἦλθε δωμάτων
εἶσω μόνῃ. El. 1337. εἶσω παρελθεθ'. 1392. παρᾶγεται — εἶσω

στέγας. Aesch. Cho. 836. ἔσω παρελθών. Herod. VIII. 135. ἐς τοῦτο τὸ ἴσον ἐπει παρελθεῖν κτλ.

1242. ἔσω θυρώνας] Cf. El. 328. πρὸς θυρώνας ἐξόδοις.

ἔει' I. q. ὠροῦμαι. Cf. Ant. 432. ἰέμεσθα. Fr. 714. ἔγχοις (ἔγγυς?) ἰέμενος. Eur. Hel. 1512. δι' αἰθέρος ἰέμενοι. Bacch. 628. ἔται. Suppl. 698. ἔει'. Xen. An. I. 8. 26. ἔτο ἐπ' αὐτόν. Xen. Cyr. VIII. 20. ἔται (l. ἔτο), εἴ τι δύναται βοηθηῖσαι. Herod. IX. 78. ἔτο πρὸς Πανσανίην. VI. 112. 134. εὐθύ] Gl. B. κατ' ὀρθόν. Cf. Eur. Hipp. 1197. τὴν εὐθύς (l. εὐθύ τ') Ἄργους κάπιδαυρίας δδόν. τὰ νυμφικὰ λέχη] Cf. Eur. Med. 995. νυμφιδίων — λεχέων.

1243. ἀμφιδεξίους ἀκμαῖς] Sub. χερσῶν. I. e. utraque manu. With the fingers of both hands (with both hands). Cf. Aesch. Fr. 240. ἀμφιδεξίους χερσί. Supra 1034. λύω σ' ἔχοντα διατόρους ποδοῖν ἀκμάς. Eum. 370. βαρυνπεσῆ καταφέρω ποδὸς ἀκμάν. Aesch. Pers. 1060. πέπλον δ' ἔρεικε κολπίαν ἀκμῆ χερῶν (χεροῖν? cf. Soph. O. R. 1034. ποδοῖν ἀκμάς). Ant. 976. κερκίδων ἀκμαῖσιν. Eur. Bacch. 1206. λευκοπήχεσιν χερῶν ἀκμαῖσι (ἡγορεύσαμεν). Pind. Ol. II. 63. οὐ χθόνα ταράσσοντες (χαρ.) ἐν χερὸς ἀκμῆ. Arist. Ran. 1352. ἀνέπται' ἐς αἰθέρα κονφοιτάταις περὺργων ἀκμαῖς. ἀμφιδεξίους] Cf. O. C. 1112. ἐρείσαι' — πλευρὸν ἀμφιδέξιον. Eur. Hipp. 780. ἀμφιδέξιον (two edged) οἰδηρον. Trag. adesp. 288. πρὸς θῆλυ νεύει μάλλον ἢ 'πὶ τᾶρσας; | B. ὄπου προση τὸ κάλλος ἀμφιδέξιος. Herod. V. 92. ἀμφιδέξιον χρηστήριον. Hipponact. 83, 2. Hesych. ἀμφιδεξίους χερσί: ταῖς τῶν τόξων (l. τοξευτῶν), διὰ τὸ ἐκατέραν χεῖρα ἐνεργεῖν ἐν τῷ τοξεύειν. Αἰσχύλος Τηλέφω. Confer Latinum 'ambidexter.'

1244. ἐπιρράξασ'] Having slammed (banged) to. Construe εἰσῆλθ' ἔσω. Cf. O. C. 1503. δμβρία χάλαζ' ἐπιρράξασα. Plat. Prot. 314 D. καὶ ἄμα ἀμφοῖν τοῖν χερσῶν τὴν θύραν πάνν προθύμως ὡς οἷός τ' ἦν ἐπήραξε (l. ἐπήραξε, ab ἐπαράττειν). Theocr. XIII. 58 sq. Herod. I. 86. Confer καταρράσσειν, unde καταρράκτης O. C. 1590.

1246. σπερμάτων] I. q. σπυνοσιῶν sive σπορῶν. Cf. Eur. Phoen. 18. μὴ σπέριε παιδῶν ἄλοκα δαιμόνων βία.

1247. τὴν — τίκτουσαν] I. q. ταύτην ἢ ἔτικτε. Imperfecti participium.

1248. παιδουργίαν] Poetice positum pro παιδουργόν.

1249. γοῶτο] Cf. Eur. Bacch. 766. νίψαντο δ' αἶμα. ἔνθα — τέκοι] Ubi reperisset, non ubi pepererat, quod foret ἔνθα — ἔτεκεν. διπλοῦν] Cf. Ant. 53. μήτηρ καὶ γυνὴ διπλοῦν πάθος (al. ἔπος). Eur. Hec. 1179. δς φῆς, Ἀχαιῶν πόνον ἀπαλλάσσειν, διπλοῦν, | Ἀγαμέμνονός θ' ἕκαυ παιδ' ἔμην κτανεῖν. (Ubi διπλοῦν male vulgo ad πόνον refertur.) Herc. 950. διπλοῦς δ' (leg. διπλοῦν δ') ὀπαδοῖς ἦν γέλως φόβος θ' ὁμοῦ. Sic ἀμφοτέρων, ut apud Pindarum ἀμφοτέρων, μάντις τ' ἀγαθὸς καὶ δουρὶ μάρασθαι.

1250. Cf. Aesch. Sept. 930. *ἐξ ἀνδρὸς ἀνδρα*] Ex marito maritum.

1251. Cf. Aj. 270. *πῶς τοῦτ' ἔλεξας; οὐ κάτοιδ' (οὐ γὰρ οἶδ') ὅπως λέγεις. ἐκ τῶνδ'*] Gl. B. *μετὰ ταῦτα*. De hyperbato cf: ad 644.

1252. *εἰσέπαισεν*] Irruit. Anglice rushed in. Cf. Eur. Rhes. 560. Xenarch. III. 614. *ἀλάστωρ εἰσπέπαικε Πελοπιδῶν (δόμοις)*. Eur. Rhes. 560. *ἡ 'ς κρυπτόν λόχον εἰσπαίσας διόλωλε*; Sic *ἐπεισπαίειν* Arist. Pl. 805. *διεκπαίειν* Dioxipp. IV. 541.

1253. *ἐκθεάσασθαι*] To see out (to the end). Sic *ἐξάγειν*. O. C. 98. *ἐξήκειν*. O. R. 1011. *Tantum hic legitur*.

1254. *περιπολοῦντ'*] Pacing to and fro. Schol. *περιούνα ὡσπερ ἔμμανῆ*. Cf. Ant. 1209. Eur. Iph. T. 1455. *οὐς ἐξεμόχθεις περιπολῶν καθ' Ἑλλάδα*. 84. Rhes. 773. *λεύσσω δὲ φῶτε περιπολοῦνθ' ἡμῶν στρατόν*. *Πολεῖν* occurrit Pers. 307. Alc. 29. Or. 1269. Iph. T. 1455.

1255. *φοιᾷ*] Cf. Eur. Hipp. 144. *ἐκ Πανὸς — φοιτᾶς*. Hom. II. 3, 449. *Ἀτρεΐδης δ' ἀν' ὄμιλον ἐφοῖτα θηρὶ ἐοικώς*. Mosch. Id. III. 28. *μαινομένοιοι πόδεσσι δόμον κάτα πολλὸν ἐφοῖτων*. ὄπου *κίχοι*] Where he should find. Cf. ad 72. Xen. Hell. VII. 4. 39. *ἡπόρει τε ὅ τι χρῆσαιτο τῷ πράγματι*. Optativus ponitur quasi praecessisset *ἐφοῖτα*: est enim *φοιτᾶ* praesens historicus qui dicitur.

1256. *γυναῖκά τ' οὐ γυναῖκα*] Cf. Eur. Hec. 949. *γάμος οὐ γάμος. μητροῖαν — ἄρουραν*] Cf. Tr. 32. O. C. 1487. *Construe ὄπου τε κίχοι γυναῖκα οὐ γυναῖκα —*.

1257. ὄπου *κίχοι*] Aoristi optativus. Non requiritur particula *ἀν*. Cf. ad 72. Redde, where he should find. *κίχοι*] Cf. Eur. Alc. 480. *Ἄδμητον ἐν δόμοισιν ἄρα κιγῆάνω; Hel. 603. μαστεύων σε κιγῆάνω μόλις*. Eur. Or. 542. *πατήρ μὲν ἐφύτευσέν με, σὴ δ' ἔτικτε παῖς | τὸ σπέρμ' ἄρουρα παραλαβοῦσ' ἄλλον πάρα*. Aesch. Sept. 754. *ὄστε μὴ πρὸς ἀγνάν σπείρας (l. σπείραι 'ς) ἄρουραν ἴν' ἐτράφη ῥίζαν αἱματόεσσαν ἔπλα*. Theogn. 581. *ἐχθαίρω δὲ γυναῖκα περιδρομον ἄνδρα τε μάργον | ὄς τὴν ἀλλοτριαν βούλει ἄρουραν ἄροῦν*.

1258. Cf. Aj. 243. Aesch. Ag. 663. *δείκνυσι*] Sc. *τὴν γυναῖκα*.

1259. *ἐγγύθεν*] Pro *ἐγγύς*, ut in Aj. 544. Sic *τηλόθεν* pro *τηλοῦ* Eur. Herc. 1112.

1260. *ὑφηγητοῦ τινος*] Lege *ὑφ' ἡγητήρος*. Cf. 966. *ὦν ὑφηγητῶν (l. ὑφ' ἡγ.) ἐγὼ | κτενεῖν ἔμελλον —*. O. C. 1588. *εἶπε — ὑφηγητήρος (l. ὑφ' ἡγ.) οὐδενὸς φίλων*.

1261. *πύλαις διπλαῖς ἐνήλατ'*] Cf. Arist. Ran. 38. *τίς τὴν θύραν ἐπάταξεν; ὡς κενταυρικῶς | ἐνήλαθ', ὄστις. πύλαις διπλαῖς*] The folding doors (τοῦ θαλάμου). Cf. Hom. Od. 2, 344. *κληῖσται δ' ἔπεσον? σανίδες πυκινῶς ἀραρυῖαι | δικλίδες. ἐκ δὲ πνυθμένων*] Anglice from their bases (sockets). Erant autem ii in interiori forium parte quas Jocasta post se clauserat (1244). Oedipi vis

extrinsecus illata pessulos (τὰ κλήθρα) rumpit ita ut flectantur et curvi (κοῖλα) fiant. Sic Oedipus διοίγειν κλήθρα jubet 1287. Cf. Aesch. Pri. 1047. γήθρα δ' ἐκ πνυθμένων αὐταῖς δίζαις | πνεῦμα κραδαίνει. Hom. Il. 11, 634. δύω δ' ὑπὸ πνυθμένες ἦσαν. 18, 375. "Mihi vix dubium videtur quin voce πνυθμένων cardines, quae sunt in foribus, et vocabulo κλήθρα postes intelligi debeant." (Dind.)

1262. ἔκλινε] Evellit, emovit. Anglice, he wrenched, made to give way. Cf. Eur. Suppl. 704 ἔκλινε γὰρ κέρας — ἡμῶν. ἔκλινε— κάμπιπτει] Cf. Ant. 406. καὶ πῶς ὁρᾶται κάπιληπτος ἤρεθῃ; κοῖλα — κλήθρα] Cf. Theocr. XXIV. 15. ὥρσεν ἐπὶ πλατὸν οὐδόν, ὅθι σταθμὰ κοῖλα θυράων. Schol. ἀνέτροψε τὰς θύρας καὶ κατέβαλεν ἐκ τῶν πνυθμένων. "Quo non explicatur cur κλήθρα cava dicantur." (Dind.) κλήθρα] Cf. 1287. 1294. κάμπιπτει στέγη] Cf. Eur. Phoen. 1153. ἐμπίπτειν πύλαις.

1263. οὐ δὴ —] Cf. Eur. Iph. A. 49. οὐ δὴ μ' — ἔπεισε τλήγει δεινά. Aesch. Prom. 814. Arist. Th. 1150.

1264. πλεκταῖσιν ἀρτάναισιν —] Cf. Ant. 54. πλεκταῖσιν ἀρτάναισιν λωβᾶται βίον. Eur. Hipp. 762. πλεκτάς πεισματῶν ἀρχάς. Tro. 958. πλεκταῖσιν (sc. ἀρτάναις) ἐς γῆν σῶμα κλέπτουσαν τόδε. Iph. T. 1374. ἄλλοι δὲ πλεκτάς ἐξανήπτον ἀγκύλας (ἀρτάνας?). Jocastae more aliter describitur Eur. Phoen. 1470.

1265. βροχηθεῖς] De homine, ut in Tr. 805. 904. Aj. 322. ὑπεσιτάζε ταῦρος ὡς βροχώμενος. Arist. Ran. 823. βροχώμενος ἦσει | δῆματα γυμφοπαγῆ. Aoristi passivi forma cum activo sensu, ut δεοχθεῖς, ὀμοοχθεῖς, etc. Frequentior forma est βροχησάμενος, Plat. Phaedr. p. 177 D.

1266. κρεμαστήν ἀρτάνην] Cf. Aesch. Ag. 785. πολλὰς ἄνωθεν (πάροισθεν aut κρεμαστάς conj. Karsten) ἀρτάνας κτλ. Eur. Hipp. 778. κρεμαστὸν — βρόχον λευκῆ καθαρομόζουσα δειροῦ. 779. κρεμαστοῖς ἐν βρόχοις ἠρητημένη. 812. βρόχον κρεμαστὸν ἀγχόνης ἀνήρωτο. ἀρτάνην] Ab ἀρτᾶν (αἶρω, cf. αἰώρα). Ant. 54. Aesch. Ag. 849. πολλὰς ἄνωθεν ἀρτάνας ἐμῆς δέσης | ἔλυσαν ἄλλοι (ἀστοί?). 1062. Suppl. 151. ἀρτάναις θανοῦσαι. Tro. 1012. βρόχους ἀρτωμένη. Andr. 812. ἀρτῆσαι δέριν. Hel. 299. ἀγχόνας μεταρσοῖ.

γῆ ἔκειτο] Cf. O. C. 411. σοῖς ὅταν στώων τάφοις. Tr. 789. πολλὰ μὲν τάλας χθονὶ | ἔριπτον ἐαντόν. 767. 915. El. 747. τοῦ δὲ πίπτοντος πέδω. 1331. σταθμοῖσι τοῖσδε — φυλάσσων. Aesch. Sept. 435. ἔριν πέδω σκήψασαν. Eur. Phoen. 1687. περὶ δ' οὐ μοῖρα κείσομαι πέδω.

1267. τάνθ' ἐνδ'] Cf. El. 1307. οἶσθα μὲν τάνθ' ἐνδ'. Ph. 895. Eur. Med. 1164. τοῖσ' ἐνδ' ἐνδ' ἐμῶν δεινὸν ἦν θέαμ' ἰδεῖν. Bacch. 759. οὐπερ τὸ δεινὸν ἦν θέαμ' ἰδεῖν.

1268—1279. Cf. Tr. 924. λυεῖ τὸν αὐτῆς πέπλον ἢ χρυσοῦλατος | προῦκειτο μαστῶν περονίς, κτλ. Aesch. Sept. 783. πατροφόνω χροῖ τῶν κρεισσοτέκνων ὀμμάτων ἐπλάγχθη (?). τέκνοις δ' ἀραιὰς

ἐφῆκεν ἐπικότους τροφάς, κτλ. χρυσηλάτους περόνας] Cf. Tr. 924. χρυσήλατος — περόνις. Eur. Bacch. 98. χρυσαίσιον — περόναις. Phoen. 812. Pollux (VII. 54.) inter περόνη et πόρπη distinguit, priorem humeris, posteriorem pectori in τῷ σχιστῷ χιτῶν assignans.

1269. Cf. Aj. 243. Aesch. Ag. 662. ἦτοι τις ἐξέκλεψεν ἢ ἔητήσατο | θεός τις, οὐκ ἄνθρωπος. περόνας] Cf. Herod. 5, 87. κεντεύσας (κεντήσας?) τῆσι περόνησι τῶν ἱματίων. Eur. Hec. 1170. πόρπας λαβοῦσαι τὰς ταιλαιπώρους κόρας | κεντοῦσιν, αἰμάσσουσιν. (Jebb)

1270 sq. Cf. Aesch. Sept. 777. ἐπεὶ δ' ἀρτίφρων | ἐγένετο μέλεος ἀθλίων | γάμου ἐπ' ἄλγει δυσφορῶν, | μαινομένα κραδίᾳ | διδυμα κάκ' ἐτέλεσεν | πατροφόνῳ χερὶ τῶν | κρεισοτέκνων δμμάτων ἐπλάγχθη.

1270. ἄρας ἐπαισεν] Cf. Eur. Cycl. 423. κἀπήνεσ' ἄρας χεῖρα. Arist. Eq. 1130. τοῦτον δ' — ἄρας ἐπάταξα. [Menand. IV. 299. πρώην ἄρας ἐπάταξα.] Lucian. Tox. 50. ἀναιτίνας (sc. τῷ χεῖρι) εἰς τὸν οὐρανὸν ἤθελεν δμνύειν. ἄρθρα — κύκλων] I. e. βλέφαρα. Scholiasta per κόρας (pupils) explicat, Jebb per sockets. Cf. 1032. ποδῶν — ἄρθρα. 718. ἄρθρα — ποδοῖν (ποδῶν?). Ph. 1202. Eur. Cycl. 625. σιγαῖτε — συνθέντες ἄρθρα στόματος (i. e. labia). κύκλων] I. e. oculorum. Cf. Ant. 974. ἀλαστόροισιν δμμάτων κύκλοις. 416. O. C. 704. κύκλος — μορίου Διός. Phil. 1354. ὦ τὰ πάντ' ἰδόντες ἀμφ' ἐμοῦ κύκλοι. 815. Aj. 672.

1271. ὀδοῦνεκ'] That. Contractum ex διου ἔνεκα. Confer ἀνδ' ὦν. ὄφουιντο] Cf. 796. ὄφουίμην. 1274. O. C. 944. ἤδη δ' ὀδοῦνεκ' ἄνδρα — ἀναγνον οὐ δεξοίαι'. Xen. Cyr. IV. 6. 3. μέγα φρονῶν διου δῆθεν τῆς βασιλέως θυγατρὸς ὄφουίμην τὸν ἐμὸν νῖον γαμέτην.

1272. Cf. 794. 997. Phil. 454. οἱ' ἔδρα] "Quum patrem inscius occideret." (Dind.) οἱ — ὀποῖ'] Cf. Tr. 1203 sq.

1273. ἐν σκοτῶ] I. e. nequaquam. Cf. 419. βλέποντα — σκοτόν. οἷς μὲν οὐκ ἔδει] I. e. liberos suos incesto connubio natos. Cf. 1184 sq. Eur. Herc. 642. βλεφάρων σκοτεινὸν φάος.

1274. ὄφουιάθ'] Cf. Aj. 842. ὀλοίατο. O. C. 945. δεξοίατο. El. 211. ἀποναίατο. Eur. Iph. A. 423. γευσαίατο. οὓς τ' ἐχρηζεν] Sc. γιγνώσκειν, sc. parentes suos. Cf. 1371. El. 1235. ἦλθετ', εἶδεθ' οὓς ἐχρηζετε. Eur. Ph. 194. ἐπεὶ πόθου | ἐς τέρωιν ἦλθες ὦν ἐχρηζες εἰσιδεῖν.

1275. ἐφρυνῶν] Imprecans. Cf. Ant. 658. πρὸς ταῦτ' ἐφρυνεῖτω Λία | ξύναιμον. 1305. Aj. 292. ὁ δ' εἶπε πρὸς με βαί', ἀεὶ δ' ὑμνούμενα. Eur. Phoen. 441. πάλαι μὲν οὖν ὑμνηθὲν ἀλλ' ὁμοῦ ἐρώ. Andr. 620. κἀγὼ μὲν ἠῦδων τῷ γαμοῦντι μήτε σοι | κῆδος συνάψαι κτλ. Aesch. Cho. 380. Plat. Resp. 549 E. οἶα φιλοῦσιν αἱ γυναικες περὶ τῶν τοιοῦτων ὑμνεῖν. Xen. Mem. IV. 2. 33. πολλάκις τε κοῦχ ἀπαξ] Cf. Herod. VII. 46. πολλάκις καὶ οὐκὶ ἀπαξ τεθνήσκει. Sic O. C. 932. βία τε κοῦχ ἐκῶν. El. 885. ἐξ ἐμοῦ τε κοῦκ ἄλλης. Eur. Rhes. 964. ὡς θανῶν τε κοῦ λεύσων φάος.

Fr. 25. πρὸς χάριν τε κοῦ βία. κοῦχ ἄπαξ] I. e. κοῦχ ἄπαξ μόνον. Cf. 689. εἶπον μὲν οὐχ ἄπαξ μόνον. Eur. Andr. 81. Aesch. Prom. 225. Similiter Hor. Od. IV. 250. 'non semel dicemus Io triumphe.' 1276. ἤρασσ' ἐπαίρων] Cf. Ant. 52. διπλᾶς ὄψεις ἀράξας αὐτὸς αὐτουργῶ χειρὶ. 973 sq. Phil. 889. Eur. Rhes. 789. κλύω δ' ἐπάρας κροῦτα πιλ. Euangel. com. 1, 10. ὥστε τὸν δειπνοῦντ' ἐπαίρειν (sc. τὴν χεῖρα), ἂν τι βούληται λαβεῖν. Menand. IV. 299. ἄρας ἐπάταξα. IV. 298. ἐξάραντες (εἴτ' ἄρ.?) ἐπικροτήσατε. Sed corrigendum proculdubio ἤρασε πείρων (unde περόνη 1269).

1277. γλῆναι] Pollux II. 70. ὀμμάτων δὲ τὸ μὲν ἐν μέσῳ μέλαν κόρη, ἧς ἡ αὐγὴ γλῆνη (i. e. iris). ἀνίσσαν] I. e. sent up. Quod non convenit. Meinekius ἀφίσσαν proponit.

1278. μυδώσας σταγόνας] Cf. Ant. 1008. μυδώσα κηκίς. ὀμοῦ] Cf. Trach. 784. κόμης — αἱματός θ' ὀμοῦ. Aesch. Pers. 432. οὐμωγῇ δ' ὀμοῦ | κωκύμασιν κατεῖχε πελαγίαν ἄλα. Blomfield (Gl. Pers. 432.) observat ὀμοῦ raro aut nunquam apud Atticos poetas significare 'una cum'. Repetitio adverbii ὀμοῦ post tam breve intervallum notabilis est. Sic ὄμως O. C. 957—958. μέλας ὄμβρος —] Cf. Aesch. Ag. 1532. δέδοικα δ' ὄμβρον κτύπον — αἱματηρόν. Eubul. III. 250. ἀπὸ τῶν — ὀφθαλμῶν ὑδρορροαὶ δύο ῥέουσι μέλανος.

1279. ὄμβρος χαλάζης —] Cf. O. C. 1503. ὄμβροια χάλιαζ' ἐπιρράξασα. Pind. Isthm. 4, 49. ἐν πολυφθόρῳ — Διὸς ὄμβρον | ἀναρτίμων ἀνδρῶν χαλαζάεντι φόνῳ. 6, 27. χάλιαζαν αἱματος. Aj. 352. φοινίας ὑπὸ ζάλης. 376. ἐρεμνὸν αἶμ' ἔδενσα. Ph. 824. μέλαινα — αἱμορραγῆς φλέψ. Tr. 717. ἴδς αἱματος (αἱματοῦς?) μέλας. 548. 845. Aesch. Ag. 1363. ἐρεμνῇ ψακάδι φοινίας δροσοῦν. Eur. Tro. 78. καὶ Ζεὺς μὲν ὄμβρον καὶ χάλιαζαν ἄσπετον | πέμψει. αἱματοῦσ'] Sic ἐγκέφαλος αἱματοεῖς Hom. II. 17, 297. Cf. φοινηκοῦς (φοινικίους).

1280. ἐκ δυῶν] Cf. El. 728. ἐξ ἐνὸς κακοῦ. ἔρωγεν — κακά] Cf. 1075. δέδοικ' ὅπως μὴ — ἐκ τῆς σιωπῆς τῆσδ' ἀναρρήξει κακά. Tr. 852. ἔρωγεν παγὰ δακρῶν. Aesch. Pers. 433. αἰαῖ κακῶν δὴ πέλαγος ἔρωγεν μέγα | Πέρσαις. Eur. Hipp. 1338. μάλιστα μὲν νυν σοὶ τάδ' ἔρωγεν κακά, | λύπη δὲ κάμοι. Herod. I. 80. ὁ ποταμὸς συρρήγγνσι ἐς τὸν —. Philostr. V. Apoll. III. 52. ποταμὸς διὰ κρημνῶν καταρρηγνύς. Lob. ad Aj. 250.

1281. ἀνδρὶ καὶ γυναικὶ συμμυγῇ κακά] Cf. Aesch. Sept. 740. πόνοι δόμων νέοι παλαιοῖσι συμμυγεῖς κακοῖς.

1282. τῆδε θῆμέρα] Cf. Aj. 756. 778. 1362. Arist. Av. 1072. Th. 76.

1283. δικαίως] Jure, revera. I. q. ἀληθῶς. Cf. 853. Aj. 547.

1284. Cf. Ant. 4 sq.

1285. Cf. 1298. πάντων ὅσ' ἐγὼ προσέκυρσ'. Ant. 684. πάντων ὅσ' ἔστι κτημάτων ὑπέριστατον. El. 896. περιστεφῆ κύκλω | πάν-

των δσ' ἐστὶν ἀνθέων θήκην πατρός. Arist. Pac. 599. τὰλλα θ' ὀπόσ' ἐστὶ φντά.

1286. ἐκπῆν σὺ βολῆ κακοῦ] Schol. ὅλον ἐν ποίᾳ διατριβῇ. Cf. Eur. Herc. 725. δεῦρ' ἐπεσθε, πρόσπολοι, | ὡς ἂν σχολὴν λάβωμεν (λύσωμεν mss.) ἄσμενοι πόνων.

1287. Cf. El. 1458. σιγᾶν ἀνωγα κἀναδεικνύναι (κἀμπεταννύ- ναι?) πύλας (τύχας αὐτ δέμας?) | πᾶσιν Μνηστραίοισιν Ἄργείοις θ' ὄραῖν, κτλ. βοᾷ] Cum clamore jubet. Cf. Eur. Andr. 298. ὅτε νιν — βόασε Κασάνδρα κτανεῖν. Phoen. 1154. βοᾷ | πῦρ καὶ δι- κέλλας ὡς κατασκάπων πόλιν. Her. 495. Hec. 303. Dion. H. VII. 62. ἀπολύειν ἐβόα τὸν ἄνδρα. Xen. Anab. I. 8. 12. τῷ Κλεάρχῳ ἐβόα ἄγειν τὸ στρατεύμα. 19. ἐβόων δὲ ἀλλήλοισ μὴ θεῖν δρόμῳ. διοίγειν κλῆθρα] Cf. 1294. κλῆθρα γὰρ πνλῶν τάδε | διοίγεται. Eur. Hipp. 808. χαλᾶτε κλῆθρα, πρόσπολοι, — ὡς ἴδω πικρὰν θέαν κτλ. Eur. Herc. 332. οἴγειν κλῆθρα προσπόλοισ λέγω. διοίγειν] To open wide. Scilicet quia διπλαῖ thalami πύλαι erant (1261). Cf. 1295. Aj. 346.

1288. τοῖς πᾶσι —] Cf. Phil. 47. τοὺς πάντας Ἄργείους. 375. Av. 1275. τιμῶσιν οἱ πάντες λεῶ (σε).

1289. Cf. Eur. El. 926. ὁ τῆς γυναικὸς (sc. ἀνῆρ). Lucian. D. D. XV. ἐγὼ δὲ ἤδη ποτὲ τὴν Ἀφροδίτην — ἀλλ' οὐ χρῆ αὐχεῖν. Theocr. I. 105. οὐ λέγεται τὰν Κύπριν ὁ βωκόλος —; Arist. Vesp. 1178. et ad Av. 443.

1290. ὡς ἐκ χθονὸς εἴψων ἐαυτὸν] Cf. 1436. εἴψὸν με γῆς ἐκ τῆσδ' ὅσον τάχιστα. Tr. 269. ἐροῦμεν ἐκτὸς αὐτόν.

1291. δόμοις ἀραῖος] Cf. Tr. 1202. Fr. 367. ὁ πρόσθεν ἐλθὼν ἦν ἀραῖος μοι νέκνς. Aesch. Ag. 236. φθόγγον ἀραῖον οἴκοις. Eur. Iph. T. 778. ἡ σοῖς ἀραῖα δώμασιν γενήσομαι. Med. 608. καὶ σοῖς ἀραῖα γ' (leg. γ' ἀραῖος) οὔσα τυγχάνω δόμοις. Hipp. 1415. εἶθ' ἦν ἀραῖον δαίμοσιν βροτιῶν γένος. ὡς ἠράσατο [Nemppe v. 238 sq.

1292. προηγητοῦ] I. q. ὑφηγητοῦ.

1293. μεῖζον ἢ φέρειν] Cf. Tr. 1018. τοῖργον τόδε μεῖζον ἀνή- κει | ἢ κατ' ἐμὰν ῥώμαν. σὺ δὲ σύλλαβε. Eur. Fr. 1083, 10. ἀρε- τὴν ἐχούσης μεῖζον ἢ λόγῳ φράσαι. Pind. Ol. 13, 109. εὐρήσεις μάσσον' ἢ ὡς ἰδέμεν. Eur. Hec. 1089. κρείσσον' ἢ φέρειν κακά. Suppl. 844. κρείσσον' ἢ λέξαι λόγῳ | τολμήμαθ'. Bacchyl. Fr. 11. μεῖζον ἢ πενθεῖν (φέρειν?) ἐφάνη κακόν. Xen. Mem. III. p. 770 C. μεῖζον ἢ ὥστε φέρειν δύνασθαι κακόν. Herod. III. 14. μέζω κακά ἢ ὥστε ἀνακλαίειν. προηγητοῦ] Cf. Ant. 990. τοῖς τυφλοῖσι γὰρ αὕτη κέλευθος ἐκ προηγητοῦ πέλει. Eur. Bacch. 1159.

1294. δείξει δὲ καὶ σοί] Cf. Aj. 66. δείξω δὲ καὶ σοί (δέ τοί σοι?) τήνδε περιφανῆ νόσον. Eur. Andr. 707. δείξω δ' ἐγὼ σοι —. Arist. Eccl. 933. δείξει γε καὶ (γέ τοί σοι?) σοί· τάχα γὰρ etc. Plat. Hipp. maj. 288. αὐτὸ δείξει. κλῆθρα — διοίγεται] Cf. 1287.

1296. Cf. Tr. 672. τοιοῦτον ἐκβέβηκεν ὄλον — ὑμῖν θαυμ' ἀνέλλιπτον μαθεῖν (ποιεῖν?). Aj. 924. ὡς καὶ παρ' ἐχθροῖς ἄξιος θρήνων τυχεῖν. (Fr. 598, 8.) φεῦ· κἄν ἀνοικτίρμων τις οἰκτείρειέ νιν.

1299. δσ' ἐγὼ προσέκυρσ'] Qu. ὁπόσοις προσέκυρσ'. Cf. Aesch. Cho. 13. πότερα δόμοισι πτώμα προσκυρεῖ νέον; Theogn. 1361. ναῦς πέτρη προσέκυρσας.

1300 sq. Cum his cf. Ant. 1272. ἐν δ' ἐμῷ κάρῳ | θεὸς τότε ἄρα τότε μέγα βάρος μ' ἔχων | ἔπαισεν ἐν τ' ἔσεισεν ἀγροῖαις ὁδοῖς.

1300. προσέβη] Gl. B. ἐπῆλθε. τίς ὁ πηδήσας —;] Cf. 1311. 263. νῦν δ' ἐς τὸ κείνου κρᾶτ' ἐνήλαθ' ἢ τύχη. Ant. 1347. Aj. 137. σὲ δ' ὅταν πληγὴ Διὸς — ἐπιβῆ, κτλ. Aesch. Ag. 1174. καὶ τίς σε κακοφρονῶν τίθησι δαίμων ὑπερβαρῆς ἐμπύτων. Pers. 875. ὡς ὠμοφρόνως δαίμων ἐνέβη Περσῶν γενεᾷ. 515. Eum. 368. Suppl. 650. πηδήσας] Cf. 257. 469. 1311.

1301. μείζονα] Sub. πηδήματα. Cf. Eur. Or. 263. πηδᾶν δυστυχῆ πηδήματα. Andr. 1140. Pind. Nem. 5, 19. μακρὰ — ἄλματα. Sed corrigendum μάσσονα. τῶν μακίστων] Superlativus nominis μακρός. Cf. Phil. 849. ὅ τι δύνα μάκιστον. Eur. Hipp. 818. ἔπαθον, ὦ τάλας, | τὰ μάκιστ' ἐμῶν (leg. μάκιστα τῶν) κακῶν. Aesch. Fr. 280. καὶ μὴ καμίνον σχῶσι μάκιστον σέλας. Pers. 438. κακῶν ῥέπουσαν ἐς τὰ μάσσονα. 705. Pr. 634. μάσσον.

1302. πρὸς σῆ δυσδαίμονι μοίρῳ] In addition to your own luckless fortune (or genius). Cf. 1458. ἀλλ' ἢ μὲν ἡμῶν μοῖρ' — ἦτω. El. 1093. μοίρῳ μὲν οὐκ ἐν ἐσθλῇ βεβῶσαν. Ph. 682. Fr. 787. οὐμὸς αἰεὶ πότμος — κυκλεῖται. Ant. 881. τὸν δ' ἐμὸν πότμον κτλ. Aesch. Fr. 159. οὐμὸς δὲ πότμος οὐρανῷ κυρῶν ἄνω (ἀεὶ αὐτ πάρος?) | ἔραζε πίπτει. Sed v. annot. crit.

1306. τοῖαν] Cf. Aj. 251. 562. 929. Ant. 124. φοβίην] Horrorem. Cf. Fr. 921. δρθόκερως φοβίη. Adesp. 336. ἀκύματος δὲ πορθμὸς ἐν φοβίη γελᾷ. Eur. Phoen. 1285. τρομερὰν φοβίη τρομερὰν φρέν' ἔχω. Tro. 1026. φοβίη τρέμουσαν. Herod. VI. 134. φοβίης αὐτὸν ὑπελθούσης. Virg. Aen. III. 29. 'Frigidus horror.'

1309. ποῖ γᾶς φέρομαι;] Cf. El. 922. οὐκ οἶσθ' ὅποι γῆς οὐδ' ὅποι γνώμης φέρει. Tr. 984. ποῖ γᾶς ἦκω; Eur. Hec. 1075. πᾶ (l. ποῖ) φέρομαι; Arist. Av. 1638. ὦ δαιμόνι' ἀνθρώπων Πόσειδον, ποῖ φέρει; Pac. 198. ποῖ γᾶς] Cf. Soph. Phil. 1211. πατέρα ματεῶν — ποῖ γᾶς; — εἰς ἕδον.

1310. φωνὰ φοράδην] Cf. Aesch. Sept. 84. ἐγχερίττειται βοᾶ, ποτᾶται. φοράδην] I. q. ἄρδην (Eur. Alc. 608. νέκυν — φέρουσιν ἄρδην). Herwerden per 'magno impetu' hoc explicat. Cf. Eur. Andr. 1167. καὶ μὴν ὄδ' ἀναξ ἦδη φοράδην — δῶμα (δεῦρο?) πελάζει. Rhés. 888. τίς ὑπὲρ κεφαλῆς θεός — τὸν νεόκμητον νεκρὸν ἐν χειροῖν φοράδην πέμπει; Dem. p. 1263. φοράδην ἦλθον οἶκαδε ὑγιῆς ἐξελθόν. Etym. M. s. v. φορά: καὶ φοράδην τὸ ὀρμητικῶς φέρεσθαι. Confer σποράδην, τροχάδην, λογάδην, προτροπάδην, ἀγδην,

ἀρπάγην, παραβλήδην, φύρδην, etc. Cf. Aesch. Fr. 57, 10. τυπάνου δ' ἤχη — φέρεται βαρυνταρβής.

1311. ἰὼν δαῖμον] Cf. Tr. 1026. ἰὼ ἰὼ δαῖμον. ἰν' ἐξήλω aut ἰν' ἐξήλων mss. ἐνήλω Nauck. Cf. 763. νῦν δ' ἐς τὸ κείνον κρατ' ἐνήλαθ' ἢ τύχη. 1261. Ant. 1346. ἐπὶ κρατὶ μοι (μον κάρα?) πότμος δυσκόμιστος εἰσήλατο. Aesch. Pers. 310. ἀφήλατο. 515. ὦ δυσπόνητε (δυσκόμιστε?) δαῖμον, ὡς ἄγαν βαρὺς | ποδοῖν ἐνήλω παντὶ Περσικῷ γένει ἰν' ἐξήλω] Where have you lighted! (sic, non?). Cf. 687. ὄρας ἰν' ἤκει;

1312. ἐς δεινὸν] τόπον subaudit Jebb. Melius intelliges πρᾶγμα aut ἔργον (a deed). ἀκουστὸν] Cf. Fr. 327. ἀπελθ' ἀπελθε, παῖτάδ' οὐκ ἀκουστά σοι. Eur. Andr. 1085. ἀκοῦσαι δ' οὐκ ἀκούσθ' ὅμως θέλω. Eur. Fr. 334, 4. οὐκ ἀκουστὸν οὐδ' ἀνασχετόν. et ad O. C. 1360. ἐπόψιμον] I. q. ἐποπτον. Confer ἐξοικησίμος (i. q. οἰκητός) O. C. 27—28.

1313 sq. Cf. Aesch. Eum. 353. τοῖον ἐπὶ κνέφας ἀνδροὶ μύσος πεπόταται.

1314. ἀπότροπον] I. e. ὁ τις ἂν ἀποτρέπεται (Hesych.) Aversandum abominandum, horridum. Cf. Aj. 608. ἀπότροπον — Ἄιδαν. Aesch. Cho. 155. ἐπιπλόμενον] I. e. ἐπερχόμενον. Cf. Hom. Od. 7, 261. ἀλλ' ὅτε δή μιν ἐπιπλόμενον ἔτος ἤλθεν. 15, 407. Hesiod. Th. 184. περιπλομένων δ' ἐνιαυτῶν.

1315. ἀδάματον] I. e. intractabile. Cf. Aesch. Cho. 54. σέβας δ' ἄμαχον, ἀδάματον, ἀπόλεμον τὸ πρίν. Sept. 233. πόλιν νεμόμεθ' ἀδάματον. Suppl. 143. δυσούριστον] I. e. vento adverso allatum, infaustum. Schol. ὄρον μὴ ἔχον, ἀλλ' αἰε παραμένον. Lege δυσουριστότατον. Cf. Aj. 432. 940. Aesch. Fr. 375. ἀμήχανον τέχνημα καὶ δυσέκδυτον (de Clytaemnestrae tunica fatali). Eur. Hipp. 676. πάθος — δυσεκλέρατον. Herc. 95. οὔριος δρόμος ἐκ κακῶν.

1317. οἴμοι μάλ' αὐθις] Cf. Eur. Or. 1020. οἶ' ἄν μάλ' αὐθις. εἰσέδν μ'] Cf. Phil. 1112. Cum dativo Herod. VI. 138. καὶ σφίσι βοουλευόμενοισι δεινὸν τι εἰσέδνε.

1318. κέντρων τε τῶνδ' οἴστρημα] Both the maddening pain of these sharp instruments. κέντρων] Sc. τῶν περονῶν (1269. ἤρασεε πείρων βλέφαρα). Jebb vertit stabs, coll. Tr. 840. Qu. κύκλων — οἴστρημα] Anglice the maddening pain.

1319. καὶ θαῦμά γ' οὐδέν] Cf. 1132. κούδέν γε θαῦμα. Aj. 432. 940.

1320. διπλᾶ — πενθεῖν] Cf. Aj. 432. πάρεστι καὶ δις αἰάζειν. 268. 940. οὐδέν σ' ἀπιστῶ καὶ δις οἰμῶξαι κτλ. Eur. Iph. T. 688. ἀπλᾶς δὲ λύπας ἐξὸν οὐκ οἶσω διπλᾶς. Hel. 143. οὐ διπλᾶ χρηζῶ στένειν. Suppl. 1039. ἦκω διλοῦν πένθος γε δωμάτων ἔχων. Eur. Fr. 1064, 5. παρανίχ' ἦσθεις ὑστερον στένει διπλᾶ. Arist. Av. 589. διπλοῦν αὐτὸν φέρομεν (τὸν πόλεμον). Ran. 34. κωκύειν — μακρά.

διπλά φέρειν κακά] I. e. bear the mis fortunes doubly. Cf. 93. τῶνδε γὰρ πλέον φέρω τὸ πένθος ἢ —. 1415. κακά — φέρειν.

1322. μόνιμος] Steadfast, staunch. Cf. Aj. 350. ἰὼ φίλοι ναυβάται, ~~ἠμῶν~~ ~~ἐμῶν~~ (τῶν?) φίλων, | μόνου ἐτ' (τ' mss.) ἐμμένοντες δρθῶ νόμῳ. Xen. Cyr. 8, 5, 11. οἱ μονιμώτατοι πρόσθεν ὄντες. Plat. Legg. 706 C. Eur. Or. 340. ὁ μέγας ὄλβος οὐ μόνιμος ἐν βροτοῖς. Thuc. 8, 89. Plat. passim.

1323. με — κηδεύων] Cf. O. C. 750. αἰεὶ σε κηδεύουσα καὶ τὸ σὸν κάρα κτλ. El. 1141. ἐν ξέναισι χερσὶ κηδευθεὶς τάλας. Tr. 1227. Eur. Med. 888. Hom. Il. 24, 563. καὶ δέ σε γινώσκω, Πρίαμε, φρεσὶν, οὐδέ με λήθεις, | ὅτι θεῶν τίς σ' ἤγε —.

1326. Cf. Eur. Hipp. 860. κλύων μὲν αὐδὴν, ὄμμα δ' οὐχ ὄρων τὸ σὸν. Iph. T. 1447. σκοτεινός] Cf. Aj. 85. ἐγὼ σκοτώσω βλέφαρα καὶ δεδορκότα.

1327. Cf. Eur. El. 1211. τάλαινα, πῶς ἔτλας φόνον — ἰδεῖν κτλ. τοιαῦτα — μαρᾶναι] Cf. Tr. 355. αἰχμάσαι τάδε.

1328. τίς σ' ἔπηρε δαιμόνων;] Cf. Eur. Or. 269. Λοξία δὲ μέμφομαι, | ὅστις μ' ἐπάρας —. Arist. Nub. 1457. Herod. I. 87. αἴτιος δὲ τούτων ἐγένετο ὁ Ἑλλήνων θεός, ἐπάρας ἐμὲ στρατεύεσθαι. σὰς ὄψεις μαρᾶναι] Cf. Ant. 52. διπλᾶς ὄψεις ἀράξας αὐτός. O. C. 1260. πίνος | πλενρᾶν μαρᾶνων. Qu. — ἀράξαι.

1329. Ἀπόλλων τάδ' ἦν —] Construe Ἀπόλλων ἦν ὁ τελῶν τάδε ἐμὰ κακά, κτλ.

1332. ἔπαισε δ' αὐτόχειρ νιν —] Cf. Ant. 172. παίσαντες — αὐτόχειρι σὺν μάσματι. 1175. αὐτόχειρ δ' αἰμάσσειται. 1315. παίσασ' ὑφ' ἠπαρ αὐτόχειρ αὐτήν. Aj. 57. αὐτόχειρ κτείνειν. Eur. Iph. A. 873. Idem metrum est Aj. 400.

1336. δπωσπερ] Cf. O. R. 1336. Aj. 1179.

1338. προσήγορον] Addressed. Cf. 352. 817.

1340. ἀπάγετ' ἐκτόπιον] Cf. 166. ἠγύσαι' (ἠλάσαι'?) ἐκτοπίαν φλόγα πήματος. O. C. 119. ποῖ κυρεῖ ἐκτόπιος συνθεῖς —; Ant. 1321. ἰὼ πρόσπολοι, | ἄγετέ μ' ὅτι τάχιστ', ἄγετέ μ', ἐκποδῶν | τὸν οὐκ ὄντα μᾶλλον ἢ μηδένα. 1339. Tr. 955. γένοιτ' — αἴρα, ἦτις μ' ἀποικίσειεν ἐκ τόπων (I. ἐκτόπιον), ὅπως —. Eur. Fr. 775, 62. ἐκτόπιοι τε δόμων ἀπαίριετε. Arist. Th. 664. εἴ τις ἐν τόποις (?) — λέληθεν ὦν. 915. Eq. 1249. κυλίνδεται εἴσω τόνδε τὸν δυσδαίμονα. ἐκτόπιον] I. q. ἔκτοπον. Sic ἐμφυλος ἐτ ἐμφύλιος (1406).

1343. τὸν μέγ' ὀλέθριον] Cf. Aesch. Pr. 668. ὦ μέγ' εὐδαιμον κόρη. Eur. Iph. T. 1497. ὦ μέγα σεμνὰ Νίκα. Or. 1331. τῆ μέγ' ὀλβία. Herod. I. 32. ὁ μέγα πλούσιος. Hom. Il. 1, 158. μέγ' ἀναιδές. 16, 46. μέγα νήπιος. Non tamen reperio apud Sophoclem μέγα cum adjectivis conjunctum, sed tantum cum verbis. Sic Ant. 1168. πλούτει — μέγα. O. C. 734. σθένουσαν — μέγα. Ph. 419. μέγα θάλλοντες. 574. Aj. 1385. O. R. 1078. Fr. 248, 2. μέγα πρεσβεύων. Quod ad vulgatam codicum lectionem τὸν ὀλεθρον

μέγαν, quae propter adjectivi collocationem tolerari non potest, conferas Arist. Lys. 325. *δλεθροι γέροντες*. Th. 860. Eccl. 934. Eupol. II. 570. *ἀνεμὸς καὶ δλεθρὸς ἄνθρωπος*. Dem. p. 377. *τόνδε τὸν δλεθρον*. p. 582. *τὸν δὲ βάσκανον! τὸν δὲ δλεθρον!* de Cor. 127. *δλεθρὸς γραμματεὺς*. Herod. III. 142. *γεγονῶς τε κακῶς καὶ ἔων δλεθρὸς*. Plut. Artax. 14. *τὸν Κᾶρα τοῦτον τὸν δλεθρον*. Plut. Sert. 6. *βαρβάρους δλέθρους*. Lucian. Jup. Trag. 43. *ὁ Σαρδιανὸς ἐκείνος δλεθρὸς*. Similiter *λῆρὸς* a trifler (Plat.), *κόμπος* a boaster (Eur. Ph. 609.), *ὑβρὸς* an insolent man (Hes. Op. 101.). *δλέθριον*] Cf. Aj. 402. *ἀλλὰ — μ' δλέθριον αἰκίζει*. O. C. 1683. *δλεθρία νύξ*.

1345. *θεοὺς ἐχθρότατον*] Cf. 815. *τίς ἐχθροδαίμων μᾶλλον ἂν γένοιτ' ἀνὴρ;*

1346. *ἐχθρότατον*] Eadem forma est Pind. N. 1, 65. *ἐχθροτάτω — μόρω*.

1347. *δείλαιε τοῦ νοῦ* —] Cf. Eur. Hipp. 1405. *ὦ δυστάλας οὐ τῆσδε συμφορᾶς, πάτερ*. Alc. 757. *σχετλία τόλμης*.

1348. Cf. Ph. 427. *οἶν ἐγὼ | ἤμιστ' ἂν ἠθέλησ' δλωλότιν κλύειν*. Aesch. Cho. 702. *ἐγὼ μὲν — ἂν ἠθέλον | γνωτὸς γενέσθαι*.

1349. *ἀπ' ἀγρίας πέδας* —] Cf. Aesch. Pr. 160. *δεσμοῖς ἀλτίοις | ἀγρίοις πελάσας*. 182. *πρὶν ἂν ἐξ ἀγρίων | δεσμῶν χαλάσῃ*. Hesiod. Th. 501. *λῶσε δὲ πατροκασιγνήτους δλοῶν ἀπὸ δεσμῶν*. Eur. Hipp. 1228. *ἐκ δεσμῶν λυθείς | τμητῶν ἱμάντων*. Soph. Tr. 181. *ὄκνον σε λύσω*. Hom. Od. 12, 200. *ἐμέ τ' ἐκ δεσμῶν ἀνέλυσαν*. *ἐπιποδίας*] Formatum ut *ἐμπόδιος* et *περιπόδιος*.

1352. *ἔρρητο* mss. *ἔρητο* Dind. Cf. Hom. Il. 23, 819. *ἔρητο γὰρ ἔνδοθι θῶρηξ*. 5, 23. 18, 515. *ῥύατο*. Herod. I. 87. *παραστήναι καὶ ῥύσασθαι μιν ἐκ τοῦ παρεόντος κακοῦ*. V. 49. *ῥύσασθε Ἴωνας ἐκ τῆς δουλοσύνης*. IX. 76. *ῥῦσαι με*. IX. 90.

1353. *ἐς χάριν*] I. q. *πρὸς χάριν*. Cf. O. C. 1775.

1355. *ἐμοί*] Pro *ἐμαντῶ* (Aj. 1367.). Cf. Ant. 734. *τοσόνδ' ἄχος*] Occurrit etiam O. C. 1712. Cf. Eur. Hipp. 386. *ἢ δ' ἄχθος οἴκων*.

1356. *θέλοντι κάμοι* —] Cf. O. C. 1505. *ποθοῦντι προυφάνης*. ad Tr. 18. Hom. Od. 3, 228. *οὐκ ἂν ἔμοιγε | ἔλπομένω τὰ γένοιτο*. Thuc. VI. 46. *τῷ Νικίᾳ προσδεχομένω ἦν τὰ περὶ τῶν Ἑγεσταιῶν*. VII. 35. *εἶπον οὐκ ἂν σφίσι βουλομένοις εἶναι*. Herod. IX. 46. *ἡδομένοισιν ἡμῖν οἱ λόγοι γεγόνασι*. Plat. Gorg. p. 7. *εἰ αὐτῷ γέ σοι βουλομένω ἔστιν ἀποκρίνεσθαι*.

1357. *φονεὺς ἤλθον*] Concise positum pro *εἰς τοῦτο ἤλθον ὥστε φονεὺς γενέσθαι*. Cf. 1433. *ἀριστος ἐλθὼν πρὸς κάκιστον ἄνδρ' ἐμέ*. 1519. *ἀλλὰ θεοὺς γ' ἐχθιστος ἦκω*. El. 69. *σοῦ γὰρ ἔρχομαι | δίκη καθαρῆς*. Fr. 675. *μικροῦ δ' ἀγῶνος οὐ μέγ' ἔρχεται κλέος*. Xen. An. III. 2. 3. *ὅμως δὲ δεῖ ἐκ τῶν παρόντων ἄνδρας ἀγαθοὺς τε ἐλθεῖν καὶ μὴ ὑφίεσθαι*. et ad 1093. supra.

1361. *δμογενής*] I. q. *δμοσπόρος* 460. Schol. *ἐξ ὧν ἐτέχθη, ἐξ αὐτῶν καὶ τέτοκα*. Cf. Eur. Hel. 1685. *γεῶντ' ἀδελφῆς δμογενοῦς ἀφ' αἵματος*. Trag. adesp. 358. *ἀνδροκτόνον γυναικὸς δμογενῆς* (leg. *δμολεχῆς*) *ἔφης*. Sed hodie *δμολεχῆς* recte legitur, i. q. *δμοδέμνιος* (Aesch. Ag. 1108. *τὸν δμοδέμνιον πόσιν*), *δμόλεκτρος* (Eur. Or. 476. *Ζητὸς δμόλεκτρον κάρα*), *δμόγαμος* (Phoen. 137.), *κοινολεχῆς* (El. 97.), *κοινόλεκτρος* (Aesch. Pr. 560. Ag. 1441.). Similiter *αινολεχῆς*, *αἰνόλεκτρος*, *αἰνόγαμος*.

1363. Cf. O. C. 1388. Aj. 1050. El. 1060.

1365. *πρεσβύτερον ἔτι κακοῦ κακὸν*] Cf. Eur. Med. 236. *κακοῦ γὰρ τοῦτ' ἔτ' ἄλλιον κακόν*. Aesch. Ag. 837. *κακοῦ κάκιον ἄλλο πῆμα*. *πρεσβύτερον*] Cf. Aesch. Cho. 631. *κακῶν δὲ πρεσβέυεται τὸ Λήμμιον λόγῳ*. Plut. Cleom. 10. *τρυνὰς καὶ χρεῖα — καὶ τὰ πρεσβύτερα τοῦτων κακὰ πενίαν καὶ πλοῦτον κτλ.* (Ubi hic locus manifesto respicitur.) Eur. Fr. 959, 2. *ἐγὼ δ' οὐδὲν πρεσβύτερον νομίζω τᾶς σωφροσύνας*. Herod. V. 63. *τὰ γὰρ τοῦ θεοῦ πρεσβύτερα ἐποιεῦντο ἢ τὰ τῶν ἀνδρῶν*. Redde gravius, pejus.

1366. *τῆς ἀκουούσης — πηγῆς*] Cf. Arist. Th. 18.

1367. Cf. Aj. 428. *οὐθ' ὅπως ἐὼ λέγειν ἔχω (σε)*. *βεβουλεῦσθαι καλῶς*] Cf. Eur. Suppl. 247.

1368. *κρείσσων γὰρ ἦσθα —*] Pro *κρείσσων γὰρ ἦν σοι μηκέτι εἶναι ἢ ζῆν τυφλός*. Cf. Aj. 634. Arist. Nub. 1215. Vesp. 209. Eccl. 145. Alex. III. 474. Lys. p. 789, 23. *κρείττων ἦν μὴ λειτουργήσας ἢ τοσαῦτα ἀναλώσας*. Philostr. Vit. Apoll. V. 34. 216. *ταῦτα βελτίων ἂν ἦν καταλύων ἢ τὰ — διορθούμενος*. Themist. Or. VIII. p. 172 C. *ἀμείνων ἦσθα ἂν τῷ — προσέχων ἢ αὐτῶν*. Dion. Chrys. XI. 360. *ὄσω κρείττω ταῦτα μὴ γενόμενα ἢ Τροίαν ἀλῶναι*.

1371. Cf. Aj. 464. *καὶ ποῖον ὄμμα πατρὶ δηλώσω φανεῖς*; Ph. 110. *πῶς οὖν βλέπων τις ταῦτα τολμήσει λαλεῖν*; Eur. Hipp. 415. *αἶ πῶς ποι' — βλέπουσιν εἰς πρόσωπα τῶν ξενειννετῶν —*; 662. Iph. A. 445. *ποῖον ὄμμα συμβαλῶ*. Dem. p. 799. *ποίοις προσώποις ἢ τίοις ὀφθαλμοῖς πρὸς ἕκαστον τούτων ἀντι- βλέψετε*; Herod. I. 37. *νῦν τε τέοισί με χρὴ ὄμμασι ἐς τε ἀγορὴν κατ' ἐξ ἀγορῆς φοιτέοντα φαίνεσθαι*; Dem. de Cor. § 201. Plaut. Cas. V. 3. 'Quomodo meam uxorem aspiciam contra oculis?'

1373. *οἶν ἔμοι δυοῖν —*] Cf. Arist. Av. 1237. *οἷς θυτέον αὐτοῖς*. De constructione *ἐργάζεσθαι τινί τι* cf. 1402. *οἶ' ἔργα δράσας ἕμιν —*. Tr. 808. Arist. Vesp. 1350. *πολλοῖς γὰρ ἦδη χᾶτέροις αὐτ' εἰργάσω*. Eur. Med. 1292. *ὄσα δὴ βροτοῖς ἔρεξας ἦδη κακά*. Hom. Od. 14, 289. *Τρώκτης θ', ὅς δὴ πολλὰ κάκ' ἀνθρώποισιν ἐώργει*.

1374. *ἔργα — κρείσσων' ἀγχόνης*] Cf. 177. Aesch. Ag. 1375. *ἀρκύστατα — ὕψος κρείσσων' ἐκπηδήματος*. Eur. Bacch. 246. *ταῦτ' οὐχὶ δεινῆς ἀγχόνης* (i. *δεινὰ κάγχόνης*) *ἔστ' ἄξια*; Her. 247. *καὶ τὰδ' ἀγχόνης πέλας*. Alc. 232. Hec. 633. Cycl. 351. Arist. Ach. 125. Aeschin. 33, 18. *τοῦτο δ' ἄρ' ἦν ἀγχόνη [καὶ λύπη] τούτῳ*. Thuc.

II. 50. *γενόμενον γὰρ κρείσσον λόγου τὸ εἶδος τῆς νόσου κτλ.* Eur. Bacch. 666. *δεινὰ δρωσι θανμάτων τε κρείσσονα.*

1375. *ἀλλὰ — δῆτ' —*; Cf. Ph. 1352. *ἀλλ' εἰκάθω δῆτ'*; Aj. 466. Tr. 1245. El. 537. *ἐφίμερος*] Cf. Aesch. Cho. 827. *φάτιν — οὐδαμῶς ἐφίμερον.* Anaxil. 38. *τὴν Ἐκτόρειον, τὴν ἐφίμερον κόρην.* Theocr. I. 61. *ἐφίμερον ὕπνον.* VIII. 62. Callim. Ep. 71, 3.. Confer *πανίμερος.*

1376. *βλαστοῦσ' ὅπως ἐβλαστε]* Positum pro *βλαστόντων ὅπως ἐβλαστον.* Sic Phil. 497. *τὰ τῶν διακόνων — τοῦμόν ἐν συμκροῶ μέρος | ποιούμενοι τὸν οἶκαδ' ἤπειγον στόλον.* Ant. 1001. *ἀγνώτ' ἀκούω φθόγγον ὀρνίθων, κακῶ | κλάζοντας οἰστρω.* Hom. Od. 16, 476. *ὡς φάτο, μείδησεν δ' ἱερῆ ἰς Τηλεμάχοιο | ἐς πατέρ' ὀφθαλμοῖσιν ἰδῶν.* Cf. O. C. 273. *ἰκόμην ἴν' ἰκόμην.* 336. *εἶσ' οὔπερ εἰσί.* Tr. 1234. *σοὶ δ' αὐτίς ὡς ἔχεις ἔχειν (μεταίτιος).* Soph. Fr. 561. *ἔγνημεν ὡς ἔγνημεν.* Aesch. Ag. 66. *ἔστι δ' ὅπη νῦν ἔστι.* 1247. *πράξασαν ὡς ἔπραξεν.* Eum. 629. *ἠκούσαθ' ὧν ἠκούσατ'.* Eur. El. 287. *ἔκυρσεν ὡς ἔκυρσεν.* Med. 885. *ἀλλ' ἐσμέν οἶον ἐσμέν.* 1007. *ἠγγειλας οἶ' ἠγγειλας.* Or. 79. *ἔπλευσ' ὅπως ἔπλευσα.* Iph. A. 649. *γέγηθ' ὅπως γέγηθά σ' εἰσιδῶν, τέκνον.* Iph. T. 575. *ὄλωλεν ὡς ὄλωλε.* 680. *πράσσοιθ' ἃ πράσσω.* Tro. 626. *ὄλωλεν ὡς ὄλωλε.* Med. 859. *ἐσμέν οἶον ἐσμεν.* S. Johann. Ev. XIX. 22. *ὁ γέγραφα γέγραφα.*

1378 — 1385. Cf. Eur. Herc. 1252.

1379. *ἀγάλμαθ'*] I. e. *templā.* Cf. Eur. Herc. 1281. (Herw.) *τῶν] Pro ὧν.* Cf. 1427. *παντλήμων]* Cf. El. 150. *ὠὸ παντλήμων Νόβα.*

1380. *κάλλιστ' ἀνήρ εἰς — τραφεῖς]* Cf. O. C. 563. *πλείστ' ἀνήρ ἐπὶ ξένης | ἠθίλησα κινδυνεύματ'.* Tr. 460. *πλείστας ἀνήρ εἰς — ἔγνημε.* Ph. 1344. *Ἑλλήνων ἕνα | κριθέντ' ἄριστον.* Aj. 1314. Aesch. Pers. 326. *εἰς ἀνήρ πλείστον πόνον | ἐχθροῖς παρασχῶν κτλ.* Eur. Rhés. 945. *σεμνὸν πολίτην κἀπὶ πλείστον ἄνδρ' ἕνα | ἐλθόντα.* Her. 8. *πλείστον μετέσχον εἰς ἀνήρ Ἡρακλέει.* Thuc. III. 39. *ἀποφαίνω Μυτιληναίους μάλιστα δὴ μίαν πόλιν ἠδικηκότας ὑμᾶς.* VIII. 40. *μῦθ' γε πόλει πλὴν Λακεδαιμονίων πλείστοι γενόμενοι.* 68. *πλείστα εἰς ἀνήρ — δυνάμενος ὀφελεῖν.* Xen. Anab. I. 9. *δῶρα πλείστα εἰς γε ἀνήρ ἐλάμβανεν.* ἔν γε ταῖς Θήβαις] Cf. Herod. VI. 124 *οὐ μὲν ὧν ἦσαν σφέων ἄλλοι δοκιμώτεροι ἔν γε Ἀθηναίοισι ἄνδρες.* *κάλλιστ' — τραφεῖς]* Cf. Sosith. trag. 1, 2. *εὐ τραφεῖς ἀνήρ.* Hom. Il. 21, 279. *ὡς μ' ὄφελ' Ἐκτωρ κτείνειν, ὅς ἐνθάδε γ' ἔτραφ' ἄριστος (ἐνθάδ' ἐθρέφθη ἄριστος αὐτ' ἐνθάδ' ἄριστος ἐθρέφθη).*

1381. Cf. ad 350.

1383. *γένους τοῦ Λαῖον]* Cf. Arist. Av. 63. *φρυγίλος ὄρνις οὗτος ἔσται, τοῦ Φιλίμονος γένους.* Plat. com. 64, 2. *ὧν μέγαλον γένους.*

1385. Cf. 528. Eur. Hec. 972. κοῦκ ἄν δυνάιμην προσβλέπειν σ' ὀρθαῖς κόραις. Iph. A. 851. οὐκ ὀρθοῖς ὄμμασιν σ' ἐτ' εἰσορῶ. Theocr. W. 136. μέγα δ' ἄχθομαι, αἶ τὺ με τολμῆς | ὄμμασι τοῖς (ὄμμασι σοῖς αὐτ τοῖς ὄσοις?) ὀρθοῖσι ποτιβλέπεν κτλ.

1386. ἦμιστά γ'] Ut alibi μάλιστά γε. τῆς ἀκουούσης πηγῆς] I. e. τῆς πηγῆς τῆς ἀκοῆς.

1387. πηγῆς — φραγμὸς] Cf. Aesch. Cho. 186. σταγόνες ἄφρακτοι δυσχίμου πλημμυρίδος. δι' ὧτων] Cf. Ant. 1188. καί με φθόγγος — βάλλει δι' ὧτων. El. 1437. 737. Fr. 737. βραδεία — ἐν λόγοισι προσβολή | μόλις δι' ὧτὸς ἐρχεται τρυπωμένον (τειρημένον?).

1388. μὴ ἀποκλήσαι] Sic El. 1160. μὴ ἀπολείπεσθαι. Tr. 239. ἢ ἀπό —. Aesch. Pr. 654. μὴ ἀπολακτίσης λέχος. 905. μὴ ἀλλ' εἴψ' ὁμοίως καὶ πατρὸς τοῦ σοῦ μάτας. Eur. Herc. 191. μὴ ἀγαθοῖς. Hel. 1011. εἰ μὴ ἀποδώσω. Cycl. 272. μὴ ἀδίκει. τοῦμόν ἄθλιον δέμας] Eadem verba O. C. 576. et ἄθλιον δέμας El. 756.

1389. ἴν' ἢ τυφλὸς τε —] Cf. 1391. El. 1134. ὅπως θανὼν ἔκεισο τῇ τόθ' ἡμέρᾳ. Aj. 554. Aesch. Prom. 749. τί — οὐκ ἐν τάχει | ἔρριψ' ἔμαντήν τῆσδ' ἀπὸ στύφλον πέτρας, | ὕπως πέδω σκήψασα τῶν πάντων πόνων | ἀπηλλάγην. 152. Ch. 193. Eur. Hipp. 641. χρῆν δ' εἰς γυναικα πρόσπολον μὲν οὐ περᾶν, | ἀφθογγα δ' αὐταῖς ξυγκατοκίξειν δάχη | θηρῶν, ἴν' εἶχον μήτε προσφρονεῖν τινα κτλ. 934. 1082. Iph. T. 357. ἴν' αὐτοὺς ἀντετιμωρησάμην. Eur. Fr. 439. φεῦ φεῦ, τὸ μὴ τὰ πράγματ' ἀνθρώποις ἔχειν | φωνήν, ἴν' ἦσαν μηδὲν οἱ δεινοὶ λέγειν. Arist. Vesp. 960. Pac. 135. Eccl. 151. 426.

1390. Cf. Aj. 554. τὸ μὴ φρονεῖν γὰρ κάρι' ἀνώδυνον κακόν. Fr. 517. τερπνῶς γὰρ αἶε πάντας ἀνοῖα τρέφει. ἔξω τῶν κακῶν οἰκεῖν] I. q. μὴ συνόκειν τοῖς κακοῖς. Cf. Ant. 446. ἔξω βαρείας αἰτίας ἐλεύθερον. Eur. Her. 109. καλὸν δέ γ' ἔξω πραγμάτων ἔχειν πόδα.

1391. ἰὼ Κιθαιρῶν —] Cf. 1340. Eur. Phoen. 809. ᾧ — Κιθαιρῶν, μήποτε τὸν θανάτῳ προτεθέντα, λόχενυ' Ἰοκάστης, | ὄφελος Οἰδιπόδα θρέψαι βρέφος ἐκβολὸν οἴκων. 1604. Ταρτάρου γὰρ ὄφελον | ἔλθεῖν Κιθαιρῶν εἰς ἄβυσσα χάσματα, | δε μ' οὐ διώλεσ', ἀλλὰ κτλ. Hunc locum, ut Meinekios observat, respiciunt Antoninus Phil. XI. 6. et Arrianus Epict. I. 24.

1392. Cf. El. 1134.

1395. λόγῳ] Cf. Eur. El. 1279. καὶ τὸν λόγῳ σὸν πενθερὸν κομιζέτω. οἶον ἄρα —] Cf. O. C. 1400. οἶον ἄρ' ὀδοῦ τέλος — ἀφωρομήθημεν. ἄρα] Then, it would seem. Cf. O. C. 408. Arist. Nub. 1301. Vesp. 3. 839. Av. 161. 1688. Pl. 579.

1396. κάλλος κακῶν ὑπουλον] A fair object underlaid with ills. 'Pulchritudinis speciem malorum obductam ulceri.' (Brunck.) Schol. ὑπουλον: ὑποπτιον (ὑπόπτιον, suppuratum, Mein. Fr. Com. IV. 315.). Cf. Hesiod. Th. 585. αὐτὰρ, ἐπειδὴ τεύξε καλὸν κακὸν ἀντ' ἀγαθοῖο. ὑπουλον] Proprie hoc de ulceribus nondum persanatis dicitur. Thuc. 8, 64. ὑπουλος αὐτονομία (a hollow

independence). Dem. p. 327. ὑπουλος ἡσυχία. Plat. Gorg. 518 E. οἰδεῖ καὶ ὑπουλός ἐστι (ἡ πόλις). 480 B. ὅπως μὴ ἐγχρομισθὲν τὸ νόσημα τῆς ἀδικίας ὑπουλον τὴν ψυχὴν ποιήσῃ καὶ ἀνάτονον. Legg. IX. 877 A. ἀνάτονον ἔλκος. Plut. Mar. 35. τὴν πόλιν ἐκ πολλῶν χρόνων ὑπουλον γεγενημένην καὶ νοσοῦσαν. Lyc. 4. σώματα ὑπουλα καὶ νοσώδη. Caes. 60. οἱ ὑπουλοι (falsi amici). Sophocles ὑπουλον τὸν δούρειον ἵππον dixit Fr. 952. Eust. p. 1496. ἀπὸ ἐλκῶν ἢ δοκοῦντα ὑγιαῖσθαι (ὑγιαῖσθαι αὐτ ὑγιᾶ εἶναι?) οὐκ εἰς παντελές, φασί, καθαρεύει, ἀλλὰ δηλαδὴ ὑπὸ τὴν προφαινομένην οὐλήν (ὑπὸ τῇ — οὐλή?) κακὸν τι κρύπτει.

1397. κακός τ' ὦν κακ κακῶν] Cf. Ph. 384. πρὸς τοῦ κακίστου (κακοῦ τε?) κακ κακῶν Ὀδυσσεύς. 874. εὐγενῆς γὰρ ἡ φύσις καὶ εὐγενῶν. El. 589. τοὺς — εὐσεβεῖς | καὶ εὐσεβῶν βλαστώντας. Arist. Ran. 747. καὶ πονηροῖς κακ πονηρῶν εἰς ἅπαντα χρώμεθα.

1399. στενωπός] Cf. Fr. 716. στενωπὸς Ἄιδου. Aesch. Prom. 304. κεῖται στενωποῦ πλησίον θαλασσίον κτλ.

1400. τοῦμόν αἷμα — πατρὸς] I. e. caedem patris meam. τοῦμόν αἷμα valet sanguinem a me effusum. Cf. El. 1390. τοῦμόν φρενῶν δνειρον. 785. τοῦμόν — ψυχῆς — αἷμα. Aj. 860. ὦ πατρίον ἐστίας βῆθρον. Supra 996. τὸ πατρίον αἷμα — ἐλεῖν.

1401. ἐπίετε] Cf. O. C. 662. ἔν' οὐμὸς νέκυσ — αὐτῶν θερμοῦν αἷμα πίεται. Aesch. Sept. 717. 804. Eum. 647. 935. Cho. 66. 980.

ἄρά που μέμνησθε] Cf. Herod. III. 73. πάντως κου μέμνησθε τὰ κτλ.

1402. οἱ ἔργα δράσας ὑμῖν] Cf. 1373. οἶν ἐμοὶ δυοῖν | ἔργ' ἐστὶ κρείσσον' ἀγχόνης εἰργασμένα. Arist. Fr. 476, 12. ταῖς ἄλλαις πόλεσι δρω ταῦτα. Hom. Od. 14, 289. δε δὴ πολλὰ κάκ' ἀνθρώποισιν ἑάργει. Matth. Ev. V. 44. καλῶς ποιεῖτε τοὺς μισοῦντας (τοῖς μισοῦσιν plures mss.).

1403. ὅποι' ἐπρασσον αὐθις] Cf. Eur. Or. 1345. ἐπραξεν οἷα χρῆ πρόσσειν κακοῦς. ὦ γάμοι γάμοι] Cf. Tr. 1089. ὦ χέρες χέρες. Aj. 854. ὦ θάνατε θάνατε. Phil. 1188. ὦ ποὺς ποὺς. El. 1410. ὦ τέκνον τέκνον. Aesch. Cho. 642. ὦ παῖ παῖ. Eur. Andr. 1186. ὦ γάμοι γάμοι. Hipp. 884. ὦ πόλις πόλις. Arist. Pac. 131. ὦ πάτερ πάτερ. Ach. 27. ὦ πόλις πόλις.

1405. ἀνεῖτε — σπέρμα] Cf. Aesch. Sept. 409. σπαρτῶν δ' ἀπ' ἀνδρῶν — ῥίζωμ' ἀνεῖται. Sic ἀνιστάται σπέρμα (to raise up seed) S. Matth. Ev. XXII. 24. ἀνεῖτε] Cf. Eur. Ion. 1170. ἀνεῖσαν (vulg. ἀνήσαν). Or. 1131. μεθεῖμεν. Iph. A. 423. καθεῖμεν. Iph. T. 1148. καθεῖσαν. Arist. Vesp. 574. ἀνεῖμεν.

1406. Cf. 458. Eur. Phoen. 1626. παῖδάς τ' ἀδελφοὺς ἔτεκον. αἶμ' ἐμφύλιον] I. q. ἐγγενές. Cf. O. C. 407. τοῦμφυλον αἷμα. Ant. 1264. Pind. P. II. 32. ἐμφύλιον αἷμα — ἐπέμιξε θνατοῖς. Schol. ad El. 445. οἱ δρωῖντες ἐμφύλιον φόνον.

1407. γυναικας] Uxores. Similiter ἀνήρ maritus.
1408. νύμφας, γυναικας, μητέρας τε] Per nuptias incestas eadem Jocasta νύμφη, γυνή, μήτηρ Oedipi facta est.
1409. ἃ μηδὲ δρᾶν] I. q. ἃ μὴ καὶ δρᾶν. Cf. Ph. 86. οὐδ' ἂν τῶν λόγων ἀλγῶ κλύων, τοῦοδε καὶ πράσσειεν στυγῶ.
- 1410 sq. Cf. Aesch. Prom. 601. πυρὶ με φλέξον ἢ χιθονὶ κάλυπον ἢ κτλ.
1410. Cf. 1436.
1411. φονεύσαι'] Cf. 100. 1441. θαλάσσιον ἐκρίνατ'] Cf. O. R. 1340. ἀπάγει' ἐκτόπιον. Ant. 785. φοιτᾷς ὑπερπόντιος. El. 419. ἀφέστιον πῆξαι — σκῆπτρον. Eur. Tro. 325. πάλλε πόδ' αἰθέριον.
1412. Cf. El. 380. ἐνταῦθα πέμψειν ἔνθα μὴ ποδ' ἡλίου φέγγος προσόψει. 436. κρύψον νιν ἔνθα μηπότε — πρόσσεισι. Aj. 644. μήποτ' εἰσόψεσθ' ἔτι] I. e. never more. Cf. 796. ad 892. Arist. Ach. 233. ἴνα μήποτε πατῶσιν ἔτι τὰς ἐμὰς ἀμπέλους.
1413. Cf. O. C. 1132. πῶς σ' ἂν ἄθλιος γεγῶς | θιγεῖν θελήσαιμ' ἀνδρὸς, ᾧ τίς οὐκ ἔνι | κηλὶς —; ἴτ'] Cf. Aj. 843.
1414. Cf. Eur. Herc. 1233. φεῦγ', ᾧ ταλαίπωρ', ἀνόσιον μίασμ' ἐμόν. | ΘΗ. οὐδεὶς ἀλάστωρ τοῖς φίλοις ἐκ τῶν φίλων.
1415. Cf. O. C. 1135. τοῖς γὰρ ἐμπείροις βροτῶν | μόνοις οἶόν τε συνταλαιπωρεῖν τάδε. Ceterum notanda hic est prioris syllabae in οἶος correptio.
1416. Cf. O. C. 35. ἡμῖν αἴσιος | σκοπὸς προσήκεις ὧν ἀδηλοῦμεν φρῆσαι. ἐς δέον] Opportune. Cf. Ant. 392. Arist. Pac. 272. ἐν δέοντι. Sic ἐς καλὸν 78. ἐς καιρὸν, etc.
1417. τὸ πράσσειν] Cf. O. C. 442. Ant. 78. 1106. El. 1030. μακρὸς τὸ κρῖναι ταῦτα — χρόνος. 1079. Ph. 1241. Aj. 114.
1418. χώρας λείλειπται μῶνος ἀντὶ σοῦ φύλαξ] Cf. Aesch. Ag. 256. Ἀπίας γὰς μονόφρουρον ἔρκος.
1420. πίστις] Guarantee, security. Cf. El. 887. πίστις ἐνδικός] 'Reasonable claim to confidence.' (Jebb)
1422. Cf. Aj. 1042. βλέπω γὰρ ἐχθρὸν φῶτα, καὶ τάχ' ἂν κακοῖς | γελῶν ἃ δὴ κακοῦργος ἐξίκοιτ' ἀνήρ.
1424. καταισχύνεσθ'] Cf. Ph. 1382. καὶ ταῦτα λέξας οὐ καταισχύνει (fort. οὐδὲν αἰσχύνει aut οὐκ ἐπαισχύνει) θεούς;
1425. τὴν —] Cf. Aesch. Ag. 633. πλὴν τοῦ τρέφοντος ἡλίου χιθονὸς φύσιν.
1426. αἰδεῖσθ' — δεικνύναι] Anglice reddas, fear out of respect to — to show thus nakedly etc. Cf. Aj. 506. Eur. Alc. 823. ἠδεῖτο γὰρ σε τῶνδ' ἀπώσασθαι δόμων. Aj. 652. οἰκτιρῶ δὲ νιν | χήραν — λιπεῖν. Xen. An. II. 3. 22. ἠσχύνθημεν καὶ θεοὺς καὶ ἀνθρώπους προδοῦναι αὐτόν. ἀνακτος ἡλίου] Cf. 661. τὸν πάντων θεῶν πρόμον Ἄλιον. Aesch. Pers. 237. ἀνακτος ἡλίου φθινάσμασιν. ἄγος] Cf. Ant. 256. 775. Aesch. Sept. 1017. ἄγος δὲ

καὶ θανάων κεκίησεται | θεῶν πατρῶων. Thuc. I. 126. τὸ ἄγος ἐλαύνειν τῆς θεοῦ. 128. τὸ τῆς Χαλκιοῖκου ἄγος.

1427. ἀκάλυπτον] Cf. Eur. Herc. 1231. *HP.* τί δῆτά μου κρᾶτ' ἀνεκάλυψας ἤλιω; | *ΘΗ.* τί δ' οὐ; μαίνεις θνητὸς ὦν τὰ τῶν θεῶν; Med. 1327 sq.

1428. ὄμβρος ἱερὸς] Cf. Ant. 879. τόδε λαμπάδος ἱερὸν ὄμμα. O. C. 469. ἱερᾶς — χοᾶς. Ph. 706. ἱερᾶς γᾶς. 1215. Eur. Med. 846. ἱερῶν ποταμῶν. Hipp. 1206. ἱερὸν — κῦμα. Hom. Il. 11, 331. ἱερὸν ἦμαρ. Dionys. Perieg. fin. ἱερὰ χεύματα πόντον. προσδέξεται] Cf. Tr. 606. μηδ' ὄψεται νιν — φέγγος ἡλίου. Eur. Med. 353. εἴ σ' ἠγιοῦσα λαμπὰς ὄψεται θεοῦ κτλ. Quod si vera est vulgata lectio προσδέξεται (γῆ), cf. Eur. Hipp. 1030. καὶ μήτε πόντος μήτε γῆ δέξαιτό μου | σάρκας θανάοντος, εἰ —. Or. 1085. μήθ' αἰμά μου δέξαιτο κάρπιμον πέδον, | μὴ λαμπρὸς αἰθῆρ, εἰ — ἀπολπιοίμει σε.

1430. τοῖς ἐν γένει] Cognatis. Cf. 1016. ἦν σοι Πόλυβος οὐδὲν ἐν γένει. Ant. 659. τοὺς ἔξω γένους. Aesch. Cho. 287. ἐκ προστροπαίων ἐν γένει πεπτωκότων. Eur. Alc. 904. ἐμοὶ τις ἦν ἐν γένει. Dem. in Arist. § 72. τινα τῶν ἐν γένει. Dicaeog. trag. Fr. 1, 3. ἦ τοῖσιν ἀγχιστ' ἐν γένει πεφνκῶσι. Sic ἐν αἵματι Aesch. Eum. 603. τὰγγενῆ] I. e. domestica mala. Cf. O. C. 1135.

1432. ἐλπίδος μ' ἀπέσπασας] Cf. El. 809. ἀποσπάσας γὰρ τῆς ἐμῆς οἴχει φρενὸς | αἶ μοι μόναι παρήσαν ἐλπίδων ἔτι | σὲ — ἤξειν κτλ. Aj. 1382. καὶ μ' ἔψενσας ἐλπίδος πολύ. Tr. 712. εἴ τι μὴ ψευσθήσομαι γνώμη. Eur. Herc. 460. ἦ πολὺ με δόξης ἐξέπεισσαν ἐλπίδες (αἶ τύχαι Nauck). Arist. Ran. 1432. ἐπέπειρε ἐλπίδος μ' ἀπέσπασας. Herod. IX. 61. μηδαμῶς σφέας ψευσθῆναι τῆς ἐλπίδος. I. 141. Inverse El. 809. ἀποσπάσας φρενὸς | αἶ μοι μόναι παρήσαν ἐλπίδων.

1433. ἄριστος ἐλθὼν] Having turned out (become) most generous. Cf. 1358. οὐκουν πατρός γ' ἂν φονεὺς ἤλθον. 1519. O. C. 1265. καὶ μαρτυρῶ κάκιστος ἀνθρώπων τροφαῖς | ταῖς σαῖσιν ἤκειν. 1177. Ant. 99. ἄνους μὲν ἔρχει, τοῖς φίλοις δ' ὀρθῶς φίλη. Phil. 587. ἐμοιγ' ἐλθόντα προσφιλή. El. 201. ἐλθοῦσ' ἐχθίστα (ἀμέρεα).

1434. πιδοῦ τί μοι] Cf. Soph. O. C. 1414. Πολύνεικες, ἱκετεύω σε πεισθῆναι τί μοι. Eur. Or. 92. πρὸς θεῶν πίδοι' ἂν δῆτά μοι τι, παρθένε; πρὸς σοῦ — φράσω] Cf. Tr. 479. δεῖ γὰρ καὶ τὸ πρὸς κείνον λέγειν. Eur. Alc. 58. πρὸς τῶν ἔχοντων, Φοῖβε, τὸν νόμον τίθης. Arist. Vesp. 647. μὴ πρὸς ἐμοῦ λέγοντι. Dem. p. 981. ταῦτα δ' ἐστὶν ἅπαντα — πρὸς ἐμοῦ. Thuc. III. 38. ὃ ἐστὶ πρὸς τῶν ἡδυνηκότων μᾶλλον.

1435. Constructio haec est, καὶ τοῦ χρείας τυχεῖν ὧδε λιπαρεῖς με; And to obtain what object do you thus importune me? Cf. Phil. 1315. ὦν δέ σου τυχεῖν ἐφίεμαι | ἄκουσον. El. 364. τῆς σῆς δ' οὐκ ἐρῶ τιμῆς τυχεῖν. Aj. 967. 924. με — λιπαρεῖς] Cf. Arist. Ach. 452. λιπαρῶ σ', Εὐριπίδη, | δός μοι σπυρίδιον κτλ.

O. C. 776. ὡσπερ τις εἴ σοι λιπαροῦντι μὲν τυχεῖν | μηδὲν διδοίη κτλ. 1201. Telecl. Π. 374. ξυγγενέσθαι — ἐλιπάροι — μάζαις. Aesch. Prom. 529. τοῦτ' οὐκ εἶ ἂν πύθοιο μηδὲ (l. μή με) λιπάροι. 1006. λιπαρήσω τὸν μέγα στυγούμενον. Herod. III. 51. Ab eadem radice qua λελιμμένος (i. q. ἐπιθυμῶν, Aesch. Sept. 348.), λελημένος, λιλαιόμενος. Similis locus est O. C. 1755. τίν' ὄπως, παῖδες, χρεῖαν ἀνύσω (ita enim legendum videtur).

1436. Cf. 1290. ἐκ χθονός | ὄλιγων ξαντόν. Tr. 269. 802. Phil. 481. ἐμβαλοῦ μ' ὄπη (ὄποι?) θέλεις ἄγων — ὄπον | ἤμισα μέλλω —. Eur. Bacch. 1381. ἔλθοιμι δ' ὄπον | μήτε Κιθαιρῶν μαρός μ' εἰσίδοι κτλ. ὄσον τάχισθ' I. q. ὄπως τάχιστα. Cf. Ant. 1103. El. 1433. Nisi corrigendum ὄπως —.

1437. μηδενός προσήγορος] Passivo sensu. Cf. Phil. 1353. τῶ (leg. τοῦ) προσήγορος; 1066. οὐδέ σου φωνῆς ξυ | γενήσομαι πρόσφθεγκτος. Ant. 1170. Παλλάδος θεᾶς — προσήγορος (act.).

1438. εὔ τοῦτ' ἴσθ' Cf. O. C. 359. τοῦτ' ἐγὼ σαφῶς | ἔξοιδα. Ph. 232. Aj. 1308. Tr. 1107.

1439. πρώτιστ' Cf. El. 669. εἰδέναι δέ σου | πρώτιστα χεῖρῶν. Tr. 1181. Eur. El. 644. Suppl. 430. τὸ πρώτιστον. ἐκμαθεῖν τί πρακτέον] Qu. — δραστήον. Cf. 1443. ἐκμαθεῖν τί δραστήον. O. C. 48.

1440. πᾶσ' Cf. Ant. 748. ὁ γοῦν λόγος σοι πᾶς ὑπὲρ κείνης ὄδε. Phil. 397. Aj. 728. Eur. Hipp. 181. δεῦρο γὰρ ἐλθεῖν πᾶν ἔπος ἦν σοι.

1441. πατροφόντην] Cf. Tr. 1125. τῆς πατροφόντου μητρος. Cf. Aesch. Sept. 572. τὸν πατροφόντην, τὸν πόλεως ταράκτορα. Eur. Or. 1138. ὁ μητροφόντης δ' οὐ καλεῖ. Hom. Il. 2, 651. ἀνδρείφοντης. Aesch. Sept. 448. Πολυφόντου βία.

1442. ἔν' ἔσταμεν χρεῖας] Cf. Tr. 1145. ξυμφορᾶς ἔν' ἔσταμεν. 375. 390. 705. Aj. 102. 314. Ant. 42. El. 390. 937. Ph. 833. ἔσταμεν] Pro ἐστήκαμεν (Aj. 200.). Sic El. 50. ἐστάτω.

1443. ἐκμαθεῖν τί δραστήον] Cf. 1439. Trach. 1204. ὅποια δραστή ἐστίν. Eur. Fr. 376, 2. εἰδέναι τὸ (τί?) δραστήον.

1444. Connecte οὕτως ἀθλίον.

1445. Cf. Arist. Ach. 1095. καὶ γὰρ σὺ μεγάλην ἐπιγέγραψαι Γοργόνα. πίστιν φέροις] I. q. πίστιν ἔχοις, πιστεύοις. Cf. El. 735. τῶ τέλει πίστιν φέρων. O. C. 950. ᾧ πίστιν ἴσχων.

1446. καὶ σοὶ γ' ἐπισκήπτω] Yes indeed, and on you etc. Cf. Aj. 566. ἐμῖν κοινήν τήνδ' ἐπισκήπτω χάριν. O. R. 252. ἐμῖν ταῦτα πάντ' ἐπισκήπτω τελεῖν. Tr. 1221. τοσοῦτον δὴ σ' (δῆτ') ἐπισκήπτω. ἐπισκήπτω] Injungo. Anglice I enjoin. Cf. 246. Aj. 566. 752. Tr. 803. Passive Ant. 1313. προσιτρέφομαι] Schol. αἰτήσομαι. Praestat προστρέφομαι. Cf. Aj. 831. τοσαῦτά σ', ὦ Ζεῦ, προστρέπω. O. C. 50. ὦν σε προστρέπω φράσαι. Fr. 724. οἶ τὴν Διός — λικνοῖσι προστρέπεσθε. Sed requiritur, ni fallor, praesens. Qu. καὶ σε προστρέπω.

1447. τάφον θοῦ] I. e. θάφον. Cf. 1453. ἐθέσθην — τάφον. Sic O. C. 542. ἔθον φόνον (i. e. ἐφόνευσας). 466. θοῦ — καθαρόν. Eur. Alc. 422. ἐφοροῦν γὰρ τοῦδε θήσομαι νεκροῦ. 1410. ἐν τάφοιαι θέσθε.

1448. τελεῖς] Sc. τάφον. Cf. Hom. Il. 24, 660. τελέσαι τάφον Ἔκτορι δῖω. et ad O. C. 1435.

1449. μήποτ' ἀξιοθήτω] Cf. ad Aj. 1181. ἀξιοθήτω] Dignum judicetur. Anglice be deemed deserving. Cf. Herod. III. 145. ἐμὲ — δήσας γοργύρης ἠξίωσας.

1451. ἔα] Monosyllabum, ut in O. C. 1192. Ant. 95. Eur. Ion. 540. Arist. Nub. 932. Av. 1495. Eccl. 784. Pl. 824. Th. 64. 176. Apud Homerum ἔα saepe est monosyllabum, ut et νέα Od. 9, 283. Sic ῥέας O. C. 1073. θεῶν, ἔως, etc. Et ἔατε disyllabum est Tr. 1005. V. Dind. ad Prom. 566. ὄρεσιν] I. e. ἐν ὄρεσιν. Cf. Eur. Hel. 188. νύμφα τις οἶα Ναῖς ὄρεσι φηγάδα νόμον ἰεῖσα γοργόν, etc. Hom. H. Ven. 18. καὶ γὰρ τῇ ἄδε τόξα καὶ οὖρεσι θήρας ἐναίρειν. ἔνθα κλήζεται —] Gl. B. ὀνομάζεται. Cf. Tr. 639. 659. Hom. Il. 11, 757. Ἀλεισίον ἐνθα κολώνη | κέκληται.

1453. ἐθέσθην — τάφον] Cf. 1447. τῆς μὲν — τάφον θοῦ. κύριον] Gl. B. κεκυρωμένον.

1454. ἀπωλύτην] Cf. Plat. Menex. p. 244 E. ἀπώλλυ. Elmsl. ad Her. 1003.

1455. μήτε μ' ἂν νόσον — πέρσαι] Cf. O. C. 1663. οὐδὲ σὺν νόσοις | ἀλγεινὸς ἐξεπέμπετ'. De Oedipo.

1456. Cf. 13. 77. Aj. 950. οὐκ ἂν τάδ' ἔσθη μὴ θεῶν μέτα. πέρσαι] Poetice dictum pro ἀπολέσαι. Cf. Aesch. Cho. 680. οἱ γὰρ κατ' ἄκρας ἐνθάδ' ὡς πορθούμεθα.

1457. μὴ πῖ τω δεινῷ κακῷ] Cf. Aj. 950. οὐκ ἂν τάδ' ἔσθη τῆδε μὴ θεῶν μέτα. Eur. El. 1258. ἴσαι δέ σ' ἐκσώζουσι μὴ θανεῖν δίκη | ψῆφοι.

1458. ὅποιπερ εἶσ' ἴτω] Cf. Aj. 690. ἐγὼ γὰρ εἶμ' ἐκεῖσ' ὅποι πορευτέον. Phil. 1254. ἔστω (ἔσται recte B.) τὸ μέλλον. Aesch. Sept. 697. ἴτω κατ' οὖρον. Ag. 1240. τὸ μέλλον ἤξει.

1459. παίδων δὲ —] Redde, But of my children the male ones indeed you need not trouble yourself about, etc. Cf. O. C. 818. παίδων δυοῖν σοι τὴν μὲν ἀρτίως —, τὴν δ' ἄξω τάχα. μὴ μοι — προθῆ μέριμναν] Cf. El. 1334. νῦν δ' εὐλάβειαν τῶνδε προυθέμην ἐγώ. O. R. 134. πρὸ τοῦ θανάτου τήνδ' ἔθεσθ' ἐπιστροφῆν. Aj. 536. ἐπήγες' — πρόγοναι ἦν ἔθου. 13. σπουδῆν ἔθου τήνδ'. O. C. 466. θοῦ νυν καθαρόν τῶνδε δαιμόνων. Eur. Med. 911. ὑμῶν δὲ — πολλὴν ἔθηκε σὺν θεοῖς προμηθίαν.

1460. παίδων δὲ — μὴ μοι — προθῆ μέριμναν] Cf. 134. ἀξίως δὲ σὺ | πρὸ τοῦ θανάτου τήνδ' ἔθεσθ' ἐπιστροφῆν. El. 1334. νῦν δ' εὐλάβειαν τῶνδε προυθέμην ἐγώ. ἄνδρες] Mares.

1461. *ἔνθ' ἄν ὦσι*] Allusio subest ad Polynicis inter Argivos exilium.

1462. *παρθένον ἑμαῖν*] Cf. Eur. Iph. A. 714. *ἐκεῖο' ἀπάξει σὴν ἑμὴν τε παρθένον*. S. Paul. I. Cor. VII. 36. *ἀσχημονεῖν ἐπὶ τὴν παρθένον αὐτοῦ*.

1463. *αἶν*] Dativus. *ἡμῆ — βορᾶς τραπέζ'*] My table of food (my board). *χωρὶς*] Seorsum. Anglice apart. *Χωρὶς* per sequentia *ἄνευ τοῦδ' ἀνδρός* explicatur. Electra inter alia ob patris mortem luget *κεναῖς δ' ἀμφίσταμαι τραπέζαις* (El. 192.). *ἐσιτάθη*] Anglice was set (placed).

1464. *ῥῶσιν ἐγὼ ψαύοιμι*] Cf. Tr. 905. *κλαῖε δ' ὀργάνων ὄτου ψαύσειεν*.

1466. *αἶν — μέλεσθαι*] Cf. O. C. 1138. *μον μέλον*. Aj. 1184. *τάφον μεληθῶ*.

1467. *ὦ γογγὴ γενναῖε*] Cf. Ant. 949. *γενεᾷ τίμος*. Aj. 1094.

1468. *ἴθ'*, *ὄναξ*] Extra versum, ut mox *τί φημί*; et *λέγω τι*; Cf. O. C. 315. 318. 1271. Ph. 750. Tr. 865. 1081 sq.

1469. *ὦ γογγὴ γενναῖε*] I. e. O most noble one. *χερσί —*] Cf. Ph. 1044. *εἰ δ' ἴδοιμ' ἀλωλότας | τούτους, δοκοῦμ' ἄν τῆς νόσου πεφευγένοι*. Aj. 1094. *ὅς μηδὲν ὦν γυναισὶν κτλ*. El. 156. *γονᾷ ξύναιμος*. Plat. Soph. 231 C. *γένει γενναία*. Dem. p. 1095. *γόνῳ γεροντός*. Arist. Vesp. 466. *ὦ πόνῳ πονηρέ*. Lys. 350.

1470. *δοκοῦμι*] Cf. Ph. 1044. Sic *ἄφελοῦμι* Ant. 552. Aj. 537. *σφας*] Pro *αὐτάς*, ut in 1508. O. C. 486. pro *αὐτοὺς* Ant. 128. Aj. 839. Sic *σφι* et *σφιν*, pro *αὐτοῖς* et *αὐτῶ* (O. C. 1490.). Post *ἔβλεπον* pausam fieri existinandum est, quando cum duabus filiabus redit.

1471. *τί φημί*;] Am I right? Cf. Trach. 865. *τί φημί*; Infra 1475. *λέγω τι*; Eur. Herc. 518. *τί φημί*; *ποῖ' ὄνειρα κηραίνουσ'* ὄρῳ; 514. *ὦ πρέσβυ, λέύσσω τὰμὰ φίλτατ', ἢ τί φῶ*; Aesch. Pr. 101. *καίτοι τί φημι*;

1472. *οὐ δὴ κλύω πον —*] Cf. Ant. 380. *οὐ δὴ πού σέ γ' ἀπιστοῦσαν κτλ*. Tr. 668. 876. El. 1108. 1180. 1202. Ph. 900. *τοῖν —*] Cf. ad O. C. 1676.

1474. *τὰ φίλτατ' ἐχγόνοι ἐμοῖν*] Cf. Aj. 842. *πρὸς τῶν φιλίτων ἐχγόνων ὀλοίατο*. Ph. 434. *ὅς σοῦ πατρός ἦν τὰ φίλτατα*. El. 1208. O. C. 1100. Eur. Herc. 514. *λεύσσω τὰμὰ φίλτατ', ἢ τί φῶ*; Aesch. Pers. 851. *οὐ γὰρ τὰ φίλτατ' ἐν κακοῖς προδώσομεν*.

1475. *λέγω τι*;] Cf. Plat. Theaet. p. 456. ed. Heind. *λέγω τι ἢ οὐδέν*; Θ. *ναί, ἀληθῆ γε*. Timoccl. III. 592. *ὦ τᾶν, ἄκουσον, ἦν τί σοι μέλλω (al. δοκῶ) λέγειν*.

1478. *ἀλλ' ἐδτυχοῖς —*] Imitatur Aeschylum Ch. 1063. *ἀλλ' ἐδτυχοῖς, καί σ' ἐποπτεύων πρόφρων | θεὸς φυλάσσοι καιρίοισι συμφοραῖς*. Eur. Iph. A. 716. *ἀλλ' ἐδτυχοίτην*. 1557. Iph. T. 841. *τῆσδε τῆς ὁδοῦ*] In hoc itinere. Anglice in (during) this

journey. Cf. Soph. O. C. 1165. ἀπελθεῖν τ' ἀσφαλῶς τῆς δεῦρ' ὁδοῦ. Arist. Pac. 1155. τῆς αὐτῆς ὁδοῦ. Theophr. Char. IV. καὶ τῆς αὐτῆς ὁδοῦ κομίσασθαι παρ' Ἀρχίου τοῦ ταρίχου. Dindorfius cum Wundero genitivum pretii habet coll. O. C. 1505. καὶ σοι θεῶν | τύχην τις ἐσθλήν τῆσδ' ἔθηκε τῆς ὁδοῦ. Eur. Alc. 1046. πολλῶν δὲ μόχθων ἦλθε χεῖρας εἰς ἐμάς.

1481. ἀδελφὰς — χέρας] Cf. O. C. 1261. Ant. 192. Eur. Or. 222. κοῦκ ἀναίνομαι | ἀδελφ' ἀδέλφῃ χειρὶ θεραπεύειν μέλη. Aesch. Sept. 933. χερσὶν ὁμοσπόροισιν. De sigmatismo in hoc versu cf. Eur. Iph. T. 765. τὸ σῶμα σώσας τοὺς λόγους σώσεις ἐμοί. Med. 473. ἔσωσά σ', ὡς ἴασιν Ἑλλήνων ὕσοι.

1482. φντουρογοῦ πατρός] Cf. Tr. 360. τὸν φντοσπόρον (πατέρα). Aesch. Suppl. 592. πατὴρ φντουρογός. Eur. Tro. 481. τὸν φντουρογὸν Προάμιον. Iph. A. 949. Νηρέα φντουρογὸν Θέτιδος. Fr. 957. προσῆλθε μητρὶ καὶ φνταλμῖω πατρὶ. ὧδ' ὄραῖν] “Manus, quae effecerunt ut patris oculos nunc tales videatis quales videtis, i. e. lumine privatos.” (Dind.)

1483. προυξένησαν] Caused, accomplished. Idem fere quod ἦνυσαν (720). Cf. O. C. 465. Tr. 726. Sed lectio, ni fallor, vitiosa est.

1484. ἴστορῶν] Sciens. Cf. Tr. 382. Aesch. Ag. 676. εἰ δ' οὖν τις ἀκτὶς ἤλιον νιν ἴστορεῖ | βλέποντα.

1485. ἠρόθην] Cf. Eur. Tro. 135. τὸν πεντήκοντ' ἀροτῆρα τέκνων.

1487. τὰ λοιπὰ τοῦ μικροῦ βίου] Cf. 1125. τὰ πλεῖστα τοῦ βίου. O. C. 583. τὰ λίσθι' αἰτεῖ τοῦ βίου. 1137. καὶ τὰ λοιπὰ μου | μέλου δικαίως. El. 1226. ἔχω σε χερσίν; OP. ὡς τὰ λοιπ' ἔχους ἀεί. 1288. τὰ μὲν περισσεύοντα τῶν λόγων ἄφες. Phil. 24. τὰπίλοιπα τῶν λόγων. 131. δέχου τὰ συμφέροντα τῶν ἀεί λόγων. 1259. Aesch. Prom. 780. ἐλοῦ γὰρ εἰ πόνων τὰ λοιπὰ σοι φράσω. Herod. IV. 154. 1. τὰ ἐπίλοιπα τοῦ λόγου.

1489. ἀστῶν — ὀμιλίας] Cf. El. 418. εἰσιδεῖν πατρός — δευτέραν ὀμιλίαν.

1490. κεκλανμένοι] Passiva forma mediae vocis κλαίεσθαι ut πεποιήμεαι etc. Cf. O. C. 1016. Aesch. Cho. 719. τροφὸν δ' Ὀρέστον τήνδ' ὄρω κεκλανμένην. 450. κεκλανμένα. Sept. 814. τοιαῦτα χαίρειν καὶ δακρύεσθαι πάρα. Apud Homerum δεδάκρυνται δέ μοι ὄσσε, δεδάκρυνται δὲ παρειαί. Plut. V. Dem. 26. δεδακρυνμένος. V. Lucull. 35. ταπεινὸς καὶ δεδακρυνμένος. Pausan. I. 21. 5. δεδακρυνμένην — καὶ κατηφῆ γυναῖκα.

1492. ἠνίε' ἄν δῆ] I. q. ἐπειδὴ ἄν (ἐπειδάν). πρὸς γάμων — ἀκμᾶς] I. q. πρὸς γάμου ὥραν. Cf. 741. τίνα δ' ἀκμὴν ἦβης ἔχων; Eur. Hel. 12. ἐπεὶ δ' ἐς ἦβην ἦλθεν ὥραία γάμων.

1493. παραρρίψει] Anglice will venture. Cf. Fr. 499. λεπτῆς ἐπὶ ῥοπῆς γὰρ ἐμπολὰς μακρὰς | ἀεί παραρρίπτοντες. De constructione cf. Ant. 220. οὐκ ἔστιν οὕτω μῶρος δς θανεῖν ἐρᾷ.

Aesch. Pr. 165. τίς ὦδε τλησικάρδιος | θεῶν ὄρω τάδ' ἐπιχαρῆ; Eur. Phoen. 594. τίς ὦδ' ἄτρωτος ὄστις εἰς ἡμᾶς ξίφος | φόνιον ἐμβαλὼν τὸν αὐτὸν οὐκ ἀποίσειται μόρον; Arist. Ach. 737. τίς δ' οὕτως ἄνους ὄς ἡμέ κα πρίατο, φανεράν ζαμίαν; Herod. I. 87. οὐδείς γὰρ οὕτω ἀνόητός ἐστι ὄστις πόλεμον πρὸ εἰρήνης αἰρέεται. Hyperid. pro Lyc. c. 4. τίς γὰρ οὕτως ἐστὶ τῶν ἐν τῇ πόλει ἀλόγιστος ὄστις ἂν πιστεύσαι τοιοῦτους λόγους;

1494. *δνειδη λαμβάνων*] Cf. Tr. 254. τοῦτο τοῦνειδος λαβῶν. τοῖς ἐμοῖς — σφῶν θ' ὄμοῦ] Cf. Aj. 1008. Τελαμών σὸς πατήρ ἐμός θ' ἄμα. 1174. Ovid. 'meus illiusque parentes.' τοῖς ἐμοῖς γονεῦσιν] I. e. Jocastae.

1495. *σφῶν θ'*] Repetendum hic γοναῖσιν, et vestrum aeque progeniei, proli. Sic τὰμὰ κάγαμέμενος et similia. δηλήματα] Baneful. Gl. B. βλάβαι. Cf. Aesch. Fr. 123. ὄδοιπόρων δῆλημα (pernicies) χωρίτης δράκων. Hom. Od. 12, 286. ἄνεμοι χαλεποὶ, δῆλήματα νηῶν. (Jebb) Hom. H. Apoll. 364. οὐδὲ σὺ γε ζῶουσα κακὸν δῆλημα βροτοῖαν. Aesch. Fr. 119. ὄδοιπόρων δῆλημα χωριτης δράκων.

1496. τί γὰρ κακῶν ἄπεσι;] Cf. Ant. 4 sq. Eur. Hel. 217. τί γὰρ ἄπεσί σοι κακῶν; De tribracho sic posito cf. ad 719.

1497 sq. Cf. Aesch. Sept. 753. ὄστε μὴ πρὸς ἀγνάν σπείρας ἄρουραν (l. σπείραι 'ς ἄρουραν) ἔν' ἐτραφῆ δίξαν αἱματόεσαν ἔπλα.

1498. *ὄθεν*] I. e. ἐξ ἧς, quod cum non posuerit poeta nescio.

1500. *γαμεῖ*] Futurum.

1501. *δηλαδῆ*] Cf. Eur. Or. 787. δηλαδῆ σιγᾶν ἄμεινον. Iph. A. 1366. δηλαδῆ ξανθῆς ἐθειρης. Andr. 838. δηλαδῆ πόσις. Vocabulum nusquam alibi, credo, reperit in Tragoedia.

1502. *χέρσον* —] Without offspring. Cf. Eur. El. 325. πυρὰ δὲ χέρσος ἀγλαῖσμάτων. Hel. 689. ἄγαμος, ἄτεκνος. φθαρήναι] Vagari. Cf. Eur. El. 232. οὐχ ἓνα νομίζων φθείρεται πόλεως νόμον. Hel. 773. πόσον χρόνον | πόντου 'πὶ νῶτοις ἄλιον ἐφθείρον πλάνον.

1505. *ὄλώλαμεν δὴ ὄντε*] Cf. Tr. 539. καὶ νῦν δὴ ὄδοι (οὔσα?) μῖνομεν κτλ. Ph. 1079. μὴ σφε περιῶδης —] Cf. Arist. Eccl. 1054. μηθαμῶς με περιῶδης | ἐλκόμενον ὑπὸ τῆσδ'. Herod. IV. 118. ἡμεῖς ὄν μηδενὶ τρόπῳ — περιῶδητε ἡμέας διαφθαρέντας Isocr. Archid. p. 65. μὴ περιῶδωμεν ὄβρισηῖσαν τὴν Λακεδαίμονα.

1506. Cf. O. C. 349. ἄσιτος νηλίπους τ' ἄλωμένη. 444. 1365. 1686. Tr. 300. Eur. Heracl. 318. πτωχοῦς ἀλήτας. Esaiam LVIII. 7. πτωχοῦς ἀστέγους εἶσαγε εἰς τὸν οἰκόν σου. ἐγγενεῖς] I. e. ἐν γένει ὄσας, Angl. being akin. Cf. 1225. El. 1328.

1507. *μηδ' ἐξισῶσης* —] Cf. 425. Phil. 521. τότε οὐκέθ' αὐτὸς τοῖσδε τοῖς λόγοις φανῆς. O. C. 336. Aesch. Ag. 1629. ὄρφει δὲ γλῶσσαν τὴν ἐναντίαν ἔχεις. Cho. 175. ποῖαις ἐθειραις (βῄστρυχός ἐστιν ὄμόπτερος); τοῦτο γὰρ θέλω μαθεῖν. | ΗΛ. αὐτοῖσιν ἡμῖν

κάρα προσφερῆς ἰδεῖν. Suppl. 497. Νεῖλος γὰρ οὐχ ὁμοιον Ἰνάχρ
 γένος | τρέφει. Trag. Adesp. 393. θηροῖν θ' ὁμοιον (βίον). Moschion.
 Fr. 7, 4. θηροῖν διαίτας εἶχον ἔμφορεῖς βροτοί. Arist. Ach. 789.
 ὡς ξυγγενῆς ὁ κύσθος αὐτῆς θατέρω. Herod. I. 123. τὰς πάθας τὰς
 Κύρον τῆσι ἔωντοῦ ὁμοιούμενος. Isocr. p. 21 A. τὸ τῆς πόλεως
 δλης ἦθος ὁμοιοῦται τοῖς ἀρχουσιν. p. 297. ποῖος γὰρ ἂν λόγος
 ἐξισωθεῖται ταῖς ἡμετέραις δυσπραξίαις; Xen. Cyr. 5, 1, 4. ὁμοίαν
 ταῖς δούλαις εἶχε τὴν ἐσθῆτα. Hom. Il. 17, 51. κόμαι Χαρίτεσσιν
 ὁμοῖαι. ἐξισώσης — | Cf. Herod. VIII. 13. ἐποιετέ τε πᾶν ὑπὸ
 τοῦ θεοῦ ὅκως [ἂν] ἐξισωθεῖται τῷ Ἑλληνικῷ τὸ Περσικόν. Arist.
 Vesp. 565. προστιθέσσι | κακὰ πρὸς τοῖς οὔσιν ἕως ἀνιῶν (ἀριθ-
 μῶν?) ἂν ἰσώση τοῖσιν ἑμοῖσιν.

1510. ψάσας] Sub. αὐτῶν.

1511. Cf. Eur. Alc. 664. τοιάνδε καὶ οὐ χη τεκοῦσ' ἠλλαξάτην.

1512. Cf. 269. Aj. 392. ὅταν κατεύχη ταῦθ', ὁμοῦ κάμοι θα-
 νεῖν | εὔχου. O. C. 868. τοίγαρ σε — Ἥλιος δοίη βίον | τοιοῦτον
 ὄλον κάμῃ γηράναι ποτέ. Phil. 1019. ὄλοιω· καὶ σοι πολλάκις τόδ'
 ἠδ' ἐξάμην. Tr. 1189. Aesch. Sept. 477. ἐπεύχομαι δὴ τῷδε μὲν
 εὐτυχεῖν, — τοῖσι δὲ δυστυχεῖν. Arist. Eq. 928. ἐγὼ δ' ἀπειλήσω
 μὲν οὐδὲν, εὔχομαι δὲ σοι ταδί. Aeschin. II. 93. τοῖς δὲ δικασταῖς
 εὔχεσθαι πολλὰ καὶ ἀγαθὰ εἶναι.

1513. οὐ καιρός ἐξ ζῆν] Schol. καθ' Ἄιδου. Cf. El. 1259.
 οὐ μὴ ὅτι καιρός. O. C. 826. Eur. Ion. 658. ἔα δέ μ' αὐτοῦ ζῆν.
 Apud Homerum ἔα plerumque monosyllabum est. V. Heyne ad
 Il. 5, 256. Sed corrigendum videtur οὐ καιρός ἐστι ζῆν, βίον δὲ
 λῶνος —.

1514. βίον — κρηῆσαι] Cf. Ant. 870. δυσπότιμων — γάμων
 κρηῆσας. O. C. 1083. εἶθε — αἰθερίας νεφέλας κύρσαιμι. 247. Eur.
 Med. 1363. μητρός ὡς κακῆς ἐκύρσατε. Aesch. Pers. 781. ἔκυρσα
 τοῦπερα ἠθέλον πάλου. τοῦ φντεύσαντος πατρός] I. e. ἡ τὸν φν-
 τεύσαντα πατέρα. Cf. ad Ph. 681.

1515. ἄλις —] "Post ἄλις fere constanter omittitur verbum
 εἶναι. Cf. 1061. O. C. 194. Tr. 332. Eur. Phoen. 892." (Herw.)

ἴδι στέγης ἔσω] Cf. Tr. 492. ἀλλ' εἶσω στέγης χωρῶμεν. El. 1392.
 παράγεται — εἶσω στέγας (στέγης?).

1516. "Ad stichomythiam cf. Phil. 1402 sq. Nusquam autem
 alibi tetrametris in exitu dramatis Sophocles usus est, Euripides
 in solo Ione, Aeschylus in uno Agamemnone." (Herw.) *πειστέον*]
 I. e. δεῖ πείθεσθαι. Cf. Phil. 994. *πειστέον τάδε*. Arist. Ran. 498.
 Pac. 218. Eccl. 1022. Eur. Hipp. 1182. *πειστέον πατρός λόγοις*.
 Iph. T. 118. πάντα γὰρ καιρῶ καλά] *Leg. πάντα δὴ ἔν καιρῶ
 καλά*. Cf. O. C. 809. ταῦτα δ' ἐν καιρῶ λέγεις.

1517. λέξεις, καὶ τότ' εἶσομαι κλύων] Cf. Aesch. Sept. 261.
 λέγοις ἂν ὡς τάχιστα, καὶ τάχ' (l. τότ') εἶσομαι. ἐφ' οἷς] Cf.
 Eur. Hipp. 459. ἐπὶ ῥητοῖς. Arist. Pl. 1068. οὐκουν ἐπὶ τούτω

Arist. Eq. 1158. *οἶσθ' οὖν δ δραῶσον; ΔΗ. εἶσομ', ἦν φράσης γε σύ.*
 Pac. 1061. *οἶσθ' οὖν δ δραῶσον; ΙΕ. ἦν φράσης.* Alex. III. 442. *ἐπί-
 στασαι τὸν σαυρόν ὡς δεῖ σκευάσαι; | Β. ἀλλ' ἄν διδάσκης.* Plat.
 Resp. 408 D. *ἀλλ' οἶσθα οὖς ἡγοῦμαι τοιούτους; — Ἄν εἴπης, ἔφη.*
 Plutarch. Erotic. init. *οἶσθ' οὖν —; — οὐκ, ἀλλ' εἶσομαι λεγόντων.*
 Plant. Pseud. II. 2. 62. 'Non ita 'st: sed scin quid te orem, Syre?
 — Sciam, si dixeris.'

1518. *πέμπρεις ἄποικον]* I. η. *ἀποικιεῖς.* Cf. 241. *πέμπειν δ'
 ἀπ' οἴκων.* 819. O. C. 1390. Tr. 955. *ἄποικον]* Extorrem. Cf. 998.
ἢ Κόρινθος ἐξ ἐμοῦ | μακρὰν ἀπωκεῖτο.

1519. *ἐχθιστος ἦκω]* Cf. 1433. *ἄριστος ἐλθὼν πρὸς κάκιστον
 ἄνδρ' ἐμέ.* O. C. 1266. *καὶ μαρτυρῶ κάκιστος — ἦκειν.* Ant. 99.
ἄνους μὲν ἔρχει. Phil. 1284. *ἐλθὼν — ἀσχιστος.* El. 797. Eur. Suppl.
 1059. *ἐνταῦθα γὰρ δὴ καλλίνικος ἐρχομαι* (I come off, I become,
 victorious). Hipp. 678. *τὸ γὰρ παρ' ἡμῖν πάθος παρὸν δυσεκπέ-
 ρατον ἔρχεται βίον.* Hom. II. 18, 180. *σοὶ λῶβη, εἴ κέν τι νέκνυς
 ἡσχυμμένος ἐλθῃ.* Virg. G. I. 29. 'An deus immensi venias maris.'
 Vix conferri debet Juv. 7, 29. 'Ut dignus venias hederis.'

1520. Cf. 569. *ἐφ' οἷς γὰρ μὴ φρονῶ σιγᾶν φιλῶ.* Aesch.
 Eum. 899. *ἔξεσι γὰρ μοι (εἶωθα γὰρ τοι?) μὴ λέγειν ἃ μὴ τελῶ.*

1521. *τέκνων δ' ἀφοῦ]* Cf. Arist. Pac. 705. *ὄστ' οὐδέποτ', ὦ
 δέσποιν', ἀρησόμεσθά σου.* Av. 628.

1522. *τούτω 'ξέλη με]* Cf. El. 1208. Eur. Alc. 70. *βία γυναικα
 τήνδε σ' ἐξαιρήσεται.* Iph. A. 972. *εἴ τίς με τὴν σὴν θυγατέρ' ἐξαι-
 ρήσεται.* Arist. Pac. 316. Hom. Od. 16, 217. *οἴσι τε τέκνα | ἀγρόται
 ἐξείλοντο. πάντα — κρατεῖν]* Cf. Dem. Ol. III. 6. *ἐστρατηγηκότες
 πάντα. κρατεῖν]* Praevalere. Gl. B. *νικᾶν.*

1523. "I. e. felicitas qua gaudebas non per totam vitam te
 est comitata." (Dind.) Schol. *οὐ συνήνεγκέ σοι.* Cf. 432. *αὕτη γε
 μέντοι σ' ἢ τύχη διώλεσεν.* 1197. *δοῖς — ἐκράτησας οὐ πᾶντ'
 εὐδαίμονος ὄλβου. ξυνέσπετο]* Comitata sunt. Cf. Aesch. Ag.
 854. *νίκη δ', ἐπέπερ' ἔσπετ', ἐμπεδος μένοι.* Herod. I. 32. *εἰ μὴ
 οἱ τύχη ἐπίσποιτο.* Schol. *αὐτάρκως ἔχει τὸ δραῖμα, τὰ γὰρ ἐξῆς
 ἀνοίκεια γνωμολογοῦντος Οἰδίποδος.*

1524. *Θήβης ἔνοικοι]* Cf. Tr. 1092. *Νεμέας ἔνοικον — λέοντα.*
 Eur. Andr. 446. *Σπάρτης ἔνοικοι.* Iph. A. 289. *Αἴας δ' ὁ Σαλαμῖνος
 ἔντροφος —. Οἰδίπους ὄδε]* Sc. *εἰμί.* Sic Eur. Or. 374. *ὄδ' εἴμ'
 Ὀρεσσις.*

1525 sq. Cf. Aesch. Pers. 710. *ὦ βροτῶν πάντων ὑπερσχὼν
 ὄλβον εὐτυχεῖ πότρω, | ὡς ἔως ἔλευσες ἀγὰς ἡλίον ζηλωτὸς ὦν |
 βίον εὐαίωνα Πέρσαις ὡς θεὸς διήγαγες. | κῦν δέ σε ζηλῶ θα-
 νόντα πρὶν κακῶν ἰδεῖν βάθος.* 770. *τίν' ἀνδρῶν γὰρ τοσόνδ' ἑθαύ-
 μασαν θεοὶ καὶ ξυνέσποιοι τὰς πόλεως πολύβοτὸς τ' αἰὼν βροτῶν
 ὄσον τότ' Οἰδίπον τῖον, ἀναρπάξανδρον κῆρ' ἀφελόντα χῶρας.* Eur.

Herc. 508. *δρατέ μ', ὅσπερ ἦν περιβλεπτος βροτοῖς, | ὄνομαστὰ πράσσω, καί μ' ἀφείλεθ' ἡ τύχη* —. Manifesta imitatio Sophoclis.

1526. Cf. 420. 10. C. 1133a. *ὦ τίς οὐκ ἐνι | κηλῖς κακῶν ξύνοικος; 1231. τίς οὐ καμάτων ἐνι; El. 169. Aesch. Pers. 301. τίς οὐ τέθνηκε; Eur. Phoen. 892. κάγω τίν' οὐ δρῶν, ποῖα δ' οὐ λέγων ἔπη, | εἰς ἔχθος ἦλθον —; Andr. 6. ζηλωτὸς ἐν γε τῷ πρὶν Ἄνδρομάχη χρόνω, | νῦν δ', εἴ τις ἄλλη, δυστυχεσιτῆ γυνή. 300. τίν' οὐκ ἐπῆλθε; ποῖον οὐκ ἐλίσσειτο —; 1130. τίς οὐ αἰδηρον προσφέρει; τίς οὐ πέτρον —; 401. τίς γάρ σε κῆρυξ — ἀμύνειν οὐκ ἐπέσκηψεν πόλει; Achae. 26, 1. τί μ' οὐ λέγοντες —; Arist. Pl. 786. ἐμὲ γάρ τίς οὐ προσεῖπε; ποῖος οὐκ ὄχλος | περιστεφάνωσεν —; Theocr. II. 89. ἐς τίνος οὐκ ἐπέρρασα, | ἢ ποίας ἔλιπον γραίας δόμον ἄτις ἐπῆδεν; Dem. de Cor. p. 241. τί κακὸν οὐχί πασχόντων; p. 1152. τίνα οὐ προσπεμπόντων; ζήλω] Invidia. Cf. 380. τῷ πολυζήλω βίω. Aj. 503. οἴας λατρείας ἀνθ' ὅσου ζήλου τρέφεις. Ant. 1161. Κρέων γάρ ἦν ζηλωτὸς ὡς ἐμοί (f. ὡς οὐδεὶς) ποτέ. Theogn. 455. πολλοῖς ἀν ζηλωτὸς ἐφαίνεο τῶνδε πολιτῶν. Carcin. Fr. 10, 2. πλοῦτος — μέγιστον ζήλον ἐν βροτοῖς ἔχει. Arist. Pac. 1038. οὐχὶ μὴ παύση ποτ' ὄν ζηλωτὸς ἅπασιν. Vesp. 451. ἐξέδειξ' εὐ κἀνδρικῶς (σε), | ὥστε σε ζηλωτὸν εἶναι. Eur. Her. 866. τὸν εὐτυχεῖν δοκοῦντα μὴ ζηλοῦν. Aesch. Pers. 710. ὅς γ', ἕως ἔλευσες αὐγὰς ἡλίου, ζηλωτὰς ὦν | βίον εὐαίωνα — διήγαγες. Ag. 939. ὁ δ' ἀφθόνητός, γ' οὐκ ἐπίζηλος πέλει. ἐπέβλεπεν] Invidēbat, Anglice envid. Cf. Eur. Herc. 508. *δρατέ μ', ὅσπερ ἦν περιβλεπτος βροτοῖς | ὄνομαστὰ πράσσω, καί μ' ἀφείλεθ' ἡ τύχη — ἡμέρα μιᾷ.**

1527. κλύδωνα —] Cf. Aesch. Pers. 605. *ὅταν κλύδων | κακῶν ἐπέλθῃ. Prom. 886. στυγνῆς πρὸς κύμασιν ἄτης. 1017. οἶός σε χειμῶν καὶ κακῶν τρικυμία | ἔπαισ' ἄφουκτος. Ag. 636. δυσκύματα — κακά. Sept. 64. Eur. Hipp. 822. μηδ' ἐκπερᾶσαι κύμα τῆσδε συμφορᾶς. Phoen. 873. ἐν γὰρ κλύδωνι κείμεθ', ὥσπερ οἶσθα σὺ, | δορός Δαναϊδῶν. Suppl. 474. πολὺς κλύδων — δορός. Herc. 1088. ὦ Ζεῦ, τί παιδ' ἤχθηρας — κακῶν δὲ πέλαγος ἐς τόδ' ἤγαγες; Ion. 927. κακῶν κύμ' ὑπεξαντλῶν φρενί. Med. 363. ὡς εἰς ἀπορόν σε κλύδωνα θεός, | Μήδεια, κακῶν ἐπόρευσεν. Plut. Ages. 31. κλύδωνα πολέμον. Hor. Ep. I. 2. 'adversis rerum immersabilis undis.'*

1528 sq. Cf. Tr. 1. 943 sq. O. C. 567 sq. Fr. 512. *μήπω μέγ' εἴτης πρὶν τελευτήσαντ' ἴδης. Aesch. Ag. 937. ὀλβίοισι δὲ χρῆ | βίον τελευτήσαντ' ἐν εὐεστοῖ φίλῃ. Eur. Her. 863. τῇ δὲ νῦν τύχη | βροτοῖς ἅπασι λαμπρὰ κηρῶσει μαθεῖν, | τὸν εὐτυχεῖν δοκοῦντα μὴ ζηλοῦν πρὶν ἀν | θανόντ' ἴδῃ τις, ὡς ἐφήμεροι τύχαι. Iph. A. 159. θνητῶν δ' ὀλβίος εἰς τέλος οὐδεὶς. Herc. 103. οἶ τ' εὐτυχοῦντες διὰ τέλους οὐκ εὐτυχεῖς. Andr. 100. Tro. 513. Suppl. 270. Dionys. trag. Fr. 3. θνητῶν δὲ μηδεὶς μηδέν' ὀλβίον ποτε | κρήνη πρὶν αὐτὸν*

(leg. ἄν νιν) εὖ τελευτήσαντ' ἴδη. | ἐν ἀσφαλεῖ γὰρ τὸν θανόντ' ἐπολ-
βίσαι (ἐπαινέσαι mss.). Theogn. 593. μήτ' ἀγαθοῖσι | τεροφθῆς ἐξαπί-
νης πρὶν τέλος ἄκρον ἰδεῖν. Cic. de Fin. II. 87. Ovid. Met. III. 135.

1529. Cf. Eur. Tro. 511. τῶν δ' εὐδαιμόνων | μηδένα νομίζετ'
εὐτυχεῖν πρὶν ἂν θάνῃ. Adesp. 367. μήποτε τις (βροτὸν) ἄνδρα
πανόλβιον ἀδῆσειε | πρὶν (κεν) ἴδη πῶς κείνος ἔχει ποτὲ πότμον
ἀπήμων (sec. Cobet.).

1530. τέρμα τοῦ βίου περάσῃ] Cf. Tr 79. ὡς ἡ τελευτὴν τοῦ
βίου μέλλει τελεῖν (leg. περᾶν) κτλ. 102. βίου — πέρασιν. Eur. Andr.
102. τὴν τελευταίαν περάσας ἡμέραν. Oppian. Cyn. I. 513. εἰσόκε
τέρμα πόνοιο καὶ εἰς βαλβίδα περάσῃ. Aesch. Fr. 286. οὔτε —
θνήσκει τις, ἦν μὴ τέρμα συντρέχῃ βίου. Notandus articulus se-
cundo nomini praefixus, ut in O. C. 725. φαίνοιτ' ἂν ἤδη τέρμα
τῆς σωτηρίας. Eur. Fr. 1076, 2. τῶν δ' ἀμηχάνων ἔρωσ κτλ. Aesch.
Eum. 679. τῆς δίκης τέλος. Eur. Hec. 378. τῆς εὐγενείας ὄνομα.
Iph. T. 555. τοῦ τάλαιπύρου δάμαρ. Contra primo praefigitur arti-
culus in O. C. 1720. τὸ τέλος βίου. et alibi.

PHILOCTETES.

1. μὲν — ἀλλά] Cf. El. 254. 910. O. R. 1251. περιρρύτου]
Cf. 239. τῆς περιρρύτου Σκύρου. Adesp. 604. Σέριφος ἄλλη ποντία
περίρρυτος. Hesiod. Th. 193. περίρρυτον — Κύρρον.

2. ἀσιπτος] I. q. ἀσιβής. Cf. Aj. 657. χῶρον — ἀσιβῆ.
O. C. 126. ἀσιβές ἄλος. Lucret. I. 926. 'nullius ante trita solo.'

3. πατρός — τραφεῖς] Cf. Aj. 807. φωτὸς ἠπατημένη. 1353.
Tr. 934. ἐκδιδαχθεῖς τῶν κατ' οἶκον. Fr. 497, 2. ξαίνεις ἀρίστου
πατρός Ἑλλήνων γεγώς; Aesch. Sept. 792. θαροεῖτε, παῖδες μητέρων
τεθραμμένοι —. Eur. El. 123. κείσαι, σᾶς ἀλόχου σφαγείς. 528.
ἄνδρὸς εὐγενοῦς τραφεῖς. Or. 497. πληγείς θυγατρὸς τῆς ἐμῆς. Hom.
II. 5, 6. λελουμένος Ὀκeanοῖο. Herod. I. 109. τὸν — Ἀστυάγεος
δηθέντα λόγον. Eur. Iph. A. 245. Ταλαός, ὃν τρέφει πατήρ. Sed
Aj. 557. οἶος ἐξ οἴου ἴραφης. 1229. τραφεῖς — μητρός εὐγενοῦς ἀπο.

4. Μηλιά] Contractum ex Μηλιέα. Cf. Arist. Lys. 1169. τὸν
Μηλιά | κόλπον.

6. ταχθεῖς τάδ' ἔρδων] I. q. προσταχθεῖς. Cf. O. C. 851. ὕφ'
ὦν ἐγὼ | ταχθεῖς τόδ' ἔρδω. Aj. 1352. 528. Ant. 734. Phil. 1144.

7. νόσφ κατασιάζοντα — πόδα] Cf. Aj. 10. κάρρα στάζων ἰδρῶτι.
Eur. Suppl. 586. στάμα | ἀφορῶ κατασιάζοντα. Iph. T. 308.

10. κατεῖχ' —] Cf. Aj. 142. μεγάλοι θόρουβοι κατέχονο' ἡμᾶς | ἐπι δυσκλείῃ. Arist. Eccl. 433. ὁ δὲ κατεῖχε τῇ βοῇ (τὴν ἐκκλησίαν).

12. ἀκμὴ γὰρ οὐ μακρῶν ἡμῖν λόγων] Cf. Aj. 811. οὐχ ἔδρας ἀκμῆ. El. 1372. οὐκ ἂν μακρῶν ἔθ' ἡμῖν οὐδὲν ἂν (l. οὐθένων) λόγων — τόδ' εἴη τοῦργον. 1338.

13. ἐκχέω —] Cf. Aesch. Pers. 831. μηδ' — ὄλβον ἐκχέη μέγαν. Arist. Ran. 855. μὴ — ἐκχέη τὸν Τήλεφον. Virg. G. IV. 491. 'ibi omnis | effusus labor.'

15. ἔργον ἤδη σὸν —] Cf. Arist. Pac. 1305. ὑμῶν τὸ λοιπὸν ἔργον ἤδη — φιλᾶν ταῦτα πάντα κτλ.

16. ὅπου 'σι' ἐνταῦθα] Cf. Eur. Fr. 508, 8. ἐνταῦθά πού 'σιν ἐγγύς, εἰ βούλεσθ' ὄρα. Arist. Ran. 432. ἔχοι τις ἂν φράσαι νῶν | Πλοῦτων' ὅπου 'νθάδ' οἰκεῖ. δίστομος πέτρα] Cf. Eur. Cycl. 707. δι' ἀμφιτρῆτος τῆσδε προσβαίνων ποδί (l. πέτρας).

18. ἐνθάκησις] Cf. O. C. 9. θάκησιν. 1293. ἐνθακεῖν. El. 267.

19. δι' ἀμφιτρῆτος ἀλλίου] Cf. 159. οἶκον — τόνδ' ἀμφίθρονον. Eur. Cycl. 707. δι' ἀμφιτρῆτος τῆσδε προσβαίνων πέτρας (ποδί mss.).

21. ποτὸν κρηναῖον] Cf. 1461. Tr. 14. κρηναῖον ποτιῦ. Fr. 560. πρὸς ναρὰ καὶ κρηναῖα χωροῦμεν ποτά. εἴπερ ἐστὶ σῶν] Cf. O. C. 1210. σὺ δ' ὦν | σῶς ἴσθ', κτλ.

22. σήμαιν' εἴτ' ἔχει] De hac versus terminatione cf. Eur. Her. 529. καὶ στεμματοῦτε καὶ κατάρχεσθ', εἰ δοκεῖ. Cycl. 304. ἄλις δὲ Πριάμον γαῖ' ἐχέρωσ' Ἑλλάδα.

24. τὰπίλοιπα τῶν λόγων] Cf. ad 131. τὰ συμφέροντα τῶν ἀεὶ λόγων.

25. κοινὰ δ' ἐξ ἀμφοῖν ἴη] Cf. Eur. Hec. 294. λόγος γὰρ ἔκ τ' ἀδοξούντων ἰὼν κτλ.

26. οὐ μακρὰν] I. e. οὐ μακρὰν ἀπόν. Cf. Tr. 962. ἀγχοῦ δ' ἄρα κοῦ μακρὰν προύκλαον. O. R. 220. Trag. adesp. 10. πᾶν εὐμαρὲς θεοῖσι κοῦδαμῆ (κοῦδαμῶς?) μακρὰν. Aesch. Ag. 1650. τοῦργον οὐχ ἑκάς τόδε.

29. ἐξῦπερθε] Cf. καθύπερθεν El. 1091.

30. μὴ — κρηῆ] Cf. El. 580. δρα — μὴ πῆμα — τίθης. Tr. 663. δέδοικα μὴ περαιτέρω | πεπραγμέν' ἤ μοι πάνθ' κτλ. Thuc. III. 53. φοβούμεθα μὴ ἀμφοτέρων ἄμα ἡμαρτήκαμεν (l. ἡμαρτήκωμεν). καταυλισθεὶς κρηῆ] Cf. 1279. λέγων κρωῶ. El. 1331. ἐκύρουν — φυλάσσων. O. R. 259. 985. O. C. 119. καταυλισθεὶς] Cf. Eur. Rhes. 518. νῦν μὲν καταυλίσθητι· καὶ γὰρ εὐφρόνη.

31. οἴκησιν] Cf. Ant. 892. Thuc. VI. 88. Xen. Cyr. II. 4. 13. Paus. IX. 5. 1.

32. οἰκοποῖς — τρύφη] Cf. Xen. Cyr. V. 4. 39. συνεσκενύσατο δὲ πάντα ὀπόσοις ἂν οἶκος μέγας καλῶς οἰκοῖτο.

35. αὐτόξυλόν γ' ἔκπωμα —] Cf. O. C. 192. αὐτοπέτρον βήματος. Eur. Fr. 306. αὐτοκτίτους δόμους. Fr. 125, 2. παρθένου τ' εἰκό τινα | ἐξ αὐτομόρφων λαῖνων τυκισμάτων, | σοφῆς ἀγαλμα

χειρός. Trag. adesp. 165. αὐτόχθων ἐστία (Χείρωνος, i. e. a dwelling on the bare ground). Virg. Aen. I. 167. 'vinoque sedilia saxo.' www.phylolinguistics.com] Cf. Theocr. Epigr. IV. 3. σὺκινον εὐρήσεις ἀργιγλυφές ξόανον | τριακέλες αὐτόφλοιον κτλ. Diph. IV. 414. πολὺς (corr. φαῦλος) τεχνίτης ἐστὶν ὁ χρόνος, ὃ ξένε. Hesiod. Scut. 297. παρὰ δέ σφισιν ὄρχος | χρύσεος ἦν, κλυτὰ ἔργα περιφρονος Ἡφαίστοιο. Arist. Fr. 698. φανλουργοὺς (τεχνίτας).

36. τεχνήματ'] Pro τέχνημα. Sic Eur. Andr. 1274. ὦ πότνι', ὦ γενναῖα συγκοιμήματα, | Νηρῶες γένεθλον. Hipp. 11. Ἰππόλυτος, ἀγνοῦ Πιπθῆως παιδεύματα. Cf. O. C. 472. κρατῆρές εἰσιν, ἀνδρὸς εὐχειρος τέχνη. πυρεῖ'] Cf. Theocr. 22, 33. ἐκβαίντες δ' ἐπὶ θῖνα — εὐνάς τ' ἐπὶ τὸρνυτο πυρεῖά τε χερσὶν ἐνώμων.

37. θησαύρισμα] Cf. Eur. Fr. 44. οὐ γὰρ σὺ σώζει σεμνὰ θησαυρίσματα | χρυσοῦ, κτλ.

38. ἄλλα] I. e. praeterea. Cf. O. R. 7. Eur. Hel. 113. χρόνον δ' ἐμείναι' ἄλλον ἐν Τροίᾳ πόσον; Arist. Pac. 760. ὑπὲρ ὁμῶν πολεμίζων — καὶ τῶν ἄλλων νήσων. θάλλεται] Cf. Eur. Hel. 183. ἔτυχον — ἄλιον πέπλους ἀγαῖσιν ἐν ταῖσι χρυσαῖσιν | θάλλουσ'.

39. νοσηλείας] Schol. τῆς ἐκ νόσου ἀκαθαρείας. Cf. Anaxil. com. III. 346. οὐσάτιον μέλλεις νοσηλεύειν; πλέα] Cf. Xen. Cyr. I. 3. 5. δταν δὲ τούτων τινὸς θίγῃς, ἐνθὺς ἀποκαθαίρει τὴν χεῖρα εἰς τὰ χειρόμακτρα, ὡς πάντῃ ἀχθόμενος δι πλέα σοι ἀπ' αὐτῶν ἐγένετο.

40 sq. Cf. Arist. Av. 1183. αἰθῆρ δονεῖται τοῦ θεοῦ ζητουμένον. | κἄστ' οὐ μακρὰν ἀπῶθεν, ἀλλ' ἐνταῦθά που | ἦδη 'στίν.

42. προσβαίη μακρὰν] Redde procul perveniret. Cf. Eur. El. 490. ὡς πρόσβασι τῶνδ' ὀρθίαν οἴκων ἔχει | ἔρυσσ' γέροντι τῷδε προσβῆναι ποδί (f. πόδα).

43. ἐπὶ φορβῆς νόστον ἐξελέλυθεν] Cf. Ant. 1184. πρὸς ἐξοδὸν στείχουσα. Tr. 159. πολλοὺς ἀγῶνας ἐξιών. Aj. 290. τί τήνδ' — ἀφορμῆς πείραν —; Arist. Av. 1398. τότε μὲν νοτίαν στείχων πρὸς ὄδον, κτλ. Eur. Cycl. 13. ναυστολῶ | σέθεν κατὰ ζήτησιν. Hipp. 233. ἐπὶ θήρας πόθον ἐπέλλου. Iph. T. 1034. γῆς πατρῴας νόστος. Phoen. 1379. ἦξαν δρόμημα δεινὸν ἀλλήλους ἐπι. Thuc. VII. 4. ἐπὶ φρυγανισμὸν ἅμα ὁπότε ἐξέλθοιεν. III. 110. ἐπὶ λαχανισμὸν καὶ φρυγάνων φυλλογῆν ἐξελέθοντες. Plat. Phaedr. p. 227. πορεύομαι δὲ πρὸς περιπατον ἔξω τέλους. Sed legendum, ni fallor, ἦ πὶ φορβῆν — νόστον] Cf. Aj. 900. ὦμοι ἐμῶν νόστον.

47. Cf. 347. 524. 1051.

48. ἀλλ' ἔρχεται τε καὶ —] Cf. O. O. 113. σιγήσομαί τε καὶ σὺ μ' ἐξ ὁδοῦ κτλ. 494. ἠκούσαμεν τε χῶτι δεῖ πρόστασε δρᾶν. ἀλλ' ἔρχεται τε καὶ —] Cf. Eur. Alc. 420. ἐπίσταμαί γε (l. τε) ποῦκ ἄφνω κακὸν τόδε | προσέπτται'.

54. De constructione cf. 77. O. R. 406. ὅπως τὰ — μαντεῖ' ἄριστα λύσομεν, τόδε σκοπεῖν. et ad Aj. 556. δεῖ σ' ὅπως — δείξει

— ολος ἐξ οἶον ἑτάρας. Cratin. II. 82, δεῖ σ' ὄπως εὐσχήμονος ἄλεκτρονός μὴδὲν διοίσεις.

55. τὴν Φιλοκτήτου ψυχὴν] Sic El. 1127. ψυχῆς Ὁρέστου pro simplici Ὁρέστου. δόλοισιν ἐκκλέψεις] Cf. Eur. Herc. 100. κλέπτουσα μύθοισι ἀθλίους κλοπὰς δμῶς.

56. τίς τε καὶ πόθεν πάρει] Cf. ad 1091. Tr. 421. τίς πόθεν μολῶν | σοὶ μαρτυρήσει —; Eur. El. 780. τίνες | πόθεν πορεύεσθ'; Hom. Od. 19, 105. τίς πόθεν εἰς ἀνδρῶν;

58. πλεῖν δ' ὡς πρὸς οἶκον] Cf. Eur. Her. 672. ἤδη γὰρ ὡς ἐς ἔργον ὤπλισται στρατός. Xen. An. I. 8. 1. προσέρχεται ὡς εἰς μάχην παρεσκευασμένος. VI. 1. 22. συνταξάμενοι ὡς εἰς μάχην. VI. 2. 21. Thuc. IV. 13.

59. ἔχθος ἐχθήρας μέγα] Cf. El. 1034. οὐδ' αὖ τοσοῦτον ἔχθος ἐχθαίρω σ' ἐγώ. Trag. adesp. 462, 2. τοῖς δ' ἔχθος εἶναι.

60. ἐν λιταῖς] Cf. 102. ἐν δόλω. 1393. ἐν λόγοις. Ant. 962. El. 1138. 1141.

61. μόνην ἔχοντες τήνδ' ἄλωσιν] Cf. Aj. 1114. Tr. 483. et ad Arist. Nub. 201. ἀστρονομία μὲν αὐτή.

62 sq. Cf. El. 1277. Tr. 56. O. C. 1211. Trag. adesp. 79. οὐκ ἀξιῶ μικρῶν σε, μεγάλα δ' οὐκ ἔχω. Dem. c. Aristog. § 69. ἐκείνου κῆριον κολάσαι. Hom. H. Cer. 283. οὐδέ τι παιδὸς | μνήσατο τηλυγέτοιο ἀπὸ δαπέδου ἀνελέσθαι.

62. οὐκ ἤξιωσαν τῶν Ἀχιλλείων ὄπλων | ἐλθόντι δοῦναι] Cf. O. C. 1496. φίλους ἐπαξιοῖ δικαίαν χάριν παρασχεῖν παθῶν.

65. ἔσχατ' ἔσχατων κακά] Cf. O. R. 465. O. C. 1238. Diocl. com. II. 838. τὰ κακά τῶν κακῶν. Pher. II. 299. τὰ κατὰ τῶν καλῶν.

66. εἰ δ' ἐργάσει μὴ ταῦτα] Cf. O. C. 1365. εἰ δ' ἐξέφρσα τάσδε μὴ —. El. 992. Eur. Hel. 11. Arist. Ran. 639. 1417. Pac. 672. οὐδὲν ἀλγυνεῖ μ'] Cf. Tr. 458. τοῦτό μ' ἀλγύνειεν ἄν.

67. Cf. Eur. Phoen. 1535. σκότον δμῆμασι σοῖσι βαλῶν. Ion. 751. οὐκ εἰς ἀπίστους δεσπότας βαλεῖς χαράν.

72. ἐνορκος οὐδενί] Cf. Aj. 1113. ὄρκων οἷσιν ἦν ἐνώμοτος.

75. τόξων ἐγκρατῆς] Cf. O. C. 1022. ἐγκρατεῖς (τῶν παίδων).

77. κλοπεύς] Cf. El. 56. Eur. Tro. 677. Herc. 100. Suppl. 416. Pind. Ol. VI. 36. P. IV. 96.

79. Cf. 88. Ant. 523. Tr. 440. χαίρειν πέφνκεν (τάνθρωπων) οὐχ' τοῖς αὐτοῖς ἀεί. Eur. El. 1102. ὦ παῖ, πέφνκας πατέρα σὸν στέργειν ἀεί. Eur. Bacch. 896. Eur. Fr. 945. φύντες οὐ σκαιοὶ φύσιν. Alex. 156, 7. Baton. 2, 8. Philem. 90, 2. μείζω τὰ κακὰ ποιοῦσι πολλοὶ — αὐτοὶ δι' αὐτοὺς ἢ πέφνκε τῇ φύσει. Thuc. alicubi, πεφνκασί τε ἅπαντες — ἀμαρτάνειν. Xen. Cyr. V. 1. 24. βασιλεὺς γὰρ ἔμοιγε δοκεῖς οὐ φύσει πεφνκέναι. VIII. 7. 13. πιστοὺς δὲ μὴ νόμιζε φύσει φύεσθαι ἀνθρώπους. Hieron. III. 9. ὑπὸ τῶν φύσει πεφνκῶτων μάλιστα φιλεῖν.

81. ἡδὺ — κτήμα τῆς νίκης λαβεῖν] Cf. Eur. Andr. 181. 728. 958. Phoen. 206.

82. αὐθις] Postea. Cf. Eur. Or. 910. κἄν μὴ παραντίκ', αὐθις εἰσι χεῖροι μοι | πόλει. Suppl. 415. 551. Hipp. 892. Iph. T. 1312.

83. Cf. Trag. adesp. 528. κακὴ γὰρ αἰδώς ἐνθα τάναιδές κρατεῖ.

84. δός μοι σεαντὸν] Cf. Tr. 1117. δός μοι σεαντὸν, μὴ τοσοῦτον (l. τοιοῦτον) ὡς δάνκει | θυμῷ δύσοργος. Arist. Eq. 740. σαντὸν δὲ λυγροπῶλαισι — δίδως. Thuc. II. 68. διδάσασιν ἑαντοὺς Ἀκαρναῖσι. Ter. Adelp. V. 3. 52. 'mitte jam isthaec, da te hodie mihi.'

88. ἐκ τέχνης — κακῆς] Cf. O. R. 643. σὺν τέχνῃ κακῇ.

91. ἐξ ἐνός ποδός] I. e. μόνος ὄν. Cf. El. 455. ἐξ ὑπερτέρας χερὸς ἐχθροῖσιν — ἐπεμβῆναι ποδί. 742. Tr. 875. ἐξ ἀκινήτου ποδός. Eur. Herc. 938. ἐξὸν μᾶς μοι (l. ἐκ) χερὸς εὖ θέσθαι τάδε.

93. ὀκνῶ προδοῖτης καλεῖσθαι] Cf. Eur. Her. 246. Ἀργείοις δ' ὀκνῶ | κέετας προδοῦναι. 28. ὀκνῶν προδοῦναι. Alc. 178. προδοῦναι γάρ σ' ὀκνοῦσα — θνήσκω.

95. ἐξαμαρτεῖν] To fail to persuade. Cf. El. 1039. ἡ δεινὸν εὖ λέγουσαν ἐξαμαρτάνειν. ἡ νικᾶν καλῶς] Supple δρῶν.

97. Cf. Aesch. Sept. 554. ἀνὴρ ἄκομπος, χεῖρ δ' ὄρᾳ τὸ δράσιμον. ἐργάτιν] Cf. Aesch. Prom. 461. μνήμην θ' ἀπάντων μνησομήτορ' ἐργάτιν. Herod. V. 13. γυναικες οὕτω ἐργάτιδες. Pind. Isth. II. 9. ἃ Μοῖσα γὰρ οὐ φιλοκερδῆς — οὐδ' ἐργάτις.

98. εἰς ἔλεγχον ἐξιῶν] Cf. Fr. 92, 2. γένους γὰρ εἰς ἔλεγχον ἐξιῶν καλὸν κτλ. O. C. 1297. εἰς ἔλεγχον χερὸς — μολῶν. Eur. Alc. 640. εἰδειξας εἰς ἔλεγχον ἐξιῶν δς εἶ. Eur. Fr. 347, 3. λόγων ματαίων εἰς ἄμιλλαν ἐξιῶν. Plat. Phaedr. 278 C. Soph. 242 B.

99. γλώσσαν μὲν ἀργὸν —] Cf. Aesch. Sept. 407. αἰσχρῶν γὰρ ἀργός, μὴ κακός δ' εἶναι φιλεῖ.

100. τί οὖν] Cf. 733. 753. 917. Aj. 873. Aesch. Eum. 902. τί οὖν μ' ἄνωγας; Suppl. 313. τί οὖν ἔτευξεν —; Sept. 208. 704. Pers. 787. Eur. Phoen. 878. τί οὐ δρῶν —;

101. λέγω σ' ἐγὼ — λαβεῖν] I. q. κελεύω. Cf. Tr. 137. δ καὶ σὲ τὰν ἄνασσαν ἐλπῖσιν λέγω | τάδ' αἰὲν ἴσχειν. O. C. 840. 850. 932. O. R. 350. 1381. Aj. 1047. El. 223. 1456. Tr. 137. Similes versus plurimi occurrunt. Sic infra 1369. ἔα κακῶς αὐτοὺς ἀπόλλυσθαι κακούς. Cf. etiam O. C. 372. Aj. 969. O. R. 615. 809. Ant. 95. Aj. 71. 1228. El. 282. Aesch. Pers. 501. στρατὸς περᾶ κρουσταλλοπήγα διὰ πόρον.

104. οὕτως ἔχει τι δεινὸν —] Cf. Xenoph. Cyrop. V. οὕτω δεινός τις ἔρωσ αὐταῖς ἄρχεσθαι. Plat. Theaet. 201. ἡ σὺ οἶει δεινούς τινας οὕτω διδασκάλους εἶναι ὥστε κτλ. et ad Arist. Av. 63.

105. ἰὸς ἀφύκτους] Cf. Tr. 265. ἀφνκτα βέλη. Eur. Med. 531. τόξοις ἀφύκτοις.

106. οὐκ ἄρ' —;] Cf. 114. Aj. 1238. Arist. Av. 91. οὐκ ἄρ' ἀφῆκας; Nub. 1252. οὐκ ἄρ' (ἄρ' vulg.) ἀποδώσεις; ἐκείνῳ —

προσμίξει] Appropinquare ei. Cf. Tr. 821. *ὄλον* — προσέμειξεν ἄφαρ τοῦπος τὸ θεοπρόπον ἡμῖν etc. Eur. Or. 1283. *τάχα τις — μέλαθρα προσμίξει* (gl. προσελεύσεται). Eur. Fr. 903. *βάσομαι τ' εἰς αἰθέρα πολὺν (αἰθέρ' ἀπείρον' recte Cobet.) ἀεργεῖς | Ζηνὶ προσμίξων*. Thuc. III. 22. *προσέμισγον πρὸς τὰς ἐπάλλξεις*. Callim. H. Jon. 12. *οὐδὲ τί μιν κεχρημένον Εἰλειθυίης | ἐρπετόν οὐδὲ γυνὴ ἐπιμίσγεται*.

110. *πῶς — βλέπων*] I. e. ποίοις ὄμμασι. Cf. O. R. 1371. *ἐγὼ γὰρ οὐκ οἶδ' ὄμμασιν ποίοις βλέπων | πατέρα ποτ' ἄν προσεῖδον*. Aj. 462. Iph. A. 455.

112. Cf. Arist. Nub. 259. *εἶτα δὴ τί κερδανῶ;*

113. *αἰρεῖ*] Cf. 728. *ἔν' ὁ γάλκασπις ἀνήρ θεοῖς πλάθει*. Eur. Hec. 640. *ἐκρήθη δ' ἔρις, ἄν ἐν Ἴδα κρῖνει — ἀνὴρ βούτας*. 470. *Τιτάνων γενεάν, τὰν Ζεὺς ἀμφιπύρω κοιμῖζει φλογμῶ Κρονίδας*. Aesch. Ag. 129. *χρόνω μὲν αἰρεῖ Πριάμου πόλιν ἄδε κέλευθος*.

115. *οὐτ' ἄν σὺ —*] Sc. *πέροειας αὐτά*. Cf. ad El. 365. Tr. 365.

117. *δύο φέρει δωρήματα*] Cf. El. 1088. *δύο φέρειν ἐν (φέρεσθαί?) ἐνὶ λόγῳ*.

119. *σοφός τε — κάγαθος*] Cf. El. 1089. *σοφὰ τ' ἀρίστα τε παῖς κεκλήσθαι*. Aesch. Sept. 595. *σοφούς τε κάγαθούς ἀντηρέτας*.

119. *κεκλήσθαι*] I. e. *κεκλημένος εἴης*, ut monuit schol. Cf. El. 1089. Soph. Fr. 634. *ἡ πατροκτόνος δίκη | κεκλήτ' ἄν αὐτῶ*. Plat. Resp. VII. 518. *μεμῆτο*. Legg. V. 731. *κεκῆτο*. Arist. Ran. 919. *καθῆτο*. Pl. 991. *μεμῆτο*.

120. *ἔτω*] Cf. O. R. 669. Eur. Her. 456. *οὐ φιλεῖν δεῖ τὴν ἐμὴν ψυχὴν ἔτω*.

123. *εὖχος ὀρέξατε*] Homeric locutio Il. 22, 130. *εἶδομεν ὀπποτέρῳ κεν Ὀλύμπιος εὖχος (gloriam) ὀρέξῃ*.

124. *κατοπιενθῶ*] Cf. Aj. 829. *πρὸς ἐχθρῶν του κατοπιενθείς*.

129. *μορφὴν δολώσας*] Cf. Virg. Aen. I. 684. *'falle dolo faciem illius'* ὡς ἄν *ἀγνοία προσῆ*] Cf. Arist. Ran. 1109. *μή τις ἀμαθία προσῆ*. *ἀγνοία*] Cf. Tr. 350. *Antiqua forma Attica*.

130. *οὐ δὴ —*] Cf. 610. *δς δὴ — ποικίλως*] Cf. Arist. Eq. 196. Herod. VII. 111. Cf. v. *ποικίλλειν* Tr. 412. 1121. *αὐδωμένον*] Media forma. Cf. 852. 395. Aj. 772. *ἠυδάτ'*. Pind. Ol. II. 92. *αὐδάσομαι ἐνόρκιον λόγον*. Aesch. Eum. 357. *αὐδάται*. Similiter Tr. 306. *ὄρωμένη*.

131. *τὰ συμφέροντα τῶν ἀελ λόγων*] Cf. 24. *τάπιλοιπα τῶν λόγων*. Tr. 682. *παρήκα θεσμῶν οὐδέν (οὐδέν?)*. Eur. Hel. 985. *ἄ σοι παρέλιπεν ἦδε τῶν λόγων*. Arist. Eq. 846. *τῶν ἀσπίδων — τι λοιπόν*.

133. *Ἐρμῆς — ὁ πέμπων*] Cf. O. C. 1548. *τῆδε γὰρ μ' ἄγει | Ἐρμῆς ὁ πομπός*. Aj. 832. *καλῶ δ' ἄμα | πομπάιον Ἐρμῆν χθόνιον*. Tr. 620. *εἶπερ Ἐρμοῦ τήνδε πομπεύω τέχνην | βέβαιον*. El. 1396. Eur. Rhes. 216. *ἀλλ' εὖ σ' ὁ Μαίας παῖς ἐκείσοι καὶ πάλιν* |

πέμψεται] *Ἐρμῆς. δόλιος Ἐρμῆς*] Cf. Arist. Pl. 1158. *ἠγγήσατο νῶν*] Cf. El. 1038. *τόθ' ἠγγήσει σὺ νῶν.*

134. *Νίκη τ' Ἀθήνα*] Cf. Eur. Ion. 1550. *μὰ τὴν — Νίκην Ἀθάναν.* Arist. Av. 574.

135. *ἐν ξέῳ ξένον*] Cf. O. C. 184. *ξείνος ἐπὶ ξείνης.*

138. Cf. O. C. 231. Eur. Hec. 688. *ἕτερα ἀφ' ἐτέρων κακὰ κακῶν κυρεῖ.* Or. 977. *ἕτερο δ' ἕτερος ἀμείβεται πῆματα.* Alc. 893. *συμφορὰ δ' ἐτέρους ἕτερο πιέζει.* Bacch. 905. *ἕτερο δ' ἕτερος ἕτερον δλβω καὶ δυνάμει παρήλθεν. προύχει*] Superat. Cf. O. R. 1116. *τῆ δ' ἐπιστήμη σὺ μου | προύχοις τάχ' ἄν.*

139. *παρ' ὄτω —*] I. e. *παρὰ τοῦτω ὄτω —.*

140. *ἐρέσσειται*] Cf. Eur. Iph. A. 137. *ἀλλ' ἴθ' ἐρέσσων σὸν πόδα.*

142. *πᾶν κράτος*] Cf. Ant. 1163. *παντελὴ μοναρχίαν.* Aesch. Suppl. 425. *ὦ πᾶν κράτος ἔχων χθονός.* Eur. Fr. 626, 1. *δήμω δὲ μήτε πᾶν ἀναρτήσης κράτος.* Herod. VI. 34. *ἐν δὲ τῆσι Ἀθήνῃσι τηλικαῦτα εἶχε μὲν τὸ πᾶν κράτος Πεισιστρατος, αὐτὰρ ἔδυνάστευον καὶ Μιλιτιάδης κτλ. VII. 3. ἡ γὰρ Ἄποσσα εἶχε τὸ πᾶν κράτος. VII. 96. οἱ τὸ πᾶν ἔχοντες κράτος καὶ ἀρχοντες κτλ. Hom. Π. 2, 118. τοῦ γὰρ κράτος ἐστὶ μέγιστον. Od. 21, 353. τοῦ γὰρ κράτος ἐστ' ἐνὶ οἴκῳ. Aesch. Pr. 389. τῷ θακοῦντι παγκρατεῖς ἔδρας. τό μοι ἔννεπε*] Cf. Tr. 138. *ἄ (τὸ?) καὶ σὲ — ἐλίσιω λέγω τάδ' ἀλὲν ἴσχειν. τό*] Quamobrem. Cf. ad O. C. 161.

144. *ἔσχαταῖς*] Cf. Hesiod. Th. 622. *εἶατ' ἐπ' ἔσχατιῇ.* Fr. 80, 5. *ἐπ' ἔσχατιῇ.*

145. Cf. O. C. 1523. *μήθ' οὐ κέκευθε μήτ' ἐν οἷς κεῖται τόποις.* Eur. Or. 1256. *σιγῆθ' αἰ μὲν ὑμῶν τήνδ' ἀμαξίρη τρίβον.* Suppl. 1012. *ὄρω δὴ τελευταῖαν ἴν' ἔστακα.*

147. *ὀδίτης*] Cf. *χωρίτης* Fr. 22. 219. *ἀσίτης* Fr. 81. *ἀσιδίτης* Fr. 376. *et πολίτης.*

150. *μέλον —*] Cf. Aesch. Ag. 1551. *οὐ σὲ προσήκει τὸ μέλημα λέγειν | τοῦτο.* Theocr. XIV. 2. *τί δέ τοι τὸ μέλημα;*

151. *φρουρεῖν*] Cf. Tr. 225. 914. Eur. Alc. 34. *νῦν δ' ἐπὶ τῆδ' αὖ χερα τοξήρη φρουρεῖς ὀπλίσας.*

159. *οἶκον τόνδ' ἀμφίδυρον*] Cf. ad 19. *δι' ἀμφιτροῦτος ἀύλιον.* Eur. Med. 135. *ἀμφιτύλου — μελάθρον.*

163. *ὄγμευει*] Cf. Xen. Cyr. II. 4. 15. *ὄγμευον αὐτῶ ὡς ἐπιόντες τὰ θηρία ξανισταῖεν.* Archil. Fr. 115. *ὄγμος κακοῦ δὲ (f. σφε) γήραος καθαιρεῖ.* Theocr. X. 2. *οὔτε τὸν ὄγμον ἄγειν ὄρθον δύναι ὡς τὸ πρὶν ἄγες.* Sosith. Fr. 2, 9. *ἐργάζεται δ' ἐλαφρὰ πρὸς τὰ σιτία | ὄγμον θεορίζει (ὄγμους θεορίζων Herm.).* Hom. II. XI. 68. V. Phot. in *ὄγμον. et ὄγμευον. πέλας που*] Cf. 206. *ἡ που τῆδ' — τόπων.* Eur. Hel. 538. *ἐγγὺς δὲ νῦν που τῆσδ' ἔφασκ' εἶναι χθονός.*

169. *οἰκτιεῶ — ὄπως νοσεῖ*] Cf. Aj. 510. *οἰκτιερε δ' — ὄσον*

κακὸν κείνω — νεμεῖς. Eur. Med. 931. εἰσηλθέ μ' οἴκος εἰ γενή-
σεται τάδε.

170 sq. Cf. ad Tr. 292; Thuc. I. 2.

171. σύντροφον δμμ'] Cf. ad Aj. 977. ὦ ξύναιμον δμμ' ἐμοί
(ἐμόν?). 861. κλειναί τ' Ἀθῆναι καὶ τὸ σύντροφον γένος. Eur. Or.
1080. ὦ ποθεινὸν ὄνομ' (δμμ') δμμίας ἐμῆς.

174. ἀλύει] I. e. ἀπορεῖ, ἀδημονεῖ (schol.). Anglice, is de-
jected. Cf. 1194. O. R. 695. El. 135. ἐπὶ παντί τῳ χρείας
ἰσταμένῳ] I. e. ἐπὶ πάσῃ παρουσίᾳ χρεῖα, quavis necessitate
incidente. Cf. O. R. 1174. ὡς πρὸς τί χρεῖας; Ant. 1229. ἐν τῷ
ξυμφορᾶς διεφθάρῃ; Aj. 790. τί δ' ἐστὶ χρεῖας τῆσδ' ὑπεσπανισ-
μένων; El. 169. τί — ἀγγελίας; Herod. IX. 118. ἐς πᾶν ἤδη κακοῦ
ἀπιγυμένοι ἦσαν.

177. ὦ παλάμαι θεῶν] Cf. Pind. P. II. 40. Ζητὸς παλάμαι.
Eur. Hel. 930. τέχλαις θεῶν ὄλοντ'.

178. ὦ δύστανα γένη βροτῶν] Cf. Ant. 1276. φεῦ φεῦ, ὦ
πόνοι βροτῶν δύσπονοι.

180. πρωτογόνων — οἰκῶν] Schol. εὐγενῶν. Cf. Eur. Ion. 1073.
ἀ τῶν εὐπατριδῶν γεγῶσ' οἰκῶν. Herod. V. 66. Ἰσαγόρης — οἰκίης
μὲν ἐὼν δοκίμων, κτλ. VI. 35. ἐὼν οἰκίης τεθροπιποτρόφου. VI. 51.
ἐὼν βασιλεὺς — οἰκίης δὲ τῆς (οὐδεμιῆς) ὑποδεεστέρης (ὑποδεεστε-
ρος unus ms.). Plat. Prot. p. 316 B. Ἀπολλοδώρου υἱός, οἰκίης
μεγάλης. ἴσως] γεγῶς Nauck. Cf. Tr. 301. αἶ πρὶν μὲν ἦσαν ἐξ
ἐλευθέρων ἴσως | ἀνδρῶν (οἰκῶν?).

182. πάντων ἄμμορος] Cf. Pind. Ol. I. 84. καλῶν ἄμμορος.
Eur. Med. 1395. στεῖχῳ δισσοῦν γ' ἄμμορος τέκνων. Hom. Il. 18, 489.
οἴη δ' ἄμμορός ἐστι λαιτρῶν Ὠκεανοῖο. Od. 5, 275. Q. Smyrn. 1, 430.
κακότητος. Anth. P. 7, 465. ὠδίνων. Epicae formae sunt ἄμμορος
et ἄμμορος.

183. μόνος ἀπ' ἄλλων] Alone apart from others. Cf. Tr.
389. οὐκ ἀπὸ γνώμης λέγεις (schol. ἀνευ συνέσεως).

184. μετὰ] De brevi syllaba in fine versus cf. 1103. 1127.
Aj. 600. 703. Eur. Suppl. 968. Hel. 1241. 1316. 1480. Herc. 675.
677. Seidler. ad Electr. 153. 207. Wunder. Adv. p. 117 sq.

185. ἐν τ' ὀδύναις —] Cf. ad O. R. 253. Aj. 1017. ἐν γήρα
βαρῦς.

188. ἀθυρόστομος] Cf. Eur. Or. 893. ἀνήρ τις ἀθυρόγλωσσος.
Theogn. 421. πολλοῖς ἀνθρώπων γλώσση θύρα οὐκ ἐπίκεινται.

189. Cf. Eur. Hec. 1091. πέτρας ὀρειῆς παῖς λέλακ' ἀνὰ στρα-
τὸν | ἦχώ κτλ. πικρᾶς οἰμωγᾶς] Cf. Ant. 423. πικρᾶς ὄρνιθος
ὀξὺν φθόγγον. Eur. Tro. 1226. πικρὸν ὄδονμα. Phoen. 890. πι-
κροὺς γόους. ἀχώ] Echo in rupibus et speluncis habitare finge-
batur. Aesch. Pers. 390. ὄρνιθον δ' ἄμα | ἀντήλαλαξε νησιώτιδος
πέτρας | ἦχώ. 'Spreta latet silvis pudibundaque frondibus
ora | Protegit et solis ex illo vivit in antris.' τηλεφανῆς]

Cf. Arist. Nub. 281. τηλεφανεῖς σκοπιαί. 967. τηλεπορον βόαμα. Menand. IV. 158. εἶναι πέτρας | ἀπὸ τηλεφανοῦς. O. C. 1501. κτύπος ἐμφανής. Hor. Od. I. 12. 4. 'Cujus recinet jocosa | nomen imago — ? I. 20. 8. Confer τηλωπός, τηλαυγής, τηλέσκοπος.

190. ἀθυρόστομος] Cf. v. ἀθυρόγλωσσος, Eur. Or. 903.

192. εἶπερ κἀγὼ τι φρονῶ] Cf. El. 1055. ἀλλ' εἰ σεαυτῇ τυγ-
χάνεις δοκοῦσά τι | φρονεῖν, κτλ. O. R. 1110. εἰ χροῖ τι κἀμὲ —
σταθμᾶσθαι. Oed. C. 53. ὄσ' οἶδα κἀγὼ πάντ' ἐπιστήσει κλύων.
Ant. 719. γνώμη γὰρ εἴ τις κἀπ' ἐμοῦ νεωτέρον | πρόσσει, κτλ.

196. οὐκ ἔστιν ὡς] Cf. Ant. 750. Usitatus fuisset οὐκ ἔστιν
(ἔσθ') ὄπως —.

197. ἐπὶ Τροία τεῖναι τὰ — τόξα] Cf. Aesch. Ag. 363. τὸν —
ἐπ' Ἀλεξάνδρῳ τείνοντα πάλαι τόξον. Eur. Hec. 263. Hor. Od. I.
29. 9. 'doctus sagittas tendere Sericas | arcu paterno.'

199. πρὶν ὄδ' ἐξήκοι χρόνος] Cf. Ant. 896. πρὶν μοι μοῖραν
ἐξήκειν βίου. Xen. Hell. VII. 1. 28. δυ ἐξήκοι αὐτῶ ὁ χρόνος.
5. 8. Anab. VI. 3. 26.

200. δαμῆναι] Cf. Tr. 432. ὡς ταύτης πόθῳ | πόλις δαμείη
πᾶσα. Hor. Epist. I. 2. 21. 'domitor Trojae (Ulixes).'

201. εὔστομ' ἔχει] I. q. εὐστόμει (Aesch. Cho. 976.). Sic σῖγα ἔχειν.
Cf. Aesch. Cho. 997. Arist. Nub. 833. εὐστόμει | καὶ μηδὲν εἰπῆς
φλαῦρον ἀνδρας δεξιούς. Herod. II. 71. περι μὲν τούτων εἰδότε
μοι — εὔστομα κείσθω. ibid. καὶ ταύτης εἰδότε μοι πέρι εὔστομα
κείσθω.

202. προφάνη κτύπος] Cf. 189. ἡγὼ τηλεφάνης.

203. φωτὸς σύντροφος —] Cf. Eubul. 75, 2. τηγάνων τε σύν-
τροφα — μειρακύλλια. Aj. 639. συντρόφοις ὄραϊς. Eur. Iph. T.
1119. ἐν γὰρ ἀνάγκαις οὐ κάμνει ξύντροφος ὢν (ὁ διαπαντὸς δυσ-
δαίμων). Plat. Pol. 273 B. τὸ τῆς πάλαι ποτὲ φύσεως ξύντροφον.
Plut. Ages. 17, 2. ἀπὸ τῶν σῶν κακῶν — μεμένηκέ μοι σύντροφον
καὶ σύννοικον τὸ πένθος. τειρομένου] Cf. Eur. Rhes. 748. οἶα μ'
ὀδύνη τείρει φρονίου | τραύματος εἶσω. 799. ὀδύνη με τείρει, κοδ-
κέτ' —. Hel. 427. χρεῖα τείρει με. Hipp. 131. τειρομένην νοσερᾶ
κοίτῃ. Arist. Lys. 959. ἐν (I. ἦ) δεινῶ γ', ὧ δύστηνε, κακῶ | τείρει κτλ.
Pind. P. I. 53. ἔλκει τειρόμενον — Ποίαντος υἱὸν τοξόταν.

204. ἦ που — ἦ] Cf. Aj. 176. ἦ ποῦ τινος νίκας ἀκαρπύτου
χάριν, ἦ ῥα κλυτῶν ἐνάρων νευσθεῖσ', εἴτ' κτλ. O. R. 1049. Eur.
Hec. 1043. ποίαν ἦ ταύταν (δὴ κείναν?) ἦ τάνδ' ἐξαλλάξω —;
Hom. Od. 2, 131. ἄλλοθι γαίης ζῶει.

205. ἐτύμα φθογγά] Cf. Eur. Fr. 17. ἀρ' ἔτυμον φάτιν ἔγγων —;
Ant. 1320. φάμ' ἔτυμον. O. R. 1341. Arist. Pac. 114. ἔτυμος —
φάτις. Eur. Iph. A. 795. εἰ δὴ φάτις ἔτυμος. Hel. 357. εἰ βάξις
ἔτυμος κτλ. El. 818. δεῖξον φήμην ἔτυμον. βάλλει — φθογγά]
Cf. Ant. 1188. καὶ με φθόγγος οἰκείου κακοῦ | βάλλει δι' ὤτων.

206. σίβον — ἔρποντος] Cf. Hom. Il. 17, 448. ὄσσα τε γαῖαν ἐπιπνείει τε καὶ ἔρπει. κατ' ἀνάγκαν ἔρποντος] Cf. O. C. 890. δεῦρ' ἦξα θάσσον ἢ καθ' ἡδονὴν ποδός. El. 1503.

209. τρυσάνωρ] Cf. Aesch. Prom. 26. αἰὶ δὲ τοῦ παρόντος ἀχθῆδὼν κακοῦ | τρύσει σ'. Herod. VI. 12. τετρομένοι ταλαιπωροῖσι τε καὶ ἡέλιω. Blomf. Gl. Prom. 27. Confer v. τρυσόβιος Arist. Nub. 421. φρξάνωρ Aesch. Suppl. 8. φθισήνωρ (Hesiod. Th. 431.), δεισάνωρ (Aesch.), ῥηξήνωρ, στργάνωρ, ἀστεργάνωρ, ἀγήνωρ, διδυμάνωρ, Ἀντήνωρ. διάσημα] Contrarium est ἄσημα. Cf. Plut. Dion. 54.

212. οὐκ ἔξεδρος, ἀλλ' ἔντοπος] Cf. Eur. Iph. T. 80. ἡλαυνόμεσθα φρυγᾶδες ἔξεδροι χθονός. Arist. Thesm. 664. εἴ τις ἐν τόποις ἔδραϊός ἄλλος αὐτὸν λέληθεν ὦν. Av. 275. ἔξεδρον χώραν ἔχων.

213. μολπᾶν σύριγγος ἔχων] Cf. Bacch. 952. ἔχει συρίγματα. Aj. 564. δυομενῶν θήραν ἔχων. Eur. Suppl. 775. Αἶδου τε μολπᾶς ἐκχέω. Iph. T. 1129. ἔχων κέλαδον ἐπιτάτονου λύρας. Ion. 881. τᾶς ἐπαφθόγγου μέλπων κιθάρας ἐνοπᾶν. Alc. 592. μηλονόμας — βοσκήμασι σοῖσι συρίζων κτλ. Hom. Il. 16, 105. πῆληξ βαλλομένη καναχὴν ἔχε (χέει?). 18, 495. αὐλοὶ φόρμιγγές τε βοῆν ἔχον (χέον?). Hom. H. Apoll. 186. φόρμιγξ — καναχὴν ἔχει (χέει?) ἱμερόεσσαν. Hesiod. Scut. 396. χέει αὐδὴν (τέτιξ).

214. ἀγροβότας] Corrigendum, ni fallor, ἀγροβάτας. Cf. Eur. Cycl. 54. Κύκλωπος ἀγροβότα (ἀγροβάτα al.).

216. τηλωπὸν] Cf. 189. ἠγὼ τηλεφανῆς. Aj. 564. τηλωπὸς οἰχνεῖ. ἰωᾶν] Cf. Hom. Il. 24, 130. περὶ φρένας ἦλυθ' ἰωῆ. Od. 17, 261. περὶ δὲ σφέας ἦλυθ' ἰωῆ | φόρμιγγος. Qu. ἰγᾶν.

217. ἀγάζων] Intuens. Cf. Eur. Hec. 634. τὰν καλλίσταν ὁ χρυσοφαῆς Ἄλιος ἀγάζει. Hel. 1333. Rhes. 793. Bacch. 596. Hesiod. Op. 478. οὐδὲ πρὸς ἄλλους | ἀγάζσαι. ναὸς ἄξενον — ὄρμον] I. e. οὐκ εὖορμεν (221). Cf. 305 sq. Anglice imhospitable. Cf. O. R. 196. τὸν ἀπόξενον ὄρμον.

220. Cf. Eur. Phoen. 280. ξέναι γυναῖκες, εἶπατ' ἐκ ποίας πάτρας | Ἑλληνικοῖσι δώμασιν πελάζετε. ναντίλω πλάτη] Eadem verba sunt Eur. Fr. 846, 2. Cf. Aesch. Ag. 1376. ναντίλων — σελμάτων.

221. οὐκ εὖορμον] Cf. 301 sq. 217.

222. ποίας — τύχοιμ' ἂν εἰπὼν,] Cf. El. 663. Aesch. Cho. 418. τί δ' ἂν φάντες τύχοιμεν —;

223. Cf. Eur. Her. 131. καὶ μὴν στολὴν γ' Ἑλληνα καὶ ὄνθμον πέπλων | ἔχει. Ἑλλάδος στολῆς] Cf. Eur. Cycl. 85. ναὸς Ἑλλάδος σκάφος. Arrian. Ind. 33, 5. Ἑλλάδος φωνῆς ἀκοῦσαι.

225. δκνω δείσαντες] Cf. Tr. 176. φόβω — ταρβοῦσαν. O. C. 1625. φόβω δείσαντας.

226. μή μ' — ἐκπλαγῆτ'] Cf. El. 1045. οὐδὲν ἐκπλαγεῖσά σε. Thuc. VI. 11. ἡμᾶς δ' ἂν — μάλιστα ἐκπεπληγμένοι εἶεν.

233. Cf. Eur. **Hern** 134. Ἀργεῖός εἰμι' τοῦτο γὰρ θέλεις μαθεῖν.

234. Cf. O. C. 324. ὦ διοσά πατρός και κασιγνήτης ἐμοί | ἥδιστα προσφωνήμαθ'. φεῦ, τὸ και λαβεῖν —] Cf. Aj. 411. ὦ δυστάλαινα, τοιάδ' ἄνδρα χρήσιμον | φωνεῖν. Xen. Cyr. II. 2. 3. Eur. Med. 1051. ἀλλὰ τῆς ἐμῆς κάκης, | τὸ και προέσθαι μαλθακούς λόγους φρενί (?). Eur. Fr. 172, 2. τύραννον εἶναι μωρία τὸ και θέλειν. Arist. Nub. 818. τῆς μωρίας, | τὸ Δία νομίζειν. 268. Ran. 530. 741. Pl. 593. Av. 5. 7. Xen. Cyr. II. 2. 3. τῆς τύχης, τὸ ἐμὲ νῦν κληθέντα τυχεῖν. De particula και cf. ad El. 1054. λαβεῖν πρόσφθεγμα —] Cf. Eur. Iph. T. 52. φθέγμα δ' ἀνθρώπου λαβεῖν. Eur. Fr. 439, 2. φεῦ φεῦ, τὸ μή τὰ πράγματ' ἀνθρώποις ἔχειν | φωνήν κτλ.

234 sq. Cf. Arrian. Ind. 33, 5. οὕτω τι παράλογον σφίσι φανήναυ ἐκ τῶν τοσῶνδε κακῶν Ἑλληνα μὲν ἀνθρώπων ἰδεῖν, Ἑλλάδος δὲ φωνῆς ἀκοῦσαι.

237. τίς προσήγαγε χρεία;] Cf. Eur. Alc. 495. χρεία τίς σε Θεοσαλῶν χθόνα | πέμπει; De locutione cf. O. R. 724 sq. Suppl. 1048. τέκνον, τίς αὔρα; τίς στόλος; τίνος χάριν | δόμων ὑπερβᾶσ' ἦλθες εἰς τήνδε χθόνα; ἀνέμων ὁ φίλτατος] Contra Ant. 137. ῥιπαῖς — ἐχθίστων ἀνέμων;

238. γέγωνε] Cf. Aesch. Prom. 201. πάντ' ἐκκάλυπον και γέγων' ἡμῶν (γεγώνησον?) λόγον. 809. Eurip. Or. 1218. Aliae verbi formae sunt γεγωνεῖν et γεγωνίσκειν. Usitatio forma est γεγωνεῖν.

239. περιρρῦτον Σκύρου] Cf. 1. τῆς περιρρῦτον χθονός | Δήμου. Eur. Fr. 125. ὄχθον — περιρρῦτον | ἀφρωῶ θαλάσσης. Incert. ap. Dion. Chrys. Or. XXXIII. Τένεδός τε περιρρῦτα.

244. στόλω] Cf. 781. O. C. 385. τίς σ' ἐξῆρεν οἰκοθεν στόλος; Eur. Suppl. 1048. τέκνον, τίς αὔρα; τίς στόλος; τίνος χάριν — ἦλθες εἰς τήνδε χθόνα;

246. οὐ γὰρ δὴ σὺ γ' —] Cf. El. 1020. O. C. 265. Ant. 659. Eur. Ion. 954. τίς γὰρ νιν ἐξέδηκεν; οὐ γὰρ δὴ σὺ γε. Arist. Eccl. 157. τί δ' ἐστίν; οὐ γὰρ δὴ πιεῖν γ' ἤτησά σε. et ad Nub. 482. 250. Cf. El. 923.

253. ὡς μηδὲν εἰδὸτ' ἴσθι μ' —] Cf. 415. 566. El. 882. 1341. O. R. 955. Tr. 289. O. C. 1583. Ant. 1063. 567. 415. Arist. Ach. 395. ὡς τεθνήξων ἴσθι νυνί. O. C. 991. Ἐν γὰρ μ' ἄμειπαι μούνον ὦν σ' ἀνιστορῶ. O. R. 578. Tr. 317.

254. ὦ πόλλ' ἐγὼ μοχθηρός] Cf. ad O. C. 1514. ὦ πολλὰ βρονται διατελεῖς. Ant. 1046. Aj. 909. El. 1326. μοχθηρός] Miser. Cf. Arist. Av. 493. χλαῖναν γὰρ ἀπώλεσ' ὁ μοχθηρός.

258. οἶγ' ἔχοντες] Keeping silence. Cf. 1236. οἶγ' ἔχουσα

πρόσμενε. Eur. Hipp. 660. σῖγά θ' ἔξομεν στόμα. Trag. adesp. 406, 4. ἢ Δίκη ποτὲ | τῶ δυσσεβοῦντι σῖγ' ἔχουσ' ἐνήλατο.

259. τέθλε] Cf. El. 260. Eur. Phoen. 826. δυσδαίμων δ' ἔρις ἄλλα θάλλει παιδῶν (schol. ἀφξεται). κἀπὶ μείζον ἔρχεται] I. q. ἔρπει πρόσω (Tr. 547.). Cf. El. 1000. ἐπὶ μηδὲν ἔρχεται. Fr. 787, 8. πάλιν διαρρεῖ κἀπὶ μηδὲν ἔρχεται. Eur. Hec. 380. κἀπὶ μείζον ἔρχεται | τῆς ἐγγενείας ὄνομα τοῖσιν ἀξίοις.

260. Cf. Tr. 61. ὦ τέκνον, ὦ παῖ. Iph. A. 896. ὦ τέκνον Νηρηῆδος, ὦ παῖ Πηλέως. Eur. Fr. 472. Φοινικογενοῦς παῖ τῆς Τυρίας τέκνον Εὐρώπας καὶ τοῦ μεγάλου Ζηνός. Hipp. 10. ὁ — Θησεὺς παῖς Ἀμαζόνος τόκος. Tr. 785. ὦ τέκνον, ὦ παῖ παιδὸς μογεροῦ. Hec. 171. ὦ τέκνον, ὦ παῖ δυστανοτάτας ματρὸς. 414. Infra 940. ὁ παῖς — οὐξ Ἀχιλλέως.

261. Cf. El. 665. ἦδε σοι κείνη πάρα. O. C. 138. δν κλύεις] Anglice, of whom you have heard. Cf. El. 566.

263. δν οἱ | δισοῖ —] Alia articuli sic positi exempla sunt Ant. 409. τὸν | νέκυν. Alex. III. 393. ἡγνοηκίας δὲ τοὺς | γραφεῖς κτλ. Antiph. III. 5. μηδὲ τὸν | παιᾶνα. Ephipp. III. 327. κοινωνεὶ γὰρ, ὦ μειράκιον, ἢ | ἐν τοῖσιν ἀύλοῖς μουσικῇ κἀν τῇ λύρα. Menand. IV. 393. οὐκ εἶσα τὴν | δαφνὴν ἀν — ἐπιθεῖναι. Philemon. IV. 45. κέκραγε τηλοῦτον εὐθὺς ἢ | κατάρατος κτλ.

266. καταφθίνοντα] Tabescentem. Cf. El. 260. πῆματα | θάλλοντα μᾶλλον ἢ καταφθίνονθ' ὄρω. O. R. 970. Eur. Alc. 638. γήρα πενθίμω καταφθίνειν. ἀνδροφθόρου] Sensu activo. Sed passivo Ant. 1022. ἀνδροφθόρου — αἵματος.

267. ἀγρίω χαράγματι] Cf. Aesch. Prom. 368. ποταμοὶ πυρὸς δάπτοντες ἀγρίαις γνάθοις — λευροὺς γύας. Cho. 274. σαρκῶν ἐπαμβατήρας ἀγρίαις γνάθοις | λειχῆνας.

269. ποντίας Χρύσης] Qu. ποτιτίου —. Cf. Tr. 100. ποτιτίους ἀλλῶνας.

270. Χρύσης] Cf. Fr. 349. ὦ Λήμνε Χρύσης τ' ἀγχιτέρομονες πάγοι.

271. ἐκ πολλοῦ σάλου] Cf. Ant. 163. πολλῶ σάλω σείσαντες (τὰ πόλεος). O. R. 24. Aesch. Pers. 301. καὶ λευκὸν ἤμαρ νυκτὸς ἐκ μελαγχίμου. Eur. El. 1241. δεινὸν — πόντου σάλου. Hec. 28. ἐν πόντου σάλω φορούμενος. Iph. T. 46. σεισθῆναι σάλω. 262. 1443. Or. 994. Trag. adesp. 310. εἶκει γὰρ ἤδη θυμὸς οὐδ' ἔτ' ἀντέχει — σάλω. Arist. Th. 872. ποτιτίω σάλω κάμνοντας κτλ.

272. κατηρεφεῖ πέτρα] Cf. Aesch. Prom. 308. πετρηρεφῆ | αὐτόκτιν' ἀντρα.

273. οἶα φωτὶ δυσμόρφ] Cf. Arist. Nub. 1109. μέμνησ' ὅπως εὖ μοι στομάσεις αὐτὸν — ὅσον δικιδίους.

276. καὶ τι καὶ βορᾶς] Cf. 308. De rhythmo versus cf. ad 101.

278. ποῖ' ἐκδακρῦσαι] Cf. O. R. 1320. διπλᾷ σε πενθεῖν. Eur. Or. 1122. Phoen. 1344. Herc. S63. οἷ' ἐγὼ | σταδιοδρομοῦμαι. Eur. Fr. 1079, 5. στένει διπλᾷ.

282. σύλλαβοιτο] Cf. Arist. Lys. 313. τίς ξυλλάβοι' ἂν τοῦ ξύλου τῶν ἐν Σάμῳ στρατηγῶν; Pac. 416. 437. 416. Vesp. 733. Eur. Med. 942. ξυλλήγομαι δὲ τοῦδ' σοι κἀγὼ πόνου. Iph. A. 160. σύλλαβε μόχθων. Cycl. 472. μέγας γὰρ δαλός, δν (οὐ?) ξυλληπτεόν.

283. Cf. Aj. 876. ἔχεις οὖν; HM. πόνου γε πλήθος.

284. τούτου δὲ πολλὴν εὐμάρειαν] Cf. Tr. 193. οὐκ εὐμαρεῖα χρώμενος πολλῇ.

285. ὁ μὲν χρόνος — προύβαινε] Cf. El. 781. ὁ προστατῶν | χρόνος διηγέ' μ' αἰὲν ὡς θανουμένην. Herod. V. 58. χρόνου προβαίνοντος. IX. 109. χρόνου δὲ προϊόντος κτλ. VII. 197. Eur. Bacch. 886. δαρὸν χρόνον πόδα.

287. διακονεῖσθαι] Cf. Diog. L. VI. 2. 5. ἐδίδασκε διακονεῖσθαι λιτῇ τροφῇ χρωμένους. Arist. Ach. 1017. αὐτῷ διακονεῖται.

289. ὁ μοι βάλαι —] Cf. Tr. 906. Thuc. VIII. 93. ἔπειθον οὖς ἴδοιεν. Nub. 854. ὁ τι μάθοιμ' ἐκαστοτε | ἐπελανθανόμεν ἂν. Pac. 643. ἅττα διαβάλαι. βάλαι — ἄτρακτος] Cf. Tr. 714. τὸν γὰρ βαλόντ' ἄτρακτον οἶδα κτλ.

290. νευροσπαδῆς] I. q. νευροσπᾶς. Cf. λιθοσπαδῆς Ant. 1216.

291. ἐξέλικων πόδα] Cf. Andr. 1122. ἐξέλκει δὲ πόδα καὶ παστάδος κτλ. (sic Jacobs). Eur. Phoen. 303. γῆρα τρομερὰν ἔλκω ποδὸς βᾶσιν. Med. 1178. ἤδη δ' ἂν ἔλκων κῶλον — τερμόνων ἂν ἤπιετο. Eur. El. 491. ὁμως δὲ πρὸς γε τοὺς φίλους ἐξελεκτέον | διπλῆν ἄκανθαν (spinam tergi) καὶ παλίρροπον γόνυ. Theocr. VII. 21. πᾶ δὴ τὸ μεσαμέριον πόδας ἔλκει;

293. πάγου χυθέντος] Fusa pruina. Cf. Tr. 853. κέχνται νόσος. Eur. Cycl. 332. δταν δὲ βορέας χιόνα Θρηῆκιος χέη. Qu. πάγου φανέντος. Cf. Fr. 162. πάγου φανέντος (χυθέντος?) αἰθρίου. Ant. 357. δυναύλων πάγων. Tr. 704. γλανκῆς ὀπίωρας ὥστε πίνος ποτοῦ | χυθέντος εἰς γῆν βακχίας ἀπ' ἀμπέλου. Eodem sensu πάγη Aesch. Prom. 25. οἶα χείματι] Ut in hieme. Cf. 584. Tr. 105. O. R. 75.

296. ἐκτρίβων] Cf. Xen. Cyr. II. 2. 15. ἔκ γε σοῦ πῦρ, οἶμαι, ῥᾶον ἂν τις ἐκτρίβειεν ἢ κτλ.

297. ἔφην' ἄφαντον φῶς] Cf. Ant. 100. φανὲν φάος — ἐφάνθης. ὁ καὶ σώζει μ' αἰεὶ] Cf. Eur. Or. 910. αὐτουργός, οἵπερ καὶ μόνοι σώζουσι γῆν.

300. φέρ' — μάθης] Cf. O. R. 536. φέρε νῦν στείχων χώραν καλέσω.

303. ἐξεμπολήσει κέρδος] Cf. Ant. 1036. ἐξημπόλημαι. Tr. 93. κέρδος ἐμπολᾶ. Eur. Phoen. 1228. ψυχὰς ἀπεμπολᾶτε.

304. Cf. Arrian. Ind. 31, 2. οὐδέ τινα ἀνθρώπων καταίρειν ἐθέλειν ἐς αὐτῆν· ὅστις δ' ἂν ἀπερίη προοσχῇ, γίνεσθαι ἀφανέα.

305. ἔσχε] Appulit. Cf. Hom. Od. 3, 182. ἀντὰρ ἐγωγε Πύλονδ' ἔχον.

308. καὶ πού τι καὶ βορᾶς μέρος] Cf. 276. ῥάκη προθέντες βαιὰ καὶ τι καὶ ῥάκος. Fr. 305, 1. καὶ δὴ τι καὶ παρῆκα τῶν ἀρτυμάτων κτλ.

313. Cf. 313. βόσκων τήνδ' ἀδηφάγον νόσον. Alcae. com. 2. ἀδηφάγος λύχνος. Theocr. 22, 115. Soph. Fr. 889. ἀδηφαγοῦσα. Eur. Fr. 790. φαγέδαιν' αἰετὸν μου σάρκα θυνῶνται ποδόσ. Hermipp. 84. ἀδηφαγεῖν.

314. Ὀδυσσεὺς βία] Cf. Aesch. Sept. 616. Λασθένους βίαν. 638. Πολυνεῖκος βία. 444.

315. οἱ Ὀλύμπιοι θεοὶ | δοῖεν ποτ' αὐτοῖς — παθεῖν] Cf. El. 209. οἷς θεὸς ὁ μέγας Ὀλύμπιος ποίνιμα πάθεα παθεῖν πόροι.

316. ἀντίποιν' ἐμοῦ] Cf. El. 592. ὡς τῆς θυγατρὸς ἀντίποινα λαμβάνεις. Eur. Hec. 1057. λύμας ἀντίποιν' ἐμᾶς.

319. Cf. Herod. V. 24. τά τοι ἐγὼ καὶ ἀμφοτέρα συνειδὼς ἔχω μαρτυρέειν ἐς πρῆγματα τὰ ἐμά.

320. Cf. O. C. 1482. ἐναισίον δέ σου τύχοιμι (συντύχοιμι vulg.). Eur. Bacch. 613. ἀλλὰ πῶς | ἠλευθερώθης ἀνδρὸς ἀνοσίῳ τυχῶν; Lys. II. 5. τυχοῦσαι δ' ἀνδρῶν ἀγαθῶν. Lys. XXIV. 23. διὰ τί γὰρ ἂν καὶ τύχοιμι τοιούτων ἡμῶν; 26. 27. XII. 77. Andoc. III. 21. ποίων τινῶν Λακεδαιμονίων τυγχάνοντας. IV. 2. προθύμων μὲν καὶ ἀγαθῶν ἀνδρῶν ἡμῶν τυγχάνων, κτλ.

322. ἔχεις ἐγκλημ' Ἀτρεΐδαις] I. e. ἐγκαλεῖς Ἀτρεΐδαις. Sic δρογῆν ἔχειν (i. e. δρογίζεσθαι) τινί.

324. Cf. Aj. 1216. γενοίμαν ἔν' ὑλάεν — τὰς ἱερὰς ὄπως προσείπομεν Ἀθάνας. Aesch. Eum. 298. ἔλθοι — ὄπως γένοιτο τῶνδ' ἐμοὶ λυτήριος. θυμὸν — πληρῶσαι] Cf. O. C. 778. πλήρη δ' ἔχοντι θυμὸν ὧν χρεῖζοις κτλ. Aesch. Sept. 694. θυμοπληθῆς — ἄτα. Eur. Hipp. 1324. Κύπρις γὰρ ἤθελ' ὥστε γίνεσθαι τάδε, | πληροῦσα θυμὸν. 659. μισῶν οὐποτ' ἐμπλησθήσομαι. Andr. 1087. θεὰ διδόντες ὀμματ' ἐξεπίπλαμεν. Herod. VI. 12. θυμὸν ἐκπλήσαι. Aristot. Rhet. I. 10. ἡ δὲ τιμωρία — ἵνα ἀποπληρωθῆ. Virg. Aen. II. 586. 'animumque explesse juvabit | ultricis flammae.'

327. τίνος γὰρ ὦδε τὸν μέγαν | χόλον κατ' αὐτῶν ἐγκαλῶν] I. e. τίνος χόλον ἔχων et τι ἐγκαλῶν. De constructione cf. O. R. 724 sq. Sed pro ἐγκαλῶν corrigendum forsitan ἐκχέων.

328. τὸν μέγαν χόλον] Cf. El. 176. τὸν ὑπεραληγῆ χόλον. Aj. 1149. τὴν πολλὴν βοήν. Tr. 246. τὸν ἄσκοπον χρόνον. ἐγκαλῶν] Cf. Dem. 34, 1. οὐδεμίαν πώποτε δίκην πρὸς ὑμᾶς ἤλθομεν οὐτ' ἐγκαλοῦντες οὐτ' ἐγκαλούμενοι. Cf. O. R. 702. El. 778. Sed corrigendum suspicor ἐκχέων. Cf. Lucian. Cal. etc. 23. τὸν θυμὸν ἐξέχεε. Terent. Ad. III. 2. 14. 'iram hanc in eos evomam omnem.' III. 4. 65. 'ibo — ut in eum haec evomam.' Hec. III. 5. 65. Cic. Mil. 29. 'non timeo ne libentes haec in illum evomere videar quam verius.'

331. ἔσχε μοῖρ' Ἀχιλλέα θανεῖν] Cf. 1117. πότιμος σε δαιμόνων — ἔσχε. El. 1414. νῦν σε μοῖρα καθαμερία (καθαμέριον?) φθίνειν ἔχει (ita optime Dind. pro φθίνει φθίνειν). O. R. 713. ὡς αὐτὸν ἔξοι (ἤξοι vulg.) μοῖρα πρὸς παιδὸς θανεῖν. Eur. Hec. 5. Φρυγῶν πόλιν | κίνδυνος ἔσχε — πεσεῖν.

332. φράσης μοι μὴ πέρα] Cf. O. C. 211. μηδ' ἐξετάσης πέρα ματεύων. Ant. 84. ἀλλ' προμηνύσης γε τοῦτο μηδεὶν (τοῦργον).

334. Cf. O. R. 949. καὶ νῦν ὄδε | πρὸς τῆς τύχης ὄλωλεν οὐδὲ τοῦδ' ὕπο. Tr. 1160. πρὸς τῶν πνεόντων μηδεὶς θανεῖν ὕπο.

336. ἀλλ' εὐγενῆς μὲν —] Cf. Aj. 1400. ἀλλ' ἤθελον μὲν, εἰ δὲ μὴ κτλ.

337. Cf. Eur. Herc. 1378. ἀμηχανῶ γὰρ πότερ' ἔχω τὰδ' ἢ μεθῶ.

338. Cf. Ant. 434. τὰς τε πρόσθεν τὰς τε νῦν | ἠλέγχομεν πράξεις. O. R. 333. τὸ σὸν | πάθημ' ἐλέγχο. Arist. Fr. 246. ἀλλ' εἶσθ', ὡς τὸ πρᾶγμ' ἐλέγξει βούλομαι.

339. οἶμαι μὲν] Cf. Eur. Iph. A. 392. ἢ δὲ γ' ἔλιπς, οἶμαι μὲν, θεός. Similiter δοκῶ μὲν El. 61. etc. ἀρκεῖν — καὶ τὰ σ' ἀλγήματα] Cf. Tr. 1216. ἀλλ' ἀρκεσει καὶ ταῦτα. τὰ σ'] Eadem elisio O. R. 330. 405. El. 1499.

343. ποικιλοστόλω] Blomfield (ad Pers. 408.) explicat navis, cujus rostrum variis coloribus illitum est. Confer epithetum Homericum *μιλοτοπάρηος*.

345. εἶτ' ἀληθὲς εἶτ' ἄρ' οὖν μάτην] Cf. Eur. Ion. 275. τί δαι τὸδ'; ἄρ' ἀληθὲς ἢ μάτην λόγος; 1537. ὁ θεὸς ἀληθὲς ἢ μάτην μαντεύεται κτλ. εἶτ' ἄρ' οὖν] Anglice, or just as was to be expected. μάτην] Cf. El. 1298. ἀτη τῇ μάτην λελεγμένη. 63. Tr. 341. Herod. II. 118. μάταιον λόγον λέγουσι. Aesch. Prom. 1007. πολλὰ καὶ μάτην ἔρειν. Arist. Th. 91. φανερόν ἢ λάθρα (λέξοντα). Arist. Resp. VII. 12. 4. καθαρίζει λαμπρόν καὶ καλῶς. Particulae εἶτ' οὖν plerumque in priori clausula ponuntur, ut in O. R. 1049. El. 199. Aesch. Ag. 491. 843. in utraque Cho. 683. 684.

347. Cf. 353. 611. 1334. Eur. Phoen. 1187. κατ' ἄκρων περιγάμων ἐλεῖν πόλιν.

349. οὐ χρόνον πολὺν μ' ἐπέσχον —] Cf. 881. μηδ' ἐπίσχωμεν τὸ πλεῖν. Plat. Phaed. 59 E. οὐ πολὺν — χρόνον ἐπισχῶν ἤκε. Isocr. 268 C. οὐδένα χρόνον ἐπισχῶν.

355. κἀγὼ —] Anglice when I —. Cf. O. R. 718. ἄκρον Σίγειον] Cf. Tr. 752. Εὐβοίας ἄκρον (ἄκρα?) | Κήναιον. οὐρίω πλάτη] Cf. 780. Aj. 889. Fr. 151. Aesch. Cho. 799. πρᾶξιν οὐρίαν θέλων.

357. ὀμνύντες] Cf. Eur. Hec. 898. εἰ μὲν ἦν στρατῶ πλοῦς, οὐκ ἂν εἶχον τήνδε σοι δοῦναι χάριν. Hec. 38 sq. Aesch. Prom. 803. Thuc. VI. 2. Xen. Anab. VI. 3. 12. Elmsl. ad Her. 801.

358. οὐκ ἔτ' ὄντα ζῶντι'] Cf. 412. οὐκ ἦν ἔτι ζῶν. Connecte autem ζῶντα πάλιν.

362. τὰ τ' ἄλλ' ὅσ' ἦν] καὶ τὰπιπλα Nauck. in ed. Fr. Trag. p. 132.

363. οἱ δ' εἶπον — τλημονέστατον λόγον] Cf. Eur. Hec. 560. ἔλεξε πάντων τλημονέστατον λόγον.

366. τῶν δ' — κρατύνει] Cf. 1059. τούτων κρατύνειν. 1161: μηδενὸς κρατύνων.

371. ὁ δ' εἶπ' Ὀδυσσεὺς] Cf. Aj. 780. ὁ δ' εὐθὺς πέμπει με Τεῦκρος. O. R. 1171. Eur. El. 781. ὁ δ' εἶπ' Ὀρέστης.

374. ἤρασον κακοῖς] Sc. ἔπει. Cf. Aj. 725. δνειδεσον ἤρασον. 1244. ἡμᾶς — κακοῖς βαλεῖτε. Arist. Nub. 1373. κὰγὼ οὐκέτ' ἐξηνεσχόμην, ἀλλ' εὐθέως ἀράττω | πολλοῖς κακοῖς καλοχροῖσι. et ad Tr. 940.

375. κακοῖς τοῖς πᾶσιν] Cf. 1288. Aesch. Prom. 1011. τοὺς πάντας ἐχθαίρω θεοῦς.

376. Cf. Aj. 100. θανόντες ἤδη τὰμ' ἀφαιρείσθων δπλα.

378. δηχθεῖς —] Cf. Eur. Med. 1367. τοῦτο γὰρ σε δήξεται. 813. οὕτω γὰρ ἂν μάλιστα δηχθεῖη πόσις.

382. ἐξονειδισθεὶς κακὰ] Cf. El. 288. φωνοῦσα τοιάδ' ἐξονειδίξει κακὰ.

384. τοῦ κακίστου κακ κακῶν] Cf. Eur. Andr. 590. ὦ κάκιστε κακ κακῶν. Qu. τοῦ κακοῦ τε —.

386. Cf. O. R. 917. ἀλλ' ἐστὶ τοῦ λέγοντος. Ant. 738. οὐ τοῦ κρατοῦντος ἢ πόλις νομίζεται; Arist. Eq. 860. μὴ τοῦ λέγοντος ἴσθι.

387. στρατός] Populus. Cf. Aesch. Eum. 667. τὸ σὸν πόλισμα καὶ στρατὸν τεύξω μέγαν. 686. Αἰγέως στρατῶ. 762. χώρα τῆδε καὶ τῷ σῷ στρατῶ. Hom. Il. 4, 76. στρατῶ εὐρέει λαῶν.

389. De numeris hujus versus cf. 435. 503.

391. παμβῶτι] Cf. Trag. adesp. 252. παμβῶτις ἐλλίς. Aesch. Pers. 610. παμφόρου γαίης. Prom. 90. παμμῆτορ τε γῆ. δρεστέρα] Cf. Eur. Bacch. 1141. δρεστέρου — λέοντος. Hipp. 143. ματρὸς οὐρείας.

393. μᾶτερ] Cf. Fr. 268. Γῆ μήτηρ θεῶν.

394. Πακτωλὸν εὐχρονσον] Cf. Eur. Bacch. 13. Λυδῶν τοὺς πολυχρῆσους γνάς | Φρυγῶν τε.

395. πότνι', ἐπηνδῶμαν] Qu. πότνα, προσηνδῶμαν. Cf. Eur. Bacch. 370. πότνα θεῶν (l. θεᾶν).

397. ἐς τόνδ' ἐχώρει —] Cf. Herod. V. 92. πᾶσαν κακότητα ἐξέφαινε ἐς τοὺς πολίτας.

403. ἔχοντες — σύμβολον σαφὲς λύπης] Cf. O. R. 221. μὴ οὐκ ἔχων τι σύμβολον. Eur. Rhés. 220. σύμβολον δ' ἔχων σαφὲς | φῆσεις. Herod. V. 92. πιστὸν — συμβόλαιον. Xen. Cyr. VI. 1. 46. ὡς δ' ἔγνω — τὰ παρὰ τῆς γυναικὸς σύμβολα, κτλ.

405. προσάδειν] Idem fere quod *συνάδειν*. Cf. Plat. Phaed. 86 E. *ἐάν τι δοκῶσι προσάδειν*. Eur. Ion. 359. *προσφρῶδος ἡ τύχη τῶ μῶν πάθει*. || Sic *ξυρωδός* (Med. 1008.).

406. *ἐξ Ἀτρείδων — κάξ Ὀδυσσέως*] Cf. El. 880. *κάπι τοῖς | σαυτῆς κακοῖσι κάπι τοῖς ἐμοῖς γελᾶς*.

408. *λόγου κακοῦ — θιγόντα*] Cf. Eur. Ion. 543. *λόγων ἀνώ- μεθ'*. Andr. 663. Alc. 967.

409. *ἐς τέλος*] Cf. Eur. Hec. 805. *οὐδέν τι μάλλον ἐς τέλος σπουδάζομεν — μανθάνειν*.

411. Cf. Ant. 466. *εἰ τὸν ἐξ ἐμῆς | μητρὸς θανόντι' ἄθαιπτον ὄντι' ἠνεσχόμεν* (ut legendum videtur).

412. *ἦν ἔτι ζῶν*] Cf. O. R. 1045. *ἦ κάστ' ἔτι ζῶν οὗτος*; Tr. 735. *μηκέτ' εἶναι ζῶσαν*.

414. *οἴχεται θανών*] Cf. Aj. 999. *ὡς οἴχει θανών*. Fr. 624. *ῥῆγον θανών*. Eur. Alc. 58. *πῶς εἶπας; ἀλλ' ἦ χοῦτος οἴχεται θανών*; Hipp. 859. Phoen. 1704. Aesch. Cho. 220. 774. Elmsl ad Her. 426.

415. *ὡς μηκέτ' ὄντα κείνον ἐν φάει νόει*] Cf. 253. 810. El. 1370. *φρονιζέθ' ὡς — μαχούμενοι*. Tr. 289. *φρόνει νιν ὡς ἤξοντα*. Aj. 281. O. R. 848. Ant. 996. Eur. Med. 1311. *ὡς οὐκέτ' ὄντων σῶν τέκνων φρονιζε δῆ. ὄντα — ἐν φάει*] I. e. vivum. Cf. Phil. 1212. *οὐ γὰρ ἐν φάει γ' ἔτι*.

416. Cf. Trag. Adesp. 276. *οὐδὲν κακὸν γὰρ ἑραδίως ἀπόλλνται*.

417. *οὐμπολητός*] Cf. Tr. 537. *κόρην — παρεισδέδεγμαί φρό- τον ὥστε ναυτίλος, | λωβητὸν ἐμπόλημα τῆς ἐμῆς φρενός*. Genitivus *Λαερτίου* ab *ὀ* (*γόνος*), *Σισύφου* ab *ἐμπολητός* pendet. Duplex genitivus ut in Tr. 644. *ὀ γὰρ Διὸς Ἀλκμήνας κόρος*. Cf. ad Aj. 190.

421. Cf. Aj. 983. *τί γὰρ τέκνον | τὸ τοῦδε; ποῦ μοι γῆς κρυεῖ τῆς Τρωάδος*; 101. *τί γὰρ δὴ παῖς ὁ τοῦ Λαερτίου*; Eur. Iph. T. 517. *τί γὰρ ὁ Λαέρτου γόνος*; 543. *τί δ' ὁ στρατηγός, ὃν λέγουσ' εὐδαιμονεῖν*; Arist. Pac. 700. *τί δαί (δὲ R. V. etc.) Κρατῖνος ὁ σοφός; ἔστιν; παλαιός*] Cf. Tr. 263. *ξένον παλαιὸν ὄντα*. Eur. Alc. 213. *σὺ δ' εἰ παλαιὸς δεσπότηις ἐμοῖς φίλος*. Bacch. 693. *νέαι, παλαιαί*. Arist. Ach. 676. *οἱ γέροντες οἱ παλαιοί*. 220. Dem. p. 1366. *ἔραστην — παλαιόν*. Corrigendum suspicor *δικαίος*. Cf. 1050. *ἔπον δικαίον κάγαθῶν ἀνδρῶν κρείσις*. Ant. 671. *δικαίον κάγαθὸν παραστάτην*.

425. *Ἀντίλοχος αὐτῷ φροῦδος*] Cf. El. 1152. *σὺ φροῦδος αὐτός εἰ θανών*. Sub. *ἔστί*. Cf. Arist. Ach. 470. *φροῦδά μοι τὰ δράματα*. Th. 690. Eccl. 311. *παρῆν*] Cf. 1405. Tr. 87. *κὰν πάλοι παρῆν*. Eur. Hipp. 1237. *τίς ἄνδρ' ἄριστον βούλεται σῶσαι παρών*; Hinc *παρουσία* (assistance, succour), El. 948. *παρουσίαν — φίλων*.

μόνος] Cf. Arist. Pl. 33. *τὸν δ' υἱὸν, ὅσπερ ὢν μόνος μοι τυγ- χάνει, κτλ.*

431. σοφὸς παλαιστῆς] Cf. ad El. 1370. Aesch. Ag. 1206. ἀλλ' ἦν παλαιστῆς κάρι' ἐμοὶ πνέων χάρι.

434. τὰ φίλιτατα] Cf. Eur. Alc. 340. οὐ δ' ἀντιδοῦσα τῆς ἐμῆς τὰ φίλιτατα | ψυχῆς (ψυχῆς μ')? ἔσωσας. Aesch. Pers. 851. οὐ γὰρ τὰ φίλιτατ' ἐν κακοῖς προδώσομεν.

435. τεθνηκῶς ἦν] Cf. Tr. 247. βεβῶς ἦν. 165.

436 sq. Cf. Fr. 498. φιλεῖ γὰρ ἄνδρας πόλεμος ἀγρεῦειν νέους. Fr. 649. τοὺς εὐγενεῖς γὰρ κάγαθούς — φιλεῖ | Ἄρης ἐναίρειν. Fr. 652, 4. Ἄρης γὰρ οὐδὲν τῶν κακῶν λωτίζεται (sic Keil). Adesp. 344. οὐδὲν κακὸν γὰρ ῥαδίως ἀπόλλυται. Anacr. Epigr. 101. Ἄρης δ' οὐκ ἀγαθῶν φείδεται ἀλλὰ κακῶν. Aesch. Fr. 94. Eur. Fr. 728. Arist. Ach. 977.

438. Cf. El. 1224. Eur. Fr. 321, 1. συμμαρτυρῶ σοὶ πανταχοῦ λελείμμεθα κτλ. Ant. 846. ξυμμαρτυρας. Eur. Iph. A. 1158.

439. ἐξερήσομαι] Cf. Aj. 103. ἦ τοῦπίτριπτον κίναδος ἐξήρον μ' ὄπου; De genitivo φωτός cf. 441. Tr. 928. 1122. Aj. 1236. Ant. 1182. El. 317. Eur. Phoen. 1343. Hom. Od. 11, 173. .

440. σοφοῦ] Sensu pravo. Cf. Eur. Andr. 938. σοφῶν, πανούργων, ποικίλων λαλημάτων. Alc. 58. τί νῦν κυρεῖ] Cf. El. 799. εἰ τὰδ' εὖ κυρεῖ. Eur. Phoen. 174. τίς κυρεῖ, δε —;

441. ποῖον δὲ τοῦτον —] I. e. οὗτος δὲ περὶ οὐ ξερεῖς (λέγεις) ποῖός ἐστιν πλήν γε (εἰ μὴ) Ὀδυσσεύς; Cf. 572. πρὸς ποῖον αὐτόνδ' αὐτὸς οὐδυσσεύς ἐπιλεῖ; 1204. ποῖον ξερεῖς τὸδ' ἔπος; O. C. 388. ποῖοισι τούτοις; Ant. 1049. ποῖον τοῦτο πάγκοινον λέγεις; Aj. 46. ποῖασι τόλμαις ταῖσδε; O. R. 571. ποῖον — ξερεῖς;] Cf. Aj. 1236. ποῖον κέκραχας ἀνδρὸς ὧδ' ἐπέφφρονα; El. 1349. O. R. 102. ποῖον γὰρ ἀνδρὸς τήνδε μηνύει τύχην;

442. οὐ τοῦτον εἶπον, ἀλλὰ —] Cf. Arist. Ach. 422. οὐ Φοίνικος, οὐδ', | ἀλλ' ἕτερος ἦν Φοίνικος ἀθλιώτερος.

443. οὐκ ἂν εἶλετ'] Leg. οὐκ ἂν ἦδεῖτ'. Cf. Aesch. Pers. 810. οὐ θεῶν βρέτη | ἦδοῦντο συλᾶν. εἰσάπαξ εἰπεῖν] Cf. Eur. Andr. 944. ἀλλ' οὔποιτ' οὔποιτ' οὐ γὰρ εἰσάπαξ ἐρῶ. ὄπου μηδεὶς ἐρῶ] I. e. ubi omnes vetarent. Cf. Aj. 1184. κἂν μηδεὶς ἐῖ.

446 sq. Cf. Fr. 657, 2. τοὺς εὐγενεῖς γὰρ κάγαθούς, ὧ παῖ, φιλεῖ | Ἄρης ἐναίρειν. Fr. 657, 4. Ἄρης γὰρ οὐδὲν τῶν κακῶν λωτίζεται. Trag. adesp. 344. οὐδὲν κακὸν (γὰρ) ῥαδίως ἀπόλλυται.

446. ἔμελλ'] Cf. Ant. 448. ἦδη· τί δ' οὐκ ἔμελλον; ἐμφανῆ γὰρ ἦν.

447. εὖ περιστέλλουσιν] Cf. Aj. 821. ἔπηξα δ' αὐτὸν εὖ περιστεύειλας ἐγώ. Eur. Med. 1034. καὶ καθιθανοῦσαν χερσὶν εὖ περιστελεῖν. 582. γλώσση γὰρ αὐχεῖν τᾶδ' εὖ περιστελεῖν. Herc. 1129. τὰ σὰ περιστέλλον κακά. Or. 1066. Eur. Fr. 463. εἰ δ' οὖν γένοιτο (ἄτη), χρῆ περιστεῖλαι καλῶς | κρύπτοντα καὶ μὴ πᾶσι κηρῶσειν τάδε (κακά?). Similiter περιέπειν τινὰ εὖ Herod. VII. 182. etc. δαίμονες] I. q. θεοί. Cf. 462. Tr. 280. etc.

448. τὰ μὲν παροῦργα καὶ παλιντριβῆ —] Cf. El. 1507. τὸ γὰρ παροῦργον οὐκ ἂν ἦν πολὺ.

449. ἀναστρέφοντες] Retro vertentes, revocantes. Cf. Ant. 226. κυκλῶν ἑμαντὸν εἰς ἀναστροφήν. Eur. Suppl. 331. ὁ γὰρ θεὸς πάντ' ἀναστρέφει πάλιν. Andr. 1008. πόλλ' ἀναστρέφει θεός. Rhés. 332. Adesp. 110, 4. καὶ με συμφορᾶς αἰεὶ | βαθεῖα κῆλις ἐκ βυθῶν ἀναστρέφει.

450. τὰ χρῆστ'] Cf. El. 972. φιλεῖ γὰρ πρὸς τὰ χρῆστὰ πᾶς ὄρᾱν. Aj. 1022. πολλοὶ μὲν ἐχθροὶ, παῦρα δ' ὠφελήσιμα. Fr. 622, 2. ἐν ᾗ τὰ μὲν δίκαια καὶ τὰ σὺφρονα | λάγδην πατεῖται. Eur. Tro. 411. τὰ σεμνὰ καὶ δοκῆμασιν σοφά.

453. γένεθλον] Cf. Ant. 1149. παῖ Διὸς γένεθλον. Eur. Iph. A. 595. Αἴδας γένεθλον. Hipp. 62. Ζηγὸς γένεθλον — Ἄστεμις.

454. Similiter O. R. 997. ὦν εἶνεχ' ἡ Κόρινθος ἐξ ἑμοῦ πά-
λαι | μακρὰν ἀπωκεῖτ'. 794. 1272. Tr. 1003. Eur. Hipp. 102. πρόσ-
ωθεν αὐτὴν ἀγνὸς ὦν ἀσπάζομαι. τὸ λοιπὸν ἤδη] Cf. O. C. 1619.
Tr. 168. 921.

456. ὄπου — τούτους] Cf. Aj. 1081 sq. Soph. Fr. 850. ὄπου γὰρ οἱ φύσαντες ἡσοῶνται τέκνων, κτλ. Hom. Il. 1, 576. ἐπεὶ τὰ χερεῖονα νικᾷ. Eur. Phoen. 903. ἐπεὶ δὲ κρεῖσσον τὸ κακὸν ἐσσι τάγαθού, κτλ.

457. κάποφθίνει τὰ χρῆστὰ] Cf. 448. Aj. 1022. πολλοὶ μὲν ἐχθροὶ, παῦρα δ' ὠφελήσιμα.

458. καὶ τοὺς Ἄτρεΐδας] Qu. δισοῦς τ' Ἄτρεΐδας.

461. τέρπεσθαι] I. q. στέργειν, contentum esse. Cf. O. C. 800. οὐ γὰρ ἂν κακῶς | οὐδ' ὧδ' ἔχοντες ζῶμεν, εἰ τερποίμεθα.

463. νόσον μεταστήσει] Cf. Eur. Or. 133. τάχα μεταστήσοσ' ὑπνου | τόνδ' ἡσυχάζοντ'. Hel. 856. μεταστήτω κακῶν (γένος τὸ Ταντάλειον). 1442. ὦ Ζεῦ — βλέπων πρὸς ἡμᾶς καὶ μετástησον κακῶν. Alc. 1141. λύπης δ' εὐτυχῶν μεθίστασο. 21. θανεῖν πέπρω-
ται καὶ μεταστήναι βίον. Iph. T. 757. καὶ μετástησον (με) θεᾶς | σφαγίων. 962. θέλω — σὲ τε μεταστήναι πόνων κτλ. 1144. ὡς μετástησω φόνου (τὸ ἄγαλμα). Eur. Fr. 822, 3. γυνή — δυσθυμίας | ψυχὴν μεθιστᾶσ'. Bacch. 1269. μετασταθεῖσα τῶν πάρος φρενῶν.

466. ἤδη, τέκνον, στέλλεσθε] Cf. 369. καιρὸς γὰρ καλεῖ —] Cf. El. 39. δταν σὲ καιρὸς εἰσάγη | δόμων ἔσω τῶνδ'. Eur. Hec. 1042. ὡς ἀκμὴ καλεῖ | Ἐκάβη παρεῖναι —.

467. πλοῦν — σκοπεῖν] Cf. Lys. 427. καπηλεῖον σκοπῶν. Eur. Hec. 901. νῦν δ', οὐ γὰρ ἴησ' οὐρίας πνοᾶς θεός, | μένειν ἀνάγκη πλοῦν ὀρῶντας ἡσυχον (ἡσύχους, ἐγγύθεν, aut οὐριον?). Iph. A. 1626. χρῆ δέ σε — στείχειν πρὸς οἴκους, ὡς στρατὸς πρὸς πλοῦν ὀρᾶ.

ἐξ ἀπόπτου] I. e. πόρωθεν. Cf. Fr. 358. πόρω δὲ λεύσσαν, ἐγγύθεν δὲ πᾶς τυφλός. Galen. T. III. p. 222. καὶ υς ἐξ ἀπόπτου θεασάμενος ταῦρον εὐθύς γνωρίζει τὸ ἄρρεν. Schol. Aesch. Suppl. 832. ἐξ ἀπόπτου τοὺς Αἰγυπτιάδας ἰδοῦσαι. ἐγγύθεν σκοπεῖν]

Cf. 656. Eur. Hec. 801. μένει ἀνάγκη πλοῦν δρωῶντας ἤσυχον. Ion. 587. πρόσωθεν ὄντων, ἐγγύθεν δ' ὀρωμένων. Ion. 598. οὐ ταυτὸν εἶδος φαίνεται τῶν πραγμάτων | πρόσωθεν ὄντων ἐγγύθεν θ' ὀρωμένων. Infra 656. ἐγγύθεν θέαν λαβεῖν. Iph. A. 412. τὸ πρᾶγμα δ' ἐγγύθεν | σκοπῶν ἔσειδον ὄλον κτλ. Arist. Av. 390. παρ' αὐτὴν τὴν χύτραν ἄκραν δρωῶντας ἐγγύς. Monost. 191. ζῆθι προσεχόντως ὡς μακρὰν ἐγγύς βλέπων.

468 sq. Cf. Eur. Iph. T. 1068. ἀλλὰ πρὸς σε δεξιᾶς, σὲ ναὶ σ', ἰκνοῦμαι, σὲ δὲ φίλης παρηίδος | γονάτων τε καὶ τῶν ἐν δόμοισι φιλιτάτων, | μητρὸς πατρὸς τε καὶ τέκνων, δια κურεῖ.

471. τοῖσδ' οἷσις ὄρας] Cf. Eur. Or. 355. καὶ θάνατον (ἠπιστάμην) ὄω πρὸς δάμαρτος ὄλετο. Archiloch. Fr. 20, 4. οὐ γὰρ τις ἄλλος χάρος ὦδ' ἔρατὸς — οἷος ἀμφὶ Σίριος ἄσας. Qu. τοισίδ' οἷς ὄρας, aut τοῖσδ' ἐν οἷς ὄρας.

472. κακοῖσι — ἐνναίοντα] Ut γήρα συνναίειν O. C. 703.

473. ἐν παρέργῳ θοῦ με] Cf. 876. πάντα ταῦτ' ἐν εὐχερεῖ | ἔθου. O. R. 287. ἀλλ' οὐκ ἐν ἀργοῖς οὐδὲ τοῦτ' ἐπραξάμην (qu. ἐγὼ 'θέμην). Eur. Hel. 925. πάρεργον δοῦσα (θεῖσα?) τοῦτο τῆς τύχης. Iph. T. 514. ὡς γ' ἐν παρέργῳ τῆς ἐμῆς δυοπραξίας. Or. 610. καλὸν πάρεργον δ' αὐτὸ θήσομαι πόνων. Her. 1340. πάρεργά τοι τάδ' ἔστ' ἐμὸν κακὸν. Sic ἐν εὐχερεῖ θέσθαι 876. ἐν αἰσχροῦ Hec. 806. δυοχέρεια — τοῦ φορήματος] Sub. ἔστι, ut in 406. Lego — τοῦ νοσήματος. Cf. 900. οὐ δὴ σε δυοχέρεια τοῦ νοσήματος | ἔπεισεν —;

477. δνειδος οὐ καλόν] Cf. Tr. 454. κῆρ — οὐ καλή. Eur. Med. 514. καλόν γ' ὄνειδος —. Iph. A. 305. Bacch. 652. Καλὸν δνειδος occurrit O. R. 1035. Eur. Phoen. 835. Iph. A. 305. κακὸν δνειδος Her. 463.

481 sq. Cf. Eur. Bacch. 1381. ἔλθοιμι δ' ὄπον | μήτε Κιθαίων μαρὸς μ' εἰδοὶ κτλ. Iph. T. 118. χωρεῖν χρεῶν | ὄποι (ὄπον Valck. ad Hipp. 1247.) χθονὸς κρύψαντε λήσομεν δέμας.

481. τόλμησον] Anglice deign. Cf. Tr. 1070. ἴθ' — τόλμησον οἴκτειρόν τέ (leg. οἴκτειραί τί) με. O. C. 184. Aj. 528. Eur. Iph. T. 113. 119. Arist. Vesp. 327. τόλμησον, ἀναξ, χαρίσασθαί μοι. Nub. 550. Ach. 489. 949. ἐμβалоῦ μ'] Anglice stow me away. Cf. Arrian. Ind. 26, 9. αἴγας ἐμβαλόμενοι ἐς τὰς νέας. 23, 7. ἐμβάλλονται σπία ἡμερῶν δέκα ἐς τὰς νέας. 43, 7. ἐς ὅσον σφίσι τὸ ὕδωρ ἐπήρκεσε τὸ ἐμβληθὲν ἐς τὰς νέας. 40, 11. ὕδωρ δὲ ἐμβάλλεσθαι πέντε ἡμερῶν. Aesch. Ag. 983. πρηνησίον ἐν ἐμβολαῖς. Contrarium est ἐκβάλλεσθαι. Acts XXVII. 18. ἐκούφιζον τὸ πλοῖον ἐκβαλλόμενοι τὸν σῆτον εἰς τὴν θάλασσαν. 18. ἐκβολὴν ἐποιούντο.

482. εἰς ἀντίαν] Cf. Cic. Epist. ad divers. IX. 15. 'Sedebamus olim in puppi, nunc vix in sentina locus est.' ἀντίαν] The hold, sink. I. q. ἀντλον. Eur. Hec. 1025. ἀλίμενον εἰς ἀντλον

πεσών. Her. 168. εἰς ἄντιλον ἐμβήσει πόδα. Arist. Eq. 434. κᾶγωγ', ἐάν τι παραχαλᾷ, τὴν ἀντλίαν φυλάξω. Suidas, ἀντλία: τὸ τοῦ πλοίου εἰσέρον ὕδωρ. Cf. Arist. Pac. 17. πρῶμνην] Eadem forma epica ante vocalem occurrit Arist. Vesp. 399.

484. νεῦσον] Adnue. Cf. ad O. C. 248. νεύσατε τὰν ἀδόκητον χάριν. Ζηγὸς ἱεσίου] Cf. Eur. Hec. 345. πέφηνγας τὸν ἐμὸν ἱέσιον Δία.

485. προσπίνω σε γόνασι] Anglice, I supplicate you by (on) my knees.

489. τὰ — Εὐβοίας σταθμά] De duplici genitivo cf. Tr. 1191. Aj. 53. Eur. Hel. 767. τὰ Ναυπλίου τ' Εὐβοικὰ πυρπολήματα.

491. Τραχινίαν τε δειράδ'] Cf. Herod. VII. 198. περὶ δὲ τὸν χῶρον τοῦτον οὖρα ἐψηλὰ καὶ ἄβρατα περικλῆει πᾶσαν τὴν Μηλίδα γῆν, Τρηχίνιαί πέτραι καλεόμεναι. δειράδ'] Cf. Aj. 694. Κυλλανίας — ἀπὸ δειράδος φάνηθ'. Eur. Iph. T. 1418. δειράδος Καρυστίας. Ion. 713. δειράδες Παργασσοῦ.

492. πατρί μ' ὡς δείξης φίλω] Cf. Aj. 569. ὅπως | τὸν παῖδα τόνδε — Τελαμῶνι δείξει μητρί τ'.

493. Cf. Aj. 600. παλαιὸς ἀφ' οὗ χρόνος. Alciph. Epist. III. 8. 2. διακαῶς δὲ αὐτῆς οὗτος ἐρᾷ πολὺς ἐξ οὗ χρόνος.

494. πολλὰ] Saep. Cf. 1458. Tr. 544. 789. 1192. 1243. El. 603. πολλὰ δῆ. 1377.

496. ἀυτόστολον] Cf. Thuc. VI. 61. ἔχων τὴν ἑαυτοῦ ναῦν. Plut. Vit. Alcib. c. 1. ἰδιοστόλω τριῆρει — ἐνανμάχησεν. Vit. Thes. 26. Herod. V. 47. συνέσπετο οἰκητῆ τε τριῆρει καὶ οἰκητῆ δαπάνη. VIII. 17. ὃς δαπάνην οἰκητῆν παρεχόμενος ἐστρατεύετο καὶ οἰκητῆ νητέ. Paus. X. 9. ἐνανμάχησε — ναῦν παρασκευασάμενος οἰκείαν. Hor. Sat. Epist. I. 1. 93. 'Locuples, quem ducit priva triremis.' μ' ἐκῶσαι 'ς δόμους] Cf. Tr. 610. εἴ ποτ' αὐτὸν ἐς δόμους | ἴδοιμι σωθέντ'.

497. καπινοῦ σκιάν, εἶδωλον ἄλλως] Cf. Fr. 588, 6. σκιᾶς εἶδωλον. Aj. 126. εἶδωλ' — ἢ κούφην σκιάν.

498. τοῦμὸν ἐν συμκροῶ μέρει ποιούμενοι] Cf. O. C. 277. Herod. II. 172. ἐν οὐδεμῇ μοίρῃ μεγάλη ἦγον.

502 sq. Cf. ad Tr. 400. κάτοιδε τάνθρωπων οὐ | χαιρειν πέφυκεν (πεφύκασ' Nauck.) οὐχὶ τοῖς ἀντοῖς ἀεί.

502. ὡς πάντα δεινὰ —] Cf. Eur. Phoen. 277. ἅπαντα γὰρ τολμῶσι δεινὰ φαίνεται. Herod. VIII. 132. τὸ γὰρ προσωτέρω πᾶν δεινὸν ἦν τοῖσι Ἕλλησι κτλ.

503. παθεῖν δὲ θάτερα] Cf. Dem. c. Androt. § 12. ὄσα πώποτε τῇ πόλει γέγονεν — ἀγαθὰ ἢ θάτερα, ἵνα μηδὲν εἶπω φλαῦρον. Plut. T. II. p. 474 E. εὐχεται μὲν ὁ νοῦν ἔχων τὰ βελτίω, προσδοκᾷ δὲ καὶ θάτερα. Eur. Herc. 1238. κλαίω χάριν σὴν ἐφ' ἑτέραισι συμφοραῖς. Hipp. 349. θατέρω κεχημένοι. Fr. 221. Valck. Diatr. p. 112. Lob. Aj. p. 277.

509. *οἶα* — *λάχοι*] Cf. ad El. 751. *οἶα λαγχίνει κακά.*

514. *κέρδος μετατιθέμενος*] *μέγα τιθέμενος* mss. Cf. Eur. Or. 248. *ταχὺς δὲ μετέθου λύσσαν, ἀστῶς φρονῶν.* Herod. VII. 18. *τρόπομαι καὶ τὴν γνώμην μετατίθεμαι.* Quod si vera est codicum lectio, cf. Eur. Med. 453. *πάν κέρδος ἡγοῦ ζημιουμένη φρυγῆ.* Hor. Od. I. 9. 14. 'Lucro | adpone.'

515. *ἐπιμέμονεν*] Ab *ἐπιμαίομαι*. Cf. ad Tr. 983. *ἐπιμέμονε φρῆν.* Eur. Iph. T. 636. *ἔτι γὰρ ἀμφίλογα δίδυμα μέμονε φρῆν, σὲ πάρος ἢ σ' ἀναστενάξω γόοις.*

519 sq. Cf. Tr. 54 sq. 229 sq.

519. *τις εὐχερῆς παρῆς*] Cf. Arist. Av. 924. *ἀλλὰ τις ὠκεία Μουσαίων φάτις.* Sophoclem tamen scripsisse suspicor *μή τὰ νῦν μὲν εὐχερῆς παρῆς (aut τις ἦς).*

520. *διαν δὲ πλησθῆς τῆς νόσου*] Cf. 30. *ζάκη — νοσηλείας πλέα.* Ant. 1052. *ταύτης σὺ μέντοι τῆς νόσου πλήρης ἔφης.*

521. Cf. O. R. 557. *καὶ νῦν γ' ἔθ' αὐτός εἰμι τῷ βούλευματι.* Eur. Phoen. 934. *ἀνῆρ ὄδ' οὐκέθ' αὐτός· ἐκνεύει πάλιν.* Herc. 931. *ὁ δ' οὐκέθ' αὐτός ἦν.*

523. *τοῦτ' — εἰς ἐμὲ — ὀνειδίσαι*] Cf. O. C. 754. *τοῦνειδος — ὀνειδίω· εἰς σέ.* Eur. Iph. A. 305. *καλὸν γέ μοι τοῦνειδος ἐξωνείδισας.*

524. *αἰσχρά*] Sic Ant. 576. *δεδογμένα.* Eur. Hec. 1230. *ἀχθεινά.* 1089. *ξύνγνωστα.* Herod. I. 91. *ἀδύνατα.* III. 109. *βιώσιμα.* IX. 2. *χαλεπά.*

525. *πρὸς τὸ καιρίον πονεῖν*] Leg. *πρὸς τὸ καιρὶ' ἐκπονεῖν.*

527. *ναῦς — ἄξει*] Cf. Aesch. Pers. 560. *πεζοῦς — ναῖς μὲν ἄγαγον.* O. R. 753. *ἀπήνη δ' ἤγε Λαίον μία.*

530. *ὦ φίλιτον — ἤμαρ*] Cf. El. 1224. *ὦ φίλιτον φῶς (lux).*

534. *ἄοικον εἰσοίκεσιν*] Cf. Eur. Or. 621. *ἀνηφαίστω πυρί.*

536. *θέαν — λαβόντα*] Cf. 656. *ἐγγύθεν θέαν λαβεῖν.*

538. *προύμαθον*] Cf. Arist. Nub. 966. *προμαθεῖν.* *στέργειν κακά*] Cf. Aesch. Ag. 1551. *στέργειν δύστηλα.* Herod. IX. 117. *οὕτω δὴ ἔστεργον τὰ παρεόντα.*

539. *ἐπίσχετον, μάθωμεν*] Cf. Aesch. Prom. 699. *ἐπίσχες ἔστ' ἂν καὶ τὰ λοιπὰ προομάθης.* Cho. 883. *ἐπίσχες, ὦ παῖ.* Eur. Hipp. 567. *ἐπίσχετ', αὐδὴν τῶν ἔσωθεν ἐμάθω (al. ὡς μάθω).* 1350. *σχῆς, ἀπειρηκὸς σῶμ' ἀναπαύσω.* Herc. 1059. *οἶγα, πνοᾶς μάθω.* Med. 1275. Andr. 844. Omittenda videtur virgula post *ἐπίσχετον*, ut in locutione *φέρε — καλέσω* Phil. 1452. *φέρε — μεθῶ* Eur. Phoen. 283. *φέρε — βάλω* Herc. 1059. et similibus. *ἐπίσχετον*] Subsistite. Cf. O. C. 856. *ἐπίσχες αὐτοῦ, ξεῖνε.* El. 1369. *εἰ δ' ἐφέξετον.*

542. *ξυνέμπορον*] Cf. Tr. 318. Trag. adesp. 270. *ἄψυχον ἄνδρα λαμβάνειν συνέμπορον.* et v. *συνναύτης.*

543. νεὼς — φύλαξ] Cf. Fr. 143. ναοφύλακες. Eur. Iph. T. 1284. ὦ ναοφύλακες. Sed Arist. Fr. 372. ναυφύλαξ (ut ναύκληρος).
544. ποῦ κυρῶν εἴης] Cf. 371. πλησίον γὰρ ἦν κυρῶν. 741.
547. ναύκληρος] Magister navis. Anglice a ship-owner. Cf. Aesch. Suppl. 177. Herod. I. 5. Thuc. I. 137. οὐ πολλῶ στόλῳ] Cf. Tr. 496. προσελθὼν θ' ὧδε σὺν πολλῷ στόλῳ.
548. Πεπάρηθον] Inter bona vina enumeratur Peparethium Arist. Fr. 317, 2 K. Demosth. 35, 35. Plin. N. H. IV. 72. XIV. 76.
549. ἤκουσα τοὺς ναύτας δι —] Cf. Aj. 1141. σὺ δ' ἀντακούσει τοῦτον ὡς τεθάψεται.
552. προστυχόντι τῶν ἴσων] Cf. El. 1463. ἐμοῦ κολαστοῦ προστυχόν.
556. ἔργα δρώμεν'] Cf. 567. δρώμεν', οὐ μέλλοντ' ἔτι. ἐξαργούμενα] Cf. Plut. Mor. 2 D.
559. φράσον] Explica. Cf. Oed. R. 655. φράζε δὴ τί φῆς. Arist. Pl. 349. λέγ' ἀνύσας ὅ τι φῆς ποτε.
560. νεώτερον] Cf. Eur. Phoen. 709. λέγει δὲ δὴ τί τῶν ἐκεί νεώτερον; 563. ἐκ βίας μ' ἄξοντες] Cf. 945. 985.
565. ἢ ταῦτα δὴ —;] Cf. El. 385. ἢ ταῦτα δὴ με καὶ βεβούλευνται ποιεῖν;
567. ὡς ταῦτ' ἐπίστω δρώμεν'] Cf. O. R. 848. ἀλλ' ὡς φανέν γε τοῦπος ὧδ' ἐπίστασο.
570. ἄλλον ἄνδρ'] Sc. Philoctetam. V. 591 — 594.
572. πρὸς ποῖον αὐτόνδ' —;] Cf. 1204. ποῖον ἐρεῖς τόδ' ἔπος; 1173. τί τοῦτ' ἔλεξας; Aj. 46. ποῖοιοι τόλμαις ταῖσδε —.
573. Cf. El. 1101. Plat. Gorg. 503 B. τί οὐχί — αὐτόν ἐφρασας τίς ἐστί;
574. ἄν λέγῃς] Cf. Alex. III. 511. οὐθ' ἄν λέγῃ τις οὐδαμῶς μάθοιμεν ἄν. μὴ φώνει μέγα] Cf. Arist. Nub. 220. ἀναβόησον αὐτόν μοι μέγα.
575. ὁ κλεινός] I. e. much talked of. Cf. O. R. 8. ὁ πᾶσι κλεινός Οἰδίπους. 40. 1255. Aj. 598. O. C. 1446. El. 1177. τὸ κλεινὸν εἶδος Ἡλέκτρας.
576. ὄσον τάχος] Cf. Aj. 985. El. 1373. τὰ πλείονα] Cf. O. C. 36. τὰ πλείον' ἱστορεῖν. Tr. 731. σιγᾶν — τὸν πλείω λόγον. Eur. Med. 609. Aesch. Ag. 598. Arist. Ran. 160. οὐ καθέξω ταῦτα τὸν πλείω χρόνον.
577. σεαυτὸν ἐσυλλαβών] Anglice taking yourself off. Cf. Arist. Pl. 1079. νῦν δ' ἀπιθὶ χαιῶν συλλαβών τὴν μείρακα.
578. διεμπολᾶ] Cf. 978. οἴμοι, πέπραμαι. Arist. Ach. 374. κἀναυθὰ λανθάνουσ' ἀπεμπολώμενοι. Pac. 633.
580. οὐκ οἶδά πω] Nondum intelligo. Cf. Arist. Ach. 580 τί δ' εἶπας ἡμᾶς; οὐκ ἐρεῖς; ΔΙ. οὐκ οἶδά πω.
582. ὦ σπέρμ' Ἀχιλλέως] Cf. Aesch. Prom. 705. σὺ δ', Ἰνάχειον σπέρμ', κτλ. Eur. Iph. A. 514. ὦ Σισύφειον σπέρμα.

584. πολλὰ — χρηστά θ'] Cf. Aesch. Sept. 339. πολλὰ — δυστυχῆ τε. Solennis formula est πολλὰ (αὐτὰ πολλὰ τε) καὶ χρηστά. οἱ ἄνθρωποι πένης] Cf. 203. O. R. 1118. ὡς νομεὺς ἄνθρωποι. 751. οἱ ἄνθρωποι ἀρχηγέτης. 763.

585. ἐγὼ εἰμ' —] Eadem crasis est Arist. Vesp. 1224. ἐγὼ (τάχ') εἶσομαι.

586. φίλος μέγιστος] Cf. Aj. 1331. φίλον — μέγιστον. El. 46. μέγιστος — δορυξένων. Tr. 255. O. R. 582. Aesch. Agam. 1637. ἐχθρὸς ἢ παλαιγενής. Eur. Med. 549. μέγας φίλος. Cycl. 435. τὸν ἀρχαῖον φίλον. Eur. Fr. 693, 2. πάντων μέγιστος πολέμιος (πολεμίων?). Men. IV. 214. μέγιστόν ἐστι θηρίον (l. θηρίων) γυνή. Latine 'summus amicus.'

591. λέγω 'πὶ τοῦτον] Cf. Arist. Nub. 1354. ἐγὼ φράσω 'πειδὴ γὰρ εἰσιτώμεθ'.

593. διώμοτοι] Cf. Tr. 255. διώμοσεν ἢ μὴ δουλεύσειν. 1185.

594. πρὸς ἰσχύος κράτος] Cf. Eur. Med. 538. μὴ πρὸς ἰσχύος χάριν (κράτος?). Sic πρὸς βίαν, πρὸς τὸ βίαιον, πρὸς τὸ καρτερόν, πρὸς χάριν, κατ' ἰσχύον (Arist. Ach. 591. οὐ γὰρ κατ' ἰσχύον ἐστιν).

596. Cf. O. R. 93. τῶνδε γὰρ πλέον | φέρω τὸ πένθος.

598. ἄγαν οὕτω] Cf. El. 884. ὦδ' — ἄγαν. Eur. El. 1105. οὐχ οὕτως ἄγαν | χαίρω τι.

599. τοῦδ' ἐπιστρέφοντο πράγματος] Cf. O. R. 728. ποίας μερίμνης τοῦτ' ἐπιστραφεῖς λέγεις; et ad Aj. 116. Aesch. Ag. 397. τὸν δ' ἐπίστροφον τῶνδε φῶτ' ἄδικον καθαιρεῖ. Diog. L. VI. 2. 58. ἀλλ' οὐτ' ἐκεῖνοι τῶν ὄνων ἐπιστρέφονται οὔτε ἐγὼ ἐκεῖνων.

600. εἶχον ἐκβεβληκότες] Cf. O. R. 701. βεβουλευκῶς ἔχει. Eur. Cycl. 408. πηξάντες εἶχον. χρόνιον —] Cf. O. C. 441. βία | ἤλανέ μ' ἐκ γῆς χρόνιον.

605. ὄνομα δ' ὠνομάζετο] Cf. Eur. Ion. 74. Ἴωνα δ' αὐτὸν — ὄνομα κεκλήσθαι θήσεται καθ' Ἑλλάδα. Her. 86. ὄνομα τί σε, γέρον, Μυκηναῖος ὠνόμαζεν λεώς; Hec. 1271. τύμβω δ' ὄνομα σφῆ κεκλήσεται (τεθήσεται?) — κενὸς ταλαίνης σῆμα. Virg. Aen. III. 693. 'nomen dixere priores Ortygiam.' Liv. I. 1. 'Ascanium parentes dixere nomen.' et ad O. C. 60.

607. ὁ πάντ' ἀκούων ἀσχερὰ —] Cf. 1313. ἤκον' ἄριστα. 1074. O. C. 988. O. R. 903. Arist. Nub. 1329. χαίρω πόλλ' ἀκούων καὶ κακά. Th. 388. καὶ πολλὰ καὶ παντοῖ' ἀκουούσας κακά. 467. Eq. 1276. λωβήτ' ἔπη] Cf. Tr. 538. λωβητὸν ἐμπόλημα.

614. ὁ Λαέρτου τόκος] Cf. Eur. Iph. T. 533. ὁ Λαέρτου γόνος.

617. Cf. El. 932. οἶμαι μάλιστ' ἔγωγε —. Lys. XIII. 9. οἶοιτο δὲ (and he said he thought) καὶ ἄλλο τι ἀγαθὸν παρὰ Λακεδαιμονίων τῇ πόλει εὐρήσεται.

619. ἐφέτω] Cf. 770. El. 1111. Tr. 286. Aj. 116. 991. Aesch. Prom. 4 Arist. Vesp. 242. ἡμῶν ἐφεῖτ' ἐν ὄρω | ἤκειν.

620. τὸ σπεύδειν] Cf. 1252. Ant. 78. Aj. 1143. Tr. 545.

621. εἴ τινος κήδει πέρι] Usitatio constructio est κήδεσθαι τινος. Cf. O. R. 1061. εἴπερ τι τοῦ σαυτοῦ βίον κήδει.

622. ἢ πᾶσα βλάβη] Cf. El. 301. Arist. Av. 431. παιπάλημ' ἄλον. Ach. 909. μικρός — ἀλλ' ἅπαν κακόν.

624. πεισθήσομαι — μολεῖν] Cf. Aesch. Eum. 794. ἐμοὶ πίθεσθε μὴ βαρυστόνως φέρειν.

627. σφῶν δ' ὅπως ἄριστα συμφέροι θεός] Cf. Arist. Eccl. 475.

629. λόγοισι μαλθακοῖς] Cf. O. C. 774. σκληρὰ μαλθακῶς λέγων. Ant. 1194. τί γὰρ σε μαλθάσοιμ' ἄν; Eur. Med. 1052. τὸ καὶ προέσθαι μαλθακούς λόγους. Eur. Fr. 1036. πότερα θέλεις σοὶ μαλθακά φενδῆ λέγω | ἢ σκληρ' ἀληθῆ; φράζε' σὴ γὰρ ἡ κρίσις. Arrian. B. C. I. 72. ἡδὺς ὄν ἐπεὶν κατεκλήλει λόγους μαλακοῖς.

630. ἐν Ἀργείοις μέσοις] Cf. Eur. Hec. 531. εἶπον ἐν μέσοις τάδε.

631. πλεῖστον — ἐχθίστης] Cf. O. C. 743. εἰ μὴ πλεῖστον ἀνθρώπων ἔφην | κάκιστος. Eur. Med. 1320. ὦ μῦσος, ὦ μέγιστον ἐχθίστη γύναι. Alc. 802. τὴν πλεῖστον ἡδίστην θεῶν Κύπρον. Her. 792. μέγιστον — εὐκλειεῖς.

632. ἦ μ' ἔθηκεν — ἄπουν] Cf. O. C. 1357. κᾶθηκας ἄποιν.

633. πάντα δὲ τολμητά] Cf. O. C. 761. ὦ πάντα τολμῶν.

636. δρίζη] Cf. Eur. Hec. 941. καὶ μ' ἀπὸ γᾶς ὤρισεν Ἰλιάδος.

639. πνεῦμα τοῦκ πρόφρας] Hinc opponitur πνεῦμα τὸ κατὰ πρόμνην. ἀνῆ] Remittat. Cf. 764. ἔως ἀνῆ τὸ πῆμα τοῦτο τῆς νόσου. Eur. Or. 227. ὅταν ἀνῆ νόσος | μανίας, ἀναρθρός εἰμι κτλ. Diphil. 88, 2. λύπας, μερίμνας, ἀρπαγᾶς, στρέβλας (κλοπᾶς?), νόσους. Theocr. 18, 27. χειμῶνος ἀνέντος.

645. χωρῶμεν ἐνδοθεν λαβῶν] Cf. Tr. 335. Aesch. Eum. 141. Arist. Av. 204. δευρὶ γὰρ ἐμβᾶς — καλοῦμεν αὐτούς.

646. Cf. Eur. Hec. 962. ἀλλὰ τίς χρεῖα σ' ἐμοῦ; Arist. Ach. 454. τί δ', ὦ τάλας, σε τοῦδ' ἔχει πλέκους χρεός (χρεῖα πλέκους?);

654. Cf. El. 1177. ἦ σὸν τὸ κλεινὸν εἶδος Ἥλέκτρας τόδε;

656. Cf. El. 1454. πάρεσ' ἄρ' ἡμῖν ὥστε κάμφανῆ μαθεῖν; O. C. 386. 570. 1350. Tr. 1152. Eur. Hipp. 705. ἀλλ' ἔστι κακῶνδ' ὥστε σωθῆναι, τέκνον. 1327. Κύπρις γὰρ ἤθελ' ὥστε γίγνεσθαι τάδε. Or. 52. ἐλπίδα δὲ δὴ τίν' ἔχομεν ὥστε μὴ θανεῖν; Aesch. Eum. 202. ἐχρησας ὥστε τὸν ξένον μητροκτονεῖν. Ag. 1395. Dem. p. 376 sq. εἰ ἦν ὥστε ἰδεῖν ἅπαντας. θεᾶν λαβεῖν] Anglice to get a sight. Cf. 536. θεᾶν — λαβόντα.

657. βασιτάσαι] Cf. El. 905. O. C. 1100. Eur. Alc. 916. φίλλας ἀλόχον χεῖρα βασιτάζων. El. 696. Cycl. 379.

663. ὅς γ'] Cf. 139. 1364. ἡλίου τόδε — φάος] Cf. El. 785. τοῦμόν — ψυχῆς — αἷμα. 1390. Ant. 879. οὐκ ἔτι μοι τόδε λαμπάδος ἱερὸν ὄμμα θέμις ὄρᾶν ταλαίνα. Eur. Fr. 816, 10.. τοῦ θανεῖν δ' ἀπειρία | πᾶς τις φοβεῖται φῶς λιπεῖν τόδ' ἡλίον.

666. ἐχθρῶν τ' ἐνερθεν ὄντ' —] Cf. Eur. Med. 920. ἴδοιμι δ'

ὑμᾶς — ἐχθρῶν τῶν ἐμῶν ὑπεριτέρους. Herod. VII. 51. καὶ γὰρ ἄνευ τούτων οἳοί τε εἰμὲν τῶν ἐχθρῶν κατυπέριστεροι γίνεσθαι.

668. Cf. **603**. **El. 343**. ἅπαντα γὰρ σοὶ τὰ μὰ νουθετήματα κτλ.

669. ἀρετῆς ἕκατι] Cf. Tr. 274. ἔργον δ' ἕκατι τοῦδε. 353. τῆς κόρης | ταύτης ἕκατι.

673. Cf. Fr. 501. ὁ χρυσὸς ἦσσαν κτῆμα τοῦ κλαίειν ἂν ἦν.

674. Cf. El. 1491. χωροῖς ἂν εἶσω. Tr. 624. στείχοις ἂν ἦδη.

675. τὸ γὰρ νοσοῦν —] Cf. Arist. Vesp. 1455. ἐπὶ τὸ τρυφῶν.

Eur. Iph. A. 1270. τὸ κείνον βουλόμενον. Thuc. I. 90. 2. Plura dabit F. W. Schmidt. Krit. Stud. I. 252.

676. οὐ μάλα] Cf. ad Arist. Vesp. 118.

677. τὸν πελάταν λέκτρων —] Cf. Tr. 17. πρὶν τῆσδε κοίτης ἐμπελασθῆναί ποτε.

679. δρομάδα] Cf. Eur. Hel. 1301. δρομάδι κώλω.

681. οἶδα κλύων] Cf. O. R. 1142. τότ' οἶσα παῖδά μοί τινα | δούς; O. C. 1171. ἔξαιδ' ἀκούων —. Arist. Eccl. 516. οὐδεμῆ γὰρ δεινότερα σου ξυμμίξασ' οἶδα γυναικί. Arist. Fr. II. 1177. τοῦς Φρύγας οἶδα θεωρῶν | πολλὰ τοιαντὶ — σχηματίζοντας.

684. νοσφίας] Sub. βίου. Cf. 1427. Πάριν — τόξιοι τοῖς ἐμοῖσι νοσφίεις βίου. Aesch. Cho. 438. 491. Eum. 211.

685. ἴσος] Aequeus. Cf. O. R. 677. πορεῦσομαι | σοῦ μὲν τυχῶν ἀγνώτος, ἐν δὲ τοῖσδ' ἴσος.

686. ὠλέκεθ' ὦδ' ἀτίμως] Cf. Aj. 1392. Eur. Iph. A. 933. ἀνάξιν ἠτιμασμένην. Med. 1208. τίς σ' ὦδ' ἀτίμως δαιμόνων ἀπόλεσεν; Aesch. Prom. 195. ἀτίμως — ἀκίχεται.

687. τόδε θαῦμ' ἔχει με] Cf. Hesiod. Th. 588. θαῦμα δ' ἔχ' ἀθανάτους.

688. πῶς ποτε πῶς ποτ' —] Cf. O. R. 1210. Phil. 1095.

ἀμφιπλάκτων] Cf. ad Aj. 596. Ant. 592. El. 484.

689. πανδάκρυτον — βιοτὰν κατέσχευ] Cf. El. 1085. πάγκλυτον αἰῶνα — εἴλου. O. C. 1736. αἰῶνα τλάμον' ἔξω. Tr. 50. πανδάκρυτ' ὀδύρματα. Aesch. Sept. 654. πανδάκρυτον — γένος.

691. πρόσουρος] Affinis, vicinus. Cf. Herod. II. 12. 18. III. 97. etc. ἔν' αὐτὸς ἦν πρόσουρος] Ubi ipse sibi vicinus erat. Ionica forma, ut ἄπουρος, δμουρος, προσόμουρος, etc. Attica forma est πρόσουρος, ut in Xen. Cyr. VI. 1. 17. τὰ πρόσουρα ἑμῖν αὐτοῖς τῆς Ἀσσυρίας. Cf. Lucian. Tim. 43. θεοῖς θνέτω καὶ εὐωχεῖτω μόνος ἐαυτῷ γείτων καὶ δμορος (ubi tamen ἐαυτῷ additum est). Martial. V. 24. 8. 'Hermes suppositicius sibi ipse.' βάσιν] Cf. 1403. τήνδε τ' ἔμπνον βάσιν. 1403. ἀντέρειδε νῦν βάσιν σὴν. 1378. O. C. 199. βάσει βάσιν ἄρμοσαι. Tr. 339. 964. 967. Aj. 8. 19. 42. Eur. Hec. 837. ποδῶν βάσει. 1058. βάσιν θηρὸς — τιθέμενος. Phoen. 311. γήρα τρομερὰν ἔλκω ποδὸς βάσιν. Tro. 334. ποδῶν φέρουσα φιλιτάταν βάσιν. Rhés. 210. βάσιν χεροὶ προσθίαν καθαρομῶσας.

692. ἀγείτονα] Cf. Aesch. Prom. 270. *τυχόντ' ἐρῆμον τοῦδ' ἀγείτονος πάγου.* Eur. El. 1130. *οὕτως ἀγείτον' οἶκον ἰδρῶσαι φίλων;*

693. παρ' ᾧ ἀποκλαύσειεν] Cf. Hom. Il. 17, 640. *εἴη δ' ὅστις ἐταῖρος ἀπαγγείλει τάχιστα.* *στόνον ἀντίτυπον]* I. e. reper-
cussum. Anglice a responsive groan. Eadem verba sunt 1460. Cf. 1460. et ad Ant. 134.

696. αἱμάδα κηκιομένην] Cf. 783. Aesch. Cho. 1012. *φόνου δὲ κηκίς ξὺν χρόνῳ ξυμβάλλεται κτλ.* Hom. Il. 7, 262. *μέλαν δ' ἀνακήκειεν αἷμα.*

698. ἐνθήρου] Efferati. Anglice angry. Cf. Ag. 562. *δρόσοι (δμβροί?) — ιυθέντες ἐνθηρον τρίχα.* Eur. Rhes. 289. Aelian. H. A. VI. 63. *πᾶν ὄσον ἐνθηρον ἦν παραπέμψας.* Confer *ἐμπνος.*

699. κατευνάσειεν] A *κατευνάζειν*, non a *κατευνᾶν*, ut censet Dind. Cf. ad v. str. 684. Cf. Trach. 1253. *πρὶν ἐμπεσεῖν | σπαραγμὸν ἢ τιν' οἴστρον.* *εἴ τῳ ἐμπέσοι]* Cf. 44. *φύλλον εἴ τι νόθονον κατεῖδέ που.* Xen. Anab. V. 7. 26. *μὴ λύσσα τις ἡμῶν ἐμπεπτώκοι.*

700. φορβάδος — γᾶς] I. e. altricis. Cf. Fr. 285. *ἐξ Ὀλένου γῆς φορβάδος κομίζομαι.* Apoll. Rhod. 2, 39. *φορβάδος ἀμφὶ βοός.* Alio sensu de meretrice Fr. 645.

703. παῖς ἄτερ ὡς —] Cf. Aesch. Ag. 81. *παιδὸς δ' οὐδὲν ἀρεῶν — ἀλαίνει.* Eur. Phoen. 861. *λαβοῦ δ' αὐτοῦ, τέκνον, | ὡς πᾶσ' ἀπήνη (ὡς παῖς ιυθήνης?), κτλ.*

704. ἐξανείη] Cf. ad 767.

705. δακέθνυμος ἄτα] Cf. Simonid. 58, 5. *δακέθνυμος ἰδρώς.* Hom. Od. 8, 185. *θυμοδακῆς μῦθος.* Aesch. Ag. 1474. *κράτος — καρδιόδηκτον.* 743. *δηξίθνυμον ἔρωτος ἄνθος.*

706. ἱεραῆς γᾶς] Cf. Hesiod. Th. 866. *ἐν χθονὶ δῆη.*

709. ἀνέρες ἀλφησιταί] Cf. Aesch. Sept. 770. *ἀνδρῶν ἀλφησιτᾶν.* Phrasis Homericā, Od. 1, 349. *ἀνέρες ἀλφησιταί.* 6, 8, 13, 261. *ἀνέρες]* Eadem forma epica producta prima syllaba O. R. 869 Tr. 1011.

711. πτανοῖς τοῖς] Cf. Eur. Herc. 367. *ἐναίρων πτανοῖς βέλεσιν.* 571. *περωτοῖς — τοξεύμασι.*

712. ἀνύσειε σαστρὶ φορβάν] Pararet ventri victum. Cf. 1145. *κοινὰν ἦνυσεν οἷς φίλοις ἀρωγὰν.*

714. οἰνοχύτου — πώματος] I. e. οἶνου. Cf. Tr. 704. *πίονος ποτοῦ | χυθέντος ἐς γῆν βακχίας ἀπ' ἀμπέλου.* Eur. Cycl. 66. *κρηγῆαι παρ' ὕδροχύτοις.* 123. *Βρομίον δὲ πῶμ' ἔχουσιν, ἀμπέλου δόας;* 420. *ἀμπέλων ἀπο θεῖον — πῶμα, Διονύσου γάνος.* 141. 143. 149. 175. 194. Bacch. 279. *βότρνος ὑγρὸν πῶμ' ἤθε κτλ.* Hipp. 210. *πῶς ἀν δροσεραῆς ἀπὸ κρηγίδος | καθαρῶν ὑδάτων πῶμ' ἀρυσάμενη —;* Eur. Fr. 892, 2. *τί δεῖ — πλὴν θνοῖν μόνον | Δήμητρος ἀκτῆς πώματός θ' ὑδρηχόου; οἰνοχύτου —]* Cf. *οἰνοχοεῖν, οἰνοχόος, οἰνοχόη, et κηρόχυτος, ὑδροχύτος (Cycl. 66.), ὑδρη-*

χόος (Eur. Fr. 892, 2.). *πώματος*] Cf. Alex. com. 274. *Λεοβίου δὲ πώματος* (*πόμ. mss.*) | *οὐκ ἔστιν ἄλλος οἶνος ἡδίων πιεῖν.* 230, 3. *ἡδύ γε τὸ πώμα.* *πώματος ἦσθη*] Rara constructio, si sincera est lectio vulgata. Qu. *οἶνοχότω πώμαι ἦσθη.* (Cf. Eur. Iph. T. 374. *παιδὸς ἦσθῆναι βορᾶ.*) Sic *μεθύσκεσθαι νέκταρος* (to get drunk on nectar) Plat. Symp. 203 B. *μεθύειν τῆς ἐλευθερίας* id. Resp. 562 D. Arist. Vesp. 1306. *ὥσπερ καχούων δνίδιον ἠδωχημένον.* Solennis constructio est *ἦδεσθαί τι.* Pro *ἦσθη* qu. *ἦσθη.* *δεκέτει χρόνῳ*] Cf. Tr. 163. *χρόνον — τρίμηνον.* 648. *δυοκαιδεκάμηνον — χρόνον.* O. R. 1137. *τρεις ὅλους — ἐκμήρους χρόνους.* Eur. El. 1153. *φίλαν πατρίδα δεκέτεσιν ἐν σοραῖσιν ἐλθόντ' ἐμάν.* Hel. 781. *χρόνον ἐνιαύσιον.* Aesch. Prom. 94. *τὸν μυριέτη χρόνον.* Eur. El. 1154. *πατρίδα δεκέτεσιν ἐν σοραῖσιν ἐλθόντ' ἐμάν.* Aesch. Ag. 504. *δεκάτου σε φέγγει τῶδ' ἀφικόμην ἔτους.*

716. Cf. O. C. 135. *δν ἐγὼ λεύσσων περὶ πᾶν οὐπω δύναμαι τέμενος γνῶναι ποῦ μοί ποτε ναίει.* *στατὸν*] Stagnans. Anglice stagnant water. Cui opponitur *ῥυτὸν ὕδωρ.* Cf. Fr. 724. *στατοῖς λίκνοισι.* et v. *ἄστατος* (unstable, Com. anon. IV. 615.). Hom. Il. 6, 506. *στατὸς ἵππος.*

717. *πόδ' ἐνώμα*] Cf. Aj. 369. *οὐκ ἐκτός; οὐκ ἄφορρον ἐκνεμεῖ πόδα;* Fr. 678, 11. *νωμᾶ δ' ἐν οἰωνοῖσι τοῦκείνης πτερόν* (sc. *Κύπριδος*). Pind. N. VII. 27. *ἔχρυσιν ἐν Πραξιδάμαντος ἐὸν πόδα νέμων.* Hom. Od. 10, 32. *αλεῖ γὰρ πόδα νηὸς ἐνώμων.*

719. *παιδὸς ὑπαντήσας*] Plerumque *ὑπαντιᾶν* cum genitivo constructur, Pind. P. VIII. 84. Arist. Pl. 770. Qu. *παιδί — ὑπαντήσας.*

720. *εὐδαίμων ἀνύσει*] Cf. ad O. R. 166. *ἠγύσαι' ἐκτοπιᾶν φλόγα πῆματος.*

721. *μέγας ἐκ κείνων*] Cf. Tr. 284. *ἐξ ὀλβίων ἄζηλον εὐροῦσαι βίον.* Eur. Hec. 55. *ἦτις ἐκ τυραννικῶν δόμων | δούλειον ἡμαρ εἶδες.*

722. *ποντοπόρῳ δούραι*] Cf. Aj. 250. *ποντοπόρῳ ναῖ.* Hom. Il. 1, 439. *νηὸς — ποντοπόροιο.*

725. *Μηλιάδων νυμφᾶν*] Cf. Aj. 884. *ἦ τις Ὀλυμπιάδων θεᾶν.* O. R. 1108. *νυμφᾶν Ἐλικωνίδων.*

726. *ὁ χάλκασπις ἀνήρ*] Cf. Eur. Iph. A. 669. *χάλκασπις Ἄρης.*

Σπερχειοῦ — ὄχθας] Cf. Aesch. Sept. 392. *βοᾶ παρ' ὄχθαις ποταμίαις.*

727. *θεοῖς πλάθει*] Cf. ad 113. Eur. Her. 871. *καὶ παῖδα τὸν ἐμὸν πρόσθεν οὐ δοκοῦσ' ἐγὼ | θεοῖς ὀμιλεῖν νῦν ἐπίσταμαι σαφῶς.* Rhcs. 778. *κλῶπας δοκήσας συμμάχων πλάθειν τινάς.*

733. *τί ἐστιν;*] Cf. 753. Aj. 873.

735. *κουφίζειν*] I. q. *ὀφίων εἶναι.* Cf. Eur. Or. 43. *διαν μὲν σῶμα κουφισθῆ νόσον.* Eur. Hel. 1555. *καὶ τᾶλλα μὲν δὴ ῥαδίως εἶσω νεῶς | ἐθέμεθα κουφίζοντα (κοῦφά γ' ὄντα?).* Hesiod. Op. 463. *κουφίζοντα ἄρουραν.* Sic *ἐλαφρίζειν* (Eur. Fr. 530, 8. *ὡς ἐλαφρίζον γόνυ | ἔχοιεν*), *γαληνίζειν*, etc.

741. φαίνει κυρῶν] Cf. 371. 544.

745. παπαῖ παπαῖ] Cf. 754. Arist. Nub. 390.

747. πρόχειρον εἶ τί σοι — πάρα] Anglice ready at hand. Cf. El. 116. πρόχειρον ἄχθος. Aesch. Prom. 54. καὶ δὴ πρόχειρα ψάλια δέρεσθαι πάρα. Eur. El. 696. πρόχειρον ἔγχος χειρὶ βασιτάζουσι' ἐμῆ.

749. ἀπάμησον πόδα] Cf. Hom. Od. 21, 300. ἀπ' οὐατα χαλκῶ | ῥίνάς τ' ἀμήσαντες. Aesch. Fr. 244. ὦ πόνος, ἀφήσω (l. ἀμήσω) σε. Eur. El. 1023. δῆμησο'. Similiter Theodectis Philoctetes exclamat κόψατε τὴν ἐμὴν χεῖρα.

752. Cf. Eur. Her. 127. τί δῆτ' ἰνυμῶν ἦδ' ἐδεῖτο συμφροδᾶ;

755. ἐπίσαγμα — νοσήματος] Onus morbi. Cf. Aj. 360. Aesch. Ag. 760. πειρασόμεσθα πῆμ' ἀποστρέψαι νόσον.

756. δεινὸν γὰρ —] Cf. O. R. 1117. ἔγνωκα γὰρ, σάφ' ἴσθι. Δαῖτον γὰρ ἦν κτλ. Tr. 409. Arist. Nub. 679.

758. ἦκει] Redit.

759. Cf. 807. ὡς ἦδε μοι | ὄξεϊα φοιτᾶ καὶ ταχεῖ' ἀπέρχεται.

760. δύστηνε — φανείς] Per attractionem positum ad praeced. ἰὼ δύστηνε σύ. El. 1163. ὡς μ' ἀπώλεσας, | ἀπώλεσας δῆτ'.

764. ἕως ἀνῆ] Cf. Tr. 148. ἕως — κληθῆ. Aj. 555. ἕως — μάθης. O. C. 77. ἕως — λέξω. ἀνῆ] Cf. 639. Hippocr. de intern. affect. II. p. 217. ἔπειτα ἀνῆκεν ὁ νόσος καὶ αὐτὸς ἐπέλαβεν ὄξυς δι' ὀλίγον. Eur. Or. 227. ὅταν ἀνῆ νόσος | μανίας, ἀναρθρός εἰμι κάσθενῶ μέλη. Alex. III. 389. ὥσπερ πυρετὸς ἀνῆκεν. Arist. Ach. 230. κοῦκ ἀνήσω πρὶν ἂν κτλ.

765. τὸ πῆμα — τῆς νόσου] Cf. Aj. 363. τὸ πῆμα τῆς ἄτης. Aesch. Ag. 850. τεμόντες — πειρασόμεσθα πῆμ' ἀποστρέψαι νόσον. Hom. Od. III. 152. πῆμα κακοῖο.

766. λαμβάνει — ὕπνος μ'] Cf. Aj. 676. οὐδ' αἰεὶ λαβὼν ἔχει (ὕπνος). Eur. Ion. 315. ἔν' ἂν λάβῃ μ' ὕπνος. Theophr. Char. 7. ὄπως ἂν ἡμᾶς ὕπνος λάβῃ. 25. Alex. III. 511.

771. ἐκόντα μῆτ' ἄκοντα] Cf. O. R. 1230. κακὰ — ἐκόντα κοῦκ ἄκοντα. et ad Aj. 1232. Aesch. Ag. 532. Πάρις γὰρ οὔτε συντελὴς πόλις | ἐξεύχεται κτλ. Cho. 291. δέχεσθαι δ' οὔτε συλλύειν τινά. Pind. P. III. 30. ἐργοῖς οὔτε βουλαῖς. Eur. Hec. 372. μῆτερ, σὺ δ' ἡμῖν μηδὲν ἐμποδῶν γένη | λέγουσα μῆτε (μηδὲ?) δρωῶσα.

773. πρόστροπον] Supplicem. I. q. προστρέπαιον. Cf. O. R. 41. Aj. 588.

776. τὸν φθόνον δὲ πρόσκυσον] Cf. ad El. 1466. Aesch. Ag. 904. φθόνος δ' ἀπέστω. Prom. 936. οἱ προσκυνοῦντες τὴν Ἀδράστειαν σοφοί. Eur. Alc. 1135. ἔχεις φθόνος δὲ μὴ γένοιτό τις θεῶν. Rhés. 342. Ἀδράστεια μὲν — εἰργοὶ στομάτων φθόνον. 468. σὺν δ' Ἀδραστεία λέγω. Plat. Resp. V. 451 A. προσκυνῶ δὲ Ἀδράστειαν — χάριν οὐ μέλλω λέγειν. Dem. p. 782, 8. Ἀδράστειαν μὲν ἀνθρώπος ὧν ἔγωγε προσκυνῶ. Pind. Isth. VII. 55. ὁ δ' ἀθανάτων

μὴ θρασυτέω φθόνος. Herod. VII. 10. ἱπεάν σοι ὁ θεὸς φθονήσας
φρόβον ἐμβάλη ἢ βροντὴν κτλ. VII. 46. ὁ δὲ θεὸς, γλυκὴν γεύσας
τὸν αἰῶνα, φθονερός ἐν αὐτῷ εὐρίσκειται ἔων. Alciphr. Epist. I. 33.
προσκυνῶ δὲ τὴν Νέμεσιν.

782. Cf. Ant. 278. μὴ θεήλατον | τοῦργον τόδ' ἢ ξύννοια βου-
λεύει πάλαι. Aesch. Cho. 211. τοῖς θεοῖς τελεσφόρους εὐχὰς ἐπαγ-
γέλλουσα τυγχάνειν καλῶς. Ag. 947. Ζεῦ Ζεῦ τελειε, τὰς ἐμὰς εὐχὰς
τέλει. Eur. Phoen. 69. μὴ τελεσφόρους | εὐχὰς θεοὶ κραίνωσιν.
Theogn. 341. ἀλλὰ, Ζεῦ, τέλεσόν μοι, Ὀλύμπιε, καίριον εὐχῆν.
Similiter Eur. Iph. T. 627. μάταιον εὐχῆν, ὦ τάλας, δοτις ποί'
εἶ, | ἠύξω.

783. κηκῖον αἶμα] Cf. 696. Aesch. Ch. 1012. φόνον — κηκίς.
268. Ag. 960. Hom. II. 7, 262. μέλαν δ' ἀνεκήκισεν αἶμα.

784. καὶ τι προσδοκῶ νέον] Cf. Eur. Suppl. 99. προσδοκῶ
τι νέον.

785. παπαῖ φεῦ] Cf. 792. φεῦ παπαῖ. Eur. Alc. 226. παπαῖ
φεῦ, παπαῖ φεῦ, ἰὼ ἰὼ. Arist. Vesp. 310. ἀπαπαῖ φεῦ, ἀπαπαῖ φεῦ.

788. οἶμοι μοι τάλας] Eadem verba occurrit Arist. Pac. 257.
Epicharm. Fr. 82, 3. Sic ἰὼ μοι μοι Eur. Med. 97. 115. Arist.
Nub. 1259. Cf. O. C. 982. οἶμοι μοι κακῶν.

789. οὐδαμῆ] Cf. ad Ant. 874. Arist. Lys. 733. μὴ διαπετάννυ
μηδ' ἀπέλθης μηδαμῆ (μηδαμῆ R.).

791. ὦ ξένε —] Simile trimetri initium est Eur. Or. 113. καὶ
λαβὲ χάσας τάσδ' κτλ. Omnino dactylus in hac sede, etiam quando
ex integro vocabulo constat, perrarus est, ut monuit Wunderus
in Adv. p. 24, qui tria tantum exempla novit, Aesch. Cho. 986.
Soph. Aj. 846. Fr. 523. (in quibus omnibus nomen ἥλιος occurrit),
et Phil. 1392. οὐδέποθ' ἐκόντα γ', ὥστε τὴν Τροίαν ἰδεῖν. De ana-
paestorum in hac sede etiam rariore usu cf. ad Ph. 795. διαμ-
περὲς στέρων] Cf. Aesch. Prom. 65. στέρων διαμπαξ. Eur. Bacch.
992. λαιμῶν διαμπαξ. 1012. Aesch. Sept. 564. ἰκνεῖται λόγος (φόβος?)
διὰ σιγητέων, | τριχὸς δ' ὀρθίας (ὀρθίος Wakef.) πλόκαμος ἴσταιται.
Ag. 791. δῆγμα δὲ λύπης οὐδὲν ἐφ' ἧπαρ προσικνεῖται. Tr. 1083.
διῆξε πλευρῶν. 568. Phil. 743. διέρχεται.

792. ἄλγησις] Cf. Tr. 482. τὸ σὸν | μὴ στέρον ἀλγύνοιμι τοῖσδε
τοῖς λόγοις. Arist. Th. 147. τὴν δ' ἄλγησιν οὐ παρεσχόμην. Voca-
bulum etiam apud Tragicos raro occurrens, ubi formae usitatae
sunt ἄλγος et ἄλγηδών. φεῦ παπαῖ] Cf. Eur. Alc. 226. παπαῖ
φεῦ, παπαῖ φεῦ, ἰὼ ἰὼ.

793. Cf. El. 1416. ὦμοι μάλ' αὐθις. 1410. ἰδοὺ μάλ' αὐθις.
O. C. 1477. 1731.

794. Poeta, si ita voluisset, scribere potuisset *Μενέλαος*, Ἄγα-
μέμνων τε, κτλ. Cf. Aj. 1302. βασιλεία, Λαομέδοντος κτλ. Eur. Or.
459. ἀπωλόμην Μενέλαε· Τυνδάρεως ὄδε | στείχει κτλ. Iph. A. 1168.
Ἐλένην Μενέλαος ἴνα λάβῃ, κτλ.

795. τὸν ἴσον χρόνον —] Cf. 1114. ἰδοίμαν δέ νιν — τὸν ἴσον χρόνον ἐμὰς λαχόντ' ἀνίας. Rari sunt anapaesti in tragico senario nisi ubi tres syllabae in uno eodemque vocabulo occurrunt, aut ubi senarium inchoat praepositio aut articulus, ut in Eur. Or. 896. ἐπὶ τῷδε δ' ἠγόρευε Διομήδης ἀναξ. 1336, Alc. 376. Iph. A. 646. 1199. Bacch. 334. 502. 1189. 1245. Hel. 844. 1250. Herc. 940. V. Elmsl. ad Her. 1014. Ion. 1347. ὁ θεός σ' ἐβούλει' κτλ. et cf. ad Aj. 58. 571. τρέφοιτε τήνδε τὴν νόσον] Cf. Aj. 643. ἄταν — ἂν οὐπω τις ἐθρῆεν. 503. λατρείας — τρέφει. 854. Ant. 533. O. R. 98.

799. ὦ τέκνον, ὦ γενναῖον] Cf. ad Arist. Ach. 475. Εὐριπίδιον, ὦ γλυκύτετον καὶ φίλτατον. Lys. 872. ὦ γλυκύτετον Μυρρινίδιον. 889. ὦ γλυκύτετον οὐ τεκνίδων κακοῦ πατρός. Eq. 725. ὦ Δημίδιον, ὦ φίλτατον. Eur. Cycl. 266. ὦ κάλλιστον, ὦ Κυκλώπιον.

800. Δημιῶ — πυρὶ] Cf. Aristoph. Lys. 299. Lycophr. 227. τεφρώσας γυῖα Δημιῶ πυρὶ. ἀνακαλουμένῳ] Cf. Eur. Phoen. 613. μολῶν ἐς Ἄργος ἀνακάλει Λέωνης ὕδωρ.

803. τοῦτ' ἐπηξίωσε δρᾶν] Cf. El. 1274. ἰὼ — φιλτάταν ὁδὸν ἐπαξιώσας ὠδέ μοι φανῆναι.

805. τί φῆς; τί σιγᾶς;] Cf. 951. τί φῆς; σιωπᾶς; Eur. Fr. 1008. Arist. Th. 144. Lys. 70. Plut. com. 188 K. ποῦ ποτ' ὦν, τέκνον, κυρεῖς;] Cf. El. 1408. Αἴγισθε, ποῦ ποτ' ὦν κυρεῖς;

806. πάλαι δὲ] Cf. O. C. 1628. Aesch. Prom. 977.

807. θάρσος ἴσῃ] Cf. 597. 104. El. 412. ἔχεις τι θάρσος τοῦδε τοῦ τάρβους πέρι;

808. ταχεῖ' ἀπέροχεται] Cf. Aj. 1266. Aesch. Pers. 740. φεῦ, ταχεῖά γ' ἦλθε χρησμοῶν προᾶξις.

809. ἀντιάζω] Cf. El. 1009. ἀλλ', ἀντιάζω, κατάσχες δργήν.

810. φρόνει] Sub. μενοῦντά με. Cf. Tr. 289. φρόνει νιν ὡς ἦξοντα.

811. οὐ μὴν σ' ἐνορκόν γ'] Cf. O. R. 810. οὐ μὴν ἴσῃν γ' ἔτισεν. ἐνορκον — θέσθαι] Cf. 72. ἐνορκος οὐδενί. O. R. 369. θεῶν τ' ἐνορκον δίκαν. O. C. 650. οὗτοι σ' ὑφ' ὄρκου γ' ὡς κακὸν πιστώσομαι. Eur. Suppl. 1229. καὶ τόνδ' ἐν ὄρκοις ζεύξομαι. Herod. III. 19. ἐν ὄρκίοισι μεγάλοισι ἐνδεδέσθαι?

812. ὡς οὐ θέμις γ' —] Non enim fas est etc. Haec ad μενοῦμεν spectant.

813. ἔμβALLE χειρὸς πίστιν] Cf. O. C. 1632. δός μοι χειρὸς σῆς πίστιν ἀρχαίαν (l. ἀρκέσειν) τέκνοις. Tr. 1181. ἔμβALLE χεῖρα δεξιᾶν πρώτιστά μοι. | ΥΔ. ὡς πρὸς τί πίστιν τήνδ' ἄγαν ἐπιστρέφεις (οὔτω σέβεις?); Arist. Ran. 754. ἔμβALLE μοι τὴν δεξιᾶν. Vesp. 550. ἐμβάλλει μοι τὴν χεῖρα. ἐμβάλλω μενεῖν] Sub. πίστιν χειρός.

815. τί τὸν ἄνω λεύσσεις κύκλον;] Cf. Arist. Av. 1671. τί δῆτ' ἄνω κέχηνας αἰκίαν βλέπων;

817. ἀπό μ' ὀλεῖς] Tmesis ut in 1158. 1177. 1207. Cf. Tr. 1007. πᾶ μόν φαύεις; — ἀπολεῖς μ' ἀπολεῖς.

819. δέξαι θανάσιμόν μ'] Cf. Aj. 517. Ἴδον θανασίμους οἰκήτορας. O. R. 959. Tr. 1161. Ἴδον φθίμενος οἰκήτωρ. 282.

820. ὀρθοῦσθαι] Cf. Eur. Rhes. 799. ὀδύνη με τέρει, κοῦκέτ' ὀρθοῦμαι τάλας.

821. οὐ μακροῦ χρόνου] Cf. El. 397. μέτεισιν — οὐ μακροῦ χρόνου. O. C. 397. ἥξοντα βαιοῦ κοῦχι μυρίον χρόνον.

823. Cf. Eur. Herc. 934. ἀφρόν κατέσταζ' εὐτρίχου γενειάδος.

824. παρερρωγεν] Cf. Arist. Ran. 412. χιτωνίου παραρρωγέντος. Thuc. IV. 96. V. 73. VI. 70. Theophr. Char. 6.

825. αἰμορραγῆς φλέψ] Cf. Aesch. Fr. 230. σοὶ δ' οὐκ ἔνεστι κῆκυσ οὐδ' αἰμῶρροτοι φλέβες. Confer πυρορραγῆς Ach. 933. αἰμοβαφῆς Aj. 219. αἰμοσταγῆς Eur. Fr. 384, 3.

826. εἰς ὕπνον πέσῃ] Cf. Aesch. Prom. 477. εἴ τις ἐς νόσον πέσοι. Eum. 68. ὕπνω πεσοῦσαι (?).

827 sq. Cf. Eur. Or. 205. ὦ φίλον ὕπνον θέληγτρον, ἐπίκουρον νόσου, | ὡς ἡδύ μοι προσῆλθες ἐν δέοντί τε. | ὦ πότνια λήθη τῶν κακῶν κτλ. Cycl. 605. οὐ δ', ὦ μελαίνης Νυκτὸς ἐκπαίδενμ' Ὕπνε, | ἄκρατος ἔλθῃ θηρὶ τῷ θεοστυγεῖ.

828. εὐαἰῆς] Vocativus. Cf. Aj. 695. Eur. Fr. 773, 36. ἀνέμων τ' εὐαέσων ῥοθίους. Herod. II. 117. 2. εὐαεῖ ἀνέμῳ χρησόμενος. Prop. El. I. 3. 7. 'mollem spirare quietem'. Contra Hom. II. 23, 200. δυσαιῆς Ζέφυρος. Od. 13, 99.

829. εὐαίων —] Cf. Eur. Ion. 125. ὦ Παιῖν, ὦ Παιῖν, εὐαίων εὐαίων εἴης, ὦ Λατοῦς παῖ.

830. ὄμμασι δ' ἀντίστοιχος —] Lege ὀμμάτων δ' ἰντέστοιχος (et in v. ant. 846. πέμπτε φάμαν λόγων). Cf. O. C. 1651. ὀμμάτων ἐπίστοικιον | χεῖρ' ἀντέστοιχα κρατός. Hom. Od. 4, 115. χλαῖναν πορφυρέην ἀντ' ὀφθαλμοῦν ἀναστοχών.

831. αἶγλαν] Cf. ad Ant. 610. Eur. Tro. 550. σέλας πυρὸς μέλαιναν αἶγλαν (ἀγλὴν Herw.) ἔδωκεν ὕπνω. τέταται] Obducta est. Cf. Ant. 124. τοῖος ἀμφὶ νῶτ' ἐτάθη πάταγος Ἄρεος. Theogn. 1077. ὄρφνη γὰρ τέταται. Hesiod. Op. 547. ἀῆρ πυροφόρος τέταται μακάρων ἐπὶ ἔργοις. Hom. Od. 11, 19. νῦξ τέταται βροτοῖσιν. Hom. II. 16, 123. τῆς δ' αἶψα κατ' ἀσβέστη κέχνητο φλόξ. II. 5, 127. ἀγλὴν δ' αὖ τοι ἀπ' ὀφθαλμῶν ἔλον ἦ προῖν ἐπῆεν. Hesiod. Th. 726. ἀμφὶ δέ μιν νῦξ | τριστοιχεῖ κέχνηται περὶ δειρήν. Sapph. Fr. 80. ὀφθαλμοῖς δὲ μέλας χύτ' ἄωρος (somnia). Aesch. Pers. 669. Στυγία γὰρ τις ἐπ' ἀγλῆς πεπόταται (πέταται δὴ αὐτὴ κέχνηται δὴ?). Eur. Hec. 904. ἦμος ἐκ δειπνῶν ὕπνος ἡδὺς ἐπ' ὄσοις κίδναται (i. q. χεῖται).

832. ἴθι μοι παιῶν] Cf. Aesch. Ag. 99. παιῶν τε γενοῦ τῆσδε μερίμνης. Arist. Pl. 636. Diphil. com. IV. 418. τούτων δ' θάνατος καθάπερ ἰατρὸς φανεῖς | ἀνέπαυσε τοὺς ἔχοντας.

833. ποῦ στάσει, ποῖ δὲ βάσει;] Cf. Aj. 1237. ποῦ σταντός ἦ ποῦ (i. ποῖ) βαντός —; Eur. Alc. 863. ποῖ βῶ; πᾶ σῶ; Hec. 1062.

834. [τάντεῦθεν] Schol. τὰ μετὰ ταῦτα. Cf. El. 1139. πῶς οὖν ἔχει τάντεῦθεν εἰσόντι μοι; 1307. οἶσθα μὲν τάνθενδε. Herod. I. 9. σοὶ μελέτω τὸ ἐνθεῦτεν, ὅπως μὴ σε ὄψεται κτλ. 27. τὸ ἐνθεῦτεν ἐπενόεε — ἐπιχειροῦεν κτλ.

837. καιρὸς τοι —] Cf. El. 75. Pind. P. IX. 135. ὁ δὲ καιρὸς ὁμοίως παντός ἔχει κορυφάν. Hesiod. Op. 694. καιρὸς δ' ἐπὶ πᾶσιν ἄριστος. πάντων γνώμαν ἴσχω] I. e. πάντα γινώσκων. Cf. 853. εἰ ταύταν τούτων γνώμαν ἴσχεις. El. 214. τούτων γνώμας προδιδάσκειν. Respondere notandum est simile γνώμαν ἴσχεις (853).

838. πολὺ — κράτος ἄρνυται] I. e. πολὺ νικᾷ. Cf. Herod. III. 38. πολὺ τι καλλίστους — νόμους. ἄρνυται] Cf. Ant. 903. Tr. 711.

841. τοῦδε γὰρ ὁ στέφανος] Cf. Arist. Eq. 277. ἡμέτερος ὁ ψυραμοῦς. 1253. σὸν τὸ νικητήριον.

842. αἰσχρὸν ὄνειδος] Cf. Aj. 1191. δύστανον ὄνειδος Ἑλλάνων.

846. πέμπε λόγων φάμαν] Cf. 1445. ὦ φθέγμα ποθεινὸν ἐμοὶ πέμψας. 1459. O. R. 149. Φοῖβος δ' ὁ πέμψας τάδε μαντείας κτλ. 278. El. 460. 1155. ἧς φήμας λάθρα προὔπεμψες. Ant. 1287. ὦ κακάγγελτά μοι προπέμψας ἄχη (ἔπη?). Phil. 1266. Patrocl. trag. 1, 3. πόλλ' ἀπειλοῦμεν μάτην | δεινὸς ἐπ' ἀλλήλοισι πέμποντες λόγους. Eur. Hipp. 157. φάμαν πέμπων βασιλεία. Or. 615. εἰς οὓς ἀεὶ πέμπουσα μύθους. 1219. λόγους πέμψας' ἔσω. Plat. com. 51, 3. γλώτταν ἀγαθὴν πέμπετε. Diog. L. VII. 55. φωνή — ἐναρθρὸς καὶ ἀπὸ διανοίας ἐκπεμπομένη. φάμαν] Vocem. Cf. Aesch. Sept. 866. Suppl. 697. Eur. Hipp. 573.

847. ἐν νόσῳ] Sub. ὄντων. Cf. Aj. 271. ἡνίκ' ἦν ἐν τῇ νόσῳ.

849. δύναι] Cf. Phil. 849. Sic ἐπίστα Aesch. Eum. 86. 581.

853. γνώμαν ἴσχεις] His respondent verba γνώμαν ἴσχω in v. str. 837. Cf. El. 214. οὐ γνώμαν ἴσχεις (non intelligis) ἐξ οἴων —.

854. Cf. 797. Fr. 626. ἀλλ' ἔσθ' ὁ θάνατος λοῖσθος (λαῖσθος recto Nauck.) ἰατρὸς κακῶν.

856. ἀνόμματος] Cf. μονόμματος Cratin. II. 100. ἀχρήματος, etc.

861. Cf. Eur. Med. 28. ὡς δὲ πέτρος ἢ θαλάσσιος | κλύδων ἀκούει ρουθουμένη φίλων (i. e. οὐκ ἀκούει).

862. ὄρα, βλέπει] Cf. 866.

865. ἀφρεσάναι φρενῶν] I. q. ἐξεσάναι φρενῶν. Cf. Eur. Or. 1021. ἐκσιῆναι φρενῶν. Bacch. 359. ἐξεστῶς φρενῶν.

866. ἀνάγει] Tollit. Cf. Aj. 131. ὡς ἡμέρα κλίνει τε κἀνάγει πάλιν | ἅπαντα τάνθρωπεια.

867. ὦ φέγγος ἕπνον διάδοχον] Cf. Aesch. Prom. 464. θνητοῖς μέγιστον διάδοχοι μοχθημάτων. 1027. διάδοχος τῶν σῶν πόνων. Eur. Hec. 585. λύπη τις ἄλλη διάδοχος κακῶν κακοῖς. Suppl. 72.

ἀγών — γών γόος διάδοχος. Andr. 802. ὡς κακὸν κακῶ (κακοῦ?) | διάδοχον ἐν τῇδ' ἡμέρᾳ πορσύνεται. Hyperid. Epitaph. 145. ὑπὲρ ὧν ἀπάντων οὗτοι πόνους πόνων διαδόχους ποιούμενοι — τὸ ζῆν ἀνήλωσαν. De articulo post ὦ posito cf. 987. El. 504. Aj. 861.

868. οἰκούρημα] Cf. Eur. Or. 928. Med. 49.

869. Cf. Ant. 390. O. C. 748. Aesch. Prom. 710. οὔποι' ἠῦχον ξένους μολεῖσθαι λόγους ἐς ἀκοὰν ἐμάν. Ag. 508. οὐ γάρ ποτ' ἠῦχον — μεθέξειν. Suppl. 334. ἐπεὶ τίς ἠῦχει — κέλσειν; Eum. 554. Eur. Her. 931. οὐ γάρ ποτ' ἠῦχει χείρας ἕζεσθαι σέθεν. Hel. 1619. οὐκ ἂν ποτ' ἠῦχον — ἡμᾶς (l. ἐμ' ἂν) λαθεῖν | Μενέλαον.

872. εὐπειῶς — ἐνεργεῖν] Qu. εὐλόφως —. Cf. Eur. Fr. 175. ὄσις δὲ πρὸς τὸ πῖπτον εὐλόφως (εὐλόφως?) φέρει | τὸν δαίμον' κτλ.

873. ἀγαθοὶ στρατηλάται] Ironice dictum. Cf. Ant. 31. τὸν ἀγαθὸν Κρόντα.

874. Cf. 384. El. 589. τοὺς — εὐσεβεῖς καὶ εὐσεβῶν βλαστώντας. Aj. 1304. Fr. 103. δεινὸν γε τοὺς μὲν δυσοσεβεῖς κακῶν τ' ἄπο | βλαστόντας — πράσσειν καλῶς. Eur. Orest. 1676. εὐγενὴς ἀπ' εὐγενοῦς. Rhes. 833. ἐσθλὸς ἐσθλοῦ. Andoc. p. 14, 109. ἀγαθοὶ ἐξ ἀγαθῶν. Xen. Ages. I. 2. καὶ τούτοις — ἐκ βασιλέων βασιλεῦσιν. Theocr. 22, 56. μήτ' ἀδίκους μήτ' ἐξ ἀδίκων. Plat. Phaedr. 274 A.

875. ταῦτ' ἐν εὐχερεῖ ἔθου] Cf. 473. ἀλλ' ἐν παρέργῳ θεοῦ με. 451. ποῦ χρῆ τίθεσθαι ταῦτα; 498. O. R. 287. Eur. Hel. 1227. ἐν εὐμαρεῖ. 1277. ἐν εὐσεβεῖ. El. 550. ἐν δὲ κιβδήλῳ τόδε. Hec. 806. ταῦτ' οὖν ἐν αἰσχυρῶ θέμενος. Theocr. 22, 212. οὕτω Τυνδαρίδαις πολεμιζέμεν οὐκ ἐν ἔλαφρῳ. Herod. I. 118. οὐκ ἐν ἔλαφρῳ ἐποιεῦμην.

876. ἴσεται] Tollitur. Anglice is raised. Cf. Eur. Her. 73. ἔα ἔα· τίς ἢ βοῆ βωμοῦ πέλας | ἔστηκε;

878. κακοῦ — ἀνάπαυλα] Cf. El. 874. κἀνάπαυλαν ὧν | πάροιδεν εἶχες — κακῶν. Eur. Fr. 912, 13. εὐρεῖν μόχθων ἀνάπαυλαν. Hipp. 190. ἀνάπαυσις πόνων.

880. ἦνίκα' ἂν κόπος μ' ἀπαλλάξῃ] Cf. Eur. Hipp. 772. ἀπαλλάσσοσά τ' ἀλγεινὸν φρενῶν | ἔρωτα.

881. ἐπίσχωμεν τὸ πλεῖν] Cf. 349. οὐ πολὺν | χρόνον μ' ἐπέσχω μὴ με ναυστολεῖν ταχύ. 1241. ἔστιν ὅς σε κωλύσει τὸ δρᾶν.

882. παρόντα νῶν] Cf. 877. πάρεσι' Ὀρέστης ἡμῖν. Ph. 564. ἄγγελος πάρεμί σοι. O. R. 648.

883. ἐμπνέοντ' ἔτι] Cf. Aj. 417. οὐκ ἔτ' ἀμπνοὰς ἔχοντα. Aesch. Ag. 622. Eur. Alc. 205. σμικρὸν ἐμπνέουσ' ἔτι. Hipp. 1246. βραχὺν διη βίσιον ἐμπνέων ἔτι. Phoen. 1428. ἔτι γὰρ ἐμπνέων βραχύ. Or. 155. ἔτι μὲν ἐμπνέει. Fr. 936. οὐκ, ἀλλ' ἔτ' ἐμπνουν Ἀΐδης μ' ἐδέξατο.

884. συμβόλαια] Cf. Eur. Ion. 423. ἃ τε συμβόλαια πρόσθεν ἦν | ἐς παῖδα τὸν σὸν μεταπέσοι βελτίονα. Herod. V. 92. πιστὸν γὰρ οἶ ἦν τὸ συμβόλαιον.

885. πρὸς τὰς παρούσας ξυμφορὰς] Cf. Eur. Hel. 328. πρὸς τὰς τύχας τὸ χάριμα τοὺς γόους τ' ἔχε. Thuc. I. 140. πρὸς τὰς ξυμφορὰς καὶ τὰς γνώμας τρεπομένους.

889. αἰνῶ τάδ', ὦ παῖ] Cf. Eur. Herc. 275. γέροντες, αἰνῶ.

890. βαρυνθῶσιν κακῆ δσμῆ] Cf. Fr. 635. δσμῆ μόνον δπως μὴ βαρυνθῆσεν θεῶ μου (ex Philocteta τῶ ἐν Τροίᾳ sumptum). Herod. VI. 119. ὀδμήν παρεχόμενον βαρέαν.

895. τοῦνθένδε] Cf. Eur. Med. 773. ὤμωξα δ' οἶον ἔργον ἔστ' ἐργαστέον | τοῦντεῦθεν ἡμῖν. Iph. T. 91. τὸ δ' ἐνθένδ' οὐδὲν ἐρρήθη πέρα. Hec. 725. τοῦνθένδε οἰγῶμεν. Hipp. 336. οἰγῶμ' ἄν ἦδη. Cycl. 134. πᾶν δέ σοι δρώμεν ἄν.

896. ποῖ ποί' ἐξέβης λόγων;] I. q. quo tendit oratio tua? Cf. El. 1174. ποῖ λόγων ἀμηχανῶν | ἔλθω; Ant. 1342.

897. ἔπος] I. e. rem. Cf. O. R. 1144.

899. ἐνθάδ' — τοῦδε τοῦ πάθους κυρῶ] Cf. Aesch. Cho. 891. ἐνταῦθα γὰρ δὴ τοῦδ' ἀφικόμεν κακοῦ.

900. οὐ δὴ —;] Cf. Tr. 668. οὐ δὴ τι τῶν — δωρημάτων; Pro usitatori οὐ δὴ ποτε, El. 1108. Tr. 876. δυσχέρεια τοῦ νοσήματος] Cf. 473. δυσχέρεια μὲν πολλή τοῦδε τοῦ φορήματος (νοσ.?).

902 sq. Cf. Tr. 384. λαθραῖ' δε ἀσκει μὴ πρόποντ' αὐτῶ (πρόπονθ' αὐτῶ Steph.) κακά. προσεικότα] Cf. El. 618. Eur. Bacch. 1284. προσεικέναί. Arist. Eccl. 1161. προσεικέναί.

904. Cf. El. 618. ἔξωρα πράσσω κοῦκ ἐμοὶ προσεικότα.

910. κακὸς γνώμην] Cf. Aj. 964. οἱ κακοὶ γνώμαιοι. El. 546. κακοῦ γνώμην πατρός. 472. O. R. 1086. κατὰ γνώμαν ἴδρις.

912. λιπὼν μὲν οὐκ ἔγωγε] Cf. 1389. El. 905. δυσφημῶ μὲν οὐ, | χαρᾶ δὲ πίμπλημ' κτλ. 1036. ἀτιμίας μὲν οὐ, προμηθίας δὲ σοῦ. Tr. 458. τὸ μὴ πυθέσθαι, τοῦτό μ' ἀγλύνειεν ἄν. O. R. 1163. ἐμὸν μὲν οὐκ ἔγωγε. 407. O. C. 504. 639.

915. οὐδὲν σε κρύψω] Cf. El. 957. οὐδὲν γὰρ σε δεῖ κρύπτειν μ' ἔτι. Arist. Pl. 26. οὐδὲν σε κρύψω.

917. τί εἶπας] Cf. Tr. 1203. τί εἶπας; Sic τί ἔστιν; Ph. 733. 753. τί οὖν Phil. 100. Aj. 873. Aesch. Eum. 902. Suppl. 306. Pers. 787. Sept. 218. 704.

919. σῶσαι κακοῦ —] Cf. Ant. 1162. σῶσας μὲν ἐχθρῶν τήνδε Καδμείαν πόλιν. El. 1133. κἀνασῶσασθαι φόνου.

921. καὶ —;] Cf. Ant. 1102. El. 1046.

927. ὦ πῦρ σὺ —] Cf. O. C. 761. ὦ πάντα τολμῶν κάπυ παντὸς ἄν φέρων | λόγου δικαίου μηχάνημα ποικίλον. πᾶν δεῖμα] Merus terror, i. e. omnino terribilis. Cf. El. 301. ἡ πᾶσα βλάβη. Phil. 623. Arist. Th. 787. ὡς πᾶν ἐσμέν κακὸν ἀνθρώποις.

928. τέχνημ'] Cf. Aesch. Fr. 338 D. κάπηλα προσφέρων τεχνήματα. Eur. Iph. T. 1355. δόλια τεχνήματα.

931. τὸν βίον] Victum. Cf. 933. 1282. Arist. Pac. 1212. ἀπώλεσάς μου τὴν τέχνην καὶ τὸν βίον. Eodem sensu βιοτή 164. 1159. Cf. O. C. 747. βιοστέρη.

932. Cf. 924. 950. 981. Eur. Andr. 841. τί μοι ξίφος ἐκ χειρὸς ἡγρεύσω; | ἀπόδος, ὦ φίλη, ἀπόδος, ἴν' ἀνταίαν ἐρείσω πλαγάν.

933. τὸν βίον με μὴ ἀφέλῃ] Cf. Arist. Eocl. 563. μηδαμῶς πρὸς τῶν θεῶν | τουτὶ ποιήσης μὴδ' ἀφέλῃ με τὸν βίον.

936. προβλήτες] Promontoria. Cf. Hom. Il. 16, 407. πέτρῃ ἐπὶ προβλήτῃ καθήμενος. 2, 396. Od. 5, 405. ἀλλ' ἀκται προβλήτες ἔσαν σπιλάδες τε πάγοι τε. 10, 89. 13, 97. Hymn. VI. 3.

937. θηρῶν δρείων] Apud Homerum θήρες δρεσκαῖοι. καταρῶγες] Cf. ἀρῶξ Ant. 251.

938. δῶ λέγω] Cf. Arist. Pac. 522. Eq. 1320.

939. τοῖς εἰωθόον] Sc. παρῆναι. Cf. Eur. Hec. 358. θανεῖν ἐρᾶν τίθησιν, οὐκ εἰωθὸς ὄν.

946. καπνοῦ σκιά] Cf. Ant. 1170. Arist. Nub. 253. καπνοῦς ἀποφαίνει καὶ σκιά. 330. Aj. 125. δρῶ γὰρ ἡμᾶς οὐδὲν ὄντας ἄλλο πλὴν | εἶδωλ' ὄσοιπερ ζῶμεν ἢ κουφήν σκιά. O. C. 1211. Fr. 598. 6. σκιάς εἶδωλον. Fr. 859, 2. ὡς οὐδὲν ἔσμεν πλὴν σκιάς ἐοικότες. Fr. 12. ἄνθρωπός ἐστι πνεῦμα καὶ σκιά μόνον. Aesch. Fr. 399, 2. καπνοῦ σκιά. Ag. 839. εἶδωλον σκιάς. Soph. Fr. 308. πάντ' ὄνου σκιά. Chaerem. Fr. 14, 15. σκιάς εἶδωλον. Eur. Fr. 532, 2. γῆ καὶ σκιά. Eur. Fr. 509. φωνὴ καὶ σκιά. Pind. P. VIII. 95. τί δέ τις; τί δ' οὐ τις; σκιάς ὄναρ ἄνθρωπος. Plut. Mor. p. 479 C. σκιά γὰρ εἶον ὄντως αἱ πολλὰ φίλαι — καὶ εἶδωλα τῆς πρώτης ἐκείνης κτλ. Galb. 22, 5. οὐδὲν ἄλλο ἢ σκιά ὄντα Γάλβα καὶ εἶδωλον. Pomp. 31, 6. εἰδῶλω καὶ σκιά πολέμον. Heliod. II. 11. εἰδῶλά τε καὶ σκιάς εὐλαβούμενος. Cic. p. C. Rab. Post. 15, 41. 'umbram equitis Romani et imaginem videtis.'

947. εἶδωλον ἄλλως] Cf. Tr. 814. ὄγκον γὰρ ἄλλως ὀνόματος τί δεῖ τρέφειν | μητροῦ; Arist. Nub. 1206. Dem. p. 931. ἄλλως ὕθλον καὶ φλυαρίαν. p. 348. ὕχλος ἄλλως καὶ βασκανία. Eur. Tro. 484. οὐκ ἀριθμὸν ἄλλως, ἀλλ' ὑπεριτάτους Φρυγῶν. Hel. 761. ἀριθμὸν ἄλλως. οὐ γὰρ ἂν σθένοντά γε | εἰλέν με] Cf. Eur. Herc. 312. εἰ μὲν σθένοντων τῶν ἐμῶν βραχιόνων | ἦν τίς μ' ὑβρίζων.

948. οὐδ' ἂν —] De hac ellipsi cf. Tr. 462. El. 365.

950. ἀλλὰ νῦν ἔτ' —] Cf. Ant. 552. τί δῆτ' ἂν ἀλλὰ νῦν σ' ἔτ' ὠφελοῖμ' ἐγώ; Aj. 78. ἐχθρὸς — καὶ τανῦν ἔτι. ἐν σαυτῷ γενοῦ] Anglice be yourself. Cf. Aesch. Cho. 233. ἐνδον γενοῦ. Eur. Her. 709. σῶν φρενῶν οὐκ ἐνδον ὦν. Xen. Anab. I. fin. ἀκούσας ταῦτα — ἐν ἑαυτῷ ἐγένετο. Arist. Vesp. 642. σκοροδιναῖται κἄστιν οὐκ ἐν αὐτοῦ (ἐν αὐτῷ aut οὐκέθ' αὐτοῦ?). Ter. Andr. II. 4. 'Proin fac apud te ut sies'. Pers. Sat. IV. 52. 'tecum habita.'

952. ὦ σχῆμα πέτρας δίπυλον] Cf. Eur. Alc. 935. ὦ σχῆμα

δόμων, πῶς σ' εἰσέλθω; Hec. 619. ὦ σχήματ' οἰκων, ὦ ποι' εἰτυχεῖς δόμοι.

954. ἀγανούμαι] *Tabescam, moriar.* Cf. El. 819. τῆδε πρὸς πύλῃ — ἄφιλον ἀγανῶ βίον. Aesch. Prom. 145. πέτρα προσαναινόμενον τῆδε. Arist. Eccl. 146. ἀφανανθήσομαι. Alcman. 94. τὰν Μῶσαν καταύσεις (i. e. ἀφανιεῖς).

955. θῆρ' ὀρεβιάτην] Cf. Ant. 350. θηρὸς ὀρεσσιβάτα.

956. τοισίδ'] Forma τοισίδε tantum hic apud Sophoclem legitur, plus semel apud Euripidem, nusquam apud Aeschylum. Sed legendum, nisi fallor, τοῖσδ' ἔτ'.

957. παρέξω δαῖτ' ὑφ' ὧν —] Cf. Arist. Pac. 371. ἄρ' οἶσθα θάνατον δι' προεῖπ' ὁ Ζεὺς δς ἄν | — εὐρεθῆ; Vesp. 586. ἐφερβόμην] Cf. Fr. 181. ζῆ, πῖνε, φέρβον. Eur. Or. 859. καί μ' ἐφερβεσὸς δόμος.

959. φόνον φόνου δὲ —] Cf. ad Aj. 522. χάριν χάριν γὰρ ἔστιν ἢ τίκτουσ' αἰεὶ. 363. κακὸν κακῶ διδοὺς ἄκος. O. R. 100. φόνον φόνον πάλιν λύοντας. Aesch. Prom. 29. θεὸς θεῶν γὰρ οὐχ ὑποπήσσαν χόλον. 955. νέον νέου κρατεῖτε καὶ δοκεῖτε δὴ κτλ. Eur. Tro. 617. κακῶ κακὸν γὰρ εἰς ἄμιλλαν ἔρχεται. Eur. Fr. 773, 50. βαρὺν βαρεῖα φόβον ἐπεμψεν οἴκοις. 55. ὑμέναιον αἰεῖσαι φίλον φίλων δεσποτῶν. Plat. Legg. IX. 873 A. πρὶν φόνον φόνῳ — τίση. Similiter Men. 290, 1. οὐδὲν γένος γένους γὰρ οἶμαι διαφέρειν. Monost. 741. φίλος φίλῳ γὰρ συμπονῶν αὐτῷ πονεῖ. De particulae δὲ collocatione cf. Fr. 196? ἀρετῆς βέβαιοι δ' εἰσὶν αἱ κτήσεις. Eur. Iph. T. 105. τὸν τοῦ θεοῦ δὲ χρησμὸν κτλ. ῥύσιον] *Piaculum.* Anglice expiation, compensation. Schol. ἐνέχυρον, ἀμοιβὴν ἐκτίσω. Cf. O. C. 858. καὶ (ἔτι?) μείζον ἄρα ῥύσιον πόλει τάχα | θήσεις.

961. ὄλοιο μὴ πω] Cf. 67. 332. 653. O. C. 1522. Tr. 383. Eur. Med. 83. ὄλοιο μὲν μὴ, δεσπότης γὰρ ἔστ' ἐμός. πρὶν μάθοιμ'] Cf. Tr. 655. 954. Aj. 1221. πάλιν γνώμην μεταίοις] I. q. γνώμην μεταθήσει. Cf. 1270. μεταγνῶναι πάλιν. El. 1046. οὐδὲ βουλεύσει πάλιν. Aesch. Sept. 1042. *μηδὲ τῷ δόξῃ πάλιν.*

963. Cf. O. R. 314. ἐν σοὶ γὰρ ἔσμεν. Eur. Alc. 289. ἐν σοὶ δ' ἔσμεν καὶ ζῆν καὶ μὴ. Iph. T. 1057. καὶ τᾶμ' ἐν ὑμῖν ἔστιν ἢ καλῶς ἔχειν | ἢ μηδὲν εἶναι καὶ στερηθῆναι πάτρας. Herod. VI. 109. ἐν σοὶ νῦν, Καλλιμαχε, ἔστι ἢ καταδουλώσαι Ἀθήνας; ἢ ἐλευθέρως ποιήσαντα κτλ.

965. Cf. Tr. 298. ἐμοὶ γὰρ οὐκτος δεινὸς εἰσέβη, φίλοι, | ταύτας ὀρώση κτλ. ἐμπέπτωκέ μοι] Cf. O. C. 942. Eur. Fr. 526. εἰ — γυναιξίν ὄπλων ἐμπέσοιεν ἠδοναί.

967. μὴ παρῆς —] *Ne mortalibus permitte ut ignominia te afficiant.*

969. Cf. Aj. 1192. Eur. Med. 1413. οὐς μὴ ποτ' ἐγὼ φύσας

ὄφελον — ἐπιδέσθαι. Andr. 1190. μήποτε — ὄφελ' ἐμὸν γένος — ἀμφιβαλέσθαι κτλ.

978. πέπραμαι] Cf. Aesch. Cho. 126. πεπραμένοι γὰρ νῦν γέ πως ἀλώμεθα | πρὸς τῆς τεκούσης. Arist. Ach. 374. κἀνιαῦθα λανθάνουσ' ἀπεμπολῶμενοι.

983. ἔμ' αὐτοῖς] Sc. τοῖς τόξοις. στελοῦσά σε] Cf. O. C. 297.

984. τολμήσεται] Forma τολμήεις (i: q. τολμηρός) legitur Hom. Π. 10, 205. Od. 17, 284. Pind. P. 4, 157.

985. ἦν μὴ ἔρηγς] Hac de crasi cf. Arist. Lys. 736. αὐτῆ 'τέρα. Ran. 64. ἦ 'τέρα. Ach. 828. εἰ μὴ 'τέρωσε.

986. τὸ παγκρατὲς σέλας] Cf. Eur. Tro. 548. παμφαῆς σέλας πυρός. Aesch. Prom. 7. παντέχνον πυρὸς σέλας. Fr. 395. πυρὸς σέλας. Pind. N. IV. 62. πῦρ παγκρατὲς. 867. Aj. 861. ὦ — κλειναί τ' Ἀθῆναι καὶ τὸ σύντροπον γένος. El. 504. Arist. Lys. 137. ὦ παγκρατάπυγον θημέτερον ἅπαν γένος. Eq. 1329.

987. ἠφαισιότευκτον] Cf. Aesch. Fr. 69, 2. ἠφαιστοτυκὲς σέλας. Ag. 289. ἠφαισιος Ἴδης λαμπρὸν ἐκπέμπων σέλας. Eur. Iph. A. 1072. ὄπλων ἠφαισιοπόνων. et ad Arist. Plut. 661. Confer χροσότενκος Aesch. Sept. 657. ταῦτα δῆτ' ἀνασχετά;] Cf. Arist. Ach. 618. ὦ δημοκρατία, ταῦτα δῆτ' ἀνασχετά; Pl. 898.

989. ἦν' εἰδῆς] Cf. Aesch. Cho. 439. Hom. Od. 2, 411.

991. ὦ μῖσος, ἦκεις; εἰλέ σ' ἡ Δίκη χρόνω. Med. 1320. Her. 52. Soph. El. 289. ὦ δύσθεον μῖσημα.

992. θεοὺς προτείνων] Cf. Aesch. Prom. 777. προτείνων κέρδος. Dem. 528, 16.

996. ἄρ' ἐξέφυσεν] Cf. Aj. 925. Herod. VI. 100.

999. οὐδέποτε γ'] Οὐδέποτε versum incipit etiam 1392. Utroque singulare vocabulum habendum est.

1000. αἰπεινὸν] Lemnos ἀμιχθαλόεσσα dicitur Hom. Π. 24, 753. γῆς — βάρθρον] Cf. Aj. 135. τῆς ἀμφιρῦτου Σαλαμῖνος ἔχων βάρθρον ἀγγιᾶλον. 860. Eur. Iph. A. 1273. Τροίας — βάρθρον.

1002. Cf. Eur. Ion. 286. τοιγὰρ θανοῦσαι σκοπέλον ἧμαξαν πέτρας. Iph. A. 232. σκήπτρω τάχ' ἄρα σὸν καθαιμάξω κάρα. Andr. 588.

1004. ὦ χεῖρες, —] Cf. Tr. 1090. ὦ φίλοι βραχίονες, κτλ.

1005. συνθηρώμεναι] Cf. Ant. 433. σὺν δέ νιν θηρώμεθ'.

1006. ὦ μηδὲν ὑγιὲς — φρονῶν] Cf. Eur. Phoen. 200. ἡδονῆ δέ τις | γυναιξὶ μηδὲν ὑγιὲς ἀλλήλας λέγειν. Fr. 493, 5. τὰ δ' εἰς γάμους | οὐδὲν δοκοῦσιν ὑγιὲς ἀνδράσιν φρονεῖν. Fr. 824. ὡς οὐδὲν ὑγιὲς φασὶ μητριᾶς φροσεῖν | νόθοισι παισίν. Herod. VI. 100. τῶν δὲ Ἐρετριέων ἦν ἄρα οὐδὲν ὑγιὲς βούλευμα.

1007. οἶόν μ' ἐπῆλθες] Cf. O. R. 386. λάθρα μ' ἐπελθῶν. Iph. A. 66. ἐπῆλθεν αὐτοὺς — πυκνῆ φρονί.

1008. πρόβλημα σαντοῦ] Cf. Aj. 1076. φόβον πρόβλημα. Aesch. Sept. 540. σάκει, κυκλωτῶ σώματος προβλήματι. Eur. Rhes. 213. Herod. IV. li 75. [VII. li 70.](#)

1009. De divisione versus cf. 1049. 503. El. 1036. 378. Ant. 1021. Aj. 1129.

1010. Cf. Arist. Ran. 740. *δοτις γε πίνειν οἶδε καὶ βινεῖν μόνον.* Amph. Com. III. 305. *ὦ Πλάτων Πλάτων, | ὡς οὐδὲν ἦσθα (οἶσθα?) πλὴν σκυθροπάζειν μόνον.* Eubul. III. 226. *οὐδὲν ἦδει πλὴν χελιδόνας γράφειν.* Alex. III. 481. *οἶδε τὸ μεθύσαι μόνον.*

1011. ἀλγεινῶς φέρων οἷς —] Apud Xenophontem est χαλεπῶς (et βαρέως) φέρειν τινί.

1013. Cf. Aj. 379. *ὁ πάνθ' ὀρῶν ('Οδυσσεύς).*

1014. ἀφυσῆ] Cf. Eur. Fr. 186. *εὐφῦη (εὐφῦα Cobet). — φῶτα.*

1018. ἄφιλον, ἔρημον, ἄπολιν] Cf. Eur. Med. 257. *ἐγὼ δ' ἔρημος ἄπολις οὗσ' ὑβρίζομαι κτλ.* Adesp. 107. *ἄπολις, ἄοικος, πατριδος ἐστερημένος.*

1019. *ὄλοιο· καὶ σοι πολλάκις τόδ' ἠδέξάμην]* Cf. Eur. Andr. 944. *ἀλλ' οὔποι' οὔποι', οὐ γὰρ εἰσάπαξ ἐρῶ, κτλ.* Arist. Eq. 249.

1021. ἀλγύνομα τοῦτ'] Cf. 906. *τοῦτ' ἀνιώμαι.* Arist. Ach. 2. *ἦσθην δὲ βαιά. 4. τί δ' ἦσθην —; 3. ἃ δ' ὠδωνήσθην.* et ad Aj. 790. *Αἴαντος — προᾶξιν ἦν ἤλγησ' ἐγώ.*

1022. *ζῶ σὺν κακοῖς πολλοῖς]* Cf. Dem. Ol. I. § 14. *τὴν φιλοπραγμοσύνην, ἣ χρῆται καὶ συζῆ Φίλιππος.* Eur. Or. 354. *εὐτυχία δ' αὐτὸς δμυλεῖς.*

1023. *τῶν Ἀτρείως — στρατηγῶν]* Cf. Aj. 801. *τοῦ Θεστορείου μάντεως.* Eur. Her. 362. *ὁ Σθενέλου τύραννος.*

1025. ἀνάγκη ζυγείς] Cf. Eur. Her. 886. *πρὸς βίαν | ἔξευξ' ἀνάγκη (αὐτόν).* Suppl. 231. *θεοφότοις Φοῖβον ζυγείς.* Or. 1330. *ἀνάγκης δ' ἐς ζυγὸν καθέσταμεν.* Iph. A. 443. *ἐς οἱ' ἀνάγκης ζεύγματ' ἐμπεπτώκαμεν.* Med. 735. *δοκίοισι — ζυγείς.* Suppl. 1229. *καὶ τόνδ' ἐν δοκίοις ζεύξομαι.* Aesch. Prom. 108. *ἀνάγκαις ταῖσδ' ἐνέζευγμαί.* 578. *τί ποτε ταῖσδέ μ' ἔξευξας — ἐν πημοσύναις —; Herod. III. 19. δοκίοισι μεγάλοισι ἐνδεδέσθαι.* Hinc ζυγὸν ἀνάγκης Fr. 532, 6. Eur. Fr. 475.

1028. ἄτιμον ἔβαλον] Cf. O. R. 657. *τὸν ἐναγῆ θεῶν — ἐν αἰτία σ' ἄτιμον βαλεῖν.* El. 71. 444. Aj. 426. 440. *ὡς σὺ φῆς, κείνοι δὲ σέ]* Cf. Arist. Th. 801. *ἡμεῖς μὲν γὰρ φαμεν ὑμᾶς, | ὑμεῖς δ' ἡμᾶς.* Aesch. Eum. 140. Eur. Alc. 690.

1030. *τέθνηχ' ὑμῖν —]* Cf. ad Aj. 440. Eur. Andr. 334. *τέθνηκα τῇ σῇ θυγατρὶ καὶ μ' ἀπώλεσε.*

1032 sq. Cf. Eur. Fr. 848, 3. *δοτις δὲ τῶ φύσαντε μὴ τιμᾶν θέλει | μὴ μοι γένοιτο μῆτε συνθύτης θεοῖς | μῆτ' ἐν θαλάσῃ κοινόπλονον στέλλοι σκάφος.*

1035. Cf. Arist. Th. 887. *κακῶς τ' ἄρ' ἐξόλοιο κάξολεῖ γ' ἔτι, | δοτις γε τολμᾶς κτλ.*

1036. Cf. Eur. Herc. 141. *εἰ χροῖ μ', ἐρωτῶ· χροῖ δ', ἐπεὶ γὰρ δεσπότης | ὑμῶν καθέστηκεν'.*

1037. *στόλον ἐπλευσάτ'.* Cf. 911. *πλοῦν στελεῖν.* Aj. 1045. *ὃ δὴ τόνδε πλοῦν ἐστείλαμεν.*

1040. *θεοὶ τ' ἐπόμιοι]* I. e. *ἐπίσκοποι.* V. Apoll. Rhod. II. 545. Callim. H. Jov. 82.

1041. *ἀλλὰ τῷ χρόνῳ ποτέ]* Cf. El. 1013. *αὐτὴ δὲ νοῦν σῆς ἀλλὰ τῷ χρόνῳ ποτέ.* Tr. 201. *ἔδωκας ἡμῖν ἀλλὰ σὺν χρόνῳ χαράν.* Aj. 306. *ἔμφρων μόλις πως ξὺν χρόνῳ καθίσταται.*

1044. *τῆς νόσου πεφευγέται]* Ut apud Homerum Od. 1, 18. *πεφρυγμένος ἦεν ἀέθλων.* Cf. Ant. 488. El. 626. Eur. Suppl. 148. *οἴχεται φεύγων χθονός.* Med. 1297. *πέποιθ'* — *τῶνδε φεύξεσθαι δόμων.* Sed Ant. 436. *ἐκ κακῶν πεφευγέται.*

1048. *ἐνδὸς κρατῶ λόγου]* Cf. Aesch. Ag. 526. *πῶς δὴ; δι-δαχθεὶς τοῦδε δεσπόσω λόγου.* Cho. 188. Pers. 241.

1049. *τοιούτος εἰμ' ἐγώ]* Cf. Eur. Or. 1696. *κἀγὼ τοιούτος.*

1050. *δικαίων κἀγαθῶν ἀνδρῶν]* Cf. Ant. 671. *δίκαιον κἀγαθὸν παραστάτην.* Aesch. Sept. 611. *σώφρων δίκαιος ἀγαθὸς εὐσεβῆς ἀνὴρ.* Eur. Hipp. 429. *γνώμην δικαίαν κἀγαθὴν.* Eur. Fr. 7, 2. *ἀνδρῶν δικαίων κἀγαθῶν δμῖλαι.* Eur. Fr. 388, 2. *ψυχῆς δικαίας σώφρονος τε κἀγαθῆς.* Arist. Ran. 728. *εὐγενεῖς καὶ σώφρονας | ἀνδρας ὄντας καὶ δικαίους καὶ καλοὺς τε κἀγαθούς.*

1053. *σοὶ γ' ἐκὼν ἐκοιτήσομαι]* Cf. Aj. 672. *ἐξίσταται δὲ νυκτὸς — κύκλος — ἡμέρα.* et ad 82. Lys. VIII. 19. *ἐγὼ τόντων ἐκὼν ἐξίσταμαι ὑμῖν τῆς φιλίας.* Arist. Ran. 370. *ἐξίστασθαι μύσταισι χοροῖς.*

1059. *τούτων κρατύνει]* Cf. O. R. 14. *κρατύνων — χώρας ἐμῆς.*

1065. *ὡς στείχοντα δὴ]* Cf. Eur. Ph. 1416. *ὁ δ', ὡς κρατῶν δὴ, κτλ.*

1066. *φωνῆς — προσφθεγκτὸς]* Cf. 3. El. 344.

1067. *οὕτως ἄπει;]* Cf. Ant. 315. *εἰπεῖν τι δώσεις ἢ στραφεῖς οὕτως ἄπει;]* Aj. 1206. *κείμαι δ' ἀμέριμος οὕτως.*

1068. *ἄχθος δ' ξυνοικεῖ]* Cf. ad Aj. 338. *τοῖς πάλαι νοσήμασι ξυνοῦσι.*

1069. *ἡμῶν δπως μὴ τὴν τύχην διαφθερεῖς]* Cf. O. R. 1047. El. 956. *δπως — ξὺν τῇδ' ἀδελφῇ μὴ κατοκνήσεις κτανεῖν | Αἰ-γισθον.*

1071. *ἐποικτερεῖτε]* Cf. Aesch. Fr. 196. *οἰκτερεῖ.*

1074. *ἀκούσομαι —]* Cf. O. C. 988. *οὔτ' — ἀκούσομαι κακός.* O. R. 1204. Herod. IX. 107. *παρὰ δὲ τοῖσι Πέρσῃσι γυναικὸς κακίῳ ἀκοῦσαι δέννος μέγιστός ἐστι.*

1075. *τοῦδ' (Ulyssis) — τούτῳ (Phil.).* Cf. ad Tr. 344. *σοὶ ταῖσδέ τ' οὐδὲν εἰργάδει, τούτους (κείνους?) δ' ἔα.*

1076. *τά τ' ἐκ νεῶς στείλωσι]* Cf. ad Aj. 1045. El. 137. *ἀλλ' οὔτοι τὸν γ' ἐξ Ἀἴδα — πατέρ' ἀνοτάσεις.* Xen. An. I. 1. *δοτις δ'*

ἀφικνεῖτο τῶν παρὰ βασιλέως πρὸς αὐτόν. Thuc. I. 62. ὅπως εἰργασίαι τοὺς ἐκεῖθεν ἐπιβοηθεῖν.

1078. φρόνησιν — λάβοι λῶν τιν' ἡμῶν] Cf. Tr. 736. λῶνας φρένας ἀμείψασθαι. Ant. 1089.

1079. δρῶμιόν] Cf. O. R. 1505. Tr. 539. et ad El. 950. Ant. 533.

1080. δρῶμιόν] Cf. Eur. Tro. 423. σὺ δ', ἡνίκ' ἄν σε Λαοτίου χρέζῃ τόκος | ἄγειν, ἐπεσθαι. ταχεῖς] Cf. 526. Eur. Or. 248. ταχὺς δὲ μετέθου λύσαν.

1081. πέτρας γύαλον] I. e. κοίλωμα (Etym. M.). Cf. O. C. 1493. Eur. Hel. 189. πέτρινα μύγατα γύαλα. Phoen. 237. Iph. A. 1040. Ion. 76. 218. 235. 248. Andr. 1070.

1082. θερμὸν καὶ παγετώδες] Haec illustrant vv. 17—19. παγετώδες] De aqua Hippocr. Aër. 283. A παγετός Pind. Fr. 74, 10. etc. Xen. Cyn. 571. I. q. πάγος (Phil. 293.) et πάχνη.

1083. οὐκ ἐμελλον] Cf. Arist. Ach. 847. Ran. 268. Nub. 1301.

1085. συνέσει] Conscius eris. Cf. El. 93. Eur. Herc. 368. ξύνουιδε Πηγεῖος ὁ καλλιδίνας κτλ. Ion. 288. ξύνουιδ' ἄντροισιν αἰσχύνῃν τινά, Plut. Dem. 8. οὐ ταῦτά γὰρ ἐμοὶ καὶ σοὶ — ὁ λύχνος σύνοιδε. Herod. IX. 60. συνοίδαμεν δὲ ὑμῖν — ἐοῦσι πολλὸν προθυμοτάτοισι.

1087. πληρέστατον —] Cf. Ant. 1052. ταύτης σὺ μέντοι τῆς νόσου πλήρης ἔφης. Aj. 307. καὶ πλήρες ἄτης ὡς διοπτρεῦει στέγος.

1088. λύπας τὰς ἀπ' ἐμοῦ] Cf. Ant. 2. τῶν ἀπ' Οἰδίπου κακῶν. 95. τὴν ἐξ ἐμοῦ δυσβουλίαν. 193. παίδων τῶν ἀπ' Οἰδίπου πέρι. El. 619. ἢ — ἐκ σοῦ δυσμένεια.

1089. τὸ κατ' ἄμαρ] Daily, from day to day. Cf. Fr. 536, 2. τὸ κατ' ἄμαρ ὅπως ἤδιστα πορσύνων. Eur. Ion. 124. λατρεύουσι τὸ κατ' ἄμαρ. Bacch. 908. τὸ δὲ κατ' ἄμαρ διαβίωτος εὐδαίμων μακαρίζω. Hec. 627. κείνος ὀλβιώτατος | διαβίω κατ' ἄμαρ τυγχάνει μηδὲν κακόν. El. 181. δακρύων δὲ μοι μέλει δειλαῖα τὸ κατ' ἄμαρ. Arist. Eq. 1126. τὸ καθ' ἡμέραν. Thuc. III. 82. ὑφελὼν τὴν εὐπορίαν τοῦ καθ' ἡμέραν. O. C. 1364. τὸν καθ' ἡμέραν βίον. Isocr. 12, 179. ὥστ' ἐπιπόνως ἐργαζομένους μόλις ἔχειν τὸ καθ' ἡμέραν.

1091. σιτονόμου — ἐλπίδος] Dictum ut θᾶκον ὀρνιθοσκοπῶν Ant. 999. ὠκύπους ἀγῶν El. 699. ἀριστόχειρ — ἀγῶν Aj. 935. τοῦ — πόθεν] Cf. ad Tr. 421.

1092. αἰθέρος ἄνω] Cf. Eur. Or. 1542. θοάζων ὁδ' αἰθέρος ἄνω καπνός.

1093. πτωκάδες] Cf. Hom. Epigr. 8, 2. πτωκάσιν αἰθνήσιν. Ex Simmia ab Hesychio laudatur πτωκάς κύπειρος (i. e. χθαμαλή). ὄξυτόνον —] Cf. El. 243. ὄξυτόνων γόνων. Aj. 629. ὄξυτόνους ὠδὰς θρηνησεί.

1094. ἴαχῳ] Prohibeo. Cf. 1150. Fort. ἀρχῳ, ut in El. 186.

1095. οὐ τοι οὐ τοι κατηξίωσας] Cf. Aj. 359. σέ τοι σέ τοι μόνον δέδορκα κτλ. 1228. El. 1445. Similiter Aesch. Cho. 471. δώμασιν ἔμμοτον τῶνδ' ἄχος (τοῦτ' ἄχος?), οὐδ' ἀπ' ἄλλων ἔκτοθεν, ἀλλ' ἀπ' αὐτῶν —.

1097. ἔχει τύχα τῆδ'] Cf. Herod. I. 35. συμφορῇ ἐχόμενος.

1099. εὐτέ γε] Cf. Aj. 716.

1100. τοῦ λῳόνος δαίμονος mss. λωιτέρον δαίμονος (om. τοῦ) Wunder. Schol. τοῦ λουιτελεστέρον καὶ συμφόρον. Corrigendum, ni fallor, λωίονος δαίμονος. Cf. O. R. 1513. βιον δὲ λῳόνος | ἑμᾶς κρυῆσαι.

1101. εἶλον τὸ κάκιον] Cf. Eur. Med. 605. αὐτὴ τὰδ' εἶλον.

1105. εἰσοπίσω] Cf. Hom. H. Ven. 104.

1108. οὐ φορβὰν ἔτι προσφέρων] Cf. Aesch. Cho. 250. οὐ γὰρ ἐντελής | θήραν (f. φορβάν) πατρῶαν (πατρώοις?) προσφέρειν σκηνήμασι. O. C. 481. μηδὲ προσφέρειν μέθην. Hic mediam vocem expectaveris.

1111. ἄσκοπα κρυπτά τ' ἔτη] Schol. ἀπροσδόκητα, δόλια. Cf. Aj. 21. πρῶτος ἄσκοπον. El. 864. ἄσκοπος ἂ λῳβα. 1315. εἶργασαι δέ μ' ἄσκοπα. Aesch. Cho. 815. πολλὰ δ' ἄλλα φανεῖ χηρῶν | κρύπτ' ἄσκοπον δ' ἔπος λέγων κτλ.

1113 sq. Cf. 794 sq.

1115. Cf. El. 751. οἶ' ἔργα δράσας οἷα λαγχάνει κακά.

1117. πότμος ἔσχε] Cf. 331. ἐπεὶ γὰρ ἔσχε μοῖρ' Ἀχιλλέα θανεῖν.

1119 sq. Cf. Tr. 468. σοὶ δ' ἐγὼ φράζω κακὸν | πρὸς ἄλλον εἶναι, πρὸς δ' ἔμ' ἀψευδεῖν ἀεὶ.

1119. ἔγε] Dirige. Cf. Ant. 986. ἀλλὰ κἀπ' ἐκείνη Μοῖραι μακροαῖνες ἔσχον. Eur. Herc. 984. ἄλλω δ' ἐπεῖχε τόξ'.

1122. φιλότιγτ'] Benevolentiam. Cf. Aj. 1410. El. 134.

1123. πολιοῦ πόντου θινός] Cf. Ant. 334. Arist. Av. 350. Hom. Il. 1, 359. ἀνέδν πολίης ἁλός. 4, 248. πολίης ἐπὶ θινὴ θάλασσης. 12, 284. 13, 352. 14, 619. 19, 267. 21, 59. 23, 374. etc. Conferri vix debet. Eur. Med. 214. ἐφ' ἄλμυρὰν πόντου κλῆδ'.

1126. τὰν ἑμᾶν μελέων τροφὰν] Cf. O. C. 344. τὰμὰ δυστήνου κακά. Tr. 775. σὸν μόνης δῶρημ'.

1130. φρένας εἴ τινας ἔχεις] Cf. Aj. 1256. εἰ μὴ νοῦν κατακτῆσει τινά.

1133. τὸ μεθύστερον] Cf. Tr. 710. μεθύστερον. Aesch. Pers. 207. Ag. 425. Ch. 516. Sept. 581. μεθυστεροῖς.

1134. ἐν μεταλλαῖ —] Cf. Eur. Herc. 765. μεταλλαγαὶ γὰρ δακρῶν, μεταλλαγαὶ συντυχίας κτλ.

1139. Cf. Tr. 995. οἶαν — μοι μελέω χάριν ἦνυσας, ᾧ Ζεῦ.

1143. εἰς ἀπὸ πολλῶν] Cf. Herod. VI. 27. ἀπ' ἑκατὸν καὶ εἴκοσι παίδων εἰς μῶνος ἀπέφυγε. VII. 164. 3. ἀπὸ πάντα τὰ χρήματα ἄγων. Thuc. I. 110. 1. ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν — ἐσωθήσαν.

1144. ἐφημοσύνα] I. q. ἐφειμῆ (Pind. P. 2, 21.). Cf. Pind. P. VI. 20. ὄρθαν ἄγεις ἐφημοσύναν. Apoll. Rh. I. 915. ἐσπέροι δ' Ὀρφῆος ἐφημοσύνησιν ἐκέλευσεν. Confer ἐφημοσύνη (Il. 14, 412. ὑποθημοσύνησιν Ἀθήνης), et φραδομοσύνη (Hom. H. Apoll. I. 98. Ἦρης φραδομοσύνη), καλλοσύνη, ἀπειροσύνη, πημοσύνη (Aesch. Pr. 1060.), εὐφροσύνη, etc.

1147. χαροπῶν τ' ἔθνη θηρῶν] Cf. Ant. 344. θηρῶν ἀγρίων ἔθνη.

1148. οὐρεσιβάτας —] Sc. θήρας. Cf. Ant. 350. θηρὸς οὐρεσιβατά. O. R. 1100. Πανὸς οὐρεσιβάτας. Confer οιοβάτας Aj. 615.

1149. Cf. O. R. 467. ὦρα νιν — φνυᾶ πόδα νωμῶν. Aesch. Suppl. 832. βαῖνε φνυᾶ πρὸς ἀλκάν. Eur. Bacch. 437. ὁ θῆρ δ' ὄδ' ἡμῖν πρῶος οὐδ' ὑπέσπασε | φνυῆ πόδ'. Eur. Herc. 894. φνυῆ, τέκν', ἐξορμᾶτε. 1081. φνυᾶ φνυᾶ — ἀποπρὸ δωμάτων διώκετε. Hec. 1064. ποῖ καί με φνυᾶ πτώσσοι μυχῶν; Aesch. Pers. 414. φνυῆ δ' ἀκόσμως πᾶσα ναῦς ἠρέσοετο. Med. 938. ἐκ γῆς τῆσδ' ἀπαίρομεν φνυῆ.

1153. ἀνέδην —] Cf. Aj. 1314. ἀνεῖται στυγερῶ δαίμονι.

1155. νῦν καλὸν —] Cf. Fr. 152. Arist. Pac. 292. νῦν ἔστιν ἡμῖν — καλὸν — ἐξελεύσαι κτλ. 278.

1156. ἀντίφρον — στόμα] Cf. El. 248. δίοσουσ' ἀντιφρόνους δίκας. Aesch. Sept. 892. ἀντιφρόνων θανάτων ἀραί. Eum. 982.

1157. σαρκὸς αἰόλας] Cf. Tr. 94. αἰόλα νύξ (i. e. stellis distincta). 132. Connecte ἐμᾶς σαρκὸς cum κορέσαι. Sic χορτάζειν, εὐωχεῖν, ἐστιᾶν τινά τιςος.

1158. ἀπὸ γὰρ βίον αὐτίκα λείπω] Cf. 1107. ἀπὸ νῖν με λείπει ἦδη. Eur. Hec. 1017. ἀπολέμω δὲ χειρὶ λείψεις βίον.

1161. ὅσα πέμπει βιόδωρος αἶα] Cf. Eur. Hipp. 747. ἴν' ἄ βιόδωρος αἶξει ζαθέα χθῶν ἐδδαιμονίαν θεοῖς (θνατοῖς?).

1163. πέλασσαν] Per πρόσελθε explicat schol. Cf. Eur. Alc. 234. πελάσσαι. et ad Aj. 185.

1164. ἐννοία πάσα] Cf. Aj. 436. πᾶσαν εὐκλειαν φέρων. et Ph. 1322. El. 233.

1167. ἀδαῆς] Cf. αὐτοδαῆς Aj. 699.

1168. μυρίον ἄχθος] Cf. O. C. 617. ὁ μυρίος χρόνος. 397. Fr. 377, 1. μυρία μία | νύξ ἔστι. Herod. VI. 67. μυρίης κακότητος ἢ μυρίης εὐδαιμονίης. ᾧ ξυνοικεῖ] Cf. Aj. 337. τοῖς πάλοι | νοσημασι ξυνοῦσι. Eur. Her. 996. ὅπως τὸ λοιπὸν μὴ ξυνοικοίην φόβω. Plat. Alc. I. 118 B. ἀμαθία ξυνοικεῖς — τῇ μεγίστη.

1170. ἐπέμνασας ἄλγην] Cf. Ant. 857. ἐφανσας (ἐμνασας?) ἀλγεινοτάτας ἐμᾶς μεοίμνας. Eur. Or. 1032. ὑπόμνησις κακῶν.

1180. ναὸς ἴν' ἡμῖν τέτακται] Cf. Aj. 659. Herod. IX. 54. εἶχον ἀτρέμας σφέας αὐτοὺς ἵνα ἐτάχθησαν.

1185. Cf. ad Aesch. Suppl. 243. Soph. O. C. 641. Arist. Eccl. 17.

1191. ἀλλοκότῳ] Cf. νεόκοτος, παλίγκοτος.

1194. *χειμερία λύπη*] Cf. Aesch. Cho. 271. *δυσχειμέρους ἄτας*.
 1198. Cf. Arist. Th. 1050. *εἶθε με πυρφόρος αἰθέρος ἀστήρ*
 (ἀστεροπητής Herwerden) | *τὸν βάρβαρον* (l. *δύσμορον*) *ἐξολέσειεν*.
 1201. *ποδὸς ἄρθρον*] Cf. Tr. 779. *μάργας ποδὸς νιν, ἄρθρον*
 ἢ *λυγίζεται*. O. R. 718. *ἄρθρα — ποδοῖν*. 1032.
 1203. *εὐχος*] Votum, optatum. I. q. *εὐχὴν* aut *εὐγμα*. Vo-
 cabulum Homericum. Cf. Hesiod. Th. 628. *εὐχος ἀρέσθαι*.
 1204. *εἰ ποθεν*] Confer *εἰ ποδι* (alicubi) Aj. 886.
 1207. *ἀπὸ — τέμω*] Tmesis ut in 817. *ἀπὸ μ' ὀλεῖς*. 1158.
 1177. Cf. Fr. 153, 6. *διὰ κῆρα τεμῶν*. 265, 6. *διὰ κῆμα τεμῶν*.
 Herod. IX. 37. *ἀπέταμε τὸν ταροδὸν ἑωντοῦ*.
 1209. *φονᾶ*] Caedem meditatur. Cf. Ant. 117. *φονώσαιον*
 — *λόγχαῖς*.
 1212. *ἐν φάει*] I. e. *vivus*. Cf. 415.
 1215. *λιβάδ'*] Cf. Eur. Andr. 116. 534. in plurali Aesch. Pers.
 613. Eur. Iph. T. 1106. Adesp. 463. Babr. 24, 6.
 1217. *ἔτ' οὐδέν εἰμι*] Cf. Tr. 161. *ὡς ἔτ' οὐκ ὦν*. O. R. 24.
ἔτ' οὐχ οἶα τε. Xen. Cyr. VIII. 7. 17. *ὡς οὐδέν εἰμι ἐγὼ ἔτι*.
 1218. *ἦδη καὶ πάλαι*] Cf. Eur. Bacch. 359. *μέμνηγας ἦδη καὶ*
πρὶν ἐξέστης (l. *ἐξεστῶς*) *φρενῶν*. *δμοῦ*] Cf. Arist. Thesm. 572.
πρὶν οὖν δμοῦ γενέσθαι.
 1219. *στείχων ἄν ἦ — εἰ μὴ — ἐλεύσομεν*] Numeri mutatio,
 ut in Eur. Tro. 904. *οὐ δικαίως, ἦν θάναω, θανούμεθα*. Iph. A.
 654. Hel. 1010. Cycl. 694.
 1220. *πέλας — στείχοντα*] Cf. Eur. Or. 867. *Ὀρέστην κείνον*
οὐχ ὀρᾶς πέλας | στείχονθ' —;
 1223. *ἔρπεις ὧδε σὺν σπουδῇ ταχύς*] Cf. Tr. 359. *ὡς ἐκ ταχείας*
σὺν χρόνῳ βραδεῖ (βραδύς?) μολῶν | ἄσσεις.
 1224. *λύσων δο' ἐξήμαρτον ἐν τῷ πρὶν χρόνῳ*] Cf. O. R. 101.
φόνῳ φόνον | πάλιν λύοντας. Arist. Ran. 691. *ἐγγενέσθαι φημί*
χρηῆναι τοῖς δλισθοῦσιν τότε | αἰτίαν ἐκθεῖσι λύσαι τὰς πρότερον
ἀμαρτίας.
 1227. Similis versus est O. R. 862. *οὐδέν γὰρ ἄν πράξαιμ'*
ἄν ὦν οὐ σοὶ φίλον.
 1229. *τὸ ποῖον;*] Cf. Arist. Nub. 1270. *τὰ ποῖα ταῦτα χρήμαθ'*;
 1231. *ὧς μ' ὑπῆλθέ τις φόβος*] Cf. El. 928. *θαῦμά τοι μ'*
ὑπέρχεται. 1112. *τί δ' ἐστίν, ὧ ξέν'*; *ὧς μ' ὑπέρχεται φόβος*. Aesch.
 Ag. 270. *χαρὰ μ' ὑφέρπει*. 450. *ὕπ' ἄλλος ἔρπει*.
 1233. *οὐ τί πον δοῦναι νοεῖς;*] Cf. Arist. Ach. 122. *ὀδὶ δὲ δὴ*
τίς ἐστίν; οὐ δῆπου Στράτων; Nub. 1260. Ran. 522. 526. Av. 269.
 Lys. 354. Eccl. 329.
 1236. *τάληθῆ λέγειν*] I. e. *τὰ ἀληθῆ λέγειν*. Cf. ad O. C. 808.
 Aesch. Prom. 1014. *νοσοῖμ' ἄν, εἰ νόσημα τοὺς ἐχθροὺς στυγεῖν*.
 1238. *τρὶς ἀναπολεῖν — ἔπη*] Cf. ad Ant. 859. *τριπόλιστον*
(τριπόλιτον?) οἶτον. Aj. 432. *νῦν γὰρ πάρεστι καὶ δις αἰάζειν ἐμοὶ |*

καὶ τρεῖς. Pind. N. VII. 104. ταῦτό δὲ τρεῖς τετράκι τ' ἀμπολεῖν ἀπορία τελέθει. Plat. Phil. 34 B. Schol. Ven. Hom. II. 2, 60. δις καὶ τρεῖς ἀναπολεῖται.

1239. ἄρχην] Cf. Ant. 92. El. 439. Herod. V. 18. κρέσσον γὰρ εἶναι ἀρχῆθεν μὴ ἔλθειν τὰς γυναῖκας ἢ κτλ. V. 106. ἀρχὴν δὲ ἔγωγε οὐδὲ ἐνδέχομαι τὸν λόγον. IX. 106. Ἀθηναῖοι δὲ οὐκ ἐδόκεε ἀρχὴν Ἰωνίην γενέσθαι ἀνάστατον.

1240. ἐπίστω πάντ' ἀκηκοὺς λόγον] Cf. Aj. 480. πάντ' ἀκήκοας λόγον. Tr. 484. πάντ' ἐπίστασαι λόγον. 876. Ant. 402.

1241. ὅς σε κωλύσει τὸ δρᾶν] Cf. 881. μηδ' ἐπίσχωμεν τὸ πλεῖν. 1252. Eur. Iph. A. 564. τὸ σιγᾶν οὐ σθένον.

1247. ἄ γ' ἔλαβες] ἄλαβες Dind. Cf. 250. πῶς γὰρ κάτοιδ' ὄν γ' εἶδον οὐδεπώποτε; O. R. 342. El. 441. 923.

1249. ἀμαρτίαν — ἀναλαβεῖν] Cf. Eur. Ion. 426. ἐὰν θέλῃ | νῦν ἀλλὰ τὰς πρὶν ἀναλαβεῖν ἀμαρτίας. Herod. VIII. 109. ἀναμάχεσθαι τε καὶ ἀναλαμβάνειν τὴν προτέραν κακότητα. V. 121.

1251. ξὺν τῷ δικαίῳ] Cf. Aj. 1125. Ant. 573. Eur. Her. 285. φθείρουν τὸ σὸν γὰρ Ἄργος οὐ δέδοικ' ἐγώ. Hipp. 113. τὸν σὸν οὐ ταρβῶ φόβον] Cf. El. 1110. οὐκ οἶδα τὴν σὴν κληδόν'. 1037. τῷ σὸφ δικαίῳ δῆτ' ἐπισπέσθαι με δεῖ; Fr. 176.

1252. ἀλλ' οὐδέ τοι σῆ χειρὶ πείσομαι τὸ δρᾶν] Cf. Eur. Suppl. 1078. ἀλλ' οὐδέ τοι σοὶ πείσομαι δρώωη τάδε.

1254. ἔστω τὸ μέλλον] Lege ἔσται —. Cf. O. R. 1458. Aesch. Ag. 1240. τὸ μέλλον ἤξει. Eur. Med. 731. ἔσται τάδ'.

1255. κώπης ἐπιψαύουσαν] Cf. 669. Aj. 1394. Fr. 579, 2. γῆς ἐπιψαύσαντα. Herod. II. 65.

1256. Cf. Ant. 939. ἄγομαι δὴ κοῦκ ἔτι μέλλω. Tr. 75.

1259. ἔσωφρονήσας] Cf. Arist. Pl. 1119. σωφρονεῖς. Ran. 853. εἰ σωφρονεῖς. τὰ λοιπ'] Cf. El. 1226. ὡς τὰ λοιπ' ἔχοις ἀεὶ. O. R. 1487. τὰ λοιπὰ τοῦ πικροῦ βίου.

1260. Cf. Aesch. Cho. 697. ἔξω κομίζων ὀλεθροῖον πηλοῦ πόδα. Prom. 271. Eur. Her. 110. καλὸν δέ γ' ἔξω πραγμάτων ἔχειν πόδα. Pind. P. IV. 513. καλὰ γινώσκοντ' ἀνάγκη ἐκτὸς ἔχειν πόδα. Hor. Sat. II. 7. 27. κλαυμάτων] Cf. Ant. 932. τοῖσιν ἄγονοι | κλαυμάθ' ὑπάρξει.

1261. Φιλοκτιήτην λέγω] Cf. Aesch. Ag. 1035. εἶσω κομίζων καὶ σὺ Κασσάνδραν λέγω. Similiter Aj. 73. οὔτος, σὲ — καλῶ. Αἴαντα φωνῶ· στείχε δωμάτων πάρος.

1262. ἀμείρας] Schol. καταλιπών. Cf. Tr. 658. νασιῶτιν ἐστὶν ἀμείρας. Eur. El. 755. δέσποιν', ἀμεινον δώματ', Ἥλέκτρα, τάδε. πετροῖρεις στέγας] I. q. πετρορρεφεῖς (Prom. 308. πετρορρεφῆ | αὐτόκτι' ἄντρα). Cf. 272. El. 381. ἐν κατηρρεφεῖ στέγη.

1263. θόρουβος ἴσταται βοῆς] Cf. Eur. Iph. T. 1307. τίς ἀμφὶ δῶμα θεᾶς τόδ' ἴστησιν βοῆν —; Or. 1529. στήσαι — κρῶνγῆν.

Lucian. V. H. II. 26. *βοήν τε ἴστη. 46. βοήν ἰσάναι.* Arist. Thesm. 696. *οὐ πολλήν βοήν | στήσεσθε —; ἴσταιαι*] Angl. is set up.

1264. *τοῦ κεχρημένου*] Cf. Eur. Ion. 1204. *πώματος κεχρημέναι.* Theocr. 25, 35. *ἔτισπε — οὐ τινος ὧδε κεχρημένος εἰλήλουθας. 101. κεχρημένος ἔργου.*

1266. *πρὸς κακοῖσι πέμποντες κακά*] Cf. O. R. 666. O. C. 595. Tr. 330. Ant. 595. Aesch. Pers. 531. *μὴ καὶ τι πρὸς κακοῖσι προσθῆται κακόν.* Hel. 1163. *ἐπὶ δὲ πάθεα πάθει φέρεις.* Herc. 1075. *πρὸς δὲ κακοῖς κακὰ μῆσεται.* 1213. *κακὰ θέλων κακοῖς συνάναι.* Phoen. 1704. *ἀλλ' ἢ πρὸς κακοῖς ἐρεῖς κακά; πέμποντες*] Anglice conveying, bringing. Cf. ad 846.

1270. Cf. 961. *εἰ μὴ πάλιν | γνώμην μετοίσεις.* El. 1046. *οὐδὲ βουλεύσει πάλιν;* Aesch. Sept. 1042. *μηδέ τω δόξῃ πάλιν.* Thuc. III. 46. *ὡς οὐκ ἔσται μεταγνώναι καὶ — τὴν ἁμαρτίαν καταλῦσαι (ἀπο.?).* Dem. p. 1469. *ἦν' (ἁμαρτίαν) τῷ μεταγνώναι λύσετε.*

1273. *ἀλλ' οὐ τι μὴν νῦν*] Sub. τοιοῦτος ἔσομαι. Cf. El. 817. *ἀλλ' οὐ τι μὴν ἔγωγε τοῦ λοιποῦ χρόνου | ἔνυοικος αὐτοῖς (εἴσοιμ'?).*

1274. *μένοντι καρτερεῖν*] Cf. Eur. Hec. 1223. *ἔχων δὲ καρτερεῖς ἔτ' ἐν δόμοις.* Alc. 1078. *ὄζον παραινεῖν ἢ παθόντα καρτερεῖν.* Iph. T. 1396. *ἐκαρτέρουν πρὸς κῦμα λακτίζοντες.*

1276. *μάτην — εἰρήσεται*] Cf. Aesch. Prom. 1007. *λέγων ἔοικα πολλὰ καὶ μάτην ἔρεῖν.*

1277. *καὶ πέρα γ', ἴσθ', ἢ λέγω*] Cf. Fr. 197. *ὦ πᾶν σὺν τολμήσασα καὶ πέρα, γύναι.*

1278. *ἤθελον — ἄν*] Cf. 1239. Aj. 88.

1279. *εἰ δὲ μὴ τι πρὸς καιρὸν λέγων κινῶ*] Cf. El. 31. *εἰ μὴ τι καιροῦ τυγχάνω, μεθάρμοσον.* Tr. 59. *εἰ τί σοι πρὸς καιρὸν ἐννέπειν δοκῶ.*

1282. Cf. El. 949. *λαβῶν ἀπεστέρηκε.* Supr. 931. *ἀπεστέρηκας τὸν βίον τὰ τόξ' ἑλών.*

1284. Cf. Ant. 38. *εἴτ' ἐσθλοῦ κακῆ (πέφυκας).* Aj. 763. *ἄνους καλῶς λέγοντος ἠρώδη πατρός.*

1285. Cf. 617. Dem. de Cor. § 267. *κακὸν κακῶς σε μάλιστα μὲν οἱ θεοὶ, ἔπειτα οὐτοὶ πάντες, ἀπολέσειαν.* Theophr. Char. 18. *καὶ, ὅταν ἦκη τις αἰτησόμενος ἐκπτώματα, μάλιστα μὲν μὴ δοῦναι, κτλ.* Athen. XIII. 595 A. *μάλιστα μὲν ὑπὸ τῆς πόλεως δημοσίᾳ κατασκευασμένον (μνήμα)· εἰ δὲ μὴ, δεδεγμένον κατασκευάσασθαι.*

1286. *μὴ πεύξῃ*] Cf. Tr. 809. *ἐπεύχομαι.*

1289. Cf. ad O. R. 830. *ὦ θεῶν ἄγνων σέβας.* Eur. Or. 1240. *Δίκης σέβας.* Aesch. Fr. 135. *σέβας δὲ μηρῶν ἄγνων οὐκ ἐπηδέσω.* Eur. Fr. 443. *ὦ λαμπρὸς αἰθῆρ ἡμέρας θ' ἄγνων σέβας.*

1290. *ὦ φίλτατ' εἰπὼν, εἰ λέγεις ἐτήτυμα*] Cf. Eur. Ion. 1488. *ὦ φίλτατ' εἰποῦσ', εἰ λέγεις ἐτήτυμα.*

1293. *ὡς θεοὶ ξυνίστορες*] Cf. Eur. Suppl. 1174. *Ζεὺς ξυνίστωρ οἱ τ' ἐν οὐρανῷ θεοί.*

1299. Cf. ad O. R. 363. Eur. Or. 1609. ἀλλ' οὐ τι χαιρών, ἦν γε μὴ φύγῃς πτεροῖς.

1300. [~~ἀκτιμηδαμῶς~~ — μεθῆς βέλος] Cf. Arist. Pac. 385. Ach. 334. Eur. Or. 1598. ἔσται τάδ'. MF. ἔα' μὴ μηδαμῶς δράσης τάδε.

1303. τί μ' ἄνδρα — ἀφείλου μὴ κτανεῖν] Cf. Aesch. Ag. 1026. εἰ δὲ μὴ — μοῖρα — εἴργε μὴ πλέον φέρειν. Eur. Tro. 1146. τὸ δεσπότητον τάχος | ἀφείλειτ' αὐτὴν παῖδα μὴ δοῦναι τάφω. Hipp. 1202. ὡστ' ἀφηρέθη | Σκείρωνος ἄκρας ὄμμα τοῦμον εἰσορᾶν.

1306. ψευδοκήρυκας] Confer ψευδόμαντις, ψευδάγγελος.

1308. δτου δργῆν ἔχοις ἄν —] Cf. O. R. 698. δίδαξον — δτου ποτὲ | μῆνιν τοσῆνδε πράγματος στήσας ἔχεις. Aj. 180. μομφὰν ἔχων ξυνοῦ δορός. 41. χόλω βαρυνθεῖς τῶν Ἀχιλλείων δπλων. Lys. XII. 21. μεγάλων ἀδικημάτων δργῆν ἔχοντες. 81. ὦν ἐποίησαν δργίζεσθε. Eur. Or. 751. ἴσως σοι θυγατέρος θυμούμενος. et ad Arist. Pac. 659.

1311. ἔβλαστες] De vocalis correptione ante βλ cf. El. 440.

1313. ἦκου' ἄριστα] Cf. 607. ὁ πάντ' ἀκούων ἀσυχρὰ —. Arist. Nub. 528. ἐπ' ἀνδρῶν — ἄριστ' ἠκουσάτην.

1314. ἦσθην —] Cf. ad Aj. 790. Aesch. Sept. 814. τοιαῦτα χαιροῖν καὶ θαυμάσθαι πάρα' | πόλιν μὲν εὐ πράσσοσαν κτλ. Heliod. VIII. 16. ἦσθην ἀπαγγελθέντα μοι τὸν νεανίαν. πατέρα τὸν ἀμὸν] Cf. Eur. Hel. 531. πόσιν τὸν ἀμὸν ζῶντα φέγγος εἰσορᾶν.

1315. ὦν δὲ σου τυχεῖν ἐφίεμαι] Cf. O. R. 1435. καὶ τοῦ με χρεῖας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν; El. 364. Aj. 967. 924. ὦν γὰρ ἠράσθη τυχεῖν | ἐκήσαθ' αὐτῶ. 686. Ant. 1336. El. 364. Eur. Med. 259. τοσοῦτον οὐδ' ἔσθ' ἡμῶν χρῆν σε τυγχάνειν ἔχεις. Alc. 686. ἃ δ' ἡμῶν χρῆν σε τυγχάνειν ἔχεις.

1316. Cf. O. C. 1694. τὸ φέρον (παρὸν αὐτ' ὁθὲν?) ἐκ θεοῦ. Fr. 879. θεῶν τὸ δῶρον τοῦτο· χρῆ δ' ὄσ' ἄν θεοὶ | διδώσι φεύγειν μηδέν. Eur. Phoen. 393. ἀτὰρ τί ταῦτα; δεῖ φέρειν τὰ (leg. τὰκ) τῶν θεῶν. 1776. τὰς ἐκ θεῶν ἀνάγκας. Menand. 253.

1318. Cf. Eur. Iph. T. 144. θρήνοις ἐγκειμαι. Andr. 92. οἷσπερ ἐγκείμεσθ' αἰεὶ | θρήνοισι. Hel. 924. οἷσιν ἐγκειμαι κακοῖς. Archil. 84, 1. δύστηνος ἐγκειμαι πόθω.

1322. εὐνοῖα λέγων] Cf. El. 233. ἀλλ' οὐν εὐνοία γ' αὐδῶ.

1325. ἔσω φρενῶν] Cf. Eur. Med. 316. ἔσω φρενῶν | ὄρωδία μοι μὴ κτλ. Aesch. Prom. 814. ἦν ἐγγράφον οὐ μνήμοσιν δέλτοις φρενῶν. Ag. 1052. Cho. 450. Eum. 266. Suppl. 179. Pind. Ol. X. 1. Paul. II. Epist. Cor. 3, 3.

1326. ἐκ θεῖας τύχης] Cf. O. C. 1585. Fr. 197. θεῖα τύχη. Eur. Hipp. 801. ἐκ τίνος τύχης (ὀλωλεν);

1327. πελασθεῖς φύλακος] Cf. Aj. 710. πελάσαι — ὠκνάλων νεῶν. Arist. Lys. 759. τὸν ὄφιν — τὸν οἰκουρὸν.

1328. σηκὸν φυλάσσει — οἰκουρῶν ὄφιν] Cf. Fr. 206. κρήνης φύλακα χωρίτην ὄφιν. Trag. adesp. 135. ὅς τόνδ' ἔχεις τὸν σηκὸν

ἔλεως γενοῦ. Herod. VIII. 41. λέγουσι οἱ Ἀθηναῖοι ὄφιν μέγαν φύ-
λακα τῆς ἀκροπόλιος ἐνδιατέεσθαι ἐν τῷ ἱερῷ.

1329 sq. Cf. Aj. 108 sq. Ant. 308 sq. Tr. 1130.

1330. ἔως] Monosyllabum ut in Aj. 1117. O. C. 1361. Cf. ad
635. οὔτος ἥμιος] Similiter Ant. 758. τόνδ' Ὀλυμπον. Aj. 1389.

1333. Ἀσκληπιιδῶν] Metri causa positum pro Ἀσκληπιιδῶν.
Sic Ἐλικωνίδες et Ἐλικωνιάδες, Ἀμμωνίδες et Ἀμμωνιάδες, Χαλ-
κωδοοντίδης (Eur. Ion. 50.) et Χαλκωδοοντιάδης (Hom. Il. 2, 541.),
Ἐρεχθονίδης et Ἐρεχθονιάδης, Τελαμωνίδης et Τελαμωνιάδης, etc.
Cf. O. C. 1482. O. R. 677. Eur. Alc. 990. οὐδ' ὄσα Φοῖβος Ἀσκλη-
πιάδαις ἔδωκεν φάρμακα κτλ. Arist. Pol. VIII. 7. ὥσπερ ἰατρείας
τυχόντας καὶ καθάρσεως.

1334. νόσου μεταστῆς] Cf. Eur. Hel. 856. γενέσθω δὴ ποι'
εὐτυχές γένος — καὶ μεταστήτω κακῶν. Iph. T. 991. σέ τε μετα-
στήσαι πόνων. Arist. Pl. 114. οἴμαι γὰρ — ταύτης ἀπαλλάξειν σε
τῆς ὀφθαλμίας. Sic κομφίζεσθαι τιος, Eur. Hel. 40. Rhes. 281.
El. 72. Or. 1347. 43.

1338. ἀνῆρ παρ' ἡμῖν —] Cf. Eur. Hec. 322. εἰσὶν παρ' ἡμῖν —
γραιῖαι γυναῖκες κτλ.

1343. συγχώρει] Cf. O. C. 1426. ἡμῖν δ' οὐχὶ συγχωρητέα.
Eur. El. 1052. πάντα συγχωρεῖν πόσει. Eur. Fr. 965. ὅστις δ' ἀνάγκη
συγκεχώρηκεν βροτῶν | σοφὸς παρ' ἡμῖν. συγχώρει θέλων] Cf.
O. R. 650. πιθοῦ θελήσας. Eur. Fr. 434, 5. ὑπέκει καὶ θέλων
ἐγκλίνεται.

1344. Ἑλλήνων ἓνα κριθέντ' ἀριστον] Cf. Aj. 1340. ἔν' ἄνδρ'
ἀριστον. O. R. 1380. κάλλιστ' ἀνῆρ εἰς — τραφεῖς.

1345. τοῦτο μὲν — εἶτα —] Cf. Ant. 61. τοῦτο μὲν — ἔπειτα
κτλ. 165. O. R. 603. Aj. 670 sq. Arist. Eq. 520. τοῦτο μὲν εἰδὼς
ἄπαθε Μάγνης — εἶτα Κρότινον μεμνημένος, ὃς κτλ. παιωνίας
ἐς χεῖρας ἔλθειν] Cf. Aesch. Suppl. 1066. χειρὶ παιωνία. Ag. 848.
Arist. Ach. 1223. Tibull. IV. 4. 4. 'medicas applicuisse manus.'

1346. πολύστονον] Cf. Eur. Or. 56. 996. Suppl. 835.

1348. ἄνω] Lat. in superis. Cf. El. 1167. ἡνίκ' ἦσθ' ἄνω.
Ant. 1068. τῶν ἄνω.

1350. ἀπιστήσω] I. q. ἀπιθήσω in v. 1447.

1354. κύκλοι] I. e. oculi. Cf. O. C. 704. ὁ γὰρ αἰὲν ὀφῶν
κύκλος λεύσει νιν Μορίου Δίος. Ant. 974. ὀμμάτων κύκλοις. O. R.
1270. ἄρας ἐπαισεν ἄρθρα τῶν αὐτοῦ κύκλων.

1361. τὰλλα παιδέει κακούς] Cf. Eur. El. 376. διδάσκει δ'
ἄνδρα τῇ χρεῖα κακόν (ἢ πενία). Eur. Fr. 663. ποιητὴν δ' ἄρα |
Ἔρωσ διδάσκει, κἄν ἄμουσος ἢ τὸ πρῖν.

1362. σοῦ — θανμάσας ἔχω τόδε] Cf. Eur. Hipp. 1044. καὶ
σοῦ γε κάρα ταῦτα θανμάζω, πάτερ.

1363. μήτε — τε —] Cf. Tr. 143. 582. Ant. 686. Eur.
Fr. 889.

1364. Cf. 139. 662. δαία τε φωνεῖς ἔσσι τ', ὦ τέκνον, θέμις,
 δς γ' ἠλίον τόδ' εἰσορᾶν ἔμοι φάος | μόνος δέδωκας. Post τούτων
 ἀπειρογεν. *supplet Wunder.*

1365. πατρὸς γέρας συλῶντες] Cf. Aesch. Prom. 82. θεῶν γέρα |
 συλῶν ἐφημέροισι προστίθει.

1369. Cf. O. R. 248. Aj. 1177. 1391. Eur. Tro. 1056. κακῶς
 κακῆ θανεῖται. Cycl. 267. κακῶς οὔτοι κακοὶ | οἱ παῖδες ἀπόλουνθ'.
 Arist. Eq. 2. κακῶς — κακόν — ἀπολέσειαν οἱ θεοί. Aesch. Prom.
 954. νέον νέοι κρατεῖτε. Aristophont. III. 359. κακὸς κακῶς ἀπό-
 λουθ' κτλ. Notanda in hoc versu caesurae neglectio. Versus enim
 elumbis est quales sunt Fr. 301. πέρδικος ἐν κλεινοῖς Ἀθηναίων
 πάγοις. 306. οὐ μᾶλλον ἢ λευκῶ λίθῳ λευκῆ στάθμη. Cf. ad 101.
 Usitata constructio foret κακοῦς — κακῶς. Sic Eur. Tro. 448. ἡ
 κακὸς | κακῶς ταφήσει νυκτός. V. Elmsl. ad Med. 801.

1370. διπλῆν — κτήσει χάριν] Cf. Tr. 471. κάπ' ἔμοῦ κτήσει
 χάριν. 618. ὅπως ἂν ἡ χάρις — ἐξ ἀπλῆς διπλῆ φανῆ. 191. ὅπως
 — κτώμην χάριν. κτήσει χάριν] Cf. Tr. 471. 191.

1378. ἔμπυον] Puris plenam, ulcerosam. Hippocr. Aphor.
 1253. etc. ἔμπυος ἰλὸς Andr. apud Galen. 13. p. 876.

1379. Cf. 1424. νόσον παύσει λυγρᾶς. et ad Tr. 534. 870.

1380. αἶνον] Cf. Moschion. Fr. 9. ἦν ἄρα τρανὸς αἶνος ἀνθρώ-
 πων ὄδε, | ὡς κτλ.

1382. οὐ καταισχύνει θεοῦς] Cf. O. R. 1424. εἰ τὰ θνητῶν μὴ
 καταισχύνεσθ' ἔτι | γένεθλα.

1384. ὄφελος] Cf. Hom. Il. 17, 152. ὅς τοι πόλλ' ὄφελος γέ-
 νετο —. Arist. Pl. 1152. τί δῆτ' ἂν εἴης ὄφελος ἡμῖν; Plat. Resp.
 505 A. etc. ἡ κάμοι] Cf. ad El. 1146. O. C. 53. Ant. 928.

1387. ὦ τᾶν] Cf. Eur. Her. 322. 688. Bacch. 801. Cycl. 534.
 Haec locutio nusquam alibi occurrit in Tragoedia. θρασύνεσθαι]
 Cf. Aesch. Suppl. 772. πρὶν ὄρμαρ ναῦν θρασυνθῆναι. Arist. Nub.
 1349. ἀλλ' ἔσθ' ὄτω (ἔστ' ἔφ' ὦ?) θρασύνεται. Isocr. 87 a. ἡσχύνοντο
 ἔφ' οἷς ἐθρασύνοντο.

1392. οὐδέποθ'] De dactylo in senarii initio cf. ad 791.

1396. ἀνευ σωτηρίας] Sine liberatione.

1398. ἃ δ' ἤγεσάς μοι] Cf. Eur. Alc. 12. ἤγεσαν δέ μοι θεοὶ
 — ἄδην — ἐκφυγεῖν. Med. 1157. ἀλλ' ἤγεσ' ἀνδρὶ πάντα. Hipp. 1319.

1401. ἄλις γάρ μοι τεθρήνηται γόοις] Cf. El. 104. οὐ — λήξω
 θρήνων στυγεροῦν τε γόων. Eur. Andr. 91. οἷσπερ ἐγκείμεσθ' ἄει |
 θρήνοισι καὶ γόοισι. Med. 1208. ἐπεὶ δὲ θρήνων καὶ γόων ἐπαύ-
 σατο. Arist. Thesm. 1064. et ad El. 375.

1402. Cf. Eur. El. 420. ἀλλ', εἰ δοκεῖ σοι, κτλ. ὦ γενναῖον
 εἰρηκῶς ἔπος] Cf. Arist. Av. 174. ἄληθες, ὦ σκαιότατον εἰρηκῶς
 ἔπος. Caesurae omissio in hoc versu a mutatione personae excu-
 sationem habet. V. Gaisford. ad Hephaest. p. 264.

1403. ἀντέρειδε — βάσιν σὴν] Cf. O. C. 199. βάσει βάσιν ἄρ-
μοσαι.

1405. τί γὰρ, ἐὰν πορθῶσι —;] Cf. Arist. Nub. 351. τί γὰρ,
ἦν ἄροπαγα τῶν δημοσίων κατιδῶσι —;

1407. εἶρω πελάζειν] Cf. O. R. 129. εἶρωε τοῦτ' ἐξειδέναι. Tr.
1257. Aj. 70. Eur. Or. 1572. ἃ σ' εἶρωε μὴ δόμων εἶσω περᾶν.
Eur. Her. 340. Sed Her. 963. εἶρωε τόνδε μὴ θανεῖν νόμος.

1409. μήπω γε —] Cf. Aesch. Prom. 631. Arist. Eq. 960.
1101. Nub. 267. Plat. Phaedr. p. 342 G. μήπω γε πρὶν ἂν τὸ καῦμα
παρέλθῃ. et ad Arist. Ach. 176.

1411. φάσκειν] Cf. O. R. 462. El. 9. Eur. Tro. 421. σὺ δ',
ἦνικ' ἂν σε Λαοτίον χρήζῃ τόκος | ἄγειν, ἔπεισαι. Her. 314. Ion. 101.
Arist. Pl. 598. αὐδὴν — ἀκοῇ τε κλύειν λεύσσειν τ' ὄψιν] De
constructione cf. O. R. 758. ἀφ' οὗ — κράτι σέ τ' εἶδ' ἔχοντα
Λαῖόν τ' ὀλωλότα. Ant. 120. ἔβα πρὶν ποθ' ἀμετέρων αἱμάτων γέ-
νυσαι πλησθῆναί τε καὶ στεφάνωμα πύργων — Ἥφαιστον ἐλεῖν.
Eur. Med. 1104. καὶ δὴ γὰρ ἄλις βιοτόν θ' ἠῦρον, σώματά θ' ἦβην
εἰσῆλθε τέκνων. Arist. Ran. 1070. ἦ ἔκενώσειν τὰς τε παλαιστρας
καὶ τὰς πυγὰς ἐνέτριψεν (συν.?) κτλ. Vesp. 452. ἀλλ' ἄνες με καὶ
σὺ καὶ σύ. El. 913. 995. Ant. 203. 762. O. R. 1020. O. C. 551.
Arist. Av. 131. ὅπως παρέσει μοι καὶ σὺ καὶ τὰ παιδία. 843. Eq. 75.
Plat. Hipp. Maj. 286. ὅπως παρέσει καὶ αὐτὸς καὶ ἄλλους ἄξεις.

1413. τὴν σὴν — χάριν] Cf. Tr. 485. κείνου τε καὶ σὴν ἐξ
ἴσου κοινῇ χάριν. Eur. Fr. 270. ἐμὴν χάριν. Arist. Ach. 1232.
ἀλλ' ἐφόμεσθα σὴν χάριν.

1419. πονήσας — πόνους] Cf. Theocr. Epigr. 20, 5. χῶσους
ἐξεπόνασεν ἐπ' ἀέθλους.

1420. ἀθάνατον ἀρετῆν] Cf. Plat. Symp. p. 108 D. ἀρετῆς ἀθα-
νάτου. Dem. p. 1397. δόξαν ἀθάνατον. ἀρετῆν ἔσχον] Cf. El. 968.
εὐσέβειαν — οἴσει. Eur. Med. 628. Ἔρωτες — οὐκ εὐδοξίαν οὐδ'
ἀρετὰν παρέδωκαν etc. Herc. 357. γενναίων δ' ἀρεταὶ πόνων. Theogn.
487. μηδ' αἰσχροῖσιν ἐπ' ἔργοισι — ἀρετὰς ἔλκευ μηδ' ἄφενος.
Hesiod. Op. 313. πλοῦτω δ' ἀρετῇ καὶ κῦδος δηηδεῖ. Hom. Od.
14, 402. οὕτω γὰρ κέν μοι ἐνκλείη τ' ἀρετῇ τε | εἶη. ὡς πάρεσθ'
ὄρᾶν] Cf. Aesch. Ag. 1354. ὄρᾶν πάρεσι.

1421. καὶ σοὶ — τοῦτ' ὀφείλεται παθεῖν] Cf. El. 1173. πᾶσιν
γὰρ ἡμῖν τοῦτ' ὀφείλεται παθεῖν.

1422. ἐκ τῶν πόνων —] Cf. Thuc. I. 123. πάτριον γὰρ ἡμῖν
ἐκ τῶν πόνων τὰς ἀρετὰς κτᾶσθαι. ἐνκλεᾶ θέσθαι βίον] Cf. Eur.
Hec. 754. ἐλεύθερον | αἰῶνα θέσθαι.

1424. νόσου παύσει] Cf. 1379. Hesiod. Th. 533. παύθη χόλου
ὄν πρὶν ἔχεσκειν.

1427. νοσοφιῆς βίον] Cf. 979. ἀπονοσοφίας ὄπλων. Aesch.
Cho. 620. Νῆσον — τριχὸς νοσοφίασα.

1428. σκῦλά τ' —] Cf. Aesch. Sept. 474. *δύ' ἄνδρε καὶ πόλισμι' ἐπ' ἀσπίδος | ἐλὼν λαφύροις δῶμα κοσμήσει πατρός.* Eur. Phoen. 1475. *οὐδὲ δ' ἀσπίδας σκῦλῶντες Ἀργείων νεκρῶν | σκυλεύματα' εἶσω τευχέων ἐπέμπομεν.*

1429. ἀριστεῖ' ἐκλαβὼν στρατεύματος] Cf. Eur. Bacch. 1237. *λαβοῦσα τἀριστεῖα.* Phoen. 214. *πόλεος ἐκπροκρινθεῖσ' ἐμᾶς καλλιστεύματα Λοξία.*

1430. Οἴτης πλάκα] Cf. ad Tr. 273. *ἀπ' ἄκρας — πυργώδους πλακός.* 635. *πάγους Οἴτης.* Aj. 1220. *ἄκραν ὑπὸ πλάκα Σουίνου.*

1434 sq. τοῦδ' — οὔτος — οὔτος — τόνδε] *Omnia de eadem persona.* Cf. El. 371. 981.

1440 sq. τοῦτο δ' —] Cf. Aesch. Ag. 338. *εἰ δ' εὐσεβοῦσι τοὺς (πρὸς?) πολιτισσοῦχους θεοὺς | τοὺς τῆς ἀλούσης γῆς θεῶν θ' ἰδρύματα, | οὐ τᾶν ἐλόντες αὐθις ἀνθαλοῖεν ἄν.*

1441. τὰ πρὸς θεοῦς] *In iis quae ad deos pertinent.* Cf. Ant. 1348. *χοῆ δ' ἐς τὰ θεῶν μηδὲν ἀσεπτεῖν.* Aesch. Ag. 804. *τὰ δ' ἐς τὸ σὸν φρόνημα —.* 818. *τὰ δ' ἄλλα πρὸς πόλιν τε καὶ θεοὺς —.* Eur. Hel. 1648. *τὰ τῶν θεῶν τιμῶσα.* Tro. 608. Eur. Fr. 496, 4. *τὰ δ' εἰς γάμους | οὐδὲν δοκοῦσιν ὑγιᾶς ἀνδράσιν φρονεῖν.* *De re ipsa ad schol. Isocr. Pan. 8. πρὸς τὰ τῶν θεῶν εὐσεβέστατα διακειμένους.* Arist. Lys. 932. *μή μ' ἐξαπατήσης τὰ περὶ τῶν διαλαγῶν.*

1442. δευτέρ' ἡγεῖται] Cf. O. C. 351. *δευτέρ' ἡγεῖται τὰ τῆς | οἴκοι διαίτης.* Fr. 325, 5. *κᾶσι πρὸς τὰ χορήματα | θνητοῖς (θνητοῖσι?) τᾶλλα δευτέρα.*

1443. ἡ γὰρ εὐσέβεια συνθνήσκει βροτοῖς] Cf. O. C. 1751. *παύετε θρηῆνον, παῖδες· ὅσοις γὰρ | χάρις ἢ χθονία ξυναποθνήσκει | πενθεῖν οὐ χορή (ita enim corrigendum videtur).*

1444 sq. Cf. Eur. Fr. 734, 1. *ἀρετὴ δὲ, κἂν θάνη τις, οὐκ ἀπόλλυται, | ζῆ δ' οὐκέτ' ὄντος σώματος· κακοῖσι δὲ | ἅπαντα φροῦδα συνθανόνθ' ὑπὸ χθονός.* Eur. Andr. 775. *ἂ δ' ἀρετὰ καὶ θανοῦσι λάμπει.* 772—76. Arist. Ran. 868. *ὅτι ἡ ποίησις οὐχὶ συντέθηκέ μοι.* Diod. Sic. I. 2. *τοῖς μὲν ἐν τῷ ζῆν μηδὲν ἀξιόλογον πράξασιν ἅμα ταῖς τῶν σωμάτων τελευταῖς συναποθνήσκει καὶ τὰ ἄλλα πάντα τὰ κατὰ τὸν βίον, τοῖς δὲ δι' ἀρετὴν περιποιησαμένοις δόξαν αἰ πράξεις ἅπαντα τὸν αἰῶνα μνημονεύονται.* Joseph. Ant. Jud. XX. 2. 5. *ὁ καρπὸς οὐκ ἀπόλλυται ὁ τῆς εὐσεβείας.*

1445. φθέγμα — πέμψας] Cf. ad 846. 1459.

1446. χρόνιος — φανείς] Cf. Eur. Hel. 1232. *χρονία μὲν ἤλθες, κτλ.* Alex. III. 518. *ὡς χρόνιος ἐλήλυθας.*

1447. ἀπιθήσω] *Hac forma, ut in anapaestis, epicorum exemplo usus est.* Sic *εὐγενία, εὐκαρπελία,* etc. Cf. Hom. Il. 24, 339. *ὡς ἔφατ'· οὐδ' ἀπίθησε κτλ.* et ad Arist. Nub. 984. *Simplex πιθήσας est Theocr. XXIV. 41. ἀλόχω κατέβαινε πιθήσας.* *Alia forma ἀπειθεῖν est Aesch. Ag. 1049.*

1448. *κἀγὼ γνώμην ταύτην τίθεμαι*] Cf. Arist. Eccl. 658. *κἀγὼ ταύτην γνώμην τίθεμαι*. Herod. VIII. 123. *πᾶς τις αὐτῶν ἐωυτῷ ἐτίθετο τὴν ψῆφον*. Plat. Legg. II. 674 A. *οὐκ ἂν τιθείμην ταύτην τὴν ψῆφον*. Heliod. 2, 29. *ταύτη τῇ γνώμῃ (ταύτην τὴν γνώμην?) τίθεμαι καὶ αὐτός*.

1450. *καιρὸς — ἐπείγει*] Cf. 466. *καιρὸς γὰρ καλεῖ πλοῦν — ἐγγύθεν σκοπεῖν*.

1451. *ὄδ' —*] Sub. *ὁ ἄνεμος*. Locutio fortasse nautica. Cf. Eur. Tro. 20. *μένουσι δὲ | πρὸ μνησθεν ὄθρον*. *ἐπείγει*] Urget. Cf. O. C. 1540. *ἐπείγει γὰρ με τοῦκ θεοῦ παρόν (f. περόν)*. Plut. T. II. p. 62 A. *καὶ πρὸς ὄδδον ἢ πλοῦν ἢ τινα πρᾶξιν ὄρῶν ἀπομάλθακιζόμενον οὐ φήσει κατεπείγειν τὸν καιρὸν, ἀλλὰ κτλ*. De particulae γὰρ collocatione cf. Arist. Av. 1545. Antiph. 26, 22. *ἐπὶ τὸ τάριχός ἐστιν ὠρημηκῦια γάρ*. 115, 6. 163, 4. 164, 1. 212, 7. Nicostr. 20, 3. Dionys. 2, 3. Sophil. 4, 4. Alex. 21, 1. 195, 4. 262, 4. Philem. 28, 10. 138, 2. Men. 756. Diph. 57, 3. Euphron. 10, 4. Com. anon. 354, 2. *κατὰ πρὸ μνησ]* Secundum purrem. Cf. Thuc. II. 97. *ἦν αἰεὶ κατὰ πρὸ μνησ ἰσῆται τὸ πνεῦμα*.

1452. *φέρε — καλέσω*] Cf. 300. *φέρ', ὦ τέκνον, νῦν καὶ τὸ τῆς νόσου μάθησ*. Eur. Or. 1282. *φέρε νυν ἐν πύλαισιν ἀκοὰν βάλω*. Phoen. 283. *φέρ' εἰς σκοτεινὰς περιβολὰς μεθῶ ξίφος*. Herc. 1059. *φέρε πρὸς οὐς βάλω*. Med. 1272. Meminerit lector *καλέσω* aoristi subjunctivum esse.

1453. *μέλαθρον*] Sic proprie spelunca Philoctetis dicitur potius quam *μέλαθρα*.

1455. *κτύπος ἄρσην πόντου*] Cf. Fr. 480, 2. *ἄρσενας χοὰς (χοὰς?) Ἀχέροντος*. Thesm. 125. *ἄρσενι βοᾷ*. Pers. Sat. VI. 4. 'atque marem strepitum fidis intendisse Latinae.' Connecte *κτύπος πόντου*. Cf. ad Aj. 1218.

1456. *οὔ —*] Cf. ad Tr. 358. 998.

1457. *πληγαῖσι νότου*] Cf. Ant. 335. *χειμερίῳ νότῳ*. Aj. 258. *ὄξυς νότος ὤσ*. Tr. 113. *ἀκάμαντος ἢ νότου ἢ βορέα*. Simonid. 183, 9. *καὶ μιν | αἰεὶ τέγγει νοτιερὴ δρόσος*. *Νότος* est ventus australis S. W. pluvialis et procellosus. V. Hom. Il. 3, 10. 11, 306. Od. 12, 289. *ἦν πως ἐξαπίνης ἔλθη ἀνέμοιο θύελλα | ἢ νότου ἢ ζεφύροιο θυσσᾶος*.

1458. Cf. Aesch. Pers. 396. *ὄρθιον δ' ἄμα | ἀνηγάλαξε νησιώτιδος πέτρας | ἠχώ. πολλά]* Saep̄e. Cf. El. 415.

1459. *Ἐρμαῖον δρος*] Cf. Aesch. Ag. 283. *Ἐρμαῖον λέπας | Ἀήμνου. παρέπεμμεν]* Cf. Eq. 546. *αἰρεσθ' (l. αἰρετέ τ') αὐτῷ πολὺν τὸ ὄρθιον παραπέμματα θ' ἔνδεκα κώπαις | θόρυβον χρηστὸν Ἀηναίτην*.

1460. *στόνον ἀντίτυπον*] Gemitum repercussum. Eadem verba sunt v. 693. *οὐκ ἔχων — παρ' ᾧ στόνον ἀντίτυπον — ἀποκλαύσειεν*. Stat. Theb. IV. 808. 'fit sonus, inque vicem contra per-

cussa reclamat | terra.' χειμαζομένω] Cf. Ant. 391. ταῖς σαῖς ἀπειλαῖς, αἷς ἐχειμάσθην τότε. Aj. 206. θολεροῦ κείται χειμῶνι νοσήσας. 1144. ἤνικ' ἐν κακῷ | χειμῶνος εἶχετ'. Eur. Hipp. 34. ἄλλη δ' ἐν τύχῃ χειμάζομαι. Arist. Ran. 361. τῆς πόλεως χειμαζομένης.

1463. δόξης — ἐπιβάντες] Cf. ad Arist. Ran. 675. Μοῦσα, χορῶν ἱερῶν ἐπίβηθ'.

1464. Λήμνον πέδον ἀμφιάλον] Cf. Aj. 135. Σαλαμῖνος ἔχων βάρθρον ἀγκιάλον (ἀγκιάλον?).

1465. πέμψον ἀμέμπτως] Cf. Aesch. Suppl. 134. πλάτα — ἀχείματόν μ' ἔπεμπε σὺν πνοαῖς φίλαις, οὐδὲ μέμφομαι. 266. προάξας ἀμέμπτως. 624. Eur. Her. 610. Xen. Hell. p. 282. ὃν δ' ἐπαινήσειε, τοῦτω δῶρα ἀμέμπτως ἐδίδου.

1466 sq. Cf. Eur. Her. 898. πολλά γὰρ τίκει μοῖρα τελεσοιδώτειρ', αἰὼν τε Κρόνον παῖς. Eur. El. 1247 sq. Aesch. Eum. 1045 sq.

1466. ἔνθ' | I. e. ἐκείσε ὅποι, ut in El. 380. μέλλουσι γὰρ σ' — ἐνταῦθα πέμψειν ἔνθα κτλ. Cf. Eur. Iph. T. 1198. ἄγ' ἔνθα χρῆζεις. ἡ μεγάλη Μοῖρα] Cf. Aesch. Cho. 304. ὦ μεγάλοι Μοῖραι.

1467. πανδαμάτωρ δαίμων] Cf. Simonid. 4, 5. ὁ πανδαμάτωρ — χρόνος. Hom. Il. 24, 5. πανδαμάτωρ ὕπνος. Od. 9, 373.

1469. ἀλλεῖς] Cf. Tr. 513. ἀλλεῖς ἴσαν ἐς μέσον.

1470. νύμφαις — ἐπενξάμενοι] Cf. Fr. 400. ἐπενύχομαι δὲ νυκτὶ τῇ κατουλάδι. Tr. 16. κατθανεῖν ἐπηνυχόμην. O. R. 349. O. C. 484. et ad O. R. 1024.

TRACHINIÆ.

1. λόγος — ἀρχαῖος] Cf. Aesch. Ag. 751. παλαίφατος δ' ἐν βροτοῖς γέρον λόγος τέτυκται, κτλ. Eur. Fr. 25. φεῦ φεῦ, παλαιὸς αἶνος ὡς καλῶς ἔχει. Fr. 1065. καὶ τῶν παλαιῶν πόλλ' ἔπη καλῶς ἔχει. Fr. 508. παλαιὸς αἶνος· ἔργα μὲν νεωτέρων κτλ. Evenum apud Athen. IX. 1. λόγος εἰς ὁ παλαιός. Herod. VII. 51. ἐς θυμὸν ὦν βαλεῦ καὶ τὸ παλαιὸν ἔπος. Plat. Phaed. 70 C. παλαιὸς μὲν οὖν ἐστὶ τις ὁ λόγος οὗτος οὗ μεμνήμεθα ὡς κτλ. Ter. Adelph. V. 3. 18. 'nam vetus verbum hoc quidem est, | communia esse amicorum inter se omnia.'

6. πατρὸς — ἐν δόμοισιν] Cf. Fr. 517, 3. αἰ (γυναικες) νέαι μὲν (ἐν δόμοις) πατρὸς | ἥδιστον, οἶμαι, ζῶμεν ἀνθρώπων βίον.

7. νυμφείων ὄτλον] I. e. πόνον, ut explicat Hesychius. Cf. El. 168. τὸν ἀνήγητον | οἶτον (ὄτλον?) ἔχουσα κακῶν. Aesch. Sept. 18. παιδείας ὄτλον. Pers. 682. τίνα πόλις στένουσ' ὄτλον | στένει —;

8. Cf. Eur. Phoen. 1612. ὡς μ' ἔφυσας ἄθλιον | καὶ τλήμων', εἴ τις ἄλλος ἀνθρώπων ἔφν. O. R. 1118. O. C. 734. 1664.

11. φοιτῶν — ταῦρος] Cf. O. R. 478. φοιτᾷ γὰρ — ἄτε ταῦρος. Eur. Iph. A. 275. ταυρόπονον — Ἀλφεόν. Ion. 1261. ὦ ταυρόμορφον ὄμμα Κηφισοῦ πατρὸς, κτλ. Aelian. V. H. II. 33. οἱ δὲ βοῶν εἶδος αὐτοῖς (τοῖς ποταμοῖς) περιέθηκον. Hor. Carm. IV. 14. 'tauriformis volvitur Aufidus.' ἔναργής] Cf. O. C. 910. El. 878. Hom. Od. 4, 841. ὡς οἱ ἔναργες ὄνειρον ἐπέσσυτο. Il. 20, 131. χαλεποὶ δὲ θεοὶ φαίνεσθαι ἔναργεῖς. ἄλλοι' —] Cf. El. 752. Eur. Hec. 28. κεῖμαι δ' ἐπ' ἀκταῖς, ἄλλοι' ἐν πόντον σάλαρ. Athen. X. 449 E. οἰκείων ἀνέμων ταμίς δασύς, ἄλλοτε λείος. αἰόλος δράκων] I. e. versicolor. Cf. 834.

12. Cf. Antiph. com. III. 26. κοιλοσώματον κύτος. Aesch. Sept. 488. Ἴππομέδοντος σχῆμα καὶ μέγας τύπος. Fr. 234, 5. ὄμφακος τύπον. Eur. Bacch. 1333. ὄμφεος ἀλλάξει τύπον. Phoen. 162. μορφῆς τύπωμα. Her. 857. βραχίωνων — τύπον. Ph. 162. μορφῆς τύπωμα. Aesch. Sept. 488. σχῆμα καὶ — τύπος. Eum. 49. Suppl. 282.

13. βούκρανος] Strabo (p. 458 D.) τὰς τῶν ποταμῶν καμπὰς καλεῖσθαι κέρατα testatur. Cum βούκρανος conferunt Empedocle. 238. βουγενε' ἀνδροπόρρωρα, τὰ δ' ἔμπαλιν ἐξανέτελλον | ἀνδροφνη βούκρανα.

14. κρηναίου ποιοῦ] Cf. Ph. 21. ποτὸν κρηναῖον. Fr. 560. πρὸς γὰρ δὲ (δῆ?) κρηναῖα χωροῦμεν ποτὰ.

16. κατθανεῖν ἐπηγχομένη] Cf. O. R. 249. ἐπεύχομαι — παθεῖν ἄπερ —.

17. Cf. Eur. Med. 151. τὰς ἀπλάστον κοίτας.

18. Cf. Arist. Pac. 582. ὡς ἤλθες ἡμῖν ἀσμένους.

20. ἀγῶνα — μάχης] Cf. El. 1441. δίκας ἀγῶνα. Aj. 1163. ἔριδος τις ἀγών. Eur. Andr. 725. μάχης ἀγών. Arist. Fr. 471. ἔς τε μονομάχου πάλης | ἀγῶνα νῦν ἐστᾶσι.

22. διείπομι] Cf. O. R. 394. διεῖπειν (τὸ αἰνιγμα). 854.

23. ἀταρβής] Cf. Aesch. Prom. 874. ἐπαφῶν ἀταρβεῖ χειρὶ.

24. ἤμην] Sedebam. Cf. 525. ἦστο. Aj. 311.

25. μή — ἐξεύροι] Ut in oratione obliqua. Cf. 482.

26. ἀγώνιος] Cf. Aesch. Ag. 464. Suppl. 189. 330. 353. Pind. Isthm. I. 85. Plat. Legg. VI. 783 A. Hesych. ἀγώνιοι θεοί: οἱ τῶν ἀγώνων προεσιτώτες. Etiam ἐναγώνιοι dicti, Eur. Or. 17. καλῶς, εἰ δὴ καλῶς] Cf. El. 1425. καλῶς, Ἀπόλλων εἰ καλῶς ἐθέσπισεν.

27. λέχος — κριτόν] Cf. 245. κτήμα — κριτόν. Aj. 491. τὸ σὸν λέχος ξυνηλθον. Eur. Phoen. 831. ἡ δὲ σύναιμον λέχος ἤλθεν.

29. Cf. O. R. 197. τέλει γὰρ ἦν τι νῦξ ἀφῆ (ut hic ἀπωθεῖ), τοῦτ' ἐπ' ἄμαρ ἔρχεται. Fr. 400. πόνω πόνον | ἐκ νυκτὸς ἀλλάσσοῦσα τὸν καθ' ἡμέραν. Hyperid. Epitaph. p. 32. πόνους πόνων διαδόχους ποιοῦμενον. et ad Eur. Hec. 588. Hor. Epod. 17, 24. 'nullum a

labore me reclinat otium; | urget diem nox et dies noctem, neque est | levare tenta spiritu praecordia.'

30. ἀπωθεῖ] Pro usitationi forma media ἀπωθεῖται (216. 1249. El. 430. 944. 1325. Ph. 1122.): activa tamen est Aj. 446. Ph. 1202. O. R. 234. διαδεδεγμένη] Cf. Eur. Andr. 802. ὦ φίλταται γυναικες, ὡς κακὸν κακῷ | διάδοχον ἐν τῇδ' ἡμέρᾳ πορῶνεται. Xen.

Cyr. VIII. 6. 18. τῷ ἡμερῶν ἄγγέλῳ τὸν νυκτερινὸν διαδέχεσθαι.

33. σπείρων κάξαμῶν] Cf. Eur. Bacch. 1314. ἔσπειρα κάξίμῃσα κάλλιστον θέρος.

34. Similiter El. 781. ὁ προστατῶν | χρόνος διηγέ μ' αἰὲν ὡς θανουμένην. O. C. 358.

36. ἀθλων — ὑπερτελής] Cf. Eur. Ion. 1549. ἔα· τίς οἰκῶν θνοδόκων ὑπερτελής —;

38. ἔκτα] Cf. Eur. Herc. 423. Eur. Fr. 625. ἔκταν. Ἰφίτου βίαν] Cf. Ph. 314. 321. 592. Tr. 1059. θήρειος — βία. Aesch. Sept. 569. Ἀμφιάρεω βίαν. Cho. 893. Αἰγίσθου βία.

39. ἀνάστατοι] Extorres. Cf. O. C. 429.

41. Cf. Aj. 972. ἐμοί | λιπὼν ἀνίας καὶ γόους διοίχεται.

42. Cf. ad El. 966. 974. Eur. Herc. 1161. καὶ τῷδε προστρόπαιον αἷμα προσβαλὼν. Ion. 584. δεῖμα προσβάλλεις. Aesch. Pers. 767. κακὸν — προσέβαλον πόλει. Plat. Legg. IX. 878 C. ἐὰν — αἰσχύνῃν — προσβάλλῃ τῷ τρωθέντι. Trag. Fr. Adesp. 93. ὅταν δ' ἄμαρτη (γλῶσσα), πολλὰ προσβάλλει κακά.

45. ἀκήρυκτος] Cf. Eur. Her. 91. ἴστε πον — Ἰόλαον· οὐ γὰρ σῶμ' ἀκήρυκτον τόδε. Ion. 801.

47. ἦν ἐγὼ θαμὰ —] Cf. Aj. 508. ἦ σε πολλάκις | θεοῖς ἀρῶνται ζῶντα πρὸς δόμους μολεῖν. O. C. 1444.

50. πανδάκροντ' ὀδύρματα] Cf. Phil. 690. πανδάκροντον — βιοτὰν κατέσχεν.

51. τὴν Ἡράκλειον ἐξοδον] Cf. Aj. 287. ἐξόδους ἐρπειν κενός.

52. φρενοῦν] Cf. Ant. 754. κλάων φρενώσεις ὧν φρενῶν αὐτὸς κενός.

53. φρενοῦν γνώμαισι δούλαις] Cf. Aj. 163. οὐ δυνατόν τοὺς ἀνοήτους τούτων γνώμας προδιδάσκειν.

54. ἀτάρ] I. q. δὲ aut ἀλλά. Cf. O. R. 1052. Plat. Phaed. 60. ἄλλοι τινές με ἦδη ἤροντο, ἀτὰρ καὶ Εὐηνὸς πρώην. Alcib. I. 124 D.

παισὶ — πληθύεις] πληθύειν genitivum regit. Aesch. Pers. 421. ἀκται δὲ νεκρῶν — ἐπλήθυνον. Herc. 1172. τί νεκρῶν τῶνδε πληθύει πέδον;

55. κατὰ ζήτησιν] Cf. Eur. Cycl. 14. ναυστολῶ | σέθεν κατὰ ζήτησιν. Arrian. Ind. 34, 6. τῶν τίνες κατὰ ζήτησιν τοῦ Νεάρχου ἑσταλμένων. Schol. Hom. Od. 11, 134. ὅς δοκεῖ κατὰ ζήτησιν τοῦ πατρὸς εἰς Ἰθάκην ἐλθῶν κτλ.

56. εἰ πατρὸς ἔχει τιν' ὄραν] Cf. Aesch. Eum. 624. φράζων — μητρὸς μηδαμῶς τιμὰς νέμειν (μηδαμῶς ὄραν ἔχειν?).

57. *καλῶς πράσσει*] Cf. 1171. *κἀδόκουν πράξειν καλῶς*. Ant. 271. Eur. Med. 971. *πράξαντες καλῶς*. Eur. Fr. 443, 2. *τοῖς τε πράσσοσιν καλῶς | καὶ τοῖσι δυστυχοῦσιν*.

58. *ἀρτίπους*] *Opportune (commode) adveniens*. I. e. *ἀρτίως καὶ ἡρμοσμένως τῷ καιρῷ* (schol.). Ab *ἄρτι*, non *ἄρτιος*, derivatum. Confer *ἀρτίφρων*. Alibi significat (sound of foot) Hom. Il. 9, 505. Od. 8, 310. Herod. III. 130. Plat. etc. Cf. Aj. 798. Aesch. Sept. 373. *καὶ μὴν ἀναξ ὄδ' αὐτὸς — εἰς ἀρτίκολλον ἀγγέλου λόγον μαθεῖν*. 374. *σπουδῆ δὲ καὶ τοῦδ' οὐκ ἀπαρτίζει* (leg. *ὠκὴν ἀρτίζει*) *πόδα*. *θρῶσκει δόμους*] Ut *πηδᾶν πεδία* Aj. 30. Cf. Eur. Bacch. 727. *κυρεῖ δ' Ἀγαυή πλησίον θρῶσκουσά μου*.

59. *πρὸς καιρὸν ἐννέπειν*] Cf. Ph. 1279. *πρὸς καιρὸν λέγων*. Aj. 38. *πρὸς καιρὸν πονῶ*.

61. *ὦ τέκνον, ὦ παῖ*] Cf. Phil. 260. Eur. Hec. 169. *ὦ τέκνον, ὦ παῖ*. Tro. 790. Arist. Nub. 1165. *ἐξ ἀγεννητων*] I. e. ex ignobilitium oribus. I. q. *ἐξ ἀγενῶν* Fr. 105. Proprio sensu legitur O. C. 973. *ἀγεννητος τότ' ἦ*. Fr. 739.

62. *ἦδε γὰρ γυνή δούλη μὲν —*] Cf. Aj. 1020. Fr. 677. 854. *εἰ σῶμα δοῦλον, ἀλλ' ὁ νοῦς ἐλεύθερος*. Eur. Med. 1077 sq. Arist. Lys. 1124. *ἐγὼ γυνή μὲν —*.

64. Cf. 671. *δίδαξον, εἰ διδακτὸν κτλ*.

65. *ἐξενωμένον*] Cf. Eur. Ion. 820. Hipp. 1088.

66. Cf. Plat. Legg. II. 671 E. *μεῖζω αἰσχύνῃν φέρειν*.

68. Cf. Eur. Bacch. 1337. *μακάρων ἐς αἶαν σὸν καθιδρύσει βίον*.

69. *ἐν μήκει χρόνου*] Eadem verba sunt Aesch. Ag. 610.

70. *λάτρην*] Cf. Eur. Ion. 4. *Ἐρμῆν, μεγίστῳ Ζηνὶ δαιμόνων λάτρην*. Suppl. 637. *Καπανέως γὰρ ἦν λάτρεις*.

74. *Εὐβοῖδα χώραν*] Cf. Eur. Fr. 658. *γῆν — Εὐβοῖδα*. Ion. Fr. 18. *Εὐβοῖδα — γῆν*. Aesch. Fr. 27. *Εὐβοῖδα καμπήν*.

75. *μέλλειν ἔτι*] Cf. Ph. 1256. *τόδ' ὄψει (με) δρῶντα κοῦ μέλλοντ' ἔτι*. Ant. 939. *ἀγομαι δὴ κοῦκ ἔτι μέλλω*.

79. *τελευτῆν τοῦ βίου — περᾶν*] Cf. Cic. pro Muraen. 16, 34. 'neque vero ejus belli exitum conficiendum' etc.

81. *βίοντον εὐαίωνα ἔχειν*] Cf. Aesch. Pers. 711. *βίοντον εὐαίωνα — διήγαγες*. Soph. Fr. 519, 6. *τὸν εὐαίωνα πλοῦτον*. Eur. Iph. A. 551. *εὐαίωνα πότμω*. Dioscorid. Epigr. *εὐαίωνα ἀσιγῆ τεινοῖς βίον*. Confer *ἀπαίων* (Fr. 480. *ἀπᾶς ἀπαίωνας*), *μακραίων* (O. R. 518).

82. *ζοπιῇ*] *Memento*. Schol. *ἐν κινδύνῳ καὶ ἐπὶ ξυροῦ ἀκμῆς ἱσταμένῳ*. Cf. O. C. 1508. *ζοπιῇ βίου μοι (ἐστί)*. O. R. 961. *σμικρὰ παλαιὰ σώματ' ἐνθάξει ζοπή*. Menand. IV. 178. *εἰς πάντα καιρῶν καὶ τύχης πᾶσαν ζοπήν*.

83. *πίπτομεν*] Cf. O. R. 145. *ἦ γὰρ εὐτυχεῖς — φανούμεθ' ἢ πεπτωκότες*. Eur. Alc. 642. *ἀναστήσασα δὲ | ἡμᾶς πίπτοντας*.

84. *ἦ οἰχόμεσθ'*] Eadem fere crasis est in *τῇ οἰκίᾳ* Vesp. 827.

88. ψυχῆ σύνηδες ὄμμα] 'Species animo obversari solita.' (Dind.)

89. παῖρς — προταρβεῖν] Cf. Ant. 83. μή μου προτάρβει. Eur. Fr. 360, 25. θάνατον προταρβοῦσ'.

90. Cf. Aesch. Prom. 918. οὐδὲν γὰρ αὐτῶ ταυτ' ἐπαρκέσει τὸ μὴ οὐ | πεσεῖν. νῦν δ'] Cf. El. 783. I. q. καὶ νῦν El. 1335.

ὡς ξυνήμ'] Since I understand it (the βάζιν). τὸ μὴ οὐ —] Cf. Aj. 728. El. 107. Aesch. Eum. 914. Prom. 1056. 627? Eur. Iph. A. 41. Eur. Fr. 1048, 1. ἀλλ' ἴσθ', ἐμοὶ μὲν οὗτος οὐκ ἔσται νόμος | τὸ μὴ οὐ σὲ, μήτερ, προσφιλῆ νέμειν αἰεὶ κτλ.

92. ὑσιτέρω] Serius advenienti reddit Hermann.

93. ἐπεὶ πύθοιτο] Cf. O. R. 314. Ant. 666. Eupol. II. 466. ὅποι τύχοιμεν στρατενόμεσθ'. κέρδος ἐμπολᾶ] Cf. Ant. 1037. κερδαίνει', ἐμπολάτε κτλ. Hom. Od. 15, 456. βίστον πολὺν ἐμπολόωντο.

94 sq. Cf. Aesch. Ag. 265. ἕως γένοιτο μητρὸς εὐφρόνης πάρα. 279. τῆς νῦν τεκούσης φῶς τόδ' εὐφρόνης λέγω. Hor. Carm. Saec. 9. 'Sol, diem qui promiss et celas.'

94. αἰόλα νῦξ] I. e. stellis distincta. Cf. 132. Tr. 11. αἰόλος δράκων. 834. Aesch. Prom. 23. ἀσμένω δέ σοι | ἡ ποικιλείμων νῦξ ἀποκρύψει φάος. Eur. Fr. 2. ὄρφναϊα νῦξ αἰολόχρως. ἐναρξομένα] Cf. O. C. 1733. ἐνάριξον. 842. πόλις ἐναίρεται. Hom. Od. 19, 263. μηκέτι νῦν χρόα καλὸν ἐναίρεο (quod per ἀφάνιζε, αἰσχυνε explicat Eust.).

95. φλογιζόμενον] I. q. φλεγέθοντα (99). Activum φλογίζων est Phil. 1199. κατευνάζει] Cf. Ant. 832. et O. R. 961. Tr. 106. 1042. 1242.

97. Cf. Aesch. Prom. 377. οὐκουν, Προμηθεῦ, τοῦτο γιγνώσκεις, δι κτλ.

99. πόθι μοι ναίει] Cf. O. C. 137. οὐπω δύναμαι — γγῶναι ποῦ μοί ποτε ναίει. 118. τίς ἄρ' ἦν; ποῦ ναίει; Πόθι legitur etiam Eur. Phoen. 1718. Bacch. 556. et ποθί Aj. 886. λαμπρᾶ στεροπαῖ] Cf. Aj. 257. λαμπρᾶς — στεροπαῖς. O. R. 470. πυρὶ καὶ στεροπαῖς. Aesch. Fr. 386. λαμπραῖσιν ἀστραπαῖσι λαμπάδων σθένει (φλέγει?).

100. ποντίας ἀλῶνας] Cf. Fr. 493. ἡδ' ἐπακτίας ἀλῶνας (leg. ἡδὲ ποντίους (ποντίας) αὐλῶνας). Eur. Rhes. 112. περάσας κοῖλον αὐλῶνων βάθος. Trag. Adesp. Fr. 159. αὐλῶνά θ' ἦν ἄρδουσι.

101. δισσαῖσιν ἀπείροις] Cf. Fr. 760. ἐδοξάτην μοι τὸ δὴ ἡπείρω μολεῖν. Eur. Ion. 1590. ἀντίπορθμα δ' ἡπείροιον δυοῖν | πεδία κατοικήσουσιν Ἀσιάδος τε γῆς | Εὐρωπίας τε. Herod. V. 106. ἐκ τῆς ἐτέρης ἡπείρου. Aesch. Prom. 790. διαν περάσσης ἔειθρον ἡπείρων ὄρον. κλιθεῖς] Insidens, habitans. Ex Homericō verbi usu. Cf. Eur. Tro. 797. τᾶς ἐπικεκλιμένας (νάσου) δχθοῖς ἱεροῖς, ἔν' κτλ.

102. ὦ κρατιστεύων —] Cf. Trag. adesp. 129, 3. ὦ — πάντων κρατιστεύων τύραννε. Pind. Fr. 172. ὁ κρατιστεύων λόγος. Xen. Mem. I. 4. 14. Hom. *Il.* 3, 278. Ἥελιός θ', ὅς πάντ' ἐφορᾷς καὶ πάντ' ἐπακούεις. Pind. Fr. 172. ὁ κρατιστεύων λόγος. Isocr. 193 C. τῶν ἡλικιωτῶν κρατιστεύων. Formatum ut ἀριστεύειν.

103. πονουμένα — φρενί] Cf. 985. πεπονημένος ἀλλήκτοις δδύναις.

104. ἀμφινεικῆ] Schol. τὴν περιμάχητον. Cf. 527. τὸ δ' ἀμφινείκητον ὄμμα νύμφας. Aesch. Ag. 686. τὰν — ἀμφινεικῆ — Ἑλέναν.

105. οἶά τιν' ἄθλιον ὄρνιν] Cf. Aesch. Ag. 1142. οἶά τις — ἀθλῶν. Eur. Hipp. 564. μέλισσα δ' οἶά τις πεπότηται.

106. ἀδακρύτων] Proleptice positum. Cf. Ant. 791. οὐ καὶ δικαίων ἀδίκους φρένας παρασπᾶς. 881. Aj. 69.

108. ἀνδρὸς δεῖμα τρέφουσαν ὁδοῦ] Cf. ad O. R. 233. Herod. I. 111. τοῦ τόκου τῆς γυναικὸς ἀρρωδέων.

109. ἐνθυμοῖς] Sollicitudinem inducentibus. Cf. O. R. 739. τί δ' ἐστὶ σοι τοῦτ' — ἐνθύμον; ἀνανδρώτοις] Viro orbatis. Aliud est ἀνανδρος, viro carens.

110. κακὰν δύστανον — αἴσαν] Cf. Eur. Hipp. 161. κακὰ δύστανος ἀμηχανία.

111. ἐλπίζουσαν] Expectantem. Cf. ad Aj. 799.

112 sq. Cf. Ant. 586 sq. Aesch. Sept. 758 sq. Suppl. 469. Eur. Orest. 343.

112. ἀκάμαντος —] Cf. Eur. Fr. 597, 1. ἀκάμας τε χρόνος. Hesiod. Th. 956. Ἥελίω δ' ἀκάμαντι κτλ.

116. οὕτω δὲ —] Cf. Ant. 426. El. 27. ὡσαύτως δὲ —. τὸν Καδμογενῆ τρέφει] Cf. Fr. 532, 4. βόσκει δὲ τοὺς μὲν μοῖρα δυσμερίας, τοὺς δ' ὄλβος ἡμῶν. Eur. Hipp. 369. ὦ πόνοι τρέφοντες βροτούς. Philem. IV. 62. τὸν δὲ μόνον ὄντα καὶ κακὴ τύχη τρέφει.

τὸν Καδμογενῆ] Cf. Eur. Suppl. 136. Πολυνεΐκει τε τῷ Θηβαγενεῖ.

118. πολύπονον ὡπερ πέλαγος] Cf. O. R. 22. O. C. 1746. Aesch. Sept. 758. κακῶν δ' ὡπερ θάλασσα κῦμ' ἄγει. Ag. 1152. Suppl. 463. Eur. Med. 364. ἄπορον — κλύδωνα — κακῶν. Hipp. 824. κακῶν — πέλαγος. Shakespeare Hamlet III. 1. 'a sea of troubles.' Qu. πολὺκλονον aut πολὺδονον —.

120. ἀναπλάκητον] Non deficientem. Anglice not failing. Schol. ἀναμάτητον. Cf. O. R. 472. Κῆρες ἀναπλάκητοι. Aesch. Ag. 345. θεοῖς δ' ἀναμπλάκτητος εἰ μόλοι στρατός, κτλ.

121. σφε δόμων ἐρύκει] Cf. Eur. Andr. 844. τί με βρόχων εἶργεις; Ph. 1266. ἐρήτυσον τέκνα | δεινῆς ἀμίλλης. Her. 691. μὴ τοί μ' ἔρυκε δρᾶν παρεσκευασμένον. Herc. 317. οὗτοι τὸ δεινὸν θανεῖν ἐρύκει με. Arist. Vesp. 601. ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν — ἀποκλείεις καὶ κατερύκεις.

122. ὧν ἐπιμεμφομένα] Cf. Aj. 180. μομφὰν ἔχων ξυνοῦ δορός. Eur. Rhes. 327. ἐπίμορφος εἰ φίλοις.

123. ἀντία θ' οἶσω] Cf. Herod. VII. 10. οὐ τοιμῶντων γνώμη ἀποδείκνυσθαι ἀντίην τῇ προκειμένῃ. ἀντία] Sc. ἔτη. Cf. Aesch. Pers. 695. σέβουμαι δ' ἀντία λέξαι σέθεν ἀρχαίων περὶ τάρβει. Ag. 499. τὸν ἀντίον — λόγον. οἶσω] Cf. O. C. 166. λόγον εἶ τιν' οἶσεις.

125. ἐλπίδα τὰν ἀγαθὰν] Cf. Arist. Pl. 212. ἔχω τιν' ἀγαθὴν ἐλπίδ'. Men. IV. 248. ἀγαθὴν ἐλπίδα | πρόβαλλε σαυτῶ. Plat. Legg. IV. 718 A. ἐν ἐλπίσιν ἀγαθαῖς διάγοντες κτλ.

126. ἀνάληγτα] Cruel sufferings. Cf. Eur. Hipp. 1384. πῶς ἀπαλλάξω βιοτὰν ἑμὰν τοῦδ' ἀναλήγτου πάθους;

128. ἐπέβαλε θνατοῖς] Cf. El. 1246. ἀνέφελον ἐπέβαλες — κακόν.

130. κυκλοῦσι] Volvuntur. Cf. El. 1365. πολλαὶ κυκλοῦσι νύκτες ἡμέραι τ' ἴσαι, κτλ. Fr. 787. οὐμὸς δει πότμος ἐν πυκνῶ θεοῦ τροχῶ κυκλεῖται. Eupol. II. 549. ἢ πολλὰ γ' ἐν μακρῶ χρόνῳ γίγνεται, | μεταλλαγὰ δὲ πραγμάτων κυκλοῦσι, | μένει δὲ χρῆμ' οὐδὲν ἐν ταῦτῳ ἄνθρωπος.

131. ἄρκτου —] Cf. Fr. 379, 11. ἄρκτου στροφάς τε καὶ κυνὸς ψυχρὰν δύσιν. Eur. Ion. 1159. Ἄρκτος στρέφουσι οὐραία χρυσήρει πόλῳ.

133. Cf. Hesiod. Op. 92. νοῦσων τ' ἀργαλέων, αἶτ' ἀνδράσι κῆρας ἔδωκαν. 102. νοῦσοι δ' ἀνθρώποισιν ἐφ' ἡμέρῃ ἠδ' ἐπὶ νυκτὶ | αὐτόματοι φοιτῶσι κακὰ θνητοῖσι φέρουσαι. Simonid. apud Herod. VII. 228. μάντιος, ὃς τότε κῆρας ἐπερχομένας σάφα εἰδὼς | οὐκ ἔτιλ Σπάρτης ἡγεμόνας προλιπεῖν.

134. ἄφαρ βέβακε] Cf. 821. 958. Aesch. Pers. 469. Eur. Iph. T. 1274. ἄφαρ ἔβα. Pind. N. X. 63. ἄφαρ ἐξέκασθον.

137. λέγω — ἴσχειν] Cf. O. R. 350. ἐννέπω σε τῷ κηρύγματι — ἐμμένειν. Phil. 101. λέγω σ' ἐγὼ δόλω Φιλοκτῆτην λαβεῖν. Aj. 1047. O. C. 840. 856. Xen. An. I. 3. 8. πέμπων αὐτῶ ἄγγελον ἔλεγε θαρρεῖν. et Eur. Fr. 408. ἐν ἐλπίσιν χρῆ τοὺς σοφοὺς ἔχειν βίον.

142. θυμοφθόρος legitur Aesch. Ag. 101. Theogn. 155. 1129.

144—161. Cf. Aj. 558. Hom. Il. 17, 53. οἶον δὲ τρέφει ἔργος ἀνῆρ ἐριθηλὲς ἐλαίης | χώρῳ ἐν οἰοπόλῳ, ὅθ' ἄλις ἀναβέβρουχεν ὕδωρ, | καλὸν, τηλεθάον· τὸ δὲ τε πνοιαι δονέουσι | παντοίων ἀνέμων, καὶ τε βρῦει ἀνθεὶ λευκῶ, κτλ. Od. 6, 43. οὐτ' ἀνέμοισι τινάσεται (θεῶν ἔδος) οὔτε ποτ' ὄμβρω | δεύεται οὔτε χιῶν ἐπιπίλνεται.

144. τὸ — νεάζον] Cf. Aesch. Ag. 79. τὸ θ' ὑπεργήρων.

145. θάλλος θεοῦ] I. e. solis. Cf. Eur. Alc. 722. φίλον τὸ φέγγος τοῦτο τοῦ θεοῦ, φίλον. Cycl. 542. θάλλος ἥλιον. Med. 353. Suppl. 208. Her. 749. λαμπρόταται θεοῦ — αὐγαί. Arist. Av. 1091. οὐδ' αὖ θερμὴ πνίγους ἡμᾶς | ἀκτὶς τηλανγῆς θάλλει· | ἄλλ' κτλ. Aesch. Sept. 431.

146. πνευμάτων οὐδὲν κλονεῖ] Cf. O. C. 1241. Pind. P. IX. 48. ψάμαθοι κύμασιν ὀρπαῖς τ' ἀνέμων κλονέονται. Empedocl. 26. παύσεις δ' ἀκαμάτων ἀνέμων μένος.

148. ἔως — κληθῆ] Cf. Aj. 555. ἔως — μάθης.

150. πρὸς ἀνδρὸς — φοβουμένη] Cf. ad El. 784. ἀπήλλαγμα φόβον | πρὸς τῆσδ' ἐκείνου θ'. Ant. 1219. Aj. 759. Aesch. Ag. 671. 858. Cho. 495. Eur. Or. 1497. Hipp. 1193. Hel. 1191.

152. τὴν αὐτοῦ σκοπῶν προᾶξιν] Cf. ad Aj. 790. Herod. III. 65. ἀπέκλαιε πᾶσαν τὴν ἑωυτοῦ προῆξιν. 792. Ant. 1305. Aesch. Prom. 695. πέφορικ' εἰσοδοῦσα προᾶξιν Ἰοῦς. Eur. Suppl. 642. τὴν τ' ἀμφιΘησεῶς προᾶξιν (ἀγγέλλεις).

153. ἐκλαυσάμην] Pro usitatori forma ἐκλαυσα.

156. ὄδον — ὠρμαῖ'] Cf. O. C. 1400. ὄλον ἀρ' ὄδοῦ τέλος | Ἄργους ἀφωρμήθημεν. Aj. 290.

157. δέλτον ἐγγεγραμμένην ξυνθήμαθ'] Similiter Soph. Aj. 1178. ὄλιζαν ἐξημημένους. Virg. Ecl. III. 106. 'inscripti nomina regum.' Ant. 408. πρὸς σοῦ τὰ δεῖν' ἐκεῖν' ἐπηπειλημένοι. Eur. Phoen. 1445. τετραωμένους — καιρίας σφαγᾶς. Thuc. I. 126. ἐπιτετραμμένοι τὴν φυλακῆν. Herod. VII. 69. λεοντέας ἐναμμένοι.

159. πολλοὺς ἀγῶνας ἐξιῶν] Cf. Aj. 290. τί τήνδ' — ἀφορμᾶ πείραν — ;

161. ἔτ' οὐκ ὦν] Cf. O. R. 24. ἀνακουφίσαι κάρα | βυθῶν ἔτ' οὐχ οἶα τε. Arist. Pl. 1177. θύειν ἔτ' οὐδέεις ἀξιοῖ.

166. In clausula posteriori supple ἐξείη and aliquid simile.

168. τὸ λοιπὸν ἤδη] Cf. 921. τὸ λοιπὸν ἤδη χαίρετε. Ph. 454. O. C. 1619. Eur. Andr. 1259. τὸ λοιπὸν ἤδη θεὸς συνοικῆσεις θεᾶ. ζῆν ἀλυπῆτω βίῳ] Cf. El. 650. ζῶσαν ἀβλαβεῖ βίῳ.

169—172. Fröhlich sic: τοιαῦτ' — εἰμαρμένα· | ὡς — ἐκ Πελειάδων, τέλος | τῶν Ἡρακλείων ἐκτελεντᾶσθαι πόνων.

169. τοιαῦτ' ἔφραζε πρὸς θεῶν εἰμαρμένα] Cf. Aesch. Ag. 912. τὰ δ' ἄλλα — σὺν θεοῖς εἰμαρμένα.

173. καὶ τοῖσδε ναμέρτια — χρόνον τοῦ νῦν παρόντος] Anglice and the exact (precise) point of the present time agrees with this (τοῖσδε). συμβαίνει] Congruit. Cf. 1164. 1174.

χρόνου τοῦ νῦν παρόντος] Cf. Tr. 1169. χρόνω τῷ ζῶντι καὶ παρόντι νῦν. El. 1293. τῷ παρόντι νῦν χρόνω.

176. φόβω — ταρβοῦσαν] Cf. Eur. Herc. 971. οἱ δὲ ταρβοῦντες φόβω | ὄρρον ἄλλος ἄλλοσ'. Sept. 226. ταρβοσύνω φόβω. 744. περίφοβον τάρβος. ταρβοῦσαν εἴ με χρῆ —] Cf. 666. ἀθνημῶ δ' εἰ φανήσομαι. Med. 187. φόβος εἰ πείσω. Her. 786. φόβος γὰρ εἰ —. Aesch. Suppl. 70. 717.

177. ἀρίστον φωτὸς —] Cf. Eur. Herc. 150. σὺ δ' ὡς ἀρίστον φωτὸς ἐκλήθης δάμαρ.

179. πρὸς χάριν λόγων] Cf. Ant. 31. εἰσορῶσι πρὸς χάριν βορᾶς.

180. πρώτος ἀγγέλων ὄκνου σε λύσω] Cf. 190. Aesch. Pers. 253. καὸν μὲν πρῶτον ἀγγέλλειν κακά. Arist. Eq. 643. εὐαγγελισσάθθα πρῶτος ὑμῖν βούλομαι. Nub. 523. Aeschin. 2, 171. ἀπαγγελίας τοίνυν πρῶτος τῆν τῆς πόλεως νίκην ὑμᾶς ἀπαιτῶ χάριν.

181. ὄκνου σε λύσω] Cf. Eur. Suppl. 638. λόγον δ' ἐγὼ | μακροῦ σε λύσω (ita enim legerim). Aesch. Prom. 1006. λῦσαί με δεσμῶν τῶνδε. Suppl. 1066. ὅσπερ Ἴω πημονᾶς ἐλύσατο (l. ἐρρύσατο).

184. τίν' εἶπας — τόνδε μοι λόγον;] Cf. El. 328. 388.

188. βουθερεῖ λειμῶν] Cf. Aesch. Suppl. 540. λειμῶνα βούχιλον.

189. Λίχας] Λίχας δ' Ἀρκεσιλάου memoratur Thuc. VIII. 39.

190. ὅπως τοι —] Cf. ad El. 1469. ὅπως | τὸ συγγενές τοι (τε al. lege γε) κάτ' ἐμοῦ θρήνων τύχη. Sed legendum ὅπως σοι —.

193. εὐμαρεῖα χρώμενος πολλῆ] Cf. Phil. 284. τούτου δὲ πολλὴν εὐμάρειαν, ὧ τέκνον.

194. Cf. Arist. Pl. 786. ἐμὲ γὰρ τίς οὐ προσεῖπε; πῶος οὐκ ὄχλος | περιεστεφάνωσεν ἐν ἀγορᾷ πρεσβυτικός; Antiph. 190, 9. κύκλους δὲ συναγείροντες ἔλεγον ἂν τάδε. Theophr. Char. 8. οἱ ἐν τοῖς βαλανείοις περιστάσεις ποιούμενοι. Μηλιεύς — λεώς] Cf. Thuc. III. 92. 1. Μηλιῆς κτλ.

195. κρίνει] Cf. 314. 387. Aj. 586. El. 1445. Ant. 339. βῆναι πρόσω] Cf. O. C. 179. 226.

196. τὸ γὰρ ποθοῦν] Cf. O. C. 1220. Eur. Iph. A. 1270 τὸ κείνου βουλόμενον Thuc. I. 90. τὸ βουλόμενον. Sed latet corruptela.

197. οὐκ ἂν μεθεῖτο] Relinquere eum (ab eo abscedere) recusat. Optativum esse μεθεῖτο vix opus est ut moneam. καθ' ἡδονὴν κλύει] Cf. Aesch. Prom. 260. ὡς δ' ἡμαρτες οὐτ' ἐμοὶ λέγειν | καθ' ἡδονὴν, σοὶ τ' ἄλγος.

198. Cf. Ant. 276. πάρεμι δ' ἄκων οὐχ ἐκοῦσιν, οἶδ' ὅτι. Fr. 68, 2. ἢ θέλουσαν (ἢ οὐχ ἐκοῦσαν?) οὐχ ἐκῶν.

201. Cf. El. 1013. αὐτὴ δὲ νοῦν σχὲς ἀλλὰ τῷ χρόνῳ ποτέ.

203. στέγης — αὐλῆς] Sic οἶκων et δόμοις 156.

204. ὄμμ' — ἀνασχόν] Cf. Herod. V. 106. ἐκ τοῦ σοὶ τι — ἔμελλε λυπηρὸν ἀνασχῆσιν.

205 sq. In hujusmodi hymnis Apollinem canebant pueri, Dianam puellae. Confer Horatii 'Carmen saeculare'.

205. ἀνωλολύξάτω] Cf. Aesch. Ag. 587. ἀνωλόλυξα μὲν πάλαι χαρᾶς ὕπο. Cho. 922. ἐπολολύξατ' (ἀνολ.?) ὧ δεοποσύνων δόμων ἀναφυγᾶς (ἀποφυγᾶν?) κακῶν. Eur. El. 691. ὀλολύξεται πᾶν δῶμα. Or. 1335. ἐπ' ἀξίοισι τᾶρ' ἀνευφημεῖ δόμος. Xen. Anab. IV. 3. 14. ἀνηυφήμησεν (ἀνωλόλυξεν?) οἰμωγῆ λεώς. Xen. Anab. IV. 3. 14. ἐπαιάνιζον πάντες οἱ στρατιῶται καὶ ἀνηγάλαζον, ξυνωλόλυζον δὲ καὶ αἱ γυναῖκες ἅπασαι. Schol. ad Phoen. 345. ἀλαλαὶ κυρίως αἱ τῶν θνητῶν εὐχαί. De infausto clamore El. 750. ἀνωλόλυξε τὸν νεανίαν οἷα λαγγάνει κακά.

206. ἃ μελλόνυμφος] Cf. Ant. 633. τῆς μελλονύμφου. Schol. ad Hipp. 1423. ἐν Τροίῳ ἱερὸν ἔστιν Ἴππολύτου, ᾧ ἀποκείρονται αἱ μελλόνυμφοι.

207. κοινός] Femininum ut πτωχός O. C. 751. τηλικούτος El. 613. βέβαιος, λαθραῖος, etc.

208. ἔτω κλαγγά] Cf. Fr. 435, 5. ἔτω δὲ Πυθιάς βοᾷ τῷ θεῷ. Eur. El. 879. ἔτω ξύναυλος βοᾷ χαρᾶ. Iph. A. 1470. ἔτω — εὐφημία. Ion. 1096. αἰοῖα — ἔτω. Arist. Av. 857. ἔτω δὲ Πυθιάς βοᾷ κλαγγά] Cf. Eur. Ion. 915. σὺ δὲ κινῶρα κλάσεις παιᾶνας μέλπων. εὐφραδέτραν] Cf. Hor. Od. I. 21. 11. 'Insignemque pharetra.'

210. Ἀπόλλω προστάταν] I. q. προστατήριον. Cf. El. 637. Φοῖβε προστατήριε. O. R. 881. Aesch. Sept. 449. προστατηρίας Ἄρτεμιδος.

211. παιᾶν' ἀνάγει] Cf. Eur. Tro. 326. ἀναγε χορόν. Phoen. 1353. ἀνάγετε κωκυτόν. El. 126. ἀναγε πολύδακρον ἄδονάν. Carmen Ithyphallicum Athen. 622 B. ἀνάγετε κῶμον, ἀνάγει'. Chorus se ipsa alloquitur, ut in 821. El. 1384.

213. Ἄρτεμιν — ἀμφίπτυρον] Cf. Fr. 212. βοᾶτε τὰν δμῶσπορον Ἄρτεμιν — ἀμφίπτυρον. et ad Arist. Ran. 1361. ἀμφίπτυρον] I. e. binas taedas gerentem. Cf. O. R. 207. πυρφόρους Ἄρτεμιδος αἴγλας (i. e. taedas). Eur. Ion. 726. ἵνα Βάκχιος ἀμφιπτύρους ἀνέχων πεύκας λαυηρὰ πηδᾶ κτλ.

216. αἰείρομ'] Cf. Arist. Eccl. 1179. αἰείροσθ' (ἀναίροσθ'?) ἄνω. Lys. 1292. Vesp. 1525. ἀπώσομαι τὸν αἰλὸν] Cf. 1249. ποιήσω κοῦκ ἀπώσομαι. Ph. 1122. El. 430. 944. 1325.

217. ὦ τύραννε —] Cf. Fr. 678, 15. Διὸς τυραννεῖ πνευμόνων. Eur. Hipp. 540. Ἔρωτα δὲ τὸν τύραννον ἀνδρῶν κτλ. Trag. Fr. Adesp. 102, 3. ὦ χρυσὲ — πάντων τύραννε.

219. εὐοῖ εὐοῖ] Cf. Hor. Od. II. 19. 6. 'Plerumque Bacchi turbidum | Laetatur enoe.'

220. βακχίαν ὑποτρέφων ἄμιλλαν] Cf. Lucian. Cal. 24. ἐνθακόντα ὑποτρέφειν τὴν χολήν.

225. οὐδέ μ' ὄμματος φρουρὰν παρήλαθε] I. e. οὐδὲ ἔλαθε τοῦμόν ὄμμα. Cf. Eur. Rhes. 54. λαθόντες ὄμμα τοῦμόν.

226. στόλον] Agmen, comitatum. Cf. 496. O. R. 169. Ph. 906.

227 sq. Cf. El. 1456. ἢ πολλὰ χαίρειν μ' εἶπας οὐκ εἰωθότως. | ΗΛ. χαίροις ἄν, εἴ σοι χαρὰ τυγχάνει τάδε. Archil. 68, 6. ἀλλὰ χαρτοῖσιν τε χαῖρε καὶ κακοῖσιν ἀσγάλα.

227. χαίρειν — προυννέπω] Cf. O. R. 350. ἐννέπω σε τῷ κηρύγματι — ἐμμένειν. El. 1273. ἰὼ χρόνω μακρῷ — ἐπαξιώσας ὧδέ μοι φανῆναι. Eur. El. 552. ὅμως δὲ χαίρειν τοὺς ξένους προσεννέπω. Iph. A. 640. ὦ πάτερ, ἐσεῖδόν σ' ἀσμένη πολλῷ χρόνω. Theocr. 25, 56. χθιζὸς ὄδ' εἰλήλουθεν ἀπ' ἄστεος ἡμασι πολλοῖς | κτήσιν ἐποφόμενος.

228. χαρτὸν εἴ τι καὶ φέρεις] Cf. Ph. 1042. εἴ τι καὶ μ' οὐκ αἰδέσθε. Sic εἴ — τι καὶ Ph. 292. Oed. 851. 1110.

229. ἀλλ' οὐ μὲν ἔγμεθ', —] Cf. El. 1102. ἀλλ' εὖ θ' ἰκάμευς —. Oed. C. 308. ἀλλ' ἐδτυχῆς ἔκοιτο κτλ. Aesch. Cho. 1044. Suppl. 219.

235. ζῶντα καὶ θάλλοντα] Cf. El. 952. βίω θάλλοντ' ἔτ'. Eur. Iph. A. 1120. ζῶσύν τε καὶ θάλλουσαν. Eur. Fr. 890, 13. ὄθεν (i. e. δι' ὧν) βρότειον ζῆ τε καὶ θάλλει γένος. Aesch. Ag. 677. καὶ ζῶντα καὶ βλέποντα.

237. ἀπὴ — Εὐβούς] Cf. 401. Fr. 239, 2. Eur. Her. 83. Εὐβοῖδ' ἀπὴν. Fr. 239, 2. Εὐβούς αἶα. Infra 401. Εὐβούς (γυνή). δρίζεται] Terminat, limitat. Cf. Eur. Fr. 696. ὦ γαῖα πατρίς, ἦν Πέλωψ δρίζεται. Activa forma est 754.

240. ἀνάστατον] Eversam. Cf. Ant. 673. ἦδ' ἀναστάτους δόμους τίθησιν.

241. ὄρας ἐν ὄμμασιν] Cf. 746. Eur. Or. 1018. Hipp. 1260. Hom. Il. 1, 587. μή σε — ἐν ὀφθαλμοῖσιν ἴδωμαι | θεινομένην.

243. κλέπτουσι] Fallunt. Cf. Ant. 1218. θεοῖσι κλέπτομαι. 681. εἰ μὴ τῷ χρόνῳ κεκλήμεθα. El. 56. λόγῳ κλέπτοντες.

245. Cf. Eur. Tro. 33. τοῖς πρώτοισιν ἐξηρημέναι. 253. 275. Herod. IX. 81. δεκάτην ἐξελόντες τῷ ἐν Δελφοῖσι θεῷ. ibid. ὅσα μὲν νῦν ἐξαιρετα τοῖσι ἀριστεύουσι — ἐδόθη κτλ. Xen. Cyr. IV. 5. 51. πρώτων μὲν οὖν τοῖς θεοῖς — ἐξαιρεῖτε ὃ τι ἂν οἱ μάγοι ἐξηγῶνται. V. 5. 2. σκηρῆν, Κναζάρη ἦν οἱ Μῆδοι ἐξεῖλον. ibid. τὰς μουσονογούς, ἀπτερ ἐξηρημέναι ἦσαν Κναζάρη. κριτόν] Cf. 27. λέχος — κριτόν.

246. ἦ καὶ —;] Cf. ad Aj. 48. ἦ καὶ παρέστη —; El. 385. Ant. 770. 752. 726.

247. ἡμερῶν ἀνηριθμον] Cf. Aj. 646. ὃ μακρὸς κἀναριθμητος χρόνος. 603. O. R. 179. El. 232.

249. Cf. Aj. 415. πολὺν — κατεῖχετ' ἀμφὶ Τροίαν χρόνον.

251. Cf. El. 1467. εἰ δ' ἔπεισι νέμεσις, οὐ λέγω.

252. κείνος δὲ —] Cf. Aesch. Ag. 1040.

253. ἐξέπλησ'] Explevit. Cf. Ph. 759. ἦκει γὰρ αὕτη διὰ χρόνου πλάνους ἴσως | ὡς ἐξέπλησθη (πλάνους ἴσους ὡς ἐξέπλησ'?).

255. ὄρκον αὐτῷ προσβαλῶν] Cf. 1185. Ph. 593. διώμοτοι | ἦ μὴν — ἄξειν. El. 47. ἄγγελλε δ' ὄρκῳ (i. ὄρκον) προστιθείς. Fr. 419. ὄρκον δὲ προστεθέντος κτλ.

256. ἦ μὴν — ἔτι] Cf. Arist. Pl. 608. Eccl. 1034. Aesch. Prom. 167. ἦ μὴν ἔτ' ἐμοῦ — χρεῖαν ἔξει μακάρων πρότατις.

257. δουλώσειν] Pro usitatori δουλώσεσθαι. Sic Eur. Her. 817. τοὺς Ἡρακλείους ἦλθε δουλώσων γόνους. Ubi v. Elmsl.

258. κοῦχ ἠλίωσε τοῦπος] Cf. Hom. Il. 18, 324. ὦ πόποι, ἦ δ' ἄλιον ἔπος ἐκβαλον ἤματι κείνῳ. ἠλίωσε] Irritum reddidit.

Ab ἄλιος (O. C. 1469). Cf. O. C. 703. τὸ (φύλλον) — ἀλιώσει χειρὶ πέρσας. 1469. οὐ γὰρ ἄλιον ἀφορμᾶ ποτε (schol. οὐ μάτην).

259. ἐπακτὸν] Cf. Aesch. Sept. 583. στρατένμ' ἐπακτὸν. 1019. ἔρχεται πόλιν —] Cf. Eur. Her. 374. εἰ πόλιν ἤξει.

260. μεταίτιον μόνον] Sic 1234. μόνῃ μεταίτιος. Contra πα- ναίτιος Aesch. Ag. 1485.

262. ἐλθόντ' ἐς δόμους ἐφέστιον] Cf. Aesch. Ag. 851. νῦν δ' ἐς μέλαθρα καὶ δόμους ἐφεστίους (f. ἐφέστιον) | ἐλθὼν κτλ. Suppl. 365. κάθησθε δαυμάτων ἐφέστιοι | ἐμῶν. Sept. 852. πόνοι — δόμων ἐφέστιοι. Rhés. 201. ἐλθὼν ἐς δόμους ἐφέστιος. Hom. Od. 23, 55. ἦλθε μὲν αὐτὸς ζωὸς ἐφέστιος.

263. λόγοις ἐπερρόθησε] Cf. Ant. 413. ἐπιρρόθοις κακοῖσιν. Aesch. Sept. 271. λόγους ταχυρρόθους.

264. αὐτὸν — ἐπερρόθησε] Cf. Fr. 695. ἐπερρόθει — τὴν κε- τημένην. Eur. Or. 910. Phoen. 1253. Hec. 551. ἀτηρᾷ φρενὶ] I. q. κακοβούλῳ φρονίδι Fr. 519. Cf. Ant. 603. φρενῶν ἐρινύς. 624. 1097. Hom. Il. 16, 805. τὸν δ' ἀτη φρένας εἶλε.

266. τῶν ὧν τέκνων λείποιο] Cf. Aj. 1245. οἱ λελειμμένοι (schol. οἱ ἠτηθέντες). Eur. Fr. 1051. εἰ τοῖς ἐν οἴκῳ χρήμασιν λελείμεθα, κτλ.

268. δέπνοις] Cf. O. R. 779. Qu. δέπνω. ὄνωμένος] Cf. Fr. 668. πᾶς γὰρ οἰνωθεὶς ἀνήρ | ἦσσαν μὲν δργγῆς ἐστί. Eur. Bacch. 686. ὄνωμένας κρατῆρι.

269. Cf. Soph. Ant. 1177. πατρὶ μνησίας φόνου.

270. Ἴφιτος] Cf. 38. 357. Hom. Od. 21, 14. 37. Ἴφιτος Εὐρυ- τίδης.

271. ἕππους νομάδας] Cf. Fr. 110, 1. νομάς — ἔλαφος. ἐξι- χροσκοπῶν] Cf. Aesch. Cho. 219. ἰχροσκοποὶ τ' ἐν σίβουσι τοῖς ἐμοῖς.

272. ἄλλοσ' — ἔχοντ'] Cf. Eur., Ion. 251. οἴκοι δὲ τὸν νοῦν ἔσχον ἐνθάδ' οὐσά που. 1370. ἐκείσε τὸν νοῦν δούς. θάτερρα] Cf. Arist. Vesp. 497. Eccl. 498. De crasi cf. O. C. 497. ἀτέρα. et ad O. R. 782.

273. πυργώδους — πλακός] Cf. Ion. Fr. 47. πυργεῖαν (πυρ- γώδη?) σκοπήν. πλακός] Cf. Aj. 1129. ἄκραν ὑπὸ πλάκα Σου- νίου. Eur. Bacch. 307. δικόρουφον πλάκα. 718.

277. μούνον ἀνθρώπων] Lichantis ipsius additamentum.

279. συνέγνω — χειρουμένω] Cf. Aesch. Suppl. 215. εἰδὼς ἂν αἶσαν τήνδε συγγνωτῆ βροτοῖς.

280. δαίμονες] I. q. θεοί. Cf. Phil. 447. 462. etc.

281. ἐκ γλώσσης κακῆς] Cf. El. 455. ἐξ ὑπερτέρας χειρὸς | ἐχθροῖσιν — ἐπεμβῆσαι. γλώσσης κακῆς] Cf. Aesch. Suppl. 994. γλῶσσαν εὐτυκον φέρει | κακῆν. Hinc κακόγλωσσός Eur. Hec. 661.

282. Αἶδου — οἰκήτορες] Cf. 1161. δοῖς Αἶδου φθίμενος οἰκῆτωρ πέλοι. Aj. 517. Αἶδου θανασίμους οἰκῆτορας. Ph. 819.

283. τάσδε δ' ἄσπερ εἰσορᾶς —] Cf. O. R. 449. τὸν ἄνδρα τοῦτον δν —.

284. ἐξ ὀλβίων —] Cf. Eur. Her. 939. ἐκ γὰρ εὐτυχοῦς | ἦδι-
στον ἐχθρόν ἄνδρα δυστυχοῦνθ' ὄρα. ἄζηλον εὐρούσαι βίον] Cf.
O. C. 1078. δεινὰ δ' εὐρουσαῖν πρὸς αὐθαίμων πάθη. Eur. Bacch.
970. εὐρήσεις κλέος.

285. ταῦτα γὰρ πόσις τε σὸς ἐφεῖτ', ἐγὼ τε —] Cf. ad 333.
Ant. 1096. Aj. 835.

286. ἐφεῖτ'] Mandavit, jussit. Cf. El. 1111. ἀλλὰ μοι γέ-
ρων | ἐφεῖτ' Ὀρέστον — ἀγγεῖλαι πέρι. Aj. 116. 991. Ph. 619. 770.
287 sq. Cf. O. R. 819 sq. 717 sq.

288. πατρώφ Ζηρῖ] Cf. 753. Aesch. Fr. 157 N. Eur. El. 671.
Arist. Nub. 1468. (ex trag.).

289. φρόνει —] Cf. Ant. 996. φρόνει βεβῶς αὖ νῦν ἐπὶ ξυροῦ
τύχης. El. 1370. φροντίζεθ' ὡς τούτοις — μαχοῦμενοι. Ph. 415.
ὡς μηκέτ' ὄντα κείνον ἐν φάει νόει (φρόνει?). 810. Aj. 281. O. R.
848. 955. Ph. 253. El. 882. 1341. O. C. 1583. El. 1341. ἡγγει-
λας, ὡς ἔοικέ, μ' ὡς τεθνηκότα. Eur. Med. 1308. ὡς οὐκέτ' ὄντων
σῶν τέκνων φρόντιζε δή. Aesch. Ag. 672. λέγουσιν ἡμᾶς ὡς δλω-
λότας.

294. προᾶξιν] Anglice fare. Cf. Tro. 294. ἄνδρὸς εὐτυχῆ ἰ-
κλύουσα προᾶξιν τήνδε. 152. τὴν αὐτοῦ σκοπῶν προᾶξιν. 879. Aj.
790. 772.

295. πολλή 'στ' ἀνάγκη] Eadem verba El. 309. Cf. ad 328.
συντρέχειν] Cf. 880. Aesch. Fr. 286. οὔτε — θνήσκει τις, ἦν μὴ
τέρμα συντρέχη βίου, κτλ. Aesch. Ag. 1184. συνδρόμους.

296. Cf. 591. ὡς τὸ μὲν δοκεῖν ἔνεστι.

298. ἐμοὶ —] Cf. Phil. 965. ἐμοὶ μὲν οἶκτος δεινὸς ἐμπέπτωκέ
τις | τοῦδ' ἀνδρός. Eur. Or. 1668. καίτοι μ' εἰσῆει δεῖμα μὴ κτλ.
et ad O. C. 372.

300. δοικον] Cf. Phil. 534. Eur. Hipp. 1029. Trag. adesp. 107.
ἄπολις, δοικος, πατὴρ ἐστερημένος.

301. ἴσως] Cf. Ph. 180. πρωτογόνων ἴσως (γεγῶς Nauck.) οἰκων.

302. ἀνδρῶν] Fort. οἰκων. Cf. Phil. 180. οὗτος πρωτογόνων
ἴσως (l. γεγῶς) οἰκων οὐδενὸς ὕστερος κτλ.

303. ὦ Ζεῦ τροπαῖε] Cf. Ant. 143. Ζηρὶ τροπαίω. Eur. El.
671. ὦ Ζεῦ — τροπαῖ' ἐχθρῶν ἐμῶν. Eur. Med. 632. μήποτ', ὦ
δέσποιν', ἐπ' ἐμοὶ — ἐφείης — ἄφικτον οἰστόν.

304. Cf. Aesch. Prom. 864. τοιάδ' ἐπ' ἐχθρούς τοὺς ἐμοὺς
ἔλθοι Κύπρις. Eur. Phoen. 1573. σὸς δ' ἀλάστωρ ξίφεισιν βροίθων
— ἐπὶ παῖδας ἔβα τοὺς σοὺς. Hipp. 528. μὴ μοὶ ποτε σὺν κακῷ
φανεῖς μηδ' ἄφρονθμος ἔλθοις.

307. ὦ δυστάλαινα — νεανίδων] Cf. Eur. Hec. 567. ὦ τάλαινα
παρθένων. Hec. 716. ὦ κατάρατ' ἀνδρῶν. Arist. Ran. 1049. ὦ
σχέτλι' ἀνδρῶν. 835. ὦ δαιμόνι' ἀνδρῶν.

308. τεκνοῦσα] Opponitur ἄτοκος, Eur. El. 1127. ἄτοκος οὐδ' ἐν τῷ πάρος. Callimacheum παιδοῦσσα comparat scholiasta. φύσιν] Formam (speciem) corporis. Cf. 379. O. R. 740.

309. Schol. ἄπειρος εἰ τῶν ἐκ τοῦ γάμου προσγινομένων. Cf. Ant. 1191. κακῶν γὰρ οὐκ ἄπειρος. Fr. 483. ἄπειρος — κακῶν.

311. τίς δ' ὁ φιλύσας πατήρ;] Cf. Aj. 1296. ὁ φιλύσας πατήρ. Ant. 645. δοτις — φιλύει τέκνα. Eur. Fr. 204.

312. τῶνδε πλείστον —] Cf. O. C. 739. ἐς πλείστον πόλεως.

313. Cf. Ant. 1051. ὅσῳ περ μὴ φρονεῖν πλείστη βλάβη. Aj. 554. ἐν τῷ φρονεῖν γὰρ μηδὲν ἥδιος βίος. Eur. Fr. 205, 1. φρονῶ δ' ἂ πάσῳ, καὶ τόδ' οὐ σμικρὸν κακόν· | τὸ μὴ εἰδέναι γὰρ ἡδονὴν ἔχει τινὰ | νοσοῦντα, κέρδος δ' ἐν κακοῖς ἀγνωσία.

315. οὐκ ἐν ὑστάτοις] Cf. Eur. Ion. 1115. ἔγνωσ' μεθέξεις δ' οὐκ ἐν ὑστάτοις κακοῦ.

317. ἀνιστόρουν μακράν] Cf. O. R. 220. οὐ γὰρ ἂν μακράν | ἔχενον αὐτό.

318. ξυνεμπόρων] Cf. Ph. 542. Adesp. 270. ἄψυχον ἄνδρα λαμβάνειν συνέμπορον.

321. ξυμφορὰ σι —] Cf. Alex. III. 511. ὡς ἔστι κατακεῖσθαι πρὸ δείπνου συμφορὰ.

323. γλῶσσαν] Sermonem. Cf. O. R. 671. El. 596. ἢ πᾶσαν ἴης γλῶσσαν ὡς κακοστομοῦμεν. O. C. 131. τὸ τᾶς εὐφάμου στόμα φροντίδος ἰέντες. 981. Ant. 705. μὴ νυν ἐν ἦθος μούνον ἐν σαυτῷ φόρει. Eur. Hipp. 995. ὅμως δ' ἀνάγκη — γλῶσσαν μ' ἀφείναι.

γλῶσσαν διοίσει mss. Cf. Soph. Fr. 669 D. σιγᾶν ἄμεινον, κἂν καλὸν φέρῃ στόμα. Trag. adesp. 519. οὐ χρὴ ποδώκη τὸν τρόπον λίαν φορεῖν. 182. μί' εὐγένεια τὸν τρόπον χρηστὸν φορεῖν. Aesch. Cho. 581. ὑμῖν δ' ἐπαινώ γλῶσσαν εὐφημον φέρειν. Eur. Hipp. 316. ἀγνάς — χεῖρας αἵματος φέρεις. Phoen. 1547. ἀλαδὸν ὄμμα φέρων. Com. anon. IV. 657. διαν λάγνην τὸν ὀφθαλμὸν φορῆς. Sed vera videtur esse codicum scriptura διήσει. ἦτις — προῦφηγεν] Quae protulerit. Ad subjectum verbi διήσει referendum. Cf. O. R. 790. δεῖνὰ — προυφάνη λέγων. οὐδαμὰ] Legitur Arist. Fr. 662. μηδαμὰ (v. l. μηδαμᾶ) Arist. Thesm. 1162.

324. μείζονα] Cf. ad 679.

325. ὠδίνουσα — βάρος] Cf. ad Aj. 794. ὥστε μ' ὠδίνειν τί φῆς. Eur. Hipp. 258. τὸ δ' ὑπὲρ δισσοῶν μίαν ὠδίνειν | ψυχὰν χαλεπὸν βάρος. Her. 654. πάλαι γὰρ ὠδίνουσα τῶν ἀφιγμένων | ψυχὴν ἐτήκου νόστος εἰ γενήσεται. συμφορᾶς βάρος] El. 939. πημονῆς — βάρος.

327. διήνημον] I. e. ἠνεμόεσσαν. Alteram interpretationem ἔρημον (eversam, quasi disiectum ventis) monuerat schol.

328. συγγνώμη ἔχει] Cf. El. 351. οὐ ταῦτα — δειλίαν ἔχει; Eur. Phoen. 995. ξυγγνώστὰ μὲν | γέροντι, τοῦμόν δ' οὐχὶ συγγνώμη ἔχει. αὐτῇ γ'] Leg. αὐτῇ 'στ'.

329. πορευέσθω στέγας] Cf. O. R. 533. τὰς ἐμὰς στέγας ἔκον.
 330. Cf. El. 1301. ὦδ' ὄπωρος καὶ σοὶ φίλον, etc. Fr. 636, 2.
 τὸ κατ' ἡμᾶρ ὄπωρος ἤδιστα πορσύνων.
 332. Cf. Eur. Hoc. 394. ἄλις κόρης σῆς θάνατος. Or. 1037.
 ἄλις τὸ μητρὸς αἵμ'. Iph. T. 1014.
 338. Similis locus est Ant. 721. φῦναι τιν' ἄνδρα πάντ' ἐπιστήμης πλέων. Cf. Ant. 721. Ph. 1057. τήνδ' ἐπιστήμην ἔχων. Eur. Rhes. 106. ἀλλ' οὐ γὰρ αὐτὸς πάντ' ἐπίσπασθαι βροτῶν | πέφνυκεν. Xen. Cyr. III. 3. 9. ἐπιστήμονες δὲ ἦσαν τὰ προσήκοντα τῇ ἑαυτοῦ ἕκαστος ὀπλίῃαι.
 339. Cf. El. 1176. τί δ' ἔσχες ἄλλος; πρὸς τί τοῦτ' εἰπὼν κυρεῖς; Oed. R. 1144. τί δ' ἐστί; πρὸς τί τοῦτο τοῦπος ἱστορεῖς; Ant. 386. τί δ' ἐστί; ποία ξύμμετρος προύβην τύχη; Aj. 42. τί δῆτα ποίμναις τήνδ' ἐπεμπίπτει βάσιν;
 340. ἀμυρ σοὶ βοᾷ] Cf. O. R. 155. O. C. 492. Tr. 727.
 341. οὐδὲ νῦν δοκῶ] Sub. μάτην σε ἀκούσεσθαι.
 344. οὐδὲν εἶργεται, τούτους δ' ἔα] Cf. 1257. οὐδὲν εἶργει σοὶ τελειοῦσθαι τάδε. Qu. οὐδὲν εἰργόν ἐστ', αὐτοὺς δ' ἔα.
 347. δικαίως ὀρθόν] Eadem verba sunt O. R. 853.
 350. ἀγνοία μ' ἔχει] Cf. Eur. Iph. A. 837. ἀφασία μ' ἔχει. Herc. 515. ἀγνοία] Cf. Phil. 129. Aesch. Ag. 1596. ἀγνοία λαβῶν κτλ. Sic ἀνοία Fr. 517, 5. Eur. Andr. 520.
 354. ὑπίπτυρον Οἰχάλια] Cf. 859. αἰπεινᾶς — Οἰχάλιας.
 355. Ἔρωσ — θέλξειεν] Cf. Eur. Hipp. 1274. θέλγει δ' Ἔρωσ. Bacch. 402. οἱ θελξίφρονες Ἔρωτες. αἰχμάσαι] Cf. Eur. Rhes. 444. δέκατον αἰχμάσεις ἔτος.
 356. οὐδ' ἐπ' Ὀμφάλη —] I. e. οὐδὲ τὰ ἐπ' Ὀμφάλη —. Cf. ad O. C. 78.
 357. ζιπτὸν — μόρον] Cf. Ant. 36. φόνον δημόλευστον. Aesch. Prom. 885. θηλυκτόνω | Ἄρει δαμέντιας. Ag. 1528. ξιφοδηλήτω θανάτω. Suppl. 987. δορικανεῖ μόρω θανάων. Cho. 296. παμφθάρτω μόρω. Eur. Rhes. 606. κατατόμους σφαγᾶς. Lucian. I. 572. λακιστόν — μόρον. Adesp. 235. λακιστόν ἐν πέτραισιν εὐρέσθαι μόρον.
 358. παρώσας] Cf. Eur. Tro. 663. παρώσασ' Ἔκτορος φίλον κάρα. Eur. El. 1037. δταν δ', ὑπόντος τοῦδ', ἀμαρτάνη πόσις, | τᾶνδον παρώσας λέκτρα, μμείσθαι θέλει (l. φιλεῖ) | γυνή τὸν ἄνδρα χᾶτρεον κτᾶσθαι φίλον. Her. 238. τοὺς σοὺς μὴ παρώσασθαι ξένους. Andr. 30. Ἐρμόνην γαμῆ | τοῦμόν παρώσας δεσπότης δοῦλον λέχος. ἔμπαλιν λέγει] Cf. Aesch. Ag. 1426. ἐὰν δὲ τοῦμπαλιν κραίην θεός. Eur. Hec. 782. εἰ μὲν δσα — εἰ δὲ τοῦμπαλιν. Eur. Hipp. 390. ὥστε τοῦμπαλιν πεσεῖν φρενῶν.
 363. Cf. Aesch. Sept. 27. δεσπότης μαντευμάτων. Prom. 930. καὶ προσδοκᾶν χρῆ δεσπόμεν Ζηγός τινα; Eur. Ion. 1045. τῶ τῶν ἐμῶν μέλλοντι δεσπόμεν δόμων. et ad Herc. 28.

365. Cf. Eur. Herc. 12. ἤνικ' εἰς ἐμούς | δόμους δ κλεινός
 Ἡρακλῆς νιν ἤγετο. Phoen. 1329. λεύσω τόνδε δεῦρο — πρὸς
 δόμους στείχοντα. 708. ὄρω γὰρ αὐτὸν πρὸς δόμους στείχοντ' ἐμούς.

368. ἐντεθέρμανται] Cf. Arist. Ran. 844. καὶ μὴ πρὸς ὄργην
 σπλάγγνα θεομήνης κότω. et ad El. 888. ἐς τί μοι | βλέψασα θάλ-
 πει τῷδ' ἀηκέσιω πυρῆ;

369. πρὸς σὲ δηλώσαι τὸ πᾶν] I. q. σοὶ δηλώσαι —. Cf. Eur.
 Phoen. 580. δεῖ δ' αὐτὸν λέγειν — πρὸς σὲ καμὲ τούσδε τε.

372. ὠσαύτως] Cf. El. 27. ὠσαύτως δὲ σὺ — ἐπει. Connecte
 ἐμοὶ cum συνεξήκονον.

374. τὸ δ' ὄρθον ἐξείρηχ'] Cf. O. R. 1219. τὸ δ' ὄρθον εἰπεῖν.

375. ποῦ ποτ' εἰμι πράγματος;] Cf. 705. οὐκ ἔχω — ποῦ
 γνώμης πέσω. Aj. 102. ποῦ σοι τύχης ἔστηκε; 314. κἀνήρει' ἐν
 τῷ πράγματος κυροῖ ποτέ. El. 390. ποῦ ποτ' εἰ φρενῶν; Ant. 42.
 ποῦ γνώμης ποτ' εἰ;

377. πημιονῆν — λαθραῖον] Cf. Eur. Ion. 45. λαθραῖον ὠδῖν'.
 Aesch. Ag. 1230. ἄτης λαθραίου. ὦ δύστηνος] Cf. Eur. Andr. 71.
 πόθεν ποτ'; ὦ δύστηνος, ὡς ἀπωλόμην.

378. διώμνυτο] Cf. Aj. 1233. διωμόσω.

379. ἡ κάρτα λαμπρά] Qu. καὶ κάρτα λαμπρά. Cf. Herod.
 VI. 125. καὶ κάρτα λαμπροί. ἡ κάρτα] Cf. Aesch. Suppl. 447. etc.
 φύσιν] In form, in figure. Cf. O. R. 740. Aj. 1301. φύσει μὲν
 ἦν βασιλεία, λαομέδοντος. λαμπρά — κατ' ἄμμα] Cf. O. R. 81.
 λαμπρὸς ὡσπερ ἄμματι. κατ' ἄμμα] I. e. κατ' ὄψιν sive θέαν.
 κατὰ — φύσιν] Cf. Alex. III. 454. ταῦτα γὰρ | κατὰ φύσιν πε-
 φυκεν οὕτως.

380. γένεσιν] I. q. φύσιν. Cf. 1162. Aj. 1259. δε εἰ φύσιν.
 El. 325. 1125.

382. βλάστας] Originem. Cf. ad O. R. 717. I. q. γονάς. ὡς
 δῆθεν —] Cf. Herod. I. 59. οἱ μιν ἠθέλησαν ἀπολέσαι δῆθεν. Thuc.
 I. 92. οὐκ ἐπὶ κωλύμῃ ἀλλὰ παραινέσει δῆθεν. et δῆθεν ὡς Herod.
 III. 136. VI. 39. VIII. 5. Eur. Herc. 949. ἱστορῶν] Sciens. Cf.
 Aesch. Ag. 676. εἰ δ' οὐν τις ἀπίς ἥλιον νιν ἱστορεῖ | καὶ ζῶντα —.

383. Cf. Eur. Med. 83. ὄλοιτο μὲν μὴ δεσπότης γὰρ ἐστ'
 ἐμός· | ἀτὰρ κακός γ' ὢν ἐς φίλους ἀλίσκεται. μὴ τι] Ut οὐ τι.
 Cf. El. 1275. Eur. Ion. 656. ἄξω θεατὴν δῆθεν ὡς οὐκ ὄντ' ἐμόν.
 841. Ἴων, ἰόντι δῆθεν οὐ συνήγετο. 1044. ἰδία δὲ, μὴ τι πῦσι,
 χωρίας ποτὸν κτλ. Rhes. 717. πολλὰ δὲ τὰν βασιλῖδ' ἐστῖαν Ἄτρει-
 δᾶν κακῶς | ἔβαξε δῆθεν ἐχθρὸς ὢν στρατηλάταις. Herod. VI. 1.
 ἐθωμάζε τε τὸ γεγονός ὡς οὐδὲν δῆθεν — ἐπιστάμενος.

387. πεύθου] Eadem forma est O. R. 604. Nisi utrobique
 πνυθοῦ scribendum.

389. ἀπὸ γνώμης] Cf. Eur. Med. 218. ἁμμάτων ἄπο. Sic ἀπὸ
 τρόπου et ἀπὸ σκοποῦ λέγειν apud Platonem.

391. ἀτόκλητος] Cf. Aj. 289. Aesch. Cho. 838. ἦκω μὲν οὐκ ἀκλήτος, ἀλλ' ὑπάγγελος (ὅπ' ἀγγέλων?). Herod. IX. 5. ἦσαν αὐτοκελές. www.libtool.com.cn

394. ὡς ἔρποντος, ὡς ὄρᾶς, ἐμοῦ] Sic legendum. Cf. 1241. El. 1341. ἤγγειλας, ὡς ἔοικέ, μ' ὡς τεθηκότα. Ant. 735.

395. ἐκ ταχείας] I. e. ταχέως. Cf. 727. ἐξ ἔκουσίας. Herod. I. 60. V. 116. ἐκ νέης (de novo, denuo). V. 106. ἐξ ὑστέρης. V. 108. οὐκ ἐς μακρόν. VI. 85. ἐξ ὑστέρης. VIII. 6. ἐκ τῆς ἀντίης. 7. ἐξ ἐναντίας. IX. 7. ἐπ' ἴση τε καὶ ὁμοίῃ. IX. 37. ἐκ τῆς ἰδέης. Sic δι' ὀρθῆς, διὰ κενῆς, etc. σὺν χρόνῳ βραδεῖ] Lege σὺν χρόνῳ βραχεῖ. Cf. O. C. 1602. τάσδ' ἐπιστολάς πατρὶ | ταχεῖ (βραχεῖ recte Reisig.) σὺν χρόνῳ.

398. ἦ καὶ τὸ πιστόν — νεμεῖς;] 'Num vera fideliter nuntias?' vertit Dind.

401. Εὐβοῖς] Fadem forma est supra 237. Fr. 239, 2 D.

403. Cf. Eur. Phoen. 630. ὡς τί μ' ἱστορεῖς τόδε; Or. 794. ὡς τί δὴ τόδε;

406. δάμαρτά θ' mss. Lege δάμαρτα θ'. Cf. Eur. Herc. 97. παῖς οὐμὸς, ἐννήτωρ δὲ σός. Herod. VII. 10. πατρὶ τῷ σῶ, ἀδελφεῶ δὲ ἐμῶ.

408. Cf. O. R. 1013. τοῦτ' αὐτὸ, πρέσβυ, τοῦτό μ' εἰς ἀελ φοβεῖ.

409. δίκαια] Cf. 495. 1116. 1126.

410. ποῖαν ἀξιοῖς δοῦναι δίκην —] Cf. O. R. 944. εἰ δὲ μὴ | λέγω γ' ἐγὼ τάληθές, ἀξιώ θανεῖν. Arist. Ran. 1009. τοῦτ' οὐν εἰ μὴ πεποήκας, — τί παθεῖν φήσεις ἀξίος εἶναι; ΔΙ. τεθνάναι.

411. ποικίλλεις] Cf. Arist. 852. τί αὖ σὺ κυρκανᾶς; τί κοικύλλεις (leg. ποικίλλεις) ἔχων;

412. Cf. 1121. οὐδὲν ξυνήμ' ὦν σὺ ποικίλλεις πάλοι.

416. λέγ' εἴ τι χηρῆς] Cf. Eur. El. 1049. Med. 1320. λέγ' εἴ τι βούλει. Suppl. 567. λέγ' εἴ τι βούλει καὶ γὰρ οὐ σιγηλὸς εἰ. Iph. A. 861. φράξ' εἴ τι χηρῆς. Phil. 49. εἴ τι χηρῆς φράξε. Herod. VIII. 58. ἐκέλευε — λέγειν εἴ τι θέλει.

418. Cf. O. R. 1144. πρὸς τί τοῦτο τοῦπος ἱστορεῖς;

419. ἦν ὑπ' ἀγνοίας ὄρᾶς] Schol. ἦν προσποιεῖ ἀγνοεῖν. Cf. Ph. 129. ὡς ἄν ἀγνοία προσῆ. Tr. 350. ἀγνοία μ' ἔχει. El. 1475. τίν' ἀγνοεῖς; Tr. 78. τὸν λόγον γὰρ ἀγνοῶ. Eur. Iph. T. 358. λεπτῶν ὄμμα διὰ καλυμμάτων | ἔχουσ'. Eur. Hipp. 1294. ὡς ὑπ' εὐκλείας θάνη. Similiter fere Ant. 692. ἐμοὶ δ' ἀκούειν ἔσθ' ὑπὸ σκότου τάδε.

424. Cf. Pind. P. IV. 85. ἐν ἀγορᾷ πλήθοντος ὄχλου.

425 sq. ταῦτό δ' —] Cf. Fr. 225. ἃ δὲ δόξῃ τοπάζω, ταῦτ' ἰδεῖν σαφῶς θέλω. Aesch. Ag. 1367. τὸ γὰρ τοπάζειν τοῦ σάφ' εἰδέναι δίχα.

426. δόκησιν] Opinionem. Cf. O. R. 681. δόκησις ἀγνώως λόγων.

430. Cf. El. 1040. εἰρηκας δρθῶς ὃ σὺ πρόσκεισαι κακῶ.
Aj. 1044. Eur. Bacch. 247. ὕβρεις ὑβρίζειν, ὄσις ἐστὶν ὁ ξένος.
Hel. 314. Ἑλένη, τὸν ἐλθόντ', ὄσις ἐστὶν ὁ ξένος, κτλ.

433. ὁ τῆσδ' ἔρωσ φανείς] Cf. Eur. Alc. 896. συμφορὰ δ'
ἐτέρους ἐτέρα πιέζει φανεῖσα θνατῶν.

434. ἀποστήτω] Seorsum stet. Anglice stand aside. Cf.
El. 776. 912. Ph. 865. Eur. Hec. 1054. ἀλλ' ἐκποδῶν ἀπειμι
κάποστήσομαι — Θρηκι δυσμαχωτάτω. Med. 1007. ἀποστάντες βίου.
Hel. 1023. ἐγὼ δ' ἀποστῶσ' ἐκποδῶν σιγήσομαι. Her. 980. ὀπαόνάς
μοι — χωρὶς κέλευσον τῶνδ' ἀποστήναι δόμων. Arist. Ach. 110.
ἀλλ' ἀπιθ'. ἐγὼ δὲ βασανῶ τοῦτον μόνος. Arist. Th. 626. ἀπελθ'.
ἐγὼ γὰρ βασανῶ ταύτην καλῶς — σὺ δ' ἀπόστηθί μοι. Men. IV.
182. ἀπόστα μικρόν.

436. μὴ πρὸς σε τοῦ —] Cf. Eur. Phoen. 1665. Hipp. 605.
Arist. Nub. 784.

440. Cf. Eur. Her. 610. οὐδὲ τὸν αὐτὸν ἀεὶ βεβάναι δόμον
εὐτυχία.

441. Ἔρωτι — ὄσις ἀντανίσταται | πύκτης ὄσις ἐς χεῖρας]
Cf. O. C. 975. Plat. Symp. 196 D. Ἔρωτι οὐδὲ Ἄρης ἀνθίσταται.
Soph. Fr. 235. πρὸς τὴν ἀνάγκην οὐδ' Ἄρης ἀνθίσταται. Eur. Hec.
226. μήτ' εἰς χερῶν ἄμυλλαν ἐξέλεθης ἐμοί. Tro. 623. κακῶ γὰρ εἰς
ἄμυλλον ἔρχεται. Herc. 1168. ἐς πόλεμον ὁμῖν καλὴ μάχην καθίστα-
ται (ἀνίσταται?).

442. πύκτης ὄσις —] Cf. Anacr. Athen. p. 782 A. ὡς δὴ
πρὸς Ἔρωτα πύκταλλῶν.

443. Cf. 498. Eur. Hipp. 1268. σὺ τὰν θεῶν ἄκαμπτον φρένα
καὶ βροτῶν ἄγεις, Κύπρι. Hymn. Ven. 2 sq.

445. τῆδε τῆ νόσῳ ληφθέντι] Cf. Eur. Hipp. 764. δεινᾶ φρένας
Ἄφροδίτας νόσῳ κατεκλάσθη (?). Eur. Fr. 339, 3. οὐκ ἀνθαίρετοι |
βροτοῖς ἔρωτες οὐδ' ἐκουσία νόσος. Eubul. com. III. 238. λαθραῖαν
κύπριν, αἰσχίστην νόσον | πασῶν, δῶκεν. Eur. Med. 1364. ὦ παῖ-
δες, ὡς ὄλεσθε πατρῶα νόσῳ (amore). Eur. Fr. 400, 2. ὄσον νό-
σημα τὴν Κύπριν κεκτήμεθα. Plutarch. ap. Stob. Flor. 64, 30. οἱ
μὲν νοῦν (νόσον Cobet.) τὸν ἔρωτα, οἱ δ' ἐπιθυμίαν, οἱ δὲ μανίαν
— ἀναγορεύουσι.

446. μεμπτός] Activo sensu. Sic ἄμεμπτος Xen. Cyr. VIII.
p. 224 C. ἀλίπλαγκτος Aj. 695. πάμφλεκτος El. 1139. λωβητός Tr.
538. O. C. 1031. κορητός El. 714. ληφθέντι] Capto. Cf. Aj.
216. μανία γὰρ ἀλοῦς κτλ. Ant. 732. οὐχ ἦδε γὰρ τοιαῦδ' ἐπει-
ληπται νόσω; Arist. Th. 1116. φέρε, Σκύθ'. ἀνθρώποισι γὰρ νο-
σήματα | ἀπασιν ἐστίν· ἐμὲ δὲ καὐτὸν τῆς κόρης | ταύτης ἔρωσ
εἴληφεν. Eur. Fr. 56, 2. ἀγλωσσία — ληφθεῖς. Trag. adesp. 296, 3.
δυσπραξία | ληφθεῖς. Arist. Lys. 832. τοῖς τῆς Ἄφροδίτης ὀργαῖσι
εἰλημμένον. 1110. τῆ σῆ ληφθέντες ἔνγγι. Th. 118. ἐμὲ — τῆς
κόρης | ταύτης ἔρωσ εἴληφεν. Com. anon. IV. 668. δυσπραξία ληφ-

θείς. Xen. Cyr. V. 1. 18. ἤλπισκετο ἔρωτι. VI. 1. 31. ληφθεὶς ἔρωτι τῆς γυναικός. Lucian. D. D. Mar. 7, 1. ἀλοὺς ἔρωτι (δὲ Ζεὺς).

452. ὄφθησι κακός] Cf. O. R. 509. σοφός ὄφθη. Ant. 709. ὄφθησαν κενοί. Theodect. 8, 8. ὄφθέντες κακοί.

454. κῆρ — οὐ καλή] Cf. Aesch. Ag. 206. βαρεῖα μὲν κῆρ τὸ μὴ πιδέσθαι.

458. Cf. Eur. Med. 1224. οὐδ' ἂν τρέσας εἶπομι τοὺς σοφοὺς βροτῶν — τούτους μεγίστην μωρίαν ὀφλισκάνειν.

460. πλείστας ἀνῆρ εἰς —] Cf. Eur. Her. 8. πόνων | πλείστων μετασχῶν εἰς ἀνῆρ Ἡρακλέει. Or. 743. Herod. VI. 127. δς ἐπὶ πλείστον δὴ χλιδῆς εἰς ἀνῆρ ἀπίκετο. Construe πλείστας δῆ. Cf. 464. Aj. 994. Eur. Hel. 563. Ἐλένη σ' ὁμοίαν δὴ μάλιστ' εἶδον, γύναϊ.

462. οὐδ' ἂν ἦδε] Sc. ἐνέγκαιτο. Cf. ad Ph. 948. ἐντακείη] Cf. El. 1311. μῖσός τε γὰρ παλαιὸν ἐντέτηκέ μοι. Alciph. I. 13. ἔρωσ ἐνέσκηψε καὶ ἐντακεῖς ἀνίηον.

463. ἐντακείη —] Cf. El. 1311. μῖσός τε γὰρ παλαιὸν ἐντέτηκε μοι. Fr. 678, 7 D.

464. δὴ μάλιστα] I. e. μάλιστα δῆ. Cf. ad 460.

465. τὸ κάλλος αὐτῆς τὸν βίον διώλεσε] Cf. 25. Eur. Hel. 304. αἱ μὲν γὰρ ἄλλαι διὰ τὸ κάλλος ἐδτυχεῖς | γυναικες, ἡμᾶς δ' αὐτὸ τοῦτ' ἀπώλεσεν. Trag. adesp. 141. εἶθ' ὄφρην τὸ κάλλος δ με διώλεσε | κακῶς ὀλέσθαι.

468. κατ' οὖρον] Cf. Aesch. Sept. 690. 854. Pers. 481. Andr. 554.

470. Cf. El. 383. πρὸς ταῦτα φράζου, καὶ (I. κοῦ) με μὴ ποδ' ὕστερον | παθοῦσα μέμψη· νῦν γὰρ ἐν καλῷ φρονεῖν. 1207. πιθοῦ λέγοντι κοῦχ ἀμαρτήσῃ ποτέ.

473. θνητὴν φρονοῦσαν θνητὰ] Cf. Eur. Alc. 802. ὄντας δὲ θνητοὺς θνητὰ καὶ φρονεῖν χρεῶν. Soph. Fr. 515.

474. κρύψομαι] Cf. Aj. 647. χρόνος — φανέντα κρύπτεται. 245.

477. Cf. Aj. 999. δξεῖα γὰρ σου βάξῃς — διῆλθ' Ἀχαιοὺς πάντας. διῆλθε] Cf. 717. Ph. 743. Eur. Suppl. 288. κάμῃ γὰρ διῆλθέ τι.

483. ἤμαρτον, εἴ τι τήνδ' ἀμαρτίαν νέμεις] Cf. Aesch. Prom. 978. νοσοῖμ' ἂν, εἰ νόσημα τοὺς ἐχθροὺς στυγεῖν. τήνδ' —] Cf. Aj. 114. ἐπειδὴ τέρψις ἦδε σοι τὸ δρᾶν. Ph. 61. Ant. 320. Eur. Med. 14. ἤπερ μεγίστη γίγνεται σωτηρία. Cycl. 646. ὀτῆ — τοὺς ὀδόντας ἐκβαλεῖν οὐ βούλομαι | τιπτόμενος, αὐτὴ γίγνεται σωτηρία;

484. ἐπεὶ γε μὲν δῆ —] Cf. Ant. 923. ἐπεὶ γε δῆ | τὴν εὐσέβειαν δυσοσεβοῦσ' ἐκτησάμην. γε μὲν δῆ] Cf. El. 1244. ὄρα γε μὲν δῆ. Aesch. Suppl. 273. μακρὰν γε μὲν δῆ ὄρησιν οὐ στέργει πόλις. Eur. Hel. 1259. πάντ' ἐπίστασαι λόγον] Cf. Ph. 1240. εὐ νῦν ἐπίστω πάντ' ἀκηκοῶς λόγον. 389. Aj. 480. Aesch. Agam. 582. πάντ' ἔχεις λόγον. Eur. Iph. A. 785. πάντ' ἔχεις. Phoen. 953. τὰ μὲν παρ' ἡμῶν πάντ' ἔχεις. Or. 749. τοῦτο πάντ' ἔχω μαθῶν.

485. κείνον τε καὶ σὴν —] Cf. Aj. 1174. σὴν — χάριν] Cf. Eur. Fr. 268. καὶ βουθυτεῖν γὰρ ἤξιους ἐμὴν χάριν.

486. στέργε] Tolera.

487. ἐμπέδως εἰρηκέναι] Cf. Aesch. Ag. 828. νίκη — ἐμπέδως μένοι. Ant. 169.

488. πάντ' ἀριστεύων χερσῶν] Cf. Ant. 195. πάντ' ἀριστεύσας δορί. Aj. 1300. στρατοῦ τὰ πρῶτ' ἀριστεύσας. 435.

489. Cf. Arist. Pl. 363. ἀλλ' εἰσὶ τοῦ κέρδους ἅπαντες ἤτιονες.

492. θεοῖσι δυσημαχοῦντες] Cf. Ant. 1106. ἀνάγκη δ' οὐχὶ δυσημαχητέον. Sic τειχομαχεῖν τι, Arist. Nub. 481.

497. μέγα τι σθένος] Cf. Eur. Fr. 27. ἡ βραχὺ τι (τοι vulg.) σθένος ἀνέρος. σθένος — ἐκφέρεται νίκας] Cf. El. 60. ἐξενέγκωμαι κλέος. σθένος — νίκας] I. e. vim victoriam efficientem (apportantem). Cf. O. C. 1088. σθένει 'πινικίω. Fr. 186.

499. οὐ λέγω] Cf. El. 1467. Aesch. Eum. 868.

501. τὸν ἐννυχον Ἴδαυ] Cf. O. C. 1559. ἐννυχίων ἄναξ, Αἰδωνεῦ. et ad O. R. 178.

502. τινάκτορα γαίας] Cf. Aesch. Prom. 924. θαλασσίαν τε γῆς τινάκτειραν νόσον | τρίαυαν.

503 sq. Cf. Aesch. Suppl. 571. καὶ τότε δὴ τίς ἦν ὁ θέλξας — οἰστροδόνητον Ἴω; Ζεὺς κτλ.

504. κατέβαν] Descenderunt (in certamen). Cf. Aesch. Ch. 727. νῦν γὰρ ἀκμάζει Πειθῶ δολίαν | ξυγκαταβῆναι. 455. Eum. 1046. Pind. Pyth. XI. 46. γυμνὸν ἐπὶ στάδιον καταβάντες. N. IV. 63. Xen. Anab. IV. 8. 27. πολλοὶ γὰρ κατέβησαν. Isocr. p. 415. καταβῆναι (εἰς στεφανίτας ἀγῶνας). p. 210. Arist. Vesp. 1574. Herod. V. 22. Ἀλεξάνδρον γὰρ ἀεθλεύειν ἐλομένον καὶ καταβάντος ἐπ' αὐτὸ τοῦτο, κτλ. Hor. Epist. I. 9. 11. Cic. Tusc. II. 26. ἀμφίγυνοι] Schol. ἀντίπαλοι. Ex Homericō ἐγχεσιν ἀμφιγύοισιν Cf. 527. ἀμφινέκητον.

505. πάμπληκτα παγκόνιτα] Confer πάνδυρος, πάγκλαντος, πανδάκροντος.

507. ποταμοῦ σθένος] Cf. Aesch. Eum. 299. Ἀθηναίας σθένος. Pind. ap. Lucian. 73, 19. τὸ πάντολμον σθένος Ἡρακλέος. Hom. II. 18, 607. ποταμοῖο μέγα σθένος Ὠκεανοῖο. ὑψίκερω] Cf. Virg. Aen. VIII. 77. 'Corniger Hesperidum fluvius regnator aquarum.'

508. τετραόρου] Cf. Fr. 781. αὐτοῖσιν δπλοῖς καὶ τετραωρίτω (τετραόρω?) δίφρω. Eur. Iph. A. 209. ἄρμα τέτροωρον. Suppl. 675. δγαν τετραόρων. 667. Hel. 729. Pind. P. II. 8. τετραορίας ἐλελίχθονος. φάσμα ταύρου] Cf. 837. ὕδρας — φάσματι.

510. Βακχία Θήβα] Thebis enim natus esse credebatur Dionysus ex Semele. Cf. O. R. 210.

511. παλίντονα — τόξα] Cf. Aesch. Cho. 161. Σκυνθιά τ' ἐν

χεροῖν παλίντων' ἐν ἔργῳ βέλη ἴπταλλων (ἴπεινων aut τινάσσων?)
 Ἄρης. Herod. VII. 68.

518. ἀνάμιγμα] Cf. Nicand. Alex. 545. Confer ἀναμίξ (Herod. I. 103. VII. 40.) et ἄμιγμα.

520. ἦν] Hoc non pro ἦσαν ponitur sed tertia persona singularis est. Cf. Eur. Ion. 1146. ἐνὴν δ' ὄφαντοι γράμμασιν τοιαῖδ' ὄφαί. Hel. 1358. μέγα τοι δύναται νεβρῶν παμπούκιλοι στολίδες, κτλ.

521. κλίμακες] Cf. ad Arist. Eq. 262. Plat. com. 124, 1. αὐτὸν διακλίμακίσας.

522. πλήγματα] I. q. πληγαί. Cf. Ant. 250. 1283.

524. τηλαυγεί] Procul conspicuo. Confer τηλωπός. Aj. 564. τηλέσκοπος Fr. 319 D. τηλεφανής Phil. 189. Cf. Eur. Suppl. 652. πύργον εὐαγῆ (l. εὐαυγῆ). Bacch. 662. χόνος εὐαυγεῖς βολαί. Aesch. Pers. 466. ἔδραν γὰρ εἶχε παντὸς εὐαγῆ (εὐαυγῆ?) στρατοῦ. et ad Arist. Nub. 276. Av. 1092. θερμῆ — ἀκτῖς τηλαυγῆς. 1711. οὐδ' ἧλίου τηλαυγῆς ἀκτῖνων σέλας.

525. ἦστο] Cf. Aj. 311. τὸν δν — ἀκοίταν] Cf. ad O. C. 1639. Aesch. Eum. 367. λέσχας ἄς. Eur. Hel. 1124. ὦν ἀλόχων. Med. 955. ἐκγόνοιον οἷς.

526. Cf. El. 234. εὐνοία — ἀδῶ μάτηρ ὡσεὶ τις πιστά.

527. τὸ δ' — ἀμφινείκητον] Schol. ἀπὶ τοῦ ἡ περιμάχητος — νύμφη. Cf. 104. τὰν ἀμφινεικῆ Ἀηϊάνειραν. Aesch. Ag. 686. τὰν — ἀμφινεικῆ — Ἐλέναν. ὄμμα νύμφας] Cf. Aj. 140. πτηνῆς ὡς ὄμμα πελείας. 977. ὃ ξύναιμον ὄμμ' ἐμοί (ἐμόν?).

530. πόρτις] Cf. Aesch. Suppl. 41. Δίον πόρτιν. 309. ὁ Δίος πόρτις. Mosch. Id. II. 53. πόρτιος Ἰναχίης. Sic πῶλος Eur. Hipp. 548. Virg. G. III. 153. Ἰnachiae juvencae.

531. ἦμος] Dum. Alibi valet quando, Tr. 155. O. R. 1134. Aj. 935.

532. ὡς ἐπ' ἐξόδῳ] Cf. El. 1322. Aj. 44. ὡς ἐπ' Ἀργείοις. Eur. Ion. 515. ὡς δ' ἐπ' ἐξόδοισιν ὄντος τῶνδ' ἀκούομεν πυλῶν, δοῦπον. Bacch. 638. ὡς δέ μοι δοκεῖ, (προφεῖ γοῦν ἀρβύλη δόμων ἔσω), | εἰς προνώπι' ἀντίχ' ἦξει. Arist. Pac. 232. ἐξιέναι γνώμην ἐμὴν | μέλλει' ἄρουβει γοῦν ἐνδοθεν (al. ἐνδον).

533. θυραῖοι] Pro θυραῖαι, ut θυραῖον pro θυραῖαν El. 313.

535. συγκατοικτιομένη] οἰκτίζεσθαι significat lugere. Sic Eur. Tro. 155. αἶον οἰκτους οὖς οἰκτίζει.

536. Cf. Eur. Iph. A. 461. τὴν δ' αὖ τάλαιναν παρθένον — τί παρθένον; — | Ἀιδῆς νιν, ὡς εἶοικε, νυμφεύσει τάχα. ἐξενγμένην] I. e. nuptam. Sc. γάμοις. Cf. O. R. 826. γάμοις — μητρὸς ζυγῆναι. Fr. 517, 11.

538. λωβητὸν ἐμπόλημα —] A piece of goods ruinous to my peace of mind. Idem fere quod λώβην (Eur. Andr. 299. μεγάλην Πριάμου πόλεως λώβην. Platon. Men. 91 C. λώβη καὶ δια-

φθορά τῶν ξυγγυνομένων). Cf. βλάβη Phil. 622. El. 301. Ant. 1063. ὡς μὴ ἕμπολήσων ἴσθι τὴν ἐμὴν φρένα. Aj. 978. ἄρ' ἤμποληκας ὥσπερ ἢ φάτις κρατεῖ; ἐμπόλημα] Mercem. Cf. Adesp. 109, 2. Μιλῆσια | σμάραγδος ἐμπόλημα τιμαλφέστατον. Eur. Cycl. 137. φῶς γὰρ ἐμπολήμασιν πρέπει.

540. ὑπαγκάλισμα] Cf. Eur. Cycl. 498. φίλον ἄνδρ' ὑπαγκάλιστον.

544. νοσοῦντι — τῆδε τῆ νόσῳ] Cf. Eur. Fr. 829, 2. νοσεῖν αἰσχρὰν νόσον. Andr. 219. νόσον ταύτην νοσοῦμεν.

545. Cf. 1231. τὸ δ' ὦδ' ὄρᾶν φρονοῦντα τίς ποτ' ἂν φέροι; Ant. 78. τὸ δὲ | βία πολιτῶν ὄρᾶν ἔφην ἀμήχανος.

547. ἦβην — ἔρπουσαν πρόσσω] Cf. Arist. Eccl. 720. ἴνα τῶν νέων ἔχωσιν αὐταὶ τὰς ἀκμάς.

548. ὦν] Cf. ad Aj. 235. El. 142.

549. τῶν δ' ὑπεκτρέπειν πόδα] I. q. τῶν δὲ ὑπεκτρέπεσθαι. Cf. O. C. 566. ὥστε ξένον γ' ἂν οὐδέν' ὄνθ' — ὑπεκτραποίμην μὴ οὐ συνεκώζειν. Plat. Phaed. 108 B.

550. Cf. Ant. 1113. O. R. 747. Eur. Hel. 1395. δέδοικα γὰρ σε μὴ τις ἐμπεσὼν πόθος | πείση κτλ. μὴ πόσις μὲν —] Cf. Eur. Andr. 467. τὴν μίαν (ἐάν?) μοι στεργέτω πόσις γάμοις ἀκονιώνητον ἀνδρὸς ἐννάν. Utrumque nomen conjungitur Iph. A. 620. τοῖσδε παιδὸς σῆς ἀνήρ ἔσται πόσις. πόσις — ἐμὸς καλῆται] Cf. Eur. El. 367. οὗτος κέκληται πόσις ἐμὸς τῆς ἀθλίας. ἀνήρ] Hoc, ut Latinum vir et maritus et mas significat, in hoc loco posterius. Cf. Eur. Cycl. 308. ἀλόχους τ' ἀνάνδρους. Aegisthus Clytaemnaestrae ἀνήρ dicitur Aesch. Cho. 894.

552. ὀργαίνειν] Irasci. I. q. ὀργίζεσθαι. Cf. Eur. Alc. 1106. ὀργαίνειν ἐμοί. Confer δειμαίνειν, θυμαίνειν, χαλεπαίνειν, etc.

556. θηρὸς] Cf. 568. 680. 707. 935. 1059. 1162. (coll. 1096.). Sic Cyclops θῆρ appellatur Cycl. 442. 624. 658. λέβητι χαλκῆφ] Cf. Fr. 348, 2. χαλκηλάτους λέβητας.

559. Cf. Eur. Alc. 454. πολὺ δὴ γυναιῖ' ἀρίστην λίμναν Ἀχεροῦτιαν πορεύσας ἐλάτᾳ δικῶπιω. Herc. 838. ὡς ἂν πορεύσας δι' Ἀχερούσιον πόρον | τὸν καλλιπαιδα στέφανον κτλ.

561. λαίφειν νεώς] Cf. Eur. Or. 341. λαῖφος ἀκάτου θοᾶς. Med. 524. ἄκροισι λαίφους κρασπέδοις. Hel. 1080. πόμπιμοι λαίφει πνοαὶ γένοιτο. Alcaeus Fr. 18, 7. λαῖφος δὲ πᾶν ζάδηλον ἤδη καὶ λακίδες μεγάλαι κατ' αὐτό.

563. ἐννίς] Uxor. Cf. Eur. Or. 929. ἀνδρῶν ἐννίδας λωβώμενοι. Iph. A. 397. 807. ξὺν Ἡρακλεῖ — ἐσπόμην] Cf. Eur. Hel. 724. σὺ δ' ἐν δίφροις | σὺν τῷδε νύμφῃ δῶμ' ἔλειπες ὄλιβιον. Tro. 939. τί δὴ φρονοῦσ' ἐγὼ ἕ δόμων ἄμ' ἐσπόμην | ξένῳ προδοῦσα πατρίδα καὶ δόμους ἐμούς; Eur. Fr. 318. γυνὴ γὰρ ἐξελθοῦσα πατρῶων δόμων κτλ. ἐσπόμην] Cf. Eur. Ph. 429. σπέσθαι.

565. φαύει ματαίαις χερσίν] Cf. O. C. 1639. φαύσας ἀμανραῖς χερσίν. ἐκ δ' ἤυσ'] Cf. O. C. 1598. ἀσπας. 1260. El. 830.

566. διεροοίησεν] Cf. Hom. Il. 3, 370. ἔλκε δ' ἐπιστρέφας. Herod. II. 103. ἐπιστρέφας ὀπίσω.

568. στέρωνν διεροοίησεν] Cf. Hom. Il. 16, 361. σκέπτει' διστῶν τε ῥοίζον καὶ δοῦπον ἀκόντων. 10, 502. ῥοίζησεν δ' ἄρα (sagitta). Arist. Av. 1182. ῥύμη τε καὶ πτεροῖσι καὶ ῥοιζήμασι. Joseph. B. J. V. 2. 2. κενὰ δὲ — παρεροοιζεῖτο πάντα (τὰ βέλη). ἐκθνήσκων] I. e. λιποθυμῶν, emoriens. Cf. Antiph. com. III. 104. δρωῶντες ἐξέθνησκον ἐπὶ τῷ πράγματι.

572. τῶν ἐμῶν σφαγῶν] Cf. Aj. 919. φουσῶντ' — αἷμ' ἀπ' οἰκείας σφαγῆς.

577. στέρξει —] Cf. 486. Aj. 212. Eur. Andr. 470. τὴν μίαν μοι στεργέτω πόσις — εὐνάν. ἀντὶ σοῦ πλέον] Cf. Ant. 182.

580. προσβαλοῦσ'] Animum advertens, attendens explicat Dind., coll. 844. τὰ μὲν οὐτι προσέβαλε (schol. οὐ συνήκεν). Aliter schol. καὶ ἄλλα τινὰ συμμίξασα.

582. Cf. Eur. Hel. 156. οἶτον δ' ἕκαυ μῆτε οὐ ζήτει μαθεῖν ἐγὼ τε σιγῶ. κακὰς — τόλμας] Cf. Aj. 46 ποίαισι τόλμας ταῖσδε καὶ θρόσει φρενῶν; Eur. Hipp. 414. μισῶ δὲ καὶ τὰς σὺφρονας μὲν ἐν λόγοις, | λάθρα δὲ τόλμας οὐ καλὰς κεκτημένας.

584. Cf. Plut. Anton. 25. τὰς δὲ πλείστας ἐν ἑαυτῇ καὶ τοῖς περὶ αὐτὴν μαγγανεύμασι καὶ φίλτροις ἐλπιδας θεμένη παρεγένετο.

586. μεμηχάνηται] Cf. Xen. Cyr. VIII. 8. 18. ἐκπώματα — ἦν ἢ μεμηχανημένα.

588. τοῖς δρωμένοις] Cf. ad El. 1333.

589. Cf. Eur. Her. 370. ποῦ ταῦτα καλῶς ἂν εἶη παρά γ' εὔφρονοῦσιν. 881. παρ' ἡμῖν μὲν γὰρ οὐ σοφὸν τόδε. Arist. Eccl. 1462. πολλοῦ δ' ἐπαίνου παρ' ἔμοι — τυχὼν ἀπεισιν κτλ.

593. γνῶμα] Test. Cf. Eur. Her. 408. ἐν δὲ πάντων γνῶμα ταῦτὸν ἐμπρέπει. Aesch. Ag. 1352. Herod. VII. 52. μὴ πεπρωμένη] Cf. El. 1244. Fr. 516 D. Herod. VII. 135. τοῦ μὲν γὰρ πεπειρημένος συμβουλευεῖς, τοῦ δὲ ἀπειρος ἐὼν.

595. διὰ τάχους] Cf. Aj. 822.

596. μόνον — στεροίμεθ'] Cf. 1109. προσμόλοι μόνον, κτλ. Aesch. Cho. 244. μόνον κράτος — συγγενοῖτό σοι.

597. ἀσχύνη πεσεῖ] Ignominia cades. Cf. El. 429. μηδ' ἀβουλία πεσεῖν. Aj. 759. πίπτειν — δυσπραξίαις.

601. ταῖς ἔσωθεν] Cf. El. 1323. τῶν ἐνδοθεν.

602. ταναῦφῃ πέπλον] Cf. ἀραχνοῦφῆς apud Philonem. πέπλον] De veste virili. Cf. 674. 758. 774. Aesch. Pers. 203. Eur. Hec. 1136. Iph. T. 312. πέπλων τε προουκάλυπτεν εὐπήγουσ ὑφάς. Xen. Cyr. III. 1. 13.

605. χροῖ] Contracta forma χροῦ legitur Aj. 786. χρωτι Ant. 246. Fr. 767.

608. Cf. Arist. Ach. 728. *ἵνα στήσω φανεράν (αὐτήν) ἐν τάγορα.*

609. Cf. Aesch. Cho. 261. *βουθύτοις ἐν ἡμασι. Hel. 1474. βουθύτον ἀμέραν. Ag. 1592. κρεουργὸν ἡμαρ.*

612. *φανεῖν θεοῖς*] Cf. 609. *δέλξη θεοῖσιν.*

613. Cf. El. 198. *δεινὰν δεινῶς προφυτεύσαντες μορφάν.*

614 sq. Cf. El. 1222 sq.

614. *σῆμ' — ἐπὸν*] Cf. ad Arist. Vesp. 585. *τῇ κόγχῃ τῇ πάνυ σεμνῶς τοῖς σημείοισιν ἐπούση. Eq. 955. οὐ τοῦτό γ' ἐστίν (leg. οὐ τοῦτ' ἐπεστίν, sc. σημείων). Aesch. Sept. 591. σῆμα δ' οὐκ ἐπὴν κύκλω. εὐμαθές*] Cf. Aj. 15. Aesch. Eum. 442. *τούτοις ἀμείβον πᾶσιν εὐμαθές τί μοι. Contrarium δυσμαθῆς, Eur. Med. 1196. κάρτα δυσμαθῆς ἰδεῖν. Iph. T. 478.*

615. *σφραγίδος ἔρκει*] Cf. El. 1223. *τήνδε προσβλέψασα μου | σφραγίδα πατρὸς.*

617. *περισσὰ δρᾶν*] Cf. Ant. 68. *τὸ γὰρ | περισσὰ πράσσειν οὐκ ἔχει νοῦν οὐδένα.*

618. Cf. Ph. 1370. *διπλὴν μὲν ἐξ ἐμοῦ κτήσει χάριν. Eur. Rhes. 162. οὐκοῦν πονεῖν με χρῆ, πονοῦντα δ' ἀξιὸν | μισθὸν φέρεσθαι | παντὶ γὰρ προσκείμενον | κέρδος πρὸς ἔργω τὴν χάριν τίποτε διπλὴν.*

619. Cf. Aj. 277. *δις τόσ' ἐξ ἀπλῶν κακά.*

620. Cf. Aj. 1121. Eur. Suppl. 391. *τέχνην μὲν αἰεὶ τήνδ' ἔχων ὑπηρετεῖς — διαφέρων κηρύγματα. In Aeschyli Agam. 515. Ἐρμῆς φίλος κῆρυξ κηρύκων σέβας dicitur.*

621. Cf. Aj. 1136. *ἐν τοῖς δικασταῖς, οὐκ ἐμοὶ, τόδ' ἐσφάλη.*

624. Cf. El. 1491. *χωροῖς ἂν εἶσω. Ph. 674.*

626. Cf. Ant. 1112. El. 680. Eur. Iph. T. 675.

627. *ἀλλ' οἶσθα μὲν δὴ*] Cf. O. R. 523. *ἀλλ' ἦλθε μὲν δὴ.*

629. Cf. Eur. Alc. 1125. *ἢ κέρτομός με θεοῦ τις (ἢ καρδίαν μάταιος?) ἐκπλήσσει χαρά;*

630 sq. Cf. Aesch. Agam. 545.

630. Cf. Ant. 966. *τί δῆτ' ἂν σκοποῦτό τις — τοὺς —;*

631 sq. *δέδοικα γὰρ — εἰ ποθούμεθα*] Cf. Aesch. Ag. 545. *ποθεῖν ποθοῦντα τήνδε γῆν στρατὸν λέγεις.*

631. Cf. Eur. Herc. 605. *μὴ πρὶν ταραξῆς πρὶν τόδ' εὐθέσθαι, τέκνον. Theocr. 25, 221. οὐ μὴν πρὶν πόδας ἔσχον δρος τανύφυλλον ἐρευνῶν | πρὶν γ' ἰδέειν κτλ. Xen. Cyr. IV. 5. 13. οὐ πρόσθε ἀφίκοντο — πρὶν — ἠγάκασαν κτλ.*

632. *τάκειθεν*] Cf. Eur. Med. 1004. *εἰρήνη δὲ τάκειθεν τέκνοις. 1114. παραδοκῶ τάκειθεν οἱ προβήσεται. Iph. T. 1410. σοὶ τὰς ἐκείθεν σημανῶν, ἄναξ, τύχας.*

635. *παραναιετάοντες*] Cf. Ant. 1123. *ναιετῶν (γαίων mss.).*

637. *Μηλίδα — λίμαν*] Cf. Arist. Lys. 1169. *τὸν Μηλιᾷ κόλπον. Herod. IV. 33. τὸν Μηλιέα κόλπον.*

639. ἐνθ' — κλέονται] Cf. Eur. Or. 331. ἴνα — λέγονται (κλέονται?). Hom. Π. 11, 757. Pind. N. IX. 1. 41. ἐνθ' Ἀρείας πόρον ἄνθρωποι καλέοισι. Xen. Hell. V. 1. 10. ἐνθα ἡ Τριπυργία καλεῖται. Cratin. 7. ἐνθα Διὸς μέγαλον θᾶκοι πεσοοί τε καλοῦνται.
641. ὁ καλλιβόας — αὐλός] Eadem verba sunt Simonid. 56. Cf. Arist. Av. 682. ὦ καλλιβόαν κρέκονο' αὐλόν. Confer ἡδυβόας (Eur. Bacch. 127.), δευβόας, μιξοβόας.
642. αὐλός — καναχᾶν] Cf. Pind. P. X. 39. λυρᾶν τε βοαὶ καναχαὶ τ' αὐλῶν. Hom. H. Apoll. 185. φόρμυγος καναχή.
645. σεῦται mss. σοῦται Blomfield. Confer σεῦνται Aesch. Pers. 49.
650. δυοκαιδεκάμηρον — χρόνον] Cf. Pind. N. 11, 9. τέλος δωδεκάμηρον.
651. ἴδριες] Non ἴδριδες. Sed ἴδριδα est Fr. 953. ἴδριες οὐδέν] Cf. O. C. 525. οὐδέν ἴδριν.
652. ἄ δέ οἱ] Similis hiatus est El. 196. ὅτε οἱ. O. C. 1630. Aj. 906.
653. πάγκλαυτος] Cf. El. 1085. Ant. 831.
654. Cf. O. R. 35. Aj. 674. Hom. Od. 3, 158. ἐστόρεσεν δὲ θεὸς μεγακῆτεα πόντον. Theocr. VII. 57. κάλκυνόνες στορεσεῦντι τὰ κύματα τᾶν τε θάλασσαν. Virg. Ecl. IX. 57. 'et nunc omne tibi stratum silet aequor.' Tacit. Hist. I. 58. 'stratis jam militum odiis.' ἐξέλυσ' ἐπίπτον ἀμέραν] Cf. O. R. 35. ὅς γ' ἐξέλυσας — δασμόν. El. 939. Tr. 181. Aj. 706. Eur. Ph. 695. ἐπίπτον ἀμέραν] Cf. Aj. 622. παλαιὰ (τάλαινα Dind.) ἡμέρα. Eur. Phoen. 550. ἐχθρᾶς ἡμέρας. Hom. Π. 6, 455. 16, 831. ἐλεύθερον ἡμαρ. 836. ἡμαρ ἀναγκαῖον. 22, 490. ἡμαρ δ' ὀροφανικόν.
658. πρὸς πόλιν ἀνύσει] Subaud. τὴν δόδον. Cf. Ant. 805. τὸν παγκοῖταν — θάλαμον — ἀνύτουσαν. El. 1451. Aj. 607. Eur. Hipp. 740. Ἐσπερίδων δ' ἐπὶ μηλόσπορον ἀκτὰν ἀνύσαιμι τᾶν αἰοιδῶν. Bacch. 131. Suppl. 1142. Hom. Od. 15, 293. ὄφρα τάχιστι | νηῦς ἀνύσειε θέουσα θαλάσσης ἄλμυρον ὕδαρ. Herod. 6, 139. 7, 183.
659. ἀμείρας] Cf. Phil. 1262. ἀμείρας τάσδε πετρήρεις στέγας.
662. πανήμερος] Legitur Anth. P. II. 169.
664. συγκραθεῖς] Cf. Ant. 1311. Aj. 895. Aesch. Cho. 744. Arist. Pl. 662. 853.
666. ἀθυμῶ δ' εἰ φανήσομαι —] Cf. O. R. 747. δεινῶς ἀθυμῶ μὴ βλέπων ὁ μάντις ἦ.
667. ἀπ' ἐλπίδος καλῆς] Cf. El. 1127. ὡς σ' ἀπ' ἐλπίδων — εἰσεδεξάμην. 65. ὡς κᾶμ' ἐπανχῶ τῆσδε τῆς φήμης ἄπο — λάμψειν ἔτι. Ant. 695. ἀπ' ἔργων εὐκλεεστάτων φθίνει. O. C. 15. Eur. Hec. 351. ἐθρέφθην ἐλπίδων καλῶν ὑπο (ἄπο?). Ion. 1316. τοὺς νόμους ὡς οὐ καλῶς | ἔθηκεν ὁ θεὸς οὐδ' ἀπὸ γνώμης σοφῆς.
668. σὼν Ἡρακλεῖ δωρημάτων] Cf. Herod. VII. 169. ἐκ τῶν Μενελέω τιμωρημάτων. Hom. H. Cer. 349. ὄφρα εἰ — χόλον καὶ

μήμιος αἰνῆς | ἀθανάτοις παύσειεν. Plat. Apol. 17. ἡ ἐμὴ τῷ θεῷ ὕπηρεσία.

670. τῷ] Cf. ad 1205.

672. Cf. O. R. 1296. θέαμα δ' εἰσώφει τάχα | τοιοῦτον ὄλον καὶ στυγοῦντ' ἐποικίσειαι. O. C. 870. τοιοῦτον (βίον) ὄλον καμὲ γηράναι ποτε. 1402. τοιοῦτον (δόου τέλος) ὄλον οὐδὲ φωνῆσαι τινα | ἔξεσθ' ἐταίρων. Aj. 924. Arist. Pl. 349. ἐκβέβηκεν] Evenit. Cf. Eur. Med. 229. κάκιστος ἀνδρῶν ἐκβέβηχ' οὐμὸς πόσις.

673. Cf. Eur. Alc. 1142. ὦ θεοί, τί λέξω; θαῦμ' ἀνέλπιστον τόδε. Henioch. III. 561. ὄρω — θαῦμ' ἄπιστον.

674. ἐνδυτήρα πέπλον] Cf. Fr. 483. χιτῶν σ' ἀπειρος ἐνδυτήριος κακῶν (ἐνδυτήρ ἀποφθερεῖ?). Aesch. Eum. 1028. φοινικοβάπτους ἐνδυτοῖς ἐοθῆμασι. Sic ποδιστήρ πέπλος (Aesch. Cho. 1000. ποδιστήρας πέπλους), μασχαλιστήρ (Pr. 71.), etc.

675. ἔχριον] Cf. 689. 832. Eur. Med. 632. μήποτ', ὦ δέσποιν' (Κύπρι), ἐπ' ἐμοὶ χρυσέων τόξων ἐφείης ἱμέρω χρίσασ' ἄφικτον οἰστόν. ἀργῆς — πόκος] Cf. Aesch. Eum. 45. ἀργῆτι μαλλεῖ. Eur. El. 513. ὄν μελάγχμιον. οἶδς ἐδέρου] Cf. O. C. 475. Cratin. 175. εὐέρων βοτῶν. Agam. 1416. εὐπόκοις νομούμασιν.

678. ἐς οὐδας] Legitur hoc etiam Eur. Med. 1195.

679. μείζον' ἐκτενώ λόγον] Cf. Aj. 1402. ἄλις· ἤδη γὰρ πολλὸς ἐκτέταται | χρόνος. Hor. Epist. I. 5. 11. 'tendere (i. q. producere) noctem.' Herod. VII. 51. πλεῦνα λόγον ἐκτεῖναι. Aj. 1040. Plat. Prot. 336. μακρὸν λόγον ἀποτείνων.

681. μικρᾷ γλωχίνι] Cf. Aj. 1024. μικροῦ — κνώδοντος. Eur. Herc. 1288. γλώσσης μικροῖς κέντροισι. Hom. II. 22, 206. μικρὰ βέλεμα. Orpian. Hal. 3, 553. αἰχμῆ τριγλώχινι πεπαρμένος. προνοδιάζατο] Cf. Arist. Pl. 687.

682. παρήκα —] Cf. Fr. 305 D. καὶ δὴ (μήν?) τι καὶ παρῆκα (i. παρήκα) τῶν ἀρτυμάτων. ἐσωζόμεν] Cf. El. 1257. σώζου τόδε. Eur. Suppl. 916. ἃ δ' ἂν μάθη παῖς, ταῦτα σώζεσθαι φιλεῖ | πρὸς γῆρας. Hel. 274. Arist. Vesp. 1055.

684. δύσκιπτον — γραφήν] Cf. Aesch. Ag. 1328. βολαῖς ὑγρώσων σφόνγγος ὤλεσεν γραφήν. Eur. Fr. 616. τὸν ὄλβον — ἐξαλείφει ἔξον ἢ γράφει (γραφήν?) θεός. 860. Plin. H. N. XIII. 11. 'Quicquid scriptum in iis tabellis (δέλτοις) erat spongia inducta deleri poterat.'

685. ἀκτίος — θεομῆς] Cf. Arist. Av. 1091. θεομῆ — ἀκτίς.

686. ἐν μυχοῖς] Cf. Ant. 1293. ὄραν πάρεσιν· οὐ γὰρ ἐν μυχοῖς ἐτι. et ad O. C. 1521. Eur. Hel. 820. οἴκων ἐν μυχοῖς.

690. βοτοῦ λάχνην] Cf. Hesiod. Op. 513. θῆρες — τῶν καὶ λάχνη δέρμα κατάσκιον.

692. ζυγάστρω] Cf. Eur. Fr. 1110. et ad Eur. Ion. 32. Photius, ζύγαστρον: κιβωτός. Confer στέγαστρον Aesch. Cho. 984.

693. φάσμα δέρομαι] Cf. El. 1466. δέδορκα φάσμα. Eur. Or. 879. ὄρω δ' ἄελπτον φάσμα.

694. ἀφραστον] Inopinatum. Cf. 1057. ἀφράστῳ τῆδε χειρωθεὶς πέδη. El. 1262. ἀφράστως ἀέλπτως τ' ἐσειδον (σε). Aesch. Suppl. 89. κατιδεῖν ἀφραστοί. Pers. 161. μέριμν' ἀφραστος. Eur. Hipp. 820. κηλεῖ ἀφραστος ἐξ ἀλαστόρων τινός. ἀξύμβλητον — μαθεῖν] Cf. Aesch. Cho. 170. εὐξύμβολον τόδ' ἐστὶ παντὶ δοξάσαι. Arist. Av. 1713. κάλλος — οὐ φατὸν λέγειν.

697. ἀκτίν' — ἡλιῶτιν] Cf. Eur. Rhes. 996. ἀκτίνα τὴν στείχουσαν ἡλίον. ἡλιῶτιν] Formatum ut Νειλῶτις Aesch. Pr. 814.

698. κατέφηκται] Cf. Eur. Hipp. 109. καταφήχειν χρεῶν] ἔπιπος.

699. πρόνος ἐκβρώματ'] Cf. Fr. 787. οὐ σκέπαρνος οὐδὲ πρόνος πληγαί. Trag. adesp. 87, 3. δεινὸν καθιείς πρόνον' εἰς ἀκροὺς πόδας.

704. βακχίας ἀπ' ἀμπέλων] Cf. Eur. Fr. 562. πυκνοῖς δ' ἐβαλλον Βακχίον τοξεύμασι | κάρα γέροντος.

705. οὐκ ἔχω — ποῖ γνώμης πέσω] Cf. El. 922. οὐκ οἶσθ' ὅποι γνώμης φέρει. Ant. 42. ποῦ γνώμης ποτ' εἰ;

707. Cf. El. 958. ποῖ γὰρ μενεῖς ῥάθυμος, ἐς τίν' ἐλπίδων | βλέπασ' ἔτ' ὀρθήν;

709. ἀποφθίσαι] Occidere. Cf. Aj. 1027. ἐμελλέ σ' Ἐκτωρ καὶ θανῶν ἀποφθίσαι. Aesch. Ag. 1457. πρὸς γυναικὸς δ' ἀπέφθισεν βίον.

711. ἄρνυμαι] Cf. Ant. 903. Phil. 837.

712. ψευδοθήσομαι γνώμης] Cf. Herod. IX. 61. ψευδοθῆναι τῆς ἐλπίδος. Andocid. 22, 19. ψευδοθῆναι τῆς αὐτῶν γνώμης.

713. ἐξαποφθερῶ] Cf. Aesch. Pers. 464. ἐξαπέφθειραν.

717. σφαγῶν διελθῶν] Cf. Thuc. IV. 48. οἰστοὺς — ἐς τὰς σφαγὰς καθιέντες.

720. ταύτῃ σὺν ὀρμῇ —] Cf. Eur. Or. 1072. κοινῇ ταῦτα (ταῦτὰ Matth.) καὶ πάσχειν με δεῖ. ὀρμῇ] Cf. El. 1512. Ant. 135.

721. Cf. El. 989. ζῆν αἰσχρὸν αἰσχρῶς τοῖς καλῶς πεφνκόσιν.

724. τῆς τύχης — πάρος] Ante eventum (sive exitum). Cf. Eur. Ion. 485. ἐμοὶ μὲν πλούτου τε πάρος — εἰεν — τροφαὶ κήδειοι κτλ.

726. προξενεῖ] Praebet. Cf. O. C. 465. ὧς νυν πᾶν τελοῦντι προξενεῖ. O. R. 1483.

727. ἐξ ἐκουσίας] Cf. 395. ἐκ ταχείας (i. e. ταχέως). Herod. V. 116. αὐτὶς ἐκ νέης.

728. ὀργῇ πέπειρα] Cf. Aesch. Eum. 66. ἐχθροῖσι τοῖς σοῖς οὐ γενήσομαι πέπων. Arist. Eccl. 896. τὸ σοφὸν ἐνεσιν — ἐν ταῖς πεπείροις (πεπείραις?). Anacr. 87. Anth. P. XII. 9.

730. ᾧ μὴδέν ἐστ' οἴκοι βαρὺ] Cf. Eur. Suppl. 193. οὗτοι δύναι' ἂν οἴκοθέν γ' ἀτώμενος | τέρπειν ἂν ἄλλους.

731. τὸν πλείω λόγον] Cf. Arist. Ran. 160. ἀτάρ οὐκ ἔτ' οἶσω ταῦτα τὸν πλείω χρόνον.

733. *μαστήρ πατρός*] Cf. O. C. 456. *Κρέοντα πεμπόντων ἐμοῦ* | *μαστήρα*. Carcin. Fr. 5, 5. *κόρης μαστήρα*.

736. *λόφους φρένας ἠεὶ ἀμείψασθαι*] Cf. Phil. 1078. *χοῦτος τάχ' ἄν φρόνησιν ἐν τοῦτω λάβοι* | *λόφω τιν' ἡμῖν* (l. ἦ νῦν). Ant. 1090. *τὸν τοῦν τ' ἀμείνω τῶν φρενῶν ἦ νῦν* (τῶν νῦν?) *φέρειν*.

737. *ἀμείψασθαι*] Cf. Aesch. Sept. 304. *ποῖον δ' ἀμείψασθε γαίας πέδον τᾶσδ' ἄρειον* —; Suppl. 232. Hor. Od. II. 16. 18. 'Quid terras alio calentes | sole mutamus?'

741. *ἐξηνεγκας — λόγον*] Cf. Eur. Andr. 621. *ἐκφέρουσι γὰρ* | *μητρῶ' ὄνειδῃ*. 757. *οὐ μὴ γυναικῶν δειλὸν εἰσοίσεις* (*ἐξοίσεις* F. W. Schmidt) *λόγον*; Bacch. 650. *τοὺς λόγους γὰρ εἰσφέρεις* (*ἐκφ. idem*) *καινοὺς αἰεί*.

743. *τὸ γὰρ φανθὲν* —] Cf. Aj. 378. *Agath. Fr. 5. μόνου γὰρ αὐτοῦ* (l. μόνου δὲ τούτου) *καὶ θεὸς στεροῖσεται*, | *ἀγένητα ποιεῖν ἄσο' ἄν ἢ πεπραγμένα*. Plat. Phaedr. 246 A. *ἐξ ἀνάγκης ἀγένητόν τε καὶ ἀθάνατον νυχὴ ἄν εἴη*. Hor. Od. III. 29. 46. 'neque | dif-finget infectumque reddet | quod fugiens semel hora vexit.'

747. *κοῦ κατὰ γλώσσαν κλύων*] I. e. et non ex ore aliorum. Anglice, and not by word of mouth (by hearsay). Cf. Aesch. Agam. 813. *δίκας γὰρ οὐκ ἀπὸ γλώσσης θεοὶ* | *κλύοντες κτλ.*

749. Cf. O. R. 1110. *εἰ χρῆ τι κἀμὲ σταθμᾶσθαι*, κτλ. El. 339.

753. Cf. Aesch. Fr. 146. *οἷς ἐν Ἰδαίῳ πάγῳ* | *Διὸς πατρῶου βωμὸς ἐστιν*. Plat. Euthyd. 302. *Ζεὺς δ' ἡμῖν πατρῶος μὲν οὐ καλεῖται, ἐρκείος δὲ καὶ φράτριος*.

754. *βωμὸν δὲ οὐκ εἰς τεμενίαν τε φυλλάδα*] Cf. 237. Herod. III. 142. 2. *Διὸς Ἐλευθερίου βωμὸν ἰδρῦσατο καὶ τέμενος περὶ αὐτὸν οὖρῳσε τοῦτο*.

756. *πολυθύτους — σφαγᾶς*] Cf. Eur. Iph. A. 185. *πολύθυτον ἄλσος*. Aj. 712. *πάνθητα θέσμι'*. Similiter Aesch. Ag. 1168. *θυοῖα — πολυκανεῖς*.

759. *προυξεφίεσο*] Cf. Eur. Aj. 795. *ἐξεφίεται*. Iph. T. 1435. *τάσδε δ' ἐκπέμπειν χθονὸς — ἐξεφίεμαι*. Confer *προυξεπίσταμαι* Aesch. Prom. 101.

760. *ταυροκτόνων λεόντων*.

762. *συμμιγῆ βοσκήματα*] Cf. Aj. 53.

764. *κόσμῳ τε — καὶ στολῇ*] Cf. Eur. Alc. 159. *ἐσθῆτα κόσμον τ' κατήρχετο*] Cf. Hom. Od. 3, 445. *χέριβ' αὖτ' οὐλοχίτας τε κατήρχετο*. Hesych. *κατάρξασθαι: τοῦ ἱερείου*.

765 sq. Cf. Ovid. Met. IX. 161. 'incaluit vis illa mali resolutaque flammis | Herculeos abiit late diffusa per artus.'

765. *δρυῖων*] Cf. Ant. 1013. Aesch. Sept. 180. *ἐδαίετο*] Cf. Eur. Tro. 825. *ἅ δέ σε γειναμένα πύρι δαίεται*. Hom. Il. 13, 227. *ἐπεὶ ἴδον ἀκάματον πῦρ | δεινὸν ἐπὲρ κεφαλῆς μεγαθύμου Πηλεϊωνος* | *δαϊόμενον*. Arist. Lys. 1284.

766. φλόξ αίματηρά —] Similiter Aj. 1004. ὦ δυσθέατον ὄμμα καὶ τόλμης πικρᾶς. Ant. 785. Eur. Alc. 983. ἐγὼ καὶ διὰ μούσας καὶ μετάρους ἦσα. δρυὸς] Cf. Eur. Cycl. 383. Virg. Aen. 6, 215.

767. προσπίύσεται πλευραῖον] Cf. Ant. 1237. παρθένω προσπίύσεται.

768. ἀρτίκολλος] Arcte conglutinatus. V. schol. τέκτονος] Fabrum lignarium intellige. Cf. Pind. P. III. 113. τέκτονες οἶα σοφοὶ ἄρμωσαν.

769sq. Cf. Eur. Med. 1197. σάρκες δ' ἀπ' ὀστέων, ὥστε πένκινον δάκρυ, | γναθμοῖς ἀδήλοις φαρμάκων ἀπέρορον.

770. ὀδαγμός] Cf. Soph. Fr. 1026, 8. καρδίαν ὀδαγμένος. ἀντίσπαστος] Anglice Spasmodic, convulsive.

771. ἐδαίνυτο] Cf. 1088. Eur. Fr. 792. φαγέδαιναν, ἣ μου σάρκα θοινᾶται ποδός.

775. τὸ σὸν μόνης δώρημ'] Cf. O. C. 344. τὰμὰ δυστήνον κακά.

778. σπαραγμός — πλενμόνων ἀνθήψατο] Cf. Arist. Ran. 474. ἔχιδνά θ' ἑκατογκέφαλος, ἣ τὰ σπλάγγχρα σου | διασπαράξει πνευμόνων τ' ἀνθάψεται. Eur. Med. 1360. Eur. Fr. 387, 5.

779. μάρπτει ποδός νιν] Cf. Sosith. trag. 3, 1. θανάων μὲν οἶν (εἰς?) Μαίανδρον ἐρρίφη ποδός | σόλος τις ὥσπερ. ποδός — ἄρθρον] Cf. Phil. 1202. ἐμοῦ ποδός ἄρθρον. O. R. 718. ἄρθρα — ποδοῖν. 1032. ποδῶν — ἄρθρα. λυγίζεται] Cf. Eur. Cycl. 225. στρεπταῖς λύγοισι σῶμα συμπεπλεγμένους.

781. κόμης — μυελὸν ἐκράινει] Cf. Eur. Fr. 384. κάρα τε γὰρ σου συγγεῶ κόμαις ὁμοῦ, | ζανῶ τε πεδόσ' ἐγκέφαλον, κτλ. Suspectum κόμης.

783. ἀνευφήμησεν οἰμωγῇ] Cf. 790. πολλά δ' οἰμωγῇ βοῶν Eur. Iph. T. 1369. ναῖται δ' ἐπευφήμησαν — παιᾶνα. 1403. Iph A. 1346. παιᾶν' ἐφύμουν. 1468. Hom. II. 1, 22. ἐνθ' ἄλλοι μὲν πάντες ἐπευφήμησαν Ἀχαιοί.

789. χθονὶ ῥίπτων ἐαντόν] Cf. 767. 915. O. R. 1266. El. 747.

790. οἰμωγῇ βοῶν] Cf. 783. ἀνευφήμησεν (ἀνωλόλυξεν?) οἰμωγῇ.

791. δυσπάρενον] Cf. Aesch. Sept. 1004. ἰὼ πῆμα πατρὶ πάρενον. ἐνδατούμενος] I. e. διαβάλλον (v. schol. Aeschin. p. 246. Bekk.). Cf. Eur. Herc. 218. λόγους ὀνειδιστήρας ἐνδατούμενος. Aesch. Fr. 350. ὁ δ' ἐνδατεῖται τὰς ἐμὰς εὐπαιδίας κτλ. Confer Latinum differre verbis.

793. κατακτῆσαιτο λυμαντήν βίου] Cf. Aj. 968. ἐκτῆσθ' αὐτῶ θάνατον. 777. θεᾶς | ἐκτῆσαι' ὄργην. El. 1003. κακὰ κτησώμεθ'.

794. Cf. Aj. 447. Aesch. Prom. 673. εὐθύς δὲ μορφή καὶ φρένες διάστροφοι | ἦσαν. Eur. Bacch. 1122. ἣ δ' ἀφρόν ἐξεῖσα καὶ διαστροφός | κόρας ἐλίσσοσ' κτλ. 1165. Herc. 868.

795. στρατῶ] Populo. Cf. ad El. 749. Hinc στρατηγός rex princeps, Ant. 8.

800. *δπον μῆ* —] Cf. Aj. 659. *δρύξας ἔνθα μῆ τις ὄψεται.* O. R. 1412. El. 380. 436.

802. *μῆδ' αὐτοῦ θάναω*] Cf. O. C. 174. *μῆ δῆτ' ἀδικηθῶ* —.

806. Sed cf. El. 1315. *θανόντα τε | καὶ ζῶντ' ἐσεῖδον.*

808. *ποίνιμος Δίκη*] *Ultrix Justitia.* Cf. Aj. 843. *ποίνιμοι* — *Ἐρινός.* El. 210. *ποίνιμα πάθεια.* 1390. Aesch. Ag. 1432. *μὰ τὴν τέλειον τῆς ἐμῆς παιδὸς Δίκην | Ἄτην τ' (Ἀράν τ') Ἐρίνον τ'.* Eum. 504. Eur. Med. 1386. *ἀλλὰ σ' Ἐρινὸς δλέσειε τέκνων | φρονία τε Δίκη.*

809. *εἰ θέμις γ'* —] Cf. Phil. 1035. Fr. 678. *εἴ μοι θέμις· θέμις δὲ τάληθῆ λέγειν.* Eur. Herc. 141. *εἰ χορῆ μ', ἐρωτῶ· χορῆ δ', ἐπεὶ γε δεσπότης | ὑμῶν καθέστηχ'.* El. 300. *λέγοιμ' ἄν, εἰ χορῆ· χορῆ δὲ πρὸς φίλον λέγειν | τύχας βαρείας κτλ.* Suppl. 349. Menand. p. 91. *εἰ θεὸν καλεῖν σε δεῖ· δεῖ δ' κτλ.* Pers. Sat. I. 8. 'si fas dicere, sed fas.'

811. *ἄριστον ἄνδρα τῶν ἐπὶ χθονὶ*] Cf. Aj. 1416. Hor. Sat. I. 5. 41. 'animae, quales neque candidiores | terra tulit, etc.'

813. *ξυνηγορεῖς* —] Cf. Arist. Ach. 658. *ὁ δὲ νεανίαν ἑαυτῷ σπουδάσας ξυνηγορεῖν κτλ.*

814. *ὄγκον* — *ἄλλως*] Cf. Ph. 946. *εἶδωλον ἄλλως.*

815. *οὔρος*] Cf. Aj. 1083. Themist. p. 223. *ἔβα πλέων ἐς ὄλεθρον.* Arist. Th. 1226. Hor. Od. III. 11. 49. 'I pedes quo te rapiunt et aurae.' *δμμάτων* — *ἄπωθεν*] Cf. Eur. Iph. T. 108. *νεὼς ἄπωθεν.* Arist. Av. 1526. *ἄνωθεν ὑμῶν.* Sic *ἐγγύθεν* τινὸς Hom. II. 11, 723.

817. *ὄγκον* — *ἄλλως ὀνόματος*] Cf. Aelian. H. A. VII. 1. *οὐκ ἔστιν ἄλλως κόμπος τὸ εἰρημένον.* Thuc. VIII. 75. *ἄλλως ὄνομα καὶ οὐκ ἔργον.* Menand. IV. 213. *εἰ μῆ τις ἄλλως ὀνόμασιν χαιρεῖ κenoῖς.* Eur. Or. 448. *ὄνομα γὰρ, ἔργον δ' οὐκ, ἔχουσιν οἱ φίλοι | οἱ μῆ 'πὶ ταῖσι συμφοραῖς ὄντες φίλοι.* Eur. Fr. 362, 27. *μῆ σχήματ' ἄλλως ἐν πόλει πεφυκότα.* Trag. Adesp. 462, 11. *ὄγκον δὲ μεγάλου πτώμα γίγνεται μέγα.* Eur. Hec. 489. *δόξαν ἄλλως.* Hel. 761. *ἀριθμὸν ἄλλως.* Tro. 470. Dem. p. 348. p. 931.

818. *μηδὲν ὡς τεκοῦσα δρᾶ*] Cf. El. 1194. *μητρὶ δ' οὐκ ἐξισοῖ.*

819. Cf. Eur. Hipp. 1400. *χαίρουσα καὶ σὺν στεῖχε.* Med. 756. *χαίρων πορεύου.* Phoen. 921. *χαίρων ἴθ'.* Alc. 813.

821 sq. Cum his cf. El. 495—501. et ad El. 1384. *ἴδεθ' ὅποι προνέμεται κτλ.*

821. *προσέμψεν*] Accessit. Intransitive ut in Ph. 106. *οὐκ ἄρ' ἐκείνῳ γ' (l. 'στ') οὐδὲ προσμῖξαι θρασύ;* Hom. Od. 9, 507. *ὦ πόποι, ἦ μάλα δή με παλαίφατα θέσφαθ' ἰκάνει.*

822. *τοῦπος τὸ θεοπρόπον*] Cf. O. R. 89.

823. *παλαιφάτου προνομίας*] Cf. O. C. 1381. *ἡ παλαιφάτος Δίκη.*

824. *ὄ τ'*] Cf. O. R. 694. El. 151. *ἐλακεν*] Cf. Arist. Eq. 128. *ὁ χρησμός ἀντικρυς λέγει.* 1025. *οὐ τοῦτό φησ' ὁ χρησμός.* Eur.

Bacch. 1333. χρησμός ὡς λέγει Διός. ἐκφέρου] I. q. ἐξέλθου. Cf. O. C. 1424. ἐς δρθὸν ἐκφέρει.

826. ~~αὐτόπαιδι~~] c Scholn γησίῳ παιδί. Dindorfio sensum esse Διὸς αὐτοῦ παιδί (ut in Ph. 392. μᾶτερ αὐτοῦ Διὸς) putanti non assentior. Cf. Soph. Fr. 921 N. αὐτόπαιδα. Sic αὐτοθαῖς Lucian. Praec. Rhet. 12. αὐτομέλινα Anth. P. VI. 353. Cf. 1064. ὦ παῖ, γενοῦ μοι παῖς ἐτήτυμος γεγώς.

827. δρθῶς — κατουρίζει] Cf. O. R. 696. κατ' δρθὸν οὔριος.

832. δολοποιὸς ἀνάγκα] Cf. Aesch. Ag. 1128. δολοφόνου λέβητος.

834. αἰόλος δράκων] Cf. 11. 94. αἰόλα νύξ (i. e. stellis distincta). 132.

835. πῶς ὄδ' ἂν ἀέλιον ἕτερον — ;] Cf. Ant. 1333. ὄπως μηκέτ' ἄμαρ ἄλλ' εἰσίδω. El. 106. ἔστ' ἂν — λεύσω τόδ' ἤμαρ. Eur. Phoen. 1325. κρηεῖ φάος (schol. ἡ παροῦσα ἡμέρα) τὸ μέλλον.

836. ὑδρας — φάσματι] Cf. 508. ὑνίκερω — φάσμα τάρου. Sed pro φάσματι corrigendum, ni fallor, χροῖσματι.

837. προσετακῶς] Cf. Eur. Or. 34. ἀγρία συντακεῖς νόσφ.

838. ἄμμιγα (al. ἀνάμμιγα) legitur Aesch. Sept. 239.

840. κέντρο'] Cf. Aesch. Prom. 598. θεόστυόν τε νόσον — ἃ μαραίνει με χροῖουσα κέντροισι φοιταλέοισιν. ἐπιζέσαντα] Cf. O. C. 426. ὄπηνικ' ἔξει θυμός.

843. τὰ μὲν —] Wunderus explicat, 'hanc quidem calamitatem non adscivit' (sc. malum, quod imminabat Deianirae ex novis nuptiis). οὔτι προσέβαλε] Schol. οὐ συνήκε. Cf. 580.

846. ἦ που] Cf. Ph. 1130. Aj. 382. 622. 850. Eur. Alc. 200. ἦπον στενάζει τοισίδ' Ἄδμητος κακοῖς — ;

847. ἀδινῶν δακρύων] Cf. Hom. Od. 4, 721. ἀδινὸν γοῶσα. χλωρὰν —] Cf. Eur. Med. 922. κάμοι κατ' ὄσων χλωρὸν ὠρμήθη δάκρυ. 906. Hel. 1205. χλωροῖς τε τέγγεις δάκρυσι σὴν παρηΐδα.

848. τέγγει δακρύων ἄχραν] Cf. Pind. N. X. 75. τέγγων δάκρυα.

849. δακρύων ἄχραν] Cf. O. C. 681. θάλλει δ' οὐρανίας ὑπ' ἄχνας.

851. δολίαν — ἄταν] I. e. ἀτηρὸν δόλον.

852. ἔρωγεν παγὰ δακρύων] Cf. 919. δακρύων ῥήξασα θεομὰ νάματα. Fr. 847. ἀρραγὲς ὄμμα. O. R. 1280. τὰδ' ἐκ θυνοῖν ἔρωγεν, οὐ μόνον (οὐχ ἐνός?), κακά. 1076. Aesch. Pers. 433. κακῶν δὴ πέλαγος ἔρωγεν μέγα Πέρσαις. Eur. Alc. 1067. ἐκ δ' ὀμμάτων | πηγαὶ κατερρώγασιν. Hipp. 1338. Similiter Eur. Ion. 932. οἴμοι, μέγας θησαυρὸς ὡς ἀνοήγνται | κακῶν, ἐφ' οἷσι πᾶς ἂν ἐκβάλου δάκρυ.

853 sq. οἶον —] Cf. 1048 sq. οὔπω τοιοῦτον οὔτ' ἄκοιτις ἡ Διὸς | προὔθηκεν, οὔτ' ὁ στυγρὸς Ἐὔρουσθεὺς ἐμοί, | οἶον τόδ' — ὑφαντὸν ἀμφίβλητρον, ᾧ διόλλυμαι.

853. κέχνται νόσος] Cf. Ph. 293. πάγον χυθέντος. ἀναρῶων] Cf. 641. Hom. II. 24, 365. οἳ τοι δυσμενέες καὶ ἀνάροισι ἐγγύς ἔασιν.

856. κελαιὰ λόγχα [— δορός] Propter ferri colorem. Cf. Aj. 231. κελαιοῖς ξίφρσιν. Eur. Or. 1472. μέλαν ξίφος. 1148. φάσανον — μέλαν. Hel. 1152. εἰ δορός ἀλκαίου (l. ἀλκίμου) λόγχαϊσιν καταπαυόμενοι πόνους θνατῶν. Tro. 1318. δορός λόγχαν. Hes. 102. λόγχης αἰχμῆ. Bacch. 628.

858. αἰπεινᾶς — Οὐγαλίας] Cf. 354. τὴν θ' ἐνρίπτουρον Οὐγαλίαν.

859. αἰχμᾶ] In bello. Cf. Ph. 1307. κακὸς ὄντας πρὸς αἰχμῆν.

861. Κύπρις — πράκτωρ] Cf. Aesch. Ag. 111. σὺν δορὶ καὶ χειρὶ πράκτορι.

863. κλύω τινὸς οἴκτου] Cf. Aesch. Cho. 411. τόνδε κλύουσαν οἴκτον. Suppl. 59. οἴκτον αἴων. Eur. Tro. 155. αἴων οἴκτους οὐς οὐκίξει.

864. οἴκτου] Lamentationis. Cf. Aj. 895. δρῶ | Τέκμησαν οἴκτω τῷδε συγκεκραμένην.

866. ἤχει — κωκυτὸν] Cf. O. C. 1500. τίς — ἤχειται κτύπος; Tr. 642. ἀλλὸς — ἀχῶν καναχάν. Fr. 469, 2. λίμνης — ἠχοῦσης γόους. ἄσημον] Cf. Ant. 1004. 1209. Eur. Hipp. 585. λαχάν μὲν κλύω, σαφὲς (σαφῶς?) δ' οὐκ ἔχω γεγωνεῖν δπα.

867. καινίζει] Cf. Aesch. Ag. 1071. εἴκουσ' ἀνάγκη τῆδε (τοῦτο?) καινίσσον ζυγόν. Cho. 492. μέμνησο δ' ἀμφίβληστορον ὡς ἐκαινίσσαν. Eur. Tro. 889. τί δ' ἐστίν; εὐχὰς ὡς ἐκαινίσσας θεῶν. Eur. Fr. 598, 2. ὅστις τόνδ' ἐκαινίσεν λόγον.

869. ξυνοφρωμένη] Cf. Aelian. V. H. XIV. 22. ἐπὶ τοῖς σκυθρῶσι καὶ ἀνηκέστοις ἕκαστος αὐτῶν συνοφρωμένος ἦν δῆλος.

871. οὐ σμικρῶν κακῶν ἠρξεν] Cf. Eur. Andr. 274. ἡ μεγάλων ἀχέων ἄρ' ὑπήρξεν. Med. 1372. ἠρξε πημονῆς.

872. τὸ πόμπιμον] Passivo sensu., ut in Aesch. Ag. 301. Cf. Eur. Hipp. 577. πομπίμα (πόμπιμος?) φάτις δωμάτων. Activo sensu supra 550. Aesch. Sept. 371. 855.

873. καινοποιηθὲν] Cf. Polyb. I. 4. 5. πολλὰ καινοποιεῖ ἡ τύχη.

874. τὴν πανυστάτην ὀδῶν —] Cf. Aj. 994. ὀδός θ' ὀδῶν πασῶν ἀνιάσασα δὴ | μάλιστα τοῦμόν σπλάγγρον. 992. Aj. 858. El. 201. Ant. 1213. Eur. Or. 367. λουτροῖσιν ἀλόχου περιπεσιῶν πανυστάτοις. Arist. Ach. 1184.

875. ἐξ ἀκινήτου ποδός] I. e. non usa pedibus. Anglice without moving a foot. Cf. Phil. 91. ἐξ ἐνός ποδός (i. e. μόνος ὄν). El. 456. ἐξ ὑπερέρας χειρός. Ant. 807. 878. Eur. Med. 217. οἳ δ' ἀφ' ἡσύχου ποδός | δύσκλειαν ἐκτίσαντο καὶ ῥάθνημίαν.

876. Cf. El. 1180. οὐ δὴ ποτ' —;

878. φλεθρία] Perdita. I. q. ὀλομένα. Cf. O. R. 1341. ἀπάγει', ὦ φίλοι, τὸν μέγ' ὀλέθριον. Sed v. annot. crit.

879. προᾶξιν] Cf. Eur. Or. 538. ἔπραξαν ἔνδικα. Thuc. VIII. 95. χαλεπώτατα. Monk. ad Alc. 621.

880. τῶ μόρω — ξυτρέχει] Schol. τίνι θανάτῳ συνέπεσεν. Cf. ad O. R. 112. τῶδε συμπίπτει φόνῳ. Aj. 429. κακοῖς τοιοῦτοδὲ συμπεπιωκότα] 1059. O. C. 160. κρατῆρ — ζεύματι συντρέχει. Eur. Hec. 695. τίνι μόρω θνήσκει; Bacch. 1041. ἔννεπέ μοι, φράσον, τίνι μόρω θνήσκει. Phoen. 1566. Eur. Iph. T. 1210. μὴ συναντῶσιν φόνῳ; Aesch. Eum. 322.

881. διεξήστωσε] Schol. αὐτὴ ἐαυτὴν ἠφάνισεν. Hesych. αἰσιω-
θεῖς: ἀφανισθεῖς. Cf. Aesch. Prom. 151. αἰστοῖ. 232. αἰσιώσας γένος |
τὸ πᾶν. 668.

889. παραστάτις] Cf. O. C. 559. ἢ σὴ δύσμορος παραστάτις.

891. Cf. 1132. Aj. 906. αὐτὸς πρὸς αὐτοῦ (ἔπεσε). Ant. 1177. O. R. 1237. Aesch. Prom. 787. Eur. Med. 31. Her. 144. χειρο-
ποιεῖται] Mira vox, quacum conferri potest καινοποιηθῆν 873.

894. νέορτος] Cf. Fr. 788, 3. τὰν νέορτον (adolescentulam)
— Ἐρμύοναν.

900. ἦλθε δωμάτων ἔσω] Cf. O. R. 1241. παρῆλθ' ἔσω θυ-
ρῶνος. 1515. ἀλλ' ἴθι στέγης ἔσω. El. 1392. παράγεται — εἶσω
στεγας (Dorice pro στέγης). Herod. V. 20. παρῆγε ἔσω.

901. δέμνια στορνύνθ'] Cf. Eur. Suppl. 766. κάσιτρωσε γ' εὐνάς.
Herod. VI. 139. κλίνην ἔστρωσαν. VII. 54. Theocr. XXII. 33. εὐνάς
τ' ἐστόρυνντο κτλ. Trag. adesp. 63, 2. στρώννυ τε κοίτας. Diodor.
com. III. 544. καλῶς ἐστρωμένην κλίνην. ibid. κλίνας — ἐστρωμένας.

902. στορνύνθ'] Cf. Eur. Her. 702. στόρυνσι. Herod. VII. 54.
στορνύντες. Arist. Pac. 810. Com. anon. IV. 672. στρώννυ τε κοίτας.

ἀνφορον] Adverbii vice fungitur El. 53. 1430. Aj. 369. ἀντῶν]
Cf. Aj. 533. μὴ σοί γε — ἀντήσας θάνοι.

903. Cf. 800. El. 436. O. R. 796. ἔνθα μὴ τις εἰσίδοι] Qu.
— ὄψεται. Sed cf. ad O. R. 72.

904. βρουχάτο] Sic El. 715. φεῖδοντο. βωμοῖσι προσπίπτουσ']
Cf. O. C. 1157.

905. Cf. O. R. 1464. ὄσων ἐγὼ | ψαύοιμι, πάντων τῶνδ' αἰεὶ
μειτεχέτην. ὄργάνων] Schol. ἢ τῶν ἰστιουργικῶν, ἢ τῶν ἐργα-
λείων οἷς τὸν πέπλον ἔχρισεν. Cf. Eur. Ion. 1030. χρύσωμ' Ἀθάνας
τόδε, παλαιὸν ὄργανον. ὄτου ψαύσειεν] Cf. Phil. 289. πρὸς δὲ
τοῦθ' ὁ μοι βάλοι | νευροσπαδῆς ἄτρακτος, αὐτὸς ἂν τάλας | εἰλνό-
μην. Arist. Nub. 854. ὃ τι μάθοιμ' ἐκάστοτε | ἐπελανθανόμην ἂν.

907. στρωφωμένη] Cf. Theogn. 839. τούτων δ' ἂν τὸ μέσον
στρωφήσομαι, κτλ. εἰσρωφωμένη] Similis pleonasmus est Aesch.
Cho. 738. ἢ δὴ κλύων εὐφρανεῖ νόον (φρένα?) | ἐδτ' ἂν πύθηται.

910 sq. Cf. Eur. Fr. 491, 4. ᾧ γὰρ θεὸς δίδωσι μὴ φῦναι
(φῦσαι?) τέκνα, | οὐ χρὴ μάχεσθαι πρὸς τὸ θεῖον, ἀλλ' ἔαν. Eur.
Phoen. 613. μολῶν ἐς Ἄργος ἀνακάλει Λέωνης ὕδωρ.

911. ἐς τὸ λοιπὸν] Cf. Aesch. Eum. 708. Pers. 526. Sic ἐς
τὸ πᾶν χρόνον.

914. Cf. Eur. Herc. 642. βλεφάρων σκοτεινὸν φάος ἐπικαλύψαν (γῆρας). Alc. 378. καὶ μὴν σκοτεινὸν ὄμμα μόν βαρύνεται. Suppl. 978. ~~δακρῶναι σκοτεινὸν~~ — πτύχα τέγξω. ἐπεισοιασμένη] ἐπισκιαίνει valet obumbrare, Angl. to overshadow. I. e. ex occulto spectans. Cf. O. C. 1650. ὀμμάτων ἐπίσκιον | χεῖρ' ἀντέχοντα κρατός. Herod. I. 209. cum dativo apud Theophrastum.

917. ἐπενθοροῦσ'] Cf. Aesch. Pers. 359. ἐπενθορόντες.

918. εὐνατηρίους] Cf. Aesch. Pers. 160. Eur. Orest. 583.

919. δακρῶν ῥήξασα —] Cf. 852. ἔρρωγεν παρὰ δακρῶν. Herod. I. 85. ὁ παῖς ὁ ἄφωνος ἔρρωξε φωνήν. II. 2. V. 93. Demosth. 9, 61. ἐτόλμησεν οὐδέεις ῥῆξαι φωνήν. Arist. Nub. 357. οὐρανομήκη ῥήξαιτε — φωνήν. 960. Eur. Suppl. 710. ἔρρωξε δ' αὐδὴν. Plut. Pericl. 36. κλαυθμὸν ῥήξαι. Virg. Aen. II. 129. 'rumpit vocem.' IV. 553. 'rumpibat questus.' δακρῶν — νάματα] Cf. Eur. Herc. 625. νάματ' ὄσων. Phoen. 370. δι' ὄσων νᾶμ' ἔχων δακρυροοῦν (δακρύροον). — θερμὰ νάματα] Cf. Aesch. Agam. 1172. ἐγὼ δὲ θερμὰ νάματ' (sc. αἵματος) ἐν πέδῳ βαλῶ (ita enim legerim).

922. εὐνήτριαν] Alia forma εὐνήτειρα est Aesch. Prom. 895. Pers. 157. εὐνητήρ legitur Aesch. Pers. 136. εὐνήτωρ Aesch. Suppl. 665. Eur. Herc. 27. 97.

923. συντόνω χερί] Cf. Eur. Bacch. 126. βακχεῖα συντόνω. 1089. συντόνοις δρομήμασιν. Hipp. 1361. σύντονα ἔλκετε τὸν κακοδαίμονα. Monost. 604. ἴσχυε μὲν, μὴ χρωῖ δὲ συντόνωσ θράσει (κράτει?).

925. χρυσήλατος — περονίς] Cf. Oed. R. 1268. χρυσήλατος περόνας. ἐκ δ' ἐλώπισεν] Cf. Soph. Fr. 844. ἀπολωπίσαι (ἐκλ.?).

927. δρομαία βᾶσ'] Cf. Eur. Or. 45. δεμνίων ἄπο | πηδᾶ δρομαῖος. Arist. Ran. 478. ἐφ' οἷς ἐγὼ δρομαῖον δρομήσω πόδα.

929. τὸ κείσε δευρό τ' —] Cf. Eur. Andr. 619. ἐκείσε δευρό τ'. Phoen. 266. κάκεισε καὶ τὸ δεῦρο. 320. ἐκείσε καὶ τὸ δεῦρο περιχορεύουσα. Arist. Av. 425. τὸ κείσε καὶ τὸ δεῦρο. Dem. p. 786. ἔπτων δεῦρο κάκεισε.

930. Cf. Aesch. Prom. 361. φρένας γὰρ εἰς αὐτὰς τυπεῖς ἐφεψαλώθη. Eum. 158. Pind. N. VII. 38. ὁ καρτερός Αἴας ἔπαξε διὰ φρενῶν λευρὸν ξίφος. ἀμφιπλήγι φασγάνω] I. q. ἀμφιθήκτω ξίφει (Ant. 1309.). Cf. O. R. 417. ἀμφιπλήξ — ἀρά. Confer ἀντιπλήξ Ant. 592.

933. κατ' ὀργήν] Cf. Arist. Pac. 133. κατ' ἔχθραν. ἐφάρειεν] Suspectum.

936. δύστηνος] Per appositionem positum. Cf. Eur. Herc. 1033. ἴδεσθε τὰ τέκνα πρὸ πατρὸς ἄθλια κείμενα δυστάνου. Lucian. III. 51. ἀνασκολοπισθεῖς ἄθλιος. 55. αὐτὸς μὴδὲ δειπνήσας ἄθλιος ἐν αὐτῇ.

938. ἀμφιπλήτων στόμασιν] Cf. O. C. 1620. Aesch. Ag. 326. οἱ μὲν γὰρ ἀμφὶ στόμασιν πεπτωκότες — ἀπομυῶζονοι φιλιτάτων

μόρον. · στόμασιν] I. e. labris. Pluralis στόματα, ut in O. R. 1219. δύρομαι — ἰάλεμον ἐκ στομάτων. Eur. Alc. 414. ποτὶ σοῖσι πίτων στόμασιν. Sic πρόσωπα, γέννες, etc.

939. πλευρόθεν πλευρὰν παρεῖς] I. e. a latere matris latus suum inclinavit, ut explicat Herm. Schol. ἐκτεῖνας ἑαυτὸν. Cf. El. 819. τῆδε πρὸς πύλη | παρεῖσ' ἑμαντήν κτλ. Similiter Eur. Alc. 373. πλευρὰ τ' ἐκτεῖναι πέλας | πλευροῖσι τοῖς σοῖς. Or. 223. ὑπόβαλε πλευρὰ.

940. αἰτία κάλοι κακῆ] Cf. O. R. 657. τὸν ἐναγῆ φίλον μηδέποτ' αἰτία — ἄτιμον βαλεῖν. Aj. 1244. αἰὲν ἡμῶς — κακοῖς βαλεῖτε. et ad Phil. 67. Arist. Th. 898. τοῦμόν σῶμα βάλλουσα φύγω.

944. ἦ καὶ πλείους τις mss. Λογε ἦ καὶ πλείους] Cf. Soph. Fr. 185, 2. καὶ μὴ 'τι πλείους τῶνδ' ἔχειν δυσφημίας. Arist. Vesp. 806. δσαπερ τ' ἔφρασκον καὶτι πολλῶ πλείονα.

945. Cf. O. C. 567. τῆς ἐς αὔριον ἡμέρας. Enr. Alc. 800. τὴν αὔριον μέλλουσαν.

947. δύσκριτ'] Cf. Eur. Fr. 365. αἰδοῦς δὲ καὶτὸς δυσκριτῶς ἔχω πέρι. Arist. Ran. 1433.

953 sq. Cf. Eur. Fr. 360, 25. ἔμοιγ' εἶη τέκνα | ἃ καὶ μάχοιτο καὶ μετ' ἀνδράων πρέποι.

954. ἐσιῶτις αὔρα] Aliquantum similis est locutio in Eur. Hipp. 577. πομπίμα (πόμπιμος?) φάτις δωμάτων (schol. ἢ ἐκ τῶν οἰκῶν πεμπομένη φωνή).

955. ἦτις μ' ἀποικίσειεν] Cf. O. C. 1390. καλῶ τὸ Ταρτάρου — ἔρεβος, ὡς σ' ἀποικίση. ἐκ τόπων] Corrige ἐκτόπιον. Arist. Thesm. 665. εἶά νυν ἴχρευε — εἴ τις ἐν τόποις (l. ἐντόπιος) ἔδραϊος ἄλλος αὐτὸν λέληθεν ὄν. ἀποικίσειεν] Cf. Chaeremon. Fr. 18. χρεῖα δ' ἀνάγκης οὐκ ἀπώκισται πολὺ. Eur. Fr. 255, 2.

957. ταρβαλέα θάνοιμι] Cf. Xen. Cyr. VI. 1. 2. ἀπωλώλει τῶ φόβῳ.

963. προύκλαιον] Cf. Eur. Alc. 526. ἄ, μὴ πρόκλα' ἄκοιτον εἰς τόδ' (τότ') ἀναβαλοῦ.

964. Similiter Aesch. Ch. 32. τορὸς γὰρ δρθόθριξ φόβος — ἔλακε περὶ φόβῳ.

967. ἄσοφον φέρει βάσιν] Cf. Oed. C. 198. Ph. 691. 1378. Aesch. Cho. 452. δι' ὧτων — τέτραινε μῦθον ἀσύχῳ φρενῶν βάσει. 581. γλώσσαν εὔφημον φέρει. Suppl. 994. γλώσσαν εὐτυκον φέρει. Eur. Tro. 334. ποδῶν φέρονσα φιλόταταν βάσιν. 887. Phoen. 311. τρομερὰν ἔλκω ποδὸς βάσιν. Com. (Trag.?) adesp. 1310. ἄσοφόν ἔχειν (φέρειν?) στόμα.

969. τί χρῆ, θανόντα νιν ἢ καθ' ἕπνον ὄντα κρῖναι;] Cf. El. 766. ὦ Ζεῦ, τί ταῦτα, πότερον εὐτυχῆ λέγω, | ἢ δεινὰ —;

970. καθ' ἕπνον ὄντα] Anglice asleep. Cf. Ph. 30. ὄρα καθ' ἕπνον μὴ καταλισθεῖς κυρῆ (κυρεῖ?). Infra 978. τὸν ἕπνω κάτοχον. Herod. VII. 12. 1. κατύπνωσε (κατυπνώθη?). 14. 1. κατυπνωμένῳ. Similiter κατ' οἶκον in κάτοικος corruptum est Aesch. Agam. 1285.

971. ὦ μοι ἐγὼ σοῦ] Cf. El. 1209. ὦ τάλαιν' ἐγὼ σέθεν. Eur. Or. 1209. ὦ μέλεος ἤβης σῆς, Ὅρέστα, καὶ πότμον. Hipp. 845. ἰὼ μοι σέθεν μέλεος.

973. Cf. Aesch. Sept. 1057. Similiter Eur. Ion. 769. εἴπωμεν, ἦ σιγῶμεν, ἦ τί δρᾶσομεν;

974. τί πάθω; τί δὲ μήσομαι;] Cf. Aesch. Sept. 1057. τί πάθω; τί δὲ δρῶ; τί δὲ μήσωμαι;

976. ἴσχε δακῶν στόμα σόν] I. e. ὀδᾶξ ἐν χεῖλεσι φύς. Cf. Arist. Nub. 1369. τὸν θυμὸν δακῶν. Vesp. 1083. Lys. 689. Ran. 43. Soph. Fr. 777. ὀδόντι προῖε τὸ στόμα. Aesch. Fr. 279. πρὸ τῶν τοιοῦτων χρῆ λόγων δάκνειν στόμα. Lycurg. 163, 18. χεῖλος ὀδοῦσι δακῶν. Apoll. Rhod. III. 1170. Ἴδας ἦσ' ἀπάνευθε δακῶν (δάκνων?) χόλον. Oppian. Cyn. IV. 138. θυμὸν ὀδᾶξ πρόντες. Theodect. trag. Fr. 9. καρτέρει δάκνων | ὀργῆς χαλινόν.

978. Cf. Eur. Fr. 402. εὐδοῦσα δ' Ἰνοῦς συμφορὰ πολλὴν χρόνον | νῦν δμμ' ἐγείρει. Eur. Herc. 1042. Καδμείοι γέροντες, οὐ σῖγα σῖγα τὸν ὕπνω παρεμμένον ἔασετ' ἐκλαθέσθαι κακῶν; 1047. μὴ κτυπεῖτε, μὴ βοᾶτε, μὴ τὸν εὐ διαύοντα (I. εὐ τ' λαύοντα) ὑπνώδεά τ' ἐνᾶς ἐγείρετε. τὸν ὕπνω κάτοχον] Cf. Eur. Herc. 1090. Ἄρει κάτοχον γένος. Bacch. 1122. et O. R. 65. ὥστ' οὐκ ὕπνω γ' ἐνδόντα μ' ἐξεγείρετε.

979. ἐκκινήσεις] Resuscitabis. Cf. 1242. De vi particulae καὶ in hoc loco v. Elmsl. ad Med. 1120.

980. φοιτάδα — νόσον] Cf. Aj. 59. φοιτῶντ' ἄνδρα μανίαν νόσοις. Eur. Bacch. 161. Com. anon. IV. 610. φοιτητῆς μανίας. Cassandra φοιτὰς ἀγύρτρια vocatur Aesch. Ag. 1273.

982. βάρος ἀπλετον ἐμμέμονεν] Wunderus confert Aj. 208. τί δ' ἐνήλλακται — νῦξ ἦδε βάρος; ἐμμέμονεν φρήν] I. e. ἐφορμᾶται. Participio ἐμμεμανὸς utitur Homerus. Cf. Phil. 515. ἐπιμέμονεν. Aesch. Sept. 686. τί μέμονας, τέκνον; Eur. Iph. T. 655. δίδνμα μέμονε φρήν. Iph. A. 1495. Hom. Il. 16, 435. διχθὰ δέ μοι κραδίη μέμονε φρεσὶ ὀρμαίνοντι. Theocr. 25, 64. μέμονεν δέ μιν αἰὲν ἐρέσθαι.

985. πεπονημένος — ὀδύναις] Cf. 102. πονουμένη — φρενί. ἀλλήκτοις] ἀλλήκτος formatum ut ἄρρηκτος. Non alibi legitur apud Tragicos. Sic φιλομμειδής.

987. ἦδ' αὖ μαρὰ βρῦκει] Cf. 1031. 1082. also 1027. 1088. Arist. Lys. 301. οὐδὲ γὰρ ποθ' ὦδ' ὀδᾶξ ἔβρυκε τὰς λήμας ἐμοί (ὁ καπνός). Av. 26.

991. οὐ γὰρ ἔχω πῶς ἂν στέροξαιμι —] Cf. Aesch. Prom. 940. οὐδ' ἔχω τίς (leg. τί) ἂν γενοίμαν. Plat. Euthyd. p. 296. οὐκ ἔχω ὑμῖν πῶς ἀμφισβητοῖην (I. ἂν ἀμφ.).

992. στέροξαιμι] Cf. O. C. 7. στέργειν γὰρ αἱ πάντα με χῶ χρόνος — διδάσκει. Fr. 861. στέργειν — τὰμπεσόντα. De verbo στέργειν cum participio conjuncto cf. Eur. Hipp. 458. Andr. 180.

993. κρηπίς βρωμῶν] Cf. Eur. Herc. 984. ἀμφὶ βρωμίαν | ἐπιηξε κρηπίδ'.

994. οἶαν οἶων συμ] Cf. 1045. οἶαις οἶος ὦν ἐλαύνεται.

996. οἶαν μ' ἄρ' —] Cf. Aj. 367. οἶον ὑβρίσθην ἄρα. 909. οἶον ἄρ' αἰμάχθης. Tr. 874. ὡς ἄρ' ἡμῖν οὐ σμικρῶν κακῶν | ἤρξεν τὸ δῶρον. El. 1185. Ant. 1178. ἔθου λώβαν] Cf. Eur. El. 164. ξίφει δ' ἀμφιτόμοις λυγρὰν Διγίσθου λώβαν θεμένα κτλ. Or. 1038. ὑβρισμα θέμενος τὸν —.

998. Cf. O. C. 540. δῶρον, δ μὴ ποί' ἐγὼ — ἐπωφέλησα (?) — ἐξελέσθαι (ἐκδέχεσθαι?).

1000. μανίας ἀνθος] Insaniae ebullitio. Anglice outburst (fit) of madness. Cf. Ant. 959. τὰς μανίας δεινὸν ἀποστάζει ἀνθηρόν τε (τι?) μένος. Aesch. Cho. 1009. πάθος ἀνθεῖ.

1001. χειροτέχνης λάτωρ] Cf. Aj. 582. οὐ πρὸς ἱατροῦ σοφοῦ | θρηνεῖν ἐπαρδὰς πρὸς τομῶντι πῆματι (al. τραύματι). χειροτέχνης] I. q. χειρουργός (chirurgus, Anglice surgeon).

1005. πόρρωθεν] Ut in anapaestis. Forma solennis est πρόσωθεν, ut in Aj. 723. Dindorfius πρόσωθεν requirit. ὕστατον εὐνάσαι] Cf. Hom. H. Merc. 289. μὴ πύματόν τε καὶ ὕστατον ἕπνον λούσης.

1007. ἀπολεῖς μ', ἀπολεῖς] Cf. Arist. Pac. 166. ἀπολεῖς μ', ἀπολεῖς. Nub. 1499. ἀπολεῖς (μ') ἀπολεῖς.

1008. ἀνατρέφω] Ab ἀνατρέφω, non ab ἀνατρέπω, hoc formatum esse iudicat Herwerden. Cf. O. C. 510. δεινὸν μὲν τὸ πάλαι κείμενον ἤδη κακὸν — ἐπεγείρειν. δ τι καὶ μύση] Schol. δ τι ἂν ἡσυχάση τοῦ κακοῦ τούτου. Qu. καμμύση.

1009. τοτοτοῖ] τοτοῖ legitur Aesch. Pers. 551. 561.

1010. Cf. Aesch. Prom. 877. ὑπὸ μ' αὐτὸν σφάκελος (θάλαπι) κτλ.

1011. καθαίρων] Purgans. Cf. 1061. Aelian. V. H. V. 3. ἐπεὶ δὲ καθῆρε γῆν καὶ θάλασσαν Ἑρακλῆς, κτλ. δρία] Cf. Hom. Od. 14, 353. δριὸς ἦν πολυανθέος ἕλης. Hesiod. Op. 529. ἀνὰ δρία βηροσῆεντα. Eur. Hel. 1324. ῥίπτει δ' ἐν πένθει πέτρινα κατὰ δρία πολυνηφέα. Theocr. XXV. 48.

1013. ὀλεκόμαν] Verbum epicum rarum apud tragicos. Cf. Aesch. Pr. 563. τίνος ἀμπλακίας ποιναῖς ὀλέκει;

1014. Cf. O. R. 1255. φοιτᾷ γὰρ ἡμῶς ἔγχος ἔξαιτῶν πορεῖν. Phil. 747. πρὸς θεῶν, πρόχειρον εἴ τι σοι, τέκνον, πάρα ξίφος χειροῖν, πάταξον εἰς ἄκρον πόδα. Similis locus est Phil. 1203. ἀλλ', ὦ ξένοι, ἐν γέ μοι εὐχος ὀρέξατε —. ξίφος εἴ πόθεν ἢ γέννῃ ἢ βελῶν τι προπέμψατε (παράσχετε?). οὐκ ἐπιτρέψει] Suspectum. Qu. δξὸν παρέξει. Cf. Aj. 772. ἡὑδᾶτ' ἐπ' ἐχθροῖς χεῖρα φοινίαν τρέπειν. Eur. Andr. 848. οἴμοι πότμον. ποῦ μοι πυρὸς φίλα φλόξ, — ἵνα θανοῦσα νεότεροισιν μέλω.

1016. οὐδ' ἀπαράξαι κρᾶτα —] Lego οὐδ' ἀπαράξαι γ' ἄρθρα βίον θέλει. Cf. Ph. 1207. κρᾶτ' ἀπὸ πάντα καὶ ἄρθρα τέμω χερσὶ. Eur. Hel. 302. σμικρὸς δ' ὁ καιρὸς ἄρθρ' ἀπαλλάξαι βίον. ἀπαράξαι] Qu. ἀπαμῆσαι. Cf. Ph. 749. ἀπάμησον ὡς τάχιστα (τὸν πόδα).

1019. Cf. Ant. 768. φρονεῖτω μείζον ἢ κατ' ἄνδρ' ἰών. O. R. 1293. τὸ γὰρ νόσημα μείζον ἢ φέρειν. O. C. 598. 890. Aesch. Eum. 470. τὸ πρᾶγμα μείζον ἢ τις οἶεται τόδε | βροτὸς (ἢ κατ' ἀνθρώπων τινὰ βροτῶν?) δικάζειν. Eur. Med. 675. σοφώτερον ἢ κατ' ἄνδρα συμβαλεῖν ἔπη. Eur. Fr. 1068, 10. ἀρετὴν ἐχούσης (χώρας) μείζον' ἢ λόγῳ φράσαι. Arist. Vesp. 650. χαλεπὸν μὲν καὶ δεινῆς γνώμης καὶ μείζονος ἢ 'πὶ τρυγωδοῖς | ἰάσασθαι νόσον ἀρχαίαν κτλ. Plat. Crat. p. 392 B. ταῦτα μὲν μείζω ἐστὶν ἢ κατ' ἐμὲ καὶ σὲ ἐξευρεῖν. Dem. 156, 5. φορτίον μείζον ἢ καθ' αὐτὸν ἀράμενος. Thuc. I. 76. δικαιότεροι ἢ κατὰ τὴν ὑπάρχουσαν δύναμιν. II. 50. τὸ εἶδος τῆς νόσου — χαλεπωτέρως ἢ κατὰ τὴν ἀνθρωπιαν φύσιν προσέπιπτεν ἐκάστω. Herod. VIII. 38. δύο ὀπλίτας μέζοντας ἢ κατὰ ἀνθρώπων (leg. μέζονα ἢ κατὰ ἀνθρώπων) φύσιν ἔχοντας. Schol. Arist. Av. 1302. ὁ δὲ πηνέλω μείζων μὲν ἢ κατὰ νῆπταν, κτλ.

1021. οὐτ' ἐνδοθεν οὔτε θύραθεν] Cf. Eur. Orest. 603. οἷς δὲ μὴ πίππουσιν εὖ (γάμοι) | τὰ τ' ἐνδον εἰσὶ τὰ τε θύραζε (θύρασι?) δυστυχεῖς.

1034. κληῖδος] Cf. Hom. Il. 5, 579. ἔγχεϊ νύξε κατὰ κληῖδα τυχῆσας.

1035. ἐχόλωσεν] Passivum χολωθεῖς est Ant. 1235. Phil. 374.

1041. αὐθαίμων] Cf. O. C. 1078. et vv. δμαίμων, αὐθομαίμων.

1042. εὐνασον] Cf. O. R. 961. σμικρὰ παλαιὰ σώματ' εὐνάξει ῥοπή.

1044. κλύουσι' ἐφριζα τάσδε συμφοράς] Cf. El. 1408. ἤκουσ' ἀνήκουστα δύστανος ὥστε φριζαί. Aj. 693.

1045. ἐλαύνεται] Cf. Aj. 272. O. R. 28. Eur. Ion. 1619. ἐλαύνεται — συμφοραῖς. Andr. 31. κακοῖς πρὸς αὐτῆς σχετλίους ἐλαύνομαι. Alc. 687.

1046 sq. Cf. Cicer. Tusc. II. 8. "Sed videamus Herculem ipsum, qui tum dolore frangebatur quum immortalitatem ipsa morte quaerebat. Quas hic voces apud Sophoclem in Trachiniis edit! Cui quum Deianira sanguine Centauri tinctam tunicam induisset, inhaesissetque visceribus, ait ille."

1046. θερμά] Cf. Arist. Pl. 415. ὃ θερμὸν ἔργον κἀνόσιον καὶ παράνομον. Antiph. II. 7. ὁ τε φόβος — θερμότερον ἐπιχειρεῖν ἐπῆρεν. Aesch. Cho. 1004. Qu. δεινά.

1048. ἄκοιτις ἢ Διὸς] Cf. Aj. 952. Ζητὸς ἢ δεινὴ θεός.

1051. καθήψεν ὦμοις — ὑφασμα] Cf. Ant. 1222. βρόχῳ — καθημμένην. Eur. Ion. 1006. ἐν τῷ καθάψασ' ἀμφὶ παιδὶ σώματος; Rhes. 202. Ἐρινύων ὑφαντὸν ἀμφίβληστρον] Cf. Aj. 1034. Aesch. Ag. 1580. ἰδὼν ὑφαντοῖς ἐν πέπλοις Ἐρινύων | τὸν ἄνδρα τόνδε κείμενον. 1084. ἢ δίκτυον τόδ' ἄδου;

1053. προσμαχθὲν] Cf. Theocr. XII. 32. δς δὲ κε προσμάξῃ γλυκερώτερα χεῖλεσι χεῖλῃ κτλ. Arist. Eq. 815.

1054. Cf. Eur. Fr. 983. οἶνος περάσας πλενμόνων διαρροάς.

1055. ξυνοικοῦν] Cf. El. 784. ἦδε γὰρ μείζων βλάβῃ | ξύνοι-

κος ἦν μοι, τοῦμόν ἐκπίνουσ' ἀεὶ | ψυχῆς ἄκρατον αἷμα. Ant. 532.
Arist. Plut. 437. Πενία μὲν οὖν (εἰμὶ), ἢ σφῶν ξυνοικῶ πόλλ' ἔτη.
1057. ἀφραστόω —] Cf. Simonid. Amorg. Fr. 1, 21. μυρίαί |
βροτοῖσι κῆρες κἀνεπιφραστοὶ δῶαι.

1058. γηγενῆς] Cf. Orph. Fr. 50. οὐς καλέουσι γίγαντας | οὐνεκα
γῆς ἐγένοντο. Arist. Ran. 825. γηγενεῖ φροσῆμαι.

1060. Ἑλλάς] Pro Ἑλλην. Cf. Eur. Phoen. 1510. τίς Ἑλλάς
ἦ βάρβαρος — ἕτερος ἔτιλα — τοιάδ' ἄχεα φανερά; Fr. 17. Ἑλλάς
(ἀνήρ). Eur. Phoen. 1519. οὐθ' Ἑλλάς οὐτ' ἀγλωσσοσ.

1061. γαῖαν καθαίρων] Cf. 1012. Arist. Vesp. 1043. τοιόνδ'
εὐρόντες ἀλεξίκακον, τῆς χώρας τῆσδε καθαράτην, κτλ.

1062. ἀνδρὸς φύσιν] Cf. Aj. 760. ἀνθρώπου φύσιν | βλασιῶν.
1259. El. 325. 1125. Eur. Fr. 812, 5. εἰς ἀνδρὸς φύσιν σκοπῶν.
Soph. Fr. 524, 2. τὴν γυναικείαν φύσιν. Teleclid. 31. ὡς οὐσα θῆλυς
εἰκότως οὐθαρ φοροῶ. θῆλυς οὐσα] Cf. Homericum θῆλυς ἔερση.

1064. παῖς ἐτήτυμος γεγῶς] Genuinus (verus) filius. Cf.
Aesch. Cho. 949. ἐτήτυμος Διὸς κόρα (Δίκα). Eum. 534. δυσσεβίας
μὲν ὕβρις τέκος ὡς ἐτύμως. Supra 827. τῷ Διὸς αὐτόπαιδι. Apoll.
Rh. III. 402. εἰ γὰρ ἐτήτυμόν ἐστε θεῶν γένος. Anth. P. IX. 343.
ἰρὸν αἰδοπόλων ἔτυμον γένος.

1065. πρεσβεύσης] Honora. Cf. Aesch. Cho. 481. πάντων
δὲ πρῶτον τόνδε πρεσβέσω τάφον. Eum. 1.

1070. τόλμησον οἰκτειρόν τ' ἐμὲ] Lege τόλμησον οἰκτεῖρειν ἐμέ.
Cf. Phil. 481. τόλμησον, ἐμβαλοῦ μ' ὄπη θέλεις ἄγων. Arist. Ach.
489. τόλμησον, ἔθι, χῶρησον. Vesp. 327. τόλμησον — χαρίσασθαι
μοι. Nub. 550.

1074. ἀστένακτος] Cf. 1200. ἀστένακτος κἀδάκρυτος — ἔρξον.
εἰπόμην] Cf. El. 145. οἷς (γούσις) τὸ κατ' ἄμαρ διέπομαι. Qu.
ἱπούμην. Photius ἱπούμενος per πιεζόμενος, ἀναγκαζόμενος explicat.
Cf. Eur. Alc. 919. συμφορὰ δ' ἐτέρους ἐτέρα πιέζει φανείσα θνατῶν.

1075. θῆλυς εὐρημαί] Cf. Fr. 136, 2. θῆλυς μὲν αὐτὸς, ἄρσενας
δ' ἐχθροὺς ἔχων.

1078. ἐκ καλυμμάτων] Cf. Aesch. Ag. 1178. καὶ μὴν ὁ χρησ-
μὸς οὐκέτ' ἐκ καλυμμάτων | ἔσται δεδορκῶς νεογάμου νύμφης δίκην.

1079. ἰδοῦ, θεᾶσθε —] Cf. Arist. Eq. 997.

1082. ἐθαλψεν] Cf. El. 887. Aesch. Prom. 879. ὑπὸ μ' αὐ
σφάκελος καὶ φρενοπληγεῖς μανίαι θάλπουσ'.

1083. δδ' αὐ διῆξε πλευρῶν] Cf. Aesch. Prom. 133. κτύπου
γὰρ ἀχῶ — διῆξεν ἄντρον μυχόν (μυχοῦ?).

1086. παῖσον, ἔνσεισον] Cf. Ant. 1274. ἔπαισεν ἐν τ' ἔσεισεν
ἀγριάς ὁδοῖς.

1087. ἐγκατάσκηπον] Cf. Aesch. Pers. 514. πολλὰ δ' ἐκλείπω
λέγων | κακῶν ἃ Πέρσαις ἐγκατέσκηπεν θεός. Trag. adesp. 389, 2.
διαν τι ναοῖς ἐγκατασκήπη (intrans.) μύσος. Thuc. II. 47. ἐγκατα-
σκήπαι (intrans.). Aesch. Ag. 366. ὅπως — βέλος ἡλίδιον σκήπειεν.

1090. Cf. Phil. 1004. ὧ χεῖρες, οἷα πάσχει'.

1092. Νεμέας ἔνοικον] I. e. incolam. Cf. O. R. 1524. Θήβης ἔνοικοι. βουκόλων ἀλάστορα] Cf. O. C. 788. χώρας ἀλάστορ.

1093. ἀπλάτων θρόνον] Cf. Fr. 350. ἀπλαστον (I. ἀπλάτων), ἀξύνβλητον ἐξεθραπέμην. Pind. P. I. 40. ἀπλάτων πυρός — παραί. Aesch. Prom. 371. ἀπλήστον (ἀπλάτων Sch. Blomf.) — πυροπνόου ζάλης. Eur. Herc. 398. Elmsl. ad Med. 150.

1095. διφυῆ] Cf. Eur. Fr. 384. ταύρου μεμῖχθαι καὶ βροτοῦ διπλῆ φύσει. ἄμικτον] V. schol. et cf. Eur. Cycl. 428. φεύγειν ἄμικτον ἄνδρα. Iph. T. 402. Herc. 393. Fr. 500. ὅστις δ' ἄμικτον πατέρ' ἔχει νεανίας, κτλ. Fr. 425, 3. φίλοις τ' ἄμικτός ἐστι καὶ πάση πόλει. ἵπποβάμονα στρατόν] Cf. Aesch. Prom. 805. τόν τε μονωῖπα στρατόν | Ἄρμισσπὸν ἵπποβάμον'. Suppl. 262. ἵπποβάμοισιν — καμήλοις. Arist. Ran. 837. δῆμαθ' ἵπποβάμονα. Eur. Herc. 181. τετρασκελές θ' ὕβρισμα, Κενταύρων γένος.

1096. ὑπέροχον] Cf. ad Aesch. Prom. 429.

1098. τρίκρανον σκύλακ'] Cf. Eur. Herc. 612. καὶ θῆρά γ' εἰς φῶς τὸν τρίκρανον ἤγαγον. 1277. Αἶδον πυλωρόν κύνα τρίκρανον. ἀπρόσμαχον] ἀμαίμακον (?) Nauck. Trag. p. 956.

1101. Cf. Ant. 1005. Aj. 844. Eur. Hipp. 659. τῆς σῆς δὲ τόλμης εἶσομαι γεγευμένος. Herc. 1356. πόγων — ἐγευσάμην. Alc. 1069. πένθους — γεύομαι πικροῦ. Hec. 379. Pind. N. VI. 41. οὗτε πόγων ἐγεύσαντο P. IX. 61. Arist. Ran. 463.

1102. τροπαῖ' ἔστησε τῶν ἐμῶν χερῶν] Cf. Eur. Andr. 694. τροπαῖα πολεμίων στήση.

1103. κατερορακωμένος] I. e. laceratus. Cf. 770 sq. 778. 988. 1053 sq. 1088. etiam Eur. Med. 1188 sq. 1200 sq. 1216 sq. Aesch. Cho. 280. 325. Prom. 368.

1104. τυφλῆς — ἄτης] Cf. Fr. 685. τὸ δ' ἐς αὔριον αἶε τυφλὸν ἔρπει. Eur. Herc. 199. τυφλοῖς δρωῶντας οὐτάσας τοξεύμασι. ἐκπεπόρθημαι] Cf. Aj. 896. ὄχων', δλωλα, διαπεπόρθημαι, φίλοι. Cic. Tusc. II. 'miserandum adspice | eviscerati corpus laceratum patris.'

1106. τοῦ κατ' ἄστρα Ζηῆτος] Cf. Eur. Phoen. 1006. τὸν μετ' ἄστρων (κατ' ἄστρα?) Ζῆνα.

1107. κἂν τὸ μηδὲν ὦ] Cf. Aj. 1275. ἤδη τὸ μηδὲν ὄντας. Eur. Her. 166. γέροντος εἶνεκα | τύμβου, τὸ μηδὲν ὄντος. Eur. Fr. 332, 7. τοὺς τ' ἐκ μέγιστον ὀλβίας τυραννίδος | τὸ μηδὲν ὄντας. Lucian. Pisc. 25. καταγελαῖν ἡμῶν — ὡς τὸ μηδὲν ὄντων.

1109. κἂν τῶνδε] Cf. Aj. 537. τί δῆτ' ἂν ὡς ἐκ τῶνδ' ἂν ὠφελοῖμί σε; Eur. Hipp. 705. ἀλλ' ἔστι κἂν τῶνδ' ὥστε (γὰρ κἂν τῶνδε?) σωθῆναι, τέκνον. Tro. 1201. ἐκ τῶν παρόντων. Med. 459. ὁμως δὲ κἂν τῶνδ' ἦκω. Andr. 1184.

1112. εἰσορῶ] Cf. El. 584. 611. Phil. 501.

1113. Cf. Eur. Alc. 201. ἧ που στενάζει — ἐσθλῆς γυναικὸς εἰσπερηθῆναί σφε δεῖ. Hipp. ' Ἀθηνῶν Παλλάδος θ' ὄρισ-

ματα, | οἷον στερήσειθ' ἀνδρός. σφαλήσεται] Cf. Aesch. Eum. 717. ἢ καὶ πατήρ τι σφάλλεται βουλευμάτων —;

1115. νοσῶν δμῶς] Cf. O. C. 1529. οὐτ' ἂν τέκνοισι τοῖς ἐμοῖς στέργων δμῶς 851. καὶ τύραννος ὦν δμῶς.

1117. δός μοι σεαντόν] Cf. Phil. 84. νῦν δ' εἰς ἀναιδῆς ἡμέρας μέρος βραχὺν | δός μοι σεαντόν.

1121. ποικίλλεις] Cf. 412. τί ποτε ποικίλας ἔχεις; Plat. Symp. 218. ἔδοξέ μοι χρῆναι μηδὲν ποικίλλειν πρὸς αὐτόν, ἀλλ' ἑλευθέρως εἰπεῖν ἃ μοι ἔδοκει.

1122. τῆς μητρὸς — φράσων] Cf. El. 317. τοῦ κασιγνήτου τί φῆς; Phil. 439. ἀναξίον γὰρ ἀνδρὸς ἐξεργήσομαι. Ant. 1182. Eur. Phoen. 1343. Hom. Od. 11, 174. εἰπέ δέ μοι πατρός τε καὶ νείεος. et ad Arist. Ran. 117.

1124. ὦ παγκάκιστε] Cf. Ant. 742. Eur. Fr. 58, 1. ὦ παγκάκιστοι. παρεμνήσω] Mentionem obiter fecisti. Cf. 1163.

1125. τῆς πατροφόντου μητρὸς] Cf. Eur. Or. 193. αἷμα δούς πατροφόνου ματρὸς. Iph. T. 1082. ὦ πότνι', ἤπερ μ' — ἔσωσας ἐκ πατροκτόνου χερσός.

1130. τέθνηκεν ἀρτίως νεοσφαγῆς] Cf. Aj. 898. Αἴας δδ' ἡμῖν ἀρτίως νεοσφαγῆς | κείται. Ant. 1283. El. 792.

1131. Cf. O. R. 1525. Eur. Fr. 683, 2. πρὸς τοῦ (νοεῖ); τίς αὐτήν πημονή δαμάζεται; τέρας γὰρ διὰ κακῶν ἐδέσπισας] Schol. ἀπιστῶν (ἀπειστον ed. Rom. leg. ἄπιστον) γὰρ διὰ δυσφημῶν ἐμαντεύσω. Suspectum διὰ κακῶν. Cf. Eur. Hel. 309. πόλλ' ἂν γένοιτο καὶ διὰ ψευδῶν ἔπη. Sic δι' εὐπετείας, ἀσφαλείας, ὄχλου, εὐλαβείας, etc.

1135. δεινοῦ λόγον κατήρξας] Cf. O. C. 1019. ὁδοῦ κατάρχειν τῆς ἐκεῖ. Arist. Lys. 638. λόγων κατάρχομεν τῇ πόλει χρησίμων. Cum accusativo Pind. N. III. 16. ἄρχε δόκιμον ὕμνον. ἢ νοεῖς] Cf. El. 1435. τελοῦμεν ἢ νοεῖς.

1136. χρησὰ μωμένη] Cf. O. C. 360. σοῦ μὲν οὐ τάδε γε μωμένον. Fr. 675, 1. πολλῶν πόνων δεῖ τῷ καλόν τι μωμένῳ (sic Nauck.). O. C. 836. μωμένον. Aesch. Cho. 40. μωμένα. Epicharm. ap. Xen. Mem. II. 1. 20. μή μοι τὰ μαλακὰ μῶεο, μή τὰ σκληρὰ ἔχης. μωμένη] I. e. ζητοῦσα, διζημένη.

1140. φαρμακεὺς] Cf. Arist. Th. 568. οὐδ' ὡς φαρμάκους ἐτέρα τὸν ἄνδρ' ἔμνηεν.

1142. τὸν σὸν ἐκμῆναι πόθον] Cf. Aelian. V. H. IX. 39. ἐκμανεῖς καὶ οἰστροηθεῖς ὑπὸ τοῦ πόθου. Theocr. V. 91. κῆμῃ· γὰρ ὁ Κρατίδας — ἐκμαίνει.

1143. οἴχομαι — ὄλωλα] Cf. Aj. 896. φῶχον', ὄλωλα. Eur. Andr. 1165. διολόλαμεν, οἰχόμεθ'.

1145. ξυμφορᾶς ἔν' ἔσταμεν] Cf. O. R. 1442. ἔν' ἔσταμεν χρείας. Ant. 1229. Aj. 102. 314. 323. O. C. 1510. Eur. Hel. 1195.

1156. Cf. Eur. Fr. 282, 7. πένεσθαι κάξυπηρετεῖν τύχαις | οἶοι τε.

1159 sq. Cf. O. R. 711. *χρησμός γάρ ἤλθε Λαῶν ποί' — ὡς αὐτὸν ἔξι μοῖρα πρὸς παιδὸς θανεῖν, | ὅστις γένοιτ' ἔμοι τε κἀκείνου πάρα.* *www.1159.profronon.gr* Praedictum. Cf. 1163.

1161. *Ἄιδου φθίμενος οὐκίτωρ*] Cf. 282. Aj. 517. *Ἄιδου θανασίμους οὐκίτωρα.*

1163. *ζῶντά μ' —*] Cf. Aj. 1027. Aesch. Cho. 886.

1164. *συμβαίνοντ'*] Congruentia. Cf. 173. 1174. Arist. Eq. 220. *χρησμοί τε συμβαίνουνσι καὶ τὸ Πυθικόν.* Aesch. Ag. 210. Adesp. 121. *σοι, Φοῖβε Μοῦσαι τε, συμβῶμεν.*

1166. *χαμαικοιτῶν*] *χαμαικοιτεῖν* est Lucian. Dial. D. 55. *Cum χαμαικοίτης* cf. *ὕληκοίτης* Hesiod. Op. 527. *εὐπροσωποκοίτης* Aesch. Cho. 969. *βορβοροκοίτης* (Batr.). De illis Homerus II. 16, 233. *ἀντιπόποδας χαμαιέννας.*

1167. *ἔξεγραψάμην*] Cf. Herod. VIII. 135. *ἔπεσθαί οἱ — ἀνδρας τρεῖς — ὡς ἀπογραφομένους τὰ θεοπιέειν ἔμελλε.*

1170. *μόχθων τῶν ἐφεστώτων*] Cf. Fr. 163. *τίς γάρ με μόχθος οὐκ ἐπεσάτει;*

1173. Cf. El. 1170. Antiph. III. 150. *καταλείπειτ' οὐδὲν ἄλλο πλὴν (ἔτερον ἢ al.) τεθνηκένα.*

1174. *λαμπρά*] Schol. *φανερὰ, σαφῆ, πρόδηλα.* Thuc. II. 7. *λελυμένων λαμπρῶς τῶν σπονδῶν.* VIII. 67. *λαμπρῶς ἐλέγετο* (schol. *φανερῶς, ἀναμφισβητήτως*). Aesch. Prom. 833. *λαμπρῶς κοῦδὲν αἰνικηρίως.* Eum. 797. *λαμπρά μαρτύρια.* Cho. 810. *λαμπρῶς ἰδεῖν.* *συμβαίνει*] Congruunt, conveniunt. Cf. 173. 1164.

1176. *τοῦμὸν δῆξναι στόμα*] Cf. Aj. 651. *ἔθλην ἄθλην στόμα.*

1179. *λόγου στάσιν*] Cf. O. R. 634. *στάσιν γλώσσης.*

1181. *ἔμβαλλε χεῖρα δεξιάν — μοι*] Cf. Arist. Nub. 81. *κύσον με καὶ τὴν χεῖρα δὸς τὴν δεξιάν.*

1182. *πίστιν*] Sc. *χειρὸς.* Cf. Phil. 813. *ἔμβαλλε χειρὸς πίστιν.* O. C. 1632. *δὸς μοι χειρὸς σῆς πίστιν ἀρχαίαν* (i. *ἀρκέσειν*) *τέκνοις.*

1183. *οὐ θᾶσσον οἴσεις μηδ' ἀπιστήσεις ἐμοί;*] Cf. Aj. 75. Eur. Hipp. 601. Bacch. 344. Arist. Ran. 300. etiam Eccl. 1136. Eur. Hol. 444.

1189. *πημονὰς λαβεῖν*] Cf. Aj. 494. *βάξιν ἀλγεινὴν λαβεῖν.*

1193. *ἔξάρατα*] Cf. Aj. 1066. Ant. 224. *κοῦφον ἔξάρας πόδα.*

1194. *ξὺν οἷς χρηΐσεις φίλων*] Cf. O. C. 1667. *οἱ προπέμψαντες φίλων.*

1196 sq. Cf. Eur. Hec. 574. *πληροῦσιν πυρὰν | κορμούς φέροντες.*

1196. *ἕλην — κείρατα*] Cf. Aj. 55. Moschion. Fr. 1, 2. *ἐν νάπαις βραχεῖ | πολὺς σιδήρῳ κείρεται πένκης κλάδος. Hinc κορμός. πολλόν*] Cf. Ant. 86. *πολλόν ἐχθίων ἔσει. ἄρσεν'*] Cf. Eur. Bacch. 526. *ἄρσενα — νῆδυν.*

1197. *ἄγριον ἔλαιον*] Cf. Theocr. 25, 21. *χλωρὴ τ' ἀγριέλαιος.* 257. *τρηχὺν — ἀγριέλαιον.*

1199. εἰσίστω δάκρυ] Cf. El. 1231. γεγηθὸς ἔρπει δάκρυον δμμάτων ἄπο. Aesch. Sept. 964. ἔτω δάκρυα — ἔτω γόος. Eur. Ion. 940. ἀπαντᾷ δάκρυά μοι τοῖς σοῖς λόγοις.

1200. ἀστένακτος κἀδάκρυτος] Activo sensu utrumque. Cf. 1074. ἀστένακτος αἰὲν εἰλόμην (εἰλόμην aut ἰπούμην?) κακοῖς. Eur. Hec. 690. οὐδέποτε' ἀστένακτος ἀδάκρυτος (— on — on?) ἀμέρα μ' ἐπισχῆσει. Alc. 173. ἄκλαυτος, ἀστένακτος.

1203. τί εἴπας] Cf. Phil. 917. Sic τί οὖν; Ph. 100. Aj. 873. et τί ἐστίν; Ph. 733. 753.

1207. παλαμναῖον] I. e. αὐτόχειρα. Cf. El. 587. Eum. 416.

1211. φοβεῖ πρὸς τοῦτο] Cf. O. R. 980. εἰς τὰ μητρὸς μὴ φοβοῦ νυμφεύματα.

1214. ὄσον μὴ τι προσψαύων χεροῖν] Cf. O. C. 347. ὄσον | μὴ χερσὶ καίνων. Thuc. I. 111. τῆς γῆς ἐκράτουν ὄσα μὴ προϊόντες ἐκ τῶν ὀπλων. IV. 16. φυλάσσειν τὴν νῆσον Ἀθηναίους ὄσα μὴ ἀποβαίνοντας. Arist. Av. 151.

1216. ἀρκέσει καὶ ταῦτα] Cf. Phil. 339. οἴμαι μὲν ἀρκεῖν σοὶ γε καὶ τὰ σ' — ἀλήμαθ' κτλ. Plat. Soph. 220. ἀρκεῖ γὰρ καὶ τοῦτο. Apol. 28 A. ἀλλ' ἱκανὰ καὶ ταῦτα. et ad Arist. Lys. 1047.

1220. ὡς γ' ἐπεικάζειν ἐμέ] Cf. Eur. Alc. 801. ὡς γ' ἐμοὶ χρῆσθαι κριτῇ.

1221. αἰτίαν — ἐπισκῆπτου] Passive. I. q. αἰτία ἐπισκῆφθη σοι, you were charged with, held guilty of. σ' ἐπισκῆπτω] Accusativus ut in Eur. Iph. T. 701. πρὸς δεξιᾶς σε (σοι?) τῆσδ' ἐπισκῆπτω τάδε.

1226. ἄλλος — ἀντὶ σοῦ] Cf. Aj. 444. οὐκ ἂν τις αὐτ' ἔμαρπεν ἄλλος ἀντ' ἐμοῦ.

1231. τὸ δ' ὄδ' ὄρᾶν φρονούντα τίς ποτ' ἂν φέροι;] Cf. 545. τὸ δ' αὖ ξυνοικεῖν — τίς ἂν γυνὴ δύνατο —;

1232. Cf. O. R. 625. ὡς οὐχ ὑπεῖξων οὐδὲ πιστεύσων λέγεις. El. 1025. ὡς οὐχὶ συνδράσουσα νουθετεῖς τάδε. ἐργασείων] Confer δρασεῖειν Phil. 1245. ἀκουσεῖειν Fr. 820. φενξεῖειν Eur. Herc. 628.

1233. θανεῖν — μεταίτιος] Cf. Ant. 1173. αἵτοι θανεῖν. Herod. II. 20. ἀνέμους — αἰτίους πληθύνειν τὸν ποταμόν.

1235. τίς ταῦτ' —;] Cf. Eur. Med. 586. μὴ γένοιτο ἄλβος ὄστις κνίξοι. ὄστις μὴ —] I. e. ὄστις μὴ μαίνοιτο. De constructione cf. Aj. 1074. οὐ γὰρ ποτ' — νόμοι καλῶς | φέροντ' ἂν ἐνθα μὴ καθεσθήκοι δέος. Herod. IV. 74. οὐδ' ἂν ὄστις μὴ κάρτα τριβῶν εἴη αὐτῆς διαγνώη κτλ. ἐξ ἀλαστόρων] Cf. ad O. C. 788. Eur. Or. 337. ἀλαστόρων τις. 1546. 1669. Hipp. 820. Ph. 1587. Med. 1059. 1260. Hec. 685. ἐξ ἀλάστορος ἀρτιμαθῆς κακῶν.

1238. Similis versus est O. R. 1160. ἀνῆρ ὄδ', ὡς ἔοικεν, ἐς τριβᾶς ἐλᾷ.

1239. θεῶν ἀρὰ] Cf. O. C. 1767. Διὸς ὄρκος. O. R. 647. ὄρκον — θεῶν. Aesch. Pr. 292. οὐκ ἐστίν ὄτρφ μείζονα μοῖραν | νεῖμαιμ' ἢ σοί.

1242. κατευνασθὲν — κακόν] Cf. Aesch. Cho. 1075. ποῖ καταλήξει κατακοιμισθὲν (μετακοιμισθὲν vulg.) μένος ἄτης;

1243. τάπορεῖν ἔχω] Cf. Eur. Iph. A. 657. τὸ θέλειν δ' οὐκ ἔχων ἀλύνομαι. Fr. 613. φθείρου· τὸ γὰρ δρᾶν οὐκ ἔχων λόγους ἔχεις.

1252. τὴν χάριν ταχεῖαν — πρόσθε] Cf. O. C. 767. προσθέσθαι (προσθεῖναι?) χάριν.

1253. ἐμπεσεῖν] Cf. Phil. 965. Xen. Anab. V. 7. 26. μὴ λύσσα τις ἡμῖν ἐμπεπτώκοι.

1255. παῦλα — κακῶν] Cf. El. 879. κἀνάπαυλαν ὄν | πάροιδεν εἶχες — κακῶν. Arist. Ran. 185. εἰς ἀναπαύλας ἐκ κακῶν καὶ πραγμάτων. 1531. Arist. Lys. 772. παῦλα κακῶν ἔσται.

1257. οὐδὲν εἶργει —] Cf. 344.

1260. ὦ ψυχῇ σκληρᾷ] Cf. Aj. 1361. σκληρὰν ἐπαινεῖν οὐ φιλῶ ψυχὴν ἐγώ. Phil. 713. ὦ μελέα ψυχᾷ κτλ.

1261. λιθοκόλλητον στόμιον παρέχονσ'] Cf. Milton P. L. IV. 857. 'The fiend replied not, overcome with rage, | but, like a proud steed rein'd, went haughty on, champing his iron curb.' Cf. Aelian. V. H. XII. 1. πελειάδα — λιθοκόλλητον. Eur. Rhes. 305. χρυσοκόλλητοις τύποις. Antiph. com. III. 140. χρυσοκόλλητον δέπας. III. 56. χρυσοκόλλητον — κάλυπτος.

1262. ἐπίχαρτον] Cf. Aesch. Prom. 159. ἐχθροῖς ἐπίχαρτα πέπονθα. Dem. 1127, 11. μὴ ὑπερίδητέ με — τοῖς τούτου κόλαξιν | ἐπίχαρτον γενόμενον.

1263. ἀκούσιον] ἀκόντων in versu anapaestico legitur Aesch. Suppl. 40.

1265. θέμενοι συγγνωμοσύνην] Cf. Ant. 151. τῶν νῦν θέθε λησμοσύναν. et ad O. C. 466.

1266. ἀγνωμοσύνην] Cf. Herod. VI. 10. ἀγνωμοσύνη τε διεχρέοντο καὶ οὐ προσίεντο τὴν προδοσίην.

1269. τοιαῦτ' ἐφορῶσι πάθη] Cf. El. 825. ποῦ ποτε κεραυνοὶ Διὸς — εἰ ταῦτ' ἐφορῶντες κρύπτουσι ἐκηλοῖ;

1270. τὰ μὲν οὖν μέλλοντ' οὐδείς προορᾷ] Cf. Ant. 1178. καὶ μάντις οὐδείς τῶν καθεστώτων (ἐφ.?) βροτοῖς. Aj. 1419. Fr. 516? ὡς οὐκ ἔστιν | πλὴν Διὸς οὐδείς τῶν μελλόντων | ταμίας, ὃ τι χρὴ τετελέσθαι.

1275. λείπου μηδὲ σὺν —] Cf. Eur. El. 643. τί δ' οὐχ ἄμ' ἐξωρᾶτ' ἐμὴ μήτηρ πόσει; | πρόγον τρέμουσα δημοτῶν ἐλείπετο (she staid behind, at home).

1277. Similis versus est Aesch. Ag. 63. πολλὰ παλαιόματα καὶ γυνοβαρῆ. καινοπαθῆ] καινοπαθεῖν legitur Plut. Mor. 1106 A. νεοπαθῆς Aesch. Eum. 514. Cf. etiam εὐπαθῆς, κακοπαθῆς.

1278. Haec fabula, ut Aeschyli Prometheus et Agamemnon et Aristophanis Equites, carmine solenni chorico caret.

ADDENDA.

Ajax.

10. *κἀρι στάζων ἰδρῶτι*] Cf. Ph. 7. νόσῳ καταστάζοντα — πόδα.
15. ἀποπιος] Cf. Galen. vol. III. p. 222. *καί τις ἐξ ἀπόπιου
θεασάμενος ταῦρος εὐθὺς γνωρίζει τὸ ἄρρεν κτλ.*
21. *πρᾶγος ἄσκοπον*] I. e. inopinatum. Cf. Ph. 1111. ἄσκοπα
— *ἔπη.* El. 864. ἄσκοπος ἂ λώβα. 1315. εἴργασαι δέ μ' ἄσκοπα.
42. Cf. Tr. 339. *τί δ' ἐστί; τοῦ με τήνδ' ἐφίστασαι βᾶσιν;*
43. *χραίνεσθαι φόνῳ*] Cf. O. C. 369. *μηδὲ κραίνεσθαι πόλιν |
φόνῳ (λόγῳ mss.).*
65. *αἰκίζεται*] Vox media ut in 111. 300. O. R. 1153.
77. *τί μὴ γένηται;*] Cf. El. 1276. *τί μὴ ποιήσω;* O. R. 525.
τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —;
82. *οὐκ ἂν ἐξέστην*] Sub. *ιδεῖν.*
85. *σκοιώσω βλέφαρα καὶ δεδορκότα*] Cf. O. R. 413. *οὐ καὶ
δεδορκῶς οὐ βλέπεις ἴν' εἰ κακοῦ.* 1326.
90. *ἐντρέπει τῆς συμμάχου*] Cf. O. C. 299. *ἐντροπήν — ἔξειν.*
103. Cf. Ph. 439. *ἀναξίου μὲν φωτὸς ἐξερήσομαι —.*
104. *ἐνοστήτην*] Adversarium. Anglice opponent. I. q.
ἀντιστάτην.
129. *ἄρη*] Producta syllaba priori, ut in 193.
155. Cf. Eur. Med. 188. *σκαίους δὲ λέγων — τοὺς πρόσθε
βροτοὺς οὐκ ἂν ἀμάρτοις, οἵτινες —.* et Trach. 2.
163. *τούτων γνώμας*] Rectam harum rerum rationem.
Cf. Ant. 635. *γνώμας ἔχων χρησιάζ.* El. 551. *γνώμην δικαίαν οχοῦσα.*
168. Cf. O. R. 175. *ἀπερ εὔπετερον ὄρνιν.* El. 189. *ἀπερεῖ.*
172. *ἦ ῥα —*] Cf. 954. *ἦ ῥα — ἐφρυβρίζει.* Aesch. Pers. 633.
ἦ ῥ' ἄπει μου βασιλεύς.
176. *ἦ που — ἦ —*] Cf. Ph. 204.
180. *ξυνοῦ δορός*] Cf. O. C. 1752. Aesch. Sept. 76. *ξυνὰ δ'
ἐλπίζω λέγειν.* Suppl. 367.
186. *ἀπερύκοι*] Arceat. Cf. O. C. 169. *ἀπερύκον (keep off).*
194. Cf. O. C. 233. *οὐ δὲ τῶνδ' ἐδράνων — ἐκδορε.*
196. *οὐρανίαν ἄταν*] In coelum (i. e. immensum) accendens
(i. e. augens), ut explicat schol. recentior, *εἰς οὐράνιον ὕψος ἀνάπ-*

των τὴν βλάβην. Cf. Ant. 418. οὐράνιον ἄχος. Aesch. Pers. 573. οὐράνι' ἄχη.

205. πᾶ πᾶ κείται ὁ δυσιστάπελος δυσάνυμος (ὁ δυσ. L.) Αἴας; Ajax ἀμόθνυμος dicitur 885. Cf. ἀμόφρων 931. De articulo omisso cf. 914.

206. θολεροῦ — χειμῶνι] Cf. Eur. Suppl. 222. λαμπρὸν θολεροῦ δῶμα συμμίξας. Aesch. Pr. 885. θολεροὶ — λόγοι. Hesiod. Op. 593. κρήνης — ἀθολώτου.

226. ὁ μέγας μῦθος] Cf. 173. ὦ μεγάλα φάτις.

228. περίφαντος] Conspicuous, manifestus. I. q. περιφανής (66). Cf. 598. πᾶσιν περίφαντος δεῖ (hic illustris).

229. παραπλήκτω] Furibundo, insano. I. q. παρακόπω (Eur. Bacch. 998. παρακόπω λήματι).

235. 'σφαζ'] Mactabat. Cf. 299.

261. παραπρόξαντος] Schol. συμπρόξαντος.

271. ἦν ἐν τῇ νόσῳ] Cf. O. R. 562. ἦν ἐν τῇ τέχῃ. Eur. Hipp. 454. εἶσιν ἐν μούσαις ἀεί.

274. ἀνέπνευσε] Cf. O. R. 1221.

280. μηδὲν τι μᾶλλον] Cf. Eur. Alc. 522. οὐδὲν τι μᾶλλον οἶδα. Herod. IV. 118. οὐδὲν τι μᾶλλον ἐπ' ἡμέας ἢ οὐ καὶ ἐπ' ὑμέας.

281. ὡς ὡδ' ἐχόντων τῶνδ' —] Cf. 981. 904. Aesch. Pr. 760. ὡς τοίνυν ὄντων τῶνδ' εἰ σοὶ μαθεῖν πάρα. Ag. 1364.

286. ἀμφήκεις — ἐγχοῦ] Cum ἀμφήκης cf. ξυρήκης et νεήκης (Hom.).

295. πάθας] Eadem forma O. C. 7. Ant. 978.

302. Similiter O. C. 963. φόνους μοι — τοῦ σοῦ διῆκας στόματος.

306. ξὺν χρόνῳ] Cf. Ph. 1041. Tr. 201. El. 1013.

307. πλήρες ἄτης — στέγος] Cf. Ph. 1087. ὦ πληρέστατον αὐλίον λύπας (νόσου?) τᾶς ἀπ' ἐμοῦ. Ant. 1052. νόσου πλήρης.

312. ἐμοὶ τὰ δεῖν' ἐπηπείλησ' ἔπη] Cf. 650. δεῖ τὰ δεῖν' ἐκαρτέρον τότε (ἐπηπείλησ' ἔπη ab S. in L.). El. 779. δεῖν' ἐπηπείλει τελεῖν. Ant. 408. τὰ δεῖν' ἐπηπείλημένοι.

314. ἐν τῷ πράγματι;] Cf. Ant. 1229. ἐν τῷ ξυμφορᾶς; Tr. 375. ποῦ ποτ' εἰμὶ πράγματι; Eur. Hel. 1211. ἐν τῷ δὲ κείσασαι ξυμφορᾶς;

317. οἰμωγὰς λυγρὰς] Cf. Ph. 190. πικρὰς οἰμωγὰς.

338. νοσήμασι ξυνοῦσι] Cf. Ph. 1068. ἄχθος δ' ξυνοικεῖ.

341. μενοιᾶς] Cf. Eur. Cycl. 447. σφάζει νιν μενοιᾶς. Arist. Vesp. 1080. ἐξελεῖν — μενοιᾶν.

348 sq. Similis locus est O. R. 1322 sq.

350. μόνοι ἐμῶν φίλων] Qu. μόνοι τῶν φίλων.

351. φοινίας ὑπὸ ζάλης] Cf. O. R. 24. φοινίῳ σάλα.

357. ἄλιον — πλάταν] Cf. O. C. 718. ἄλλια πλάτα.

363. τὸ πῆμα τῆς ἀτης] Cf. Ph. 765. τὸ πῆμα — τῆς νόσου. Aesch. Ag. 850.

369. οὐκ ἐκτός;] Sic El. 1430. οὐκ ἄφορον;

372. ὦ πρὸς θεῶν ἕπεικε] Cf. O. R. 646. ὦ πρὸς θεῶν πίστευσον — τάδε. 1037. ὦ πρὸς θεῶν — φράσον.

386. μηδὲν μέγ' εἶπης] Cf. 423. 1122. El. 830. μηδὲν μέγ' ἀόσης. Fr. 601. Theocr. 10, 20. μηδὲν μέγα μνθεῦ. Plat. Phaed. 95 B. μὴ μέγα λέγε.

395. ὡς ἐμοί] Cf. ad Ant. 1161. 1282. O. C. 76. Eur. Ion. 1539. τὸ γένος οὐδὲν μεμπτὸν ὡς ἡμῖν τόδε.

398 sq. Cf. O. C. 828. ποίαν λάβω θεῶν ἄρηξιν ἢ βροτῶν;

429. κακοῖς — συμπεπωκότα] Cf. O. R. 113. τῷδε συμπίπτει φόνῳ. Tr. 880. Aesch. Eum. 322. θνατῶν τοῖσιν αὐτουργίαι ξυμπέσωον μάταιοι. Ag. 188. ἐμπαίοις τύχαιοι συμπεσῶν. Eur. Iph. T. 1393. ναῦς — λάβρω κλύδωνι συμπεσοῦσα (having encountered).

435. τὰ πρῶτα] Cf. 1300. O. C. 1313. στρατοῦ τὰ πρῶτ' ἀριστεύσας. καλλιστεῖ'] Qu. κἀριστεῖ'.

451. ἐπεντείνοντ'] Cf. Ant. 1235. ἐπενταθείς.

455. εἰ δέ τις θεῶν βλέπτει] Cf. El. 696. διαν δέ τις θεῶν βλέπτει.

459. καὶ πεδία τάδε] Cf. O. R. 719. εἰς ἄβατον ὄρος. De tribracho sic posito cf. O. R. 719. 1496.

478. Cf. Eur. El. 401. χαρᾷ θερμαινόμεσθα καρδίαν.

488. σθένεντος ἐν πόλει] Cf. O. C. 456. εἴ τις ἄλλος ἐν πόλει σθένει. De constructiōne cf. Arist. Pl. 655. νῦν δ', εἴ τιν' ἄλλον, μακάριον κενύδαίμονα.

492. πρὸς τ' —] Cf. ad O. R. 253.

494. βάζιν ἀλγεινὴν λαβεῖν] Cf. El. 1006. βάζιν καλὴν λαβόντε. O. R. 519. φέροντι τήνδε βάζιν. Aj. 193.

510. νέας τροφῆς] Cf. O. C. 345.

512. ὄρφανιστῶν] Tutorum. Anglice guardians.

520. ἴσχε — μνηστῖν] Cf. O. C. 584. λῆστιν ἴσχεις.

534. Cf. Eur. Alc. 510. καὶ τόνδε τοῦμοῦ δαίμονος πόνον λέγεις.

538. δός μοι προσειπεῖν αὐτὸν] Cf. Arist. Ach. 882. δός μοι προσειπεῖν, εἰ φέρεις, τὰς ἐγγέλεις.

540. μέλλει μὴ οὐ παρουσίαν ἔχειν] Verbo μέλλειν inesse negationem monuit Dind. Hinc ambae particulae μὴ οὐ.

549. ἐξομοιοῦσθαι] Cum ἐξομοιοῦν confer ἐξισοῦν.

554. ἐν τῷ φρονεῖν γὰρ —] Cf. Eur. Iph. A. 586. ζηλῶ σε μᾶλλον ἢ 'μὲ τοῦ μηδὲν φρονεῖν.

564. τηλωπὸς] Cf. Ph. 216. τηλωπὸν ἰωάν (ἰυγῆν?).

565. ἐνάλιος λεῶς] Cf. Aesch. Sept. 80. λεῶς — ἰππότης. Pers. 125. ἰππηλάτας — λεῶς. 375. ναυτικὸν λεῶν.

598. *περίφαντος*] *Illustris*. Cf. 228. *περίφαντος ἀνὴρ θανεῖται* (i. e. *manifesto, certe, morietur*). Cf. 66. *περιφανῆ νόσον*.

608. *ἀνύσειν* — *ἕδαν*] Cf. *Eur. Suppl.* 1141. *ποτανοὶ δ' ἤγνυσαν τὸν Ἄϊδαν*.

611. *ξύναυλος*] Cf. *O. R.* 1126.

612. *ἐξεπέμψω*] Cf. *O. R.* 309. 951. *O. C.* 1347. *Herod. I.* 120.

III. 52.

615. *Cum ολοβώτας confer οὔρσειβώτας*.

616. *ἔργα χερσῶν*] Cf. *supra* 439.

622. *παλαιᾶ — ἀμέρα*] Cf. *Eur. Rhés.* 389. *παλαιᾶ — ἡμέρα*.

629. *ὄξυτόνους — ὠδᾶς*] Cf. *El.* 243. *ὄξυτόνων γόων*.

635. *ὁ νοσῶν μάταν*] Cf. *Arist. Pac.* 95. *τί μάτην οὐχ ὑγιαίνει;*

644. *ἄταν — ἔθρεψεν*] Cf. *Ant.* 533. *τρέφων δὺ' ἄτα*.

645. *ἄτερθε τούτου*] *Praeter hunc*. Cf. *ad Ant.* 975.

649. *συντρόφοις ὀργαῖς ἔμπεδος*] Cf. *Ant.* 169. *μένοντας ἐμπέδοις* (i. *ἐμπέδους*) *φρονήμασιν*.

675. *στένοντα πόντον*] Cf. *Tr.* 887. *στονόεντα πορθμόν*. *Ant.* 592. *Eur. Herc.* 861. *πόντος κύμασι στένων*.

687. *ταῦτά τῆδε μοι τάδε τιμᾶτε*] *Haec mihi pariter atque haec mulier tribuite*. “Cf. *Ant.* 514. *πῶς δῆτ' ἐκείνῳ δυσοσεβῆ τιμᾶς χάριν; Pind. P. IV.* 481. *Παιάν σοι τιμᾶ φάος*.” (*Lob.*)

706. *ἔλυσεν*] *Amovit*. Cf. *El.* 939. *πημονῆς λύσεις βάρος*.

710. *πελάσαι — νεῶν*] Cf. *Ph.* 1327. *Χρύσης πελασθεὶς φύλακος*. *θεῶν ὠκυάλων νεῶν*] *Ex HomericO Od.* 7, 34. *νησιθοῆσι πεποιθότες ὠκείησι*. *Ab ὠκὺς et ἄλλομαι, ni fallor, compositum potius quam ab ὠκὺς et ἄλς*. *Dindorfius ὠκυάλος mare celeriter pernavigans explicat*. *Epithetum Homericum, Il.* 15, 705. *Od.* 12, 182. Cf. *composita ὠκυτόκος, ὠκυπόρος, ὠκύπομος, ὠκύμορος, ὠκύθοος, ὠκυβόλος, ὠκύροος, ὠκύπτερος*.

712. *πάνθντα θέσμου*] *Anglice all customary religious observances*.

715. *ἀναύδατον*] Cf. *Eur. Ion.* 782.

751. *φιλοφρόνως*] Cf. *Ant.* 1104. *κακόφρονας* (ὄ). *Aesch. Prom.* 24. *ἀποκρύψει* (ὄ). *Suppl.* 624. *ἐπέκρανεν* (ἔ). *Eur. Iph. A.* 391. *ὁσὶ κακόφρονες* (ὄ).

758 sq. Cf. *Hor. Carm.* 4. 65. ‘*Vis consili expers mole ruit sua.*’

760. *ἀνθρώπων φύσιν βλαστῶν*] Cf. *Tr.* 1062. *γυνή δέ, θῆλην σχοῦσα* (f. *φῦσα*) *κοῦκ ἀνδρὸς φύσιν κτλ.*

767. Cf. 1256. *εἰ μὴ νοῦν κατακτήσει τινά*. *Tr.* 793.

784. *δαῖτα*] *Misera*. *Schol.* *δύστηνε*.

786. *χρωῖ*] *Soluta forma χρωῖ legitur Tr.* 605. *χρωῖ* *Ant.* 246.

790. *ἦν ἤλγησ'*] Cf. *ad Ph.* 1021. *ἀλγύνομαι τοῦτ'*. 906.

792. Cf. *El.* 1110. *οὐκ οἶδα τὴν σὴν κληδόν'*. *Fr.* 168. *οὐκ οἶδα τὴν σὴν πείραν*.

796. *σκηγῆς ὑπανλον*] Cf. *El.* 1386. *δώματων ὑπόστεγοι*.

799. ἐλπίζει] In malam partem dictum, ut in Tr. 111.
801. τοῦ Θεστοροεῖου μάντεως] Cf. Hom. Il. 1, 69. Κάλχας Θεστοροεῖδος, νοῖων ὀπλόων, ὄχι ἄριστος. Eur. Med. 760. ὁ Μαίας — ἀναξ.
813. χωρεῖν ἔτοιμος] Cf. ad O. R. 92. ἔτοιμος εἰπεῖν.
829. κατοπτεινθεῖς] Cf. Ph. 124. κατοπτεινθῶ.
832. πομπαῖον Ἐρμῆν] Schol. ψυχοπομπόν. Cf. O. C. 1548. Ἐρμῆς ὁ πομπός. Ph. 133. Tr. 620. El. 1396. Aesch. Eum. 91. Eur. Med. 760. ὁ Μαίας πομπαῖος ἀναξ.
842. τῶν φιλοστων ἐκγόνων] Cf. O. R. 1474. τὰ φίλιται' ἐκγόνοι ἐμῶν.
847. χρυσόνωτον ἡγίαν] Cf. O. C. 693. χρυσόνιος.
872. Cf. El. 1104. κοινόπλοον παρουσίαν. Eur. Fr. 848, 5. κοινόπλοον — σκάφος.
878. κέλευθον — φανείς] Cf. El. 1273. φιλιτάταν ὁδον — φανῆναι.
884. Ὀλυμπιάδων θεῶν] Cf. O. R. 1108. νυμφᾶν Ἐλικωνίδων. Ph. 725. Μηλιάδων νυμφᾶν.
885. ὠμόθυμος] Ajax ὠμοκρατῆς dicitur 205.
886. εἶ ποθι] Sicubi, alicubi. Cf. Oppian. Hal. III. 165. φεύγουσιν καὶ φῶτα καὶ εἶ ποθι καρτερόν ἰχθύν. (Lob.) Ph. 1204. εἶ ποθεν.
888. ἀλάταν] Eadem forma Dorica O. C. 165. ὦ πολύμοχθ' ἀλάτα. Eur. Suppl. 281. Her. 365. Ion. 1089. El. 139. 202. et ἀλατεία Hel. 530.
892. πάραυλος] Vicinus. Cf. O. C. 785. ὡς πάραυλον οἰκίσης (με).
898. ἀρτίως νεοσφαγῆς] Cf. Tr. 1130. ἀρτίως νεοσφαγῆς. Ant. 1283. τέθνηκεν — ἀρτι νεοτόμοισι πλήγμασιν.
919. σφαγῆς] Cf. Tr. 572. αἷμα τῶν ἐμῶν σφαγῶν.
930. Cf. El. 86 sq. ὦ φάος ἀγνόν — τὰ δὲ παννυχίων κτλ.
935. ἦμος] Vocabulum epicum. Cf. O. R. 1134. Tr. 155. 531.
950. Cf. O. R. 1456. οὐ γὰρ ἂν ποτε | θνήσκων ἐσώθην μὴ ἴπῃ τῷ δεινῷ κακῷ. 77. κακός | μὴ δρῶν ἂν εἶτην πάνθ' —. 13.
954. ἦ ἄρα] Cf. 172. Aesch. Pers. 633. Post ἐφρυβρίζει deletatur interrogationis signum.
968. Cf. O. C. 1704. ἔπραξεν οἶον ἤθελεν (οἶα δὴ ἔθελεν?). τί μήν;] Quidni? Cf. Aesch. Ag. 672.
969. Similis structura est El. 835. κατ' ἐμοῦ — ἐπεμβάσει.
970. Cf. 1128. τῷδε δ' οἴχομαι.
977. ξύναιμον δμμ'] Cf. Ph. 171. σύντροφον δμμα.
982. περισπερχές] Supra modum ingens (s. præmens). Schol. βαρύ. Semel legitur apud Soph.
986. κενῆς] Orbatae, viduae. Cf. Ant. 754. φρενῶν — κενός. El. 403. νοῦ — κενή.
994. δὴ μάλιστα] Pro μάλιστα δή.

1017. ἐν γήρα βαρύς] Cf. O. C. 1663. σὺν νόσοις ἀλγεινός.
 Ph. 185. ἐν τ' ὀδύναϊς ὁμοῦ λιμῶ τ' οἰκτρούς.
 1022. ὠφελήσιμα] Eadem forma est Arist. Av. 316. λόγον — ὠφελήσιμον.
 1024. πικροῦ — κνώδοντος] Cf. Tr. 681. πικρᾷ γλωχίνι. et nostrum to pierce.
 1027. ἀποφθίσειν] Cf. O. R. 1198. κατὰ — φθίσας. 202. φθίσον. Tr. 1043. φθίσας.
 1033. θανασίμῳ πεσήματι] Cf. O. R. 560. θανασίμῳ χειρώματι (l. 'γχειρήματι). Eur. Ion. 1259. θανασίμους σφαγᾶς.
 1038. ἐστὶν ἐν γνώμῃ] Qu. ἐστὶ τῇ γνώμῃ.
 1040. κρύψει τάφῳ] Cf. Fr. 513, 5. τὸν μὲν τάφῳ κρυφθέντα.
 1041. φράζου] Cogita, reputa. Cf. El. 213. Ant. 1048.
 1044. ἀνδρα στρατοῦ] Cf. Ant. 289. πόλεως ἀνδρες.
 1045. πλοῦν ἐστείλαμεν] Cf. Ph. 911. πλοῦν στελεῖν.
 1050. κραίνει στρατοῦ] Cf. O. C. 296. ὁ κραίνων — χώρας.
 862. 926. 1388. O. R. 1363. El. 1060.
 1066. ἐξάρης] Cf. Ant. 224. κοῦφον ἐξάρης πόδα. Tr. 1193. τοῦμόν ἐξάρητα — σῶμα.
 1069. Cf. 1103. O. R. 548. οὐ γὰρ ἔσθ' ὄπου (ὄπως?) μ' ὀλεῖς. 1081. Cf. 1160.
 1083. ἐξ οὐρίων] Sub. ἀνέμων.
 1084. Cf. Plut. Cleom. c. 9. τὴν πολιτείαν μάλιστα συνέχεσθαι φόβῳ νομίζοντες (Spartani).
 1087. παραλλάξ] Alternatim. Α παραλλάσσειν (immutare) Ant. 298.
 1094. μηδὲν ὄν γοναῖσιν] Cf. O. R. 1467. ὦ γονῆ γενναῖε. Ant. 949. γενεᾷ τίμος.
 1100. ποῦ δὲ σοὶ λεῶν ἔξεσι' ἀνάσσειν —;] Cf. Eur. Andr. 591. σοὶ ποῦ μέτεστιν ὡς ἐν ἀνδράσιν λόγου;
 1101. ποῦ] I. e. quando. Cf. O. R. 390. ποῦ οὐ μάνις εἰ σαφής;
 1103. Similiter El. 1145.
 1107. Cf. O. R. 340. ἄ — ἀτιμάζεις πόλιν.
 1116. τοῦ δὲ σοῦ ψόφου οὐκ ἂν στραφείην] Cf. O. R. 728. ποίας μερίμνης τοῦτ' ἐπιστραφεῖς (ἔπος στραφεῖς?) λέγεις; Schol. φροντίσαιμι.
 1117. ἕως] Monosyllabum, ut in O. C. 1361. Ph. 1330.
 1124. Cf. 644. Ant. 1089. ἵνα — γινῶ τρέφειν τὴν γλώσσαν ἡσυχαιτερᾶν. 897. Tr. 817. O. C. 186. Ph. 795. O. R. 98.
 1131. Cf. Adesp. 169, 2. εἰ δ' οὐ σθένουσιν (σθένει τις?), οὐδὲν ἐστιν ἢ τύχη. Eur. Med. 88.
 1132. τούς γ' αὐτοῦ πολεμίους] Cf. O. C. 1356. τὸν αὐτὸς αὐτοῦ πατέρα. 930. αἰσχύνεις πόλιν | τὴν αὐτοῦ.

1141. ἀντακούσει τοῦτον ὡς —] Cf. Ph. 549. ἤκουσα τοὺς ναύτας ὅτι —.
1147. λάβρον στόμα] Schol. σφοδρὸν, θρασύ. Cf. Aesch. Pr. 327. μηδ' ἄγαν λαβροστόμει.
1165. Cf. Eur. Hec. 901. μένειν ἀνάγκη πλοῦν δρωῖντας ἤσυχον.
1186. πολυπλάγκτων ἐτέων] Poetice positum pro πολλῶν —. Cf. ad O. C. 17.
1192. αἰθέρα — μέγαν] Cf. Ant. 420. μέγας αἰθήρ. O. C. 1471.
1197. πόνοι πρόπονοι] Sic κακὰ πρόκακα Aesch. Pers. 987.
1203. ἐννυχίαν τέρωιν λαύειν] I. e. τερπνήν νύκτα λαύειν. Cf. Hom. Il. 9, 325. ἀπύκτους νύκτας ἴανον.
1220. ἄκραν ὑπὸ πλάκα Σουνίου] Cf. Tr. 273. ἀπ' ἄκρας — πυργώδους πλακός.
1225. ἐκλύσω] Schol. rec. ἀνήσω.
1226. στόμα] Sermonem. Cf. O. C. 981.
1228. Cf. 587. El. 1445. σέ τοι σέ κρίνω. Ant. 398.
1233. διωμόσω] Cf. Tr. 378. διώμυντο.
1267. προδοῦσ'] Cf. Ant. 1166. τὰς γὰρ ἡδονὰς | δταν προδοῶσιν ἄνδρες, κτλ.
1268. διαρρεῖ] Diffluit. Cf. 523. Fr. 787, 8. πάλιν διαρρεῖ καπλὴ μηδὲν ἔρχεται. Eur. Fr. 399, 1. πλοῦτου δ' ἀπορροέντος —.
1274. ἐρκέων — ἐγκεκλημένους] Septa castrorum intellige. Cf. Tr. 607. ἔρκος ἱερὸν (de septo circum aram). O. R. 1223. 236. Eur. Phoen. 451. τόνδ' εἰσεδέξω τειχέων.
1287. ἄλμα κουφίζειν] Cf. El. 406.
1300. τὰ πρῶτ'] Cf. 435. C. C. 1313.
1323. ἐπη κακά] Convicia. Cf. O. C. 731. ἔπος κακόν.
1340. Cf. Ph. 1344. Ἑλλήνων ἔνα | κριθέντ' ἄριστον. O. R. 1380.
1352. τῶν ἐν τέλει] Cf. Ant. 67. τοῖς ἐν τέλει βεβῶσι. Ph. 385. τοὺς ἐν τέλει. Hyperid. in Dem. p. 58. τοὺς ἐν τέλει ὄντας.
1360. ἐπαινεῖς] Consulis, suades.
1361. σκληρὰν — ψυχὴν] Cf. Tr. 1260. ὦ ψυχὴ σκληρά.
1369. ὡς ἂν ποιήσης] Utcunque (quicquid) feceris. Cf. O. R. 672. ἔνθ' ἂν ἤ. Eur. Med. 331. Hom. Il. 2, 139. ὡς ἂν ἐγὼ εἶπω, πειθώμεθα πάντες. Dem. Or. 18. § 192. τὸ — πέρας, ὡς ἂν ὁ δαίμων βουληθῇ, πάντων γίγνεται.
1406. ἐπίκαιρον] Hoc cum λουτρῶν (idoneum lavaero) conjungunt Musgr. Dind. Cf. O. R. 874. ἀ μὴ 'πίκαιρα μηδὲ συμφέροντα.
1407. ἐπίκαιρον] Cf. O. R. 874. ἐπίκαιρα.
1415. Cf. 911. O. C. 1458. τὸν πάντ' ἄριστον. El. 301.
1419. Cf. Ant. 1160. μάντις οὐδείς τῶν καθεστώτων (ἐφεστώτων?) βροτοῖς.

Antigone.

- 4 sq. Cf. O. R. 1496. τί γὰρ κακῶν ἄπεισι;
 6. οὐκ ὄπωπ' ἐγὼ κακῶν] Cf. 763. ὦν ὄπωπ' ἐγὼ κακῶν.
 10. στείχοντα — κακά] Cf. O. R. 539. ἔργον — δόλω προ-
 σέρπον.
 25. ἔντιμον νεκροῖς] Cf. El. 239. ἔντιμος τούτοις.
 29. ἄκλαντον ἄταφον] Cf. Eur. Hec. 30. Hom. Il. 22, 386.
 κεῖται — νέκυσ ἄκλαντος ἄταπτος. Od. 11, 72. ἄκλαντον ἄταπτον.
 30. πρὸς χάριν βορᾶς] Cf. Tr. 179. στείχονθ' ὀρώ τιν' ἄνδρα
 πρὸς χάριν λόγων. Ph. 1156. ἀντίφρονον κορέσαι στόμα πρὸς χάριν
 ἐμᾶς σαρκός.
 31. τὸν ἀγαθὸν Κρέοντα] Ironice dictum. Cf. Ph. 873. ἀγαθοὶ
 στρατηλάται.
 33. μὴ εἰδοῖσι] Cf. 263. 531. O. C. 1157. Eur. Or. 498. Hel.
 923. Ion. 313. Fr. 1031. χορὴ εἰδέναι. Rhes. 683. ἡ εἰδότος. 1048.
 El. 961. μὴ εἰσίδῃ (fort. μὴ πίδῃ. vulgo μὴ σίδῃ).
 40. Cf. 1112. αὐτός τ' ἔδησα καὶ παρῶν ἐκλύσομαι. Aj. 1317.
 εἰ μὴ ξυνάντων ἀλλὰ συλλύσων πάρει. Eur. Hipp. 666. Plut. Alcib.
 c. 14. (ubi inter se opponuntur συνάπτειν et λύειν). Zenob. IV.
 46. 7. et locutionem proverbialē κάθαμμα λύειν.
 42. Cf. El. 922. οὐκ οἶσθ' ὅποι γνώμης φέρει. Tr. 705. οὐκ
 ἔχω — ποῖ γνώμης πέσω.
 60. τυράννων] Cf. 1172. Tr. 316. Eur. El. 93. Herc. 567.
 61. κράτη παρεξίμεν] Cf. 921. παρεξελθοῦσα — δίκην.
 84. Cf. O. C. 1522. τοῦτον δὲ φράζε μήποτ' —.
 92. ἀρχὴν] Cf. Ph. 1239. El. 439.
 94. προσκείσει] Cf. O. R. 232. χῆ χάρις προσκείσεται.
 95. τὴν ἐξ ἐμοῦ δυσβολίαν] Cf. 2. τῶν ἀπ' Οἰδίπου κακῶν.
 Ph. 1088. λύπας τᾶς ἀπ' ἐμοῦ. El. 619. ἡ — ἐκ σοῦ δυσμένεια.
 97. Cf. Aesch. Eum. 300. οὔτοι σ' Ἀπόλλων — ῥύσαι' ἂν
 ὥστε μὴ οὐ παρημελημένον | ἔρρειν.
 99. ἄνους — ἔρχει] Cf. ad O. R. 1519.
 101. φανὲν — φάος] Cf. Ph. 297. ἔρην' ἀφαντον φῶς.
 105. μολοῦσα] Tanquam si praecessisset ἀμέρα, non ἀμέρας
 βλέφαρον.
 107. βάντα — φνυγάδα] Cf. O. C. 378. βὰς φνυγὰς.
 112. δξέα κλάζων] Cf. Homericum δξέα κεκληγῶς.
 117. ἔβα] Fugit. Schol. ἠτιγήθη.
 122. στεφάνωμα πύργων] Cf. O. C. 15. πύργοι μὲν, οἱ πόλιν
 στέφουσιν, —.
 124. ἐτάθη] Cf. Ph. 831. δ (αἴγλα) τέταται. Theogn. 1077. δροφῆ
 γὰρ τέταται. Hom. Od. 11, 19. νῆξ τέταται. Hesiod. Op. 547.
 130. καναχῆς] Cf. Tr. 642. θείας ἀντίλυρον μούσας — καναχάν.

131 sq. Cf. Eur. Ph. 1180. ἤδη δ' ὑπερβαίνοντα γεῖσα τειχεῶν | βάλλει κεραυνῷ Ζεὺς νιν.

137. ~~ὄπαις~~ ~~στ.~~ ~~ἀνέμων]~~ Cf. Pind. P. 4, 195. εἰπάς ἀνέμων.

149. Cf. 844. Θήβας τ' εὐαράματον ἄλσος.

151. τῶν νῦν θέσθαι λημοσύναν] Cf. Tr. 1265. τούτων θέμενοι συγγνωμοσύνην. et ad O. C. 466.

158. Cf. O. R. 34. ἐν τε δαιμόνων ξυναλλαγῆς.

162. ἀσφαλῶς — ὤρθωσαν πάλιν] Cf. O. R. 51. ἀλλ' ἀσφαλεία τήνδ' ἀνόρθωσον πόλιν.

163. πολλῷ σάλῳ σείσαντες] Cf. Eur. Iph. T. 46: σεισθῆναι σάλῳ.

182. Cf. Tr. 577. ἀντὶ σοῦ πλέον.

193. Cf. Ph. 1088. λύπας τᾶς ἀπ' ἔμοῦ.

199. θεοὺς τοὺς ἐγγενεῖς] Cf. El. 428. θεῶν — ἐγγενῶν.

231. ἦνυτον] Sc. τὴν ὁδόν. Cf. 805.

234. φράσω δ' ὄμωσ] Cf. O. R. 302. πόλιν μὲν εἰ καὶ μὴ βλέπεις, φρονεῖς δ' ὄμωσ | οἶα νόσῳ σύνεστιν.

275. καθαιρεῖ] Damnat. Forensi verbi usu. Cf. Eur. Or. 861. ἀτὰρ τίς ἀγών; τίνες ἐν Ἀργείοις λόγοι | καθείλον κάπεκέρωσαν θανεῖν;

280. πρὶν δογῆς καμὲ μεσιῶσαι] Cf. Tr. 396. ἄσσεις πρὶν ἡμᾶς καὶ νεώσασθαὶ λόγους. O. C. 768. μεσιτὸς ἦν θυμούμενος. Dem. p. 1175. ἐπιθετὴ μεσιτὸς ἐγένετο ἀνανακτῶν.

281. ἄνοους τε καὶ γέρον] Cf. O. C. 931. γέρονθ' ὄμοῦ — καὶ τοῦ νοῦ (καὶ φρονῶν?) κενόν. O. R. 402.

298. παραλλάσσει] Immutat. Hinc παραλλάξ (alternatim). Cf. Eur. Hipp. 935. λόγοι παραλλάσσοντες ἔξεδροι φρονῶν.

318. Cf. Aj. 33. τὰ δ' ἐκπέπληγμαι κοδὴν ἔχω μαθεῖν ὄπον.

320. οἴμ' ὡς] Eadem formula est 1270. Aj. 354. 587.

324. κόμψευε] Exorna. Anglice embellish. Schol. σεμνολόγει.

344. Cf. Ph. 1147. χαροπῶν τ' ἔθνη θηρῶν.

345. θηρῶν — ἔθνη] Cf. Theocr. 25, 114. βοῶν — μυρίον ἔθνος. 185. λύκων τ' ὀλοφώϊον ἔθνος (ἔρνος vulg.).

346. πόντου — εἰναλίαν φύσιν] Cf. O. R. 869. θανάτῳ φύσιν ἀνέρων. Fr. 517. τὴν γυναικείαν φύσιν.

347. σπείραισι] Cf. Fr. 492, 5. πλεκταῖς — σπείραισι δρακόντων. Aesch. Cho. 248. θανόντος ἐν πλεκταῖσι καὶ σπειράμασιν — ἐχίδνης.

350. θηρὸς ὄρεσειβάτα] Cf. O. R. 1100. Πανὸς ὄρεσειβάτα.

359. ἄπορος ἐπ' οὐδέν] Cf. O. R. 691. ἄπορον ἐπὶ φρόνημα.

369. θεῶν τ' ἐνορχον δίκαν] Et jus iuramentis per deos sancitum. Cf. O. R. 656. τὸν ἐναγῆ θεῶν. Sic etiam ἐνώμοτος θεῶν Eur. Med. 737.

370. ὄτω τὸ μὴ καλὸν ξύνεστι] Cf. O. C. 945. ὄτω γάμοι ξυνόντες ἠῤῥέθησαν —.

389. *ἠρίνοια*] Reflection, after-thought. Schol. *ἡ πρώτη δόκησις ἐκκρούεται ὑπὸ τῆς ἐπιγνομένης δόξης.*

392. Cf. Eur. Fr. 550. *ἐκ τῶν ἀέλπτων ἡ χαρὰ μείζων βροτοῖς.* Soph. Ant. 330. *ἐκτός ἐλπίδος — σωθεῖς.*

398. Cf. El. 1445. *σέ τοι σέ κρῖνω.* Aj. 1228. 587.

406. *δραῖται — ἠρέθη*] Similiter O. R. 1262. *ἔκλινε — κάμππτει.*

408. Cf. Aj. 312. *ἔμοι τὰ δειν' ἐπηπείλησ' ἔπη.* El. 779.

418. *σκηπτὸν*] Fulmen. I. q. βέλος. Sic explicat Photius et Hesychius. *οὐράνιον ἄχος*] Coelestem calamitatem. Cf. Fr. 379 D. *οὐράνια σήματα* (i. e. *διοσημίαν*). Aesch. Pers. 573. *βαρὺ δ' ἀμβόασον οὐράνι' ἄχη.* et Aj. 197. *ἄταν οὐρανίαν φλέγων* (i. e. *calamitatem in immensum augens*).

420. Cf. El. 713. *ἐν δὲ πᾶς ἐμεσιώθη δρόμος.*

423. Cf. O. C. 1610. *φθόγγον πικρόν.* Ph. 189. *πικρᾶς οἰμωγᾶς.*

443. Cf. Plat. Lys. p. 215. *ἔξαρκος εἰ τὸ ἔραν.*

450. *οὐ γὰρ τι —*] Cf. 456. 517. Fr. 81 D. 735 D. Aj. 1111. 1343. O. R. 410. 433.

466. *παρ' οὐδὲν ἄλγος*] Cf. O. R. 638. *τὸ μηδὲν ἄλγος.*

481. *νόμους — προκειμένους*] Cf. O. R. 865. *ὧν νόμοι πρόκεινται.*

488. Cf. El. 626. *θράσους τοῦδ' οὐκ ἀλύξεις.* Ph. 1044. *τῆς νόσον πεφηνγεναι.* Orpian. 3, 104. *ἐξήλυξε μόροιο.* Eur. Med. 1297. Suppl. 148.

500. *Λεγε μηδ' ἀρεστὸν ἢ ποτέ*] Cf. O. R. 1097. *σοὶ δὲ ταῦτ' ἀρεστ' εἶη.*

505. *γλῶσσαν ἐγκλήοι*] Cf. 180. *γλῶσσαν ἐγκλήσας.*

510. *ἐπαιδεῖ*] I. q. *ἐπαισχυνεῖ* (O. R. 635. O. C. 978. Aj. 1307.).

533. *τρέφων δύ' ἄτα*] Cf. Aj. 644. *ἄταν ἂν οὐπω τις ἐθρεπεν —*. O. C. 532.

547. *ἀρκέσω θνήσκουσ' ἐγὼ*] Cf. O. R. 1061. *ἄλις νοσοῦσ' ἐγὼ.* Adesp. 76. *ἄλις ἐγὼ δυστυχῶν.*

562. *πεφάνθαι*] Cf. O. R. 692.

576. *δεδογμέν'*] Sub. *ἔστι.* Cf. O. C. 1431.

592. *κυματοπλήγες ἄκται*] Cf. O. C. 1243. *κυματοαγεῖς ἄκται.* et v. *κυματογή* (litus) Herod. IV. 196.

623. *ἔμμεν*] Formae hujus epicae hoc unicum exemplum est apud Soph.

633. *τῆς μελλονύμφου*] Cf. Tr. 206. *ἃ μελλονύμφος.*

635. *γνώμας ἔχων χρηστὰς*] Cf. Aj. 163. *τούτων γνώμας προδιδάσκειν.* Ph. 837. *πάντων γνώμαν ἴσχων.* El. 551. *γνώμην δικαίαν σχοῦσα.* Fr. 853. *γνώμαι πλέον κρατοῦσιν ἢ σθένος χερῶν.* Sic 753. *κενὰς γνώμας.* Aj. 52. *δυσφόρους — γνώμας.* 1091. *γνώμας ὑποστήσας σοφὰς.* Fr. 381. *ἀφθίτους γνώμας.* O. R. 525. *ταῖς ἑμαῖς γνώμαις.* Tr. 53. *γνώμαισι δούλαις.*

636. ἐφέγομαι] Cf. El. 967. ἦν ἐπίσημη τοῖς ἐμοῖς βουλευμασιν.
 1037. ἐπισπέσθαι. Eur. Hipp. 1307. οὐκ ἐφέσπετο | λόγιοισιν. Alc.
 770. οὐδ' ἐφεσπόμην. Or. 1444. ἃ δ' ἐφείπετο.
 641. γονὰς κατηκόους] Cf. O. C. 1192. γοναὶ κακαί.
 665. Cf. Ph. 1315. ὦν δέ σου (l. δ' ἐκ σου) τυχεῖν ἐφίεμαι.
 717. ναυτίλλεται] Navigat. Cf. Eur. Fr. 793, 2. πάλιν ναυτίλλεται.
 721. Cf. Tr. 338. τοῦτων γὰρ εἰμι πᾶς (aut πάντ') ἐπιστήμων
 ἐγώ (ita enim legendum videtur).
 742. Cf. Aesch. Pr. 120. Eur. Ph. 479. δι' ἐχθρας τῶδε —
 μολῶν. Andr. 416. Hipp. 459. Med. 872. Herc. 220.
 752. ἐπεξέρχει] Schol. περαιτέρω χωρήσεις.
 756. κώτιλλε] Garriendo vexa (eneca). Cf. Fr. 622, 3.
 κωτίλος — ἀνήρ.
 771. εὐ γὰρ οὖν λέγεις] Eadem verba sunt 1225.
 782. ἐν — πίπτεις] Cf. Alciph. I. 13. ἔρωσ ἐνέσκηψε.
 786. ἀγρονόμοις αὐλαῖς] I. e. agrestibus. Cf. O. R. 1103.
 πλάκες ἀγρόνομοι.
 792. παρασπᾶς] Pervertis, pellicis. Cf. O. C. 1185. οὐ γὰρ
 σε — πρὸς βίαν παρασπάσει | γνώμης. El. 732.
 805. ἀνύτουσαν] Sc. τὴν ὁδόν. Cf. 231. ἦνντον σχολῇ βραδύς.
 814. ὑμεναίων ἐγκληρον] Vix sanum. Qu. ὑμεναίων ἔμπειρον,
 ut γάμων ἔμπειρος dicitur O. C. 752.
 844. Θήβας — εὐαρχμάτων] Cf. 149. τᾷ πολυαρχμάτῳ Θήβᾳ.
 864. κοιμήματα — ματρὸς] Cf. O. C. 945. δια γάμοι | ξυνοῦντες
 ἠδρεθήσαν ἀνόσιοι τοκέων.
 896. ἐξήκει] Cf. Ph. 199. πρὶν δδ' ἐξήκει χρόνος. Xen. Hell.
 VII. 1. 28. οὐ ἐξήκει αὐτῶ δ χρόνος. VII. 5. 8. Anab. VI. 3. 26.
 904. τοῖς φρονοῦσιν εὖ] Cf. O. C. 1446. O. R. 40.
 913. οὐ πύργος, οὐ νᾶες] Cf. O. R. 56. οὔτε πύργος οὔτε ναῦς.
 917. ἄλεκτρον ἀνυμέναιον] Cf. El. 493. ἄλεκτρο' ἀνυμφα —
 γάμων ἀμιλλήματα. 165. δτεκνος — ἀνύμφευτος — οἰχῶ.
 921. παρεξελθοῦσα — δέκην] Cf. 61. κράτη παρέξιμεν.
 932. βραδύτητος ὑπερ] Cf. O. R. 165. ἄτας ὑπερ ὀρνυμένας
 πόλει. Aesch. Sept. 111. δουλοσύνας ὑπερ.
 936. κατακυρωθῆσαι] Cf. Eur. Or. 1013. κατακυρωθείς.
 940. Θήβης οἱ κοιρανίδαί] Cf. Tr. 988. Θήβης ἀνακτες.
 941. βασιλίδα] Forma βασιλῆς legitur Fr. 653. Eur. Hec. 552.
 βασιλῆς οὔσα. Med. 1003. νύμφη βασιλῆς. Hipp. 267. 778. Iph. A.
 1306. Rhes. 718.
 949. γενεᾷ τίμος] Cf. O. R. 1467. ὦ γονῇ γενναῖε. Aj. 1094.
 μηδὲν ὦν γοναῖον.
 957. κερτομοῖς ὀργαῖς] Cf. Aj. 640. συντρόφοις ὀργαῖς. 356.
 Eur. Tro. 53.
 972. ἀρατὸν] Detestabile. Epici poetae ἀρατὸς (producta
 prima) usurpant.

976. χείρесси] Cf. 1297. χείρесси. Forma epica et lyrica, rara apud tragicos.

978. πάθαν] Eadem forma est O. C. 7. Aj. 295.

980. μαίτρος έχοντες — γονάν] Cf. O. C. 972. δε οὔτε βλάστας πω γενεθλίους πατρός, | οὐ μητρός εἶχον. Fr. 491. βλάσταν ἔσχε. Tr. 382. Antiph. III. 129. βλάστην ἔχει. ἀνούμφεντον γονάν] Schol. δι' ἐπὶ κακῶ νυμφευθεῖσα (Clytaemnestra) δυστυχεῖς αὐτοὺς ἔτεκεν. Cf. El. 165. ἀνούμφεντος.

983. τηλεπόροις — ἀντροίς] Cf. Arist. Nub. 907. τηλεπόροιν τι βόαμα.

986. κάπ' ἐκεῖνα — ἔσχον] Subaudi τόξα. Cf. Eur. Herc. 984. ἄλλω δ' ἐπεῖχε τόξα.

987. Μοῖραι μακραίωνες] Cf. O. R. 1099. τῶν μακραίωνων.

996. ἐπὶ ξυροῦ τύχης] Qu. ἀκμῆς ἐπι ξυροῦ. Cf. Eur. Herc. 630. ὠδ' ἔβην ἐπὶ ξυροῦ. Schol. ad Tr. 82. ἐν κινδύνῳ καὶ ἐπὶ ξυροῦ ἀκμῆς ἰσταμένω. Hom. Il. 10, 173.

1001. κλάζοντα] Tanquam si praecessisset δρυϊδας.

1006. παμφλέκτουσιν] Cf. El. 1139.

1008. μηρίων] μηρία sunt τὰ ἐκ τῶν μηρῶν ἐξαιρούμενα καὶ ἱεροθντούμενα (Apollon. Lex.). Subaudiendum ὁστέα. Cf. 1020.

1013. φθίνοντα — μαντεύματα] Cf. O. R. 906. φθίνοντα γὰρ Λαῖον θέσφατ' ἐξαιροῦσιν ἤδη.

1022. ἀνδροφθόρου — αἵματος] Cf. Ph. 266. ἀνδροφθόρου — ἐχίδνης.

1026. ἀνολβα] Cf. 1265. Aj. 1156.

1052. νόσον πλήρης] Cf. Ph. 520. διαν δὲ πλησθῆς τῆς νόσου.

30. δάκη — νοσηλείας πλέα.

1060. τὰκίνητα] Sub. ἔπη. Cf. O. C. 624. τὰκίνητ' ἔπη.

1067. ἀντιδούς ἔσει] Cf. O. R. 90. προδείσας εἰμί.

1084. Cf. 1088. ἵνα τὸν θυμὸν ἐς νεοτέρους βάλῃ.

1102. παρεικαθεῖν] Cf. O. C. 1334.

1106. ἀνάγκη — δυσμαχητέον] Cf. Tr. 492. θεοῖσι δυσμαχοῦντες.

1107. ἐπ' ἄλλοισιν τρέπε] De tmesi cf. O. C. 1777.

1144. Παργασίαν ὑπὲρ κλιτὴν] Cf. Tr. 271. Τιτυνηθίαν πρὸς κλιτὴν.

1160. Cf. Aj. 1419. πρὶν ἰδεῖν δ' οὐδεὶς μάντις | τῶν μελλόντων ὅ τι πράξει.

1169. τύραννον σχῆμα] Cf. O. R. 588. τύρανα δροῶν.

1182. κλύουσα παιδός] Cf. O. C. 307. κλύων σοῦ.

1188. φθόγγος — βάλλει] Cf. Ph. 205. βάλλει — φθογγά.

1191. Similis versus est 1250. γνώμης γὰρ οὐκ ἀπειρος ὡσθ' ἀμαρτάνειν.

1196. ποδαγός] Cf. Eur. Ph. 707. Confer κυναγός, ὄδαγός.

1197. νηλεές] Non videntur Attici neutri generis forma νηλές usi esse. Cf. O. R. 180.

1201. Cf. Fr. 461, 2. θαλλὸν χιμαῖραις προσφέρων νεοσπάδα.

1213. τῶν παρελθουσῶν δδῶν] Cf. O. C. 1397. ταῖς παρελθούσαις ὁδοῖς.

1216. λιθοσπαθῆ] Cf. νευροσπαθῆς Ph. 293.

1225. εὐ γὰρ οὖν λέγεις] Eadem verba 771.

1229. ἐν τῷ συμφορᾶς] Cf. O. R. 1174. ὡς πρὸς τί χρείας; Ph. 175. ἐπὶ παντί τῷ χρείας ἰσταμένῳ. Aj. 314. ἐν τῷ πράγματος; Tr. 375.

1250. Similis versus est supra 1191. κακῶν γὰρ οὐκ ἄπειρος οὖσ' ἀκούσομαι.

1255. δόμους παραστείχοντες] Cf. O. R. 808. ὄχους παραστείχοντα.

1265. ἀνολβα] Cf. 1026. Aj. 1156. τοιαῦτ' ἀνολβον ἀνδρ' ἐνουθέτει παρῶν.

1266. νέος νέω —] Cf. 156. Aesch. Pr. 957. νέον νέοι κρατεῖτε.

1273. Cf. Aesch. Ag. 1174. δαίμων ὑπερβαρῆς ἐμπύτων. Pers. 310.

1274. ἔν τ' ἔσειεν ἀγρίαῖς ὁδοῖς] Cf. Tr. 1087. El. 737.

1293. ἐν μυχοῖς] Cf. Tr. 686. Eur. Hel. 820.

1296. Cf. O. C. 1716. τίς ἄρα με πότμος — ἐπαμμένει; 1517.

1308. ἀνέπταν φόβως] Cf. Eur. Suppl. 88. ὡς φόβος μ' ἀναπτεροῖ.

1311. συγκέκραμαι δύα] Cf. Aj. 895. οἴκτω — συγκεκραμένην. Tr. 662.

1313. αἰτίαν — ἐπεσκήπτου μόρων] Anglice you were charged with being the cause of the (two) deaths.

1319. ἐγὼ γὰρ σ' —] Cf. O. R. 1217. εἶθε σ', εἶθε σε —.

1346. δυσκόμοτος] Cf. Aesch. Pers. 516. ὦ δυσπόνητε (l. δυσκόμοτε) δαίμων, ὡς ἄγαν βαρὺς | ποδοῖν ἐνήλω παντὶ Περσικῷ γένει.

Electra.

5. ἄλσος] Cf. Ant. 844. Θήβας τ' εὐαργμάτων ἄλσος.

43. Cave ne ὑποπτεύσωσιν corrigendum putes: ita enim non οὐδ' sed μηδ' ponendum fuisset.

45. μέγιστος — δορυξένων] Cf. Aj. 1331. φίλον — μέγιστον Ἀργείων.

58. δέμας φλογιστὸν —] Cf. 757. καὶ νιν πυρᾷ κέαντες εὐθὺς ἐν βραχεῖ | χαλκῷ (τεύχει aut κύτει?) μέγιστον σῶμα (leg. φλογιστὸν ψῆγμα) δειλαίας σποδοῦ.

60. ἐξενέγκωμαι κλέος] Cf. Tr. 497. μέγα τι σθένες ἂ Κύπρις ἐκφέρεται νίκας ἀεί.

65. ὡς κἄμ' ἐπανῶ —] Cf. 1085. ὡς καὶ σὺ — εἴλου. O. C. 1242. ὡς καὶ τόνδε —.

74. σοὶ — μελέσθω] Cf. ad 1436. τάνθ' ἂν μέλοιτ' ἐμοί.

78. ὑπεράχθεο] Sic ὑπέσχεο O. C. 227.

84. πατρὸς χέοντες λουτρὰ] Cf. O. C. 1599. λουτρὰ καὶ χασάς.

97. κοινολεχῆς] I. q. κοινόλεκτρος. Simile est δμολεχῆς. O. R. 1362.

138. Cf. Ant. 804. ~~τοὺν παγκοίταν~~ — θάλαμον. 810. Aj. 1193.

140 sq. ἐπ' ἀμήχανον ἄλγος — διόλλυσαι] Apte confert Groeneboom Theoromp. F. H. G. I. 287. διεφθάρησαν εἰς τρυφήν, καὶ τὸν καθ' ἡμέραν βίον ἐκ σωφρονεστάτων καὶ μετριωτάτων φιλοπόται καὶ πολυτελεῖς γενόμενοι. Sallust. B. J. I. 4. 'Ad inertiam et voluptates corporis pessumdatum est.'

150. Cf. O. R. 1097. ἴηε Φοῖβε, σοὶ δὲ ταῦτ' ἀρέστ' εἶη.

165. ἀνύμφευτος] Cf. 493. ἄλεκτρο' ἀνύμφα — γάμων ἀμύλληματα. 1183. φεῦ τῆς ἀνύμφου — σῆς τροφῆς. Ant. 980. ἀνύμφετον γονάν.

169. οἶτον] Cf. Ant. 858.

174. Cf. Ant. 304. εἶπερ ἴσχει Ζεὺς εἶ' ἐξ ἐμοῦ σέβας. οὐρανῶ] In coelo. Cf. O. C. 1466. Pindar. alicubi, οὐρανῶ ναίειν. Aesch. Fr. 159. οὐρανῶ κυρῶν. Infra 313. ἀγροῖσι τυγχάνει.

196. ἄ δέ οἱ] Idem hiatus est Tr. 650. ἄ δέ οἱ.

198. δεινὰν δεινῶς] Cf. Tr. 613. θυτήρα κλεινῶ κλεινὸν ἐν πεπλώματι.

207. Cf. 1419. O. R. 996. πατρῶον — αἷμα — ἐλεῖν.

213. φράζον] Cogita, reputa. Cf. Aj. 1041. Ant. 1048.

214. οὐ γνώμαν ἴσχεις] I. e. οὐ γινώσκεις, non intelligis.

231. ἐκ καμάτων ἀποπαύσομαι] Cf. Hermesian. (Anth. Bergk. p. 134.) v. 46. ἐκ παντὸς πανσάμενος καμάτων.

232. ἀνάρθμος — θρήναν] Cf. O. R. 179. ὧν πόλις ἀνάρθμος ἄλλυται. Aj. 603. μηνῶν ἀνάρθμος.

233. εὐνοία — αὐδῶ] Cf. Ph. 1322. εὐνοία λέγων.

239. ἔντιμος τοῦτοις] Cf. Ant. 25. ἔντιμον νεκροῖς.

240. εἴ τῳ πρόσκειμαι χρησιῶ] Cf. 1040. ᾧ σὺ πρόσκεισαι κακῶ. Ant. 1243. Aj. 407. Eur. Fr. 418, 2.

243. δξυτόνων γόνων] Cf. Aj. 629. δξυτόνους ᾧδὰς θρηνήσει. Ph. 1093. δξυτόνου -- πνεύματος (?).

283. κλαίω, τέτηκα] Cf. Hom. Il. 3, 176. τὸ καὶ κλαίονσα τέτηκα.

289. σοὶ μόνη —;] Cf. Alciph. I. 39. σοὶ μόνη ἐραστῆς γέγονεν —;

301. ὁ πάντ' ἀναλκίς] Cf. Aj. 911. ὁ πάντα κωφὸς, ὁ πάντ' αἰδρις. 1415. τῷ πάντ' ἀγαθῶ. O. C. 1458. τὸν πάντ' ἀριστον Θησέα.

313. θυραῖον] Pro θυραῖαν. Cf. Tr. 533. θυραῖοι pro θυραῖαι.

322. ἀρκεῖν φίλοις] I. e. opem ferre. Cf. O. C. 262.

332. θυμῶ — μὴ χαρίζεσθαι] Cf. O. C. 855. δορῆ χάριν δούς.

340. Cf. Solonis illud, ἀρχῶν ἄκουε καὶ δίκαια κᾶδικα.

365. πατρός — κεκλήσθαι] Cf. Oed. C. 107. Tr. 736. 1158. Fr. 83. καταρκεῖ τοῦδε κεκλήσθαι πατρός. Eur. Ion. 323. Λοξίου κεκλήμεθαι Rhés. 298.

383. *καί με* mss. *Λογε κοῦ με* —.
385. *ἢ ταῦτα δὴ* —;] Cf. Ph. 565. *ἢ ταῦτα δὴ* —;
404. Cf. ad O. R. 115. *πρὸς οἶκον οὐκ ἐθ' ἕκασθ' οἴπερ ἐστάλη*
(ita enim correxerim)
414. *κάτοιδα — φράσαι*] Cf. Aesch. Pers. 479. *οἶσθα σημήναι τορῶς.*
429. *ἀβουλίᾳ πεσεῖν*] Cf. 398. *ἐξ ἀβουλλίας πεσεῖν.*
439. *ἀρχήν*] Cf. Ant. 92. Ph. 1239.
455. *ἐξ ὑπερέτερας χειρὸς*] Cf. Tr. 875. *ἐξ ἀκινήτου ποδός.*
Ph. 91. *ἐξ ἐνὸς ποδός.* Eur. Herc. 938. *ἐξὸν μῆς μοι (l. ἐκ) χειρὸς εὔ θέσθαι τάδε.*
456. Cf. 1091. *ζῶης μοι καθύπερθεν ἐχθρῶν δσον νῦν ὑπόχειρ ναίεις.*
459. *οἶμαί τι* —] Redde, arbitrator etiam sollicitudinem ejus aliquam misisse (i. e. causam fuisse cur venerint) somnia haec horrenda.
466. *οὐκ ἔχει λόγον*] Rationem non habet.
467. Cf. Eur. Iph. T. 911. *σθένειν τὸ θεῖον μᾶλλον εἰκότως ἔχει.*
475. *πρόμαντις*] Cf. Aesch. Cho. 758. *τούτων πρόμαντις οὔσα κτλ.*
Eur. Andr. 1072. Hel. 338.
483. *ἀμναστῆϊ*] Cf. ἀτλητεῖν O. R. 515.
493. *ἄλεκτρον ἄνμφα*] Cf. 962. *ἄλεκτρα γηράσκουσαν ἀννμέναί τε.* Anf. 917. *ἄλεκτρον ἀννμέναιον.*
516. *ἀνειμένη*] Anglice at large.
521. *πέρα δικης*] Cf. Eur. Iph. A. 397. Aesch. Fr. 268. *τῷ περῶντι τὴν θέμν.*
546. *κακοῦ γνώμην*] Cf. Ph. 910. *κακὸς γνώμην ἔφην.* El. 1021. *τοιάδε τὴν γνώμην.* O. R. 687. *ἀγαθὸς ὢν γνώμην ἀνήρ.* et addito κατὰ O. R. 1088. *κατὰ γνώμαν ἴδρις.* Cum dativo Aj. 1374. *γνώμη (γνώμην?) σοφὸν φῆναι.* 964. *οἱ γὰρ κακοὶ γνώμαιοι.*
568. *σικτὸν — ἔλαφον*] Cf. O. C. 1092. *πυκνοστίκτων ἔλαφρον.*
585. *ἀνθ' ὅτου*] Qua de causa. Cf. O. C. 963.
589. Cf. O. R. 1397. *κακὸς τ' ὢν κἀκ κακῶν.* Ph. 384. 874.
Arist. Ran. 747.
596. *ἦς γλῶσσαν*] I. e. sermonem. Cf. ad Tr. 323.
598. *ἢ μητέρ' οὐκ ἔλασσον*] Similiter O. R. 119. *πλὴν ἐν οὐδέν.*
614. *τηλικούτος*] Pro τηλικαύτη. Cf. O. C. 751.
619. *ἢ — ἐκ σοῦ δυσμένεια*] Cf. Ant. 95. *τὴν ἐξ ἐμοῦ δυσβουλίαν.*
626. *θράσους τοῦθ' οὐκ ἀλύξεις*] Cf. Ant. 488. *οὐκ ἀλύξετον | μόρον κακίστου.* Phil. 1044. Oppian. Hal. III. 104. *ἐξήλυξε μόρου.*
637. *Φοῖβε προστατήριε*] Cf. Tr. 209. *Ἀπόλλωνα προστατάν.*
Aesch. Sept. 449. *προστατηρίας | Ἀρτέμδος.*
642. *σπέιρη — ἐς πᾶσαν πόλιν*] Cf. Fr. 592. *μὴ σπέιρε πολ-*

λοῖς (I. σπεῖρ' ἐς ἄλλους) τὸν παρόντα δαίμονα. O. R. 93. ἐς πάν-
τας αὐδα.

643. τῆδε γὰρ κἀγὼ φράσω] Cf. Aesch. Eum. 44. τῆδε γὰρ
τρανώς ἐρῶ. www.libtool.com.cn

658. ἐπαξῶ] Cf. 1274. O. C. 1497. ἐπαξιοῖ — χάριν παρα-
σχέιν. Ph. 803.

665. μάλιστα πάντων] Omnino.

686. τάφρσει] Schol. Ran. 129. οὐ ἐν τῇ ἀφρσει τῆς λαμπάδος
σημεῖον ἦν τοῖς μέλλουσι δραμεῖν ὡς δεῖ τοῦ δρόμου κατάρξασθαι.

698. ἄλλης ἡμέρας] Anglice on another day.

699. ἀκρόπους ἀγῶν] Cf. Aj. 935. ἀριστόχειρ — ἀγῶν.

713. Cf. Ant. 420. ἐν δ' ἐμεστώθη μέγας αἰδήρ.

735. τῷ τέλει πίστιν φέρων] I. e. πιστεύων. I. q. πίστιν ἔχων.
Cf. O. R. 1445. καὶ γὰρ σὺ νῦν γ' ἂν τῷ θεῷ πίστιν φέροις.

747. πίπτοντος πέδω] Cf. O. R. 1266. γῆ | ἔκειτο. Eur. Ph.
1687. πεσὼν — κείσομαι πέδω. Aesch. Sept. 435. ἔριν πέδω σκή-
ψασαν.

780. ἐξ ἡμέρας] Sic ἐκ νυκτὸς Theophil. com. II. 475 E.

786. ξύνοικος] Cf. O. C. 1134. κηλὸς κακῶν ξύνοικος.

809. Cf. O. R. 1432. ἐλπίδος μ' ἀπέσπασας.

817. Cf. Ph. 1271. ἀλλ' οὐ τι μὴ νῦν.

818. Λογε ξύνοικος εἶσιμ'. Cf. Tr. 545. ξυνοικεῖν τῆδ' ὁμοῦ.

819. ἀθανῶ βίον] Cf. Ph. 954. ἀθανοῦμαι. Aesch. Pr. 145.
πέτρα προσαναιόμενον τᾶδε. Arist. Eccl. 146. ἀφανανθήσομαι.

825. ταῦτ' ἐφορῶντες] Cf. Tr. 1269. τοιαῦτ' ἐφορῶσι πάθη.

830. μηδὲν μέγ' ἀδύσης] Cf. Aj. 386. μηδὲν μέγ' εἵπης. Theocr.
10, 20. μηδὲν μέγα μυθεῖ.

835. κατ' ἐμοῦ — ἐπεμβάσει] I. q. ἐμοί — ἐπεμβάσει (456).
Simili structura Aj. 969. πῶς δῆτα τοῦδ' ἐπεγγελῶν ἂν κάτα;

863. ὄλκοις ἐγκῦρσαι] Cf. Archil. 72. καὶ φρονεῖσι τοῖ' ὄκοις
ἐγκυρέωσιν ἔργμασι.

864. ἄσκοπος] Schol. ἀπροόρατος. Cf. 1315. εἰργασαι δέ μ'
ἄσκοπα. Aj. 21. πρᾶγος ἄσκοπον. Ph. 1111. ἄσκοπα κρυπτά τ' ἐπιη.

869. τάφρον ἀντιάσας] Cf. ad O. C. 1445. Hom. Il. 1, 67. ἀρ-
νῶν κνίσης — ἀντιάσας. Od. 3, 44. Herod. 2, 119.

895. πηγὰς γάλακτος] I. e. σπονδὰς sive χοάς. Cf. O. C. 479.

919. Cf. Eur. Ph. 1581. πολλῶν ὑπῆρξεν Οἰδίππου δόμοις κα-
κῶν | τόδ' ἤμαρ.

922. ὅποι γνώμης φέρει] Cf. Ant. 42. ποῦ γνώμης ποι' εἶ;
Tr. 705. οὐκ ἔχω — ποῖ γνώμης πέσω.

939. λύσεις] Tolles, amovebis. Cf. Aj. 706. ἔλυσεν — ἄχος.
Aesch. Sept. 720. Eur. Fr. 573, 4. πημονῆς βάρους] Cf. Tr. 325.
συμφορᾶς βάρους.

962. Cf. 493. ἄλεκτρο' ἄνυμφα — γάμων ἀμιλλήματα.

1000. Cf. Fr. 787, 8. κατὰ μηδὲν ἔρχεται.

1002. ἄλυπος ἄτης] Cf. O. C. 1519. γήρως ἄλυπα. 1765. κακῶν
— ἄλυπον. 786. κακῶν ἄνατος.
1009. ἀντιάζω] Cf. Phoen. 809. Similiter ἄντομαι, ἱκετεύω,
ἰκνοῦμαι.
1011. κατάσχεσ δρογῆν] Cf. 1283. O. C. 874. καθέξω θυμόν.
1013. νοῦν σχῆς] Cf. 1465. νοῦν ἔσχον.
1031. ὠφέλησις] Eadem forma est O. C. 401.
1034. Cf. Ph. 59. ἔχθος ἐχθήρας μέγα.
1040. πρόσκεισαι κακῶ] Cf. 240. Ant. 1243.
1046. βουλεύσει πάλιν] Cf. Ph. 1270. μεταγῶναι πάλιν. Aesch.
Sept. 1042. μηδέ τῷ δόξῃ πάλιν.
1057. Cf. 1094. Eur. Fr. 1073. δοθαῖς ἐν τύχαις βεβηκότα.
1058. τοὺς ἀνωθεν — οἰωνοῦς] Cf. Ant. 1070. τῶν κάτωθεν
— θεῶν.
1060. Cf. O. R. 1363. O. C. 1388. Aj. 1050.
1085. Cf. 65. ὧς κἄμ' ἐπανχῶ —. O. C. 1242. ὧς καὶ τόνδε —.
1094. μοίρα — οὐκ ἐν ἐσθλῇ βεβῶσαν] Cf. 455. Archil. Fr. 56.
καὶ μάλ' εὖ βεβηκότας ἐπίτιους κλίνουσι.
1096. φερομένην ἄριστα] Cf. ad Aj. 1074. καλῶς φέρουσι' ἄν.
τῇ Ζηνὸς εὐσεβείᾳ] Sic O. R. 239. ἐν θεῶν εὐχαῖσι.
1101. ᾤκηκεν] Perfectum ut in O. C. 1259. συγκατώκηκεν.
1104. κοινόπλουσι παροσίαν] Cf. Aj. 872. κοινόπλουσι ὀμίλιαν.
Eur. Fr. 848, 5. κοινόπλουσι — σκάφος.
1120. Cf. Eur. Hec. 880. στέγαι κεκεύθασ' αἶδε Τρωάδων ὄχλον.
1139. παμφλέκτου] Cf. Ant. 1006.
1174. ποῖ λόγων — ἔλθω;] Cf. Ph. 896. ποῖ ποτ' ἐξέβης λόγων;
1181. Similiter O. R. 254. γῆς ὧδ' ἀτίμως κἀθέως ἐφθαρμένης.
1183. τροφῆς] I. q. βίον. Cf. O. C. 1687. βίου δύσοιστον ἐξο-
μεν τροφάν. El. 1183. ἀνύμφου — τροφῆς. Aj. 499.
1194. ἐξιώσει] Cf. 1507. μηδ' ἐξιώσεως τάσδε τοῖς ἑμοῖς κακοῖς.
Thuc. 6, 87, 5. ἐξιώσαντες τοῖς ἄλλοις.
1211. πρὸς δίκης] Jure. Cf. O. R. 1014. O. C. 546.
1214. ἄτιμος — τοῦ τεθνηκότος] Cf. O. R. 789. καὶ μ' — ὦν
μὲν ἰκόμην | ἄτιμον ἐξέπεμπε (i. e. οὐκ ἀξιωθέντα). O. C. 49. μὴ μ'
ἀτιμάσης — ὦν σε προσιτρέπω φράσαι.
1239. ἀδμήταν] Eadem forma est O. C. 1321. ἀδμήτης.
1246. ἐπέβαλες — κακόν] Cf. Tr. 128. ἀνάληγτα — ἐπέβαλε
θνατοῖς Κρονίδας.
1273. φιλιτάταν δόδον — φανῆναι] Cf. Aj. 878. κέλευθον —
φανεῖς.
1274. ἐπαξιώσας — φανῆναι] Cf. 658. Ph. 803. τοῦτ' ἐπηξίωσε
δοῦν. O. C. 1497.
1276. τί μὴ ποιήσω;] Cf. Aj. 77. τί μὴ γένηται; O. R. 525.
τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —;
1293. ἄ δ' ἀρμόσει μοι] Cf. Tr. 731. σιγᾶν ἄν ἀρμόζοι σε.

1309. Cf. 1426.
 1311. ἐντέτηκέ μοι] Inhaeret mihi. Cf. Tr. 463.
 1315. ἀσκοπα] Cf. ad 864. ἀσκοπος ἁ λῶβα. Aj. 21. Ph. 1111.
 1323. τῶν ἐνδοθεν] Cf. Tr. 601. ταῖς ἔσωθεν.
 1334. Cf. O. R. 1460. τῶν μὲν ἀρσένων μὴ μοι, Κρέον, |
 προση̄ (προσδη̄ mss.) μέριμναν.
 1337. εἶσω παρέλθεθ'] Cf. Aesch. Cho. 836. ἔσω παρελθῶν.
 1350. σῆ προμηθία] Cf. O. C. 332. σῆ προμηθία (hic propter
 tui curam).
 1372. Cf. Ph. 12. ἀκμὴ γὰρ οὐ μακρῶν ἡμῖν λόγων.
 1374. χωρεῖν] Tanquam si praecessisset simplex ἔργον (opus).
 1386. δωμάτων ὑπόστεγοι] Cf. Aj. 796. σκηπῆς ὑπαντων.
 1408. ποῦ ποτ' ὦν κυρεῖς;] Cf. Ph. 805. ποῦ ποτ' ὦν, τέκνον,
 κυρεῖς;
 1414. ἔχει σε μοῖρα —] Cf. Ph. 331. 1117.
 1424. πῶς κυρεῖτε;] Cf. Ph. 440. ἐξερήσομαι — τί νῦν κυρεῖ.
 1425. Cf. Tr. 26. τέλος δ' ἔθηκε — καλῶς, εἰ δὴ καλῶς.
 1430. οὐκ ἄπορρον;] Cf. Aj. 369. οὐκ ἐκτός;
 1434. τὰ πρὶν εὖ θέμενοι] Cf. O. R. 633. νεῖκος εὖ θέσθαι.
 1435. τελοῦμεν ἢ νοεῖς] Cf. Tr. 1135. ἢ νοεῖς.
 1436. τανθάδ' ἂν μέλοιτ' ἔμοι] Cf. 74. σοὶ — μελεσθῶ.
 1456 sq. Similiter Tr. 227. χαίρειν δὲ τὸν κήρυκα προυννέπω
 — χαρτὸν εἴ τι καὶ (δὴ?) φέρει.
 1457. χαίροις ἂν] Idem fere quod χαῖρε.
 1463. φύση φρένας] Cf. O. C. 804. ὦ δύσμορ', οὐδὲ τῷ χρόνῳ
 φύσας φρένας | φανεῖ ποτ'; ἐμοῦ κολαστοῦ προστυχῶν] Cf. Phil.
 552. προστυχόντι τῶν ἴσων.
 1466. φθόνου] Cf. Eur. Or. 974. φθόνος νιν εἶλε θεόθεν.
 1501. ἦ δ' ὀδὸς βραδύνεται] Cf. O. C. 1628. τὰπὸ σοῦ βρα-
 δύνεται.
 1503. ἦ μὴ φύγω σε;] Cf. O. R. 1012. ἦ μὴ — λάβης;
 καθ' ἡδονὴν θάνης] Cf. O. C. 890. καθ' ἡδονὴν ποδός. Ph. 206.
 στίβου κατ' ἀνάγκαν ἔρποντος.

Oedipus Coloneus.

7. στέργειν] Tolerare. Cf. Fr. 861. στέργειν — τὰμπεσόντα.
 πάθαι] Forma rarior, occurrens etiam Ant. 978. Aj. 295.
 16. βρύων δάφνης —] Cf. Alex. 85, 3. τράπεζαν — ποικίλων
 παροψίδων — βρύουσαν.
 20. ὡς γέροντι] Anglice for an old man. Cf. O. R. 751.
 Phil. 584. Aesch. Ag. 614. ὁ κόμπτος — οὐκ αἰσχρὸς ὡς γυναικί
 γενναία λακεῖν. Fr. 953. Pers. 1023. Cho. 715. Thuc. 4, 84.
 39. ἄδικτος] I. e. sacer. Cf. O. R. 897. τὸν ἄδικτον γὰς ἐπ'
 δμφαλόν. 891.
 49. ἀτιμάσης] I. e. ἔτιμον νομίσης. Cf. O. R. 789. El. 1214.

53. *δο' οἶδα κἀγὼ*] Cf. O. R. 1239. *δσον γε κἀν ἔμοι* —. Arist. Th. 34. *Eccl.* 350.
57. *χαλκοποῦς ὀδοῦς*] Cf. 1590. Hesiod. Th. 749. *ἀμειβόμεναι μέγαν οὐδὸν | χάλκεον*.
58. *γύαι*] Cf. Fr. mel. adesp. 143. *γόνιμοι — γύαι*.
74. *πάνθ' ὀρῶντα λέξομεν*] Cf. Aesch. Cho. 844. *πῶς ταῦτ' ἀληθῆ καὶ βλέποντα δοξάσω;*
76. *ὡς ἰδόντι*] Cf. Ph. 33. *στρωτή γε φυλλὰς ὡς ἐναντίζοντί τω*. Aj. 395. *ὡς ἔμοι*. Eur. Ion. 1539. *ὡς ἡμῖν*.
102. *κατ' ὀμφᾶς* —] Cf. 550. *κατ' ὀμφῆν σῆν* (jussu tuo).
119. *ἐκτόπιος σὺθεῖς*] Cf. ad O. R. 1340. Eur. Fr. 775, 62. *ἐκτόπιοι τε δόμων ἀπαίριστε*.
129. *παραμειβόμεσθ'*] Praeterimus. Cf. Eur. Iph. A. 146. *δχους παραμειψαμένη*. Activa forma est O. R. 504. *σοφία δ' ἄν σοφίαν παραμείψειν ἀνήρ*.
133. *στόμα — ἰέντες*] Cf. El. 596. *ἦ πᾶσαν ἴης γλῶσσαν*.
137. Cf. Tr. 100. *ἄλιον αἰτῶ τοῦτο καρῦξαι, τὸν Ἀλκμήνας πόθι μοι πόθι μοι ναίει ποί'*.
144. Cf. O. R. 1204. *ἀκούειν — ἀθλιώτερος*.
150. *δυσαίων*] I. e. miser. Contra *εὐδαίων* Tr. 81. *βίοντον εὐδαίων' ἔχειν* (I. ἄγειν).
152. *δο' ἐπεικάσαι*] Cf. Thuc. 6, 25. *δοα ἦδη δοκεῖν αὐτῶ*.
153. *ἐν γ' ἔμοι*] Quantum quidem in me est.
157. Cf. Tr. 705. *ποι γνώμης πέσω* (i. e. ἔλθω, coll. O. C. 170. *ποι τις φροντίδος ἔλθη*);
163. *ἐρατῆ*] Cf. Eur. Phoen. 1266. *ἐρήτυσον τέκνα | δεινῆς ἀμίλλης*.
169. *ἀπέρυνκον*] Anglice keep off, stand back. Cf. Aj. 186. *ἀπερύνκοι*.
182. *ἀμανροῦ κάλω*] Cf. 163. *ψάσας ἀμανροῦ χερσίν*. 1018. *ἀμανροῦ φωτί*. Eur. Herc. 125. *ποδὸς ἀμανρόν ἴχθος*. 231. *ἀμανρόν σθένος*. Andr. 203.
184. *ξεῖνος ἐπὶ ξείνης*] Cf. Phil. 135. *ἐν ξένη ξένον*.
192. Cf. Ph. 35. *αὐτόξυλον — ἔκπωμα*.
193. *κλήνης*] Flecte.
198. *ἀρμοσαι*] Accommoda. Cf. Eur. Or. 233. *ἐπὶ γαίας ἀρμόσαι πόδας θέλεις; βάσιν*] Anglice tread, step. Cf. Aj. 10. 42. Ph. 691. 1378. Tr. 967. 339. 1403. Eur. Hec. 837. *ποδῶν βάσει*. Ph. 310. *γῆρα τρομερὰν ποδὸς βάσιν*. Rhes. 210. *βάσιν χερσὶ προσθίαν καθαρμοῦσας*.
227. *ὑπέσχο*] Sic *ὑπεράχθεο* El. 78.
228. *μοιριδία*] Cf. Ant. 951.
229. Cf. 1203. *εὖ πάσχειν, παθόντα δ' οὐκ ἐπίστασθαι τίνειν*.
237. *αἰδόφρονες*] Cf. Eur. Alc. 659.

245. ὡς τις ἀφ' αἵματος] Cf. Soph. Aj. 1305. τοὺς πρὸς αἵματος. Aesch. Eum. 606. μητρὸς τῆς ἐμῆς ἐν αἵματι.
 247. αἰδοῦς κύρσαι] Cf. 1083. κύρσαιμι τῶνδ' ἀγώνων.
 250. πρὸς σ' ὅ τι —] Cf. Eur. Tro. 1035. μὴ πρὸς σε γονάτων —. Iph. A. 1233. μὴ πρὸς σε Πέλοπος —.
 277. Cf. Aesch. Suppl. 921. θεοῖσιν (θέον τιν') εἰπὼν τοὺς θεοὺς οὐδὲν σέβει.
 292. τάνθυμῆματα — τὰπὸ σοῦ] I. e. admonitiones tuas. Cf. 1199. ἔχεις γὰρ οὐχὶ βαιὰ τάνθυμῆματα.
 296. ὁ κραίνων — χώρας] Cf. 862. 926. O. R. 1050.
 307. κλύων σοῦ] Cf. Ant. 1182. κλύουσα παιδός.
 319. φαιδρὰ] Cf. Fr. 704. φαιδρὰ χορεῦει.
 328. σπέρμ' δμαιομον] Cf. Tr. 1147. κάλει τὸ πᾶν μοι σπέρμα οἶων δμαιομόνων.
 332. σῆ — προμηθία] Propter tui curam. Cf. El. 1350.
 344. κακὰ ὑπερπονεῖτον] Cf. 342. πονεῖν τάδε.
 351. Cf. Ph. 1442. ὡς ἄλλα πάντα δεύτερ' ἡγείται πατήρ | Ζεὺς
 355. Cf. 662. O. R. 1401. El. 317.
 359. μὴ οὐχὶ δεῖμ' ἐμοὶ φέρονσά τι] Quin formidinem aliquam mihi afferas. Anglice without bringing me etc. Haec clausula participialis praecedentis κενὴ eperxegetica est.
 372. εἰσηλθε τοῖν τρισαθλίω] Cf. Fr. 855, 9. εἰσέρχεται μὲν ἰχθύων πλωτῶ γένει.
 378. βὰς φυγάς] Cf. Ant. 107. βάντα — φυγάδα.
 397. βαιοῦ κοῦχι μυρίου χρόνου] Cf. 1653. βαιὸν οὐδὲ σὺν χρόνῳ.
 401. ὠφέλησις] I. q. ὠφέλεια El. 944. ὠφέλημα O. C. 259. Eadem forma est El. 1031.
 403. κἄνευ θεοῦ] Cf. 664. κἄν ἐμῆς ἄνευ γνώμης (sic Dind.).
 816. γνώμη μάθοι] I. e. intelligentia. Cf. O. R. 398. γνώμη κυρήσας.
 429. ἀνάστατοι] Extorres. Cf. Tr. 39.
 443. ἔπους σμικροῦ χάριν] Cf. 620. ἐκ σμικροῦ λόγον. Ph. 731. τί — ἐξ οὐδενὸς λόγον σιωπᾶς; Aesch. Cho. 508. ἐκ σμικροῦ λόγον. Eur. Andr. 549. ἐκ τίνος λόγον νοσεῖ | δόμος;
 454. ἤρυσεν] Rata fecit.
 456. ἐν πόλει σθένει] Cf. Aj. 488. πατρὸς, | εἴπερ τινὸς, σθένεοντος ἐν πλοῦτι (l. πόλει) Φουγῶν.
 465. προξένει] Cf. ad O. R. 1483. Tr. 726.
 466. τοῦ — καθαρμόν] Cf. 542. ἔθον φόνον. O. R. 1447. τάφον τοῦ. Eur. Alc. 422. ἐκφορᾶν — τοῦδε θήσομαι νεκροῦ.
 489. ἄπυστα] Per ἀνήκουστα explicatur Etym. M. p. 133, 48. et Bekk. Anecd. p. 441, 9.
 532. δύο — ἄτα] Similiter Creon Antigonom et Ismenam δὺ' ἄτα κάπαναστάσεις θρόνων appellat Ant. 533.

534. ἀπόγονοι] Proles. I. q. ἔκγονοι. Cf. ad 219.
 538. ἄλαστ' ἔχειν] Qu. ἄλαστ' ἄχη. Cf. 1672. Eur. Tro. 1231.
 οἶων ἀλάστων, κακῶν. Herc. 911. ἄλαστα τὰν δόμοισι. Hipp. 877.
 Ph. 343. Schol. τοῖς ἄλαστα πεπονθόσιν.
 546. πρὸς δίκας] Cf. O. R. 1014. El. 1211. Aesch. Cho. 686.
 πρὸς δυσεβείας.
 548. αἰδῶς] Ignarus, nescius. Cf. Aj. 213. 911.
 550. κατ' ὄμφην σὴν] Cf. O. C. 102. κατ' ὄμφας —.
 558. πόλεως — προστροπήν — ἔχω] Cf. Eur. Iph. T. 618.
 θεᾶς — προστροπήν ἔχω.
 559. παραστάτις] Cf. Tr. 889. ὡς δὴ πλησία παραστάτις.
 564. ἠθλήσα κινδυνεύματ'] Qu. ἠντλήσα —.
 566. ὑπεκτραποίμην] Cf. Tr. 549. τῶν δ' ὑπεκτρέπειν πόδα (φιλεῖ).
 568. σοῦ] I. e. ἡ σοί.
 569. ἐν μικροῦ λόγῳ] Cf. 443. 620. 1163.
 583. Cf. O. R. 1487. τὰ λοιπὰ τοῦ μικροῦ βίου.
 584. λήσιν ἴσχεις] Cf. Aj. 520. ἴσχε — μνήσιν.
 602. πεμψαίαν] Schol. μεταπέμψαιτο.
 620. ἐκ μικροῦ λόγου] Levi de causa. Cf. 1163. 443. ἔπους
 μικροῦ χάριν. 569. Ph. 731. ἐξ οὐθενὸς λόγου.
 624. τὰκίνητ' ἔπη] Cf. Ant. 1060. τὰκίνητα — φράσαι.
 639. Cf. O. R. 92. 640.
 650. Cf. Ph. 811. οὐ μὴν σ' ἔνορκόν γ' ἀξιώθεις, τέκνον.
 Cum ἔνορκος cf. ἐναγής (O. R. 656.).
 662. Cf. 355. 436. Tr. 170. Aj. 1236. El. 317.
 681. οὐρανίας — ἄχνας] I. e. δρόσου. Cf. Tr. 849. δακρῶν
 ἄχνας.
 689. ὠκντόκος] Cf. Timoth. Fr. 2. ὠκντόκοιο σελάνας.
 716. ἀλία πλάτα] Cf. Aj. 357. ἄλιον — πλάταν.
 724. ὦν ἐντρέπου οὐ μηδὲν] Cf. 1226. 1541. 299. τυφλοῦ τιν'
 ὄραν ἔξειν. Aj. 90. et Homericum ἐντροπαλλίζεσθαι. Similiter ἐπι-
 στρέφεισθαι et στρέφεισθαί τινος (Aj. 1117.).
 731. ἔπος κακόν] Convicium. Cf. Aj. 1323. ἔπη κακά.
 737. στείλαντος] Cf. 298. Ant. 165. Ph. 60. 495. 623. 983.
 738. ἦκε] Usitatus foret προσήκε. Cf. Eur. Alc 291. καλῶς
 μὲν αὐτοῖς καταναεῖν ἦκον βίου.
 754. Cf. Ph. 523. τοῦτ' — εἰς ἐμὲ — δνειδίσαι. Eur. Iph. A.
 305. καλόν γέ μοι τοῦνείδες ἐξωνείδισας.
 757. Cf. O. R. 649. πιθοῦ θελήσας. Phil. 1343. συγχῶρει θέλων.
 Eur. Fr. 434, 5. θέλων ἐγκλίνεται.
 758. φίλως εἰπὼν] Cf. El. 1474. προσηγορεῖν φίλως.
 761 sq. Cf. 806 sq.
 761. ὃ πάντα τοιμῶν —] Cf. Phil. 927.
 762. ἀπὸ παντός] Ex quavis re.
 785. πάρανλον] Vicinum. Cf. Aj. 892.

788. Cf. Tr. 1092. βουκόλων ἀλάστερα.
 804. φύσας — φρένας] Cf. El. 1463. μηδὲ πρὸς βίαν | ἐμοῦ
 κολασιοῦ προστυχῶν φύση φρένας.cn
 806 sq. Cf. 761 sq.
 806. γλώσση σὺ δεινός] Cf. Ph. 440. γλώσση δεινοῦ.
 836. εἶργον] Cohibe te. Anglice keep off, stand back.
 Cf. Herod. 7, 197. ὡς κατὰ τὸ ἄλλος ἐγένετο, αὐτὸς τε ἔργετο αὐτοῦ
 καὶ τῇ στρατιῇ πάση παρήγγειλε.
 842. σθένει] Cf. 1088. σθένει 'πινικίω τὸν (τάχ')? εὔαργον
 τελειῶσαι λόχον. Aj. 438. ἐπελθὼν οὐκ ἐλάσσονι σθένει. Eur. Tro. 72.
 Ἐπερσαν Ἴλιον τῷ σφ' σθένει. Bacch. 1172. ἄνευ σθένεος ἀρείου.
 855. ὀργῇ χάριν δοῦς] Cf. El. 331. θυμῷ ματαίῳ μὴ χαρί-
 ζεσθαι κενά. Eur. Herc. 779. ἀνομία χάριν διδοῦς. Fr. 31, 1. ὀργῇ
 γὰρ ὄσους εὐθιέως χαρίζεται. Ion. 895. Κύπριδι χάριν πρόσσων.
 858. πόλει] Non Thebis (ut in schol.), sed Athenis. Cf. ad 837.
 864. αὐδῶ σιωπᾶν] Cf. O. C. 1630. αὐδῶ μολεῖν.
 875. χρόνῳ βαρῦς] Cf. Tr. 599. τῷ μακροῦ χρόνῳ βραδεῖς
 (l. βαρεῖς).
 890. Cf. Ph. 206. El. 1503.
 905. δι' ὀργῆς ἤκον] I. e. ira percitus essem. Cf. 1266.
 μαρτυροῦ κάκιστος — ἤκειν. O. R. 1119. ἀλλὰ θεοῖς γ' ἐχθιστος ἤκω.
 908. ἀρμοσθήσεται] Judicabitur vertit Dind.
 910. στήσης ἄγων] Cf. 1342. στήσω σ' ἄγων.
 918. Cf. Eur. Tro. 609. τὰ τὸ μηδὲν ὄντα.
 919. ἐπαίδευσαν κακούς] Cf. O. R. 1362. παιδεύει κακούς.
 1203. κάλλιστ' ἀνήρ εἰς ἓν γε ταῖς Θήβαις τραφεῖς.
 960. ὦ λῆμ' ἀναιδές] Cf. 863. Ant. 746. ὦ μαρὸν ἦθος. τοῦ
 καθυβριζέειν δοκεῖς;] Cf. O. R. 1364. σον καθύβρισαν.
 963. διῆκας στόματος] Cf. ad Tr. 323. διήσει (διοίσει mss.)
 γλῶσσαν (i. e. sermonem).
 965. τάχ' ἂν τι μνηῖουσι] Cf. ad O. R. 523. τάχ' ἂν — βιασθέν.
 966. καθ' αὐτόν γ'] Cf. O. R. 63.
 967. ἀνθ' οἴου] Quamobrem. Cf. El. 585.
 972. Cf. Ant. 980. ματρὸς — ἔχοντες γονάν. Fr. 491. βλάσταν
 ἔσχε. οὔτε — οὐ —] Cf. Ant. 250. 257. 952.
 978. μητρὸς — γάμους] Cf. O. R. 825. γάμοις με δεῖ | μη-
 τρὸς ζυγῆναι.
 989. ἐμφέρεῖς] Ingeris. Qu. ἐπιφέρεῖς.
 990. φόνους πατρῶους] De una caede, ut in El. 779.
 1019. Cf. Tr. 1135. δεινοῦ λόγου κατήρξας.
 1022. ἐγκρατεῖς] Potiti (puellarum). Cf. Phil. 75. τόξων
 ἐγκρατής.
 1049. πότνια] Sub. νεαί. Cf. 84. ὦ πότνια δεινῶπες (de
 Furiis). Intelliguntur Ceres et Proserpina.
 1051. ὦν] Ad πότνια referendum.

1052. Cf. 1684. *νὺξ ἐπ' ὄμμασιν βέβακε.*
 1065. Cf. Eur. Her. 289. *μάλα δ' ὄξυνς Ἄρης ὁ Μυκηναίων.*
 1078. *εὐροῦσᾶν — πάθη*] Cf. Tr. 284. *ἄζηλον εὐροῦσαι βίον.*
 1083. *κύρσαιμι τῶνδ' ἀγώνων*] Cf. 247. *αἰδοῦς κύρσαι.* El. 849.
δειλαίων κυρεῖς. O. R. 1514. Ant. 870.
 1087. *γὰς τᾶσδε δαμούχοις*] Cf. 1348. *ἄνδρες τῆσδε δημοῦχοι*
χθονός. Supra 458. *ταῖς σεμναῖσι δαμούχοις θεαῖς.*
 1088. *σθένει ἑπικείφω*] Cf. Tr. 497. *μέγα τι σθένος ἃ Κύπρις*
ἐκφέρειται νίκας. 68. *σθένει κρατεῖ.* Aesch. Pr. 55. *ἐγκρατεῖ σθένει |*
δραιστήρι θεῖνε. Aesch. Fr. 99, 18. *ὑπερφέροντες ἀλκίμῳ σθένει.*
 Redde vi victoriam afferente.
 1097. *ὡς ψευδόμαντις*] Sub. *ἐστί.* Cf. El. 521. 1289.
 1106. *αἰτεῖς ἃ τεύξει*] Pro *τεύξει ἃ αἰτεῖς*, *ratione habita*
verbi αἰτεῖς potius quam τεύξει. Sic Eur. Med. 756. *τύχοῦσ' ἃ*
βούλομαι. Cf. etiam Ph. 509. *ἄθ' ὅλα μηδεῖς τῶν ἐμῶν τύχοι* (1. λά-
 χοι) *φίλων.* O. C. 1168. Ant. 778. O. R. 598. *τυχεῖν ἅπαντα.* Fr.
 824, 3. Aesch. Cho. 711. *τυγχάνειν τὰ πρόσφανα.* Ag. 1228. *ὅλα —*
τεύξεται. Eur. Ph. 1666. *οὐ γὰρ ἄν τύχοις τάδε.* Or. 676. Hec. 51.
 1113. *Construendum videtur ἐρείσατε πλευρὸν τῷ φύσαντι*
(ἐμφύντε αὐτῷ), coll. Ant. 1236. ἤρειδε πλευραῖς μέσσον ἔγχος.
 Cf. ad 1488.
 1135. *κηλῖς κακῶν*] Cf. Adesp. 83, 3. *συμφορὰ — βαθεῖα κηλῖς.*
 1137. *σὺ δ' — μοι χαῖρε*] I. e. te vero salvere jubeo.
 Cf. O. R. 596. *νῦν πᾶσι χαίρω.*
 1149. *μάτην κομπεῖν*] Cf. Eur. Suppl. 127. *κόμποι μάτην.*
 1151. *συμβалоῦ γνώμην*] Reputa.
 1163. *ἐκ μικροῦ λόγου*] Levi de causa. Cf. ad 620.
 1192. *ἔασον*] Cf. Eur. Hipp. 521. 1416. Arist. Ran. 1243.
 1199. *τάνθυμῆματα*] Cf. 292.
 1212. *τοῦ μετρίου παρεῖς*] Sub. *χηρῆζεν.*
 1214. *ἐν ἐμοὶ*] I. e. me judice, meo judicio. Cf. O. R.
 677. *ἐν δὲ τοῖσδ' ἴσος.* Amph. Fr. 21, 3. *μάταιός ἐστιν ἐν γ' ἐμοὶ —.*
 1219. *πέση*] Cf. 157. *προπέσης* (progrediaris).
 1234. *ἐπιλέλογχε — γῆρας*] I. e. supervenit. Cf. Pind. Ol.
 1, 84. *ἀκέρδεια λέλογχε κακαγόρους.*
 1241. *χειμερία*] Procellosa, i. e. procellis exposita. Cf. Ant.
 335. *χειμερίῳ νότῳ.* Connectendum arcte cum *βόρειος.*
 1242. *ὡς καὶ τόνδε —*] Cf. El. 65. 1085.
 1243. *κυματοαγεῖς*] Cf. Herod. IV. 196. *παρὰ τὴν κυματογήν*
(ad litus, Ital. lido). Ant. 592. *κυματοπλήγες ἀπταί.*
 1258. *γέρον — πίνος*] Cf. Soph. Fr. 726. *οὐ γὰρ γέροντα*
βουλεύεις. Aesch. Fr. 331. *ὡς λέγει γέρον γράμμα.*
 1265. *κάκιστας — ἦκειν*] Cf. O. R. 1433. 1358. Ant. 99. *ἄνους*
— ἔρχει. El. 201.

1277. δυσπρόσοιστον] Schol. δυσπροσπέλαστον. Cf. Aesch. Pers. 91. ἀπρόσοιστος.
1297. εἰς ἔλεγχον — μολῶν] Cf. Fr. 101, 2. γένος εἰς ἔλεγχον ἐξιδὼν καλόν. Ph. 98. εἰς ἔλεγχον ἐξιδῶν.
1321. χρόνῳ] Post longum tempus, sero. ἀδμήτης] Eadem forma est El. 1239. ἀδμήταν.
1341. βραχεῖ σὺν — χρόνῳ] Cf. 1162. βραχύν τιν' αἰτεῖ μῦθον, οὐκ ὄγκου πλέων. 1602. ταχεῖ — ξὺν χρόνῳ. El. 42. χρόνῳ μακροῦ. Aesch. Pr. 75. καὶ δὴ πέπρακται τοῦργον οὐ μακροῦ χρόνῳ (πόνῳ al.).
1342. στήσω σ' ἄγων] Cf. 910. στήσης ἄγων.
1344. ξυνθέλοντος] Cf. Fr. 449. ὄμορροθῶ, συνθέλω, συμπαρανέσας ἔχω. Eur. Herc. 832.
1347. ἔκπεμψαι] Cf. Aesch. Pers. 143. τὸν — εὐνατήρ' ἀποπεμψαμένα. Herod. III. 52. ἀποπέμπεται (μν) στείλας πλοῖον ἐς Κέροκυραν.
1348. τῆσδε δημουῦχος χθονός] Cf. 1087. γὰς τῆσδε δαμουόχοις. Choreutae appellantur ἀνακτες χώρας O. R. 911. Θήβης οἱ κοιρανίδαί Ant. 940.
1349. μὴ] De μὴ sic posito cf. Phil. 66.
1350. δικαίων ὥστ' — κλύειν] Cf. 570. Ph. 656. El. 1454. Tr. 1152. Eur. Alc. 699. σοφῶς δ' ἐφηῦρες ὥστε μὴ θανεῖν ποτε.
1352. ἀξιωθεις] Sc. τούτου.
1353. τοῦδ'] Cf. El. 374. εἰ μὴ κακὸν μέγιστον εἰς αὐτὴν ἰὼν | ἦκουσ', ὃ ταύτην τὴν τῶν μακροῶν σχήσει γῶν.
1354. ὅς γ' —] Similis allocutionis mutatio occurrit Eur. Hec. 1179. πρὸς τόνδε δ' εἶμι καὶ λόγοις ἀμείφομαι | ὅς φῆς — παῖδ' ἐμὸν κτανεῖν.
1361. ἕως] Monosyllabum ut in Aj. 1117. Ph. 1330.
1362. ἔντροφον] Cf. ad Aj. 623. Eur. Iph. A. 288. ὃ Σαλαμῖνος ἔντροφος.
1400. οἶον ἀρ' —] Cf. O. R. 1395.
1466. ἔπηξα θυμόν] Cf. Hom. Il. 14, 40. πτήξε δὲ θυμόν. .
1468. βέλος] Cf. Tr. 1087. βέλος κερανοῦ.
1495. θεῶ — ἐστίαν ἀγίζων] Cf. Pind. Ol. 3, 34. βωμοὶ πατρὶ ἀγισθέντες.
1496. ἐπαξιῶ — χάριν παρασχεῖν] Cf. Ph. 62. οὐκ ἠξίωσαν τῶν Ἀχιλλείων ὄπλων | ἐλθόντι δοῦναι (αὐτῶ).
1500. ἠχεῖται κτύπος] Cf. Tr. 866. ἠχεῖ — κωνκτόν.
1502. ὄμβρια χάλαζ'] Cf. O. R. 1279. ὄμβρος χαλάζης. Eur. Tro. 78. καὶ Ζεὺς μὲν ὄμβρον καὶ χάλαζαν ἄσπετον | πέμψει.
1503. ἐπιρράξασα] Cf. O. R. 1244. ἐπιρράξασ' ἔσω.
1521. ἄδικτος ἠγητήρος] Passivo sensu. Sic Tr. 686. ἀκτύπος — ἄδικτον. Nonnulli minus probabiliter activo sensu accipiunt, coll. O. R. 969. ἄφαντος ἔγχους.

1526. μηδὲ κινεῖται λόγῳ] Cf. O. R. 354. ἐξεκίνησας τόδε | τὸ ἔῃμα.
 1540. ~~τὸ παρὸν θεοῦ παρὸν~~] Cf. 1693. τὸ παρὸν ἐκ θεοῦ. Arist. Av. 961. τὰ θεῖα μὴ φανύλως φέρε.
 1541. ἐντροπώμεθα] Schol. ἐπιστροφώμεθα. Cf. ad 724.
 1560 sq. Cf. 1574 sq.
 1561. βαρναχεῖ — μόρῳ] Morte valde luctuosa. Cf. v. δυσαχῆς Aesch. Eum. 145. ἐπάθομεν πάθος δυσαχῆς.
 1577. νεοτέρας — πλάκας] Cf. 1681. ἄσκοποι — πλάκες.
 1590. καταρράκτην] Praecipitem, abruptum. De praecipite avium rapacium volatu sive impetu usurpatur Fr. 347. 648.
 1596. καθέζετο] Sine augmento secundum Herodiani regulam, ut in Tr. 918.
 1598. ἀύσας] Ab ἀυτεῖν. Cf. 1260. El. 830. Tr. 565.
 1600. ἐπόπιον πάγον] Cf. Ant. 1196.
 1602. ταχεῖ — ξὺν χρόνῳ] Cf. 1341. βραχεῖ σὺν — χρόνῳ.
 1610. φθόγγον πικρὸν] Cf. Ant. 423. πικρᾶς δρονίθος δξὺν φθόγγον. Ph. 189. πικρᾶς οἰμωγᾶς. Eur. Tro. 1227. πικρὸν ὄδυρμα.
 1628. Cf. El. 1501. ἡ δ' ὁδὸς βραδύνεται.
 1637. δοκίος] Cf. Ant. 305. δοκίος δέ σοι λέγω.
 1639. ψαύσας ἀμανραῖς χερσίν] Cf. Tr. 565. ψαύει ματαίαις χερσίν.
 1652. ὀμμάτων ἐπίσκοιον χεῖρ' ἀντέχοντα κρατὸς] Cf. Ph. 830. ὀμμάτων δ' ἀντέχοις τάνδ' αἴγλαν δ τέταται τανῦν. Hom. Od. 4, 115. χλαῖναν — ἀντ' ὀρθαλμοῖν ἀνασχών.
 1663. σὺν νόσοις ἀλγεινός] Cf. O. R. 17. σὺν γήρᾳ βαρεῖς. Aj. 1017. ἐν γήρᾳ βαρῦς.
 1681. ἄσκοποι — πλάκες] Cf. 1577. νεοτέρας πλάκας. Aesch. Sept. 860. πάνδοκον εἰς ἀφανῆ τε χέρσον.
 1696. κατὰ μεμπτ' ἔβητον] Cf. El. 979. εὖ βεβηκόσων. Eur. Hipp. 437. οὐ γὰρ περισσὸν οὐδὲν οὐδ' ἔξω λόγον | πέπονθας. κατὰ μεμπτια] Adverbialiter positum ut ὑπέροπτα — πορεύεται O. R. 883.
 1730. τί τόδ' ἐπέπληξας;] Quid hoc est quod objurgasti? Cf. Aj. 288. κἀγὼ 'πιπλήσω καὶ λέγω. Aesch. Pr. 80. τὴν δ' ἔμην ἀυθαδίαν — μὴ 'πίπλησέ μοι.
 1755. Similis locus est O. R. 1435. τοῦ με χρείας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν;
 1758. οὐ θεμιτόν] Cf. Eur. Or. 97. σοὶ δ' οὐχὶ θεμιτόν πρὸς φίλον στείχειν τάφον. Ph. 615. οὐ θεμιτόν σοι ματρὸς ὀνομάζειν κἀρα.

Oedipus Rex.

2. Cf. Aesch. Pr. 389. θακοῦντι παγκρατεῖς ἔδρας. Eur. Herc. 1214. τὸν θάσσοντα δυστήγους ἔδρας.

4. πόλις — γέμει — παιάνων] Cf. Ph. 876. βοῆς τε καὶ δυσοσμίας γέμων. Dem. p. 300, 21. ὅτε ζήλον καὶ χαρᾶς καὶ παιάνων (ἐπαιάνων codd.) ἢ πόλις ἦν μεστή — συνέθνε κτλ.

10. Cf. O. C. 811. ἐρῶ γὰρ καὶ πρὸ τῶνδε.

11. δέισαντες] Sic φθονήσας 310.

13. μὴ κατοικτεῖρων] Cf. Herod. II. 35. 6. τρέφειν τοὺς τοκέας τοῖσι μὲν παῖσι οὐδεμία ἀνάγκη μὴ βουλομένοιαι —.

14. κρατύνων — χῶρας] Cf. Ph. 1059. τούτων κρατύνειν.

15. προσήμεθα | βωμοῖσι —] Cf. Eur. Rh. 390. προσήμενον πύργοισιν ἐχθρῶν.

17. σὺν γῆρα βαρεῖς] Cf. Tr. 235. θάλλοντα κοῦ νόσῳ βαρύν. O. C. 1663. σὺν νόσοις | ἀλγεινός. Aj. 1017.

23. σαλεύει] Cf. 695. El. 1074. Eur. Rhes. 248. δταν σαλεύῃ πόλις.

24. ἔτ' οὐχ οἶα τε] Sic Tr. 161. ἔτ' οὐκ ὄν. σάλῳ] Cf. Phil. 271. ἐκ πολλοῦ σάλου. Eur. Hec. 28. ἐν πόντου σάλῳ φοροῦμένος.

Iph. T. 46. σεισθῆναι σάλῳ. 262. κυμάτων πολλῶ σάλῳ. 1443. Or. 994.

27. ἐν — σκήψας] Cf. Thuc. II. 49. κατέσκηπτε γὰρ (ἢ νόσος) καὶ ἐς αἰδοῖα κτλ. Alciph. I. 13. ἔρωσ ἐνέσκηψε.

34. δαιμόνων ξυναλλαγαῖς] Cf. 960. νόσου ξυναλλαγῆ.

40. πᾶσιν] Cf. O. C. 1446. Ant. 904.

45. ζώσας] Metaphorice positum. Contra 906. φθίνοντα — Λαῖον θέσφατα. Ant. 1613. φθίνοντ' ἀσῆμων ὀργίων ματιεύματα. μάλιστα] Cum τοῖσιν ἐμπείροισι connectendum.

52 sq. Cf. 694. ὅς γ' ἐμὰν γὰν φίλαν ἐν πόνοις | ἀλύουσαν (σαλεύουσαν?) κατ' ὀρθὸν οὐρισσας | τὰ νῦν τ' εὐπομπος ἂν γένοιο.

54. ὡσπερ κρατεῖς] Ut profecto regis. Anglice, as indeed you do rule.

77. Cf. 13. 1456. Aj. 950. οὐκ ἂν τὰδ' ἔσθη τῆδε μὴ θεῶν μέτα.

82. Cf. 220. 318. 333. O. C. 144. 252. 501. 798. etc.

91 sq. Cf. O. C. 639. εἰ δ' ἐνθάδ' ἠδὺ τῶ ξένῳ μῖμνεν, σέ νιν | τάξω φυλάσσειν εἴτ' ἐμοῦ στείχειν μέτα.

92. ἔτοιμος εἰπεῖν] Cf. Aj. 813. χωρεῖν ἔτοιμος.

93. τῶνδε γὰρ πλέον φέρω τὸ πένθος] Cf. 1320. καὶ θαῦμά γ' οὐδὲν — διπλᾶ σε πενθεῖν καὶ διπλᾶ φέρειν κακά. Connecte τῶνδε cum τὸ πένθος.

115. συμπίπτει φόνῳ] Cf. Aj. 429. κακοῦς — συμπεπτωκότα. Eur. Iph. T. 1393. ναῦς — λάβρω κλύδωνι συμπεσοῦσα. Aesch. Ag. 188. ἐμπαλοῖς τύχαισι συμπεσῶν.

124. ξὺν ἀργύρῳ] Cf. 653. σὺν τέχνῃ κακῆ. Ph. 88. Eur. Hec. 1252. οὐ γὰρ ποτ' ἂν σύ μ' εἴλες ὧδε σὺν δόλω.

126. δοκοῦντα ταῦτ' ἦν] Cf. 274. τὰδ' ἔσι' ἀρέσκονθ'. Herod. I. 146. ταῦτα δὲ ἦν γινόμενα ἐν Μιλήτῳ.

130. τὰ πρὸς ποσὶν] Cf. Ant. 1327. τὰν ποσὶν κακά. Eur. Alc. 742. τοῦν ποσὶν οἰστέον κακόν. Andr. 397. Iph. T. 1312. Tro. 938.

132. ἐξ ὑπαρχῆς] Cf. Dem. p. 1013, 9. οὔτοι δὲ πάλιν ἐξ ὑπαρχῆς λαγχάνουσι μοι τὰς δίκας. Aristot. Rhet. I. 1. 15.

151. ἀδυνάτους φάτι] Cf. Pind. Ol. 13, 100. ἀδύγλωσσοσ βοὰ κάρυκος ἑσλοῦ. et v. ἡδυμελής.

159. σε κέκλωμαι] Cf. Aesch. Suppl. 591. τίν' ἄν θεῶν ἐνδικωτέροισιν | κεκλοίμαν εὐλόγως ἐπ' ἔργοις; 41. ὄν τ' ἐπικεκλωμένα —.

161. εὐκλέα] Respici probabile est nomen deae ejus *Εὐκλεία*, de quo dixerunt Pausanias IX. 7. 1. et Plutarchus in vita Aristidis c. 20. Monuit Dind.

165. ἄτας ὑπερ —] I. q. δι' ἄταν —. Cf. Ant. 932. βραδύτητος ὑπερ. προτέρας ἄτας] Ab Sphinge allatae.

166. ἔκτοπιαν] I. q. ἔκτοπον. Eadem forma est 1340. O. C. 119. Similiter ἔνοικος et ἐνοίκιος, ἔννηχος et ἐννήχιος, et al. Cf. 1340. ἀπάγει' ἐκτόπια. Tr. 955. Eur. Fr. 775, 62. ἐκτόπιοι τε δόμων ἀπαίριετε.

167. ὦ πόποι] Cf. Tr. 853.

175. ἄπερ] Cf. Aj. 167. παταγοῦσιν ἄπερ πτηνῶν ἀγέλαι.

180. θαναταφόρα] Mortem afferentia, pestifera.

186. λάμπει] Cf. 472. ἔλαμψε — φάμα.

191. φλέγει] Accendit. Cf. 166. φλόγα πῆματος.

194. Αἰαίνου] Quasi *Εὐηνοῦ*. Qu. Αἰαίνου (sic).

207. Cf. Tr. 213. Ἄρτεμιν — ἀμφίπυρον.

211. οἰνώπα Βάκχον] I. e. πυρρόν. Idem οἰνωπὸς appellatur Eur. Bacch. 236. eidemque οἰνωπὸς γένυς tribuitur ibid. 438.

215. Cf. 660. τὸν πάντων θεῶν θεὸν πρόμον.

217. τῷ θεῷ — ὑπηρετεῖν] Cf. 245. τῷ τε δαίμονι — σύμμαχος πέλω. O. C. 283. ἔργοις ἀνοσίοις ὑπηρετῶν. Eur. Hec. 844. ἔσθλοῦ γὰρ ἀνδρὸς τῇ δίκῃ θ' ὑπηρετεῖν κτλ.

221. μακρὰν] Longe. Cf. 17. οὐδέπω μακρὰν | πτέσθαι σθένοντες.

231. τὸ γὰρ | κέρδος —] Similiter Tr. 743. τὸ γὰρ | φανθὲν —.

232. κέρδος] I. e. mercedem.

233. Connecte φίλον cum ἀπώσει.

236. γῆς τῆσδε — εἰσδέχεσθαι] Cf. Aj. 1274. Eur. Phoen. 451. τόνδ' εἰσεδέξω τειχέων.

238. κράτη τε καὶ θρόνους ἔχων] Cf. Ant. 173. κράτη — καὶ θρόνους ἔχω. Aesch. Suppl. 425. ὦ πᾶν ἔχων κράτος χθονός.

239. ἐν θεῶν εὐχαῖσι] Cf. El. 1096. τῷ Ζητῆος εὐσεβεία.

245. Cf. 217. τῷ θεῷ — ὑπηρετεῖν. Eur. Hec. 844. τῇ δίκῃ — ὑπηρετεῖν.

246. τις εἷς] Unus aliquis. Pro usitatori *εἷς τις*. Cf. 118. Ant. 269. Aristot. Eq. 1301.

248. ἄμοιρον ἐπικρῖναι βίον mss. ἄμορον (?) — Porson. Correxī olim δύσμορον κρῖναι βίον.

261. κοινῶν τε παίδων] Cf. Ant. 1. ὦ κοινὸν αὐτάδελφον Ἰσμήνης κάρα. εἰ κείνῳ γένος μὴ 'δυστύχησεν] Sc. ob prolis defectum. Cf. Eur. Andr. 713. ἀλλ', εἰ τὸ κείνης δυστυχεῖ παίδων πέρι, κτλ. 418 sq. Suppl. 66.

263 sq. Cf. Adesp. 406, 4. ἡ Δίκη ποτὲ | τῷ δυσοσεβοῦντι οἴγ' ἔχουσ' ἐνήλατο.

263. κρᾶτ'] Eadem forma est Ant. 764. Ph. 1001. 1207. Tr. 1015. O. C. 473. Fr. 317, 2.

264 sq. Cf. Aeschin. 3, 111. μήτε γῆν καρπὸς φέρειν, μήτε γυναικας τέκνα τίτειν γονεῦσιν ἐουκότα ἀλλὰ τέρατα, μήτε βοσκήματα κατὰ φύσιν γονὰς ποιῆσθαι.

264. ἀνιέναι] Cf. Hom. H. Cer. 332. γῆς καρπὸν ἀνήσειν (sc. τὴν θεάν).

284. ἄνακτ' — Τειρεσίαν] Appellatio honorifica illustrium virorum. Cf. 911. χώρας ἄνακτες. O. C. 831. 988.

287. ἀργοῖς] Rebus infectis. Cf. O. C. 1605. κοῦκ ἦν ἐτ' ἀργὸν οὐδὲν ὧν ἐφίετο. Eur. Rhes. 776. ἐν δ' ἐστὶν ἡμῖν ἀργόν. Theogn. 583. τὰ μὲν προβέβηκεν ἀμήχανόν ἐστι γενέσθαι | ἀργά.

303. προσιάτην] Defensorem. Genitivus ἧς α σωτήρα pendet.

310. φθονήσας] Withholding. Cf. Tr. 1212. ἀπ' οἰωνῶν] Cf. 395. 398. 1314. Ant. 1000.

312. ἔῦσαι mss. "I. e. serva amovendo" ait Dind. Explicatio vix probabilis. Sensus requirit λῦσον.

316. τέλη λύει] I. e. λυσιτελεῖ.

324. φώνημ'] Cf. 433.

326. τόνδ' ἀνὰ λειμῶνα] Cf. O. C. 1058. τοῦσδ' ἀνὰ χώρους.

345. ὡς δργῆς ἔχω] Cf. Herod. I. 61. 4. δργῆς (δργῆ vulg.) δὲ ὡς εἶχε —.

347. δσον μὴ — καίνων] Cf. Thuc. I. 111. δσα μὴ προϊόντες πολύ. IV. 16. δσα μὴ ἀποβαίνοντας.

350. ἐννέπω σε —] Cf. Tr. 207. χαίρειν — προυννέπω.

354. ἐξεκίνησας —] Cf. O. C. 1526. ἃ δ' ἐξάγιατα μηδὲ κινεῖται λόγῳ.

355. ποῦ] Cf. 390. Aj. 1100. ποῦ δὲ σοὶ λεῶν | ἔξεστ' ἀνάσσειν;

358. προυτρέφω] Forma media ut in 1446. (?) Plat. Legg. IV. 711 B. πρὸς ἀρετῆς ἐπιτηδεύματα προυτρέπεσθαι τοὺς πολίτας.

IX. 871 B. Ep. XIII. 363 C. τοὺς ἄλλους προυτρέπου τοὺς νεωτέρους.

360. Dindorfius 'tentas me, ut dicam' reddit.

382. φθόνος φυλάσσειται] Cf. O. C. 1213. σκαιουσύναν φυλάσσων — κατάδηλος ἔσται.

389. τὴν τέχνην] Sc. τὴν μαντικὴν. Cf. 562. 709. Ant. 998.

El. 1500. Eur. Phoen. 772. τέχνην μαντικὴν ἐμεμνᾶμην. Aesch.

Fr. 340, 6. τὸ Φοίβου — στόμα — μαντικῆ βρῦον τέχνη. Eum. 17.

Ag. 240. 1134. 1209.

394. διειπεῖν] Accurate enarrare. Cf. 854. Tr. 22.
398. γνώμη κυρήσας] I. e. intelligentia. Cf. 524. γνώμη φρονῶν (βίασθεν ὄνειδος). O. C. 403. κἀνευ θεοῦ τις τοῦτό γ' ἄν γνώμη μάθοι.
413. οὐ βλέπεις ἴν' εἰ κακοῦ] Cf. 367. οὐδ' ὄραῖν ἴν' εἰ κακοῦ. Aj. 386. οὐχ ὄραῖς ἴν' εἰ κακοῦ;
418. δεινόπους Ἄρα] I. e. Anglice with dread step. Cf. Aesch. Sept. 791. καμνίπους Ἐρινός.
420. ποῖος οὐκ —;] I. q. τίς οὐκ —; Cf. 1489. ποῖας γὰρ ἀσιῶν ἤξει' εἰς ὀμίλιας, | ποῖας δ' ἑορτάς —; Aj. 1012. ποῖον οὐκ ἐρεῖ κακόν; λιμήν] Schol. ἀντι τοῦ τόπου (I. τόπος). Λιμήν τροπικῶς usurpatur nostro O. R. 1284. Ant. 1000. 1284. Aj. 683.
425. Verba consulto obscurius dicta, ut monuit Dind. Cf. 1507. μηδ' ἐξισώσης τάσδε (i. e. τὰ τῶνδε κακὰ) τοῖς ἐμοῖς κακοῖς. El. 1071.
441. οἶοί μ' εὐρήσεις μέγαν] Cf. 871. μέγας ἐν τούτοις θεός. 653. ἐν ὄρκῳ μέγαν.
452. εἶτα — φανήσεται] Cf. Luc. Evang. VIII. 12. οἱ δὲ παρὰ τὴν ὁδὸν εἰσιν οἱ ἀκούοντες, εἶτα ἔρχεται ὁ διάβολος κτλ.
471. ἄμ' ἐπονται] Cf. Aj. 814. ἄμ' ἔψεται.
495. Οἰδιπόδα] Eadem genitivi forma est in versu anapaestico Ant. 380. Οἰδιπόδα in v. dactylico O. C. 222. et vocativus Οἰδιπόδα in v. glyconeo O. R. 1195. Sed genitivus Οἰδίπου est O. R. 40. 925. 1091. 1207. etc. vocativus autem Οἰδίπους (quae fornix ubique restituenda videtur) et Οἰδίπου.
500. ἀνδρῶν — μάντις] Hominum (inter homines) vates. Dictum ut πόλεως ἄνδρες Ant. 289. Oppositio fit inter deos et mortales.
506. καταφαίην] Assentirer. Schol. οὐκ ἄν ποτε ἐπαινέσαιμι τοὺς μεμφομένους.
509. πτερόεσσι] Similiter κερόεσσα Eur. Ph. 835.
517. λόγοισιν εἶτ' ἔργοισιν] Cf. Tr. 236. Plat. Legg. 907 D. εἴαν τις ἀσεβῆ λόγους εἶτ' ἔργους. Pind. P. 4, 78. ξείνος αἰτ' ὦν ἀστός. (Jebb) ἐς βλάβην φέρον] Cf. 991. ἐς φόβον φέρον.
518. βίον τοῦ μακραίωνος] Cf. Aj. 473. τοῦ μακροῦ χρῆζειν βίον. O. C. 1215. αἱ μακροὶ ἡμέραι.
523. ἀλλ' ἤλθε μὲν δὴ —] Cf. Tr. 627. ἀλλ' οἶσθα μὲν δὴ —.
525. τοῦ πρὸς δ' ἐφάνθη —;] Cf. El. 1276. τί μὴ ποιήσω;
536. φέρε — καλέσω] Cf. Ph. 300. φέρ' — μάθης.
556. πέμψασθαι] Pro πέμψαι.
569. ἐφ' οἷς γὰρ μὴ φρονῶ σιγᾶν φιλῶ] Cf. 1520. ἃ μὴ φρονῶ γὰρ οὐ φιλῶ λέγειν μάτην. Aesch. Eum. 899. ἔξεσι γὰρ μοι (εἶωθα γὰρ τοι?) μὴ λέγειν ἃ μὴ τελῶ.
583. ὡς ἐγὼ] Sub. δίδωμι ἔμαντῶ.
588. τύραννα] Cf. Ant. 1169. καὶ ζῆ τύραννον σχῆμ' ἔχων.

596. *πᾶσι χαιρώ*] Cf. O. C. 1137. *σὸν — μοι χαιρε.*
 605. *τοῦτ' ἄλλ'*] Cf. Ant. 167. *τοῦτ' αὐθις.*
 618. *ταχύς τις*] Cf. Aj. 1267. *ὡς ταχεῖά τις βροτοῖς | χάρις διαρρεῖ.*
 621. *ἡμαρτημένα*] Irrita. Cf. Tr. 1127. *τοῖς γε πρόσθεν ἡμαρτημένοις.* O. C. 439. *τῶν πρὶν ἡμαρτημένων.*
 628. *ἀρχτέον*] I. e. *ἄρχειν δεῖ* (non *ἄρχεσθαι δεῖ*), ut ostendit accusativus sequens *ἄρχοντιας* (cf. ad 629.). Vide tamen annot. crit.
 634. *στάσιν γλώσσης*] Cf. Tr. 1179. *λόγου στάσιν.*
 650. *πιθοῦ θελήσας*] Cf. Ph. 1343. *συγχώρει θέλων.* Eur. Fr. 434, 5. *ὑπέκει και θέλων ἐγκλίνεται.*
 657. *ἄτιμον βαλεῖν*] Cf. Ph. 1028. *ἐμὲ — ἄτιμον ἔβαλον.*
 660. *τὸν πάντων θεῶν θεὸν πρόμον*] Cf. 215. *τὸν ἀπότημον ἐν θεοῖς θεόν.*
 665. *φθίνουσα*] Cf. 25. 26. O. C. 610. Tr. 548.
 677. *ἐν δὲ τοῖσδ'*] Sed horum *judicio.* Cf. 154.
 681. *δόκησις*] *Opinio.* Cf. Tr. 426. *δόκησιν εἰπεῖν.*
 691. *ἄπορον ἐπὶ φρόνιμα*] Cf. Ant. 359. *ἄπορος ἐπ' οὐδέν.*
 693. *σε νοσφιζόμεν*] Cf. Archil. 94. *ἄρκον δ' ἐνοσφίσθης μέγαν.*
 694. *ἐν πόνοις σαλεύουσιν*] Cf. Plat. Legg. 92 B. *ἐν νόσοις ἢ γήρα σαλεύειν.*
 695. Cf. Tr. 827. *τάδ' ὀρθῶς — κατουρῖζει.*
 696. *εὐπομπος*] Cf. Aesch. Eum. 93. *εὐπόμπῳ τύχη.*
 717. *Jebb βλάστας cum οὐ διέσχον connectit* (had not separated the child's birth from us), coll. *Plut. Tib. Gracch. 18. κελύσαντος ἐκείνου διασχεῖν τὸ πλῆθος.*
 718. *ἄρθρα — ποδοῖν*] Sic *ἄρθρα κύκλων* (i. e. *βλέφαρα*) *infra 1270.* Cf. Ph. 1202. *ἐμοῦ (ἐμόν?) ποδὸς ἄρθρον.*
 740. *φύσω*] Cf. Xen. Cyr. I. 2. 2.
 742. *χροάζων*] Cf. Arist. Nub. 778. *χροῦς ὥσπερ μήλοιον ἐπήνθει.*
 763. *οἷ' ἀνὴρ δοῦλος*] Cf. ad 751. *οἷ' ἀνὴρ ἀρχηγέτης.* Sed *sensus requirit ὡς ἀνὴρ δοῦλος* (for a slave).
 768. *θέλω*] Subjunctivus, non indicativus.
 789. *ἄτιμον*] I. e. *οὐκ ἀξιωθέντα.* Cf. O. C. 49. El. 1214.
 809. *μον καθέκτο*] Anglice *he came down upon me.*
 820. *ἀράς — προσιθεῖς*] Cf. O. C. 154. *οὐ μὲν ἐν γ' ἐμοὶ προσθήσει τάσδ' ἀράς.* Eur. Fr. 806, 2. *παισὶ προσθεῖναι κράτη.* Soph. Fr. 324, 2. *ἦν αὐτός τις αὐτῶ τὰν βλάβαν προσθηῖ.*
 821. *λέχη*] Plurali numero ut in 1243. Tr. 920. Similiter *λέκτρα* O. R. 260. O. C. 528. Ant. 863. Ph. 677.
 825. *γάμοις — μητρὸς*] Cf. O. C. 978. *μητρὸς — γάμοις.*
 826. *ζυγήναι*] Cf. Tr. 536. *κόρην γὰρ, οἶμαι δ' οὐκέτ' ἄλλ' ἐξευγμένην, κτλ.* Cognata vocabula sunt *ζευγνύναι* et *jungere,*

ζυγόν et jugum. Confer etiam vv. conjux (quasi conjunx) et conjugium.

834. κηλίδα — συμφορᾶς] Cf. O. C. 1134. κηλὶς κακῶν.

854. διεῖπε] Accurate enarravit. Cf. 394. Tr. 22.

857. οὔτε τῆδ' — οὔτε τῆδ'] Anglice neither here nor there (i. e. not at all).

863. ξυνείη] Cf. 275. χοί πάντες εἰδ' ξυνείεν εἰσαεὶ θεοί. Emphasis ponenda est in ἀγνείαν λόγων ἔργων τε πάντων.

864. μοῖρα] Cf. 887.

865. ὣν νόμοι πρόκεινται] Cf. Ant. 481. νόμους προκειμένους.

874. ἐπίκαιρα] Cf. Aj. 1406. τρίποδ' ἀμφίπυρον — θέσθ' ἐπίκαιρον.

877. ἀπότομον] Cf. Eur. Alc. 118. μόρος γὰρ ἀπότομος πλάθει.

ᾧρουσεν εἰς ἀνάγκαν] Cf. El. 1440. ὡς δροῦση πρὸς δίκας ἀγῶνα. Eur. Iph. T. 297. μόσχους δροῦσας εἰς μέσας. Herc. 972. ᾧρουον ἄλλος ἄλλοσε.

878. οὐ ποδὶ χρησίμῳ χρῆται] I. e. pedibus suis non uti potest (ad se extricandum).

880. πάλαισμα] Conamen exponunt. In universum dictum.

885. δίκας ἀφόβητος] Cf. 969. ἄφαντος ἔγχους.

886. οὐδὲ — σέβων] I. q. καὶ ἀσεβῶν. Unde οὐδὲ pro μηδὲ post εἰ. Cf. Aj. 1181. Eur. Med. 88. Herc. 1315. Thuc. I. 121. Hom. Il. 24, 296.

902. ἀρμόσει] Congruent cum praedictis oraculorum de Laio. Persuasum habet Chorus veracitatem oraculi ostensum iri, ut monuit Dind. Sententia obscure et convenienter rei expressa.

903. δεῖν] Recte. Adverbialiter positum.

906. φθίνοντα —] Cf. 971. τὰ δ' οὖν παλαιὰ συλλαβῶν θεοπίσματα | κεῖται παρ' Ἄιδη Πόλυβος ἄξι' οὐδενός. Ant. 1013. φθίνοντι ἀσήμων δργίων (θυμάτων?) μαντεύματα.

907. Λαῖον θέσφατα] Cf. 797. χρησμῶν δνειδή τῶν ἐμῶν.

913. ἐπιθυμάματα] Cf. 4. πόλις δὲ θυμαμάτων γέμει.

916. ἔννοος] I. q. ἔμφρων. Cf. Aesch. Pr. 444. νηπίους ὄντας τὸ πρὶν | ἔννοος ἔθηκα. Similia composita sunt ἔγκληρος, ἔνδημος, ἔγχωρος, ἔντοπος, ἔνοπλος, ἔγγαιος, ἔννομος, ἔνδικος, ἔντιμος, ἔνθηρος, ἔμπονος, ἔμπεδος, ἔνθεος, ἔνυχος, ἔνοικος, ἔνορκος, etc.

918. Cf. Ant. 268. τέλος δ', δτ' οὐδὲν ἦν ἐρευνῶσιν πλέον, κτλ. Eur. Hipp. 284. εἰς πᾶν ἀφίγμαι κοῦδὲν εἰργασμαι πλέον.

921. λύσιν — εὐαγῆ] I. e. qua efficiatur ut Oedipus εὐαγῆς (purus sceleris) appareat.

936. τὸ δ' ἔπος — ἦδοιο] Cf. 785. τὰ μὲν κείνοιν ἑτερόμην. Arist. Ach. 2. ἦσθην δὲ βαιά. 4. 5. 7.

955. ἀγγελῶν ὡς οὐκέτ' ὄντα] Cf. 1341. ἠγγεῖλας ὡς τεθνηκότα.

961. σμικρὰ — ῥοπή] Cf. Plat. Resp. VIII. 556 E. σώμα νοσῶδες μικρὰς ῥοπῆς ἔξωθεν δεῖται προσλαβέσθαι πρὸς τὸ κάμνειν.

966. κλάζοντας] Cf. Ant. 112. 1002. Fr. 700. Fr. 874, 4. Aelian. H. A. I. 48. *οἱ συνιέντες ὀρνίθων καὶ ἔδρας καὶ κλαγγᾶς ὧν ὑφηγητῶν*] Sub. *ὄντων*. Cf. 1260. *ὡς ὑφηγητοῦ τιος*. Sed corrigendum suspicor *ὧν ὑφ' ἡγητῶν*.
969. ἄψαστος ἔγγχος] Activo sensu. Cf. 885. *δίκας ἀφόβητος*. Et sic fortasse *ἄδικτος ἡγητῆρος* O. C. 1521.
977. Sic apud Ciceronem 'Fortuna dominatur'.
978. μητρὸς — γάμους] Cf. 825.
980. *εἰς τὰ μητρὸς μὴ φοβοῦ νυμφεύματα*] Cf. Tr. 1211. *εἰ φοβεῖ πρὸς τοῦτο*. O. C. 1119. *μὴ θαύμαζε πρὸς τὸ λιπαρές*. Arist. Poet. c. 11. *ἀπαλλάξων τοῦ πρὸς τὴν μητέρα φόβου*.
991. *ἐς φόβον φέρον*] Cf. 517. *ἐς βλάβην φέρον*.
1012. Cf. El. 1503. *ἢ μὴ φύγω σε;*
1016. *ἐν γένει*] Cf. 1430. *τοῖς ἐν γένει*.
1019. Cf. 845. *οὐ γὰρ γένοιτ' ἂν εἰς γέ τις* (τοῖς mss.) *πολλοῖς ἴσος*.
1021. ἀντὶ τοῦ — ;] Quamobrem, quare, qua de causa?
1028. *ποιμνίους ἐπεισάτονν*] Cf. Plat. Gorg. 565 C. *ἡ ψυχὴ ἐπισταεῖ τῷ σώματι*. Legg. X. 906 A.
1034. *ποδοῖν ἀκμάς*] Cf. Eur. Bacch. 1206. *χειρῶν ἀκμαῖσι*. Aesch. Pers. 1060. *ἀκμῆ χειροῖν*. Pind. Ol. 2, 63. *ἐν χειρὸς ἀκμᾶ*.
1043. *κακοῖς γελῶν*] Cf. ad 957.
1045. *ὡς ἰδεῖν ἐμέ*] Cf. Tr. 1125. *ὡς κλύειν ἐμέ*.
1075. *προμνᾶται*] Praesagit.
1088. *οὐ τὸν Ὀλυμπον —*] Cf. 660. *οὐ τὸν πάντων θεῶν πρόμον κτλ.*
1094. Cf. Ant. 1153. *αἶ σε πάννυχοι χορεύουσι*.
1103. *πλάκες ἀγρόνομοι*] I. e. agrestes. Cf. Ant. 786. *ἀγρονόμοις ἀλταῖς*.
1104. *ὁ Κυλλάνας ἀνάσσει*] I. e. Ἐρμῆς, qui in Arcadiae monte Cyllene natus esse ferebatur, Jove et Maia parentibus.
1116. *προύχοις*] Cf. Phil. 138.
1122. *Λαῖτον ποτ' ἦσθα σύ;*] Sub. *δοῦλος*. Cf. 1117. *Λαῖτον γὰρ ἦν —*.
1126. *ξύναυλος ὦν*] Sub. *αὐτῷ*.
1146. *σιωπῆσας ἔσει*] Cf. O. C. 816. Ant. 1067. Aesch. Suppl. 460. *γηρυθεῖσ' ἔσει*.
1160. *ἐς τριβάς ἐλᾶ*] Moras nectit.
1174. *ὡς πρὸς τί χρειᾶς*] Cujus rei causa. Cf. Ph. 174. *ἐπὶ παντὶ τῷ χρειᾶς ἰταμένῳ*. Ant. 1229. *ἐν τῷ συμφορᾶς διεφθάρης;*
1187. *ἴσα καὶ*] Aequae (pariter) atque. Cf. O. C. 810. *ἴσῳ γε νοῦς ἴσος καὶ σοὶ πάρα*.
- 1195 sq. Cf. 1523. *ἀκράτησας οὐ σοὶ τῷ βίῳ (?) ξυνέσπετο*. 432.
1203. Cf. O. C. 919. *καίτοι σε Θῆβαί γ' οὐκ ἐπαίδευσαν κακόν*.
1206. *ξύνοικος*] Anglice conversant with.

1220. τὸ δ' ὄρθὸν εἰπεῖν] Cf. Tr. 374. τὸ δ' ὄρθὸν ἐξεύρηχ'.
1222. κατεκοιμήσα] Consorivi. Cf. 870. κατακοιμάση.
1229. Cf. Fr. 832. πάντ' ἐκκαλύπτων ὁ χρόνος εἰς τὸ φῶς ἄγει.
1268. χρυσηλάτους περόνας] Cf. Tr. 925. χρυσήλατος — περονίς.
1269. περόνας] Fibulas. Cf. Tr. 925. χρυσήλατος — περονίς.
- Utrumque, ut et πόρπη et πόρπαξ, a πείρω derivatum. Confer etiam nostrum to pierce.
1279. Cf. O. C. 1502. Eur. Tro. 78. καὶ Ζεὺς μὲν ὄμβρον καὶ χάλαζαν ἄσπετον | πέμψει.
1280. ἔρωγεν — κακά] Cf. 1075. ἀναρρήξει κακά. Eur. Hipp.
1334. σοὶ τὰδ' ἔρωγεν κακά.
1301. μείζονα] Sub. πηδήματα.
1302. Cf. Ant. 1273. ἐν δ' ἐμῷ κάρῳ μέγα βάρος μ' ἔχων ἔπαισεν. πρὸς — μοίρῳ] De dativo Fraenkel confert Hom. Od. 5, 415. μή πῶς με βάλῃ λίθακι ποτὶ πέτρῳ. Il. 20, 420. λιαζόμενον προτὶ γαίῃ. Sed v. annot. crit. δυσδαίμονι] I. q. δυστυχεῖ, κακοδαίμονι.
1310. Cum φοράδην cf. ἄρθην (Aj. 1279. Aesch. Pr. 1088.).
1320. διπλᾶ σε πενθεῖν] Cf. Eur. Fr. 1079, 5. στένει διπλᾶ.
1322. ἐπίτολος] Eodem sensu, ut videtur, quo πρόσπολος, an attendant.
1362. ὁμολεχῆς] I. q. κοινολεχῆς (El. 97.) et κοινόλεκτρος.
1380. Cf. Aj. 1340. ἐν' ἄνδρ' ἄριστον Ἀργείων.
1409. ἀλλ' οὐ γὰρ —] Cf. O. C. 624. 755. Ph. 1020.
1416. ἐς δέον πάρεστι] Cf. Ant. 386. ὄδ' ἐκ δόμων — ἐς δέον περᾶ.
1433. ἄριστος ἐλθὼν] Cf. Xen. An. III. 2. 3. δεῖ — ἄνδρας ἀγαθούς τε ἐλθεῖν καὶ μὴ ὑφίεσθαι.
1435. Cf. O. C. 1755. τίνας, ὧ παῖδες, χρεῖας ἀνύσαι (προσπίτνετέ μοι);
1456. Cf. Aj. 950. οὐκ ἂν τὰδ' ἔστη τῆδε μὴ θεῶν μέτα.
1467. Cf. Ant. 949. γενεᾶ τίμιος. Aj. 1094. μηδὲν ὦν γοναῖων.
1471. ὦ μέγας αἰθῆρ] Cf. Ant. 420. Aj. 1193. 714. ὁ μέγας χρόνος. O. R. 194.
1478. τῆσδε τῆς ὁδοῦ] Cf. ad O. C. 1165. τῆς δευρ' ὁδοῦ. Aj. 731. δραμοῦσα τοῦ προσωτάτω. Arist. Ran. 174. ὑπάγεθ' ὑμεῖς τῆς ὁδοῦ.
1483. προξένησαν] Schol. εἰργάσαντο, αἴτιοι ἐγένοντο. Cf. Tr. 726. ἐλπίς, ἦτις καὶ θράσος τι προξενεῖ. O. C. 465. ὡς νῦν πᾶν τελοῦντι προξένει.
1487. τὰ λοιπὰ τοῦ μικροῦ βίου] Cf. 1125. τὰ πλεῖστα τοῦ βίου. Ph. 24. τὰπίλοιπα τῶν λόγων.
1493. παραρρήφει] Periclitabitur. Cf. Fr. 511, 4. ἐμπολὰς — παραρρίπτοντες.

1523. *ξυνέσπετο*] Cf. Thuc. 3, 38. *μετὰ (τοῦ) δεδοκίμασμένου μὴ ξυνέπεσθαι ἐθέλειν.*

1524. *Θήβης ἔνοικοι*] Thebarum incolae. Cf. Tr. 1092. *Νεμέας ἔνοικον — λέοντα.*

1530. Adde O. C. 1720. *ἔλυσεν τὸ τέλος βίου.*

Philoctetes.

7. *νόσω — διαβόρω*] Cf. 313. *ἀδηφάγον νόσον.*
 21. *ἔστι σῶν*] Cf. O. C. 1210. *σὺ δ' ὦν | σῶς ἴσθ'.*
 24. *τάπιλοιπα τῶν λόγων*] Cf. 131. *τὰ συμφέροντα τῶν ἀει λόγων.* O. R. 1125. 1487. Eur. Hel. 982. *ἄ σοι παρέλιπεν ἦδε τῶν λόγων.* Herod. IV. 154. 1. *τὰ ἐπίλοιπα τοῦ λόγου.*
 30. *ῥάκη*] Anglice rags.
 75. *ἔγκρατης*] I. e. possidens. Cf. O. C. 1022.
 130. *ἀδωμένον*] Cf. Aj. 772. *ἠδῶτο.*
 138. *τάδ' αἰὲν ἴσχειν*] Verba suspecta.
 142. Cf. Aesch. Suppl. 425. *ὦ πᾶν ἔχων κράτος χθονός.*
 175. *ἐπὶ παντί τῳ χρείας*] Cf. O. R. 1174. *ὡς πρὸς τί χρείας;*
 O. C. 71. *ὡς πρὸς τί;*
 189. *πικρᾶς οἰμωγᾶς*] Cf. O. C. 1610. *φθόγγον πικρὸν.* Eur. Tro. 1227. *πικρὸν ὄδυρμα.* Aj. 317. *οἰμωγὰς λυγρὰς (πικρὰς?).*
 190. Cf. 695. *οὐκ ἔχων — παρ' ᾧ — ἀποκλαύσειεν.*
 205. *βάλλει — φθογγά*] Cf. Ant. 1188. *φθόγγος — βάλλει.*
 259. Cf. Eur. Hec. 380. *κάπυ μείζον ἔρχεται.*
 293. Cf. Tr. 853. *κέχνται νόσος.*
 300. *φέρει — μάθης*] Cf. O. R. 536. *φέρει — καλέσω.*
 324. Cf. O. C. 778. *πλήρη δ' ἔχοντι θυμὸν —.*
 371. Cf. 544. *ποῦ κυρῶν εἴης.* 741.
 440. *γλώσση δεινοῦ*] Cf. O. C. 806. *γλώσση σὺν δεινός. τί νῦν κυρεῖ*] Similiter El. 1424. *πῶς κυρεῖτε;*
 544. *ποῦ κυρῶν εἴης*] Cf. 371. *πλησίον γὰρ ἦν κυρῶν.* 741.
 549. Cf. Aj. 1141. *σὺ δ' ἀντακούσει τοῦτον ὡς —.*
 690. *πανδάκρυτον — βιοτάν*] Cf. Tro. 50. *πανδάκρυτ' ὄδύρματα.*
 695. Epitheta *βαρυβρῶτα et αἱματηρὸν a morbo ad gemitum translata sunt.* *παρ' ᾧ — ἀποκλαύσειεν*] Cf. 190.
 699. Cf. Eur. Hipp. 1377. *διὰ τ' εὐνῆσαι (εὐνήσαι al.) τὸν ἔμὸν βίον.*
 725. *Μηλιάδων νυμφᾶν*] Cf. O. R. 1107. *νυμφᾶν Ἑλικωνίδων.*
 741. Cf. 371. 544.
 811. Cf. O. C. 650. *οὔτοι σ' ὑφ' ὄρκου γ' ὡς κακὸν πιστώσομαι.*
 875. *ἐν εὐχερεῖ ἔθου*] Cf. 473. *ἐν παρέργῳ θεοῦ με.*
 876. *δυσσομίας — γέμων*] Cf. Oed. R. 4. *πόλις — γέμει — παιάνων.*
 911. *πλοῦν στελεῖν*] Cf. Aj. 1045. *τόνδε πλοῦν ἐστείλαμεν.*

917. πρὶν μάθης] Omissio ἄν, ut alibi non raro, Ant. 619.
 Tr. 608. 946. Aj. 742. 965. etc.
 1028. ἐμὲ [ἄτιμον βαλεῖν] Cf. O. R. 657. ἄτιμον βαλεῖν.
 1035. Cf. ad Tr. 809. Fr. 678.
 1044. Cf. Ant. 488. οὐκ ἀλύξετον μόρον. El. 627. Aj. 656.
 1050. κάλλιστ' ἀνὴρ εἰς — τραφεῖς] Cf. Ant. 671. δίκαιον κἀ-
 γαθὸν παρασιτάτην. Eur. Hipp. 327. γνώμην δικαίαν κἀγαθήν.
 1074. ἀκούσομαι — ὡς ἔφην οἴκτον πλέως] Cf. O. C. 988.
 ἀκούσομαι κακός. Theocr. 16, 30. ὄφρα — ἐσθλὸς ἀκούσης.
 1078. φρόνησιν — λῶω] Cf. Tr. 736. λῶους φρένας — ἀμεί-
 ψασθαι. Ant. 1089.
 1094. ἴσχω] Qu. ἀρκῶ, ut in El. 186.
 1111. ἴσχω] Sc. φορβάν.
 1145. κοινὰν ἤνυσεν ἐς φίλους ἀρωγὰν] Cf. 720. εὐδαίμων
 ἀνύσει καὶ μέγας ἐκ κείνων. Ant. 1178. τοῦπος ὡς ἄρ' ὀρθὸν ἤνυ-
 σας. Aj. 951. ὑπερβριθὲς ἀχθος ἤνυσαν.
 1270. μεταγνῶναι πάλιν] Cf. El. 1046. βουλεύσει πάλιν.
 1362. παιδεύει κακούς] Cf. O. C. 919. οὐκ ἐπαίδευσαν κακόν.
 1364. σου καθύβρισαν] Cf. O. C. 960. τοῦ καθυβρίζειν δοκεῖς;

Trachiniae.

27. λέχος — κριτόν] Cf. 245. κτήμα — κριτόν.
 54. Cf. 760. O. R. 1051. μὲν — ἀτὰρ —.
 88. Cf. Aesch. Pr. 1056. τί γὰρ ἐλλείπει | μὴ οὐ παραπαίειν; 918.
 99. λαμπρᾶ στεροπᾶ] Cf. Aj. 257. λαμπρᾶς στεροπᾶς.
 103. πονουμένα — φρενί] Cf. 985. πεπονημένος — ὀδύνας.
 120. ἀναπλάκητον] Non deficientem. Anglice not fail-
 ing. Schol. ἀναμάρτητον. Cf. O. R. 472. Κῆρες ἀναπλάκητοι.
 245. κτήμα — κριτόν] Cf. 27. λέχος — κριτόν.
 283. τάσδε δ' ἄσπερ εἰσορᾶς —] Cf. O. R. 1120. τοῦτον ὄνπερ
 εἰσορᾶς —.
 284. ἐξ ὀλβίων —] Cf. Ph. 721. μέγας ἐκ κείνων. Eur. Hec. 55.
 ἦτις ἐκ τυραννικῶν δόμων | δούλειον ἤμαρ εἶδες.
 308. ἄνανδρος] I. e. virum nondum experta. Cf. O. R. 1506.
 354. ὑπίπτουρον Οἰχάλιαν] Cf. 858. αἰπεινᾶς — Οἰχάλιας.
 395. σὺν χρόνῳ βραδεῖ mss. Lege σὺν χρόνῳ βραχεῖ.
 396. πρὶν ἡμᾶς κἀννεώσασθαι λόγους] Cf. Ant. 280. παῦσαι
 πρὶν δογῆς κἀμὲ μεστώσαι λέγων. Arist. Pl. 259. σὺ δ' ἀξιοῖς
 ἴσως με θεῖν πρὶν ταῦτα καὶ φράσαι μοι κτλ.
 434. ἀποστήτω] Cf. Eur. Hec. 1054. ἀλλ' ἐκποδὼν ἄπειμι
 κἀποστήσομαι. El. 776. Cf. 912. Ph. 865.
 451. αὐτὸς αὐτὸν —] Cf. O. C. 853. αὐτὸς αὐτὸν — καλὰ | δορᾶς.
 545. Cf. 1231. τὸ δ' ὦδ' ὀρᾶν φρονοῦντα τίς ποτ' ἂν φέροι;

572. Cur τῶν ἐμῶν σφαγῶν pro τῆς ἐμῆς σφαγῆς posuerit poeta non video. Cf. Aj. 919. ἀπ' οἰκείας σφαγῆς.

615. σφραγίδος ἔρκει] Cf. Eur. Hipp. 864. περιβολὰς σφραγισμάτων.

658. ἀμείψας] Cf. Ph. 1262. Eur. El. 755. ἄμειψον δώματ' — τάδε.

712. ψευδοθήσομαι γνώμης] Cf. Ant. 389. ψεύδει — τὴν γνώμην.

714. τὸν — βαλόντ' ἄτρακτον] Cf. Ph. 289. ὁ μοι βάλοι — ἄτρακτος.

736. λῶνος φρένας] Cf. Ph. 1078. φρόνησιν — λῶω. Ant. 1089.

779. ἄρθρον] Sc. τοῦ ποδός. Cf. Ph. 1201. ποδός ἄρθρον.

783. ἀνηψήμησεν] Cf. Eur. Or. 1335. ἀνευφημεῖ δόμος.

835. ἀέλιον] Correpta prima syllaba, qua mensura interdum uti tragicos monuit Dind. Qu. πῶς ἂν ὄδε φάος ἂν ἔτερον ἢ τὸ νῦν ἴδοι — ;

837. ὕδρας — φάσματι] Cf. 508. φάσμα ταύρου. Sed corrigendum suspicor ὕδρας — χρίσματι.

856. κελαινὰ λόγχα] Cf. Aj. 231. κελαινοῖς ξίφεσιν. Eur. Bacch.

628. ξίφος κελαινόν. Aesch. Sept. 43. μελάνδετον (μελάγχχιμον?) ξίφος.

865. τί φημί;] Cf. O. R. 1471. Eur. Herc. 518. τί φημί; 514. τί φῶ;

875. ἐξ ἀκινήτου ποδός] Cf. El. 455. ἐξ ὑπερτέρας χερός.

889. παραστάτις] Cf. O. C. 559.

919. Cf. 852. ἔρρωγεν παγὰ δακρύων.

933. ἐφάψειεν] Suspectum.

940. αἰτία βάλοι] Cf. O. R. 657.

983. ἐπιμέμονε φρήν] Cf. Ph. 515. ἐπιμέμονεν. Eur. Iph. T. 636. ἀμφίλογα δίδυμα μέμονε φρήν, σὲ πάρος ἢ σ' ἀναστενάξω γούσις.

988. Θήβης ἀνακτες] Cf. Ant. 940. Θήβης οἱ κοιρανίδαί.

1011. ἀνέρες] Cf. O. R. 869. Ph. 709.

1018. ἀνήκει] Cf. Thuc. III. 45. ἐς τὸν θάνατον αἱ πολλαὶ (ζημίαι) ἀνήκουσιν.

1085. ὄναξ Ἄϊδη] Cf. O. C. 1559. ἐννυχίων ἀναξ Αἰδωνεῦ.

1092. Νεμέας ἔνοικον] I. e. incolam. Cf. O. R. 1524. Θήβης ἔνοικοι. Eur. Andr. 446. Σπάρτης ἔνοικοι.

1117. δός μοι σεαντόν] Eadem verba sunt. Phil. 84. Arist. Eq. 740. Thuc. 2, 68.

1125. ὡς κλύειν ἐμέ] Cf. O. R. 1045. ὡς ἰδεῖν ἐμέ.

1147. σπέρμα σῶν δρμαιμόνων] Cf. O. C. 328. ὦ σπέρμ' δρμαιμον.

1171. μόχθων — λύσιν] Cf. Ant. 598. Eur. Andr. 901. πημάτων δοίης λύσιν.

1179. λόγον στάσιν] Cf. O. R. 634. στάσιν γλώσσης.

1203. τί εἶπας] Cf. Ph. 917.

1211. *εἰ φοβεῖ πρὸς τοῦτο*] Cf. O. C. 1119. *μὴ θαύμαζε τὸ
λεπάρεις.* O. R. 980. *εἰς τὰ μητρὸς μὴ φοβοῦ νυμφεύματα.* Herod.
III. 30.

1265. Cf. Ant. 151. *τῶν νῦν θέσθε λημοσύναν.* Herod. I. 127.
λήθην ποιούμενος τὰ μιν ἐόργει.

C O R R I G E N D A.

Ajax.

99. Pro “*καθθανειν*” corr. “*καθθανεῖν*”.
126. Scrib. “*τί δ’ ἄλλο;*”
143. Pro “*ἐπὶ λύγῃ*” corr. “*ἐπὶ λύμῃ*”.
154. Pro “*ᾧτ’*” corr. “*ᾧστ’*”.
285. Pro “*(leg. ἐφεσπέρων)*” corr. “*(leg. ἐφεσπέρον)*”.
338. Pro “*Plut. Agis*” corr. “*Plut. Ages.*”

Antigone.

112. Transpone “*Hesiod. Scut. 405.*” post “*12, 207.*”.
289. Dele “*Soph. Ant. 289. ταῦτα — ἐμοί.*”
345. Pro “*Theocr. 114.*” corr. “*Theocr. 25, 114.*”
411. Transpone “*Cf. Eur. Ph. 1009. — ἄκρων.*” post “*προ-
βάλλον etc.*”
463 sq. Post “*(κέρδος, ᾧ φίλοι)*” ponatur virgula.
474. Pro “*βάπτει (?)*” corr. “*βάπτει.*”
857. Dele “*(μνήσει?)*”.
1034. Pro “*τῆς εὐδοξίας*” corr. “*τῆς τ’ εὐδοξίας*”.
1268. Pro “*εἰ δὲ θανεῖν θέμις*” corr. “*εἰ δὲ θανεῖν με δεῖ*”.
1345. Pro “*Eurydicis*” corr. “*Eurydicæ.*”

Electra.

43. Pro “*Philem. IV. 100.*” corr. “*Phil. IV. 26.*”
602. Pro “*διατριβήν*” corr. “*τριβήν*”.
612. Pro “*ἐπὶ τούτων libri et vulg.)*” corr. “*ἐπὶ τοῦτον.*”
637. Dele “*Trag. adesp. Aesch. Fr. 386.*”
861. Corrige “*τετραβάμοσιν ἐν χαλαῖσιν.*”

Oedipus Coloneus.

277. Pro “*μηδεμῖα*” corr. “*μηδεμῖ.*”
439. Pro “*Nicoel. § 35.*” corr. “*Nicoel. alicubi.*”

588. Dele "Phil. 1384. — *τάδε*,"
 689. Pro "Timoth. Fr. 5." corr. "Timoth. Fr. 2, 2. *ὠκυτόκοιου Σελάνας*."
 716. Pro "Hom. alicubi," corr. "Hom. II. 3, 415."
 954. Pro "Plat. Syll. 7." corr. "Plut. Syll. 7."
 963. Pro "*φόνους σοι*" corr. "*φόνους μοι*."
 1054. Pro "Hom. H. V. 424." corr. "Hom. H. Cer. 424."
 1145. Pro "*δηλῶ δ*" corr. "*δηλῶ δ*." (sic).
 1745. Pro "sensu Nempē" corr. "Nempē sensu."

Oedipus Rex.

217. Pro "Choerem." corr. "Chaerem."
 227. Pro "*τοὺς φόβους ἔξαιρῶ*" corr. "*τους πολλοὺς φόβους ἔξαιρῶ*."
 371. Pro "utrisque" corr. "utroque."
 377. Pro "*ἔμηλε*" corr. "*ἔμολε*."
 452. Pro "*ξένος ὦν*" corr. "*ξένος σ' ὦν*."
 528. Corrige "*ἐξ δμμάτων ὀρθῶν —*" (sic). Pro "Phil. 88." corr. "Phil. 91. *ἐξ ἐνὸς ποδός*."
 539. Pro "*ἀλεξαίμην*" corr. "*ἀλεξοίμην*."
 646. Pro *ὦ πρὸς τῶν θεῶν* corr. "*ὦ πρὸς θεῶν πίστευσον*."
 897. Dele "*(ἦ μὴν)*."
 1019. Dele "*(μηδέν)*."
 1242. Pro "Xen. Cyr. VIII. 20." corr. "Xen. Cyr. VIII."
 1505. Pro "*(δύ' οὔσα?)*" corr. "*(δύ' οὔσα aut δύ' ὄντε?)*."
 1529. Pro "*ἀπήμον*" corr. "*ἀπήμων*."

Philoctetes.

716. Corrige "*σπατὸν εἰς ὕδαρ*] Ad stagnantem aquam."

Trachiniae.

263. Corrige "Sept. 285. *ταχυρρόθους λόγους*."
 358. Dele "*(λόγους?)*."
 759. Corrige "Cf. Aj. 795. *ἔξεφίεται* Eur. Iph. T. 1435."
 1074. Pro "El. 145." corr. "Eur. El. 145."

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn

www.libtool.com.cn



3 2044 010 111 458

www.libtool.com.cn

THE BORROWER WILL BE CHARGED AN OVERDUE FEE IF THIS BOOK IS NOT RETURNED TO THE LIBRARY ON OR BEFORE THE LAST DATE STAMPED BELOW. NON-RECEIPT OF OVERDUE NOTICES DOES NOT EXEMPT THE BORROWER FROM OVERDUE FEES.

WIDENER
BOOK DUE
CANCELLED
JAN - 5 1989
2850171

WIDENER
BOOK DUE
~~SEP 1989~~

www.libtool.com.cn

Digitized by Google